GOV-GA22 JULY-DEE 1897

Librarian

Uttarpara Joykushus Public Library

Govt. of West Bengal





# গবর্ণমেণ্ট গোজেট

TUESDAY, JULY 6,1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ও **জুলাই**।

CONTENTS	
Расв	নিৰ্বট।
PART I Resolutions, Orders and Notifica.	भृष् <u>ठे</u> ।
tions of the Government of India Nil	প্রথম খন্ত।—ভাবতব্যীয় গ্রব্মেটের নির্ভাবণ
PART II Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ এ বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	ষ্ঠীয় খণ্ড।—ব <b>ল্পদেশে</b> ব গ্ৰণমেণ্টেব নিৰ্দ্ধাৰণ,
of Bongal	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ২১৭৮-২১১
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক খণ্ড। —বঙ্গদেশের গ্রেপ্নিটের আদেশ । নাই
nor of Bengal Nel.	
PART III Acts of the Legislative Council of	व्याहेन नाहे
India	চতুৰ্থ খন্ত।ভাবতৰ্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাব আইনেৰ
PART IV Bills of the Legislative Council of	শাভূলিপি ১০ - ১১
India 13-14	প্রম্যক।—বঙ্গাধ ব্যবস্থাক সভাব প্রণীত আইন । নাই
PART V Acts of the Bengal Council Nil.	ষ্ঠ থ্ৰু।—বঙ্গীয় বাংশ্ছপক সভাব আহমেৰ
PART VI -Bills of the Bengal Council Nil.	পাণ্ডালপি নাই
l'ART VII -Circular Orders by the High	সপ্তম থণ্ড ৷— তাই কোটেব ও বেবিনিউ ৰোটেব
Court and Board of Revenue Nil.	নাধাৰণ জ্ঞাপনপত্ৰ নাই
PART VIII.—Advertisements 377-385	অষ্টম বণ্ড।—ইশ্তিহাব প্রভৃতি ৩৭৭ ১৮১
SUPPLEMENT Nit.	পরিশিপ্ত সব্বমেতেট্র সেজেট না
	<b>t</b>

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Licutenant-Governor of Bengal.

### দ্বিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

Number.	Names of candidates in order of merit.	Titles conferred.	Government. rewards to g pupils.	Private rewards to pupils.	Numes of teachers.	Place of instruction.	Govern- ment rewards to teachers.	Private rewards to tenchers.	Remarks.
1	2	* 3	4	5	6	7	8	y	10
. 1	Second Division.  Upendianath Goswami.	Tarkatirtha	Rs. 20 (Special.)	A, i.e., NA  Hara Kumar Tagore gold "Keyur" Dar-	NDU PHILOSOPHY.  VYA NYAYA.    Siva Chandra Sar- vobhouma.	Sanskrit Tol, Mu-	Rs.	Raj Krishna Rai «tipend	
	Second Division.			bhanga scholarship of Rs. 13 a month; Burdwan scholar- ship of Rs. 40.	A PHILOSOPHY.			of Rs. 50; Hara K u mar Tagore prize of Rs. 45.	}
1	Girisa Chandra Bhat- tacharyya.	Vedantatir- thu.	20 (Special.)	Dewan Krishna	Chandra Kanta Tar- kalankar.	Calcutta		Burdwan prize of ks. 45.	
2	Radharaman C h a t- toraj.	Ditto .		Parvati Debi prize of Rs. 50.	Harinath Vedanta- vagis.	Raja'a Tol, Burdwan.		. <b></b>	,
1	Second Division.  Barada Charan Kavystirtha,	Sankhyatir- tha,			A PHILOSOPHY.  Parvati Charan Tar- katirtha.	Calcuttu	<b></b>		
				VEI	DAS.				
1	Second Division.  Jogesh Chandra Sanyal.	Vedatirtha.	•••	A, i.e., P Raja Harinath Rai Bahadur scholarship of Rs. 5 a mouth.		Nil			•

Darjeeling, 7
The 12th June 1897.

C. A. MARTIN,
Director of Public Instruction.

# বৃষ্ণদুশ্ব শিক্ষাবিভাগ।

১৮৭৮ সালের ৩০শে জাহ্যারি তারিখের গ্রণ্মেন্টের নির্নিরণাহ্যসারে ১৮৯৭ সালের কেক্রয়ারি মাসে সংক্ষ্রউপাধির যে পরীক্ষা হয় সেই পরীক্ষাতে উত্তাৰ ছাত্রদের নামের ও তত্তির তাঁহাদিণকে যে২ উপাধি ও পুরক্ষার দেওয়া মেস তাহার নির্কণতা

12 16.	कः क्षेत्रहेष हो वटनव जान	्ब डेभाधि (कश्वतः (भेसा	ছাত্ৰদিগকে গ্ৰণ মেণ্টেৰ দন্ত পুৰক্কান	ছারদিংকে ২াজি বিশাধের দত্পুবস্থাব।	অধ্যাপক্দিট্যাব নাম।	সধ্যশিলের স্থান।	काशाणक. मिगटक गवर्ग. (यदफेव मृत्क	कारनाश्करभारक दक्तिःराजीयव	मक्ष
^		9	55	49	a		ط	A	,
	विधिम (खनी।			कादा दो उ	কাব্য বা সংস্কৃত সাহিত্য।		<u>जिं</u>	<b>&gt;</b>	
^	জিৰিবচন্দ্ৰ ভট্টাচাৰ্য্য	8 (4)	•	রাজা ক্ষণনাথ বায়বাছা- গুরের দক্ত ছাত্ররতি মাসে	্জীক্ষড <b>ন্দ্র</b> শিরোযণি ।	নবদ্বীপের চৈডন্য চতুম্পাঠী	:	রাজক্ষার রামের র জি	
	•			8,ठोका याष्टिंच मारश्त्रद् शुद्रकः १ ८, ठोका, छार्ग-				होका, वज्ञ मात्मत्र शूत	
				(माहन ग्रुत्थानीयातम्ब स्ट अवस्य कः हेकि।				कारत 84)	
•	জীষারকানাথ ভটাচার্য্য	∕ब्र	, & ¢		শ্রীঞ্চনাথ কাব্যতীর্থ	ক্ষিকাভা	٥٠٠٢		
و ر	श्रीदार्थन हच्य खुरान्त्र	<b>∕€</b> 9	*	:	শ্রীযুর্নাথ বিদ্যার জু	श्रवश्रमी	ر،،،۷	:	
00	জীমহেহন্তনাপ ভট্টাচার্য	<b>~</b>	, 8		जिश्रायत्कण मात्री	अपिशास्त्र	<b>(</b> ° )	:	•
₩.	শ্ৰীউপেন্দ্ৰ নাথ ভটাচাৰ্য	<b>(6</b> j	÷		শ্রীক্ষণ্ডচন্দ্র শিরোধণি	रिडमा हड्याहि	:	:	
42	जारमधी म बाथ जिंदाम्य	<b>*</b>	<b>\$</b>	:	্রীপার্বভীচরণ ভর্কতীর্থ	ক্ৰিকাভা	:	:	
) o	শ্রীবিধুনেখন ভট্টাচার্য্য	 । <b>े</b> ज		: :	শিক্ষারত্ত ন্যায়রত্ত	कानियोय	: :	:	
٠. هـ	ঞীভারকচন্দ্র ব্যাকরণভীপ	<b>^5</b> j.	( [47.44 )	:	সংস্ত কালেজের অধ্যাপক	ক্ৰিক্তি	:	;	
•	शिक्तीस्त्रीक्टिक्स स्थाय	 ģi	( IACMA.)	:	শ্রীসারদা চরণ কাব্যভার্থ	<b>*</b> 9	•	:	

•

10 kg	<b>ত</b> াসুসাবে ছ!অদের নাম।	त्य छेनारिय त्म क्या त्राजा	होबिमिगटक गवर्- ट्यटकेट मन्छ शूतकाता	ছাত্র/দগতে ব্যক্তি থিপেবেৰ দত্ত পূৰ্বজার।	ক্রধাণকদিগেব নাম।	অধ্যশিলের ফুলি।	ু ভাগ্যাপক দিয়কে গৃংগ মেক্টের দ্ভ	ভাধ্যাপকদিগকে ঘাজি বিশেষের দন্ত পূরকাব।	म खरी
^	N	9	w	ter	,	-	Jb.	А	,
	किडीस त्यंती।—(हनित्र्रह्)।		हिका				<b>STA</b> -		
2	अन्तिष्क्यात ज्योगित्र	काराजीय	:	:	শীযত্নাথ বিদ্যারত্ত্ব	शृक्षञ्जी	:	:	
80	শীরামগতি মুখোপাখার	<b>~</b> 5g	:	:	শ্ৰীরামশরণ বিদ্যাবাগীশ	क्रिविजित्त्रोल,	:	:	
	•		•			२. च्छमञूत	. w	-	
*	শীরজনীকান্ত ভট্টাচার্য্য	<b>-</b> 9j	:	:	শ্ৰীশ্ৰচন্দ্ৰ কাব্যতীৰ্থ সাংখ্যৱত্ত	इंडिमाठी, रंगनी	<b>(</b> • <b>)</b>	:	
Ð	ज्ञीहच्यक्षात ज्ञोर्गिष्	<b>^5</b> j	:	:	শ্রীক্তরুনাথ কাব্যভার্থ	क्लिकांडा		:	
٠ *	खिलायनाय च्यारिया	<b>1 9 1</b>	:	:	क्रीम्याक्षात उर्कज्यन	मुनोटक।टिङ्ब	:	:	
						मः क् ७ कार्नाक		-	
ž	জীতুণাপ্রসন্ধ ভট্টাচার্য	^জু	:	:	শ্রীতারানাথ তর্কবাচম্পতি	कृष्णिद्वादा	:	:	
A	ख्येतारकाष्ट्र माथ ज्योगिया	<b>*</b> 97	:	:	अश्करवाङ्म कावाङीर्	भाशका नाम-	:	:	
	•		-			ম্পূর			
ŝ	जिएम्बनाथ गुर्याणीयात्र	<b>19</b> 7 	:		শ্ৰীশাণ্ডতোষ মূ তিরত্ত	লে কিপুর	:	:	
\$	न्धावकृषम्माल मधा	'ষ্ঠ	:	:	जिल्हामज् मिल्र	<b>টিকারীর সঞ্জীবন</b>	:	:	
			<b>-</b>		,	<b>विष</b> ्रानम्			
<b>%</b>	では、一下でしているというです。	<b>ታ</b> ′	:		खायर स्थात स्व एक हुन्यां	রাজারামপুর	:	:	
9	2	<b>9</b>	:	::	শ্রীপ্রমাথ কবিরম্	त्ख्ति किसा	:	:	•
<b>8</b>	শুজোনে শুনাৰ ব্যক্ষাণা-	<b>9</b>	:	:	শ্ৰীহ্যবিকেশ শাৰী	ভাটপাড়া	:	:	
	Between Bibiniana	<b>∕</b> \6			4				1
ð Ý		<b>7 9</b> 7 			मित्रशंक्यांत क्रस्ट्रम	9	:	:	
	•					Michigan Act	<u>:</u>	:	
9	শীষ্টনাথ গোবামুন	<b>9</b>	:	::	खीदायभद्रण दिम्हादाशीम	वश्वमश्रीतत क-	:	:	
֧֖֝֞֝֝֝֝֝֝ ֖֓	In welcome breed	~g			i i	বিলি টোল			
<b>b</b> 4	Marriage Marriage	y 1	:	:	हा बादिन्छ वाजनमृत	नव्योश	:	:	
		<b>9</b>	:	:::	এচন্দ্রকান্ত তর্কালকার	ক্ৰিকাভা	(*,)	:	

জগ্দুসারে ছবিলেব নাম	्य डेभावि त्रि ६६. त्रास	कृष्विभिगतक गवर्न. स्परकेत्र मृत्	ছাত্রদিগকে থাজি বিশেষেৰ দত্ত পুরস্কার।	ন্তাধ্যাশকদিগের নাম।	অধ্যাপনের হুনি।	অধ্যাপক- দিগকে গবৰ মেক্টেৰ দক্ত পুরক্কাৰ।	क्रमाणकिमाटक. याच्छि विस्मायव मन्छ शृबक्षाता	म्ख्रद्रा
	9	80	ła	s	-	7	Λ	*
विडोग्न (ट्रांबी – (त्वाय श्रें ज)।		- Jeb ja				- IE		
1 <del>2</del> -7	10	: :	: :	শীচন্দ্ৰমার তৰ্কত্যন শীগোপালচন্দ্ৰ কাব্যতীৰ্থ	बर्ङ्मवर्भूत शत्का	: :	: :	ŧ
শ্রপ্রভাতচন্দ্র বিদ্যাবিনোদ ভট্টাচার্য	<b>b</b> y 	:	:	(কিছ কুছ কুছ	(a)	:	•	•
		-	3 A . A	ব্যাকারণ।				
विडीय ( <b>ज</b> ी)			<b>(6)</b>	(क। शाबिम ।				
खोदायस्पन हर्जुस्ति ।	ব্যাকরণভার্থ	:	:	শীপ্রভাকর ব্যাকরণাচার্য্য	म्र्यावाश जारा- थाव त्विक		:	
শীভিবেণীপ্রদাদ মুকুস	<i>*</i>	:	: :	জীচন্দ্রচরণ শর্মা	विमान्य अस्याथात्र दाक-	:	:	
खेडायदांब घृत्र्मी	<b>1</b>	:	:	শীপ্রভাকর ন্যাকরণাচার্য্য	मूर्यादशद (विक्			
শ্রিস:ভারাম চতুর্বেদী	<b>^9</b>	:	. :	, ∕ <del>©</del> j	₹ <b>1 1 1 1 1 1 1 1 1 1</b>	:	:	
किलोय त्यानी।			(च) व	(ष) कनान ।		_		
শ্রীতারাকান্ত ভট্টাচার্য্য নিজীয় শেলী।	Ŋ	:	ৰারভাঞ্ার পুরকার ১১ <sub>)</sub> টাকা	পুরস্কার ১১) শীজগজন্দ শিরোরয়	(नाग्नाथा	:	:	
শ্ৰীযগুনাথ ভট্টাচাৰ্য			:	শীযাদবেশ্বর তর্করত্ব	तक पूज ···			
किछोत्र त्योगी।			k (9)	(७) ग्रुफेटवांव।				
ब्रेमनिड्याइन গোष्यायी	ব্যাকরণতীর্থ	:	:	শ্র তর্করত্ত	तक श्रुव	:	:	

	ভণাস্লাকে ছাত্তদের লাম।	त्य कैपाधि (म 8त्रा तास।	हांबामगरक गवन- (यरकेव म छ भूवक्कांव।	क्षांब्रक्षिमटक वार्ष्क विटम्पष्टत मन्छ शूरकाव	ভাধ্যাপক দিগুগুৰ নাম।	অধ্যাপন্নৰ ক্ষ'ল	ख्यारोक गरन- व्यक्ति मञ्ज	অধ্যাপ কদিগকে ব্যক্তি বি:শ্বেৰ দত্ত পুৰক্ষার।	म्ख्या
	~	,	<b>5</b> 5	ь	,	6	d.	A	*
	এখম জেনী	,	- - - - - - - - - - - - -	**	शुद्धाः		- <del>     </del>		
	শুকৈলাস চন্দ্ৰ ভট্টাচাৰ্য	श्रुवान्डीर्थ	٥.,٥	:	और्तिकस् उर्द्वाभीक	त्र मृश्यत्र व्यक्त- र्गाज वरेत्रश्	:		
	·			मा् जि ज्यक्षा	म् जिष्मी विक्र वावश्व।				
	अथम तमनी।		- Vina december	(全)	(ক) নব্য শুভি।				
- /	शिरवम्जाथ त्राखायो	्म रू	· • •	শুসম্মুদ্ধার ঠাকুরের ছাত্র- রত্তি মাসে ৭) টাকা, রাজা সোকনাথ রায় বংছাদুরের ছাত্তরভি মংসে৬, টাকা	শ্ৰীহরিনাথ বেদাজবাগীশ	বশ্বমানের রাজার টোঙ্গ	•	ক্ষেত্ৰমণি দে- ব্যার প্র- ক্ষার ৫°় টাকা।	
-	শ্ৰিত ধুনো। শ্ৰীহুৱে <b>ন্দ্ৰনাথ ক</b> াব্যতীপ ···	শু ভি ভূ থ	^ <b>*</b>	भार्वछो तन्त्रोत शुद्रकात	শীষতুনাথ বিদ্যারত্র	श्रुल्लक इन्	:		¥
	শ্ৰীযনিভূষণ মুখোণাবায়ে ···	<b>-9</b> y	48	৫৩, ঢাকা বৰ্ষমানের প্রকার ৪৭,	শ্রীগুরুচরণ বিদ্যাভ্রমণ	यानि	:	:	
	শীমৃত্যঞ্জ ত্যু চার্য্য	Ġ		: :	जीत्मदीश्रमम या चित्र्यन	.रमशुक्द	:		
-	শ্রীতৃপতিনাথ ভট্টাচার্য্য ···	<b>(5</b> )			শ্রীক্ষণনাথ নায়পঞ্চানন	श्रुर्वेष्ठ जी	:	•	
	এমেগেব্যনাথ চকবন্তী	ব্য	:	:	শ্রীত্বর্গার করা ডিড) থ	ক্ৰিকাডা			

• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	n	<b>গুণুসাবে ছ:এদে</b> ব নাম। দেওয	त्यात्मे मध्य त्यात्मेन मध्य	- क्रांजीमारः व्यक्ति विरम्पत्यत् मन्त्र शुबक्धाः	अधारणक मित्रांत सभा	অধাণিনের স্থান	स्थानिक मिर्हे गवर्गस्थित मञ्जूरक्षा	स्त्रशानिकष्तिगदक वाष्ट्रिक विदम्भदवत मन्द्र श्वक्राव	मुख्युत्ती
জ্জুত্বপুৰ্ব ২০, টাকা ছ্ৰানুন্ন শালা।  (বিশেষ) ক্ৰয়াৰ ঠহুৱের অৰ্থ শ্রীৰ্বচন্দ্ৰ সাক্তেমি সুক্রের মং- সের ব্যক্ষান ঠহুৱের অৰ্থ শ্রীৰ্বচন্দ্ৰ সাক্তেমি স্কৃত টোল।  বিশেষ বিশাল হারের ভিন্ন নিক্রের পুর করে হারের পুর করে হার বিশাল বিদ্যান বালান বিশাল বালান বালা	The same of the sa	9	an .	ĕ	Ð	σ	d.		*
া ভক্তীপ ২০, টাকা হরনুমার ঠানুরের পথ শ্রামা।  বিশেষ বিশেষ বিশেষ বিশ্বরের পথ শ্রামান বিদ্যামান বিশ্বরার পর শ্রামান বিশ্বরার বিশ্বরার পর শ্রামান বিশ্বরার বিশ্বরার বিশ্বরার বাহার বাহার বিশ্বরার বাহার বাহার বাহার বিশ্বরার বাহার	ं विजीय त्वानी।		- (4)	100	र्ग माञ्जा	‡ 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	(4) (4)		
হর্মানের ছার্রাভি  ৪০, টাকা। (বিশেষ টাকা দেওয়াম ক্লফকান্ত নাম্মীর ভিচম্রকার তর্কান্তরার ক্লিকাতা (বিশেষ চ্ছাত্ররিমানে স্টাকা ভ্রান্তরার নামীর ভিচম্রকার তর্কান্তরার ক্লিকাতা ভ্রান্তরার মানের স্করের পুর- ক্লিকার  ০০ টাকা।  মাংখ্য ভাব  তর্ক পুরক্ষরে ৫০, টাকা।  মাংখ্য ভাব  তর্ক পুরক্ষরে ৫০, টাকা।  বর্দ লাধার। ভ্রান্তরার রুবাধার। ভ্রান্তরার রুবাধার। ভ্রান্তরার রুবাধার রায় বাহা  বর্দ লাধার। ভ্রাত্র মাসে  বর্দ লাধার। ভ্রাত্র মাসে  বর্দ লাধার। ভ্রাত্র মাসে  বর্দ লাধার। ভ্রাত্র মাসে  বর্দ লাধার মাস্ম বাহা  বর্দ লাধার মাস্ম লাম্ম লাম্ম নাস্ম লাম্ম লাম লাম্ম লাম লাম্ম লা	শীউপেন্দ্ৰনাখ গোকামী	ः ।	২°, টাকা (বিশেষ)	(ক) ন ঠ:ক্রের স্বৰ্ণ লারভাঙ্গার ছাত্র-	শ্ব্য নায়। শ্রীশিব্চন্দ্র সাক্তোম	মূলাঘোচের সং- স্ক্তটোল।		ताबक्क अवा- त्यत व्यक्ति	
্বিলান (বিলাৰ হিন্দ্ৰ কিন্তান ক্লাক্ষ্য লাভ্যক হিন্দ্ৰ কৰিল্ভাব কৰিকতা ব্ৰহ্মানেৰ হ্ৰাক্লাৰ কৰি লাভ্যক হিন্দ্ৰ কৰিল্ভাব কৰিকতা ব্ৰহ্মানেৰ ক্লাক্লাৰ হ্ৰাক্লাৰ বাজ্য ব্ৰহ্মান কৰি লাভ্যক হিন্দ্ৰ কৰিল্ভাব কৰি লাভ্যক হিন্দ্ৰ কৰি লাভ্যক হিন্দ্ৰ কৰি লাভ্যক হিন্দ্ৰ কৰিল্ভাব হাল হিন্দ্ৰ কৰি লাভ্যক হিন্দ্ৰ হিন্দ্ৰ হাল হিন্দ্ৰ হাল হিন্দ্ৰ হাল হিন্দ্ৰ হাল		<del></del> -						श्चर्यात शक्तरात	Į
(গ) বেদান্ত ভীপ্ ২০, টাকা (দেওয়ান ক্লয়কান্ত নম্পীর শ্রীচন্দ্রকান্ত কলিকাতা কন্দিকাতা বর্ষমানের ব্যালার হরকুনার ঠাকুরের পুর- কার ২০, টাকা। সাংখ্য ভাপ্	,							বক্ষার ৪৫, টাকা।	
(বিশেষ) ছাত্রহি মানে ৭, টাকা      (বিশেষ) ছাত্রহি মানে ৭, টাকা      হ্রহুনার ঠাকুরের পুর-      হ্রহুনার ঠাকুরের হুল্লাল রায় বাহা-      ব্রদ্ধর ছাত্রহুতি মানে      ব্রদ্ধর ছাত্রহুতি মানে      হ্রহুনার কানে      হ্রহ্নার কান্তর ক	बिजीय त्यानी।	-	•		দান্ত দশন।			,	
स्रोप्त १८ । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	।পিরীশচন্দ্র ভট্টাচার্য্য				শীচন্দ্র তর্নিহার ·	:		दक्षमात्मद्र थु- काद 8 ¢, हेकि।	
্ব সাংখ্য তাপ জগন্মহন মুখোপাধ্যা- শ্রীপাক্তীচরণ তর্কতাপ কলিকাত। ্যের পুরক্ষের ৫০, টাক । (বদ। (ক) শগেদ। রাজা হরিনাপ রায় বাহা- কেহ নাই · · লাই ৫০,টাক। ।	রাধারমণ চট্টরাজ	<b>&amp;</b>	•	পুরুষ্	শীহরিনাথ বেদাস্বগিশা ···	বন্ধমানের রাজার নিস	:	:	
বেদ। (ক) ঋগোদ। রাজা হরিনাথ রায় বাহা- কেহনাই · · · নাই থংখর ছাত্রিজি মাদে	ৰিভীয় <u>শে</u> ণী। বয়দাচরণ কাব্যভীপ	माध्या जोक	•	(ঘ) সাং হুংখাপাধ্যা- দার ৫০, টাক	थामक्ता। श्रीभासंजीहत्वा उर्वजीय ···	क्लिकांडा	:	:	
েবদটার্থ রাজা হরিনাথ রায় বাহা- কেহ নাই · · · নাই হথের ছাত্তর্জি মাসে ৫, টাকা।	बिडोस जानी।	,		( <b>4</b> )	- L. 25. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12. 12				
	যাগেশ চন্দ্ৰ সান্ধাল '	ः (वम ) व	: ,	রায় বাহা- ্তি মাদে	(কিহ নাই		:	:	



# गवर्गायने जाउन्हे।

TUESDAY, JULY 6, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৬ জুলাই।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.
দিতীয় ক খণ্ড।
বন্ধদেশের গ্রথমেন্টের আদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 3336M.— The 28th June 1897.—Whereas a notification No. 1292M., dated the 9th March 1897, was published at pages 61-62, Part IB. of the Calcutta Gasette of the 10th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to confirm the rules set forth below, which were framed by the Commissioners of the Serampore Municipality, in the district of Hooghly, under section 3, Act XX of 1887, for the protection of wild birds and game within the limits of the above Municipality, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of publication of the aforesaid notification within the Municipality, it is hereby notified that the said rules are confirmed by the Lieutenant-Governor under clause 4, section 3 of the Act, and are published for general information under clause 5, section 6 of the General Clauses Act I of 1887:—

#### RULES.

- I. "Wild bird" for the purpose of these rules shall include jungle-fowl, pea-fowl, pheasants, partridges, quail, suipe, plover, wild duck, teal and ortolans.
- II. The Local Government having by notification No. 1294M., dated 9th March 1897, declared that the provisions of section 3, Act XX of 1887, shall apply to hares and deer, the following rules will apply to those animals also, as well as to wild birds.
- III. The breeding season for the purposes of these rules shall extend from the 15th March to the 15th August
- IV. Whoever during the breeding season has in his possession in Serampore any wild bird, deer or hare recently killed, or exposes for sale any such bird or animal living or dead, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.
- V. Whoever during the breeding season imports into the town the plumage of any kind of wild bird recently killed or taken, or the fur or skin of any hare or deer recently killed or taken, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.
- VI. In the case of a second conviction the fine may extend to Rs. 10 for each bird or animal.

H. H. RISLEY, Secy. to the Gort. of Bengal.

#### বঙ্গদেশের শ্রীয়ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাতেবের আদেশ।

#### ম্নিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৩৩৩৬ এম, নম্বর। —১৮৯৭ সাল ২৮ জুন। —হগলীজিলার অন্তর্গত শ্রীরামপুর মুনিলিপালিটীর সামার মধ্যে ব্ন্যপক্ষা ও সিকারোপযোগি পশুপক্ষ্যাদি রক্ষাকরণার্থ ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারামতে উক্ত মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের প্রণীত নিম্নলিখিত বিধি দৃঢ়ী করণার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্গর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৯ মার্চ্চ তারিখের ১২৯২ এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১০ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ৬১-৬২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গোলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে ওতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া গাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্গর সাহেব উক্ত আইনের ৩ ধারার ৪ দকামতে ঐই বিধি দৃঢ় করাতে সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ১ আইনের ৬ ধারার ৫ দকামতে তাহা সাধারণের অব্গত্যথে প্রকাশ করা গেল।

#### বিধি।

- ১।— এইং বিধির কাণ্যপক্ষে ''বন্য পক্ষী'' শব্দে বন্য কুরুট, ময়ুর, চকোর, তিতির পক্ষী, বটের পক্ষী, কাদার্থোচা টিটির পক্ষী, বন্য পাতিহাঁস, সরাল ও অটোলান্স (ফুদ্র পক্ষা বিশেষ) গণ্য।
- ২।—স্থানীয় গ্রন্থেন্ট ১৮৯৭ সালের মর্চ্চ মাসের ৯ তারিখের ১২৯৪ এম**্নং বিজ্ঞাপানক্রে** ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান খরগোস ও হরিণের প্রতি বর্ত্তিবে এই আদেশ করায় নিম্নলিখিত বিধি যেরূপ বন্য পক্ষির পুতি বড়ে সেইরূপ এই জন্তুর প্রতিও বর্ত্তিবে।
- ৬।—এইং বিধিত কার্যপক্ষে অসব করিবার ঋড় মাচ্চ মাসের ১৫ ভারিখ হইতে আগস্ট মাসের ১৫ ভারিখ পর্যান্ত ব্যাপ্ত ইবে।
- 8।— প্রসব করিবার ঋত্র কালের মধ্যে শ্রীরামপুরে, কোন ব্যক্তির নিকট সম্প্রতি মার। কোন বন্যপক্ষা কিম্বা হরিও বা খরগোস ধার্কিলে কিম্বা কোন ব্যক্তি জীবিত বা মৃত তজ্ঞপ কোন পক্ষী বা জন্তু বিক্রয়ার্থে দেখাইলে প্রত্যেক পক্ষীর বা জন্তর নিমিত্ত ভাহার ৫ পাঁচ টাকার অন্ধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ে।—কোন ব্যক্তি সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন প্রকার বন্য পক্ষির পালক কিন্তা সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন খরগোদের বা হরিনের লোম বা চর্ম প্রসব করিবার ঋতুব কালের মধ্যে শহবে আমদানী করিলে প্রত্যেক পক্ষির বা জন্তুর নিমিত্র তাহার ৫ পাঁচ টাকার মন্ধিক অর্থ দণ্ড ইইতে পারিবে।
- ৬।—দ্বিতীয়বার অপরাধ পুনাণ হইলে পুত্তেক পক্ষির বা জন্তর নিমিত্ত ১০, দশ টাকা পর্যান্ত অর্থান্ড হইতে পারিবে।

এচ্. এচ্, রিসলী. বঙ্গদেশের গ্র<sub>ণ</sub>মেন্টের সেন্নেট্রা।



# गवन्यन् कारक्रि

TUESDAY, JULY 6, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৬ জুলাই।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ज्रहेम थन्।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাছার।

### সাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমির পাট্টা বিলি সমৃদ্ধীয় সংশোধিত রূলের ১৯ রূলের ৩ ধারামুগারে নোটিস।

এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে যাহার নক্সা স্থাদ্ধরবনের প্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিসে দেখিবার নিমিত্ত আছে; এতদ্বত্ত তপাশীলের দিখিত সেই ভূমির পাট্টা গোলোকচন্দ্র দাস প্রভৃতি পাইবার জন্য প্রার্থনা করিয়াছেন। ইতি মধ্যে উক্ত ভূমির উপর (১৮৬০ সালের ২০ আইন-মতে অর্থাৎ পতিত ভূমির উপর দাওয়া নিষ্পত্য করিবার বিধান করণার্থ আইনমতে) দাওয়া বা আপত্য করা প্রযুক্ত বা অন্য কোন কারণে নিলাম রহিত বা স্থগিদ না ছইলে তাহা ১৮৯৭ সালের ১২ জ্বলাই মোতাবেক বাজ্লা ১৩০৪ সালের ২৯ আষাঢ় সোমবার মধ্যাক্ত সময়ে আলিপুর স্থাদ্ধরবনের শ্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিসে বিক্রীত হইবেক।

নিম্নলিখিত নিয়মাধীনে এবং দাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমির পাট্টা বিক্রয়ার্থ ১৮৯৭ লালের ২৯ মার্চ্চ তারিখের বেঙ্গল গবর্ণমেন্টের ১৩৭৭ এল ু, আর, নং নোটিদে প্রকাশিত সংশোধিত রলের বিধি সংযুক্ত সাধারণ নিয়মাধীনে উক্ত ভূমির পাট্টা দেওয়া যাইবেক।—

#### নিয়ম এই :---

উক্ত ভূমির বর্ত্তমান পথ ও জ্বল ও অন্য সকল ভোগস্বত্বের নিয়মাধীনে থাকিবেক।

নৌকাগম্য সকল জলন্ডোত ও খাল ব্যবহার করিবার এবং ঐ সমস্ত জলন্ডোত ও খালে মৎস্য ধরিবার স্বত্ব সাধারণের থাকিবেক; আর ঐ জলন্ডোত ও খালের উভয় পার্শ্বে অন্যূম ২৫ ফিট পরিসর ভূমি গুল টানিবার পথের জন্য রাখিতে হইবেক।

পাট্টা বিলির সময়ে উক্ত ভূমিতে যে সকল ফ্বালানি কি গুঁড়ী কাষ্ট্র বর্তমান থাকে তাহা ঐ ভূমি আবাদ করিবার জন্য কাটা কি পোড়ান হইলে অথবা ঐ ভূমির মধ্যে ব্যবহৃত হইলে তৎপ্রতি কোন কর ধার্য্য হইবেক না ; কিন্তু ঐ জ্বালানি কি গুঁড়ী কাষ্ট্র বিক্রয়ার্থ স্থানান্তর প্রেরিড হইলে তৎপ্রতি গবর্ণমেন্ট কর্ত্বক সময়ে সময়ে যে হার ও নিয়ম প্রচারিড হয় তদসুসারে কর ধার্য্য হইতে পারিবেক।

উক্ত ভূমির মধ্যে, নিম্নে অথবা উপরে স্থিত ধাতু প্রভৃতির খনির উপর গবর্ণমেন্টের স্বত্ব থাকিবেক ডেঙ্কি সেই ধাতু প্রভৃতি তুলিবার পাইবার ও লইয়া যাইবার নিমিন্ত যে পথস্বত্ব রক্ষা করা এবং যুক্তিশ্বদ্ধত অন্য যে স্থবিধা করা আবশ্যক ভাষা করিতে হইবেক; উক্ত ভূমিতে গবর্ণমেন্টের মালিকীস্বত্ব থাকিবেক ও পাট্টাধারীকে কেবল দখলীস্বত্ব দেওয়া যাইবেক সেই স্বত্ব পুরুষাম্বক্রমিক ও হস্তাম্ভর যোগ্য হইবেক। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ৮ এপ্রেল।

#### তপশীল।

মণালেব নাথ।	জেলা সব-ডিবিজান ও খানা :	तकरा।	<b>८</b> हो क भी ।
সাগর আইল্যা- ডের মধ্যগত চর ফুলডুবি।	জেলা ২৪ পর- গণা, সব-ডিবি- জান ডায়মণ্ড- হারবার থানা কুম্পী।	2600/	উত্তর ;— হুগলী নদী হইতে বামনশালি খাল পর্য্যস্ত ১০ ব্যারিংএর একটা সরলরেখা এবং ঐ বামনখালি খালের কিয়দংশ। পূর্ব্ব ;— তেতুলতলার খাল। দক্ষিণ ;— ফুলডুবির খাল। পাশ্চিম ;— হুগলী নদী।
<i>:</i> .			উপরোক্ত দীমানা দক্ল স্ক্রবন ক্মিশনার শ্রীযুত মেঃ, পী, রদ্ সাহেবের ১৮৯৬। ৯৭, সিজ্তনের নক্রা অনুসারে লিখিত ইইল।

#### সাগর আইল্যাতের পৃতিত ভূমি বিলি সগন্ধীয় সংশোধিত রূলের ১৯ রূলের ৩ ধারা অমুসারে নোটিস।

এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে যাহার নক্সা স্থান্দরবনের শ্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিলে দেখিবার নিথিত আছে; এতদত তপশীলের লিখিত সেই ভূমির পাট্টা. শ্রীযুত রাজ্ঞা সার সোরীক্রমোছন ঠাকুর কে, টী, ইত্যাদি পাইবার জন্য প্রার্থনা করিয়াছেন: ইতিমধ্যে উক্ত ভূমির উপর (১৮৬৩ সালের ২৩ আইনমতে অর্থাৎ পতিত ভূমির উপর দাওয়া নিম্পত্য করিবার বিধান করণার্থ আইনমতে) দাওয়া বা আপত্য করা প্রযুক্ত বা খন্য কোন কারণে নিলাম রহিত বা ছগিদ না হইলে তাহা ১৮৯৭ সালের ১২ জ্লাই মোতাবেক বাজ্লা ১৩০৪ সালের ২৯ আষাড় সোমবার মধ্যাক্ষ সময়ে আলীপুর স্থান্ধবনের শ্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিলে বিক্রীত হইবেক।

নিম্নলিখিত নিয়মাধীনে এবং সাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমির পাট্টা বিক্রয়ার্থ ১৮৯৭ সালের ২৯ মার্চ্চ তারিখের বেক্লল গবর্ণমেন্টের ১৩৭৭ এল, আর, নং নোটিসে প্রকাশি ১ ও সংশোধিত রূলের বিধি সংযুক্ত সাধারণ নিয়মাধীনে উক্ত ভূমির পাট্টা দেওয়া ঘাইবেক।

#### নিয়ম এই :---

উক্ত ভূমি বর্ত্তমান পথ ও জল ও অন্য সকল ভোগস্বত্বের নিরমাধীনে থাকিবেক।

নৌকাগম্য সকল জলত্রোত ও খাল ব্যবহার করিবার এবং ঐ সমস্ত জলত্রোত ও খালে মৎস্য ধরিবার স্বত্ব সাধারণের থাকিবেক; আর ঐ জলত্রোত ও খালের উভয় পার্খে অন্যুন ২৫ ফিট পরিসর ভূমি গুল টানিবার পথের জন্য রাখিতে হইবেক।

পাট্টা বিলির সময়ে উক্ত ভূমিতে যে সকল জ্বালানী কি গুঁড়ী কাষ্ট বর্ত্তমান থাকে, তাহা ঐ ভূমি আবাদ করিবার জন্য কাটা কি পোড়ান হইলে অথবা ঐ ভূমির মধ্যে ব্যবহৃত হইলে তৎপ্রতি কোন কর ধার্য্য হইবেক না কিন্তু ঐ জ্বালানি কি গুঁড়া কাষ্ট বিক্রয়ার্থ স্থানাম্বর প্রেরিত হইলে তৎপ্রতি গবন্ধনী কর্ত্তক সময়ে সময়ে যে হার ও নিয়ম প্রচারিত হয় তদমুসারে কর ধার্য্য হইতে পারিবেক।

উক্ত ভূমির মধ্যে, নিম্নে অথবা উপরে স্থিত ধাতু প্রভৃতির খনির উপর গবনমেন্টের স্বত্ত থাকি-বেক; তন্তিয় সেই ধাতু প্রভৃতি ভূলিবার পাইবার ও লইয়া যাইবার নিমিত্ত যে পথস্বত্ব রক্ষা করা এবং যুক্তিসঙ্গত অন্য যে স্থবিধা করা আবশ্যক তাহা করিতে হইবেক ও উক্ত ভূমিতে গবর্ণমেন্টের মালিকীস্বত্ব থাকিবেক ও পাট্টাধারীকে কেবল দখলীস্বত্ব দেওয়া যাইবেক; সেই স্বত্ব পুরুষামূক্রমিক ও হস্তাম্ভর যোগ্য হইবেক ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ৮এপ্রেল।

#### তপশীল।

মভালেব নাম।	জেলা সব-ডিবিশান ও থানা।	तकत्।	চৌহদী।
সাগর আইল্যাণ্ড প্রথম খণ্ড।	জেলা ২৪ পর- গণা, সব- ডিবিজ্ঞান ডায়- মণ্ডহারবার থানা কুম্পী।	9024/	উত্তর ; — সূর্য্যুখী খাল এবং ঐ সূর্য্যুখী খালের কিনারা ছইতে সাগর আইল্যাণ্ডের দ্বিতীর খণ্ডের পশ্চিম সীমানার লাইন পর্য্যন্থ ২৭০ ব্যারিংএর একটা সরলরেখা। পূর্ব্ব ; —প্যাগোডা খালের কিয়দংশ। দক্ষিণ ; —বঙ্গোপসাগর। পশ্চিম ; —বঙ্গোপসাগরের কিনারা ছইতে অত্র খণ্ডের উত্তর পশ্চিম কোণ পর্যান্ত ৩৬০ ব্যারিং- এর একটা সরলরেখা। উপরোক্ত সীমানা সকল স্থম্মরবন ক্মিশনার শ্রীযুঙ মেঃ, পী, রস্ সাহেবের ১৮৯৬।৯৭ সালের নুক্রা অপ্র- সারে লিখিত ছইল।

### শাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমি বিলি সম্বনীয় সংশোধিত রূলের ১৯ রূলের ত ধারা অনুসারে নোটিস

এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে যাহার নক্সা হন্দরবনের শ্রীযুত কমিশনার সাহেবের আফিসে দেখিবার নিমিত্ত আছে; এতদ্বত তপশীলের লিখিত সেই ভূমির পাট্টা ধনেশ প্রকাশ গলেশ-পাধ্যায় পাইবার জন্য প্রার্থনা করিয়াছেন; ইতি মধ্যে উক্ত ভূমির উপর (১৮৬০ সালের ২০ আইন মতে অর্থাৎ পতিত ভূমির উপর দাওয়া নিস্পত্য করিবার বিধান করণার্থ আইনমতে ) দাওয়া বা অপত্য করা প্রযুক্ত বা অন্য কোন কারণে নিলাম রহিত বা স্থগিদ না হইলে তাহা ১৮৯৭ সালের ১২ জ্লাই মোতাবেক বাজলা ১৩০৪ সালের ২৯ আঘাঢ় সোমবার মধ্যাক্ত সময়ে আলিপুর স্ক্রবনের শ্রীযুত কমিশনার সাহেবের অফিসে বিক্রীত হইবে।

নিম্নলিখিত নিয়মাধীনে এবং সাগর আইল্যাণ্ডের পতিত ভূমির পাটা বিক্রার্থ ১৮৯৭ সালের ২৯ মার্চ তারিখের বেঙ্গল গবন্যেন্টের ১৩৭৭ এল ্, আর, নং নোটিসে প্রকাশিত সংশোধিত রূলের বিধি সংযুক্ত সাধারণ নিয়মাধীনে উক্ত ভূমির পাটা দেওয়া ঘাইবেক।—

#### बिश्य এই ;---

উক্ত ভাম বর্ত্তমান পথ ও জল ও অন্য সকল ভোগস্বত্বের নিয়মাধীনে থাকিবেক।

নৌকাসম্য সকল জলন্দ্রোত ও খাল ব্যবহার করিবার এবং ঐ সমস্ত জলন্দ্রোত ও খালে মৎস্য ধরিবার স্বত্ব সাধারণের থাকিবেক; আর ঐ জলন্দ্রোত ও খালের উভয় পার্শ্বে অন্যুন ২৫ ফিট পরিসর ভূমি গুণ টানিবার পথের জন্য রাখিতে হইবেক।

পাট্টা বিলির সময়ে উক্ত ভূমিতে যে সকল জ্বালানি কি গুঁড়ী কাষ্ট্র বর্ত্তমান থাকে তাহা ঐ ভূমি আবাদ করিবার জন্য কাটা কি পোড়ান হইলে অথবা ঐ ভূমির মধ্যে ব্যবস্থত হইলে তৎপ্রতি কোন কর ধার্য্য হইবেক না, কিন্তু ঐ জ্বালনি কি গুঁড়ী কাষ্ট্র বিক্রয়ার্থ স্থানান্তরে প্রেরিড হইলে তৎপ্রতি গ্রব-নিক্র কর্তৃক সময়ে সময়ে যে হার ও নিয়ম প্রচারিড হয় তদসুসারে কর ধার্য্য হইতে পারিবেক।

উক্ত ভূমির মধ্যে, নিম্নে অথবা উপরে স্থিত ধাতু প্রভৃতির খনির উপর গবনমেন্টের স্বত্ব থাকি-বেক, ভদ্ভিম সেই ধাতু প্রভৃতি তুলিবার ও পাইবার ও লইয়া ঘাইবার নিমিত্ত যে পথস্বত্ব রক্ষা করা এবং যুক্তিসঙ্গত অন্য যে স্থবিধা করা আবশ্যক তাহা করিতে হইবেক; উক্ত ভূমিতে গবনমেন্টের নালিকীস্বত্ব থাকিবেক ও পাট্টাধারীকে কেবল দখলীস্বত্ব দেওয়া ঘাইবেক; সেই স্বত্ব পুরুষামুক্তমিক ও হস্তান্তর যোগ্য হইবেক ইতি। সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ৮ই এপ্রেল।

#### তপশীল।

মহালের নাম।	জেলা, স্ব ডিবিজান ও থান:।	वक्ष्।।	চৌহদি ।
দাগর আইল্যাণ্ড দ্বিতীয় খণ্ড ।	জেলা ২৪ পর- গণা, সব-ডিবি- জান ডায়মণ্ড- হারবার থানা কুম্পী।	0000/	উত্তর ;—ছোট শুইমারি খাল। পূর্ব্ব ;—প্যাগোড়া খালের কিয়দংশ। দক্ষিণ ;—সূর্য্যমুখী খাল এবং ঐ সূর্য্যমুখী খালের কিনারা হইতে অত্তখণ্ডের পশ্চিম সীমা নার লাইন পর্যন্ত ২৭০ ব্যারিংএর একটী সরসরেখা, ঘাহা প্রথম খণ্ডের উত্তর সীমানার সহিত ঐক্য আছে। পশ্চিম ;—প্রথম খণ্ডের উত্তর-পশ্চিম কোণ হইতে ছোট শুইমারি খাল পর্যন্ত ৩৬০ ব্যারিং এর একটী সরসরেখা। উপরোক্ত সীমানা সকল স্থান্ধরন কমিশনার প্রীমুড মেঃ, পী, রস্ সাহেবের ১৮৯৬। ৯৭ সিজ্বনের নক্সা অহুসারে লিখিত হইল।

#### किमा नमीश ।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১৯ কাইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এজদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীরা জিলার অন্তর্গত বিদ্ধালিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ১০ ক্লাই তারিখে বেলা ১১ টারু সময় নিলামে বিজ্ঞান করা যাইবে।

\$	2		8	a	હ	9	•	•
তৌজির নম্বর।	মহাল ও প্রগণীয় নাম।	সম্পূর্ণ মহাতের সদর জমা।	मण्णृतं महोत विक्रम हर्देद कि मो।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয হউলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি ৰিক্ৰয় ছইবে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর শ্রমা।	<b>সম্পূ</b> ৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ভাছার বাকী।
২২ <b>নং</b> তেজি	মোজে বেলগাঁ পর- . গণে বেলগাঁ।	60¢8)b		২২। ত নং তোজি মহাল বেলগাঁ।।।১১৩।১১৩।১ রকম অংশ	অটলবিহারী পাল, কৃষ্ণধন ঘোষ শ্রীনাথ পাল চৌ- ধুরী শ্রীশচন্দ্র পাল	885¢4Jb	••••	62143 <i>3</i>
	•	•		নীলাম হইবে অপর অংশ নীলাম হইবেক না।		:		
১৬৭ নং তৌজি	মৌজে হ্বরা পর- গণে পাজনোর।	7 98 7 010/7		১৬৭।৪।১ নং ভৌজি মহাল হবর। ।১/৪। রকম অংশ নীমাম হইবেক। অপার অংশ	বৰ্ণময়ী দাসী স্বয়ং ও জানবে রাধিকা প্রসাদ স্থরেক্ত নাথ ও উপেক্র নাথ ঘোষ সাং কলিকাতা ভবানী-	82441/0	••••	۵۵۱/۵
r <b>১</b> ত বং	• মহাল চর বোয়া-	,	ज्य <b>ः</b> वर्	নীলাম হইবেক না।	পুর। বিষ্ণুচন্দ্র সেন	,	Shilla	
তেজি ভ	নিয়া পরগণে রাজপুর।	244)	मन्धूर्व ग्रहान ।	•••••	বাধিকা চরণ সেন রাধিকা চরণ সেন সাং বহরমপুর স্থজাগঞ্জ জেলা মুরশিদাবাদ।	••••	) ,	•••

দীকা।— যে দ্বলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই শ্বলে উজা বুঝিজে হউবে যে ঐ অংশের নমিত্ত স্বতপ্র ডিগাব রাথ। হউয়া থাকে ও মহালেব জন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

W. MANWELL,
For Collector.

#### जिना मूत्रनिर्मातीम ।--- ज्यामाती विकास्त्र विज्ञालन !

১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকি খাজনা আদায় জন্য।-

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত বিশ্বলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সাল ৯ ছ্লাই বাং ১৯০৪। ২৬ আঘাঢ় তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

5	1	৩	s	<b>a</b>	*	٩	ь	•
ভৌজির নম্বর ।	মহাল ও প্ৰফণাৰ নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ- মাত্র বিক্রয় হটলে ঐ অংশেব সদর জমা।	বিক্ৰয় স্ইলে	কোন অংশমাত্ত বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।
<b>33</b> ₹	মৌজা চঙিপুর পঃ কাশিপুর।	\$\$¢ 1∕9	म्यूपाञ्च		দারাকদর সৈয়দ খোকান মির্জ্জা ওরফে বুদ্ধন সাহেব সাং কিল্লা নেজামৎ		२००१०/७	*
8•9	মোজা রামবা <b>টা পঃ</b> ফডেসিং।	৬১৭/৬		এজমালি ক্যাদ ⁄৪॥১/১২ তিল।	থানা সাহানগর খুদিরাম প্রামাণিক			۶۱ <b>۰</b> /۷۰

E. V. LEVINGE, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম—ইন্তেহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাদারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের । ৬ ধারার মর্মাস্ক্রসারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি সূর্য্যান্ত পর্যন্ত বাকা পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমিক্ত ১৮৯৭ ইং ১০ই আগফ মোতাবেক ১৩০৪ বাঙ্গালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মঙ্গলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্টরি কাছারিতে বিনাওজরে প্রকাশা নীলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

			বাৰ্ষিক	अव्य∖।		বাৰী।		
ভালুকের ভালুকের নাম। মধ্ব।	শ† লিকেব নাম।	থাজান	(₹5	খালানা ৷	(ছচ।	মোট ৷	मखरा।	
৫৬১৭	থানা সাত্কানিয়া মেজি। চরম্বা মহল নয়াবাদ। তালুক কালীকিঙ্কর উপেত্র দাস, হরি উশান দেবিদাস, রামশরণ।	কৈলাস চম্দ্র চৌধুরী, পূর্ণচন্দ্র চৌধুরী, হরদাস চৌধুরী, তারকচন্দ্র চৌধুরী দেবিদাস চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্র চৌধুরী সাকিনান চড়স্বা থানা সাত্রবানিয়া।	)	99) 110/	486		`985 /a	সম্পূর্ব ভা- লুক বিক্রী হইবে।

\_\_CHITAGONG CULLECTORATE,

The 18th June 1897.

J. D. ANDERSON,

Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following ates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বন্দ সিন্কোনা।

কলিকাভান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের অ্পরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ব-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে ক্রয়ে দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।।০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০, টাকায় পাইবেন । সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের অপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬২ টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২) টাকায় পানতে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রয় কবিলা পাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের ম০ ও এক পৌও টিনের ৬০ ডাক মাস্কল দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল ইইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মৃদ্য ইইবে,যথা—

১ এক পোণ্ড টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

॥ जांध ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

| 阿荷 ,, ,, 811° ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং হহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্ষট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাষার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকট গবিপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া স্বাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. P. Entire Gazette ... 10 per annum. Postage 2 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Pestage For a single copy-Entire Gazette 0 Postage Parts III, IV, V, and VI sbeets or under with an additional charge of 1 anua for every 4 sheets in excess

Postage ... .. 0 1 0

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Govt. of Bengal,

#### বিজ্ঞাপম ৷

১৮৮৩ সাল ২১ ফেঞ্চয়ারি	।वाक्रामा श	वर्ययन	গেডেল্টের ফু	्मा ७	ভাক্ষাত্ৰ	4	यथि ।	নিম্ন-
নিষিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে				`	(a <u>.</u> -			

	যকঃ স	टन			<b>डे</b> न्का ।
সম্পূর্ণ গেজেট	•••	•••	•••	বৎসর	300
ডাকমাস্থল				"	21: •
७७१७१७१७।	যাহাতে	কারতবর্ষে	व उक-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার	षाइंग उ	আহনের		
	•••	•••	•••	,,	8,
	•••	•••	•••	"	3,
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের	मृना	• • •	***	,,	1●
ডা <b>ক্যাস্থল</b>	• • •		•••		/ •
0 6 8 9 6 9 6 49 (	প্রত্যেক	৪ পৃষ্ঠা ব	া তাহার		
<b>মৃ</b> গন সংখ্যক পূ	<b>জা</b> র মূ <del>ল্য</del>	·)		416.	/ ৪ পৃষ্ঠার উপর যদ্ধ অধিক হয় তাহার প্রভ্যেক ৪ পৃষ্ঠা প্রতি সার এক ২ আনা।
अंकिशास्त्र		•••	• • •	• •	. /•

#### কৰিকাডায় ৷

কালকাতায় ও মক্ষ:সলে সমান মূল্য, কলিকাতার কেবল ডাকমাত্বল লাগিবে না। ই, এন, বেকার।

वक्रम्मात भवन्यार्केत এक्षिः ছ्या म्यार्केतो।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Rc. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Goot, of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of adver	tisements	in the Calcu	TTA GAZETT	re.
TCN 21				Rs.
Full page, per issue	***	•••	•••	20
Half ,, Casual adver	tisement	t—4 annas nei	line.	10

#### বিজ্ঞাপন

কলিকাতা গেচ্ছেটের কিন্তা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেছেট নেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেন্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেন্ডি লোল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভন্মিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এডদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাণ সেক্টোরিয়েটের আকোনীনেটর নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক কার্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পৃশুকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্র কৃতি প্রকাশ করা মাইবে না।

হৃল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক আন্যা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বলচেদশের গ্রথমেন্টের ছোট সেক্টেরা।

#### ১৮৮२ माल्य ১२ ডिम्बर ।

ম্বার্য।— কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার প্রকাশ করিবার হার এটন।—						
. भ्वा उक भृष्ठा अवर दांत श्रकाम करताव	•••	•••		•••	2.	
कार ४ का	•••	***			3	
<ul> <li>শ্ন কথন ইশিতি হার অবশশ করিতে কইতে</li> </ul>	न अकर गैंकि	••	**		10	

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-trovernor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.-Copies are still available.

#### वाकान मिटकोतिसारे यञ्जानस्य विक्रयार्थ चाट्य ।

বারিফার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিলে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জ্বন্ধ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি. কিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রনীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আছন সংহিতা।

#### এकर थानि शुन्डरकत मुना, e, शांह होका।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট । একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/ । পাঁচ আনা পাঠাইবেন। বস্তুব্য ।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বজাদেশের মাজিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পুনিভ ওয়েষ্ট টোন হালের হাভায় স্থিত বজাদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেছি-ট্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উজ্জ সকল আইনের পৃত্তক কলিকাতার গবর্ণমেন্ট,প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটাতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

কলিকাত। থোগিডেন্সী কেল যন্ত্ৰালয়ে গ্ৰণমেন্টের জন। প্রযুত তেম্স পেটা সাহের কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল। B 47a-6-7-97-1084-120



# गवर्गाम् (जाटकारे।

TUESDAY, JULY 13, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৩ জুলাই।

CONTENTS.	
Pac	es. নিৰ্বন্ত।
PART I.—Resolutions, Orders and Notifica-	<b>श्</b> रें।
tions of the Government of India N	াঁ?. প্রথম খণ্ড।—ভারতবর্ষীর গ্রব্মেটের নির্ছারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপম প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	বিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের নির্দারণ,
of Bengal N	া. আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের আদেশ ১৫ - ১।
nor of Bengal 65-	
PART III Acts of the Legislative Council of	स्राहेन व्या माहे
India	াৈ চতুৰ্ব খণ্ড ৷—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of	नाष्ट्रविभि नार्ड
India N	il. । शक्य थ्छ।—वकीत रावन्द्रांशक मछात संगीष्ठ आहेम । नाई
PART V Acts of the Bengal Council N	ारी. वहे थेथा रक्षीय बावन्द्रांभक मकांत्र काहरनत
PART VI.—Bills of the Bengal Council N	ii. পাণ্ডলিপি নাই
PART VII Circular Orders by the High	সন্তম বশু।—হাই কোর্টের ও রেবিনিট বোর্ডের
Court and Board of Revenue N	থৈ. নাধারণ ভাপনপদ্ধ নাই
PART VIII.—Advertisements 351-3	
Supplement N	টে. পরিশিষ্ট সংগ্রেণটের সেকেট নাই।

#### PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्राल्या श्वर्यव्यक्ति चारम्य ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 3470M.—The 3rd July 1897.—Whereas a notification No. 1295M., dated the 9th March 1897, was published at page 62, Part IB of the Calcutta Gazette of the 10th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Jhalokati Municipality, in the district of Backergunge, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Jhalokati Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISTEY, Secy. to the Govt. of Benyal.

বঙ্গদেশের প্রীয়ত লেপ্টেনেণ্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৩৪৭০ এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ওরা জ্লাই।—বাখরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত ঝালকাটি মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৪ সালের বল্পায় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বল্পায় ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বল্পদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করণার্থে প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৯ই মাচ্চ তারিখের ১২৯৫ এম, নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১০ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ট খণ্ডের ৬২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রজ্ঞাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেহে যে, প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতাহসারে কার্য্য করিয়া এবং ঝালকাটি মুনিসিপালিটীর সভাগত কমিশনরদের অহুরোধক্রমে মুনিসিপল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অহ্মতি দিলেন।

এচ্, এচ্, রিসলী, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



# गवर्गायन कार्डि

TUESDAY, JULY 13, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৩ জুলাই।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्रहेम थए।

ইশ্ভিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইতাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এওঁদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত ছালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাইসারে কিন্তী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার বিমিত্ত সন্ ১৮৯৭ ইরেজির ১১ আগস্ট তারিখে বেলা ১২ টার ময় নিলামে বিক্রেয় করা যাইবে। সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জ্ন।

>	*	9	8	t	8	٦	۲	•
িজর গর ১	মছাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহাজের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিন্মা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের দাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয ছইলে ঐ অং- শের সদর ধ্বমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহাঃ বাকী।
68 9 •	থানে ফ <b>টা</b> কছরি— তং আনন্দীমানওলা	336.60	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হই-		खीनियां हेटत्रण नम्जो खीमजी खनमीना।	•••,,,	९० ५७	•••••
	ধানে রাউজান,		বেক।					
27 28 8	সহর তং বসম্ভরাম কতে- স্থাবাদ।	e e 9 40/0	অংশ বিক্রয় হইবেক।,	১৮১৯ সালের ১১ আইনমতে জমা অতত্ত্ব হইয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা- নের অংশ বাকী পাড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক তভ্তিম্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না।	শ্রীআনন্দমোহন দে শ্রীআলী মহাং গং।	ه <i>ل</i> ه ۱۱ ه ه	•••	<i>₹</i> 5,0
<b>1</b> -1-1-1	থানে রাউজান, ভাটিয়ারি—							
82	তং বকন্ধা আলী	৯७१॥४०	ď	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা- নের অংশ বাকী	শ্রীজান আলী শ্রীআকমল আলী গং	92240/9	······	\$ & <b>\$</b> • \$ • \$
	·			প্জায় কেবল তাহা বিক্ৰী হই- বেক ডম্ভিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্ৰী হইবেক না।				

2	ર	ه	8	ď	•	9	ь	2
তৌজির সম্বয়।	মহাল ও প্রগণ্য নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হউলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশের বিশেষ বিবরণ s	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় হইবে তাহাব মালিকগণেৰ নাম।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় ছইলে ঐ অং- শের সদর ক্ৰমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰায় হইলে তাহা বাকী।
285 526 2582	থানে ভাটিয়ারি, রাউজ্ঞান— তং যশমস্ত সিংহ	১৩৮৬॥৵২	অংশ বিক্রয় হইবে ।	১৮০৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ৩ নং অবশিষ্ট মানিকা- নের অংশ বাকী পড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক তম্ভিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না।	শ্রীমতী জমিলা বাতুন গং।	€ ال		3 05-11-53
\$ 3 <b>0</b> 0 <b>.</b> \$ 2 <b>5</b> \$ 25	থানে হাটহাজ্ঞারি, পটীয়া, রাউজ্ঞান সহর, সাতকাণিয়া— তং ক্লফকিশোর কাহ্নগোয়।	• <b>68</b> @1a/9	<b>के</b>	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা অতন্ত্র হইয়া ১ নং হিং ফজলে আহা- মদের অংশ বাকী পড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই-	-11 -10 1 114 1911	e 28 h/ b	<b></b>	303 J
67.5 869.5 69.6	কাঁড়ি রাঞ্চনীয়া— তংখেমকরণ হাজা- রি।	1	দম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হই- বেক <b>া</b>	বেক ভদ্ভিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না :	শ্রীশবরতন হাজারি	•••••	28.01%8	*****

#### সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকীপড়া।

দিকা।—বে স্থলে উপরেধ লিখিত বর্ণনাপত্রের ৫. ৭ ও ৯ গবে কোন অংশমাত্র বিক্রম কইবে বলিয়া লিখিত আছে সেও স্থলে ইহা ব্রিতে চুইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র ছিলার রাখা কইয়া খাকে ও মহালের অন্যাব্য অন্যান্য স্কংশ হিঞ্ছ হয় না

CHITTAGONG COLLECTORATE, (
Th 5th July 1897.

J.D. Anderson, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রায।

#### ইস্তাহার নামা কাছারি কালেক্ররী জিলে চট্টগ্রাম।

সুন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মুর্যায়সারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিড মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মাহল স্থিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগন্ত তারিখে চট্টপ্রাম কালেক্টরিতে নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ই তারিখ ৫ জুন।

ক্ৰ মিক	ক্ৰমিক			মালিকেব মাম।	সদ্র জনা।		वाकी।			*
ŀ	সম্পর। তলুকাব নখর। তালুকার নাম।	यागिदययं काम्य	शंकांना ।	(इंट ।	শাক্ষানা।	(इंह,।	মোট।	<b>মন্ত</b> 4)		
-	>	١ ٩	•	8	α	•	9	ь	•	۶۰
	\$	<u>২</u> ২৩৯২৯ ৫০৬	মৌজে হাপানিয়া থানা কটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।—- তালুক করাদ জাকর	ওবেদর রহমান খাঁ পিং ডোরাপ আলি খাঁ সাঃ পাঁচলাইশা	<b>৮</b> ৯٩	<b>७</b> ९॥/७	હ <b>ુ</b>	¢>~	<b>৬৮১</b> ৵०	

. CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 7th July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম—ইন্তেহার নামা কাছারি কালেক্ররি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের । ধারার মর্মান্ত্রসারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি সূর্য্যান্ত পর্যান্ত বাকা পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমিন্ত ১৮৯৭ ইং১০ই আগফ মোতাবেক ১৩০৪ বাঙ্গালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মঙ্গলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্টরি কাছারিতে বিনাওজ্ঞরে वकाना नोमारम स्ता याहरत । हेि १४०१ हे जातिस १५ छन ।

ভালু চেকর নাম।	শৃলিকের নাম।	1 1		1	1	. 1	1
ভালুকের নাম।		থাজান	(इंड १	থাজানা।	(हिंह ।	মোট।	মন্তব্য।
ানা সাত্কানিয়া মৌজা চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।— লকুক কালীকিঙ্কর উপোক্ত দাস, হরি কলান দেবিদাস, রামশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চেধিবুরী, পূর্বচন্দ্র চেধিবুরী, হরদাস চেধিবুরী, তারকচন্দ্র চেধিবুরী দেবিদাস চেধিবুরী এবং গোলোকচন্দ্র চেধিবুরী সাকিনান চড়ম্বা	114, 7 <b>91-9</b>	99)    <sub>9</sub> /	184 /à	•••	985 /à	সম্পূর্ণ তা লুক বিক্র হইবে।
1	চড়স্বা মহল নয়াবাদ।— ালুক • কালীকিঙ্কর উপোন্দ্র দাস, হরি ঈশান দেবিদাস,	চড়ম্বা মহল মরাবাদ।—  ালুক • কালীকিল্পর কৈলাস চল্র চৌধুরী, পূর্ণচল্র  উপোক্র দাস, হরি  উপোক্র দাস, তারকচন্দ্র চৌধুরী দেবিদাস রামশরণ।  চিধুরী এবং গোলোকচন্দ্র	চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।—  ালুক • কালীকিল্কর কৈলাস চন্দ্র চেপিরুরী, পূর্ণচন্দ্র ১৯৮৯  উপেন্দ্র দাস, হরি চেপিরুরী, হরদাস চেপিরুরী,  ঈশান দেবিদাস, তারকচন্দ্র চেপিরুরী দেবিদাস রামশরণ।  চেপিরুরী এবং গোলোকচন্দ্র  চেপিরুরী সাকিনান চড়ম্বা	চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।—  ালুক • কালীকিল্কর কৈলাস চন্দ্র চেপিরুরী, পূর্ণচন্দ্র ১৯৮৯ ৭৭,  উপেন্দ্র দাস, হরি চেপিরুরী, হরদাস চেপিরুরী,  ন্দান দেবিদাস, তারকচন্দ্র চেপিরুরী দেবিদাস রামশরণ।  চেপিরুরী এবং গোলোকচন্দ্র  চেপিরুরী সাকিনান চড়ম্বা	চড়ম্বা মহল ময়াবাদ।—  ালুক • কালীকিন্ধর কৈলাস চল্র চেধুরী, পূর্ণচল্র ১৯৮৯ ৭৭, ৭৪৬  উপেন্দ্র দাস, হরি চেধুরী, হরদাস চেধুরী, ॥৬ ॥৬ /৯  ঈশাম দেবিদাস, তারকচন্দ্র চেধুরী দেবিদাস রামশরণ। চেধুরী এবং গোলোকচন্দ্র  চেধুরী সাকিনাম চড়ম্বা	চড়ম্বা মহল ময়াবাদ।—  ালুক • কালীকিন্ধর কৈলাস চল্র চেপ্রিরী, পূর্ণচল্র ১৯৮৯ ৭৭, ৭৪৬  উপেন্দ্র দাস, হরি  কিলাস চল্র চেপ্রিরী, হরদাস চেপ্রিরী, ॥৫ ॥৫ ১৯  কিলাম দেবিদাস, তারকচন্দ্র চেপ্রিরী দেবিদাস রামশরণ।  চেপ্রিরী এবং গোলোকচন্দ্র  চেপ্রিরী সাকিনাম চড়ম্বা	চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।—  ালুক • কালীকিন্ধর কৈলাস চল্র চৌধুরী, পূর্ণচল্র ১৯৮৯ ৭৭, ৭৪৬ ৭৪৬  উপেন্দ্র দাস, হরি চৌধুরী, হরদাস চৌধুরী, ।।  ঈশান দেবিদাস, তারকচল্র চৌধুরী দেবিদাস রামশরণ।  চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্র  চৌধুরী সাকিনান চড়ম্বা

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897.

Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6. per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোঁও ক্রম্ম করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে ক্রম্ম শিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন । সর্ক্ষসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং ছিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২০ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রম করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০০, আট ঔপ টিনের ॥০০ এক পোঁও টিনের ৮০ ভাক মাস্থল দিতে ইইবে।

বঙ্গদেশের গবর্গমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুদ্য হইবে,যথা—

১ এক পোণ্ড টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেড ১৮৭০

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারাকী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রম্ন করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিকেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. Entire Gazette ... 10 per annum. Postage 2 8 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette 0 Postage 0 Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets under with an additional of 1 charge anna for every 4 sheets in excess Postage

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ।

১৮৮৩ সাল ২১ কেব্রেয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণযেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্ষাহল এই অবধি নিম্ন-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে:—

	सकः मट	7			होका ।
সম্পূৰ্ণ গেজেট	•••	•••	•••	বৎসর	300
<u>ভাকমান্ত্র</u>	•••	•••	•••	2>	शा॰
७७६७ ६७६ च्छ	( যাহাতে ৭	চারতবর্ষের	ও বজ-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ব	मारेन ७ प	শাইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	<b>9</b> 7	8,
ভাকমান্ত্ৰ	•••	• • •	•••	"	١,
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটেৰ	मृग्र	•••	***	,,	1•
ডাক্মাত্মল	• • •	• • •	•••		<b>∕•</b>
0 8 8 9 4 79 6 49	<b>প্রভ্যেক</b>	8 शृशे वा	ভাহার		
<b>ন্</b> যন সংখ্যক গ	(ঠার মূল্য)	•••		••	/ ৪ পৃষ্ঠার উপর বাদ্ অধিক হয় তাহার অভ্যেক ৪ পৃষ্ঠা প্রতি দার এক ২ আনা।
खंक्याच्या	• ••		•		/•

কলিকাভায় ৷

কালকাতায় ও যকঃসলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাক্মাখল লাগিবে লা । ই, এন, বেকার।

वक्रमान्य भवन्याकृत अकृष्टिः ছোট म्हाकृते।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted

to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one same in the Rupes on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Gove. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the CALCUTTA GAZETTE.

Rs.

Pull page, per issue ... 20

Half ,, ,, ... ... 10

Casual advertisement—4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেল্পেটের কিম্বা বাঙ্গালা গেল্পেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই গেল্পেট দেওয়া ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণযেত্তের কার্য্যালয় কিছা গবর্ণযেত্ত কর্তপক্ষদের কর্ততাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেন ব্যক্তি বাজাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভাষমিত নগদ মৃল্য দিতে হইবে এডদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজান সেকেটারিয়েটের আকেটিান্টের নিকট অগ্রে মুঙ্গ্য পাঠান না গেলে উপ-ব্যেক্ত ফার্য্যালয় ভিম্ন গোন ব্যক্তিকে কোন পুত্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিজ্ঞাপন প্র'ভতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মুল্যের নিমিত্ত ভাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর /০ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> मि. ডवनिष्ठे वल्ढेन. বলদেশের গবর্ণমেন্টের ছোট সেক্রেটরী ৷

#### ১৮৮२ मारमद ১२ ডिमেयद ।

মুখ্যা ।— কলিকাতা গেলেটে উপতিহাব প্ৰকাশ করিব		हाकार			
পূরা ওক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ কবণের	• • •			***	1.0
काध र्वं के।	•••	***	.~		3
কথন কথন ইশতিহ'র অকাশ করিতে হইবে	ল একং পঁতিক	***	<b>*</b> 54	•••	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে ৷

বারিফার-আট-লা ও শুশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জব্দ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ভি সাহেবের প্রণীত বঙ্গদেশের প্রীয়ত লেপ্টেনেউ গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রম্বাধকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং বানি পুসকের মৃস্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইৰার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য ।—উক্ত পৃস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপ**লকে বল**দেশের যদ্ভিসভার আইনের **প্রয়ো**জন হইলে কলিকাতার স্পুশনেড ওয়েষ্ট টোন হালের হাতার খিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেঞ্জি-ট্টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুশুক্র কলিকাভার গবর্থমেন্ট প্লেশে, থাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয়

ৰ্বাকাতা প্রেসিডেন্সী বেল যন্ত্রালয়ে গবর্ণমেন্টের লন্য 🎒 যুত জেম্স পেটী সাহেব কর্তৃক মৃক্তিত ও প্রকাশিত হইল। B 474-13.7-97-1109-120





# गवर्धायके प्रायति

TUESDAY, JULY 20, 1897.

# मञ्जलवात, ১৮৯१ माल २० जूलाई।

PAGE.	নিৰ্বত।	
		शृष्ठे ।
$oldsymbol{Nil}.$	প্ৰথম ৰঙ।—ভাৰতব্যীয় গ্ৰৰ্থেকেটৰ নিৰ্দাৰণ	
	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই।
	খিতীয় খণ্ড।—ব <b>ল্লে</b> লের গাবর্ণমেক্টের নির্দ্ধারণ,	
Nil.	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই 1
	খিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গার্থমেন্টের আদেশ	নাই
Nel.	_	
	<b>का</b> हेम	নাই !
Nil.	চতথ খল।—ভাবতবৰ্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের	
	ণাণ্ডলিপি	म/≩ !
Nil.		नां है।
Nil.		
Nil.		না≷
Nil.		নাই।
359-365		262 056
Nil.		नाहे.
•	Nil. Nil. Nil. Nil. Nil. Nil. Nil. Nil.	Nil. প্রথম বণ্ড ।—ভাবতবর্ষীয় গ্রবন্থানিত নির্দ্ধারণ আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি  বিতীয় বণ্ড ।—বন্ধাদেশর গ্রবন্ধাপন প্রভৃতি  বিতীয় ক বণ্ড ।—বন্ধাদেশর গ্রবন্ধাপন প্রভাবন প্রভৃতি  মা.  ১০০ বিতীয় ক বণ্ড ।—ভারতবর্ষীয় ব্যবন্ধাপন সভার প্রবণীত আইন  ১০০ বণ্ড ।—ভারতবর্ষীয় ব্যবন্ধাপন সভার প্রবণীত আইন  ১০০ বণ্ড ।—ভাবতবর্ষীয় ব্যবন্ধাপন সভার প্রবণীত আইন  ১০০ বণ্ড ।—বন্ধীয় ব্যবন্ধাপন সভার প্রবণিত আইন মা.  ১০০ বণ্ড ।—বন্ধীয় ব্যবন্ধাপন সভার প্রবণিত আইন মা.  ১০০ বণ্ড ।—বন্ধীয় ব্যবন্ধাপন সভার আইনের পাণ্ড লিশি  ১০০ বিতির্দ্ধাপন সভার আইনের সাধারণ জাপনপাত্র  অইম বণ্ড ।—ইশ্তিহাব প্রভৃতি  ১০০ বিতির বিনিত্র ব্যবিদ্ধাত  ১০০ বিনিত্র ব্যব্দির বিনিত্র বিনামের বিনিত্র বিনামের বিভাগের বিনামের বিন

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थए।

ইশ্তিহার এড়তি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

# জিলা চট্টগ্রাম।

# জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

ি ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ৩০ ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহ্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ ইরেজির ১১ আগস্ট তারিখে বেলা ১২ টার সুময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জুন।

						-		
,	2	9	8	æ	<b>.</b>	4	+	1 🎍
:ভাঞ্চিব নশ্ব ৷	মহাল ·ও প্ৰগণাৰ নাম ।	সম্পূৰ্মহালেব সদৰ <del>জ</del> মা।	সম্পূৰ্ম সভাল বিক্ৰম চইবে কিনা	কে ল মাত্র অংশ বিক্রম ১ইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় তওঁৰে তাঙাৰ মালিকগণেৰ ন,ম ,		সম্পূন মহাল বিক্রম হইলে ভাহার বাকা,	কোন অংশ মাঞ বিক্য চইলে ভাত্ৰ বাকা।
৩৭ ৬ <u>৪</u> ৭০	থানে ফটীকছরি— তং আনন্দামান ওলা থানে রাউজান,	33 tš n <sub>(</sub> ts	শম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হই- বেক।		শ্রীনিমাইচরণ নন্দা শ্রীমতী গুণশীলা।	•••••••	ዓ <b>∘ ሣ</b> ነ	
PO 025 448	সহর — তং বসন্তরাম ফতে- য়াবাদ।	e e 4 ha/U	অংশ বিক্রুয় হইবেক।	স্বতন্ত্ৰ হইয়া ২ নং	শ্রীআনন্দমোহন দে শ্রীআলো মহাং গং।	a18  Jo.		,33,60
i i i i				অবশিষ্ট মালীকা- নের অংশ বাকী পড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক তস্তিন্ন অন্য			•	
b-b-	ধানে রাউজান, ভাটিয়ারি—			কোন অংশ বিক্রা হইবেক না।		• •		
496	তং বকস্থা আলী	⊅04II•∕•	<b>.</b> :	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা নের অংশ বাকী পাড়ায় কেবল	শীজান আলী শীআকমল আলী গং	92940/9		<i>363</i> ∞30
				তাহা বিক্ৰী হই- বেক ভদ্ভিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্ৰী: ইইবেক না:	•		:	

									1
>	٤	!	Я	(	<b>b</b>	9	b	<b>à</b>	
ৈ তৌজির : নগব। )	ম <b>চাল</b> - ও প্রগণাব নাম।	সম্পূৰ্ণ মহাতোর সদৰ ক্ষমা।	সম্পূৰ্ম হাল বিক্ৰয় হটবে কিনা।	কেনল মাত্র অংশ বিক্রম হউলে এ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ চ	যে সম্পতি বিক্ <b>ছ চইবে</b> তাজাব মালিকগণেৰ নাম।		সম্পূৰ্ণ মহান বিশ্ৰুষ হুগলে ভাষাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রণ হউলে তাঙার বকৌ।	
)	খানে ভাটিয়ারি,							-	
						1		; !	
286	রাউজান —	•	C					: 1	!
२५७० । १५५० ।	্ত <sup>ু</sup> ধশ্ৰন্থ ।সংহ	70201145			শ্রীমতা আকমন্নিছা		•••	304120	,
7.360			इ <b>ड</b> रव ।	আইনমতে জম				1	
i k		,		স্তম্ভ হইয়া ৩ নং	•		•	[	
1				অবশিষ্ট মালিকা				ì	
				্ৰের জংশ বাকা					
!		,		পড়ায় কেবল	•	( (		ı	
1				ভাগ বিকী হই				ì	
			:	বেক ভদ্তিন্ন খন্য				1	
i	•			কোন ২ংশ বিভা	1			į	
		"		হইবেক না।		1			
!		:	i		r.	;			
	থানে হাটহাজারি,				1	,			
İ	পটীয়া, রাউজান	!			;	i i			
\$ 5,5	সহর, সাতক।শিয়।				1				
2425	তং ক্লম্ভকিশোর	15×11/49	٩	১৮৫৯ সালের ১১	1 1 1 4 1 1 1 1 1 1 1 1 1	42846	****	20293	
÷ 3 o o	কান্ত্ৰগোয়।	;	1	আইনমতে জমা	ঐাবজলেছমদ।	i .		i	
•	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,			স্তন্ত্র হইয়া ১ নং				t '	
		,		হি° ফজলে গ্ৰহা-					
;	,		1	মদের অংশ বাকী	1				
1		1	!	পডায় কেবল		:	,		
!		,		তাহা বিক্ৰী হই-					
į				বেক ভদ্তিন্ন সম্য	1				
İ	•		1	কোন সংশ বিক্ৰী					
022	কাঁডি রাজনীয়া -		1	<b>ब्हेर्यक म</b> ः					
3	ত" খেমকরণ হাজা-	015511115	: দ≪ বুমুছ∜ল:	******	ূ শাশেবরতন হাজারি		5801W8 .		
२५७	রি।	i	বিকৃয় হই-			•••	€ (a lak.ia .	113	
		1	(दक।						
	1	i	046						

# সন ৮৯৭ ইংরেজীর ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকাপড়া।

টিকা ।— যে শ্বলে উপবেৰ লিখিত বৰ্মাপত্বৰ ৫. ৭ ৪৯ ঘৰে কোন অংশমান বিক্ষা গইবে বিলয়। লি'গত আছে চেট ওলে ইচা শবিহে চুঠৰে যে এ আংশংশ লমিত শুত্ৰ বিসাৰ বাবা ছাইয়া পাঠে ও মহালেৰ অন্যাৰা অন্যান্য অংশাবিক্ষা হয় ন'.

Chittagong Collectorate, ( Th 5th July 1897. J. D. Anderson Collector.

# জিলা চটগ্রাম।

# ইস্তাহার নামা কাছারি কালেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মান্সারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাপ চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মাহল দ্বিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগস্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্ট্রিতে নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ই তারিখ ৫ জ্বন।

<b>চ</b> মিক	তলুকাব নম্ব।	তাশুকাৰ নাম।	মালিকেব ৰাম ।	সদ্ব	সদ্ব জন্মা।		বাকী।		
নপ্ৰ				খাঙ্গানা।	(इंड)	ধাঙ্গাল।।	(55	মোট।	मस्टरा ।
3	2	٥	8	ά		9	ь	۵	<b>5</b> •
	٩	মোজে হাপানিয়া থানা ফটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।—							
ر	१७३१३	তালুক ফরাদ জাফর	ওবেদর রহমান খাঁ	699	6911/G	60.	67%	6670	•••
	<b>(</b> 0 ) (		পিং তোরাপ আলি খাঁ স¦ঃ পাঁচলাইশা						

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 7th July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

# জিলা চট্টগ্রাম—ইন্তেহার নাম। কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৮ ধারার মর্মান্ত্রসারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি সূর্য্যান্ত পর্যন্তর বাকা পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ ইং ১০ই আগস্ট মোতাবেক ১৩০৪ বাজালা ২৬ শ্রাবন রোজ মঙ্গলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্ররি কাছারিতে বিনাওজরে মকাশ্য নীলামে ধরা ঘাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

			বাৰ্ষিক	<del>ৰ</del> ম্ব		বাকী।		•
তান্দুকের নখন।	ঙালুকেব নাম।	ম†লিংকের ম≀ম।	খাজানা	(ছচ।	শ্ভানা।	(इंह)	মোট।	<b>ম%</b> ∢1।
৬৬৪৬ ৫৬১৭	থানা সাত্কানিয়া মেজি। চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।— তালুক কালীকিঙ্কর উপেক্স দাস, হরি ঈশান দেবিদাস, রামশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চৌধুরী, পূৰ্বচন্দ্ৰ চৌধুরী, হরদাস চৌধুরী, তারকচন্দ্ৰ চৌধুরী দেবিদাস চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্ৰ চৌধুরী সাকিনান চড়ম্বা থানা সাতকানিয়া।	110/ 22F2	99)	98U />	•••	985	সম্পূৰ্ণ তা লুক বিক্ৰ হইবে।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897. . .

J. D. ANDERSON,

Collector.

### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

# জুরলু সিন্কোনা।

কলিকাভান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থারিনেটেণ্ডেন্টের নিকট গবর্গ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে জ্বরম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।। ০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন । সর্কাসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থারিনেটণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬২ টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণ ও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন । উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ টিনের ॥০

বঙ্গদেশের গ্রণমেন্টের সিন্কোনা আ্বাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পৌও টিন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৭০

॥ সাধ ,, ,, ৯) ,, ,, ,, ,, ৯॥°

| 「門存」,,,8||1° ,,,,,,,。

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অভি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা ছইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপ্ত্রক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্গমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will benceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufacial.

Rs. Entire Gazette ... 10 0 per annum. Postage 2 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette Postage 0 Parts III, IV, V, and . VI sheets under or with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess

Postage ... 0 1 0

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage E. N. Bakes.

Offg. Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

# বিজ্ঞাপন।

্রচ্চত সাল ২১ ফেব্রুয়ারি ৷—বাজালা গ্রথমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মাস্থল এই শ্বধি নিম্ন-নিল্মিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :—

	মফঃস্	<b>ে</b>			টাকা।	
मण्यूर्व (शटक ह		• • •	•••	<b>वद म</b> त	3 0~	
ডাকমান্থল		•••		,,	<b>*11 •</b>	
৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড	( যাহাতে	ক্ষারতবর্ষের	ও বজ-			
দেশের ব্যবস্থাপক	স ভার	আইন ও ব	শাইনের			
পাত্রনিপি খাকে )		•••		,,	*,	
	• • •	• • •	• • •	19	٥,	
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটেং	<b>মূল্য</b>			,,	1.	
ডাকমা <b>ন্ত্</b> ৰ		•••			/ •	
৩ ৪৪ ৫ ৫ ৫ ৬ খণ্ড (	প্রত্যেক		ভাষার			
<b>ন্</b> য়ন সং <b>খ্য</b> ক প্	্টার মূল্য	)		•	য়ক্ জ ভাহার	পার উপার বিক ইয় প্রত্যেক প্রতি সার আনা।
७। क्या स्व					/0	

### কলিকাভায়।

কালকাতায় ও মঞ্চালনে সমান মূল্যা, কলিখাভায় কেবল ডাকমাখল লাগিবে না । ই, এন, নেকার :

বজদেশের প্রব্যেক্টের এক্টিং ছোট সেক্টেরা

# The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Muller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 21 packing and postage Re. 1-12

\*\* The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDE., GOVE. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

## NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

of offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., insorted in either of the Gazette-, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupes on account of discount.

U. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt, of Bengal.

13th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the Calcutta Gazette
its.
Full page, per issue ... 20
Half ,, , ... 10
Casual advertisement—4 amas per line.

#### বৈজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া মাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্মের । বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রন্থেরে কান্যালয় কিন্তা গ্রন্থেণ্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃথাধীন কান্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি বাজাল সেজেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা ভক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম ফ্রাইতে চাহিলে তল্লিত্র নগদ মূল্য দিতে হইবে এওদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের সাকেণিটান্টের নিকট অত্যে মূল্য পাঠান না গেলে উপত্রেক কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিয়া উক্ত দেন গেজেটে ইণ্ডিগ্র কি বিজ্ঞাপন প্রকৃতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাসান গেলে ডিকেইট বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর 🔑 এক আনা পাঠাইতে হইবে।

সি, ডবলিউ বল্টন.

नक्षरम्दन्यत्र शवर्षस्यक्तित ह्यां है (मदक्रहेंहा ।

# ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর:

মনব্য ৷ – কলিকাতা গেছেটে ইংগতিহাৰ প্ৰকাশ কানবাৰ	जाव द्धाः ।	Marie an		\$6 <b>≱</b> 9
পুৰা ভক্ষ প্ৰজ্ঞা এক নাৰ প্ৰকাশ কৰ্মণৰ			***	
ভাগে ১/ <i>হা</i> ।		,		<b>1</b>
কৰ্ম হল্ম ইশ্ডিছ'ই প্ৰদাশ কৰিতে সহলে	હ કર લેલ્કિ	**		

## FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A growt of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lacatenai t-Governor of Gengal, by C. D. Field, M.Y., 11.D., of the Inner Temple. Barrister-at-Law, and of Her Majerty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Trice Rs 5 per copy.

Orders accommand by remittances and 5 mm as for packing and postage of each may be sent to the Accommunity Beng d Secretariat.

H. H. - Copies ere still available

# नाकाल (मटक्रिकोतिरस्र विकास विकास र्यं आहे।

খারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতার বঙ্গদেশের সিবিল শন্ধিসে নিযুক্ত ব্দ্ধমানের ডেপ্টিক্ট ও এশ-ন ডাঙ্গ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পানের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এন, ড সাহেবের প্রাণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গ্রাব ফাহেবের শাসনাধান প্রদেশের ভূম্যাধিকারীর প্রজা বিষয়ক আছিন সংহিতা।

# একং খানি গুসকের মূল্য ে, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুশুক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেণ্টারেটি নিক্চ একং খানি পুশুকের মূল্য এবং ভাষা মোড়ক করিয়া ডাকে শাঠাইবরে খরত। ১০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন্। যন্তব্য :- উক্ত পুশুক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

## বিজ্ঞাপন।

রাজকায্যোপলক্ষে বঙ্গদেশের মজিসভার আইনের প্রহোজন হহলে কলিকাতার ল্পানেড ওয়েইট টোন হালের হাভায় হিত বঙ্গদেশের গ্রণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাষ্যবিভাগের আ্লিনেড রেজি-টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উজ্জ সকল আইনের পুস্তক কলিকাত এ গবল্মেন্ট প্লেশে, গণ্যার স্পিস্ক কোন্দানির ব্রটিতে এয়ে করিছে পাওয়া স্থান ট

কলিকাত তোট ছেল। তেল মন্ত্ৰিক্ষে গ্ৰেণ্ডিয় গ্ৰেণ্ডিয় জন। জীবৃত তে মুম পেটা সাহেব কছুক মৃক্তিও ও প্ৰনান্ত কইল। В 496-20 7-97-1143 -120





# गवर्गयानु भारकि

TUESDAY, JULY 27, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৭ জুলাই।

CONTENTS.		
•	PAGB.	निर्वे ।
PART J Resolutions, Orders and Notifica-		<b>श</b> हे।
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম খণ্ড।—ভাবতবরীয় গ্রপ্রেমণ্টের নির্দারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor		ছিতীয় <del>খণ্ড।—বঙ্গদেশে</del> ৰ গ্ৰহ্মেণ্টের নি <b>ৰ্দ্ধা</b> রণ,
of Bengal	243-246	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ২৪৩ – ২৪
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-		ৰিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রবমেণ্টের আদেশ ৬৭৬
nor of Bengal	67—69	ভূতীয় খণ্ড।—ভাবতবৰীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত
PART III Acts of the Legislative Council of		আইন নাই
India	$oldsymbol{Nil}.$	চতুর্ব খণ্ড।—ভাবতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সন্তার আইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of		পাতুলিপি নাই
India	N11.	প্রুম্ব ব্ । —বিজীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council	Nil.	वर्ष थल।—तक्षोग्न वावन्दांशक मजात आहेरानद °
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	শাতৃলিপি নাই
PART VII Circular Orders by the High		দত্তম থণ্ড।—হাই কোটেব ও রেবিনিউ বোডের
Court and Board of Revenue	Nil.	সাধাৰণ জ্ঞাপনপত্ৰ নাই
PART VIII.—Advertisements	367 - 375	অটম খণ্ড।—ইশ্তিহাব প্রভৃতি ১, ৩৬৭ – ৩৭
Supplement	Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণমেন্টের গেজেট লার

# PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দিতীয় খণ্ড।

বন্ধদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

# ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

### MARINE DEPARTMENT.

#### The 16th July 1897.

No. 130 Marine.—The following telegram, dated the 5th July 1897, from the Secretary of State for India, relative to the grant of Bills of Health to sailing vessels and sambuks sailing from Aden to the Red Sea ports, is published for general information.

A. D. McArthur, Colonel, R.E., Secy. to the Gott. of Bengal.

Dated the 5th July 1897.

From—The Secretary of State, London,
To—The Viceroy, Simls.

Following telegram sent to Aden, 5th July—Plague. Constantinople Board of Health desire Bills of Health given to every sailing vessel and sambuk from Aden to the Red Sea ports, stating destination, number of crew and passengers, and nature of cargo.

#### The 19th July 1897.

No. 132 Marine.—The following telegram, dated the 2nd July 1897, from the Secretary of State for India, relative to the withdrawal of quarantine restrictions by the authorities in Switzerland, the imposition of which was notified in this Department Notification No. 40-Marine, dated the 19th February 1897, is published for general information:—

A. D. McArthur, Col., R.E., Secy. to the Goet. of Bengal.

Copy of a telegram, dated the 2nd July 1897, from the Secretary of State, London, to the Vicercy, Simla.

Switzerland.—Prohibition mentioned in my telegram of 16th February last has been cancelled.

#### The 20th July 1897.

No. 134Marine.—The following telegram No. 30, dated the 8th July 1897, from H. B. M.'s Charge' d'Affaires, Teheran, relative to the imposition of quarantine restrictions in Persia, is published for general information, in continuation of this Department Notification No. 44Marine, dated the 23rd February 1897.

A. D. MCARTHUR, Col., R.E.,

Sery. to the Govt. of Bengal.

Copy of a telegram, No. 30, dated the 8th July 1897, from H. B. M.'s Charge' d'Affaires.

Teheran, to Foreign Secretary, Simla.

By order of the Persian Government the quarantine for arrivals in Persia is to be reduced to three days. Please inform the Doctor in Seistam.

# বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের জাদেশ।

# মেরিন্ ডিপার্টমেণ্ট।

# ১৮৯৭ সাল ১৬ জুলाই।

মেরিন্ ১৩০ নম্বর। এদন হইতে অপাসাগরের বন্দরসমূহে পাইলভরে যে সকল জাহাজ ও সাম্বক যায় তাহাদের আন্ত্যের সার্টিফিকেট দেওন সম্বন্ধে ভারতবর্ষের পক্ষে শ্রীযুত টেট সেকেটরী সাহেবের ১৮৯৭ সালের ৫ জ্বসাই তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

> এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্নেন্স আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

# ১৮৯৭ সাল তারিখ ৫ জুলাই।

সিমলায় শ্রীযুত রাজপ্রতিনিধির নিকট, লণ্ডনম্থ শ্রীযুত ফেট পেকেটরী সাহেবের টেলিগ্রাম।

৫ জুলাই তারিখে এদনে নিম্নলি তি টেলিগ্রাম প্রেরিত হইয়াছে—মড়ক। কনন্টা নিনাপালের বোর্ড অফ হেল থের ইচ্ছা এই, এদন হইতে স্থপদাগরের বন্দরসমূহে পাইলভরে গামি প্রত্যেক জাহাজ ও সাম্বককৈ স্বাস্থ্যের সার্টিফিকেট দেওয়া হয়, ও সেই সার্টিফিকেটে ঐ জাহাজ ও স্বাস্থক যে স্থানে সংইবে, এবং তাহার মালার ও আরোহার সংখ্যা ও যে প্রকারের মাল তাহা লেখা থাকে।

# ১৮৯৭ সাল ১৯ জুলাই।

মেরিন্ ১০২ নম্বর ।— কারান্টাইন নিষেধ বিধি ধার্যাকরণের যে কথা এই ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ১৯ ফেব্রুয়ারি তারিখের মেরিন্ ৪০ নম্বরে প্রকাশ করা গিথাছে স্থইউজার্লভের কর্তৃপক্ষের দ্বারা সেই বিধি রহিত করণ সম্বন্ধ ভারতবর্ষের পক্ষে শুযুত ভেট সেক্রেট্রী সাহেবের ১৮৯৭ সালের ২ জুলাই তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাণারণের অবগত্যথে প্রকাশ করা গেল।

এ ডি ম্যাকআর্থর, কর্ণেল, আর. ই, বুজুদেশের গ্রথমেন্টের সেক্রেটরী।

দিমলায় খ্রী,যুত রাজপ্রতিনিধির নিকট লওনন্থ খ্রীষ্ত ফেট সেক্রেটরী সাহেবের ১৮৯৭ সালের ২ জুলাই তারিখের টেলিগ্রামের প্রতিলিপি।

সুইটজার্লও—আমার গত ফেব্রেয়ারি মাসের ১৬ ত:রিখের টেলিগ্রামে প্রকাশিত নিষেধ রহিত করা গেল।

# ३৮৯१ मान २० फ्लाई।

মেরিন্ ১৩৪ নম্বর । — পারস্যে কারান্টাইনের নিষেধ বিধি ধার্য্য করণ সম্বন্ধে টেহেরণের এচ, বি. এম'স চার্জ ডি' আক্ষেরের ১৮৯৭ সালের ৮ জুলাই তারিখের নিম্নলিখিত ৩০ নং টেলিগ্রাম এই ডিপার্ট-মেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৩ কেব্রুয়ারি তারিখের মেরিন্ ৪৪ নং বিজ্ঞাপনের অম্বর্কমে সাধারণের অব-গত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

এ, ডি, মাকআর্থর, কর্নেল, আর, ই, •
বঙ্গদেশের গর্বন্মেণ্টের সেক্রেটরী।

সিমলায় শ্রীযুত ফরিন্ সেকেটরী সাহেবের নিকট টেছেরণের শ্রীযুত এচ. বি, এমসের চার্জ ডি' আন্দেয়রের ১৮৯৭ সালের ৮ জুলাই ভারিখের ৩০ নং টেলিগ্রামের শ্রুতিলিপি।

পারস্যের গবন্ধেন্টের আজ্ঞাক্রমে পারস্যে আগভ জাহাজের পক্ষে কারান্টাইন কমাইয়া তিন দিন করা ঘাইবে । সিফামের ডাক্তারকে ইহা জ্ঞাত করুন।

# বঙ্গমহিলাগণের রচনার নিমিত্ত বাবু ব্রজমোহন দত্ত স্থাপিত পারিতোষিক।

১৮৯৭-৯৮ অন্দের জন্য বাবু ব্রজমোহন দত্তের দেয় ৪০) টাকা পারিতোষিকের নিমিত্ত নিম্নলিখিত প্রবন্ধটী নির্দ্দিষ্ট হইয়াছে " গার্হস্থ্য বিষয়ে নর নারীর কর্তব্য ।"

# পারিতোষিক দানের নিয়ম।

- (১) বৃদ্ধ্যন্তিলা মাত্রেই পারিতোষিক**প্রার্থিনা হইতে পারিবেন; এতৎসম্বন্ধে ব্য়**সের কোন নিয়ম নাই।
- (২) পারিতোষিকপ্রার্থিনীগণকে বঙ্গজায়াতেই হর্ডক বা সংস্কৃত ভাষাতেই হর্ডক কোন একটি নির্দ্ধিষ্ট প্রবন্ধ রচনা করিতে হইবে।
- (৩) এই বিজ্ঞাপন প্রচারের ভারিখ হউতে ছয় মাসের মধ্যে প্রবন্ধগুলি বিচারের জন্য সেক্রীল টেকুফ বুকু কমিটির নিকট পাঠাইতে হইবে।
- (৪) প্রত্যেক প্রবন্ধের •সহিত পারিতোধিকপ্রার্থিনীর স্বামী, পিতা বা অন্য অভিভাবককে এই মর্ম্মে পত্র লিখিয়া পাঠাইতে হইবে, যে, তাঁহার বিশ্বাসমতে, রচয়িত্রী, ঔ প্রবন্ধ রচনাকালে, প্রকাশ্য বা অপ্রকাশ্য ভাবে কোন প্রকার সাহায্যই গ্রহণ করেন নাই।

১৮৯৭ অব্দের ৩১শে ডিসেম্বর তারিখের মধ্যে কলিকাতায়, (৪ নং ড়ালহাউসী, ক্ষোয়ার) প্রেসিডেন্সি সার্কেলের স্কুল সমূহের ইন্স্পেক্টরের আফিসে, সেণ্টাল টেক্ফ বুক্ কমিটির সম্পাদক মহাশয়ের নামে এই প্রবন্ধ পাঠাইডে হইবে। এই প্রবন্ধের মোড়কের (কভারের) উপর "ব্রজমোহন দক্ত পারিতোফিকের রচনা" এইরপ লিখিত থাকিবে। গাঁহার রচনা সর্কোৎক্ষ্ণ হইবে কলিকাতা গেজেটে তাঁহার নাম প্রকাশিত হইবে।

যিনি একবার পারিতোধিক প্রাপ্ত হইয়াছেন, তিনি ইচ্ছা করিলে অন্য বৎসর পুন্ধার প্রবন্ধ রচনা করিতে পারেন। যদি তাঁহার রচনা সে বারেও সর্বোৎক্লফ হয় তাহা হইলে তাঁহার নাম কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত হইবে, কিন্তু পারিতোধিক, রচনার গুণাম্নসারে, তাঁহার পরবর্তিনী মহিলাকে প্রদন্ত হইবে।

যদি বিচারকগণ সর্ব্বোৎক্লফ্ট রচুনাটকেও পারিতোষিকের উপযোগী বলিয়া বিবেচনা লা করেন, ভাহা হইলে পারিতোষিক প্রদন্ত হইবে না।

কলিকাতা ১লা জুলাই ১৮৯৭ সি, এ, মার্টিন

বাঙ্গালা দেশের শিক্ষাবিভাগের ডিরেক্টর।



# गवर्गाने जाउन्हे।

TUESDAY, JULY 27, 1897.

# यत्रनवात्र, ১৮৯१ मान २१ जूनाई ।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्राम्टनंत शवर्गस्य विकास ।

# ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 3703M.—The 15th July 1897.—Whereas a notification No. 2559M., dated the 8th May 1897, was published at page 118, Part IB of the Calcutta Gazette of the 12th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act, III of 188 k, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the undermentioned area situated within the Barisal Municipality, in the district of Backergunge, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Barisal Municipality, made at a meeting, the Lieutenaut-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said area situated within the above Municipality:—

West.-West Bogura road, North Bogura road and Sakutia road.

North .- Jail khal.

South .- Kalibari road.

East .- Existing limits.

. . . . .

C. E. A. W. OLDHAM,
Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

### NOTIFICATION.

No. 3745M.—The 17th July 1897.—Whereas a notification No. 1598M., dated the 22nd March 1897, was published at page 75, Part IB of the Calcutta Gazette of the 24th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to sanction the levy by the Commissioners of the Asansol Municipality, in the district of Burdwan, of a tax under section 131 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Act IV of 1894, on carriages and on horses and other animals specified in the fifth schedule of the Act, at rates not exceeding those mentioned in the said schedule, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 86 (a) of the Act, and in accordance with the recommendations of the Commissioners of the Asansol Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the above proposal.

C. E. A. W. Oldham, Oftg. Secy. to the Gort, of B ngal.

# বঙ্গদেশের ত্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আ্দেশ।

# मुनिमिপल ७ श्वानीय ।

# বিজ্ঞাপন।

০৭০৩ এম ্নশ্বর ।— ১৮৯৭ সাল ১৫ ছুলাই।—বাখরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত বরিশাল মুনিসিপালিটীর মধ্যে ছিত নিম্নলিখিত ছানে ১৮৯৪ সালের বলীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বল্পদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করণার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রান্থ প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৮ মে তারিখের ২৫৫৯ এম, নং যে বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১২ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ ট খণ্ডের ১৮ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এভদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্মতাহ্বসারে কার্য্য করিয়া এবং বরিশাল মুনিসিপালিটীর সভাগত কমিশনরদের অহ্বোধক্রমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীর মধ্যে স্থিত উক্ত স্থানে প্রচলিত করিবার অহ্মতি দিলেন।

পশ্চিম দীমা। — পশ্চিম বশুড়া রাস্তা, উত্তর বগুড়া রাস্তা ও সাকৃটিয়া রাস্তা। উত্তর দীমা। — কেলের খাল। দক্ষিণ দীমা। — কালীবাড়ী রাস্তা। পুল দীমা। — বর্ত্তমান দীমা।

> সি, ই, এ, ডবলিউ, ওল্ডহাম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেকেটরী।

# বিজ্ঞাপন।

৩৭৪৫ এম্ নরর।—১৮৯৭ সাল ১৭ ছুলাই।—বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত আসেনসোল মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের দ্বারা ১৮৯৪ সালের বন্ধীয় ৪ আইন দ্বারা সংশোধিত বন্ধদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের পঞ্চ তপসীলে নির্দ্দিত গাড়ী, ঘোড়া ও অন্যান্য জন্তর উপর উক্ত ভ্রুফ্সীলের লিখিত হারের অনধিক হারে উক্ত আইনের ১৩১ ধারামতে টাক্স আদায় করিবার অন্সতি দিতে প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ২২ মাচ্চ তারিখের ১৫৯৮ এম, ন° এক বিজ্ঞাপন ঐ মাদের ২৪ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ৭৫ প্রায় প্রকাশ করা গেল্ডেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবিপ এক মাদের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যা ওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্গে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া থাইতেছে যে, প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গ্রন্থেনিকের প্রতি উক্ত আইনের ৮৬ (ক) ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছে তদল্পারে কার্য্য করিলেন।

সি, ই, এ, ডব্লিউ ওলডগম, বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের এক্টিং সেকেট্রা ।



# गवन्यन् दगदन्

TUESDAY, JULY 27, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৭ জুলাই।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थए।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

कृमिविषयक बेखाहाद।

# জিলা চট্টগ্রাম।

# জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ **আইনের ৬** ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিও মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিত্ত সন ১৮৯৭ ইরেজির ১১ আগফ্ট তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রেয় করা যাইবে। সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জুন।

·	1	1		and we can be able to the second of the seco				·
, ,	3	•	, 8	à	, <b>y</b>	٩	6	•
তৌজির নশ্ব।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূৰ্মহ লেব সদৰ ক্ৰমা।	. সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইবে কিলা।	কে: ল মাত্ৰ অংশ বিক্ৰয হ <b>ইলে ঐ অংশ</b> বা ঐব অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰম চইবে তাহাৰ মালিকগণেৰ নাম।		সম্পূৰ্ণ মহণল বিক্ৰম হইলে তাহাৰ বাকী:	কোন অংশ মাত বিক্ৰ ইউলে ভাহ-ৰ বাকী।
ড় ৬৪ ৭•	থানে ফটাকছরি— তং আনন্দীমানওলা	33 4 ° ( <sup>13</sup>	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হই- বেক।		শ্রীনিমাইচরণ নন্দা শ্রীমতী গুণশীলা।		ዓი <b>ካ</b> ይ	
	খানে রাউজান,	}			1	:	1	
<b>6</b> 0	সহর —				Malamar a	44011		33.15
668	তং বসন্তরাম কতে-	00940V		১৮১৯ সালের ১১	্ট্রীআনন্দমোহন দে শ্রীআলী মহাং গং।	¢¢8  20		\$7'?
ugo	য়াবাদ।	,	<b>इ</b> हेटवक ।	আইনমতে জ্যা স্বতন্ত্ৰ হইয়া ২ নং	1			
	<b>থানে</b> রাউ <b>জান</b> ,			অবশিষ্ট মালীক। নের অংশ বাকী পাড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক তন্তিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না।				•
<b>b</b> -b-	ভাটিয়ারি—		,					
462	ভং বকস্বা আলী	a∪9  øv•	À	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা অতন্ত্র হইয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা- নের অংশ বাকী পড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- কেক ভন্তিয় জন্য কোন অংশ বিক্রী হইবেক না :	শ্রীজ্ঞান আলী গং শ্রীআকমল আলী গং ·	92240'9		১৬৯ <b>৵</b> ১ •

٠ 	}	•	8	4	•	٩	ь	9
জির গ্ৰ <b>া</b>	মহাল ও প্রগণার শাম।	সম্পূর্ণ মহালে স্পর প্রমাঃ	मण्णूर्ण भवाल विक्रम इडेटव किना।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ ব: ঐ২ অংশেব বিশেষ বিধনণ ঃ	যে সম্পতি বিজ্ঞ হইবে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হুইলে ঐ অং- শেব সদৰ ক্ৰমা	দম্পূৰ্ণ মুখাল বিক্ৰয় ৩ লে তাহাৰ বাহী :	ুম্ভি (আচুয় কইনে ভাগ
3 &	খানে ভাটিয়ারি, রাউজান —				! :			
50 .		308611a/3	অংশ বিক্রয়	১৮১৯ সালের ১১	শ্ৰীমতা আকমন্মিছা	11101 14		
0		3 00 0110	इहेर्द ।	আইনমতে জ্যা		222819¢		30011030
				স্বতন্ত্ৰ হইয়া ৩ নং	i			1
				অবশিষ্ট মালিকা-				!
,				নের অংশ বাকা	, I			i
			ı	পড়ায় কেবল				
			,	তাহা বিক্ৰী হই-		1		
1				বেক ত <b>দ্ভিন্ন</b> অন্য কোন ৭ংশ বিক্ৰী	1			
-				<b>इहेरतक ना</b> ।				
į		•						
İ	থানে হাটহাজারি, পটীয়া রাউজান					_		
.	শহর, সাতকাণিয়া—						,	
1	তং ক্লম্ভাকশোর	4801N9	٠	১৮৫৯ সালের ১১	প্রীফঙ্গলে আহামদ	428WS:		30383
`	- কাহ্নগোয়।			আইনমতে জমা	শ্ৰীবজ্ঞ লেছম্দ।			, , ,
			1	স্বতন্ত্র হইয়া ১ নং	[	1	1	
1		í		হিং ফজলে আহা-	,	:		
i			; }	মদের অংশ বাকী পড়ায় কেবল	(			
			1	তাহা বিক্রী হই-	1	,		
1		1		বেক ভদ্তিম অন্য	1			•
		,		কোন অংশ বিক্ৰী	1			
2	কাঁড়ি রাজনীয়া—			<b>१</b> इटेंदिक ना			1	
	তং খেমকরণ হাজা-	04311/6	<b>শ</b> ~পূৰ্মহাল		শ্রীশিবরতন হাজারি	•••	78010/8	
9	রি।	- 1	বিক্ৰয় হই-	I				*
			বেক।		,		;	

# मन १৮৯৭ रेश्द्राब्जीद २४ क्लब्क्यादि म्बर जातित्थद वाकीপज़ा ।

টীকা।— যে দ্বলে উপবেব লিখিত বৰ্নাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশমাত বিক্রয় এইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই দ্বলে ইয়া বৃত্তিত হটবে যে ও অংশের । মতার হিসাব রাখা রইয়া থাকে ও মহালের অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

CHITTAGONG COLLECTORATE, Th 5th July 1897.

J. D. Anderson, Collector. .

# জিলা চট্টগ্রাম।

# ইস্তাহার নামা কাছারি কালেক্টুরী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মান্থসারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মহাল দ্বিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগন্ত তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্ররিতে নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ই তারিখ ৫ জুলাই।

ক্রমিক নগব।	! তলুকার নম্ব। :	ভালুকাব নাম।	ম†লিকের ন¦ম ।	≯। দুরু ব	স্প্র জ ম\।		বাকী।		
				খাজানা।	(इंह)	*19171	(कृष्ठ ।	মোট।	মন্ত্ৰ্য
3	₹	•	8	ď	•	9	b	, a	<b>5</b> •
		মেডি হাপানিয়া থানা ফটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।				:			
3	२ २७৯२৯ ४०७	তালুক ফরাদ জাফর	ওবেদর বহমান থাঁ বিং ভোরাপ আলি খাঁ সাঃ পাঁচলাইশা		હ911/હ	<b>60</b>	<b>€</b> 39∕0	6F2%.	

CHIPTAGONG COLLECTORATE,

J. D. Anderson,

Collector

The 7th July 18 17.

# জিলা চট্টগ্রাম—ইন্তেহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মান্ত্রসারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে কেন্দ্রেয়ারি সূর্য্যান্ত পর্য্যন্ত বাকী পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমন্ত্র ১৮৯৭ ইং১০ই আগফ মোতাবেক ১৬০৪ বাজালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মজলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্ট্রি কাছারিতে বিনাওজরে প্রকাশ্য নীলামে ধরা যাইবে। ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জ্ব।

তালু কেব নম্বর।		1	বাৰ্ষিক ক্সমা।		वाकी।			
	छोस्ट व नाम।	শ† লিকের নাম।	ধাজানা	(ছচ।	*	( <b>5</b> 5 )	মোট ৷	মস্ত্র।
७७ <b>९७</b> १८५३	থানা সাত্কানিয়া মেজি।  চড়ম্বা মহল নরাবাদ।  তালুক কালাকৈল্বর  উপোক্ত দাস, হরি  ক্রানা দেবিদাস, র,মশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চৌধুরী, পূৰ্বচন্দ্ৰ চৌধুরী, হরদাস চৌধুরা, তারকচন্দ্ৰ চৌধুরী দেবিদাস চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্র চৌধুরী সাকিনান চড়ছা থানা সাতকানিয়া।	110/ 79P9	99) 110/	986	•••	985	সম্পূর্ণ তাণ লুক বিক্রণী হইবে।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

in.

# क्रिमा बाग्रायामी।

# क्षत्रिमादी विकस्त्रत विकाशन ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদদেওয়া যাইতেছে যে নোয়াধালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিধিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আহে তাহ। আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাধা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	•	•	8	t	•	٩	·	>
তোলির নম্বর।	মহাল ও পরগলার নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব সদৰ কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইবে কি না:।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রন্ত ছইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিধ্ববণ।		কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব ধাৰী :	কোন হাংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহা বাকী।
. 7 <i>5</i>	দাব্দরা হিঃ ১১।=১৫ ক্রান্ডী পং দাব্দরা।		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ১১০॥/৮ভিল।		४०२५७		8 <b>४</b> ०  <b>४</b> २
8 ¢	কিসমত মহেন্দ্র না- নারায়ণ পং ভদ্বীপ।	<b>.</b>	मण्यूर्व		শ্রীমতী আইজন- ন্নেছা।	••••	255122	*** ***
·	চাকদে বামনী জমি দারী চাং বামনী।	•••	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।• আনা।	মেঃ পি, জে, ডেন্সনি গং নাবলগান পক্ষে মাতা অভি- ভাবক মিস এনেলা	•		€ € 45 a
			খাস মং	হাল টেনিউর—	জে, ডেলনি সাহেবা।			
<b>349</b> 0	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওয়ালা	reele	मण्पूर्व		আবধুল হাকিম মিঞাজি গং।	•••••	२४०	••••
3 <b>69</b> @	লাছদলাল। ঐ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্রজরাম মাঝি গং।	92011	ù	••••	ব্ৰজ্বাম মাকি গং		২৩৶৽	*****

LALIT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

# জিলা চট্টগ্রাম। — ইস্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহাদ্বারা জ্ঞানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ কেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকী পড়া ৫০০, টাকার উর্দ্ধ্ জ্ঞার নওয়াবাদ ভালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার ধর্মতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ জাদ্ধ রোজ মঙ্গলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রারতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জ্লাই।

	retm -	তালুকাব নাম।		সদর জমা।		বাকীর পরিমাণ।			
ক্রমিক ন খর।	তালু- কাব মগব।		মালিকেব নাম।	শাঙ্গানা।	দেম।	খাজানা।	দেম।	মোট।	মশুব্য
,	₹	٥	8	ď	•	9	ь	>	· ·
	84;2	মেডিজ জ্জেখন। ধানা ক্টীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	7605 649 50469	তাং দেখ ওবেহুলা খাঁ হাং তাং লভিপা খাতুন মোজে ভূজপুর থানা	শ্ৰীমতী লডিফা খাতৃন	2209110	ab/0	448)	રર મહાઇ	a 94 He	
	8285	ফটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	<del>28 • 23</del>	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং তাং ওবেদর রহমান খাঁ।	ওবেদর রহমান খাঁ	(۵۰۹	0600	089112	3042	0601/6	••••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 23rd July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

## Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6, per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

# দ্ববদ্ব সিন্কোনা।

কলিকাজান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের অ্পরিন্টেভেন্টের নিকট গবর্ণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রেয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে জ্বরম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।। • টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পোও টিন ১০) টাকায় পাইবেন । সর্কাসাধারণে কোম্পানির বাগানের অ্পরিন্টেভেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬) টাকায়, আট ঔপ টিন ৬১ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২) টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রেয় করিয়া গাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।•, আট ঔপ গিনের ৮০ ও এক পোও টিনের ৮০ ডাক মান্সল দিতে ইইবে। বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পেণ্ডি টিন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেড ১৮৭০

॥ जास ,, ,, >) ,, ,, ,, >)।•

( 何待 ,, ,, 811° ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপক্রট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারাকী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্র করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

# NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				us.	Α.	r.	
Entire Gazette	•••			10	0	0	per annam.
	Postage			2	8	0	
Parts III, IV, V,	and VI, co	ntaining the	Acts				
and Bills of the	Legislative	Councils of I	India				
and Bengal		•••		4	0	0	*,
8	Postage	•••	***	4	0	0	,,
For a single copy							•
Entire Gazette	•••	•••		0	4	0	
•	Postage	•••	•••	0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••	•••		1	O	for 4 sheets or under
, ,							with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.

Postage ... 0 1 0

For Calcutta.

यकः मत्न

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage. E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

টাকা।

# বিজ্ঞাপন।

চেচ্ছত সাল ২১ ফেব্রুয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাস্থল এই অবধি নিম্ন-নিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবেঃ—

					• • •	
সম্পূর্ণ গেকেট	• • •	•••	•••	वदमञ	3 0~	
ড!ক <b>মাস্থ</b> ল	• • •			73	<b>*11 •</b>	
৩ এ ৪ এ ৫ এ ৫ খ্ভ	( যাহাতে 🕶	গরতবর্ষের	ও বল-			
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার অ	विन ७ प	শাহ <b>ের</b>			
পাণ্ঠ্ছিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	8,	,
ভাক্যাস্প	•••	•••		"	١ ١	
শৃপূৰ্ণ এক <b>খানি গেজেটে</b> ৰ	য় মূল্য	•••		79	[•	
ড <b>াক্মান্থল</b>		• • •			/ •	
0 3 8 3 6 4 6 5 6 0	( প্রত্যেক ৪	ও পৃষ্ঠা বা	তাহার			
ন্যুন সংখ্যক গ	(क्रेश्त मृन्य)	•••			/n 8 9割雪	
					সক্ষ অধিক	₹श
					ভাহার প্র	ভাক
•					৪ পূঞ্চা প্রতি	
					এক ২ জানা	
						•

# কলিকাভায়।

কালকাতায় ও মকঃসলে সমান মূল্য, কলিখাতায় কেবল ডাকমান্থল লাগিবে না !

फाल्यास्त्र ...

रे, এब, राकाव।

বলদেশের গবর্ধমেন্টের এক্টিং ছোট সেকেটরী।

# The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, w.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the CALCUTTA GAZETTE.

Full p	age, per issue				20	
Half	"Ca	sual adve	rtisement	 4 ann <b>a</b> s per	line.	10

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রবন্দেরে কার্য্যালয় কিম্বা গ্রবন্দের কর্ত্তাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন ব্যক্তি বাজাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রম্ন করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভম্মিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অণ্ডো মূল্য পাঠান না গেলে উপ-বোক্ত ফার্য্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিয়া উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিন্ত ভাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴ • এক আনা পাঠাইতে হইবে।

मि, छवमिछे वल्हेंब,

बक्रामान्य श्रवर्थायांचेत कांचे त्याक्रवेतो ।

# ১৮৮२ मात्मत ১२ ডिम्बत ।

মক্ষর্য	– কলিকাতা গেলেটে ইণাতিহার প্রকাশ করিব	ার হার এইং।	•			B1€14
	পুরা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	•••	•••	2
	क्यांत ्रक्रा	•••	•••		***	3.
	ক্ষম কথম ইপতি হার প্রকাশ করিছে ভইতে	i was offer	•••	P94	***	10

# FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

# বাঙ্গান্ত সেকেটারিয়েট যন্ত্রান্তরে বিক্রয়ার্থে আছে ৷

বারিফার-আট-লা ও শ্রীশ্রীয়তীর বঙ্গদেশের সিবিঙ্গ সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্টিক্ট ও সেশন জজ্ঞ ও রেন্ট কমিশ্যনের যেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিল্ড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণীত বঞ্চদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেউ গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীর প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

# একং খানি পুসকের মূল্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুক্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট একং খানি পুত্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইৰার বরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য। -উক্ত পৃস্তক এখনও পাওয়া ঘাইতে পারে।

# বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বল্পদেশের যান্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড ওয়েন্ট টোন হালের হাতায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিদে রেঞি ষ্টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটাতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

# বিজ্ঞাপন।

সাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে এরামপুর নিবাসি এরাধিকা প্রসাদ চট্টোপাধ্যায়, তদ্য পড়ি শ্রীমতা নিত্যময়া দেবি, এবং কন্যা শ্রীমতা ভূবন মোহিনি দেবি এই তিনজনায় বালি নিবাসি শ্রীযোগীস্ত্র চন্দ্র মুখোপাধ্যামকে এবং গোঘাট নিবাসি শ্রীরামেশ্বর সেন বক্সিকে আমমোক্তার নিযুক্ত করিয়াছিলেন। একণে উহারা গুই জনায় হিসাবাদি না দেওয়াতে ৬২/দিগকে উক্ত কার্য্য ছইতে অবসর দেওয়া ছইয়াছে। উহাদিগের দ্বারায় যদি কেহ কোন কার্য্য করান বা টাকা লেন দেন করেন াহা আদালতে এবং সর্বস্থানে অগ্রাহ্য ও নামঞ্চুর হইবেক।

# শ্বিরাধিকা প্রসাদ চট্টোপাধ্যায়।

(11-1)

কলিকাত। প্রেসিডেন্সী কেল যপ্তালয়ে গ্রণমেটের জন্য জীযুত জেম্স পেটী সাহেব কর্তৃক মৃত্রিত ও প্রকাশিত হবল।





# गवर्गायन् ।

TUESDAY, AUGUST 3, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩ আগফ।

CONTENTS	1
PAGE.	मिर्च छे ।
PART I Resolutions. Orders and Notifica-	<b>ग</b> र्ग ।
tions of the Government of India Nil.	প্রথম খন্ত।—ভারতব্যীয় গ্রব্মেটের নিষ্কারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আন্দেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি _ নাই
tions by the Lieutenant-Governor	খিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রেগমেন্টের নির্দ্ধারণ,
of Bengal 247-249	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ২১৭ ২৪১
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	ষিতীয় ক খণ্ড।—বিশ্বদেশের গার্থমেটের আদেশ ।
nor of Bengal Nil.	ততীয় খণ্ড।—ভাবতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্রণীত
PART III Acts of the Legislative Council of	আইন নাট
India	চতুৰ্থ বন্ত। —জাবতবৰ্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাব আইনেৰ
PART IV Bills of the Legislative Council of	শাকুলিশি ১৩ ১০
India 13-14	প্রহায় বার্ । —বঙ্গাধ বার্শ্বলক সভাব প্রণীত আইন আই
PART V Acts of the Bengal Council Nil.	क्षे चला -नकीय वाचन्द्र भक मचाव आहेरतत
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	পাতুলিপি নাই
FART VIICircular Orders by the High	সপ্তম খণ্ড ৷—হাই কোটেৰ ও বেবিলিউ ৰোটেৰ
Court and Board of Revenue Nil.	नाधारन खाणनान्य नार्
PART VIII.—Advertisements 377—385	অন্তম বৰু।—ইশ্তিহাৰ প্ৰভৃতি ৩৭৭ ৩৮।
UPPLEMENT Nil.	প্রিশিষ্ট গ্রব্মেটের গেছেট নাঞ্চ

# PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দিতীয় খণ্ড।

বন্ধদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

# ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 27th July 1897.

No. 137 Marine. - The following telegram, dated the 14th June 1897, from Sir N. O'Connor, St. Petersburg, regarding the outbreak of plague, is published for general information.

> A. D. McARTHUR, Colonel, R.E., Secy, to the Goot, of Bengal.

Telegram from Sir N. O'Connor to the Foreign Office, dated St. Petersburg, 14th June 1897.

Amoy in South China, Hui in Indo-China, and Jeddah on Red Sea declared plagueinfected.

# বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের সাজেশ।

# মেরিন ছিপার্টমেন্ট।

# ১৮৯৭ मान २१ जूनाहै।

মেরিন ১৩৭ নম্বর। — মড়কের প্রাপ্ত ভাব সম্বাদ্ধ সেন্ট পিটর্সবর্গের প্রীযুত সর এন ওকোনর সাহেবের ১৮৯৭ সালের ১৪ জুন তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের মবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

> এ, ডি, ম্যাক শর্থর, করেল আর, ই, বল্পদেশের গ্রন্থেত্তের সেক্রেটরা।

ফরিন্ আফিসের এমুত সর্ এন ওকোনর সাছেবের সেন্ট পিটর্গরহাতে প্রেরঙ ১৮৯৭ সালের ১৪ জুন তারিখের টেলিগ্রাম।

দক্ষিণ চিনের অন্তর্গত আময়ে, ইণ্ডো চিনের অন্তর্গত কইয়ে ক্রপা সাগরের তটস্থ ক্রেদায় মড়ক শংক্রামিত হইয়াছে বলিয়া ব্যক্ত করা গিয়াছে।

# বঙ্গমহিলাগণের রচনার নিমিত্ত বাবু ব্রজমোহন দত্ত স্থাপিত পারিতোষিক।

১৮৯৭-৯৮ অব্দের জন্য বাবু ব্রজমোহন দত্তের দেয় ৪০, টাকা পারিতোবিকের নিমিত্র নিমলিখিত প্রবন্ধটী নিদিষ্ট হইয়াছে " গার্হস্থ্য বিষয়ে নত নারীর কর্তব্য।"

# পারিতে।ফিক পারের নিয়ম।

- (১) বৃদ্ধমহিলা মাত্রেই পারিভোষিকপ্রার্থিনা হইতে পারিবেন; এতৎসম্বন্ধে বয়সের কোন নিয়ম নাই।
- (১) পারিতোষিকপ্রার্থিনীগণকে বঙ্গভাষাতেই হউক বা সংস্কৃত ভাষাতেই হউক কোন একটি নির্দিষ্ট প্রবন্ধ রচন। করিতে হইবে।
- (৬) এই বিজ্ঞাপন প্রচারের ভারিখ হইতে ছয় মাদের মধ্যে প্রবন্ধগুলি বিচারের জন্য সেণ্টাল টেক্ট বুকু কমিটির নিকট পাঠাইতে হইবে।
- (৪) প্রত্যেক প্রবন্ধের সহিত পারিভোষিকপ্রার্থিনার স্বামা, পিতা ব। অন্য অভিভাবককে এই মার্ম পাত্র লিখিয়া পাঠাইতে চইবে যে, ভাঁচার বিশ্বাসমতে, রচয়িত্রী, এ প্রবন্ধ রচনা-ঁ কালে, গ্রাশ্য বা অপ্রকাশ্য ভাবে কোন প্রকার সাহায্যই গ্রহণ করেন নাই।

১৮৯৭ অন্দের ৩১শে ডিদেম্বর তারিখের মধ্যে কলিকাতায় (৪ নং ডালহাউদা স্কোয়ার) প্রেসিডেন্সি সার্কেলের স্কুল সমূহের ইন্স্পেক্টরের আফিসে, সেণ্টাল টেক্ট বুক্ কণিটির সম্পাদক মহাশয়ের নামে এই প্রবন্ধ পাঠাইতে হইবে। এই প্রবন্ধের মোড়কের (কভারের) উপর ''এজমোহন দত্ত পারিতোষিকের রচনা । এইরূপ লিখিত পাকিবে। সাহার রচনা সকোৎক্লঠ হইবে কলিকাতা গেজেটে ভাঁহার নাম প্রকাশিত হইবে।

যিনি একবার পারিতোষিক প্রাপ্ত হইয়াছেন, তিনি ইচ্চা করিলে অন্য বৎসর পুন দার প্রবন্ধ রচনা করিতে পারেন। যদি তাঁহার রচনা সে বারেও সক্ষোৎক্রট হয় তাহা হইলে তাঁহার নাম কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত হইবে, কিন্তু পারিতোষিক, রচনার গুণাল্লসারে, তাহার পরবভিনা

যদি বিচারকগণ সক্ষোৎক্রত রচনাটিকেও পারিতোযিকের উপযোগী বলিয়া বিবেচনা হা কল্পন তাহা হইলে পারিতোষিক প্রদন্ত হইবে না।

**)লা জুলা**ই ১৮৯৭

সি, ৩, মার্টিন

বাঙ্গালা দেশের শিক্ষাবিভাগের ডিরেক্টর।



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

# নঙ্গলবার, ১৮১৭ সাল ৩ আগস্ট।

# চতুর্থ থগু।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের পাণ্ডুলিপি।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট।

# ব্যবস্থা বিভাগ।

নিম্নলিখিত আইনের পাণ্ট্লিপিখানি ১৮১৭ সালের ১লা জুলাই তারিখে আইন ও ব্যবস্থা প্রণয়নার্থ ভারত-বর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মন্ত্রিসভায় উপস্থিত করা হইয়াছিল ঃ—

১৮৯৭ সালের ১০ নম্বর।

আদালতের রন্থম বিষয়ক ১৮৭০ সালের আইন আরও সংশোধন করণার্থ আইনের পাণ্ডুলিপি।

আদালতের রত্ম বিষয়ক ১৮৭০ সালের আইন আরও সংশোধন করা বিহিত। অতএব এতদ্বারা মিম্মলিখিতমত বিধান করা গেলঃ—

১ ধারা ৷ (১) এই আইনটিকে আদালতের রস্ম সংক্রিপ্ত নাম ও আব-ক্লেব কথা ৷

সংশোধন করণার্থ ১৮৯৭
সালের আইন বলা যাইতে

পারিবে, এবং

(২) ইহা অবিলয়ে আমলে আসিবে !

২ ধারা। আদালতের রহম বিষয়ক ১৮৭০ সালের ১৮৭০ সালের ৭ আইনের আইনের ১৯ ছ ধারার পর ১৯ছ ধারার পর ছইটা নৃতন ধারা যোগ করিবার কথা। করিতে ছইবে, অর্থাৎ : —

"১৯ জ ধারা।

জিলার প্রধান রাজ্য কর্মচারির রিকাড পরিদর্শন করিবার এ২" ইটেটের কম কবিয়া মূল্যাণধারণের কথা প্রমাণ করিবার ক্ষমতার কথা। (১) জিলার প্রধান রাজস্ব কর্মচারী যে মোকদ্দমায় তাঁহার জিলার অন্তর্গত কোন আদা-লতে প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্রের নিমিত্ত দরখাস্ত করা হয় যে কোন সময়ে সেই মোকদ্দমার রিকার্ড পরিদর্শন করিতে বা করাইতে পারিবেন এবং এরপ পরিদর্শন করিয়া বা অন্য প্রকারে তাঁহার যদি এরপ বিবেচনা হয় যে দরখান্তকারী মৃত ব্যক্তির ইস্টেটের মূল্য ক্য করিয়া ধরিয়াছেন তাহা হইলে তিনি যে আদালতে ঐ দরখান্ত দায়ের থাকে সেই আদালতকে ঐ ইস্টেটের যথার্প মূল্য সন্থদ্ধে অভ্নসন্ধান করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

- (২) কোন , আদালতকে প্র্কোক্তমতে আনেশ করা হইলে তিনি তদম্পারে অম্পদ্ধান করিবেন এবং মৃত ব্যক্তির ইটেটের যে যথার্থ মূল্য অবধারণ করা উচিত ছিল যত দুর সম্ভব তাহার কাছা কাছি মূল্য-নির্ণয় করিয়া লিপিবদ্ধ করিবেন।
- (৩) যে ব্যক্তি প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্তের
  নিমিত্ত দরখান্ত করেন আদালত ঐরপ কোন অমৃসন্ধানের প্রয়োজনার্থ স্বয়ং বা কমিশনের দ্বারা শপথক্রমে তাঁহার সাক্ষ্য লইতে পারিবেন এবং ঐ ইন্টেটের
  যথার্থ মূল্য প্রমাণ করিবার নিমিত্ত ঐ রাজ্ঞ্য
  কর্মচারী কিন্বা ঐ দরখান্তকারী আরও যে সাক্ষ্য
  আদালতে উপস্থিত করেন তাহা গ্রহণ করিতে
  পারিবেন।"

'' ১৯ ঞ ধারা। (১) প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্ত্বের নিমিত্ত প্রত্যেক ধবেট বা ধনাধ্যক্ষতাব দরখান্ত্বের সহিত প্রবেট বা ক্ষমতাপত্ত্বের উপব আদা দতের বস্তম আদায় কবিবাব প্রবালীর কথা। সহন্ধে এই আইনাম্নারে যে ক্ট আদায় করা যাইতে পারে সেই

মোকদ্দমার রিকার্ড পরিদর্শন ফীর সমান টাকা আমানত করিতে হইবে।

A Bill to further amend the Court-fees Act, 1870.

(২) দরখাত যদি মঞ্চর করা হয় তাহা হইলে (১)

প্রকরণান্নসারে আমানত করা টাকা প্রেক্তিমতে

আদার্যোগ্য কী সৃচিত করণার্থ বে ইক্তাম্প
ব্যবহার করিতে হইবে সেই ইক্টাম্প ক্রয় করিবার

নিমিক্ত আদালতের আদেশাহ্নসারে ব্যায়িত হুইবে।

(৩) ১ প্রকরণমতে আমানত করা যে টাকা (২) প্রকরণাস্থসারে ব্যয়িত না হয় তাহা আমানত-কারীকে কেরত দেওয়া হইবে।"

# অভিপ্রায় ও হেতুর বিবরণ।

যে ইন্টেট সম্বন্ধে প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র প্রমন্ত হয় দরখান্তকারী কর্ত্ব সেই ইন্টেটের যে মূল্য অবধারিত হয় তাহার উপর ১৮৭০ সালের ৭ আইনাত্সনারে আদালতের রহুম অরপ শতকরা একটা নির্দিট্ট টাকা আদায় করা যাইতে পারে। ১৮৭৫ সালের ১৩ আইন এবং ১৮৯০ সালের ৮ আইনের দ্বারা সংশোধিত ঐ আইনের ৩ ক অধ্যায়ে দরখান্তকারী যে কা দিয়াছেন তাহা ন্যায় ফীর অপেক্ষা অত্যধিক দেখা গেলে কা কেরত দিবার নিমিত্ত আর দরখান্তকারী প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্তের নিমিত্ত দরখান্ত করিবার সময় তাহার হল্তে যে সম্পত্তি আসিবে সেই সম্পত্তি কম করিয়া ধরিয়া যদি সেই হিসাবে ফী দিয়া থাকেন তাহা হইলে যে কা দিয়াছেন এবং যে কা তাহার দেওয়া উচিত ছিল ইহার মধ্যে যত টাকা বৈলক্ষণ্য হয় সেই টাকা পরে আদায় করিবার নিমিত্ত বিধান আছে।

- ২। কিন্তু দরখান্তকারির মূল্যাবধারণ যে ঠিক ইথা পারীক্ষা করিবার নিমিত্ত গবর্ণমেন্টের রাজস্ব কর্মচারিদিগের কোন উপায় করিয়া দেওয়া হল নাই। দেখা গিয়াছে যে আইনের এই দেষে কার্য্য পক্ষে কতক
  অস্থবিধা ঘটে। অতএব জিলার প্রধান রাজস্ব কর্মচারী যে মোকদ্দমায় প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্ত্বের
  নিমিত্ত দরখান্ত করা হয় সেই বোকদ্দমার রিকার্ড পরিদর্শন করিছে পারিবেন এবং সম্পর্কযুক্ত ইট্টেটের
  কম করিয়া মূল্য অবধান্তিত ইইয়া থাকিলে আদালতে তাহা প্রমাণ করিতে পারিবেন আদালতের রস্ম বিষয়ক
  ১৮৭০ সালের ৭ আইনে এই মর্ঘের একটা ধারা ষোগ করিয়া খি দোষ সংশোধন করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে।
- ত। যাহাতে প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষযতাপত্র দিবার নিমিত্ত পরে যে কী লওয়া যাইতে পারিবে ভাছা প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার পত্রের নিমিত্ত দরবার সময়ই লওয়া যাইতে পারে তজ্জন্য ঐ আইনে উত্তরা ধিকারিত্বের সার্টকিকেট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ৭ আইনের ১৪ ধারার অহুরূপ বিধান সন্ধিবেশিত করিবার প্রস্তাব্ত করা যাইতেছে। এক্ষণে যেরপে আইন আছে তাহাতে কী প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্রের নিমিত্ত দরখান্ত করিবার সময় দিতে হয় না, প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র প্রদত্ত হইবার সময় দিতে হয়। যে ব্যক্তির সম্বন্ধে ভারতবর্ষীয় উত্তরাধিকারিত্ব বিষয়ক ১৮৬৫ সালের ১০ আইনের ১৮৭ ও ১৯০ ধারা খাটে না এবং আপন উত্তরাধিকারিত্ব অত্ব সাবাল্ত করিবার নিমিত্ত যাহার প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র উপরি প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র প্রস্তার ক্ষমতাপত্র বিমিত্ত আপন দরখান্তের উপর প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র প্রদেশ হইবার হক্ম পাইয়াই আপন অভাই সিদ্ধ করিতে পারেন এবং প্রার্থিত প্রবেট বা ধনাধ্যক্ষতার ক্ষমতাপত্র না লইলে এবং ভজ্জন্য নির্দ্ধিত কী না দিলেও তাঁহার চলে। ইহা স্পইই বুঝা যায় যে আইনের যে এইরপ ফল হয় আইন কণ্ডাদের ক্ষমতা প্রস্তেপ অভিপ্রায় ছিল না। অতএব পাণ্ডুলিপির ২ ধারার শেষাংশ এইরপ কল নিবারনের অভিপ্রায়ে সম্বিবেশিত হইয়াছে।

জে, উড্বরণ।

২৬এ জ্ন, ১৮৯৭ সাল।

জে, এম্, ম্যাক্ফার্সন, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেকেটরী। Chunden Nath Bosk, Bengali Translator.



# গ্ৰণ্থেণ্ট গেজেট

TUESDAY, AUGUST 3, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेम थ छ।

ইশ্তিহার এভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

# জিলা চট্টগ্রাম।

# জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতন্তারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্মলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিন্ত সন ১৮৯৭ ইরেজির ১১ আগই তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জুন।

3	2	9	8	4	<b>y</b>	1	ъ	
ভৌবির নম্বর (	মহাল ও প্রগণার নাম ।	সম্পূর্ণ মহালের সদ্ধ কম্ব।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হ <b>ইলে</b> তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিশ্ৰুয় হইলে তাহাৰ ৰাকী।
99	ধানে কটীকছরি—							
90	তং আনন্দীমানওলা	33600	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হই- বেক।	•••••	धीनियां हेहत्व नन्दी धीयठी खननीन।।	•••	<b>୩ ୦ ୩</b> ୯	*** ***
<b>b</b> 0	থানে রাউজান, সহর—	•						33 (9
448	তং বসম্ভরাম কডে- ক্লাবাদ।	६६१ ५०/७	অংশ বিক্রয় হইবেক।	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জ্বমা	শ্রীআনন্দমোহন দে শ্রীআলী মহাং গং।	£48  Jo	** ***	२५७
				স্বতন্ত্ৰ হইয়া ২ নং অবশিষ্ট মালীকা-				
				নের অংশ বাকী পড়ায় কেবল				
				তাহা বিক্ৰী হই- বেক ভদ্ভিন্ন অন্য				
				কোন অংশ বিক্রী				
	খানে রাউজান,			হইবেক না।				
<b>ש</b> ים <b>ש</b>	ভাটিয়ারি							
669	তং বকন্দা जानी	2091100	(4)	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জয়া	শ্ৰীজান আদী শ্ৰীআকমল আলী গং	922401	*****	369470
				खब्ख हरेग्ना २ नः				
	•			অবশিষ্ট মালীকা-				
•	•			নের অংশ বাকী পড়ায় কেবল	•			
				তাহা বিক্ৰী হই-				
				বেক ভম্ভিন্ন অন্য				
				कान जः म विकी इरेटवक ना ।				
				ररध्यक्ष स्था				

١	<b>ર</b>	٥	8	Ċ	•	9	ь	<b>.</b> a
্তৌজির নম্বর।	মহাল ও প্রগণ্য নাম।	স্ভাগুণ মহালের সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রম হইলে তা অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণঃ	থে সম্পত্তি বিক্লন্ন হইবে তাহাৰ মালিকগণেৰ নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অং- শের সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হুইলে ভাছার বাকী।	কোন অং = মাত্র বিক্র য হইলে তাহার বাকী।
<b>২</b> 8७	থানে ভাটিয়ারি, রাউজান—							
<u>१८४०</u> १८४७	তং যশমন্ত সিংহ	<b>३७</b> ৮७॥ <sub>४</sub> २	অংশ বিক্রয় হইবে।	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জমা স্বতন্ত্র হইয়া ৩নং	শ্রীমতা আকমন্বিছা শ্রীমতা জমিলা খাতুন গং ।	22281190	*** **	2041020
				অবশিষ্ট মালিকা- নের অংশ বাকী পড়ায় কেবল				
i.				তাহা বিক্ৰী হই- বেক তম্ভিম অন্য কোন অংশ বিক্ৰী	,			
	ণানে হাটহাজারি,	•		হইবেক না।				
2425	পটীয়া, রাউজান, সহর, সাতকাণিয়া— তং কৃষ্ণকিশোর	<b>७</b> 8¢1√9	É	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জ্যা	প্ৰীকজ্ঞলে আহাম্মদ শ্ৰীকজ্ঞলেছমদ।	a28 h/6		36793
₹3•∘	কাহ্নগোর।			স্বতন্ত্র হইয়া ১ নং হিং কজনে আহা- মদের সংশ বাকী	चाप्जार-१४वन (			
				পড়ায় কেবল তাহা বিক্ৰী হই- বেক ডম্ভিন্ন অন্য				
دره	ফাঁড়ি রাজনীয়া—	AUS 11 / V.		कान जः म विकी श्हेरिक ना।	25	 		
3628 \$349	তং খেমকরণ হাজা- রি।	<b>4</b> 6311/6	দৰ্শ্ব মহাল বিক্ৰয় হই- বেক।	•••	শ্রীশিবরতন হাজারি		280148	*** ***

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকীপড়া।

গীকা।— ৰে দ্বলে উপবেব লিখিত বৰ্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশমাত্ত বিক্রম হাইবে বলিমী লিখিত আছে দেই দ্বলে ইহা বৃথিতে হাইবে যে এ অংশের নমিত বতত্ত্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় লা।

Chittagong Collectorate, Th 5th July 1897.

.

J. D. Anderson, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইস্তাহার নামা কাছারি কালেক্ট্রনী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মাত্মসারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস হছাল দ্বিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জ্বন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগন্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্টরিতে নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ইং তারিখ ৫ জুলাই।

ক্ৰ মিক	তলুকার নধর।	তালুকাব মাম।	, মালিকের নাম।	<b>১</b> ৮৫ ব	স্প্ৰ জ্মা।		বাকী।		
নপ্ৰ।				খানা।	ছেচ।	শান্তানা ৷	ছেচ।	মোট।	मखरा।
٥ .	2	ى	8	α	8	9	ь	۵	۶۰
•	ę	মোজে হাপানিয়া থানা ফটাকছরী মহল নওয়া- বাদ।—							
٠	४७३२ ४	তালুক ফরাদ জাফর	ওবেদর রহমান ই	1	1911/1S	৬৩٠	430/0	৬৮১ <sub>%</sub> o	•••
	4 0 9		পিং তোরাপ আলি খাঁ সাঃ পাঁচলাইশ	1				;	

CHITTAGONG COLLECTORATE, )

The 7th July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### জিলা চট্টপ্রাম—ইন্তেহার নামা কাছারি কালেটুরি জিলে চট্প্রাম।

ইহাছারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মায়সারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি স্থ্যান্ত পর্যান্ত বাকা পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিম্নিত্ত ১৮৯৭ ইং ১০ই আগফ মোতাবেক ১৬০৪ বাঙ্গালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মঙ্গলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্টরি কাছারিতে বিনাওজ্ঞারে শ্রকাশ্য নালামে ধরা যাইবে। ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

তালুকেব মখব !			বাযিক	জন্ম(। 	বাকী।			
	ঙালুহের নাম।	ম†লিকের নাম।	থাজান	(ছচ (	शंक्षांना।	(इंह।	মোট।	মন্তব্য।
&686 &674	থানা সাত্কানিয়া মেজ।  চড়খা মহল নয়াবাদ।  তালুক কালীকিন্ধর  উপোক্র দাস, হরি  ঈশান দেবিদাস, রামশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চোধুরী, পূৰ্বচন্দ্ৰ চোধুরী, ধ্বরদাস চোধুরী, তারকচন্দ্র চোধুরী দেবিদাস চোধুরী এবং গোলোকচন্দ্র চোধুরী সাকিনান চড়ম্বা থানা সাতকানিয়া।	110	99) 110/	986		485 /a	मम्भृ ( ७) लूक (राज्य ३३(त)

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### জিলা নোয়াখালী।

#### জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত ছোলগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত দাইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহ। আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর চারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মান বিক্রয় হইবে বলিয়া লখিত আছে সেই স্থলে প্র অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

\$	*	•	8	<b>t</b>	•	•	L	\$
ভৌব্বির নগব।	মহাল <b>ও</b> প্রগনাব নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা-。 লেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইৱে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্রম হইতে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম চইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হ <b>ইলে</b> তাহাৰ বাকী	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হাইলে তাহা বাকী।
7/	দান্দরা হিঃ ১১। — ১০ কাস্তী পং দান্দরা।		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ১১১০।/৮তিল৷		৮০৯৸৬	••••	8 <b>४</b> ०  <b>√</b> २
84	কিসমত মহেন্দ্র না- নারায়ণ পং শুন্দ্বীপ।	৬ <b>৩</b> ৭/১১ •	मण्यूर्व	 :	শ্ৰীমতী আইজা- ন্বেছা।		255122	••••
<i>\$</i>	চাক <b>লে বামনী জ</b> মি দারী চাং বামনী।	••••	অ শ	হিসাব পৃথক হিঃ ।॰ আনা !	মেঃ পি, জে, ডেলনি গং নাবলগান পক্ষে মাতা অভি-	२११७५		eeuha
•			:		ভাবক মিদ এনেলা জে, ডেলনি			
			খাস মঃ	াল টেনিউর—	সাহেবা।			
<u> </u>	চর উশ্বর রায় মধ্যে  ২ নং গঃ মঃ  ম্যাদি হাওয়ালা লাছদলাল।	· · ·	<b>मम्पृर्व</b>		আবগুল হাকিম মিঞাজি গং।	•	<b>२</b> घट्टा ०	******
<b>১</b> ५१¢	ঐ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্রজরাম মাঝি গং।	92011	<b>A</b>	•••••• ·	ব্ৰজরাম মাঝি গং	•••••	ર છ <i>ા</i> •	•••••

LALIT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### জিলা চট্টগ্রাম। – ইস্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ কেন্দ্রেয়ারি শেষ তারিখের বাকী পড়া ৫০০, টাকার উর্দ্ধৃ জমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী শাক্তনা ও ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার মর্মাতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাদ্ধ রোজ মঙ্গলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্টরিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ ছুলাই।

į				স্দ্র ব	• <b>म</b> ।	না			
এক মিক নম্বর।	তালু- কার নগব।	তালুকাব নাম। তালুকাব নাম।	ম∤লিকৈব নংম :	থ।জনে।।	<b>্েসস</b> ।	থাজান।	শেশ।	মোট।	मखरा
>	•	٧	8		4	. 9	ь	*	٥٠
	85.9	মেতিজ জুজখলা ধানা ফুটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।	•						
	२७४१ ४५४ १८७२	তাং সেখ ওবেছুলা খাঁ হাং তাং লতিপা খাতুন	শ্ৰীমতী লতিফা খাডুন	} > 0 0 0    o	₫ <b>b</b> ਾ/ o	(48)	<b>२३५</b> ८७	894420	
	8284	মেতিজ ভূজপুর থানা ফটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	₹8°₹5 ©1548	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং তাং ওবেদর রহমান খাঁ		ر عده	'ಅತ್ರಿಕ್	03:5(12)	3042	0601761	••••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 23rd July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### Cinchona Febrituge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tim, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tim, Rs. 5; per pound tim, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tim, Rs. 3; per eight-ounce tim, Rs. 6; per pound tim, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tim, eight annas per 8 os. tim, and twelve annas per pound tim, in addition to the foregoing rates.

#### खरच मिन्दिकाना।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের অ্পারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোড ক্রেয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে ক্রুরম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।। টাকায়, আট ঔপ টিন ৫ টাকায় ও এক পোড় টিন ১০ টাকায় পাইবেন । সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের অ্পারন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এই হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬ টাকায় এবং এক পোড় টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেতাগণ ও এই ঔবধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ দিনের ৪০ বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মৃদ্য হইবে, যথা—

১ এক পোণ্ড টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

। শিকি ", 8110 পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইছা যে সিনুকোনাইন ও সিনুকোনাডাইন নামক অপাক্ষট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয়

যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				Rs.	A.	P.	
Entire Gazette	•••		•••			0	per annum.
	Postage			2	8	0	31
Parts III, IV, V,	and VI, cor	ntaining th	e Acts				•
and Bill- of the							
and Bengal		•••		4	U	U	**
•	Pestage	•••	•••	4	0	0	22
For a single copy							•
Entire Gazette		•••	•••	0	4	0	
•	Postage	•••		0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••	•••	0	î	U	for 4 sheets or under with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.
	Destress			()	,	4	

For Calcutta.

The same rates as there of the mutassal, with the exception of the charge for postage. E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the G or, or Bengal,

#### বিজ্ঞাপন।

্চত্ত সাল ২১ কেব্ৰেয়াটো ৷--বাঞ্চালা গ্ৰন্থেন্ট গেডেটের মুল্য ও ডাকমান্ত্র এই অব্ভি নিমু লখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে:--

•	यकः मट	7			টাকা।
मच्यूर्व (शटक हे	•••	•••	•••	বৎসর	50~
ড <b>়</b> কমা <b>হ</b> ল		•••	•••	71	रेश ॰
० ७ ६ ७ ६ ७ ६ ५७	( যাহাতে ব	চারতবর্ষের	ও বঙ্গ-		
দেশের ব্যবস্থাপব	সভার ভ	গাইন 😮 🤊	শাইনের		
পাণ্ডুলিপি ধাকে )	•••	•••		,,	8,
	• • •		•••	"	5,
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটে	র মূল্য	•••		11	1 •
ডাকমান্থ স	·:.		• • •	•	/ •
७ ३ ८ ७ ६ ७ ६ ५७	( প্রেচ্যক	৪ পৃষ্ঠা বা	তাহার		
<b>ন্যন</b> সং <b>খ্য</b> ক গ	पृष्ठेशत मृन्या)	•••			৴৽ ৪ পৃষ্ঠার ঊপা
					वष्क प्रिधिक हा
					তাহার প্রতে
•					৪ পৃষ্ঠা প্রতি কার
					আৰ !
ा किया सम्म ं				••	

কলিকাভায়।

কালকাতায় ও মঞ্চঃললে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাকমাপ্রল লাগিবে না !

र, এब, राकात।

वस्राप्तर अवन्यारकेत এक्षिर ছোট स्टाब्क्स

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note Rates of adver	tisement	in the Calcut	TA GAZETTE	1)-
Full page, per issue	•••	***	•••	18s. 20
Half ,, .,	rtisemen	t4 ann <b>a</b> s per l	ine.	10

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রবন্দের কার্য্যালয় কিন্তা গ্রবন্দের কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তুকাদি ক্রম করিতে চাহিলে কিন্তু তি ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তিন্নিত্তি নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্টোরিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-বোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রাভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> াঁস, ডবলিউ বল্টন, বল্পদেশের গ্রহ্বয়েন্টের ছোট সেক্রেটরী।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

•			,•		
মন্তব্য ৷— কলিকাতা গেলেটে ইণতিহাৰ প্ৰকাশ কৰিবার	হার এই২।	•			B1#11
পুরা এক পুঁচা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	***	•••	1200
काम र की	•••	•••	•		>-
স্থম কথ্ম ইশ্তিষার প্রকাশ করিতে হইলে ।	८कर वेश्वि	407	***	14.6	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Reut Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### बाकान (मटक्रकेविदस्के यहानद्य विक्रसार्थ जाएक ।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীয়তীর বলদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধয়ানের ডিন্টিক্ট ও সেশন জ্বন্ধ ও রেন্ট ক্ষিশ্যনের যেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযু ও সি, ডি, কিলড, এয়, এ, ও এল, ওল, ডি লাছেবের প্রণীত বলদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূয্যধিকারীর প্রভা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং বানি পুলকের মূল্য, ে, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। বস্তব্য ।—উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বজদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন ছইলে কলিকাভার স্পানেড ভয়েষ্ট টোন হালের হাভায় ছিত বজদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেজি-টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পৃত্তক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট শ্লেশে, ধাকার স্পিছ কোম্পানির বাটীতে ক্রম করিতে পাওয়া বায়।

কলিকাতা প্রেসিডেক্টা কেল যন্ত্রালয়ে গ্রেপ্মেটের কন্য উন্ত কেন্স পেটা সাহের কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হয়ল।





# गवर्गायकु भारकि

TUESDAY, AUGUST 10, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১০ আগফ।

CONTENTS.	
PAGE.	मिन्छ ।
PART I.—Resolutions, Orders and Notifica-	न्हें।
tions of the Government of India Nil.	প্রথম থও।—ভারতব্যীয় গ্রথমেটের নিষারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	ছিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের মির্ছাবণ,
of Bengal 251-254	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ২৫১ –২৫৫
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গর্বমেন্টের আদেশ নাই
nor of Bengal Nil.	তৃতীয় খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবন্দাশক সভার প্রবীদ্ধ
PART III.—Acts of the Legislative Council of	चाहेम 🔐 😢
India 51	চতুৰ্ব খণ্ড ৷—ভারতব্বীয় বাৰন্থাপক সন্তার আইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাণ্ডুলিপি নাই
India Nil.	পঞ্চম খণ্ড।—বঙ্গীয় ব্যবস্থাপক সন্ধার প্রণীত আইন নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council Nil.	वर्ष्ठ थेश । तक्रीय वा गन्द्र भक मकात आहेरमव
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	পাতুলিপি নাই
PART VII Circular Orders by the High	সম্ভম খণ্ড ৷— ছাই কোটের ও রেবিনিউ বোডের
Court and Board of Revenue Nil.	সাধারণ জ্ঞাপনপত্র নাই
PART VIII.—Advertisements 387—396	জাইম বশু।—ইশতিহার প্রভৃতি ০৮৭ –৩১
Supplement Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণমেন্টের গেলেট নাই

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

## দ্বিতীয় খণ্ড।

বলদেশের গবর্ণমেক্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### REVENUE DEPARTMENT—(MISCELLANEOUS).

#### NOTIFICATION-No. 2286 (Mis.)

The 29th July 1897.—Dabi Prosed, late Accountant in the office of the Deputy Commissioner of Dumka, Sonthal Parganes, having been dismissed from Government service, is debarred from re-employment in any capacity under Government.

M. FINUCANE,

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 3rd August 1897.

No. 141 Marine.—The following telegram, dated the 23rd July 1897, from the Government of Ceylon, relative to the imposition of quarantine restrictions on arrivals from Western India, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.E.,

Secy. to the Govt. of Bengal.

Copy of a telegram, dated the 23rd July 1897, from the Colonial Secretary, Colombo, to the Secretary to the Government of India, Home Department.

QUARANTINE imposed on arrivals from Western India reduced to ten days from date of departure. Prohibition of landing and transhipment limited to goods classed susceptible. Yenice Sanitary Conference revised rules will follow.

#### वक्रामान्य विश्व लार्ष्यत्वक गर्गत मारहरवत क्रारम्य ।

### तिविके जिलाई सक्छ-(विविध)।

#### (विविध) २१४० नम्बन-विकाशम ।

১৮৯৭ সাল ২৯ ছলাই।—সাঁতিতাল পরগনার অন্তর্গত ত্মকার ডেপুটী কমিশনরের আফিসের ভৃতপূর্ব্ব আকৌন্টান্ট শ্রীদেবী প্রসাদ গবর্ণমেন্টের কর্মচ্যুত হওয়াতে পুনর্ব্বার আরু কখন কোনরূপে গবর্ণমেন্টের কর্মে নিযুক্ত হইতে পারিবে না।

এম, কিন্নকেন, বঙ্গদেশের প্রথমেন্টের সেক্রেটরী।

#### মেরিন্ ডিপার্টমেন্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ৩ আগফ ।

যেরিন্ ১৪১ নম্বর।—পশ্চিম ভারতবর্গহইতে আগত জাহাজের উপার কারানীটাইন নিষেধ বিধি ধার্য্যকরণ সম্বন্ধে সিংহলের গবর্ণমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৩ জ্লাই তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

> এ, ডি. ম্যাকআর্থর, কর্নেল আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

ভারতবর্ষের গ্রথবৈত্তের হোম ডিপার্টমেন্টের সেক্রেটরী সাহেবের নিকট কলম্বের প্রপনিবেশিক সেক্রেটরী সাহেবের ১৮১৭ সালের ২৩ ছলাই তারিখের টেলিগ্রামের প্রভিলিপি।

পশ্চিম ভারতবর্যহইতে আগত জাহাজের উপর যে কারান্টাইন ধার্য্য করা হইরাছে তাহা কমাইরা যাত্রার তারিব হইতে দশ দিন করা গেল। রোগ সংক্রমণ যোগ্য শ্রেণীভুক্ত মালই জাহাজ হইতে তীরে নামান ও এক জাহাজ হইতে অন্য জাহাজে ভূলিয়া দেওয়া নিষিদ্ধ। ভেনিসের সানিটরী কৃষ্করন্দের সংশোধিত বিধি পশ্চাৎ দেওয়া যাইবে।

বঙ্গদেশের গবর্থমেন্টের মেরিন্ বিভাগের ১৮১৭ সালের ৭ই আগস্ট তারিখের মেরিন্ ১৪৩ নং বিজ্ঞাপনের প্রতিলিপি।

ইটালিতে কাঁচা চামড়া আমদানির বিরুদ্ধে নিষেধাজ্ঞা রহিত হওন সম্বন্ধে ভারতবর্ষের শ্রীযুত ক্টেট সেক্রেটরী সাহেবের ১৮১৭ সালের ৩০এ জ্লাই তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগতির নিমিত্ত প্রকালিত হবল :—

সিম্পায় মহিম্বর শ্রীযুত রাজ্প্রতিনিধি সাহেবের নিকট লণ্ডনন্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত ফেট সেক্রেটরী সাহেবের ১৮১৭ সালের ৩০ এ জ্লাই তারিখের টেলিগ্রামের প্রতিলিপি ৷

বিগত ১লা জ্ব তারিখের আমার টেলিঝাম। ইটালি। কাঁচা চামড়া আমদানির বিরুদ্ধে নিখেশাজা রহিত করা হইয়াছে।

## বঙ্গমহিলাগণের রচনার নিমিত্ত বাবু ব্রজমোহন দত্ত স্থাপিত পারিতোষিক।

১৮৯৭-৯৮ অব্দের জন্য বাব্ ব্রজমোহন দত্তের দেয় ৪০) টাকা পারিভোষিকের নিমিত্ত নিম্নলিখিত প্রবন্ধটী নির্দিষ্ট হইয়াছে " গার্হস্থা বিষয়ে নর নারীর কর্তব্য।"

#### পারিতোষিক দানের নিয়ম।

- (১) বঙ্গমহিলা মাত্রেই পারিভোষিকপ্রার্থিনী হইতে পারিবেন; এতৎসম্বন্ধে বয়সের কোন নিয়ম নাই।
- (২) পারিতোষিকপ্রার্থিনীগণকে বঙ্গভাষাতেই হউক বা সংস্কৃত ভাষাতেই হউক কোন একটি নির্দ্দিষ্ট প্রবন্ধ রচন। করিতে হইবে।
- (৩) এই বিজ্ঞাপন প্রচারের তারিখ হইতে ছয় মাসের মধ্যে প্রবন্ধগুলি বিচারের জন্য সেঞাল টেকুফ বুকু কমিটির নিকট পাঠাইতে হইবে।
- (8) প্রত্যেক প্রবন্ধের সহিত পারিতোধিকপ্রার্থিনীর স্বামী, পিতা বা অন্য অভিভাবককে এই মর্মে পত্র লিখিয়া পাঠাইতে হইবে, যে, ঠাহার বিশ্বাসমতে, রচয়িত্রী, ঐ প্রবন্ধ রচনাকালে, প্রকাশ্য বা অপ্রকাশ্য ভাবে কোন প্রকার সাহায্যই গ্রহণ করেন নাই।

১৮৯৭ অব্দের ৩১শে ডিসেম্বর তারিখের মধ্যে কলিকাতায়, (৪ নং ঢালহাউসী স্কোয়ার) প্রেসিডেন্সি সার্কেলের স্কুল সমূহের ইন্স্পেক্টরের আফিসে, সেট্রাল টেক্ট বুক্ কমিটির সম্পাদক মহাশয়ের নামে এই প্রবন্ধ পাঠাইতে হইবে। এই প্রবন্ধের মোড়কের (কভারের) উপর "ব্রজমোহন শক্ত পারিতোষিকের রচনা" এইরপ লিখিত থাকিবে। যাঁহার রচনা সর্কোৎক্রট হইবে কলিকাতা গেজেটে তাঁহার নাম প্রকাশিত হইবে।

যিনি একবার পারিতোষিক প্রাপ্ত হইয়াছেন, তিনি ইচ্ছা করিলে অন্য বৎসর পুনর্বার প্রবন্ধ রচনা করিতে পারেন। যদি তাঁহার রচনা সে বারেও সর্বোৎক্রফ হয় তাহা হইলে তাঁহার নাম কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত হইবে, কিন্তু পারিতোষিক, রচনার গুণাহ্সারে, তাঁহার পরবর্তিনী মহিলাকে প্রদন্ত হইবে।

যদি বিচারকগণ সর্বোৎক্লন্ট রচনাটকেও পারিতোষিকের উপযোগী বলিয়া বিবেচনা না করেন, তাহা হইলে পারিতোষিক প্রদন্ত হইবে না।

কলিকাতা }
১লা জ্লাই ১৮৯৭ }

সি, এ, মার্টিন বাজালা দেশের শিক্ষাবিভাগের ডিরেক্টর।



## গবর্ণমেণ্ট গেজেট

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১০ আগফী।

## তৃতীয় খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন।

## ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট ।

ব্যবস্থা বিভাগ।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত ভারতবর্ধের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রণীত নিম্নলিখিত আইনটি ১৮১৭ সালের ২২এ জ্লাই তারিখে মহিমবর শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের সম্মতি লাভ করায় সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা প্রচারিত করা গেল।—

### ১৮৯৭ দালের ১৫ আইন।

কান্টনমেন্ট বিষয়ক আইন সংশোধনার্থ ১৮৯৫ সালের আইন রহিত করণার্থ এবং কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ আইন।

কান্টনমেন্ট বিষয়ক আইন সংশোধনার্থ ১৮৯৫ সালের আইন রহিড কর। এবং কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন সংশোধিত করা বিহিত। অতএব এজদ্বারা নিম্নলিবিত্যত বিধান করা গেল।—

- ১ ধারা। (১) এই আইনটিকে কান্টনমেন্ট বিষয়ক নাম ও আবছেব কখা। ১৮৯৭ সালের আইন বলা যাইডে পারিবে। এবং
- (१) ইহা অবিলয়ে আমলে আদিবে। The Cantonments Act, 1897.

১৮৯৫ সালের ৫ অস্ইন ব্ভত ক্রিবাব কথা। ২ ধারা। কাউনমেউ বিষয়ক আইন সংশোধনার্থ ১৮৯৫ সালের আইন এডদ্বারা রহিত করা গেল।

৬ ধারা। কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইনের ৬১ ধারায় " বা কমাণ্ডিং কর্মচারী" এই শব্দ-কিবাব কথা।

তিকিৎসা সংক্রাম্ভ বা অপর কর্মচারী" এই শব্দগুলি বসাইতে হইবে।

> জে, এম\_, ম্যাকজার্সন, ভারতবর্ষের গবর্ধমেক্টের সেকেট্রী।

> > CHUNDRE NATH BOSE.
> >
> > Bengali Transliter





# গবণমেণ্ট গেডেন্ট

TUESDAY, AUGUST 10, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১০ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्रहेम थन्।

ইশ্ভিহার এড়তি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালপ্তলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্থ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন্ ১৮৯৭ ইংরেজির ১১ আগস্ট তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ২৪ জুন।

	<b>\</b>		8	t .	<u>.</u>	9	<b>.</b>	•
তাবিব দম্বব ৷	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্ণ মচ†জেব সদৰ জম†়	সম্পূৰ্ণমহাল বিক্ৰম ভইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হটবে তাহার মালিকগণেব নাম।		সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হউলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাজ বিজয চইলে ভাহা বাকী।
৬৪ ৭ •	ধানে কটীকছরি— তং আনন্দী মানওলা	\$\$\$°(\$	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হই- বেক।	1	শ্রীনিমাইচরণ নন্দী শ্রীমতী গুণশীলা।	·•···	• ୩ ୩୯	
<b>&gt;</b> 0	থানে রাউজান সহর—	(	1 6					
027 668	তং বসস্তরাম ফতে- য়াবাদ।	444 Ho/U	অংশ বৈক্রয় ইইবেক।	১৮১৯ সালের ১১ আইনমতে জমা	শ্রীআনন্দমোহন দে শ্রীআলী মহাং গং।	0081100		७,८५
		;		স্বতন্ত্র হইয়া ২ নং	1			
		, l	1	অবশিষ্ট মালীকা-		į		
		į		নের অংশ বাকী		,		
				পড়ায় কেবল তাহা বিক্ৰী হই-	:	, :		
			1	বেক তন্তিম অন্য		1		, •
			!	কোন অংশ বিক্রা				
		1		হইবেক না।				
<b>b</b> obo	ধানে রাউজান, ভাটিয়ারি—	1						
0 ಶಿહ	তং বকন্বা আলী	201100	<b>D</b>	১৮৫৯ সালের ১১	শ্ৰীজান আলী	9224049	*****	362010
445			i	আইনমতে জমা	শ্ৰীমাকমল আলী গং			
				স্তন্ত্ৰ হইয়া ২ নং				' !
		1 1		অবশিষ্ট মালীকা-		1		
			,	নের অংশ বাকী				
	£	!	i !	পড়ায় কেবল				
		!	; ; ; ;	তাহা বিক্ৰী হই-				
		' '		বেক ভদ্ভিন্ন অন্য কোন অংশ বিক্রী			į	
			'	व्हेर्दक मा।				
			,	CONT ALL		!		

>	ર	•	8	Ċ		9	۲	, ».
্তি তৌজির নম্বর।	মহাজ ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহাজের সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবল মাত্র <b>অংশ</b> বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ ৷	• যে সম্পত্তি বিক্রন্ন ছইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে ঐ অং- শের সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হুইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাছ বাকী।
\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	থানে ভাটিয়ারি, রাউজান— তং যশমস্ত সিংহ	১ ৩ <b>৮</b> ৬॥৵২	অংশ বিক্রয় হইবে।	১৮৫৯ সালের ১১ আইনমতে জনা স্বতন্ত্র হট্য়া ৩নং		2228119¢		ऽ ७ <b>≻</b> ।।৵ऽ
				অবশিষ্ট মালিকা- নের অংশ বাকী পড়ায় কেবল ভাষা বিক্রী হই-				
**				বেক ও <b>দ্ভিন্ন</b> অন্য কোন এংশ বিক্রী হইবেক না ।				
२ क र	গানে হাটহাজারি, পটায়া, রাউজান সহর, সাতকাণিয়।—	•		<b>1642 おびまる 11</b>	S			
5200 2€25	তং ক্লফ্রকিশোর কাহ্নগোস্থ।	<b>७</b> ८ द । ₀∕ १ 	<b>अ</b>	আইনমতে জনা স্বভন্ত হইরা ১ নং হিং ফজলে আহা- মদের অংশ বাকী		a 2 8 h/ 4	.,,	 
•	•			পড়ায় কেবল তাহা বিক্রী হই- বেক ডব্তিম জন্য কোন অংশ বিক্রী				 
\$269 . \$698 6025	ফাঁড়ি রাজনীয়া— ডং খেমকরণ হাজা- রি।	4431174	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হই- বেক।	श्हेटदक मां! 	জীশিবরতন হাজারি 	*****	38 mls/8	**1

#### সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকীপড়া ।

টীকা।— যে স্কুলে উপরেব লিখিত বর্ণনাপতের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশমান্ত বিক্রম গুইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্কুলে ইয়া বৃধিতে হইবে যে এ অংশেব নিমিত স্বতন্ত্র চিদাব বাধা সইয়া থাকে ও মহালেব জন্যবা জনগুলা বিক্রম হয় না।

CHITTAGONG COLLECTORATE, Th 5th July 1897.

J. D. Anderson,
Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### •ইস্তাহার নামা কাছারি কালেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মাল্পারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মহাল দ্বিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগস্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্টরিতে নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ৫ জ্লাই।

ক্ৰ মিক			niferas nin i	সদ্ধ ব	<b>*</b> 11		ৰাকী।		
নপ্ত।	তলুকার নগর।	ভাপুকাৰ নাম।	মালিকের নাম।	খাব্দানা।	ছেচ।	পাঙ্গাল।।	( <b>5</b> 5 )	মোট।	ম্ভব্য!
<b>)</b>	2	U	8	¢		1	۲	۵	۶۰
2	₹0 <b>2</b> ₹2 ₹02₹2	মেকি হাপানিয়া থানা কটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।— তালুক করাদ জাকর			6911/6		<b>₫</b> ₿ø⁄∘	<b>৬৮১</b> ৯/०	•••

The 7th July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### জিলা চট্টপ্রাম—ইন্ডেহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মায়সারে নিম্নলিখিত তালুকার ১৮৯৭ ইং ২৫ শে ফেব্রুয়ারি স্গান্ত পর্যান্ত বাকা পড়া খাজানা ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ ইং১০ই আগফ মোতাবেক ১৬০৪ বাজালা ২৬ শ্রাবণ রোজ মঙ্গলবার জিলা চট্টগ্রামের কালেক্ট্রি কাড়ারিতে বিনাওজরে প্রকাশ্য নীলামে ধরা যাইবে। ১৮৯৭ ইং তারিখ ১৬ জুন।

			া বাধিক	<del>क</del> ्य(1		বাকী।		,
তালু কেব নশ্ব ।	ভালুকেব লাম ৷	ম†লিকেব ন†ম।	গাঞ্জানা	(ছচ \	থাজানা ৷	(55)	মোট।	মভাবা।
৬৬৪৬ ৫৬১৭	থানা সাত্কানিয়া মেজি।  চড়ম্বা মহল নয়াবাদ।  তালুক কালীকিকর  উপোক্ত দাস, হরি  দ্বিদাস, রামশরণ।	কৈলাস চন্দ্ৰ চৌধুরী, পূৰ্ণচন্দ্ৰ চৌধুরী, হরদাস চৌধুরী, তারকচন্দ্ৰ চৌধুরী দেবিদাস চৌধুরী এবং গোলোকচন্দ্ৰ চৌধুরী সাকিনান চড়ম্বা থানা সাতকানিয়া।	110/ 72F9	99) 110/	986 />	•••	985 /a	সম্পূর্ণ তা শ্বুক বিক্র হইবে।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 18th June 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### जिना बाग्नायानी।

#### क्रिमारी विक्रस्तत विकाशन ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধ্রোমতে এতদারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত-আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে হুলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ যরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে প্র অংশের নিমিত স্বতর হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

\$	•	•	8	t	•	9		>
তৌব্দির মশ্বর ।	মহাল ও পরগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় মইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিজ্ঞয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হ <b>ইলে</b> তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহায় বাকী।
<u> </u>	দান্দরা হিঃ ১১।—১০ কান্তী পং দান্দরা।		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ১/১০॥/৮তিল৷		<b>4</b> 0246		8 <b>४</b> ०। <b>४</b> २
" 8¢	কিসমত মহেন্দ্র না- নারায়ণ পং শুদ্বীপ।		मण्यूर्व		শ্ৰীমতী আইজা- শ্লেছা।	• • • • • •	244122	••• • • •
<del>,</del> 533	ठाकटल वासनी अधि- मात्री हांश्वासनी।	•••••	ज्य <b>ःम</b>	হিসাব পৃথক হিঃ ।• আনা ।	মেঃ পি, জে, ডেলনি গং নাবলগান পাক্ষ মাতা অভি- ভাবক মিদ এনেলা জে, ডেলনি সাহেবা।	२११७४		¢&&42
			चीन ग	হাল টেনিউর—				
<b>369¢</b>	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওয়ালা লাছদলাল।	waa.e	म <del>ण्</del> र्व		আ <b>বহুল</b> হাকিম মিঞাজি গং।		२४०	•••
<b>3</b> 696	ঞ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্ৰজ্বাম মাঝি গং।	92011	ď	•••••	ব্ৰজ্বাম মাঝি গং		२७०	

LALIT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১০ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ষাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত দ্বন কিন্তির বাকী রাজন্ত ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজন্তের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোং বাং ১৩০৪ সনের ৯ আদিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগফ।

3	9	•	8	ť	8	9	<u> </u>	>
ভৌজির নখর।	মহাল ৩৫ প্রগণার কাম ।	স <b>ভ্</b> পূৰ্ণ মহা- লেব সদব কমা।	সম্পূৰ্ণমহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রেয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	ষে সম্পত্তি বিক্রম্থ হউবে ভাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্ন হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	স <b>ন্</b> পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহার বাক <sup>ী</sup> ।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম্ব হইলে তাহাঃ বাকী।
3499	তালুক সৈজ্বদীন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।		•	এজমালী ৸৶১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে । অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না !	ক্বফ্রকিশোর নিয়োগী গং।	3 · 8 b h J 8		ডাঠা। পাই
8 2 8 4	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর দেহলাপট্টী।	40rb)	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং	•	374)	•••••
<b>७</b> २ <b>३</b> २	চক কচুপাতরা পং চন্দ্রশীপ।	<sup>9७२</sup> )	সম্পূর্ব মহা- লের তালুক- দারী স্বত্ত্ব নিলাম হইবে	•••	শশীকুমার বস্থ গং	•••••	6°F)	•••••
8888	ভূষখালী মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।	404,10	সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।		श्रेषाञ्चित्र शर	••\••	3334a∕∘	******
(g)	ভূষখালী মহাল অধীন ৬৮/৮৪/২১৮ নং যোত।	ار ده و	সম্পূৰ্ণ যোত নিলাম হইবে।	••••	যদন গং	******	ه۰ <b>۶</b> >	•
<b>e</b> ₹₹₹		১০৬১।৯/১ ৽	সম্পূর্ণ হাও- লা নিলাম হইবে।		কাশীচন্দ্র দাস গং	******	৮8 <b>२</b> ५०∕७	*****

দ্বীকা।—বে দ্বলে উপৰে র লিখিত বৰ্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে ইহা ব্বিতে ছইবে যে ঐ আংশের নমিত খতল্ল হিসাবে রাখা হইমা থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

B. Bell.,

Offg. Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ ফেব্রুয়ারি শেব তারিখের বাকী পড়া ৫০০) টাকার উর্দ্ধৃ জমার নওয়াবাদ চালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার র্মেমতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাব্র রোজ মজলবার ধার্য্যে জিলার কার্দেষ্ট্ররিতে প্রকাশ্য নলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জ্লাই।

	ertur.			म पत	জুমা। 	a	কীব পরিমা 	۹۱	
ক্ষক নম্বৰ।	তাপু- কাব নদ্ব।	তালুকার নাম।	মালিকেব নাম।	থাজানা।	সেম।	খাজান।	দেন।	মোট।	ম <b>খ</b> ৰ্য
	<b>ર</b>	ی	8	à	•	9	<b>b</b>	٥	3.
	84;2	মেডিজ জুজখলা ধানা ক্টীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	4679 4679 7405	তাং সেখ ওবেগুলা খাঁ হাং তাং লতিপা খাতুন	শ্রীমতী লতিকা খাতুন	330alla/	<b>(b)</b>	ee8)	<i>રર</i> મ <sub>થ</sub> ા	a 9 4 420	•••••
	8283	মোজে ভূজপুর থানা ফটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	२8 • २ <b>&gt;</b> ७५ १ 8	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং তাং ওবেদর রহমান খাঁ।	ওবেদর রহমান খাঁ	رقه۹	৩५/৬०	৩৪৬॥৯	こりゅる	0601/6	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

J. D. ANDERSON,

Collector.

The 23rd July 1897.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বদু সিন্কোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে জ্বরম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২ !০ টাকায়ে, আট ঔপ টিন ৫ টাকায় ও এক পোও টিন ১ ০ টাকায় পাইবেন । দর্মসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬, টাকায় এবং এক পোও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেতাগণও এই ঔষধ বিক্রয় ব্যক্তিন। উপরোক্ষ হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ টিনের ৪০ ডাক মাহল দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গ্রন্থেতের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা—

১ এক পৌঞ্চ টিন ১৮, বা ডাক মাগুল সমেত ১৮৭০

। আধ ,, ,, ৯) ,, ,, ,, ৯)। । । শিকি ,, ,, ৪।। °, ,, ,, ,, ৫)

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কৃইনাইন অতি বিশুদ্ধরেপ প্রস্তুত করা ছইয়াছে। এবং ইছা যে সিম্কোনাইন ও সিম্কোনীডাইন নামক অপক্লট কারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গণারান্টী দেওয়া যাইভেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাভার নিকটছ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforware be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Entire Gazette . 10 per annum. 2 Postage 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India . . ] and Bengal Postage For a single copy-0 Entire Gazette Postage Parts III, IV, V, and VI 4 · sheets for noder OT with an additional of 1 charge anna for every 4 sheets in

Postage ... 0 1 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Bakes.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যান্থল এই শ্বধি নিম্ন-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে:—

সম্পূর্ণ গেজেট  ডাকমাম্বল  ডাকমাম্বল  ডাক্ত প্র প্র ও ও ও ও ও ও ও ও ও ও ও ও তার জাইন ও আইনের পাণ্ডুলিপি থাকে)  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ডাক্মাম্বল  ১০  ১০  ১০  ১০  ১০  ১০  ১০  ১০  ১০  ১	
৩ ৫ ৪ ৫ ৫ ৫ ৬ খণ্ড ( যাহাতে ভারতবর্ষের ও বজ- দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন ও আইনের পাণ্ডুলিপি থাকে ) ,, ৪, ভাকমাত্মল ,, ১, সম্পূর্ণ একখানি গেডেটের মূল্য ,, । ৬ ৫ ৪ ও ৫ ৩ ৬ খণ্ড (প্রত্যেক ৪ পৃঠা বা ভাহার	•
দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন ● আইনের পাণুলিপি থাকে ) ,, ৪, ভাকমাস্থল ,, ১, সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের মূল্য ,, !• ডাকমাস্থল ,, ,• ৬ ৪ ৪ ও ৫ ৩ ৬ খণ্ড (প্রভ্যেক ৪ পৃঠা বা ভাহার	
পাণ্ডলিপি থাকে ) ,, 8, ভাকমাস্থল ,, ১, সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটের মূল্য ,, । ভাকমাস্থল ,, । ভাকমাস্থল / ৬ ৪ ৪ ও ৫ ৩ ৬ খণ্ড (প্রভ্যেক ৪ পৃষ্ঠা বা ভাহার	
ভাকমান্থল ,, ১,  সম্পূৰ্ণ একখানি গেডেটের মূল্য ,, !•  ডাকমান্থল /•  ৬ ৪ ৪ ও ৫ ৩ ৬ খণ্ড (প্রভ্যেক ৪ পৃঠা বা ভাহার	
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটের মূল্য ,, !• ডাকমাহল /• ৬ ৪ ৪ ও ৫ ৩ ৬ খণ্ড (প্রত্যেক ৪ পৃঠা বা ভাহার	
সম্পূর্ণ একখানি গেডেন্টের মূল্য ,, :• ডাকমাহল /• ৬ ৪ ৪ ও ৫ ৩ ৬ খণ্ড (প্রত্যেক ৪ পৃঠা বা ডাহার	•
৩ ৪ ৪ ৫ ৫ ৬ ৬ খণ্ড ( প্ৰত্যেক ৪ পৃষ্ঠা ৰা ভাছার	
जरत प्रश्नाक श्रीपंत्र ग्रामर	
ৰদ্ধ অধিক ভাহার <b>এ</b> ণে	হয় ভাক
8 পৃ <b>ঠা প্রতি</b> ও একং আন্যা	পার

#### কৰিকাভায় ৷

ক্লিকাডায় ও মকঃসলে সমান মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাক্মাহল লাগিবে না। ই, এন, বেকার।

वक्रमान्त्र भवर्थयान्त्र अक्षिर ছোট म्हाकेती।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in Cadia will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Guvi. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

Rs.

Full page, per issue ... ... 20

Half ,, ,, ... ... ... ... 10

Casual advertisement—4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওরা না গেলে ঐং গেজেট - দেওরা ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি বালাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভ্রিমিন্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাণ সেক্ষেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অণ্ডো মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন গেলেক কোন পৃস্তকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিয়ার কি বিজ্ঞাপন এ ইতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মৃল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেণিট বাদ দিবার জ্ঞন্যে টাকার উপর আর ৴∙ এক মানা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, • ৰঙ্গদেশের গ্রহ্মেন্টের ছোট সেক্রেটরী।

**३৮৮२ मालित ३२ फिल्मबत ।** 

ৰক্ষব্য <del>৷ - কলিকাতা গেলেটে ইণ্ডিছার প্রকাশ ক</del> রিবা	র হার এইং।-				B1-11
পুৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	•••	٠	2.0
कार्य श्रेका	•••	*43	. •	,	300
ক্ষন ক্ষম ইশ্ভিয়ার প্রকাশ করিতে ত্ইলে	400	•••	***		1.

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant. Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B. - Copies are still available.

#### वाकाम (मदक्रोवित्से विद्यानत्से विक्रसार्थ पाट्य ।

বারিফার-আট-লা ও ঐশ্রিমতীর বলদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্ষমানের ডিফ্টিক্ট ও সেশন क्षक ও दिनो क्रिमार्टानंद रायदा, रेनंद हिल्लामंद्र कीयुंड मि, फि, क्रिमफ, ध्रम, এ, ও এम. धम, फि সাহেবের প্রণীত বৃদ্ধদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রাধিকারীর প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুলকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

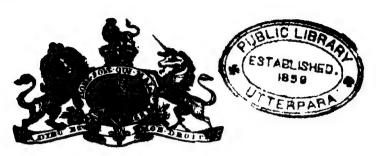
কোন ব্যক্তি উক্ত পৃস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেটিটের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাহা যোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার খরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। য়ন্তব্য ।--- উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

বাজকার্য্যোপদক্ষে বজনেশের মান্ত্রসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড শ্রেষ্ট টোন ছালের হাভায় স্থিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেঞি-ষ্টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাভার গবর্ধযেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিঞ্চ কোশানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া বার ।

কালকাতা থোগতেকা কেল মন্ত্ৰালয়ে গ্ৰেপ্মেটের লন। অগৃত কেন্দ্ৰ পেটা সাহেৰ কৰ্তৃক মৃত্তিত ও প্ৰকাশিত হইল।



## गवर्गायन (गाउन्हे।

TUESDAY, AUGUST 17, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৭ আগফ।

CONTENTS	
Page.	मिन्छ।
FART I Resolutions, Orders and Notifica-	•१ हे।
mons of the Government of India Nil.	লগম বঞা-ভাৰতব্যীর গ্র-চেম্টের নিষ্কারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	ছিতীয় বশু।—বঙ্গদেশের গ্রব্মেন্টের নির্দাবণ,
of Bengal	आएम ९ विकाशन श्रक्ति २०४२४
FART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	विकोय क चलावक्रापटनय गयर्थायको आहम्म १५१
nor of Bengal 71 -73	্ট্রতীয় খণ্ড।ভাবতবধীয় বাবস্থাপক সভার প্রণীত
PART III.—Acts of the Legislative Council of	্ব আইম নাই
India Nil.	हैर्ज्य वल । — कार करवीं व्र वावन्द्राणक मकात आहेरान
PART IV Bills of the Legislative Council of	় পাভালপি নাই
India Nil.	প্রাম্ব ব্য - বলীয় বাবন্দাপক সভাব প্রণীত আইন নাই
PART V Acts of the Bengal Council Nel.	वहे थल। वक्रीय वाचन्द्र: भक्र मचाव आहेरमध
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	পাণ্ডলিপি নাই
PART VII -Circular Orders by the High	সপ্তম থণ্ড।—হাই কোটেব ও বেণিনিউ বোডেব
Court and Board of Revenue Nil	সাধাবণ জ্ঞাপনপত্র নাই
PART VIII.—Advertisements 397—407	অটম বও।—ইশ্তিহাব প্রভৃতি ৩৯৭ -১৮
Supplement Nil	भवि। महे गवर्षस्पटकेव रगरमध् नाम

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal. .

## দিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 9th August 1897.

No. 144Marine.—The following telegram, dated the 6th August 1897, from the Government of Bombay relative to the decisions of the Fourth Quarantine Board at Alexandria, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.E., Secy. to the Goet. of Bingal.

Copy of a telegram, dated the 6th August 1897, from the Secretary to the Government of Bombay,
General Department, to Bengal Works, Calcutta.

No. 4288. British Consul. Alexandria, telegraphs: Fourth Quarantine Board decided yesterday first to suppress measures in force arrivals from Hedjaz as plague no longer exists there; second, to consider pilgrimage as closed, but all vessels with pilgrims will go to Tour for regulation quarantine.

#### The 9th August 1897.

No. 146 Marine.—The following communication, dated the 26th June 1897, from Sir Francis Clare Ford, with its enclosure, relative to the Italian Maritime Sanitary Ordinance No. 5 issued with a view to prevent delays to vessels arriving in Italian ports from infected districts in India, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.E., Secy. to the Govt. of Bengal.

No. 42C., dated Foreign Office, the 1st July 1897.

From-GRORGE CURZON, Esq.,

To-The Under-Secretary of State, India Office.

I am directed by the Secretary of State for Foreign Affairs to transmit to you, to be laid before the Secretary of State for India, the accompanying copy of a despatch as marked in the margin enclosing the Itelian Maritime Sanitary Ordinance No. 5, intended to obviate delays to vessels arriving in Italy from India.

No. 42C., dated Rome, the 26th June 1897.

From-Francis Clare Ford, Esq.,

To-The Marquess of Salisbury, K.G., &c., &c., &c.

• I HAVE the honour to transmit herewith to Your Lordship a copy in triplicate, together with a translation of the Sanitary Maritime Ordinance marked No. 5, and dated the 20th instant, which I have received from the Department for Foreign Affairs.

The present Ordinance has been made with a view to preventing, as far as possible, delays to vessels arriving in Italian ports from infected districts in India.

It will now be possible for the owners and Captains of vessels to enlist the services, should they desire it, of Italian medical officers who would accompany the vessels from Port Said to the Italian ports to which they may be bound, and thus the delay to those vessels arriving there would be almost nominal.

## বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

### মেরিন্ ডিপার্টমেণ্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ১ই আগস্ট।

মেরিন্ ১৪৪ নং।—আলেকজাপ্রিয়াস্থ চতুর্থ কারান্টাইন বোর্ডের নিপ্সন্তি সম্বন্ধে বোদ্বাই গ্রন্থি মেন্টের ১৮৯৭ সালের ৬ আগন্ট তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগতির নিমিত্ত প্রকাশিত হইল।

> এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্নেল, আর. ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

কলিকাতান্থ বঙ্গদেশের পবলিক্ ওয়ার্কস ডিপার্টমেন্টের নিকট বোদ্বাই গবর্ণমেন্টের জেনরল ডিপার্টমেন্টের সেক্রেটরির ১৮৯৭ সালের ৬ই আগস্ট তারিখের টেলিগ্রামের প্রতিলিপি।

৪২৮৮ নং।—আলেকজান্তি রাস্থ রটিশ কপাল টেলিপ্রাক্ত করিয়াছেন:—চতুর্থ কারাক্টাইন বোর্ড গত কল্য এই সুইটি বিষয় স্থির করিয়াছেন, প্রথম হেজাজে আর মড়ক না থাকায় তথাহইতে আগত জাহাজাদির বিরুদ্ধে যে বিবি বলবৎ আছে তাহ। রহিত করা হইবে এবং দ্বিভায়, তার্থ যাত্রা বন্ধ হইয়াছে বলিয়া বিবেচনা করা হইবে কিন্তু তার্থযাত্রির সকল জল্যানের কারাক্টাইন নিয়ম পালনার্থ টোরে যাইতে হইবে।

#### ১৮৯৭ সাস ৩ আগই।

মেরিন্ ১৪৬ ন'।—সংক্রামক দোষে দূষিত ভারতবর্ষীয় জিলা সমূহহইতে আগত জাহাজের বন্দর প্রবেশে বিলম্ব নিবারনার্থ ইটালির গবর্ণমেন্টের সামুদ্ধিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ৫নং আদেশ সম্বন্ধায় স্যার ক্রান্সিস ক্লেয়ার কোর্ড সাহেবের ১৮৯৭ সালের ২৬এ জুন তারিখের নিম্নলিখিত পত্র ও তৎসহ প্রেরিত প্রাদি সাধারণের অবগতির নিমিন্ত প্রকাশিত হইল।

এ, ডি. ম্যাক মার্থর কর্নেল আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরা।

8২ $\mathrm{C}$  নং। করেন্ আপিদ। তারিব ১৮৯৭ দাল ১লা জ্লাই।

ইণ্ডিয়া আপিসের ছোট ফেট সেক্রেটরী সাহেবের নিকট জর্জ্জ কুর্জ্জন্ সাহেবের পত্র।
ভারতবর্ষের পক্ষে ফেট সেক্রেটরী সাহেবের সন্মুখে স্থা ন করিবার জন্য পার্খোলিখিত রাজকীয়
পত্রখানি আপনার নিকট পাঠাইবার নিমিত্ত আমি বৈদেশক বিষয়ের ফেট সেক্রেটরী সাহেব কর্তৃক আদিফ হইয়াছি। ভারতবর্ষ হইতে ইটালিতে আগত জল্যানের বন্দর প্রবেশে বিলম্ব নিবারণের অভিপ্রায়ে প্রণীত ইটালির গ্রেণ্মেন্টের সামুদ্ধিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ্লু নং আদেশ প্র পত্রের সহিত আছে।

## 8२C, রোম, ১৮৯৭ সাল २: ब कून ।

শ্রীযুত মারকুইস অফ**্সলিসবরি কে, জি সাহেবের নিকট ফ্রান্সিস ক্রেয়ার ফোর্ড সাহে**বের পত্র।

মৎকর্ত্ব বৈদেশিক বিভাগ হইতে প্রাপ্ত সামুদ্রিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ২০ তারিখের ৫ নং আঁদেশের তিন খণ্ড অম্বাদসহ আপনার নিকট প্রেরণ কারতেছি।

ভারতবর্ধের দংক্রামক দোষে দৃষিত জিলা হইতে ইটালায় বন্দরে আগত জল্যানের বন্দর প্রবেশে যত দুর সম্ভব বিলম্ব নিবারণের অভিপ্রায়ে বর্তমান আদেশটা প্রণাত হইয়াছে।

জন্মানের অধিকারী ও কাপ্তানের। এক্ষণে ইচ্ছা করিলে ইটানিবাসা চিকিৎসক নিযুক্ত করিতে পারিবেন। ঐ সকল চিকিৎসক পোর্ট সায়েদহইতে জল্মান যে ইটালীয় বৃদ্ধরে খাইবে জল্মানের সহিত সেই বৃদ্ধরে যাইবেন এবং ইহাতে ঐ সকল জল্মানের ঐ বৃদ্ধরে উপস্থিত হওনে নাম্মাত্র বিলম্ব দ্বিৰে।

#### (TRANSLATION.)

#### Ministry of the Interior.

1897.—Sanitary Maritime Ordinance No. 5.—For the purpose of affording shipping and trade all the facilities consistent with the requirements of the Sanitary Service and particularly for the purpose of avoiding delays in granting free pratique to steamers which, though free from disease, have to undergo medical inspection and disinfection for the sole reason of their coming from a place infected by plague.

Seen the Law of 22nd December 1888, No. 5849 (3rd series), for the protection of hygiene and public health.

The Minister of the Interior decrees:—In cases when the owners or masters of steamers coming from Indian ports specified in the Maritime Sanitary Ordinance of the 1st of May last, and bound for Italy. make a formal application to that effect, a doctor, to be appointed in each case by this Ministry, can be embarked on such steamers at Port Said.

Section 2.—The said doctor will be entrusted with the general sanitary surveillance on board the ship during the crossing from Port Said to the Italian ports of destination, and within 24 hours preceding the arrival of the steamer in an Italian port, he is to ascertain that the disinfection of the solled articles of wearing or domestic apparel has been carried out, and will proceed to a medical examination of all persons on board.

Section 3.—It will besides be the doctor's duty to lodge, with the Harbour authorities on arival of the steamer, a written declaration showing the hygiene and sanitary conditions on board, and suggesting the treatment to be adopted. Should everything prove to be in good order, the steamer will, as far as the sanitary formalities are concerned, be admitted to free pratique. Should, however, any abnormal circumstance have been detected, the steamer will in that case have to undergo all those measures which are in respect of the various cases set forth in the Sanitary Maritime Ordinances now in force.

Section 4.—The above-mentioned doctor will be entitled to passage and first-class fare on board, free of charge, and his fee, which in each case shall be fixed with the approval of this Ministry, will be defrayed by the Masters of the Steamers.

Sction 5.—The dispositions of Sanitary Maritime Ordinance of 8th May last, No. 3, remain unchanged in their substance, as the present Ordinance is meant only to modify the formalities regarding the carrying out of the medical inspection and of the disinfections of such steamers as were constantly in a normal condition from the time of their departure to that of arrival.

The Prefects of the Maritime Provinces and the Harbour authorities of the Kingdom are charged with the execution of the present Ordinance.

For the Minister,
BERTARELLI.

#### ( অভ্বাদ। )

#### আভ্যন্তরিক মন্ত্রিসভা।

১৮৯৭ সাল।—সামুদ্রিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ৫ নং আদেশ।—থাহা স্বাস্থ্য বিভাগের আদেশের বিরোধা নহে জাহাজের ও বাণিজ্যের এরূপ সমস্ত স্থবিধা করিয়। দিবার অভিপ্রায়ে বিশেষতঃ আরোহী দের মধ্যে পীজা না ধার্কিলেও মড়ক দূষিত স্থান হইতে আসিতেছে কেবল মাত্র এই কারণে থে সকল ফীমরকে চিকিৎসকের পরিদর্শনের এবং সংক্রামক দোষ নাশক প্রক্রিয়ার অধান হইতে হয় সেই সকল ফীমরকে কুলের সহিত সংস্থাব করিবার অভ্যতি প্রদানে বিলম্ব নিবারণের অভিপ্রায়ে প্রণীত।

সাধারণ আছ্য রক্ষার্থ ১৮৮৮ সালের ২২এ ডিসেশ্বর তারিখের ( তৃতায় দকার ) ৫৮৪৯ ন আইন দেখা গেল।

আন্তরেক মন্ত্রা এই আদেশ করিলেনঃ—বিগত ১লা মে তারিখের সাধুদিক স্বাস্থ্য বিষয়ক আদেশের লিখিত ভারতব্যীয় বন্দরহইতে আগত যে ফীমর ইটালি যাত্রা করিতে উদ্যত হইরাছে শেই ফীমরের অনিকারা বা কাপ্তান একজন ডাক্তারের নিমিত্ত দম্ভরমত দরখাস্ত করিলে পোর্ট সায়দে ঐ জাহাজে একজন ডাক্তার তুলিয়া দিতে পারা ঘাইবে। এ ডাক্তার প্রত্যেক স্থলেই এই মন্ত্রিসভা কর্তৃক নিযুক্ত হইবেন।

২ ধারা। ঐ জাহাজের পোর্ট সায়েদ হইতে উদ্দিউ ইটাসীয় বন্দরে যাত্রা কালে উক্ত ডাক্তারের হত্তে জাহাজের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত সাধারণ তদারকের ভার থাকিবে এবং জাহাজ কোন ইটাসায় বন্দরে উপনাত হইবার পূর্বে ২৪ ঘন্টার মধ্যে ঠাহাকে সমস্ত দূষিত পরিধেয় বা গার্হস্তা বন্ধের সংক্রামক দোষ নাশের কথা নির্নয় করিতে হইবে এবং জাহাজন্থ সক্র ব্যক্তির স্বাস্থ্য কিরূপ তাহা পরীক্ষা করিয় দেখিতে হইবে।

তধারা। টামর উপনতে হইলে জাহাজের আছোর এবং তিনি থেরূপ করিবার পরামর্শ দেন ভাহার একটা লিখিত বিবরণ বন্দরের কতৃপক্ষগণের নিকট দেওয়াও ঐ ডাক্তারের কওঁব্য কর্ম। সমস্ত বন্দোবস্তই খদি ঠিক রক্ষের হয় ভাহা ইইলে আছো সালত বাঁনাবাঁধি নিয়ম না করিয়া ঐ টীমরকে কুলের সহিত অবাধে সংস্তাব করিবার অন্তম্ভি দেওয়া বানিন। কিন্তু অস্বাভাবিক রক্ম কোন স্বস্থা ধরা পড়িলে সামুদ্ধিক স্বাস্থ্য বিষয়ক প্রচলিত আনেশে ভিন্ন ভিন্ন ভলে ধেরূপ ব্যবস্থার ক্যা লেখা আছে তীমরকে সেই সকল ব্যবস্থার অধান হয়তে হটনে।

8 ধারা। উপারিলিখিত ডাক্তার বিনা খরচে তারাজে চড়িয়া বাইতে পারিবেন এবং শ্রপম শ্রেণীর খাদ্য পাইবেন এবং তীমরের কাপ্তান তার্হান ফা দিবেন ঐফা প্রত্যেক প্রলে মন্ত্রিসভার অন্নাদন গ্রহণ করিয়া নিদ্দিউ হইবে।

৫ ধারা। বিগত ৮ই মে তারিখের সানুদ্রিক স্বাস্থ্য বিষয়ক ৩ন° আদেশের মূলতঃ কোন পরিবর্তন হইল না। কারণ যে সকল ফীমর যাগার কাল হইতে আগমনের কাল পর্যান্ত স্বান্তাবিক অবস্থায়
থাকে শেই সকল ফীমরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত পরিদর্শন এবং সংক্রামক দোষ নাশ সম্বন্ধে যে বাঁধাবাঁধি ব্যবস্থা
আছে কেবল মাত্র তাহার পরিবর্তনের অভিপ্রায়েই বর্তনান আদেশ প্রণীত হইল।

রাজ্যের সমুদ্রকুলবর্তী প্রদেশ সকলের প্রিফেট্রগণকে এবং বন্দরের কর্তৃপক্ষগণকে বর্তুমান আদেশ কার্য্যে পরিণত করিবার নিমিত্ত আদেশ করা গেল।

রোম,

মৃষ্ট্রির পরিবর্ণ্ডে, বার্টে রেলি।

১৮১१ मान २०८म ज्न।

ইভিন্না গেজেটে হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৫শে জুন তারিখে ১৭৫০নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশিত।





## गवर्गयन् राउन्हे।

TUESDAY, AUGUST 17, 1897.

## यत्रनवात्र, ১৮৯१ मान ১१ आगर्छ।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्रान्टभव शवर्वत्यव्येव आरम्भ ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 4137M.—The 9th August 1897.—It is hereby notified for general information that on the application of the Commissioners of the Sherpur Municipality in the district of Mymensingh, the Lieutenant-Governor is pleased to declare that the provisions of section 3 of Act XX of 1887, with respect to wild birds, shall apply, so far as regards the rules framed by the Municipal Commissioners of Sherpur, to deer and hares.

C. E. A. W. OLDHAM,
Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4138M.—The 9th August 1897.—It is hereby notified for general information that on the application of the Commissioners of the Dacca Municipality in the district of Dacca, the Lieutenant-Governor is pleased to declare that the provisious of section 3 of Act XX of 1887, with respect to wild birds, shall apply, so far as regards the rules framed by the Municipal Commissioners of Dacca, to deer and hares.

C. E. A. W. OLDHAM,
Offg. Sooy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4139 M.—The 9th August 1897.—It is hereby notified for general information that on the application of the Commissioners of the Barisal Municipality, in the district of Backergunge, the Lieutenant-Governor is pleased to declare that the provisions of section 3 of Act XX of 1887, with respect to wild birds, shall apply, so far as regards the rules framed by the Municipal Commissioners of Barisal, to deer and hares.

C. E. A. W. OLDHAM,
Offg. Secy. to the Goot. of Bengel.

#### वक्राप्तरमञ्जू औयुष्ठ त्नरभेरतने गवर्गत मारहरवत चार्पम ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

8১৩৭ এম নং ।—১৮৯৭ সাল ১ই আগস্ট।—সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ময়মনসিংহ জিলার অন্তর্গত লেরপুর মুনিসিপালিটির কমিলনরগণের প্রার্থনাক্রমে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব এই আদেশ করিলেন যে বন্য পক্ষী সম্বন্ধে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান শেরপুর মুনিসিপালিটির কমিলনরগণের প্রণীত বিধি সম্পর্কে হরিণ ও ধ্রগোস সম্বন্ধেও বাটিবে।

সি, ই, এ, ডবলিউ, ওল্ডহ্যাম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের একটিং সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

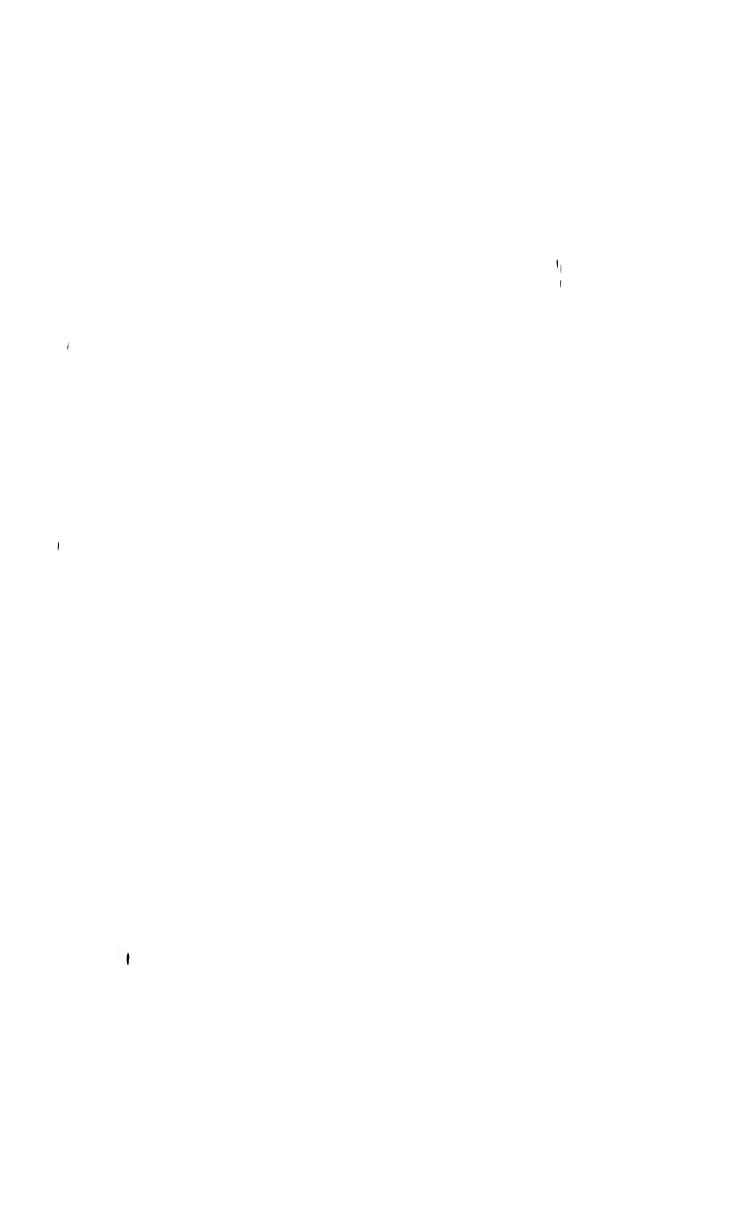
৪১৩৮ এম্ নং 1—১৮৯৭ সাল ১ই আগস্ক।—সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, ঢাকা জিলার অন্তর্গত ঢাকা মুনিসিপালিটির কমিশনরগণের প্রার্থনাক্রমে শ্রীষুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব এই আন্দেশ করিলেন যে বন্য পক্ষী সন্তব্ধে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান ঢাকা মুনিসিপালিটির কমিশনরগণের প্রণীত বিধি সম্পর্কে হরিণ ও খরগোস সন্তব্ধেও খাটিবে।

সি, ই, এ, ডবলিউ, ওল্ডহ্যাম. বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

৪১৩৯ এম্ নং।—১৮৯৭ সাল ৯ই আগট।—সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বাখরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত বরিশাল মুনিদিপালিটির কমিশনরগণের প্রার্থনাক্রমে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব এই আদেশ করিলেন যে বন্য পক্ষী সন্থন্ধে ১৮৮৭ সালের ২০ আই-নের ৩ ধারার বিধান বরিশাল মুনিদিপালিটির কমিশনরগণের প্রণীত বিধি সম্পর্কে হরিণ ও খরগোস সন্বন্ধেও খাটিবে।

> সি, ই. এ, ডবলিউ, ওল্ডহ্যাম, বঙ্গদেশের গবর্ধমেন্টের একটিং সেক্রেটরী।





# গ্ৰণ্মেণ্ট গেজেট

TUESDAY, AUGUST 17, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৭ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेम थए।

ইশ্ভিহার প্রভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা বীরভূম — জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত ছোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্নারে বাকী জিলেন্ত্রের ন্যায় আলায়ের যোগ্য তাহা আলায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে।

A TABLE OF THE PARTY OF THE PAR

٠,	<b>\</b>	٠	. 8	ά	•	•	-	6
তৌজীর মধর।	মহাল ও প্ৰগ্নাৰ নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কিন।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হউলে ঐ অংশ বঃ ঐ ২ অংশের বিশেষ বিধ্ববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হুইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হুইলে ঐ কাংশেব সদব জম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইলে তাহাব ধাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছইলে তাহার বাকী।
৽১ নং	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি খানা মোড়ে- শ্বর।	200290	मच्चृर्व		ভোলানাথ ঘোষ শিগর।		8316	•••
°৯ <b>ন</b> ং	দাঁড়কা, পরগণা ইছাপুখুরিয়া থানা লাভপুর।	3000/0		এজমালি অংশ রকম  । ১১৯ গণ্ডা ২ দন্তা  এই এজমালি  অংশ ভিন্ন মহা- লের অন্য কোন  অংশ নীলাম  হইবে না।		<b>३</b> (।।८)		৮(৪ পাই
৽৬ নং	খন্না. প্রগণা খটঙ্গা থানা সিউড়ী।	3000d o	•••••	এজমালি অংশ রকম  ।।৯। — ১৫ তিল  এই এজমালি অংশ  ভিন্ন মহালের অন্য  কোন অংশ নীলাম  হইবে না।	পাধ্যায়।	<b>१७२/</b>		œ11₹
<b>१० बर</b> ्	আকৃনি পরগণা স্বরূপদিংহ থানা মৌড়ে- স্বর।	) १८७२। १८०२।		১৭০ ২ নং পৃথক হিসাব কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও তুড়ি গ্রাম মোজার রকম যোল আনা এবং সাহাজাদপুর চক ও সাহাজাদপুর ন ও- য়াবাদ মোজার রকম।৴৽ আনা এই পৃথক হিসাব ভিন্ন মহালের অন্য	•	& 9 2 11 m/ 0		₹31/0
				কোন অংশ নীলাম হইবে না।	l .		,	

ছীকা। - যে প্রলে উপবেব লিখিত বর্ণনাপত্তাব ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ নাত বিক্রম ১ইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইচা বুঝিতে ছইবে যে ঐ অংশের মিজ স্বতন্ত্র হিসাব বাথা ছইয়া থাকে ও উপরি লিখিত জংশ তির মচালেব অন্য কোন অংশ নিলাম ছইবে না।

#### জিলা নোয়াখালী।

#### জমিদারী বিত্র য়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত লিগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত-ইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আহে তাহ, আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর রিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনিপিত্রের ৫, ৭ ও ৯ ছরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়াঁ খিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া গ্রেক ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

	.s—-			1	1	1		
5	*	. 9	8	ď	<b>`</b>	•		2
তীব্দির ।শ্ব ।	মুছাল <b>ও</b> প্রগন্ত নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা লেব সদব ভুমা।	সম্পূৰ্ণ মছাল বিক্ৰয় স্ইবে কিনা।	1	যে সম্পত্তি বিক্রম হুইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইলে তাহার বাকী	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে তাহাঃ বাকী।
8¢ 2	দান্দরা হিং ১১। ১০ ক্রান্তী পং দান্দরা। কিসম্ভ মহেন্দ্র নানারায়ণ পং	७० <u>१</u> /১১	সংশ সম্পূৰ্ব	হিসা <b>ব পৃ</b> থক হিঃ ।১/১০॥/৮ তিল। 	1	ษา <b>3</b> หุษ	255122	8৮°।•∕২ 
<i>\$</i>	শুন্দ্বীপ। চাকলে বামনী জমি- দারী চাং বামনী।	,	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।• আনা ।		<b>२</b> १ ० ७ <b>०</b> ०	••	<b>૯૯</b> ૬ મુઝ
			খাদ মহ	াল টেনিউর —	জে, ডেলনি সাহেবা।			
<b>59</b> ¢	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা	reele	मम्भृर्व		আবগুল হাকিম মিঞাজি গং।	•••••	₹ <b>Ь-</b>   0	*****
59 <i>t</i>	নজুদলাল।  ঐ চর মধ্যে ৩ নং  গঃ মঃ ম্যাদি  হাওলা ব্ৰজ্ঞরাম  মাঝি গং।	۹۲۰۱۱ ک	Ŷ		ব্ৰজ্বাম মাঝি গং		२७८०	******

Lalit Kumar Das, Deputy Collector in charge.

#### জিলা বাকরগঞ্জ।—জ্ঞাদারি বিক্রমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিলে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত ছ্ব্ন কিন্তির বাকী রাজন্ত ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহ্নসারে বাকী রাজন্ত্রের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে যোণ বাং ১৩০৪ সনের ৯ আধিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগস্ট।

3	ę	٠	8	***************************************	•	1 1		•
ে ভৌজির নম্বর।	মহাজ ও প্ৰগণাব , নাম ৷	সম্পূর্ণমঙা- লেব সদর জমা।	मच्चृतं महान विक्रमः इडेटव किना।	চেবলমাত্র অংশ বিক্রেয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিষরণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় হইবে ভাৰাৰ মালিকগণেৰ নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় কইলে ঐ অংশেব দদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইলে তাহাৰ বাক <sup>ী I</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহাব ৰাকী।
31599	তালুক সৈজ্বদীন খাঁ গং পং বোজরগোঁ- মেদপুর।	••••		এজমালী দট্য ৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে	ক্লফাকিশোর নিয়োগী গং।	2080NJ8		৬।১।। পাই।
8186	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	auro)	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বস্তু নিলাম হউবে।	না <b>!</b> 	হরকুমার সেন গং		مهر	
હેરઢર	চক কচুপাতর। পং চন্দ্রহীপ।		সম্পূর্ণ মহা লের তালুক- দারী স্বত্ব নিলাম হইবে		শশীকুমার বস্থ গং	••••	<sup></sup> የተመሰ	•••••
8683	তুষখালী মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং দৈদপুর।	૧ <b>૩</b> ૧ નુષ	সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।		এরফান্থন্দি গং	•• ••	3334 <sub>0</sub> /0	******
Š	তুষখালী মহাল অধীন ট্লাচ্চঃ।২১৮ নং যোত।	رد،ه	সম্পূৰ্থাত শীনলাম হইবে।		মদন গং	•	(۵۰۶	···
£	,	აი <b>ც</b>	সম্পূৰ্ণ হাও- লা মিলাম হইবে।		কাশীচন্দ্র দাস গং	•• ••	৮৪২ <b>৸</b> ৵৩	•••••

টীকা।— যে দ্বলে উপবের লিখিত এগনাশরের ৫. ৭ ও৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে ধলিমা লিখিত কাছে সেই দ্বলে ইছা বুথিতে ছইবে যে ঐ অংশের মিত্ত শতন্ত্র হিসাব রাখা হইবা পাকে ও মহালের অন্যাব্য অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় ন!। B. Bell.

Offg. Collector.

#### জিলাচট্টগ্রাম।—ইন্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকী পড়া ৫০০) টাকার উর্দ্ধ জমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার মর্মাতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাদ্ধ রোজ মজনবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রারতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জ্লাই।

				म प्र	কমা।	বা	কীর পবিমা	9 1	
ঞ্চমিক নশ্বব।	তালু- কার নগর।	ভালুকার নাম ।	মালিকের নাম।	খাজানা।	সেদ।	খাঙান।।	সেম।	মোট।	মন্তব্য
3	₹	ه	8	ά	•	9	<b>b</b>	2	١٠.
	85,9	যৌজে জ্জখনা থানা ক্টীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
<b>♦</b>	\$0595 \$05	তাং সেখ ওবেহুলা থাঁ হাং তাং লতিপা খাতুন  মোজে ভুজপুর থানা ফটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।	শ্রীষতী পতিকা খাতুন •	√اا∉ه ۲ ا	<b>(b)</b>	a48)	२२ भग्र	e 94 halo	•••••
	8288	ড়াং এয়ার আলি খাঁ হাং	ওবেদর রহমান খাঁ	روه ۹ .	06h/o	086112	3042	0601/6	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 23rd July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

### জিলা চট্টগ্রাম।—ইস্তাহার নামা কাছারি কালেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মামুসারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাঙ্গ চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মহাল দ্বিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ ইংরেজি ২৪ আগষ্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্ট্রিতে নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ৫ জুলাই।

				সদ্ব জয়া।			1	मस्द्रा !	
ক্রমিক নম্ব।	তপুকার নধর।	ভালুকাৰ নাম।	মালিকেব নাম।	খানা।	(इह।	वाकागा।	(इंБ	মোট।	4 3 4 ) 1
٠	₹	•	8	α	•	9	b	\$	5.
#U		মোজে হাপানিয়া থানা কটীকছুরা মহল ন ওয়া- বাদ।—	,				•	•	•
[ 5]	\$ \$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$\\$	তালুক ফরাদ জাফর	ওবেদর রহমান খাঁ পিং তোরাপ আলি খাঁ সাঃ পাঁচলাইশ		७ <b>१</b> ॥/७	ц <b>о.</b>	£39'°	667°	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 7th July 1897.

J. D. Anderson,

#### জিলা খুলনা। জমিলারী বিক্রমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে খুলনা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত দুর্লালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্ব রামায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫লো সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলাবে বিক্রম্ব করা ঘাইবে।

3	2	٥	8	q	b	9	ь	3
ভৌন্দির নথর।	মহা <b>ল ও প</b> রগণাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সূদ্ধ ঋমা।	সম্পূৰ্ব মহাল বিক্ৰয় হুইবে কি না।	কেবলমাত্ত অংশ বিক্ৰয় হুইলে ঐ অংশ বা ঐ ২ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	ষে সম্পত্তি বিক্রন্ন হ <b>ই</b> বে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।•	7 5 7 7 18 (S. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C.
4913	ধুলিয়াপুর থানা কালীগঞ্জ।	3989bhJe	ন	।/• পীচ আনা অংশ।	দাযিনী দাসী চৌধুৱাণী।	\$ \$\$\$\$\disp\disp\disp\disp\disp\disp\disp\disp		F281\8;

টীকা – যে শ্বলে উপবের লিখত বর্ণনাপত্রের ৫. ৭ ও ১ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া দিখিত আছে সেই শ্বলে ইহা বৃথিতে হইবে যে আ অংশের নমিজ শ্বতম ভিসাব বাবা হইয়া পাকে ও মহালেব অন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রম হয় ন।

KHULNA, COLLECTORATE,

W. H. VINCENT.

The 13th August 1897. )

Collector.

#### জেলা ফরিদপুর।— জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে করিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সংশ্যেরের আফিসে বাকী রাজ্যস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনামূলারে থাকী রাজ্যস্বর ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা ঘাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগউ।

•	•	্ত	, N		<b>.</b>	9		۵
ভৌগির নম্ব ।	মহাল ও প্রগণাব নাম (	সম্পূৰ্ণ মহা লেব স্দৰ গ্ৰমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কিনা।	কেবল মাত্ৰ অংশ বিক্ৰম ভটলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিশ্রুষ হউবে তাহাব মালিকগণেব নাম i	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ফটলে ঐ অং- শের সদব জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় এইলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হ <b>টলে</b> তাহার বাকী।
₹₡•	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ	৫৮৯१	(ষালখানা		্ <b>ঈশ্বরচন্দ্র সাহা গ</b> য়- রহ।		ە) دە ھ	•••••
4e3b	হাজারী। পং হাবেলী ত্রুপা  যামুদপুর সোল- পুরের অতিরিক্ত  মহাল।	3.89)	<b>.</b>	••••	প্রসন্ধক্ষার সেন		<b>२७</b> 3)	••••

<sup>ি</sup> কা। - যে কানে উপারের লিখিত ধেনাপুত্তের ৫.৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইহা বৃথিতে হউবে যে ঐ অংশের মমিত খেত ই হিসাধ রাখা হবয়া থ'চে ও মহালের অম্যারা অন্যান। অংশ বিক্রয় হয় না।

J. H. TEMPILE, Collector.

#### জিলা মালদহ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

ৈ ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে মালদহ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিনে বাকী রাজ্বস্থ ও অন্য যে সকল দাবা আইনাম্পারে বাকী রাজ্বস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা হুই প্রহর ১ টার সময় নিসাযে বিক্রয় করা যাইবে।

5	,	٠	8	4	•	7	۲	•
তৌজির নশ্বর।	মহাল ও শরগনার নাম।	সম্পূর্ণ মছালেব সদব জন।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হউলে তাছার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে, তাহাঃ বাকী।
<b>ડ</b> છહ	তরফ কাঁকট পর- গণা মাকরাইন।	2¢08 Jo-	না	হইবে। এতদ্ব্য গ্রীত অবশিষ্ট  অংশ	শ্বেসা। ।  ২। আয়ুব খাঁ স্বয়ং  ৩। আয়ুব খাঁ পক্ষে  ইউসফ খাঁ নাবা- লক।	<b>१</b> ७१ <b>৶</b> •	••••	₹ heJ≥
<b>२०</b> 8	তরক ফতেপুর পরগনা বাহা- হরপুর।	29@3IIg/o	না	নিলাম হইতে মুক্ত থাকিল। রেনিডুয়ারী অংশ অর্থাৎ সম্পূর্ণ মহা কের ৮৫০ আনা অংশ মিলাম হইবে এতদ্ব;তীত অব- শিক্ত অংশ নিলাম হইতে মুক্ত থাকিল।	১ । সেখবাবর আলী ২ । সেখ সফরদার ও ৩ । সেখ আকবর ও ৪ । বিবি কাদিরন্নের ৫ । বিবি সম্ভন্নের ৬ । মহম্মদ সামিকদ্দি	মালি। মালী। বা। বা। ন।	•••	3)
¢¢8		সাবইল প্র কন্তু এ রেজে	গনা রাজ	হহতে মুক্ত থাকিল। নগর তেজি রোলে পুর চতুর্থ কিশ্মত	৮। মহম্মদ আতাহো রামকুমার সরকার অভিভাবক পক্ষে নাবালক পুত্র রামগোপাল সর-		894%	
७२ <i>०</i>	মে জ্ঞা চক উজি য়াল পরগনা রাজনগর।	<b>৩৪৫</b> ৬// ০		রেসি ডুয়ারি অংশ অর্থাৎ ১১৬ <sup>১</sup> ৪ ক্রান্তি বার আনা ধোল গণ্ডা ২ ১	কার। বিবি ফেরোজা খাভুন, সাকের শ্লেসা, পালবি শ্লেসা, সামিক্দিন আহাম্মদ চোধুরী,	<b>२१७१/</b> ०		২০ ৸৵
	·			কান্তি অংশ নি- লাম হইবে । এত- বাতীত অবশিষ্ট অংশ নিলাম হই- তে মুক্ত থাঞ্জি।	বেসারত আলী চৌ আলী চৌধুরী পক্ষে	দ চেধিুরী, স ধুরী স্বয়ং ও সাখিনা খা	ামিরংশ্বসা, বেসারত- তুন,আলিব-	

উলিখিত মহালগুলি ১৮৯৭ সালের বাকী রাজস্ব আদায় জন্য নিলাম হইবে। ইতি

টীকা—যে দ্বলে উপবেদ লিখিত বৰ্ণনাপত্তেব ৫.৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিজয় চইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই হুলে। ইহা ধুনিতে হইবে যে ঐ অংশেব

শিমিত অতন্ত্র হিদাব দাখা হুইয়া থাতে ও মহালেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিজয় হয় না।

MALDA, COLLECTORATE

J. H. Lea,

The 10th August 1897.

Sollector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বদ্ব সিন্কোনা।

কলিকাডান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ণযেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে
ক্রম্ম সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ওন্স টিন ২ ! । টাকাম্ন, আট ওন্স টিন ৫ - টাকায় ও এক পোঁও
টিন ১ ০ টাকায় পাইবেন । সর্ব্যাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য
দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ওন্স টিন ৬, টাকায়, আট ওন্স টিন ৬ - টাকায় এবং এক পোঁও টিন
১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই
ঔষধ বিক্রম করিয়া থাকেন । উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ওন্স টিনের । ০, আট ঔশ ভিনের ।
ক এক পোঁও টিনের ৮ - ডাক মান্সল দিতে ইইবে ।

বঙ্গদেশের গ্রণমেন্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা-

১ এক পৌও টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

।। जास ,, ,, >) ,, ,, ,, ,, >।।•

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্ব্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারাক্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিক্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengala Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. ... 10 Entire Gazette per annum. Postage Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-• Entire Gazette Postage 1 Parts III, IV, V, and VI sheers with вn additional charge of 1 anna for every sheets in excess

Postage ... 0 1 0

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Goot, of Bengal.

#### বিজ্ঞাপত ।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণষেক্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যান্থল এই অবধি নিম্ন-লিখিত হাবে অগ্রিয় দিতে হইবে :—

	यकः मट	7			টাকা।
সম্পূৰ্ণ গেচ্ছেট	•••	•••	•••	বৎসর	3 00
<u>ডাক্যান্থ</u>	•••	•••	•••	23	रे॥ •
0 9 8 9 6 9 6 49	( যাহাতে ব	চারভবর্ষের	<b>उ रक</b> -		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ব	गारेन 💌 🤊	শাইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	97	8)
ভাকমান্থল	•••	•••	•••	"	١,
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের	<b>भूम</b> र	•••	/**	"	1•
ডাক্ <b>যান্থ</b>	•••	•••	•••		/•
0 8 9 6 9 6 4 6	প্রত্যেক	৪ পৃষ্ঠা ৰা	ভাহার		
ন্যন সংখ্যক প্	(ঠার মূল্য)	•••		ja e	/ ৪ পৃ <b>ঠার উ</b> পর ফক <b>অধিক হ</b> য়
					ভাষার অভ্যেক
,					° ৪ পৃষ্ঠা প্ৰতি সাক একং আন।
ভাক্ষান্ত্ৰ	• •		••	•	/•

কৰিকাভায়।

কালকাতায় ও মকঃসলে সমান মূল্য, কলিকাতায় কেবল ডাকমাখল লাগিতে না।
ই, এন, বেকার।
বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের একুটিং ছোট সেক্রেটরী।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

· Office of Supdt., Govt. Printing, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal,

12 h December 1882.

Note.	Rates uf	advertisements	in the CALCUTIA	GAZETTE.	Has.
Full pa	ge, per i	98ue	•••	•••	30
Half	,, ,,		 4 ann <b>as</b> ner lin	•••	10
	( ARTIA	advertigement	4 annas per lin	e.	

#### বিজ্ঞাণম।

কলিকাতা গেজেটের কিয়া বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই প্রেছট েবওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাভিরিক্ত এই মর্ঘের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন ন্যক্তি বালাল লেকেটারিয়েট ছাপাধানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাধানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভম্মিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনত প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্টোরিয়েটের আর্কোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন শ্যেক্তিকে কোন পৃত্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইলভিচার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর / ০ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

সি, ডবলিউ বল্টন, বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের ছোট সেক্টেরী।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

যক্ষর। কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার একাশ করিবা	র হাব এইং।—				<b>81</b> €1t
পুৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	•••	, .	3.0
काश भी की	•••	-14	••		3.
কথন কথন ইশভিষার প্রকাশ করিতে ছইলে	कर निक	***	**	700	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., D.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাজাল সেক্রেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে 1

বারিন্টার-আট-লা ও ঐ ঐ মতীর বলদেশের সিবিল সন্ধিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডি ট্রিক্ট ও সেশন্ন জ্বন্ধ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের ঐ যুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি লাছেবের প্রাণীত বল্পদেশের ঐ যুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীর প্রক্ষা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুল্যকের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকেণ্টান্টের নিকট একং খানি পুত্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/• পাঁচ আনা পাঠাইবেন। বস্তুব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বজদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকান্তার স্পানেড ওয়েষ্ট টোন হালের হাতায় হিত বজদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেজি-টারের নামে শিকোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পূস্তক কলিকাতার গবর্ণমেণ্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ত কোমানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

#### INSOLVENCY NOTICE.

COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

In the matter of CHUNI LAL BOID AND ANOTHER, Insolvents.

Notice is hereby given that Tuesday, the 7th day of September next, is appointed for the further hearing in this matter for the purpose of declaring a dividend, and that an account in detail of the receipts and disbursements of the Official Assignee, from the 3rd day of April until the 30th day of July 1897, has been filled, and may be inspected in the Office of the Chief Clerk. Any Creditor or other person interested who may intend to establish or oppose any claim upon the Estate of the said Insolvent will be heard, notice having been given at the Office of the Chief Clerk three clear days before the hearing.

The like Notice.—In the matter of CHANDMULL JORWARMULL, Insolvents Wherein the account of the Official Assignee, from 9th February to 30th July 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of BHOYRODAN AND ANOTHER, Insolvents. Wherein the account of the Official Assignee, from 22nd July 1896 to 30th July 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice. —In the matter of DHARUM CHAND, an Insolvent. Wherein the account of the Official Assignee, from 18th February to 30th July 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of JOHURRYLALL PAUL AND ANOTHER, Insolvents. Wherein the account of the Official Assignee, from 15th February to 30th July 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

Official Assignee's Office,

Calcutta, 16th August 1897.

A. B. MILLER,
Official Assignce.

(12-1)

কালকাতা প্রেসিডেকা কেল মন্ত্রালয়ে গ্রেপ্মেটের জন্য আযুত জেম্স পেটা সাহের কর্তৃক মুদ্রিত ও প্রকাশিত হইল।







## शवर्वामणे श्रारकि।

## मञ्जलवात, ১৮৯१ माल २८ जागर ।

CONTENTS.		
	PAGE.	मिर्च है।
PART 1 Resolutions, Orders and Notifica-		- श्रेत
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম শুও।—ভারতবর্ষীর গ্রবন্দেটের নির্দারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি 🐭 নাই
tions by the Lieutenant-Governor		विकीय पश्च।—बक्रालामात गवर्गामाध्येत मिक्रायन
of Bengal	Nil.	चारमन ও विकाशन श्रक्ष नाहे
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-		বিতীয় ক খণ্ড।—বলদেশের গবর্ণমেন্টের আলেশ নাই
nor of Bengal	Nil.	চতীয় খণ্ড।—ভারতব্বীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রবীদ্ধ
PART III Acts of the Legislative Council of		আইন ০০০ নাই
India	Nil.	চতুর্ব খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of		পাছুলিপি নাই।
India	Nil.	প্ৰক্ষ বপ্ত।—বজীয় ব্যবস্থাপক সভার প্ৰৰীত আইন নাই।
PART V Acts of the Bengal Council	Nil.	वह थश ।—वजीव वावन्द्रांगक मध्यत्र आहेत्वत्र
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	পাত্ৰিপ बाই।
PART VII Circular Orders by the High		দত্তম থগু।—হাই কোর্টের গু রেবিনিট বার্টের
Court and Board of Revenue	1-2	নাধারণ জ্ঞাপনপত্ত ১২
PART VIII.—Advertisements 40	9-421	अहेम वक्षा—हेर्ग्छिदांत्र श्रक्षि 8.3—8.3
SUPPLEMENT	Nil	at the day of the second
		नात्रामष्ट गरनदम्दरूद राद्यक नादे।
	f	

## সপ্তম খণ্ড।

হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোর্ডের সাধারণ জ্ঞাপনপত্র।

#### मक्षय थए।

#### সরকুলর অর্ডর।

বঙ্গদেশের অন্তর্গত ফোর্ট উইলিয়মস্থ হাই কোর্টের আদেশমতে প্রচারিত সরকুলর অর্জর।

#### বর্ত্তমান বিধি।

২৪ বিধি। [সেশন জজের কালেণ্ডার পূরণ সম্বন্ধে উপদেশ।—১৮৭৯ সালের ১৪ই অক্টোবর তারিখের ব নম্বর সরকুলর অর্ডর।]

(য) সেশন জজদিগকে মন্তব্যের ঘরে নিম্নলিখিছ বিষয়গুলি লিখিতে হইবে: - কোন বিচার মূলতবি রাখা হইলে সেই মুলতবির হেডু, কোন কয়েদির উপর নির্জ্জন कांद्रावाम मरखंद्र जारमम इहेरन महे मरखंद्र कान, औ সেশনেই ভিন্ন এক মোকদমায় প্রদত্ত দণ্ডের অতিরিক্ত দওস্থরপ কয়েদির উপর দণ্ডাজ্ঞার আদেশ হইলে কিম্বা কয়েদী যে দণ্ড ভোগ করিতেছে সেই দণ্ডের কাল অতীত হইলে ভোগ করিতে হইবে এমন দণ্ডাজ্ঞা প্রদন্ত হইলে সেই কথা, জুরির মীমাংসা সম্বন্ধে জজের মত অর্থাৎ ঐ মতের সহিত তাঁহার মতের ঐক্য আছে কি না এবং জাঁহার মতে যোকদ্মার সাক্ষা বিবেচনায় ঐ বিশেষ নিৰ্ণয় ন্যায়্য কি না এবং মতভেদ হইলে সেই মতভেদের কারণ (১) এবং যে ব্যক্তি মৃত্যু দভে দওনীয় দেই ব্যক্তির উপর যে কারণে মৃত্যু দও ভিন্ন অপর কোন দভের (ফেজিদারী মোকদমার কার্য্য-প্রালী বিষয়ক আইনের ৩৭৪ ধারা) আদেশ হইল তাহা, কোন বিশেষ মোকদ্দমায় বিশেষ লঘু বা বিশেষ কঠোর দণ্ডাজ্ঞা প্রদান করিবার হেতু এবং ছাই কোর্ট যাহাতে কোজদারী মোকদ্দমার কার্য্য-প্রণালী বিষয়ক আইনের ৩২ অধ্যায়ের প্রদক্ত সংশো-ধন করিবার ক্ষমতা পরিচালনে সক্ষম হন ডজ্জন্য সাধারণতঃ যে যে বিষয়ের উল্লেখ আবশ্যক সেই সেই বিষয়।

#### কেজিদারী ৷

১ নং, তারিখ ১২ই জুলাই, ১৮৯৭ সাল। হাই কোর্টের ফোজদারী সাধারণ বিধি ও সরকুলর অর্ডর পুত্তকের ২০ পৃষ্ঠায় ১ অধ্যায়ের ২৪ বিধির (ষ) দকার পর নিম্নলিখিত শব্দগুলি বসাইতে হইবে:—

কোন শতিষুক্ত ব্যক্তির উপর ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৭৫ ধারার অর্থান্থযায়ী অভিযোগ সম্পর্কে বর্দ্ধিত দণ্ডের আদেশ হইলে সেশন জক্ষকে মন্তব্যের যরে ঠিক পূর্ব্ববর্তী অপরাধ নির্ণয়ের তারিখ, ঐ উপ-লক্ষে প্রদক্ত দণ্ড এবং পূর্ব্বে যতবার অপরাধ সাব্যস্ত বা স্বীকৃত হয় তাহার মোট সংখ্যা লিখিতে হইবে।

CHUNDER NATH BOSE,

Bengali Translator.

<sup>(</sup>১) যে সকল স্কুলে আদেসরের সাহায্যে মোকক্ষার বিচার হয় নেই সকল স্কুলে ঐক্লণ কারণ লিখিবার প্রয়োকন নাই।



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, AUGUST 24, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৪ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्रहेम थए।

• ইশ্তিহার এভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### जिना वीत्रज्य। -- अभिमाति विकासात विज्ञांशन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজ্বত ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজ্বত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

,	٠	٥	8	Œ	•	٦	<b>-</b>	9
ভৌজীব মধুর।	মহাল ও প্রগনাব নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হউবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্ন হইলে ঐ ভাংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।
১ <b>০১ নং</b>	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি খানা মোড়ে- শ্বর।	200200	मच् <u>ण</u> ुर्व		ভোলানাথ ঘোষ দিগর।	•••••	8 )   6	
३०२ नः	দাঁড়কা, পরগণা ইছাপুখ্রিয়া খানা লাভপুর।	360000	ir       	এজমালি অংশ রকম		े राण इंट		৮(৪ পাই
১ - ৩ নং	খনা, পরগণা খটজা থানা সিউড়ী।	<u>3</u> 050€)•	•••••	হইবে না।	গিরিশ চন্দ্র চট্টো- পাধ্যায় ।	१७२/•		@1] <del>\</del>
১৭০ নং	জাকৃনি পরগণা স্বরূপদিংহ ধানা মোড়ে- শ্বর।	) ४००२। do		১৭০ ২ নং পৃথক হিসাব কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভূড়ি প্রাম মোজার রকম যোল আনা এবং সাহাজাদপুর চক ও সাহাজাদপুর চক ও সাহাজাদপুর নও- য়াবাদ মোজার রকম।/০ আনা এই পৃথক হিসাব ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশনীলাম হইবে না।		α 9 २   I જ ∘	••••	₹ ৯   ✓ •

দীকা।- যে গুলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তিব ৫. ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রম কইবে বলিয়া লিখিত আছে েই স্থলে ইছা বৃথিতে ছইবে বে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতম্ভ্র হিসাব রাখা ছইয়া থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ডিল্ল মহালেব অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRRHUM COLLECTORATE, Dated Surs, the 9th August 1897.

F. N. Fischer, Collector.

#### जिना ताम्रायानी।

#### জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদদেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হালত্তলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্থ ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত দাইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্থের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহ। আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর গারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লখিত আছে সেই হলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বত্তর হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	•	•	8	¢	•	•		>
তৌজির নপর।	মহাল ও প্র <b>ানার নাম।</b>	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মছাল বিজয় স্বৰ্গৰে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্ৰম হইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন তাংশ মাত্র বিক্রয় চইলে ঐ তংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম চইলে তাহার বাকী	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহার বাকী।
_ <b>7</b>	দাব্দরা হিঃ ১১। — ১০ ক্রাস্টী পং দাব্দরা।		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।১৮ডিল।	,	৮০৯৸৬	,	8 <b>घ</b> ०।•∕२
8 æ	কিসমত মহেন্দ্র নানারায়ণ •পং শুদ্বীপ।	७७१/১১	मण्यूर्व		শ্রীমতী আইজা- মেছা।	••••	255177	*****
<i>ś</i> <i>ś</i>	চাকলে বামনী জমি দারী চাং বামনী।	•••••	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।• সামা ।	গং ় নাবালগান পক্ষে মাত। অভি- ভাবক মিস এলেনা	११०।५५	<b>110</b>	€ <b>€</b> ⊌4a
			খাদ মূহ	াল টেনিউর—	জে, ডেসনি । সাহেবা ।		}	
<b>১</b> ৬9¢	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা	raa <sub>l</sub> a	সম্পূর্ণ		আবহুল হাকিম মিঞাজি গং।		२४-१०	
<b>369</b> æ	নজ্দলাল। ঐ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্ৰজরাম মাঝি গং।	920120	Ý	•••••	ব্ৰজ্বাম মাঝি গং		২৩১/৽	••••••

Lalit Kumar Das, Deputy Collector in charge.

#### **जिना वाकदशक्ष ।—क्यामादि विकास** विकास विकास क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত দ্বন কিন্তির বাকী রাজন্ম ও অন্য বে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোং বাং ১৮৯৪ সনের ৯ আহিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগস্ট।

,	9	•	8	•		1	<b>b</b>	>
ভৌজির নম্বর।	মহাল ও শ্রগণার নাম।	সক্তৃথ মহা- লেব সদর কমা।	সম্পূৰ্থ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিৰবণ।	যে সম্পত্তিবিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোম অংশ মাত্র বিক্রয় হটলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রেম হইলে তাহার বাক <sup>ী।</sup>	কোম অংশ মাত্ৰ বিক্ৰন্ন হ'ইলে তাহার বাকী।
3699	তালুক সৈজ্জীন খাঁ গং পং বোজরগো-	•••		এজমালী ৮১১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম	ক্বঞ্চকিশোর নিয়োগী গং।	\ \\\$\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	*****	હায়। পাই
	মেদপুর।			হইবে। অন্য কোন অংশ		,		
				নিলাম হইবে না।				
8484	পন্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	euru)	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং		(موجو	••••
४६४	চক কচুপাতরা পং চক্সদ্বীপ।	१७२)	সম্পূর্ব মহা- লের তালুক- দারী স্বত্ব		শশীকুমার বহু গং	•	৬০৮	,
8482	তুষখালী মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।	و د و و و و	নিলাম হইবে সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।	••••	এরকাহদি গং	•• •••	3334~	•••••
<b>(a)</b>	ভূষখালী মহাল অধীন ৬৮/৮৪/২১৮ নং যোত।	203)	সম্পূর্ণ যোত নিলাম হইবে।		यम्ब १९	444.1	603)	•••••
<b>e</b>	1	\$ 6 <b>\$ \</b>	मण्ण् शख- ना बिनाम श्हेरत ।		কাশীচন্দ্র দাস গং	***,,,	<b>৮</b> 8२५ <i>५</i> ७	*** * * *

স্থা।—যে দ্বলে উপরের লিখিত বর্ণনাশত্রেব ৫, ৭ ও ১ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে লেই শ্বলে ইহা ব্বিতে ছইবে যে ঐ অংশের বিষয়ে খতত্র বিসাধ বাবা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় ন!।

B. Bell,

Offg. Collector.

#### জিলাচট্টগ্রাম। – ইন্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহাদ্বারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ ফেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকী পড়া ৫০০ টাকার ঊর্ধ্ব জমার নওয়াবাদ দিতালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদায়ের নিমিন্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার র্মামতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাদ্র রোজ মঙ্গলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রিতে প্রক্রাণ্ট্র নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জ্লাই।

				म प्र	ভুমা।	কা	কীর পবিমা	વા	•
কমিক নম্বৰ।	তাশু কাব মগ্র।	তালুকার নাম ।	মালিকের নাম।	খাজানা ৷	শেস।	খালান।।	সেম।	মোট।	ম'শুব্য
,	₹	9	8	œ.	•	9	- -	۵	<b>3•</b>
	7005 843 843	মোজে ক্জখনা থানা কটীকছরি মহাল ন ও- রাবাদ।  তাং সেখ ওবেগুলা থাঁ হাং তাং লতিপা খাতুন মোজে ভুজপ্র থানা কটীকছরি মহাল নও- রাবাদ।	শ্রীমতী লতিকা খাতুন	· 77 • 2/10/	ar/0	¢ ¢ 8 )	૨૨ મહાઇ	a 94 halo	• 
	8785								
	<b>\$8</b> • <b>\$2</b>	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং	ওবেদর রহমান খাঁ	رفاده	७७५/०	086119	3042	0601/6	••••
	<b>७</b> ७٩8	তাং ওবেদর রহমান খাঁ।						1	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

J. D. Anderson,

The 23rd July 1897.

Collector.

#### জিলা চট্টপ্রাম। - ইস্তাহার নামা কাছারি কালেকুরী জিলে চট্টপ্রাম।

সন ১৮৫৯ সালের ৭ ধারার মর্মাস্কসারে ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে নিম্নের লিখিত মহাল চট্টগ্রাম জিলার রাউজান খাস মহাল দ্বিত ১৮৯৭ ইংরেজি ২৫শে মেই শেষ তারিখের খাজানা ও ছেচ বাকির জন্যে ১৮৯৭ ইংবেজি ২৪ আগস্ট তারিখে চট্টগ্রাম কালেক্ট্রিতে নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ৫ জ্বলাই।

মক				ን <b>የ</b> ተላ ፕ	<b>w</b> 1 <sub>1</sub>		বাকী।		
. শক ∤ব	তলুকাব নধব।	ভাণুকাৰ নঃম !	মালিকেব ন¦ম :	থাকানা ;	(इंह।	<b>था</b> कागा।	<i>ড়ে</i> চ	মোট ৷	মন্তব
<b>,</b>	ع	ა	5	å	b	9	ъ		٥٠
-		মেডিজ হাপানিয়া থানা ফটীকছরী মহল নওয়া- বাদ।—				÷ «			
2	र १७ <b>৯२৯</b> १०७	ভালুক করাদ জাকর	ওবেদর রহমান ২ঁ। পিং তোরাপ আলি খাঁ স'ঃ পাঁচলাইশ।		<b>७१</b> ।/७	(LO o	@3 <sub>9</sub> /°	<b>৬৮১</b> ৯∕৳	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 7th July 1897.

Collector.

#### জিন্সা খুননা। জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া খাইতেছে যে খুলনা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী নাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রম্ন চরা যাইবে।

>	۶.	9	8	¢	•	9	Ъ	>
তে জির ন্ধর।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নমে :	সম্পূৰ্ণমহাজের সদব জমা।	বিক্ৰম হটবে	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব িংশেব বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হ <b>ই</b> বে ভাহার মালিকগনেব নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহার বাকী।
9913	ধুলিয়াপুর থানা কালীগঞ্জ।	398964da	না	।/• <b>পাঁ</b> চ আনা অং <b>শ</b> ।	দামিনী দাসী চৌধুৱাণী।	€865499 R		P.78 \ 8 \ 5

টীকা যে লালে উপবেব লিখত বর্ণনাপতের ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কে.ন অংশ মাত্র বিক্রম সইবে বলিয়া শিখিত আছে সেই লালে ইয়া বুকিতে স্টাবে যে এ অংশেব মুমিতু স্বাচ্চাবি বাশে সুইয়া পাকে ও মহালেব অন্য বা অন্যান, অংশ বিক্রম হয় না।

KHULNA COLLECTORATE,

W. II. VINCENT.

Collector

The 13th August 1897. )

#### জেলা ফরিদপুর। - জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ফরিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত ছালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে কিনী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বৈক্রয় করা ঘাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগেই।

5	3	9	R		<b>.</b>		<i>•</i>	ه
তে) শির নদ্গব।	মহাল ও প্ৰগণ্য নাম ৷	সম্পূর্ণ ছয়া সম্পূর্ণ মহ লেক সংস্থা বিক্রম ভট জমা। কিনা		কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হউলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণা	যে সম্পত্তি বিজেষ হইবে ভাহাব মালিকগণের নাম !	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় কুইলে ঐ অং শেব সদর জম:।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় কইলো তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছটলে তাহাব বাকী।
200	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ হাজারী।	७৮৯२	ষোলখানা		ঈশ্বচন্দ্র সাহা গয়- বহ।	******	ه ۵۰۶ ره	•••••
6472	পং হাবেলী তপ্পা মামুদপুর দোলু- পুরের অতিরিক্ত মহাল।	3.89)	· P		প্রসন্ত্রক্ষার সেন্		१७३)	

টীকা।~ যে দ্বনে উপবেব লিখিত বেনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হউবে বলিয়া লিখিত আছে দেই দ্বলে ইহা বুঝিতে ছইবে যে ঐ অংশের

। মিছ স্বছন্ত হিসাব রাখ, হছয়। থ'ছে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

J. H. Tranple,

TEMPLE, Collector.

#### जिमा गानम् । - जिमाति विकास्त विकासन क ।

্ ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালদহ জিলার অন্তর্গত দ্বিলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজ্বস্থেও অন্য যে স্কল দাবা ।ইনাম্পারে বাকী রাজ্বস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা গুই ।হর ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

5	<b>,</b>	8	8	a	•	٩	<b>b</b>	•
তীব্দিব নখর।	মহাল ও প্রগনার নাম।	সম্পূৰ্মহালেব সদৰ জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রঘ চইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিধরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	হইলে, ঐ	নম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম ছউলে তাঙাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ভাহাঃ বাকী।
) UU	তরক কাঁকট পর- গণা মাকরাইন।	2¢≎8I∿∘.	না	অর্থাৎ সম্পূর্ণ মহা- লের ॥ তথ্যট	৩। সায়ুব খাঁ পক্ষে ইউসফ খাঁ নাবা- লক।	१ <b>७१</b> ৶•	••••	२५८३
₹ • 8	তরফ কতেপুর পরগনা বাহা হুরপুর।	39¢3119/°	না	রেসিভূয়ারী অংশ  অর্থাৎ সম্পূর্ব মহা  সের ৮০/০ আনা  অংশ মিলাম হইবে  এতদ্ব;তীত অব- শিক্ট অংশ মিলাম	১ । সেখবাবর আলী ২ । সেখ সফরদার ও ০ । সেখ আকবর ও ৪ । বিবি কাদিরছে ৫ । বিবি সম্ভন্নে ৬ । মহম্মদ সামিকদ্দি ৭ । মহম্মদ আসিকদ্দি	মালি। মালী। বা। বা। ন। ন।		3)
¢	চভুৰ্থতোক। আনা মৌজা।			,	রামকুমার সরকার অভিভাবক পক্ষে		8940	
7	কিন্তু এ রেজে	ট্রবীতে চাঁদণ	ধুর চতুর্থ বি	ল লিখিত আছে কশমত লিখিতআছে	় নাবালক পুত্র রামগোপাল সর- কার।			
७२°	মৌজা চক উজি- য়াল পরগনা রাজনগর।	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\		রেসি ভুয়ারি অংশ অর্থাৎ ১১৬ = 3 ক্রান্তি বার আনা	বিবি ফেরোজা খাতৃন, সাকের ন্নেদা, পালবি ন্নেদা, সামিক্যিন	२१७१/०		₹∘りか
• • • • • • • • • • • • • • • • • • •				যোল গণ্ডা ২ 3 ক্ৰান্তি অংশ নি- লাম হইবে। এত- ব্যতীত অবশিষ্ট অংশ নিলাম হই তে মুক্ত থাঞ্চিল।	আহাম্মদ চৌধুরী, আজিকদ্দিন আহাম্ম মাজিকদ্দিন আহাম্ম বেসারত আলী চৌ আলী চৌধুরী পক্ষে দ্বোসা, তামিজদ্বেসা	দ চোধুরী, স ধুরী স্বয়ং সাধিনা খা	ামিরম্বেসা, ও বে <u>সা</u> বুত- তুন,আলিব-	

উল্লিখিত মহালগুলি ১৮৯৭ সালের বাকী রাজস্ব আদায় জন্য নিলাম হইবে। ইতি টিকা –যে স্থলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তিব ৫.৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হউবে বলিয়া লিখিত আছে গেই স্থলে বিহান শর্মে এই অংশের ত স্থতন্ত্র ছিসাৰ কাৰ্যা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

MALDA COLLECTORATE,

The 10th August 1897.

· II. iska,

Collector.

#### किना वर्त्तमान।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এডজারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিদ্ধ-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকী রাজজ্ঞ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাত্মসারে বাকী রাজজ্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৪ সেপ্টেছর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

<b>3</b>	3	9	s	a	5	9	<b>•</b>	>
ভৌক্রি নসর।	মহাক ও প্রকণাব নাম।	সম্পূর্ণ মহা- জের সহর জনা!	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হুইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশের বা ঐ অংশের বি শেষ বিববন। উল্লি- শিত অংশ ব্যতীত অন্যান্য অংশ বিক্রয় হইবে না।	বে স≪। জি বিজ্ঞায় হইবে ভাষার যাণিকগণেব নাম ।	কোন অংশ দাত বিক্রম ছইলে ঐ অং- লোক সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মৃহণ্ট বিক্ৰয় ক্ৰীলে ভাৰাৰ বামীঃ	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ইইলে ওণ্ডার ধাকী ;
હર	পলশোনা পং ধেঞা	ر در العادة و 18		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে ১নং পৃথক হিসাবের মহাল নিলাম হইবে মূল মহাল ও বাকি পভিয়াছে ভাহার নিলাম জন্য পৃথক ইস্তাহার দে ওয়া গেল।	আশুতোষ চ <b>ন্দ্র</b> দিং	\$\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	•	ยระหล
<b>હ</b> ર્	পলদোনা পং ধেঞা	ع د داماه ه ع		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে মূল মহাল নিলাম হইবে ১ নং পৃথক হিসাবও বাকি পড়িয়াছে তা- হার নিলাম জন্য পৃথক ইস্তাহার দেও- য়া গেল।	আশুডোষ চন্দ্ৰ দিং	\$ <b>6</b> 2 <b>6</b> 19	•	by hada

টীকা।— যে খলে উপবেৰ লিখিত বৰ্ণনাপজের ৫. ৭ ৪ ৯ গরে কোন ভাংশ মাত্র বিক্রয় ছউৰে বলিয়া লিখিত আছে সেই গুলে ইড! বুবিতে ছউৰে যে ঐ আংশের অমিছ গুডায় হিসাবে রাথা ছইয়া খাকে ও মহালেব অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

BEJOY K. Bose.

For Collector.

#### **(क्रमा वर्कगाव ।— विमायि विकाशव ।**

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বর্দ্ধমান জেলার অস্থঃপাতি নিম্নলিখিত মৃহলে গ্রন্থেটের যে মালিকি খ্রু আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ভ অন্থসারে উক্ত বর্দ্ধমান জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর তারিখ যোতাবেক বান্ধলা ১৩০৪ সনের ৯ আখিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ত সকলে বাধ্য ছইতে ছইবে।—

#### নিলায়ের সর্ব :---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্দিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বা-পেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের শ্বরিদ্ধা-রকে ইহার মালিকজ্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইস্নাছে তাহা চিরস্থ রূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব শ্বরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবং থাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকগণ দারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা রুষক প্রজা দারা দত্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্বস্থীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০% টাকার অন্ধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার ঊদ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ ডৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয়় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তোজির নম্বর।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।		দূৰ জা	न। या	বে যত- য় ভূমিব বিমাণ ।			রাজস্ব ইয়াছে।	मच्चरा।
			একর	<b>ক</b> ড	পো:	वा	আঃ	পাই।	
688F	কালুওক দিঃ পং মজ্জাকরসাহি	•••	۵	4	*	84	•	۵	
6885	কৰ্জনা দিঃ পং বৰ্দ্ধমান	•••	٩	3	22	೨೮	1	b	
<b>68 €</b> 8	বটগ্রাম দিঃ পং মজাফরসাহি	•••	¢	*	\$	२४	4/	o	
48¢ • •	উচালন পং সমরসাহি	***		b	02	49	الحا	હ	
6840	কৃষ্ণপুর ওরফে কামালপুর পং খণ্ডঘোষ	•••	R	2	२२	७७	1/	હ	
6842	বুলচন্দ্রপুর পাং সমরসাহি	***	٩	7	२२	७१	110/	Ŀ	
68€5	নিগোন পং ধেঞা	•••	9	•	૭હ	45	111	•	
90	ডফরপুর পং অম্বিকা	•••	8	O	26	39	1/	9	
७ ५०२	পাঁচরখী পং জাহান্ধিরাবাদ	•••	8	0	39	24	- 1	٩	
8480	কোঙারডিহি পং সেরগড়	***	•	b	७৯	2	9/	0	
6889	কোঙারডিহি পং সেরপড়	•••	•	0	72	0	0	•	
8 / 10	কোণ্ডারডিহি পং সেরগড়	•••	•	<b>ર</b>	۵	4	110	હ	
<b>७६</b> २७	কোণ্ডারডিহি পং সেরগড়	•••	•	•	<b>6</b> 5	•	•	•	
७६२१	কোঙারডিহি পং সেরগড়	•••	•	•	<b>?</b> ?	0	•	0	. •
2604	কোঙারডিহি পং সেরগড়	• • •	•	0	۵	0	•	0	
988	কোঙারভিহি পং সেরগড়	•••	0	•	9	•	•	•	
vetv	কোভারভিহি পং দেরগড়	•••	•	•	ر د ک	3)	0	•	

কালেক্টরের কাছারি জেলা বর্দ্ধমান ভারিষং ১ জাগউ ১৮১৭

### জিলা মুরশিদাবাদ।—জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন!

১৮৯৭ সালের দ্বন কিস্তির বাকির জন্য।---

১৮৫৯ মালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নম্মলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর মোং ১৩০৪ সালের ১৩ আখিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য জংশ ব্যক্ষম হয় না।

>	2	v	8	ά	•	٩	<b>b</b>	>
<b>তৌজি</b> র মশ্বর ।	মহাল ও প্রগণ্য নাম।	সম্পূর্ণমহা- লের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ- মাত্র বিক্রম হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় <b>হইলে</b> ডাহাব বাকী।	কোন অংশ মাজ বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।
2840	চর ছেতানী খানা বড়ুয়া।	982110	मग्रून्य		ধনেশ প্রকাশ গাঙ্গুলী সাং কলিকাতা নং ৯ প্রসন্ন কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		369)	

Opendra Chundra Mozumdar, For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বন্ব সিন্কোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিভেন্টের নিকট গবণ-থেক্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে স্বস্থা সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২০০ টাকান্ত্র, আট ঔপ টিন ৫০ টাকায় ও এক পোও টিন ১০০ টাকান্ত পাইবেন। সর্ক্ষসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিভেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৩০০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০০ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার অ্যানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔবধ বিক্রেভাগণও এই ঔবধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ০০০, আট ঔপ টিনের ৪০০ ও এক পোঁও টিনের ৬০ ডাক মাস্থল দিতে হইবে।

```
বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
  ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মৃল্য হইতে, যথা-
```

১ এক পৌণ্ড টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৫০

।। আধ "

,, 8110 ,, 22

পরীকা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কৃইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপকৃষ্ট কারের সহিত ইচ্ছাপুর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রম করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটছ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেভেন্টের নিকট পাওয় ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883 .- The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance :-For the Mufassal.

Entire Gazette ... 10 per annum. Postage 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette Postage 0 Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets or with an charge

additional of 1 anna for every 4 sheets in excess

Postage For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage. E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ কেব্রুয়ারি ।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মাস্থল এই অব্ধি ভিদু-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :—

	यकः मर	i			<b>ोका</b> ।
সম্পূর্ণ গেচ্ছেট	•••	•••	•••	বৎসর	30~
ডাক্মান্থল	•••	•••	•••	23	<b>*</b> II •
० ७ ६ ७ ६ ७ ६ ४७	( যাহাতে স্ব	চার <b>তব</b> র্ষের	ও বল-		
দেশের ব্যবস্থাপ	ক সভার অ	ारेन 💌	षारदात		
পাণ্ডুলিপি থাকে	)	•••	•••	<b>3</b> )	8,
	•••	***	•••	"	3,
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটো	র মূল্য	•••	70 €	"	10
ডাক্মান্থৰ	•••	•••	•••		1.
0 8 8 9 6 49 6 40	( প্রত্যেক ৪	३ शृक्षे। वा	ভাহার		
ন্যুন সংখ্যক	পৃষ্ঠার মূল্য)				/ ৪ পৃষ্ঠার উপর
`					शफ जिंक रू
					ভাহার প্রভ্যেক
•					৪ পৃষ্ঠা প্রতি আর
					একং আনা।
धांकशासम् .		_			. 10

#### কৰিকাভায়।

কলিকাতায় ও মকঃসলে সমান মূল্য, কলিকাতায় কেবল ডাক্মান্থল লাগিবে না।

रे, এब, বেকার।

वक्रामात्र भवर्वायान्येव अक्षिः ह्यांचे त्माक्रवेतो ।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Ro. 24: packing and postage Ro. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of adverts	isements i	n the CALCUTT	A GAZETTE.	
				Rs.
Full page, per issue	•••	•••	•••	20
Half ,, ,,			•••	10
Casual advert	tisement	-4 annas per li	ne.	

#### বিজ্ঞাপন ।

কলিকাতা গেজেটের কিয়া বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওরা না গেলে ঐং গেজেট দেওরা ষাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাভিরিক্ত এই মর্মের। বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় তিম্ব কোন ব্যক্তি বাজাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভাষ্মিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এভদ্বারা এই বিচ্ছাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোটাটের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেলেটে ইপডিহার কি বিজ্ঞাপন এটিড প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক জানা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ভবলিউ ব**ন্ট**ন, বঙ্গদেশের গ্রবর্ণমেন্টের ছোট সেক্রেটরী।

#### ১৮০৭ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য ৷—কৃত্রিকাজা ধেয়াজেটে <b>উলভিয়ার প্রকাশ</b> করিব	in win alee I-				<b>81</b> €1/
প্রা এক পৃত্তা একং বার প্রকাশ করণের	***	•••	***	•••	¥ • €
काथ श्रका	•••		4,00		3
তথ্য কথ্য ইপ্তিকার একাশ ক্রিকে চইতে	THE TWO		-00		11

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant. Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাজাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে।

বারিফার-আট-লা ও শুশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্টিই ও সেশন क्क ७ (दक्षे क्रिमार्टन राष्ट्र स्नद रिमारनद कीयू हिन, हि, किन ह, ध्य, এ, ও এन, धन, हि সাহেবের প্রণীত বৃদ্ধদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেউ গ্রণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারার প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুলকের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

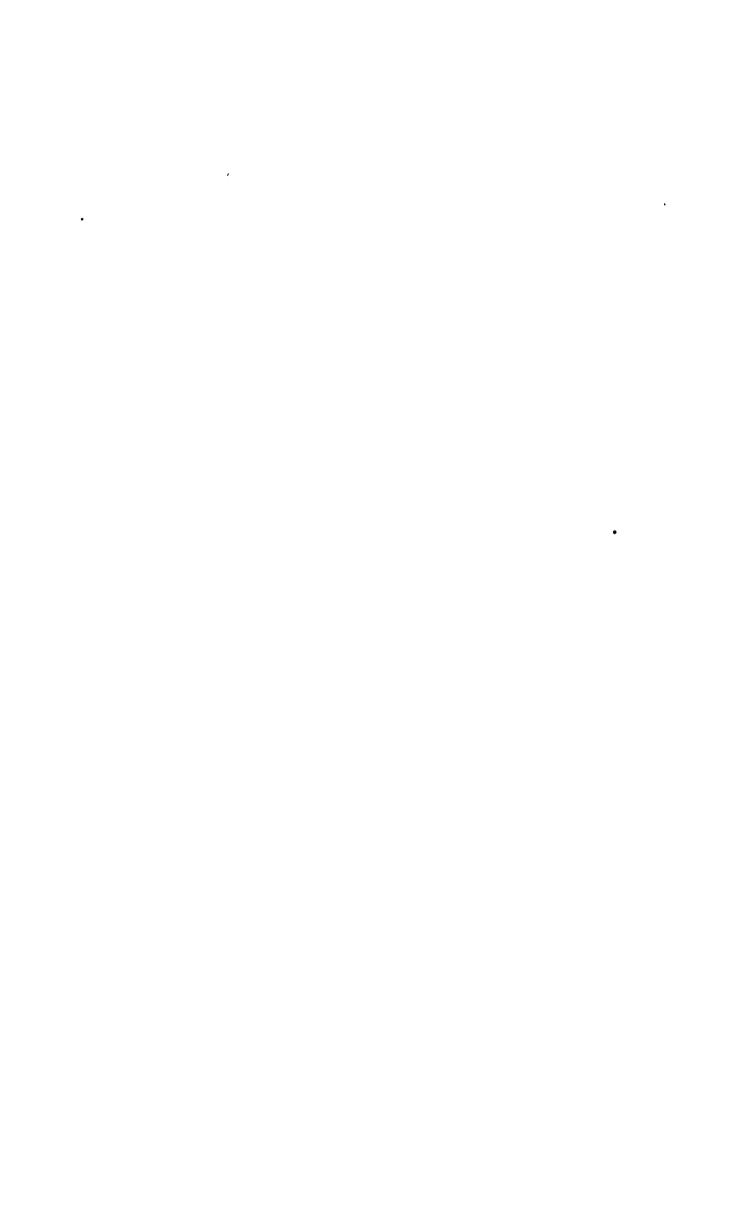
কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের আকেণ্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোডক করিয়া ডাকে পাঠাইৰার খরচ।৴০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বঙ্গদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড ওমেষ্ট টোন হালের হাতায় হিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাম্যবিভাগের আপিসে রেঞি-টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাভার গবর্ণযেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিঞ্চ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

কালকান্ত৷ প্রোসভেন্দা কেল যথ্রালয়ে গ্রব্যমন্টের কন্য আযুত কেন্স পেটা সাহের ককুক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল 📙







## गवर्गाम् । जारकि

TUESDAY, AUGUST 31, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩১ আগফ।

CONTENTS	1
PAGE.	মিখন্ট।
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	भृष्टे।
tions of the Government of India Nil.	প্রথম বঙ।—ভারতব্যীয় গ্রেশ্যেত্তব নির্দ্ধণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	विक्रीय वश्रा वक्रारमान्य गवर्गस्याप्तेव विक्रांत्रम्
of Bengal	আদেশ ও বিজ্ঞাশন প্রভৃতি . ২৬১ -২১
l'ART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	ৰিতীয় <b>ক বণ্ড।—বলদেশে</b> ৰ গ্ৰণমেণ্টেৰ আদেশ . ৭৫—৭
nor of Bengal 75-76	ছতীয় বশু।—ভাবতগ্ৰীয় বাৰন্থাপক সভাব প্ৰণীত
PART III Acts of the Legislative Council of	व्यक्ति नाई
ludia Nil.	চতৃথ খণ্ড ৷ — ভারতব্যায় ব্যবস্থাপক সভার জাইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাত্রিপ মাই
India Nil.	শক্ষ বস্তা—বঙ্গীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্ৰবীত আইন নাই
L'ART V.—Acts of the Bengal Council Vil.	वर्षे थेख। — वक्षीय वाधक्यः भक्षा कार्यस्थ
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	
l'ART VIICircular Orders by the High	পাস্থালাপ নাই সম্ভাম বস্তু।—ভাই কোটেঁব ও বেংগনিই বেটেড্ৰ
Court and Board of Revenue . Nil.	1
PART VIII.—Advertisements 429—437	The state of the s
SUPPLEMENT Nil.	
15 15 47 261	भविष्म गवन <b>रमरण्य (गरम</b> ण्य

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

## দিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ধমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 23rd August 1897.

No. 152 Marine.—With the previous sauction of the Governor-General in Council, the Lieutenant-Governor is pleased to declare that the rules for quarantine against plague, promulgated in the notification issued by this Department, No. 1 Marine, dated the 4th January 1897, shall cease to have effect in the port of Calcutta against vessels leaving Karachi on or after the 17th August 1897.

A. D. McArthur. Col., R.u., Secy. to the Govt. of Bengal.

#### The 23rd August 1897.

No. 153 Marine.—The following telegram, dated the 5th August 1897, from the Political Resident, Turkish Arabia, relative to the imposition of quarantine restrictions, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.E., Secy. to the Govt. of Bengal.

Telegram dated Bagdad, the 5th August 1897.

From-The Political Resident in Turkish Arabia,

To-The Foreign Secretary, Simla.

QUARANTINE against arrivals from India and Baluchistan reduced to ten days from 3rd August. Prohibition against entry Shiahs and corpses from India is still in force.

#### The 23rd August 1897.

No. 154 Marine.—The following documents regarding quarantine and trade restrictions imposed in other countries in consequence of the existence of bubonic plague in India are published for general information:—

A. D. McArthur, Colonel, R.E., Secy. to the Goot. of Bengal

Letter from the Foreign Office, to the Indian Tea Association.

May 21, 1897.

With reference to my letter of the 3rd instant, I am directed by the Marquess of Salisbury to transmit to you a copy of a memorandum\* which has been received from Her Majesty's Ambassador at St.

Petersburgh, in which are set forth the regulations that are now being enforced in respect of tea and other products of Eastern origin by the Russain Customs.

Sir N. O'Conor states that no prohibition against the importation of tea is in existence, and that the process of disinfection which is described in the memorardum, and which is only applied to the outer covering of the chests, could not possibly cause any injury to the tea.

I am, &c., (Signed) GEORGE N CURZON.

#### বঙ্গদেশের শীয়ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

### মেরিন্ ভিপার্টমেউ।

#### ১৮৯৭ দাল ২৩ আগফ।

মেরিন্ ১৫২ নম্বর।—শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব অণ্ডো মন্ত্রিসন্থাধি নিউত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের অভ্যতি লইয়া এই আদেশ করিতেছেন যে, ১৮৯৭ সালের জাভ্যারি মাসের ৪ তারিখের এই ডিপার্টমেন্টের মেরিন্ ১নং বিজ্ঞাপনে মড়কের বিরুদ্ধে যে কারান্টাইন বিধি প্রচারিত করা গিয়াছে তাছা ১৮৯৭ সালের আগন্ট মালের ১৭ তারিখে কিম্বা তাছার পর করাচী হইতে যে সকল জাছাজ ছাড়িয়া আইসে সেই সকল জাহাজ সম্বন্ধে কলিকাতা বন্দরে খাটিবে না।

এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্ণেল, আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের দেক্রেটরী

#### ১৮৯৭ मान २७ जागर्छ।

মেরিন্ ১৫৩ নম্বর। – কারান্টাইন নিষেধ বিধি ধার্যকেরণ সম্বন্ধে তুরস্কাধীন আরবের পোলিটিকাল রেসিডেন্ট সাহেবের ১৮৯৭ সালের ৫ আগন্ট তারিখের ,নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগতার্থে প্রকাশ করা গেল।

এ, ডি. ম্যাক**আর্থর**, কর্নেল আর, ই বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরা।

বাগদাদ হইতে প্রেরিত ১৮৯৭ সালের ৫ আগফ তারিখের টেলিগ্রাম।

সিমলায় শ্রীযুত করিন্ সেক্রেটরী সাহেবের নিকট।

ভূকি আরবের পোলিটিকাল রেসিডেন্ট সাহেবের টেলিএ।ম।

ভারতবর্ষ ও বেলুচি স্থান হইতে আগত জাহাজের বিরুদ্ধে ও আগষ্ট হইতে কারান্টাইন কমাইয়া দশ দিন করা গেল। শগত ভারতবর্গ হইতে শিয়াদেন এবং শবের প্রবশ সম্বন্ধে নিষেদ্যভা<sup>†</sup> অদ্যাণি বলবৎ আছে।

#### ১৮৯৭ माल २७ आपछे।

• মেরিন্ ১৫৪ নম্বর। ভারতবর্ষে বীচিফোলা মড়কের প্রাণ্ডিব হেতু অন্যান্য দেশে যে কারান্টাইন ও বাণিজ্য সম্বন্ধে নিষেধ বিধি স্থাপিত হইয়াছে তৎসম্বন্ধে নিম্নলিখিত কাগজপত্র সাধারণের অবগতির নিমিত্ত প্রকাশিত হইল!—

> এ, ডি ম্যাক অর্থর, কর্নেল আর, ই, বৃদ্ধদেশের গ্রথমেন্টের সেক্রেটরা।

ফরেন সাফিস হইতে ইণ্ডিয়ান টি এ সাসিয়েশনে প্রেরিত পত্র।

"১৮৯৭ সালের ২১শে যে।

আমার ৩রা তারিখের পাত্র উপলক্ষে আমি মার্ক্স অব্ সালিস্থারির দ্বা আদিই হইয়া আপনাদিগকে শ্রীশ্রীমতীর সেউপিটর্সবর্গন্থিত আম্বাসাডারের নিক্ট হইতে প্রাপ্ত প্রারকলিপির ব ক খণ্ড প্রতিলিপি পাঠাইতেছি । ঐ স্মারকলিপিতে রুসিয়ান্থ কটম ব্রুডাণু দ্বারা চা ও পূর্ব মহাদেশে উৎপন্ধ অপরাপর দ্বা সন্ধ্য যে সকল বিধি প্রচলিত হইতেছে তাহা বর্ণিত আহে।

স্যার এন, ও কোনার সাহেব বলেন যে চার আমদানি সম্বন্ধে কোন নিষেধান্তা নাই এবং স্মারক-লিপিতে সংক্রামক দোষশূন্যকরণের যে প্রণালী বর্নিত আছে এবং যে প্রণালী কেবলমাত্র বাক্তের বাহিরের আবরণে প্রয়োগ করা যায় ভাষা দারা চার কোন অনিউ ইইবার সম্ভাবনা নাই।

> • (সহি) জজ এন কুর্জন।

#### A otification by the Bourd of Trade.

London, July 9, 1897.

The Board of Trade have received, through the Secretary of State for the Colonies, the following copy of a Notice issued by the Governor of Malta, viz.:

#### Government Notice.

His Excellency the Governor, having heard the opinion of the Board of Health, has been pleased to modify Government Notice No. 118 of 7th June 1897, and to direct that the following regulations be observed, viz.:

- 1. Vessels which are not allowed to enter the Harbour, but are allowed to communicate in quarantine with the Islands of Comino and Cominotto under such restrictions as the Collector of Customs may direct.
- (a) Vessels that have on board, or have had during the voyage cases of cholcra, yellow fever or plague or cases of a disease with symptoms resembling those of cholcra, yellow fever or plague.
  - (b) Vessels with pilgrims from the East.
- (c) Vessels arriving from Arabian Perts in the Red Sea and the Persian Gulf which have not been admitted to free pratique at Suez and Port Said.
- 2. Vessels which are allowed to enter the Quarantine Harbour to coal and take in provisions under quarantine restrictions.
- (a) Vessels arriving from Rombay or Kurrachee which have not been admitted to free pratique in any port in the Adriatic or Mediterranean Sea, or which have not, to the satisfaction of the Chief Government Medical Officer, been thoroughly disinfected before being admitted to free pratique at the said port.
- (b) Vessels arriving from any port without a clean bill of health, which do not fall under any of the preceding regulations.

#### 3. Medical Inspection.

All vessels arriving at Malta shall undergo strict medical inspection.

#### 4. Passongers.

Passengers arriving from Mediterranean Ports must, before landing, declare on oath that they have not been in Bombay or Kurrachee within the last 30 days. All passengers who have been within the last 30 days in Bombay or Kurrachee shall be landed at the Lazaretto and remain there, under such restrictions as may be ordered by the Port Authority, for a period not less than 7 days from the date of disinfection and not less than the number of days required to complete 30 days from the date of departure.

#### 5. Goods.

The importation of coffee coloured with substances injurious to health is prohibited.

The imortation of cotton seed from any port subject to quarantine is forbidden.

The importation of rags is prohibited.

.The importation is forbidden before disinfection of the following articles, viz., wearing apparel, soiled linen and clothing, bedding materials, hides, feathers, bones and jute goods.

The importation of vines, vine shoots and fruit packed in vine leaves is prohibited. The importation of plants or roots from any port of the Mediterranean is prohibited unless the same are accompanied by a satisfactory certificate that phylloxera is not known to exist at the place of origin.

By command,

F. VELLA,

Acting Chief Secretary to Government.

#### বোর্ড অব ট্রেডের বিজ্ঞাপন। লঙ্জন, ১৮১৭ সাল ১ই স্থলাই।

মাণ্টার গবর্ণর ছারা প্রচারিত নোটসের নিম্নলিখিত প্রতিলিশি বোর্ড অব টেড উপনিবেশ সমূহের পক্ষে সেক্টেরি অব স্টেটের হাত দিয়া প্রাপ্ত হইয়াছেন অর্থাৎ:—

#### গবংমেন্ট নোটিস।

বোর্ড অব হেলধের মন্ত প্রবংশ মহামহিম শ্রীযুত গবর্ণর সাহেব ১৮৯৭ সালের ৭ই জ্ব তারিখের ১১৮ বং গবর্ণমেন্ট নোটিস সংশোধন করিয়াছেন এবং নিম্নলিখিত বিধিগুলি মান্য করিবার আদেশ দিয়াছেন, যথা:—

- ১। যে সকল জাহাজকে বন্দরে চুকিতে দেওয়া হয় না কিন্তু কন্টমের কালেক্টর সাহেব যে সকল নিষেধ বিধির আদেশ করেন সেই সকল নিষেধ বিধির অধীনে কোমিনো ও কোমিনটো দ্বীপাদ্বয়ের সহিত কারাকীইনাধীনে সংজ্ঞব রাখিতে দেওয়া হয়।
  - (ক) যে সকল জাহাজে ওলাউঠা, পীত জ্বর কিছা বীচিকোলা মড়কাক্রান্ত রোগী, অথবা ওলাউঠা, পীত জ্বর বা বীচিকোলা মড়কের লক্ষণের সদৃশ লক্ষণযুক্ত কোন পীড়াক্রান্ত রোগী আছে অথবা সমুদ্রে যাত্রার কালে ছিল।
  - (খ) যে সকল জাহাজে পূর্ব মহাদেশ হইতে ভীর্থযাত্রী আছে।
  - (গ) স্থপ সাগরন্থিত ও পারস্য উপসাগরন্থিত আরবদেশের বন্দর সকল হইতে আগত যে সকল জাহাজ হয়েজে ও পোর্ট সেইদে কুলের সহিত অবাধে সংভ্রব করিবার জহুমতিপত্র পায় নাই।
  - ২। যে সকল জাহজ্ঞকে কয়লা ও খাদ্য জ্ব্যাদি লইবার জন্য কারান্টাইন নিষেধ বিধির অধীনে কারান্টাইন বন্দরে প্রবেশ করিতে দেওয়া হয়।
- ক) বোষাই বা করাচী হইতে আগত যে সকল জাহাজ আডি ুয়াটিক কিন্তা ভূমধ্যন্থ সাগরের কোন বন্দরে কুলের সহিত মবাধে সংঅব করিবার অন্নয়তিপত্র পায় নাই কিন্তা যে সকল জাহাজকে উক্ত বন্দরে কুলের সহিত অবাধে সংঅব করিবার অন্নয়তিপত্র দিবার পুর্ক্তে,গবর্ণমেণ্টের প্রধান মেডিকাল কর্মচারার সন্তোষ জ্বাতে পারে এরপ সম্যক্তাবে সংক্রামক দোষশূন্য করা হয় নাই।
  - (খ) প্রবর্তী কোন বিধির অধীনে আইসে না এরপ যে সকল জাহাজ কোন বন্দর হইতে অমুকুল আছ্যু সার্টিফিকেট না লইয়। আইসে।

#### ৩। চিকিৎসক ছারা পরিদর্শন।

মাণ্টায় যে সকল জাহাজ উপস্থিত হয় তাহাদের সকলগুলিই চিকিৎসক ছারা বিশেষ রূপে পরিদৃষ্ট ছইবে।

#### ৪। যাত্রী।

ভূমধ্যস্থ সাগরের বন্দর হইতে যে সকল যাত্রী উপস্থিত হয় তাহাদিগকে কুলে নামিবার পুর্বে শপথ

করিয়া ব্যক্ত করিতে হইবে যে ঠিক পূর্ববর্তী ৩০ দিনের মধ্যে তাহারা বোদ্ধাই বা করাচাত ছিলনা।
যে সকল যাত্রী ঠিক পূর্ববর্তী ৩০ দিনের মধ্যে বোদ্ধাই বা করাচাতে ছিল তাহাদিগকে লাজারেটোতে
নামান ইইবে ও বন্দরের কর্তৃপক্ষ যে সকল নিষেধ বিধির আদেশ করেন তদধীনে তথায় সংক্রামক
দোষশূন্য হওয়ার তারিখ হইতে ৭ দিনের কম না হয় ও যাত্রার তারিখ হইতে ৩০ দিন পূর্ব করিতে
যে কয় দিন প্রয়োজন হয় সেই কয় দিনের কম না হয় এরপ কালের নিমিত্ত থাকিতে হইবে।

#### का आला

স্বাস্থ্যের অনিষ্টকর জব্য দ্বারা রঞ্জিত কাঞ্চির আমদানি নিষিদ্ধ। কারান্টাইনের অধীন কোন বন্দর হইতে তুলার বীচির আমদানি নিষিদ্ধ। ছেঁড়া নেকড়ার আমদানি নিষিদ্ধ।

সংক্রামক দোষশূন্য করণের পূর্কে নিম্নলিখিত দ্রব্যগুলির আমদানি নিষিদ্ধ, যথা, পরিধেয় বন্ধ, ময়লা লিনেন ও কাপড়চোপড়, বিছানার উপকরণ, চামড়া পালক, হাড় এবং পাটের জিনিষ। \_ .

আরুর পাতায় মোড়ক করা আরুর গাছ, আরুর গাছের চারা ও কলের আমদানি নিষিদ্ধ। ভূমধ্যক্ষ সাগরের কোন বন্দর হইতেই চারা গাছ কিম্বা গাছের মূল আমদানি করা হইবে না। উৎপত্তি প্রান্দ কিলোক্সেরার প্রান্থভাব আছে বলিয়া জানা নাই ইহার সম্ভোষজনক সার্টিকিকেট সজে খাকলে গাছ ও গাছের মূলের আমদানি করিতে দেওয়া হইবে।

আদেশক্রমে,

এক্, ভেন্না,

গবর্ণমেন্টের এক্টিং চিফ সেক্রেটরা।

Extract from the "Ceylon Government Guzette" No. 5489 of July 23, 1897.

Regulations made by the Governor, with the advice of the Executive Council, under the provisions of the Ordinance No. 3 of 1897:—

- The regulations made by the Governor, with the advice of the Executive Council, bearing date the 13th and 26th March 1897, are hereby repealed.
- 2. The landing at any place in this Island of the following goods, shipped at any port on the West Coast of India, or transhipped to any vessel from any vessel which shall have conveyed such goods from any port on the West Coast of India, is prohibited:—
  - (1) Used body linen, clothes, bedding, and other personal effects.
  - (2) Rags, including rags compressed by hydraulic pressure and transported in bales as merchandise.
  - (3) Used sacking or bags, carpets, and old embroidery.
  - (4) Green and untanned hides and skins.
  - (5) Animal refuse, claws, hoofs, horsehair, bair of animals generally, raw silk, and wool.
  - (6) Human hair.
- 3. The transhipment within any port of Ceylon of such prohibited goods from one vessel to another is prohibited.
- 4. The Principal Officer of Customs at any place at which any landing or transhipment shall take place of such prohibited goods shall, unless the Governor shall otherwise direct, cause the destruction of such goods. The cost of effecting such destruction shall be paid by the owner and consignee of such goods and by the master of the vessel by which such goods were carried. No compensation for such destruction shall be paid to any person.
- 5. Any vessel having on board any such prohibited goods shall, so long as she shall have any such goods on board, be deemed in quarantine, and such vessel and all persons and goods shall in respect of such vessel be subject to the regulations published on 2nd March 1897, relating to vessels in quarantine.

By His Excellency's command,

Colomial Secretary's Office, Colombo, July 23, 1897. E. Noel Walker, Colonial Secretary.

্বিতীয় খণ্ড।

Regulations made by the Governor, with the advice of the Executive Council, under the provisions of the Ordinance No. 3 of 1897:—

- 1. The regulations made by the Governor, with the advice of the Executive Council, bearing date the 2nd March 1897, are hereby repealed.
- 2. Every vessel or boat coming to any place-in this Island from any place on the West Coast of India shall be subjected to quarantine for a period not exceeding ten days from the date of departure from such port.
- 3. No person shall within such period of ten days land at any place in this Island from any such vessel or boat.
- 4. No person shall at any time within such period of ten days carry, take, or convey any goods from any such vessel or boat to any place in this Island.

By His Excellency's command,

Colonial Secretary's Office,

. Colombo, July 23, 1897.

E. Noel Walker,

Colonial Secretary.

১৮৯৭ সালের ২৩শে জুলাই তারিখের ৫৪৮৯নং ''সিংইল গবর্ণমেন্ট গেছেট'' হইতে উদ্ধৃতাং লা ১৮৯৭ সালের ৩নং অর্ডিনান্সের বিধানাম্সারে একজিকিউটিব কাউন্সিলের পরামর্শমত গবর্ণর সাহেবের প্রনীত বিধি:--

- ১। একজিকিউটিব কাউ বিদেরে পরামর্শমত গবর্ণর সাহেবের প্রণীত ১৮৯৭ সালের ১৩ই ও ২৬শে মার্চ্চ ভারি খের বিধিগুলি এতদ্বারা রহিত করা গেল।
- ২। ভারতবর্ষের পশ্চিমকুলের কোন বন্দরে জাহাজে বোঝাই করা অথবা ভারতবর্ষের পশ্চিম কলের কোন বন্দর হইতে যে জাহাজ এরপ মাল আনিয়াছে সেই জাহাজ হইতে অন্য জাহাজে বোকা<sup>ই</sup> করা নিদ্রলিখিত মাল সকলের এই দ্বীপের কোন স্থানে নামান নিষিদ্ধ : —
  - (১) ব্যবস্থুত পরিধেয় লিনেন, কাপড়চোপড়, বিছানা, এবং অপর শারীরিক ব্যবহারের
  - (২) ছেঁড়া নেকড়া। ইহার মধ্যে হাইড্লিক কলের চাপে চাপা এবং বাণিজ্ঞা দ্রব্যক্ষরপ গাঁইট বন্ধ করিয়া চালান করা নেকড়াও ধরা হইল।
  - (৩) ব্যবহৃত থলিয়ার কাপড় বা থলিয়া, কার্পেট এবং বন্ত্রাদির ছুঁচে ভোলা পুরাতন পাড়।
  - (৪) কাঁচা ও পাট করা নয় এরূপ চামড়া ও পশুর গায়ের ছাল।
  - (c) জাবদেহের অব্যবহার্য্য দ্রব্য, নখর, খুর, বালাম চি, সমস্ত প্রাণীর চুল, কাঁচা রেশম এবং পশম।
  - (৬) মাহুষের চুল ।
- ৩। সিংহলের কোন বন্দরের মধ্যে এইরূপ নিষিদ্ধ দ্রব্যের এক জাহাজ্ঞ হইতে অন্য জ্ঞাহাজে বোঝাই করা নিষিদ্ধ।
- ৪। ঐরপ নিষিদ্ধ দ্বা যে কোন স্থানে নামান হয় বা এক জাহাজ হইতে অন্য জাহাজে বোষাই করা হয় मেই স্থানের কউমের প্রধান কর্মচারী, গবর্গর সাহেব অন্যরূপ আদেশ না করিলে ঐরপ দ্রব্য বিন্ত করাইবেন। ঐরপ বিনাশ করণের খনচ মালের অধিকারী ও ঘাঁহাকে মাল পাঠান হইতেছিল তিনি এবং যে জাহাজে ঐ দ্রব্য আনীত হয় সেই জাহাজের কাপ্তান দিবেন! ঐরপ বিনা-েশর জন্য কাহাকেও কে'ন ক্ষতিপুরণ দেওয়া হইবে না।
- ে। যে কোন জাহাজে এরপ কোন নিষিদ্ধ দ্রব্য থাকে উহাকে যত দিন এরপ দ্রব্য জাহাজের উপর থাকে ততদিন কারান্টাইনের অধীন বলিয়া গণ্য করা যাইবে এবং ঐ জাহাজ এবং ঐ জাহাজে আছে ব লয়া উহার সমস্ত লোক ও মাল সম্বন্ধে কারান্টাইনের অধীন জ্বাহাজ্য সকলের সম্পর্কে ১৮৯৭ সালের ২রা মার্চ্চ তারিখে প্রকাশিত বিধি সকলের অধীন হইবে।

यशयहित्यत जातमञ्जूत्य.

উপনিবেশের সেক্রেটরীর আফিস, কলম্বো, ১৮৯৭ সাল ২৩শে

• জুল†ই ।

र, त्नारम् अम्राकाद.

উপনিবেশের সেক্রেটরী।

১৮১৭ সালের ৩ নং অর্ডিনাপের বিধানাম্বসারে ও একজিকিউটিব কোন্সিলের প্রাম্শ্মত গর্বর সাহেবের প্রনীত বিধি:—

- ১। একজিকিউটিব কৌন্দিলের পরামশ্মত গবর্ণর সংহেবের প্রণীত ১৮৯৭ সালের ২রা মার্চ তারিখের বিধিগুলি এতদ্বারা রহিত করা গেল।
- ২। ভাবতবর্ষের পশ্চিম কুলের কোন স্থান হইতে যে কোন জাহাজ বা নৌকা এই দ্বাপের কে।ন স্থানে আইদে ভাহাকে ঐক্লপ বন্দর হইতে যাত্রার তারিখ হইতে দশ দিনের অন্ধিক কালের জন্য কারান্টাইনের অধানে রাখা যাইবে।
- ৩। ঐরপ কোন জাহাজ বা নোকা হইতে কোন ব্যক্তি ঐ দশ দিনের মধ্যে এই দীপের . কোন স্থানে নামিতে পারিবে না।
- কোন মাল এই ছাপের কোন স্থানে লইয়া বা বহিয়া লইয়া যাইতে পারিবে না।

উপনিবেশের সেক্রেটরীর আঞ্চিস, কলছো ১৮৯৭ সলে ২৩শে জুলাই।

মহামহিমের আদেশক্রমে, ই, নোয়েল ওয়াকার,.

উপনিবেশের সেক্রেটরি।



## गवर्गयन् कार्जिं।

TUESDAY, AUGUST 31, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩১ আগফ।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्रात्रभव शवर्तमारकेव आरम्भ ।

### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL

#### NOTIFICATION.

No. 4383M.—The 19th August 1897.—Whereas a notification No. 663M., dated the 5th February 1897, was published at page 36, Part IB of the Calcutta Gazette of the 10th February 1897, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 254 to 259, 260 A and 274 of Part VI of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as modified up to November 1896, to the Bally Municipality, in the district of Howrah, and whereas no valid objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is here by notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Bally Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

C. E. A. W. OLDHAM, Offg. Secy. to the Gort. of Bengal.

বঙ্গদেশের এীযুত লেপ্টেনেণ্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৪০৮০ এম , নং।—১৮৯৭ সাল ১৯ আগস্ট।—হাবড়া জ্বিলার অন্তর্গত বালি মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৬ সালের নবেছর মাস পর্যান্ত পরিবর্তিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ০ আইনের যন্ত্র পরিচ্ছেদের ২৫৪ অবধি ২৫৯ পর্যান্ত ও ২৬০ক ও ২৭৪ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থে জীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ফেব্রুয়ারি মাসের ৫ তারিধের ৬৬০ এম , নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১০ তারিধের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খণ্ডের ৬৬ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত ছইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে যুক্তিসিদ্ধ কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদন্ত ক্ষমতান্থ্যারে কার্য্য করিয়। এবং বালি মুনিসিপালিটীরে সন্তাগত কমিশনরদের অন্থ্যেরিক্রমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত কএক ধারার বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্থ্যতি দিলেন।

দি, ই. এ, ভবলিউ, ওল্ডহ্যাম, বলদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং দেকেট্রী ।



# गवर्गाम् भारकि

TUESDAY, AUGUST 81, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩১ আগফ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

चहेम थछ।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা বীরভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আর্কিসে বাকী রাজস্ব ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮১৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা ঘাইবে।

3	•	9	8	ŧ	•	٦	b	>
তৌজীর লখর।	মহাল ও প্রগনার নাম।	সম্পূৰ্থ মহালেব সদ্ব জ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম চইবে ভাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশেব সদর শ্মা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।	কোম অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হটলে তাহার বাকী।
) ০১ নং	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি থানা মোড়ে- শ্বর।	344200	<b>म</b> च्चृर्व		ভোলানাথ ঘোষ দিগর।	******	8716	
)• <b>১ নং</b>	দাঁড়কা, পরগণা ইছাপুখ্রিয়া শানা লাভপুর।	3600/0		এজমালি অংশ রকম  । ১/১৯ গণ্ডা ২ দন্তী  এই এজমালি  অংশ ভিন্ন মহা- লের অন্য কোন  অংশ নীলাম  হইবে না।		हे । हे ।		<b>५</b> (८ शाहे
) • ৩ নং	খন্না, পরগণা খটকা ধানা সিউড়ী।	300do	•••••	এজমালি অংশ রকম  ॥১।—১৫ তিল  এই এজমালি অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম  হইবে না।		<b>१७</b> २/•		¢11*
৭০ নং	জাকুনি পরগণা স্বরপদিংহ- থানা মোড়ে- শ্বর।	ऽघ्यारा । ऽघ्यारा ।		১৭০ ১৭০ ১৭০ ১৭০ ১৭০ ১৭০ ১৭০ ১৭০ ১৭০ ১৭০	সতীশ চম্দ্র মুখো- পাধ্যায় দিগর।	¢ १२॥•∕ ०	••••	• •
				এই পৃথক হিসাব। ভিন্ন মহালের জন্য কোন অংশনীলাম হইবে না।	•			

টীকা। – যে গুলে উপবের লিখিত বন্নাপানের ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম চটবে বলিয়া লিখিত আছে সেট স্থানে ইয়া ব্রিতে ছইবে যে ঐ অংশের দমিত স্বতম্ভ হিসাব বাধা হয়ে। থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম ছইবে না।

BIRBHUM COLLECTORATE.
ated Suri, the 9th August 1897.

#### जिना (बाह्यचानी।

#### জ্ঞমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আহে তাহ। আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্নাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই হলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

\$	•	•	8	t	•	,		>
তৌব্দির নগর।	মহাল ও প্রগনার নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা (ৰুৱ সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মছাল বিক্ৰম ছইবে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্লয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম চইলে ঐ অংশেব সদব ভূমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম চইলে তাহার বাকী	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ভাহাব বাকী।
- 25 -	দান্দরা হিঃ ১১।= ১০ ক্রান্তী পং দান্দরা।			হিসাব পৃথক হিঃ ১১১০।/৮ভিলা		b0246	•••••	8 <b>४</b> ०  <b>४</b> २
8 t	কিসমত মহেক্স নানারায়ণ পং শুদ্বীপ।	७७१/১১	मण्यूर्व	······	শ্রীমতী আইজা- মেছা।	• • • • •	255127	••••
<b>*</b> 555	চাকলে বামনী জমি- দারী চাং বামনী।	••••	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।॰ আনা ।	মেঃ পি, জে, ডেলনি গং নাবালগান পক্ষে মাতা অভি- ভাবক মিদ এলেনা জে, ডেলনি	<b>२</b> १ १ ७ ४ ४	•••	<b>ee</b> 443
		,	খাস মহ	াল টেনিউর—	माटहर्ग ।			
ऽ७१a	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২. নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা নজ্জ্লাল।	raa <sub>(</sub> a	<b>मण्णृर्व</b>	••••	আবহুর হাকিম মিঞা <i>জি</i> গং।		२४।०	******
3 14 9 A	ঐ চব মধ্যে ৩ ন গ মঃ মাদি হাওলা এজরাম মাঝি গং।	٥٠ ١١٠ ٥	•	•••	ব্ৰজ্বাম মাঝি গং		२७०	******

LALAT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### জিলা বাকরগঞ্জ ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এডছারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিও মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত ছন কিন্তির বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যৌগ্য তাছা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে যোং বাং ১৬০৪ সনের ৯ অগ্নিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগাই।

>	•	٥	8	•	•	1	•	>
ভৌজির নশ্বর।	মৃহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্মহা- দেব সদর জমা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	ক্ষেত্ৰসমাত্ৰ অংশ বিক্ৰয় হঠলে এ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	বে সম্পত্তিবিক্রয় চইবে ভাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউলে ঐ অংশের সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহাব বাক <sup>ী ।</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম্ব ছইলে ভাকা বাকী।
3699	ভালুক সৈজ্জীন ধাঁ গং পং বোঁজরগো- মেদপুর।			এজমালী দু ১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।		\$ • 8 U		७। । भारे
84815	পদা ওরফে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	*050 <sub>)</sub>	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ত নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং	••••	<b>335</b> )	*****
<b>8</b>	চক কচুপাতরা পং চন্দ্রদৌপ।	,	সম্পূর্ণ মহা- লের ভালুক- দারী স্বত্ব নিলাম হইবে	•	শশীকুমার বহু গং	•••••	160×7	******
848₹	তুষখালী মহাল সধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।		সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।	<b></b>	এরকান্থন্দি গং	•••••	3334 <sub>0</sub> /0	*** •••
ِ <b>ن</b>	ভূষখালী মহাল অধীন	202)	সম্পূৰ্বয়েত নিলাম হইবে।		মদন গং	••••	603)	•••••
<b>*</b> ₹₹₹	চর ক্ষপুরা মহাল অধীন ৮ নং গর- মকর্মর হাওলা প্রং জজীরা	o (b)   <b>a/) o</b>	সম্পূৰ্ণ হাও- লা নিলাম হইবে।		কাশীচন্দ্ৰ দাস গং	*** *4 .	<b>6854</b> 0	••••••

ট কা। - যে শ্বলে উপাৰেঃ লিখিত বৰ্নাপত্ৰেৰ ৫, ৭ ও ৯ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হুইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই শ্বলে ইহা ব্ৰিতে ছইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত ৰতন্ত্ৰ ছিলাব রাখা, হইয়া থাকে ও মহালেৰ অন্যা বা অন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হয় লা।

B. Brill.

Offg. Collector.

¥,

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইন্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে বে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ কেব্রুয়ারি শেষ তারিখের বাকী পড়া ৫০০, টাকার উর্ধ্ব, জমার নগুয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আলারের নিমিন্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার মর্মাতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাদ্র রোজ মঙ্গলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্টরিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জ্লাই।

	-			<b>স</b> দর	জমা। ———	7	াকীর পরিমা 	19 1	
মিক শ্বর।	তাপু- কার নগর।	তালুকার নাম।	মালিকেব নাম।	थानामा ।	সেদ।	থাজানা।	দেস।	মোট।	<b>মন্ত</b> ব্য
2	<b>ર</b>	<b>.</b>	8	a	•	9	<b>b</b>	8	5•
		মেতিজ জ্জখনা ধানা ফটীকছরি মহাল নও-							
	8279	য়াবাদ।							
	१७४१ १७४१	তাং সেখ ওবেহুলা বাঁ হাং তাং লতিপা খাডুন	শ্ৰীমতী পতিফা খাতৃন	2202110	er/.	448)	११५७७	e 9 4 4 JO	***
managed analysis on many on the	ऽ∉७२	মোজে ভূজপুর থানা কটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	8985								
-	<b>२8०२</b> 5 ७७ <b>१</b> 8	তাং এয়ার আলি বাঁ হাং তাং ওবেদর বহমান বাঁ।	ওবেদর রহমান খাঁ	ره ۹	oun.	686112	3042	0601/6	••••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 23rd July 1897.

J. D. Anderson,

Collector.

#### জিন্সা খুলনা। জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে খুলনা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহ্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

>	2	9	8	ď	v	9	ь	۵
তৌ <b>জি</b> র নথর।	মহাল ও প্রগণাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সূদ্র ৠমাঃ	বিক্ৰয় কুইবে	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইপে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	্ যে সম্পত্তি বিক্রন্ন হইবে তাহার মালিকগণের নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।	
9913	ধু <b>লিয়াপুর</b> ধানা কালীগঞ্জ।	<b>ડ</b> 989৮4 <b>৶</b> ¢	না	।/• পাঁচ আনা অংশ।	দামিনী দাসী চৌধুৱাণী ৷	,¢8৬₹√≥ <mark>8</mark>		F28\\8 <sub>2</sub>

টীকা - যে শ্বলে উপবের লিখত বর্ণনাপত্রের ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কে ন অংশ মাত্র বিক্রম হাইবে বলিয়। শিখিত আচে সেই শ্বলে ইছা বুবিতে চইবে যে এ তাংশেব নিমিত স্বতন্ত্র ছিলার রাখা হইয়া থাকে ও মহালেব অন্যাব। অন্যাব। অংশ বিক্রম হয় ন::

KHULNA COLLECTORATE,

W. H. VINCENT.

Collector.

The 13th August 1897.

জেলা ফরিদপর।- জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ফরিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিও মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিনে বাকী রাজস্বে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাত্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ সাগফ।

۶.	1	•	; <b>8</b>	(	<u>.</u>	· •		
ভৌজির নথব।	মহাল ·ও প্ৰগণাৰ নাম ৷	সম্পূৰ্ব জগা- লেব সংগ্ৰ শুমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজ্ঞ হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রম চইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণঃ	গে সম্পত্তি বিক্লয ভইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	হটলে ঐ সং	সম্পূৰ্ণ মহান বিক্ৰয় গ্ৰইবেন ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হুংগে ভাছাব বাকী।
200	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ	७৮৯१	ষোলআনা		ঈশ্বচন্দ্র সাহা গয়- বহ।		৫৽১৻৩	
6676	হাজারী। পং হাবেলী তপ্পা মামুদপুর দোল- পুরের অতিরিক্ত	3.89)	· •	•••••	প্রসন্ধক্মার সেন :	******	<b>१</b> ७५,	

চীকা।—বে গুলে উপবের দিখিত বর্ণনাপত্তের ৫. ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ইহা বৃথিতে হউবে যে ঐ অংশের মেখিত ঘতত্র হিদাব রাখা হইয়া থাকে ও মহাদের অন্যবা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

J. H. TEMPLE, Collector.

#### जिना गानम् । - जिमाति विकासित विज्ञापन क ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে মালনহ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজ্বস্থ ও অন্য য়ে সকল দাবা আইনাম্নারে বাকী রাজ্বস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা দুই শ্রহর ১ টার সময় নিলামে বিকায় করা যাইবে।

>	₹	0	8	a	*	9	۳	>
তৌজিব নশ্বর।	মহাল ও প্ৰগ্নার নাম।	সম্পূর্ণ মহাতের সদর জনা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবল মাত্র অংশ বিএয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম চইলে, ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল কিন্দুয় কইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে. তাহা বাকী।
\ <u>0</u> \&	তরক কাকট পর- গণা মাকরাইন।		<b>ล</b> า	অর্থাৎ সম্পূর্ণ মহা- লের ॥	দ্বেদা। ২। আয়ুব খাঁ স্বয় ৩। আয়ুব খাঁ পক্ষে ইউসফ খাঁ নাবা- লক।	৭৬৭৶•	••••	ર મહજ
ý n 8	তরফ ফতেপুর পরগনা বাহা হুরপুর।	29@2   <b>~</b>	<b>A</b> †	রেসিড্যারী অংশ অর্থাৎ সম্পূর্ণ মহা সের দেও আনা অংশ মিলাম ফইবে এতদ্ব;তীত অব- শিক্ট অংশ মিলাম	৫। বিবি সমতন্নেস ৬। মহম্মদ সামিকদ্দি ৭। মহম্মদ নাসিকৃদ্দি	মালি। মালী। বা। বা। ন।	••••	٥,
a a B	্থানা মোজ।	১১০১৸৵৽ রাজনগর			৮। মহন্মদ আতাহো রামকুমার সরকার অভিভাবক পক্ষে নাবালক পুর	সে <b>ন</b> ।   	8940	
હ <b>ર</b> જ		७८७।/०	-	শেমত লিখিত আছে রেফি ডুয়ারি অংশ অর্থাৎ ৮১৬ – ১ ক্রান্তি বার আমা	রামগোপাল সর- কার। বিবি ফেরোজা খাতুন, সাকের দ্বেশা, পালবি দ্বেশা, সামিক্দিন	<b>₹</b> 9७9/°		२०५०/
•				ষোল গণ্ডা ২ 3 কান্তি অংশ নি- লাম হইবে। এড- ব্যতাত অবশিষ্ট অংশ নিলাম হই তে মুক্ত থাকিল।	আহামদ চৌধুরী, বি আজিকদিন আহাম মাজিকদিন আহাম বেসারত আলী চৌ আলী চৌধুরী পক্ষে মেসা তামিজমেসা	ন চৌধুরী, সা ধুরী স্বয়ণ ও সাথিমা খাণ	ামিরম্বেস। ও বেসারত ভুন.আলিব	

উল্লিখিত মহালগুলি ১৮৯৭ সালের বাকী রাজস্ব আদায় জন্য নিলাম হইবে। ইতি

টীকা— যে স্কলে উপারেব লিখিত বর্ণনাপারের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিজয় ছউবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্কুলে ইহা বুলিতে হইবে যে জ অংশেশ নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব কাথা হইয়া থাকে ও মহালেব অন্যান্য অংশ বিজয় হয় না।

Malda Collectorate,

The 10th August 1897.

J. H. LEA,

Jollector.

#### किना वर्क्ष्यान।

#### জমিদারি বিভারের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিদ্দ-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের মার্চ কিন্তির বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সালের ২৪ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

,	<b>ર</b>	٠	8	a	•	,		>
ভৌজির নহর।	মহাল ও পরজনার কাম।	সম্পূর্ণমহা- জের সদর জবা।	সম্পূৰ্ণ মহাৰ বিজ্ঞান্ত মইবে কিনা	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হ বলে ঐ অংশের বা ঐ অংশের বি শেষ বি ববণ। উল্লি- ধিত অংশ ব্যতীত অন্যাম্য অংশ বিক্রয় হ ইবে মা।	ৰে সম্পত্তি বিক্ৰন্ন ছইবে ভাষার যালিকগণের নাম।	কোন অংশ দাত বিক্র ছইলে ঐ অং- শের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজয় হইদে ভাহার বাজী।	কোন অংগ মাজ বিক্লয় ঘটলে ভাছাঃ বাকী গ
હર	পলশেষা পং ধেঞা	د دلااه ۰ ۱۶۶ د دلااه ۱۹۶۰		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে ১নং পৃথক হিসাবের মহাল নিলাম হইবে মূল মহাল ও বাকি পড়িয়াছে ভাহার নিলাম জন্য পৃথক ইন্ধাহার দে		<b>≈</b> ₹ <b>€</b> /⊌		७३४५२
<b>.</b>	পদশোনা পং ধেঞা	980011233		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে মূল মহাল নিলাম হইবে ১ নং পৃথক হিসাবও বাকি পড়িয়াছে তা- হার নিলাম জন্য পৃথক ইন্ডাহার দেও- য়া গোল।	আশুডোষ চন্দ্ৰ দিং -	₹ <b>€</b> \$₩19	•	bus have

টি,কা।—যে খলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ছরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ইহা বুলিতে হইবে যে ঐ অংশের বিষয়ে এতল্প হিসাব রাখা হইল থাকে ও মহালের অন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

Bejoy K. Bose.

Deputy Collector in Charge,

For Collector on tour.

#### জেলা বৰ্দ্ধমান। - নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বর্দ্ধমান জেলার অস্থংপাতি নিম্নলিখিত মহুলে গবর্ণমেক্টের যে মালিকি
\* স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ভ অহুসারে উক্ত বর্দ্ধমান জেলার কালেক্ট্ররিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর তারিখ মোতাবেক বাক্সলা ১৩০৪ সনের ৯ আখিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক!

খরিদারগণকে নিম্মের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে।—

#### নিলামের সর্ত ;—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিন্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বা-পেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধা-রকে ইহার মালিকস্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থ রূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল অত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা ক্লমক প্রজা দ্বারা দত্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ত স্থাকার করিতে খরিক্ষারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক ছইলে সমুদ্য টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে ছইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উদ্ধ হইলে যত টাক; ভাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্ধারের দায়াতে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ে) দ্ব বিশ্ব।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।			একবেব হিদাবে যত- দূব জামা যায় স্থামব অনুমানিক পবিমাণ।				র†জন্ম ইয়াছে।	ম্ভব্য ।
		***	একর	<b>₹</b> ७	পো: ।	देशः	আ:	পাই।	
88	কালু ওক দিঃ পং মজাফরসাহি	• • •	۵	4	2	8►	•⁄	۵	
882	কজনা দিঃ পং বৰ্দ্ধমান	• • •	٩	2	22	೨೨	l	o j	
848	বটগ্রাম দিঃ পং মজাকরসাহি	• • •	¢	<b>?</b>	२	२५	4/	0	
800	উচালন পং সমরসাহি	•••	•	O	৩৯	२१	لواا	હ	
840	ক্রম্পপুর ওরফে কামালপুর পং খণ্ডঘোষ	•••	١	2	२२	૭હ	1/	Ŀ	
8¢3	বু চন্দ্রপুর পং সমর্দাহি	• • •	9	7	<b>२</b> २	७१	110/	4	
8 <b>e</b> ২	নিগোন পং ধেঞা	•••	9	*	૭હ	4.5	العال	•	
90	ডফরপুর পং অন্বিকা	• • •	8	o	218	39	1/	9	
०१०	পাঁচরখা পং জাহান্তিরাবাদ	•••	8	o	29	20	1	Ŀ	
8 28	কোঞ্জারডি <b>ই পং সেরগ</b> ড	•••	•	O	60	3	9/	0	
829	কোঙারডিহি পং সেরপড়	•••	•	n	22		0	•	
€ ∮ 8	কোঙারডিছি শং সেরগড়	•		4	۵	*	110	હ	
<b>2</b>	কোঙারডিহি পং সেরগড়		•	0	۶ ۵	•	0	0 ;	
4 4 9	কোঙারডিহি পং সেরগড়	į	0	•	<b>?</b> ?	n	n	0	
<b>&amp;</b> ७ 9	কোঞ্ভারভিছি পাং সেরগড়	• • •	•	n	۵	0	n	0	
88	কোঙারডিহি পং সেরগড় .	•••	0	•	٩	0	•	•	
140	কোঙারডিহি পং সেরগড়	!	•	•	ر بی	<b>3</b> )	•	•	

কালেক্টরের কাছারি জেলা বর্দ্ধমান ভারিখ২১ আগফ্ট :৮৯৭

C. Fisher, Collector.

#### জিনা ২৪ পরগণা।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারামতে সর্ক্রসাধারণকৈ জ্ঞাত করা যাইতেছে যে নিম্নলিখিত জমিদারি মহালাতের সন ১৮৯৭ সালের জুন কিব্তির রাজস্ব ২৮ জুন সূর্য্যান্ত পর্যান্ত পাধিল না হওয়ায় ঐ সম্বন্ত মহাল সন ১৮৯৭ সালের ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে জেলা ২৪ প্রগণার কালেক্টরিতে বেওজর নিলামে ধরা ঘাইবেক।
প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবর্স্ত মহাল।—

5	۹	9	8 🖷	α	હ	9	ь	۵	50
ক্রিক নমব।	टोक्नीव मथव।	প্রগণা ও মহালের নাম।	প্ৰামহা- লেব সদৰ জমা।	পুৱা মহাল বিক্লয হইবে কিনা।	যাদ একটী অংশ বিক্রয় হয় দেই অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পাত্ত নিলাম হইবেক তাহার মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্ৰম কবিতে হয় ভাহাৰ সদৰ জমা।	যদি পুবা মহাল বিক্রম কাবতে হয় তাধাব বাকিব পরিমান।	যদি অংশ বিক্রম কবিতে হয় ভাহাব বাকিব পরিমাণ
\$	3	পং মাগুরা, কিং চেডসা দিং।	<b>6822 4</b> 2		শ্রীপুর ও বাগেরখোল ও রাজু মোলার চক ৩ মোজার প্রত্যেক মোজায় ॥• আনা বাদে অবশিষ্ট ॥• আনা ও অন্যান্য সমস্ত মোজা।	হরিশ্চন্দ্র রায়	<b>००७०५</b> /२		
2	૭હ	পং মাগুরা কিং ধাপামানপুর।	1283 2	•••	এং এ৭	বাঁকেবিহারি লাল মণ্ডল দিং ।	હહ ૧(૧ <b>૦</b> -)		إ المراه ك
ט	40	পং মাগুরা কিং রামেশ্বরপুর দিং।	৩১ ৯৬ / ৫		জালপুর দিং ১৪ মো জার প্রত্যেক মো জার ১৬ বোল আন। চক্রবেড়ে দিং ৪ মো জার প্রত্যেক মো জার ॥/১৯। — ক্রান্থা ও রামেশ্বরপুর মো জার ৮ ১৩(২ কাণ জংশ।	À	२ % ७२ १ १ ७ १ १		2211/8
8	<b>₽</b> €	পং মাপ্তরা কিং আবগাছিয়া দিং।	35842		ত মোজা বাদে অব- শিক্ট ১০ মোজার ৭ মোজায় ১৬ যোল আনা চক কাঠালিয়া মোজায়।।/০ জনা ও বাবনপুর ও নেনা মোজায় ৮/-৮।। জংশ।	জগণ্চন্দ্র রায় চেবপুরী 1	'P163116/3"		٥٠٤٥
ŧ	038	পং মুজ্গাছা কি হরিনারায়ণপুর	९, <b>ऽ</b> २२,ऽ२   ५∕8॥		।।/১৪॥ = ক্রান্তী বাদে অবশিষ্ট ।/১৯৮৮৫। —ক্রান্তী।	রাজেন্দ্র নাথ রার চৌধুরী দিং।	৬৩৫৩৸৪	••••	¢ ३॥७०॥
Ŀ	9 0821	পং ঘড় দিং কি° রায়পুর।	७१८२ ८ ११ १	•••	। ৮/৬॥ = ক্রণস্তী বাদে অবশিষ্ট ৮/১৩।— ক্রান্তী।	বাঁকে বিহারি লাগ মণ্ডল।	) १८२७ <b>५</b> ०	•••••	P.097

١.	2	•	8	0	<b>.</b>	9	b	8	70
জিমক লশ্ব	टिलेकित नम्बत् ।	প্রগণা ও মহালের নাম।	প্ব। মহ।- 'লেব সদব জন্মা।	পূবা মহাল বিক্রয় হুইবে কি না		যে সম্পতি নিলাম চইবেক তাহাব মালি- কেব নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রয় কবিতে তথ্য তাতার সদব জ্বমা।	যদি পুৰা মহাল বিক্ৰম কবিতে হয় তাহাৰ বাকিবপ্ৰিমাণ।	যদি অংশ বিক্রয় ক বতে হয তাহাব বাকিব প্রবিমাণ।
9	७३२	পং আজিমাবাদ কিং হুদ। জয়- চণ্ডিপুর।	روان ( درم م	•••	৮/৬॥ = ক্রান্তী বাদে অব <b>শ্বফ ,/১</b> ৩:— ক্রান্তী।	मात्रमा मामी	ع العود ٢	••••	७५७५०५
<b>b</b> -	७৯२। 8	পং আজিমাবাদ কিং হুদা জয়- চণ্ডিপুর।	50301d		৸/৬॥= ক্ৰান্তী বাদে অবশিষ্ট ৵/১৩।— ক্ৰান্তী।	বঁাকেবিহারিলাল মণ্ডল।	20ra11/8	•••	৯৯।১১
3	8 • ७ •	পং আজিমাবাদ কিং পাখর বে ড়িয়া দিং।	¢ 280 Jo	•••	।∨১৪॥= জান্তী বাদে অবশিষ্ট ।√৫।—	ব্রজে <b>ন্দ্রনাথ</b> রায় দিং।	२.०১४। ४५५	•••	७२ 8
	<b>¢</b>	পং ময়দা কিং বাঁটরা।	10/8		অরুশিষ্ট ১৩৫=	- স্রে <u>অ</u> নাথ দত্ত	१७७१।७८	•••	<b>)</b> bo 4. '&
		পং উখড়া কিং দাতারি।		মহাল।	ক্ৰান্তী। 	সারদা চরণ দক্ত দিং।	••••	301/b	•••••
1 5 6	१ऽ७७	পং উখড়া কৃং পাটডাঙ্গ।	econ/o	À	•••••	वीदतश्वत प्र फि॰	•••••	391/2	

CHUNDER NARAIN SINGH,

For Collector.

## জিলা মুরশিদাবাদ।—জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকির জ্বন্য।—

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিদ্নলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর মোং ১৮০৪ সালের ১৩ আশ্বিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে গুলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫. ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতস্থ হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য জংশ

>	<b>.</b>	•	8	•	•	 4	· · · · · · -	<b>.</b>
তৌজির শধর ।	মহাল ও প্ৰগণ্য নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব সদৰ জমা।	সম্পূৰ মহাল বিক্ৰম হইবে কিনা।	া কেবলমার অংশ বিক্রা চইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম স্টবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ- মান বিক্রয হইলে ঐ অংশেব সদব ক্তম্য	িবিক্য কইলে	- মাঞাবজন্য
	চর ছেতানী ধানা বজুয়া।	983  •	न्यू ज्य	•••••	ধনেশ প্রকাশ গান্থলী সাং কলিকাতা নং ১ প্রসন্ন কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		3 <b>₽</b> 9)	•

OPENDRA CHINDRA MOZEMDAR,
For Collector,

#### जिना नमीया।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নিলিভিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেকুর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্বে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৭ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা ফাইবে।

>	1	٥	8	α	6	٩	٠	,
েতীজির নশ্ব।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূৰ্ণ মহাত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ ঘাত বিক্রয় হুইলে ঐ অংশেব সদর জ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাব ৰাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহাব • ব্লাকী।
<b>3</b> 69	ভৌজি মহাল গুবরা প্রগণে পাজ- নোর।	3 28 3 50 19/3	••••	১৬৭।২ নং তেজি হ্বরা /১৪ ১৬।।  এক আনা চৌদ্দ গণ্ডা এক কড়া যোল ডি ল হুই কাগ ডিন হক। অংশ কেবল অংশমাত্র বিক্রয় হইবেক না।		২০০৬৸৩		৭৷১ <sup>-</sup> সার্টিফিকে- টের বার্কী

ট্যকা। - যে শ্বলে উপাৰেব লিখিত বৰ্ণনাপত্ৰেব ৫.৭ ও ৯ খাবে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই শ্বনে ইহা বৃক্তে হইবে যে এ অংশেব মুম্মিত শ্বতন্ত্ৰ ছিলাব বাথা হইয়া থাকে ও মহালেব অনা বা অন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হয় মা।

> W. Manwell, For Collector

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendont, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin. Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin. Rs. 6, per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native aruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বদ্ব সিন্কোনা।

কলিকাভাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেক্টের নিকট গবর্ণ-বেক্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে ভারম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২৮ টাকাম, আট ঔপটিন ৫১ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেক্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬১ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২, টাকায় পাইডে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ভবধ বিক্রেম্ম করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের ৪০ বঙ্গদেশের গবর্ণমেক্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন। ১৮১৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা—

১ এক পেভি টিন ১৮, বা ডাক মাণ্ডল সমেড ১৮৭০

॥ जांध ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

| 柳夜 ,, ,, 8||° ,, ,, ,, ,, ¢)

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরণে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্রট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাছার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্র করা যাইবে এবং কলিকাভার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয় ঘাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

Rs. A. Entire Gazette ... 10 per annum. Postage 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Beugal Postage For a single copy-Entire Gazette l'arts III, IV, V, and VI for 4 sheets or under ·with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excass of 4.

Postage ... 0 1 (

Por Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. BAKER.

Offa. Under-Secretary to the Goot, of Bengal,

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ কেব্রুয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাস্থল এই অবহি নিম্ন. লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে:—

সম্পূর্ণ গেজেট বংসর ১০১  ডাক্যাস্থল ,, ২॥০  ৬ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড ( যাহাতে কারতবর্ষের ও বল- দেলের ব্যবস্থাপক সভার আইন ও আইনের পাঞ্জিপি থাকে ) ,, ৪,  আক্যাস্থল ,, ১,  সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের মূল্য ,, 10  ডাক্যাস্থল ,,
৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড ( যাহাতে ক্ষারভবর্ষের ও বক্ত- দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন ও আইনের পাঞ্জিপি থাকে ) ,, 8, ভাকমাহল ,, ১, লম্পূর্ণ একখানি গেজেটের মূল্য ,, ।•
দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন ও আইনের পাণ্ডুলিপি থাকে ) ,, ৪, দ্বাক্ষাহল ,, ১, লম্পূর্ণ একখানি গেজেটের মূল্য ,, ।•
পাণ্ডুলিপি থাকে ) ,, ৪, ছাক্মাত্মল ,, ১, লম্পূর্ণ একখানি গেজেটের মূল্য ,, ।•
দ্বাক্ষাত্মল ,, ১, লম্পূর্ণ একখানি গেচ্ছেটের মূল্য ,, ।•
সম্পূর্ণ একখানি গেডেন্ডের মূল্য ,, ।•
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের মূল্য ,, ।•
ডাক্মার্ <b>ল</b> /•
৩ ৪ ও ৫ ৭ ৬ খণ্ড ( প্রভ্যেক ৪ পৃষ্ঠা বা তাছার
ন্যন সংখ্যক পৃষ্ঠার মূল্য)   মন্ত পৃষ্ঠার উপর  মন্ত অধিক হয়  ভাহার প্রভাক । ৪ পৃষ্ঠা প্রভি আর
একং সানা। ভাক্ষান্ত্ৰ

#### কৰিকাভায় ৷

কলিকাতায় ও মহ:দলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাকমাখল লাগিবে না।

रे, अब, द्यकात ।

वक्रात्राचे भवर्गायान्त्रेत अकृष्टिः (शावे मिटकवेतो ।

# The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in india will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construct he hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

Office of Supdt., Govt. Printing, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazette-, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

1214 December 1882.

Note - Rates of advertiseme.	nts in the CALCUTIA	GAZETTE.	lis.
Full page, per issue	***	•••	20 10
Half ,,	ent4 annas per lii	ie.	10

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজের বেশুওয়া ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিদ্যাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কায্যালয় কিছা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেনি ব্যক্তি বালাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রম্ম করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানাম কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভন্মিতি নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিন্ন দেনেন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূস্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর ৴০ এক আনা পাঠাইতে হহবে।

সি, ডবলিউ বণ্টন, বঙ্গদেশের গুর্বমেন্টের ছোট দেক্রেট্রা।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্দ্ৰয় । – কলিকাতা গোলেটে ইণাতিহার একাশ ক্যিবার হাব এইং।	_			Dial.
MENT !- PLANTAL CALLACTE CALLACTE CALLACTE			•••	₹•,
च्रा उक <b>लेका अकर वांत्र ध्यकाण</b> कृत्रवात्र	·			>
काम ा की	***	• *•		ie
কখন কখন ইশ্চিষ্ট অকাশ করিতে হইলে একং পাঁজ	•••	100	•••	•

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant. Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### বাজাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে 1

বারিন্টার-আট-লা ও শুশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সন্তিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জ্ঞান্ত রেন্ট ক্মিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি, সাহেবের প্রাণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারার প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মূল্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোটান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাষ্ঠা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বঙ্গদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পানেত এমেন্ট টোন হালের হাতায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাথ্যবিভাগের আপিনে বেঞি-ফারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

ডক্ত সকল আইনের পুত্তক কলিকাতার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, খাকার স্পিত্ত কোলানির বাটাতে কয়। করিতে পাওয়া যায়।

ৰ'লকাত। প্ৰোসিডেলা কেল ম্থালয়ে গ্ৰণমেটের জন। জীগুত কেম্ম পেটা সাহেৰ কল্ক মুধিত ও প্রকাশিত হই ল 🔒





# गवर्गायन् । जाउन्हे

TUESDAY, SEPTEMBER 7, 1897.

## यक्रलवात, ১৮৯१ माल १ (मर्ल्डेयत ।

CONTENTS.	
Page.	নিৰ্ভ ।
PART 1.—Resolutions, Orders and Notifica-	श्रेत ।
tions of the Government of India Nil.	প্রথম খণ্ড।—ভাবতবর্ষীর গ্রন্থনেটের নির্দারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই।
tions by the Lieutenant-Governor	षिकीय वंश । — वक्रामान्य भाव निर्मातक विकासन,
of Bengal 269-272	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ২৬১ ২৭২
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক বঙ।—বলদেশের গ্রবন্দেটের আদেশ ৭৭—৭৯
nor of Bengal 77-79	ভূতীয় খণ্ড।—ভাবতবৰীয় বাৰন্থাপক সভার প্রণীত
PART III.—Acts of the Legislative Council of	चाइन नाइ
India Nil.	চতুর্ব বল্ল।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের
PART IV.—Bills of the Legislative Council of	পাতৃলিপি নাই।
India Nil.	भक्षम थल।—बक्षीय वावन्द्रांभक मकात अनीज आहे। नाहे।
L'ART V.—Acts of the Bengal Council Nil.	वर्षे थल।वनीय वायम्बाभक मचात्र आहेरमद
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	শাত্ৰিশি নাই
PART VII.—Circular Orders by the High	লপ্তম থণ্ড।—হাই কোটের ও রেবিনিট বেটের
Court and Board of Revenue Nil.	माधात्रम् ज्ञानमान्य माहे।
PART VIII.—Advertisements 439—455	makes at an 1 - Butter about a section
Supplement Nil.	আহুম বত। — বশ্বতহার প্রভৃতি ৪০৯ — ৪০৫ পরিশিষ্ট গবর্ণমেন্টের গোলেট নাই।

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

## দিতীয় খণ্ড।

বক্সদেশের গবর্ণমেক্টের নির্দারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### वक्रम्पान औयुष्ठ त्मर्ल्यान जिवर्गत मारहरवत्र कारम् ।

#### মেডিক্যাল ডিপার্টমেন্ট।

মড়ক সংক্রান্ত ও নং বিজ্ঞাপন। কলিকাতা ১৮৯৭ সাল ১৭ আগস্ট।

ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ও আইনের ২ ধারা এবং ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের ছোম ডিপার্টমেন্টের ৪ঠা কেব্রুয়ারি তারিখের ৩০২ নং বিজ্ঞাপন অস্নসারে প্রদন্ত ক্ষমতা পরিচালন করতঃ এবং ১৮৯৭ সালের ২৫এ মে তারিখের মড়ক সংক্রাম্ভ ও নং বিজ্ঞাপন রহিত করিয়া বজ্লদেশের জীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব এই আদেশ করিলেন যে, যে সকল জ্ঞলযান ও ব্যক্তি বজ্লদেশের অন্তর্গত নিম্মলিখিত বন্দরগুলি ছাড়িয়া ভারতবর্ষের বহিভূতি কোন বন্দরে যাত্রা করিবে তাহারা নিম্মলিখিত বিধির বিধানগুলির অধীন হইবে।—

কলিকাতা।	বালেশ্বর।	ফলস্পয়েন্ট।
চট্টগ্রাম।	<b>ठैं।</b> मर्गान ।	পুরি।
	বিধি।	

- ১। স্বাস্থ্যের পরিদর্শন ও সার্টিফিকেট।— ষতক্ষণ পর্যন্ত ধন্দরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষ কোন জলমান পরিদর্শন না করেন এবং ঐ জলমানের কাপ্তান বা ভারপ্রাপ্ত ব্যক্তি ঐ কর্তৃপক্ষের নিকট হইতে নিম্নলিখিত ফারমে স্বাস্থ্য সংক্রান্ত এই সার্টিফিকেট না পান যে তিনি জাহাক্রে উঠিবার সময় দিবাভাগে ঐ জলমানের কাপ্তান বা ভারপ্রাপ্ত ব্যক্তিকে, উহার কর্মচারিগণকে, উহার মাল্লাদিগকে এবং উহার আরোহী থাকিলে আরোহীগণকে পরিদর্শন করিয়াছেন এবং ঐ সকল ব্যক্তি জীবনের আশক্ষাজনক সংক্রামক রোগ এবং বীচি ফুলা মড়ক হইতে মুক্ত, ততক্ষণ ঐ জলমান উক্ত কোন বন্দর ছাড়িয়া ভারতবর্ষের বহির্ভূ ত কোন বন্দরে যাত্রা করিবে না। কিন্তু আরোহির বেলা এই উদ্দেশ্যে নিযুক্ত কমিশন প্রাপ্ত চিকিৎসকের ১ ক্রোড়পত্র স্বরূপ সংযুক্ত কারমে প্রদন্ত এবং জাহাজ যাত্রা করিবার পূর্বের ১২ ঘটার অধিক না হয় তারিখযুক্ত সার্টিফিকেট বন্দরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্তৃক পরীক্ষার পরিবর্গ্তে গৃহীত হইবে। ঐরপ সার্টিফিকেট স্বাস্থ্যের সার্টিফিকেটে সংযুক্ত করিয়া দিতে ছইবে এবং উহার অংশক্ষরূপ হইবে।
- ২। সংক্রান্ত দেয়ে দূষিত ব্যক্তিদের স্থানান্তর করণ। বন্দরের আছ্য সংক্রান্ত কর্পক্ষ যদি এরপ বিবেচনা করেন যে এরপ পরিদর্শিত কোন জলযানস্থ কোন ব্যক্তি বীচিকুলা মড়কার্রান্ত ইইরাছেন কিশ্বা উক্ত মড়কের সংক্রমণ ইইতে মুক্ত নহেন তাছা ইইলে উক্ত ব্যক্তিকে এবং তাঁহার আত্মীয়গণকে এবং চিকিৎসক নহেন এমন অম্বচর বর্গকে জলযান ইইতে গ্রন্থেক্ট কর্ত্বক স্থাপিত মড়কের হাঁস্পাতালে কিশ্বা পরিদর্শনের স্থলে লইয়া যাইতে ইইবে এবং উক্ত ব্যক্তি কিশ্বা তাঁহার আত্মীয় ও অম্বচরবর্গ জাহাজের যে সকল অংশে গতিবিধি করিয়াছেন সেই সেই অংশ তাঁহার সন্তোষজনক ভাবে সংক্রামক দোষ শূন্য করিতে ইইবে। যাহা মড়ক বলিয়া নির্ণয় বা বিশ্বাস করা হয় এমন কোন রোগ জাহাজে দেখিতে পাওয়া গেলে আছ্যের সার্টিকিকেটে ঐ কথা লিখিতে ইইবে এবং সতর্কতা অবলম্বন করিতে ইইবে।
- ত। সন্দির্গ দেব্য সংক্রোমক দোষ শূন্য করণ।— দৃষিত বা সন্দিয়্ম সকল

  ক্রব্য কন্দরের আন্তঃ সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষের তত্তাবধানাধীনে ২ ক্রোড়পত্তের নির্দ্দিষ্ট প্রকারে কূলে কিছা

  সংক্রামক দোষ নাশার্থ উনানে দোব শূন্য করিতে হইবে।
- ৪, নৃতন স্বাস্থ্যের সার্টিফিকেট কখন আবশ্যক হইবে।—
  জল্মানের কাপ্তান বা জারপ্রাপ্ত ব্যক্তি এই শকল বিধির বিধানাম্নারে স্বাস্থ্যের সার্টিকিকেট পাইবার
  পর জল্মান স্বশ্বর হহতে যাত্রা করিবার পূর্কে কোন ব্যক্তি উহাতে গৃহীত হইবে না। কিন্ত

বন্দরের আন্ত্যু সংক্রাম্ভ কর্ত্বপক্ষ পুনরায় ঐ জলযান পরিদর্শন করিলে এবং জলযানের কাপ্তান বা ভার-প্রাপ্ত ব্যক্তি উক্ত কর্মপক্ষের নিকট হইতে আর একখানি আস্থ্যের সার্টিফিকেট পাইলে লোক গৃহীত হইতে পারিবে।

- বন্দর ছাড়িয়া যাইবার অনুমতি।—(क) এই বিধির (খ) দকার বিধানাল-मार्त मा इहेरम, य ज्याम डेक कान वस्त इहेरड डावेडवर्सित विष्ट्रिड कान वस्तत याहेरड डेमाड হুইয়াছে সেই জুল্যানের কাপ্তান বা ভারপ্রাপ্ত ব্যক্তি যতক্ষণ পর্যান্ত পুর্কোক্ত প্রকারে **ভাছ্যের** যে সার্চিকিকেট লইতে হইবে তাহা না দেখান ততক্ষণ পর্যান্ত ঐ জলগানকে বন্দর ছাড়িয়া ঘাইবার অত্ব-মতি দেওয়া হইবে না এবং এরপ স্থাছ্যের সার্টিকিকেট না দেখাইলে বন্দর ছাড়িয়া যাইবার অভ্নমতি দিতে অস্থীকার করা কঞ্চমের কর্মচারিগণের কর্ত্তব্য কর্ম।
- (খ) কিন্তু কোন অস্থানের এজেটগণ যদি এই গারাটি দেন যে যাত্রা করিবার ৪৮ ঘটার মধ্যে তাঁহারা বন্দরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ড কর্তৃপক্ষের কিন্তা অতিরিক্ত স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষের স্বাক্ষরিত শেষ প্রদত্ত স্থান্ত্রের সার্টিফিকেটের দোকর খণ্ড দেখাইবেন এবং স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্ত্বপক্ষ যদি কোন কারণে ঐ সার্টিফিকেট দিতে অন্বীকার করেন তাহা হইলে তাঁহারা জলযান জাহাজ রাখিবার স্থানে ফিরাইয়া আনিবেন তাহা হইলে কউমের কালেক্টর সামুদ্রিক কউম বিষয়ক আইনের ৬৬ ধারা অহুসারে বন্দর ছাভিয়া যাইবার অহ্মতি দিতে পারিবেন।
- সাস্য সংক্রান্ত কর্ত্রপক্ষগণ।—এই সকল বিধি অহসারে স্বান্থ্য সংক্রান্ত কর্ত্বপক্ষের যেং কর্ত্তব্য আছে ভাহা নিম্নলিখিত ডাক্তরগণ কর্তৃক কিছা উক্ত কার্য্যের নিমিত্ত জীযুত সেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব সময়ে সময়ে অপার যে সকল ডাক্তর নিযুক্ত করিবেন তাঁহাদের কর্তৃক সম্পাদিত হইবে।

#### স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্ত্তপক্ষ।

কলিকাতা	•••		বন্দরের স্বান্ধ্য সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষ এবং অতিরিক্ত
41-141-01	•••	•••	कर्जुशका
চট্টগ্রাম	•••	•••	मिविन मर्ज्जन।
নারায়ণগঞ্জ	•••	•••	নারায়ণগঞ্জের সিবিল হস্পিটাল আসিফীন্ট।
বালেশ্বর			সিবিল সজ্জন।
চাঁদবালি		• • •	চাঁদবালির সিবিল হন্সিটাল আসিষ্টান্ট ৷
ক <b>লসপয়ে</b> ন্ট	•••	• • •	জন্মর সিবিল হস্পিটাল আসিফান্ট।
পুরি	•••	• • •	मिविन मर्ज्जन ।
			সি, ই, এ, ডবলিউ ওল ডহ্যাম,
			বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের একটিং সেক্রেটরী

#### স্বাস্থ্যের সার্টিফিকেট।

আমি এই সার্টিকিকেট বি	নৈডেছি যে	
*কর্মচারী এবং কার্য্যদক্ষ খালাসি স	ন্মক	টন বোঝাইয়ের
40  x  44/ 4 4)4 4 4 0   4 4	যে জাহাজ (বা ফীমর)	জন *
याला अवः	জন আরোহী লইয়া	নিশান তুলিয়া
- A della annocci a chia conditionishi di incide di ilitari della distribuzione di incidenti din	and the second s	সাহেবের অধ্যক্ষতাধীনে
	- যাইতে উদ্যত হইয়াছে	এই বন্দর ছাড়িয়া ঘাইবার
	া সম্ভোষজনক এবং আমি নিম্নলিখিড ব	্যক্তিগণ ভিন্ন উহার কর্মচারী,
আরোহী ও মালাগণকে জাহা	জে উঠিবার সময় দিবাভাগে পরিদর্শন করি	য়াছি এবং তাঁহাদের কাহারই
	মক রোগ বা বীচিফুলা মুভুক হয় নাই।	
আমি আরও সার্টিকিট	কর্ট দিভেছি যে সহরে	ও বন্দরে এক্ষণে বীচিফুল
†কিখা যেরপ হয়।	মড়ক, ব্যাপক ওলাউঠা, পাঁত জ্বর f ব্যাপক পীড়া নাই।†	

নিম্মলিখিত ব্যক্তিগণ (ই হাদিগকে আমি চিনি কিন্তা আমার সম্ভোষজনক ভাবে ই হাদিগকে সনাক্ত কর হইমাছে) এতদর্থে যথায়ধরণে নিযুক্ত ডাক্তরগণের নিকট হইতে এতৎসংযুক্ত সার্টিকিকেট উপস্থিত করিয়াছেন।

#### ১ ক্রোড়পত্র।

#### সার্টিকিকেট।

আমি এডদ্বারা এই সার্টিকিকেট দিতেছি যে আমি	জাহাজে
আরোহী শ্রী জাহাজ ছাড়িবার অনধিকবার ঘন্টা পূর্ব্বে পরীক্ষা তদ্ভিন্ন তাহার আন্থ্যের অবস্থা ভাল এবং বীচিফুলা ম	কের করিরা দেখিয়াছি যে পার্শ্বে যেরূপ লিখিত হইল ড্রেকর কোন চিহ্ন তাঁহাতে নাই।

(धनी।

शरमंत्र नाय।

যে সকল আরোহী সমুদ্রপথে বন্দর ছাভিন্না যাইবেন তাঁছাদের পরীক্ষার্থ ১৮৯৭ সালের ১৭ই আগফ তারিখের মৃত্ক সংক্রান্ত ৩ নং বিজ্ঞাপনের ১ বিধি অনুসারে বিশেষরূপে নিযুক্ত।

#### ২ ক্লোডপত্র।

দূষিত বা সন্দিশ্ধ সকল ভিতরের জামা প্রস্তৃতি, বিছানা, পোষাক, গদি, গালিচা প্রস্তৃতি নর্মাল প্রেসরে অর্থাৎ বাষ্প সছই হউক বা বাষ্প বিনাই হউক দেড় ছইতে ছই ভিগ্রা প্রেসরে তোলা উনানে সংক্রামক দোষ খ্ন্য করিতে হইবে।

কোন তোলা উনান সংক্রায়ক দোষ খ্ন্য করণক্ষম বলিয়া পাশ করিবার পূর্ব্বে কোন গদির মধ্যম্বলের তাপ যখন অন্ততঃ (দেকিত্রেড) ১০০ ডিগ্রী হয় তখন উহা দিগনাল থর্মমিটর দিয়া দেখিয়া ঐ উনানের পরীক্ষা করিতে হইবে।

সম্যক প্রকারে দোষ শূন্য করিতে হইলে ১০ ছইতে ১৫ মিনিট ধরিয়া এই তাপ রাখিতে হইবে। সংক্রামক দোষ নাশের জল—

(ক) করোসিব সবলিমেটের দ্রব । ছাজারে একভাগ। ইছাতে ১০ ভাগ ক্লোরাইড অক সোড়া যোগ করিতে হইবে।

এই দ্রব আনিলাইন রঙ বা নীলবুড়ি দিয়া রঞ্জিত করিতে হইবে। ইহা ধাতৃ পাত্রে রাখা হইবে না।

খে) সকট্সোপ্সিবান) গোলা উষ্ণ জলে একশ ভাগে পাঁচ ভাগ বিশুদ্ধ ক্রিফালাইজ কার্ক-লিক আসিতে দ্রব কিম্বা একশ ভাগে পাঁচ ভাগ অবিশুদ্ধ কমাস লি কার্কালিক আসিতের দ্রব।

এই কার্কলিকের দ্রব বেশ কার্জে লাগিরে। বিশেষতঃ ধাতু, যন্ত্র প্রভৃতি যে সকল দ্রব্যে ১০০ ডিগ্রী সেণ্টিগ্রেড তাপ কিম্বা করোসিব স্বলিমেট লাগান যায় না সেই সকল দ্রব্য দোষ শ্ন্য করিবার পাক্ষে খ্র কাজেই লাগিবে। যে সকল বন্দরে নির্দিষ্ট পাটেন্টের সংক্রামক দোষ শ্ন্য করিবার ভোলা উনান নাই সেই সকল বন্দরেও ঐ দ্রব ব্যবহার করিছে পারা ঘাইবে।



# गवर्गाने (गदन्छ।

TUESDAY, SEPTEMBER 7, 1897.

# यक्रनवात, ১৮৯१ मान १ (मर्ल्डियत।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

বঙ্গদেশের গ্রন্মেন্টের আদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 4541M.—The 30th August 1897.—Whereas a notification, No. 2749M., dated the 18th May 1897, was published at page 133, Part IB of the Calcutta Gasette of the 19th idem, declaring the Lieutenant-Governor's intention to sanction, under section 86 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, the levy by the Commissioners of the Asansol Municipality, in the district of Burdwan, of a fee on the registration, under section 142, of all carts kept or used in the ordinary course of husiness within the Municipality, and whereas no reasons have been shown to the contrary, it is notified for general information that the Lieutenant-Governor hereby sanctions the levy, by the Commissioners of the Asansol Municipality, of the said fee on the registration of carts at rates not exceeding those mentioned in section 143 of the Act.

C. E. A. W. OLDHAM, Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4561M.—The 30th August 1897.—Whereas a notification No. 2552M., dated the 7th May 1897, was published at page 117, Part IB of the Calcutta Gazette of the 12th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 25 to 260A and 274 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Bhadreswar Municipality, in the district of Hooghly, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Bhadreswar Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

C. E. A. W. OLDHAM, Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4577 M.—The 31st August 1897.—Whereas a notification No. 2687 M., dated the 15th May 1897, was published at page 128, Part IB of the Calcutta Gazette of the 19th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 245, 246, 247, 248, 254 to 260 A and 274 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as modified up to November 1896, to the Kotrung Municipality, in the district of Hooghly, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the above Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

C. E. A. W. Oldham, Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### বঙ্গদেশের প্রীযুত্ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিদিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন ৷

৪৫৪১ এম্, নম্বর। —১৮৯৭ সাল ৩০ আগন্ট। —বর্দ্ধমান জ্বিলার অন্তর্গত আ্সেনসোল মুনি সিপালিটীর মধ্যে যে সকল গরুর গাড়া রাখা যায় বা চলিত কার্য্যসূত্রে ব্যবহৃত হয় তাহা, ১৮৯৪ সালের বন্ধীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বন্ধদেশের ইনিসিপ লিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ অ'ইনের ১৪২ ধারা মতে রেজেন্টরা করিবার ফি উক্ত মুনিসিপালিটীর কমি-শনরদের দ্বারা আলায়ের অহুমতি উক্ত আইনের ৮৬ ধারা মতে দেওনার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গর্গর সাহেবের অক্তিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের মে মাসের ১৮ তারিখের ২৭৮৯ এম নং এক বিছ্ঞাপন ঐ মাসের ১৯ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ ও খণ্ডের ১৩০ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও তরিপক্ষে কোন কারণ দর্শনি না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ষাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্গর সাহেব উক্ত আইনের ১৪০ ধারার লিখিত হারের অন্ধিক হারে আসেনসোল মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের দ্বারা গরুর গাড়ী রেজেন্টরী করিবার উক্ত কী আদায় হইবার অহুমতি দিলেন।

সি, ই. এ ডবলিউ, ওল্ডহ্যাম, বঙ্গদেশেন গবর্ণমেন্টের একুটিং সেক্টেরী।

#### বিজ্ঞাপন ।

৪৫৬১ এম নম্বর ।—১৮৯৭ সাল ৩০ আগন্ট।—হুগলি জিলার অনুগত ভদ্রেশ্বন মুনিসিপালিটিতে ১৮৯৪ সালের বৃদ্ধীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বৃদ্ধীয় ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বৃদ্ধণেশর মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ২৫৪ অব্ধি ২৬০ ক পর্যান্ত ও ২৭৪ ধারার বিধান প্রচলিত কর্ণার্গে প্রীয়ুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৭ মে তারিখেন ২৫৫২ এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১২ তারিগের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ১১৭ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন অগপত্তি উপন্তি করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগতার্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতাহাসারে কার্য্য ক্রিয়া এবং ভ দ্রশ্বর মুনিসিপালিটীর সভাগত ক্মিশনরদের অন্তর্বাধ্বক্ষমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্তর্যাতি দিলেন।

সি ই এ. ডবলিউ ওল্ডহগ্যম বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

৪৫৭৭ এম্ নম্বর !—১৮৯৭ সাল ৩১ আগফ !— হুগলি জেলার অন্তর্গত কোতরজ মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৬ সালের নবেম্বর মাস পর্যান্ত সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ২৪৫, ২৪৬, ২৪৭, ২৪৮ এ ২৫৪ অবধি ২৬০ কপর্যান্ত ধারার এবং ২৭৪ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থে প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের মে মাসের ১৫ তারিখের ২৬৮৭ এম্ নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১৯ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খণ্ডের ১২৮ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রভাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইননের ২২১ ধারা মতে প্রদক্ত কমতাল্লসারে কার্য্য করিয়া এবং উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্মতি দিলেন।

সি, ই, এ, ডব্লিউ, ওল্ডহ্যাম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্টেরী।





# गवन्यक् राज्डि

TUESDAY, SEPTEMBER 7, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৭ সেপ্টেম্বর :

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्य हेम थए।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা বারভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আর্কিসে বাকী রাজত্ব ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্নারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন্ন ১৮৯৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

,	•	٥	8	œ.	•	٦	F	۵
তোজীর লখর।	মহাল ও প্ৰগ্নাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালের স্থর জ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হউলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হউবে তাহার মালিক্গণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হটলে ঐ অংশের সদব জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রেয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহার বাকী।
১০১ নং	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি থানা মোড়ে-	200290	मण्णूर्व	•…•	ভোলানাথ ঘোষ দিগর।		8) 6	
১০৯ নং	শ্বর। দাঁড়কা, প্রগণা ইছাপুখুরিয়া শানা লাভপুর।		•••	এজমালি অংশ রকম । ১১৯ গণ্ডা ২ দন্তী এই এজমালি		. २२७॥ <b>ऽ</b>		৮(৪ পাই
১•৩ নং	খনা, পরগণা খটজা ধানা। সিউড়ী।	<b>3</b> 0800 <sub>0</sub> /0	•••••	৷৷৯৷—১¢ ডিল	গিরিশ চন্দ্র চট্টো- পাধ্যায়।	१७२/•		¢    ₹
			. 1	এই এজমালি অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।				
90 <b>নং</b>	জাকুনি পরগণা। স্বরূপদিংহ ধানা মোডে- শ্বর।			১৭০ পৃথক হিসাব  কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভুড়ি ট্রাম মোজার রকম ধোল আনা এবং সাহাজাদপুর চক ও সাহাজাদপুর নও- য়াবাদ মোজার রকম।/০ আনা এই গৃথক হিসাব ডিল্ল মহালের অন্য কোন অংশনীলাম কইবে না।	সভীশ চন্দ্র মুখো- পাধ্যায় দিগর।	α 9 ₹ II ๗ ०		₹ ৯

দী কা। - যে স্থলে উপবের লিখিত বর্ণমাপত্তার ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া দিখিত আছে সেই স্থলে ইহা বৃথিতে ছইবে যে ঐ অংশের মিমিত অতম হিসাব বাখা হইয়া খাকে ও উপরি লিখিত অংশ ডিল্ল মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম ছইবে না।

BIRBHUM COLLECTORATE, Dated Suri, the 9th August 1897.

F. N. FISCHER, Collector.

#### किना बाह्यचानी।

#### জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহ। আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্পেন্থর তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে প্র অংশের নিমিত স্বতন্ত্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	•	•	8	t t	•	7	-	>
তৌজির নগর।	ম <b>হাল ৩</b> প্রগনাব নাম।	সম্পূৰ্ব মহা- লেব সদৰ কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হটবৈ কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্লয় হইবে	কোন অংশ মাত্র বিক্রম চইলে ঐ অংশেব সদব জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হটলে ডাহার বাকী।
75	দাব্দরা হিঃ ১১।=১০ ক্রান্তী পং দাব্দরা।	i	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ IJ১০II/৮ ডিলা		b0246	••••	8b-0  <b>4</b> 5
8 t	কিসমত মহেন্দ্র নানারায়ণ •পং শুন্দ্বীপ।	७७१/১১	मण्यूर्व		শ্রীমতী আইজা- মেছা।	•••••	255177	•••••
<i>\$</i>	চাকলে বামনী জ্বমি- দারী চাং বামনী।	•••	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।• আনা ।	গং নাবালগান	२ १ १ ७ ५ ।		¢ <b>¢</b> ⊌43
					পক্ষে মাত। অভি- ভাবক মিদ এলেনা জে, ডেলনি			
			খাস মূহ	াল টেনিউর—	मारहवा ।	1		
5 6 9 æ	চর উশ্বর রায় মধ্যে ২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা নজুদলাল।	reele	मण्णृर्व		আবণ্ডুস হাকিম মিঞাজি গং ৷		२ छ। व	******
<b>3</b> 49¢	ঐ চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্রজরাম মাঝি গং।	१२०॥७०	ď	•••	ব্ৰজরাম মাঝি গং	•••••	२७८/०	*****

LAIAT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### जिना वाकतश्र ।- क्यामाति विकासत विज्ञाभन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এজদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিনে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত দ্বন কিন্তির বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাস্নসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যৌগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোং বাং ১৩০৪ সনের ৯ আশ্বিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগস্ট।

3	8	•	8	t	<b>.</b>	1	b	>
ভৌজির নম্বর।	মহাল ও প্রগণার দাম।	সক্ষুণি মহা- লেব সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিশ্ৰুয় হইবে কিনা।	দেবলমাত্র অংশ বিক্রেয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিষয়ণ।	যে সম্পদ্ধিবিক্রয় ছইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইলে ঐ অংশের সদর জমা।	স <b>স্পূর্ণ মহাদ</b> বিক্রয় হ <b>ইলে</b> তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহায় ৰাকী।
3499	ভানুক সৈক্ষীন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।	•••••		এজমালী ৮১১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।	ক্বম্বকিশোর নিয়োগী গং।	\ \\ \ 8 \cdot \( \lambda \) \( \text{8} \)		હাতা। পাই
8484	পদ্মা ওরকে রম- জ্ঞানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	و ده ده	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ত নিলাম হইবে।	" <b></b>	হরকুমার সেন গং	•••••	۵۵۲)	*****
4254	চক কচুপাতরা পং চম্ম্ববীপ।	१७२)	সম্পূর্ণ মহা- লের তালুক- দারী স্বত্ত নিলাম হইবে	<b>.</b>	শশীকুমার বন্থ গং	*****	७०४)	••••
<b>\$</b> &8\$	তুষখালী মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।	و برو م	সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।	<b></b> .	এরকাহৃদ্দি গং	es.9e,	3334n/o	******
Ġ	ভূষধালা মহাল অধীন ৬৮/৮৪/২১৮ নং যোত।	203)	সম্পূৰ্ণ যোত নিলাম হইবে।	•••••	यमन १९	****	<b>نده ه</b>	*** ***
<b>e</b>		\$ 0 6 \$   <b>6</b> \$ 0	मण्पूर्व हाछ- ना बिनाम हरेरत।		কাশীচন্দ্র দাস গং	••••	<b>₩</b> 8₹ <b>৸</b> ₀∕∪ <sup>ˆ</sup>	*** • • •

স্থা।—যে দ্বলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত অতম হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

B. Bell,

Offg. Collector.

#### जिना ठेडे शाम।

### ইস্তাহারনামা কাছারি কালেক্টরি জিলা চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৭ ইংরাজির ২৫ কেব্রুয়ারি শেন তারিখের বাকী পড়া ৫০০, টাকার ঊর্দ্ধ্য জমার নওয়াবাদ গালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেচ আদায়ের নিমিন্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আং ১৮৭১ সালের ২ আং ১৮৫৯ সালের ১১ আং ৬ ধারার ার্মতে ১৮৯৭ ইং তারিখ ৭ সেপ্টেম্বর মোতাবেক ১৩০৪ বাং তারিখ ২৩ ভাদ্ধ রোজ মঞ্চলবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রিতে প্রকাশ্য নলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৯ জ্লাই। •

	তালু-			म मर्व	<del>ভ</del> মা।	ব'	াকীৰ পৰিমা :	9 1	
মক ব।	কাব নগর।	তালুকার নাম ।	মালিকেব নাম।	শাঙ্গানা।	(गम।	থান্তান()	(मम ।	মোট।	মন্থব্য
,	₹	•	8	¢	•	•		•	5.
	8579	মেতিজ জুজখলা থানা কৃটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।						•	
	2005 \$005	তাং দেখ ওবেছলা খাঁ হাং তাং লতিপা খাতুন	শ্ৰীমতী লতিকা খাতৃন	√ااھ∘ د د	¢৮/。	448)	<b>૨૨</b> ૫	æ9440	*****
	8283	মেতিজ ভুজপুর ধানা স্বটীকছরি মহাল নও- য়াবাদ।							
	<b>২8 · ২</b> 5	তাং এয়ার আলি খাঁ হাং তাং ওবেদর রহমান খাঁ।	ওবেদর রহমান বাঁ	۹۰۵)	oun.	08611 <b>9</b>	3042	0601/6	••••••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 23rd July 1897.

J. D. ANDERSON,

Collector.

#### **ब्बिंग क**तिमश्रत ।

#### कविषाति विकासत विकाशन क।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এডজারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে করিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত বছালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাছসারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদার করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলাবে বিক্রম করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগউ।

5		•	8	ď	· ·	•	j.	۵
ভৌশির শহর।	মহাল ও প্রগণাব নাম ৷	সম্পূর্ণ বহা- লের সগব কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ ব। ঐহ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিজয় ছইবে তাহার মালিকগণের নাম (	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অং- শের সদর শ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ১৮লে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হটলে ডাহার বাকী।
<b>?¢</b> •	ণং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ হাজারী।	७৮३१	যোলআনা	,	ঈশ্বরচন্দ্র সাহা গন্ধ- রহ।	••••	٠٥٥,٥	••••••
6672	পং হাবেলী তপ্পা মামুদপুর সোল- পুরের অতিরিক্ত মহাল।	3.89)	Ġ	••••	প্রসন্ধকুমার সেন		<b>۲۵</b> ۶)	

জীকা।—যে দলে উপরের লিখিত বর্ণনাপরের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে ইঙা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশের ক্ষিত্রিত মৃত্যু হিসাব রাখা হইয়া খানে ও মহালের জন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

J. H. TEMPLE, Collector.

#### रेखारात नामा कारात्री कालक्रेती त्कला ठएेथाम।

ইহার দারা জানান যাইতেক্সে যে এই কাছারী সংক্রান্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের বাকী পড়া খাজানা ও ছেচু আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মান্ত্রসারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বুধবার জেলা চট্টগ্রাম কালেক্ট্রর কাছারিতে বিনা ওজ্ঞরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগস্ট।

মছ	্ র ও মহাল।			ৰাৰ্যিক	<b>●</b> 和1		वांकी।		
>মং রে নগৰ।	ং তালুকের নখর ৷	খানা, মৌকাও মহালের নাম।	মালিকের নাম।	খাজানা।	€िहा	থাজানা।	(\$ E	মোট।	मच्चर
>	2	٧	8	•	•	9	<b>b</b>	۵	٠٠
ье	262	থানা রামু মোজে খুরলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএরুলা।	হাৰ্কান আদী চৌধুরি পিং মাহামুদ হারি সিকদার সাকিন পা- ভূলী মাছুয়াখালা।	<u>-</u>		২৫৩।৯/৩ ১৮৯৬।৯৭ স্পূর্ব ব ৬৭৬।৯/	ইং স- কি। ৬৯৭০		•
<b>&gt;</b>	344	থানা রামু মৌজে ধুরূলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বকুসালি।	মহব্বত আলী চৌধুরি পিং অজাগর আলী চৌধুরি সাং জলদি।	41-11/	25116	20°60 30×90			
257	<b>∑</b> ⊌¢	থানা রামু মেজি উত্তর মিঠাছড়ি ফ্হাল নয়াবাদ তালুক রপ্তম আলী।	আমির বাস্ন চৌধুরীরা মেহের নিছা চৌধু- রিয়া আলাছিয়ে না জির আলী চৌং দাং উত্তর মিঠাছরী ওগয়-	3.9310	<b>3</b> ₹₹/	80340	8 • 11 2 •	883100	
399	२७१	থানা রামু মৌজে খুটা খালী মহাল নয়াবাদ ভালুকমোবারক আলী।	জামিলা <b>খাজুন</b> জাহা লিয়ে মৌলবি আজ মলা খাঁ। সাং ছারবাল।		30,1/0	₹ <b>5¢</b> )	994°	२८५७	
766	. २४•	থানা রায়ু মেডিজ ভারুয়া- থালী মহাল নয়াবাদ তালুক মাহান্ধাদ র,জা।	মোলবা মহক্কভালী ও ছৈয়দ আলী পিং আনয়ার আলী চৌং সাংপাতলী মাছুয়া- খালী ওগয়রহ।	<b>€</b> € 0  0	<b>383 h</b> / ଓ	30910/0	891/•	2►8119.•	
<b>૨</b> ૧૨	<b>२</b> १ १ १	থানা চকরিয়া মেডিজ ভেওলামাণিকচর মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ভ্যাক।	স্ভিকানিয়া।	3803)	3 4511/0	( 9 9 a/	<i>૧</i> હહ <i>ો</i> ૰	6001/0	
<b>\</b> ••	२४७	থানা চকরিয়া মে <sup>†</sup> জে দিলখালি মহাল নয়'বাদ তালুক বিবিভাাক।	গোলনেছ নিছা, বল- কিচ বিবি নাকালকা কন্যা ও সেখ মাহা- স্কাদ কালু চৌং সাং জ্বাদ ওগমুৱছ।	9351.4.		<b>কিন্তী</b> র	সেপ্টে- ডিসেশ্বর বাকি।	4º6611/2 >	•
\$ b~b~	9 <b>७। ৫ ० ৮</b> 8 ७ ८   <b>৫</b> ७ ०	থানা চকরিয়া মোজে টেটং মহাল নয়াবাদ তালুক হরিদাস বহ- দার।		980)		8 0 4 40/0	હ ૦ પ્રશે ૦	:	

#### जिना वर्कशान।

#### জমিদারি বি ক্রির বিজ্ঞাপন ক।

ঠ৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামুতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিদ্ধ-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকী রাজন্ত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নারে বাকী রাজন্ত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সোলের ২৪ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রম করা ঘাইবে।

3	2	•	8	¢		9	-	>
তোজির নম্মু	মহাস ৩৪ পারজগার শাম ৷	সম্পূৰ্ণ মহা- লেৱ সহয় জৰা ৷	সজ্পুৰ্মহাল বিজ্ঞায় হইবে কিন্মা	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশের বা ঐ অংশের বি শেষ বিবরণ। উদ্ধি- থিত অংশ ব্যতীত অন্যান্য অংশ বিক্রয় হইবে না।	যে সম্পত্তি বিজ্ঞন্থ স্ইবে ভাষার যালিকগণের নাম।	কোন অংশ যাত্ৰ বিক্ৰয় ছইলে ঐ অং- খোন সদন ক্ৰমাঃ	সম্পূৰ্ণ মহুপুল বিক্ৰয় হুইলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ত বিক্রব হুইলে ওাধার বাকী ঃ
હર	পলশেনা পং ধেঞা	ر در اله م ۱۹۶۰ ۱۹۶۰ ماله		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নং পৃথক	আশুতোষ চক্স দিং	\$\ta\'\&	••••	באשנט
				হিসাবের মহাল বাদে ১নং পৃথক হিসাবের মহাল	1			
				নিলাম হইবে				
			1	মূল মহাল ও				
				বাকি পভিয়াছে				
				ভাহার নিলাম				
				জন্য পৃথক				
				ইন্তাহার দে ওয়া গেল।				
હર	পলশোনা পং ধেঞা	۱۹8۰۰۱۱۵۶		এই মহালে २,७, ৪ ও ৫ নং	আশুভোষ চম্দ্র দিং	२०५४।१		663 40/E
				পৃথক হিসাবের				
1				মহাল বাদে				
				মূল মহাল				
				নিলাম হইবে				
				১ নং পৃথক				
				হিসাবও বাকি পড়িয়াছে তা-				
				হার নিলাম				
				জন্য পৃথক				
				ইন্তাহার দেও-				
				য়া গেল।				

টী জা।— যে ছলে উপবেৰ লিখিত বৰ্নাপত্তাৰ ৫. ৭ ও ২ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ইহা বুকিতে হইবে যে ঐ অংশের বিমিন্ত থতায় হিসাব বাথা হইয়। থাকে ও মহালের জন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

Bejoy K. Bose.

Deputy Collector in Charge,

For Collector on tour.

#### **(जना वर्षमान । - निनामि विकाशन ।**

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বর্জমান জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহঁলে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বিত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্গু অহুসারে উক্ত বর্জমান জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর তারিখ মোতাবেক বাল্লা ১৩০৪ সনের ৯ আঝিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

**খরিদারগণকে নিম্মের সিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য ছইতে হইবে ।—** 

#### নিলামের সর্ত্ত ;—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিক্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিকন্দরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজন্ম ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থ রূপে গণ্য

হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

ৰিভীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল অত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জ্বমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা ক্লম্বক প্রজা দ্বারা দত্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ত স্থীকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০-, টাকার অন্ধিক হইলে সমুদ্য টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার ঊদ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ
দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের
মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্বা উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে
তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে
(যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি শ্রিকারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভৌঞ্চিব নম্বর।	ম <b>হাল ও প</b> রগণার নাম।		দূব জা	ৰ যা	বে যত- ध ভূমিব বিমাণ ।		মণ্টের পর্যাহই	রাজন্ম য়াছে।	भ <b>स्त</b> ा।
			একর	<b>∓</b> ড	পো:।	हाड	আ:	পাই।	
688F	কালু এক দিঃ পং মঞ্জাফরসাহি	• • •	۵	?	2	85	~	2	
688 <b>2</b>	কর্জনা দিঃ পং বর্দ্দমান	•••	4	3	22	೨೮	ı	0	
<b>6848</b>	বটগ্রাম দিঃ পং মজাকরসাহি	•••	¢	2	?	२४	4/	v	
<b>684</b> •	উচালন পং সমরসাহি	•••	đ	0	02	२१	112	Ŀ	
6840	কৃষ্ণপুর ওরফে কামান্সপুর পং খণ্ডঘোষ	•••	હ	3	<b>??</b>	૭હ	V	6	
6842	বুল্চজ্রপুর পং সমর্নাহি	• • •	٩	7	<b>??</b>	७१	110	હ	
<b>684</b> ₹	নিগোন পং ধেঞা	•••	9	?	७७	65	11	•	
90	ডকরপুর পং অশ্বিকা	• • • •	8	O	16	39	1/	9	
७७३०	পাঁচরখী পং জাহালিরাবাদ	•••	8	0	39	24	t	હ	
8480	কোঞ্চারভিহি পাং সেরগ ত	•••	•	b	७৯	2	9/	0	
6889	কোঙারডিছি পং সেরপড	• • •	•	0	72	0	0	0	
3448	কোঙারডিহি পং সেরগড়	• • • •	0	4	۵	1	110	6	
<b>७</b> ६२७	কোঙারভিহি পং সেরগড়	•••	0	0	\$ 2	•	0	•	
७०२ १	কোঞ্জারভিহি পং সেরগড়	•••	•	•	44	0	0	0	
2609	কোঙারডিহি পং সেরগড়	•••	•	•	۵	0	0	n	
2688	কোঞ্চারডিছি পং দেরগড় .	•••	•	•	٩	0	•	•	
2660	কোঙারডিহি পং সেরগড়	••	•	•	ر - بی	3,	n	0	

কালেক্টরের কাছারি জেলা বর্দ্ধমান ভারিখং ১ আগফ ১৮৯৭

C. FISHER.

#### किना २८ भेद्रश्ना।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ধারামতে সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করা ঘাইতেছে যে নিম্নলিখিত জমিদারি মহালাতের সন্ব ১৮৯৭ সালের জ্ব কিন্তির রাজস্ব ২৮ জ্ব সূর্ব্যান্ত পর্য্যন্ত দাখিল না হওয়ায় ঐ সম্বত মহাল সন ১৮৯৭ সালের ২৫ সেপ্টেম্বর ভোরিখে জেলা ২৪ প্রগানার কালেক্টরিতে বেওজর নিলামে ধরা ঘাইবেক।

প্রথম শ্রেণীর চিরস্বায়ী বন্দোবস্তী মহাল।---

>	2	ಅ	8	ŧ	b	•	•	•	3.
उक्तिक नवत्र ।	टिकिशित मध्य ।	প্রগণা 👁 মহালের নাম।	প্রামহা- লের সদর শ্যা।	প্ৰা ঘছাল বিজ্ঞন্ন ছইবে কিনা।	যদি একটা অংশ বিক্রয় হয় সেই অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিলাম হইবেক তাহার মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রের করিতে হয তাহার সক্তর কমা।	ৰলি প্ৰা মহাল বিক্ৰয় করিতে হয ভাষার বাকির প রমাণ।	যদি অংশ বিক্রম করিতে হয় তাহার বাকির পরিমাণ
3	3	পং মাগুরা, কিং চেডলা দিং।	<b>e</b> 822 62	•••	শ্রীপুর ও বাগেরখোল ও রাজ্ব মোলার চক ৩ মোজার প্রত্যেক মোজায় ॥• আনা বাদে অবশিষ্ট ॥• আনা ও অন্যান্য সমস্ত মোজা।	<b>হরি*চন্দ্র</b> রায় ···	e-3eh/+	•••	201/3311
۲	છહ	পং মাগুরা কিং ধাপামানপুর।	1496 128 <sup>3</sup> -	•••	দং দণ <sup>্</sup> ত দ <b>ন্তি অ</b> ভন্ত হিসাব বাদে অবশিষ্ট ১/১৭/১ <mark>১</mark> দ <b>ন্তি</b> ।	বাঁকেবিছারি লাল মণ্ডল দিং।	७७१।८४		421J61
U	40	পং যাগুরা কিং রামেশ্বরপূর দিং।	©\$ <b>≥</b> % / €	•••	জানিপুর দিং ১৪ মে । জার প্রত্যেক মে । জার ১৬ যোল আনা চক্রবেড়ে দিং ৪ মে । জার প্রত্যেক মে । জার । । ১১ । — কান্তী ও রামেশ্বরপুর মে । জার ৬/১৬(২ কাগ অংশ।	À	२ऽ७२।।७।।		3 2 1   8
8	re	পং মান্তরা কিং আবগাছিয়া দিং।	36-8 hay 4	•••	ও ৰোজা বাদে অব- শিষ্ট ১০ মেজার ৭ মেজার ১৬ বোল আনা চক কাঠালিয়া মেজায়।।/০ আনা ও বাবনপুর ও নোনা মেজায় ৮/১৮।। অংশ!	জ্বগৎচক্স রায় চৌধুরী !।	P631123 •		<del>७</del> ७७२
•	078	পং মুজাগাছা কিং ছবিনারায়ণপুর।	3२२ <b>)</b> २ ५/8॥	•••	। 🗸 ১৪।। 🖚 ক্রান্তী বাদে অবশিষ্ট । ৮১৯ ৭ ৮। —ক্রান্তী।	রাজ্যেন্দ্র নাথ রায় চৌধুরী দৃং।	40£048	•••••	&3  +0
<b>18</b>	\$ 6871	পং ষড় দিং কিং রায়পুর I	4982 11 <sup>2</sup> 2	•••	৮/৬॥ = ক্ৰাম্ভী বাদে অবশিক্ত -/১৩।— ক্ৰাম্ভী।	বাঁকে বিহারি লাল মণ্ডল।	<b>ऽऽ</b> र७५०	•••••	r.43

>	2	•	8	4	•	•	b .	>	30
क्रियक अक्र	टिनेकित नथत ।	পরগণা ও মহালের নাম।	প্রামহা- লের সদর কমা।	প্রামহাল বিক্রয় হটবে কি দা	যদি একটা অংশ বিক্লয় হয় ভবে দেই অংশের বিশেষ বিষয়ণ ঃ	যে সুপত্তি নিলাম হইবেক তাহার মালি- কের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রের করিতে হয় তাহার সদর জয়া।	যদি প্রামহাল বিক্রম করিতে হয় তাহার, বাকিরপরিমাণ।	বদি অংশ বিদ্ধুদ্ধ ক বতে হয় তাহার বাক্রি প্রবিমাণ।
9	७৯२	পং আজিমাবাদ কিং হদা জয়- চভিপুর।	F105017	•••	৮/৫॥ = ক্রান্তী বাদে অবশিক্ত ৮/১৫।— ক্রান্তী।	माद्रमा मानी	304611/5	••••	⊌ <b>h</b> ⊿/ <b>3 • h</b>
•	১৯২। ৪	পং আজিমাবাদ কিং ছদা জয়- চণ্ডিপুর।	لر. ان دورط مو		৸/ঙা।= ক্ৰান্তী ৰাদে অবশিষ্ট /১৩।— ক্ৰান্তী।	বাঁকেবিহারিলাল গণ্ডল ৷	702611\8	••••	ر اوو د اوو
۵	8 • 0	পং আজিমাবাদ কিং পাধর বেভিয়া দিং।	e 380,JU		।।∕ऽ8॥= <b>কান্তী বা</b> দে অবশিষ্ট ।√¢।— কান্তী।	ব্ৰজেজনাথ রায় দিং।	२०७८।%५		७२।८॥
	14	পং ময়দা কিং বাঁটরা।	l <sub>4</sub> /8		৸১৬ - ক্ৰাম্ভী বাদে অবশিষ্ট ১৩५ = ক্ৰাম্ভী।	হুরেন্দ্র নাথ দক্ত	१३७१।४८	•••	34. M.B
3-5	२०७७	পং উখড়া কিং দাতারি।	6891108	भूर। यहान।		সারদা চরণ দত্ত দিং।	•••••	301/6	*****
2 \$	२ ५ ७ ७	পং উখড়া কিং পাটডাকা।	acoh/	à	*****	वीरतश्वत स्म मिश	h	391/2	

CHUNDER NARAIN SINGH,

For Collector.

#### किना मूत्रनिर्माताम ।---कश्चिमात्री विक्रासन् विकाशना ।

১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকির জুন্য।--

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রেম বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর মোং ১৩০৪ সালের ১৩ আখিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে হলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইরে বলিয়া লিখিত আছে সেই হলে ঐ অংশের নিমিত স্বত্তম্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ ক্রিকের হয় না।

>	*	•	8	t	•	1	F	>
ভৌজির নম্বর ।	মহাল ও প্রফণার কাম ।	ৰম্পু-মিহা- লের সদর ক্ষা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজয় হইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হউলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবর্গ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰণ ঘইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাঙাৰ বাকী।
	চর হেজানী থানা বজুরা।	- HC84	मञ्जूषञ्च		ধনেশ প্রকাশ গাস্থুলী সাং কলিকাতা নং ১ প্রসন্ধ কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		349)	

OPENDRA CHUNDRA MOZUMBAR, Collector.

# किना ठाँखीय।

# रेखाशत नामा काष्टात्री कारनक्रेत्री किना ठ्रोधाम ।

ইহাধারা সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধান্মতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মধাস্সারে নিমলিখিত ভালুকাদির ১৮১৭ ইংরেজী ২৫শে যেই স্ব্যান্ত পর্যন্ত বাকি পড়া খাজানা ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ ইংরেজী ২১ অক্টোবর যোভাবেক ১৩০৪ বাজালা ৫ কান্তিক রোজ রহস্পতিবার জিলা চট্টগ্রামের কালেটকী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে,। ইতি ১৮১৭ ইংরেজ্য ভারিখ ১ সেপ্টেম্বর।

छान्द्रिक्			<b>H</b>	मम्ब क्या		राकी		
	वान , त्यांका कि जात्रक्त न थ	শ্লোকেৰ নাম ৷	4 to 1		थाकाना	(E)	्रवीह	मुख्युरी
^	N	9	<b>6</b> 0		•	•		^
7 0 0 0	ধানা সাভকাণিয়া হাল বাস- যালী মেজৈ ছোট ছুমুয়া মহল নয়াবাদ তাং ছোট ছুমুয়া। ধানা সাভকাণিয়া হাল বাস-	বাবু যোগেশ চক্র রায় ফেট পক্কে বায় কৈলাস চক্র দাস বাহাতুর জেনেরল মগনেজার। গোলোক চক্র্য সিকদার পিং রাম্সেব্ক সিকনার	* 4869 9 8 9 8 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9	3 6 3 6 8 8 9 8 9 8 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9 9	9 × 6		₹ 30 c 2 c 2 c 2 c 2 c 2 c 2 c 2 c 2 c 2 c	১৮৯৪। ৯৫ হছতে ২২৪৫) ১৮৯৮। ৯৯ ছক্তিক ১৯৯৪। ৯৫ ছক্তিক ১৯৯৪। ৯৫ ছক্তিক ১৯৯৪। ৯৫ ছক্তিক ১৯৯৪। ৯৫ ছক্তিক ১৯৯৪। ৯৫ ছক্তিক ১৯৯৪। ৯৫ ছক্তিক ১৯৯৪। ৯৫ ছক্তিক
80 00 00 00 1	ৰয়াবাদ ভাং ক্লয়ৱন্তিত। ধানা সাতকাণিয়া হাল বাস- ধালী যেজিপুইছুরী যহাল নয়াবাদ তাং মোবারেক আসা বুরা আলী।	क	999	₩ ₩ Э	98 9 8 1 9 1 8 9 8 1	2/945	3.66.	19961 24 2265 5246 <sup>3</sup> 520105 2266 5282 520105 2266 5282 520105 2266 5282 520105 2266 5282

	٠٠٠٠٠٠ د کیوه	Sec. 2	
	: :	:	
<b>√</b>   aac	**************************************	C/095	
3/1595	° /	<u>.</u>	
S & C 9 3	8651 <del>0</del> ,	¢ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$	
8२° यांनी प्राप्तका होन वीन- कष्कत्र कांनी निं: ग्रमृष्ट्य कांनी को: मां टेडनात 3609, 36311/6 (36611/२) वांनी त्योत्क होश्वन यहांन वीन । वांनी त्योत्क होश्वन यहांन वीन । वांनी त्योत्क हाश्वन यहांन वीन ।	899 শালা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী নেজামত আলী পিং মাহাং রক্ষি সাং বারখাইন  • মেডিজ চান্ধল মহাল নয়াবাদ ভাং আবন্ধল মজিদ।	রাজচন্দ্র সেন পিং রাজকিশোর সেন ও বংশীমোহন ৫১১५४° সেনের পক্ষে ও খ্রেন্দ্র বিজয় রায় চ্টেট পক্ষে রায় কৈলাস চন্দ্র দাস বাহাত্ত্র জেনেরল ম্যানেজার।	
थीनो माञ्जकानिक्षा हान वाम- योनी त्योत्क घायन गरान नक्षावाम जाः जाक्काब्रह्मा को ।	ধানা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী মেডিক চাম্বল মহাল নয়াবাদ ভাং আবত্তল মজিদ।	मिटिक मिटिक इन्द्रल ।	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 3rd September 1897.

J. Phillimore, Offg. Collector.

## जिना निषया।

## জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্মলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৭ সৈপ্টেম্বর তারিখে বেল।
১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	2	٥	8	α	6	•	•	•
ভৌজির মন্বর।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহাজের সদয ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম হুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হটলে তাহার ধাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহার বাকী।
369	তেজি মহাল হবরা পরগণে পাজ- নৌর।	3 28 3 10 10/3		১৬৭।২ নং তেজি হ্বরা /১৪।১৬।।  এক আনা চৌদ্দ গণ্ডা এক কড়া যোল তি ল ফুই কড়ার তিল ফুই কাগ তিন রকম অংশ কেবল অংশমাত্র বিক্রয় ইইবে সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় ইইবেক না।		२००५५७		৭।১ ০ সার্টিকিকে- টের বাকী

টীকা।— যে স্থলে উপারেব লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া লিখিত আছে মেই স্থানে ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ ভংগেশর মুম্মিন্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যানা অংশ বিক্রয় হয় না।

W. MAXWELL,
For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time. from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, tor cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native aruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

## জ্বন্থ সিনকোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গাডনের অথাৎ কোন্সানির বাগানের হুপারন্টেডেন্টের নিকট গবন্বেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এক কালীন ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে প্রস্থা দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২০০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫০ টাকায় ও এক পোও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সক্ষসাধারণে কোন্সানির বাগানের স্থারিকেন্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬০০ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাতার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔবধ বিক্রেতাগণও এই ঔবধ বিক্রেম করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ভাজা চারি ঔপ টিনের ০০০ আট ঔপ টিনের ৮০ ডাক মাহল দিতে ইইবে।

```
বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—
```

১ এক পেভি টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেউ ১৮৭০

॥ जांश ,, ,, ১) ,, ,, ,, ,, ১॥•

1 何存 , , 811° , , , , , 。

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপক্ষট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রম করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয় ঘাইতে পারিবে।

## NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gasette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

			•	Rs.	A.	P.	
Entire Gazette	•••	•••	•••	10	0	0	per annum.
	Postage	•••		2	8	ø	**
Parts III, IV, V,		ntaining t					**
and Bills of the							
and Bengal		•••			0	0	**
G	Postage		***	4	0	Ü	"
For a single copy							,,
Entire Gazette	•••		•••	0	4	0	
•	Postage		•••	0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••	•••	0	ī	0	for 4 sheets or under
,,					,		with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.
	Postage			0		- 0	

For Calcutta.
The same rates as there of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offa. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

## বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ পাল ২১ ফেব্রুয়ারি।—বাঙ্গাল। গবর্ণমেণ্ট গেজেতের মূল্য ও চাক্মাপ্সল এই শ্বাধ ন্দ্র লিখিত হাবে অগ্রিম দিতে হইবে:—

	यकः भट	न			हेकि।
मन्पूर्व (शटक हे	•••	•••	•••	বৎসর	3
ডাক্মান্থন	• • • •		•••	**	<b>1110</b>
ଓଡ଼ଃ ଓଟ ଓଟ ଅଷ୍ଟ (	যাহাতে স	ন¦র <b>ভব</b> ধের ১	ও বচ্চ-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ভ	पाडेन ६ व	গাহ্বেব		
পাগুলিপি থাকে )			•••	,,	3)
ভাকষাত্ৰ		• • •		"	١,
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের	মৃঙ্গ্য	•••		,,	1•
—		•••	• • •		1.
0886646	প্রত্যেক	৪ পৃষ্ঠা বা	তাহার		
ন্যুন সংখ্যক প্	ষ্ঠার মূল্য)	•••			/ ৪ পৃষ্টার উপর বন্দ অধিক হয় ভাষার প্রভ্যেক . ৪ পৃষ্টা প্রভি জার একং আন।।
<b>डान्याञ्च</b>	••			••	. /•

## কলিকাভায়।

কলিকাভায় ও মক:সলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাক্মাপ্সল লাগিবে না।

र, এब, राकात।

वकरमरभव भवर्गस्य अकृषिः (छाउँ महक्रपेत्र) ।

## The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, E.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Rs. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his Country-Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that he copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the

same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengul Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Goot, of Bengal,

12th December 1882.

Note Rates of ac	wer tisements	in the Calcu	UTTA GAZETT	ĸ
Full page, per issu	е		•••	Rs. 20
Half ", "	•••	•••	•••	10
Casual ac	lvertisement-	4 annas pe	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

क्रिकाछ। तार्ष्यहेत किया वाकामा शार्ष्यहेत मुमा अधिम स्वया मा शारम धेर त्रास्कः দেওয়া মাটাবে না, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন একাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কায্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন ন্যক্তি ব্যক্তাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন 

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোটান্টের নিকট অগ্রে মুল্য পাঠান না গেলে ষ্টপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিন্ন গোল ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেলেটে ইশভিয়ার কি বিজ্ঞাপন প্রস্থৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মুল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেকি বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর /০ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> मि, छवनिष्ठे वन्हेन, बक्रामाना शवर्वायान्येत हारे लाक्केती।

১৮৮२ माल्बर ३२ ডिम्बर ।

মক্ষরা।—কলিকাভা গেকেটে ইশতিহার প্রকাশ করিবার হার এইং।—					
প্রা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	•••	•••	२••
काथ भ की	•••	444	••	***	3
ক্ষন ক্ষম ইশ্ডিষায় একাশ ক্রিতে হইলে	वकर गीक	***	***	***	1.

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

## बाजान मिटकोदिस्मे यखानस विकसार्थ जाइ ।

বারিফার-আট-লা ও শ্রীশ্রীয়তীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্ণমানের ডিট্রিষ্ট ও সেশন জ্ব এ রেন্ট ক্মিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেশ্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি লাছেবের প্রণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গ্রণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

## একং খানি পুশুকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য ।—-উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকায্যোপদক্ষে বলদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পৃথিনত শরেষ্ট টোন হালের হাতায় ছিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাষ্যবিভাগের আপিসে বেজি-ইতারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উদ্ধানসকল আইনের পুস্তক কলিক;ভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায় ।

÷(লংগত; লোগভেন্স) কেল মন্ত্ৰালয়ে গ্ৰ\*মেন্টেৰ কন্য **জ**যুত কেম্দ্ৰ পেটা গাৰেৰ কৰ্তৃক মৃত্নিত ও প্ৰকাশিত ভইল ।



**Lumb.** 3033 [2002]





# गवधियां का दलिए

TUESDAY, SEPTEMBER 14, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৪ সেপ্টেম্বর।

CONTRNIS.	
PAGE.	নিৰ্বন্ট।
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	• हे।
tions of the Government of India Nil.	প্রথম বপ্ত।—ভাবতব্যীর গ্রেপ্টের নিষ্কারণ
ABT II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	विछोप्र यथ। — वक्राप्तानात गवन्ताति विद्वावन
of Bengal 273-301	आरमण ७ विकाशम श्रक्ष २१०-७०
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক খণ্ড।—বল্পদেশের গাবর্ণমেতের আদেশ নাই
nor of Bengal Nil.	ড়তীয় খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্রণীত
PART III.—Acts of the Legislative Council of	আইন ন(ই
India Nil.	চতুর্ব বল।—ভাবতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের
PART IV.—Bills of the Legislative Council of	শাত্ৰিপি নাই
India Nil.	প্ৰথম বত। - ৰজীয় ব্যবস্থাপক সভাৱ প্ৰণীত আইন নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council Nil.	वर्षे थल। वक्षीय वार्यम्हः भक्र मचात्र आहेरतत्र
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	শাহুলিশি নাই
PART VII.—Circular Orders by the High	मसम यथ।—हाई कार्टित । त्रिविनिक व्यक्ति
Court and Board of Revenue Nil.	নাধারণ জ্ঞাপমপত্র নাই
PART VIII.—Advertisements 457—472	অটম বঙ।—ইশ্তিহার প্রভৃতি ৭৫৭ ৪৭:
UPPLEMENT Nil.	भविभिक्षे गवर्षस्यक्वेत त्गरक्वे नाम

## PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দাবণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

## वन्नर्पात बीयूज ल्लर्फिरन छे श्ववर्गत मारहरवत चारमण।

## ৪৭৬৬ জে, ডি, নং বিজ্ঞাপন।

## ১৮৯৭ সাল ২৪এ আগঊ।

ক্ষোটনীয় দ্বব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ৫ ও ৭ ধারাক্রমে প্রদন্ত ক্ষমতার পরিচালন করিয়া যে কএকটি বিধি প্রণীত করিবার প্রভাব করা ঘাইতেছে ভাহার নিমিলিখিত পাওলেখ্য যে ব্যক্তিদের এতদারা ক্ষতির্ন্ধি হইবার সম্ভাবনা তাহাদিগের অবগতির নিমিত্ত উক্ত আইনের ১৮ ধারার আদেশ এবং ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৮৭ সালের ২রা সেপ্টেম্বর তারিখের ১৯৬৪ নং বিজ্ঞাপনের আদেশ অহুসারে প্রকাশিত করা হইল, এবং এতদ্বারা এই হুটিস দেওয়া ঘাইতেছে যে প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব উক্ত পাণ্ডলেখ্য ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর মালের চতুর্বিংশ দিবলের পর বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।

২। উক্ত পাণ্ডলেখ্য সম্বন্ধে ঐ ভারিখের পূর্ব্বে কোন ব্যক্তির নিকট ইইভে কোন আপত্তি বা পারামর্শ প্রাপ্ত হওয়া গেলে ভাহা শ্রীমুভ লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব কর্ত্বক বিবৈচিত হইবে।

> সি, ডবলিউ, বোণ্টন্, বঙ্গদেশের গ্রন্মেন্টের প্রধান সেক্রেটরী।

মন্তব্য ।--- বর্ত্তমান বিধিতে যে সকল পরিবর্ত্তনের প্রস্থাব করা ঘাইতেছে তাহ। বড় অক্ষরে প্রদর্শিত চইল। পাঞ্জেশ্য ।

স্পেটিনীয় দ্রব্যবিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ৫ ও ৭ ধারাক্রমে প্রদন্ত ক্ষমতার পরিচালন করিয়া ও অত্যে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জৈনরল সাহেবের মঞ্জুরি এহেন করতঃ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব নিম্ন বন্ধ প্রভৃতি প্রদেশ সমূহে স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করণ, নিকটে রাখন ও বিক্রয় করণ কার্য্যের ব্যবস্থা করণার্থ নিম্নলিখিত বিধি প্রণয়ন করিলেন।

স্ফোটনীয় দ্রব্যবিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনমতে স্থানীয় গ্রবর্ণমেণ্ট ভারতবর্ষীয় বন্দরবিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইনের অর্থনির্দেশাস্থায়িক যে কোন বন্দরের জন্য স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার ব্যবস্থা করণার্থ বিশেষ বিধি প্রণাত করিয়াছেন বা করেন, স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখন সম্বন্ধীয় এই সকল বিধির কোন কথা সেই বন্দর সম্বন্ধে খাটিবে না।

- (ক) গ্বর্ণমেণ্টের হুকুম অনুসারে, কিম্বা
- (খ) ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের কার্য্য সম্পাদনার্থ কিয়া কোন বারুদ-খানার রক্ষকস্বরূপ কি কারিগর কি সৈনিক কি নাবিক কি প্লিসের গোক কি অন্য কিছু স্বরূপ গবর্ণ-মেন্টের অধীনে নিযুক্ত কোন ব্যক্তি কর্তৃক কিয়া ভারতবর্ষীয় বলন্টিয়র বিষয়ক ১৮৬৯ সালের ২০ আইন অনুস'রে বলন্টিয়রস্বরূপ য'হার নাম লেখা হইয়াছে এরূপ কোন ব্যক্তি কর্তৃক ঐ ঐ ব্যক্তি বিয়া আপন চাকরী বা কর্ত্তব্যকর্ম সম্পাদন উপলক্ষে—

িকোন স্ফোটনীয় জব্য প্রস্তুত করা গেনে, কিম্বা নিকটে রাখা হইনে কিম্বা বিক্রেয় করা হইলে তৎসম্বন্ধে এই সকন বিধির কোন কথা খাটিবে না।

## নিম্ন বঙ্গ প্রভৃতি প্রদেশ সমূহে ক্ষোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করণ, নিকটে রাখন ও বিক্রেয় করণার্থ ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইন্মত বিধি।

## গোড়ার কথা।

5 1	এই সকল	বিধির কার্য্যপক্ষে	ক্ষেতিনীয় দ্ৰব্য	নিম্নলিখিতরূপে	শ্ৰেণীবন্ধ করা	যাইবে,	যথা ;
-----	--------	--------------------	-------------------	----------------	----------------	--------	-------

<b>) य</b> ट्यंनी	•••	•••	বাৰুদ।
२ য় (धानी	•••	•••	নাইট্রেট মিখ্র।
৩য় শ্রেণী	•••	•••	नाहर् हो-कटलीख ।
८ व ट्यंनी	•••	•••	ক্লোরেট মিশ্রা।
॰ य ट्यंनी	•••	•••	ফুল্মিনেট (শব্দকারক)।
५ छ ट्यंनी	•••	•••	যুদ্ধোপকরণ।
৭ম শ্ৰেণী	•••	•••	আত্সবাজি।

এবং কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য একাধিক শ্রেণীর বর্ণনার মধ্যে পাজিলে যে কয়েক শ্রেণীর বর্ণনার মধ্যে পাজে কেবল ভাষার শেষ শ্রেণীর অন্তর্গত বলিয়া গণ্য হইবে।

১ম শ্রেণী।—বারুদ নামক শ্রেণী।

সাধারণতঃ যাহা বারুদ বলিয়া খ্যাত, "বারুদ" শব্দে কেবল ভাহাই বুঝাইবে।

২য় শ্রেণী।—নাইটেট মিশ্র নামক শ্রেণী।

যাহা সাধারণতঃ বারুদ বলিয়া খ্যাত, তাহা ছাড়া কোন প্রকার অঞ্চারের সহিত সংবা ক্ষোটনগুণশ্ন্য কোন অঞ্চারাত্মক দ্রব্যের সহিত সামান্যরূপে নাইট্রেট মিশাইয়া যে কোন দ্রব্য প্রস্তুত করা যায়
তাহাতে গল্পক যোগ করা যাউক বা না যাউক, ও তাহাতে ক্ষোটনীয় অন্য কোন দ্রব্য সামান্যরূপে
মিশান যাউক বা না যাউক ''নাইট্রেট মিশ্রা '' শঙ্গে ভদ্রুপ প্রস্তুভ দ্রব্য বুঝাইবে।

নাইটেট মিশ্র শ্রেণীর মধ্যে এইরূপ ক্লেটনীয় দ্রব্য, যথা---

পাইবোলিথ পুড়োলিথ পুডর সাক্সিফ্রাজিন্

পুকোক্ত অর্থকরণের অন্তর্গত প্রস্তুত করা কোন দ্রব্য ধরা যাইবে।

তয় গ্রেণী।—নাইট্রো-কম্পৌণ্ড নামক গ্রেণী।

রাসায়নিক সংযোগে উৎপন্ন যে দ্রব্যের ক্ষেটনীয় গুণ থাকে অথবা যাহা থাড়র সহিত সংযুক্ত হইলে ক্ষোটনীয় দ্রব্য উৎপন্ন করিতে পারে, এবং যাহা মহাদ্রাবকের সহিত মিশ্রিত হউক বা না হউক, এরপ যবক্ষার দ্রাবকের অথবা মহাদ্রাবক মিশ্রিত নাইট্রেটের সহিত কোন অক্ষারাত্মক দ্রব্যের রাসায়-নিক কার্য্যক্রমে হৎপন্ন হয়, তাহাতে অন্য কোন দ্রব্য সামান্যরূপে মিশ্রিত করা যাউক বা না যাউক, ''নাইট্রো-কম্পোণ্ড'' শব্দে তদ্রপ সংযুক্ত দ্রব্য বুঝাইবে।

নাইটো-কম্পৌণ্ড শ্রেণীতে ত্বইটা বিভাগ আছে। ১ম বিভাগের মধ্যে এইরূপ স্ফোটনীয় ক্রব্য, যথা,—

নাইটো গ্লিসেরাইন্, তুয়ালাইন্, গ্লাজিলাইন্, গ্লাজিলাইন্, গ্লাজিলাইন্, নেথিলিক নাইটেট,

এবং রাসায়নিক সংযোগ বা সামান্যরূপ মিশ্রণ দারা প্রস্তুত করা যে দ্রব্যে সম্পূর্ণরূপে বা আংশিকরপে নাইট্রো গিসেরাইন অথবা কোন তরল নাইট্রো-কম্পৌড থাকে, তাহা ধরা যাইবে।

२য় বিভাগের মধ্যে এইরূপ স্ফোটনীয় দ্রব্য, যথা,---

সাধারণতঃ মাহা গনকটন্, কটন গন পৌডর,
বলিয়া খ্যাত সৈই গনকটন্ স্থলজ পৌডর,
গনপেপার, নাইটো মেনাইট,
জিলয়ডাইন, পিক্রেটিজ,
গনসডট, লিক্রিক পৌডর,
নাইট্টে গনকটন্, টনাইট (বা কটন পোডর),

এবং পূর্ব্বোক্ত অর্থকরণমত যে কোন নাইট্রো-কম্পোণ্ড প্রথম বিস্তাগের অন্তর্গত নহে, তাহা ধরা যাইবে:

## ৪র্থ শ্রেণী।—ক্লোরেট মিশ্রনামক শ্রেণী।

যে কোন স্ফোটনীয় জব্যে ক্লোরেট থাকে, "ক্লোরেট মিশ্রা" শব্দে সেই জব্য বুঝাইবে। ক্লোরেট মিশ্র শ্রেণীতে গুইটী বিজ্ঞাগ আছে।

> ১ম বিভাগের মধ্যে এইরূপ স্ফোটনীয় দ্রব্য, যথা— হরস্রি সাহেবের ব্লাফিং পোডর, ত্রেণ সাহেবের ব্লাফিং পোডর,

এবং ক্লোরেট দিয়া প্রস্তুত করা যে কোন দ্রব্যে অংশতঃ নাইটো- গ্রিসেরাইন অথবা অন্য কোন তরল নাইটো-কম্পোণ্ড আছে, তাহা ধরা যাইবে।

২য় বিভাগের মধ্যে এইরূপ ক্লেটিনীয় দ্রব্য, যথা,—

হরাসু সাহেবের মূল ব্লাঞ্চিং পোডর, এরহাট সাহেবের পোডর, রেভার্লি সাহেবের পোডর, হক্সটেটার সাহেবের ব্লাফিং চার্জ,

রাইসেন সাহেবের ব্লাফিং চার্জ,
টিউটোনাইট ।

ক্লোরেট গ্রক্টন,

এবং পর্বেক্ত অর্থকরণমত যে কোন ক্লোরেট মিশ্র প্রথম বিক্তাগের অন্তর্গত না হয়, তাহা ধরা যাইবে।

৫ম শ্রেণী। - ফুলমিনেট (শব্দকারক) নামক শ্রেণী।

রাসায়নিক সংযোগ বা সামান্যরপ মিশ্রণ ছারা উৎপন্ন কোন দ্রব্য পূর্ব্বোক্ত কোন শ্রেণীর অন্তর্গত ছন্তক বা না ছন্তক, যদি ঐ দ্রব্যের অভিশয় স্ফোটনশীলতা বশতঃ উহা রঞ্জকের টুপীতে অথবা স্ফোটন সমুৎপাদন করণের অন্য কোন সরঞ্জামে ব্যবহারের উপযোগী হয়, অথবা অত্যন্ত স্ফোটনশীলতা বশতঃ ও অত্যন্ত অহায়িত্ব অর্থাৎ অতি সামান্য উত্তেজক কারণে বিশ্লিষ্ট ছইয়া যাইবার প্রবণতা বশতঃ বিশেষরূপ আশব্ধাজনক হয়, তাহা ছইলে "কুলমিনেট" শব্দে ঐ দ্রব্য বৃশাইবে।

## কুলমিনেট শ্রেণীর তুইটি বিভাগ আছে।

১ম বিভাগের মধ্যে এইরপ সংযুক্ত দ্রব্য যথা রূপার ও পারার ফুল িনেট এবং এই সকল দ্রব্য দিয়া প্রস্তুত যে দ্রব্য রঞ্জকের টুপীতে ব্যবস্থত হয়, এবং অঞ্চারাত্মক দ্রব্য যোগ করিয়া বা না করিয়া ফন্দরস কিছা কএক প্রকার ফন্দরস সংযুক্ত দ্রব্যের সহিত ক্লোরেট মিশাইয়া যে কোন দ্রব্য প্রস্তুত করা বায় এবং অঞ্চারাত্মক দ্রব্য যোগ করিয়া বা না করিয়া গন্ধক বা গন্ধকসংযুক্ত দ্রব্যের সহিত ক্লোরেট মিশাইয়া যে কোন দ্রব্য প্রস্তুত করা যায় তাহা ধরা যাইবে।

২য় বিভাগের মধ্যে এইরপ দ্বের যথা নাইট্রোজনের ক্লোরাইড ও আইওডাইড, ফুলমিনেট স্বর্ণ ও রোপ্য, ডায়াজে,বেনজোল ও ডায়াজোবেনজোলের নাইট্রেট ধরা যাইবে।

# ৬ষ্ঠ শ্রেণী।--- যুদ্ধোপকরণ নামক শ্রেণী।

পুর্বোক্ত কোন শ্রেণীর কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য যদি কোন আধার বা কলের মধ্যে এরপে পুরিয়ার রাখা যায় বা প্রকারান্তরে এরপে কার্য্যোপযোগী বা প্রস্তুত করা যায় যে, ভাহ তে বস্তুক, কামান বা অন্য কোন আগ্নেয়াশ্রের অথবা পাহাড়াদি ভালিবার টোটা বা ছুড়িবার দ্রব্য হয় কিম্বা পাহাড়াদি ভালিবার বা কাঁপা গোলার নির্বিষ্কর বা অন্যরূপ পলিতা হয়, কিম্বা স্ফোটনীয় দ্রব্যে অ্যি দিবার নল হয় অথবা রঞ্জকের টুপী, ডিটোনেটর কোয়াগার সিগনাল, ফাঁপা গোলা টরপিলো, যুদ্ধের হাউই ও আভ্সবাজি ভিম্ন অন্য কোনরূপ কল হয়, ভাহা হইলে "যুদ্ধোপকরণ" শব্দে ঐ দ্রব্য ব্যাইবে।

## "রঞ্জেকের টুপী" শবেদ ডিটোনেটর গণ্য হইবে না।

যে কোষ বা আধার এরপ বলবিশিক্ট ও এরপে নির্মিত ও যাহাতে এরপ পরিমাণে ফুলমিনেট শ্রোণীর স্ফোটনীয় দ্রব্য থাকে যে একটা কোষ বা আধারের স্ফোটন হইলে এরপ অন্যান্য কোষ বা সাধারের স্ফোটন শটিবে, "ডিটোনেটর" শব্দে ডদ্রেপ কোষ বা আধার বৃকাইবে।

পাহাড়াদি ভালিবার যে পলিডা জ্বলে কিন্তু শব্দ করিয়া ফাটিয়া যায় না ও যাহাতে আপনি ফুলিড হইবার উপায় থাকে না এবং যাহা এরপ বলবিশিষ্ট ও এরপে নির্মিড ও যাহাতে এরপ পরিমাণে স্ফোটনীয় দ্রব্য থাকে যে ঐ পলিতা জ্বলিলে পাশাপাশি ঐরপ অন্য পলিত। জ্বলিত হয় না ''নির্কিঘুকর পলিতা' শব্দে সেই পলিতা বৃঝাইবে।

বন্দুকাদির যে টোটার কোষ ও বন্দুকাদি আওয়াজ করিবার পর উহা হইতে বাহির করিয়া লওয়া ঘাইতে পারে ও যাহা এরপে বন্ধ যে এক টোটা হইতে অন্য টোটায় ক্ষোটন সংক্রামিত হয় না, 'নির্কিঘুকর টোটা' শব্দে তন্ত্রপ টোটা ব্যাইবে। রাইফল কেনিবর মেসিনগনের টোটা উপরিলিখিত প্রকারের হইলে, তাহা রাইফলের সঙ্গে একই চেষরবিশিষ্ট মেসিনগনের সহিত ব্যবহারার্থই হউক বা বিশেষ চেষরবিশিষ্ট মেসিনগনের সহিত ব্যবহারার্থই হউক, "নির্কিঘুকর টোটা" বলিতে সেই টোটাও ব্যাইবে।

ছোট বন্দৃক প্রভৃতির টোটাযে গেজ পর্য্যন্ত হইলে "নির্বিঘ্ কর বিশিয়া আহ্য করা যাইতে পারে তাহার সর্ব্বাপেক্ষা বেশী পরিমাণ ১ ইঞ্চি। যে সকল মেসিনগনের টেটা "নির্বিদ্ধ কর বলিয়া আহ্য করা যাইতে পারে তাহার গেজ এই এই:

.৩০৩ ইঞ্চি করডাইট।

মার্টনি হেন্রি রাইফল, সলিড কেস।

.৪৫ ইঞ্চি গার্ডনর, গাটলিং ও নর্ডেন ফেলড (মাটিনি হেনরি চেম্বর্বিশিষ্ট বন্দুক ছাড়া)।

.8 हेंकि।

ইহার অশেক্ষা বেশী গেজের টোটা "নির্বিল্ব কর" টোটা নয়।

যুদ্ধোপকরণ নামক শ্রেণীতে ভিন্টা বিভাগ আছে।

১ম বিভাগের মধ্যে কেবল নিম্নলিখিত এবাগুলি ধর: ধায় ষ্থা,---

নির্বিযুকর টোটা।

রেলওয়ের কোয়াসার সিগনাল। রঞ্জের টুপা।

পাছাভাদি ভাঙ্গিবার নির্নিষ্কর পলিভা।

বোমের নিমিত্ত পলিতা ও বন্দৃ-কের নিমিত্ত টিউব ফ্রিকশন। কিন্তু একটি মোড়কের মধ্যে এটি পশিতা বা ২৫টি টিউবের বেশী না থাকে এবং মোড়কটি বায়ু প্রবেশ করিতে না পারে এমন ভাবে বদ্ধা ধাতু নির্মিত চোঙ্গ ছওয়া চাই। পুর্ব্বোক্ত অর্থকরণমত যে যুদ্ধোপকরণের আপনি জ্বলিবার উপায় নাই ও বাছা ১ম বিভাগের অস্তর্গত নছে, ২য় বিভাগের মধ্যে তাছাই ধরা যায়, অর্থাৎ যাছার আপনি জ্বলিবার উপায় নাই এরপ নদ্দলিখিত দ্রব্য, যথা—

নির্বিত্বকর টোটা না হয় বন্দুকাদির এরপ টোটা,

কামানের, ফাঁপা গোলার, স্থভ়ঙ্গ করিবার, পাহাড়াদি ভাঞ্জিবার ও তদ্রূপ অন্যান্য ক্যর্য্যের টোটা ও ছুড়িবার ম্বব্য,

যাহাতে কোন ক্ষোটনীয় জব্য থাকে, এরপ ফাঁপা গোলা ও টরপিডো, নির্কিল্পকর পলিতা নহে, এরপ পাহাড়াদি ভাজিবার পলিতা, ফাঁপা গোলার পলিতা, ক্ষোটনায় জব্য অগ্নি দিবার নল, যুদ্ধের হায় ই,

পূর্ব্বোক্ত অর্থকরন্মত যে যুদ্ধোপকরণের আপনি জ্বলিত হইবার উপায় মাছে ও যাহা ১ম বিভাগের অন্তর্গত নহে, ৩য় বিভাগে তাহাই ধরা যাইবে, অর্থাৎ যাহা আপনি জ্বলিবার উপায় আছে এপ্রকারের নিম্লিখিত দ্রব্য যথা,—

ডিটোনেটর। নিক্ষত্মকর টোটা নহে এরপে বন্দুকাদির টোটা। নিক্ষত্মকর পলিতা নহে পাছাড়াদি ভাঙ্গিবার এরপ পলিতা। ফাঁপা গোলার পলিতা। ন্দোটনায় দ্বব্যে অগ্রি দিবার নল।

যে টোটা প্রভৃতির সংগ্র বা জংশ স্বরূপ এরূপ বন্দোবস্ত থাকে যাই। ঘর্ষণ বা আঘাত দারা তাহাতে ক্ষেটন ঘটাইবার বা অগ্নি লাগাইবার উপযোগী, আপনি জ্বলিত হহবার উপায়নিশিষ্ট যুক্ষোপকরণ শব্দে তদ্ধাপ যুদ্ধোপকরণ বুঝাইবে।

৭ম শ্রেণী।—-আতসবাজি নামক শ্রেণী।

# আতসবাজি শ্রেণীর তুইটা বিভাগ আছে।

১ম বিভাগে আত্সবাজি প্রস্তুত করিবার উপকরণাদিকে ধরিতে হইবে অর্থাৎ রাসায়নিক সংযোগ কিছা সামান্যরূপ মিশ্রণ ছারা প্রস্তুত স্ফোটনায় বা আশু স্কুলনশাল ভাবের যে দ্রব্য আত্সবাজি প্রস্তুত করণার্ধ ব্যবস্থৃত হয় ও প্র্কোক্ত কয়েক শ্রেণার স্ফোটনায় দ্রব্যের অন্তর্গত না হয় ভাহা এবং পশ্চালিখিত নিয়মবিধির অধীনে ভারার ও রঞ্জিল আলোর উপকরণ।

তৈয়ারি করা আতসবাজি ২য় বিভাগের অন্তর্গত অর্থাৎ তপরি ক্রিছিত কোন শ্রেনীয় দ্রব্য এবং আতশবাজির মিশ্রিত উপকরণ যখন কোন কেসে পুরিয়া কি ন্যা কোন প্রকার কোশলে মুড়িয়া কি অন্য কোন রক্ষে পট্কা, দমা, টয়ক্যাপ বা আমর্সি, সাপ বাজি, (যুদ্ধের হায়ুই, ভিন্ন) হায়ুই, মারুণ বাজি, লাসবাজি, চরিক বাজি, চাইনিজ কায়ার বাজি রোমান কাওল বাজি কিয়া অন্যান্য প্রকার আতদবাজি বা আতদবাজির সিগনাল বা শক্রের সিগনাল বা শক্রের নিগনাল বা লাভ করা হয় তখন ঐ স্থেটিন নীয় দ্রব্য ও মিশ্রেত উপকরণ।

কিন্তু শক্ত করিয়া নির্মিত ও বায়ু প্রবেশ করিতে না পারে এরূপে বল্ধ থাতুর আবরণের মধ্যে অনধিক এক পোণ্ড রঙ্গিন আলোর এরূপ উপকরণ থাকে যাহা আপনা আপনি জ্বলিয়া উঠিতে না পারে তাহাকে "তৈয়ারি করা আতদবাজি" বিষ্ণি †ববেচনা করা যাইবে।

## প্রস্তুত করণ, নিকটে রাখন ও বিক্রয় করণ বিষয়ক (ক) সাধারণ বিধি।

২। এই বিধিমতে প্রদত্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার লাইসেন্সের নিয়মাধীনে ও তদস্পারে. না হইলে কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করা যাইবে নাঃ—

কিন্তু,---

- (ক) কার্য্যে লাগাইবার অথবা বিক্রয়ের জন্য না হইয়া কেবল কিমীয় পরাক্ষা কার্য্যের নিমিস্ত অম্প পরিমানে কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করা গেলে তৎপ্রতি কিছা
- (খ) এই বিধিতে ব্যক্তি বিশেষের ব্যবহারের জন্য নিকটে রাখিবার নিমিত্ত যে পরিমাণের অহমতি দেওরা গেল বিক্রয়ের জন্য না হইয়া ব্যক্তিবিশেষের ব্যবহারার্থে নির্বিত্মকর টোটা সেই পরিমাণে ভরা গেলে তৎপ্রভি,
  - -- এই ধারা খাটিবে না।
- ৩। যে কোন ব্যক্তি ২ বিধি লজ্মন করিয়া স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবে তাহার ৩০০০ টাকা পর্যান্ত জ্বিমানা হইতে পারিবে।
- 8। এই বিধিমতে প্রদন্ত ক্ষোটনায় জব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপের নিয়মাধানে ও তদহসারে না হইলে ক্ষোটনীয় জব্য নিকটে রাখা যাইবে না।

## কিন্তু এই বিধি নিম্নলিখিত স্থলে খাটিকে না,—

- (১) কোন ব্যক্তি বিত্র মারে জন্য না হইয়া আপন ব্যবহারের নিমিত্ত
  - . (ক) একই বাটীতে ৩০ পৌণ্ডের সমবিক পরিমাণ বারুদ কিন্তা উক্ত পরিমাণ বারুদের পরিবর্ত্তে ১৫ পোণ্ড পরিমিত অন্য কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য কিন্তা তদশেক্ষা কম পরি-মাণ যে বারুদ তদভিপ্রায়ে নিকট রাখা না যায় তাহার পরিবর্ত্তে অন্য কোন স্ফোট-নীয় দ্রব্যের ঐ পরিমাণের অর্দ্ধেক, কিন্তা
    - (খ) ১৫০ পোও পরিমাণের অনধিক যে বারুদ নির্ব্বিল্লকর টোটার মধ্যে থাকে তাহা কিছা।
      তৎপরিবর্ত্তে ৬ষ্ট শ্রেণার ১ম বিভাগের যুদ্ধোপকরণের মধ্যে যে ক্ফোটনায় দ্রব্য থাকে তাহার ১৫০ পোও কিছা তদপেক। কম পরিমাণে যে বারুদ তদভিপ্রায়ে নিকটে রাখা না যায় তাহার পরিবর্ত্তে অন্য যে ক্ফোটনায় দ্রব্য তদ্রপে মধ্যে থাকে তাহার ঐ পরিমাণ নিকটে রাখিলে তৎপ্রতি এই বিধি খাটিবে না।

ব্যতিক্রম স্থল।—এই ধারার নিয়মবিধির উপরিলিধিত অংশের কোন কথা এযে কোন ব্যক্তি জ্ঞান ব্যবহারার্থে নিম্নলিধিত কোন দ্রব্য নিকটে রাখিবার মত্যতি পাইলেন ব'লয়া বিবেচনা করিতে হুইবে না।—

- (ক) ৪ক ধারার নিয়মের অধানে না হইলে ৩য় (নাইটো কম্পোণ্ড) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্তর্গত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য, কিষা ৫ম (ফুলমিনেট) শ্রেণীর কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য কিষা,
- (খ) স্ফোটনায় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় (১৮৮৪ সালের ৪ আইনের) ও ধারামত বিজ্ঞা-পনক্রমে যে স্ফোটনায় দ্রব্য নিকটে রাখিতে সম্পূর্ণৰূপে নিষেধ করা গিয়াছে তাছা, কিশ্বা
- (গ) উক্ত ধারামত বিজ্ঞাপনক্রমে যে ছলে কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিয়মাধীনে নিকটে রাখিতে নিষেধ করা গিয়াছে সেই ছলে উক্ত সকল নিয়মাধানে লা হইলে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য।
- ২। বিক্রয়ের জন্য না হইয়া অবিলম্বে ব্যবহার করিবার নিমিত্তে আনাত ও অভিপ্রেড আতসবাজি পরিমাণে যতই হউক নিকটে রাখা গেলে এবং সর্বাধারণের নির্বিদ্ধতার জন্য যথারীতি সাবধানতা সহকারে কোন নির্বিদ্ধ ও উপযুক্ত ছানে ১৪ দিনের অন্ধিক কাল উহা রক্ষিত হইলে তৎ-প্রতি এই বিধি খাটিবে না।
- ০। স্ফোটনায় দ্বব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় (১৮৮৪ সালের ৪ আইন) মতে প্রণীত কোন স্ফোটন নায় দ্রব্যের চালান বিষয়ক বিধির বিধান অভ্নসারে উহা রক্ষা বা চালান করা গেলে চালান করিবা জন্য কোন বাহক বা অন্য ব্যক্তি উক্ত দ্বব্য নিকটে রাখিলে তৎপ্রতি এই বিধি খাটিবে না।

- ৪। সওদাগরী জাহাজ বিষয়ক উপস্থিত সময়ের প্রচলিত আইন সমূহের বিধানাফুদারে ফিম্বা ঐ সকল আইনমত কোন আদেশ বা নিয়মান্ত্রদারে কোন জাহাজে বারুদ, হারুই কিম্বা
  স্থান্ত্রনীয় দ্বব্য নিকটে রাখা গেলে, তৎপ্রতি এই বিধি খাটিবে না।
- ৪ক। নিম্নলিখিত নিয়মগুলির কোন একটীর অধীনে না হইলে ৩য় (নাইট্রো কম্পোণ্ড) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্তর্গত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিতে পারা যাইবে নাঃ—
  - (ক) । কিয়া E ফার্মে প্রদত্ত লাইদেন্দের অধীনে না হইলে।
  - (খ) D কিয়া E ফার্মে প্রদন্ত লাইসেন্স্রারী কোন ব্যক্তিকে কর্ত্ত্বক তাঁহার অধীনে কর্মকারী কোন ব্যক্তিকে প্রদন্ত ছাড় পত্রের অধীনে না হইলে। ঐ ছাড়পত্রে পেশিগুর অন্বিক পরিমাণ ঐ ক্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার অনুমতি থাকিবে এবং উহা ২৪ ঘন্টার অধিক বলবৎ থাকিবে না। প্রত্যেক ছাড়পত্রে অধীনস্থ কর্মকারী যে ব্যক্তিকে দেওয়া হইল তাঁহার নাম, যে পরিমাণ রাখিবার অনুমতি দেওয়া গেল তাহা এবং যে তরিখের যে ঘন্টায় দেওয়া গেল তাহা এবং যে তরিখের যে ঘন্টায় দেওয়া
  - (গ) E কারমে প্রদন্ত লাইসেম্পর্ধারী কোন ব্যক্তি I)
    কারমে প্রদন্ত লাইসেম্পর্ধারী কোন ব্যক্তির
    অধীনে কর্মকারী কোন ব্যক্তিকে মোহার্দ্ধিত বদ্ধা
    বাক্সে করিয়া ৬০ পৌতের অন্ধিক ঐ স্ফোটনীয়
    দ্রব্য ঐ লাইসেম্পর্ধারির নিকটে লইয়া যাইবার জন্য
    কিয়া ট কারমে প্রদন্ত লাইসেম্পর্ধারী কোন ব্যক্তির
    অধীনে কর্মকারী কোন ব্যক্তিকে এরপ বাক্সে
    করিয়া ঐ লাইসেম্পর্ধারির নিকটে ১০০ পোতের
    অন্ধিক ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য লইয়া যাইবার জন্য
    যে ছাড়পত্র দেন তদনুসারে না হইলে। ঐ ছাড়পত্র
    ২৪ ঘনীর অধিক বলবৎ থাকিবে না।

এই ধারার প্রয়োজনার্থ "লাইসেন্সধারী" শব্দে নিম্নলিখিত ব্যক্তিগণকেও বুঝাইবেঃ—

(১) কোন কোম্পানিকে প্রদন্ত লাইসেম্পের স্থলে ঐ কোম্পানির স্থানীয় এজেণ্ট কিম্বা কার্য্যাধ্যক্ষকে কিম্বা ঐ কোম্পানির অধীনে কর্মকারী যে ব্যক্তিকে ঐ স্থানীয় এজেন্ট বা কার্য্যাধ্যক্ষ এই ধারামত আপন ক্ষমতা পরিচালনার্থ লিখিত অনুমতি দেন তাঁহাকে। ঐ অনুমতিপত্রে জিলার মাজিক্টেট বা মহকুমার কর্ত্তপক্ষ ক্রোড় স্থাক্ষর করিবেন।

- (২) কোন ব্যক্তি বিশেষকে প্রদত্ত লাইসেন্সের স্থলে ঐ ব্যক্তির অধীনে কর্মকারী যে ব্যক্তি এই ধারামত তাঁহার ক্ষমতা পরিচালনার্থ উপরোক্ত নিয়মাধীনে ক্ষমতা প্রাপ্ত হন তাঁহাকে।
- ৫। কোন ব্যক্তি ৪ কিম্বা ৪ক বিধি লক্ষ্মন করিয়া কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিলে তাহার এক হাজার টাকা পর্যান্ত জরিয়ানা হইতে পারিবে।

৬। এই বিধিমতে প্রদন্ত ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিক্রয় করিবার লাইসেপের নিয়মাধীনের ও তদহুসারে মা ছইলে কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিক্রয় করা ঘাইবে না।

কিন্তু যে ব্যক্তি আপন ব্যবহারার্থে আইনমতে কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিতে পারে উহা তৎকর্ত্বক যে ব্যক্তির উহা নিকটে রাখিবার পক্ষে আইনে নিষেধ নাই তাঁহাকে বিক্রয় করণের প্রতি এই বিধি খাটিবে না।

৭। কোন ব্যক্তি ৬ বিধি শঙ্খন করিয়া স্ফোটনীয় দ্রব্য বিক্রয় করিলে তাহার পাঁচশত টাকা পর্য্যন্ত জরিমানা হইতে পারিবে।

## (খ) বাৰুদ এবং কোনং স্ফোটনীয় দ্ৰব্য প্ৰস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার লাইসেন্স দিবার বিধি।

৮। ১ম (বারুদ) শ্রেণীর কিন্ধা ৬ষ্ট (মুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিন্ধা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর কোন স্ফোটনীয় দ্বব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার কিন্ধা নিকটে রাখিবার লাইসেন্দ্র প্রবল্ধ করিবার কিন্ধা নিকটে রাখিবার লাইসেন্দ্র প্রবল থাকিবার সময়ে লাইসেন্দ্রন্তা কর্তৃপক্ষ মোট যে পরিমাণের ও যে যে স্থানের অন্থ্যোদন করেন সেই পরিমাণে তত্তৎ স্থানে উক্ত দ্রব্য প্রস্তুতাদি করিবার লাইসেন্দ্র কোন প্রেসিডেন্দ্রী নগর ও উহার শাখানগরে হইলে পোলিসের কমিশনর সাহেব এবং অন্যক্ত জিলার মাজিষ্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদন্ত হইতে পারিবে।

কিন্তু কোন লাইসেপধারী ধে স্থানের প্রতি লাইসেপ খাটে সেই স্থানে একই সময়ে ২০০ পোডের অধিক বারুদ, ৬ষ্ট (যুদ্ধোপকরণ) প্রোণীর ১ম বিভাগের যুদ্ধোপকরণ অন্তর্গত ৫০০ পোডের অধিক কোন স্ফোটনীয় দ্রব্যে ও ২০০ পোডের অধিক আত্তসবাজি অথবা ঐ সকল স্ফোটনীয় দ্রব্যের মধ্যে কোনটীর যত কম পরিমাণ লাইসেপদাতা কর্ত্বস্ক এতদর্থে আদেশ করেন ভাষার অধিক রাখিডে পারিবেন ঐরপ লাইসেপের কোন কথায় এইরপ বিবেচনা করিতে ছইবে না।

- ১। ঠিক পূর্ব্ব বিধিমতে প্রদত্ত প্রত্যেক লাইসেন্সের জন্য নিম্নলিখিত ফা দিতে হইবে।---
- (১) ঠিক পূর্ববিত্তী বিধিতে ক্লোটনীয় দ্রব্যের যে অভ্যুক্ত পরিমাণের উল্লেখ হইয়াছে সেই পরিমাণে কিম্বা তদপেক্ষা ন্যুন পরিমাণে ঐ দ্রব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার প্রত্যেক লাইসেন্দের জ্ন্য ২০০ টাকা কী।
- (২) ঠিক পূর্ববত্তী বিধিতে ক্লোটনীয় দ্রব্যের যে পরিমানের উল্লেখ হইয়াছে তাহার অর্দ্ধেক পরিমানে কিছা তদপেক্ষা ন্যন পরিমানে ঐ দ্রব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রুয় করিবার প্রত্যেক লাইন্যেন্সের জন্য ১০) টাকা ফী।
- (৩) ঠিক পূর্ববিত্তী বিধিতে ক্ষোটনীয় দ্রব্যের যে পরিমাণের উল্লেখ চইয়াছে তাছার সিকি পরিমাণে কিন্তা তদপেক্ষা ন্যুন পরিমাণে ঐ দ্রব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার প্রত্যেক লাইনেনের জন্য ৫, টাকা ফী।
- (৪) ঠিক পূর্ববিত্তী বিধিতে ক্লোটনীয় দ্রব্যের যে অভুক্ত পরিমানের উল্লেখ হইয়াছে সেই পরিমানে কিন্তা ভদপেক্ষা নৃত্ন পরিমানে ঐ দুব্য নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার জন্য ১০) টাকা কী।

- (৫) ঠিক পূর্ববর্তী বিধিতে ভোটনীয় জব্যের যে পরিমাণের উল্লেখ হইরাছে ভাহার অর্ক্তেক পরিমাণে কিছা ভদপেক। ন্যুন পরিমাণে ঐ ক্রব্য নিকটে রাখিবার ও বিক্রয় করিবার জন্য ৫) টাকা ফী।
- (৬) ঠিক পূর্ববিত্তী বিধিতে ক্ষোটনীয় ক্রব্যের যে পরিমাণের উল্লেখ হইয়াছে তাহার সিকি পরিমাণে কিম্বা তদপেকা ন্যুন পরিমাণে ঐ ক্রব্য নিষ্পটে রাখিবার ও বিক্রম করিবার জন্য ২॥ টাকা ফী, এবং
  - (৭) ক্ষোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার প্রত্যেক লাইসেন্সের জন্য।। আনা কী।
- ১০। ৮ বিধিমতে প্রদত্ত প্রত্যেক লাইলেন্স এতংসংযুক্ত ওক্ষদীলের A বা B, কিন্তা ক্লেবিশেষে C চিক্লিও কার্ম্যে প্রদত্ত হইবে এবং ঐ কার্মের নির্দিষ্ট নির্মসমূহের অ্থীন হইবে।
- ১১। যে সকল নিয়মের অধানে ৮ বিধিমতে লাইসেন্স প্রদন্ত হয় যে কোন ব্যক্তি তাহার কোন নিয়ম ভঞ্চ করেন, তাঁহার পাঁচশত টাকা পর্যাস্ত জরিমানা হইতে পারিবে।
  - (গ) অন্যান্য ক্ষোটনীয় দ্বব্য **প্রস্তু**ত করিবার লাইসেন্স দিবার বিধি।
- ১২। ৮ বিশির উল্লিখিত স্ফোটনীয় দ্রব্য ছাজা অন্যান্য স্ফোটনীয় দ্রশ্য প্রস্তুত করিবার লাইসেপ মন্ত্রিসভার্যিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব প্রত্যেক ছলে যত কা, যে ফারম, যে মিয়াদ এবং যে যে নিয়্ম নির্দেশ করেন সেই ফী দিলে সেই কার্যে সেই মিয়াদের জন্য এবং সেই সেই নিয়্মাধানে মঞ্জিসভার্যিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্তৃক প্রদত্ত হইবে।

কিন্তু মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব ঐকপ কোন লাইসেন্সের বেলা, স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার লাইসেন্স যে প্রকার ও যে পরিমাণ স্ফোটনীয় দ্রব্য সম্পর্কীয় হয় সেই প্রকার ও সেই পরিমাণ স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেন্সের জন্য পরে যে সকল নিয়ম নির্দিষ্ট ইয়াছে সেই সকল নিয়ম নির্দেশ করিবেন।

- ১৩। যে সকল নিয়মের অধানে ১২ বিধিমত লাইসেন্স প্রদক্ত হয় কোন ব্যক্তি তাহার কোন নিয়ম ভঙ্গ করিলে তাঁহার ৩০০০) টাকা পর্যান্ত জরিমানা হইতে পারিবে।
  - (ग) অন্যান্য ক্ষোটনীয় দ্রব্য অলপ পরিমাণে নিকটে রাখিবার লাইলেক দিবার বিধি।
- ১৪। লাইসেপদাতা কর্মচারী যে যে স্থানের অন্থ্যোদন করেন ৮ বিধির উল্লিখিত স্ফোটনীয় দ্রব্য ছাড়া অন্য স্ফোটনীয় দ্রব্য দেই দেই স্থানে নিকটে রাখিবার লাইসেপ উক্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য যদি ৫ম (ফুলমিনেট) শ্রেণীর না হয় ও একই সময়ে যে পরিমাণ উক্ত দ্রব্য নিকটে রাখা ধাইবে ভাছা ৬ পোত্রের অধিক না হয় তাহা হঠলে কোন প্রেসিছেপা নগরে ও উহার শাখা নগরে পোলীসের কমিশনর সাহেব কর্ত্বক এবং অন্যক্ত জিলার মাজিইটে সাহেব কর্ত্বক প্রদন্ত হইবে।
- ১৫। ১৪ বিধিমতে প্রদক্ত প্রত্যেক লাইসেন্স এতৎস'যুক্ত তফসীলের D চিহ্নিত কারমে প্রদক্ত হইবে, এবং ঐ কারমের নির্দিষ্ট নির্মসমূহের অধান হইবে। ঐরপ প্রত্যেক লাইসেন্সের জন্য ৫, টাকা ফা দিতে হইবে।
- ১৬। যে সকল মিয়মের অধীনে ১৪ বিধিমত লাইসেন্দ্র প্রদক্ত হয় কোন ব্যক্তি তাহার কোন মিয়ম ভঙ্গ করিলে তাহার ১০০০, টাকা পর্য্যন্ত জরিমানা হইতে পারিবে।
  - (৩) সাধারণতঃ ক্ষোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেন্স দিবার বিধি।
- ১৭ ৷ ৮ ও ১৪ বিধিমতে যে লাইসেপ দেওয়া যায় স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার জন্য ডদ্ভিন্ন অন্য লাইসেপ যদি উক্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য ৫ম (ফুলমিনেট) শ্রেণার না হয়, তাহা হইলে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কর্তৃক নিম্নলিখিত কার্য্যপ্রণালী অভুসারে প্রদক্ত হইতে পারিবে:...
- (১) দরখান্তকারী জিলার মাজিষ্টেট সাহেবর নিকট, কিন্ধা প্রেসিডেন্দ্রী নগর ও উহার শাখা নগরে হইলে পোলীদের কমিশনর সাহেবের নিকট একখানি লিখিত দরখান্ত অর্পন করিবেন। যে স্থানে স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার প্রস্তাব করা হয় (ঐ স্থান পরে ইহাতে বাকস্খানা বলিয়া উল্লিখিত হইল) তাহার ও তাহা যেখানে থাকে ভাহার একখানি নক্সা (যে কোন ইন্ফেল অনুসারে প্রস্তুত) ঐ দর-খান্তের সঙ্গে দিতে হইবে।
  - (২) দরখান্তে নিম্নলিখিত বিষয়গুলির মধ্যে যেগুলি খাটে ডাছার বিশেষ বিষরণ থাকিবে, অর্থাৎ—
  - কে) যে জমির উপর বারুদখানা থাকে তাহার চৌহন্দী এবং ঐ স্থান বেইন করিয়া যে পরিমাণ জমী ফাঁকা রাধিতে হইবে ও যে ইমারতাদি হইতে পৃথক করিয়া উহা ফাঁকা রাখিতে হইবে তাহা কিছা বাৰুদখানা বা উহার কোন অংশের এবং অন্যান্য ইমারতাদির মধ্যে যে দুরত্ব রাখিতে হইবে ভাহা।

যিদি মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত ত্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্তৃক কিয়া মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত ত্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মঞ্জুরি লইয়া স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কর্তৃক এতদর্থে সর্ব্বাপেক্ষা কম দ্রত্বের একটী টেবিল নির্দ্দিষ্ট হইয়া থাকে তাহা হইলে দ্রত্ব সম্বন্ধীয় গবর্ণমেন্টের তালিকায় ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্যের জন্য (যে পরিমাণ অভিপ্রেত সেই পরিমাণ গুদামজাত করা হইলে) যে দ্রত্ব নির্দ্দিষ্ট হইয়াছে বারুদখানা ও নানা ত্রোণীর ইমারতাদির মধ্যে দ্রত্ব তদপেক্ষা কম করিয়া রাখিতে হইবে না।

- (খ) বারুদখানার বা তৎসংক্রান্ত সকল মাটির চিবী ও ইমারতাদির অবস্থান, প্রক্রুতি ও নির্মাণ প্রণালী এবং উহাদের এক হইতে অন্যের দূরত্ব।
- (গ) যে পরিমাণ ক্ষোটনীয় দ্রব্য এবং সম্পূর্ণৰূপেই হউক বা আংশিক রূপেই হউক উহার মিশ্রিত উপকরণগুলির যে পরিমাণ একই সময়ে বারুদ্ধানার সামার মধ্যে লইয়া ঘাইবার অস্মৃতি দিতে হইবে. এবং
- (ঘ) কোন ইমারতাদি যে স্থানে আছে বা যেরপো অবস্থিত বা যেরপো নির্মিত তৎসংক্রান্ত বিশেষ কোন অবস্থা হৈতৃক অথবা কোন কার্য্যপ্রণালীর ভাব বশতঃ বা অন্য কোন কারণে দরখান্তকারা যে বিশেষ কোন নিয়মের প্রস্তাব করেন তাহা।
  - (৩) উক্ত দরখান্ত পাওয়া গেলে,
- ক) জিলার মাজিফ্রেট সাহেব অথবা স্থল বিশেষে পোলীসের কমিশনর সাহেব ঐ দরখাশুর নোটিস প্রকাশ করাইয়া একটি দিন ধার্য্য করিয়া দিবেন। প্রশুবিত স্থানে বাফদখানা স্থাপন সম্বন্ধে যে ব্যক্তিদেব আপত্তি থাকে তাঁহারা শুননীর দিনের অন্যন পূর্ব সাত দিন পুর্ব্ধে উক্ত জিলার মাজিফ্রেট বা পোলাসেব কমিশনর সাহেবের এবং দরখাশুকারির নিকট তাঁহাদের উপস্থিত হইয়া আপত্তি করিবার স্বিভিপ্রায় আছে ইহার নোটিস এবং তাঁহাদের নাম, ঠিকানা ও ব্যবসায়ের কথা এবং তাঁহাদের আপত্তির হেও্র সংক্ষিপ্ত বিবরণপত্র পাঠাইয়া দিলে ঐ দিনে তাঁহাদের আপত্তি শুনা যাইবে।
- (খ) যে স্থলে প্রস্তাবিত বাৰুদখানা কোন মিউনিসিপাসিটা বা কোন বন্দরের কর্তৃপক্ষের এলাকার সামার মধ্যে কিল্লা উহার এক মাইলের মধ্যে থাকে, সে স্থলে দরখান্তকারী দরখান্তের এবং জিলার মাজিস্ট্রেট বা পোলিসের কমিশনর সাহেব কর্তৃক যে দিন শুননি হইবে ভাহার নোটিস ঐ কর্তৃ-পক্ষের উপার জারী করাইবেন।
- (গ) জিলার মাজিষ্টেট বা পোলিসের কমিশনর সাহেব শুন্নির দিনের অন্যুন এক মাস পুরের দরখান্তকারির ব্যয়ে ঐ ২ নোটিস প্রকাশ ও জারি করাইবেন।
- ্ম) জিলার মাজিফেট বা পোলীসের কমিশনর সাহেব তাঁহার নিকট দরখান্ত করা যাইবার পার যত শীঘু স্কুসাধ্য হয়, শুননার দিন ধার্য্য করিবেন এবং ঐরপো যে সময় ধার্য্য হয় তাহা দরখান্তকারা কর্তৃক নোটিসগুলি প্রকাশ ও জারী করণ হইতে উক্ত এক মাস অতীত হইবার পার যত শীদু সম্ভব হয় হইবে।
- ( ও ) দরখান্ত বিবেচনা করিয়া দেখিয়া ও যেরপ তদম্ভ করা আবশ্যক বিবেচনা হয় তাহা করিবার পর, জিলার মাজিষ্টেট বা পোলিসের কমিশনর সাহেব প্রস্তাবিত স্থানে প্ররূপ নৃতন বাৰুদখানা স্থাপন সম্বন্ধে সম্পূর্ণরূপ অমত করিতে পারিবেন অথবা তাহা করিতে বিনা সর্ত্তে কিয়া সন্মতি দিতে পারিবেন।
- (চ) ওদন্ত শেষ হইলে, জেলার মাজিফেট বা পোলাসের কমিশনর সাহেব তাঁহার অন্নরাধ সহিত ঐ দরখান্ত স্থানীয় গবর্ণমেন্টে প্রেরণ করিবেন। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট তাহার পর, জিলার মাজিফেট বা পোলিসের ক্রিশনর সাহেবের অন্নরোধান্নযায়া কিম্বা যেরপ উপযুক্ত বিবেচিত হয় তদ্রুপ অতিরিক্ত নিয়ম ও সতর্কতার সর্ভ যোগ করিয়া দিয়া হয় প্রার্থিত লাইসেন্স দিক্তে পারিবেন, নয় ঐ রূপ লাইসেন্স দিতে অস্থীকার করিতে পারিবেন।

কিন্তু যদি প্রস্তাবিত বারুদখানা কোন বসতবাটী, বড় রাস্তা, ফ্রীট, সাধারণের গমনাগণনের তুই মুখ খোলা পথ বা সাধারণ স্থান হইতে ২০০ গজের কম দূর হয় কিম্বা যদি স্থানীয় গবর্গমেণ্ট অন্য কোন কারণে পরামর্শসিদ্ধ বিবেচনা করেন তাহা হইলে লাইসেন্দ দিবার পূর্কে স্ফোটনীয় জব্যের কোন ইনস্পেক্টরের দারা ঐ স্থান পরিদর্শন করাইবার পর তাঁহার মত গ্রহণ করিবেন।

যে পরিমাণ দূরত্ব রক্ষা করিতে হইবে যদি তাহার একটি টেবিল নির্দ্দিষ্ট হইয়া থাকে তাহা হইলে ঐ হুলের নিমিন্ত সর্ব্বাপেক্ষা যে কম দূরত্ব ঐরূপে নির্দ্দিষ্ট হইয়াছে তৎসম্বন্ধীয় বিধান লজ্পন করা না হয় ইহা দেখিলেই যথেষ্ট হইবে।

কিন্তু দূরত্বের টেবিল প্রচারিত হইবার পূর্বে দেওয়া হইয়াছে
এমন কোন লাইসেন্স নৃতন করিয়া লইবার জন্য দরশান্ত হইলে
যদি স্ফোটনীয় দ্রব্যের ইন্স্পেক্টর এরূপ পরামর্শ দেন য়ে দূরত্বের
টেবিল মান্য না করিয়াও বিনা বিপদে লাইসেন্স নৃতন করিয়া
দেওয়া যাইতে পারে তাহা হইলে স্থানীয় গ্বর্গমেন্ট ঐ টেবিল মান্য
করিতে হইবে এরূপ আদেশ না দিয়াও লাইসেন্স নৃতন করিয়া
দিতে পারিবেন।

- ছে) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট লাইসেন্স দিলে উহা জিলার মাজিক্টেট বা পোলীদের কমিশনর সাহেবের নিকট পাঠাইয়া দিবেন। ঐ বারুদখানার ব্যবহার হইতে পারিবার নিমিন্ত লাইসেন্স অন্থায়িক উহার নির্মাণ কার্য্য যথেন্টরপ হইয়াছে তাঁহারা ইহা স্বলোধমতে জানিলে ঐ লাইসেন্স দৃঢ় করিবেন। কিন্তু যাবৎ ঐরপে দৃটীক্বত না হয় তাবৎ ঐ লাইসেন্স বলবৎ হইবে না।
  - ১৮। ১৭ বিধিমতে প্রদন্ত প্রত্যেক লাইলেন্সের জন্য ২০, টাকা ফী দিতে হইবে।
- ১৯। ১৭ বিধিমতে প্রদন্ত প্রত্যেক লাইলেন্দ এতৎ সংযুক্ত তফসীলের E চিহ্নিত কার্মে প্রদন্ত হইবে এবং ঐ ফার্মের নির্দ্দিউ নিয়ম সমূহের অধীন হইবে।

১৯ ক। অত্যে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের মঞ্জুরি দাইয়া এবং যে কোন নিয়ম বা নিষেধ করা আবশ্যক বিবেচিত হয় তদধীনে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ১৭ বিধি অনুসারে কোন ভাসমান বারুদখানায় স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার অনুমতি দিতে পারিবেন ও ঐরূপ সকল বিশেষ স্থলে ১৭ বিধির নির্দিষ্ট কার্য্যপ্রণালীর ও লাইসেন্সের চিহ্নিত কার্যের আবশ্যক্ষত পরিবর্ত্তন করিবার আদেশ দিতে পারিবেন।

২০। যে সকল নিয়মের অধীনে ১৭ বিধিমত লাইদেপ প্রদন্ত হয় কোন ব্যক্তি তাহার কোন নিয়ম ভল করিলে তাহার ১০০০) টাকা পর্য্যন্ত জরিমানা হইতে পারিবে।

২১। মন্ত্রিসভাবিষ্ঠিত জীর্ত গবর্ণর জেনরল সাহেব প্রভ্যেক স্থলে যে ফী, যে কারম ও যেং নিয়ম নির্দেশ করেন সেই কী দিলে সেই কারমে সেইং নিয়মাধীনে তৎকর্ত্তক ৫ম (ফুলমিনেট) ভোণীর ক্ষেটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেন্দ প্রদত্ত হইবে।

২ং। যে সকল নিয়মের অধীনে ২১ বিধিমত লাইসেপ প্রদন্ত হয়, কোন ব্যক্তি ভাছার কোন নিয়ম ভল করিলে ভাছার ১০০০) টাকা পর্যান্ত জরিমানা হইতে পারিবে।

## (७) जन्मान्य क्लोब्नीय खरा विकय कवियात नारेटनक नियात विधि।

২৩। ৮ বিধির উদ্লিখিত স্ফোটনীয় দ্রব্য ছাড়া স্বন্য স্ফোটনীয় দ্রব্য বিক্রেয় করিবার লাইসেপ প্রেসিডেন্সী নগর ও উছার শাখানগরে পোলীসের ক্ষিপন্য সাহেব কর্তৃক, এবং স্বন্যত্ত জিলার মাজি-ফ্রেট সাহেব কর্তৃক উক্ত দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপ প্রাপ্ত ব্যক্তিকে প্রদন্ত ছইডে পারিবে।

२८। २७ विश्वियात्व व्याप्त व्याप्ताक नारेट्यामा क्या के विश्वयात व्याप्ता विश्वयात विश्ययात विश्वयात विष्ययात विष्ययात विष्ययात विष्ययात विष्ययात विष्ययात विष्ययात विष्ययात विष्ययात

২৫। ২০ বিধিমতে প্রদন্ত প্রত্যেক লাইসেন্স এতৎসংযুক্ত ভফ্নীলের  ${f F}$  চিষ্কিত কারমে প্রদন্ত হইবে এবং ঐ কারমের নির্দ্দিট নিয়মসমূহের অধীন হইবে।

২৬। যে সকল নিয়মের অধীনে ২৬ বিধিমত লাইসেপ প্রদন্ত হয় কোন ব্যক্তি তাহার কোন নিয়ম ভল করিলে, তাহার ৫০০) টাকা পর্য্যন্ত জরিমানা হইতে পারিবে।

## (চ) অভিরিক্ত বিধি।

২৭। এই বিধিতে নিম্নে যে কর্মচারিদের উল্লেখ করা হইল তাঁহারা যথাক্রমে পশ্চালিখিত ছানের মধ্যে নিম্নোক্ত কর্ম সকল করিবার ক্ষমতা প্রাপ্ত হইলেন।—

- (ক) ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের
  ৪ আইনক্রমে প্রদত্ত কোন লাইসেন্স অনুসারে
  যে কোন স্থান, গাড়ী বা জলযানে কোন ক্ষোটনীয়
  দ্রব্য প্রস্তুত করা, নিকটে রাখা, ব্যবহার করা
  বিক্রেয় করা, চালান করা বা আমদানী করা
  হইতেছে কিষা কোন ক্যোটনীয় দ্রব্য ঐ
  আইন কিষা ঐ আইনমত বিধি লঙ্খন করিয়া
  প্রস্তুত করা, নিকটে রাখা, ব্যবহার করা, বিক্রয়
  করা, চালান করা বা আমদানী করা হইয়াছে বা
  হইতেছে বলিয়া তাঁহাদের বিশ্বাস করিবার কারণ
  আছে সেই স্থান, গাড়ী বা জলযানে প্রবেশ
  করিবার ও তাহা দেখিবার ও পরীক্ষা করিবার।
- (খ) তাহার মধ্যে ক্ফোটনীয় দ্রব্যের জন্য তালাস করিবার।
- (গ) তাহার মধ্যে প্রাপ্ত কোন স্ফোটনীয় ডব্যের নমুনার যুল্য দিয়া তাহা গ্রহণ করিবার, এবং
- (ম্ব) তথায় প্রাপ্ত যে কোন ক্ফোটনীয় দ্রব্য সম্বন্ধে এরূপ বিশ্বাস করিবার কারণ থাকে যে উক্ত আইনের কিয়া উক্ত আইনমত বিধির বিধান লজ্মন করা হইয়াছে তাহা আপন বিবেচনানুসারে প্রত করি-বার, আটক করিবার, স্থানান্তরিত করিবার ও সর্বা-সাধারণের নিরাপন্তার নিমিত্ত আবশ্যক হইলে, নফ করিবার।

## श्न।

# কর্মচারী।

ইছাপুরের বারুদের কারখানার স্থারিন্টেণ্ডেন্ট। ইছাপুরের বারুদের কারখানার আসিফান্ট স্থারিন্টেণ্ডেন্ট।

আপন্থ জেলার মধ্যে আপন্থ এলাকার স্থানের মধ্যে। उनीरज।

সমস্ত জেলার মাজিফ্রেট। অন্তর্গত জেলার गाजित्छे छित्र अधीन সমস্ত মাজিফ্টেট। কলিকাতা নগরে ও সহর- কলিকাতার পুলিসের কমিশনর পুলিসের ক্যিশনর হইতে বিশেষমতে তদর্থে ক্ষমতাপ্ৰাপ্ত হইলে ইন্স্পে-क्टरतत भटनत निम्न भन्धांत्री ना হন এমন সমস্ত পুলিসের কর্মচারী।

# কিন্তু-

- (১) যখনই ইছাপুরের বারুদের কারখানার সুপারিণ্টেণ্ডেণ্ট বা আসিফাণ্ট স্থপারিণ্টেণ্ডেণ্ট কিম্বা জেলার মাজি-ক্টেটের অধীন কোন মাজিফ্রেট এরূপ কোন স্ফোট-নীয় দ্রব্য ধ্বত করেন, আটক করেন বা স্থানান্তরিত করেন তাঁহাকে তখনই ঐ বিষয় জেলার মাজিফ্রেটকে রিপোর্ট করিতে ছইবে, এবং
- (২) উক্ত কারখানার স্থপারিকেত্তেন্ট বা আসিফান্ট স্থপারি-ণ্টেণ্ডেণ্ট কিম্বা জেলার মাজিফ্রেটের অধীন কোন মাজিক্টেট অত্রে জেলার মাজিক্টেটের মঞ্জরি না হুইয়া এরপ কোন ক্ফোটনীয় দ্রব্য নফ করিবেন না।
- ২৮। কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেন্স-প্রাপ্ত কোন ব্যক্তি আপনার বারুদখানা বা লাইসেম্পপ্রাপ্ত প্রেমিস-সন্বন্ধে উক্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য দিয়া বিক্রয়ের নিমিত্ত বা স্থন্য কোন প্রয়োজনার্থ ছোট ছোট বন্দুক প্রভৃতির কোন টেটো পুরণ করেন বিশিয়া তাঁছাকে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার লাইসেন্স ইতে इक्टर ना।

কিন্তু তাঁহার নিম্নণিখিত ব্যবস্থাগুণি পাণন করিতে হইবে, অর্থাৎঃ—

- (১) যে ঘরে ইরূপ পূরণ কার্য্য চলিতেছে সেই ঘরে পাঁচ পোণ্ডের বেশী বারুদ কিন্তা অপর কোন ক্ফোটনীয় জব্যের যে পরিমাণ স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এতদর্থে নির্দ্দিষ্ট করেন সেই জব্যের সেই পরিমাণের বেশী থ'কিবে না। কিন্তু উহা লইয়া নির্বিদ্ধ টোটা প্রস্তুত করা হইনে থাকিতে পারিবে।
- (২) ঐরপ পূরণ কর্য্য চনিবার সময় টোটা প্রস্তুত করি-বার সহিত যাহার সংস্তব নাই এরূপ কোন কার্য্য ঐ ঘরে করা যাইবে না।
- (৩) ঐরপ পূরণ কার্য্য চিনিবার সময় ঐ ঘরে অ'গুন বা কোন প্রকার রুত্রিম আনো থাকিবে না। কিন্তু এরপ গঠন, অবস্থান বা রকমের আ'নো থাকিতে পারিবে যাহা হইতে অাগুন লাগিবার বা স্ফোটন হইবার কোন আশঙ্কা নাই।
- (8) যে ঘরে ঐ পুরণ কার্য্য চলে তাহা বারুদখানা হইতে পৃথক করা হইবে কি উহার খুব নিকট থাকিবে এবং বারুদখানা হইতে উহার যেরূপ দূর হইবার কথা লাইসেন্সদায়ী কর্তৃপক্ষ লাইসেন্সে লিখিয়া দেন তত দূরে হইবে। এবং
- (৫) দখী নকার লাইসেন্সদায়ী কর্ত্তপক্ষকে নুটিস দিবেন যে, এই বিধি অনুসারে টোটা যেরূপ পূর্ণ করিবার অনুমতি দেওয়া হইল তাঁহার তক্রপ পূর্ণ কার্য্য চানাইবার অভিপ্রায় আছে।

২৮ ক। কোন ক্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেন্স-প্রাপ্ত কোন ব্যক্তি আপনার বারুদখানা বা লাইসেন্স প্রাপ্ত প্রেমিস সম্বন্ধে টোটা পূর্ব করিয়া, চার্জ্জ প্রস্তুত করিয়া শুদ্ধ করিয়া, ঝাড়িয়া, লাগাইয়া দিয়া বা অন্য রক্ষে কেবলমাত্র আপন স্কড়ঙ্গে কিয়া খনিতে কিয়া আপনার চালান অথবা আপন কর্তৃত্বাধীন কোন খাদ বা ওয়ার্কে ব্যবহারার্থ উক্ত ক্ফোটনীয় দ্রব্য উপযোগী করেন বা প্রস্তুত করেন বলিয়া ভাঁহাকে ঐ ক্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার লাইসেন্স লইতে হইবে না।

কিন্তু তাঁহার নিম্নলিখিত ব্যবস্থাগুলি পালন করিতে হইবে, অর্থাৎঃ—

- (১) যে কারখানায় এরপ উপযোগীকরণ বা প্রস্তুতকরণ কার্য্য চলে তথ য় ২০০ পোণ্ডের বেশী বারুদ কিয়া অপর কোন ক্ফোটনীয় দ্রব্যের যে পরিমাণ স্থানীয় গবণমেণ্ট ভদর্থে নির্দ্ধিষ্ট করেন সেই দ্রব্যের সেই পরিমাণের বেশী থাকিবে না।
- (২) ঐরূপ উপযোগীকরণ বা প্রস্তুত করণ কার্য্য চলিবার সময় ঐ কার্য্যের সহিত যাহার সংব্রুব নাই এরূপ কোন কার্য্য উক্ত কার্স্থানায় করা যাইবে না।
- (৩) উক্ত কারখানা বারুদখানা হইতে পৃথক রাখা হইবে কিন্তু উহার খুব নিকটে থাকিবে এবং বারুদখানা হইতে উহার যেরূপ দূর হইবার কথা লাইসেন্সদ'য়ী কর্তৃপক্ষ লাইসেন্সে লিখিয়া দেন তত দূরে হইবে।
- (৪) এক প্রকার স্ফোটনীয় দ্রব্য পরিবর্ত্তিত করিয়া অন্য প্রকার স্ফোটনীয় দ্রব্য করা হইবে না ও উহা নফ বা বিশ্লিষ্ট করিয়া উহার উপাদান বাহির করা হইবে না। এবং
- (৫) দখীলকার লাইসেন্সদায়ী কর্ত্তৃপক্ষকে নুটিস দিবেন যে, এই বিধি অনুসারে যেরূপ উপযোগীকরণ বা প্রস্তুত করণ কার্য্যের অনুমতি দেওয়া হইল ভাঁহার তদ্ধপ কার্য্য চালাইবার অভিপ্রায় আছে।

ঘ। সাধারণ বিধি।

২৯। এই সকল বিধিমতে প্রদন্ত প্রত্যেক লাইসেপ যেং নিয়মাধীনে প্রদন্ত হয়, তাহার কোন নিয়ম লজ্জান হইলে ঐ লাইসেপ রহিত করা যাইতে পারিবে।

৩০। ক্ষোটনীয় দ্বব্য প্রস্তুত করিবার, নিকটে রাধিবার বা বিক্রয় করিবার লাইসেপপ্রাপ্ত কোন ব্যক্তির মৃত্যু ছইলে কি তিনি দেউলিয়া ছইলে কিছা মানসিক প্রায়ে অপারগ কি অন্য রকমে অক্ষম ছইয়া পড়িলে, উক্ত লাইসেপপ্রাপ্ত ব্যক্তির কর্ম যে ব্যক্তি চালান তাঁছার থ লাইসেপদায়া কর্ত্বপক্ষের নিকট মূল লাইসেপের অবলিট কাল থ লাইসেপক্রমে কার্য্য করণার্থে আপান নামে নৃতন লাইসেপ গাইবার নিমিত্ত দরখান্ত করিতে ছইলে যুক্তিসিদ্ধ যে কাল আবশ্যক সেই কালের জন্য কার্য্য চালা ইবার নিমিত্ত ক্ষেটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় (১৮৮৪ সালের ৪) আইনমতে কি থ আইনক্রমে প্রণীত বিধিমতে সম্পত্তি—দণ্ড বা অন্য কোন দণ্ড ছইতে পারিবে না। এক টাকা দি,ল থ নৃতন লাইসেপ দেওয়া যাইবে।

় ৩১'। এই সকল বিধিমতে যে কী আদার করা যাইবে তাহা "ছাপা করা ইটাশ" যোগে লওয়া যাইবে। লাইসেন্দ পাইবার কি লাইসেন্দ মৃতন করিয়া লইবার দরখান্ত, তৎসম্বন্ধে অন্য রক-মের বিধান না ইইয়া থাকিলে সাদা কাগজে লেখা যাইবে। তক্রপ লাইসেন্দ দিতে হইলে বা নৃতন করিয়া দিতে হইলে যে কী লওয়া যাইতে পারে দেই কীর ভূল্য মূল্যের "ছাপা করা ইটাশ্প" কাগজে লাইসেন্দগুলি লিখিতে হইবে।

- ৩২। ১২ বিধিমতে ক্ষোটনীয় জব্য প্রস্তুত্ত করিবার লাইদেন্দ কিল্লা ২১ বিধিমতে এম (কুলমিননেট) প্রেনীর কোন ক্ষোটনীয় জব্য নিকটে রাখিবার লাইদেন্দ ছাড়া অন্য সকল লাইদেন্দের মিয়াদ ষে বৎসরের জন্য ঐ লাইদেন্দ দেওয়া যায় সেই বৎসরের ৩১ ডিলেম্বর তারিখে কুরাইবে। ১২ ও ২১ বিধিমতে প্রদন্ত লাইদেন্দ ঐং লাইদেন্দের লিখিত মিয়াদের জন্য প্রবল থাকিবে। কিন্তু কোন লাইদেন্দের মিয়াদ অতীত হইবার পূর্কে দরখান্ত করা গেলে ও প্রথম বারের কি দিলে ঐ লাইদেন্দ নৃতন করিয়া নেওয়া যাইতে পারিবে। কিন্তু যদি ভাবগতিকের এরপ পরিবর্তন হইয়া খাকে যে আছন ও বিধি অস্থসারে নৃতন লাইদেন্দ দেওয়া যাইতে পারে ন। অথবা যদি লাইদেন্দাতা কর্ত্বপক্ষ লাইদেন্দ দিতে আপত্তি আছে বিবেচনা করেন তাহা হইলে উহা নৃতন করিয়া দেওয়া যাইবে ন।।
- ৩৩। এই সকল বিধিমতে প্র জ লাইসেন্স হারান গেলে কি দৈবাৎ নম্ভ হইলে লাইসেন্সপ্রাপ্ত ব্যক্তি॥॰ আট আনা ফা দিলে দোকর লাইসেন্স পাইতে পারিবেন।
- ৩৪। এই সকল বিধি অহসারে প্রদন্ত লাইসেন্দ্রধারী কি প্রদ্রপ লাইসেক্রমে কার্য্যকারী কোন ব্যক্তি, স্ফোটনীয় দেব্য সমুহের কোন ইন স্পেক্তির কোন মাজিক্রেট, কি পোলিস উপন্ত করিবের অধ্যক্ষ কি পোলিসের উর্দ্ধ্য তন পদধারী কোন পোলিসের কর্মচারী তাঁহার প্রতি প্র লাইসেন্দ্র উপন্থিত করিবের আদেশ করিলে, উহা উপন্থিত করিতে বাধ্য হইবেন।
- ৩৫। মাজিফ্রেটেরা কি অন্য যে কর্ত্বপক্ষেরা এই সকল বিধিক্রমে কার্য্য করেন ভাঁহাদিগকে আপনং শাসনসংক্রাম্ভ উপরিদ্ধ কর্ত্বপক্ষের ও ছান্ য় গবর্ণমেটের কর্ত্বভাধীনে আপন কর্ত্বত্য কর্ম সম্পাদন করিতে হইবে।
- ৩৬। পূর্ববর্ত্তী বিধিসমূহ অহুসারে লাইসেন্দ দিবার ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন কর্তৃপক্ষ উচিত বোধ করিলে লাইসেন্দের উপর লিখিত আজ্ঞা দিয়া ভারতবর্ষীয় অন্ত বিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমত উক্ত প্রকারের লাইসেন্দের ন্যায় ঐ লাইসেন্দ কলবৎ হইবে, এই আদেশ করিতে পারিবেন।
- ৩৭। যে ব্যক্তিরা ভারতবর্ষীয় অস্ত্র বিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনক্রমে কি ঐ আইনমতে প্রণীত বিধিক্রমে ঐ আইনের অর্থমত যুদ্ধোপকরণের মধ্যে গণ্য কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য আইনমতে রাখিতে পারেন তাঁহারা আপনং ব্যবহারার্থ যুক্তিযুক্ত পরিমাণে ঐরপ স্ফোটনীয় দ্রব্য এই সকল বিধিমতে লাইসেন্দ্র বিনা রাখিতে পারিবেন।

# তফসীল।

 $\mathbf{A}$ ফারম।

(৮ ধারা দেখ।)

इक्षाण्य त्यारग

টাকা ফী।

বাৰুদ কিন্তা ৬ষ্ট ( যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্তর্গত কিন্তা ৭ম ( আতসবাজি ) শ্রেণীর অন্তর্গত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করিবার, বিক্রয় করিবার ও নিকটে রাখিবার লাইসেন্স।

প্রেসিডেন্সী নগরে এবং উহার শাখানগরে পোলিসের কমিশনর সাহেব কর্তৃক এবং অন্যত্ত জিলার মাজিস্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদন্ত ।

লাইদেক প্রাপ্ত ব্যক্তির নাম প্রভৃতি ও বাসস্থান।	যে স্থানে ব্যবসা হয বা কৃষ্টি বা দোকান খাকে।	কোন এক সময়ে যত কোটনীয় জব্য বাথ। যাইবে তাহার সর্কাপেকা বেখী পরিষাণ।	বংসবের মধ্যে যাহ। প্রস্তুত করিতে হইবে তাহা কত ও কি প্রকারেব।	বংসবেব মধ্যে য'হা নিকটে রাখিতে ও বিক্রয় কবিতে হইবে তাহা কত ও কি প্রাকারেব।	ঘে তারিখে লাইদেন্দের থিয়াদ অতীত হয়।			
					১৮৯ সালের ৩১ ডিসেম্বর ।			
জিলা	<b>कि</b> ना			( ভা <del>ক</del> র । )				
<b>১৮৯ দাল</b>	Sit:	(श्रि ।	•	র	,			

## निश्च ।

- ১। এই লাইদেশ ক্লোটন য় জব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও ঐ আইন ক্রমে প্রনীত বিধির নিয়য়াধীনে দেওয়া গেল।
- ২। স্থানীয় গ্রন্থিকট সময়ে সময়ে যে কারমের আদেশ করেন লাইসে ল প্রাপ্ত ব্যক্তি লেই কারমে যত স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রস্তুত করা গোল, হাতে যত মেছিত থাকে এবং যত বিক্রয় হয় তাহার কাগজ্ঞপত্র ও হিলাব রাখিবেন।
- ৩। কোন মাজিক্টেট ষা ইনশ্সেট্ররের নিম্নপদস্থ নহেন এমন কোন পোলিদের কর্মচারী আদেশ করিলেই লাইনেন্স প্রাপ্ত ব্যক্তি তাঁ হাকে আপন মৌত্বত দ্রুরা এবং প্রস্তুত ও বিক্রয় সম্বন্ধীয় বহি দেখাইবেন।
- ৪। ক্ষোটনীয় বব্য কোন তাপুতে কিয়া কম মজবুত রূপে নির্মিত কোন বিশতিত্তের মধ্যে প্রস্তুত করিতে হইবে এবং ঐ স্থান কেবল মাত্র ঐ কার্য্যের জন্য ব্যবস্থত হইবে, এবং কোন বদত বাটী হইতে নিম্নলিখিত রূপ দূর থাকিবে।—
  - (ক) বারুদ **হইলে, ১০০** গজ,
  - (খ) ৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অথবা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর স্ফেট-নীয় দ্রব্য হইলে, ৫০ গজ।

এবং কোন বড় রাভা, ক্রীট, গ্রহ মুখ খোলা ব্রুমারনের পথ, কিয়া সাধারন ছান হইতেও
ঐ পরিমাণ দূর ছইবে। ছোট ছোট বন্দুক প্রভৃতির জন্য টোটা
পূরণ কার্য্য করিতে ছইলে, ঐ কার্য্য, যদি ভাল বিবেচনা করা
হয় তবে, কোন বিল্ডিণ্ডের উপরকার ঘরে করা যাইতে
পারিবে। কিন্তু যে ঘরে ঐ কার্ম্য চলিতেছে সেই ঘরে ফোটনীয় দ্রব্যের ৫ পোতের বেশী (নির্বিঘ্ টোটার মধ্যগত
ফোটনীয় দ্রব্য ছাড়া) থাকিবে না। অপর সকল হলেই প্রস্তুতকরণ
কার্য্য একটি একতালা বিল্ডিণ্ডে চালাইতে ছইবে।

- ৫। এই লাইসেপমত স্ফোটনায় দ্বর বিক্রয় কর। গেলে ঐ বিক্রয় কার্য্য লাইসেপের দিখিত বাটীতেই সম্পন্ন করিতে হইবে।
- ৬। ষাহাকে ১৩ বংলবের নৃংল বয়ক্ষ বলিয়া বোধ হয় এমন কোন ছেলেকে ক্লেটনীয় জবং বিক্রয় করা হইবে না।
- ৭। শাইসেশপ্রাপ্ত ব্যক্তির নিকট যে স্ফোটনীয় দ্রব্য থাকে তাহা স্থানীয় প্রবর্গনেট কর্ত্তক নির্দ্দিষ্ট কর্মচারির অনুনোদিত কোন শক্তরূপে নির্মিত এবং জ্বলনশীল নছে এমত বিলাভিঙ্কে রাখিতে হইবে অথবা কোন বসতবাটা, বড় রাভা, ইটা, গ্রই মুখ খোলা সাধারণের পথ বা সাধারণ ছান হইতে ৪ নং নিয়ামের নির্দ্দিষ্টমত দুরে অবস্থিত একটি দহনভয়রহিত সিন্দুকে রাখা বাইবে। ঐ সিন্দুক এরপে এম্বত ও বন্ধ করিতে হইবে যেন অহ্মতি প্রাপ্ত হয় নাই এমন শোকে উহার নিকট যাইতে না পারে এবং যেন বাহির হইতে উহার কোন বিপদ না হয় এমন করিয়া উহার কায়দা করা হয়।

কিন্ধু ৫০ পৌণ্ডের অনধিক পরিমাণ বাৰুদ কিন্ধা ঐরপে যাহা রক্ষিত হয় নাই এরপ বারুদের প্রতি পৌণ্ডের পরিবর্ত্তে ৬ট শ্রেণীর ১ম বিভাগের যুদ্ধোপকরণের অন্তর্গত ক্ষোটনীয় দ্রব্যের ২ পৌণ্ড অথবা ৭ম (আত্সবাজি) শ্রেণীর কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্যের ঐ পরিমাণ কোন বসতবাটীর মধ্যে কিন্ধা পূর্ব্বোক্তমত বিলভিত্ত ছাড়া অন্য বিলভিত্তের মধ্যে কেবল মাত্র ক্ষোটনীয় দ্রব্য রাধিব'র নিমিত্ত ব্যবস্থত কোন আধারে রাখা যাইতে পারিবে। আরও এই বিধান করা গেল যে ৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর প্রথম বিভাগের ক্ষোটনীয় দ্রব্য ছাড়া যে কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্যের আপনি জ্লিয়া উঠিবার উপায় আছে তাহা দহনভয়রহিত সিন্দুকে রাখা যাইবে না।

- ৮। স্ফোটনশীল বা অত্যন্ত জ্বলনশীল সমন্ত দ্রব্য বা পদার্থ প্র স্ফোটনীয় দ্রব্য হইতে এবং যে কোন হার বা বিলভিত্তের অংশ বা দহনভয়রহিত দিন্দুক বা আধারে ভহা থাকে তাহা হইতে এরপ দ্রে রাখিতে হইবে যাহাতে কোন বিপদাশকা না হয় এবং যে কোন ব্যক্তি ঐ ঘর বা বিলভিত্তের অংশ বা দিন্দুক বা আধারে প্রবেশ করে তাহার নিকটি বা তাহার বুট বা জুতা সংলগু বা বুট বা জুতায় কোন লোহা বা ইস্পাত থাকিবে না।
- ১। যে বিলডিও কেবল স্ফোটনীয় দ্বব্য প্রস্তুত করিবার বা রাখিবার জন্য ব্যবহৃত হয় তাহার কিয়া দহনভয়রহিত সিম্পুকের কিয়া আধারে ভিতরদিকে প্রস্তুত করিবার জন্য প্রস্তুত করিবার জন্য প্রয়োজনীয় কল কারখানা ভিন্ন কোন লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়া থাকিবে না।
- ১০। ৬ট (যুদ্দোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিম্বা ৭ম (আতদবাজি) শ্রেণীর ২য় বিভাগের অন্তর্গত ৫ পৌণ্ডের অধিক পরিমিত সমস্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য এবং ১ পৌণ্ডের অধিক পরিমিত অন্য সকল স্ফোটনীয় দ্রব্য শব্দ বাল্ল, থলিয়া, কানেস্তারা বা অন্য আধারে রাধিতে হইবে। ঐ বাল্ল প্রভৃতি এরপে নির্মাণ ও বদ্ধ করিতে হইবে যে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য তাহার ভিতর হইতে বাহিরে আদিতে না পারে। এবং উক্ত দ্রব্য যদি সাধারণের নিকট বিক্রয়ার্থ প্রদর্শিত হয় বা বিক্রীত হয় তাহা হইলে উক্ত দ্রব্য থাকিবার বাহিরের আধারের উপর বড়ং অক্ষরে ছেকা দিয়া কিম্বা শক্ত করিয়া লাগান লেবেল বা অপর মার্কা দিয়া উক্ত স্ফোটনীয় দ্রব্যের নাম লাগাইয়া দিতে হইবে।
- ১১। এই লাইসেন্দমতে যে প্রভ্যেক প্রকার ক্ষোটনায় দ্রব্য রাখা যাইতে পারে ভাহার ও ঔরপ অন্য দ্রব্যের মধ্যে এরপ ও এমন পদার্থের ব্যবধান থাকিবে অথবা এরপ ফাঁক থাকি ব ৰাহাতে ঔরপ একটা ক্ষোটনীয় দ্রব্যে অগ্নি লাগিলে বা ক্ষোটন ঘটলে ভাহা অপরটিতে সংক্রামিত হইতে না পারে।—
  . কিন্তু এক শ্রেণীর ক্ষোটনীয় দ্রব্য সকল একতা রাখা যাইতে পারিবে এবং বারুদ নির্বিশ্বকর পলিভার সহিত রাখা যাইতে পারিবে।
- ১২। \* শাইনেশপ্রাপ্ত ব্যক্তি ভারতবর্ষীয় অন্ত বিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমতে প্রণীত বিধির ১১ বিধির আদেশাস্থসারে আপন দোকান বা ব্যবসায় স্থানে একটা সাইনবোর্ড লাগাইয়া দিবেন। ও আপন দোকানে ঔ আইনের ২৮ ধারার একধানি নকল লটকাইয়া দিবেন।
- ১৩। \* দাইসেপ্সপ্রাপ্ত ব্যক্তি ভারতবর্ষীয় অন্তবিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমতে নির্দ্দিষ্ট কারবের ৮ বা ৯ নং কারম অহ্যায়িক শাইসেপ্যারী প্রত্যেক ক্রেভার লাইসেপ্য ক্রয় করিবার সময়ে নিম্নলিখিত ক্ষাপ্তলি পৃষ্টালিপি করিয়া দিবেন ঃ—
  - (ক) বিক্রীত দ্রব্য ষাহাকে অর্পণ কর। যায় সেই ব্যক্তির নাম ও ঠিকানা।
  - (খ) বিক্রীত দ্রব্যের প্রকৃতি ও পরিমাণ।
  - (গ) বিক্রয়ের তারিখ।

এবং ঐ পৃষ্ঠলিপিতে আপনার স্বাক্ষর সংযোগ করিবেন।

<sup>—</sup> লাইদেশদাতা কর্ত্যক লাইদেশের উপর লিখিত আক্ষাক্রমে যদি এরপ আদেশ করেন যে, এই লাইদেশ ভারতন্তীয় অস্ত্র বিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইমতে প্রদন্ত ঐরপ লাইদেশের ন্যায় ফলবৎ ছইবে তাভা ছইলেই কেবল এই নিয়মগুলি দ্যাগ কণিয়া দিতে ছইবে।

## B ফারম।

(৮ খারা দেখ।)

ইফ্টাম্প যোগে

টাকা ফী।

বারুদ কিয়া ৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্ত-র্গত কি ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর অন্তর্গত কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য বিক্রেয় করিবার ও নিকটে রাখিবার লাইসেন্স।

প্রেসিডেন্সী নগরে এবং উহার শাখানগরের পোলীসের কমি-শনর সাহেব কর্তৃক এবং অন্যত্র জিলার মাজিষ্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদন্ত।

লাইদেক প্রাপ্ত ব্যক্তির মাম প্রভৃতি ও বাসস্থান।	যে জ্বানে ব্যবসায় হয় বা কুঠি বা দোক'ন থাকে।	কোটনীয় জব্য রাখ। যাই <b>বে</b> তাহার	বৎসরের মধ্যে যে ক্ষোটনীয় অব। নিকটে রাশিতে ও বিক্রম ।করিকে হইবে তাহা ,কত ও কি একারের।	যে ভারি <b>ংখ লাইদে</b> ন্দের মিঘা <b>দ অতীভ</b> হয়।
				১৮৯ সালের ৩১ ডিসেম্বর।
জিলা ১৮৯ সাল তাং	}	যে¦ছর। — নিয়ম।	(স্থাক্ষ র	न्त ।)

- ১। এই লাইদেশ ক্ষোটনীয় দ্ব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও ঐ আইন ক্রমে প্রণীত বিধির নিয়মাধীনে দেওয়া গেল।
- ২। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সময়েং যে কারমের আদেশ করেন লাইসেপাপ্রাপ্ত ব্যক্তি সেই কারমে যত স্থোটনীয় দ্রব্য হাতে মৌজুদ থাকে এবং যত বিক্রয় হয় তাহার কাগজপাত্র ও হিদাব রাখিবেন।
- ৩। কোন মাজিস্টেট বা ইন্স্টেরের নিম্নপদস্থ নহেন এমন কোন পোলিসের কর্মচারী আদেশ করিলেই লাইসেন্সপ্রাপ্ত ব্যক্তি তাঁহাকে আপন মেছিদ দ্রবা এবং বিক্রয় সম্বন্ধীয় বহী ও কাগজপত্র দেখাইবেন।
- ৪। এই লাইসেপ্সমত স্ফোটনীয় দ্রব্য বিক্রন্ন করা গেলে ঐ বিক্রম কার্য্য লাইসেপ্সের লিখিত বাটীতে সম্পন্ন করিতে হইবে।
- ৫। যাহাকে ১৩ বৎসরের ন্যুন বয়ক্ষ বলিয়া বোধ হয় এমন কোন ছেলেকে ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিক্রম করা ছইবে না।
- ৬। স্ফোটনীয় দ্রব্য স্থানীয় গ্রব্থেক কর্ত্ত নির্দ্দিষ্ট কর্মচারির অনুমোদিত কোন শক্তমণে নির্দ্ধিত ও জ্বলনশীল নহে এমত বিল্ভিঙ রাখিতে হইবে অথবা কোন বসত্বাটী, বড় রাভা, ফ্রীট, হই মুখ খোলা সাধারণের পথ, বা সাধারণ স্থান হইতে নির্দ্দিষ্টমত দূরে \* অবস্থিত একটা দহনভন্মরহিত

৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিয়া ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর স্ফোটনীয় দ্রব্য হইলে, ৫০ গজ।

<sup>\*</sup> বারুদ হইলে, ১০০ গজ।

সিম্পুকে রাখা যাইবে। ঐ সিম্পুক এরপে শ্রস্তুত ও বন্ধ করিতে হইবে যেন অন্ন্যতি প্রাপ্ত হয় নাই এমন লোক উহার নিকট বাইতে না পারে ও যেন বাহির হইতে উহার কোন বিপদ না হয় এমন করিয়া উহার কায়দা করা হয়।

কিন্ত ৫০ পৌণ্ডের অন্ধিক পরিমাণ বারুদ কিন্তা ঐরপে যাহা রক্ষিত হয় নাই এরপ বারুদের প্রতি পৌণ্ডের পরিবর্ত্তে ৬ প্র প্রোনার ১ম বিভাগের (মুদ্ধোপকরণের) অন্তর্গত স্ফোটনীয় দ্রব্যের ২ পৌণ্ড অথবা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর কোন স্ফোটনীয় দ্রব্যের ঐ পরিমাণ কোন বসতবাটীর মধ্যে কিন্তা পুর্ব্বোক্তমত বিল্ডিঙ ছাড়া অন্য বিল্ডিঙের মধ্যে কেবলমাত্র স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার নিমিত্তে ব্যবহৃত কোন আধারে রাখা যাইতে পারিবে।

আরও এই বিধান করা গেশ যে ৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভা-গের অন্তর্গত স্ফে'টনীয় দ্রব্য ছাড়া যাহার অ'পনি জ্বলিয়া উঠিবার উপায় অছে এমন অন্য কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য দহনভয়গ্রহিত সিন্দুকে রাখিতে হইবে না।

৭। ক্ষেটনীয় বা আশুল্বনশীলভাবের বস্তু বা পদার্থ সকল ঐ ক্ষোটনীয় দ্বব্য হইতে এবং
যে গৃহ্নে বা বিল্ডিভের অংশে দহনভয়রহিত দিদুক বা আধারে উহা থাকে তাহা হইতে
এরপ দুরে রাখিতে হইবে যাহাতে কোন বিপদ ঘটতে না পারে এবং যে কেই সেই
গৃহে বা বিলডিভের অংশে অথবা দহনভয়রহিত দিন্দুকে বা
অধারে প্রবেশ করেন তিনি কোন লোহ বা ইম্পাত নিকটে
রাখিতে পারিবেন না বা উহার জুতা বা বুটের উপরে বা জুভায়
বা বুটে উহা সংলগু থাকিবে না।

৮। যে বিল্ডিঙ কেবলমাত্র স্ফোটনায় জব্য রাখিবার জন ব্যবস্থত হয় তাহার কিপ্না উপারলিখিত দহনভয়রহিত সিন্দুকের কিপ্না আধ্বরের ভিতরদিকে কোন লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়। পাকিবে না।

- ১। ৬ ঠ (যুদ্ধোপিকরণ শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিয়া ৭ম (আতসবাজি) শ্রার ২য় বিভাগের অন্তর্গত ৫ পোডের অধিক পরিমিত সমস্ত ক্ষোটনায় দ্রব্য এবং ১ পোডের অধিক পরিমিত অন্য সকল ক্ষোটনায় ছবা শক্ত বায়, থলিয়া, কানেস্তারা বা অন্য আধারে রাজিতে হইবে। ঐ বাজা শ্রন্থতি এরপে নির্মাণ ও বন্ধ করিতে হইবে যে ঐ ক্ষোটনায় দ্রব্য তাহার ভিতর হইতে বাহিরে আসিতে না পারে। এবং উক্ত দ্রব্য যদি সাধারণের নিকটে বিক্যার্থে প্রশ্বিত হয় বা বিক্তাত হয় তাহাইলে উক্ত দ্রব্য থাকিবার বাহিরের আধারের উপার বড়ং অক্ষরে ছেঁকা দিয়া কিয়া শক্ত করিয়া লাগান লেবেল বা অপার মার্কা দিয়া উক্ত ক্ষোটনীয় দ্রব্যের নাম লাগাইয়া দিতে হইবে।
- ১০। এই লাইদেশমতে যে প্রত্যেক প্রকার ক্ষোটনীয় দ্রব্য রাখা যাইতে পারে তাহার ও এরপ অন্য দ্রব্যের মধ্যে এরপ ও এমন পদার্থের ব্যবধান থাকিবে অথবা এরপ ফাঁক থাকিবে যাহাতে এরপ একটা ক্ষোটনীয় দ্রব্যে প্রত্যা প্রত্যালিল বা ক্ষোটন ঘটলে তাহা অপরটিতে সংক্রামিত হইতে ন পারে। কিন্তু একই শ্রোলীয় স্ফোটনীয় দ্রব্য সকল একত্র রাখা যাইতে পারিবে এবং নির্বিদ্বকর পলিতার সহিত বারুদ রাখা যাইতে পারিবে।
- ১১। \* লাইসে সঞাপ্ত ৰাজ্জি ভারতবর্ষীয় অন্ত বিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমতে প্রণাত বিধির ১১ বিধির আদেশ অসুসারে আপন দোকান বা ব্যবসায় স্থানে একটা সাইনবোর্ড লাগাইয়। দিবেন ও আপন দোকানে ঐ আইনের ২৮ ধারার একখানি নকল লটকাইয়া দিবেন।
- ১২। শাইসেপপ্রপ্ত ব্যক্তি ভারতবর্ষীয় অন্তবিষয়ক ১৮৭৮ সালের ১১ আইনমতে নিদ্ধিষ্ট কারমের ৮ বা ৯ নং কারম অন্থায়িক লাইসেপেধারী প্রত্যেক ক্রেভার লাইসেপে ক্রয় করিবার সময়ে নিম্নলিখিত কথাগুলি পৃষ্টলিপি করিয়া দিবেন।—
  - क) विक्रीड प्रवा यांशारक अर्पन करा यात्र मिह वाकित नाम ७ ठिकाना ।

শাইবেক্সদাতা কর্তৃপক্ষ লাইলেকে উপার লিখিত আ জাক্রমে মাল এরপ আছেল ক্রেন যে এই লাইলেক ভারতবর্ষীয় অপ্রতিব্যাক ১৮৭৮ সালের ১৮ আ নিমতে প্রতিপ্র ঐরপ পাশের জিলার নায়ে ক্লেবং ইউরে ও জাত ক্রেন এই নিম্মত লা যাগ্র ক্রিয়া দিকে হাইরে।

- (খ) বিক্রীত দ্রব্যের প্রকৃতি ও পরি**মাণ**।
- (গ) বিক্রমের তারিখ।

এবং ঐ পৃষ্ঠলিপিতে আপনার স্বাক্ষর সংযোগ করিবেন।

C ফারম।

( ४ थाता (मर्थ । )

ইফ্টাম্প যোগে॥ আনা ফী।

বারুদ কিয়া ৬ৡ ' যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্তর্গত কিয়া ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর অন্তর্গত কোন স্ফোটনায় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপ।

কোন প্রেসিডেন্দ্রী নগরে এবং উহার শাখানগর সমূহে পোলিসের কমিশনর সাহেব কর্তৃক এবং অন্যত্র জিলার মাজিষ্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদক্ত।

লাইদেকপ্ৰাপ্ত ব্যক্তিব নাম প্ৰভৃতি ও বাসস্থান :	বৎসাদেব মধ্যে যে স্ফোট- দীয় প্রবঃ নিকটে বাঝিতে হ বে তাহা কত ও (♦ প্রাকাবেব।	যে <b>শ্ব'নে</b> শ্কোটনীয় জব্য নিকটে রাখা খাইবে ও তাহার সম্পূর্ণ বিবরণ।	কোন এক সময়ে যত ক্ষোটনীয় স্কব্য রাখিতে পারিধে তাহার সর্বা- পেকা বেশী পরিমাণ।	যে তারিখে লাইদেকের শিয়াদ অতীত হয়।
,				১৮৯ সালের ৩১শে ডিসেম্বর।
জিলা ১৮ <b>৯ সাল</b> তাং	(মাছর)		(স্বাক্ষর) র	
		নিয়ম।		

- ১। এই লাইলেকা ক্লোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ লালের ৪ আইনের ও ঐ আইনক্রমে প্রনীত বিধির নিয়মাধীনে দওয়া গেল।
- ং। স্ফোটনীয় দ্বব্য স্থানীয় গ্রবর্গনের কর্তুক নির্দিষ্ট কর্মচারির অনুমোদিত কোন শক্তরণে নির্দ্ধিত এবং জ্বানশীল নহে এমন বিলডিডের
  মধ্যে রাখিতে হইবে অথবা কোন বসত বাটী, বড় রাভা, ফ্রাট, হই মুখ খোলা দাধারন্ধের পথ কিল্লা দাধারণের ছান হইতে নির্দিট্ট মৃত দুরে " অবছিত একটি দহনভয়রছিত
  দিন্দুকে রাখা ঘাইবে এবং উহা এরপে নির্দিত ও বদ্ধ হইবে হেন্ যে ব্যক্তিরা অহ্মতিপ্রাপ্ত
  হন নাই তাহারা উহার নিকটে যাইতে না পারেন ও যেন বাহির হইতে উহার কোন বিপদ সম্ভাবনা
  না থাকে।

<sup>\*</sup> বারুদ হইলে ১০০ গজ। ৬৯ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অথবা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর ক্ষোটনীয় দ্রব্য হইলে, ৫০ গজ।

কিন্ত ৫০ পৌণ্ডের অনধিক পরিমাণ বারুদ কিন্তা ঐরপে যাহা রক্ষিত হয় নাই এরপ বারুদের প্রতি পৌণ্ডের পরিবর্তে ৬ ঠ শ্রেণীর ১ম বিভাগের (মুদ্ধোপকরণের) অন্তর্গত ক্ষোটনীয় ক্রব্যের ২ পৌণ্ড অধবা ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর কোন ক্ষোটনীয় ক্রব্যের ঐ পরিমাণ কোন বসত বাটীর মধ্যে কিন্তা পূর্ব্বোক্তমত বিল্ডিঙ ছাড়া অন্য বিল্ডিঙের মধ্যে কেবলমাত্র ক্ষেটনীয় ক্রব্য রাখিবার নিমিত্তে ব্যবস্থত কোন আধারে রাখা যাইতে পারিবে।

আরও এই বিধান করা গোল যে ৬ষ্ঠ (মৃদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের অন্তর্গত ক্ষোটনীয় দ্রব্য ছাড়া যাহার আপনি জ্বলিয়া উঠিবার উপায় আছে এমন অন্য কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্য দহনভয়-রহিত সিন্দুকে রাখিতে হইবে ন।।

- ০। ক্ষোটনীয় বা আশুজ্বলনশীল ভাবের বস্তু বা পদার্থ দকল ঐ ক্ষোটনীয় দ্রব্য হইতে এবং

  যে গৃহে বা বিল্ডিঙের অংশে, দহনভয়রহিত দিলুক বা আধারে উহা থাকে তাহা হইতে
  এরপ দ্রে রাখিতে হইবে ষাহাতে কোন বিপদ ঘটিতে না পারে এবং যে কেহ সেই গৃহে
  বা ইমারতের অংশে অথবা দহনভয়রহিত দিলুকে বা আধারে
  প্রবেশ করেন তিনি কে'ন লোহ বা ইম্পাত নিকটে রাখিতে
  পারিবেন'না বা তাঁহার জুতা বা বুটের উপরে বা জুতায় বা বুটে
  উহা সংলগু থাকিবে না।
- 8। যে বিল্ডিও কেবল মাত্র স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার জন্য ব্যবস্থত হয় তাহার উপরি লিখিও দহনভয়রহিত সিন্দুকের কিন্তা আধারের ভিতর দিকে কোন লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়া থাকিবে না।
- ৫। ৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের কিম্বা ৭ম (আত্রপবাজি) শ্রেণীর ২য় বিভাগের অন্তর্গত ৫পোডের অধিক পরিমিত সমস্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য এবং ১ পোডের অধিক পরিমিত অন্য সকল স্ফোটনীয় দ্রব্য শক্ত বাক্স, থলিয়া, কানেস্তারা বা অন্য আধারে রাধিতে হইবে। ঐ বাক্স প্রভৃতি এরপে নির্মাণ ও বদ্ধ করিতে হইবে যে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য তাহার ভিতর হইতে বাহিরে আসিডে না পারে।
- ৬। এই লাইসেপ্সতে যে প্রত্যেক প্রকার ক্ষেটিনীয় দ্রব্য রাখা যাইতে পারে ভাহার ও ঐরপ অন্য দ্রব্যের মধ্যে এরপ ও এমন পদার্থের ব্যবধান থাকিবে অথবা এরপ ক'কে থাকিবে যাহাতে ঐরপ একটা ক্ষেটিনীয় দ্রব্যে অগ্নি লাগিলে বা ক্ষেটন ঘটিলে, ভাহা অপরটীতে সংক্রামিত হইতে না পারে।
  কিন্তু একই শ্রেণীর ক্ষ্ণোটনীয় দ্রব্য সকল একত্র রাখা য ইতে পারিবে এবং নির্বিঘুকর পলিতার সহিত ব্যক্তির রাখা যাইতে পারিবে।
- ৭। লাইসেপ-প্রাপ্ত ব্যক্তি ক্রয় করিবার সময়ে যে বিক্রেতার স্থানে ক্রয় করেন তৎকর্তৃক ও তাঁছার স্বাক্ষরক্রমে আপন লাইসেপ্সে নিম্নলিখিত ক্থাগুলি পৃষ্টলিপি করাইয়া লইবেন।—
  - কৃত দ্রব্য যাঁহাকে অর্পণ করা যায় সেই ব্যক্তির নাম ও ঠিকানা।
  - (খ) ক্রীভ দ্রব্যের প্রকৃতি ও পরিমাণ।
  - (গ) ক্রয়ের তারিখ।

# কারম। (১৪ ধারা দেখ।)

हेका शाद्यार्ग क, **टोका** की ।

## স্ফোটনীয় দ্রব্য নিকটে রাখিবার লাইসেপ ।

প্রেসিডেন্দী নগরে এবং উহার শাখানগর সমূহে পোলীদের কমিশনর সাহেব বর্ত্ত্ব এবং অন্যত্ত জিলার মাজিস্টেট সাহেব কর্ত্ত্ব প্রদত্ত ।

লাইদেক প্রাপ্ত ব্যক্তিব নাম প্রভৃতি ও ব'সস্কান।	ন্যবসায়ের বা দে।ক।- নেব জ্ঞান ।	ट्य ९ काटनन टक्कांटे- सीग्र खदा ।	কল এক সময় যত কোট- নীয় ভ্ৰন্য (৬০ পৌত্তেব স্মধিক না হয়) রাশ: যাইবে তাহার সাধী শেক্ষা বেশী পরিমাণ।	যে ভারিখে লাইলেকেব মিয়াদ অতীত হয়।
জিলা ১৮৯ সাল তা	}	(মাহর ।	(স্বাস	 দুর)
		নিয়ম ।		

- ১। এই লাইসেপ ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও ঐ আইনক্রমে প্রনীত বিধির নিয়মাধীনে দেওগা গেল।
- ২। ক্ষেটিনীয় দ্ব্য শক্তরপে নির্মিত বিল্ডিঙের মধ্যে রাখিতে হইবে, ঐ বিল্ডিঙ কেবলমাত্র ঐ কার্য্যের জন্য ব্যবহৃত হইবে এবং বসতবাটী হইতে পৃথক থাকিবে। উহা বড় রাস্তা, জীট, ছই মুখ খোলা সাধারণের পথ কিম্বা সাধারণের স্থান হইতে এরপ দুরে অবস্থিত হইবে যাহাতে কোন বিপদ ঘটিতে না পারে এবং উহা এরপে নির্মিত ওবদ্ধ হইবে যেন যে ব্যক্তিরা অমুমতি প্রাপ্ত হন নাই তাঁহারা উহার নিকটে যাইতে না পারেন ও যেন বাহির হইতে উহার কোন বিপদ সম্ভাবনা না থাকে।

কিন্তু ১৫ পৌণ্ডের অনধিক পরিমাণ ঐরপ কোন স্ফোটনীয় দ্রব্য পূর্বোক্তমত বিল্ডিও ছাড়া অন্য বিল্ডিঙের মধ্যে কেবলমাত্র স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার নিমিত্তে ব্যবস্থত কোন আধারে রাখা ঘাইতে পারিবে।

- ৩। স্ফোটনীয় বা আশুলনশীল ভাবের বস্তু বা পাদার্থ সকল ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য হইতে এবং যে বিল্ডিঙ বা আধারে উহা থাকে তাহা হইতে এরপ দুরে রাখিতে হইবে যাহাতে কোন বিপদ ঘটিতে না পারে।
- ৪ । যে বিল্ডিও কেবল মাত্র স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার জন্য ব্যবহৃত হয় তাহার কিন্তা আধারের ভিতরদিকে কোন লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়া থাকিবে না ।
- ৫। ১ পৌণ্ডের অধিক পরিমিত ঐরপ দকল স্ফোটনীয় দ্রব্য শক্ত বাল্ল, ধলিয়া, কানেস্তারা বা অন্য আধারে রাখিতে হইবে। ঐ বাল্ল প্রভৃতি এরপে নির্মাণ ও বদ্ধ করিছে হইবে যে ঐ স্ফোটনীয় দ্রব্য তাহার ভিতর হইতে বাহিরে আদিতে না পারে।
- ৬। এই লাইসেন্সমতে যে প্রত্যেক প্রকার স্ফোটনীয় দ্রব্য আইনমন্তে রাখা যাইতে পারে ভাহার ও ঐরপা অন্য দ্রব্যের মধ্যে এরপা ও এমন কোন পাদার্থের ব্যবধান থাকিবে অথবা এরপা কাক ধাকিবে যাহাতে ঐরপা একটা স্ফোটনায় দ্রব্যে অগ্নি লাগিলে বা স্ফোটন ঘটিলে ভাহা অপার্টিভে কোন মতেই সংক্রামিত হইতে না পারে।
- ৭। লাইদেপার্থার্থ ব্যক্তি ক্রম করিবার সময়ে যে বিক্রেডার স্থানে ক্রম করেন তৎকর্ত্ব ও শুকার আক্ররতমে আপন লাইদেশে নিম্নলিখিত বিশেষ বিবরণগুলি পৃষ্ঠলিপি করাইয়া লইবেন —
  - (ক) ক্রীত **স্তব্য য**াঁছাকে অর্পণ করা যায় সেই ব্যক্তির নাম ও ঠিকান।।
  - (খ) ক্রীত **দ্রব্যের প্রকৃতি** ও পরিমাণ।
  - (গ) ক্রারে তারিখ<sub>।</sub>

৮। লাইসেন্সধারী ক্ফোটনীয় দ্রব্য প্রাপ্তির ও বাহির করিয়া দিবার একখানি রেজিফুরী রাখিবেন। উহাতে নিম্নলিখিত বিষয়গুলি লেখা থাকিবেঃ—

# প্রাপ্তির স্থলে—

- (ক) প্রাপ্তির তারিখ।
- (খ) যে যে ব্যক্তির নিকট হইতে পাওয়া গেল তাঁহাদের নাম ও ঠিকানা।
- (গ) যে প্রকারের ক্ফোটনীয় দ্রব্য পাওয়া গেল।
- (ষ) যে পরিমাণ পাওয়া গেল। বাহির করিয়া দিবার স্থলে—
- (ক) বাহির করিয়া দিবার ভারিখ।
- (খ) যে ব্যক্তিকে বাহির করিয়া দেওয়া গেল তাঁহার নাম ও ঠিকানা।
- (গ) যে প্রকারের ক্ষেটিনীয় দ্রব্য বাছির করিয়া দেওয়া গেল।
- (ঘ) যে পরিমাণ বাহির করিয়া দেওয়া গেল।

## E. ফারম।

( ১৭ বিধি দেখ। )

ইফাম্প যোগে ২০, টাকা ফী

**ट्यांग्रेनीय ज्ञवा निकटंग्रे दारि**वाद ना**रेटन** ।

স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কর্তৃক প্রদত্ত।

লাইদেক প্রাপ্ত ব্যক্তির নাম ও বাসন্থান ৷	বে বারুদধানা সম্বন্ধে লাইসেজ ধাটে ভাষা ধাকিবাব ভার্মার চতুঃসীমা।	বাকদধানা সংক্রান্ত বিজড়িত ও ওয়ার্কের অবস্থান, ভাব ও নির্মাণপ্রণাঞী।	যে প্রকাবের ক্ষোটনীয় দ্রব্য রাশিতে হইবে তাহা।	বাকদশানাব মধ্যে ও ভাহাব থাকিবাব ভাযগাব চতুঃদীমাব মধ্যে এক কালে যে প্ৰিমাণ কোটনীয ডব্যু বাশা যাইবে।	যে তাৰিখে লা <b>ই</b> দেচ <b>ল</b> ৰ মিয়াদ অতীত হয়।
জিলা ১৮৯ দাল	জাং	মোহর।		( স্থাকর ) ব	

## লিয়ম।

- ১। এই লাইদেশ স্ফোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও ঐ আইনক্রমে প্রণীত বিধির নিয়মাধীনে প্রদন্ত হইল।
- ২। লাইসেন্সে যে পরিমাণ স্ফোটনীয় দ্রুব্যের উল্লেখ আছে বারুদখানার এক কালে ভাছার অধিক পরিমাণ স্ফোটনীয় দ্রুব্য থাকিবে না।
- ৩। লাইসেন্সের নির্দ্ধিষ্ট স্ফোটনীয় দ্রব্য বা দ্রব্য সমূহ, তাহাদের আধারপাত্র এবং সেই সমস্ত স্ফোটনীয় দ্রব্য রাখিবার জন্য যে সকল হাতিয়ার ও যন্ত্রাদির শ্রয়োজন, কেবল তাহাই রাখিবার জন্য বাকদখানা ব্যবস্থুত চইবে।
- ৪। বারুদখানার অভ্যন্তর ভাগ ও তথাকার বেঞ্চ, আলমারি এবং অন্যান্য সরঞ্জাম এরপে নির্মাণ করিতে ছইবে অথবা মুড়িতে বা আরত করিতে ছইবে যে কোন স্থানে লোহা বা ইম্পাভ বাহির ছইয়া না থাকে, এবং কোনরপ কাকর, লোহা, ইম্পাভ অথবা ভদ্রপ কোন পদার্থ এরপ ভাবে পৃথক হইয়া না পড়ে যাহাতে কোননায় দ্রব্যের সহিত ভাহাদের সংস্পূর্ণ ঘটিতে পারে। ঐ অভ্যন্তর ভাগ বেঞ্চ, আলমারী এবং সরঞ্জাম যুক্তেযুক্ত রূপে যভদূর সন্ভব কাঁকরশূন্য করিয়া রক্ষা করিতে ছইবে এবং অন্য প্রকারেও পরিকার রাখিতে ছইবে। যদি জলসংযোগে বিপজ্জনক ছইয়া উঠে এরপ কোন ক্যোটনায় দ্রব্য রাখিবার কথা থাকে ভাহা ছইলে ঐ দ্রব্যে যাহাতে জল না লাগিতে পারে ভজ্জন্য যথারীতি সাবধান ছইতে ছইবে।
- ে বাৰুদ্ধানায় উপযুক্তমত বিহাত পরিচালক দণ্ড সংযুক্ত করিতে হইবে, এবং তাহা বৎ-সরে অন্ততঃ একবার করিয়া পরীক্ষা করিতে হইবে।
- ৬। বারুদথানা অথবা কেনে ঘরের কে ন অংশ বা অংশে মেরামত করিবার পূর্কে, যতদুর সম্ভব সমস্ত শ্যেটিনায় দ্রব্য অথবা ভাষার মিশ্রিত উপকরণাদি সরাইয়া উহাকে পরিক্ষার করিতে হইবে এবং ঐ ঘব বা ভাষার অংশ সম্পূর্ণরূপে খোয়াইতে হইবে। এই রূপে খোয়াইবার পার স্ফোটনায় দ্রব্য যভক্ষণ আবার ঐ ঘরে বা বারুদখানার অংশে লংয়া না যাওয়া হয় তভক্ষণ এই সকল নিয়ম খাটিবে না।
- ৭। এইরপে ধোয়াইবার পার ভিন্ন বাকদখানার কোন অংশের মধ্যে অথবা উহার মেরামতের জন্য যে দকল হাতিয়ার বা যন্ত্রান্দর ব্যবহার করিতে হইবে ভাহা কেবল কাষ্ট্র, ভামা, পিতল অথবা অন্য কোমল ধাতু বা পদার্থে নির্মাত কিম্বা কোন নিরাপদ এবং উপযুক্ত পদার্থে আচ্ছাদিত হওয়া আবশ্যক।
- ৮। পকেটশ্ন্য উপযুক্ত কারিকরের কাপড় অথবা উপযুক্ত জুতা ব্যবহার করিয়া ও ঝাড়া দিয়া বা অন্য প্রকারে অথবা যে কোন উপায় ওবলন্ধন করিয়া বাৰুদখানার মধ্যে অগ্নি, বিলাতি দেসলাই, অথবা যে কোন দ্রব্য বা পদার্থে স্ফোটন বা অগ্নি উৎপত্তি হওয়া সম্ভব তাহা, অথবা লোহা, ইস্পাত বা কাকর আন্য়ন বন্ধ করিবার জন্য বিহিত বিধান করিতে হইবে। কিন্তু যে ক্লতিম আলোকের নির্মাণ প্রণালা, অবস্থান, ও প্রক্লতি বিবেচনায় অগ্নি বা স্ফোটনজনিত বিপদের সম্ভাবনা নাই, এই বিধি দারা সেরপ আলোক আনয়ন রহিত করা হইবে না।
  - বাৰুদখানার কোন অংশে কেই ধৃমপান করিবে না।
- ১০। কোন বয়ঃপ্রাপ্ত ব্যক্তির তত্ত্বাবধান ও তাঁহার সাক্ষাতে ভিন্ন ১৬ বৎসর অপেকা অপ্প বয়ক্ষ ব্যক্তি বাঞ্দখানায় নিযুক্ত হইবে না অথবা প্রবেশ করিবে না।
- ১১। লাইসেপপ্রপ্র বাক্ষণনায় আইনমতে যে তুই বা ততোধিক প্রকারের স্ফোটনীয় দ্বব্য রাখা যাইতে পারে তাহা একই বাক্ষণনায় রাখা যাইতে পারিবে যদি তাহারা পরস্পর পৃথক করিয়া রক্ষিত হয় এবং তাহাদের মধ্যে এরপ পদার্থে নির্মিত এবং এরপ প্রফতির ব্যবধান থাকে অথবা এতটা মধ্যবর্ত্তী স্থান থাকে বাহাতে একটায় আগুন লাগিলে বা স্ফোটন হইলে সেই আগুন বা স্ফোটন আর একটায় কোন মতেই গিয়া লাগিতে না পারে। এইরপ তুই বা ততোধিক স্ফোটনীয় দ্বব্য রাখার নিম্নলিখিত বিশেষ বিধান হইল :—
- (ক) (১) বাৰুদ, (২) নাইট্রেট মিশ্র (৩) নাইট্রো-কম্পোণ্ড ও (৪) ক্লোরেট মিশ্রা, শ্রেণীর-নানা স্ফোটনীয় জব্য এবং ৬ । (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগের নির্ধিল্পকর পলিতা এবং ৬ । (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীয় ২য় বিভাগের যে নানা প্রকার স্ফোটনীয় জব্যে লোহা বা ইস্পাভ বাহির হইয়া না থাকে তাহা একতা রাখিতে হইলে মধ্যে স্থান রাখা অথবা ব্যবধান দেওয়া আবশ্যক না হইতে পারে।
- খে) .৬ষ্ঠ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ১ম বিভাগে যে সকল স্ফোটনীয় দ্রব্যের উল্লেখ আছে ত হাও মধ্যে স্থান বা ব্যবধান না দিয়াও একত্র রাখা যাইতে পারে।
- (গ) ৬ৡ (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ২য় বিভাগের যে সকল স্ফোটনীয় জ্বো লোহা বা ইস্পাত বাহির হইয়া থাকে তাহাও মধ্যে ব্যবধান বা স্থান না দিয়াও একত্র রাখা যাইতে পারে।

- (ঘ) ৬ । (যুদ্ধোপকরণ) শ্রেণীর ওয় বিভাগের নানা প্রকারের ক্ষোটনীয় দ্রব্য মধ্যে ছান বা ব্যবধান না দিয়া রাখা যাইতে পারে।
- (৪) ৭ম (আতসবাজি) শ্রেণীর নানা প্রকার স্ফোটনীয় দ্রব্যের মধ্যে স্থান ও ব্যবধান না দিয়া একত্র রাখা যাইতে পারে।

পূর্ব্বে যেরপ উক্ত হইল উ জিল্ল হই বা তভোধিক প্রকারের কোটনীয় দ্রব্য এক বাক্দখানার রক্ষিত হইবে না।

- ১২। লাইসেপপ্রাপ্ত ব্যক্তি এবং বাফনখানায় বা তাহার নিকটে নিযুক্ত প্রত্যেক ব্যক্তিই ঐ বাফনখানায় আগুন লাগিয়া বা স্ফোটন হইয়া যাহাতে হুর্ঘটনা উপস্থিত না হয়, যাহাতে অভ্যতিপ্রাপ্ত ব্যক্তি ভিন্ন আর কেহ বাফনখানা বা ভাহার স্ফোটনীয় ম্বব্যের নিকট যাইতে না পারে ভজ্জন্য বিহিত রূপে সাবধান থাকিবেন এবং যাহাতে আগুন লাগে বা স্ফোটন হয় এবং যাহা বাফদখানার কার্য্যের জন্য যুক্তিযুক্ত রূপে আবশ্যক নহে এরপ কোন কার্য্য করিতে নিরন্ত থাকিবেন।
- ১৩। লাইসেন্সধারী স্ফোটনীয় দ্রব্য প্রাপ্তির ও বাহির করিয়া দিবার একখানি রেজিফ্টরী রাখিবেন। উহাতে নিম্নলিখিত বিষয়-গুলি লেখা থাকিবেঃ—

প্রাপ্তির স্থলে--

- (ক) প্রাপ্তির তারিখ।
- (খ) যে ব্যক্তির নিকট হইতে পাওয়া গেল তাঁহার নাম ও ঠিকানা।
- (গ) যে প্রকারের স্ফোটনীয় দ্রব্য পাওয়া গেল।
- (ঘ) যে পরিমাণ পাওয়া **গেল।** বাহির করিয়া দিবার স্থলে —
- (ক) বাহির করিয়া দিবার তারিথ।
- (খ) যে ব্যক্তিকে বাহির করিয়া দেওয়া গেল তাঁহার নাম ও ঠিকানা।
- (গ) যে প্রকারের স্ফে'টনীয় জব্য বাহিরকরিয়া দেওয়া গেল।
- (ষ) যে পরিমাণ বাছির করিয়া দেওয়া গেল।

l' ফার্ম। (২৩ বিধি দেখ।)

ইফাম্প যোগে ৫) টাকা को।

**क्षिकोग्न प्रदा दिक्य कतिदा**त नाहरमञ्जा

কোন প্রেসিডেন্সা নগরে বা উহার শাখা নগরদমূচে পোলিদের কমিশনর সাহেব কর্তৃক এবং অন্যত্র জিলার মাজিস্টেট সাহেব কর্তৃক প্রদত্ত।

লাইদেকপ্ৰাপ্ত ব্যক্তিব নাম প্ৰভৃতি ও বাসস্থান।	ব্যবসাহয়ব হা পোকাহনর স্থান।	त्य श्रकंटनन (स्फार्टनीय उद्यक्त निज्ञाय कर्ना मंडिटन।	্ষে তাবিংখ লাইসেকের মিযাদ অতীত ২য়।
-			
জিলা	} (মে	इत्रा	( স্বাক্ষর।)
১৮৯ সাল	তাং ।		<b>র</b>

## নিয়য।

- ১। এই লাইনেন্দ ক্ষোটনীয় দ্রব্য বিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৮৪ সালের ৪ আইনের ও ঐ আইন-ক্রমে প্রণীত বিধির নিয়মাধীনে দেওয়া গেল।
- ২। ছানীয় গবর্ণমেক্ট সময়ে সময়ে যে কারমের আদেশ করেন লাইসেন্স প্রাপ্ত ব্যক্তি সেই কারমে যত স্ফোটনীয় দ্বব্য মৌচ্ছুদ থাকে এবং যত বিক্রয় হয় ভাছার কাগক্ষপত্র ও হিদাব রাখিবেন।
- ৩। যাছাকে ১৩ বংসরের ন্যুন্বয়ক্ষ বলিয়া বোধ হয় এমন ছেলেকে কোটনীয় জব্য বিজয় করা হইবে না।
- 8। ১ পোঁজের অধিক পরিমিত কোন ক্ষোটনীয় দ্রব্য সাধারণের নিকট বিক্রমার্থ প্রদর্শিত হইলে বা বিক্রীত হইলে শক্ত বাক্স, ধলিয়া, কানেন্ডারা বা অন্য আধারে রাখিতে হইবে। ঐ বাক্স প্রভৃতি এরণে নির্মাণ ও বন্ধ করিতে হইবে যে ঐ ক্ষোটনীয় দ্রব্য তাহার ভিতর হইতে বাহিরে আসিতে না পারে। এবং উক্ত দ্রব্য থাকিবার বাহিরের আধারের উপর বড়ং অক্ষরে ছেঁকা দিয়া কিছা শক্ত করিয়া লাগান লেবেল বা অপর মার্কা দিয়া উক্ত ক্ষোটনীয় দ্রব্যের নাম ও " Explosive" এই শক্টি লাগাইয়া দিতে হইবে।

## MARINE DEPARTMENT.

## The 4th September 1897.

No. 167 Marine — The following Notifications Nos. 172 and 173, dated the 24th August 1897, issued by the Government of Burma, removing quarantine restrictions against vessels arriving from Karachi, are published for general information.

A. D. Moarthur, Colonel, R.E., Secy. to the Govt. of Bengal.

Copy of a Notification No. 172, dated the 24th August 1897, by the Government of Burma, General Department.

In exercise of the power conferred by Act I of 1870, and with the previous sanction of the Governor-General in Council, the Lieutenaut-Governor directs that the rules for quarantine against plague at the ports of Akyab, Moulmein, and Bassein, which were published in this Department Notifications Nos. 13, 17, and 18, dated the 20th, 25th, and 26th January 1897, respectively, shall be cancelled from this date, so far as they relate to vessels arriving from Karachi.

Copy of a Notification No. 173, dated the 24th August 1897, by the Government of Burma, General Department.

In exercise of the power conferred by Act I of 1870, and with the previous sanction of the Governor-General in Council, the Lieutenant-Governor directs that the rules published in this Department Notification No. 1, dated the 1st January 1897, as amended by Notification No. 101, dated the 27th May 1897, for quarantine against plague in respect of vessels arriving from Karachi, shall be cancelled from this date.

# মেরিন্ ভিপার্টমেন্ট।

## ১৮১৭ সাল ৪ সেপ্টেম্বর।

মেরিন্ ১৬৭ নম্বর ।--করাচীছইতে আগত সকল জাহাজের বিরুদ্ধে করান্টাইন নিষেধ বিধি রছিত করণার্থ ব্রহ্মদেশের গবর্ণমেন্টের প্রচারিত ১৮৯৭ সালের ২৪ আগফ তারিখের ১৭২ ও ১৭৩ নং নিম্নুদ্দিতি বিজ্ঞাপন সাধারণের অবগভ্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

এ, ডি, মাকআর্থর, কর্ণেল, আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

ব্রহ্মদেশের গ্রন্থেটের জেনরল ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৪ আগস্ট তারিখের ১৭২ নং বিজ্ঞাপনের প্রতিলিপি।

প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব ১৮৭০ সালের ১ আইনমতে প্রদন্ত ক্ষমতাস্থসারে কার্য্য করিয়া এবং মান্ত্রিসভাধিন্তিত প্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের অসমতি অব্যে পাইয়া এই আজ্ঞা করিলেন যে, আক্যাব, যৌলমেন ও বেসিনের বন্দর সমূহে মড়কের বিৰুদ্ধে যেং ক্ষারান্টাইন বিধি ক্রমান্বয়ে এই ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২০, ২৫, ও ২৬ জাত্ময়ারি তারিখের ১৬, ১৭ ও ১৮ নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশিত হইয়াছে সেইং বিধি করাচী হইতে আগত জাহাজের সহিত যত দূর সম্পর্ক রাখে তত দূর অদ্যকার তারিখ হইতে রহিত হইবে।

ব্রহ্মদেশের গবর্ণমে্ন্টের জেনরল ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৪ আগন্ট ডারিখের ১৭৩নং বিজ্ঞাপনের প্রতিনিপি।

শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব ১৮৭০ সালের ১ আইনমতে প্রদক্ত ক্ষমতান্ত্রসারে কার্য্য করিয়।
এবং মন্ত্রিসভাধিষ্টিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের অনুমতি অত্যে পাইয়। এই আজ্ঞা করিলেন যে
করাচী হইতে আগত জাহাজ সম্বন্ধে মড়কের বিক্তরে যে কারান্টাইন বিধি এই ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭
সালের মে মালের ২৭ ভারিখের ১০১ নং বিজ্ঞাপন হারা সংশোবিত ১৮৯৭ সালের ১ জাল্লয়ারি
ভারিখের ১নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশ করা গিয়াছে ভাহা অদ্যকার ভারিখ ইইতে রহিত হইবে।





# গ্ৰণ্মেণ্ট গেজেট

TUESDAY, SEPTEMBER 14, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৪ সেপ্টেম্বর।

PART VIII.

ADV.ERTISEMENT.

ष्यक्षेम थल।

ইশ্ভিহাম এভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিবয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা বীরভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আকিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী জিল্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য ভাষা আদায় করিবার নিমিত্ত সন ১৮৯৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় মূলামে বিজ্যু করা যাইবে।

٠	2	•	8	ď	•	1	F	8
ভৌজীর সম্বব।	মহাল ও পর্যালার নাম।	সম্পূর্থ মহালের সদর ক্লমা।	मण्डून महान विक्रम हरेद किना।		ৰে সম্পত্তি বিক্ৰয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর শ্বমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহার বাকী।
°) बर	হেৰুকা, পরগণা আকবরসাহি থানা মোড়ে- শ্বর।	74499	সম্পূৰ্ব	••••	ভোলানাথ ঘোষ দিগর।	•	8 ) l u	
• > <b>न</b> ः	ইছাপুখ্রিয়া ধানা লাভপুর।	3200/0	<b></b>	এজমালি অংশ রক্ম ।১/১৯ গণ্ডা ২ দন্তী এই এজমালি অংশ ভিন্ন মহা- লের অন্য কোন অংশ নীলাম ছইবে না।		. SIIO 5		৮ <sub>(</sub> ৪ পাই
•৩ নং	খনা, পরগণা খটজা ধানা সিউড়ী।	) OPOJ 0	•••••	এজমালি অংশ রকম  ॥৯।—১৫ তিল  এই এজমালি অংশ  ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম  হইবে না।	- পাধ্যায় ।	१७२/०		¢112
१० नश	আকুনি পরগণা শ্বরপদিংহ ধানা মোড়ে- শ্বর।	2006/P10		১৭০ ২ নং পৃথক হিসাব কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভূড়ি গ্রাম মোজার রকম যোল আনা এবং সাহাজাদপুর চক ও সাহাজাদপুর নও- য়াবাদ মোজার রকম।/ ৩ আনা	পাখ্যায় দিগর।	¢9₹   <sub>4</sub> ✓°	••••	₹৯ /•
				এই পৃথক হিসাব ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।				

দ্বীকা।- যে জলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ১ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া দিখিত আছে সেই স্থলে ইহা বৃথিতে ছইবে যে ঐ অংশের মিজ স্বতন্ত্র হিদাব রাখা হইয়া থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম ছইবে না।

BIRRHUM COLLECTORATE, ated Suri, the 9th August 1897.

F. N. Fischer, Collector.

#### जिना (बाग्राचानी।

#### জমিদারা বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোরাখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত-লেগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত ইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে ভাষা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ১৫ সেপ্টেম্বর রিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ মরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া খিত আছে সেই ছলে ঐ অংশের নিমিত্ত শ্বতর হিসাব রাখা ছইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

5	•	•	8	t	•	٩		>
ठोकित चत्र ।	মহাল ও পরগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব কমা।	नष्पूर्व महाल विक्रम हरेदव कि मा।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রু হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংক্রে বিশেষ	ৰে স্পাতি বিক্লয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী ,	কোন অংশ মাজ বিজয় হাইলে ভাষা বাকী।
۶۶ ۲	দান্দরা হিঃ ১১।=-১• ক্রান্তী পং দান্দরা।		অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ IJ3০II/৮ ডিলা		b-0246		85010/5
8 <b>c</b>	কিসমত মহেন্দ্র কিসমত মহেন্দ্র নানারায়ণ পং	७७१/১১	সম্পূর্ব		শ্ৰীমতী আইজা- শ্ৰেছা।	• • • • •	255177	••••
<b>\$</b>	७म्दीथ ।					२९२७५:		66642
<u> </u>	চাকলে বামনী জমি- দারী চাং বামনী।	••••	অংশ	হিসাব পৃথক হিঃ ।• আনা।	গং নাবালগান	(1-94)	,•••	44942
					পক্ষে মাতা অভি- ভাবক মিস এলেনা			
					জ্বে, ডেলনি সাহেবা।	į		
			খাস মহ	াশ টেনিউর—				
59 <b>¢</b>	চর উশ্বর রাম মধ্যে -২ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা নক্ষ্দলাল।	reele	সম্পূৰ্ণ		<b>আবহুৰ হাকিম</b> মিঞাজি গং।	••••	२४। •	******
59¢	প্র চর মধ্যে ৩ নং গঃ মঃ ম্যাদি হাওলা ব্রজরাম মাঝি গং।	9२०1110	u <del>è</del>	••••	ত্ৰজনাম মাঝি গং	•••	२७०	

LALIT KUMAR DAS, Deputy Collector in charge.

#### জিলা বাকরগঞ্জ ।—জ্বিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এভদ্ধারা এই সংবাদ দেওস্না বাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত দ্বন কিন্তির বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যৌগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে মোং বাং ১৩০৪ সনের ৯ আম্বিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগফী।

3	3	•		t .		1		•
ভৌজিব নম্বর।	মহাল ও প্ৰগণার কান।	সম্পূর্ণমহা- লের সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিশ্বয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রন্ন ছইলে এই অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবর্গ ।	যে সম্পত্তি বিদ্রুত্ব হইবে ভাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ শাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহার বাক <sup>ী 1</sup>	কোন অংশ মাজ বিক্ৰয় হইলে ভাহায় বাকী:
3699	ভালুক সৈক্ষীন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।	•••		এজমালী দ্য ১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।	ক্বফকিশোর নিয়োগী গং।	3 · 8 b 4 J 8		<b>७। आ</b> इ
8484	পদ্মা ওরফে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	euru)	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব মিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং	••••	رطدد	•••••
<b>७२</b>	চক কচুপাতরা পং চক্সদ্বীপ।	902)	সম্পূর্ণ মহা- লের ভালুক- দারা অভ নিলাম হইবে		শশীকুমার বহু গং	*****	60P)	*****
8684	ভূষধালী মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।		সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।	<b></b>	এরকাহদি গং	** **	3334 <sub>0</sub> /•	*** ***
Ġ	ভূষধালা মহাল অধীন ৬৮/৮৪/২১৮ নং যোত।	202)	সম্পূৰ্যোত নিলাম হ <b>ইবে</b> ।	•••••	यमन १९	••••	<b>6.</b> 5)	•••••
<b>e</b> २ ? <b>२</b>	চর কৃষ্ণপুরা মহাল । আধীন ৮ নং গর- মকররি হাওলা পং জজীরা।	5 o & 5 l <b>e</b> √5 o		·	কাশীচন্দ্র দাস গং	••••	<b>₩8</b> ₹ <b>4</b> •⁄∪	•••••

স্থা।—যে দলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও০ খরে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে লেই দলে ইহা বৃথিতে চইবে বে ঐ অংশের মিন্ত ঘতম হিসাব লাখা চইমা থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় লা।

B. Bell,

Offg. Collector.

#### জেলা বৰ্দ্ধমান। - নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওরা ঘাইতেছে যে বর্জমান জেলার অভংপাতি নিম্নলিখিত মহলে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অনুসারে উক্ত বর্জমান জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর তারিখ মোতাবেক বাক্ষলা ১৩০৪ সনের ৯ আধিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিমের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে।---

#### নিলামের সর্ড;—

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেষ্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সন্ধাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিক্ষারকে ইহার মালিকজ্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থ রূপে গণ্য
  হইয়া এই মহালে গ্রন্মেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ত খরিক্ষারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- শ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের শ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকগণ শ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্বয়ক প্রজা শ্বারা দত্তথত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ত স্থীকার করিতে খরিদ্ধারণণ বাধ্য হইবে।
- তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০ , টাকার অন্ধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
- চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার ঊশ্ধ ইইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ
  দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের
  মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্মে উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে
  তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে
  (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
  ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদারের দায়াত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তৌষিব নম্ব।	মছাল ও শ্বণগাব নাম।		দূর 🦦	ান: যা	বে যত- - ভূমিব বিমাণ।	1	মণ্টেব (য়ঃ ক্লুই	1	<b>મ</b> જીવ
- "		-	একর	<b>ৰু</b> ড	পো:।	हें।	আ: 1	শাই।	-
588 <b>&gt;</b>	কালু এক দিঃ পং মজাকরসাহি	•	۵	4	<b>?</b>	85	•	۵	
6885	কর্জন। দিঃ পং বর্দ্ধমান	• • •	٦	7	> <b>b</b> -	30	1	6	
68 <b>48</b> .	বটগ্রাম দিঃ পং মজাকরসাহি	•••		4	<b>?</b>	₹►	4/	٥	
58¢ o	উচালন পং সমরসাহি	• •	· ·	o	02	२१	110	Ŀ	
6840	কৃষ্ণপুর ওরফে কামালপুর পং খণ্ডঘোষ	***	15	3	<b>?</b> ?	છહ	1/	હ	
6847	বুলচন্দ্রপুর পং সমরন:ছি	•	٩	2	55	٩٥	110/	હ	
५ <b>८</b> ०२	নিগোন পং ধেঞা	••	٩	۴	<b>6</b>	45	112	• !	
90	ডফরপুর পং অন্বিকা	• • •	8	•	2:4	29	V	9	
५७२ •	পাঁচরখা পং জাহালিরাবাদ	• • •	8	0	39	30	1	હ	
38 <b>2</b> 8	কোঙারডিগি পং সেরগত	•••	•	9	७৯	, 2	•⁄	9	
58 <b>29</b>	কোঙারভিহি পং দেরপড়		•	0	22	•	0	0	
8 / 10	কোঙারভিহি পং সেরগড়		0	*	۵	4	llo	B	
७१२७	কোঙারভিহি পং সেরগড়	•••	•	0	۶	•	0	0	
⊃ <b>१</b> २९	কোঙারডিহি পং সেরগড়	• · ·	•	•	२२	0	0	0	
2604	কোঙারডিহি পং সেরগড় •	•••	•	•	۵	•	0	0	
3488	কোণ্ডারডিহি পং সেরগড়	***	•	•	٩	•	•	0	
0110	্ কোঞ্চারডিহি পং সেরগড়			•	<u>ذي</u> ودن	رد	0	•	•

কলেক্টরের কাছারি জেলা বর্দ্ধমান ভারিখং ১ আগফ ১৮১৭

#### জিলা ২৪ পরগণা।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারামতে সর্প্রসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে যে নিম্নলিথিত জমিদারি মহালাতের সন্ ১৮৯৭ সালের জ্ব কিন্তির রাজস্ব ২৮ জ্ব সূর্য্যান্ত পর্য্যন্ত দাখিল না হওয়ায় ঐ সমন্ত মহাল সন্ ১৮৯৭ সালের ২৫ সেপ্টেম্বর তারিখে জেলা ২৪ প্রগণার কালেক্টরিতে বেওজর নিলামে ধরা যাইবেক।

প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবস্তী মহাল।—

2	2	•	8	a	<b>y</b>	9	<b>b</b>	>	۶•
ক মিক লম্ব।	(ड) क्रीव मध्य ।	প্ৰগণা ও মহালের নাম।	প্ৰ। মহা- লেন সদৰ জম!।	প্ৰ। মহাল বিক্ৰম হুইবে কিনা।	যদি এক নি অংশ থিক র হয় দেই অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিলাম ভইবেক ভাহাব মালিকেব ন¦ম।	যদি একটা অংশ বিক্রম করিতে হয ভাহাব সদর ক্ষমা।	যদি প্ৰা মহাল বিক্ৰম কৰিতে হয় তাহাব বাকিব প্ৰিমাণা	যদি অংশ গিক্রয় কবিডে হয় তাহাব বাকিব পারমাণ
3	<b>3</b>	পং মান্তরা কিং চেতলাদিং।	a 8		শ্রীপুর ও বাগেরখোল ও রাজু মোলার চক ও মোজার প্রভ্যেক মোজায় ॥ ত জানা বাদে অবশিষ্ট ॥ ত জানা ও জন্যান্য সমস্ত মোজা।	হরি∗তহ্র রায় ⋯	a 0 3 a n / 2		201/2311
<b>ર</b>	હહ	পং মান্তরা কিং ধাপামানপুর।	2996 128-3	•••	। ১১৭ <sup>২</sup> দন্তি স্বভন্ত হিসাব বাদে অবশিষ্ট ১১৭৻১ <sup>১</sup> দন্তি।	বাঁকেবিহারি লাল মণ্ডল দিং।	હહ ૧૧૦ ન		৬৯/১/৫/
٥	40	পং মাগুরা কিং রামেশ্বরপুর দিং।	03 a/4 / @		জালিপুর দিং ১৪ মে জার প্রত্যেক মো- জার ১৬ যোল : চক্রবেড়ে দিং : জার প্রত্যেক মো- জার ।/১৯৷ — ক্রান্ত্রী ও রামেশ্বরপুর মো- জায় ৮/১৩(২ কাগ অংশ।	À	१८८।।०।।	•••••	3911/8
8	<b>b</b> ¢	পং মাশুরা কিং আবগাছিয়া দিং।	25840 4		৩ মোজা বাদে অব- শৈষ্ট ১০ মোজার ৭ মোজার ১৬ খোল আনা চক কাঠালিয়া মোজায়।।/০ আনা ও বাবনপুর ও নোনা গৌজায় ৮/১৮।।	জগৎচন্দ্র রায় চৌধুরী	• 2611294	•••••	<b>४</b> ७७/२
ŧ	028	পং মু ভাগাছা কিং হরিনারায়ণপুর	1		জংশ।   11/3811 = ভাগ্তী বাদে   অবশিষ্ট 10/3৯41/৫1   —ক্রান্তী।	রাজেন্দ্র নাথ রায় চৌধুরী দিং ৷	<b>608048</b>	••••	<b>७</b> ऽ।।००।;
હ	9	পং মছ দিং কিং রায়পুর।	6983 112 3		५/७॥ = काखी वारम षर्™छे √५७:— जाखी।	বঁকে বিহারি লাল মণ্ডল।	) ११७ <b>५</b> ०	•••••	b00)

2	•	8	à	5	9	b	۵	>0
ভৌজিব নম্ব।	প্ৰগণা ও মহালেব নাম।	পুৰ। মহা- লেব সদৰ জন্ম।	পূবা মহাল বিক্রয় হ÷বে কি না	যদি একটা অংশ বিক্রম হয় তবে সেই অংশের বিশেষ বিবরণ ৷	যে সম্পতি নিলাম ভইবেক তাহাব মালি কেব নাম '	যদি একটী অংশ বিক্রম কবিতে হম তাহার সদর ক্রমা।	যদি পূবা মহাল বিক্রয কবিতে হয় ডাহাব বাকিরপবিমাণ।	যদি অংশ বিক্রম ক বতে হয 'তাহার বাকিব প্রিমাণ :
৩৯২	পং আজিমাবাদ কিং হুদা জয়-	p03019		৸/৬।' = ক্ৰান্তী বাদে অব শক্তী		304011/2	<b></b>	<b>७</b> ५५/১० <b>५</b>
७ <b>৯</b> २। 8	চণ্ডিপুর। পং আজিমাবাদ কিংহদা জয়-	(.اه دهم		দ/ঙা।= ক্রান্তা বাদে অবশিষ্ট ৵১৩।= ক্রান্তা।		304411/8	•••	ک الاد د الاد
g • ७	চণ্ডিপুর। পং আজিমাবাদ কিং পাথর বেভিয়া দিং।	e 380,/0		জান্তা।   IV 2811 = ক্ৰান্তী বাদে   অবশিষ্ট   পুণ। —  : ক্ৰান্তা।		२०১४।৵७५		७२।८॥
1¢	পংময়দা কিং বাটরা।	180P)		জ্যান্ত। ১১৬ – ক্রাস্তা বাদে অবশেষ্ট ১৩५ = জাস্তা।	্মরেন্দ্র নাথ দত্ত	१৯७२।४८		360 W.B
२ ०७७	ু পং উখড়া কিং দাতারি।	@8911 <b>2</b> 8	পুরা মহাল।		সারদা চরণ দক্ত দিং।		20176	
২ <b>১</b> ৫ ৫	পং উখডা কিং পাটডাঙ্গা।	a a o h/o			वोद्रिश्वत प्राप्तिः		391/2	

CHUNDER NARAIN SINGH,

For Collector.

#### জিলা মুরশিদাবাদ।—জমিদারা বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৯৭ সালের জন কিস্তির বাকির জন্য।---

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থালনে বাকা রাজস্বের নায় আদায় হইবার আদেশ আহে ভাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেরর মোং ১৩০৪ সালের ১৩ আখিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাহবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ সংশোর নিমিত স্বতম্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	•	9	·\	ά	•	9	ь	•
তৌজি <i>ৰ</i> নখব ।	মহাল ও প্রগণাব নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিভাষ সংগ্ৰে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম ছউলে ঐ অংশ ব। ঐ২ অংশেব বিশেষ বিব্রবন।	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় হইবে তাহাৰ মালিকগণেৰ নাম।	কোন অংশ- মাত্র বিক্রম হুইলে ঐ অংশেব সদব জমা।	সম্পূৰ্মজাল বিক্ৰঃ ছউলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ *মাত বিক্ৰয হইলে ভাগাৰ বাকী।
3840	চর <b>েতানা থানা</b> বজুয়া।	<b>१</b> ८ ज्ञा	मञ्जूषय	! :	ধনেশ প্রকাশ গান্তলা সাং কলিকাতা নং ১ প্রসন্ম কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		روطد	•

OPENDRA CHUNDRA MOARMAR, Collector.

# किना छोत्राय।

# स्खाशद मागा काष्टादी काटमझेती किमा ठ्येग्राग।

<u> ज्यां</u>		4	is k	म हव ज्या।		राकी		
# #	শাল, মোকা ও তালুকেব লাম :	ম্লিকিং ন্য		( <b>4</b> 2	हें स्ट	<b>S</b>	<b>E</b>	मुख्य
	av .	9	- xe		,	-	<b>.</b>	•
2 00	ৰানা সাতকাণিয়া হাল বাস- বালী মোজি ছোট ছমুয়া মহল নয়াবাদ ডাং ছোট ছমুয়া।	বাবু ধোগেশ চন্দ্ৰ রায় ফেট পাক্ষ রায় কৈসাস চন্দ্ৰ দাস বাহাতুর জেনেরল ম্যানেজার।	9 8 8	५) <sup>८</sup> ० २ ८ <b>८</b>	°	* · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	ৰ ক ১ ১	1928   24 로로(G
9 0	থানা সাতকাণিয়া হাল বাস- খালী মেডিজ পুইছুরী মহাল নয়াবাদ ডাং কুফরাঞ্কিত।	গোলোক চন্দ্ৰ সিকদার পিং রাখ্যেস্ক সিক <sup>া</sup> র সাং কলাউজান।	* \$ \$ \$ \$ \$ \$	श्रीक	₽ 2.>	:	9/81	PD   PD   PD   PD   PD   PD   PD   PD
00 00 00	बाना मार्कानिया हान वाम- बानी त्यांत्क भृहेष्ट्रद्वीयहान नम्रावाम डार त्यावात्त्रक बानी वज्ञा बानी।	আনোয়ার আলী পিং ব্রা আলী ও হামিদ উলা চেং ৰুয়ং ওনাবালক ভাতা হৈয়দ উলা. আজ্মলা ভামি ছৈয়দিয়িছা, জমিলা খাছুনের পক্ষে হিং আজ্ মলাবা, মতিয়র রহ্মান ব্যয়ং ও নাবালক এজাহার	6,5,8,8	· 198	\$ 4 8 B	9/1945	S.G	SPat   ab できての

Offy. Collector.

:		:	J. PHILLIMORE,
>/ 1995	\$\h_\text{8}	66996	
	:		
\$ / sac	2,7%	C. 609.5	
9/1/595	۰/۱۱ ه	٩ - ك	
56095	& G S I & o	e > > 4%.	
<ul> <li>१० থানা সাতকাণিয়া হাল বাস- কল্পর আলী পিং মন্ত্র আলী চেং সাং তৈলার- ১৬৩৭)</li> <li>১৮১।/৬ ১৮৬।/২</li> <li>৪২০ খালী মেডিজ চাম্বল মহাল দ্বীপ।</li> <li>ন্রাবাদ তাং ডাজ্মিছা</li> </ul>	্চৌং। ধানা সাভকাণিয়া হাল বাসখালী নেজামত জালী পিং মাহাং রক্ষি সাং বারখাইন মেডিজ চাম্বল মহাল নয়াবাদ	রাজচন্দ্র সেন পিং রাজকিশোর সেন ও বংশীযোহন ৫১১५%। সেনের পক্ষে ও স্থরেন্দ্র বিজয় রায় ষ্টেট পক্ষে রায় হৈকলাস চন্দ্র দাস বাহাত্তর জেনেরল ম্যানেজার।	
ধানা সাতকাণিয়া হাল বাস- ধালী মেজি চাম্বল মহাল নুয়াবাদ ভাং ডাজিমিছা	চৌং। ধানা সাডকাণিয়া হাল বাসধালী মেজি চাম্বল মহাল নয়াবাদ	ভাং আবহুল মজিদ। ৪৫৬৬ চুড়ামণি মহাল নয়াবাদ তাং মহেশ চন্দ্ৰ, চৈতনাচরণ।	
\$ 00 00	5 40 A	9998 9998	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 3rd September 1897.

#### জেলা ফরিদপুর।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ফরিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগফ।

>	1	9	N N	4	•	9	b	2
ভৌৰির নম্ব।	মহাল ৩ প্ৰগণাৰ নাম ৷	সম্পূর্ণ সংগ্র- লেব স্পর্ব ক্ষমা ।	সম্পূৰ্ণমহাল্ বিক্ৰয হউবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ঐ অং- শেব সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহা বাকী।
₹₡•	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ হাজারী।	८৮৯१	ষোলআনা		ঈশ্বরচ <b>ন্দ্র স</b> াহা গয়- রহ।	·	ه ه ۲ ره	
6672	পং হাবেলী তপ্পা মামুদপুর সোল- পুরের অতিরিক্ত মহাল	١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١ ١	<b>.</b>		প্রসন্ধৃক্ষার সেন	•••••	१७১)	•••••

টিক্লা - বে ক্রেশ উপবেব লিখিত বর্ণনাপারের ৫.৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মার বিজয় এইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ইচা বুলিতে চইবে যে ঐ অংশের মুমিত ছাত্র হিমাব বাশ: এইছা থ'কে ও মহালের জনা বা জনগানা অংশ বিজয় হয় না।

J. 11. TEMPLE, Cocketa.

#### ইস্কাহার নামা কাছারী কালেইবা জেলা চটুগ্রাম।

ইহার দ্বারা জ্ঞানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রান্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের বাকী পড়া খাজানা ও ছেচ্ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ সাইনের ৬ ধারার মর্মান্নসারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বুধবার জেলা চট্টগ্রাম কালেক্ট্রর কাছারিতে বিনা ওজ্ঞরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ট।

মশ্বর	ও মহাল।			বাৰ্গিক	জম∤।		বাকী।		
নং বেং নপ্ৰ।	ভালুকের নধ্ব।	থানা, মৌজা ও মহালেব নাম।	ম₁লিকের নাম।	ধান।	Œ£ं।	খাগানা।	(55	মোট।	মন্ত্ৰ)
>	₹	٠	8	¢.	•	9	ъ	>	١٠
ъ¢	242	থানা রামুমোজে খুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএকলা।	হাৰ্কান আলী চৌধুরি পিং মাহামুদ হারি সিকদার সাকিন পা তলী মাছুয়াখালা।	<b>७</b> १७।०/	৬৯५०	২৫৩॥৯৩ ১৮৯৬।৯৭ স্পূৰ্ব ব ৬৭৬।৯/	ইং স কি।	<b>१०३</b> ७८७	
<b>ው</b> ଓ	344	থানা রামু মৌজে খুরূলিয়া মহাল নয়াবাদ ভালুক বক্সালি।	মহব্বত আলী চৌধুরি পিং আজগর আলী চৌধুরি সাং জলদি।	/ المصاحات	৯૨॥હ	२७०,७ २ <b>८</b> ৮ ४७		२ <b>५</b> ৯(৯	
262	ऽ७०	থানা রামু মেজি উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ তালুক রস্তম আলী।	আমির বাম্ন চৌধুরীয়া মেহের নিছা চৌধু- রিয়া আহালিয়ে না জির আলী চৌং সাং উত্তর মিঠাছরী ওগয়- রহ।	209310	322/	80340	८०॥७०	88२।८०	
399	२७१	থানা রামু মেজি খুটা খালী মহাল নয়াবাদ ভালুকমোবারক জালী।	জামিলা খাড়ুন আহা লিয়ে মৌলবি আজ- মলা খাঁ সাং হারবাল।		30.1/0	<b>₹\$</b> ¢)	७७५०	२८५७	
7 p pu	. <b>२</b> ৫•	থানা রামু মোজে ভারুয়া- খালী মহাল নয়াবাদ তালুক মাহান্ধদ রাজা।	মে দিবী মহন্ততালী ও ছৈয়দ আলী পিং আনয়ার আলী চেং সাং পাতলী মাছুয়া- খালী ওগয়রহ।	<b>(t</b> (t)     0 ⋅	383 H/ Y	309140	891/•	2F8:19.	
२१२	<b>২</b> 98	থানা চকরিয়া মোজে ভেওলামাণিকচর মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ম্পাক।	আসমত আলী জাহা- বন্ধ পিং মাগন আলা সাং হরিণা থান। সাতকাণিয়া।	3400)	١ / ١١ حال (	( 9 9 sy	@ 15 (b) o	<b>७७७</b> / ० ।	
<b>\$</b> b- 0	२৮७	থানা চকরিয়া মেবিজ্ঞ সিলখালি মহাল নয়াবাদ তালুক বিবিষ্পাক।	কিচ বিবি নাবালকা কন্যা ও সেখ মাহা-	ବିଲଞା'୶∕•	الاه الاه	1	সেপ্টে- ডিসেম্বর	46611/20	
•	01.10	·	ন্ধাদ কালু চৌং সাং জন্দি ওগয়রহ।			80640	বাকি। ৩০॥• ৬০১১•		•
२४४	9516.65 8581660	থানা চকরিয়া মৌজে টেটং মহাল নয়াবাদ ভালুক হরিদাস বহ- দার।	এসাদ আলীচেৎি পিং সেখ মাহান্ধদ জনা সাং তৈলারদ্বীপ থানা বাঁশখালী।	960)	32310/4	362)	७७५०	₹884/•	1

#### জিলা বর্দ্ধমান।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিদ্দালখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকী রাজন্দ্র ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে বাকী রাজন্দের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৪ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রম করা ঘাইবে।

>	3	•	8		5	9	•	>
তৌভির নঘর।	মাভালৈ ও পেবসংগ্ৰ দাম ।	সম্পূৰ্ণ মছা- জেৱ সদ্ব জৰা!	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজ্ঞায় হইবে কিলা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রন্ন হইলে ঐ অংশের বা ঐ অংশের বি শেষ বিবরণ। উল্লি- ধিত অংশ ব্যতীত অন্যাম্য অংশ বিক্রন্ন হইবে মা।	ৰে সম্পত্তি বিক্ৰন্ন হইবে ভাষার যালিকগণের নাম।	কোন অংশ যাত বিক্রয় চইলে ঐ অং- খোর সদর জনা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহাত বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় ঘটলে ভাগা বাকী ;
७ <b>१</b>	পল্লোনা পং ধেঞা	د ده ۱۱۵۶		এই মহালে ২,৩, ৪ ও ৫ নংপৃথক হিসাবের মহাল বাদে ১নংপৃথক	আশুতোষ চন্দ্ৰ দিং	<b>&gt;</b> ₹¢⁄⊌		७३৮५३
				হিসাবের মহাল নিলাম হ <b>ই</b> বে				
		; 	1	মূল মহাল ও				
		!		বাকি পড়িয়াছে				
				তাহার নিলাম				
		'		জন্য পৃথক				
				ইন্ডাহার দে	· !			
				ওয়া গেল।				
<b>७</b> २	পলশোনা পং ধেঞা	980011233		এই মহালে २,७,	আশুতোষ চন্দ্ৰ দিং	502219		562 ma
				৪ ও ৫ নং পৃথক হিসাবের				
		; !		यशान वाम				
			1	মূল মহাল				
		į		নিলাম হ¥বে				
		1	<u> </u>	১ নং পৃথক				
				হিসাবও বাকি				
		,		পড়িয়াছে তা-				
			; ; }	হার নিলাম				
				জন্য পৃথক				
				ইন্ডাহার দেও- য়া গেল।				
			1	310411	•			,

ট্লিজা।— যে স্কলে উপৰেব লিখিত বৰ্ণনাপত্তেৰ ৫, ৭ ও ৯ ঘৱে কোন অংশ মাত্ৰ বিজয় হউবে বলিষা লিখিত আছে সেই স্কলে ইহা বুকিতে হউবে যে ঐ অংশের বিমিছ ক্তেন্ত্ৰ হিসাব বাবা ভূইয়া থাকে ও মহালের অন্যাব্য অংশ বিজয় হয় না।

BEJOY K. BOSE.

Deputy Collector in Charge,
For Collector on tour.

#### किना बनीया।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

স্পিত্ব সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আকিসে বাকী রাজস্থে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৭ সেপ্টেশ্বর তারিখে বেল ১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	1	•	8	α	6	9	F	•
তৌজির নম্বব ।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহাজের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয হই <b>লে ঐ অং</b> শ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে দশ্পত্তি ৰিক্ৰয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউলে ঐ অংশের সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।
369	তৌজি মহাল গুবরা প্রগণে পাজ- নৌর।	2 98 7 Ale 7	••••	১৬৭।২ নং তেজি হ্বরা /১৪।১৬॥,৮০ এক আনা চৌদ্দ গণ্ডা এক কড়া যোল তি ল তুই কড়ার তিল তুই কাগ তিন রক্ম অংশ কেবল অংশমাত্র বিক্রয় হইবে সম্পূর্ণ হহাল বিক্রয়		२००५५७		৭।১০ সার্টিফিকে- টের বাকী।

টিক। — যে স্থলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫, ৭ ও ১ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিখা লিখিত আছে দেই স্থলে ইহা বুঞ্জিত হইবে যে ঐ তংগেশর নিমিন্ত স্বতন্ত্র হিমাব বাধা হইয়াপাকে ও মহালের জনা বা জন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

W. MAXWELL,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, ter cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বদ্ব সিন্কোনা।

কলিকাতাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের হুপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিত মূল্যে প্রবন্ধ সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ওন্স টিন ২।। টাকাম, আট ওন্স টিন ৫ টাকায় ও এক পোও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের হুপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি গুল্ম টিন ৬, টাকায় এবং এক পোও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেন্ডাগণও এই প্রথম বিক্রয় করিয়া গাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি গুল্ম টিনের ।০, আট গুল্ম দিনের ॥০ ও এক পোও টিনের ॥০ চাক মাহল দিতে ইইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুদ্য হইবে,যথা—

১ এক পেণ্ডি টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

॥ जांस ,, ,, क) ,, ,, ,, ,, का।

,, 8110 ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কৃইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারাক্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেক্টের কর্মচারিগণের নিক্ট বিক্রয়

করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিণ্টেণ্ডেণ্টের নিকট পাও:।
যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette w liberceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufussal.

			Rs.	A.	P.	
Entire Gazette	•••		 10	0	0	per annum.
	Postage	* • •	2	8	0	
Parts III, IV, V,	and VI, con	taining the				•
and Bills of the						
and Bengal		•••	 4	0	0	91
O .	Pestage	•••	 4	0	0	27
For a single copy						•
Entue Gazette			 0	4	0	
	Postage	•••	 0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••	 0 0 0	1	U	for 4 sheets or under
				1		with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.
	Postago		 . 0	1	()	)

For Calcutta.
The same rates as there of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Clark, of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ।

১৮৮৩ সাস ২১ ফেব্রুয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমান্থল এই শবাহ্ব নিম্ন । হারে অগ্রিম দিতে হইবে :—

	यकः भर	<b>न</b>			ঢাকা।
मण्यूर्व (शटक हे	•••	•••	•••	বৎসর	30~
ভাকমান্থৰ	• • •		•••	75	रे॥०
৩ ও ৪ ও ৫ ও ৫ খ্ভু	( যাহাতে	ভারতবর্ষের এ	<b>उ रक</b> -		
দেশের ব্যবস্থাপ	<b>ক</b> সভার '	আইন 😻 🤝	াইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে		• • •	•••	,,	3)
ভাকমান্থল		***		"	>>
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটে	র মূল্য	•••		,,	1•
ডাকমান্থল		•••	•••		/ •
0089696	( প্রত্যেক	8 श्रुष्ठी वा	তাহার		
ন্যুন সংখ্যক	পৃষ্ঠার মূল্য)				/ ৪ পৃষ্ঠার উপর যক্ত অধিক হয় ভাহার অংজ্যেক ৪ পৃষ্ঠা প্রভি জার একং আনা।
ডাকমান্থল .					/•

#### কৰিকাভায় ৷

কলিকাতার ও মক: দলে সমান মূল্য, কলিকাভার কেবল ডাকমান্থল লাগিবে না।

इ, अब, राकात्र।

वक्रामान भवन्यारेक अक्षिर हो ।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the sindy of these agricult documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construc the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C, W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

13/h December 1882.

NOTE.—Rates of	advertisements	in the CALCI	JTTA GAZETT	ß,
				Rs.
Full page, per is	sue	***	• • •	20
Half ", "	•••		***	10
Casual	advertisement	4 an <b>nas</b> pe	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট ্দেওয়া ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাদের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্ম্বের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ন্যক্তি বালাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তিমিত্ত নগদ মুল্য দিতে হইবে এতদারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন গোক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিন্তা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা মাইবে না।

মুল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকোণ্ট বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আর ৴০ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ছোট দেকেটরী।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য ৷— কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার প্রকাশ করিব	র হার এইং।-	-			Die1;
প্রা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	***		***	•	₹••
काश शुक्रा	•••	***	4.79	***	3.,
ক্ষন ক্ষম ইশ্তিষার একাশ করিতে হুইলে	वकर ने कि	•••	***		10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकान मिटकोविद्युष्ठे यखानस्य विक्यार्थि पाट्य ।

বারিন্টার-আট-লা ও এী এমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিট্টিট্ট ও সেশন জ্জ ও রেন্ট কমিশ্যনের যেশ্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি, কিলড, এম, এ, ও,এল, এল, ডি नाइट्यत थनी ७ वहरमर नेत बीयु ७ व्यान्धितके भवर्षत माहरवत मामनाधीन थरमर मत्र प्रमुधिकातीत এজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

একং খানি পুল্ককের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

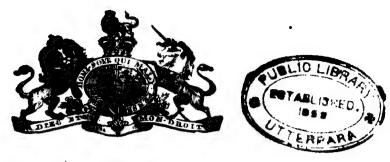
কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেকেটারিয়েটের আকেণ্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বৃদ্ধদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেছ ওরেষ্ট টৌন হালের হাডায় স্থিত বল্দেশের গবর্ণযেত্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেজি-कारतत नात्य भिरतानामा निम्ना व्यार्थनाशक शाहीहरू इहेरव।

উক্ত সকল আইনের পুশুক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির ধাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া বায়।

ৰলিৰাতা প্ৰেলিডেকী খেল যৱালয়ে গ্ৰেপিটের জন্য জীযুত জেম্স পেটী সাহেব কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল।



## गवर्गाम् (मार्कि

TUESDAY, SEPTEMBER 21, 1897.

### मञ्जलवात, ১৮৯१ माल २১ म्हिन्द्र ।

CONTENTS.	1		
I	AGE.	নিৰ্∙ট।	
PART 1 Resolutions, Orders and Notifica-			नृष्ठे। ।
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম থপ্ত।—ভারতবর্ষীর গ্রব্দেটের নির্দারণ	•
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	1	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই !
tions by the Lieutenant-Governor	- 1	षिछीय येथ। — तकरमरमञ्जू गवर्गसार्केंद्र मिद्धावन,	
of Bengal	Nil.	আদেশ ও বিচ্ছাপন প্রভৃতি	নাই ৷
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		বিতীয় क वंश ।—বজদেশের গ্রথমেটের আদেশ	r3-r=
	<b>—83</b>	ভূতীয় খণ্ড।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত	
PART III Acts of the Legislative Council of		আইন	নাই
India	Nil.	চতুৰ্য থণ্ড।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনেব	
PART IV Bills of the Legislative Council of		<u> পাতৃলিপি</u>	নাই ৷
India	Nil.	পঞ্চম খণ্ড।—বদীয় ব্যবস্থাপক সন্তার প্রণীত আইন	नाइ
PART V Acts of the Bengal Council	Nil.	वर्ष्ठ थल।—वलीय वायन्द्रांशक मछात्र आहेत्वत	
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	পাতৃলিপি	নাই
PART VIICircular Orders by the High		সপ্তম থও।—হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোরেডর	
Court and Board of Revenue	Nil.	সাধারণ জ্ঞাপনপত্র	নাই
PART VIII.—Advertisements 473-	-487	অট্ম খণ্ড।—ইশ্তিহার প্রভৃতি	870 -8F
SUPPLEMENT	Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণমেক্টের গেকেট	নাই

#### PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দ্বিতীয় ক খণ্ড।

वक्रान्टभंत भवर्गस्यत्केत व्यादम्भ ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 487 T.M.—The 6th September 1897.—Whereas a notification No. 2442M., dated the 30th April 1897, was published at page 112, Part IB of the Calcutta Gazetts of the 5th May 1897, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisious of section 260 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Netrokona Municipality, in the district of Mymensingh, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Netrokona Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

C. E. A. W. Oldham,
Offg. Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 622 T.M.—The 11th September 1897.—Whereas a Notification No. 821M., dated the 13th February 1897, was published at page 46, Part IB of the Calcutta Gazette of the 17th idem, sanctioning the extension of the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act III of 1884, as amended by Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Baruipur Municipality in the district of the 24-Parganas, and whereas the Municipal Commissioners resolved, under Section 222 of the Act, to bring the provisions of Part IX into operation within the Municipality, with effect from the 1st April 1898, thus exceeding the limit of time fixed by the proviso to the aforesaid Section, it is therefore necessary to renew the sanction then accorded. It is accordingly notified, for general information, that in the exercise of the powers vested in the Local Government by Section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Baruipur Municipality made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the said part of the Municipal Act to the above Municipality.

C. E. A. W. Oldham,
Offg. Secy. to the Govt. of Benyal.

#### वन्नद्रान्त बीयु ला (१६) दिन्छ । १० वर्गत मारहर तत वारमा।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৪৮৭ টি, এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ৬ সেপ্টেম্বর।—ময়মনসিংহ জিলার অন্তর্গত নেত্রকোণা মুনিসিপালিটাতে ১৮৯২ সালের বন্ধীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বন্ধীয় ২ আইন হারা সংশোধিত বন্ধদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ২৬০ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৩০ আপ্রিল তারিখের ২৪৪২ এম, নং এক বিজ্ঞাপন ১৮৯৭ সালের মে মাসের ৫ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ১১২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইডেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতাহ্লসারে কার্য্য করিয়া এবং নেত্রকোণা মুনিসিপালিটার সভাগত কমিশনরদের অন্তরোধক্রমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রচলিত ভ্রুকরিবার অন্তর্যা দিলেন।

সি, ই, এ, ডবলিউ, ওল্ডহ্যাম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের একুটিং সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন ।

৬২২ টি, এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ১১ সেপ্টেম্বর।—২৪ পরগনা জিলার অন্তর্গত বারুইপুর মুনিসিপালিটীতে ১৮৯৪ সালের ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপলাটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করণার্থে ১৮৯৭ সালের ১৩ কেক্রেয়ারি তারিখের ৮২১ এম, নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১৭ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খণ্ডের ৪৬ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও এবং মুনিসিপল কমিশনরেরা উক্ত আইনের ২২২ ধারামতে ১৮৯৮ সালের ১ আপ্রিল হইতে উক্ত মুনিসিপালিটীতে নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করিবার জন্যে কম্পনা করা প্রযুক্ত উক্ত ধারার নিয়ম বিধির নির্মাণত কাল অতিক্রম হওয়ায় তৎকালে প্রদত্ত অন্থমতি নৃত্তন করিয়া দেওয়া আরশ্যক হওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতান্থসারে কার্য্য করিয়া এবং বাক্ইপুর্মুন্নিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্থ্যতি দিলেন।

সি, ই, এ, ডবলিউ ওল ডহ্যাম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের একুটিং সেক্রেটরী।





## गवन्यन् कार्क्र

TUESDAY, SEPTEMBER 21, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২১ সেপ্টেম্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অন্তম খণ্ড!

ই= ভিহার প্রভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিবমূক ইন্তাহার।

#### किन। वीत्रकृय।--क्रियमाति विक्रासत विकाशन क।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিও মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্ব ও অন্যায়ে সকল দাবী আইনাস্সারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন্ন ১৮১৭ সালের ২৭শে সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

٥	<b>ર</b>	•	8	•	en. , &	٩		
ভৌজীর মধর।	মহাল ও প্ৰগ্নাৰ নাম।	मण्णृषं स्रकारमञ् मण्य क्रमः।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইৱে কিনা।	কেবল ছাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশের বিশেষ বিবয়ণ।	ত্বে সম্পত্তি বিক্রয় ভইবে জাহার মালিকগণের নাম।	ফোন অংশ মাতা বিজ্ঞা চটলে ঐ অংশেব সদব কম্য	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হউলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রথ ভইলে তাহার বাকী।
১০১ নং	হেৰুকা, প্রগণা আক্বরসাহি থানা মেড়ি- শ্বর।	200290	मण्यॄर्व	••••	ি ভালানাথ ঘোষ দিশ্র।		8316	
১০১ নং		30000		এজমালি অংশ রক্ষ  । ১১৯ গণ্ডা ২ দন্তা  এই এজমালি  অংশ ভিন্ন মহা- লের অন্য কোন  অংশ নীলাম  হইবে না।		د ااه جد		৮(৪ পাই
3 • ৩ নং	<b>খন্না</b> , প্রগণা <b>খটন্দা</b> থানা সিউড়ী।	3000Jo		এজমালি অংশ রকম  ।।৯।—১৫ ভিল  এই এজমালি অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।	পাধ্যায়।	१७२/०	•••••	<b>4</b> 112
১৭০ নং	জাকুনি পরগণা: অন্ধ্রপদিংহ থানা মৌড়ে-। বর।	) काराया । 	••••	১৭ পৃথক হিসাব  ং নং পৃথক হিসাব  কাজিপুর বাগ- বাদিনী ও ভুড়ি  গ্রোম মোজার রকম  ধোল মানা এবং  সাহাজাদপুর চক ও	সতাশ চন্দ্র মুখো- পাধ্যায় দিগর।	4931100		₹\$ .✓•
				সাহাজ্ঞানপুর নও- রাবাদ মোজার রকম।/ তথানা এই পৃথক হিসাব ভিন্ন মহ,সের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।	•			

জীকা।- যে এলে উপরেব লিখিত ব্যনাপত্তেব ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছটবে বলিয়া দিখিত আছে দেই দলে ইছা বুবিতে ছটবে যে ঐ অংশোর বিক্রম ছাত্র হিসাব বাধা ছাইয়া থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ডিল্ল মন্তালের অন্য কোন অংশ নিলাম ছাইবে না।

the 9th August 1897.

F. N. FISCHER, Collector.

#### जिना वर्षमान।

#### कविनाति विकास विकाशन क।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এডজারা এই সংবাদ দেওয়া যাইডেছে যে, বর্জমান জিলার অন্তর্গত নিম্ন-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিনে ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ কিন্তির বাকী রাজত্বের এয়ায় আদায়ের বোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সালের ও অন্য যে সকল দাবী আইনাছসারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের বোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সালের ২৪ সেপ্টেছর তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	<b>\</b>	•	8		8	9	•	>
তৌশির নয়ক।	মহাল ও পর্গণার নাম !	সম্পূর্ণ হত্তা- জের সহার জনগা	ন~ুণ মহাল বিক্রয় ঘটবে কিন্দা।	কেবদমাত্র অংশ বিক্রন্ন হবলে ঐ অংশের বা ঐ অংশের বি শেষ বিবরণ। উল্লি- থিত অংশ ব্যতীত অন্যান্য অংশ বিক্রন্ন হববে না।	ৰে সম্পত্তি বিজ্ঞয় চইবে ভাছার স্থানিকগণেব নাম।	কান অংশ হাত্ত বিক্রয় হইলে ঐ অং- পের সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাষার বাকী।	কোন অংশ মাজ বিক্ৰয় ঘইলে ভাগাব বাকী J
<b>७</b> ७२	প্ৰশোমা পং ধেঞা	•		এই মহালে ২,৩, ৪৩ ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে ১নং পৃথক হিসাবের মহাল নিলাম হইবে মূল মহাল ও বাকি পড়িয়াছে তাহার নিলাম জন্য পৃথক ইস্তাহার দে ওয়া গেল। এই মহালে ২,৩, ৪৩ ৫ নং পৃথক হিসাবের মহাল বাদে মূল মহাল নিলাম হইবে ১ নং পৃথক হিসাবেও বাকি পড়িয়াছে তা- হার নিলাম জন্য পৃথক ইস্তাহার দেও- য়া গেল।	আশুতোষ চম্দ্র দিং আশুতোষ চম্দ্র দিং	> < e > > 19		55 Ha/4

টী হা।—যে ছলে উপবেৰ লিখিত বৰ্ণনাপত্তৰ ৫. ৭ ও ৯ ঘৱে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই ছলে ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশের নমিত খতল হিসাং বাধা হটয়া থাকে ও মহালেব জন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্লয় হয় না।

Bejoy K. Bose.

Deputy Coll ctor in Charge,

For Collector on tour.

#### জিলা বাকরগঞ্জ ।—জ্যিদারি বিরুয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত জুন কিন্তির বাকী রাজ্বত্ব ও আন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজব্বের ন্যায় আদায়ের যৌগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৭ সনের ২৪ সেপ্টেম্বর শুক্রবার তারিখে যোং বাং ১৬০৪ সনের ৯ আদ্বিন নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭। ২ আগফ।

>	*	•	8		•	9	•	>
জেকির নহর।	মহাল ও প্রস্ণাব নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদর ক্মা।	मञ्जूर्य महाल विक्रमः हहेद किना।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয়-হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবর্গ।	যে সম্পত্তি বিক্লয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোম জংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ জংশের মধর ভূমা।	স∾ৃণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহার বাকী।	কোম অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাঙাব বাকী।
3699	ভানুক দৈক্ষীন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।			এজমালী ১১/১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। অন্য কোন অংশ নিলাম ইইবে না।	রুষ্ণকিশোর নিয়োগী গং।	<b>3 • 8 º H</b> <sub>2</sub> /8		<b>७।</b> भारे
8184	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কালীম পুর সেহলাপট্টী।	ومهر)	সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং	•••••	224)	
6424	চক কচুপাতরা পং চস্দ্রদ্বীপ।	,	সম্পূর্ণ মহা- লের ভালুক- দারী স্বত্ব নিলাম হইবে	•	শশীকুমার বহু গং	•••••	( • <del>•</del> •	*****
8482	তুষখালী মহাল অধীন ৪নং নিম হাওলা পং সৈদপুর।	و دو و دو دو دو دو دو دو دو دو دو دو دو	সম্পূৰ্ণ নিম হাওলা নিলাম হইবে।		এরকান্স্দ্দি গং	** **;	<b>3334</b> 6∕•	******
(d)	ভূষধালা মহাল অধীন ৬৮৮৪।২১৮ নং যোত।	رد،و	সম্পূৰ্বযোত নিলাম হইবে।	•••••	মদন গং	*****	(۵۰۶	******
<b>e</b> ₹₹₹	1	0 C/01679 0	সম্পূৰ্ব হাও- লা নিলাম হইবে।		কাশীচন্দ্র দাস গং	•••••	<b>৮</b> 8२५ % ७	*** ***

উকা।— যে দ্বলে উপরেও লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ৫৯ খরে কোম অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বলে ইছা বুঝিতে হইবে বে ঐ অংশের মমিত ঘতত্র হিসাব হাবা হইয়া থাকে ও মহালেয় অন্য বা জন্যান, অংশ বিক্রয় হয় মা। B. Bell.,

Offg. Collector.

#### জেলা বৰ্দ্ধমান। - নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদারা সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে বর্জমান জেলার অক্ষণাতি নিম্নলিখিত মহলে প্রবর্ণমেক্টের যে মালিকি
স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ভ অন্থলারে উক্ত বর্জমান জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২৪শে সেপ্টেম্বর
তারিখ যোতাবেক বাক্লা ১৩০৪ সনের ৯ আশ্বিন তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে।--

#### নিলামের সর্ভ ;-

প্রথম : নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিন্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপ্রাক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিক্ষারকে ইহার মালিকস্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থ রূপে গণ্য
হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ত্ব খরিক্ষারের প্রতি প্যাণ্ড হইবে।

বিভায়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের ছারান্ত যে সকল অতু অর্পণ হইয়াহে এবং এই ক্ষণ যে সকল পাটা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ খাকিবে এবং রেভিনিউ কার্য্যকারকাণ দারা প্রস্তুত হওয়া জ্বমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্লমক প্রজা ছারা দত্তখত হইয়াছে তাহাদের অত্ত স্থীকার ক্রিতে শ্রিকারণণ বাধ্য ছইবে।

তৃতায়। নিলামি মূল্য ১০ -, টাকার অনধিক হইলে সমুদ্য টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার ঊশ্ব হইলে যত টাকা তাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবলিফ টাকা দেওয়া না হয় অব্বা ঐ দিবস কোন পর্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি শ্বিদারের দায়াত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তা স্কিব ধ্যব ।	মছাল ও পরগণার নাম।		দূৰ জা	ন। যা	.ৰ যত- ে ভূমিব বিমাণ ।			রাজস্ম ইয়াছে।	म्च्र€ा ।
			একর	<b>∓</b> ড	(°ii: 1	क्ष	আ:	পाइ।	
885	কালু ওক দিঃ পং মজাকরসাহি	•••	۵	?	?	85	✓	۵	
888	কজনা দিঃ পং বৰ্দ্ধমান	• • •	٦	2	72	30	1	ט	
848	বটগ্রাম দিঃ পং মজাকরসাহি	•••	¢	ş	4	२४	4/	٥	
B & 0	উচালন প্: সমরসাহি		, <b>d</b>	G	<b>೦</b> ೩	२१	110	હ	
810	ক্লঞ্জপুর ওরফে কামানপুর পং খণ্ডঘোষ	•••	હ	2	44	૭હ	1	Ŀ	
842	বুলচন্দ্রপুর পং সমর্ম।ছি	٠.	9	7	4 5	9	110/	હ	
\$ u 2	নিগোন পং ধেঞা	• • •	٩	<b>?</b>	૭હ	44	112	•	
90	ডকরপুর পং অধিকা		8	O	76	29	1	೨	
० ५०	পাঁচরখী পং জাহালিরাবাদ	•••	8	0	29	34	1	હ	
828	কোঞ্চারডিহি পং সেরগড়	•••	•	U	60	3	9/	٥	
829	কোঙারভিহি পং সেরপড়	• • • •	•	0	72	0	•	0	
8 > 1	কোঙারডিছি পং সেরগড়	•••	•	*	۵	*	110	હ	
६२७	কোঙারভিহি পং সেরগড়	•••	•	•	43	•	0	•	
<b>e</b> २ 9	কোঞ্চারডিহি পং সেরগড়	•••	•	•	44	•	•	•	
409	কোঙারডিহি পং সেরগড়		•	0	۵	•	•	•	
488	কোণ্ডারডিহি পং সেরগড়		•	•	9	•	•	•	
20	কোঙারডিহি পং সেরগড়	•		•	ر بی	3,	•	•	•

ক'লেকুরের কাছারি জেলা বর্দ্ধমান ভারিষং ১ আগক্ত ১৮১৭

#### किमा २८ भेदगंग।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারায়তে সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে যে নিম্নলিখিত জমিলারি মহালাতের সন ১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির রাজস্ব ২৮ জুন সূর্য্যান্ত পর্যান্ত পর্যান্ত পর্যান্ত পর্যান্ত পর্যান্ত করা যাইবেক।
ক্ষেলা ২৪ প্রগাণার কালেক্টরিতে বেওজর নিলামে ধরা যাইবেক।

প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবস্তী মহাল।-

	2	•	8	t	8	9	b		3.
্ত্ৰামক নশ্ব	ভৌঙীর নহর।	णतमभा <b>।</b> महाटनच मांच ।	প্রামহা- লের সদর ক্ষা।	भ्या महान विक्रम श्रेटव किमा।	যদি একটী অংশ বিক্রয় হয় তবে সেই অংশের বিশেষ বিবৰণ।	বে সম্পত্তি মিলাম হইবেক তাহার বালিকের কাম।	যদি একটা অংশ থিকের করিতে হয় ভারার দদর করা।	ষদি প্র। মহাল বিজ্ঞয় করিতে হয় ভাষার বাকির পরিমাণ।	যদি অংশ বিক্রেয় কবিট হয় তাহাব বাকির পবিমা
	3	পং মাগুরা, কিং চেক্তলা দিং।	<b>68</b> 22 42		শ্রীপুর ও বাগেরখোল ও রান্ধ মোলার চক ৩ মোজার প্রভ্যেক মোজায় ॥• আনা বাদে অবশিষ্ট ॥• আনা ও অন্যান্য সমস্ত মোজা।	হরিশ্চন্দ্র রায়	4.344/4	••••	3►1/331
•	હહ	পং মাগুরা কিং ধাপামানপুর।	128 <del>2</del>		দং দণ <sup>্ঠ</sup> দ <b>ন্তি অভন্ত</b> হিসাব বাদে অবশিষ্ট ১১৭১১ দন্তি।	বাঁকেবিহারি দাল মঙল দিং ৷	७७ ११८ छ।		الراها ا
3	40	পং মাগুরা কিং রামেশ্বরপুর দিং।	() au a		জানিপুর দিং ১৪ মো- জার প্রভ্যেক মো- জার ১৬ বোল জানা চক্রবেড়ে দিং ৪ মো- জার প্রভ্যেক মো- জার ॥/১৯।—কাস্তা ও রামেশ্বরপুর মো- জার ৸/১৬/২ কাগ অংশ।	₫.	२ ७ ७२ ।।७। १		\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \
	re	পং মাপ্তরা কিং আবগাছিয়া দিং।	36844 9		ত মোজা বাদে অব- শিষ্ট ১০ মোজার ৭ মোজার ১৬ ঘোল আনা চক কাঠালিয়া মোজায়।।/০ আনা ও বাবনপুর ও নোনা মোজায় ৮/১৮।। অংশ!	জ্ঞগৎচন্দ্র রায় চেধুরী	° (6111594		b~6.2/
t	038	পং যু ভাগাছা কিং হরিনারায়ণপুব	1		। ८/১৪।। = ক্রান্তী বাদে অবশিষ্ট । ৮/১৯৮১৫। —ক্রান্তী।	तारकस्य नाच तात्र टापूती पिः।	604048	••••	@ 3    m
Ŀ	9	পং ঘড় দিং কিং' রায়পুর I	15482	•••	৮/৬॥ = ক্রান্তী বাদে অবশিক ১/১৩।— ক্রান্তী।	বাঁকে বিহারি লাভ মণ্ডল।	334040	••••	١٠٠١

>	2	•	8	đ	<u>.</u>	•	<b>b</b>	۵	20
****	(छोकित सम्बत्।	প্রগণা ও মহাজের ক্লাম ।	প্রা মহা- লের সদর জমা।	প্রাসহাল বিজয় হ÷বে কি মা		যে সম্পত্তি নিগাম হউবেক তাহার মালি কের নাম।	যদি একটি অংশ বিক্রের করিতে হয় তাহাব সদব ক্ষমাঃ	যদি প্রামহাল বিক্রয় কবিতে হয় তাহাব বা করপবিযাণ।	ভাগাৰ ব্যক্তিৰ
9	७७२	পং আজিমাবাদ কিং হদ। জন্ম- চভিপুর।	F03012	•••	৮/৬॥ = ক্রান্তী বাদে অবশিষ্ট ৮/১৩,— ক্রান্তী।	माद्रमा मामी	202011/5	•••	15 4 y 3 o lq
•	७ <b>৯</b> २। 8	পং আজিমাবাদ কিং হদা জন্ম- চণ্ডিপুর।	+0301.)		৮/৬॥= ক্ৰান্তী বাদে অবশিক্ত /১৩।— ক্ৰান্তী।	বাঁকেবিহারিদাদ যঙ্গ।	304411/8	••••	29197
	8•0	কিং পা <b>ধর</b> বেভিয়া দিং।	€780°)		।1/>8।। = काडी বাদে অবশিষ্ট ।/৫। - কান্তা।	मिर ।	२०४४।७/७५	•••••	<b>७</b> २।8॥
:	i¢ ,	পং ময়দা কিং বাঁটরা।	1%8 78@~7		৸১৬—ক্ৰান্তা বাদে অবশিষ্ট ১৩৸= ক্ৰান্তা।	হরেজ্ঞ নাথ দত্ত	२ <i>৯७</i> २।८/8		3604/6
		পং উখড়া কিং দাতানি।		यशन।		मात्रमाठत्रन मख मिर्।	••••	201/2	•••••
?	२ऽ७७	পং উখড়া কিং প: উডাঞ্চা।	econ/o	À	•••••	वौद्धश्वत्र स्म पिः		<b>5 91∕</b> ₹	

CHUNDER NARAIN SINGH,

For Collector.

#### किना गूर्तानावाम। -- क्षिमात्री विकत्त्रत विकालन।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালঞ্জলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজ্ঞস্বের নায়ে আদায় হইবার আদেশ আহে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর মোং ১৬০৪ সালের ১৬ আশ্বিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ১ ঘরে কোন অংশ মাত্র

১৮৯৭ সালের জন কিন্তির বাকির জন্য।--

্বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ঐ অংশের নিষিত্ত স্বতন্ত হিসাব রাখা হইর। খাকে ও মহালের জন্য বা জন্যান্য জংশ ্রক্রম হয় না।

,	3	•	8	4	٠	١		•
ভৌভির নশ্বর ।	মহাল ও প্রণণার কাম।	স <b>™ু</b> ∢মহা- জের সদর ক্ষা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হ <b>ই</b> বে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিষয়ণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম চইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ- মাত্র বিক্রয় হংলে এ অংশের সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ব মহাল বিজ্ঞ হইলে ভাহাৰ বাকী।	্কান অংশ মাঞ বিক্ৰয় হইজে ভাগা বাকী।
7840	চর <b>হেতানী ধানা</b> বভুয়া।	•    ६ १	न्यूपञ्च	•••••	ধনেশ প্রকাশ গান্থনা দাং কলিকাতা নং ১ প্রসন্ন কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		31-9,	

किमा छोटार

# देखाशत माया काष्टाती कारनकेती किमा छोधाय।

बैशकात्री সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ১৮৬৮ দালের ৭ আইন ও ১৮৭১ দালের ২ আইনের বিধান্মতে ১৮৫১ দালের ১১ জাইনের ৬ ধারার মশ্বাদ্ধারে নিমলিষিত ভার্কাদির ১৮১৭ ইংবেজী ২৫শে মেই স্ব্যান্ত পৰ্যন্ত বাকি পড়া খাজানা ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮১৭ ইংবেজী ২১ অক্টোবর মোডাবেক ১৬.৪ বালালা ৫ কান্তিক রোজ রহম্পতিবার জিলা চটাগ্রামের কালেইবী কাছাবিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে,।ইতি ১৮১৭ ইংরেজা তারিখ ১ সেপ্টেম্বর।

हैं स्टब्स	•	-	D di ke	मुख्य क्या		राकी		
- v	थाना, (मीका क जानूरकर नाम	मांनी हरूव जाय।	4	( E	स्काम	<b>E</b>	Talk .	Track.
		•	œ			-	۵.	٨
	ধানা সাতকাণিয়া হাস বাস- বালী মেজিছেটে ছানুয়া মহস নমাবাদ ভাং ছোট ছম্যা।	বাবু হোগেশ চজ্জ রায় ফেট পাক্ষ রায় কৈলাস চজ্জ দাস বাহাতুর জেনেরল ম্যানেজার।	9 %	<b>୬</b> 冷 ୬	8 2 4	3	4 2 2 1	1
9 *	ধানা সাউকাণিয়া হাল বাস- ধালা মোজে পুইছুৱী মহাল নমাবাদ ভাং কঞ্চবজ্ঞিত।	গোলোক চন্দ্র সিকদার পিং রায়সেবক সিক <sup>া</sup> র সাং কলাউজান।	• <b>५</b> २२	3/41/96	₹\ ₹ ₹	:	9 > - ~	
9 00 00	শানা সাতকাণিয়া হাল বাস- শালী মোজি পুইছুৱা মহাল নয়ায়াদ তাং মোবারেক লাল বঙা জালী।	আনোয়ার আসী পিং বক্সা আসী ও হামিদ উল্লা চেং স্বয়ং ও নাবালক ভাভা হৈয়দ উল্লা আজ্মলা ভগ্রি ছৈয়দলিছা, জ্যিলা শাংহুনের পাক্ষে হিং অ:জ্ৰ- মলাখী যতিমূর রহ্যান স্বয়ং ও নাবালক এজাহার	598	୬ 	00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00	9/1945	2 - 2 - 2	19-04   26 年代の 5266   2566   25-04

-		married in the state of the sta		E,	Offy. Collector.
	:	:	: :	J. PHILLIMORE,	Offig. C
-	1366174	<>>\a\8	66699		
	:		:	_	
	१ /।ककर	<b>%</b>	6 60 50 5		
	× 11995 3 11595	0/1189	916		
	6090	8051v	62540		
•	ধানা সাভকাণিয়া হাজ বাস- কন্ত্র আলা পিং মৃত্র আলা চোং সাং তৈলার- ১৬০৭, খালী মৌজে চাম্বল মহাল লাপ।	কুয়াবাদ ভাই তাতান্ত। ৫৯ চিছি। ৪৭ পানা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী নেজান্ত অলি পিং মাহাং রফি সাং ব্রেখাইন	রাজচন্দ্র পেশ বাজনিশান সেন ও বংশীরোহন ৫১১৭০° সেনের পক্ষে ওসুরেন্দ্র বিজয় রায় ঠেট পক্ষে রায় ইকলাস চন্দ্র দাস বাহাতুর জেনেরল ম্যানেজার।		
	बाना माउकानिहा हाम वाम- य यानी त्योरिक हाथन यहांन	নুয়াবাদ ওাই অব্যান্ত্র চেটাই। ধানা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী	্মেডিজ চাম্বল মহাবাদ ভাং অংবহুল মজিদ। এডেড ধানা সাতক, নিয়া মোজে চুড়ায়, ন মহান নয়াবাদ তাং মুহেশ চব্দ চৈতন্য চরণ।	•	A Contract of the
in s	a a a a a a a a a a a a a a a a a a a	18 80	99908 442		

CHILTAGONG COLLECTORALE, J. S. L. 191.

ţ

#### জেলা ফরিদপুর।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ফরিদপুর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২৩ সেপ্টেম্বর তারিখে বেলা ১১ টার সময় নিলামে বিক্রেয় করা যাইবে। ১৮৯৭। ১০ আগফা।

5	*	•	R	1	•	•		*
তোলির মধর।	মহাল ও প্ৰগণ্ব নৃম ৷	সম্পূর্ণ হয়। লেব স্পর ক্ষা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশেব বিশেষ বিষরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহাব মালিকগণের মাম ৷	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে ঐ অং শেব সদব ক্ষম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় এইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্ন হইলে ভাহাব বাকী।
<b>₹</b> ₡ o	পং কাশীম নগর মহাল পঞ্চাশ হাজারী।	७৮३२	ষোলআনা	•••••	<b>ঈশ্বরচন্দ্র সা</b> হা গয়- রহ।	•••••	و، د ه	•••••
6672	পং হাবেলা তপ্পা মায়ুদপুর সোল- পুরের অতিরিক্ত মহাল।	3"89)	: <b>એ</b>	•••••	প্রসন্ধকুমার সেন		, eu)	

টিক'।— ছেল্ডলে উপবের শিখিত বর্ণনাপরের ৫.৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম এইবে বলিমা লিখিত আছে দেই স্থানে ইচা বৃথিতে এইবে যে ঐ অংশের মিমিত ক্ষম্ম হিসাব বাধা এইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা জনগন্য অংশ বিক্রম এই না।

J. H. Temple, Collector.

#### ইস্তাহার নামা কাছারী কালেইরা জেলা চট্টগ্রাম।

ইছার দ্বারা জানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রান্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের বাকী পড়া খাজানা ও ছেচু আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মান্ত্রসারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ্ঞ বুধবার জেলা চট্টগ্রাম কালেক্টর কাছারিতে বিনা ওজ্ঞরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগস্ট।

নধ্ব	ও মহাল।			বাৰ্থিক :	ভ মা।		বাকী।		
) मर (वर सभव ।	তালুকেব নথব	থানা মেশি ও মহালেব নাম।	ম লিকেব নাম।	थकान।	८इह।	খাজান।	(\$ b	মোট।	ম
3	₹	9	8	e l		9	ь.	۵	
<b>74</b>	24.2	খানা রামুমোজে খুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএকলা।	হাৰ্কান আলী চোধুরি পিং মাছামুদ হারি দিকদার সাকিন পা তলা মাছুয়াখালী।	69510			ইং স । । । । । । । ।	3•২৩(৩	The state of the s
ЫR	544	থানা রামু মৌজে খুরূলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বকুসালি।	মহন্তত আলী চৌধুরি পিং আজগর আলী চৌধুরি সাং জলদি।		<b>৯</b> २॥७	30°00 2000			
757	<b>১</b> ⊌¢	থানা রামু মোজে উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ তালুক রস্তম আলী।	আমির বাহ্ন চৌধুরীয়া মেহের নিছা চৌধু- রিয়া আহালিয়ে না জির আলী চৌং দাও উত্তর মিঠাছরী ওগয়		<b>&gt;</b> ₹₹/	80340	8.11.	: : : : : : :	
399	२७१	থানা রামু মেজি খুটা খালী মহাল নয়াবাদ তালুকমোবারক আলী।	জামিলা খাতুন জাহা লিয়ে মৌলবি জাজ- মলা খাঁ সাং হারবাঞ্চা		707//0	* <b>* 3</b> ¢ <sub>3</sub>	9040	२८৮५७	
766	. २००	ধানা রামু মোজে ভারুয়া- খালী মহাল ন্য়াবাদ ভালুক মাহাস্কদ রাজা।	লৈবা মহস্বতালীও ছৈয়দ আলী পি° আনয়ার আলী চে° সাং পাতলী মাছুয়া খালী ওগয়বহ।	<b>a a</b> o     o	\$8\$ h/ u	ऽ७ <b>१</b> ।৵०	891/•	368:1e/•	
२१२	<b>₹98</b>	ধানা চকরিয়া মোজে ভেওলামাণিক চর মহাল নত্রাবাদ তালুক বিবি প্রাক।	সাতকাণিয়া।		<b>ኔ                                   </b>		The control of the co	<b>⊌</b> ৩৩ , ∘ ,	•
२४०	২৮৩	থানা চকরিয়া মেবিজ সিলখালি মহাল নয়াবাদ	গোলনেছ নিছা, বল- কিচ বিবি নাবালকা	୩୬ <b>୫</b> । 🎺 •	27196	२ ७ ८ । ५ ७ । १ ७ ८ । ५ ७ ।	(मट्ने-		
•		তালুক বিবি প্রাক।	কন্যা ও সেখ মাহা জ্বদ কালু চৌং সাং জ্বসদি ওগররছ।			ম্বর. কিন্তীর ৪০৬ দে/৩	ডিসেশ্বর ব্যকি। ৩০॥•	9661275°	•
<b>\$</b> bb	9৮ ৫০৮ 8৬৪ ৫৬০	থানা চকরিয়া মোজে টেটং মহাল নয়াবাদ তালুক হরিদাস বহ- দার।	এর্পাদ আলী চৌং পিং সেখ মাহান্ধদ জমা সাং তৈলারদ্বীপ ধানা বাঁশখালী।	<b>૧</b> ৬৩)	و ۱۵۵۱۵	9 • \$110/1 26/2)	હત્મિટ) • į	288 h a	:

BAGALA PRASANA MAZUMADER,

#### জিলা নদীয়া।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ও ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্বের নায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৭ সেপ্টেম্বর তারিখে বেল।
১১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

<b>5</b>	1 ! <b>}</b>		8	ď	5	٠,	•	>
ভৌক্তিব নধুব ।	মছাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্থ মহালেব সূদ্ধ ক্ষা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰম হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিশ্রুয গুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশে বিশেষ বিংবণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হঠলে ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হইলে তাহাৰ বাকী।
369	তৌজি মহাল গ্ৰরা প্রগণে গজ- নোর।	38896/3		১৬৭া২ নং ভৌজি প্ৰব্যা /১৪া,১৬॥,৮০ এক আনা চৌদ্দ গণ্ডা এক কড়া যোল তি ল তুই কাগ তিন রকম অংশ কেবল সংশ্যাত বিক্রঃ হইবে সম্পূর্ণ মহাল বিত্রঃ		20000		৭।১ ° সার্টিফিকে- টের বাকী

টিকা। যে শ্বলে উপাৰেৰ লিখিত বৰ্নাপাত্ৰেৰ ৫,০০০ সাৰে কোন জংশ নাম বিজয় ছইবে বলিয়া লাখিত আছে মেই স্থান ইচা বুৰোতে চইবে যে ঐ জংশোৰ নিমিন্ত স্বতম্ব বিশাস্ট্যাপাকে ও মহালেৰ জান বা জানানা জংশ বিজয় হয় না।

W. MARWELL,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febr fuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six presents at a time, from the Superintendent, Botanie Garden, Calcutta, at the following rates: per four-onnee tim, Rs. 2 ans. 8: per eight-onnee tim, Rs. 5; per pound tim, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanie Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-onnee tim, Rs. 3; per eight-onnee tim, Rs. 6, per pound tim, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native imagists in Calcutta. Postage – Four annas per 4 oz. tim, eight annas per 8 oz tim, and twe ver annas per pound tim, in addition to the foregoing rates.

#### কুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাডান্ত বোটানিকাল গাওঁনের অধাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেক্টের নিকট গবন্-স্বেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নালিখিও মূল্যে স্বর্গ দিন্কোনা পাইবেন অধাৎ চারি উপ টিন থাত টাকাল, আট উপ টিন ৫০ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০, টাকায় পাইবেন। সক্ষসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেক্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অধাৎ চারি উপ টিন ৬, টাকায়, আট উপ টিন ৬০ টাকায় এবং এক পেণ্ডি টিন ১০, বিক্রয় পাইডে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় উপধ বিক্রেভাগনও এই উপধ বিক্রয় করিয়া গাকেন। উপরোক্ত হাব ছাড়া চারি উপ টিনের ১০, আট উপ্ টিনের ১০

```
বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন।
      ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল ছইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মৃল্য ছইবে, ষণা---
                ১ এক পৌশু টিন ১৮, বা ডাক মাণ্ডল সমেড ১৮৭০
                                    ٠, ,, ,,
                              ,, 8|10 ,, ,, ,,
      পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং
इश य निमुक्ताबारेन ७ निमुक्तानी छारेन नायक अनुकृष्ठे कारतत महिए रेम्हानुर्वक यिमान इस नारे
ভাষার গ্যারান্টী দেওয়া যাইভেছে। ইষা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয়
কৰা ঘাইবে এবং কলিকাতার নিকটছ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের অপারিটেভেটের নিকট পাওয়া
ষাইতে পারিবে।
                                       NOTICE.
     The 21st February 1883 .- The subscription to, and postage for, the Bongali Gazette will
henceforward be at the following rates, payable in advance :-
                                    For the Mufassal.
                                                Rs.
                                             ... 10
     Entire Gazette
                                                             per ansum.
                      Postage
     Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts
      and Bills of the Legislative Councils of India
      and Bengal
                      Postage
     For a single copy-
       Entire Gazette
                      Postage
                                                 0
     Parts III, IV, V, and VI
                                                                     sheets or under
                                                                             additional
                                                              charge of 1 anua for
                                                              every 4 sheets in excess
                       Postage
                                              ... 0 1 0
                                    For Calcutta.
     The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.
                                                        E. N. BAKER.
                                          Offe. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.
                                       বিজ্ঞাপায় ৷
     ১৮৮७ नाम २) किल्यादि ।--वामाना भवर्ग्यके शिकादित मृत्रा ७ षाक्याद्य अरे वर्षा बन्द-
দিখিত হারে শুগ্রিম দিতে হইবে:—
                                   उक: मान
          मच्यूर्व (शटक ह
          ৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ বঙ ( মাহাতে কারতবর্ধের ও কল-
               দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইম 👁 আইমের
               পাণ্ডুলিপি থাকে )
                     ভাকষাত্ৰ
          সম্পূর্ণ একখানি গেডেটের মূল্য
                    ডাক্ষাস্থ
                                            ...
          ৩ ৪ ৪ ৫ ৫ ৭ ৬ খণ্ড ( খাড্যেক ৪ পৃঠা বা ভাছার
                   ন্যন সংখ্যক পৃষ্ঠার মূল্য)
                                                                      / 8 मुडोब छेन ब
                                                                       ৪ প্রা প্রতি দার
                                                                       একং আনা।
                 डांक्याञ्चन ...
```

কৰিকাভায়।

কলিকাডায় ও মক:সলে সমান মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাকমার্ক লাগিবে না

रे, अम, त्वकात ।

बिष्टमान भव्वायालेब अक्षिर ছोडे म्हाकेबी।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Re. 24: packing and postage Re. 1-12.

\*\* The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements	in the Calcutta	GAZETTE	T1 -
Full page, per issue	••		Rs. 20
Half ,, , Casual advertisement	A annag now lin	•••	10

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়। না গেলে ঐং গেঞেট দেওয়া ঘাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপঞাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি বালাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভম্মিত নগদমূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেণ্টিনিটের নিকট অণ্ডো মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন গোক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্র'ভৃতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আব ৴০ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বলদেশের গ্রেথমেন্টের ছোট দেক্রেটরা:

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য।—কলিকাতা,গোলেটে ইণতিহার প্রকাশ করিবার হার এইং।				B1+1:
পুৰা এক পুঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••			2 = 4
काभ १ का	**1			>
BUR BUR BURGE WATER BIRDING BER SEE THE		***	•••	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., I.L.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B .-- Copies are still available.

#### बाकान (मटक्रोविदस्र विकास विकसार्थ जाइ)।

বারিষ্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীয়তীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্ত্মমানের ডিষ্টিষ্ট ও সেশন জ্ঞ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল. এল. ডে সাহেবের প্রণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেউ গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্যাধিকারার প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পৃস্তকের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তুক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেটিটের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার খরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য ।--- উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকায্যোপদক্ষে বলদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড কেয়য় টোন হালের হাতায় ছিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিনে বেছি. ক্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উজ সকল আইনের পুস্তক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটাডে ক্রঃ করিন্ডে পাওয়া ষায়।

#### INSOLVENCY NOTICE.

COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUTTA.

In the matter of RAMASEWAR BARRICK AND ANOTHER, Insolvents.

Notice is hereby given that Tuesday, the 7th day of December next, is appointed for the further hearing in this matter for the purpose of declaring a dividend, and that an account in detail of the receipts and disbursements of the Official Assignce, from the 2nd day of May 1896 until the 31st day of August 1897, has been filed, and may be inspected in the Office of the Chief Clerk. Any Creditor or other person interested who may intend . to establish or oppose any claim upon the Estate of the said Insolvent will be heard, notice having been given at the Office of the Chief Clerk three clear days before the hearing.

The like Notice.—In the matter of SRIDAM CHUNDER SEAL, an Insolvent. Wherein the account of the Official Assignee, from 1-th April to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of ISSUR DASS JUGGERNATH, Insolvents. Wherein the account of the Official Assignee, from 10th March to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of RAMRICK DASS NUNDRAM, Insolvents. Wherein the account of the Official Assignce, from 30th March to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of HADJEE SALLAY MAHOMED ELIAS, an Insolvent. Wherein the account of the Osicial Assignee, from 16th September 1896 to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice. -- In the matter of JUMMNA DASS, an Insolvent account of the Official Assignee, from 19th September 1896 to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice. -In the matter of NOONCORUN MULL AND OTHERS, Insolvents Wherein the account of the Official Assignee from 12th May to 31st August 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

Official Assignee's Office, Calcutta, 17th September 1897.

A. B. MILLER,

Official Assignee.

কালবাতা প্রেফিডেকা কেল যন্ত্রালয়ে গ্রেপুমেন্টের ক্রা অযুত কেন্দ্র পেটা গাহেব কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল। B 64a - 20-9-97-1524 -120







## गवहाराने (गटनि

TUESDAY, SEPTEMBER 28, 1897.

### মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৮ সেপ্টেম্বর।

CONTENTS		
P	Pagn. fatt	
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	**	का
cions of the Government of India	Nil. প্রথম বশু।—ভারতব্যীর গ্রেপ্মেন্টের নির্দারণ	
PART II Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিকাশন প্রভৃতি ন	तं≩
tions by the Lieutenant-Governor	ৰিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গবর্ণমেটের নির্দ্ধারণ,	
of Bengal	Nil. আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ন	हो।
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক থণ্ড।—বঙ্গলেশের স্বর্ণমেন্টের আলেশ ৮৫-	-61
nor of Bengal 85	35—86 ছতীয় বও।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত	
PART III Acts of the Legislative Council of	आहेब ६७-	<u> </u>
India 53-	3-64 हर्ष वस्रा-कात्रञ्जनीत वावनाथक मलात कारेरावत	
PART IV Bills of the Legislative Council of	পা <b>ত্</b> লিপি ১৫ -	> 1
India 1	15-16   भक्षम यस ।रक्षीय बावन्द्रां भक्ष मकात अंगील आहेस स	ां€
PART V.—Acts of the Bengal Council	_Vil. वहे थल।—वक्षीय वायन्द्र(णक मस्रात स्वाहित्य	
PART VI.—Bills of the Bengal Council 35	15—46   শাণ্ডলিপি ৩৫-	-8
PART VIICircular Orders by the High	সম্ভ্রম থণ্ড।—হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোডের	
Court and Board of Revenue	সাধারণ জ্ঞাপদপত্ত	٧
PART VIII.—Advertisements 489-	9—499 আইম বঙা—ইশ্তিহার প্রভৃতি ৪৮৯	822
BUPPLEMENT	Nil. পরিশিষ্ট গবর্গযেক্টের গেলেট ন	ΙŒ

#### PART IIA:

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দ্বিতীয় ক খণ্ড।

वसाराम्य शवर्यस्य क्षेत्र कार्यम ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 661T.M.— The 15th September 1897.—Whereas a Notification No. 1925M., dated the 3rd April 1897, was published at page 85. Fart IB. of the Calcutta Gazette of the 7th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act III of 1884, as amended by Bengal Act IV of 1894, to such portion of the Kotechandpur Municipality in the district of Jessore, as is comprised in the area the boundaries of which are stated below, and whereas no valid objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Kotechandpur Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sauctions the extension of the above cipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said area of the Municipality.

The aforesaid boundaries are :-

On the North. - Kotechandpur. Muchipara, Musulmanpara and Dhopapara.

On the East.—Syedtola, and a line from it to the Municipal tank at Ba i Bamund h.

On the South.—Katakhal and the river Bhairth.
On the West.—The river Bhairth, Kotechandpur, Mitterpara Ghât Road and Mitterpara.

C. E. A. W. OLDHAM, Offg. Secy. to the Goot. of Bengal.

#### वक्राम्तरभव और ज त्नार्थित के भवर्गत मारहर वह जारमा।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৬৬১ টি, এম; নম্বন-১৮৯৭ সাল ১৫ সেপ্টেম্বর।—যশোহর জিলার অন্তর্গত কোটটাদ-পুর মুনিসিপালিটীর যে অংশের সীমা নিম্নভাগে দেওয়া গেল সেই অংশে ১৮৯৪ সালের বঞ্চায় ৪ আইন ছারা সংশোধিত বল্পদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের নব্ম পরি-চ্ছেদের বিধান প্রচলিড করণার্থে শ্রীযুড লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮১৭ সালের ৩ আপ্রিল তারিখের ১৯২৫ এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ৭ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ ৪ খণ্ডের ৮৫ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার ভারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে যুক্তিসিদ্ধ কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়তে সাধা রণের অবগত্যর্থে এতছারা এই সংবাদ দেওমা যাইতেছে যে, এযুত সেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারাক্রমে প্রদন্ত ক্ষমতান্থসারে কার্য্য করিয়া এবং কোটচাঁদপুর মুনিসিপালিটীর সভাগত কমিশনরদের অহুরোধক্রমে মুনিসিপল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীর উক্ত সীমার মধ্যে প্রচলিত করিবার অভ্যাতি দিলেন।

পূৰ্কোক্ত সামা এই, —

উত্তর সীষা।—কোটটামপুর, মুচিপাড়া, মুসলমামপাড়া ও ধোপাপাড়া।

পूर्व भौमा।--रिमासपिटामा अवः थे द्वान इहेट वाकिवामूनपात मूनिमिशन शूक्तिगी পর্যাম্ভ এক রেখা।

मिक्क मोया।-काष्ट्र। थान ७ टेंड्य नम।

পশ্চিম সীমা।— ভৈরব নদ, কোটচাঁদপুর, মিত্রপাড়া, ঘাটের পথ ও মিত্রপাড়া।

ति. इ, এ, ডবলিউ, ওল্ড शाग, বঙ্গদেশের গবর্ণফেন্টের একুটিং সেকেটরী।



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট।

# गक्रवात, ১৮৯१ नाल २৮ मिट्टियत ।

# তৃতীয় খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট।

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেমরল সাহেবের নিম্নলিখিত আইনটী ১৮১৭ সালের ২২এ কুলাই তারিখে মহিমবর শ্রীযুত গবর্ণর জেমরল সাহেব কর্তৃক অন্নমোদিত হওয়ায় নাধারণের অবগতির নিমিত্ত এডদ্বারা প্রচারিত করা গেল।—

#### ১৮৯৭ সালের ১৪ আইন।

কোন কোন আইনের উল্লেখের স্থবিধা করণার্থ আইন।

কোন কোন আইনের উল্লেখের স্থবিধা করিবার বিধান করা বিহিত। অতএব এতদ্বারা নিম্নলিখিতমত বিধান করা গেলঃ—

নাম ও জাবছেব কথা।

১ ধারা। (১) এই আইনটাকে সংক্ষেপ নাম বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ভারতবর্ষীয় আইন বলা যাইতে পারিবে, এবং

#### (২) ইহা অবিলয়ে আমলে আসিবে।

২ ধারা। তফসীলের প্রথম তিন ঘরের বর্ণিত আইনের, উল্লেখ করিবার জন্য ঐ তফসীলের চতুর্থ

যরে যে সংক্ষেপ নাম দেওয়া হইল, উল্লেখ করিবার জন্য কোন রীতির

তফসীলের বাণিত আইনেব উল্লেব্যতিক্রম না ঘটাইয়া যাবতীয় প্রয়োজনার্থ, উহার সেই সংক্ষেপ নামে উপে
করা যাইতে পারিবে।

#### তফদীল।

\$	2	. 4	8
বংসর।	নম্বৰ।	বিষয় ।	সংক্ৰেপ নাম ৷
7208	2	গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরিগণকে প্রধান সেক্রেটরির ক্ষমতা পরিচালন করিবার ক্ষমতা প্রদান করণার্থ।	গবর্ণযেন্টের দেক্রেটরী বিষয়ক ১৮৩৪ সালের আইন।
১ <b>৮</b> ७१	8	ঞ্জীশ্রীয়তীর সকল প্রজাকে ভূমি অধিকারে রাখিবার ক্ষমতা দেওনার্থ।	ভূসম্পত্তি বিষয়ক ১৮৩৭ সালের আইন।
7000	₹ €	চরমপত্র	চরমপত্র বিষয়ক ১৮৩৮ সালের আইন।
2502	२৯	যেত্ক বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ	যেত্িক বিষয়ক ১৮৩৯ সালের আইন।
"	٥٥	উত্তরাধিকারিত্ব বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ	উত্তরাধিকারিত্ব বিষয়ক ১৮৩৯ সালের আইন।
"	७२	কোন কোন স্থলে স্থদ দিবার সম্বন্ধে	হুদ বিষয়ক ১৮৩৯ সালের আইন।
2287	٥ د	ইফ ইণ্ডিয়া কোম্পানির শাসনাধীন দেশের অন্তর্গত	জাহাজের রেজিষ্টরী করণবিষয়ক ১৮৪১
		ৰন্দরের কিন্ধা দেশীয় রাজা বা রাজ্যের কিন্ধা তাঁহা-	সালের ভারতব্যীয় আইন।
		দের প্রজাদের জাহাজ বা জলযান যাহাতে বিক্রোরি-	
		য়ার ৩য় ও ৪র্থ বৎসরের আইনের ৫৬ অধ্যায়াত্সারে	
		মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিও ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল	•
		সাহেৰের ক্বত এক ঘোষণাস্থসারে রটিশ জাহাজের	
		অধিকার পাইতে স্বত্বান্ হয় ভজ্জন্য যে	
		বিধি পালন করিতে হইবে সেই বিধি নির্দেশ করণার্থ।	
•	35	উত্তরাধিকারিত্তের বিষয়ী স্থাবর এবং অস্থাবর সম্পত্তির	উত্তরাধিকারিত্ব ( সম্পত্তি সংরক্ষণ) বিষ-
"		অন্যায়রপে দখল নিবারণার্থ।	য়ক ১৮৪১ সালের আইন।
"	48	উইলকারিদিগের সম্পত্তির যে অবশিফীংশ সম্বন্ধে বিলি	ইলিউসরি আপয়েন্টমেন্ট এবং শিশু-
"		ব্যবস্থা হয় নাই তৎসম্বন্ধে, ইলিউসরি আপয়েন্টমেন্ট	দিগের সম্পত্তি বিষয়ক ১৮৪১ সালের
		সম্বন্ধে, আদালতের আদেশাস্থ্যারে অক্ষয়তাধীন	আইন।
		ব্যক্তিদিগের কর্তৃক সম্পত্তির হস্তান্তর সম্বন্ধে, এবং	
		ঐরপ সকল ব্যক্তির সম্পত্তির অধিকতর সম্ভোষ-	
		জনক ভাবে কার্য্যাধ্যক্তা সম্বন্ধে এবং অন্যান্য	
		বিষয় সম্বন্ধে ইংলতে যেরপে আইন প্রিচালিত হয়	
		ভাষার সহিত শ্রীশ্রীমতীর স্থাপ্রম কোটের জজদিগের	
		কর্ত্ত্ব পরিচালিত আইনের অধিকতর সাদৃশ্যের	
		বিধান করণার্থ।	
		যোত্রহীনদের সম্পত্তির যে ডিবিডেও অর্থাৎ অংশের	যোত্রহীনদের সম্পত্তি বিষয়ক ( যৈ ভিবি-
"	२१	যোত্রহানদের সম্পাত্তর যে ।ভাবতেও অবাধ আংশের দাওয়া না হয় তাহা বিলি করিয়া দেওনের।	ডেভের দাওয়া না হয়, তদ্বিষয়ক / ১৮৪:
		माजवा ना रव जारा त्यान साममा दगज्यमा	मार्लित आहेंब।
		ভারতব <b>র্</b> হের কোম্পানি বাছাত্বের অধিকারের <b>।</b> মধ্যে	'দাসত্ত বিষয়ক ১৮৪৩ সালের ভারতব্যাস
7280	¢	গোলামী অবস্থার বিষয়ী আইন নিণয় ও সংশোধন	पार्वा ।
		করণের। কোম্পানি বাহাত্বের আদালতে উকীলদিগকে নিযুক্ত	ব্যবহারাজাবদের সম্বন্ধীয় ১৮৪৬ সালের
728R	2	করণ ও মেহনজানা দেওনের বিষয়ী আইন শুধরি-	
\	1		-11241
•		কার।	
		To sharp a superior and description of the state of the s	The state of the s

# তফদীল।—(চলিতেছে।)

,	२	9	8
ৰংস্ব।	নশ্ব	वि <b>षयः (</b>	সংহেদপ নাম।
<b>&gt;≻89</b>	20	কোম্পানি বাহাহুরের শাসিত দেশের মধ্যে এছুস্বত্ত্ব নামক স্বত্ব নির্ণয় ও প্রবল করণের দ্বারা ঐ দেশের মধ্যে বিদ্যার সাহায্য করণের।	1
2282	24	স্থপ্রিম কোর্টের কার্য্যকারকদিগকে ব্যবসা করিতে নিষেধ করণের।	স্থপ্রিম কোর্টের কার্য্যকারকদিগের ব্যবসায় করণ বিষয়ক ১৮৪৮ সালের আইন।
>>0 o	æ	ভারতবর্ষের সমুদ্রের তীরস্থ বন্দরে ২ অবাধিতরূপে বাণিজ্য হওনের।	সমুদ্রকুলে বাণিজ্য বিষয়ক ১৮৫০ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।
19	22	১৮৪১ সালের ১০ আইন শুধরিবার	জাহাদ্দের রেজিফরী করণ বিষয়ক ১৮৪১ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্গ ১৮৫০ সালের আইন।
>,	25	সরকারী হিসাবীর ক্রটি প্রযুক্ত ক্ষতি নিবারণের	সরকারী হিসাবকারিদের ক্রটি বিষয়ক ১৮৫০ সালের আইন।
,,	72	বিচারকর্তাদের রক্ষা করণের	বিচার বিভাগীয় কর্মচারিদের রক্ষার্থ ১৮৫০ সালের আইন।
<b>,</b> .	هد	•	আপ্রেণ্টিস বিষয়ক ১৮৫০ সালের আইন
,,	42	বাঞ্চলা দেশের চলিত ১৮৩২ সালের ৮ আইনের ৯ ধারার মূল নিয়ম কোম্পানি বাহাত্রের শাসিত সকল দেশে চালাইবার।	জাতিনিবন্ধন অক্ষনতা দুরাকরণার্থ ১৮৫ ॰ সালের মাইন।
,,	<b>68</b>	শ্রীযুত গবর্ণর জেনরঙ্গ বাহাত্বরের ভজুর কোপ্সেল হইতে যে যে লোককে কয়েদ করিবার ভকুম হয় তাহাদিগকে প্রাপেক্ষা ভালমতে কয়েদ করিয়া রাখিবার।	
2247	<b>b</b>	সরকারী রান্তা ও সাঁকোর উপর মাস্তল বদাইতে গ্রন্মেন্টকে ক্ষমতা দেওনের।	মাহলবিষয়ক ১৮৫১ সালের ভার তব্ধীয় আইন।
>>a <	<b>b</b>	ফেজিদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন এবং দেওয়ানী মোকদমার কার্য্য- প্রণালী বিষয়ক আইন অনুসারে মফঃসলের পার- ওয়ানা জারী করণার্থে কলিকাতা, মাত্রাজ ও বোস্বাইয়ের সরিক সাহেবকে মেহনতানা দেওনের বিষয়া।	সেরিফের ফী বিষয়ক ১৮৫২ সালের আইন
,,	٥٥	বিদেশীয়দিগকে দেশবাসী বলিয়া পরিগণিত করিবার বিধান করণার্থ।	দেশবাদী বলিয়া পরিগণিত করণ বিষয়ক ১৮৫২ সালের ভারতব্যীয় আইন।
3 <b>F</b> & O	*	ভূম্যধিকারী কি ঠাছাদের গোমাশতা অথবা সরবরাহ- কারদের যে সরকারী ও পোলিসের কার্য্য নিলাহ করিতে হয় ও যে সরকারী খরচ দিতে হয় তৎ- সম্পর্কে এদেশীয় লোকেরা যে২ আদালতের অধীন আছে শ্রীশ্রীমতী মহারাণীর সকল প্রজার সেই সেই আদালতের অধীন হওনের যোগ্যতার বিষয়ে যে সন্দেহ আছে তাহা ভঞ্জনের আইন।	ভূম্যধিকারিদের সরকারা খরচ ও কর্ত্তব্য বিষয়ক ১৮৫৩ সালের আইন।
,,	२०	কোম্পানি বাহাহরের আদালতের মধ্যে উকীলদের বিষয়ী আইন সংশোধনের।	ব্যবহার।জীবদের সধন্ধীয় ১৮৫৩ সালের আইন।
2► <b>€</b> 8	৫১	<b>ইঙ্গলণ্ডীয় আইন</b> যে২ স্থলে খাটে সেই২ স্থলে ভূমি হস্তান্তর করণের নিয়ম সংজ করিবার।	ভূমি হস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮৫১ সালের আইন।

# তফদীল ৷—(চলিতেছে ৷)

>	₹	٧	S
बरगव ।	নম্ব	रिषष्ठ ।	সংক্ষেপ নাম ৷
3 <b>24</b> 6	2.2	ইন্সলণ্ডায় আইন যেং স্থলে খাটিতে পারে সেই সেই স্থলে ওয়াসিলাতের বিষয়ের এবং গুর্বল অধিকার- ক্রমে যাহারা দখীলকার হয় ভাহারা ভূমির যে উদ্ভ- মতা করে ভবিষয়ের।	_
**	25	অছিদের কি আডমিনিফ্রেটরদের কি শুলাভিষিক্ত ব্যক্তিদের কোন২ নোকসানের বিষয়ে নালিশ করিবার ও ডাহাদের নামে নালিশ হইবার ক্ষমতা দেওনের।	আইনমত স্থপান্ডিষিক্ত ব্যক্তিগণের মোক- দ্দমা বিষয়ক ১৮৫৫ সালের আইন।
"	30	থে ক্ষতির বাবিৎ দাবীর নালিশ হইতে পারে এমত ক্ষতির দারা কোন ব্যক্তির মৃত্যু হইলে তাহার পরিবারের ঐ ক্ষতি পুরণ পাইবার বিধান করণের।	
"	२७	মৃত ব্যক্তিদের যে ইফেটের উপর বন্ধকক্রমে কোন টাকার দায় থাকে তাহার কার্য্য নির্বাহের বিষয়ের আইন সংশোধন করিবার।	বন্ধকী মহালের কার্যানির্ব্বাছ বিষয়ক ১৮৫৫ সালের আইন।
,,	48	ইউরোপীয় ও আমেরিকাদেশীয় বন্দুয়ানদের দ্বীপাত্তর প্রেরণ দণ্ডের পরিবর্ত্তে খাটনীর দণ্ড নিরূপণ করণের।	দওরপে প্রযুক্ত শ্রামদও বিষয়ক ১৮৫৫ সালের আইন।
,,	२४	অধিক স্থদ লইবার আইন রদ করিবার	স্থদ বিষয়ক আইন রহিত করণার্থ ১৮৫৫ সালের আইন।
3 <b>-</b> 2 - 2		বিল অফ লেডিঙ্গ অর্থাৎ মাল বোঝাই করিবার এক- রারনামা বিষয়ক আইন সংশোধন করিবার। ভারতবর্ণের মধ্যে ডাঙ্গায় শ্রীশ্রীমতীর যে ফোজ আছে ইউরোপীয় সৈনিকগণের তাহা ছাড়িয়া চলিয়া যাওয়া নিবারণের উৎক্ষষ্টতর বিধান করণার্থ।	বিল অফ লেডিফ অর্থাৎ মাল বোঝাই করিবার একরারনামা বিষয়ক ১৮৫৬ সালের ভারতব্যীয় আইন।
,,		হিন্দু বিধবাদের বিবাহের আইনঘটিত সকল বাধা রহিত করিবার।	হিন্দু বিধবাদের বিবাহ বিষয়ক ১৮৫৬ সালের আইন।
3649	2	কলিকাভায় উনিবর্নিটি সংস্থাপনের ও চার্টর দেওনের	কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয় বিষয়ক ১৮৫৭ সংলের আইন।
,,	33	রাজ্য বিপারীত অশ্রাধ নিবারণ করিবার ও সেই অপরাধের বিচার ও দও করিবার।	রাজ্যের বিৰুদ্ধে অপরাধ বিষয়ক ১৮৫৭ সালের আইন।
,	२२	বোধাইয়ে উনিবর্দিটি সংস্থাপনের ও চার্টর দেওনের	বোদ্বাই বিশ্ববিদ্যালয় বিষয়ক ১৮৫৭ সালের আইন।
••	₹ <b>å</b>	কোন্ হলে সম্পত্তি জব্দ হইবার আজ্ঞা করিবার ও ভাহা-কিরিয়া পাইবার বিধান করিবার।	জব্দকরণ বিষয়ক ১৮৫৭ সালের আইন।
,,	29	মাজ্রাজে উনিবর্সিটি সংগ্রাপানের ও চার্টর দেওনের	মান্দ্রাজ বিশ্ববিদ্যা <b>লয় বিষয়ক ১৮৫৭</b> সালের আইন।

# তফসীল।—(চলিতেছে।)

3	3	9	8
ৰ ৎ সব।	নখু-।	ं विषय।	সংক্ষেপ নাম ৷
3000	פ	রাজ্যের বিপরীত অপরাধা যে লোকদের কয়েদ হইবার ছকুম শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল বাহা- হুরের ছন্তুর কোজেন হইতে হয় ভাহাদিগকে গ্রেক্তার করিবার ও কয়েদ র।খিবার আইন সংশো- ধন করিবার।	রাজ্ঞকীয় কয়েদী বিষয়ক ১৮৫৮ সালের আইন।
".	<b>68</b>	রাজকীয় চাটর দ্বারা স্থাপিত আদালতে ক্ষিপ্ত লোক সম্পর্কীয় কার্য্যের বিধি করিবার।	(স্থপ্রিম কোর্টে) ক্ষিপ্তগণের বিচার সম্বন্ধীয় কার্য্য বিষয়ক ১৮৫৮ সালের আইন।
91	90	ক্ষিপ্ত যে লোকের। স্থপ্রিম কোটের এলাকার মধ্যে না থাকে ভাহাদের ইটেট রক্ষা করিবার আরও উত্তম বিধান করিবার।	(জিলা কোর্টের অধান) ক্ষিপ্রব্যক্তিগণ
• •	, ଓଞ୍ଚ <sup>ା</sup>	কেপা লোকদের আশ্রয়ের	বাতলাগার বিষয়ক ১৮৫৮ সালের ভারত- বর্ষীয় আইন।
\$500	, ,	সওদাগরী জাহাজী লোকদের আইন সংশো নের	দওদাগরা জাহাজ বিষয়ক ১৮৫৯ সালের স্থারতব্যীয় আইন।
**	ه.	রত করা বা জব্দ করা সম্পত্তির উপর দাওয়া হইলে সেই দাওয়ার বিচার করিবার বিধানের।	জব্দকরণ বিষয়ক ১৮৫৯ সালের আইন।
**	٥٥	কোনং স্থলে কারিগর কি কর্মকারক কি মজুর চুক্তি ভঞ্চ করিলে ভাহাদের দণ্ডের বিধান করিবার	-
্র টুলর্ড <u>৫</u>	۵	রেলরোতে ও সরকারী অন্য কর্মেতে যাহারা খাটে তাহাদের মুনিবদের সজে ঐ কর্মকারিদের কোনং বিবাদ ত্তরায় নিম্পত্তি করিবার বিধান করণের।	নিযোক্তা ও কর্মকারকগণের (বিবাদ) সম্ব- দ্বীয় ১৮৬০ সালের আইন।
• ''	22	সাহিত্য ও বিদ্যাঘটিত ও দানাদি কার্য্যের সমাজ রেজিষ্টরা করিবার।	সভা রেজিষ্টরীকরণ বিষয়ক ১৮৬• সালের আইন।
14	<b>©8</b>	সম্প্রতিকার গোলযোগের কালে সরকারী কার্যকারক সাহেবেরা ও অন্য লোকেরা যে সকল জরিমানার ও চাঁদার টাকা আদায় করিলেন ও যেং কর্ম করি- লেন ভাহার নিমিত্ত তাঁহাদিগকে দায় হইতে মুক্ত করিবার।	গবর্ণ কের্ব কর্মচারিদের ক্ষণ্ডিনিক্ ডি বিষয়ক ১৮৬০ সালের আইন।
<b>,</b> ,	89	১৮৫৭ সালের ২,২২ এবং ২৭ আইনে যে যে উপাবি উলিখিত হইয়াছে কলিকাতা, মাম্রাজ ও বেম্বাই বিশ্ববিদ্যালয়কে ভম্ভিম্ব অন্য উপাধি দিবার ক্ষমতা প্রদানার্থ।	ভারতব্যীয় বিশ্ববিদ্যালয় (উপাধি) বিষ- যুক ১৮৬• সালের আইন।
7FB7	đ	পোলীদের বিধান করিবার	পুলিস বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন। ডাকগাড়ী বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন।
"	26	ডাকের গাভ়ির অহমতিপত্র দিবার ও ভাহার বিধান করিবার।	
८७५२	٥	গবণযেক্টের মোহর ব্যবহার করণ বিষয়ী আইন সংশোধনের।	গবর্ণমেন্টের মোহর বিষয়ক ১৮৬২ সালের আইন।
7860	<b>ک</b> لا	কেবল শিশ্পাদি কর্ম্মে কি কিমিয়া বিদ্যাতে যে মদিরার ব্যবহার হয় ভাহার উপর একসাইসের মাস্থল আদায় করিবার বিশেষ বিধান করণার্থ।	আবকারী (উগ্র সরাব) বিষয়ক ১৮৬৩ সালের আইন।

#### তকদীল।—(চলিতেছে)।

٠		•	8
बरमय	নম্ব	ব। বিষয়।	मश्रकः स्रोम।
3 <b>5</b> % (	۶ ا	<ul> <li>ধর্মার্থে দক্ত ভূম্যাদির তত্ত্বাবধারণ কার্য্য গবর্ণমেনে ত্যাগ করিবার ক্ষমতা দানার্থ।</li> </ul>	টর ধর্মার্থে দক্ত সম্পত্তি বিষয়ক ১৮৬৩ সালে আইন।
,,	21		
"	وی	্বিভিয়া গেজেটে কোনং আজ্ঞা ও অন্যান্য বিষয় প্রা রিভ হইলে ভাষা বলবৎ করণার্থ।	চা- সরকারী গেজেট বিষয়ক ১৮৬৩ সালের আইন।
7268		ভিন্নদেশীয় ব্যক্তিদের বিষয়ে গবর্ণমেন্টকে ক্ষমত বিশেষ দান করিবার।	বিদেশীয় ব্যক্তিগণ বিষয়ক ১৮৬৪ সালের আইন ৷
"	9		1
٠,	20	১৮৫১ সালের ৮ আইন (অর্থাৎ গবর্ণমেন্টকে সরকারী রাস্তার ও সাঁকোর উপর মাস্থল বসাইবার ক্ষমত দেওনের আইন) সংশোধন করিবার।	ম। হল বিষয়ক ১৮৬৪ সালের ভারতবর্ষীয়
٠,	39	রাজকীয় ট্রফীর পদ সংস্থাপনের	রাজকীয় ঐথী বিষয়ক ১৮৬৪ সালের আইন।
) b is a	۲۶	পারসী লোকদের মধ্যে চরমপত্রাভাব ঘটিত উত্তরাধি কারিত্ব ব্যবশা নিরূপণ ও সংশোধনার্থ।	
\ <b>&gt;</b> & & & &	Œ	ভারতবর্ষের বাণিজ্য বিষয়ক আইন কোন কোন অংশে সংশোধন করণার্থ।	মেরিণ ও ফায়র ইন্সিউরেক পালিসি কাহার:ও নামে লিখিয়া দেওন বিষয়ক ১৮৬৬ সালের আইন।
"	२¢	ন্দেটি উলিয়ম ও মাম্রাজ ও বোম্বাই রাজধানীর হাই- কোটে যে২ কোম্পানির কাগজ ও টাকা গচ্ছিত হইয়াছে তাহা ভারতব এর গবর্ণমেন্টের হস্তগত করণার্ব।	বেওয়ারিস গচ্ছিত টাকা বিষয়ক ১৮৬৬
<b>b</b> 159	১ ৬	কান ২ বিচারালয়ের কর্তৃ ক্ষ্মিগকে কিয়ৎকালীন কর্মকরণার্প নিযুক্ত করিবার ক্ষমতা প্রদান করণের।	একটিং জজ বিষয়ক ১৮৬৭ দালের আইন
,,	<b>?</b> ¢	মুদ্রায়ন্ত্রের ও সম্বাদণতের বিধান করণার্থ এবং রিটনীয় ভারতথর্বে মুদ্রিত পুশুকের কয়েক প্রস্থ রক্ষা ও ঐ ২ পুশুক রেজিফরী করণার্থ।	মুজাযন্ত্র সম্বন্ধায় ও পুক্তকের রেজিফার? করণ বিষয়ক ১৮৬৭ সালের আইন।
-90	٥	কারান্টাইন বিষয়ক বিধি করিবার	কারণ্টাইন বিষয়ক ১৮৭০ সালের ভারত- বধীয় আইন।
.,	¢	গবর্ণমেণ্টের হস্তগত টাকা পাইবার দরখাস্ত হইলে রাজধ নীর হাইকোর্টের প্রতি সেই দরখাস্তের খরচের বিধান করিবার ক্ষমতা প্রদান করণার্থ।	বেওয়ারিদ গচ্ছিত টাকা বিষয়ক ১৮৭ ন সালের আইন।
,,	<b>b</b>		বালিকারধ নিবারণার্থ ১৮৭০ সালের আইন।
,, ₹		জাদালভের রম্বম বিষয়ক ১৮৭ - সালের আইনের পুই স্থানে যে ভ্রম ২২ য়াছে ভ্রঃ সংশোধন করণার্থ	আদালতের রস্থম বিষয়ক ১৮৭ - সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৭ - সালের আইন।
,   +	9	ভারতব্যীয় দণ্ডবিধির আইন সংশোধন করিবার	ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৭০ সালের আইন /

# তফদীল।—(চলিতেছে।)

করা গোল তৎসংশোধনার্থ। করা গোল তৎসংশোধনার্থ। করা গোল তৎসংশোধনার্থ। করা গোল তৎসংশোধনার্থ। করা লোল করণার্থ। করা মানের করিবার। করের মানের করিবার। করের জাইন মানের করিবার। করের জাইন মানের করিবার। করের জাইন মানের করিবার। করের জাইন মানের জাইন করিবার। করিবার বিবান করিবার বিবান করিবার জাইন করিবার করিবার মানের জাইন	3	۲ :	٠	8
কি পারসা কি বৌদ্ধ কি কিছন ধর্ম কালার না করেন ঠাছানের বিবাহ প্রধার বিধান করণার্থ।  ভারতব্যীয় দণ্ডবিধির আইনে "মুল্লা" লাকের নি কর্ম করা বালার করেন ঠাছানের বিবাহ প্রধার বিধান করণার্থ।  ১৯০ ভারতব্যীয় দণ্ডবিধির আইনে সংশোধন ঠ৮৭২ সালের আইন।  করা গোল তংসংশোধনার্থ।  করা গোল তংসংশোধনার্থ।  করা গোল তংসংশোধনার সিনাকের স্বত ও লান্নিত্র স্বর্ধক সালের আইন।  করা কেনি দেশীয় সৈনিকের স্বত ও লান্নিত্র স্বর্ধক সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  করা কেনি দেশীয় সিনাকের স্বত্ত ও লান্নিত্র স্বর্ধক সালের আইন সংশোধন করেণার্থ।  করা লান্নিতার করেনার বিধান করণার্থ।  ত্রালি প্রালি বিধান করেনার্থ করেনার করেনার্থ করেনার্থ।  ১৮৭৯ ১৬  ১৬ ব লালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ করেনার বিষয়ক ১৮৭৬ সালের আইন সংশোধনার বাজিট্রেটার করেনার্থ করেনার্থ।  ১৮৭৯ ১১ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধনার করেনার্থ।  ১৮৮১ ব করেনার্থ।  ১৮৮১ ব করিনার বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ কলিলাতা, মাজ্রাজ্ব ও বোগাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় কর্কুক সন্থানার উপ্যাধিপ্রদান বিষয়ক জাইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ কলিলাতা, মাজ্রাজ্ব ও বোগাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় কর্কুক সন্থানার উপ্যাধিপ্রদান বিষয়ক জাইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ কলিলাতা, মাজ্রাজ্ব ও বোগাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় করিনার করেনার্থ।  ১৮৮৪ ১ সালের আইনর আইন, কার্কারী বিষয়ক কর্কার বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইনর আইন, কার্কারী বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন কর্কার্থ।  ১৮৮১ সালের আইনর সংশোধন কর্কার্থ।  ১৮৮১ সালের আইনর সংশোধন কর্কার্থ।  ১৮৮১ সালের আইনর সংশোধন কর্কার্থ।  ১৮৮১ সালের আইনর সংশোধন কর্কার্থ।  ১৮৮১ সালের আইনর ক্রেক্টাইনের ক্রেক্টাইন কর্ক্টাইন বিষয়ক কর্কার বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন কর্কার্থ।  ১৮৮১ সালের অইকারী ক্রেক্টাইন কর্কার্থ।  ১৮৮১ সালের অইকারী ক্রেক্টাইন ক্রেক্টাইন কর্ক্টাইন বিষয়ক কর্কারী বিষয়ক কর্কার ক্রেক্টাইন ক্রেক্টাইন ক্রেক্টাইন বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার ক্রেক্টাইন বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার বিষয়ক কর্কার ক্রেক্টাইন ক্রেক্টাইন ক্রেক্টাইন ক্রেক্টাইন ক্রেক্টাইন ক্রেকটাইন ক্রেক্টাইন ক্রেকটাইন ক্রেকটাইন ক্রেকটাইন ক্রেকটাইন ক্রেকটাইন	∢९मव।	নম্ব	বিষয় :	मरटकल्याः
করা গেল তৎসংশোধনার্থ। কোন কোন দেশীয় গৈনিকের স্বস্তু ও দায়িত্র সহজে সন্দেহ যোচনার্থ। ক্রিকারী মোকদ্দমা আদেশি বিচরে করণের ক্ষমতা পক্ষে হাইকোটের কার্যাপ্রশালার বিধান করণার্থ। ক্রিকারটার কার্যাপ্রশালার বিধান করণার্থ। ক্রিকারটার করণের সিন্ধান্তর পাত্র বিষয়ক আইন সংশোধন করিবার। তাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ তাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ তাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ তাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ তাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ তাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ তাক গাড়ী বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ তাক লাড়ী বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ তাক লাড়ী বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ তাক লাড়ী বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন তাক লাড়ী বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন তাক লাড়ী বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন তাক লাড়ী বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন তাক লাড়ী বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন তাক লাড়ী বিষয়ক ১৮৩১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ তালিক আইন বিষয়ক ১৮৭১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ তালিক বালিক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৪ তালিক বালিক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৪ তালিক বালিক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৪ তালিক বালিক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৪ তালিক আইন সংশোধন করণার্থ তালিক আইন সংশোধন করণার্থ তালিক আইন সংশোধন করণার্থ তালিক আইন সংশোধন করণার্থ তালিক আইন তালিক আইন সংশোধন করণার্থ তালিক আইন তালিক আইন তালিক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৭১ সালের আইন তালিক আইন তালি	<b>১৮</b> ٩२	9	কি পার্দা কি বৌদ্ধ কি শিখ কি জৈন ধর্ম স্থাকার	বিশেষ বিবাহ বিষয়ক ১৮৭২ সালের আইন।
সন্দেহ ঘোচনার্থ।  ক্রেজ্বলারী মোকদ্বনা আলে বিহার করণের ক্ষমতা প্রস্কের নাইর।  ক্রেজ্বলারী মোকদ্বনা আলে বিহার করণের ক্ষমতা প্রস্কের আইন।  ক্রেজ্বলারী মোকদ্বনা আলে বিহার করণার্থ।  ক্রেজ্বলারী মোকদ্বনা আলে বিহার করণার্থ।  ক্রেজ্বলারী মোকদ্বনা আলে বিহার করণার্থ।  ক্রেজ্বলার মাকদ্বনা আলে বিহার করণার্থ।  ক্রেজ্বলার মাক্রেজ্বলার করণার্থ আনেই ও ধনাগ্রক্তা বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন।  ১৮৭৪ ১৬ তাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ আনেই ও ধনাগ্রক্তা বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন।  ১৮৭৭ ২ চিন্দুর সালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ আনেইন ভিন্ন বিধান করণার্থ।  ১৮৭৪ ২ করণার্থ।  ক্রেজ্বলীকরণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৪ ২ কর্ত্রিক করণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার মাক্রেজ্বলার করণার্থ মাক্রেজ্বলার করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার মাক্রেজ্বলার আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার আইন সংশোধনার আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার আইন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার আইন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার আইন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ ক্রিজ্বলার আইন করণার্থ।  ১৮৮৪ ১ সালের আইনরী আইন, আইনকারী বিষয়ক করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইনরী আইন, আইন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন বিষ্কের সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন বিষ্কের সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন বিষ্কের স্বাল্বনার আইন এবং মান্ত্রনির বিষ্কের সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্	• •	۵۵	ভারতব্যীয় দওবিধির আইনে ''মুদ্রা'' শব্দের যে অর্থ	ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইন সংশোধন:র্থ ১৮৭২ সালের আইন।
ত্রু প্রক্রের মোক্রমন্থা আন্টো বিচরে করণের ক্ষমতা পক্ষে হাইকোটের কর্য্যপ্রশালার বিধান করণার্থ।      ত্রু প্রেট ও দ্রুরা নিরূপণাধিকারিত্ব পত্র বিষয়ক আইন সংশোদন করিবার।      ত্রুকর পালার সেইনা করণার্থ অবেট ও ধনাগক্ষতা বিষয়ক ১৮০৭ সালের আইন।      ত্রুকর পালার ১০ আইন সংশোধন করণার্থ অবেট ও ধনাগক্ষতা বিষয়ক ১৮০৭ সালের আইন।      ত্রুকর পালার ১০ আইন সংশোধন করণার্থ অবেট ও ধনাগক্ষতা বিষয়ক ১৮০৭ সালের আইন।      ত্রুকর বিষয়ক ১৮০৭ সালের আইন বিষয়ক ১৮০৭ সালের আইন।      ত্রুকর বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন বর্মের বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধনার্থ অব্যুক্তর করণ বিষয়ক সাইন সংশোধনার্থ অব্যুক্তর করণ বিষয়ক সাইন সংশোধনার্ক করণার্থ ১৮০২ সালের আইন সংশোধনাক্র করণার্থ।      ত্রুকর সম্মান্ত্রি উপাধিপ্রদান বিষয়ক সংশোধনাক্র করণার্থ।      ত্রুকর সম্মান্ত্রি উপাধিপ্রদান বিষয়ক আইন সংশোধনাকর করণার্থ।      ত্রুকর সম্মান্ত্রি উপাধিপ্রদান বিষয়ক আইন সংশোধনাকর আইন সংশোধনাকর করণার্থ।      ত্রুকর সম্মান্ত্রি আইন, আইকারী বিষয়ক কর্মান্ত্রি আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্রির আইন বিষয়ক করণার্থ।      ত্রুকরের করণার্বি আইন করণার্থ।      ত্রুকরের করণারি আইন, আইকারী বিষয়ক কর্মান্ত্রিক কর্মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্র আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্র আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রিক কর্মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির বিষয়ক অপ্রথম্ভন বিষয়ক মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির আইন এবং মান্ত্রির	1594	æ	কোন কোন দেশীয় সৈনিকের স্বত্ব ও দারিত্ব সম্বন্ধে	তস্দিক্ না করা সিপাহী বিষয়ক ১৮৭৫
সংশোধন করিবার।  তাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ  ১৮৭৭  ১৮৭৭ সালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ  ১৮৭৭  ১৮৭৫ সালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ  ১৮৭৪  ১৮৭৫ সালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ  ১৮৭৪  ১৮৭৫ সালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ  ১৮৭৪  ১৮৭৪ সালের আইন সংশোধন করণার্থ  ১৮৭৪  ১২ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন ওর্মে বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন ওর্মে বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৪  ১২ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ  ১৮৮৪  ১১ কলিকাতা, মান্ত্রাজ্ঞ ও বোগাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় কর্ত্বক সন্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক সাইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৪  ১১ কলিকাতা, মান্ত্রাজ্ঞ ও বোগাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় কর্ত্বক সন্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক সাইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৫  ১১ সালের আইনকার আইন, আইকারী বিষয়ক সাইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৫  ১১ সালের আইনলার আইন, আইকারী বিষয়ক কর্তম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন এবং সামুদিক কর্ত্বমার বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন এবং সামুদিক কর্ত্বমার কর্ত্বস্থলীয় কর্ত্বপৃক্ষদের ঋণএইল বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন এবং সামুদিক কর্ত্বমার বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন এবং সামুদিক কর্ত্বমার বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন এবং সামুদিক কর্ত্বমার করে তাইন এবং সামুদিক কর্ত্বমার করে আইন এবং সামুদিক কর্ত্বমার বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করে আইন ১৮৮৫ সালের আইন সংশোধন করে এইং বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন বিষয়ক বিষয়ক করেণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন বিষয়ক বিষয	,,	2.	ফোজদারী মোকদ্ম। আদে বিচার করণের ক্ষমতা	এডবোকেট জেনরলের ক্ষমতা বিষয়ক
১৮৭৬ ১৬ তাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ তাক গাড়ী বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন । ১৮৭৭ সালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ প্রনার রাজধানীর মাজিন্টেটনের আদালতের কার্য্য প্রনার বিধান করণার্থ ও বিচারাধিপাতা রিষ্ধি করণার্থ। ১৮৭৯ ১২ বিজ্ঞেরীকরণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন ও মোকদমার মিনাদ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধনার্থ। ১৮৮১ তারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন সংশোধনার্থ তারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন সংশোধনার্থ তারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন সংশোধনার্থ তারতব্যরের দণ্ডবিধি আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ ও বোর্যাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ ও বোর্যাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ ও বোর্যাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ ও বোর্যাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় তারতব্যবিধি বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ ও বোর্যাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ ও বোর্যাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ ও বোর্যাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ ও বোর্যাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৪ ১ সালের আইকরারী আইন, আইকরারী বিষয়ক কর্মারির মাজের আইন এবং সামুদিক কর্মারির মাজের আইন এবং সামুদিক কর্মারির মাজের আইন এবং সামুদিক কর্মারির মাজের আইন এবং সামুদিক কর্মারির মাজের আইন এবং সামুদিক কর্মার করণার্থ। ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	٠,	30		
১৮৭৭ সালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ   মানা রাজধানীর মাজিফেটদের আদালতের কার্যালর আইন । প্রেণালীর বিধান করণার্থ ও বিচারাধিপত্য রিন্ধি করণার্থ। ১৮৭৯ ১২ রেজিন্টরীকরণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধনার্থ। ভারতবর্বের দণ্ডবিধি আইন সংশোধনার্থ ১৮৮২ ১৮৮১ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ্ঞ ও বোদাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় কর্ত্বক সন্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক হাইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ্ঞ ও বোদাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় কর্ত্বক সন্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক হাইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৫ ১ সালের আইন, করণার্থ। ১৮৮৫ ১ সালের আইনক ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৫ ১ কলিকাতা, মাজ্রাজ্ঞ ও বোদাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় কর্ত্বক সন্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক হাইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৫ ১ সালের আইনক সংশাধন করণার্থ। ১৮৮৫ ১ সালের আইনক সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৫ ১ সালের আইনক সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮১ সালের আইন করণার্থ। ১৮৮১ সালের আইন করণার্বা বিষয়ক বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৫ সালের আইন এবং সামুদিক কর্বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৫ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৫ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৫ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৮৫ সালের আইন বিষয়ক করণার্বার করণার্বার করণান্ত্র আইন বিষয়ক করণার্বার আইন এবং সামুদিক কর্বারার কর্বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৫ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৫ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৫ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৫ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৫ সালের আইন সংশোধন করণার্থ। ১৮৫ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	3696	316	ভাক গাড়ী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ	ডাক গাড়া বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৭৬ সালের
প্রভালীর বিধান করণার্থ ও বিচারাধিপাত্য রাজ্ম বর্থম বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন করণার্থ। ব্যক্তিরীকরণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সন্মার মিয়াদ বিষয়ক গাইন ও মোকদমার মিয়াদ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সন্ধার মিয়াদ বিষয়ক আইন সন্ধার মিয়াদ বিষয়ক আইন সন্ধার মিয়াদ বিষয়ক আইন সন্ধার মিয়াদ বিষয়ক আইন সন্ধার ১৮৭৯ সালের আইন সন্ধার্থ ১৮৮৯ সালের আইন সন্ধার্থ ১৮৮৯ সালের আইন সন্ধার্থ ১৮৮৯ সালের আইন সন্ধার্থ ১৮৮৯ সালের আইন সন্ধার্থ ১৮৮৯ সালের আইন সন্ধার্থ ১৮৮৯ সালের আইন সন্ধার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক ছাইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন সন্ধার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক ছাইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন তবং সামুদিক কর্বার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন হিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের অইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের অইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের অইন সন্ধান্ধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের অইন সন্ধান্ধন করণ	५५० व	<b>\</b>		প্রবেট ও ধ্নাধ্যক্ষতা বিষয়ক ১৮৭৭ সংলের আইন।
১৮৭৯ ১২ ব্যক্তির্টার্করণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন ও রেজিন্টর করণ বিষয়ক গাইন ও যো ক্ষমার মিয়াদ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন সংশোধনার্থ। ভারতবর্বের দণ্ডবিধি আইন সংশোধনার্থ ভারতবর্বের দণ্ডবিধি আইন সংশোধনার্থ ভারতবর্বের দণ্ডবিধি আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইন মংশোধন করণার্থ ১৮৮০ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮০ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন এবং সামুদিক কর্ বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৫ সালের আইন হিম্মক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৫ সালের আইন হিম্মক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৫ সালের আইন । ১৫ স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক	**	8	প্রণালীর বিধান করণার্থ ও বিচারাধিপত্য রাম্ব	প্রেসিডেপি মাজিস্টেটের আদালতের রথম বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন।
১৮৮০ ১ ভারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন সংশোধনার্থ  ১৮৮০ ২ হস্তী সংরক্ষণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮২ সালের আইন।  ১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মান্দ্রজে ও বোগাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় কর্ত্তক্রীয় বিশ্ববিদ্যালয়ের সম্মান্তর্ক সম্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক হাইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৫ চনতার আবকারী আইন, আবকারী বিষয়ক সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন নংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন এবং সামুদিক কর্ত্বস্থান বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৫ সালের আইন ।  ১৫ স্থানীয় কর্ত্বপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্ত্বপক্ষদের শ্বণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৪ সালের প্রাহ্বন বিষয়ক ১৮৮৫ সালের আইন ।	5649	> > > > > > > > > > > > > > > > > > > >	রেজিফরীকরণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন ও মোকদ্দমার মিয়াদ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইন	দ্যার মিয়াদ বিষয়ক আইন সংশোধন
১৮৮৪ ১ কলিকাতা, মান্দ্রজে ও বোদ্বাইয়ের বিশ্ববিদ্যালয় ভারতবর্ষীয় বিশ্ববিদ্যালয়ের সম্ম কর্তৃক সম্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক কাইন উপাধি বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮৫ ৩ সম্পান্তি হস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সম্পান্তি ইস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮৮১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৮৮১ সালের আইনকর আইন, আবকারী বিষয়ক কর্তৃনার্থন কর্তৃপক্ষদের অইন সংশোধন করণার্থ।  ১৯ ১৮৮১ সালের আইন ক্রেশাধন করণার্থ।  ১৯ ইন্দির্মক ১৮৭৮ সালের আইন ও সামুদ্রিক কর্তৃনার্থন আইন সংশোধন কর্তৃত্বিয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  ১৫ স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় ক্রমণার্থন ক্রম	\$ bobo	2 6	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধি ফাইন সংশোধনার্থ	ভারতব্বের দওবিধি আইন সংশোধন
কর্ত্ব সম্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক হাইন সংশোধন করণার্থ।  সম্পত্তি হস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সম্পত্তি হস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সম্পত্তি হস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  সংশোধন করণার্থ।  সংশোধন করণার্থ।  সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  সালের আইন এবং সামুদ্রিক কন্তম বিষয়ক আইন এবং সামুদ্রিক কন্তম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।  হানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক বিষয়ক বিষয়ক করণার্থ।	766	৬   ২	করণার্থ ।	জাইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৩ সালের আইন।
১৮৮৫ ত সম্পত্তি হস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সম্পত্তি ইস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮ সালের আইন আইনর আইনর আইনর তাইনর আইনর আইনর আইন তাইনর আইন তাইনর আইন তাইন তাইন তাইন তাইন তাইন তাইন তাইন তা	366	8 3	কর্ত্ত্ব সম্মানার্থ উপাধিপ্রদান বিষয়ক সাইন	
্, ১৮৮১ সালের আবকারী আইন, আবকারী বিষয়ক আবকারী আইন এবং সামুদিক ক বঙ্গদেশের ১৮৭৮ সালের আইন ও সামুদ্রিক কর্তম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন কর্বার্থ। ১৮৮৫ সালের আইন।	266	- a	সম্পত্তি হস্তান্তর করণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন	সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৫
	12	, ; ;	বঙ্গদেশের ১৮৭৮ সালের আইন ও সামুদ্রিক কর্ফ	জাবকারী আইন এবং সামুদিক কটম বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ
১৮৮ মালের আইন।	27	, 30	স্থানীয় কর্তৃপক্ষদের ঋণগ্রহণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধনার্থ!	১৮৭৯ সালের অহিন সংশোধন কর্ণাথ

# তফসীল।—( চলিতেছে)।

5	2	•	8
ৰং <b>স</b> ব।	নম্ব	বিষয়।	সংক্ষেপ নাম ৷
) <b>৮৮</b> ৬	2	ক্কবিছাড়া অন্য উপায়ে যে আয় হয় ভাহার উপর কর নির্দারণার্থ।	আয়কর বিষয়ক ১৮৮৬ সালের ভারত- বর্ষীয় আইন।
**	8	চুক্তি বিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতব <sup>্</sup> ীয় আইনের ২৬৫ ধারা সংশোধনার্থ।	আইন সংশোধনার্থ ১৮৮৬ সালের আইন
,,	2.	কেজিদারী মোকজমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন ও অন্য কোনং আইন সংশোধন করণার্থ।	ভারতব্যীয় কেজিদারী আইন সংশোধন
ינ	72	১৮৫৮ সালের ৩৬ আইন সংশোধনার্য	বাত্লাগার বিষয়ক ১৮৫৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণাণ ১৮৮৬ সালের আইন।
3669	*	সামুদ্রিক কন্টম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন, ১৮৮১ সালের আবকার্রা আইন ও তারিক বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	সামুদ্রিক কটম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৭ সালের আইন।
,,	U	সাক্ষ্য বিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধনার্থ।	সাক্ষ্য বিষয়ক ১৮৭২ সাজের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৭ সালের আইন।
<b>,</b> ,	æ	ফৌজদারী মোকদ্মার কার্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ।	কেজিদারী মোকদ্মার কার্য্যপ্রণানী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৭ সালের আইন।
"	15	কোম্পানি বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধনার্থ।	কোম্পানি বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারত- বর্ষীয় আইন সংশোধন করণর্থ ১৮৮৭ সালের আইন।
>p-p-p-	٥	ইফ্রাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধনার্থ।	ইফ্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন।
,,	2	পেট্রোলিয়মের উপর কন্টম মাস্থল আদায়ের বিধান করণার্প।	পেট্রোলিয়মের কন্তম মান্থল বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইন।
4.	ь	কোন কোন টোল আদায় করা আইন সম্পত কি না সেই বিষয় সম্বন্ধীয় সন্দেহ দূর করণার্থ।	টোল বিষয়ক ১৮৮৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন 1
,.	3 °	দেওয়ানী মোকদমার কার্যপ্রণালী বিষয়ক আইন ও রাজধানীস্থ ছোট আদালত বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	রাজধানীস্ত ছোট আদালত বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৮ সালের আইন।
,,	22	টেলিগ্রাফ বিষয়ক ১৮৮৫ সালের ভারতবর্ষীয় আইনে একটা ধারা যোগ করণার্থ।	(রাজধানীস্থ) টেলিগ্রাফ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।
,,	24	মেরিন বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	মেরিন্ বিষয়ক ১৮৮৭ সালের আইন সংশোধন করণ!র্থ ১৮৮৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।
7629	•	সামুদ্রিক কটম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন এবং তারিক,বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	সামুদ্রিক কউম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮১ সালের আইন ।

# **ज्यमील—(** हिल्डि ।)

			•	
	2	9	8	
ब ८ म व।	নহর ৷	वियम् ।	সংক্রেপ নাম।	
١٣٥٥	১ ২ । ১৮৫৮ সালের ৩৬ আইন সংশোধন করণার্থ।		বাতৃসাগার বিষয়ক ১৮৫৮ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৮৯ সালের আইন।	
) <b>- 2</b> -	२	১৮৬৪ সালের ১৭ আইন, ১৮৬৫ সালের ১০ আইন, ১৮৭৪ সালের ২ আইন ও ১৮৮১ সালের ৫ আইন সংশোধন করণার্থ।	প্রবেট ও ধনাধ্যক্ষতা বিষয়ক ১৮৯ সালের আইন।	
21	b	১৮৮৪ সালের ৬ ও ৭ আইন সংশোধন করণার্থ	থীয় জাহাজ বিষয়ক ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধৰ করণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।	
3,	>•	১৮৬৭ সালের ২৫ আইন সংশোধন করণার্থ	মুদ্রাষদ্র সম্বন্ধীয় এবং পুস্তকের রেজেন্টরী করণ বিষয়ক ১৮৬৭ সালের আইন সংশোধনকরণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।	
21	78	পেট্রোলিয়ম বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইনের ভকসীল সংশোধন করণার্থ।	পেটোলিয়ম বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করপার্থ ১৮৯০ সালের আইন।	
,,	<i>ડહ</i>	জম্ম, মৃত্যু ও বিবাহ রেজিফ্টরাকরণ বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	জন্ম, মৃত্যু ও বিবাহ রেজিইনীকরণ বিষ- মুক ১৮৮৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।	
"	٦٢	দেশান্তর গমনবিষয়ক ১৮৮৩ সালের ভারত্বর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	দেশান্তর গমন বিষয়ক ১৮৮৩ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।	
<b>,</b> ,	75	লবণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯০ সালের আইন।	লবণ সম্বন্ধীয় ১৮৮২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধনার্থ ১৮৯০ সালের আইন	
7427	3	পরের ভূমিতে গো মেষাদির <b>প্রবেশ</b> বিষয়ক ১৮৭১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ এবং তাহার সহিত ১৮৮৩ সালের ১৮ আইন সন্মিলিত করণার্থ।	পরের ভূমিতে গো মেষাদির প্রবেশ বিষ- রক ১৮৭১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।	
*1	ર	পৃষ্টানদিগের বিবাহবিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	শৃষ্টানদিগের বিবাহবিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতবর্থীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।	
,,	ی	সাক্ষ্যবিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতবর্ষীয় আইন এবং কোজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালীবিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	সাক্ষ্যবিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।	
,,	8	ক্ষোজদারী যোকদমার কার্য্যগুণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষ- য়ক ১৮৮২ সালের অাইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।	
,,	æ	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্দ্বীয় আইন সংশো- ধন ও উহাতে অতিরিক্ত কথা সংযোগ করণার্থ।	বন্দর বিষয়ক ১৮৯১ সালের ভারতবর্ষীয় আইন।	

# তফসীল।—(চলিতেছে।)

>	۹	٧	8
<b>বৎসর</b> ।	নম্ব ৷	विषय ।	সংক্ষেপ নাম ৷
7897	હ	ভারতব্যীয় সওদাগরী জাহাজ বিষয়ক কয়েকটী আইন সংশোধন করণার্থ।	ভারতবর্ষীয় সওদাগরী জাহাজ বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮১১ সালের আইন।
"	9	১৮৪১ সালের ১০ আইন সংশোধন করণার্থ	জাহাজের রেজিন্টরী করণ বিষয়ক ১৮৪১ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।
"	۵	বাণিজ্য দ্রব্যের মার্কা বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারত- ব্যীয় আইন ও সামুদ্রিক কটম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	বাণিজ্য দ্রব্যের মার্কা বিষয়ক ভারতব্যীয় আইন এবং সামুদ্রিক কন্টম বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।
"	2 °	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন ও কৌজদারী মোকদ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ।	ফেজিদারী আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের ভারতব্যীয় আইন।
**	30	দেশাস্ত্যম্ভরিক বাষ্পীয় পোত বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	দেশাভ্যম্ভরিক বাষ্পীয় পোড বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন।
725	. 4.	ধৃষ্টীয়ানদের বিবাছ বিষয়ক ১৮৭২ সালের ভারতবর্ষীয় জাইনের ষষ্টাধ্যায়াহ্নসারে সাধন করা কোন কোন বিবাছ সিদ্ধ করণার্থ :	বিবাহ সিদ্ধ করণার্থ ১৮৯২ সালের আইন।
٠,	ري	মিয়াদ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের ভারতব্যীয় আইন ও দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ।	মিয়াদ বিষয়ক ভারতবর্ষীয় আইন ও দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮১২ সালের আইন।
うとるり	œ.	রটিষ ভারতবর্ষের সীমার বহিভুতি রাজ্যের মধ্যে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত জীযুত গবণর জেনরল সাহেবের যে বিচারাধিকার আছে, যে সকল রটিয আদালত সেই রাজ্যের মধ্যে ঝা সম্বন্ধে সেই বিচারাধিকার পরিচালন করেন, সেই সকল রটিয আদালত যে সকল প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা দেন, কোন স্থলে রটিয ভারতবর্ষের মধ্যে সেই সকল প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা তামিল করা আইন সঞ্কত করণার্থ।	বিদেশীয় বিচারাধিকার (প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা) বিষয়ক ১৮৯৩ সালের আইন।
7 <b>►9</b> 8	<b>*</b>	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধনার্থ।	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৪ সালের
, ,,	<b>.</b>	ফোজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন এবং ভারতব্যীয় দণ্ডবিধি আইন সংশোধন করণার্থ।	আইন। কৌজদারী আইন সংশোধন করণাপ ১৮৯৪ সালের ভারতব্যীয় আইন। •
5,	le.	সামুদ্রিক ও অগিবিষয়ক বিমাপত্ত ও নিলামের সার্টি- ফিকেট সহজে ইন্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্প।	ইফ্রাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্গ ১৮৯৪ সালের আইন।

# তক্সীল।—(চলিতেছে।)

>	۶	v	8	
रथम्य ।	নম্ব ৷	বিষয়।	मংশেশ নাম।	
7228	9	বন্দিদের ১৮৭১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ	বন্দিদের ১৮৭১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৪ সালের আইন।	
"	٥ د	ফোজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯৪ সালের আইন।	
249¢	٥	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন, ১৮৬৪ সালের ৬ আইন এবং ভারতবর্ষের ডাক্ঘরের ১৮৬৬ সালেরআইন সংশোধন করণার্থ।	ভারতবর্ষীর ক্ষেক্তিদারী আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।	
,,,	8	কে বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইনের ৩৬৬ ও ৩৭১ ধারা সংশোধন করণার্থ।	কেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।	
,,	9	দে ওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের এবং পঞ্জাবের আইন বিষয়ক ১৮৭২ সালের আইনের কোন কোন ধারা সংশোধন করণার্থ।	পঞ্জাবের আইন বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।	
71	٢	১৮৬১ সালের ৫ আইন (পুলিসের বিধান করিবার আইন) সংশোধন করণার্থ ।	পুলিস বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।	
77	30	দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের ৬৩২ ও ৬৫২ ধারা সংশোধনার্থ ।	দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষ- য়ক আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৫ সালের আইন।	
>>>	٥	দেশান্তর গমন বিষয়ক ১৮৮৩ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	দেশান্তর গমনবিষয়ক ১৮৮৩ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন কর- গার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।	
<b>9</b> 1	٥	তারিক বিষয়ক ১৮৯৪ সালের ভারতব্যীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	তারিফ বিষয়ক ১৮৯৪ সালের ভারত- বর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।	
1)	8	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	বন্দর বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।	
"	•	ভিন্ন দেশের বিচারাধিপত্য বিষয়ক ও অপরাধি- দিগকে স্থ স্থ দেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	ভিন্নদেশের বিচারাধিপাত্য বিষয়ক ও অপরাধিদিগকে স্ব স্ব দেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।	
"	Ŀ	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধি আইন সংশোধন করণার্থ	ভারতবধের দণ্ডবিধি আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন ।	
"	٩	রাজধানীস্থ ছোট আদালত বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	করণাথ ১৮৯৬ সালের আংন । রাজধানীস্থ ছোট আদাসত বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।	

# তফসীল।—(সমাপ্ত।)

<b>)</b>	9	•	8	
বৎসর।	मचत्र ।	दिवग्न ।	সংক্ষেপ নাম।	
ንሥልሁ	۵	ক্ষেত্রতমে বিষয়ক ১৮৯০ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	রেলওয়ে বিষয়ক ১৮৯০ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন।	
,,	22	ব্যবহারাজীবদিগের সম্বন্ধীয় ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	ব্যবহারাজীবদিগের সম্বন্ধীয় ১৮৯৬ সালের আইন।	
,,	30	কোজদারী যোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	ক্ষেজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো-	
,,	34	অশ্বাদির সর্দ্ধি ও কুষ্টরোগ সম্বন্ধীয় ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন করণার্থ।	ধন করণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন। অস্থাদির সদ্দি ও কুষ্টরোগ সম্বন্ধীয় ১৮৭৯ সালের আইন সংশোধন কর-	
,,	<b>ا</b> لا	ভারতবর্ষের ডাক ঘরের ১৮৬৬ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ।	ণার্থ ১৮৯৬ সালের আইন। ভারতবর্ষের ডাক্যরের ১৮৬৬ সালের আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৬	
3694	2	(সরকারী কর্মকারকদের আচরণের বিষয়ের তদার- কের নিয়ম করণের) ১৮৫০ সালের ৩৭ আইন সংশোধন করণার্থ	সালের আইন। রাজকীয় কর্মচারিদের সম্বন্ধে অহ্সসন্ধান বিষয়ক ১৮৫০ সালের আইন সংশো- ধন করণার্থ ১৮৯৭ সালের আইন।	
,,	30	ইফ্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারতবর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ।	ব্য কর্ণাব ১৮৯৭ সালের আহ্ম। ইফ্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ভারত- বর্ষীয় আইন সংশোধন করণার্থ ১৮৯৭ সালের আইন।	



# भवर्गामणे (भारक्रि)।

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৮ সেপ্টেম্বর।

# **ठेळूर्थ** २७ ।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের পাণ্ডুলিপি ৷

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট।

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

নিম্নলিখিত আইনের পাণ্ট্লিপিখানি ১৮৯৭ সালের ২রা সেপ্টেম্বর তারিখে আইন ও ব্যবস্থা প্রণয়নার্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মন্ত্রি-সভায় উপস্থিত করা হইয়াছিল।

১৮৯৭ मालिর ১২ আইন।

ভাকের গাভ়ি বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইন আরো সংশোধন করণার্থ আই নিয় পঞ্জিপি।

ডাকের গাড়ি বিষয়ক ১৮৬১ দালের আইন আরে<sup>†</sup> সংশোধন করা বিহিত। অতএব এতদ্বারা নিম্নলিখিত-মত বিধান করা গেলঃ—

১ ধারা। এই আইনটীকে ডাকের গাড়ি বিষয়ক (১৮৬১ সালের, আইন সংশো-সংশিশু নাম। ধন করণার্থ ১৮৯৭ সালের আইন

বলা যাইতে পারিবে।

১৮৬১ **সালের** ১৬ আই-নেব ১ ধাবার নিয়মণবধি বাহত কবিবাব কথা। ২ ধারা। ডাকের গাড়ি বিষয়ক ১৮৬১ সালের আই-নের ১ ধ:রার নিয়মবিধি রহিড করা গেল।

১৮৬১ দালের ১৬ আইনের ২০ ধারার পর নৃতন
ধারা যোগ করিবার কথা।

ত ধারা। উক্ত আইনের
২০ ধারার পর নিম্নলিখিত
ধারাটী যোগ করিতে হইবে
অর্থাৎ:—

"২০ক ধারা। (১) ছানীয় গবর্ণমেন্ট স্থীয় শাসনাবিধি প্রথমন কবিবাব

কমতার কথা।

এই আইনের অভিপ্রায় ও
উদ্দেশ্য অন্থসারে কার্য্য করিবার জন্য স্থানীয় রাজ-

A Bill to further amend the Stage-Carriages Act, 1861.

কীয় গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া বিধি অণয়ন করিতে পারিবেন।

- (২) বিশেষ ভাবে এবং পুর্বোল্লিখিত ক্ষমতা সাধা-রণের ব্যতিক্রম না ঘটাইয়া ঐরূপ বিধিতে –
  - (ক) আইনাত্বযায়িক লাইদেশের ফারম, এবং
    যে সকল নিয়মে লাইদেশ দেওয়া
    যাইতে পারিবে ডাহা এবং যে সকল
    স্থলে লাইদেশ রহিত করিতে পার।
    যাইবে ডাহা নি.র্দশ করিতে পার।
    যাইবে।
  - (খ) ভাকের গাভির পরিদর্শনের ব্যবস্থা করিতে।
    পারা যাইবে। এবং
  - (গ) ভাকের গাড়ির ঘোডাকে যত আড়া চালান যাইতে পারিবে তাহার সংখ্যা ও দৈর্ঘ্য কত হইবে এবং উহাদিগকে কি রকম সাজ পরাইতে ইইবে ও কেমন করিয়া যুতিতে হইবে তৎসম্বন্ধে ব্যবস্থা করিতে পারা ঘাইবে।
- (৩) এই ধারাস্থসারে কোন বিধি প্রণয়ন করিব।র সময় স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এইরূপ আদেশ করিছে পারি-বেন যে ঐ বিধি জন্ধ করিলে একশত টাকা পর্যান্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।"

#### উদ্দেশ্য ও হেতুর বিবরণ।

কৃতি মাইলের অধিক পথ যাইবার জন্য যে সকল গাভি সাধারণতঃ ব্যবস্থৃত হয় ডাকের গাড়ি বিষয়ক ১৮৬১ সালের (১৮৬১ সালের ১৬ আইনের) আইনের ১ ধারার নিয়মবিধি জহুসারে কেবল সেই সকল গাড়ি সম্বন্ধে উক্ত আইন খাটে। এই নিয়মটী জন্মবিধাজনক দৃষ্ট হইয়াছে। কারণ যে সকল ডাকের গাড়ির আইন মানিয়া চলা উচিত সেই সকল ডাকের গাড়ি অনেক সময় কৃতি মাইলের কম পথও গমনাগমন করে। এই নিমিত্ত পাণুলিপির ২ ধারায় উপরি উক্ত নিয়মবিধি রহিত করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে।

২। ইছাও দৃষ্ট হইয়াছে যে এই আইনের বিধানগুলির সহায়তা পক্ষে যে সকল বিধি প্রণয়ন করা আবশাক ইহাতে সেই সকল বিধি প্রণয়ন করিবার ক্ষমতা না থাকায় কার্য্যতঃ ইহা অসম্পূর্ব হইয়াছে। কোন লাইসেপ্রপ্রেপ গাড়ির ঘোড়াকে যত আড়া চালান যাইতে পারিবে তাহার দৈর্ঘ্য কত হইবে এইয়প নানা ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র
বিষয়ের ব্যবস্থা করণার্থ এবং সাধারণতঃ শাসনবিভাগায় কর্ত্বপক্ষিণাকে এই আইনটাকে কার্য্যে পরিণত করিতে
পরিচালিত করিবার জন্য সহকারী বিধির আবশ্যকতা ভূয়োদশ নে সপ্রমাণিত হইয়াছে। এইয়প বিধি প্রণয়ন
করিতে যে ক্ষমতার প্রয়োজন পাঞ্জিপির ৩ ধারায় স্থানীয় গবর্ণযেন্টকে সেই ক্ষমতা প্রদান করা অভিপ্রেত।

৩রা আগস্ট, ১৮১৭ সাল।

জে, উছ্বরণ। জে, এম\_, ম্যাকফার্সন, ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

CHUNDER NATH BOSE,

Bengali Translator.



# गवन्यनि हार्डि

# यक्नवात, ১৮৯१ मान २৮ (मुश्टियत ।

#### यष्ठ थए।

বঙ্গীয়া ব্যবহাপক সভার আইনের পাঞ্জিপি।

# वक्राम्ट्ला भवर्गायक ।

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

#### ৪ - ৫৬ এস, আর,—বিজ্ঞাপন।

১৮৯৭ সাল ১৭ই জ্লাই।—লবন বিষয়ক ১৮৬৪ গালের বল্পীয় ৭ জাইন সংশোধন করণার্থ নিম্নলিধিত ঘাইনের পাঞ্লিপিধানি অভিপ্রায় ও হেডুর বিবরণসহ লেদেশের শ্রীযুভ লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের মন্ত্রি-গভার ব্যবস্থাপন কার্য্য চালাইবার নিমিত্ত বিধিসমূহের ১৪ বিধি অহ্লারে সাধারণের অবস্তির নিমিত্ত প্রকাণত করা গেল।—

সি. ই, এ. ডবলিউ, ওল্ডহ্যায়, বঙ্গদেশের গবর্ণযেন্টের একুটিং সেক্রেটরী।

ক্সদেশের লবণবিষয়ক আইন সংশোধন করণার্থ আইনের পাঞ্চলিপি।

# স্থ চীপত্র।

#### প্রথম অধ্যায় i

#### मूठना ।

#### ধারা।

- ১। नः क्ला नाम, व्याखि ও जातरस्त कथा।
- र। विश्व कवियात ७ वी हारेवात कथा।
- ७। वर्षनिर्द्धाः मद कथा।

A B ll to Amend the Salt-Law in Bengal.

# দ্বিতীয় অধ্যায়।

কর্তৃত্ব ও শিরিস্তা বিষয়ক বিধি।

#### ধার ।

- ৪। বোর্ডের কর্ডত্বের কথা।
- কালেট্ররের কর্ম ও তাছার কর্ম সম্পাদনার্থ কোন ব্যক্তির নিয়োগের কথা।
- ৬। সবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কর্মচারিদের কিয়া
  ভীহাদের কর্ম সম্পাদনার্থ ব্যক্তিদের নিয়ো-গের ক্যা।
- ৭। স্বৰণ রাজন্ব সম্পর্কীয় অধীন কর্মচারিদের নিয়োগ, দণ্ড ও পদচ্যতির কথা।

# তৃতীয় অধ্যায়।

লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা পোঞ্চনকরণ খননকরণ, সংগ্রহকরণ, স্থানান্তরকরণ, চালানকরণ, গুদামজাতকরণ, নিকটে-রাখন ও বিক্রয়করণ বিষয়ক বিধি।

#### शवा ।

৮। লবণ বা সোৱা পোপ্তান করিবার কিম্বা অক্ত-ত্রিম লবণ বা লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন সংগ্রাহ বা ছানান্তর করিবার বা নিকটে রাখিবার নিমিক্ত লাইনেপ লইতে হইবার কথা। थावा ।

- ১। লাইসেন্সের লিখিও বিষয় ও কারমের ও লাইসেন্সের নিমিত ফীর কথা।
- ১০। লাইসেন্স রহিত বা ছগিত করিবার ক্ষমতার কথা।
- ১১। লাইলেক ব্যতিরেকে লবণাক্ত মৃতিকা খনন সংগ্রহ বা ছানান্তর করিবার বা নিকটে রাখিবার অভ্যতি সূচক বিধি প্রণয়ন করিবার ক্ষমতার কথা।
- ১২। লবণের কারখানা খা গুণামজাত করিবার অভ্যতিপ্রাপ্ত ছান হইতে লবণ বা শোরা ছানান্তর করিবার কথা।
- ১৩। স্থান নির্দেশ করিয়া ও ঐ স্থানে লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা ও সোরা স্থানান্তর করণ, চালানকরণ, গুদামজাতকরণ, নিকটে রাখন বা বিক্রয় করণের ব্যবস্থ। করিয়া বিধি প্রশায়ন করিবার ক্ষমতার কথা।
- ১৪। ঐরপে নির্দিষ্ট স্থানে লবণ, লবণাক্ত মৃদ্ভিকা বা সোরা চালান করিবার বা নিকটে রাখিবার সম্বন্ধে নিয়মের কথা।
- ১৫। কেন কোন ছানে লবণাক্ত মৃত্তিকাকে বেআইনী বলিয়া ব্যক্ত করিবার ক্ষমতার কথা।

# চতুর্থ অধ্যায়।

তালাস, গ্রেক্তার **ও** ধৃত করিবার ও বিচারের ক্ষমতার কথা।

- ১৬। মাজিক্টেটের ডালাস করিবার ওয়ারেন্ট বাহির করিবার ক্ষমতার কথা
- ১৭। বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কর্মচারিদিগের প্রতি ওয়ারেকী বিনা তালাস করিবার ও গ্রেফ্টার করিবার ক্ষমতা দিবার কথা।
- ১৮। **খোলা** জায়গায় **ভালাস**, গ্বন্ত ও গ্রে**জা**র করিবার ক্ষমভার কথা।
- ১১। ভালাস ও এেস্তার বেরপে করিতে হইবে ভাহার কথা।
- ২০। যে দ্বব্য তালাস বা পরীক্ষা করিতে ছংবে ডাহা যে ব্যক্তির নিকট থাকে আদিই ছংলে তাঁহার তাহা বস্তা খুলিয়া ওজন করিতে কিয়া স্থানান্তর বা মৌক্ত করিতে বাধ্য হইবার কথা।
- ২১। গ্রেক্তার করা ব্যক্তিদিগকে ইনস্ট্রের নিকট পাঠাইবার কথা।

शवा ।

- ২২। ইন্স্পেক্টরের কার্যপ্রাণালীর করা।
- ২৩। হাহাদের সহত্তে সন্দেহ হয় ইৰ্ন্সেইবের এরপ ব্যক্তিদিগকে সমন করিবার ক্ষ্যভার কথা।

#### পঞ্চম অধ্যায়।

গ্রামের মণ্ডল ও অপর ব্যক্তিদের কর্ত্তব্য কম্মের কথা।

- ২৪। আমের মণ্ডল ও কোন কোন বিভাগের কর্ম-চারিদের—
- (ক) এই আই নমতে দণ্ডনীয় **অপরাধের সম্বাদ দিডে** এবং
- (খ) ঐরপ অপরাধ নিবারণ করিতে এবং
- (গ) লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কর্মচারিদের সাহায়্য করিতে বাধ্য হইবার কথা।
- ২৫। মালিক প্রভৃতির বেজাইনী লবণ পোঞ্জানের ফুটিস দিতে বাধ্য হইবার কথা।

# यर्छ अध्यात्र।

অপরাধ, দণ্ড ও ক্ষতিপূরণের কথা।

- ২৬। ৮. ১২, ১৪ বা ১৫ ধারা উল্লেজ্যন করিবার, বেআইনী লবণ এহণ বা রক্ষা করিবার কিন্ধা বিধি, লাইসেন্দ্র বা পর্মিট উল্লেজ্যন করিবার দণ্ডের কথা।
- ২৭। ২৬ ধারামতে বিভায়বার ও ভাহার পর অপরাধ সাব্যস্ত হইলে দভের কথা।
- १४। कान कान वाकित अमनाहतरनत कथा।
- ২১। বেআইনা লবণ পোশ্বানের হৃটিস না দিবার দভের কথা।
- ৩ । যে মাজিক্টেটদের কর্তৃক **অপরাধ বিচার্য্য** ভাঁহাদের কথা।
- ৩১। অভিযোগের মিয়াদের কথা।
- ७२। जनकत्रत्वत्र कथा।
- ৩৩। জব্দ দ্বব্য উদ্ধার করিবার কথা।
- ৩৪। সরলভাবে ক্লু ভ কার্য্যের নিমিত্ত দণ্ড বা ক্ষতি-পুরণ দিতে না হইবার কথা।
- ৩৫। ক্তিপুরণের জন্য মোকদ্মার কথা।

# সপ্তম অধা্য ।

় বিবিধ বিধান।

- ৩৬। কোন কোন কর্মচারিকে বিশেষ ক্ষমতা প্রদান করিবার অভ্যমতির কথা।
- ৩৭। বিধি প্রণয়ন করিবার সাধারণ ক্ষযভার কথা।
- ৩৮। বিধির পাঞ্লেখ্য প্রকাশ করণের কথা।
- ৩১। বিধি চূড়ান্তরপে প্রকাশ করণের কথা।

#### বঙ্গদেশের লব।বিষয়ক আইন সংশোধন করণার্ধ আইনের পাণ্ডুলিপি।

বন্ধদেশের যে সকল অংশ উপস্থিত সময়ে ভারত-বর্ষীয় লবণবিষয়ক ১৮৮২ সালের আইনের অধীন নয় লবণবিষয়ক যে আইন সেই সমস্ত অংশে প্রবল আছে ভাহার সংশোধন করা বিহিত। অতএব এতদ্বারা নিম্নলিখিতমত বিধান করা গেল।—

#### প্রথম অধ্যায়।

#### मूठना ।

১ ধারা। (১) এই আইনটিকে বঙ্গদেশের লবধ-লংকেণ নাম ব্যাপ্তিও বিষয়ক ১৮৯ সালের আইন জাবভের কথা। বলা যাইতে পারিবে।

- (২) ভারতবর্ষীয় শবণবিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন উপাছত সময়ে যে সকল প্রদেশে প্রচলিত আছে ইহা ভাত্তর উপাছত সময়ে বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধান সমস্ত প্রদেশে প্রচলিত হইবে. কিন্তু স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া সময়ে সময়ে কোন স্থানকে এই গারা ও ২ ধারা ভিন্ন এই আইনের সমস্তটির বা কোন স্থাংশের কাষ্য হইতে মুক্ত করিতে পারিবেন। এবং
- (৩) ইহা ঐযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের সম্মতি প্রাপ্ত হইবার পর যে দিবস কলিকাতা গেজেটে প্রথম প্রকাশিত হয় সেই দিবসে আমলে আমিবে।
- ২ ধারা। ঐ দিবসে ও ঐ দিবস হইতে লবণবিষয়ক ১৮৬৪ সালের আইন
  বহিত কবিবাৰ ও বাঁচাও লবণবিষয়ক ১৮৬৪ সালের
  আইন সংশোধনার্থ ১৮৭৩

দালের বন্ধীয় ১ আইন রহিত হইবে।

#### কিশ্ব--

- (ক) শবণবিষয়ক ১৮৬৪ সালের উক্ত আইন
  অন্ধ্রসারে কিয়া ঐ আইনের ছারা রহিত
  করা কোন আইন অন্ধ্রসারে যে সমস্ত
  লাইসেন্দ প্রদ্ধুত হইয়াছে, অনদেশ, বিধি
  ও নিয়োগ ক্বত হইয়ছে বিজ্ঞাপন প্রকাশিত হইয়াছে, ছানায় সীমা নির্দিট হই
  য়াছে ও ক্রমতা অর্পিত হইয়াছে তৎসমুদয় যত দুর এই আইনের সহিত সক্রত
  হয় তত দুর যথাক্রমে এই আইন অন্থসারে প্রদত্ত, ক্রত, প্রকাশিত, নির্দিট
  ও অর্পিত হইয়াছে বলিয়া বিবেচনা করা
  যাইবে।
- (খ) উক্ত ভারিখের পূর্বে অপর যাহা কিছু ক্বত হয় কিছা যে কোন অপরাধ করা হয় কিছা যে কোন জরিয়ানা বাদও ভোগের আদেশ হয় কিছা যে কোন কার্য্য আরম্ভ

করা হয় উক্ত আইনগুলি রহিড ছইবার
দক্তন ভাহার কোন ব্যতিক্রম ছইবে না।
৬ ধারা। (১) বিষয় বা সংযুক্ত বাক্যাবলিডে
বিরোধীভাবের কোন কথা না
খাকিলে এই আইনে—

- (ক) ''লবণ'' বলিতে সোডিশ্বমের **ক্লোরাইড** এবং
  - (/০) অফুত্রিম লবণ, এবং
  - (১০) কোন লবণ দ্বব্য বা লবণাক্ত মৃত্তিকা

    হইতে প্রস্তুত করা বা উৎপন্ন লবণ
    বা লবণ দ্ববও বৃঝাইবে।
- (খ) "ৰুক্টিমে লবন'' বলিতে স্বভঃ উৎপ্ৰ লবন, লবনের স্বাভাবিক সঞ্চয় ও লবনের প্রস্ফোটনকে বুঝাইবে।
- (গ) ''লবণাক্ত মৃত্তিকা'' বলিতে যে মৃত্তিকা স্বভাবতঃ লবণাক্ত কিম্বা যাহার সহিত লবণ মিশ্রিত আছে সেই মৃত্তিকাকে বৃঝাইবে।
- (ঘ) "সোরা" বলিতে পোটাশের নাইটেট বুকাইবে এবং স্থানীয় গবর্থমেন্ট কলিকাতা
  গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া সময়ে সময়ে
  যে কোন স্থান এতদর্থে নির্দ্দিন্ত করেন
  সেই স্থানে ঐ বিজ্ঞাপনের লিখিড
  সোডা ও পটাশের সকল প্রকার
  কার্থনেট, নাইটেট বা সল্ধেটকেও
  বুঝাইবে।
  - (৩) (৴৽) এই আইন কিম্বা লবণ রাজক্ষ সম্বন্ধীয় উপস্থিত সময়ের প্রচলিড অপর কোন আইন, কিম্বা
  - (৴৽) এই আইন বা পূর্ব্বোক্তয়ত অপর কোন আইন অন্সারে প্রণীত কোন বিধি বা আদেশ, কিশ্বা
  - (১০) এই আইন বা পূর্বোক্তমত অপর কোন আইন অনুসারে প্রদন্ত কোন লাইসেন্স বা পর্মিট --

উল্লেখন করিয়া যে লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা।
কোন খালাড়িতে বা খালাড়ি হইতে কিয়া কোন গবর্ণ-মেন্টের গুদাম বা ভাভারে কি গুদাম বা ভাভার হইতে পোপ্তান করা হয়, খনন করা হয়, সংগ্রাহ করা হয়, বন্তাবন্দি করা হয়, গুদামঞ্জাত করা হয়, জল্মান হইতে নামান হয় চালান করা হয় বা স্থানান্তরিত করা হয় কিলা নকটেরাখা হয় 'বেজাইনা লবণ ' বলিতে সেই লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরাকে বুকাইবে।

কিন্তু যে লবণাক্ত মৃতিকা কেবল খনন বা সংগ্রহ করা ইইয়াছে ত'হা ১৫ ধারামতে বিজ্ঞাপিত কে ন ছানের সীমার মধ্যে পাওয়া না গেলে বেআইনী বলিয়া বিবেচিত হইবে না।

- (চ) "পোপ্তান" শব্দে অঞ্চৃত্রির লবণ বা লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন, সংগ্রাহ ও ছ<sup>1</sup>নান্তর করণ এবং লোণা জল কি মৃত্তিকা কিয়া অপার কোন এব বা পদার্থ হইতে যে লকুল প্রক্রিয়া ছারা লবণ পৃথক করা হয় ভাছার প্রত্যেক প্রক্রিয়া এবং লবণ বা লোরা পরিকার বা বিশুদ্ধ করনের প্রত্যেক প্রক্রিয়াও গণ্য।
- (ছ) যে কোন ছান লবণ বা সোরা পৌঞ্জানের নিমিত কিছা মাছল দিবার অপেক্ষার উহ<sup>1</sup> গুদামক্ষাত করিবার বা রাখিবার নিমিত ব্যবহার করা হর কিছা ব্যবহারার্থ অভিপ্রেড হয় ''লবণের কারখানা'' বলিতে সেই ছানকে বুকাইবে,

এবং ছানীয় গবর্ণনেউ কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া কোন লবণের কারখানার সীমার অন্তর্গত যে সকল বাঁধ, ক্ললপ্রণালী, জ্ঞলাশয়, ভূমি, বিলডিও ও পতিও ছান সময়ে সময়ে এতদর্খে নিদ্ধিউ করেন ঐ শব্দময়ে ভাছাও গণ্য।

কিন্ত সামুদ্রিক কউম বিষয়ক ১৮৭৮ সালের আইন অনুসারে নিযুক্ত বা লাইসেপ্তথাপ্ত কোন ওয়েরছোসকে বুৰাইবে না।

- (জ) কোন লবণের কারখানার মধ্যে যে নির্দ্ধিট ছান লবণ বা সোরা পোঞ্জানের নিমিত ব্যবস্থাত হয় এবং সরকারী হিসাবের মধ্যে খালাড়ি বলিয়া অভজ্রভাবে লিখিত হয় ''ধালাড়ি'' শব্দে সেই ছানকে বৃখাইবে।
- (♠) এই আইন কিয়া লবণ রাজত্ব সয়য়য় উপছিত সময়ের প্রচলিত অপর কোন
  আইন অন্সারে যে কোন মূল্য, মাত্রল
  কী, ট্যায় বা জরিয়ানা বসান য়য় বা
  য়াহা জব্দ করিবার বা যে টাকা দিবার
  আদেশ করা হয় তাহা হইতে বে
  রাজত্ব উৎপন্ন হয় বা হইতে পারে
  "লবণ রাজত্ব" বলিতে সেই রাজত্বকে
  বুবাইবে।

(ট) "বোর্ড বলিতে উপস্থিত সময়ে বজ্বদেশের শ্রীযুক্ত লেপ্টেনেন্ট গ্রথর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশ সমূহের নিমিত রেবিনিউ বোর্ডকে বুঝাইবে।

(ঠ) "কালেট্র" শব্দে কোন জিলার রাজ্ব কার্য্য নিকাছের ভারপ্রাপ্ত প্রধান কর্ম--চারীকে বুবাইবে।

(ড) ''লবল রাজন্দ সম্পর্কীয় কর্মচারী'' বলিতে

এই আইনমত লবল রাজন্দ সম্পর্কীয়
কর্মচারীর সমস্ত বা কোন কর্মতা পরিচালনার্থ কিছা সমস্ত বা কোন কর্তব্যকর্ম সম্পাদনার্থ ৬ ধারাম্নারে নিযুক্ত
কোন ব্যক্তিকেও বুঝাইবে।

- (ছ) "ইন্স্টের" বলিতে এই আইন অন্সারে দঙ্গীর অপরতের অভিযোগের বিচার করণার্থ বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত অবন রাজত্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারীকে বৃক্তাইবে।
- (ন) ''লাইসেপপ্রাপ্ত ব্যক্তি'' বলিতে যে ব্যক্তিকে এই আইনের তৃতীয় অধ্যায় অভ্নারে কোন লাইলেপ প্রদন্ত হয় সেই ব্যক্তিকে বুবাইবে।
- (ভ) "কারাদণ্ড" বলিডে ভারওবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের অর্থনির্দেশমত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড বুবাইবে।
- (গ) ''ছান'' শব্দে কোন বাটী, বিলডিও, দোকান, তাঁবু বা জলযানও গণ্য, এবং
- (দ) "ধারা" শব্দে এই আইনের কোন ধারা বুবা-ইবে।
- (২) কোন ব্যক্তির চাকর বা এজেন্ট ঐ ব্যক্তির জন্য লবণ নিকটে রাখিলে বা ছানান্তরিত করিলে তাহা এই আইনের প্রয়োজনার্থ ঐ লবণ ঐ ব্যক্তি কর্তৃক স্বয়ং নিকটে রাখা বা ছলভেনে ছানান্তরিত করা হইয়াছে বলিয়া বিবেচিত হইবে।

# দ্বিতীয় অধ্যায়।

কর্তৃত্ব ও শিরিস্তা বিষয়ক বিধি।

৪ ধারা। স্থানীয় গববর্ণমেন্টের সাধারণ কর্তৃত্বাধীনে লবণ বিভাগের কার্য্য নিক্ষা হের ও লবণ রাজস্ব আদায়ের উপর বোর্ডের কর্তৃত্ব ধাকিবে।

৫ ধারা। ডিবিসনের কমিশনর সাহেবের কিন্তৃ।
কালেন্টনের কর্ম ও
তাহার কর্ম দশাদনার্থ অপর যে কর্মচারির আদেশ
কোন ব্যক্তির নিয়োগের করেন তাহার কর্তৃত্ব ও
কথা।
আদেশাধীনে, কালেক্টর সাহেব
আপন জিলার মধ্যে লবণ রাজস্ব আদায় কার্য্যের
ও এই আইনের বিধান কার্য্যে পরিণত ক্রিবার
ভারপ্রাপ্ত হইবেন।

কিন্তু স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন প্রকাশিত করিয়া সময়ে সময়ে কোন জিলার বা জিলার অংশে কালেক্টর সাহেবের অধীনে কিন্তা কালে-ক্টর সাহেবের পরিবর্ত্তে কংলেক্টরের সমস্ত বা কোন ক্ষমতা পরিচালনার্থ কিন্তা সমস্ত বা কোন কর্তব্যকর্ম্ম সম্পাদনার্থ অপর কোন কর্মচারীকে নিযুক্ত করিতে পারিবেন, এবং ঐরপা কোন নিয়োগ রহিত করিতে পারিবেন। ৬ ধারা। (১) মাজিসভাধিন্তি জ্ঞীমুত গবর্ণর জেনবল রাজ্য সম্পর্কীর
কর্মচারিদের কিছা তাঁহাদের কর্ম সম্পাদমার্থ রাজ্যদের নিমোগের কথা।
করেন সম্মন্ত তা
ব্যক্তিকে নাম উল্লেখ করিয়া বা তাঁহাদের পদের বলে
লবণ রাজ্য সম্পর্কীয় কর্মচারী স্বরূপ কিছা লবণ
রাজ্য সম্পর্কীয় কর্মচারীর এই আইনমত সমস্ত
বা কোন ক্ষমতা পরিচালনার্থ অথবা সমস্ত বা কোন
কর্ত্বর কর্ম সম্পাদনার্থ নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

(২) পুর্ব্বোক্তমত ক্ষমতা পদ্মিচালনার্থ কিম্বা কর্ত্তব্য-কর্ম সম্পাদনার্থ নিযুক্ত কোন ব্যক্তিকে স্থানীয় গবর্ধ-মেন্ট যেরূপ আখ্যা উপযুক্ত বিবেচনা করেন সেইরূপ আখ্যা দিয়া নিযুক্ত করিতে পারা যাইতে পারিবে।

৭ ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেন্টের মঞ্জুরি লইয়া বোর্ড
সময়ে সময়ে যে সকল আদেশ
লবণ বাঙ্গর সম্পানীয় প্রদান করেন কালেক্ট্র কিস্বা
অধীন কণ্মচারিদেব নিয়োগ
দভ এ পদ্চাতিব কথা।
বিস্তুক্ত কোন কর্মচারী তদধীনে

- (ক) যত ব্যক্তিকে উপায়ুক্ত বিবেচনা করেন লবন রাজস্ম সম্পর্কীয় অধীন কর্মচারী স্বরূপ সময়ে সময়ে তত ব্যক্তিকে নিয়ুক্ত করিতে পারিবেন, এবং
- (খ) অথোগ্যতা কিষা লবণ বিভাগের বিধি বা শাসনভঙ্গের নিমিত্ত কিষা অসাবধানতা কর্ত্তব্যকর্মে অবহেলা বা অপর কোন অসদাচরণের নিমিত্ত পুলিসের কর্মচারী ছাড়া ঐরপে নিযুক্ত কোন ব্যক্তিকে যে কোন সময়ে ভদন্ত করিবার ও ভদ-শ্বের কথা লিপিবদ্ধ করিবার পর জরি-মানা করিতে, কর্ম হইতে স্থগিত করিতে, নামাইয়া দিতে বা পদচ্যত করিতে পারিবেন।

# তৃতীয় অধ্যায়।

লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোর পাঞ্জানকরণ, খনন করণ, সংগ্রহকরণ, খানান্তরকরণ, চালানকরণ, গুদামজাতকরণ, নিকটে রাখন ও বিক্রয়করণ বিষয়ক

লবণ বা সোরা পোগ্রান করিবার কিন্তা অকুত্রিম লবণ বা লবণান্ত স্থৃতিকা থনন, সংগ্রহ বা ন্থানান্তর কবিবাব বা নিকটে রাশি-বাব নিমিত্ত লাইদেক লইতে হইবার কথা।

৮ ধারা। কালেক্টর কর্তৃক প্রদক্ত লাইদেশ অফুদারে ভিন্ন—

(ক) **সবন বা সোরা পো**গ্রান করা যাইবে না, এবং (খ) অক্তরিম লবণ এবং ১১ ধারামতে প্রনীত বিধি অসুসারে না ছইলে, লবণাক্ত মৃত্তিক। খনন করা, সংগ্রাহ করা, স্থানা-স্তর করা বা নিকটে রাখা বাইবে না।

লাইসেলের লিখিত ইবারা। (১) ৮ ধারাস্থ-বিষয় ও ফারমের ও লাই- সারে প্রদন্ত প্রত্যেক লাই-দেলের নিমিত ফীর কথা। সেন্দ্রে—

- (ক) উহা যে ব্যক্তিকে প্রদত্ত হয় তাঁহার নাম;
- (খ) যে সীমার মধ্যে পোগ্রান, খনন, সংগ্রহ বা স্থানাম্ভর করা ঘাইবে এবং যে সীমার মধ্যে নিকটে রাখা ঘাইতে পারিবে ভাগা, এবং
- (গ) পোগ্তান, খনন, সংগ্রাহ বা স্থানান্তরকরণের পর যে স্থানে লবণ, সোরা বা লবণাক্ত যুক্তিকা গুদামজ্ঞাত করা ঘাইবে তাহা

লিখিত হইবে এবং ৩৭ ধারামতে প্রণীত বিধির
অধীনে বোর্ড কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া সময়ে
সময়ে যেরপ নির্দিষ্ট করেন ঐ লাইসেন্স সেইরপ
কারমে হইবে ও উহাতে সেইরপ সকল নিয়ম, থাকিবে
ও উহা সেইরপ কী দিবার নিয়মাধীন হইবে।

(२) কালেক্টর যে কোন সময়ে ঐরপ কোন লাই-সেন্দ তলব করিতে এবং ঐরপে নির্দিষ্ট নিয়মাল্লসারে তাগ পরিবর্ত্তিত বা সংশোধিত করিতে পারিবেন।

১০ ধারা। লাইসেন্সপ্রাপ্ত ব্যক্তির এই আইন্মত কোন অপরাধ সাব্যস্ত হইলে গাইনেন্স বভিত বা বোর্ড ঐক্সপ কোন লাইসেন্স হাগত কবিবাব স্পন্যতাব কথা। একপ কোন লাইসেন্সের কোন নিয়ম ভঙ্গ হইলে উহা স্থাগিত বা রহিত করিতে পারিবেন।

১১ ধারা। কোন ব্যক্তি বা কোন শ্রেণীর ব্যক্তি-मिश्रांक कारनक्वेरत्रत निक्रे लाई-লাইদেন্স ব্যতিরেকে লব-সেপ ব্যতিরেকে বিধির ণাক্ত মৃতিকা খনন, সংগ্ৰহ, নিদ্দিষ্ট কোন স্থানে লবণাক্ত বা স্থানান্তর কবিবার বা মিকটে বাখিবাব অনুমতি-মৃত্তিকা খনন, সংগ্ৰহ বা স্থানা-স্থাচক বিধি প্ৰাণয়ন কৰিবাৰ ন্তর করিবার কিম্বা নিকটে ক্ম গ্ৰ কথা। রাখিবার অহুমতি দিবার নিমিত্ত স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট সময়ে সময়ে বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।

এবং ঐরপ খনন, সংগ্রহ বা স্থানান্তরকরণ বা নিকটে রাখন কার্য্যের সীমা নির্দেশ ও ব্যবস্থা করিবার জন্য যেরপা উপযুক্ত বিবচনা করেন ঐ বিধিতে সেইরপ বিধান করিতে এবং ঐরপে পাওয়া বা নিকটে রাখা শ্বণাক্ত মৃত্তিকার যেরপ ব্যবহার করা যাইতে পারিবে ভাহা নির্দ্ধিষ্ট করিতে পারিবেন। লবণের কাবথানা বা শুদামলাত করিবার অমু-মতিপ্রাপ্ত প্রান্ত লবণ কোন বিধি প্রণাত হইয়া বা দোরা দ্বানান্তব করিবাব পাকিলে ভাহা মান্য করিয়া— কথা।

- (ক) গবণমেন্টের নিমিত্ত কিম্বা বোর্ড হইতে গুদাম-জ্বান্ত করিবার অসমতিপ্রাপ্ত কোন স্থানে চালান করিবার নিমিত্ত না হইলে, লবণ বা সোরা কোন লবণের কারখানা হইতে স্থানাস্তরিত করা যাইবে না। এবং
- (খ) কালেক্টর কিন্তা এতদর্থে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত লবণ রোজস্ব সম্পর্কীয় কোন
  কর্মচারী কর্তৃক প্রদন্ত পর্মিট অমুসারে
  না হইলে এবং মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত
  গবণর জেনরল সাহেব ভারতব্যীয়
  লবণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইনমতে
  যে মাম্বল স্থাপিত করেন সেই মাম্বল
  ও কোন লবণ সন্বন্ধে গবর্ণমেন্টকে কোন
  চার্জ দেয় হইলে সেই চার্জ প্রদন্ত না
  হইলে, গুদামজাত করিবার অমুমতিপ্রাপ্ত প্রস্বপ কোন স্থান হইতে ঐ লবণ
  স্থানাস্তরিত করা ঘাইবে না।

স্থান নির্দেশ কবিয়া ও

ঐ স্থানে লবণ, লবণান্তন
স্থান্তিক। ও সোরা স্থানান্তর
করণ, চালানকরণ, গুদামকোতকরণ, নিকটে রাখন
বা বিক্রমকবণের ব্যবস্থা
কবিয়া বিধি প্রণম্মন করিবার
ক্ষমতাব কথা।

- (ক) কোন কন্টমের বন্দরের চতুর্দ্ধিকে বা যে স্থানে লবণ বা সোরা পোঞ্জান হয় ভাহার চতন্দিকে বেষ্টান করিয়া কোন স্থান নির্দ্দেশ করিতে পারিবেন;
  - (খ) যাহা লবণোৎপাদক স্থান বলিয়া বিবেচিত হইবে এরূপ স্থান সকল নির্দেশ করিতে পারিবেন; এবং
  - (গ) ঐরপ কোন স্থান বা কোন কোন স্থানের মধ্যে লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা ও সোরা স্থানাস্তর করণের, চালান করণের, গুদামজ্ঞাত করণের, নিকটে রাখনের ও বিক্রয় করণের ব্যবস্থা করিতে পারিবেন।

১৪ ধারা । (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ১৩ ধারার (গ)
দক্ষামতে প্রণীত বিধিক্রমে যে
লবণ, লবণাক্ত খুভিকা বা
সোবা চালান কবিবাব বা ব্যক্তি প্র ধারাম্নসারে নিদ্দিষ্ট
নিকটে বাশিবার সম্পন্ধে
নিম্মের কথা।

অধিক পরিমাণ লবণ, লবণাক্ত

মৃত্তিকা বা সোৱা---

(ক) ঐ লবণ ১২ ধারার (খ) দকাম্নসারে প্রদত্ত পর্মিট ক্রমে স্থানাস্তরিত ইইতেছে কিম্বা

- এই ধারার (২) প্রকরণাত্মসারে প্রদত্ত বিশেষ পর্মিট ছারা রক্ষিত এইরূপ না হইলে; কিছা
- (খ) এ লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা কোন ভিন্নদেশীয় বন্দর বা স্থান হইতে উক্ত স্থানের অন্তর্গত কোন বন্দর বা স্থানে আইনমতে আমদানী করা হইয়াছে এবং উহার উপার যে আমদানী মাম্মল আদায় হয় তাহা প্রদত্ত হইয়াছে বলিয়া কোন কন্টমের কর্মচারির স্থাক্ষরিত একখানি সাটফিকেট দ্বারা উহা রক্ষিত এইরপানা হইলে,—

চালান করিবেন না বা নিকটে রাখিবেন না।

(২) কালেক্টর কিম্বা কোন ডেপুটী কালেক্টর বা আসিফান্ট কালেক্টর কিম্বা এডদর্থে বিশেষমতে ক্ষমডা-প্রাপ্ত লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারী যে ব্যক্তি-দিগকে উপযুক্ত বিবেচনা করেন তাঁহাদিগকে নিজের ব্যবহারের জন্য অথবা ১৩ ধারাহ্মারে নির্দিষ্ট কোন স্থান হইতে বাহির করিয়া লইয়া যাইবার জন্য ঐ ধারার (গ) দফামতে প্রণীত বিধিক্রমে যে পরিমাণ নির্দিষ্ট হয় তাহার অধিক পরিমাণ লবণ নিকটে রাখিবার অহ্মতি দিয়া বিশেষ পর্মিট দিতে পারিবেন।

১৫ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কলিকাভা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া এরূপ ব্যক্ত কোন কোন স্থানে লব-কাক্ত মৃত্তিকাকে বেআইনা বলিষা ব্যক্ত করিবাব স্থম-ভাব কথা। সংগ্রহ করা হইয়াছে ভাহী যদি ঐ বিজ্ঞাপনের লিখিভ

কোন স্থানের সীমান্তের মধ্যে দেখা যায় তাহা হইলে বেআইনী বলিয়া বিবেচনা করা যাইবে।

(২) কোন ব্যক্তি ক্লষি কার্য্য বা ইমারতী কার্য্যের প্রয়োজনার্থ ভিম্ন (১) প্রকরণাস্থসারে বিজ্ঞাপিত কোন স্থানে লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন বা সংগ্রহ করিবেন না বা নিকটে রাখিবেন না।

# চতুর্থ অধ্যায়।

তালাস, গ্রেক্তার ও ধৃত করিবার ও বিচারের ক্ষমতার কথা।

মালিট্টেটেট তালাস করি-বার ওয়ারেণ্ট বাহিব করি-বার ক্ষমতার কথা। সম্ভূপতি কোন স্থানে—

> (ক) এই আইনাস্থসারে প্রদন্ত লাইসেপ্স ব্যতি-রেকে লবণ বা সোরা পোপ্তান করা, খনন করা, সংগ্রহ করা বা স্থানাস্তর করা হইতেছে, কিম্বা,

- (খ) লবণের স্বাভাবিক সঞ্চয় আছে, কিন্তা
- (গ) বেআইনী লবণগুদাযজ্ঞাত করা বা লুক্কায়িত আছে—

এইরপ সংবাদ পাইয়া সংবাদদাতার শপথ বা প্রতিজ্ঞা পূর্বক জবান বন্দি গ্রহণ করিবার পর ঐ লবণ বা সোরা তালাস করিবার নিমিত্ত অথবা ছলভেদে ঐ লবণ সঞ্চয় পরিদর্শন করিবার নিমিত্ত ওয়ারেন্ট বাহির করিতে পারিবেন।

- (২) ঐরপ প্রত্যেক জ্ববানবন্দি লিখিয়া লইতে হইবে ও সংবাদদাতা ও মাজিফ্টেট কর্তৃক স্বাক্ষরিত হইবে।
- ১৭ ধারা। (১) যখনই এডদর্থে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত লবণ রাজস্ব সম্পাক্তিরারিদিশের প্রতি ক্ষমতাপ্রাপ্ত লবণ রাজস্ব সম্পাক্তিরারিদেশের প্রতি ক্ষমতাপ্রাপ্ত করিবার বিবার বিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করেবার করিবার করিবার

যে তাঁহার ক্ষমতাধীন কোন স্থানে —

- (ক) এই আইনাহসারে প্রদন্ত লাইসেপ ব্যক্তি-রেকে লবণ বা সোরা পোখ্যান করা, খনন করা, সংগ্রহ কর, বা ছানান্তর করা হইতেছে, কিম্বা
- (খ) বেআইনা লবণ গুদামজাত বা লুকায়িত আছে—

এবং ডালাস করিবার ওয়ারেন্ট লইবার জন্য বিলম্ব করিলে উহার আবিকার ঘটিবে না, তিনি তখনই সাধ্যমত—

- (৴৽) যদি কোন সংবাদদাতা থাকে তবে তাহার নাম, বাসন্থান ও পৌশা।
  - (১০) যে স্থানে এবং যে ব্যক্তির নিমিত্ত বা যে
    ব্যক্তির কর্তৃক লবণ বা সোরা
    লইয়া বেআইনীমতে কার্য্য করা
    হইতেছে সেই স্থান যথায় ও
    সেই স্থানের বিবরণ এবং সেই
    ব্যক্তির নাম, এবং
  - (১০) উক্ত লবণ বা সোরার আহ্মানিক পরিমাণ ও প্রকার এবং তৎ-দম্বন্ধে কোন অপরাধ যে ক্বত হইতেছে তাহা বিশ্বাস করিবার হেতু—

লিপিবদ্ধ করিবেন এবং তদমস্তর দিবাভাগে বা রাত্রিকালে যে কোন সময়ে ঐ স্থানে প্রবেশ ও তাহা তালাস করিতে পারিবেন,

এবং এই আইনমতে জব্দকরণ যোগ্য যে বেআইনী লবণ ও অপর দ্বব্য দেখিতে পান তৎসমস্তই ধৃত করিয়া লইয়া যাইতে পারি:বন, এবং ঐ লবণ বা সোরা পোপ্তান করিবার জন্য কিন্তা লবণ স্বতঃ উৎপাদিত করাইবার নিষিত্ত বা স্বতঃ উৎপাদিত হইবার সাহায্যার্থ ঐ স্থানে যে কোন ওয়ার্ক নির্মিত হয় তাহা নম্ট করিতে পারিবেন,

এবং ঐ লবণ বা সোরার পোগ্রান, খনন, সংগ্রহ বা ছানাম্ভরকরণ কার্য্যে কিম্বা ঐরপ বেআইনী লবণ শুদামজ্ঞাত বা গোপনকরণ কার্য্যে সংস্পৃক্ত কোন ব্যক্তিকে গ্রেম্ভার করিতে পারিবেন।

(२) এই ধারামতে যে ব্যক্তিকে গ্রেফ্টার করা হয় কোন ইন্স্পেট্ররের নিকট তাহার হাজির হইবার জন্য যথেইরপ জামিন ডিপস্থিত করা গেলে তালাসকারী কর্মচারী তাহার জামিন লইবেন।

১৮ ধারা। লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারী
কিন্তা পুলিস, ভূমি রাজস্ব বা
কেন্তা প্রাঞ্জাব কবিবার ক্ষমভার কথা।
তার কথা বাভা তার কান পথে

- (ক) যে কোন ব্যক্তি, জ্বলয়ান, যান, জ্বন্ত, বস্তা বা আবরণের নিকটে, মধ্যে বা উপরে এই আইন অন্থসারে জব্দ হইবার যোগ্য কোন বস্তু আছে বলিয়া তাঁহার সদ্দেহ করিবার যুক্তিযুক্ত কারণ থাকে ভাহা ভালাস করিতে পারিবেন, এবং
- (খ) যে কোন বস্তু এই আইন অস্থ্যারে জব্দ হইবার যোগ্য বলিয়া তাঁহার বিশ্বাস করিবার কারণ থাকে ভাহা ধৃত ও আটক করিতে পারিবেন, এবং
- (গ) যে কোন ব্যক্তিকে এই আইন অস্থ্যারে দণ্ডনীয় কোন অপরাধ করিতে দেখা ধায় তাহাকে ওয়ারান্ট ব্যতিরেকে গ্রোফ্রার করিতে পারিবেন।

১৯ ধারা। এই অধ্যায় অস্থ্যারে যে সকল তালাস
তালাসও গ্রেন্ডাব যেকপে
করিতে হইবে তাহাব কথা
যথাক্রমে কেজিদারী মোকদমার কার্য্যপ্রশালী বিষয়ক
১৮৮২ সালের আইনমতে ক্যুত তালাস ও এেন্ডার সম্ভক্ষায় উক্ত আইনের বিধান অনুসারে করিতে হইবে।

২০ হারা। (১) যে কোন কর্মচারী এই আইনমত কোন তালাস করেন কিম্বা এই আইন অনুথা জব্য তালাস বা আইনের বা এই আইন অনুথাকা করিতে হইবে তাহা যে ব্যক্তিব নিকট থাকে সারে প্রনীত কোন বিধির কোন ভারা ব্যক্তিম ওজন কবিতে কান ভারাজনার্থ কোন লবন, করা খালাভিব বা মৌজ্ত কবিতে বাধা হইবাব কথা।

স্বা ক্রে, যান, জল্বান, মাল বা

বস্তা তালাস করিতে ইচ্ছা করেন কিম্ব। যে কোন লবণ, লবণাক্ত মৃক্তিকা বা সোরা পরীক্ষা করিতে ইচ্ছা করেন তাহা যে ব্যক্তির অব্যবহিত দখলে বা কর্মৃত্তাধীনে থাকে তাঁহাকৈ অবিলয়ে ও ঐ কর্মচারী যে প্রকারে আজ্ঞা করা উপযুক্ত বিবেচনা করেন দেই প্রকারে—

- (ক) ঐরপ কোন জস্তু, যান, বা জলমানের বোঝাই খালাস করিবার, মাল বা বন্তা খুলিবার এবং ঐশ্বপ কোন লবন, লব-শাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা ওজন করিবার, কিন্তা
- (খ) থারশ তালাস, পরীক্ষা বা ওজন সমাপ্ত হইবার পুর্বের বা পরে থারপ কোন জন্ত, যান, মাল বা বস্তা যাবং অন্য আদেশ নাহয় তাবং কোন স্থবিধা-মত ছালে সরাইয়া লইয়া যাইবার কিয়া থ যাল বা বস্তা কোন স্থবিধামত ছানে মৌজুদ করিয়া রাখিধার—

আদেশ করিতে পারিবেন।

- (१) যদি উক্ত ব্যক্তি ঐরপ কোন আদেশ পালন করিতে অপারগ হন তাহা হইলে পূর্ব্যেক্ত কর্মচারী যে প্রকারে আদেশ করেন সেই প্রকারে ঐ জ্বন্ধ, যান, জলমান, মাল বা বস্তা ভারমুক্ত করাইতে, খুলাইতে, ছানাম্ভরিত করাইতে বা মৌজুদ করাইতে পারিবেন কিছা ঐ লবণ, লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা ওজন করাইতে পারিবেন, এবং উক্ত কর্মচারী উক্ত ব্যক্তির ছানে ঐরপ করিবার খরচা আদায় করিয়া লইতে পারিবেন।
- ২১ ধারা। (১) যখনই কোন ব্যক্তিকে এই
  অধ্যায়ের বিধানমতে গ্রেক্তার
  কোল করা হাজ করা হয় এবং ১৭ ধারার (২
  দিগকে ইনম্পেন্টবেন নিকট
  পাঠাইবাব কথা।
  করা না হয় তখনই যে ব্যক্তি

ভাছাকে গ্রেক্তার করেন তিনি তাহাকে অবিলয়ে সর্বাপেকা নিকটছ ইন্স্পেট্ররের নিকট পাঠাইরা দিবেন
কিলা যে ছান যুক্তিযুক্তনত দুর ২দি সেই স্থানের মধ্যে
কোন ইন্স্পেট্রর না থাকেন তাহা হইলে তাহাকে
সর্বাপেকা নিকটছিত পুলিস ফেশনের ভারপ্রাপ্ত
কর্মচারির নিকট পাঠাইরা দিবেন।

(২) যখন কোন ব্যক্তিকে (১) প্রকরণমতে কোন
পুলিস ফৌশনের ভারপ্রাপ্ত কর্মচারির নিকট পাঠান হয়
তখন ঐ কর্মচারী সর্প্রাপেক্ষা নিকটছ ইন্স্পেট্ররের
নিকট সমনপ্রাপ্ত হইলেই ছাজির হইবার জন্য ভাহার
জামিন লইবেন কিছা যদি জামিন দেওয়া না হয় ভাহা
হইলে স্বয়ং ঐ ব্যাক্তিকে হেফাজত করিয়া ঐ
ইন্স্পেট্ররের নিকট পাঠাইয়া দিবেন।

২২ ধারা। (১) এই আইন অহুসারে দগুনীয়
কোন অপরাধ করিয়াছে বলিয়া
ইন্সেট্রের কার্যা- অভিযুক্ত কোন ব্যক্তি কোন
প্রবাদীর কথা।
ইন্স্টেরের নিকট আনীত
ইইলে কিছা জামীনে তাঁহার সন্মুধ্যে উপস্থিত হইলে,

ইন্স্পেট্টর যেরপ ওদন্ত উপায়্ক বিবেচনা করেন সেই রূপ ভদন্ত করিবার পর হয়—

- (ক) ঐ ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবেন, নয়
- (খ) বিচারাধিকারবিশিক্ট কোন মাজিক্টেটের নিকট উপস্থিত হইবার জন্য তাহার জামীন লইবেন, কিছা জামীন দেওরা না হইলে তাহাকে হেকাজত করিয়া ঐরপ কোন মাজিক্টেটের নিকট পাঠাইয়া দিবেন।
- (१) কোন পুলিস ফেশনের ভারপ্রাপ্ত কোন কর্মচারী কোন ধর্ত্তব্য মোকদমার অহুসদ্ধান করণ সর্বমে
  কোজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিংয়ক ১৮৮২
  সালের আইন অনুসারে যে সকল ক্ষমতা প্রিচালন
  করিতে পারেন ও যে সকল বিধানের অধীন হন এই
  ধারাহ্যায়িক কার্যাহ্যানের প্রয়োজনার্থ ইন্স্পেট্রর
  তন্ত্র্ল্য ক্ষমতা প্রিচালন করিতে পারিবেন এবং সেই
  সকল বিধানের অধীন হটবেন।

কিন্তু অভিযোগ আর অধিক দূর চালান বাঞ্চনীয় নয় যদি ইন্স্পেট্রর কোন কারণে এরপ বিবেচনা করেন তাহা হইলে তিনি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে কোন মাজিট্রেটের নিকট পাঠাইতে কিন্তা কোন মাজিট্রেটের নিকট তাহার উপস্থিত হইবার জন্য জামীন লইতে বাধ্য হইবেন না।

২৩ ধারা : (১) কোন ব্যক্তি এই আইন অনুসারে

যাহাদের সম্পন্ধ সংলেও

হয় ইনম্পের্টরের এরপ মাছে বলিয়া তাহার সম্বন্ধে
বাজিদিগতে দমন কবিবার কোন ইন্স্পের্টরের সন্দেহ

করিবার কারণ থাকিলে ঐ

ইন্স্পেন্টর আপনার হেন্তু লিপিবদ্ধ করিবার পর ঐ
ব্যক্তিকে তাঁহার নিকট উপন্থিত হইবার জন্য সমন
করিতে পারিবেন।

(২) ঐরপ কোন ব্যক্তি ইন্স্পেট্টরের নিকট উপ-স্থিত হইলে, তাহার সম্বন্ধে ২২ ধারার বিধান অভ্সারে কার্য্য করিতে হইবে।

# পঞ্চম অধ্যায়।

প্রামের মণ্ডল ও অপর ব্যক্তিদের কর্ত্তবাক**র্মের** কথা।

থামের মণ্ডল ও কোন কোন বিভাগের কর্মচাবি-দের—

• ধের প্রত্যেক কর্মচারির পক্ষে...

(ক) এই আইনমতে দণ্ডনীয় কোন অপরাধ করিবার প্রভিপ্রায়ের কিন্তা কৃত
এই আইন মতে দণ্ডনীয়
অশবাধেব স্থাদ দিতে
এবং
তাহা স্ব-ইন্স্পেইরের নিম্ন
পদৃষ্ট না হন স্বন্ধ রাজ্য
সম্পূর্কীয় এরূপ কোন কর্মচারিকে জ্ঞাপন করা,

- (খ) সাধ্যমত সমস্ত মুক্তিবৃক্ত উপায় প্রয়োগ ধারা প্রশ্নপ কোন অপরাধ নিবারণের ঐনপ অপরাধ <sup>নিবারণ</sup> নিমিত্ত বাধা প্রদান করা ও উহা <sup>করিতে এবং</sup> নিবারণ করা, এবং
- (গ) লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারির নিকট হইতে কোন মুটিস বা অন্নরাধ লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কর্মচারিদের সাহায্য করিতে বাধ্য হইবার কথা।

  এই আইনের কোন বিধান কার্য্যে পরিণত করিতে সাহায্য

কর ---

**অবশ্য কর্ডব্য হইবে**।

২৫ ধারা। যে সমন্ত মালিক, প্রজা, অধীন প্রজা

মালিক প্রভৃতির বে
জাইনী লবণ পোপ্তানের জ্বমী অধিকার বা ভোগ করেন

কৃষ্টিদ দিতে বাধ্য হইবার বাহার উপার কোন বেআইনা
ক্থা।

স্বলের পোখান আছে তাঁহারা
প্রতাহাদের এজেন্টেরা ঐ বিষয় অবগত হইবামাত্র, যুক্তিবুক্ত ওজর না থাকিলে কোন মাজিক্টেট কিছা লবণ বা
পুলিস বিভাগের কোন কর্মচারির নিকট ঐ বিষয়ের
মুটিদ দিতে বাধ্য হইবেন।

# यष्ठं अशु'य ।

অপরাধ, দণ্ড ও ক্ষতি গুরণের কথা।

৮, ১২ ১৪ বা ১৫ ধাবা উল্লেখ্যন করিবাব, বেজাইনী প্রবা গ্রহণ বা রক্ষাকরিবার, কিন্মা বিধি, লাইসেজ বা শর্মিট উল্লেখ্যন করিবার দণ্ডের কথা।

২৬ ধারা। যে কোন ব্যক্তি-

- (ক) ৮ ধারা বা ১২ ধারা উল্লন্ডন করিয়া লবণ বা সোরা পোখান বা ছানান্তর করে, কিয়া
- (খ) ৮ ধারা উল্লহ্মন করিয়া অক্ত ত্রিম লবণ বা লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন, সংগ্রহ বা স্থানান্তর করে বা নিকটে রাখে, কিয়া
- (গ) ১৪ ধারা উল্লন্ড্রন করিয়া লবণ বা লবণাক্ত মৃত্তিকা বা সোরা চালান করে বা নিকটে রাখে, কিছা
- (খ) ১৫ খারার (২) প্রকরণ উল্লন্ডন করিয়া লবণাক্ত মৃত্তিকা খনন করে, সংগ্রহ করে বা নিকটে রাখে, কিম্বা
- (৬) এই আইন কি উপস্থিত সময়ের প্রচলিত
  অপর কোন আইন বারা বা আইন অয়লারে তাঁহার প্রক্তি যে কোন ক্ষমতা
  প্রদন্ত হয় সেই ক্ষমতার পরিচালনক্রয়ে
  ভিন্ন কিছা যে কোন কর্তব্যকর্ম অপিত
  হয় তাহার সম্পাদনক্রয়ে ভিন্ন বেপাইনী

লবণকে বেআইনী জানিয়া বা বেআইনী করিয়া বিশ্বাস করিবার কারণ থাকিতেও ভাহা এইণ করে কিশ্বা আইনসঙ্গত ওক্ষর ব্যতিরেকে ভাহা রক্ষা করে, কিশ্ব

(চ) এই আইন অম্পারে প্রণীত কোন বিধি
কিন্তা এই আইন অম্পারে প্রণত কোন
লাইসেপ বা পমিটের কোন নিয়ব
উল্লভ্যন করিয়া কিছু করে—

তাহার ঐরপ প্রত্যেক অপরাধের নিমিত্ত পাঁচশত টাকা পর্যান্ত জরিমানা কিন্তা ছয় মাস কাল পর্য্যন্ত ক রাদও বা উভয় দণ্ডই হইতে পারিবে।

২৭ ধারা। কোন ব্যক্তির পূর্বে ২৬ ধারামত কোন অপরাধ কিছা লবণ বিষয়ক ও তাহার পর অপরাধ নাব্যন্ত হইলে দণ্ডের কথা। বিষয়ক কোন অপরাধ নাব্যন্ত হইলে দণ্ডের কথা। হইলে মপর উক্ত ২৬ ধারামত কোন অপরাধ সাব্যন্ত হইলে. ২৬ ধারামত প্রথম কোন অপরাধের নিমিত্ত যে দণ্ড হয় তদতিরিক্ত তাহার ছয় মাস কাল পর্যান্ত কারাদণ্ড হইতে পারিবে।

এবং ঐরপ প্রত্যেক ব্যক্তির ২৬ ধারামত পরে কোন অপরাধ সাব্যস্ত হইলে তাহার ঠিক পূর্ববার অপরাধ সাব্যস্ত হইবার সময় সে যতকাল কারাদণ্ড প্রাপ্ত হইবার যোগ্য হইয়াছিল তদরিক্ত তাহার প্রত্যেক-বার ছয় মাস কাল পর্যান্ত কারাদণ্ড হইতে পারিবে।

ং৮ ধারা। যদি লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারী কিম্বা প্রামের মণ্ডল কিম্বা

চারীকেম্বা প্রামের মণ্ডল কিম্বা
পুলিস, কইটম, আকান, আবকর্মচারী—

- (ক) এই আইন বা এই আইন ত মুদারে প্রণাত কোন বিধি উল্লেজন করিয়া কোন কার্য্য
  - করেন কিম্বা কোন কার্য্য না করিবার অপরাধে অপরাধা হন, কিম্বা
  - (খ) কোন ব্যক্তির ক্ষতি করিবার বা বিরক্তি জন্মাইবার অভিপ্রায়ে এই আইন বা এই আইন অভ্নারে প্রণীত কোন বিধিক্রমে তাঁহার প্রতি যে কোন ক্ষমতা প্রদত্ত হয় বিরক্তিজনকভাবে বা অনাবশ্যকমতে সেই ক্ষমতার ব্যবহার করেন,—

তাহা হইলে ঐরপ প্রত্যেক অপরাধের নিমিন্ত তাহার পাঁচশত টাকা পর্যান্ত জ্বরিমানা হইতে পারিবে। ২৯ ধারা। যে ব্যক্তি ২৫ ধারামতে ফুটিস দিতে বোলাইনী লবণ পোগ্ড:-নের মুটিস না দিবার দভের কথা।

প্রবিক ঐ ফুটিস না দেয় বা দিতে বিলম্ব করে তাহা হইলে ভাহার পাঁচশত টাকা পর্যান্ত

कतियाना श्रेष्ठ शातित्व।

৩০ ধারা। দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিস্টেটের ক্ষমতার অন্যন

যে মালিটেটদের কর্তৃক
ক্ষমতা পরিচালনকারী কোন
কাল্য বিচাগি উত্তাদের
কাল্য বিচাগি উত্তাদের
কাল্য পরাধ বিচরিত হইবে।

৩১ ধারা। এই আইন-ত কোন অপরাধ ফুড
হইবার পর ছয় মাসের মধ্যে
ক্ষিয়াদের
ক্ষা।

তৎসন্বন্ধে কোন নালিস উপ-

আহ্য হইবে না।

৩২ ধারা। কোন মাজিফ্রেটের নিকট এই আইন অস্ক্রসারে কার্য্যাস্থ্রটান ইইলে, নিম্মলিখিত দ্রব্য, অর্থাৎ —

স্থিত করা ঝা গেলে ঐ নালিস

- (क) अग्रस्त दिषाहेंनी नदन;
- (খ) যে সকল জন্ত, যান ও জলযান বেআইনা লবণ বহন করিবার জন্য ব্যবস্থাত হয় বা ব্যবস্থাত: ইবার অভিপ্রায় থাকে ভাহঃ;
- (গ) যে সকল মাস, বস্তা ও আবরণের ভিতর বা মধ্যে বেআইনী লবণ পাওয়া যায় ভাষা, এবং
- (ঘ' লাই সেব্দ ব্যতিরেকে লবণ, লবণাক্ত ই ব্রিকা বা সোরা পোগ্রান, খনন, সংগ্রহ বা স্থানান্তর করিবার নিমিত্ত কিন্তা এই আইনের বা এই আইন অনুসারে প্রণীত কোন বিধির বিধানের বিক্তান অরুতিন লবণ কার্য্যে লাগাইবার নিমিত্ত যে সকল যন্ত্র, হাতিয়ার, পাত্র ও মাল মশলার প্রয়োগ করা হয় বা প্রয়োগ করিবার অভিপ্রায় থাকে তাহা

মোকন্দমার বিচারকারী।মাজিফ্রেটের আজ্ঞাক্রমে জন্দ করা যাইতে পারিশে

৩৩ ধারা। ৩২ ধারামতে জব্দ করিবার স্থাজ্ঞ। করা গেলে কালেক্ট্রর ৩৭ ধারার ক্ষ দ্রবা উদ্ধাব করি-বাব কথা।
(ভ) দকামুসারে যে কোন বিধি প্রণীত হয় তদধানে জব্দ দ্রব্যের

অধিকারীকে কালেক্টর যেরূপ জারমানা উপযুক্ত বিবেচনা করেন সেইরূপ জারিমানা দিয়া ঐ দ্রব্য উদ্ধার করিবার অনুমতি দিছে পারিবেন।

৩৪ ধারা। এই আইনক্রমে কিন্তা এই আইন অন্ত-সারে প্রনীত কোন বিধিক্রমে সরলভাবে কৃত কার্যোর নিম্ভ দণ্ড বা ক্লতিপ্রন দিতে না ছইবার কথা। কর্তব্যকর্ম অর্পিত হয় বা ক্ষমতা প্রদক্ত হয় তিনি ভদমুসারে

সরলভাবে কোন কার্য্য বা কোন আজ্ঞা করিলে সেই কার্য্য বা আজ্ঞার জন্য তাঁহার কোন দণ্ড হইতে পারিবে না বা কোন ক্ষতিপুরণ দিতে হইবেনা।

৩৫ ধারা। (১) পুর্বোক্তমত কোন কর্তব্যকর্ম বা ক্ষমতার ব্যপদেশে কিয়া শ্বেজিমত কোন কর্তব্যকর্ম বা ক্ষমতা অতিক্রম ক্রিয়া যে কোন কার্য্য করা হয় কিছা করা হইয়াছে বলিয়া আলালভ বিবেচনা করেন ভদ্ধারা অনিউ হইয়াছে বলিয়া
কথিত হইলে ভদ্মিন্ত কোন ব্যক্তির পক্ষে ক্ষতিপ্রণার্থ
প্রত্যেক গোকদ্বমা—

- (ক) যে অনিষ্ট সন্থন্ধে নালিস হয় যদি সেই অমিষ্ট হইবার পর তিন মাস অতাত হইলে ঐ মোকদ্দমা উপস্থিত করা হয়, কিছা
- (খ) যদি বাদী এক মাস পুর্বের প্রতিবাদীকে যে অনিষ্ট সম্বন্ধে নালিস হয় তাহার প্রচুর বিবরণ সমেত মোকদ্দমা উপস্থিত করি-বার লিখিত স্থানি দিয়া না থাকেন—

তাহা হইলে ডিসমিস করা যাইবে :

- (২) ঐক্পপ প্রত্যেক মোকদ্দমার আরজাতে পুর্বোক্তমত একটি স্টিস যে প্রতিবাদীর উপর জারী করা হইমাছে এছ কথা ও ঐক্পপ জারী করিবার তারিখ প্রকাশ থাকা চাই এবং প্রতিবাদা ক্ষতি পুরণার্থ কোন প্রস্তাব করিয়াছেন কি না ও করিয়া থাকিলে কি প্রতাব করিয়াছেন ইহারও ঐ আরজিতে উল্লেখ থাকা চাই।
- (৩) উক্ত স্থাটিস যে সময়ে ও যে প্রকারে জ্বারী করা হইল বাদী তাহা নির্দেশ করিয়া উহার একখানি নকলে পৃষ্ঠলিপি করিবেন কিন্তা ঐ নকলের সজে ঐ নির্দ্দেশপত্র দিবেন এবং ঐ নকল আরজীতে সংযুক্ত করিয়া দিতে হইবে।

#### সপ্তম অধ্যয়।

#### বিবিধ বিধান।

কোন কোন কৰ্মচাৰীকে ৩৬ ধারা। ছানীয় গ্র্ক-বিশেষ ক্ষমতা প্রদান করি-বাব অধুমতিব কথা। প্রনাম কার্মা—

- (১) লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারির প্রতি---
  - (ক) ১২ ধারার (খ) দকা অহুসারে পর্যিট দিবার;
  - (খ) ১৪ ধারার (২) প্রকরণ মতে বিশেষ পর্মিট দিবার ; কিছা
  - ্গ) এই আইন মতে দণ্ডনীয় অপরাধের অভিযোগের বিচার করিবার—

বিশেষ মতে ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন; কিছা

(২) লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কোন কর্মচারিকে কিছা পূলিস, ভূমিরাজস্ব বা কর্মম বিভাগের কোন কর্মচারিকে ১৭ ধারাক্রমে প্রদন্ত সমস্ত বা কোন ক্ষমতা পরিচালনার্থ বিশেষ করিয়া ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন। ৩৭ খারা। ছানীয় গবন্ধেন্টকে ইভিপূর্কে যে সমন্ত বিধি প্রণয়ন করিবার সাধা-বন ক্ষম চাব কথা। প্রদক্ত ইইয়াছে ঐ গবন্ধেন্ট ভদতিরিক্ত সময়ে সময়ে নিম্ন-

লিখিত সমন্ত বা কোন বিষয়ের ব্যবস্থা করণার্থ বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন, অর্থাৎ ঃ—

- (ক) কোন খালাড়ীতে বা কোন খালাড়ী হইতে লবণ বা দোরা পোখ্রান, জনা গুদান-জাত, বিক্রয় বা ছানাস্তর করণের:
- (খ) যাহার উপর মার্মল দেওয়া হয় নাই এরপ লবণ জ্বমা বা গুদামজ্ঞাত করণার্থে ব্যব-স্থান কোন খেরা স্থানে বা কোন ঘেরা স্থান হইতে লবণ বা সোরা জ্বমা, গুদাম-জ্ঞাত ও স্থানাস্তর করণের;
- (গ) এই আইন অন্থসারে যে কোন লাইসেপ্য পর্মিট, পাস, সার্টাফকেট, দাখিলা, রওয়ানা বা ঐরপ কোন দলিল প্রদত্ত হয় বা বাহির হয় তাহার জন্য যে ফী চার্জ করিতে হইবে তাহার;
- (ছ) ধৃত বা জন্দ করা দ্রুব্যের বিলি ব্যবস্থার ও গোয়েন্দা প্রভৃত্তিকে পুরস্কার দিবার ;
- (ঙ) লবণের উপর মাহল দিবার;
- (চ) এই আইন অনুসারে লবণ রাজস্ব সম্পর্কীয় কর্মচারিদের ক্বত আজ্ঞার উপর যে সকল স্থলে, যে কর্মচারিদের নিকট ও যে সকল নিয়মাধানে আপীল হইতে পারিবে তাহার:

- (ছ) আমদানী করা লবণ ব্যবসায়ীদের ও আব-কারী লবণ পৌগ্রানকারীদের সংখ্যা, পরিমাণ ইত্যাদি সম্বলিত যে সকল রিটর্ণ দিতে হইবে তাহার ;
- (জ) সাধারণতঃ, এই আইনের বিধান কার্য্যে পরিণত করণের।

তদ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণনেণ্ট এই আইনক্ষিন পাণ্ডলেখ্য প্রকাশ
ক্ষণের কথা।
বার পুর্বেষ প্রস্তাবিত বিণির
স্থাবা যে ব্যক্তিদের ক্ষতিয়দ্ধি
হইবার সম্ভাবনা তাঁহাদের অবগাতর নিমিন্ত উহার
একখানি পাণ্ডলেখ্য প্রকাশিত করিবেন।

- (২) স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট যে প্রকার আদেশ করেন উক্ত পাণ্ডুলেখ্য সেই প্রকারে প্রকাশিত করিতে ইইবে।
- (৩) যে তারিখে বা যে তারিখের পর ঐ পাণ্ডু লেখ্য বিবেচনা করিয়া দেখা হইবে তাহা নির্দ্দেশ করিয়া ঐ পাণ্ড্লেখ্যের সহিত একখানি স্থটিস প্রকাশিত করিতে হইবে।
- (৪) ঐরপে নির্দিষ্ট তারিখের পূর্ব্বে ছানীয় গবন-মেন্ট কোন ব্যক্তির নিকট হহতে ঐ পাণ্ডলেখ্য সম্বন্ধে কোন আপত্তি বা পরামর্শ প্রাপ্ত হইলে তাহ। বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।

৩৯ ধারা। এই আইন অহুসারে প্রণীত সমস্ত বিধি
কলিকাতা গেজেনে প্রকাশিত
বিধি চূড়ান্তরূপে প্রকাশ
করা যাই ব এবং বিধিগুলি
কবণের কথা।
যে যথ,রাতি প্রণীত হইয়াছে
ঐরপ প্রকাশিত করাই তাহার সিদ্ধান্ত প্রমাণ হইবে।

#### অভিপ্রায় ও হেতুব বিবরণ।

এই পাতৃলিপিখানির প্রধান উদ্দেশ্য এই এই :--

- (ক) রওয়ান। প্রণালী রহিত করণার্থ বিধান কর। :
- (খ) বজদেশের গবর্ণমেন্টকে উভি্ষ্যার লবণ বিভাগের কার্য্যনির্কাহভার পুনর্কার গ্রহণ করণার্থ সক্ষম করা; এবং
- (গ) আইনে এরপ কয়েকটি পরিবর্ত্তন ক। যাহা ভূয়োদর্শনক্রমে সবণ রাজ্ঞস্বের হিতার্থে আইনে সন্ধিবেশিত করা আবশ্যক বলিয়া দৃষ্ট হইয়াছে।
- ২। এই কারণে ১৮৬৪ সালের বঙ্গায় ৭ অংইনটি পাণ্ডলিপির দ্বারা রহিত করা হইল। ১৮৭৩ সালের বঞ্চায় ১ আইন দ্বারা সংশোধিত উক্ত আইন পাটনা, ভাগল পুর ও উড়িয়া বিভাগ এবং কলিকাতা নগর ছাড়া সমস্ত বঙ্গদেশে এক্ষণে প্রচলিত আছে। প্রথমোক্ত স্থানগুলিতে ১৮৮২ সালের ১২ আইনটি প্রচলিত হওয়াতে তথায় পূর্বোক্ত আইনটি আর বলবৎ নাই।
- ত। ত (ক ধারায় 'লবন' শব্দের যে অর্থ নিজেন করা ছইয়াছে তাহা ১৮৬৪ সালের বজীয় আইনের ত ধারার প্রদক্ত অর্থ অপোকা বেশা ঠিক ও সম্পূর্ণ এবং 'যাহা খাদ্যের সহিত ব্যবহৃত হয় বা ব্যবহৃত হইবার অভিপ্রায় খাকে' এই নিয়মটী নৃত্ন অর্থ নির্দেশক্রম রহিত হওয়ায় 'লবন' শব্দের অর্থের প্রসর রিদ্ধি ছইয়াছে।
- ৪। ৩(৪) ধারায় 'বেজাইনা লবণের' যেরপ অর্থ করা হইয়াছে তাহাতে লবণাক্ত মৃত্তিকাও উক্ত শব্দ ছয়ের অর্থ মধ্যে গণ্য হইবে। লবণাক্ত মৃত্তিকা খাদ্যের সহিত ব্যবস্থত হয় না বা ব্যবস্থাত হইবার জন্য অভিপ্রায় খাকে না বলিয়া ১৮৬৪ সালের বঙ্গায় আইনের ৩ ধারায় প্রদত্ত ''লবণ'' শব্দের অর্থ মধ্যে গণ্য হয় না।

- e। শিরিতা ও কর্ত্ব বিষয়ে ১৮৬৪ সালের বঙ্গীয় আইনে যেরপে বিধান আছে ৪ হইতে ৭ পর্যান্ত ধারাত্তলিতে তাহার অপেক্ষা অধিকতর সম্পূর্ণরূপ বিধান করা হইল। এ তুইটা বিষয়ে উক্ত আইনটি অসম্পূর্ণ বিশান করা ছইল। এ তুইটা বিষয়ে উক্ত আইনটি অসম্পূর্ণ বিশান করা ছইল।
- ৬। ৮ হইতে ১৫ পর্যান্ত ধারাগুলির লবণ বিষয়ক বোদ্বাই ও মাক্রাজের আইনের রুক্ক রুক্ বিধান অবলয়ন করিয়া প্রণীত হইয়াছে। উক্ত ধারাগুলির দারা অক্তঞিম লবণ ও লবণাক্ত মৃত্তিকা কিন্বা সোরার পরিমাণ যতই হউক না. তৎসম্বন্ধীয় কার্য্যের কর্তৃত্ব করিবার ক্ষমতা প্রণত্ত হইয়াছে।
- ৭। কউমের বন্দর এবং লবণ বা সোরার কারখানার নিকটবর্তী ছানে লবণের চলাচলের ব্যবস্থা করণার্থ ১২ ও ১৩ ধারা ছুইটিভে ক্ষমতা রক্ষিত হুইয়াছে।
- ৮। ১১ ধারামতে প্রণাত বিধি অসুসারে না হইলে কোন পরিমাণ লবণাক্ত মৃত্তিকাই নিকটে রাখা যাইতে পারিবে না ৮ ধারায় এই যে কঠোর নিষেধাত্মক ব্যবস্থা আছে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব দাঁড়ামত হকুষ দিয়া যাহাতে সেই ব্যবস্থার কঠোরভা ব্রাস করিতে পারেন ১১.১৩ ও ১৪ ধারায় এইরপ বিধান করা হইয়াছে। পাজা লবণ বিক্রয়ার্থ পোশ্রান করিবার জন্য যে ব্যক্তিরা বছ পরিমাণে লবণাক্ত মৃত্তিকা সংগ্রাহ করে তাহাদেব বিরুদ্ধে মোকদ্দমা করিবার ক্ষমতা রক্ষা করিয়াও দরিদ্ধ শ্রেণীদের ব্যর ধ্রচের জন্য যে অম্প পরিমাণ লবণাক্ত মৃত্তিকার প্রয়োজন হয় লবণোৎপাদক স্থানের অধিবাসীদিগকে তাহা নিকটে রাখিবার অসুমতি এই সকল ধারাস্থলারে দেওয়া যাইতে পারিবে।
- ১। মাজ্রাজে লবণ সম্পর্কীয় কর্মচারিরা ভালাস. পরিদর্শন, ধৃতকরণ, গ্রেজ্ঞারকরণ, ভদন্তকরণ, জামিন
  লওন ও ছাড়িয়া দেওন সম্বন্ধে যে সকল ক্ষমতা পরিচালন করেন ১৬ হইতে ২৩ পর্যান্ত ধারাক্রমে লবণ রাজস্ব
  সম্পর্কীয় কর্মচারীদিগকে সাধারণতঃ তদত্রপ ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছে। বিশেষ জ্বুকরি ছল ভিম্ন কোন মাজিক্টেটের
  নিকট ওয়ারাণ্ট লইয়াই কেবল ভালাস করা খাইতে পারিবে। যে ছলে ঐরপ ওয়ারাণ্ট লওমা না হয় সে ছলে
  কর্মচারী যে সম্বাদ পাইয়া কার্য্য করিলেন তাঁহাকে ভাহা লিপিবদ্ধ করিতে হইবে।
- ১•। পাণ্ট্লিপির অবশিষ্ঠাংশে কেবল কতকগুলি অতিরিক্ত বিধান আছে। এই গুলির অধিকাংশই ভারতবর্ষীয় লবণ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন এবং লবণ বিষয়ক মান্দ্রাজ ও বোম্বাইয়ের আইন অবলম্বনে প্রণীত হইয়াছে।

এচ্. এচ্, রিস্লী। বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

১৮১१ मान, एवे क्लावे।

CHUNDER NATH BOSE,

Benguli Transator.



# यक्रलवात, ১৮৯१ माल २৮ (भ ८म८९ देवत ।

#### मश्रम चछ।

হাই কোটের ও রেবিনিউ বোর্ডের সাধারণ জ্ঞাপনপত।

বঙ্গদেশের অন্তর্গত ফো**র্ট উইলিয়মস্থ হাই** কো**র্টের আদেশমতে প্র**চারিত সরকূলর অর্ডব।

#### [किजमाती]

२ नः। তারিখ ১৮৯৭ সাল २৭ এ জাগাই।

ছাই কোর্টের (কেজিনারী) সাধারণ বিধি ও সরকুলর অর্ডর পুস্তকের ৫১ পৃষ্ঠায় ১ অধ্যায়ের ৬১  $\Lambda$  বিধির পর নিম্নলিখিত বিধিটী সন্ধিবেশিত করিতে ছইবে :—

#### সামরিক পেন্সন প্রাপ্ত দেশীয় ব্যক্তি।

৬১ B। [ অপরাধ সাব্যক্ত হওয়ার পর সামরিক পেন্সন্থাপ্ত দেশীয় ব্যক্তির উপর দণ্ডাজ্ঞ। — ১৮১৭ সালের ২ রা আগফ তারিখের ২ বং সরক্লর অর্ডর।] মাজিফেটেরা সামরিক পেন্সন্থাপ্ত দেশীয় ব্যক্তিদিগের ক্বত অপরাধের নিমিত্ত দণ্ডাজ্ঞা প্রদান করিবার সময় অপরাধ সাব্যক্ত হইলে ঐ পেন্সন্থাপ্ত ব্যক্তিগণ পেন্সন রহিত হওন স্বরূপ অতিরিক্ত দণ্ডের ও অধীন হইবে অনেক সময় তাঁহাদের এই বিশ্বাসের উল্লেখ করিয়া থাকেন এবং এই বিশ্বয় বিবেচনা করিয়া অপরাধীদিগকে কিরপ কঠোর দণ্ড দিবেন ভাহার নিম্পত্তি করিয়া থাকেন, এ কথা হাই কোর্টের গোচরে আনীত হইয়াছে। মাজিফেটদিগের এই কার্য্যপ্রণালী ঠিক নহে। কারণ যে সকল পেন্সন প্রাপ্ত ব্যক্তির ঐরপে অপরাধ সাব্যক্ত হইবে তাঁহাদের পেন্সন নিশ্চিতই রহিত হইবে এই কথা ধরিয়া লইয়া ঐরপ কার্যপ্রণালী ক্রম্পত হয়। ভার ত্বর্ষের সেনা বিষয়ক ব্যবহার ১ বালমের ২ খণ্ডের দেশীয় সৈনিক সম্বন্ধে

"প্রভ্যেক পেরুল ভাবতঃ এই নিয়মে প্রদন্ত হয় যে প্রেজনধারী ভবিষাতে সদাচবণ করিবেন। পেজনধারী কোন ভ্রুতব অপরাধে অপরাধী সাবান্ত হইলে কিয়া বিশেষ অসদাচরণ দোহে দোৰী হইলে সম্পূর্ণক্রণে বা আংশিকভাবে পোলন আটকাইয়া রাখিবার বা বহিত কবিবাব স্বস্থ গ্রাব্দিকট স্বহুতে রাখিবার।"

পার্শেক্ত ৪৯৬ আর্টিকেল অমুসারে এই সকল বিষয়ের ব্যবস্থা হয় এবং ঐ আর্টিকেলের শব্দের প্রতি মাজিস্টেটনের মনোযোগ আকর্ষণ করা যাইন্ডেছে। কোন হলে পেন্সন কমাইয়া দিতে হই:ব কি না এই কি না অথবা পেন্সন সম্পূর্বভাবে রহিত করিতে হইবে কি না এই বিষয়ের নিপান্তির সম্পূর্ব ভার এই আর্টিকেল অমুসারে গবর্গমেন্টের ছভে আছে এবং এই বিষয় নিপান্তি করিবার সময় আদালত এতেকে ছলে প্রকৃত পক্ষে / দণ্ডাজ্ঞা করেন গবর্গমেন্ট তাহা যথাযধরে?" বিবেচনা করিয়া দেখেন। স্থতরাং এরপ ফলে পেন্সন রহি প্রথমায়ে অপরাধ্য সাব্যক্ত হওয়ার নিশ্চিত ফল ইহা যেন মাজি

(क्टेर्डेडा श्रिज्ञा ना नन्।



# गवर्गायन् क्षाद्धिन

TUESDAY, SEPTEMBER 28, 1897.

मञ्जलवात, ३৮৯१ माल २৮ म्हिश्त ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ठिम थ छ ।

ই ভিহার এডতি

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জ্ঞানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি:খর অনাদার ১০) টাকার ঊর্দ্ধ জ্ঞমার নওয়াবাদ ও খাষ তরক তালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১২ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেকুরা কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

	==		الله على المدو <del>ح</del> يين ع	<b>সমূর</b>	<b>&gt;মা</b> ।	41	ু কীৰ পৰিমাণ		
ক্রমিক নম্বরু।	তাপুকার নপর।	মৌজন, খান:, মহাল ও তালুকাৰ নাম।	মালিকেব নাম।	শাভানা।	<b>८</b> ष्ट्	খাজান।	(६५।	মোট।	<b>મજ</b> ના !
- د	₹		8		•	9		, <b>,</b> ,	1.
3	>> 1 2 • 3 08 4 4 3	মেছাল নাকলিয়া খানা সহর মহাল নওয়াবাদ। তাং আহাম্মদ আলী ও মাহাং ইছপা ও কোকান আলী ও আজগর আলী ও শ্রীমডী স্থরবিবি।			4 961/6	৩৬॥৵৯	>\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	&0 2	••••
			ইছুমাইল হিত্যী উক্ত আবহুল হাকিম।						•

CHITTAGONG COLLECTOBATR,

The 22nd September 1897.

F. P. DIXON,

For Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।-ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ভিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার উর্দ্ধ জ্ঞমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী বাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মযতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৬০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়়ণ রোজ রহস্পতিবার শ্বার্ম্য জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং ডাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

মিক	তপুকার নহর।	মৌৰা খানা, মহাল ও	মালিকের নাম।	সদ্ব জ্ঞা			ৰাকী।		
भव ।	02414 4441	তাপুকার নাম।	याल्डिक वाय ।	খান্সানা।	(इह।	थाञ्चान।।	(ইছ	মোট।	मच्छ र)
,	3	•	8	ά	4	1	Þ	2	<b>&gt;•</b>
	8474	মেডিজ জ্জখনা থানা কটীকছরী মহাল নওয়া- বাদ।							
3	२७४१४	তালুক এয়ার আলি খাঁ,	ওবেদর রহমান খাঁ	२७88)	36640	1 630,	واواون	१७०१७७	•••
	7485	হাং তাং ওবেদর রহ-	ও মেহের আলি			1			
	7486	मान था।	र्थे।			i			

For Collector.

The 22nd September 1897.

#### जिना युत्रिमाताम ।-- अधिमात्री विकास्त्र विकाशन !

#### ১৮৯৭ সালের ছ্ব কিন্তির বাকির জন্য।---

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এজন্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মুরশিদাবাদ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলিবা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর যোং ১৩০৪ সালের ১৩ আখিন তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে প্র অংশের নিমিপ্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

3	2	9	8	t	•	•• ••••• •••		<b>à</b>
ভে <del>ডির</del> নথর ।	মহাজ ও প্রগণার নাম ৷	সম্পূর্ণ মহা- কোব সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হ <b>ইলে</b> ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় স্ইলে তাহাব বাকী।	
2840	চর হেতানী গানা বজুয়া।	· 11¢86	त्रभूपञ्च		ধনেশ প্রকাশ গান্তুলী সাং কলিকাতা নং ১ প্রসন্ন কুমার ঠাকুরের ফ্রীট।		<b>۱۳۹</b> ۷	•••••

OPENDRA CHUNDRA MOZUMBAR,

Collector.

किना होतार

# रेखाशत मामा काष्टाती कारमहेती किमा ठछेयाम।

ইহাক্ষারা শংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ১৮৬৮ সালের ৭ জাইন ও ১৮৭১ সালের ২ জাইনের বিধান্যতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মধায়সারে নিমলিধিত ভালুকাদির ১৮৯৭ ইংরেজী ২৫শে যেই স্ব্যান্ত পর্যন্ত বাকি পড়া শাজানা ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ ইংরেজী ২১ অক্টোবর যোডাবেক ১৩০৪ বাজালা ৫ কান্তিকরোজ রহস্পতিবার জিলা চট্টগামের কানেইরী কাছারিতে একাশ্য নিলামে ধরা যাইবে,। ইতি ১৮১৭ ইংরেজা তারিখ ১ সেপ্টেম্বর।

जास्तक्व नमुखा दोनः, क्षोकः छ खालह्क्व नाम	T. C. P. V. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C. C.	R.	(1) 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10		राकी -		,
		E B		थिकां	- 4 A	( ) E	मळवो
<i>N</i>	9	on .			-	د	A
ধানা কাডকাণিয়া হাল বাস- ধালী মেজি ছোট ছম্যা মহল নয়াবাদ ডাং ছোট ছম্যা।	া- বাৰু যোগেশ চন্দ্ৰ রায় ফেট পাক্ষে হায় কৈলাস চন্দ্ৰ লি দাস বাহাতুর জেনেরল মালেজার।	9 8 8 8	a) & a) & a	- <del> </del>	* · · ·	<b>ル</b>	100
ও থাকা সাতকালিয়া ছাল বাস. ৪ °ং খালী মেজি পুইছুৱী মহাল নমাবাদ ডাং ক্লফার্জিত।	ে গোলোক চন্দ্ৰ সিকদার পিং রাষ্সেব্ক সিকশ্ব সাং কলাউজান।	25 25 25 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20 20	2.0	3/2	:	₹	১৯১৩।১৪ ছবৈক ১৯১৪   ১৫ হুইন্ডে ৩৫৭৪॥• ১৯২৫ ইন্তৰ
8 थाना माञ्काविशा शन वाम- सानी त्यांत्रक पृश्कृदी ग्रश्न नग्नावाम जाः त्यांवादक व्यानो वृद्धा व्यानी।	- আনোয়ার আলী পিং বন্ধা আলী ও হামিদ উলা চেং স্বয়ং ও নাবালক ভাতা হৈছ্যদ উলা, আজমলা ভগ্নি হৈয়দমিছা, জমিলা খাড়ুনের পক্ষে হিং আজ- মলা খা, মতিয়র রহমান স্বয়ং ও নাবালক এজাহার মিঞার পিকে হিং।	(જ) જો હ દ	% % %	÷ 38	9/1945	9/4°955	18-26   26 ERTE 1266, 1266, 1200   12

	::	
<b>*</b> /Inns	8 A8	e & > 9 c
:		:
<b>₹</b> ∕॥ <b>२</b> ९	2,48	Sec. 20
9 / 1 / 9 /	٠/  ۳۹	916.
2609	60216	¢ > > > 40 ° °
ইং শালী মেডিকাণিয়া হাল বাস- কল্পন আলী শিং মহূহর জালী চেং সাং তৈলার- ১৬০৭, ১৬১॥/৬ ১৬৬॥/২ ১৬৬॥/২ ন্যাবাদ ডাং ডাজিয়িছা	৪৯ । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	ৰানা সাতকাণিয়া মেজি বাজচন্দ্ৰ সেন পিং বাজকিশোর সেন ও বংশীমোহন ৫১১৬০-১ চূড়ামণি মহাল নয়াবাদ তাং সেনের পদ্দে ওস্থরেন্দ্র বিজয় রায় ষ্টেট পদ্দে রায় মহেশ চন্দ্র, চৈডন্যেরণ। কৈলাস চন্দ্র দাস বাহাহ্ন জেনেরল ম্যানেজার।
্ধানা সাতকাণিয়া হাল বাস- শালী মোজে চাষল মহাল ন্যাবাদ তাং ভাজনিছা	्षांचा माञ्कानिया श्राम्यानी स्मित्य हाथन यशन नयावाम हाः वाद्यन यखिन।	ৰানা সাওকাণিয়া মোজে চূড়ামণি মহাল নয়াবাদ তাং মহেশ চন্দ্ৰ, চৈডন্যচরণ।
* 8	4 6 8	1 9. 2 0 6 0

CHITTAGONG COLLECTORATE, The 3rd September 1897.

J. Phillimore,
Offy. Collector.

#### ইস্তাহার নামা কাছারী কালেইরা জেলা চট্টগ্রাম।

ইহার বারা জানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রাপ্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের ।কৌ পড়া খাজানা ও ছেচু আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫২ সালের ১১ দাইনের ৬ ধারার মর্থাস্থারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর যোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বুধবার জেলা চট্টগ্রাম্ দালেট্টর কাছারিতে বিনা ওজ্পরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ট।

মম্ব	ও মহাল।			বার্ষিক	ভ <b>ম</b> া		বাকী।		
न्द (त्रद नचत्र।	ভালুকের নখর I	থানা, মৌশাও ঘহালের নাম।	মালিকের নাম।	খাজানা।	(TEE)	शकामा।	(BE)	(मांहे।	মস্কুৰ
3	1	٥	8	t	•	9	b	<b>&gt;</b>	3.
re	242	থানা রামুমোজে খুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএরুলা।	হার্কান আনী চোধুরি পিং মাহামুদ হারি সিকনার সাকিন পা- তনা মাছুয়াখানা।	(6961 <i>a</i> /	<b>&amp;34</b> °	२०।।०७ ১৮৯७।०७ च्यूत् व	ইং স কি। ৬৯৮০	3.4860	
<b>-</b> 46	388	ধানা রামু মৌজে খুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বক্সালি।	মহব্বত আলী চৌধুরি পিং আজগর আলী চৌধুরি সাং জলদি।	4 hard 11/	<b>ે</b> રાાહ	>6450			
25	<i>&gt;⊌</i> &	ধানা রামু মেডিজ উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ ভালুক রম্ভম আলী।	আমির বাহু চৌধুরীয়া মেহের নিছা চৌধু- রিয়া আহালিয়ে না জির আলী চৌং সাং উত্তর মিঠাছরা ওগয়-		344/-	8.74	8 • 11 9 0	883100	
99	२७१	ধানা রায়ু মোজে খুটা- খালী মহাল নয়াবাদ ভালুকমোবারক আলী।	জামিলা খাতৃন আহা- লিয়ে মৌলবি আ <b>জ-</b> মলা খাঁ সাং হারবাল		٠/١٠٥٤	<b>35</b> 0)	७७५०	२८४५७	
beter	₹@•	থানা রামু মেজি ভারুয়া- খালী মহাল নয়াবাদ ভালুক মাহাল্বদ রাজা।	মেলিবী মহন্বতালী ও ছৈয়দ আলী পিং আনমার আলী চেং সাং পাতলী মাছুয়া-	440110	383 h/U	2091 <b>~</b> •	891/•	78119°	
११२	<b>₹98</b>	থানা চকরিয়া মেজি ভেওলামাণিক চর মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি প্রাক।	আসমত আলী জাহা- বক্স পিং মাগন আলী	رده،د	3 4 bil/ •	¢ 990/	4 6 6 J o	<b>৬৩</b> ৩∤∕ •	
<b>b</b> -0	२ <b>५</b> ७	ধানা চকরিয়া মেডিজ সিলখালি মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি প্রাক।	গোলনেছ নিছা, বল- কিচ বিবি নাবালকা কন্যা ও সেখ মাহা- স্থাদ কালু চোং সাং জলদি ওগয়বহ।	9241 -		কিন্তীর ৪০৬ ৮৮/৩	সেপ্টে- ডিসেম্বর বাকি। ৩০॥-	१७७।।∕ऽ०	
be-be-	9৮ ৫০৮ 8৬৪ ৫৬০	থানা চক্রিয়া মোজে টেটং মহাল নয়াবাদ তালুক হরিদাস বহ- দার।	. এসাদ আলী চোং পিং সেখ মাহান্ধদ জমা সাং তৈলারদ্বীপ ধানা বাঁশখালী।	<b>96</b> 0)	3931 <del>4</del> 6		• دنعه ه ا	₹88 ₩ •	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

BAGALA PRASANA MAZUMADER,

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিধিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্বর ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেশ্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেশ্বর।

3	<b>\</b>	• .	•	t	•	9	b	>
তৌ <del>জি</del> র নম্বর (	ম্হাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্ৰ অংশ বিক্ৰয় হ <b>ইলে ঐ অং</b> শ বা ঐব অংশের বিলেখ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাজ বিক্রয় ছইলে ঐ অং- শেব সদব ক্সমা	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে ভাহাৰ ৰাকী।
२०२ ১ <b>.</b> ১९ ১२ <b>৮</b> २	থানে শাতকানীয়া মোং গারাকীয়া তংমোং গারাকীয়া বাং তং মঞ্কৃত রাম হাজ্ঞারি।	١٥٠١/٥	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবহুল ফর্ত্তা খা শ্রীদাহ মঞা গং।		D. 40/0	•••••
	তরক মেডিজ লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।		ď	•••••	শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীআবগুল কর্তা বাঁ গং।		०३५॥ ७३	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •
&&9 २०১१ <b>১</b> १৯8	তাং মাহাং কালু		<b>W</b>	••••	শ্রীদেশ হাবিব আহা শ্রদ চৌং জাং তথ পিতা মকবৃদ্দ আর্ট চৌংপক্ষে।	<b>,-</b>	85119	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি,পড়া।

টীক। - যে দলে উপবেৰ লিখত বৰ্ণনাপত্তের ৫,৭ ও ১ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় ছইবে বলিয়া দিখিত আছে দেই স্থলে ইহা বুবিতে হইবে যে এ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র ছিলাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্যাব্য অংশ বিক্ৰয় হয় না।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1857.

F. P. DIXON,
For Collector.

#### জিলা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ধ-মেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আহে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অভ্নারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর তারিখ মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক ভারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিম্মের লিখিত নিলামের সর্গু সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্গু।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেইর সাঙ্গেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন ভাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপোক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য হইয়াছে তাহা চিরস্করপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ত্ব খরিদারের প্রতিভি পর্য্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫) টাকা হারে আখরাজাত খরছ স্বরূপে সদর রাজস্ব বাদ পাইবে।

দ্বিতীয়। চালিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেন্ডেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা কৃষক প্রজা দ্বারা দক্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খ্রিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার ঊর্দ্ধ্য হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবদে ২ প্রত্বের মধ্যে যদি অবশিক্ষ টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবদ কোন পর্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবদ কাছারি হইবে দেই দিবদ ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইগাছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জ্ঞারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

मश्चरा ।	বাজাত খবছ ৷ সদৰ বাজস্ব বাদ ৷	ৰ	হা	(মেণ শ্য হুইয়া	বাক	যায  নিক	বৰ হি বেণানা ভানুম বিমাণ	যতদূ ভূ¦মং	মহার ও প্রগণার নাম।	(डोलिय मध्य
•				8			•		•	,
man and the second seco		+	어:	আ:	ों	শো:	ৰো:	4:		
	করা ২৫)	1	3	0	4	0	0	29	আনন্দচন্দ্র গড়গড়া পরগণ	200
	কা হারে।								इन्द्रशी।	
	(4)		•	•	\$8	•	•	٩	ঐ এ বিতীয় খণ্ড	862
	d		ĸ	4/	ಶೀ	•	0	७१	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা স্থন্দীপ।	७ऽ२
	(d)		•	11	2	•	•	2	জ্ঞিষে হৈয়দ আকবর পরগণা রামভন্ত চক্র ।	48¢
			•	•	3	•	0	3	চণ্ডিপুর রাস্তা	412

কালেক্টরের কাছারি জেলা নোয়াধালী।

8. K. Agasi,
Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### क्रवच मिन्टकाना।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থারিকেন্ডেন্টের নিকট গর্থ-বেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রায় করিলে নিম্ন নিখেও মূল্যে ধ্রুরা দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।। ত টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পোও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। দর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থারিকেন্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬১ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রেয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ টিনের ॥০

বঙ্গদেশের গবর্গমেশ্টের সিন্কোন। আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পৌও টিন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৭০

川 雪村 ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

1 年春 ,, ,, 811° ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপ্যান্ত ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুঞ্চক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				Ks.	Α.	P.	
Entire Gazette	•••	• • •		10	0	0	per annum.
	Postage	•••		2	8	U	•
Parts III, IV, V,	and VI, cor	taining the	Acts				•
and Bills of the							
and Bengal		•••			0	0	<b>,</b>
O .	Postage	•••	·	4 1	0	0	»
For a single copy							"
Entire Gazette	•••	•••	•••	0	4	0	
	Postage	•••	•••	0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••		0	1	U	for 4 sheets or under
. , .		•					with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.
	Postage			. 0	1	0	

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. BAKES.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal,

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাহল এই অবধি নিম্ম-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :—

	यकः मर	म			<b>डोका</b> ।
সম্পূর্ণ গেডেট	•••	•••	•••	বৎসর	3 0~
ডাকমান্ত্ৰ	•••	•••	•••	75	रा।•
७ ७ ३ ७ १ ७ ६ ५७	( যাহাতে '	<u>কারতবর্ষের</u>	ও বল-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার '	আইন ও	আইনের		•
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	"	8,
	•••	•••	•••	79	١,
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটে	র মূপ্য	•••	4.0	,,	<b>{•</b>
ডাকমান্থপ	•••	•••			· •
0 0 8 9 6 9 6 49	( প্রত্যেক	৪ পৃষ্ঠা ব	া তাহার		
<b>ন্</b> য়ন সংখ্যক গ	পৃষ্ঠার মৃল্য)	•••		••	/ ০ ৪ পৃষ্টার উপ <sup>র</sup> যদ অধিক হর ভাহার <b>প্রভ্যে</b> ক ৪ পৃষ্ঠা প্রভি আর একং আনা।
जांक्यास्त		••	•••		/•

#### কৰিকাতায়।

কলিকাডায় ও মক্ষ:শলে সমান গুল্য, কলিকা<mark>ডায় কেবল ডাক্মাপ্রল লাগি</mark>লে না। ই, এন, বেকার।

वकरमरमात भवन्यारकेत এक्षिः ছোট महक्केतो ।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

. C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

Rs.
Full page, per issue ... ... 20
Half ,, ,, ... ... 10

Casual advertisement—4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন ৷

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপানপত্রাতিরিক্ত এই মর্ম্বের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্যেন্তি বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তু। উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তন্মিত্ত নগদ মল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাণ সেকেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন গোলিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেজেটে ইশতিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মৃল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেতি বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক কানা পাঠাইতে হইবে।

সি, ডবলিউ বল্টন,

वक्रमण्यत गवर्वत्यत्केत ह्यां लाटकेते।

১৮৮२ माल्बत ১२ ডिम्बत ।

মখাব্য 'কলিকাতা গেছেটে ইণতিভাব প্রকাশ করিবা	त्र इति এकेर	1			क्रांका।
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বার গুকাশ কবণেৰ			•••	•••	2.0
क्या स र् । का		***			>
কথন কথম ঈশতিষ্কার 🖭 াশ কবিচত সইলে	. ७कर पें खि		44	-	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Lan Rord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civit Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B .-- Copies are still available

#### বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে ৷

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সঞ্চিদে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিন্টিক্ট ও সেশন জ্ঞাও রেন্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত লি, ডি. কিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি নাহেবের প্রণাত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং থানি পুস্তকের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকৌনীন্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তালা নোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য — উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপসক্ষে বঙ্গদেশের যদ্ভিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্থানেড ওয়েষ্ট টোন হাসের হাতায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেজি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পৃস্তক,কলিকাতার গবর্ণযেন্ট প্লেশে, থাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

কলিকাতা প্রোসভেন্সী কেল যপ্রালয়ে গ্রেপ্নেটের জন। শীযুত জেম্স পেটা সাহেব কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত হইল।





# गवन्यन् (शक्रि)

TUESDAY, OCTOBER 5, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৫ অক্টোবর।

CONTENTS.	
Page.	নিষ্ট।
YART I.—Resolutions, Orders and Notifica-	गृहे।
tions of the Government of India $N_{i}$ ?.	প্রথম পশু।—ভারতব্যীর গ্রন্থেতের নির্দ্ধারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Licutenant-Governor	विजीय ये <b>७।</b> —वक्राम्टनिय गवर्गामण्डेय निर्देशियन,
of Bengal 303 - 306	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৩০৩ ৩০
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	विजीय क श्रेश वक्ररमरमव गवर्गरमर्श्व कारमन जाडे
nor of Bengal Nil.	ড়তীয় খণ্ড।—ভাৰতবৰ্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাৰ প্ৰণীত
PART III.—Acts of the Legislative Council of	आहेन गाउँ
India Nil.	চতুৰ্থ থভা-ভাৰতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভাৰ আইলেব
PART IV.—Bills of the Legislative Council of	শাতৃলিপি নাই
India Nil.	প্ৰথম বন্ত।—বন্ধীয় বাবন্দাপক সভাব প্ৰণীত আইন নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council Nil.	वर्ष थक्ष।—रक्रीय वावन्द्रः भक्ष मधाव खाईदिवत
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	পাণ্ডলিপি নাই
L'ART VII Circular Orders by the High	দুৱম বস্ত।—ছাই কোটের ও রেবিনিউ বোডেব
Court and Board of Revenue 5	নাধারণ জ্ঞাপনপত্র
PART VIII.—Advertisements 501-511	অটম থও।—ইশ্তিহার প্রভৃতি ৫০১ ৫১.
Supplement Nil.	পরিশিষ্ট গবর্ণমেন্টের গেলেট নাছ

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

### দ্বিতীয় খণ্ড।

বলদেশের গবর্ণমেক্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

The 28th September 1897.

No. 174 Marine.—The following notifications, Nos. 2133, 2144, 2145 and 2146, issued under the provisions of the Pilgam Ships' Act, 1895, and published by the Government of India, are republished for general information.

> A. D. McARTHUR, Col., R.E., Secy. to the Goot. of Bengal.

No. 2133, dated Simla, the 17th September 1897.

NOTIFICATION -By the Government of India, Home Department.

In exercise of the powers conferred by section 58 of the Pilgrim Ships' Act (XIV of 1895), the Governor-General in Council is pleased to direct that the following clause shall be inserted after clause (3) of Rule 67 of the rules published in the Notification of the Government of India in the Home Department, No. 262, dated the 5th October 1896:—

(4) If the owner or agent neglects or refuses, on presentation, as provided by clause
(3) of the cancelled ticket, to refund to the pilgrim the passage money
paid by him, such owner or agent shall be punishable with fine which may extend to two hundred rupees, and with a further fine which may extend to twenty rupees for each day after the day on which the ticket was presented, during which the refund remains unpaid.

No. 2144, dated Simla, the 17th September 1897.

NOTIFICATIONS—By the Government of India, Home Department.

In exercise of the power conferred by section 5, clause (1), of the Pilgrim Ships' Act, 1895 (XIV of 1895), the Governor General in Council is pleased to cancel the Notification of the Government of India in the Home Department, No. 261, dated the 5th October 1896.

No. 2145.

In exercise of the power conferred by section 19, sub-section (1), of the Pilgrim Ships' Act, 1895 (XIV of 1895), and in supersession of the orders contained in the Notification of the Government of India in the Homo Department, No. 260, dated the 5th October 1896, the Governor-General in Council is pleased to order that every pilgrim ship shall contain at least sixteen superficial feet and ninety-six cubic feet of space available for each pilgrim in the between deck on which he is accommodated.

#### No. 2146.

In exercise of the powers conferred by section 58 of the Pilgrim Ships'Act, 1895 (XIV of 1895), the Governor-General in Council is pleased to direct that the following amendment shall be made in the rules published in the Notification of the Government of India in the Home Department, No. 262, dated the 5th October 1896:—

(i) In rule 74, after the word "rules," the following shall be inserted, namely:—

"and of Articles 3 and 31 to 41 (both inclusive) set forth in Part B of

Annexure I to the Paris Convention of 1894."

(ii) In Form VI, for the Statement headed "Pilgrims," the following shall be substituted, namely:-

#### Pilgrims.

	NAMES	OF MATE DI	laki <b>ms.</b>	Number	OF REMALE	Pilarins	ACCOM	OF INFANTS CONE YEAR O FANYING PIA RED IN PRECI COLUMNS	P ACD GRIMS
	1st class.	2nd class.	lowest class.	lat class.	2nd class.	Lowest Class.	lat class.	2nd class.	Lovest class.
								1	
				;			!	· — .	
. Total .	1			1			a o o o o o o o o o o o o o o o o o o o		
Toral .									_

J. P. HEWE

## वस्राप्तरभात औयुक्त त्नारश्वीतन्ति गवर्गत मारहरवत्र व्यारमभा

#### মেরিন ডিপার্টমেণ্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ২৮এ সেপ্টেম্বর।

মেরিন্ ১৭৪ নম্বর —তীর্থযাতিদিগের জাহাজবিষয়ক ১৮৯৫ সালের আইনের বিধানমতে প্রচারিত এবং ভারতবর্গের গবর্ণমেন্ট কর্ত্বক প্রকাশিত ২১৩৩, ২১৪৪, ২১৪৫ ও ২১৪৬ নং বিজ্ঞাপন সাধারণের অবগত্যথে প্রকাশ করা গেল।

এ. ডি. ম্যাকআর্থর, কর্নেল, আর, ই, বলুদেশের গ্রন্মেন্টের সেক্টেরী।

সিমলা, २১७७ नम्बत, ১৮৯৭ সাল ১৭ই সেপ্টেম্বর।

#### ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের বিজ্ঞাপন।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুক্ত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রতি তীর্থযাত্রিদিগের জাহাজবিষয়ক ১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের ৫৮ ধারাক্রমে প্রদক্ত ক্ষমতাস্থসারে কার্য্য করিয়া তিনি এই আদেশ করিলেন যে, ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর তারিখের ২৬২ নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশিত বিধির ৬৭ বিধির ৩ দকার পর নিম্নলিখিত দকা দিতে হইবে:—

(৪) বাতিল করা টিকিট (৩) দফার বিধানমতে দেখান গেলে জাহাজের অধিকারী বা এজেন্ট গদি তার্থযাত্রিকে তাঁহার দত্ত জাহাজ ভাড়ার টাকা ফেরত দিতে শৈধিলা বা অস্থাকার করেন তাহা হইলে সেই অধিকারির বা এজেন্টের ২০০) টাকা পর্যান্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে এবং ঐ টিকিট দেখাইবার তারিখের পর যত দিন ঐ ভাড়ার টাকা ফেরত দেওয়া না হয় ভাহার দিন প্রতি আরও ২০, টাকা পর্যান্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।

> সিমলা ২১৪৮ নম্বর, ১৮৯৭ সাল ১৭ই সেপ্টেম্বর। ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের বিজ্ঞাপন।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযু ত গবর্ণর জেনরন্স সাহেবের প্রতি তীর্শ্বযাত্রিদিগের জাহাজ্ঞ বিষয়ক (১৮১৫ সালের ১৪ আইনের) ১৮৯৫ সালের আইনের ৫ ধারার (১) দফামতে যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছে তদন্সারে কার্য্য করিয়া তিনি, ভারতবর্ণের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর তারিখের ২৬১ নং বিজ্ঞাপন রহিত করিলেন।

#### २८४६ नश्रत ।

মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব তীর্থগাত্রিদিগের জাহাজবিষয়ক ( ১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের ) ১৮৯৫ সালের আইনের ১৯ ধারার (১) প্রকর্ণমতে প্রন্তু ক্ষমতাল্লসারে কার্য্য করিয়া এবং ভারতবর্থের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর তারিখের ২৬০ নং বিজ্ঞাপনের লিখিত আজ্ঞা রহিত করিয়া এই আদেশ করিলেন যে তীর্থযাত্রির প্রত্যেক জাহাজে প্রত্যেক তীর্থযাত্রির নিমিত্ত তাঁহাকে যে মধ্যের তৃতকে থাকিবার স্থান দেওয়া হয় সেই তৃতকে অমতঃ ধোল বর্গ কৃট ও ছিয়ানসাই যন কুট স্থান থাকা চাই।

#### ২১৪৬ নম্বর।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রতি তার্থবাত্রিদিগের জাহাজবিষয়ক (১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের) ১৮৯৫ সালের আইনের ৫৮ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে তদহ্সারে কার্য্য করিয়া তিনি ভারতবর্ণের গবর্ণমেণ্টের হোম ডিপার্টমেণ্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর ডারিখের ২৬২নং বিজ্ঞাপনে প্রকাশিত বিধিতে নিম্নলিখিত সংশোধন করিবার আদেশ করিলেন,—

(১) ৭৪ বিধিতে "বিধির" শাসের পর নিম্নলিখিত কথাগুলি সন্ধিবেশ করিতে ইইবে, এখা—
''এবং ১৮৯৪ সালের পারিস কন্তেন্সনের ১ নং সংযুক্ত প্রাদির ট খণ্ডে সন্নিবিষ্ট ৬ ও৬১
ইইতে ৪১ পর্যান্ত আর্টিকেলের ।

(২) ষষ্ঠ ফারমে "ভীর্থবাত্রী" এই শীর্ষবুক্ত বিবরণপত্তের পরিবর্তে মিল্ললিখিত বিবরণপত্ত দিতে হইবে, যধা—

#### তীর্থযাত্রী।

	পুৰুষ ভীৰ্থ	যাত্রি <b>দি</b> গের	নাম।		ীর্থযাত্রি- দিগের	1	দিগের ক্য ব	मक्त्र এव	ভীর্থহাত্তি- বৎসরের থাকিলে ।
	প্ৰথম জ্বেনী ;	দ্বিতীয ব্ৰেণী।	নিম্বতম জোণী।	, প্রথম খেনী।	<b>ৰিভী</b> য শ্ৰেণী।	নিম্বতম শ্রেণী।	প্রথম ক্রেণা।	বিতীয় শ্ৰেণী।	নিহতম স্থেণী।
মোট ·									**************************************

জে, পি, ছিউয়েট, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেকেটরী।

বঙ্গদেশের গবর্ণযেন্টের মেরিম্ ডিপার্টযেন্টের ১৮৯৭ সালের ২৮ সেপ্টেম্বর তারিখের মেরিম্ ১৭৫ নং বিজ্ঞাপনের প্রতিলিপি।

সমস্ত সিনদ্ প্রদেশ মড়কমুক্ত এই কথা ব্যক্ত করণার্থ এবং সমস্ত নিষেধবিধি উঠাইয়া দিবার অনুমতি প্রদানার্থ ক্তারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের ১৮৯৭ সালের ১১ই সেপ্টেম্বর তারিখের নিম্নলিখিত টেলিগ্রাম সাধারণের অবগতির নিমিক্ত এতদ্বারা প্রকাশিত হইল।

> এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্নেল, আর, ই, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

সিমলাম্ব হোম ডিপার্টমেন্ট হইতে। কলিকাভাস্থ বন্ধদেশের মেরিন্ ভিপার্টমেন্টের নিকট।

मियला, ১৮৯१ माल ১১ই मেপ्टियत।

সিলজের চীক্ কমিশনর, স্বাস্থ্যবিষয়ক ২১১০ ড্যাস্ ২১১৭ নং, আমার ২১ আগন্থ তারিখের ২০১১ ড্যাস্ ২০১৮ নং টেলিএামের অহুজ্বনে সমস্ত সিনদ্ প্রদেশে মড়কমুক্ত বলিয়া ব্যক্ত করা গেল, সিনদ্ প্রদেশ হইতে আগত ভ্রমণকারা সম্বন্ধে সকল পরিদর্শন ও নিষেধবিধি রহিড করিতে হইবে। সিনদ্ প্রদেশ হইতে নেকড়া চোকড়া প্রস্তৃতি আমদানীর বিরুদ্ধে নিষেধাজ্ঞা রহিত করণার্থ ভারতবর্ষের গ্রথমেন্ট বিজ্ঞাপন প্রকাশ করিতেছেন।



# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৫ ই অক্টোবর।

#### मथ्य थए।

হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোডের সাধারণ জাপনপত :

বঙ্গদেশের অন্তর্যত ফোর্ট উইলিয়মস্থ হাই কোটের আদেশমতে প্রচারিত।
দেওয়ানী।

১৮৯৭ সালের ১৬ই সেপ্টেম্বর তারিখের ১ নং বিধি।

দেওয়ানী সাধারণ বিধি ও সরকুলর অর্ডর পুস্তকের ৩৮২ পৃষ্টায় ৭ অধ্যায়ের ১ বিধির ১৮ উপ-বিধির পর নিম্নলিখিত উপবিধিটা বস।ইতে হইবেঃ—

১২ ক। (৩৭২ পৃষ্ঠাস্থ) ৩ উপবিধিতে যাহা কিছু ধাকে তাহা সত্ত্বেও অপার রকমে উকাল হইবার উপাযুক্ত হইলেও কোন ব্যক্তি যদি কলিকাতা, আলাহাবাদ, মান্দ্রাজ ও বোদ্ধাই এই কয় বিশ্ববিদ্যালয়ের কোন একটীর প্রাক্তিয়েট ইন্ল না হন তাহা হইঙ্গে তাঁহাকে কলিকাতার ছোট আদালতে ওকালতা করিতে দেওয়া হইবে না।

১৮৯৭ সালের ১লা সেপ্টেম্বর তাবিথের কলিকাত। গেলেটের ১ মতের ১১৫ প্রথম এবং ঐ মাসের ১১ তার্বিধের আসাম গেলেটের ২ মত্তের ৮৫২ প্রথম প্রকাশিত।

CHUNDER NATH BOSE,
Bengale Translator.



# गवन्यन् (शदल्ड

TUESDAY, OCTOBER 5, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৫ অক্টোবর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थए।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম। ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাদ্বারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারিখের অনাদায় ১০) টাকার ঊর্দ্ধ্য জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ তালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মাতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেষ্ট্রবা কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

			म प्र	জমা।		নাকী।		
-মিক তাপুকাব খেব। নগৰ।	মৌজা, থানা, মহাল ও তালুকাব নাম ।	মালিকের নাম।	শালানা।	(夏5)	   <b>বাজ</b> ানা।	CB 5 1	মোট।	মশুব্য
, ,	٠	8	e		9	+	۱ د	3.
2 4 6 2 6 4 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8 8	মোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ। তাং আহাম্মদ আলী ও মাহাং ইছপ ও কোকান আলী ও আজগর আলী ও শ্রীমতী স্বরবিবি।	জব্বার আলী সদাগর জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা খাতৃন ও করিমরিছা পক্ষে হিং হ্রবল হক্ ও আছকা খাতৃন, নেজা- মত আলী চৌধুরী ও মণীক্র চক্র ঘোষ, যোবা- রেক আলী, আবড়ল রহমান ও নেজামত আলী ও আবড়ল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবালেগ ভাতা আলামিঞা ও ইছমাইল হিতিষী উক্ত		₹ <b>७</b> ७।⁄७	06110/2	26/10/0	¢0 2	

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### জিঙ্গা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহাবে গবর্ণ-মেন্টের যে মালিকিম্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালেটুরিতে ১৮৯৭ বনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্তিক তারিখে অকাশ্য নিলাম বিকয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের দিখিত নিলামের সর্গু সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্গু।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন ভাহার উপরে যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেকা অধিক মূল্য দিতে সম্মন্ত হইবে ভাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক শ্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য হইরাছে ভাহা চিরন্থরূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি শ্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদারের প্রতিপ্র্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শভকরা ২৫, টাকা হারে আখরাজ্ঞাত খরছ শ্বরূপে সদর রাজ্য্ব বাদ পাইবে।

দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইকণে যে সকল পাট্টা বর্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্ত। ক্রমক প্রজা দ্বারা দস্তথত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার ঊর্দ্ধ্ব হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবদে ২ প্রত্বরে মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তৌ <b>লি</b> ব নদ্ধ ।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	যতদ ভূমিং	বৰ হি ব জান ব অনুম বিমাণ	! যায় গানিক	419		151	আখবাজাত খবচ স্বৰূপে সদৰ বাজস্থ বাদ।	মন্তব্য।
3	<b>*</b>		.5			8		α	·
-			 বেগ:	c91:	हें।:	অ∤:	লা:	-	-
*	আনন্দচন্দ্র পড়গড়া পরগণা	२१	•	0	4	•	2	শতকরা ২৫,	
	ज़्नूशा।	!			İ			টাকা হারে।	
42	ঐ ঐ বিতীয় খণ্ড	9	•	•	148	•	0	•	
५८७	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা	্তৰ	•	•	26	4/	હ		
	च्युंगि।							i .	
<b>68€</b>	জিম্বে হৈয়ন আকবর পর্যাণা রামভন্ত চক্র ।	3	•	•	) >	11	0		
475	চভিপুর রান্তা	3	•	•	3	•	•		

কালে**ট্র**রের কাছার জেলা নোয়াধালী,।

S. K. Agasti, Coll. ctor.

किना ठिडेकाम्।

ছ্তাহার নামা কাছারী কালেই।রী জিলা চট্টগাম।

ইহায়ারী সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ১৮৬৮ দালের ৭ আইন ও ১৮৭১ দালের ২ আইনের বিধান্মতে ১৮৫৯ দালের ১১ আইনের ৬ ধারার মধায়দারে নিলুলিখিত ভালুকাদির ১৮১৭ ইংৰোজী ২৫শে মেই স্থাতি পৰ্যন্ত বাকি পতা খাজনা হেছ অদায়ের নিমিত ১৮১৭ ইংরেজী ২১ অষ্টোবর মোডাবেক ১৩০৪ বালালা ৫ কাজিক রোজ রহস্পতিবার জিলা চটুএামের কালেক্টরী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা ঘাইবে,। ইতি ১৮৯৭ ইংরেজ তারিখ ১ সেপ্তেম্বর।

The First	मान १६४० नाम मान मान मान मान मान मान मान मान मान	বোগেশ চন্দ্ৰ বায় ফেট পান্দে বায় কৈসাস চন্দ্ৰ ২২৪৩, ৪২৬০৬ ৮৩৪।০ ১০২(১ ২৬৬।৯ ১৮৯৪। ৯৫ হৃছকে ২২৪৬) দাস বাহাত্ত্ব জেনেবস ম্যানেজন্ত্ৰ। ১৮৯৮। ৯৯ হৃছকে ১৯০০।০৪ ইন্তৰ্ক ১৯০০০।০৪ ইন্তৰ্ক ১৯০০০।০৪ ইন্তৰ্ক ১৯০০০।০৪ ইন্তৰ্ক ১৯০০০।০৪ ইন্তৰ্ক ১৯০০০।০৪ ইন্তৰ্ক ১৯০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০০	১৯১৪। ১৫ । পিং রাম্সেব্ক সিকদার ৬৯৬৮০ ৭৮ <sup>১</sup> ০৬ ৭২০০৬ ৭২০০৬	জানোয়ার আসী পিংবকা আসী এইামিদ উলা চৌং ১৯৬৬) ২৪৫।/৬ ১৪৭৪।। ১৮৬।/৬ ১৬৬০। ১৮৬০। ১৯৯৫। ৯৬ হইতে ১৯৬৬, স্বয়ং ওনাবাসক ভাতা হৈয়দ উলা, আজ্যলা ভগ্নি ছৈয়দায়ছা, জামিসা শাহুনের পাসে হিং আজ-
1	প্লি. মেজাও ভাজ্কেব লাম	শানা সাভকাণিয়া হাল বাস-বাবু যোগেশ চক্ৰ । শালী মেজি ছোট ছুমুয়া দাস বাহাতুর জে মহল নয়াবাদ তাং ছোট ছুমুয়া।	- K	न दान- दी महान वारत्रक

Offy. Collector.

8৯৭ খানা সাজকাশিয়াহাল বাসখালী নেজায়ত আলী পিং যাহাং রক্কি সাং বারখাইন ৫৩১।৬০ ৬৫।।৴০ ৪৮২১ ৪৮২১ ।  যেইছে বাৰ্ত্তন যজিদ।  তাং আব্তুল যজিদ।  তাং আব্তুল যজিদ।  তাং আব্তুল যজিদ।  হৈত্ত সংক্র স্বেক্ল বিজয় রায় তেই পদ্দে রায় বিজয় রায় তেই পদ্দে রায় বিজয় রায় তেই পদ্দে রায় বায় বেইছেল চন্দ্র বিজয় রায় তেই পদ্দে রায় বায় বেইছেল চন্দ্র বিজয় রায় কেন্তের সাম্বেল বায় বিজয় রায় বেইছেল চন্দ্র বিজয় রায় বেইছেল চন্দ্র বিজয় রায় বেইছেল চন্দ্র বিজয় রায় বেইছেল চন্দ্র বিজয় রায় বেইছিল চন্দ্র হিছল চন্দ্র বিজয় রায় বেইছিল চন্দ্র বিজয় রায় বেইছিল চন্দ্র হিছল চন্দ্র বিজয় রায় কেন্ত্র সাম্বেল সাম্বিল স্বায় বিজয় রায় বেইছিল চন্দ্র হিছল চন্দ্র বিজয় রায় বেইছিল চন্দ্র হিছল চন্দ্র হিছল চন্দ্র হিছল চন্দ্র হিছল চন্দ্র হিছল হিছল হিছল হিছল হিছল হিছল হিছল হিছল	• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	ধানা সাতকাণিয়া হাল বাস- শানী মোজে চাম্বল মহাল ন্য়াবাদ তাং ডাজমিছা	<ul> <li>ধানা সাতকাশিয়া হাল বাস- ফল্কর আলী পিং ময়য়য় আলী চেং সাং তৈলার- ১৬৩৭), ১৬১॥/৬ ১৬৬॥/২</li> <li>ধানী মৌজে চায়ল মহাল হীপ।</li> <li>কয়াবাদ তাং ডাজায়ছা</li> </ul>	, ८७५,	3/11 <b>/</b> 3/5	\$ /II995	:	*/1995	
ধানা সাডকাণিয়া মেডিক রাজচন্দ্র সেন পিং রাজকিশোর সেন ও বংশীয়েহন, ৫১১৭৵০ ৭।১০ ১৬৩৵৯ ১৬৩৬/৯ ১৬৩৬/৯ ১৬৩৬/৯ ১৬৩৬/৯ যাহাপাশ তাং সেনের পদ্মে ও স্রেক্ত বিজয় রায় ঠেট পদ্মে রায় মার্মিক কর্ম চিত্র স্থামিক বিজয় রায় কেটি পদ্মে রায় মার্মিক চক্র, চৈত্রাচরণ। কিলাস চক্র দাস বাহাগুর জেনেরল য্যানেজার।	7 7 8	(हो । । श्रीमा माउदमानिय्ना होन दांगचीने स्पोट्डि होचन महोन नयादाम हो ९ जांदुल महिल ।	ে নেজাযত আসী পিং মাছাং রকি সাং বারধাইন	6.55	e/   99	۲) ه	•	\$\delta \delta \	
	99 88 89 89 89 89 89 89 89 89 89 89 89 8	ধানা সাডকাণিয়া মেজি চূড়ায়ণি মহাল নয়াবাদ ভাং মহেল চক্র, চৈতন্যচরণ।	রাজচন্দ্র সেন পিং রাজকিশোর সেন ও বংশীয়েহন সেনের পক্ষে ওস্থরেন্দ্র বিজয় রায় ঠেট পক্ষে রায় কৈলাস চন্দ্র দাস বাহাতুর জেনেরল ম্যানেজার।	63549Vo	<u>ع</u> ج	S & C & S	:	Sec. 23	:

CHITTAGONG COLLECTORAIE, Ine Srd September 1897.

## ় ইস্তাহার নামা কাছারী কালেক্ট্রী জেলা চট্টগ্রাম।

ইহার হারা জানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রান্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখে বাকী পড়া খাজানা ও ছেচ্ আদায়ের নিমিত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫১ সালের ১ আইনের ৬ থারার মর্মান্স্সারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বৃধ্বার জেলা চট্টগ্রা কালেক্টর কাছারিতে বিনা ওজরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ট।

নম্ব	ও মহাল।			বার্ষিক	ভুমা।		বাকী।		
 এনং বেং সম্বব।	তালুকের নম্বর I	থানা মৌজাও মহালেব নাম।	মালিকেব নাম।	খাক্তানা।	কেছ। -	খাজানা।	<b>८</b> ष्ट्।	মোট।	ম্ভ
5		٧	8	a l	•	9	ь	١ ،	٥٠
<b>F</b> £	252	থানা রামু মোজে খুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক ধএরুলা।	হাৰ্কান আন্সী চৌধুরি পিং মাহামুদ হারি সিকদার সাকিন পা- তলী মাছুয়াখালী।	ଓବଧାନ	ሁልሳ፡	ম্পূৰ্ব ব ৬৭৬।৯/০	ইং স- 1কি। ড১৮০	<b>3•₹७</b> (७	
<b>1</b> 6	244	থানা রামু মৌজে থুরূলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বকুসালি।	মহস্বত আলী চৌধুরি পিং আজগর আলী চৌধুরি সাং জলদি।	6 <b>66</b> 11/0	<b>৯</b> शा७	३००,७	309 0•h/6		
343	<i>5⊌</i> ¢	থানা রামু মোজে উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ তালুক রম্ভম আলী।	, ~,	3.931.0	322/0	8 ° 3 Ha	80110	88२।८०	
399	<b>२७</b> १	থানা রামু মোজে খুটা- খালী মহাল নয়াবাদ ভালুকমোবারক আলী।	জামিলা খাতুন আহা- লিয়ে মৌলবি আজ- মলা খাঁ সাং হারবান্ধ		2021/0	<b>33</b> 0)	७७५०	२८४५७	
7 p-pa	₹₡•	থানা রামু মোজে ভারুয়া- থালী মহাল নয়াবাদ ভালুক মাহান্ধদ রাজা।	মেলিবী মহম্বতালী ও ছৈয়দ আলা পিং আনমার আলী চেণিং সাং পাতলী মাছুমা- খালী ওগম্বরহ।	¢¢ 0  0	\$8\$ <b>५</b> /५	2091%	891/•	7P811%•	
२१२	२ १ 8	থানা চকরিয়া মোজে ভেওলামাণিক চর মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ম্প্রাক।	আসমত আলী জাহা- বক্ল পিং মাগন আলী	3800)	3 45-11/0	& 9 9 sy	@ (5. p) o	499/ ·	
₹₩0	<b>२</b> ৮७	থানা চকরিয়া মেবজে সিল্বালি মহান্স নয়াবাদ তালুক বিবি ভ্রাক।	কিচ বিবি নাবাসকা কন্যা ও সেখ মাহা-	9261140		২ ১৮॥ ১১ ১৮৯৬  ইং স্বর,	म्हि-	1661/ <b>/</b> 3 a	
₹b•b•	961808	থানা চকরিয়া যৌজে	ন্ধদ কালু চৌং সাং জনদি ওগয়রহ। এর্সাদ আলীচৌং পিং	<b>Q</b> 14.19.	32310/6	কন্তার ৪০৬ দন/৩ ৭০৫ ৷ কি	বাকি। তথা• ১০ গঠ ১•		
	8481640	টেটং মহাল নয়াবাদ তালুক হরিদাস বহ- দার।	সেখ মাহান্ধদ জমা সাং তৈলারদ্বীপ খানা বাঁশখালী।	190)	3 2 3 19/4	ردحد	60 h/o	₹881/0	

#### জিনা চট্টগ্রায়।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

্র১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এজন্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিবিভ বহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর !

>	<b>\</b>	٥	8	t	<u> </u>	9	<b>&gt;</b>	>
তৌজির নধ্র।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূর্ণমহালের সদর জমা।	मप्पृतीयश्रम विक्रम्ग दङ्गेद्द किसा।	(करन मांज अःभ रिक्रम इंडेरन के अःभ रा केर अःराग विराग रिवरत।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছউলে ঐ অং- শেব সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হ <b>ইলে</b> তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহা ৰাকী।
२०२ ১०১१ ১२४२	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তংমোং গারাজীয়া বাং তং মজত রাম হাজারি।	5.261/2	সম্পূৰ্ণ মহান বিক্ৰী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবহুল কর্তা খাঁ শ্রীদাহ মিঞা গং।		৩০৮৯	******
৩৩ <b>০</b> ২২ ০৯ ১৭৪ ০	তরক মেডিজ লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।		<b>A</b>		শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীআবগুল ফর্ত্তা বাঁ গং।		७३४॥४२	****
PUU PC 0 5 8GP C			a de		শ্রীসেখ হাবিব আহা শ্রদ চেণিং জাং ডৎ পিতা মকবুল আর্লি চেণিং পক্ষে।		85-119	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

টীকা।— যে জ্বলে উপরেব লিখত বর্ণনাপত্তের ৫.৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া শিখিত আছে দেই গ্রেল ইহা বুঞ্জিত হইবে যে এই অংশেধ নমিন্ত মৃতন্ত্র হিদাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের জন্ম বা জন্যান্য অংশ বিক্রয় এয় না।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24 th September 1897.

F. P. Dixon,
For Collector.

1

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডিহার নামা কাছার্দ্রি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার ঊদ্ধ জমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মমতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৬০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ন রোজ রহস্পতিবার খার্ম্যে জিলার কালে≱রী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং জাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্ৰমি <del>ক</del>	তলুকার মধ্য।	মৌৰা খানা. মহাল ও	মালিকেব নাম।	সদ্ব ড	নমা			মন্তব্য	
নম্ব ৷	अपूर्वात वस्त्र । ।	তালুকাৰ নাম।		থাকান।	ছেছ	শালান।	(55	মোট।	460
\$	2	v	8	ά	•	9	ъ	۵	5•
3	\$686 \$666 \$676 \$676	মোজে জ্জখনা থানা কটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি বাঁ, হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর রহমান খাঁ ও মেহের আলি খাঁ।	₹ <b>७88</b> ,	<u>ን</u> ሁሁ ክ ፡	હ <b>ે</b>	פעוףט	علاه و ۹	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. DIXON,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postago—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### কুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাভান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিভেন্তের নিকট গবণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালীন ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে মুরম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ওন্স টিন ২॥ টাকায়, আট ওন্স টিন ৫১ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিভেন্তের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ওন্স টিন ৬০ টাকায়, আট ওন্স টিন ৬২ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ওবধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ষ হার ছাড়া চারি ওন্স টিনের ।০, আট ওন্য টিনের ॥০ ও এক পৌও টিনের ৭০ চাক মাস্কল দিতে ছইবে।

বঙ্গদেশের গ্রব্যেণ্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুল্য হইবে, যথা---১ এক পৌও টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৮০ ۵, ,, ,, ,, ,, 8110 ,, ,, পরীকা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং हेहा यि जिन्दिकानोहेन ७ जिन्दिकानोछाहेन नामक अशहर कार्त्यत प्रहिष्ठ हेळ्डाशूर्व्यक मिनान हम नाई তাश्रत गराताको एम अहा बाहराज्य । हेश नगम मूटमा क्वम गवर्गमान्त्र कर्म हातिगरगत निकृष विक्रु করা ধাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ষাইতে পারিবে। NOTICE. The 21st February 1883 .- The subscription to, and postage for, the Bengah Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance :-For the Mufassal. Ks. A. P. ... 10 0 0 per annum.
... 2 8 0 Entire Gazette Postage Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-... 0 4 Entire Gazette ... 0 1 ... 0 1 Postage Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets or with additional 4 <u>11</u> charge of 1 anna for every 4 sheets in excass of 4. Postage For Calcutta. The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage E. N. BAKER. Offg. Under-Secretary to the Goot, of Bengal. বিজ্ঞাপন। ১৮৮৩ সাল ২১ কেব্রেয়ারি ।—বাঞ্চালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মাস্থল এই অব্ধি ভিন্ন-দিবিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :— यकः मान गेका। সম্পূর্ণ গেজেট 100 ডাক্যাম্বল ৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড ( যাহাতে কারতবর্ষের ও বল-দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন ও আইনের পাণ্ডলিপি থাকে ) 8, ভাক্ষাসূপ ... " শৃপূর্ণ একখানি গেজেটের মূল্য 10 **ডাক্যাম্ব** U 8 8 8 4 % 4 वर्ष ( वराज्य 8 पृक्षे वा कारात ন্যুন সংখ্যক পৃষ্ঠার মূল্য) ... /o R श्रेशेय छे? ब ষ্ণ অধিক হয় ভাহার ৪ পৃষ্ঠা প্রতি সার একং আনা। **डिकियाञ्च ...** 

> ই, এন, বেকার। বঙ্গদেশের গ্রন্থেক্টের একুটিং ছোট *লেকে*টরী।

ক্ৰিকাডায়। ক্ৰিকাডায় ও মকঃদলে সমান গুল্য, ক্লিকাডায় কেবল ডাক্মাপ্সল লাগিয়ে না। The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly easi.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Gove of Bengal.

12th December 1882.

NOTE. - Rates of advertisements in the CALCUITA GAZETTE.

						Rs.
Full p	age, p	er issue	***	***	***	20
Half	29	**	•••	•••	•••	10
	Ca	sual adve	i tisem <b>en</b> t	4 аппав ре	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া মাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিদ্যাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষণের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্যক্তি বান্ধাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্মা করাইতে চাহিলে ভ্রিমিন্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এভদ্ধারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বান্ধান সেকেটারিয়েটের আকেনিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে ইপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিয়া উক্ত কোন গেজেটে ইশভিচার কি বিজ্ঞাপন প্রাকৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক জানা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, ৰলদেশের গ্রথমৈন্টের ছোট সেক্টেরী।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

২খন্য ' <b>২লিকাতা গেলেটি ইপতিহার একাশ ক</b> নিবা	র চার এই২।~	-			होका।
পুৰা এক পুৱা একং বার অক্সশ করণের	***		•••	•••	200
नाव ्रक्त	***	***	**		3-4
क्षत करा है मिलियांत क्षत्रांस करिए है है।	เอละชีโซเ		***	***	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., IL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.-Copies are still available.

#### वाकान (मटकिवेदियां विश्वानस्य विक्यार्थ जारह ।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বলদেশের সিবিল সন্মিসে নিযুক্ত বর্দ্ধানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জক্ত ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণীত বলদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গ্রনর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেটিান্টের নিকট একং থানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার ধরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। বস্তব্য :—উক্ত পুস্তক এখন ও পাওয়া ঘাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বঞ্চদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাডার স্পানেড ওয়েন্ট টোন হালের হাডায় হিত বজদেশের গবর্গমেটের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগ্নের আপিসে রেক্ষি-স্থারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

ডক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গববমেন্ট প্লেশে, গ'কার স্পিষ্ট কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া যায়।

কলিকাতা প্রোয়ন্তেন্স। কেল যুদ্ধালয়ে গ্রণমেন্টের জন। শ্রায়ত কেমস প্রেট সাত্তের কণ্টক মুক্তিও ও প্রকাশিত ছবল ।





# गवर्धायक कार्य

TUESDAY, OCTOBER 12, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১২ অক্টোবর।

মিৰ≎ ।
পৃষ্ঠা
প্রণম বণ্ড।—ভাবতব্যীয় গ্র-মেটের নিশ্ববিণ
আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৭৯৮
ছিতীয় <del>বণ্ড। — বঙ্গদেশে</del> ব গ্ৰ <i>ণ্</i> মেটের মি <b>ছা</b> রণ,
আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
ষিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের আদেশ নাই
দৃতীয় খণ্ড।—ভাবতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত
আইন নাই
हरूथ थल। —कावङक्षीय कारकाभक मखाब आहेरनद
পাতৃলিপি নাই
প্ৰথম খণ্ড।—ৰঞ্চীয় বাবস্থাপক সভাব প্ৰণীত আইন নাই
वर्ष्ठ थश विभोग वाचन्द्रां भक्त मानाव साहित्वव
भाष्ट्रनिभ नाहे
সন্তম খণ্ড।—হাই কোটেব ও রেবিনিউ বোডের
ন সাধাবণ জ্ঞাপনপত্ত নাই
अहेम वेख।—हेर्गाठशत श्रकृष्ठि aऽ०—a२०
প্রিশিষ্ট স্বৰ্থমেট্ডির স্মেল্টে নাম

#### PART I.

Resolutions, Orders and Notifications of the Government of India.

#### প্রথম খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় প্রবর্মেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রস্তৃতি।

#### ORDERS OF THE GOVERNMENT OF INDIA.

#### FINANCE AND COMMERCE DEPARTMENT.

#### NOTIFICATION.

Simla, the 27th September 1897.

No. 43278.-R.—In exercise of the power conferred by section 28, clause (a), of the Indian Salt Act, 1882 (XII of 1882), and in supersession of paragraph 2 of the Notification of the Government of India in the Department of Finance and Commerce, No. 769, dated the 11th February 1888, the Governor-General in Council is pleased to make a rule that, in respect of the districts of the Orissa Division in the territories administered by the Lieutenant-Governor of Bengal, anything to be done under the said Act by the Commissioner of Northern India Salt Revenue shall, on and with effect from the 1st day of October 1897, be done by the Commissioner of Excise, Bengal.

J. F. FINLAY, Secy. to the Govt. of India.

## ভারতবর্ষের গ্রবর্ণমেন্টের আদেশ।

#### রাজস্ব ও বাণিজ্য সম্পর্কীয় কার্য্যবিভাগ ।

#### বিজ্ঞাপন।

সিমলা, ১৮৯৭ দাল ২৭এ সেপ্টেম্বর।

৪৩২৭ এশ্ আর নং।—মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব ভারতবর্ষীয় লবণবিষয়ক ১৮৮২ সালের ১২ আইনের ২৮ ধারার (ক) দফাক্রমে প্রদত্ত ক্ষমতা পরিচালন করতঃ এবং ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের রাজস্ব ও বাণিজ্য সম্পর্কীয় কার্য্যবিভাগের ১৮৮৮ সালের ১১ই ফেব্রুয়ারি তারিখের ৭৬৯ নং বিত্র,পানের ২য় পারা গ্রাফ রহিত করিয়া এই বিধি করিলেন যে উক্ত আইনাল্সারে উত্তর জারতবর্ণের লবণ রাজস্বের কমিশনরকে যাহা যাথা করিতে হয় বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধান প্রদেশের অন্তর্গত উড়িষ্যা খণ্ডের জিলাসমূহ সহন্ধে তাহা ১৮৯৭ সালের অক্টোবর শাসের ১ম দিবস হইতে বঙ্গদেশের আবকারী কমিশনর কর্ত্বক ক্বত হইবে।

জে, এফ্, কিন্লে, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



# गवन्यक् फारक्रि

TUESDAY, OCTOBER 12, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১২ অক্টোবর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

षहेम थछ।

ইশ্তিহার এভৃতি।

#### LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইন্ডিহার নামা কাছারি কলেক্টুরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারিখের অনাদায় ১°, টাকার ঊর্দ্ধ্য জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ খারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্ররা কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

.=	1			ï					
				न प्र	জমা ৷	: ! !	নাকী।		
জ্ঞামক নম্বর।	তালুকাব নখব।	মৌজন, থানা, মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকেব ন¦ম ;	খাজানা।	ছেছ।	থাকান।	ছেছ।	মোট।	मच्चतः !
3	٠,	٥	8	α	<u> </u>	9	ъ	2	۶.
٥	669 669	মোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ। তাং আহাম্মদ আলী ও মাহাং ইছপ ও কোকান আলী ও আজগর আলী		<b>৬৮৬</b>   ი	<b>₹</b> ৩৬ ∕৬	৩৬॥৵৯	১৬II <b>৵</b> ৽	৫৩।৯	
		ও শ্রীমতী স্ববিবি।	পক্ষে হিং হ্নৱল হক্ ও আছকা খাতুন, নেজা- মত আলী চোধুরী ও মণীব্দ্র চব্দ্র ঘোষ, মোবা-						
			রেক আলী, আবহুল রহমান ও নেজামত আলী ও আবহুল হাকিম স্বয়° তৎ নাবালেগ ভাতা আলামিঞা ও ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত						
_			আবণ্ডল হাকি <b>ম</b> ।	,					

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector

#### জিঙ্গা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবণ-মেন্টের যে মালিকিন্তত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত অন্নসারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালেক্ট্ররিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাঙ্গল। ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্গু সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্গু।—

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্দিন্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ন্ধাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক শ্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য হইয়াছে তাহা চিরক্ষরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫) টাকা হারে আখরাজাত খরছ স্বরূপে সদর রাজস্ব বাদ পাইবে।
- শ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাটা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্রমক প্রজা দারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অন্ধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উর্দ্ধৃ ইইলে যত টাকা ডাক ইইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে ইইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া ভদবধি ১৫ দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিক্ত টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি ইইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা ইইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার নায় বিজ্ঞাপন জারি ইইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম ইইবে।

তেই। নগব ।	মহাল ও প্ৰগণাব 🛶 🗷 ।	যতণ ভাম	বেব হি ব জান ব অনুষ্ বিমাণ	i যায থানিক	ব{জ	<b>34</b> 2	iteti	আশ্বাজাত খবছ শক্ষে সদ্ব বাজস্থ বাদ।	1
ـــــــــــــــــــــــــــــــــــــ	٠,	-				۰		ď	
		4:	বো:	C411:	i ista	- কা	পা:		
3000	আনন্দচন্দ্র গড়গড়া পরগণ	११	o	n	۶4.	0	2	শতকরা ২৫,	1
	ভূলুয়া।	1			1			টাকা হারে৷	1
2622	ঐ ঐ দ্বিতীয় খণ্ড	٩	0	•	\$8	n	a	•	,
८७३२	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা	७१	•	a	26	4/	હ	ঐ	
	ऋमील।	)							1
>68¢	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা	2	0	0	3	{}	0	Á	
	রামভদ চকু। ·							i 1	
2979	চণ্ডিপুর রাস্তা	7	O	0	3	n	•	•	

কালে**ই**রের কাছারি জেলা নোয়াবালী।

S. K. Agasti,
Collector.

किन। ठाउँ भी भ

# हें खाश ब मामा का छात्री कारण है बी किमा ठ छै था म

১৮১৭ ইংরেজ থিই স্ঠান্ত পঠ্নত বাকি পড়া খাজানা ছেছ বাদায়ের নিমিত্ত ১৮১৭ ইংরেজী ২১ অক্টোবর যোভাবেক ১৩০৪ বাঞ্চালা ৫ কাব্রিক রোজ রহস্পতিবার জিলা চট্টামারে ইহাৰারা সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে ১৮৬৮ দালের ৭ আইন ও ১৮৭১ দালের ২ আইনের বিধান্যতে ১৮৫৯ দালের ১১ আইনের ৬ ধারার মুধায়ুদারে নিমুলিখিত ভালুকাদির কালেইবী কছি নিত্ত প্ৰকাশা নিলামে ধ্বা ঘাইবে,। ইতি ১৮৯৭ ইংরেজা তারিখ ১ সেপ্টেম্বর।

टलिएक			N N	न प्रव क्य	,	العاء		
भन्न	শ্লা, মোজা ও তালুকেব লাম্	प्रनी है केट अभ्य	4 (10)		ा । जिल्ला स्ट	ig.	12	मुख्यम् ।
-	n n	9	GC	•	Ð	-	.b	A
4/ 00	ধানা সাতকানিয়া হাস বাস- বালী শেজে ছোট ছম্মা মহস নয়াবাদ তাং ছেটি ছম্মা।	বাবু যোগেশ চন্দ্ৰ রায় ফেট পক্ষে রায় কৈলাস চন্দ্ৰ দাস বাহাতুর জেলেরল যালেজার।	9 80 87 87	୬ <sup></sup>	\$ 2 2 2	A	\$ 9 0	
9 %	থানা সাতকাণিয়া হাল বাস- খালা মোজে পুৰ্ছৱী মহাল নয়াবাদ ডাং ক্লফার্জিভ।	গোলোক চন্দ্র সিকদার পিং রায়সেবক সিকণার সাং কলাউজান।	o ধ <u>র</u> াস্থ্র	2/6/146	2	:	4 1 2 1 2 1	
00 00 00 00	ধানা সাতকাণিয়া হাল বাস- ধালী মেজি পুইছুরী মহাল নয়াবাদ তাং মোবারেক জাল। বঙ্গা আলী।	জানোয়ার আলী পিং বক্সা আলী ও'হামিদ উলা, চৌং স্বয়ং ওনাবালক ভাতা হৈয়দ উলা, আজ্মলা ভারি হৈয়দায়ছা, জমিলা শাঙ্নের পাক্ষ হিং ডাক্ত- মলাখা, মডিয়র রহমান স্বয়ং ও নাবালক এজাহার মিঞার পাক্ষে হিং।	(1).5 cc S	9 2 2	©	<b>୬∕</b>  ୬ <b>-</b> ୧	ภ. <b>ห</b> • ค.ค. ९	State   ab 文章であ   abb は   sao   o s 文章の

Offy. Collector.

Ј. Риплиове,

\$\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	?\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	رده مرده المردي المردي المردي المردي المردي المردي المردي المردي المردي المردي المردي المردي المردي المردي الم
<u>:</u> :		: :
५ /।११९ १ १ /।१५,९	% ,	91 <b>2</b>
	۰ <u>۱</u> ۱ و و ۱	<u>.</u>
6000	60519/0	e 2 2 4 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5
84• ধানা সাতকাণিয়া হাল বাস- কক্ষর জালী পিং মহূহর জালী চেং সাং তৈলার- ১৬৩৭, ধালী মোজে চাফাল দুংপ। ক্যাবাদ তাং ভাজনিছা চেং।	844 ধানা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী নেজায়ত আলী পিং মাহাং রফি সাং বারখাইন মেজি চাম্বল মহালাদ ভাং আবচল মঞ্চিদ।	রাজচত্ত্র সেন পিং রাজকিলোর সেন ও বংশীযোহন ৫১১৮৯৬। সেনের পাক্ষে ও হরেন্দ্র বিজয় রায় ঠেট পক্ষে রায় কৈলাস চন্দ্র দাস বাহাহুর জেনেরল ম্যানেজার।
ধানা সাতকাণিয়া হাল বাস- খালী মেজি চাৰ্ল মহাল নয়াবাদ তাং ভাজনিছা চৌং।	্ধানা সাতকাণিয়া হাল বাসখালী মেজি চাম্বল মহাল নয়াবাদ ভাং আবচল মজিদ।	मिटिक मिटिक इस्
* **	& 2 2	A A B B B B B B B B B B B B B B B B B B

CHITTAGUNG COLLECTORAIDE, J. The 3rd September 1897.

#### ইস্তাহার নামা কাছারী কালেইরী জেলা চট্টগ্রাম।

ইহার দ্বারা জানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রান্ত নিম্নলিখিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের বাকী পড়া খাজানা ও ছেচু আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মান্নসারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বৃধবার জেলা চট্টগ্রাম কালেক্ট্রর কাছারিতে বিনা ওজরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ট।

নম্ব এ	ও মহাল।			বার্যিক	জমা।		বাকী।		
ार ८वर । भव ।	তালুকেব মধুব ৷	পানা, মৌশা ও মহালেব নাম।	ম লিকেব ৰাম⊹	খানা।	(कृष्ट्।	থাজান।	(\$\(\bar{b}\)	মোট।	
741	-								
ا ا	ર	<b>v</b>	* · · · · ·	a	•	۹ .	ь	۵ -	
ra	262	ধানা রামু মৌজে খুরুলিয়া	হাকান আলী চৌধুরি	69:510/	524º	१ २०७॥,/७	: ं २७।०		
		মহাল নয়াবাদ তালুক	পিং মাহামুদ হারি	1			है भ		
		খএকলা।	সিকদার সাকিন পা			- স্পূৰ্ব		१०२७८७	
		v	তলা মাছুয়াখালা।			,	1 624º	`	İ
			O-II HIXXIII II I			ی، دورد		.1	
<b>-</b> 46	344	থানা রামু মৌজে থুরূলিয়া	মহব্বত আলী চৌধুরি	156611/0			0. h &	i	
-6		মহাল নয়াবাদ তালুক	পিং আজগর আলী		1	14000	0 0 0	1000	1
		বকুসালি।	চৌধুরি সা <sup>®</sup> জনদি।			1		1	
42	364	থানা রামু মোজে উত্তর		1		9.44	80110	। । ४८२। ७०	
	200				) 244× (	ישניים; ;		00 (10	
		মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ	1	i i	İ	;			
		তালুক রস্তম আলী।	রিয়া আহালিয়ে না	4			i		
			জির আলী চেণি সাং			r			!
			উত্তর মিঠাছ ছী ওগয়	-		i			
			রহ।			:	(a) a la a		
599	२७१	शाना तामू त्मीटक थूठी-	জামিলা খাতৃন আহা		, 2021×	,	७७५०	२८४५७	
		ধালী মহাল নয়াবাদ	1 .	1	1	ı			
		তালুকমোবারক আলী।	মলা খাঁ সাং হারবাঞ্চ	III	1	:		1	-
36-br	200	থানা রামু মোজে ভারুয়া-	মোলবা মহন্দতালী ও	acollo	3834/4	, ५७१।%०	891/0	228119-	1
		খালী মহাল নয়াবাদ			1	:			
		। তালুক মাহান্ধদ রাজা।	আনয়ার জালী চৌৎ		1				1
			সাং পাতলা মাছুয়া-			1	1		1
			খালী ওগয়রহ।		1	į			i
१११	298	থানা চকরিয়া মোজে	আসমত আলা জাহা-	30123	314611/0	· @99~	11500	6001/ n	1
(1)		ভেওলামাণিক চর মহাল			ه ۱۱۱مه د ۱				í
		নয়াবাদ তালুক বিবি স্পাক		1	I	i	!		
			সাতকানিয়া।		1	1			
	22.40	থানা চকরিয়া মেতিজ	গোলনেছ নিছা, বল-	9341		3 3 4 1 1 3		1	
<b>}</b> b- 0	२४७	সিল্মালি মহাল ন্য়াবাদ		م ره او، هم ا		シャンは			
		তালুক বিবি প্রাক।	কন্যা ও দেখ মাহা		i 1				
		अञ्चल विवि स्वीकी	क्षम कालू टिं। मार			বিম,	।৬েশেশ্বর। বিকি।	96611/30	
			জলদি ওগরুরহ।		,		1		
			अन्तम उन्नन्तर ।			1	ا اادق		
S hades	961006	থানা চকরিয়া মৌজে	এর্সাদ আলীচেণিং পিং	1		1	50 he 3 "		
<b>&gt;</b>	8581660	টেটং 'মহাল নয়াবাদ	!	960)	797146	72)	6040	२८८ ५०	
	1								
		তালুক হরিদাস বহ-	ং তৈলাবদ্বীপ						
	i	দার।	थाना रामशानी।			1			1

CHITTAGONG COLLECTORATE,

BAGALA PRASANA MAZUMADER,

The 31st August 1897.

For Offg. Collector.

#### জিলা চট্টগ্রায়।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এজদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্ন্সারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর।

٠	<b>ર</b>	٠	8	*	•	٩	ь	>
ভৌক্ষিব নম্বর I	হকাল ও প্ৰগণাব নাম।	সম্পূর্ণমহাজের সদর জমা।	সম্পূৰ্থ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কে।ল মাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে কম্পত্তি বিক্রম কইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছউলে ঐ অং- শেব সদর জম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।
2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b < 2 < b	থানে শাতকানীয়া মোং গারাকায়া তংমোং গারাকায়া বাং তং মঞ্জত রাম্ হাজ্ঞারি।	4.7¢ \9	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰী হই- বেক।		শ্ৰীযুত ৰাবু কৈলাস চক্ৰ দাস মেনে- জাৱ জাং আবংগ কণ্ডা খাঁ শ্ৰীদাহ মিঞা গণ।	••••	90 Ha/•	••••
৩ <b>৩</b> ০ ২২০৯ ১ <b>৭</b> ৪০	তরফ মৌজে লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজ।রি।		ď		শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীআবহুল কর্তা বাঁ গং।		024  95	
&&. १०১१ १९८४	,		ď		শ্রীদেশ হাবিব আহা স্মদ চৌং জাং ভং পিতা মকবৃদ্দ আল চৌং পক্ষে।	-	85/19	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি প্রতা।

টীকা ৷-- যে শ্বলে উপবেৰ লিখত বৰ্ণনাপত্ৰেৰ ৫. ৭ ও ৯ ঘৰে কে ন অংশ মান বিক্রম ১ইবে বলিয়া শিখিত আছে দেই শুলে ইচা বুঝিতে হইবে যে ঐ অংশোর নামত খতপ্র হিমাব বাখা চটয়া থাকে ও মহালেব অনা বা অন্যানা অংশ বিক্রম হয় ন :

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. Dixon,
For Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার উদ্ধি জমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিন্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম লইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিন্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেশ্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেইরা কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্ৰমিক নদ্ব।	তপুকাৰ নম্ব।	মৌৰা থানা. মহাল ও তালুকাৰ নাম ।	মালিকেৰ নাম।	সদ্ধ জ্বা।		वांकी ।			মন্ত্ৰ)
				খাজানা।	(55!	थाकाना ।	(\$\varpsi	মোট	1 4 4 7 7
<b>,</b>	<b>?</b>	•	8	ά	•	1	ъ	۵	5•
3	\$664 \$664 \$664 \$664 \$664 \$664 \$664 \$664	মোজে জ্জখলা থানা কটীকছ্রী মহাল নওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি থাঁ। হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর রহমান ২ঁ ও মেহের আহি শাঁ।	1	১৬৬৸৽	৬৯৩,	७११७७	9001JO	
	ragong Coli 2nd Septembe	}	<u> </u>	,	·		1	F. P. Div	oos,

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanie Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, f reach only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ . per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বর সিন্কোনা।

কলিকাভান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্গ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূলেট ক্রয় দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন বালেটারির বাগানের স্থারিকেন্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬, টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২) টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেন্ডাগণও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া ধাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ দিনের ৪০ ও এক পৌও টিনের ৭০ চাক মাস্থল দিতে ইইবে। বঙ্গদেশের গবর্গমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে; যথা—

১ এক পোও টন ১৮, বা ডাক মাওল সমেত ১৮৭০

॥ जार ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

| 何存 ,, ,, 8||0 ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া ঘাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্গমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা ঘাইবে এবং কলিকাভার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্বপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ঘাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal. Rs. A. P. ... 10 0 0 per annum. Entire Gazette Postage Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-0 0 Entire Gazette Postage Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets or with an additional charge of 1 unua for every 4 sheets in excess of 4.

Postage ... ... 0 i 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage E. N. Bakes.

Offg. Under-Secretary to the Goot, or Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ।

১৮৮৩ দাল ২১ ফেব্রুয়ারি ৷—বাল্পালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মাস্থল এই শবৃদ্ধি দ্বিদ্ধার্থ হারে অগ্রিম দিতে হইবে :—

	यकः मर	4			होका।
সম্পূৰ্ণ গেকেট	•••		•••	বৎসর	30~
ডাক <b>মাস্</b> ল	•••	•••	•••	33	<b>*11 •</b>
9 9 9 9 6 9 6 4 8	( যাহাতে '	কারভবধের	उ रहा-		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ৭	वाहेन 👁	আইনের		
পাগৃদিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	8,
ভাকমান্ত্ৰ	•••	***	****	"	١,
সম্পূৰ্ব একখানি গেজেটের	মূল্য	•••	***	11	1•
ডাকমাহ্ব		•••	***		1.
0343646 49 (	প্রভ্যেক	8 शृक्षा वा	তাহার		
ন্যুন সংখ্যক পু •	(ঠার মূল্য)	•••		20-0	/
ডাক্যাস্থল			•	g,	/ •

#### কৰিকা ভাষ় ৷

ঞলিকাভার ও মহঃদলে সমান মূল্য, কলিকাভার কেবল ডাক্মাখল লাগিবে না।

रे, अब, राकावः

वकरनरम्ब भरन्रियरकेव अकृष्टिः (छाष्टे स्मर्कः)।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., unserted in either of the Gazette-, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note. - Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

Full pa	age, j	per issue	•••	***	•••	Rs. 20	
Half	,	.,	***	• • •		10	
Casual advertisement4 annas per line.							

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গোজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেঞেট নেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্ঘের বিভাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্তাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন শ্যক্তি বাজাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তম্মিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিম্ন গেন ব্যক্তিকে কোন পৃশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

ষুল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টম, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ছোট সেক্রেটরী।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

ম্পরা। - কলিকাতা গেলেটে ইণাতিহার একাশ কনিবার হাব এইং।					
প্রা এক পৃষ্ঠা একং বার অবাশ করণের	••	•••		***	200
काथ ५१का	***	408	.~		>
ক্ষম কৃষ্ম ইশ্যিষার প্রকাশ করিতে চুইটে	त जनर गीक		***	eyip	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant. Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकान (मटक्कोदित्स वे यञ्जानत्स विक्रसार्थ पाट्ट ।

বারিষ্টার-জাট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বল্পদেশের সিবিখ সর্ব্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্টিষ্ট ও সেশন জ্ঞ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি. কিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণীত বৃদ্ধদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেউ গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রয়ধিকারার প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং থানি পুশুকের মূল্য, ৫ পাঁচ টাকা।

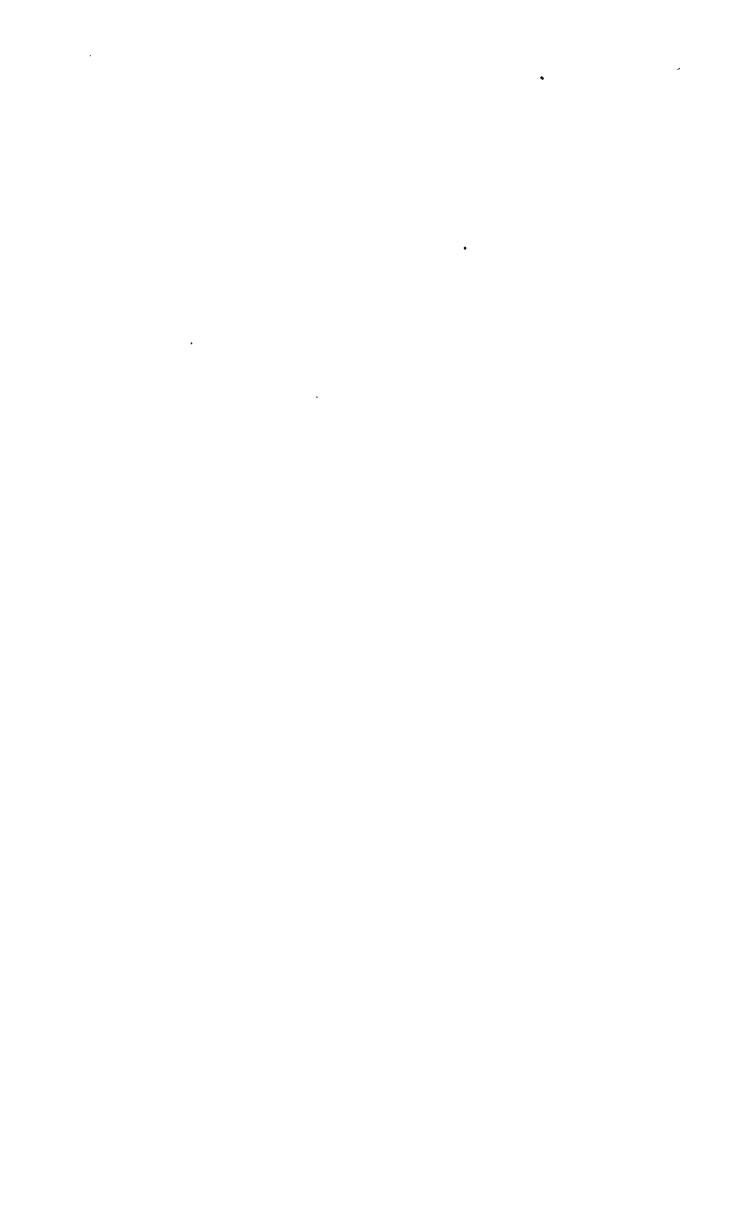
কোন ব্যক্তি উক্ত পুক্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেটিটের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার খরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য ।- উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বল্পদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড · রেষ্ট টৌন হালের হাভায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণযেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিনে রেজি-ক্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুশুক কলিকাভার গবর্থমেন্ট গ্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া বায়।

কলিকাতা প্রোসঙেন্দ্রী কেল যন্ত্রালয়ে গ্রব্যেটের কন্য **জ্ঞায়ত কে**মস প্রেট সাত্তের কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত কইল ।



Aumb. 3038 [0006]

REGISTERED No. 3.



## गवन्यन् कारकि।

TUESDAY, OCTOBER 19, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৯ অক্টোবর।

CONTENTS.	1
* P	aen. নিৰ্ভট ।
PART I Resolutions, Orders and Notifica-	नुका।
tions of the Government of India	Nil. প্রথম বঞ্জ।—ভাবতব্যীয় গ্রেপ্মেটের মির্ছারণ
PART II Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	विछोग वक्ष। — तक्रास्तानव शवर्यायकेत सिक्रांत्रव.
of Bengal	Nil. আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই।
PART 11A.—Orders by the Lieutenant-Gover-	विजीय क थक। विकासित्यत शवर्गस्य विकासित माडे।
nor of Bengal	Vel. ভৃতীয় খণ্ড।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত
PART III Acts of the Legislative Council of	আইন নাই
India	Nil. চতুৰ্ব বস্ত ৷—ভারতব্যীয় ব্যবন্দাপক সভার আইনের
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাত্ৰিপি নাই :
India : 1	Nil. প্ৰম ৰণ্ড।—ৰজীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্ৰণীত আইন নাই।
PART V.—Acts of the Bengal Council	Vil. বট বঞা—বজীয় বাৰ-ছাপক সভার আইনের
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil. পাতৃলিপি নাই।
PART VII.—Circular Orders by the High	সভম খণ্ড।—ছাই কোটেব ও রেবিনিউ বোডেব
Court and Board of Revenue	Nil. नाशांत्रव चार्यमण्ड नाहे।
PART VIII.—Advertisements 525—	
Supplement	Vil. প্রিশিষ্ট স্বর্থমেক্টের সেজেট নাম:

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

षष्ट्रम थए।

<sup>ই×</sup> ভিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্দ্রার।

### জিলা চট্টগ্রাম। ইন্ডিহার নামা কাছারি কলেক্ট্রনী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহান্বারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি.খর জনাদার ১০) টাকার ঊর্ধ্ব জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ ভালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার স্বর্দ্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেইরী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

				म मत्	জমা ৷		वाकी ।		
ক্রমিক নখর।	তাশুকাব নসব।	মৌজা, খানা, মহাল ৪ তালুকাব নাম।	মালিকেব নাম।	খাজানা।	<b>্চিত</b> ।	খাঙ্গন।	(EB	মোট।	মন্তব্য
,	2		8	q ·		9	F	>	<b>&gt;•</b>
	bb9!	মোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।—					: 		
3	20308	তাং আহামদ আলী ও	कस्वात यानी मनागत	16261 o	२७७/ ७	७७॥० ३	19/0	6012	
	442	মাহাং ইছপ ও কোকান	জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা			!		•	
		আলী ও আজগর আলী	খাতুন ও করিমন্নিছা		1	1	:		
		ও শ্রীমতী মুরবিবি।	পক্ষে হিং মুরল হক্		ł	1	'		
			ও আছফা <mark>খাতুন, নেজ</mark> া-			!			
1			মত আলী চৌধুরী ও					1	
	,		মনীজ্ঞ চক্র যোষ, মোবা-				,		
			রেক আলী, আবহুস	: I		1		1	
			রহমান ও নেজামত	1	1		1 1	1	
			আলী ও আবগুল হাকিম	1		:	:	1	
			স্বয়ং তৎ নাবাদেগ	l L				1	
			ভ্ৰাতা আলামিঞা ও			1		Í	
			ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত	:					_
			আব্তুদ হাকিম।			!			

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. DIXON,

For Collector,

#### জিপা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবণ-মেন্টের যে মালিকিন্ত আছে তাহা নিম্নলিখিত মিলামের সর্ত্ত অন্তুসারে উক্ত নোয়াখালা জেলার কালেটুরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় হইবেক।

খরিদারগণকে নিমের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্ভ।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেইর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দিষ্ট করেন ভাহার উপার যে ব্যক্তি সর্ব্বাপোক্ষা অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে ভাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক অরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ম ধার্য্য হইয়াছে ভাহা চিরস্করপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫) টাকা হারে আখরাজ্ঞাত খরছ স্বরূপে সদর রাজস্ম বাদ পাইবে।

দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে ভাষা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা কৃষক প্রজা দারা দস্তখত হইয়াছে ভাষাদের স্বত্ব স্থীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার উর্দ্ধ্ব হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবদে ২ প্রাহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পার্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পারে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া জনাদায় খরিদারেশ্ব দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভৌ <b>লি</b> ব নপ্তৰ।	মহাল ও প্রগণার নাম।	যতপূ পূৰ্বম	বেব হি ব জ্ঞান র ভানুয গ্রমাণ	া যায মানিক	বাজ	ৰ্মে স্থ ফ ক ই য		আৰ্থবাজাত খবচ সকপে সদৰ রাজস্ব বাদ।	म%दा।
٥	2		•		<u> </u>	8		a .	<u></u>
		હઃ	বো:	শো:	<b>b</b> t:	আঃ	পা:		
460	আনন্দচন্দ্র গড়গড়া পরগণ	२٩	n	0	<b>&gt;</b>	o	3	শতকরা ২৫,	
	<b>जू</b> ना।							টাকা হারে।	
643	ঐ ঐ দ্বিতীয় শশু	9	•	•	28	n	•	١	
५८५	জিম্বে ছৈয়দ স্থাকবর পরগণা	७१	0	•	৯৬	4/	હ	(a)	
	ऋमोभ ।								
88 c	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা	٥	0	•	3	- 11	0	(è)	
6	রামভন্ত চক্র ।								
669	চভিপুর রাস্তা	٥	n	0	3	0	•	0	

# किना होन्याय।

ইন্তাহার নামা কছারী কালেইরী জিলা চট্টগাম।

ইগছারা সংবাদ দেওয়া ঘাইভেছে যে ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মুর্যায়ে নিমুলিখিত ভালুকাদির ১৮১৭ ইংরেজী ২৫শে মেই সূর্যান্ত পর্যন্ত বাকি পড়া শাজানা ছেছ জাদায়ের নিমিত্ত ১৮১৭ ইংরেজী ২১ অক্টোবর মোডাবেক ১৩-৪ বাঞ্চালা ৫ কাজিক রোজ রহস্পতিবার জিলা চটাএামের কালেক্টবী কাছারিতে একাশ্য বিলামে ধরা ঘাইবে,।ইতি ১৮১৭ ইংরেজা তারিব ১ সেপ্টেম্বর।

,			हेट्ट ११८७, हेट्टक हेट्टक हेट्टक ७७६०।० हेट्टक ७८३५, हेट्टक १৯८७, हेट्टक १৯८७,
TE STEEL		A	1928   26 독학(6 4486) 1924   22 독학(6 10836) 1228   26 독학(7 10836) 1230   28 학학자 1230   28 학학자 1230   28 학학자 1230   28 학학자 1230   28 학학자 1230   24 학학(6 1286) 1230   24 학학(6 1286) 1230   24 학학(6 1286) 1230   24 학학(6 1286)
	त्याहे।	د.	3 6 6 5 4 6 9 6 9
राका -	ě	-	*
	क्षांचा ।	•	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0
न मज्ञ क्यो।	Ē	•	ภ.∕°ภ ₹ 8 ₹
K.	100	w	१५८० १५७९ १५७९
	X .خاند با	9	বাবু হোগেশ চন্দ্ৰ রান্ত টেট পক্ষে রান্ন কৈনাস চন্দ্র দাস বাহাতুর জেনেরল মানেজার। সাং কলাউজান। সাং কলাউজান। স্বাহুত নাবালক নাতা হৈন্ত ভিনা, আজমলা ভার ছৈন্ন দলিছা, জমিলা বাহুনের পাক্ষ হিং আজ- ম্লাবা, মডিন্নর রহ্মান ব্যং ও নাবালক এজাহার মিঞার প্রেক্
	শ্বালা, মোজা ও ডেপ্ৰেন্দ্ৰৰ ল'ম	~	ধানা সাতকানিয়া হাল বাস- ধালী মেজি ছোট ছুমুয়া মুহল ন্য়াবাদ তাং ছোট হুমুয়া। ধালা সাতকানিয়া হাল বাস- ধালা সাতকানিয়া হাল বাস- ধালা নাতকানিয়া হাল বাস- ধালা নাতকানিয়া হাল বাস- ধালী মেজি পুইছ্রীমহাল নয়াবাদ ডাং মোবারেক্
लान्हरू नुहरू	भूत	^	2 ° 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0

:		:
<u>~</u>	ç) <sub>48</sub>	( ১০৯১
*/Inas		9 
		:
₹/   <b>99</b> ⊁5	% 79	৫,৯০৯ ১
3631/16	° /	٩١٠
ر٩٥٩٠	€051€°	¢ > > 4%.
8९ वामा मार्कमानिया हाम वाम- क्ष्मन वामी मिर मञ्जत वामी तिर मार देवमान- १५७१, १५३॥/५ ६९७॥/२ वामी त्योत्मि हामन ग्रहान में मि।	83 । চৌং। 894 ধানা সাতকাণিয়া হাল বাসবালী নেজায়ত আলী পিং মাহাং রফি সাং বারখাইন মোজে চায়ল মহাল নয়াবাদ ভাং আবহুল যজিদ।	৪৫৬৬ খানা সাভকাণিয়া মেজি বাজচত্র সেন পিং রাজকিশোর সেন ও বংশীমোহন ৫১১৬%। চূড়ামণি মহাল নয়াবাদ ভাং সেনের পাক্ষে ও স্বেক্স বিজয় রায় ঠেট পাক্ষে রায় মহেশ চক্র, চৈতন্যেরণ। কৈলাস চক্র দাস বাহাত্তর জেনেরল ম্যানেজার।
থানা সাতকাণিয়া হাল বাস- শালী মোজে চাম্বল মহাল নুয়াবাদ তাং ডাজমিছা	চৌং। ধানা সাতকাণিয়া হাল বাসবালী গ্ৰেডিজ চাম্বল মহাল ন্য়াবাদ ডাং আব্হুল মজিদ।	ধানা সাভকাণিয়া মেজি চূড়াযণি মহাল নগাবাদ ভাং মহেশ চল্ল, চৈতন্যচরণ।
2 00	7 7 8	ል ም ል ም መ መ መ

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 3rd September 1897

Offg. Collector. Ј. Риппиове,

#### ইন্তাহার নামা কাছারী কালেইরী জেলা চট্টগ্রাম।

ইহার ছারা জানান যাইতেছে যে এই কাছারী সংক্রাপ্ত নিম্নলিধিত তালুকাদির ১৮৯৭ ইং সনের ২৫শে মেই শেষ তারিখের শ্রাকী পড়া থাজানা ও ছেচু আদারের নিমিত্ত ১৮৬৮ সালের ৭ আইন ও ১৮৭১ সালের ২ আইনের বিধানমতে ১৮৫৯ সালের ১১ জাইনের ৬ থারার মন্ত্রীস্থলারে ১৮৯৭ ইং সনের ২০ অক্টোবর মোতাবেক ১৩০৪ বাং সনের ৪ কার্ত্তিক রোজ বৃধ্বার জেলা চট্টগ্রাম ক্রালেক্টর কাছারিতে বিনা ওজরে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইং তারিখ ২৪ আগন্ত।

মশ্ব ১	ও মহাল।	•		ৰাৰ্ষিক	<b>₩</b> ₩		रांकी।		
भ्य (त्र १ सच्त्र ।	ভালুকের মখর।	থানা, মৌকাও মহালের নাম।	মালিকেব দাম।	খাজানা। ছেচ।		থাভানা। ছেচ্।		মোট।	মস্ভব
,	1	٥	8	a l	•	۱۹	ь	ه	١٠
be	252	ধানা রামুমোজে খুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক খএরুলা।	হাৰ্কান আলী চোধুরি পিং মাহামুদ হারি দিকদার সাক্তিন পা- তলী মাছুয়াখালা।		<b>4240</b>	২৫৩॥৯/৩ ১৮৯৬।৯৭ স্পূর্ব ব ৬৭৬।৯/০	ইং স- কি। ৬৯५•	<b>১</b> •२७८७	
<b>M</b> 6	344	থানা রামু মৌজে গুরুলিয়া মহাল নয়াবাদ তালুক বকুসালি।	মহব্বত জালী চৌধুরি পিং স্বাজ্ঞগর জালী চৌধুরি সাং জনদি।		<b>ે</b> રાાહ	30°(0 20°40	30, 0•4/6	2×2(2	
262	<i>&gt;⊍</i> €	ধানা রামু মোঁজে উত্তর মিঠাছড়ি মহাল নয়াবাদ ভালুক রম্ভম আলী।	আমির বাহু চৌধুরীয়া	3 • 9 3 1 •	<b>3</b> 22/°	80340	8 - 11 2 0	8831200	
399	२७१	ধানা রায়ু মোজে খুটা- ধালী মহাল নয়াবাদ তালুকমোবারক আলী।	জামিলা খাতুন আহা- লিয়ে মৌলবি আজ- মলা ধাঁ সাং হারবাল		3031/0	43¢)	9940	२८४५७	
2840	₹€•	থানা রামু মোজে ভারুয়া- খালী মহাল নয়াবাদ তালুক মাহাল্পদ রাজা।	মেদিবী মহস্কতালী ও ছৈয়দ আলী পিং আনমার আলী চেং সাং পাতলী মাছুয়া- খালী ওগয়রহ।	& & o     o	383 W	2091å	89 /•	2 P8 II J•	
२१२ .	<b>২</b> 98	থানা চকরিয়া মোজে ভেওলামাণিক চর মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি ভ্যাক।	আসমত আলী জাহা- বক্সপিং মাগন আলী সাং হরিণা থানা সাডকানিয়া।	رده	36411/0	<b>€</b> 9 9 9√	و لايا ه	<b>⊌</b> ⊍⊍ ∕∘	
१४०		থানা চকরিয়া মেডিজ সিলখীলি মহাল নয়াবাদ তালুক বিবি প্রাক।	গোলনেছ নিছা, বস- কিচ বিবি নাবালকা কন্যা ও সেখ মাহা- অব কালু চোং সাং জলদি ওগয়বহ।	9 25 19		২ ৯৮॥ ১৯ ১৮৯৬ ইং স্বর, কিন্তার ৪০৬ ৮৮/৩	সেপ্টে- ডিসেম্বর বাকি।	ነ ዓ <b>હ</b> હ  / <b>ነ</b> ፡	
₹ <b>6</b> ~6~	95 ¢05 868 ¢60	থানা চকরিয়া মোজে টেটং মহাল নয়াবাদ তালুক হরিদাস বহ- দার।	এর্নাদ আলীচোঁং পিং সেখ মাহান্ধদ জমা সাং তৈলারদ্বীপ থানা বাঁশখালী।	<b>૧৬</b> ৩ <sub>)</sub>	3931��		5 o heis **	२८४ ५/ ०	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

BAGALA PRASANA MAZUMADER,

#### किना हो थीय।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্থ ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজস্থের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিন্ত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেশ্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ।

>	<b>ર</b>	٠	8		ı	9	ь	>
ভৌঞ্জির নম্বর ।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰেয় হইবে কি মা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় ভটলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত বিক্রয় ছইলে ঐ অং- শের সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰথ হইলে তাহাঃ বাকী।
₹ - ₹ - ₹ - ₹ - ₹ - ₹ - ₹ - ₹ - ₹ - ₹ -	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তং মোং গারাজীয়া বাং তং মঞ্জত রাম হাজ্ঞারি।	5.241/2	সম্পূর্ণ মহান্স বিক্রী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জ্ঞাং আবহুল কর্ত্তা খাঁ শ্রীদায় মিঞা গং।	••••	0 ° 40/ °	******
७७० २२०३ ५ <u>२</u> ०	তরক মেডিজ লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।		ut vi	••••	শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীজাবহুস কর্ডা খাঁ গং।	•	७३४॥४२	•••••
<u> </u>	-		ď		শ্রীসেখ হাবিব আহা শ্রদ চৌং জাং তথ পিতা মকবুল আই চৌং পক্ষে।		86-119	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

টীকা।—বে দ্বলে উপরের লিখত বর্ণনাপত্তের ২.৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া দিখিত আছে দেই দ্বলে ইহা বৃবিতে চইবে যে এ অংশের নমিত স্বতপ্ত হিদাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

The 24th September 1897.

F. P. Dixon,
For Collector.

<sup>-</sup> CHITTAGONG COLLECTORATE,

## জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার উর্দ্ধ জ্বমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাক খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জন্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মমতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেছর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহারণ রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রবী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্রমিক নপ্র।	তপুকার নহব।	ো মৌৰা থানা মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকের নাম।	সদর ভ	<b>স্ম</b> ধ।	वांकी।			মন্ত্ৰা
	তপুকার নম্ব		न्।।लदक्त्र न न ।	थकाना।	ছেছ	शंकाम।	ছেছ।	মোট।	1917
3	3	0	8	à	•	٩	ъ	۵	۶۰
3	7682 6246 50446 8474	মেতি জ্জখনা থানা ফটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি থাঁ, হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর বহমান <sup>হঁ</sup> । ও মেহের আলি খাঁ।	1 '	১৬৬ ৸৽	ردها	૭૧૧৶૭	१७०१८७	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native aruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twoive annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জুরত্ব সিনুকোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিনেডেণ্ডেন্টের নিকট গবণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রম্ম করিলে নিম্নলিখিও মূলে<sup>5</sup> প্রমন্ম সিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২০০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫০ টাকায় ও এক পোও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০০ টাকায়, আট ঔপ টিন-৬০০ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২০০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রেয় করিয়া ধাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের ০০০, আট ঔপ টিনের ৪০০ তাক মাস্কল দিতে হইবে। বঙ্গদেশের গ্রব্মেণ্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নিধিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পোও টন ১৮) বা ডাক মাওল সমেত ১৮৭০

۵) ,, ,, 8110 4)

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অভি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং इश य जिन्दानाहेन ७ जिन्दानी छोटेन नामक अशक्क कादात गरि डेव्हा पूर्वक मिनान इस नाह ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883. - The subscription to, and postage for, the Bengali Gasette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				As.	Λ.	P.	
Entire Gazette	•••		•••	10	0	0	per annum.
	Postage			2	8	0	**
Parts III, IV, V,	and VI, con	taining t	he Acts				•
and Bills of the	Legislative (	Councils o	f India				
and Bengal		•••	•••	4	0	0	71
Ģ	Postage	•••	•••	1	0	0	27
For a single copy	_						
Entire Gazette	•••	•••	***	0	4	0	
	Postage		•••	0	1	0	•
Parts III, IV, V,	and VI	•••	•••	0	î	0	for 4 sheets or under
, , , ,							with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.
	Postage		••	. 0	1	- 0	

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage. E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal.

होका।

#### বিজ্ঞাপন ।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাজালা গবর্ণযেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মান্থল এই অবধি নিম্ন-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :--

যকঃসলে

	11000	•			
मन्पूर्व शिटक है	•••	•••	•••	বৎসর	300
ডাকমান্থল	•••	•••	•••	73	<b>*11 •</b>
७७८७६७६५७ (	যাহাতে গ	চারতবর্ষের	<b>उ रक</b> -		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার দ	गारेन 👁 🤊	শাইনের		
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••	***	,,	8,
ভাকমান্থল	• • •	•••		79	٥,
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের	<b>मृन्छ</b>	•••	***	,,	1•
ভাকমাম্প ৩ ৪ ৪ ৫ ৫ ৫ ৬ খণ্ড (	্ৰত্যেক প্ৰত্যেক	৪ প্ৰচাৰা	ভাহার		<i>*</i> •
ন্যুন সংখ্যক প্ •				<b>p</b> •	/
फांक्योध्य	••	•	16	91	একং আন)। • /•

। **দাতাক্**ৰিক

কলিকাডায় ও মুকঃদলে সমান গুল্য, কলিকাভায় কেবল ডাক্যাখুল লাগিয়ে না।

र, अन, ध्वकाद ।

वक्रान्त्यत भवर्गायाच्येत अक्षिः (छाषे त्मरक्षेत्रो ।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very propert been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Rxtract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton,
Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

NOTE.—Rates of	advertisements	in the	CALCUTTA	GAZETTE.
----------------	----------------	--------	----------	----------

Full page, per issue	1 • •	•••	${ m Rs.} \ 20$
Half ,, ,,	•••	•••	10
Casual advertisemen	nt—4 ann <mark>as</mark> pe	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওরা না গেলে ঐং গেজেট দেওরা যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্থমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্গমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্জ্বাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন ন্যক্তি বাঙ্গাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভামিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজ সেকেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না শ্লেসে উপ-রোক্ত ফার্য্যালয় ভিম্ন না ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রাকৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক দানা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ছোট সেক্রেটরী।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মুখ্যে ৷— কলিকাতা গেলেটে ইপতিহার প্রকাশ করিব	ার হাব এইং।-	-			होका:
পুষা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	•••		400
कांभ ४ का	•••	***			3
ক্ষুন্ ক্ষুন্ ইশ্চিষার একাশ ক্রিতে চ্ইতে	र वकर गीक	4 *	800	200	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकान (मटक्वोतिरस्वे यखानस्य विकसार्थ पारह ।

বারিন্টার-আট-লা ও ঐঐ মতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্ধমানের ডিষ্টিই ও সেশন জক্ত ও রেন্ট কমিশ্যনের মেছর, ইনর টেশ্পলের ঐযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাহেবের প্রণীত বঙ্গদেশের ঐযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রম্যধিকারীর প্রক্ষা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### এकर चानि शृक्षकत मृत्रा, e, शांठ ठाका।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বলদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকান্ডার স্পানেড ওয়েষ্ট টোন হালের হাতায় স্থিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেক্ষি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাতার গবর্ণমেন্ট প্লেলে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রম্

কলিকাতা থোসিডেন্সী কেল মন্ত্ৰালয়ে গ্ৰেশমেটেৰ ক্ষন্য আঁষ্ড কেম্ম পেটা মাহেৰ কণ্ঠক মুক্তিও একাশিত হইল :







## गवर्गायन् कार्डिं

TUESDAY, OUTOBER 26, 1897.

## यक्लवात, ১৮৯१ माल २७ अरङ्घोदत ।

CONTRNTS.	I
Page.	মিশ্ট।
Part LResolutions, Orders and Nephica-	नुके।
tions of the Government of India 81 - 82	প্রথম বভ।—ভারতব্যীয় গ্রেপ্টের নিধারণ
PART II Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৮১ –৮২
tions by the Lientenant Governor.	विक्रीय थक।—स्कारमान्यः गर्थस्थारकेतः विक्रीयन्
of Bengal Nil.	আদেশ ও বিভাগন প্রভৃতি নাই ৷
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	विकोत्र व व । वक्तालाव गर्वस्थातिक क्यालाव . ৮१
nor of Bengal 87 - 88	তৃতীর বর ।—ভারতববীয়া বাবদ্যাশত সভার প্রণীত্ত
PARRIL - A ota of the Legislative Council of	चार्चेक नाई
India Nil.	हकूर्व वक् । - कात्रकार्योष्ट शावनात्रक मान्यत्र आहेरतर
PART IV Bills of the Legislative Council of	नार्शनिं गाँ३।
lindis Nit.	नक्षम वक ।-वकीय वापन्हांनक नकात श्रेनीच आदेव वार्
PART V Acts of the Bengal Council Nic.	वडे वड मार्गेष संवक्षणक महान वहारेटाव
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	শাচুলিণি নাই।
PART VIICircular Orders by the High	স্বাম্প গা—হাই কোটেব ও বেবিনিট বোর্ডের
Court and Board of Revenue Nil.	
PAST VIIIAdvertisements 537-544	আইম বঙ ।—ইশ্তিহার প্রভৃতি , ১৩৭—২৪৪
Supplement Nil.	गांत्रामक्षे गवर्गायक्षेत्र तगरमक व हे

#### PART I.

Resolutions, Orders and Notifications of the Government of India.

## थ्रथम ४७।

ভারভবর্ষীয় গবর্থবেন্টের বিদ্ধারণ, আবেশ ও বিজ্ঞাপন অভৃতি।

## ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের আদেশ।

११७७ वर ।

## ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের।

হোম ডিপার্টমেও।

শাস্থ্য বিষয়ক।

नियमा, ১৮৯१ गाम ১১३ पार्कीरद ।

#### বিজ্ঞাপন।

যেহেতু উত্তর-পশ্চিম এদেশ ও অধোধ্যার অন্তর্গত কনখল নামক ছানে কোন কোন ব্যক্তি মড়কা-ক্রান্ত হংয়াছে এবং মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীৰুত গবর্ণর জেনবল: সাহেবের এইরপ প্রভীতি জম্মিয়াছে যে লোকজনকে জ্বওয়ালপুর কৌশন হইজে কি জ্বওয়ালপুর কৌশনে রেল পথে যাইতে দিলে মড়কের প্রচার হইবার আশকা আছে,

অতএব মান্ত্রসন্থাধি**তিত এইত গবর্ণর জেনরল সাহেব ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ৩** আইনের ২ ধারার (১) প্রকরণাহসারে প্রদক্ত ক্ষমতার পরিচালন করিয়া এই আজা করিলেন যে অপর আদেশ না হওয়া পর্যান্ত জ্বওয়ালপুর ক্টেশনে রেল পথে যাইবার টিকিট দেওয়া হইবে না।

জে, পি, হিউয়েট, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরীর নিকট উত্তর-পশ্চিম প্রদেশ ও অযোধ্যার গবর্ণমেন্টের ১৮৯৭ সালের ১৯এ অক্টোবর তারিখের টেলিগ্রামের উদ্ধৃতাংশ।

থে সকল ব্যক্তির অ,গামী সন্থতী অমাবস্যা ও পৌর্গমাসী মেলার মধ্যে হরিছারে যাইবার অভিপ্রায় আছে তাঁহাদিগকে সভর্ক করিয়া দেওয়া যাইতেছে যে হরিছার মুনিসিপল ইউনিয়নের অস্তর্গত এবং হরিছার হইতে এক মাইল মাত্র দূরে অবস্থিত কনখল নগরে মড়কের প্রাণ্ডাব হইয়াছে। গমনেচ্ছুক ভীর্ষধাত্রিগণকে এই পরামশ দেওয়া যাইতেছে যে তাঁহারা যেন উপস্থিত সময়ে হরিছারে না যান। কারণ সেখানে গেলে তাঁহাদের বিপদ ও অস্থবিধা ঘটিবে।



## गवर्गामे (जादको ।

TUESDAY, OCTOBER 26, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৬ অক্টোবর।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal. ঘিতীয় ক খণ্ড।

वक्राल्य शवर्वाय के वारम

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 1083 T.M.—The 16th October 1897.—It is hereby notified for general information that on the application of the Commissioners of the Nasirabad Municipality, in the district of Mymensingh, the Lieutenant-Governor has been pleased to declare that the provisions of section 3, Act XX of 1887, with respect to wild birds, shall apply, so far as regards the rules framed by the Commissioners of the aformatic Municipality, to have and deer.

H. H. RISLEY,
Secy. to the Goot. of Bengal.

वक्राम् एन और्ष लालि दिन् गर्ना मार्टि वह व्यापन ।

### युनिविश्व ७ व्यनी ।

#### विकाशन ।

১০৮৩ টি, এম্ বং ।—১৮৯৭ সাল ১৬ই অক্টোবর।—সাধারণের অবগতির নিমিত এতদ্বারা এই বংকাদ দেওয়া বাইতেছে যে ময়মন্বিংছ জিলার অন্তর্গত নসীরাকাদ মূনিলিপালিটির ক্ষিণানরগণের প্রার্থনাক্রমে শ্রীষ্ঠ ক্রেপ্টের্মাই গব্পুর সাহের এই কথা ব্যক্ত ক্রিলের হে ব্রা পক্ষী সম্বন্ধে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান উক্ত মূনিসিপালিটির ক্মিণানরগণের প্রানীত বিধির বেলা খ্রগস ও ছরিল সম্বন্ধেও খাটিবে।

এচ, এচ, রীসলি, বঙ্গদেশের প্রবর্গমেক্টের সেক্টেরী।



## गवर्गान् फार्डिं

TUESDAY, OCTOBER 26, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৬ অক্টোবর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थु ।

ইশ্ভিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

### জিলা চট্টগ্রাম। ইতিহার নামা কাছারি কলেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি:খর অনাদায় ১০) টাকার ঊর্দ্ধ জমার নওয়াবাদ ও বাষ তরক ভালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার বর্ষমতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেশ্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেইরী কাছারিতে একাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

			100	ज बद	क्या ।		বাকী।		
≄মিক নখর।	তাসুঞ্চার নসর।	মৌজা, খানা, মহাল ও ভালুকার নাম।	মালিকের পাম।	वानामा ।	(E)	ধাঙানা।	CET 1	মোট।	মন্তব্য
3	*	•	8	` 4	•	•	r	<b>&gt;</b>	3•
	b-b-9	যোজে বাকলিয়া খানা সহর মহাল নওয়াবাদ।					*		
3	<b>१०७७</b>	ভাং আহাম্মদ আদী ও মাহাং ইছুপ ও কোর্কান আদী ও আজগর আদী	জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা	<b>65-6</b> 10	<b>२७</b> ७।/७	७७॥०/३	7611%	¢0 2	*** ***
		ও শ্রীমতী হ্বরবিবি।	পক্ষে হিং ম্বন হক্ ও আছ্ফা খাড়ুন, নেজা- মত আলী চৌধুৱী ও						
		,	মণীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবত্নল রহমান ও নেক্সামত						
			আলী ও আবহুল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবাদেগ						
			ভ্ৰাতা আলামিঞা ও ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত হাবঙল হাকিম।						•

Chittagong Collectorses,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### জিপা নোয়াথালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্মলিখিত মহালে গবৰ-মেন্টের যে মালিকিছাত্ব আহে তাহা নিম্মলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নোয়াখালা জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেছর মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রম হইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্ভ।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেইর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিন্ট করেন ভাছার উপার যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেকা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাছার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক অরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ম ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরন্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি অত্য আছে ঐ রম্পূর্ণ অত্য খরিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শভকরা ২৫০ টাকা হারে আখরাজাত খরছ অরপে সদর রাজস্ম বাদ পাইবে।

ৰিভীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বয় অর্পণ হইয়াছে এবং
এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে ভাষা বলবৎ থাকিবে এবং
রেভেনিত কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা
কৃষক প্রজা দারা দন্তথত হইয়াছে ভাষাদের স্বত্ত শ্রিদারগণ
বাধ্য হইবে।

বাধ্য হইবে।
তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার উর্দ্ধ, হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জ্ঞারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তী <b>ৰি</b> র নম্ব I	মহাল ও প্ৰগণ্ব নাম।	যতপু জু, মুক	বৰ হি ব <b>জান</b> : ভানুফ 'বমাণ	যায় বাশিক	বাৰ	নিদেশ স্থ কুইয়া	াহা	আৰ্থরাজাত থবছ স্থরূপে সদর বাত স্থ বাদ।	मखरा
<b>,</b>	₹		৬		Ī	8		a	•
		<b>a</b> :	বো:	<b>C</b> 91:	हें।:	আঃ	পা:		
err	আনন্দচন্দ্র গড়গড়া পরগণ	२ १	0	•	<b>b</b> -4	0	3	শতকরা ২৫,	
	<b>ज्नू</b> शा।							টাকা হারে।	
442	ঐ ঐ দ্বিতায় বাও	9	•	•	₹8	•	•	(4)	
७ऽ२	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা	9	•	•	26	4/	હ	(9)	
	इमीथ।								
484	জিছে ছৈয়দ আকবর পর্যগণা	5	•	•	2	11	•	<u>a</u>	
	রামভন্ত চক্র ।	į							
412	চভিপুর রাস্তা	, 3	•	•	3	0	•	9	

#### जिना हर्षेथाय।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫২ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া মাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্মত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালগুলি ওবং মহালগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্বের আলারে বাকার রাজত্বের ন্যায় আলায়ের যোগ্য তাহা আলায় করিবার নিমিত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেশ্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রেয় করা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর।

3	<b>ર</b>	٠	8	t	. 3	1	<b>b</b>	•
ভৌত্তিব নখন।	মহাল ও প্রগণার নাম <i>।</i>	সম্পূর্ণ মহালের সংলৱ কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইবে কি মা।	কেবল মাত্র অংশ বিজ্ঞায় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্লয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইতে ঐ অং- শের সদব জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হ <b>ইলে</b> তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত বিক্রন্ত হইলে ভাহা বাকী।
२०२ <u>२०२</u> २२४२	ধানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তং মোং গারাজীয়া বাং ডং মঞ্চত রাম হাজারি।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবগুল কর্তা খা শ্রীদাহ মিঞা গং।	. ••••	Oo ha/a	
७७• २२•৯ ১ <b>१</b> 8•	তরফ মৌজে লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।	1	Œ		শ্রীগমির সিং হাজার্গি শ্রীআবহন কর্তা বাঁ	1	७३৮॥ /२	•••••
P## 9	छाः याद्याः कान्		ď		শ্ৰীদেখ হাবিব আছা শ্ৰদ চৌং জাং ডৎ পিতা মকবুল আন চৌং পক্ষে।	-	81119	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ ত্যারিখের বাকি পড়া।

টীকা।—বে দ্বলে উপরের লিখত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কে,ন অংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া নিষ্ঠিত আছে দেই দ্বলে ইয়া বুলিতে, হইবে বে জ জ ংশে নিমিত্ত মুক্তর ছিলাব রাখা হইকা থাকে ও মহালেব তানা বা জন্যানা অংশ বিক্রম হয় না।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. DIXON,
For Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০) টাকার ঊর্দ্ধ জ্ঞমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদারের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম চইয়া ডদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জন্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদারের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মমন্ত্রে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহারণ রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

<b>ক্ৰ</b> মিক		যৌজা পামা, মহাল ও	ni/mrn 779 i	३,५४ ३	F <b>21</b> [		वाकी।		भक्तरा
बभ्रव ।	তপুকাব নগর।	তাপুকাব নাম।	ম(লিকের নাম।	খান্ধানা।	(\$5)	याकामा ।	CET !	(माउँ।	464)
)	١	•	8	a	4	1	ir	۵	۶۰
>	748P 4PP 5CP4P 8P7P	মোজে জুজখনা পানা ফটাকছরা মহাল ন ওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি খাঁ, হাং তা ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর রহম।ন াঁ ও মেহের আলি খাঁ।	₹७88)	<b>Տ</b> હ હ <b>બ</b> •	હઢ૭	ول او ق	400120	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

F. P. Dixon,

The 22nd September 1817.

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six nounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce ten, Rs, 2 ans. 8; per eight-ounce tim, Rs, 5; per pound tim, Rs, 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four ounce tim, Rs, 3, per eight-ounce tim, Rs, 6; per pound tim, Rs, 12. Thus medicine is also sold by the principal European and Native aringgists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tim, eight annas per 8 oz. Sin, and twerve annas per pound tim, in addition to the foregoing rates.

#### ক্রবর সিন্কোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গাওঁনের অর্থাৎ কোন্দানির বাগানের স্থারিকেন্ডেনেনর নিকট গবে। মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রয় করিলে নিমনিখিও মুল্যে প্রবন্ধ দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ওকা চিন ২।। চাকায়, আট ওকা চিন ৫২ টাকায় ও এক পোও চিন ১০) টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোন্দানির বাগানের স্থারিকেন্ডেন্টের নিকট নগ্ন মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔক্ষ দিন ৬) টাকায়, আট ওকা চিন ৬২ টাকায় এবং এক পোও চিন ১২) টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপায় ও দেশীয় ওষধ বিক্রেন্ডাগণও এই ওম্ব বিক্রেয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হাব ভাজা চারি ঔক্ষ টিনের ।০, আট ঔক্ষ গিলের।।০ ও এক পোও চিনের ৭০ চাক মাম্বন্দ দিতে ২হবে।

বঙ্গদেশের গবর্গমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা.এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিক মৃদ্য হইবে,যধা—

১ এক পেণ্ডি টিন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৭০

।। जार ,, ,, ), ,, ,, ,, ।।•

| শিকি,, ,, 8||0 ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইলা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া ঘাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ঘাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufussal.

				Rs.			
Entire Gazette	•••			10	0	0	per annum
	Postage			2	8	0	
Parts III, IV, V,	and VI, con	taining th	e Acts				
and Bills of the							
and Bengal		•••		4	0	0	• •
.,	P. stage			4 1	0	0	27
For a single copy							,,
Entire Gazerte			•••	0	4	0	
	Postage			0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••		0	1	U	for 4 sheets or under
,,,,,,					_	4	with an additional charge of 1 anua for every 4 sheets in excess of 4.
	Postago	• • •		()	- 1	()	

50 ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V ... V

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage E. N. BAKES.

Offa. Under-Secretary to the Goot, of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ পাল ২১ ফেব্রুয়ারি।—বাঙ্গালা গবণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাস্থল এই শবাঁধ হ্লেন্ন। লিখিত হাবে মাগ্রাম দিতে হহবে :—

	यकः मट	न			টাকা।
मच्चून (शरक ह		•••	•••	বৎসর	7 0 ~
ড!ক <b>মান্ত</b> ল	• • •			"	\$110
ट न ३ ७ व ७ ७ ५ ४७	( যাহাতে	কারতবর্ষের	<b>७ न</b> छ -		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ত	আইন ও	শাহ্রের		
<b>পাগুলিপি</b> থাকে )	•••	•••		,,	3,
		• • •	•••	"	١,
শশ্বৰ একখানি গেজেটেই	মৃশ্য	••		1.	10
ডা <b>ক্মান্থল</b>	•••	• • •			. •
0 9 8 9 6 9 6 40 C	প্রভ্যেক	8 शृक्षे। या	ভাহার		
দ্যুত্ত সং <b>খ্যুক</b> পু	(क्षेत्र मृना)	•••		50° 40	/ ৪ পৃষ্কার উপন ফদ অধিক হয় ভাহার <b>প্রভোক</b>
					৪ পৃষ্ঠা প্রতি দার
					একং আন।।
ংকিয়াস্থল	•	••	•	•	. /•

#### विक्रिक्रिक

ক্লিকাড়ার ও ১১ক:এলে সমান মূল্য, ক্লিকাডায় কেবল ডাক্মাখল লাগিনে না।

ই, এন, নেকার

दल्टान्ट्यंत भवर्षयर्केद् अकृष्टिः (छाटे ट्रमहळ्केद्र) ।

## · The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postuge Re. 1-12.

The Ri, Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at p-esent a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hustings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies fo the Calcutta Gazette or of the Bengatee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettos, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bongal Secretariat.

Remittances in postige stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

NOTE - Rates of advertisements in the Calcutta Gazette.

Full page, per issue	•••	r • •	•••	Rs. 20
Half , Casual adver	tisemen	t—4 annas per	line.	10

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাঙ্গালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেঙেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মালের ২০ তারিখের জ্ঞাপানপ্রাতিরিক্ত এই মুর্যোর বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কাখ্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের ক্রুঞ্জাধীন কাখ্যালয় ভিন্ন ক্যেনি ব্যক্তি বাজাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় ক্রতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কেনি কর্ম করাইতে চাহিলে তমিমিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেণ্টিনিটের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে ওঁশ. বোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিগার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ভিক্ষেত্রিত বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর সংর 🗸 ০ এক স্থানা পাঠাইতে হইবে।

সি. ডবলিউ বল্টন.

क मरणरमात शवर्षायान्तेत रहा हे तमर क हे था।

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

ষশ্বব্য।— কলিকাত। গেছেটে ইণাতিহাব একাশ কলিবার	হার এইং।-	N/A			Gia:
প্ৰাতক প্ৰচাত্ৰকং বাব প্ৰকাশ ক্রণের	***		•••	,#1	2 • •
न्यान श्रहा	***	•••	.~		>
ক্রম কংল ইশ্চিষ্ট অকাশ ক্রিতে ক্টলে	car offen				

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-st-Law, and of Her Majesty's Bengal Civit Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकाम मिटकोतित्रा येखामत्र विकशार्थ चार् ।

বারিষ্টার-অটা-লা ও ঐশ্রিমতীর বলদেশের সিবিল সাজিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্টিক্ট ও সেশন ক্ষম ও রেন্ট কমিশ্যনের যেম্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি লাহেবের প্রনাত বলদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবনর সাহেবের শাসনাধান প্রদেশের ভূষ্যধিকারার প্রকাবিষয়ক আছন সংহিতা।

#### একং থানি পুস্তকের মৃদ্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বালাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা যোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ। ৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। বস্তব্য — উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বন্ধদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্থানেত ৬ক্ষেট টোন হালের হাভায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্গমেন্টের ব্যবস্থাপন কান্যবিভাগের আপিসে রেছি। ক্টারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রং করিতে পাওয়া যায়।

কালকাতা প্রেগিডেকা ছেল যন্ত্রালয়ে গ্রেগ্যেটের জন্য জীযুত তে মৃদ্র শেটা মাহের কর্তৃক যুক্তি ও প্রকাশিত হুইল।

Mumb. 3040 [9.80]

MOTABLISHER.

REGISTERED No



## गवर्धामण्ड (मार्कि।

TUESDAY, NOVEMBER 2, 1897.

### यक्रलवात, ১৮৯१ माल २ नरविष्ठत ।

CONTENTS.	
PAG	B. বিশ্বন্ট ৷
PART 1 Resolutions, Orders and Notifica-	न्हें।
tions of the Government of India 83-8	
PART II Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৮০-৮৭
tions by the Lieutenant-Governor	विकीय थ । वक्रामान्य गवर्गमान्येव विकायन
of Bengal 33738	৪ আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৩৩৭– ৩৩৬
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	ছিতীয় ক ব ও। —বল্পদেশের গ্রন্থের আদেশ নাই।
nor of Bengal Ni	
PART III Acts of the Legislative Council of	आहेन नाडे
India Ni	
PART IV Bills of the Legislative Council of	শাতৃলিপি নাই
India Ni	
PART V Acts of the Bengal Council No	
PART VI.—Bills of the Bengal Council No	
PART VIICircular Orders by the High	সম্ভম বণ্ড ৷—হাই কোটেব ও রোবনিউ বোর্ডের
Court and Board of Revenue No	
PART VIII.—Advertisements 545—56	
Supplement Ni	

#### PART 1.

Resolutions, Orders and Notifications of the Government of India.

## প্রথম খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন এত্তি।

## ভারতবর্ষের প্রবর্ণমেন্ট।

### সমর বিভাগ।

### বিচার সম্পর্কীয়।

১১৪৮ নং।—ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সমর বিভাগের ১৮৯৭ সালের ৯ই জুলাই তারিখের ৭৫০ নং বিজ্ঞাপনের অমৃক্রমে এবং প্রীধৃত গবর্ণর জেনরল সাহেবের ১৮৯৫ সালের ৩রা মে তারিখের ৪৬০ নং আদেশে প্রকাশিত বিধি এবং এ পর্যান্ত প্রকাশিত যে সকল বিধির এতদ্বারা প্রকাশিত বিধির সহিত সঙ্গতি না থাকে সেই সকল বিধি রহিত করিয়া মাজিসভাধিন্তিত প্রীয়ৃত গবর্ণর জেনরল সাহেব কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের ১৩ আইনের ২৬ ও ২৭ ধারাম্পারে নিম্নলিখিত বিধিগুলি প্রণয়ন করিলেন এবং এই আদেশ করিলেন যে ইহা রটিশ ভারতবর্ষের অন্তর্গত সকল কান্টনমেন্টে আমলে আনা হয়:—

#### कार्थ निर्दर्भत्मत कथा।

#### )। এই সকল विधिष्ठ—

- (ক) "বাজার' শব্দে দেশীয় সৈনিকদিগের থাকিবার গৃহশ্রেণী ছাডা আর যে সকল জ্বযি ভারতবর্ষবাসা ব্যক্তিদিগের দখলের নিমিত্ত স্বতন্ত্র করিয়া রাখা হয়, সেই জমি বুঝাইবে।
- (খ) ''রেজিমেন্টের বাজার'' এই শব্দম্বয়ে রেজিমেন্টের কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধান কোন বাজার বুঝাইবে।
- (গ) "সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক রোগ" এই শব্দগুলিতে ওলাউঠা, কুষ্ঠ, এন্টেরিক জ্বর, উপদংশ এবং প্রত্যেক সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক পীড়া বুঝাইবে।
- (ছ) "ফ্রিট" লব্দে সাধারণের যাহার উপার চলিবার স্বত্ব আছে এমন প্রত্যেক পথ, রান্তা, গলি, চন্তর, উঠান, যুঁজি, সড়ক, বা ফাঁকা জায়গা বুঝাইবে এবং কোন সরকারা দাঁকো বা ভোলা রান্তার উপার চলাচলের ও হাঁটিবার পথও বুঝাইবে। ঐ সকল পথ প্রভৃতির পুমুখ খোলা থাকুক আর নাই থাকুক কিলা ত হার উপার ইয়ারত থাকুক আর নাই থাকুক ভাহাতে আদিয়া যাইবে না।
- ২। (১) কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষের হাতে যত টাকা থাকে ইাম্পাতাল বা ভিসপেদদ্বিব কথা। তাহাতে যতদূর সম্ভব হয় তিনি ততদূর—
  - (ক) কাল্টনমেন্টের ভিতরেই হউক কি বাহিরেই হউক আবশ্যক সংখ্যক হাঁস্পাতাল বা ডিস্পেন্সরি করিয়া দিবেন এবং রাখিবেন, কিছা
  - (খ) যে সর্ভ করা উপযুক্ত বোধ করেন সেই সর্ত্তে কান্টনমেন্টের অন্তর্গত বা বৃহিভূ ত আপনার অরক্ষিত কোন হাঁম্পাতালে বা ডিসপেন্দিরতে সাহায্য দান করিতে পারিবেন।
- (২) এই বিধি অনুসারে যে সকল হাঁম্পাতাল বা ডিসপেন্সরি রক্ষিত বা সাহায্য প্রাপ্ত হইবে ত'হার প্রত্যেকটিতে সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক রোগাক্রান্ত ব্যক্তিদের চিকিৎসার মিমিত্ত ওয়ার্ড থাকিবে।
- ৩। ২ বিধি অল্পারে রক্ষিত বা সাহায্য প্রাপ্ত প্রত্যেক সাঁস্পাতাল বা ডি.ন.পে দানির ভার এক জন ডাক্তারের হাতে থাকিবে। স্থানীয় গবর্ণযেকী এই ডাক্তারকে কাল্পাতাল বা ডিন পেন্দাবির ভাব যে রকমে নিযুক্ত করিতে বলিয়া দেন তাঁহাকে সেই রকমে নিযুক্ত ডাক্তাবের হাতে থাকিবার কথা।
  করিতে হইবে।
- 8। ২ বিধি অহুসারে রক্ষিত প্রত্যেক হাঁস্পাতাল বা ডিসপেন্সরির জন্য কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯সালের আইনের ২৩ ধারা ক্রমে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি ১৮৮৯সালের আইনের ২৩ ধারা ক্রমে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি কান্টনমেন্ট কণ্ডের উপার যে কর্তৃত্ব জর্পিত হইয়াছে সেই কর্তৃত্বাধীনে জাবশ্যক্ষত অধস্তন সিরেস্তা নিযুক্ত করিতে হইবে।
  - ৫। কাউনমেন্টের কর্তৃপক্ষের হল্তে যে টাকা থাকে ভাহাতে যতনুর সম্ভব হয় তিনি ২ বিধি
    অন্সারে রক্ষিত বা স।হায়্য প্রাপ্ত প্রত্যেক হাঁস্পাতাল বা
    চিকিৎসা সংক্রান্ত গুডার
    - (ক) আবশ্যক সমস্ত ভৈষজ্যদ্রব্য, অন্ত্রানি, সরঞ্জাম ও আসবাব:

- (খ) বে সকল রোগী হাঁম্পোডালে থাকিবে ভাহাম্বে নিমিত্ত উপযুক্ত সংখ্যক খাটিয়া, বিছানা এবং কাপ ড়, এবং
- (গ) আর আর ঘে দক্দ দ্বব্য আবশ্যক হয় তাহা যোগাইয়া দিকেন।
- ৬। ২ বিধি অনুসারে রক্ষিত বা সাহায্য প্রাপ্ত প্রত্যেক ইংস্পাতাল বা ডিস্পেন্দরি মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কিন্তা স্থানীর গবর্ণমেন্ট
  ইংস্পাতাল বা ডিস্পেন্দরি পরিচালনের নিমিত্ত সাণারণ ভাবে
  বা বিশেষ করিয়া যে বিধি প্রণয়ন করেন সেই বিধি অনুসারে
  কিন্তা মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব বা স্থানীয় গবর্গমেন্ট যেরপ উপযুক্ত বোধ
  করেন তদমুসারে পরিবর্ত্তিত ঐ সকল বিধি অনুসারে রক্ষিত হইবে।
- ৭। ২ বিধি অন্নসারে রক্ষিত বা সাহায্য প্রাপ্ত প্রত্যেক হাঁম্পাতাল বা ডিস্পেন্সরিতে
  কাল্টনমেন্টের প্রীড়িত দরিদ্র ব্যক্তিরা, কাল্টনমেন্টেস্থ যে সকল ব্যক্তি
  কাল্টনমেন্টের প্রীড়িত দরিদ্র ব্যক্তিরা, কাল্টনমেন্টেস্থ যে সকল ব্যক্তি
  সংক্রামক বা স্পর্শাক্তামক রোগ ভোগ করিতেছে তাহারা এবং
  কাল্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষের অন্নমোদন সহ অপর যে কোন প্রীড়িত
  ব্যক্তি বিনা ব্যয়ে চিকিৎসিত হইতে পারিবে। এবং তংহারা যদি হাঁম্পাতা ল অবস্থানকারী রোগ্রী
  স্বন্ধপ চিকিৎসিত হয় তাহাহইলে হয় তাহাদিগকে বিনা ব্যয়ে পথ্য দিতে হহবে কিন্তা ভারত্রাপ্ত
  ভাক্তার আদেশ করিলে কাল্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষ যে ইক্ষেল নির্দ্ধারণ করিবেন সেই ইক্ষেল অন্নসারে
  ভাহাদিগকে খোরাকির টাকা দিতে হইবে।

কিন্ত উপস্থিত সময়ে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কর্তৃক দেওয়ানী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রশালী বিষয়ক আইনের ১৮৮২ সংলেব ২১ ৩৩৮ ধারা অহুসারে ডিক্রীয়ত খাতকদের নিম্নতম যে খোরাকির টাকা নিন্দিষ্ট আছে ঐ খোরাকির আইন।
টাকা তাহার অপেক্রা কয় হইবে না।

৮। যে পীড়িত ব্যক্তি ংবিধি অন্নসারে রক্ষিত বা সাহায্যপ্রাপ্ত হাঁস্পাতালে বা ডিস্পেসরিতে

ঠিক প্রবর্ত্তী বিধি অন্নসারে বিনা ব্যয়ে চিকিৎসিত হইবার অন্প
বৃক্ত তিনি কাউন্মেন্টের কর্তৃপক্ষ যে সর্ত নির্দ্ধারণ করা উপযুক্ত

বোধ করেন সেই সর্ত্ত অন্নসারে ঐরপ হাঁস্পাতাল বা ডিস্পেসরিতে চিকিৎসার্থ ভর্তি হইতে পারিবেন।

১। ২ বিধি অনুসারে রক্ষিত বা সাহায্যপ্রাপ্ত কোন হাঁস্পাতাল বা ভিস্পেন্সরির ভারপ্রাপ্ত যে দকল গাজি সংক্রামক বা স্পর্শা কারণ থাকে যে কাজনমেন্ট নিবাসী কোন ব্যক্তি সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক ব্যাপ্তিকে উপস্থিত হইপাব নিমিন্ত বিশ্ব। রোগ ভোগ করিতেছে তাহাইইলে তিনি তকসালের নির্দিষ্ট কারমে ইন্স্পাভালে বা ভিস্পেন্সবিতে থাকিবাব কিশ্বা তদন্তরূপ কোন কারমে লিখিত ন্রটিস দিয়া ঐ ব্যক্তিকে

নিমিত্ত আদেশ কৰিবাৰ ক্ষমতাৰ কথা।

ঐ স্টিসের নিৰ্দিষ্ট সময়ে ইাস্পাভালে বা ডিস্পেন্সবিতে উপস্থিত

হইবার নিমিত্ত আদেশ করিবেন এবং প্রয়োজন হইলে পরীক্ষা করিয়া ঐ ব্যক্তি প্রকৃত পক্ষে ঐ রোগ ভোগ করিতেছে না কিছা এখন আর ভোগ করি তেছে না ভারপ্রাপ্ত তাক্তারে যদি এই প্রভাতি না হয় ভাহা হইলে এবং যভক্ষণ ঐ প্রভাতি না হয় ত তক্ষণ বিনা অভ্যয়তিতে হাঁম্পাতাল বা ডিন্পে দারি ছাতিয়া না ষাইবার নিমিত্ত আদেশ করিবেন।

কিন্তু রোগের প্রকৃতি এবং রোগগ্রন্থ ব্যক্তির অবস্থা এবং ঠাগার সাধারণতঃ চারিদিকের অবস্থা বিধেচনায় স্থারপ্রাপ্ত ডাব্রুলারের যদি এরূপ বাধ করেন যে ঐ ব্যক্তিকে ইাম্পাতালে বা ভিদ্পোধারতে হাজির করান যুক্তিসঙ্গত নহে তাগা হইলে তিনি ঐ ব্যক্তিকে হাজিরা হহতে যুক্তি দিতে পারিবেন এবং ষেদ্ধপ উপায় অবসন্ধন করা এবং আদেশ দেওয়া উপযুক্ত বোধ করেন সেইক্লপ উপায় অবসন্ধন করা এবং আদেশ দিতে পারিবেন।

১০। ২ বিধি অনুসারে রক্ষিত বা সাহাযাপ্রাপ্ত কোন হাঁম্পাতাল বা ভিস্পেন্দরির ভাক্তার

যদি কান্ট্রমেন্টের কমাভিং আপিসরের নিকট লিখিয়া এই কথা

রপোর্ট করেন যে কোন ব্যক্তিন বিধার বিধানাম্বায়া মৃটিস

পাইয়া ইাম্পাতাল বা ভিস্পেন্দরিতে হাজির হইভে অস্বাকার

করিয়াছেন কি হাজির হন নাই কিবা ঐ ব্যক্তি ইাম্পাতালে বা ভিস্পেন্দরিতে হাজির হইয়া ঐ
ভাক্তারের বিনা অনুসভিতে হাঁপোতাল বা ভিস্পেন্দরি ছাভিয়া গিয়াছেন তাহাহইলে কমাভিং

আপিদর যুক্তিসঙ্গত বিবেচনা করিদে নিধিত আদেশ প্রদান করিয়া ঐ ব্যক্তিকে ২৪ ঘণ্টার

মধ্যে কাউব্যেক্ট ছাভিয়া যাইকে আজ্ঞা করিতে পারিবেন এবং তাঁহার লিখিত অমুমতি বিনা এ

১৪ ঘন্টার অধিক কাল কান্টনমেন্টে খাকিতে কিম্বা কান্টনমেন্টে কিরিয়া আসিতে নিষেধ করিতে পারিবেন।

১)। কান্টনমেন্টের কর্ত্তপক্ষ লিখিত ছটিস দিয়া কান্টন-বেশ্যা বা বেশ্যালয় স্থানাগুৰিত ক্বণের **4**90 1 মেন্টের মধ্যে কিম্বা কাউমেন্টের কোন নির্দ্ধিষ্ট অংশে—

- (ক) বেশ্যালয় রাখা, কিন্তা
- (খ) কোন প্রকাশ্য বেশ্যার অবস্থান নিষেধ করিতে পারিবেন।

প্রকাশ্য বেশাদিগকে বেভিমেটের बाबाद इक्ट छाड़ाईवाद कथा।

১২। কোন প্রকাশ্য বেশ্যাকে কার্টনযেন্টের মধ্যে অবৃদ্ধিত दिक्तियर के देवा विकास के विकास के विकास के दिल्ला के दि

১৩। কোন ব্যক্তি কাউনমেন্টের সীমামধ্যম্ব কোন রান্তায় বা অবৈধ মৈথুনেব নিমিত্ত দাঁড়াইয়া থাকা প্রকাশ্য ছানে বেশ্যার্ভির নিমিত্ত দাঁড়াইয়া থাকিবে না কিছা কি অনুরোধ কবা নিবিদ্ধ হইবার কথা। অবৈধ মৈথুনার্থ কোন ব্যক্তিকে অব্বান করিবে না।

কিন্তু যে ব্যক্তিকে আহ্বান করা হয় সেই ব্যক্তি কিন্তা কাউনমেন্টে নিযুক্ত এবং কাউনমেন্টের ক্যাভিং জাকিসর কর্তৃক এভদর্থে বিশেষরূপে ক্ষমতা প্রাপ্ত রুটিশ মিলিটরি পুলিস দলের কোন ব্যক্তি ১৮৮৯ সালের ১৩ কিয়া কাউনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইনের অর্থমত কোন আপিসর নালিশ না করিলে কোন আইন। ব্যক্তি এই বিধি ডল্পের জন্য অভিযুক্ত হইবে না।

#### দভের কথা।

দণ্ডেব কথা।

#### **১৪। কোন ব্যক্তি**—

- (ক) ১০ বিধি অনুসারে ভাহাকে কাউনমেন্টে থাকিতে কি কাউমেন্টে পুনরায় প্রবেশ করিতে নিষেধ করা গেলেও কমাণ্ডিং আপিসরের লিখিত অহুমতি বিনা কান্টনমেন্টে থাকিলে কিম্বা কান্টনমেন্টে পুনরায় প্রবেশ করিলে, কিম্বা
- (খ) ১১ বিধি অভ্যায়ী স্থাটিদ অভ্নারে কার্য্যনা করিলে, কিম্বা
- (গ) ১৩ বিধি ডঙ্গ করিলে—

তাহার পঞ্চাশ টাকা পর্য্যন্ত অর্থদণ্ড কিম্বা ৮ দিন কাল পর্য্যন্ত কারাদণ্ড হইতে পারিবে।

১৫। যে ব্যক্তি ঠিক পূর্ববর্ত্তী বিধির (ক) ও (গ) দফাম্সারে দণ্ডনীয় কোন অপরাধ করেন কিম্বা করিয়াছেন বলিয়া অভিযুক্ত হন কাউনমেটে নিযুক্ত विना उद्योदवर्ष्ट (ब्रह्मादवर कथा। পুলিস দলভুক্ত যে কোন ব্যক্তি তাঁহাকে বিনা ওয়ারেটে গ্রেফ্টার করিতে পারিবেন, কিন্ত —

- (/o) অভিযোক্তা বা গ্রেক্তারকারী কর্মকারী যে ব্যক্তির নাম ও ধাম জানেন সে ব্যক্তিকে ঐরূপে গ্রেফ্রার করা হইবে না।
- (do) যে ব্যক্তি তাঁহার নাম ও ধাম দিতে স্বীকার করেন সেই ব্যক্তি যে নাম ও ধাম দিলেন তাহা অপ্রস্কৃত এইরূপ সন্দেহ করিবার যুক্তিসঙ্গত হেতু না থাকিলে তাঁহাকে ঐরপে গ্রেফ্টার করা হইবে না। নাম ও ধাম অপ্রক্লত বলিয়া সন্দেহ করিবার যে যুক্তিসঙ্গত হেতৃ আছে ইংগা প্রমাণ করিবার ভার গ্রেম্ভারকারী কর্মচারীর উপর গাকিবে।
- (১০) যে ব্যক্তিকে এইরপে গ্রেফ্টার করা হয় তাঁহার নাম ও ধাম নিনীত হইবার পর তাঁহাকে আর আটকাইয়া রা**খা** হ**ইবে না**।
- (৷৽) যে ব্যক্তিকে এইরূপে গ্রেফ্টার করা হয় তাঁহাকে মাজিফ্টেটের আদেশ ভিন্ন মাজিস্টেটর সম্মুখে উপস্থিত করিবার নিমিত্ত যে সময় আবশ্যক হয় তাহা অপেক্ষা বেশী সময় আটক করিয়া রাখা হইবে না ৷ এবং

(।৴৽) (ক) যে ব্যক্তিকে আব্দান করা হয় তাঁহার কিন্বা কাউনমেউ বিষয়ক ১৮৮১ সালের আইনের অর্থান্থযায়ি যে আপিসরের সাক্ষাতে নিয়মভল করা হয় তাঁহার অমুরোধক্রমে না হইলে, কিম্বা

(খ) কান্টনমেন্টে নিযুক্ত এবং কান্টনমেন্টের কমাণ্ডিং আপিসরের নিকট হইতে এতদর্থে বিশেষরপে ক্ষমতাপ্রাপ্ত রটিয় মিলিটরী পুলিদ দলের যে ব্যক্তির সাক্ষাতে নিয়মভঙ্গ করা হয় সেই ব্যক্তি কর্তৃক কিছা তাঁছার অহ্নরোধক্রমে ন ব্ইলে-

১৩ বিধিভঙ্গের নিমিত্ত কোন ব্যক্তিকে এইরূপে এেক্টার করা যাইবে না।

१४४० मार्टनर ३०

আ ইন ৷

• ज्क्मीन।	
o <del>e</del> n-r r	
( > विश्व (मथ )	•
	প্রতি ।
ভোমাকে এই হৃটিস দেওয়া ঘাইতেছে বে ১৮৯৭ সালের	ইভিয়া গেজেটের ১ খণ্ডের——
পৃষ্ঠায় প্রকাশিত কাউনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮১ সালের ১৩ আইনাত্স	ারে প্রণীত বিধির ১ বিধি ক্রসারে
তোমাকে এই আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি ১৮৯ সালের —	—— মাসের —— দিবসে
বকায়	হাজির হইবে এবং ভার-
প্রাপ্ত ডাক্তারের যদি এইরূপ প্রতীতি না হয় যে ভূমি প্রকৃত পক্ষে	কোন সংক্রামক বা স্পর্শাক্রামক পীড়া
অর্থাৎ————————————————————————————————————	া কিম্বা একণে আর ভোগ করিভেছ
না তাহা হইলে এবং যডক্ষণ না প্ররূপ প্রতীতি হয় তডক্ষণ ঐ ডাক্তারে	রর অভ্যতি বিনা <u>হাজ্যা</u> ভিন্পেলাবি
वारेट्य ना ।	
	व
	ভারপ্রাপ্ত ডাক্তার।
দেবিশ্ব	

পি, জে, মেটলাণ্ড, মেজর জেনরন্ন, ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



## गवर्गायके (गाउन्हे।

TUESDAY, NOVEMBER 2, 1897.

## यञ्चलवात्र, ১৮৯१ माल २ नद्वत्रत्र।

PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### JUDICIAL DEPARTMENT.

#### NOTIFICATION-No. 1184J.D.

The 25th October 1897.—It is hereby notified for general information that, under section 2 of Act II (B.C.) of 1867 (an Act to provide for the punishment of public gambling and the keeping of common gaming, houses), the Lieutenant-Governor authorises the extension, from the 1st November 1897, of the provisions of the said Act to the town of Nabadwipa, in the district of Nadia.

C. W. Bolton,
Chief Secy. to the Gost. of Bengat.

#### वक्राम्ता और लालिया निर्मा भारति वार्षा विकास विकास विकास ।

## कुष्टिमान ष्टिशाउँ यन्छ ।

১৮১৭ সাল ২৫এ অক্টোবর। সাধারণের অবগতির নিষিত এতন্থারা এই সংবাদ দেওরা যাই-তেছে যে বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেই গবর্ণর সাছেব সামান্য দুফ্তক্রীভার এবং সাধারণ দ্যুতগৃহ রাখিবার দণ্ডবিধায়ক ১৮৬৭ সালের বঙ্গীয় ২ আইনের ২ ধারাস্সারে ১৮১৭ সালের ১লা নবেছর ্মতারিখ হইতে উক্ত আইনের বিধান নদীয়া জিলার অন্তর্গত নবধীপ নগরে প্রচলিত করিবার জন্মতি দিলেন।



# গবৰ্মেণ্ট গেজেট

TUESDAY, NOVEMBER 2, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২ নবেশ্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

लाहेंस था ।

ই**শ্ভিহার এভৃ**তি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইন্তিহার নামা কাছারি কলেক্ট্ররী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাদ্বারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারিখের অনাদায় ১০০ টাকার ঊর্দ্ধ জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ তালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিন্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ খারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

	মৌজা, থানা. মহাল ও ডালুকাব নাম।		সদর জমা।		বাকী।				
জ্বিক তালুকাব নগব। নগব।		মালিকেব নাম।	শঙ্গানা।	( <b>5</b> 5	খাকানা।	(১৮।	মোট।	मच्डना ।	
	9	٥	8	(		,	er	2	5.
3	\$0508 \$0508	মেজি বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।— তাং আহাম্মদ আলী ও মাহাং ইছপ ও কোর্বান আলী ও আজগর আলী ও শ্রীমতী হুরবিবি।	জব্বার আলী সদাগর জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা খাতৃন ও করিমন্দ্রিচা পক্ষে হিং হারল হক্ ও আছফা খাতৃন, নেজা- মত আলী চৌধুরী ও মনীন্দ্র চন্দ্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবত্বল রহমান ও নেজামত আলী ও আবঙ্গল হাকিম স্বয়ং তৎ নাবালেগ ভাতা আলামিঞা ও ইচুমাইল হিতিমী উক্ত		₹७७।∕७	৩৬  ৵৯	<b>3</b> ⊌II•⁄•	6012	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### জিলা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবৰ্ণ-মেন্টের যে মালিকিন্দত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিশামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালৈক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ত্তিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় ইইবেক।

খরিদারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ক্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্ক্ত।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের থে উচ্চ মূল্য নিদ্ধিন্ট করেন তাহার উপার যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক অরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং থে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরন্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবেক খরিদারগণ শতকরা ২৫) টাকা হারে আখরাজাত খরছ অরপে সদর রাজস্ব বাদ পাইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবশুের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ন অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্রমক প্রজ্ঞা দ্বারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খ্রিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার উর্দ্ধ হইলে দত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্কোপনক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

েতীব্দিব নপ্ৰ ।	মহাল ও প্ৰগণাব নাম।	্ভগ্লির ভান মানিক			: : গ্ৰণ্ <b>মেণ্টেব</b> : বাঞ্জ থাজা :ধাংঃ জইযা <b>ছে</b> ;			আশ্বাজাত থবচ সকপে সদৰ বাজস্ বাদ।	মভৰঃ
7	₹		ıσ			. s		à.	*>
		· <b>s</b> i:	١٩١:	গো:	ថ្ង	আঃ	প্ৰা:		
3000	আনন্দচন্দ্র গড়গড়া পরগণ	२१	0	ú	٢٠٠	0	3	শতকরা ২৫,	
	ভূলুয়া।	1			:			টাকা হারে।	
2022	এ এ দ্বিতীয় খণ্ড	9	•	•	₹8	0	0	(a)	
<b>५८</b> ७८	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা	७१	0	•	. DB	4/	હ	4	
	ऋम्बेश।								
268€	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা	7	0	0	2	11	0	Ġ	
	রামভন্ত চক্র ।	' '			t				
2479	চণ্ডিপুর রাস্তা	3	0	0	3	0	o	0	

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে দাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিন্ত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার দময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ।

	<b>ર</b>	હ	8	¢	8	٩	ь	<b></b>
ভৌ <b>লি</b> র নথর।	মহাল ও প্রগণার নাম ।	সম্পূৰ্ণ মঙালেব সদৰ জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্ৰ অংশ বিক্ৰয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে ভাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয ছইলে ঐ অং- শেব সদর ক্ষমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাধী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে তাহা বাকী।
२०२ ১०১१ ১२৮२	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তংমোং গারাজীয়া বাং তং মজত রাম হাজারি।		সম্পূর্ণ মহান বিক্রী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবহুল ফর্ত্তা খাঁ শ্রীদাহ মিঞা গং।		oo ho/o	
७७• २२• <b>৯</b> ১ <b>१</b> 8०	তরফ মোজে লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।		હો		শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীআবহুল কর্জা থাঁ গং।		७३৮॥ /२	
<u>७७१</u> १८० १ १८० १	~		· j		শ্রীদেখ হাবিব আহা শ্বদ চৌং জাং তৎ পিতা মকবুলআলী চৌং পক্ষে।	-	86119	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

টিকা।---যে ন্দ্রলে উপাবেং লিখত বর্ণনাপত্তের ৫.৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া শিখিত আছে দেই ন্দ্রলে ইছা ব্যারতে ছইবে যে এ অংশে নিমিত্ত স্বতন্ত্র ভিসাব রাশা চইয়া থাকে ও মছালেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না

Chittagong Collectorate,

The 24th September 1897.

F. P. DIXON,
For Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।--ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাদ্বারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের অনাদায় ৫০, টাকার ঊর্দ্ধ জমার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী ধাজনা ও ছেছু আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে সেই দমস্ত ভালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মমতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

<b>ক্ৰ</b> মিক		মৌশা খানা, মহাল ও	-Marie and the second	अफ़्द ड	put			ম্ভব্য	
मभ्र ।	তপুকার নম্বর।	তালুকাব নাম।	মালিকেব নাম।	খান্তানা।	<b>ছে</b> ।	খাঙ্গালা।	ছেছ	মোট।	भस्ता
<b>3</b>	2	v	8	α	•	9	ь	2	>•
3	768P 4PP 50PdP 8PJP	মোজে জুজখনা থানা ফটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি খাঁ, হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর রহমান ই ও মেহের আহি	1	<b>১</b> ৬৬4°	رفاها	دلااون	. ବଓ ବାଧ <b>ଓ</b>	

The 22nd September 1897.

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, tor cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native aruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and tweive annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### দ্ববন্ধ সিনকোনা।

কলিকাডাস্থ বোটানিকাল গাডনের স্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেভেন্টের নিকট গবর্ণ **যেন্টের** কর্মচারি**গণ এবং অপ**র কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিত খুলের ভবত্ব সিনুকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔস টিন ২।।। টাকায়, আট ঔস টিন ৫১ টাকায় ও এক পৌঙ টিন ১০) টাকায় পাইবেন। সর্অসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেওক্টের নিকট নগদ মূল দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চাল্লি ঔপা চিন ৩) টাকায়, আট ঔপাটিন ৬২ টাকায় এবং এক পৌও চিন ১২) টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেডাগণ্ও এই केषध विक्रम कविमा शास्क्रम । छेशादाक श्रद हाजा हाति खेल हित्य । . जाहे खेल हित्य । । ও এক পৌঞ্জ টিনের দক ডাক মাস্থল দিতে হইবে।

বঙ্গদেশের গ্রন্থেতের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুল্য হইবে,যথা—

১ এক পোও টন ১৮) বা ডাক মাণ্ডল সমেত ১৮৭০

।। व्यास ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,

1 阿存 ,, ,, 811· ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কৃইনাইন অতি বিশুদ্ধরণে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিম্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাভার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া যাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengah Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

... 10 0 0 per annum Entire Gazette 2 Postage 8 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette 0 0 ... ... Postage 0 0 1 ••• Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets or ... with additional anna for an charge of 1 every 4 sheets in excess

Postage ... 0 1 0

The same rates as those of the mutassal, with the exception of the charge for postage E. N. Baker.

Offa. Under-Secretary to the Wort of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ভাকমাস্থল এই অধ্যান্ত লিখেতি হাবে অগ্রিম দিতে হইবে:—

होका। यकः मटन मन्त्रुन (शटक हे 5R 25 10-<u>ডাকমাম্ব</u>ল ৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড ( যাহাতে কারতব্যের ও বঞ্চ-দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন ও আইনেন পাণ্ডলিপি থাকে ৷ ভাক্ষামূল 50 দ্রার একখানি গেজেটের মল্য .. ডাক্মাসুল ও ৪ ৪ ৫ ৫ ৬ ৫ ৩ ( প্রভ্যেক ৪ পৃষ্ঠা বা ভাষার ন্যুন সংখ্যক পৃষ্ঠার মূল্য) / । ४ भूकेख छेरु व विधिक इस 300 ভাহার

ভাছার **এতে**। ৪ পৃ**টা** প্রতি জার একং আন।।

#### ক্ৰিকাডায় ৷

কলিকাডায় ও মঞ্চললে সমান মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাক্যাপ্সল লাগিবে না।

ডাকমান্ত্ৰ

इ, अब, ध्वकात ।

्क मिए व गर र्श्या के बक्षि हो ।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Rs. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in radia will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of hic country-Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDE., GOVE. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies fo the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazette-, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remuted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Benyal.

12/h December 1882.

NOTE - Rates of advertisements in the CALCUTTA GAZETTE

	age, per issue	• •••	***	•••	Rs. 20
Half		***	***		10
	Cusnal ad	vertisem <b>en</b> t-	-4 ann <b>a</b> s pe	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই গেজেট ্দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বেন্দাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রহনিটের কায্যালয় কিন্তা গ্রহনিটে কর্তৃপক্ষদের কন্তৃত্বাধীন কায্যালয় ভিন্ন ক্যেভি ব্যঞ্জাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তিমিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে ছপ. রোক্ত ফার্য্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশডিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা মাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেণিট বাদ দিবার জ্ঞান্যে টাকার উপর আরে ৴৽ এক বানা পাঠাৰতে হইবে।

সি. ডবলিউ বল্টন,

বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের ছোট সেক্টেরী:

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য - কলিকাতা গেলেটে ইণ্ডিছার প্রকাশ করিব	র হার এইব।				B1€1·
প্ৰা এক পূজা একং বার প্রকাশ করণের	•••		•••		200
कार श्का	•••	***			>
ক্ষম কংম ইশ্চিম্র অকাশ করিতে ইউটে	र कर गैरिक		***	*	1.0

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., I.L.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy. may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### वाकान मिटकोतिसारे वक्षानस विकशार्थ पारह ।

বারিফার-অটা-লা ও ঐীশ্রীয়তীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্টিই ও সেশন জ্ঞক ও রেন্ট কমিশ্যনের যেম্বর, ইনর টেম্পলের জীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি माह्यदात अनी ७ वक्रामर मेत्र और अपनिवास गरिय माह्यदात मामनाशीन अरमर मत्र अग्रिकाती र প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুল্কক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেটিটান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইৰার খরচ।৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন : মন্তব্য।—উক্ত পৃস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপলকে বল্পদেশের মান্ত্রসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পানেড ওয়েষ্ট টৌন হালের হাভায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণযেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাপের আপিনে রেক্সি-ক্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুস্তক কলিকাভার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে ক্রয় করিতে পাওয়া ষায়।

কলিকাতা থোনিভেন্সী কেল যন্ত্ৰালয়ে গ্ৰেপমেন্টের জন্য জেম্ন পেটা সাহের কর্তৃক মুক্তিত ও প্রকাশিত ছইল ।





# गवन्यन् (शदलि

TUESDAY, NOVEMBER 9, 1897.

# यक्रलवांत, ১৮৯१ माल ৯ नत्वन्तर ।

CONTENTS.		1	
	PAGE.	নিৰ্ভ ।	
PART I Resolutions, Orders and Notifica-			श्रुष्ठा ।
tions of the Government of India	8990	প্রথম খণ্ড।—ভারতবরীর গ্রন্থেটর মির্ছারণ	
PART II.—Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	r>->·
tions by the Lieutenant-Governor		বিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের নির্ছারণ,	
of Bengal	Nil.	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	माई।
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		বিতীয় ক খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রেপনেটের আদেশ	e4-64
nor of Bengal	89-93	ভতীয় খণ্ড।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত	
PART III Acts of the Legislative Council of		. जारेन	নাই।
India	Nil.	চতুর্ব বও।—ভাবতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের	
PART IV Bills of the Legislative Council of		পাতুলিপি	মাই।
India	Nil.	প্রুম বন্ত। বন্ধীয় ব্যবস্থাপক সম্ভার প্রণীত আইন	2-50
PART V Acts of the Bengal Council	9-13	वर्ष्ठ थ्र । वक्षीय वावन्द्रां भक्षा काहेरमत	-
PART VIBills of the Bengal Council	Nil.	পাতৃলিপি	নাই।
PART VIICircular Orders by the High		সম্ভম খণ্ড।—হাই কোটের ও রেবিনিট বোর্ডের	, ,
Court and Board of Revenue	Nil.	সাধাৰণ জ্ঞাপনপত্ৰ	माई।
	<b>3</b> —562	অটুম খণ্ড ৷—- উশ্তিহার প্রভৃতি	110-16
Supplement	Nil.	পরিশিষ্ট গ্রব্থেটের গেলেট	শাই

#### PART I.

Resolutions, Orders and Notifications of the Government of India.

# প্রথম খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন অভৃতি।

#### GOVERNMENT OF INDIA.

No. 2327, dated Simla, the 23rd October 1897.

NOTIFICATION-By the Government of India, Home Department.

WHEREAS cases of plague have occurred in Kankhal and in the neighbourhood of Hardwar, and there is consequently danger of an outbreak at Hardwar if large numbers of persons assemble there:

In exercise of the powers conferred by section 2, sub-section (1) of the Epidemic Diseases Act (III of 1897), the Governor-General in Council is pleased to direct that no tickets to travel by railway to Roorker, Landhaura, Lhaksar, Pathri, Jawalapur and Hardwar shall be sold from the 23rd day of October 1897 till the 16th day of November 1897.

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট।

২৩২৭ নং। সিমলা, জারিখ ২৩ এ অক্টোবর ১৮৯৭ সাল।

#### ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের বিজ্ঞাপন।

যেহেতু কনখলে এবং ছরিম্বারের নিকটবর্ত্তী স্থানে কোন কোন ব্যক্তি মড়কাক্রান্ত হইয়াছে, স্থতরাং হরিম্বারে অধিক সংখ্যক লোক একত্রিত ইইলে সেখানে মড়কের প্রাপ্ততাবের আশঙ্কা আছে,

অতএব মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ত আইনের ২ ধারার (১) প্রকরণাভ্নারে প্রদেভ ক্ষমতা পরিচালন পূর্বক এই আদেশ করিলেন যে ১৮৯৭ সালের অক্টোবর মাসের ২৩শ দিবস হইতে ১৮৯৭ সালের মবেম্বর মাসের ১৬শ দিবস পর্যান্ত রেল পথে রুড়কি, লক্ষোরা, লাক্সর, পাখ্রি, জওয়ালপুর, এবং হরিদ্বার ঘাইবার টিকিট বিক্রয় করা যাইবে না



# गवर्णयाने (शदलहै।

TUESDAY, NOVEMBER 9, 1897.

# यक्रनवात्र, ১৮৯१ मान ৯ नदवन्तर।

PART IIA.

Orders by the Licutement-Governor of Bengal. দিতীয় ক খণ্ড। ব্যাদেশের গর্থমেক্টের আদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 1208 T.M.—The 27th October 1897.—Whereas a notification No. 3646S., dated the 13th July 1897, was published at page 170, Part IB of the Calcutta Gazette of the 14th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 1 to 8, 10 to 12 and 26 to 33 of the Bengal Vaccination Act, V of 1880, as amended by Act II of 1887, to certain places in the Rampur Hât subdivision of the district of Birbhum, within the limits noted below, and whereas no objection has been raised to the proposal within six weeks from the date of the publication of the above notification within the places referred to, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 1 of Act V of 1880, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the aforesaid sections of the Act to those places, viz., Rampur 11ât, Khalasıpara, Bogtoi, Kalisara and Brahmanigram—

Bounded on the-

North.-By the Railway Volunteers' Rifle Range and the Dighi tank.

South .- By the Shanghata stream.

East.—By the western boundaries of villages Dakhalbati, Benegram, Khanpura and Kumedda.

West .- By the eastern boundary of village Srifala.

II. H. RISLRY,
Secy. to the Goot. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 1252T.M.—The 29th October 1897.—Whereas a notification No. 41 42M., dated the 9th August 1897, was published at page 193, Part IB of the Calcutta Gazette of the 11th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to confirm the rules set forth below, which were framed by the Commissioners of the Barisal Municipality, in the district of Backergunge, under section 8, Act XX of 1887, for the protection of wild birds and game within the limits of the above Municipality, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified that the said rules are confirmed by the Lieutenant-Governor under clause 4, section 3 of the Act, and are published for general information, under clause 5, section 6 of the General Clauses Act I of 1887:—

Rules under Section 3 of Act XX of 1887 for the Barisal Municipality.

Rules.

- 1. "Wild birds" for the purposes of these rules shall include jungle-fowl, pea-fowl, partridges, quail, plover, whistling teal, painted snipe, cotton teal and every bird killed for the sake of its plumage.
- 2. The Local Government having by notification declared that the provision of section 3, Act XX of 1887, shall apply to hares and deer, the following rules will apply to those animals as well as to wild birds.
- 3. The breeding season for the purposes of these rules shall extend from the 1st April to the 30th September.
- 4. Whoever during the breeding season has in his possession within the limits of the Municipality of Barisal any wild bird, deer, or hare, recently killed or taken or exposes for

#### বঙ্গদেশের শ্রীযুক্ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

১২০৮ টি, এম নং।—১৮৯৭ সাল ২৭এ অক্টোবর।—১৮৮৭ সালের ২ আইনের দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশে গোবীজে টিকাদান বিষয়ক ১৮৮০ সালের ৫ আইনের ১ ছইতে ৮ পর্য্যন্ত, ১০ ছইতে ১২ পর্যন্ত এবং ২৬ ছইতে ৩৩ পর্য্যন্ত ধারার বিধান বীরভূম জিলার অন্তর্গত রামপুরহাট মহকুমার অন্তর্গত কোন কোন স্থানে নিম্নলিখিত সীমার মধ্যে প্রচলিত করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ১৬ই জুলাই তারিখের ৩৬৪৬ এস্ নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১৪ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ১৭০ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উল্লিখিত স্থান সমূহে প্রকাশিত ছইবার তারিখ অবধি ছয় সপ্তাহের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগতির নিমিক্ত এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি ১৮৮০ সালের ৫ আইনের ১ ধারাক্রমে প্রদক্ত ক্ষমতান্ত্রসারে কার্য্য করিয়া উক্ত আইনের প্রের্জক ধারাগুলি ঐ সকল স্থানে অর্থাৎ রামপুরহাটে, খালাসিপাড়ায়, বগটেয়ে, কালিসারায় এবং ব্রাহ্মণীপ্রামে প্রচলিত করিবার অন্থ্যতি দিলেন ঃ—

উত্তর সামা।—বেল ওয়ের বল িটায়রদের চাঁদমারি লক্ষ করিবার স্থান এবং দিঘী পুক্ষরিণী।
দক্ষিণ সীমা।—সান্যাটা নদী।
পূর্ব্বসীমা।—দখলবাটা, বেণেগ্রাম, খাঁপুরা এবং কুমেদ্দা গ্রামের পশ্চিম সীমা।
পশ্চিম সীমা।—জীকল গ্রামের পূর্ব্ব সীমা।

এচ্, এচ্, রীসন্সি, বন্ধদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরী।

#### বিজ্ঞাপন।

১২৫২ টি. এম্ নং ১৮৯৭ সাল ২৯এ অক্টোবর।—বাখরগঞ্জ জিলার মন্তর্গত বরিশাল মুমিসিপালিটির সীমার মধ্যে, বন্যপক্ষী ও শীকারোপযোগী পশু রক্ষা করণার্থ উক্ত মুমিসিপালিটির কমিশনরগণ কর্তৃক ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারামতে প্রণীত মিশ্রপর্শিত বিধি দৃঢ় করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৯ই আগন্ট তারিখের ৪১৪২এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১১ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ১৯৩ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুমিসিপালিটিতে প্রকাশিত হইবার তারিখ হইতে এক মাসের মধ্যে, উক্ত প্রস্তাব কাম কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে উক্ত বিধিগুলি শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব কর্তৃক উক্ত আইনের ৩ ধারার ৪ দফাক্রমে দৃঢ়ীক্বত হইল এবং সাধারণের অবগত্যর্থে সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ১ আইনের ৬ ধারার ৫ দফাত্বসারে প্রকাশিত হইল :—

বরিশাল মুনিসিপালিটির নিমিত্ত ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারাভ্নারে প্রণীত বিধি ৷

#### विशि ।

১। এই ২ বিধির কার্যা পক্ষে "বন্য পক্ষী" শব্দে বন্য কৃক্টু ময়ুর, ভিতির পক্ষী, বটের পক্ষী, টিটির পক্ষী, সিস দেওয়া বালহাঁস, রঞ্জিত কাদা খোঁচা, তৃলা বালহাঁস, (কটন্টিল্) এবং যে সকল পক্ষীকে পালকের জন্য মারা হয় সেই সকল পক্ষীও বুঝাইবে।

স্থানীয় গবর্ণমেক্ট বিজ্ঞাপনক্রমে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ও ধারার বিধান খরগোস ও হরিণের প্রতি বর্ত্তিবে, এই আদেশ করায় নিম্নলিখিত বিধি যেরূপ বন্য পক্ষির প্রতি বর্ত্তে সেই রূপ ঐং জন্মর প্রতিও বর্তিবে।

- ৩। এই২ বিধির কার্য্যপক্ষে প্রসব করিবার ঋতু এপ্রিল মাদের ১ তারিখ হইতে সেপ্টেম্বর মাদের ৩০ তারিখ পর্যান্দ্র ব্যাপ্ত হইবে।
- ৪। প্রদাব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে বরিশাল মুনিসিপালিটির সীমার মধ্যে কোন ব্যক্তির নিকট সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন বন্য পক্ষী, হরিণ, বা খরগোস থাকিলে কিয়া কোন ব্যক্তি জাবিত

sale any such bird or animal, living or dead, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.

- 5. Whoever during the breeding season imports into the town the plumage of any kind of wild bird, recently killed or taken or the fur or skin of any hare or deer recently killed or taken, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for the plumage of every such bird or the fur or skin of every such hare or deer.
- 6. In the case of a second conviction the fine may extend to Rs. 10 for each such hird, hare, deer, plumage fur or skiu.
- 7. All birds, plumage, fur or skin, &c., in respect in which a conviction has been had under Rules 4, 5 and 6 shall be conficated.
- 8. A reward, not exceeding half the fine imposed and realised under Rules 4, 5, and 6, may be granted by the adjudicating Magistrate to any person who has afforded information leading to a conviction for a breach of any of the above sules.

H. H. Rislay, Secy. to the Gent. of Bengal, বা মৃত তদ্রপ কোন পক্ষী বা জন্ধ বিক্রমার্থে দেখাইলে প্রত্যেক পক্ষীর বা জন্তর নিমিত্ত তাহার e, পাঁচ টাকার অনধিক অর্থ দণ্ড হইতে পারিবে।

- ৫। কোন ব্যক্তি সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন প্রকার বন্য পক্ষীর পালক কিছা সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন খরগোসের বা হরিণের লোম বা চর্ম প্রসব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে সহরে আমদানী করিলে তদ্রপা প্রত্যেক পক্ষীর পালকের কিছা তদ্রপা প্রত্যেক খরগোস বা হরিণের লোমের বা চর্মের নিমিন্ত তাহার ৫, টাকার অনধিক অর্থনিও ইইতে পারিবে।
- ৬। দ্বিতীয়বার অপরাধ প্রমাণ হইলে ঐক্নপ প্রত্যেক পক্ষী, খরগোস, হরিণ, পালক, লোম বা চর্মের নিমিক্ত ১০, টাকা পর্য্যন্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ৭। যে সকল পক্ষী, পালক, লোম ও চর্ম প্রভৃতি সম্বন্ধে বিধির ৪,৫,৬ ধারামতে অপরাধ প্রমাণ করা হইয়াছে তাহা জব্দ হইবে।
- ৮। উপরোক্ত বিধির ৪,৫,৬ ধারা লক্তান জন্য অপরাধ যাহাতে প্রমাণ হয় এমত সন্ধান বে ব্যক্তি দেন, বিচারকারী মাজিস্টেট উক্ত কএক ধারামতে যে অর্থনণ্ড ধার্ঘ্য হইয়া আদায় করা থায়, ভাহার অর্থেকের অন্ধিক তাঁহাকে পুরস্কার দিতে পারিবেন।

এচ্, এচ্, রীসলি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরা।





# গবর্ণমেণ্ট গেজেট।

### गङ्गनवात. ১৮৯१ मान ১ न्रवश्त ।

### পঞ্চম থণ্ড।

বন্ধীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত আইন।

# বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্ট।

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত বন্ধদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের প্রনীত নিম্নলিখিত আইনটী ১৮৯৭ সালের ৭ই সেপ্টেম্বর তারিখে শ্রীযুত মান্যবরের সম্মতি লাভ করায় এবং ১৮৯৭ সালের ৫ই অক্টোবর তারিখে মহিমবর শ্রীযুত রাজপ্রতিনিধি ও গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্ত্বক অন্যোদিত হওয়ায় সাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্বারা প্রকাশিত করা গেল।—

ছোট নাগপুরের পরিবর্ত্তিত বন্দোবস্ত বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইন।

সূচীপত্র ।

# প্রথম অধ্যায়।

#### मूहना ।

ধারা।

- ১। সংক্ষিপ্ত নাম, ব্যাপ্তি ও আরভের কথা।
- ২ । রহিত ছইবার কথা।
- ৩। অর্থ নির্দেশের কথা।

### দ্বিতীয় অধ্যায়।

.জমির দখলসংক্রান্ত নিরম বা খাটনির পরিবর্ত্তে বন্দোবস্ত করিবার ও ঐ নিয়ম বা খাটনি লিপিবদ্ধ করিবার কথা।

৪। ইচ্ছাপূর্ব্বক জমির দখলসংক্রান্ত নিয়ম বা
 শাটনির পরিবর্দ্ধে বন্দোবস্ত কুরিবার
 কথা।

CHOTA NAGPUR COMMUTATION ACT, 1897.

ধরা

- জমির দখল সংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনি উহার
  পরিবর্তে ক্বত বন্দোবন্ত সমেত বা তদ্বতীত
  লিপিবদ্ধ করিবার আদেশ দিবার ক্ষমতার
  কথা।
- ৬। লিখন প্রস্তুত করিতে হইবে, ইহার কথা।
- ৭। লিখন প্রকাশিত করিবার কথা।
- ৮। রাজস্ব কর্মচারিদের আদেশের বিৰুদ্ধে আপী-লের কথা।
- ৯। কমিশনর বা বোর্ড কর্তৃক পুনরালোচনার কথা।
- ১°। পরিবর্তিত বন্দোশস্তের আরম্ভ ও ফলের কথা।
- ১১। স্বেচ্ছাপ্র্বক পরিবর্ত্তিত বন্দোবন্তের খরচের কথা।
- ১২ । লিখনের ও অবশ্য কর্ত্তব্য পরিবর্ত্তিত বন্দো-বস্তের খরচের কথা ।

# তৃতীয় অধ্যায়।

#### বিধির কথা।

- ১৩। বিধি প্রণয়ন করিবার ক্ষমতার কথা।
- ১৪। বিধি প্রণীত ও প্রকাশিত করিবার কার্য্যপ্রণালীর কথা।

# ३৮৯१ माल्बत ४ पारेन।

ছোট নাগপুরের কোন কোন অংশে জ্ঞমির দখল-সংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্ত্তে অপর বন্দোবস্ত সম্বন্ধে ব্যবস্থা করণার্থ আইন।

যেহেতু ছোট নাগপুর ভিবিসনের অন্তর্গত কএকটি জেলায় খাজানা ছাড়া জমির দখলসংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে ইচ্ছাপুর্বাক অপর বন্দোবস্ত করণ সম্বন্ধীয় আইন সংশোধন করা বিহিত এবং উক্ত সকল জেলায় পুর্বোক্তমত সকল নিয়ম বা খাটনি উহার পরিবর্তে ক্লত বন্দোবস্ত সমেত বা তদ্যতাত লিপিবদ্ধ করিবার অব্শ্য কর্তব্যতা সম্বন্ধে বিধান করা বিহিত।

অতএব এতদ্বারা নিম্নলিখিতমত বিধান কর। যাইতেছে।—

### প্রথম অধ্যায়।

#### मूठना ।

- ১ ধারা। (১) এই আইনটিকে ছোট নাগপুরের পরিবর্ত্তিত বন্দোবস্ত বিষয়ক নংক্রিপ্ত নাম, ব্যাপ্তিও ১৮৯৭ সালের আইন বলা আবড়ের কথা।

  যাইতে পারিবে।
- (২) ইহা ছোটনাগপুর ডিবিসনের অন্তর্গত হাজারি-বাগ, লোহারডগা, পালামে ও সিংহভূম জেলায় প্রচলিত হইবে! এবং
- (৩) স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট কলিকাতা গেচ্ছেটে বিজ্ঞাপন দিয়া তদর্থে যে দিবস নিরূপিত করেন ইহা ঐরপ কোন জেলায় বা ।উহার কোন অংশে সেই দিবসে স্থামলে স্থাসিবে।
- ২ ধারা। ছোটনাগপুরের ভূমাধিকারী ও প্রজ্ঞার কার্য্যপ্রণালীবিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইনের ২৫ ও ২৬ ধারা এতদ্ধারা রহিত করা গেল।
  - ও ধারা। (১) বিষয় বা সংযুক্ত বাক্যাবলীতে অর্থনির্দেশের কথা। বাকিলে, এই আইনে —
    - (ক) স্থানীয় গবর্ধষেক্ট সময়ে সময়ে যে কোন কর্মচারিকে নাম করিয়া বা তাঁহার পদোপলক্ষে এই আইনমত কোন রাজস্ব কর্মচারির কোন কর্ম সম্পাদন করিতে নিযুক্ত করেন " রাজস্ব কর্মচারী' বলিতে সেই কর্মচারিকে বুঝাইবে।
    - (খ) "জ্ঞমির দখল সংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনি' বলিতে 'খাজানা ছাড়া জ্ঞমির দখল-সংক্রান্ত সকল নিয়ম বা খাটনিকে বুকাইবে।

- (গ) দেশাচার অস্থসারে রায়তদের যে সঁকল রকুমত বা আবওয়াব আপান ভূমাধি-কারীকে দিতে হয় 'নিয়ম'' বলিডে ভাহাও বুঝাইবে। এবং
- (য) "ক্লাষিবংসর" বলিতে কোন স্থানে ক্লাষি-কার্ষ্যের প্রয়োজনার্থ যে বংসর প্রচলিত থাকে সেই বংসরকে বুঝাইবে।
- (২) ক্লবিকার্য্যের প্রয়োজনার্প বিশেষ কোন স্থানে কোন্ বংসর প্রচলিত আছে স্থানীয় গবর্গমেন্ট ইহা সন্দেহের স্থল বলিয়া বিবেচনা করিলে, স্থানীয় পবর্গ-মেন্ট কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া যথাক্রমে যে যে তারিখে ঐ বংসর আরম্ভ ও শেষ হয় বলিয়া বিবেচনা করিতে ইইবে তাহা ব্যক্ত করিতে পারিবেন।

# দ্বিতীয় অধ্যায়।

জমির দখলসংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে বন্দোবস্ত করিবার ও ঐ নিয়ম বা খাটনি লিপিবদ্ধ করিবার কথা।

৪ ধারা। (১) জমির দখলসংক্রাম্ভ কোন নিয়ম বা ইচ্ছাপুর্বাক জমির দখল মংক্রাম্ভ নিয়ম বা খাটনির ভোগ করা হইলে, ঐ জমির পাববর্তে বন্দোবন্ত কবিবার প্রজা কিছা ঐরপা নিয়ম বা ক্যা। খাটনির উপকার পাইবার স্বত্বান্ ব্যক্তি ঐরপা নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে বন্দোবন্তের জন্য রাজস্ব কর্মচারির নিকট লিখিয়া দর-খান্ত করিতে পারিবেন।

- (২) তদনন্তর, (১) প্রকরণাহ্নদারে অপর যে ব্যক্তিদের ঐবপ দরখান্ত করিবার স্বত্ব থাকে রাজস্ব
  কর্মচারী তাঁহাদের প্রত্যেকের উপর একখানি হুটিন
  জারী করাইবেন এবং ঐ দরখান্ত বিবেচনা করিয়া
  দেখিবার জন্য একটি দিন ধার্য্য করিবেন। এবং সেই
  দিনে কিন্বা তাহার পর যে কোন দিন পর্যান্ত শুনানি
  মূলতবি রাখা হয় সেই দিনে তিনি ঐ বিষয়ের অহ্নসন্ধান লইতে ও ঐরপ নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে
  যত টাকা তাঁহার বিবেচনায় উপযুক্ত ও ন্যায্যয়পে
  দেয় হয় তাহা ছির করিতে প্রস্তুত্ত হইবেন।
- (৩) উক্ত টাকার হিসাব করিবার সময় প্রাচীন দেশাচার অমুসারে প্রজা যে সকল নিয়ম বা খাটনি সম্বন্ধে দায়ী রাজস্ব কর্মচারী ভাহার প্রতি এবং ঐ হিসাব করিবার সময়ে ঐ নিয়ম বা খাটনির নগদান মূল্যের প্রতি লক্ষ্য রাখিবেন।

কিন্তু রকুমৎ ভিন্ন নিয়ম বা খাটনির ছলে, তৎ-পরিবর্ত্তেযে টাকা দেয় হয় তাহা প্রজার দেয় বার্ষিক খাজানার সিকির বেশী হইবৈ না। ক্ষিব দখলসংক্রাপ্ত দিয়ম
বা খাটনি উহার পরিবর্থে কৃত বন্দোবস্ত সমেত বা তথ্যতীত লিশিবন্ধ কবিবাব অংদেশ দিবাব ক্ষমতাব ধারা। (১) ছানীয় গবর্ণমেন্টের বিবেচনায় কোন
ছলে বিহিত বোধ হইলে ছানীয়
গবর্ণমেন্ট ঐ ছলে—

- (ক) কোন স্থান বা কোন মহাল, মধ্যস্থত্ব বা উহার কোন অংশের অন্তর্গত জমি জমির দখলসংক্রান্ত যে সকল নিম্নম বা খাটনির অধান কোন রাজস্ব কর্ম-চারী কর্তৃক তাহার একটি লিখন প্রস্তুত করা হউক এবং ঐরপ নিম্নম বা খাট-নির পরিবর্জে বন্দোবস্ত করা হউক, কিয়া
- (খ) পূর্ব্বোক্তমত নিয়ম বা খাটনির পরিবর্দ্তে কোনরপ বন্দোবস্ত ব্যতীত কোন রাজস্ব কর্মচারী কর্তৃক পূর্ব্বোক্তমত একটি লিখন প্রস্তুত করা হউক—

এইরূপ আদেশসূচক আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

- (২) কলিকাতা গৈজেটে এই ধারাম্যায়িক কোন আজ্ঞার বিজ্ঞাপনই ঐ আজ্ঞা যে যথারীতি করা হইয়াছে ভাষার সিদ্ধান্ত প্রমাণ হইবে।
- (৩) নিয়ম বা খাটনির লিখন ১৩ ধারামতে প্রণীড বিধি অনুসারে প্রস্তুত করিতে হইবে।
- ৬ ধারা। (১) ৫ ধারাহ্সারে কোন আজ্ঞা দেওয়া হইলে পার রাজস্ব কর্মচারী দিখন প্রস্তুত কবিতে নিম্নলিখিত বিশেষ বিবরণ সম্ব-হর্মবে, ইচার কথা।
  লিড একটি লিখন প্রস্তুত করিতে প্রবৃত্ত হুইবেন, অর্থাৎঃ—
  - (ক) প্রভোক প্রজার নাম।
  - (খ) তাহার ভূমাধিকারির **নাম**।
  - (গ) যে সময়ে লিখন প্রস্তুত হইতেছে সেই সময়ে তাহার ভোগ করা জমির জন্য যত খাঞানা দিতে হয়।
  - (ঘ) ঐরপ সমস্ত বা কোন জমি জমির-দখলসংক্রাস্ত যে সকল নিয়ম বা খাট-নির অধীন।
  - (%) ঐকপ নিয়ম বা খাটনির পরিবর্তে যত টাকা রাজস্ব কর্মচারির বিবেচনায় ন্যায়-মতে দেয় বলিয়া বোধ হইতে পারে। এবং
  - (চ) রেবিনিউ বোর্ড কর্তৃক সময়ে সময়ে অপর যে সকল বিশেষ বিবরণ নির্দিষ্ট হয়।
- (২) ঐকপ নিয়ম বা খাটনির পরিবর্ত্তে দেয় টাকার পরিমাণের হিসাব করিবার সময় রাজস্ম কর্মচারী ৪ ধারার (৩) প্রকরণের বিধানাস্নসাল্লে কার্য্য করিবেন।

৭ ধারা। (১) রাজস্ব কর্মচারী ৬ ধারাহ্যায়িক |
শিখন প্রস্তুত করিলে পার |
শিখন প্রকাশিত করি১৩ ধারামতে প্রণীত বিধির
নির্দিষ্ট প্রকারে ও নির্দিষ্ট

কালের নিমিন্ত ঐ লিখনের একখানি পাণ্ডলেখ্য ঐ স্থানে অকাশিত করাইবেন এবং প্রকাশিত করিবার কালের মধ্যে ঐ লিখনের অন্তর্গত কোন দকা সম্বন্ধে বা ঐ লিখন হইতে কোন কথা ছাড় ছইয়া থাকিলে তৎসম্বন্ধে কোন আপত্তি করা ছইলে ভাহা গ্রহণ করিয়া বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।

- (২) ১৩ ধারামতে প্রণীভ বিধি অস্সারে আপজি-শুলির বিবেচনা ও নিম্পত্তি করা হইলে ঐ কিধির নির্দিষ্ট প্রকারে লিখন চূড়ান্তরূপে প্রস্তুত ও প্রকাশিত করা যাইবে।
- (৩) ভিন্ন ভিন্ন স্থান, মহাল, মধ্যস্থত্ব বা উছার সংশের জন্য (১) প্রকরণ বা (২) প্রকরণ অভ্নসারে পৃথক পৃথক পাণ্ডুলেখ্য বা লিখন প্রকাশিত করা ঘাইতে পারিবে।

৮ ধারা। (১) রাজস্ব কর্মচারির এই অধ্যায়মত কোন আদেশের বিৰুদ্ধে ডেপুটা

রাদস্ব কর্মচাবিদেব ক্মিশনরের নিকট আপীল আদেশেব বিশ্লুছে আপী-লেব কথা।
চারী নিজেই ডেপুটি কমিশনর

ছন তাহা হইলে ডিবিসনের কমিসশরের নিকট আপীল চলিবে।

- (২) ডেপুটি কমিশনর (১) প্রকরণমতে কোন আপী-লের নিম্পত্তি করিলে তাঁহার আদেশের বিরুদ্ধে কমি-শনরের নিকট আপীল চলিবে।
- (৩) আপীল সম্বন্ধীয় দেওয়ানী যোকদ্দমার কার্য্য-প্রণালী বিষয়ক আইনের বিধান যভদূর সম্ভব (১) প্রকরণ বা (২) প্রকরণমত সকল আপীল সম্বন্ধে খাটিবে।
- (৪) যে স্থলে কমিশনর ডেপুটি কমিশনরের সহিত একমত হন সে স্থলে ঐ আদেশ চূড়ান্ত হইবে। কিপ্ত অন্যান্য স্থলে কমিশনরের আদেশের বিশ্লদ্ধে রেবিনিউ বোডে আপীল চলিবে।
- (a) ১ প্রকরণমত প্রত্যেক আপীল যে আদেশের বিৰুদ্ধে আপীল হয় তাহার তারিখ হইতে ভিন মালের মধ্যৈ এবং (২) প্রকরণ কিম্বা (৪) প্রকরণমত প্রত্যেক আপীল যে আদেশের বিৰুদ্ধে আপীল হয় তাহার তারি-খের এক মালের মধ্যে উপস্থিত করিতে হইবে।
- ১ ধারা। কমিশনর কিম্বা রেবিনিউ বোর্ড এই

  অধ্যায়মতে প্রস্তুত কোন লিখকমিশনব বা বোর্ড কর্ডক
  পুনরালোচনার কথা।

  কোন অংশের ঐ লিখন চূড়াল্পরূপে প্রকাশিত হইবার তারিখ হইতে হই বৎসরের
  মধ্যে কোন সময়ে পুনরালোচনা হইবার আদেশ করিতে
  পারিবেন, কিন্তু তাহাতে যে কোন নিম্পান্তর বিরুদ্ধে
  ৮ ধারাম্লসারে আপাল করা হইয়াছে তাহার থেন
  ব্যাঘাত না হয়।

কি শ্ব যাবৎ সম্পর্ক পৃক্ষদিগকৈ উপস্থিত হইয়া বিচায্য বিষয় সম্বন্ধে তাহাদের বক্তব্য বলিবার যুক্তি-যুক্ত হটিস দেওয়া না হয় তাবং ঐরপ কোন আদেশ দেওয়া হইবে না। •

১ • ধারা। (১) কোন. স্থান বা মহাল বা মধ্য-স্বত্ব বা উছার অংশের জন্য পরিবর্তি ও বন্ধোবস্তের এই অধ্যায় অনুসারে জমির -আবম্ভ ও ফলের কথা। দখলসংক্ৰান্ত কোন নিয়ম বা খাটনির পরিবর্ত্তে বন্দোবস্ত করা হইলে লিখন চূড়ান্তরপে প্রকাশিত হইবার ঠিক পরবর্তী ক্লবি বৎসরের আরম্ভ হইতে ঐ বন্দোবন্ত কার্য্যকর হইবে এবং সেই সময় হইতে ঐ স্থান বা মহাল বা মধ্যস্বত্ব শংশের কোন প্রজার উপর জ্বমির বা উহার দখলসংক্রাস্ত কোন নিয়ম বা খাটনি ছাপন কর। আইনবিৰুদ্ধ হইবে এবং ঐ খ্ৰ:ন বা মহাল বা মধ্যস্বত্ব বা উছার অংশের মধ্যে ঐরপ নিয়ম বা খাটনি দিবার বা চাহিবার নিমিত্ত সম্ভ চুক্তি ও রক্ষণার্থক নিয়ম ব্যৰ্থ হইবে।

- (২) জমির দখল সংক্রান্ত নিয়ম বা খাটনির পরি-বর্ত্তে কোন প্রজার দেয় বলিয়া রাজস্ব কর্মচারী এই অধ্যায় অভ্নারে যত টাকা অব্ধারিত করেন তাহা ঐ প্রজার দেয় খাজানার অংশ বলিয়া বিবেচিত হইবে এবং ডদহুসারে আদায় করা যাইতে পারিবে।
- ১১ ধারা। (১) কোন ব্যক্তি পরিবর্তিত বন্দো
  বন্তের জন্য ৪ ধারাস্থ্যারে
  বেজাপ্র্কি পরিবর্তিত দরখান্ত করিলে ঐ ধারামতে
  বন্দোবন্তের ধবচেব কথা।
  অসুমান করা হয় রাজস্ব কর্মচারী তত টাকার সমস্ত বা
  কোন অংশ তাহাকে অগ্রিম আমানত করিবার আদেশ
  ব-রিতে পারিবেন।
- (২) কোন ছলে ৪ ধারাত্ম্যায়িক কার্য্য সমাপ্ত হইলে উক্ত কার্য্যের মোট খরচ রাজস্ব কর্মচারী সমস্ত অবস্থা বিবেচনায় যে অহপাত উপযুক্ত বিবেচনা করেন ভূম্যধিকারী ও প্রজার মধ্যে সেই অহপাতা-হুসারে বৃত্তীন করিয়া দিবেন এবং যে টাকা ঐরপে বৃত্তীন করিয়া দেওয়া হয় তাহা ভূমিরাজ্ঞস্বের বাকীর ন্যায় আদায় করা যাইতে পারিবে।
- (৩) কোন ব্যক্তি (১) প্রকরণাস্থসারে যত টাক।
  আমানত করেন যদি তাহা (২) প্রকরণমতে তাহার
  প্রতি যে টাকা বন্টন করিয়া দেওয়া হয় দেই টাকার
  বেশী হয় ভাহা হইলে কার্য্য সমাপ্ত হইলে ঐ বাড়তি
  টাকা তাঁহাকে কেরত দেওয়া যাইবে।
- ১২ ধারা। (১) ৫ ধারামতে যে কোন আজ্ঞা করা যায় কোন স্থান বা কোন লিখনেব ও অন্পা-কর্ত্তর পারবর্তিত বন্দো-বস্তেব খনচেব কথা।
   করিতে গখর্ণমেন্টের যে খরচ লাগে সেই খরচ কিন্তা স্থানায় গবর্ণমেন্ট ভাছার যে অংশের আদেশ করেন সেই অংশ স্থানীয় গবর্ণমেন্ট

লাগে সেই খরচ কিম্বা ছানায় গবর্ণমেন্ট তাহার যে অংশের আদেশ করেন সেই অংশ ছানীয় গবর্ণমেন্ট সমস্ত অবস্থা বিবেচনা করিয়া যে অম্পাত স্থির করেন সেই অম্পাতাম্পারে ঐ ছান, মহাল, মধ্যস্ত বা অংশের অন্তর্গত জামির ভূম্যধিকারী ও প্রজাদের দিতে হইবে।

(२) কোন ব্যক্তি পূর্কোক্ত খরচের বে অংশ দিবার দায়ী হন উক্ত স্থান, মহাল, মহাস্থত্ব বা অংশ সম্বন্ধে প্রাপ্য ভূমিরাজন্মের বাকীর ন্যায় গবর্ণমেন্ট কর্তৃক ভাছা আদায় করা যাইতে পারিবে।

ব্যাখ্যা।—এই ধারায় "মধ্যস্বত্ব" শব্দে কোন স্থান, মহাল বা মধ্যস্বত্বের অন্তর্গত সমস্ত নিক্ষর ও লাখেরাজ মধ্যস্বত্ব ও যোতও বৃকাইবে।

# তৃতীয় অধ্যায়।

#### বিধির কথা।

১৩ ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কলিকাতা গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া সময়ে সময়ে বিধি প্রণয়ন শ্রিবার স্ক্মতাব কথা। বিধি প্রণয়ন করিতে পারি-

বেন-

- (১) এই আইনক্রমে বা এই আইন জন্মারে রাজস্ব কর্মচারিদিগের উপর যে কোন কর্ত্তব্য কর্ম স্থাপিত হয় তাহা সম্পাদনে উাহাদের যে কার্য্যপ্রণালী অন্সরণ করিতে ছইবে তাহার ব্যবস্থা করিবার নিমিক্ত। এবং স্থানীয় গবর্ণমেন্ট প্ররূপ বিধিক্রমে যে কোন রাজস্ব কর্মচার)কে——
  - (ক) মোকদ্দমার বিচার করণার্থ কোন দেও-য়ানী আদালত কর্তৃক যে কোন ক্ষমতা পরিচালিত হয় সেই ক্ষমতা,
  - (খ) কোন জমিতে প্রবেশ করিবার ও তাহা জরিপ করিবার, তাহাতে চিহ্ন দিবার ও তাহার মানচিত্র প্রস্তুত করিবার ক্ষমতা, এবং
  - (গ) বল্পদেশের জরিপ করণবিষয়ক ১৮৭৫ সালের আইন অহ্নসারে কোন কর্ম-চারী কর্ত্ত্ব যে কোন ক্ষমতা পরিচালিত হইতে পারে সেই ক্ষমতা—

প্রদান করিতে পারিবেন।

- (১) ৪ ধারামূদারে যে প্রকারে মৃটিদ জারী করিতে হইবে ভাহা নির্দিষ্ট করিবার শ্বিমিক্ত।
- (৩) দ্বিতীয় অধ্যায়ামূলারে যে প্রকারে লিখন প্রস্তুত করিতে হইবে তাহা নির্দ্ধিট করিবার নিমিত;
- (৪) ৭ ধারাম্পারে যে প্রকারে ও যত কালের জন্য লিখনের পাণ্ডুলেখ্য প্রকাশিত করিতে হইবে তাহা এবং যে প্রকারে কোন লিখনের পাণ্ডুলেখ্য সম্বদ্ধে

আপত্তির নিম্পত্তি করিতে হইবে তাহা নির্দ্ধিষ্ট করিবার নিমিত্ত।

- (৫) ৭ ধারাম্নারে যে প্রকারে সিখন চূড়াস্ত-রূপে প্রকাশিত করিতে হইবে তাহা নির্দ্ধিট করিবার নিমিত। এবং
- (৬) সাধারণতঃ দ্বিতীয় অধ্যায়ের বিধান কার্য্যে পরিণত করণে রাজস্ব কর্মচারি-দিগের অস্থুসরণের নিমিত্ত।

১৪ ধারা। (১) ১৩ ধারামতে বিধি প্রণীত করিবার পুরের স্থানীয় গবন্মেন্ট
কনিবাব কাগ্যপ্রণালীব কথা। প্রস্তাবিত ্রবিধি হইতে যে
ব্যক্তিদের ক্ষতিরদ্ধি হইবার
সম্ভাবনা ভাহাদের অবগতির নিমিত্ত উহার একটী
পাণ্ডলেখ্য প্রকাশিত করিবেন।

(২) স্থানীয় গবর্ণমেন্টের বিবেচনায় যে প্রকারে প্রকাশিত করিলে স্থার্থযুক্ত ব্যক্তিদিগকে জানাইবার পক্ষে মথেস্ট হয় ঐ পাণ্ডলেখ্য সেই প্রকারে প্রকাশিত করিতে হইবে।

> কলিকাতা ; | ১৮৯৭ সাল ; ১৯ অফ্টোবর।

কিপ্প ঐরপ প্রত্যেক পাণ্ডুলেখ্যই কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত করিতে হইবে।

- (৩) ঐ পাণ্ডলেখ্যের সহিত একটী প্রটিস প্রকাশিত করিতে হইবে। উহা প্রকাশিত করণের তারিখের পর এক মাস অতাত হইবার পূর্বে না হয় এমন যে দিনে বা যে দিনের পর ঐ পাণ্ডলেখ্যের বিবেচনা করিয়া দেখা যাইবে ঐ স্টিনে সেই দিনের উল্লেখ থাকিবে।
- (৪) ঐরপে উল্লিখিত দিনের পরের ঐ পাণ্ড-লেখ্য দদ্বন্ধে কোন ব্যক্তির নিকট হইতে স্থানীয় গদ্বমেন্ট যে কোন আপস্তি বা প্রস্তাব প্রাপ্ত হন ঐ গবর্বমেন্ট ভাষা বিবেচনা করিয়া দেখিবেন।
- (৫) এই আইনমতে প্রণীত হইরাছে বলিয়া প্রতীয়-মান কোন বিধি কলিকাতা গেজেটে প্রকাশিত করা গেলে ঐ প্রকাশিত করণই ঐ বিধি থণানিয়মে প্রণীত হইবার সিদ্ধান্ত প্রমাণ হইবে।
- (৬) এই আইনমতে প্রণীত সমস্ত বিধি স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কর্তৃক সময়ে সময়ে সংশোধিত, পরিবদ্ধিত বা রহিত হইতে পারিবে।

এফ, জি, উইগ্লি,
বঙ্গদেশের গবর্গমেণ্টের ব্যবস্থা বিভাগে
একটিং আসিফান্ট সেক্টেরী।
Chunder Nath Bose,
Bengali Translator,



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, NOVEMBER 9, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৯ নবেম্বর।

PART VID.

ADVERTISEMENT.

অপ্তম খণ্ড।

ইশ তিহার এড়তি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিন্সা চট্টগ্রাম। ইস্তিহার নামা কাছারি কলেক্টরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি,খর অনাদায় ১০) টাকার ঊর্দ্ধ জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ তালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

				न भव	ভ মা।		বাকী।		
কমিক দশ্বর।	তালুকার মধর।	মৌকা, খানা, মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকেব নাম।	খাজান।।	ছেছ।	খাজান।	ছেছ।	মোট।	मखरा ।
,	8	٠	8	α		9	<b>b</b>	2	>•
	<b>b</b> b9	মোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।—							
3	₹0508	তাং আহাম্মদ আলী ও	जस्तात जानी मनागत	45410	२७७। ७	७७॥०३	361100	6012	*** **
	¢¢5	মাহাং ইছপ ও কোৰ্কান	জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা						
1	1	আলী ও আজগর আলী	খাতুন ও করিমলিছা						
		ও এমতী স্বর্বিব।	পক্ষে হিং হ্রন্স হক্				1		
			ও আছফা খাডুন, নেজা-			1			
- 1	!	1	মত আলী চৌধুরী ও						
			মণীব্ৰু চক্ৰু ঘোষ, মোবা-						
			রেক আলী, আবত্ত্ব		; !	<u> </u>	!		
			রহমান ও নেজামত		!				
			আলী ও আবণ্ডল হাকিম			}			
			স্বয়ং তৎ নাবালেগ			1			
			ভ্ৰাতা আলা মিঞা ও		1				•
	!		इंड्याइन हिर्छियी छेक						
			আবপুল হাকিম।						

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. DIXON,

For Collector.

#### জিলা নোয়াখালী। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালী জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবণ-মেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অন্নসারে উক্ত নোয়াখালী জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ৯ নবেম্বর মোতাবেক বাজলা ১৩০৪ সনের ২৪ কার্ডিক তারিখে প্রকাশ্য নিলাম বিক্রয় ইইবেক।

খরিদারগণকে নিম্মের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে।— নিলামের সর্ত্ত।—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দিষ্ট করেন ভাহার উপার যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে ভাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক অন্ধপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে ভাহা চিরন্থরূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ধমেন্টের যে মালিকি অত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ অত্ব খরিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত ইইবেক খরিদারগণ শভকরা ২৫) টাকা হারে আখরাজ্ঞাত খরছ অরপে সদর রাজস্ব বাদ পাইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবশ্তের কার্য্যের ছারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণে যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিত কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্রমক প্রজা দ্বারা দস্তুখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিদারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার উর্দ্ধ্য হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন এক ১ দিন গণ্য
হইয়া তদবধি ১৫ দিবসে ২ প্রত্বরে মধ্যে যদি অবশিক্ত টাকা দেওয়া না
হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্কোপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম
যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিতহইবেক (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে
এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায় খরিদারের দায়ীতে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

তীব্দির দম্বর ।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।		একবেব হিসাবে যতদূব জানা যায় ভূমিব অনুমানিক প্ৰিমাণ।		গ্ৰণ্ডেইব বাজস্ব হাজা ধ্যা হ <b>ইয়াছে।</b>		াহা	আখবাজাত থবছ স্বরূপে সদব রাজ স্ব বাদ।	मच्छयाः	
,	<b>ર</b>		 ن			8		ď	•	
		<b>ા</b>	বো:	শো:	हेरः	আঃ	পা:		***************************************	
266	আনন্দচন্দ্র গড়গড়ী পরগণা	२१	0	•	<del>७</del> २	0	3	শতকরা ২৫)		
	ভূনুয়া।							টাকা হারে।		
(F)	এ এ বিভীয় বঙ	٩	•	•	₹8	0	•	(a)		
<b>4</b> 24	জ্ঞিছে ছৈয়দ আকবর পরগণা স্থুদীপ।	७१	0	•	26	4/	Ŀ	4		
<b>⊌8</b> €	জিম্বে ছৈয়দ আকবর পরগণা রামভন্ত চক্র ।	3	0	Đ	3	11	•	Ú		
425	চণ্ডিপুর রাস্তা	3	0	0	2	•	0	0		

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহাসগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে শাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর !

3	<b>\</b>	9	8	¢	6	9	ь	•
ভৌজিব নশ্ব।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্মহংগের নদর জমা।	সম্পূৰ্ণমঙাল বিক্ৰয় গুঠুবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিধবণ।	যে সম্পাত্তি বিক্রম হউবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাঞ বিক্রখ ছইলে ঐ অং- শেব সদব ক্রম।।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহা বাকী।
\$0\$ 5°59 5₹ <b>6</b> ₹	থানে শাতকানীয়া মেং গারাজ্বীয়া তং মেং গারাজ্বীয়া বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।	I	সম্পূৰ্ণ মহাস বিক্ৰী হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবংগ্ল ফণ্ডা খাঁ শ্রীদান্ন মিঞা গং।		O o ho/ o	
000 2202 3980	তরক মেতিজ সোহা গারা— বাং ডং মঙ্গত রাম হাজারি।		<b>G</b>	••••	শ্রীগমির সি° হাজার্বি শ্রীআবণ্ডল ফন্ডা থাঁ গং।			•••••
664 \$-24 24284	1		<b>A</b>		শ্রীসেখ হাবিব আহা শ্বদ চৌং জাং ভং পিতা মকবুল আলী চৌং পক্ষে।	-	8119	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

টীকা |-- যে স্থলে উপৰ্যেষ লিখত বৰ্ণনাপণ্ডেৰ ৫, ৭ জ ৯ গৰে কে ন অংশ মাৰ বিক্লম হইবে বলিয়া শিখিত আছে দেছ স্থলে ছহা বুৰিতে হছৰে যে এ অংশেৰ মিষিত্ত স্বতন্ত্ৰ ছিলাব বালা কইয়া পাকে ও মহালেব অন্যাবা অন্যান্য অংশ বিক্ৰম হয় ন.।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. DINON,
For Collector.

#### जिना गानमः।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালদহ জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ত আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অম্পারে উক্ত মালদহ জেলার কালেষ্ট্রনিতে ১৮৯৭ সনের ২০ ডিসেম্বর তারিখে যোতাবেক বাঙ্গালা ১৩০৪ সনের ৬ পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

यतिकात्रश्नक नित्यत निधिष्ठ निमार्यत मर्ख मकतम वाधा श्रेटेष श्रेटव ।—

#### নিলামের সর্ত ;—

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্যাপ্ত হইবে।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল শ্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা কৃষক প্রজা দ্বারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার উদ্ধ হইলে যত টাকা ভাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদব্ধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্বে উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়-কারি খরিন্দারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

		ı	}	
ुष्टोक्टिन गम्बद्धाः	মঙাল ও প্ৰগণ্ব নাম ।	একবেব হিসাবে যতগুৰ জানা থায ভূমিৰ অন্তমানিক প্ৰবিমাণ।	গ্ৰণঘেতেঁৰ বাজস্ব থাক। ধাণ্য ১ই- ফাছে।	भ <b>श्</b> ता ।
				make any serial decomposition . It was not a first continuous definition of the continuous definition o
1		একর, কড়, পোল		
१० नः	বিটোরী ধোবরা মহালের	30>ou	308110/30	এই মহালের এজমালী অবিভক্ত গ্র্বমেণ্টের ॥॰ খাট আনা অংশ
<b>১</b> ৫৪ নং	অবিভক্ত এজমালী ।।।  পাই আনা অংশ।  পাইগন। কাশিমনগর।  ।।  ।।  ।।  ।।  ।।  ।  ।  ।  ।  ।  ।		۶ <sup>نر</sup> اا ۱۵۵۵	নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্থ ঘরে গবর্ণমেন্টের।।০ আট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। এই মহাল বর্তমান সনের জন্য ইজারা বন্দো- বস্ত আছে আগামী ১৮৯৮ সালের ৩১৫৭ মার্চি তারিখে ইজারার ম্যাদ শেষ হইবে আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে। এই মহালের অবিভক্ত এজমালী গবর্ণমেন্টের॥০ আট আনা অংশ নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্থ ঘরে গবর্গমেন্টের॥০ আট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।
€२8 <b>ब</b> ९	ডোরাপাড়া সোণাপুর। প্রথমা কাশিমনগর।	> > > - > - >	395 4 33	্রাগাসী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।
		1	İ .	

কালেক্টরের কাছারি জেলা মালদহ তারিখ ২৮শে অক্টোবর ১৮৯৭।

J. II. LEA, Collector.

#### জিলা নোয়াখালি।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নামাখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৮। ৪ জাহায়ারি তারিখে নিলামে বিক্রম্ন করা যাইবে। যে শ্বলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপাত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

<b>&gt;</b>	2	9	8	å	<u>.</u>	•	<b>Y</b>	9
ভৌজির মধ্র।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্থ মহা- লেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ভইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম হউলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।		কোন তাংশ মাত্র বিশ্রুয হুইলে, ঐ তাং- শের সদব ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইলে ডাহাব বাকী :	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহা বাকী।
<i>\$</i> 22	বামনি জমিদারী চাকলে বামনী।	333•9,	मण्यृर्व	••••	বাবু উপেন্দ্রচন্দ্র দত্ত মোনছারআব মিয়া ফৌজা ফেট ও বাবু রঘুনাথ প্রসাদ তেওয়ারি গং।		a . a a     J > >	••••
			খাস মহ	লি টেনিউর —				
7447	চর শুলুকিয়ার ৯ নং গ° মং হাওলা	હર્કમહ	मण्णूर्व		তয়াজন্দিন ঘাট মাজি।		582√€	•••••
১৬৬২	আবহুল রহমান।  চর মধ্ধরা গং মং  হাওলা আজম-  ভুলা গং ৮০ নং  দখল।	9 o b h g/ 9	હો		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিভাবক জানিবে সচিনাথ গুহ।		300  2	
८९४	চর গাজির ১ নং দখল।	२०२१।७/8	Ġ		জমিয়ত আলি	••••	8४९।०	
2692	ঐ চরে ২ নং দখল	20021122	(এ	,	<u> છે</u>		७१७।/७	
3 RP.C.	চর আলেকজন্তারের ১ নং গং মং হাওলা।	880 W 9	<b>D</b>		নবকুমার বস্থ	•••	১৩৬৵৯	
<i>ን</i> ሁ <b>ሥ</b> ሁ	के চরের २ नः গং गः হাওলা।	<b>48343</b>	<u>ज</u> े	••••	d	*****	১৭০।৵৯	••••

S. K. Agasti, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইংছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ ভারিখের অনাদার ৫০) টাকার ঊর্দ্ধ জ্বমার নওয়াবাদ ভালুকাদির বাকী খাজনা ও ছেছ আদারের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম চইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বারনা জব্দ ইইয়াছে দেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্মতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেট্রনী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্ৰ'মিক	ভশুকাব নম্বর।	মৌৰা থানা, মহাল ও	মালিকেব ন <b>া</b> ম।	সদ্ব জ্বমা।				भक्ता	
নপ্র।	७ पूर्वाय सदत्।	তাৰুকাৰ নাম।	म्।।ल८क्व भाग ।	थाकाना।	ছেছ	शकाग।	ছেছ।	মোট।	<b>শস্ত</b> ব্য
3	₹	v	8	à	•	9	ь	۵	5•
2	748P 4PP 50PdP 50PdP	মোজে জুজখলা থানা ফটীকছ্রী মহাল নওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি খাঁ, হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর রহমান ৼী ও মেহের জালি খাঁ।	₹७88,	<b>১</b> ৬৬ <b>५</b> ०	હરૂછ	હવાઇહ	१७०।८७	•••

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native aruggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, end twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### দ্বরন্ত সিনকোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অথাৎ কোন্দানির বাগানের স্থারক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ণ মেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোঁও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূলেট প্রবন্ধ দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২।। টাকায়, আট ঔপ টিন ৫ টাকায় ও এক পোঁও টিন ১০ টাকায় পাইবেন কর্মসাধারণে কোন্দানির বাগানের স্থারিটেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ িন ৩ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬ টাকায় এবং এক পোঁও টিন ১২ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেকাগনও এই ঔষধ বিক্রেয় থাকেন। উপরোজ হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের । আট ঔপ টিনের ।। ও এক পোঁও টিনের ৭০ ডাক মাস্থল দিতে ইইবে।

বঙ্গদেশের গবর্গমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন। ১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে, যথা—

১ এক পৌৰ টন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

॥ जास ,, ,, के) ,, ,, ,, ,, ,, ।।॰

| 阿荷 ,, ,, 8||° ,, ,, ,, ,, ¢)

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরণে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্রম্ভ ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং ক্লিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Rs. ... 10 0 U Entire Gazette per annum. Postage Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-0 Entire Gazette Postage 0 1 Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets or with additionas an charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.

Postage ... ... 0 1 (

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. BAKER.

Offa. Under-Secretary to the Goot. of Benaal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রুয়ারি।—বাজালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মাস্থল এই অবহি নিম্না লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে ঃ—

	यकः भट	7			<b>हाका</b> ।
সম্পূর্ণ গেডেট	•••	•••	•••	বৎসর	30~
ডাকমান্থৰ	***	•••	•••	23	4110
৬৩৪৩৫৩৬খ%।	যাহাতে ব	চার <b>ভবর্ষের</b> ১	<b>ও বঞ্চ</b> -		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ভ	গাইন 😻 💌	<b>শা</b> ইনের		
পাণ্ট্ৰিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	8,
ভাক্যান্ত্ৰ	• • •	•••	• • •	22	2,
সস্প্ একখানি গেজেটের	<b>गृ</b> मा	***	***	,,	1-
ডাকমান্থৰ	• • •	• • •	•••		<b>/</b> •
0 0 8 0 6 7 6 70 (	প্রভ্যেক	8 शृक्षे वा	ভাষার		
<b>ন্</b> য়ন সং <b>খ্য</b> ক প্	होत यूना)	•••	•	<b>p•</b>	/ • শ পৃষ্টার উপর রক্ত আধিক ছন্ন তাহার <b>এডে</b> লক ৪ পৃষ্টা প্রতি আর একং আনা।

#### ক্ৰিকাভায় ৷

কলিকাডায় ও মকঃদলে সমান মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাকমা্থল লাগিতে না। ই, এন, বেকার।

**डाक्याच्य**न

বঙ্গদেশের গবর্ণখেন্টের এক্টিং ছোট সেক্রেটরী।

#### 'The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: parking and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in radia will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON. Under-Secretary to the Govt, of Bengal.

12th December 1882.

Note.—Rates of advertisements in the CALCUITA GAZETTE

Full page, per issue Half ,, ,,	•••	***		70.		
Half ,, ,,	•••			10		
Casual advertisement—4 annas per line.						

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিম্বা বাঙ্গালা গেজেটের মুল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই গেডেট বেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাদের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিভাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমে**ন্টের কা**র্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কন্তৃত্তাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন ন্যক্তি বাঞ্চাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভিম্নিত নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাণ সেকেটারিয়েটের আকেতিতির নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে তপ. রোক্ত ফার্য্যালয় ভিম্ন গোল ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্র'ভৃতি প্রকাশ করা মাইবে না।

মল্যের নিমিত্ত ভাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেণ্টি বাদ দিবার জন্যে টাকার উপর আর /০ এক জানা পাঠাইতে হইবে।

> मि, ডवनिष्टे वल्हेंब, वक्राप्राचित शवर्वियां के द्वारे त्मरक देती।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

শক্তর ₁— কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার <b>একা</b> শ করি	বার হাব এই২।—		টাকা
প্রা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	 209
का४ পৃষ্ঠा	•••	 	 >
তথ্য তথ্য ইন্তাতিয়ার লকাল ক্রিকে হাইচ	ran .cas offus.		10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant. Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy ma) he sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.--Copies are still available.

#### वाकान मिटकोदिएयं यदानएय विक्याएं जाए ।

বারিন্টার-অটা-লা ও শুশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিক্টিই ও সেশন জ্জ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের এইত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ভি সাহেবের প্রণাত বল্পদেশের এীযুত লেপ্টেনেউ গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রাপ্তারাও প্ৰজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মুল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েটের আকেবিটান্টের নিকা একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাহা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার খরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পৃস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদকে বঙ্গদেশের যান্ত্রসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড ক্রেইট টৌন ছালের হাতায় স্থিত বল্পদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেঞি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত পাঠাইতে হইবে।

ট ৰু সকল আখনের পৃস্তুক কলিক|ভার গবৰ্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিত্ত কোন্ধানিয় বাটাতে কায় করিণ্ড পাওয়া ষায়

কলিকাতা থোসিডেকা কেল যঞ্জালয়ে গ্ৰেণমেটের জন। জাযুত জেম্স পেটা সাহেব কর্তৃক মুক্তিত ও থকাশিত চইল।



# गवर्गयन् कार्जिं

TUESDAY, NOVEMBER 16, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৬ নবেশ্বর।

CONTENTS.	
Page.	মিৰ্বন্ট।
PART I.—Resolutions, Orders and Notifica-	न्हें।
tions of the Government of India 91-92	প্রথম বভ।—ভাবতব্যীয় গ্রেপ্নেটের মির্ছারণ
PART II Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ১১—১
tions by the Lieutenant-Governor	ছিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের মির্ছারণ,
of Bengal Nel.	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-	ষিতীয় ক বস্ত।—বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের আদেশ . ১৫—১•:
nor of Bengal 95-101	ভূতীয় খণ্ড।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সম্ভার প্রণীদ্ধ
PART III Acts of the Legislative Council of	स्राहेस साहे
India Nil.	চতুৰ খণ্ড ৷—ভাবতৰ্বীয় ব্যবন্থাপক সভার আইনেব
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাতৃলিপি ১৭১
India 17-19	প্ৰম খণ্ড।—বদ্ধীয় ব্যবস্থাপক সভার প্ৰণীত আইন নাই
PART V.—Acts of the Bengal Council Nil.	वष्ठे थन ।—तकीप्र वांचन्त्रांभक मन्त्रांत्र चाविष्टमव
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nel.	<b>शाप्रकिशि</b> नाहे
PART VII.—Circular Orders by the High	স্বম বভ।—হাই কোটের ও রেবিনিট বেডের
Court and Board of Bevenue Nil.	নাধারণ ভাপনপর নাই
PART VIII.—Advertisements 563-572	जहेम वर्छ।—हेन्छिहात श्रम् <b>छि १७</b> ७१९
Supplement	भर्ति विशेष्ट श्वेषिद्र प्रदेशके विशेष विशेष विशेषित विशेष विशेष विशेषित विशेष विशेषित विशेषित विशेषित विशेषित

#### PART I.

Resolutions; Orders and Notifications of the Government of India.

### প্রথম খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেন্টের নিষ্কারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রস্কৃতি!

#### GOVERNMENT OF INDIA.

#### FINANCE AND COMMERCE DEPARTMENT.

#### NOTIFICATION.

# SEPARATE REVENUE.

Simla, the 22nd October 1897.

No. 4718S.R.—In exercise of the power conferred by section 9 of the Indian Stamp Act, 1879 (I of 1879), the Governor-General in Council is pleased to make the following rule:—

The stamp duty payable under article 22 of Schedule I to the Indian Stamp Act, 1879, on copies of maps or plans certified to be true copies shall be denoted by means of an eight-anna adhesive Court-fee Stamp.

J. F. Finlay, Sucy. to the Govt. of India.

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের আদেশ।

রাজস্ব ও বাণিজ্য সম্পর্কীয় কার্য্যবিদ্ধাগ ।

বিজ্ঞাপন।

স্তাম রাজস্ব। ইট্রাম্প বিষয়ক।

#### সিমলা, ১৮৯৭ সাল ২২ অক্টোবর।

৪৭১৮ এস, আর, নম্বর।—মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীয়ৃত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রতি ভারতবর্ষীয় ইফ্টাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ১ আইনের ৯ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদক্ত হইয়াছে তদম্সারে কার্য্য করিয়া তিনি নিম্নলিখিত বিধি প্রণয়ন করিলেন।

ম্যাপ বা নক্সার যে নকল সম্বন্ধে প্রক্তত নকল বলিয়া সার্টিফিকেট দেওয়া হয় সেই নকলের উপর ভারতবর্ষীয় ইফাম্প বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইনের ১ তফসীলের ২২ দকামতে যে ইফাম্প মাহল দিতে ইয় তাহা আট আনার আটাল কোর্ট ফী ইফাম্প লাগাইয়া দিতে হইবে।

> জে, এফ, ফিন্লে, ভারতবর্বের গবণমেন্টের সেক্রেটরী



# गवर्गाम (मार्कि।

TUESDAY, NOVEMBER 16, 1897.

মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৬ নবেম্বর।
PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal. দিতীয় ক খণ্ড। বৰুদেশের গ্ৰথমেন্টের খাদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 1378 T.M.—The 4th November 1897.—Whereas a Notification No. 1263 M., dated the 3rd March 1897, was published at page 61, Part IB of the Calculta Gazette of the 10th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Fart IX of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Acts IV of 1894 and 11 of 1896, to Wards Nos. VI and VII of the North Barrackpore Municipality, in the district of the 24-Parganas, and whereas objections which have been accepted as valid have been raised to the proposed extension of Part IX to certain portions of the wards abovementioned within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the modified recommendation by the Commissioners of the North Barrackpore Municipality made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the portions of Wards Nos. VI and VII of the Municipality included within the boundaries specified below:—

The area bounded on the west by the Ganges, on the south by the Mannapara road, on the east by the Rampada Marik's road, Kalitola, the Feeder road and Satgopepara road, and on the north by the southern extremity of the Gunpowder Factory (with the exception of Posuri Bazar and the Jalapara), both sides of the Feeder road from Kalitola road to the northern terminus of Baruipara road, and the northern side of the Sreedhor Bansidhor road from the Kalitola road to the southern terminus of Baruipara road, and both sides of Mukherjeepara road.

H. H. Risley, Secy. to the Goot. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 1412T.M.—The 8th November 1897.—Whereas a notification No. 485T.M., dated the 6th September 1897, was published at page 211, Part IB of the Calcutta Gazette of the 15th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 261 and 273 (2) and (3) of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Netrakona Municipality, in the district of Mymousingh, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Netr. kona Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISLEY, Secy. to the Gort. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 1225T.M.—The 26th October 1897.—It is hereby notified for general information that the Lieutenant-Governor is pleased, in the exercise of the power conferred on him by section 414 of the Calcutta Municipal Consolidation Act, II of 1888, to confirm the following revised

#### वक्ररमरभत्र औयु छ त्मर्ल्डरन के भवर्गत मारहर तत आरम्स ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

১৩৭৮ টি, এম্নং।—১৮৯৭ সাল ৪ নবেম্বর।—২৪ শ্রগনা জিলার অন্তর্গত উদ্ভর বারাকপুর মুনিসিপালিটীর ৬ ও ৭ নং পল্লীতে ১৮৯৪ সালের ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের নবম পরিচ্ছেদের বিধান প্রচলিত করণার্থে প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৩ মার্চ্চ তারিখের ১২৬৩এম. নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১০ তারিখের কলিকাতা গেঙ্গেটের ১ টি খণ্ডের ৬১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলে এবং উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত হইবার তার্ণের অবধি এক মাসের মধ্যে, উপরোক্ত পল্লীর কোনং অংশে নবম পরিচ্ছেদ প্রচলনের প্রস্তাব সম্বন্ধে এক মাসের মধ্যে যেং আপত্তি উপস্থিত কর্বা গিয়াছিদ তাহা যুক্তিসিদ্ধ বলিয়া থ্রাহ্য হওয়ায় সাধারণের মবগতার্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানায় গবর্ণনেটের প্রভ উক্ত আইনের ২২১ধারামতে প্রক্ত ক্ষবতান্থ্য র ক্রিয়া এবং উক্তর বারাকপুর মুনিসিপালিটীর সন্থান্ত কমিশনরদের পরিবর্ত্তিত অন্ধরোধক্রমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীর ৬ ও ৭ নং পল্লীর নিম্ননিদ্দিট সীমার মধ্যে প্রচলিত করিবার ভন্মতি দিলেন।

ঐ স্থানের পশ্চিম সামা গলা, দক্ষিণ সামা মান্নাপাড়া রোড, পূর্ব সামা রামপদ মারিকের রোড়া কালীতলা, কীডর রোড সন্দোপপাড়া রোড, এবং উত্তর পিহারবাজার ও জলাপাড়া ভিন্ন বারুদ্দনার দক্ষিণ সামার শেষ পর্যান্ত কাডর রোডের হই পার্য এবং কালীতলা রোড হইতে বারুইপাড়া রোডের উত্তর সামার শেষ পর্যান্ত কীধর বংশীধর রোডের উত্তর পার্য এবং কালীতলা রোড হইতে বারুইপাড়া রোডের দক্ষিণ সীমার শেষ পর্যান্ত জীধর বংশীধর রোডের উত্তর পার্য এবং মুখ্যাপাড়া রোডের হই পার্য।

এচ্, এচ্, রীসলি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরী।

#### বিজ্ঞাপন।

১৪১২ টি এম, নম্বর। – ১৮১৭ সাল ৮ নবেম্বর।—ময়মনসিংহ জিলার অন্তর্গত নেত্রকোণা মুনিসিপালিটাতে ১৮৯৪ সালের বর্জায় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বর্জায় ২ আইন ছারা সংশোতি বজাদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৫ সালের ৩ মাইনের ২৬১ পারার ও ২৭০ ধারার (২) ও ২০০ প্রকরণের বিধান প্রচলিত করণার্থে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ দালের ৬ সেপ্টেম্বর তারিখের হ৮৫ টি, এম, নং এক বিজ্ঞাপন ও মাসের ১৫ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ ৪. খণ্ডের ২১১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্থাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানায় গবর্ণ মেন্টে। প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধ্রোমতে প্রদত্ত ক্ষমত। অনুসারে কার্য্য করিয়া এবং নেত্রকোণা মুনিসিপালিটাতে করিবার সম্ভাগত কমিশনরদের অন্থবোধক্রণমে ভূনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অনুমতি দিলেন।

এচ্, এচ্. রাসলি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেন্তে ট্রা ।

#### বিজ্ঞাপন ।

১২২৫ টি, এম ্নং 1—১৮৯৭ দাল ২৬ অক্টোবর। দাধারণের অবগতির নিমিত্ত এতদ্রা এই দংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুক্ত লেপ্টেনেট গবর্গর দাহেবের প্রতি কলিকাভার খুনিদিপাল আইন সংগ্রহ করণ বিষয়ক ১৮৮৮ দাপলর ২ আইনের ৪১৪ খারাক্মে যে ক্ষমতা প্রদক্ত ইইয়াছে তদমুসারে bye-laws framed by the Commissioners of the Calcutta Municipality under section 413 of the said Act:—

Revised Bye-laws for the Regulation of Cow-houses.

- 1. Every new cow-house, cattle-shed and stable constructed on a new site, and every extension of an existing cow-house, cattle-shed and stable to a new site, shall be a detached building and not within 15 feet of any other inhabited building, and shall be provided with a paved passage behind the manger at least 2 feet in width.
- 2. Before beginning to build the sauction of the Commissioners shall be obtained, and with the application a plan of the premises and sections of the building in which it is proposed to carry on the business shall be sent in for approval, and the plan shall show the provision made or proposed to be made for the drainage, lighting, ventilation and water, supply of the same, and shall also turnish a site plan of the locality showing the buildings and streets within 40 feet of the premises.
- 3. Every cow-house, cattle-shed and stable or building in which an animal is kept shall be subject to section 335, and be properly lighted and ventilated by the owner to the satisfaction of the Commissioners.
- 4. Every cow-house, cattle-shed, stable or building, etc., shall be well paved by the owner with asphalte, iron, stone or bricks-on-edge with cement pointing, flag stones set in cement, or other suitable impermeable material, and shall have a channel or gutter sloping towards a gully or cess-pool which shall be situated outside the shed.
- 5. Every cow-shed, etc., shall be provided by the owner with an adequate supply of filtered water. If a cistern is used, it shall be situated outside the shed, and its waste pipe shall terminate in the open air and be cut off from all direct communication with the drains.
  - 6. No wells shall be allowed on the cow-shed premises.
- 7. Every shed shall be provided on the outside but protected from the rain with an iron bin or other suitable receptacle for keeping dung or other refuse. All cow-dung retained for the preparation of cakes shall be kept in this receptacle, and not allowed to accoumulate on the ground.
- 8. Every person occupying a cow-shed shall keep in it only such number of cows as shall be specified in his license. The space for each cow shall not be less than 500 cubic feet in the case of country cows, and 600 cubic feet for cows imported from the North-West Provinces and other places and for buffaloes. In all cases the actual measurements of the sheds shall be taken as the basis of calculation for cubic space; provided that no height of the shed in excess of 15 feet shall be taken into account in estimating the cubic space. The stalls for single cows shall not be less than 4 feet in width, and a double stall for cows shall not be less than 7 feet 6 inches in width. The stall partitions, if any, shall not extend in front line of the manger and shall leave a clear open space above the manger.
  - 9. Every shed shall be kept clean to the satisfaction of the Commissioners.
- 10. Every cow-shed, etc., shall be thoroughly flushed and cleansed twice a day; the first time before 7 A.M., each day.
- 11. Every person occupying a cow-shed shall cause all dung manure to be removed daily in a properly constructed vehicle before 7 A.M.
- N.B.—A person who has paid his trade refuse fees shall be held to have discharged his liability under this bye-law.
- 12. No person occupying a cow-shed shall allow it to be used for any purpose other than that for which it is licensed, or shall keep or permit to be kept therein any fowl or any pig.

কার্য্য করিয়া ডিনি কলিকাতা মুনিসিপালিটীর কমিশনরগণ কর্ত্তক উক্ত আইনের ৪১৩ ধারাস্থসারে প্রণীত নিম্নলিখিত সংশোধিত উপবিধি দৃঢ় করিলেন :—

গোয়াল ঘর সমস্কে ব্যবস্থা করিবার নিমিত্ত সংশোধিত উপবিধি।

- ১। কোন ন্তন জায়গায় প্রস্তুত করা প্রত্যেক নৃতন গোয়ালঘর, গোমহিষাদির চালা ও আস্তাবল এবং যে গোয়ালঘর, গোমহিষাদির চালা ও আস্তাবল একণে আহে তাগার প্রত্যেকের কোন নৃতন জায়গা পর্যান্ত বাড়ান স্বতন্ত্র বিল্ডিং হইবে এবং অন্য যে বিল্ডিকে লোক আছে তাহার ১৫ কুটের মধ্যে হইবে না এবং ভাহাতে গোমহিষাদির জাব খাইবার যে পাত্র খাকে ভাহার পশ্চাদিকে অন্তঃ ২ কুট চওড়া পাকা পথ করিয়া দিতে হইবে।
- ২। প্রস্তুত করিতে আরম্ভ করিবার পূর্বে কমিশনরদের মঞ্চুরি লইতে হইবে। যে প্রেমিসে এবং যে বিল্ডিজে কার্য্য চালান হইবে দরখান্তের সহিত সেই প্রেমিসের এবং সেই বিলডিজের সেকশনের এক খানি নক্শা অন্ন্যোদনের নিমিত্ত পাঠাইতে হইবে, এবং তাহার জল নিকাশেরা, আলোর, বাতাস খেলিবার ও জল সরবরাহের যে বিধান করা হয় বা বিধান করিবার প্রস্তাব করা হয় ঐ নক্শায় তাহা দেখাইতে হইবে এবং উহাতে ঐ পল্লীর ও নক্শায় তাহা দেখাইতে হইবে। ঐ প্রেমিস হইতে ৪০ ফুটের মধ্যে যে সমস্ত বিল্ডিং ও ফ্রীট আছে পল্লীর নক্শায় তাহা দেখাইতে হইবে।
- ৩। যে গোয়ালঘরে, গোমহিষাদির চালায় ও আন্তাবলে কিমা বিল্ডিজে কোন জন্ধু রাখ যায় ভাষা ৩৩৫ ধারার নিয়মাধীন হইবে ও কমিশনরদের সন্তোষজনক হয় মালিক ভাষাতে আলোর ও বাতাস খেলিবার এরপ উপযুক্ত উপায় করিয়া দিবে।
- ৪। মালিক প্রত্যেক গোয়াল্যর গোমহিষাদির চালা, আন্তাবল বা বিলডিং প্রস্কৃতির মেজে আন্ফাল্ট, লোহা, পাতর কিল্পা ইট দিয়া খাদরি করিয়া সামেন্ট দিয়া তাহার বাইন মারিয়া, সীমেন্টে কাগ কৌন বৃদাইয়া কিল্পা যাহাতে জল প্রবেশ করিতে পারে না এমন কোন উপযুক্ত দ্বব্য দিয়া ভাল করিয়া পাক। করাইয়া দিবে এবং ময়লার গর্তের দিকে গড়ানিয়া নালা করাইবে, প্রময়লার গর্ত চালার বাহিরে থাকিবে।
- ৫। মালিক প্রত্যেক গোয়ালঘর প্রভৃতিতে যথেষ্ট পরিষ্কৃত জ্বল যোগাইবে। জ্বলাধার বা, ট্যাঙ্ক রাখা হইলে তাহা চালার বাহিরে থাকিবে এবং তাহার ওয়েষ্ট পাইপ ফাঁকায় শেষ হইবে ও সাক্ষাৎ সম্বন্ধে ড্রেনের সহিত তাহার যোগ থাকিবে না।
  - ৬। গোয়ালবাড়ির প্রেমিনে পাতকুয়া করিতে দেওয়া হইবে না।
- ৭। প্রত্যেক চালার বাহিরে যে খানে র্টির জল না পড়িতে পায় এমন ছানে গোবর বা জন্য আবর্জনা রাখিবার জন্যে লোহার বিন্ বা জন্য উপযুক্ত পাত্র রাখাইয়া দিতে হইবে। মুঁটে করিবার জন্যে যত গোবর রাখা হয় তাহা এই পাত্রে রাখিতে হইবে, মাটিতে জ্মা করিতে দেওয়া হইবে না।
- ৮। গরুব চালার দখীলকারের লাইসেন্সে যত গরুর কথা লেখা থাকে সে তথায় কেবল ততগুলি গরু রাখিবে। দেশী গরু হইলে এক একটা গরু থাকিবার স্থান ৫০০ ঘন ফুটের কর হইবে না এবং উত্তর পশ্চিম-প্রদেশ বা অন্যান্য স্থানহইতে আনীত প্রত্যেক গরুর স্থান ও প্রত্যেক মহিষের স্থান ৬০০ ঘন ফুটের কর হইবে না। সকল স্থলেই চালার প্রকৃত পরিমাণ ধরিয়া ঘন ফুটের হিসাব করিতে হইবে। কিন্তু ঘন ফুট হিসাব করিবার সময় চালার ১৫ ফুটের অধিক যে উচ্চতা থাকে তাহা ধরা যাইবে না। এক একটা গরু থাকিবার স্থান ৪ ফুটের কম প্রশন্ত হইবে না, ও যোড়া গরু থাকিবার স্থান ৭ ফুট ৬ ইঞ্জির কম হইবে না। থাকিবার স্থানের বিভাগ থাকিলে তাহা জাব খ ইবার পাত্রের সমুখ লাইনে থাকিবে না এবং জাব খাইবার পাত্রের উপর খানিকটা খোলা থাকিবে।
  - ১। প্রত্যেক চালা কমিশনরদের সম্বোষজনকরপে পরিকার রাখিতে হইবে।
- ১০। প্রত্যেক গরুর চালা প্রভৃতি দিনে গুইবার ভাল করিয়া ধুইতে ও পরিক্ষার করিতে হইবে।
- ১১। গরুর চালার প্রত্যেক দখলিকার উপযুক্তরূপে প্রস্তুত করা গাড়িতে প্রতিদিন দকালে ৭ টার পূর্কে সমস্ত গোবরের সার স্থানান্তর করাইবে।
- মশুব্য --যে ব্যক্তি আবৰ্জনা ফেলিবার ফী দিঘাছে এই উাবিধিমতে তাহাব আব দায়িত্ব পাকিবে না এইরপ বিবেচনা করা যাইবে।
- ১২। যে জ্বন্য গৰুর চালার লাইসেপ্স দেওয়া হয় ঐ চালার দ্বীলকার তাহা ভিন্ন অন্য কোন কাজের জন্য উহা ব্যবহার করিতে দিবে না। এবং সেই দ্বীলকার তথায় কুরুটাদি পক্ষা কিছা শ্বর শাবক রাখিবে না এবং রাখিতে দিবে না।

- 13. These bys-laws shall not, except in special cases, apply to any cow-house in which less than five cows are kept without the express orders of the Commissioners.
- 14. Every license-holder shall be bound to keep hung up in a conspicuous place in his cow-shed such license and to show it to any legally authorised person requiring its production.

Rule 15.—" Every person occupying a cow-shed shall give notice in writing within 24 hours to the Inspect r of the ward in which the cow-house, etc., is situated of the existence of any contagious or infectious or dangerous disease amongst his cows, and shall destroy or allow to be destroyed all milk in his cow-shed which there shall be reason to think has been liable to contamination. The Inspector of the ward, on receiving information of the existence of any contagious or infectious disease in any cow-house, shall give intimation of the fact to the Police Inspector of the section for the purpose of segregating the diseased animals; it shall be the duty of the person occupying the cow-shed to get the cow-house cleansed, disinfected and limewashed."

Rule 16.—"No person suffering from any loathsome, contagious or infectious disease shall live in or enter any cow-house in which milch-cows or milch-buffaloes are kept or shall take any part in the conduct of the trade or business of cow-keeper or purveyor of milk; and every person affected with such disease in any cow-house shall remove or shall be removed immediately therefrom, and the part of the cow-house in which the sick person shall have been shall be thoroughly cleansed, disinfected and limewashed."

H. H. RIBLEY,
Secy. to the Goot. of Bengal.

- ১৩। যে গোয়ালঘরে ৫টা গরুর কম গরু রাখা হয় বিশেষ বিশেষ কারণ ছাড়া অন্য কারণে কমি-শন্রদিগের স্পষ্ট আদেশ ব্যতীত সেই গোয়ালঘর সম্বন্ধে এই সকল উপবিধি খাটিবে না।
- ১৪। প্রত্যেক লাইনেন্দধারী আপন গরুর চালার কোন প্রকাশ্য স্থানে লাইনেন্দ টাঙ্গাইয়া রাখিতে বাধ্য হইবে এবং আইন অনুসারে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন ব্যক্তি তাহা দেখাইতে বলিলে দেখাইতে বাধ্য হইবে।
- ১৫ বিধি। গরুর মধ্যে কোন সংক্রামক বা স্পর্শ ক্রামক বা সঙ্কটজনক রোগ উপস্থিত হইলে গরুর চালা প্রভৃতি যে ওয়ার্ডে থাকে গরুর চালার দখীলকার সেই ওয়ার্ডের ইনস্পেট্ররের নিকট ২৪ ঘন্টার মধ্যে তাহার লিখিত নোটিস দিবে। ও তাহার গরুর চালার মধ্যন্থিত যত হ্ম দৃষিত হইয়াছে বিলিয়া বিবেচনা করিবার কারণ থাকে তাহা নফটুকরিবে কিয়া নফ করিতে দিবে। কোন গোয়ালঘরে সংক্রামক বা স্পর্শ ক্রাক রোগ উপস্থিত হওয়ার সংবাদ পাইলে ওয়ার্ডের ইনস্পেট্রর রোগগ্রেন্ড জন্ম পৃথক করিবার নিমিন্ত সেই সেকশনের পোলাসের ইনস্পেট্ররকে ঐ কথা জানাইবেন। গোয়ালঘরের দখীলকারকে গরুর চালা পরিক্রার করিয়া দিতে হইবে, দোশ শ্ন্য করিয়া দিতে হইবে এবং কলি ফিরাইয়া দিতে হইবে।

১৬ বিধি। যে গোয়ালঘরে গুশ্ধবতী গরু বা গুশ্ধবতী মহিষ রাখা হয় সেই গোয়ালে স্থাজনক, সংক্রামক বা স্পাশাক্রামক রোগগ্রস্ত কোন ব্যক্তি থাকিবে না ও যাইবে না এবং প্রিরপ ব্যক্তি গোয়ালার কিম্বা গৃদ্ধ সরবরাহ করিবার কার্য্য করিবে না। গরুর গোয়ালে উক্ত রোগগ্রস্ত কোন ব্যক্তির এইরপ কোন রোগ হইলে সে তৎক্ষণাৎ সেখান হইতে সরিয়া যাইবে অথবা তাহাকে তৎক্ষণাৎ সেখানহইতে সরাইয়া দিতে হইবে। গরুর গোয়ালের যে অংশে পীড়িত ব্যক্তি ছিল সেই অংশ তাল করিয়া পরি কার করিতে, দোষশ্ন্য করিতে ও কলি ফিরাইয়া দিতে হইবে।

এচ্, এচ্, রীসলি,

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



# গবণ্মেণ্ট গেজেট

## যজলবার, ১৮৯৭ সাল ১৩ নবেম্বর 🕴

# চতুর্থ থগু।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের পাঞ্লিপি।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট।

#### ব্যবস্থা বিভাগ।

নিশ্রনিখিত আইবের পাওুলিপিথানি ১৮১৭ সালের ১৫ই অফ্রোবর তারিবে আইন ও ব্যবস্থা অণ্যনার্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মন্ত্রিসভার উপস্থিত করা হইয়াছিল।—

১৮৯१ मारमज ১९ नः।

অধিকার বহিড় তি স্থানে ক্রত অপরাধ সম্বন্ধে ভারতবর্ষের দওবিধির আইন সংশোধন করণার্থ আইনের পাণ্ডুলিপি।

অধিকার বহির্ভূ ত স্থানে ক্নত অপরাধ সম্বন্ধে ভারত-বর্ষের দণ্ডবিধির আইন সংশোধন করা বিহিত। অত-এব এতদ্বারা নিম্নলিখিতমত বিধান করা গেল।---

- ১ ধারা। (১) এই আইনটিকে ভারতবর্ষের দশু-বিধির আইন সংশোধন কর-দংকেপ নাম ও আর্ড ণার্থ ১৮৯৮ সালের আইন বলা क्ट्रेबाय कथा। যাইতে পারিবে, এবং
  - (२) ইহা অবিলয়ে আমলে আসিবে।

২ ধারা। ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির জাইনের **৪ ধারা** এতদ্বারা বহিত করা গেল এবং ১৮৬০ দালেব ৪৫ আই-

**स्मय 8 भा**यात्र शतिव**टर्स** মৃতন ধারা বদাইবাব কথা।

তৎপরিবর্জে নিম্নলিখিত ধারাটি সন্ধিবেশিত হইল, অর্থাৎ— '৪ ধারা।

অধিকাৰ বহিতৃতি স্থানে কৃত অপবাধ সম্বন্ধে আইন বাটিবার কথা।

(১) ৱটিশ ভারতবর্ষের বহিভূতি কোন স্থানে জীপ্রীনতীর কোন এদে-শীয় ভারতীয় ৫জা কর্তৃক,

- (২) ভারভবর্ষের কোন দেশীয় রাজা বা অধিপতির শাসনাধীন দেশে অপর কোন রটশ প্রজা কর্তৃক,
- (৩) ভারতবর্যের কে:ন দেশীয় রাজা বা অধিপত্তির শাসনাধান দেশে মহারাণীর কোন চাকর, রটিশ প্রজা হউন স্থার নাই হউন, তাঁহার কর্তৃক —

কোন অপরাধ ক্বত হইলে তৎসন্বন্ধে এই আইনের বিধান খাটিবে।

ব্যাখ্যা।—রটিশ ভারতবর্ষের ভিতরে করা গেলে যে কার্য্য এই আইনামুসারে দণ্ডনীয় হয় ব্লটিল ভারত-বর্ষের বাহিরে সেই কার্য্য করা ছইলে এই ধারায় '' **অপরাধ** '' শব্দে তাহাও বুঝাইবে।

#### উদাহরণ।

- (ক) ক নামক একজন কুলি এদেশবাসী ভারতীয় **প্রজা।** সে উগাণ্ডায় একটা **হ**ত্যা রটিশ ভারতবর্ষের যে কোন স্থানে তাহাকে পা ওয়া যায় তথায় তাহার বিচার এবং হত্যাপরাধ সাব্যক্ত হইতে भातित्व ।
- (\*) শ একজন ইউরোপীয় রটিশ প্রজা। সে আক্সান্খানের প্রান্তদেশের যে দিকে রটিশ আধিপত্য সেই দিকের অসভা **জ্ঞা**তিদিগের **Cमर**न একটা বলাৎ

A Bill to amend the Indian Penal Code in relation to Extra-territorial Offences.

কারের অপারাধ করে। রটিশ ভারত-বর্ষের যে কোন ছানে ভাছাকে পাওয়া যায় তথায় ভাছার বিচার এবং বলাৎ-কারাপারাধ সাব্যক্ত হইতে পারিবে।

- (গ) গ নামক একজন বিদেশীয় ব্যক্তি পঞ্জাব গবর্ণমেন্টের অধীনে চাকরী করে। সে বিন্দে একটী হত্যাপরাধ করে। রটিশ ভারতবর্ষের যে কোন স্থানে তাহাকে পাওয়া যায় তথায় তাহার বিচার এবং হত্যাপরাধ সাব্যস্ত হইতে পারিবে।
- (ঘ) ঘ একজন ইন্দোরবাসী রটিশ প্রজা। সে গুকে বোম্বাইয়ে একটা হত্যাপরাধ করিতে উত্তেজিত করে। ঘ হত্যাপ-রাধের সহায়তাকরণাপরাধে অপ-রাধী।'

রটিশ ভারতবর্ষের ভিডর রটিশ ভারতবর্ষের বাহিবে কৃত অপরাধের সহায়তা করিবার কথা। ৬ ধারা। ভারতবর্ষের দণ্ড-. বিধির আইনের ১০৮ ধারার পার নিম্নলিখিত ধারাটী যোগ করিতে হইবে, অর্থাৎ—

"১০৮ ক ধারা। যে কার্য্য রটিশ ভারতবর্ষে ক্বড
হইলে অপরাধ হয় কোন
রটিশ ভারতবর্ষের ভিতব ব্যক্তি রটিশ ভারতবর্ষের থাকিয়া
রটিশ ভারতবর্ষের বাহিরে সে
কারবার কথা।

ব্যক্তির এই আইনের অর্থা-

হুলারে অপরাধের সহায়তা করা হয়।

#### উদাহরণ।

ক রটিশ ভারতবর্ধে থাকিয়া খ নামক গোয়ার এক জন বিদেশীয় বংক্তিকে গোয়াতে একটী হত্যাপরাধ করিতে উত্তেজিত করে। ক হত্যাপরাধের সহায়তা করণ অপরাধে অপরাধী।"

#### অভিপ্রায় ও হেতুর বিবরণ।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট বিষয়ক ১৮৩৩ সালের আইনের (৪র্থ উইলিয়মের ৩য় ও ৪র্থ বৎসর; ৮৫ অধ্যায়)
৪৩ ধারাক্রমে প্রদন্ত ক্ষমতাহ্নসারে ১৮৬০ সালে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইন প্রনীত হয়। বোষাইয়ের ক্রোজদারা মোকদ্দমা বিষয়ক ৭নং পুস্তকের ১০০ পৃঠায় ১৮৭৮ সালের রাজ্ঞী বনাম এলমফৌন মোকদ্দমা দেখ।

- ২। তাহার পর পার্লেমেন্ট ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাকে অধিকারবহিভূ তি স্থানে ক্কৃত অপরাধ সম্বন্ধে আইন করিবার বিবিধ ক্ষমতা প্রদান করিয়াছেন। কিন্তু ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনে তদমুরূপ সংশোধন করা হয় নাই। ভিন্নদেশের বিচারাধিপত্য বিষয়ক এবং অপরাধিদিগকে স্থ স্থ দেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ২১ আইনের ৮ ধারা প্রনয়ন করিবার সময় প্র্যাত্রায় না হইলেও বছল পরিমাণে ঐ উক্ত ক্ষমতামত কার্য্য করা হইয়াছে। কিন্তু ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইন অধিকারবহিভূ তি স্থানে কতদূর খাটে তাহা ঐ আইনেই নির্দিষ্ট খাকা বাঞ্ছনায় বলিয়া বোধ হয়। বঙ্মান সময়ে ঐ আইনে এই বিষয় যেরূপে নির্দিষ্ট আছে তাহা অসম্পূর্ব এবং তাহা পাঠ করিয়া ভ্রম জন্মিতে পারে। আবার ঐ সকল বিধান একত্র সংগ্রাহ করা ছাড়া আরও কিছু বেশী করা আবশ্যক। অভএব বর্ত্তমান পাতুলিপিখানি প্রস্তুত করা ইইয়াছে। দণ্ডবিধির আইন সংশোধন করণার্থ সময়ে যে ভিন্ন ভিন্ন আইন প্রনীত ইইয়াছে শেষে তৎসমুদ্য সংগ্রাহ করিবার প্রস্তুত করা হইয়াছে। কিন্তু সংগ্রাহ করেণ ও সংশোধন কার্য্য পৃথক রাখাই ভাল।
- ত। অধিকারভুক্ত স্থানে ক্বত হইলেই অপরাধের বিচার হইতে পারে ইংরাজী আইনের এই নীতিটি বাঁটি কমান লার নীতি। আসামার জবাব সম্বন্ধীয় প্রাচীন বিধি হইতেই বাধ হয় ইহার উদ্ভব। অন্যান্য জাতিরা এই নীতি গ্রহণ করে নাই—হলের আন্তর্জাতিক আইনের ৩ য় সংস্কলের ২০৬ পৃষ্ঠা এবং ইণ্ডিয়ান লা রিপোর্টের বোদ্বাই সিরিজের নং পৃস্তকের ৩৬২ পৃষ্ঠায় (১৮৮১ সালের) রাজ্ঞী বনাম মুর্গা চেট্টির মোকদ্বনায় জজ ওয়েই সাহেবের রায় দেখ। পার্লামেনই ভারতবর্ষের অবস্থার প্রতিক্রম করিয়া ভারতবর্ষের ব্যবস্থাপক সভাকে কোন কোন স্থলে অধিকারবহিভূতি স্থানে ক্বত অপরাধ সম্বন্ধে ব্যবস্থা করিবার ক্ষমতা দিয়াছেন। এই বিকল। ক্ষমতার পূর্ণ মাত্রায় পরিচালন করা ন্যায়্য বলিয়া বোধ হয়। বর্ত্তমান পাঞ্লিপিখানিতে সেই উদ্দেশ্য সাধিত হইবে। তাহা হইলেও কতকগুলি অনিয়ম ধাকিয়া যাইবে, কিন্তু প্রান্তির নৃতন আইন ব্যতীত ঐ সকল অনিয়ম সংশোধিত হইতে পারে না।

#### धाता मश्चा मखता।

২ ধারা ।—এই ধারায় দওবিধির আইনের ৪ ধারা রহিত করিয়া তৎপরিবর্তে ন্তন ধারা বসাইবার প্রস্তাব করা ছইয়াছে।

সূতন ধারার (১) দক্ষার ভারতবর্ষীয় কৌ শিল বিষয়ক ১৮৬৯ সালের আইনের (ভিক্টোরিয়ার ৩২ ও ৩৩ বৎসরের ৯৮ অধ্যায়) ১ ধারার শব্দাবলি অভ্নস্ত হইয়াছে এবং উহা ভিন্নদেশের বিচারাধিপত্য বিষয়ক এবং অপ্রাধিদিগকে অভ্যাদেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের ২১ আইনের ৮ ধারার (১) দকার অভ্যরপ।

ন্তন ধারার (২) দফায় "র্টিশ প্রজা" এই শব্দয় ব্যবহার করিয়া ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট বিষয়ক ১৮৬৫ সালের আইনের (ভিক্টোরিয়ার ২৮ ও ২৯ বৎসর, ১৭ অধ্যায়) ১ ধারার শব্দের অম্পরণ করা হইয়াছে। ১৮৭৯ সালের ২১ আইনের ৮ ধারার (২) দফা কেবল ইউরোপীয় রটিশ প্রজা সম্বন্ধে খাটে। পাণ্ট্রিপির মূতন ধারার (২) দফা দ্বারা উক্ত ৮ ধারার (২) দফার প্রসর বিদ্ধিত হইবে। এমন অনেক রটিশ প্রজা আছে যাহারা আইনের অর্থনির্দেশমত ইউরোপীয় ব্রিটিশ প্রজাও নহে আর এদেশীয় ভারতবর্ষীয় প্রজাও নহে। যথা সিংহলবাসী, টাসমানিয়াবাসী কিশ্বা ফ্রেট সেটেলমেন্টবাসী।

৩ ধারা সম্বন্ধে বক্তব্য এই যে ভারতবর্যের কোন্সিল বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইনের (ভিক্টোরিয়ার ২৪ ও ২৫ বৎসর, ৬৭ অধ্যায়) ২২ ধারাক্রমে ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রতি "শ্রীশ্রীমতীর সহিত বন্ধুত্বসূত্ত্বে আবদ্ধ সকল রাজা ও রাজ্যের অধিকার মধ্যন্থ ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সকল চাকরের " নিমিত্ত আইন করিবার ক্ষমতা এদত্ত হইয়াছে। ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৪ ধারাক্রমে উক্ত আইনের বিধান "ইহার পুর্বের কোম্পানি বাহাগুরের সক্তে কোন রাজ্যের কি দেশের যে সন্ধি কি করার হইয়া পাকে তাহার নিয়মান্সারে, কিম্বা ভারতবর্ষের কোন গবর্ণমেন্টের দ্বারা 🕮 🖺 মতী মহারাণীর নামে যে সন্ধি কি করার করা গিয়াছে কিম্বা পরে করা যায় তাহার নিয়মাহসারে, এীশ্রীমতীর সঙ্গে সন্ধিসূত্তে আবদ কোন রাজা বা রাজ্যের অধিকার মধ্যস্থ" মহারাণীর প্রত্যেক চাকর সম্বন্ধে খাটান হইয়াছে। কি ভারতব্যীয় জাইনে কি ইংলণ্ডীয় আইনে গবর্ণমেন্টের ষে সকল কর্মচারী রটিশ প্র<u>জা</u> তাঁহাদের এবং যে সকল কর্মচারী তাহা নয় তাঁহাদের মধ্যে কোন প্রভেদ করা হয় নাই। অতএব ইণ্ডিয়ান লা রিপোর্টের বোষাই সিরিজের ১৬ নং পুস্তকের ১৭৮ পৃষ্ঠায় (১৮৯১ সালের) ভারতবর্ধের অধীশ্বরী বনাম নাটওয়ারাই মোকদ্দ্যায় রায় নাক্চ করিবার নিমিত্ত "রটিশ প্রজা হউন আর নাই হউন" এই শব্দগুলি পাণ্ডুলিপিতে সন্নিবেশিত করা ছইল। ঐ রায়ে এইরপ মত প্রকাশ করা হয় যে গবর্ণমেন্টের যে কর্মচারী কোন দেশীয় রাজ্যের প্রজা তিনি ৰুটিশ ভারতবর্ষের বাহিরে যে অপরাধ করেন তজ্জন্য তাঁহার রটিশ ভারতবর্ষের ভিতরে বিচার হইতে পারে না। ইহার জন্য ফৌজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক সাইনে যে সংশোধন করা আবশ্যক হয় তাহা করা যাইবে।

সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ১০ আইনের ৩ ধারার (২৭) দফায় " ভারতবর্ষ " শব্দের অর্থ-নির্দ্দেশ করা হইয়াছে। ঐ অর্থনির্দ্দেশ অর্থ করণ বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইনে (ভিক্টোরিয়ার ৫২ ও ৫৩ বৎসর, ৬৩ অধ্যায়) ঐ শব্দের অর্থনির্দ্দেশের সহিত মিলে।

ও ধারা। এক ব্যক্তি রটিশ ভারতবর্ষে ধাকিয়া এক জন পটু গাজকে গোয়ায় একটা হত্যা অপরাধ করিতে উত্তেজিত করায় বোদ্বাই হাইকোর্ট তাহার কোন অপরাধ হয় নাই এই মর্মে রায় প্রকাশ করাতে (ইণ্ডিয়ান লা রিপোটের বোদ্বাই সিরিজের ১৯ নং পুস্তকের ১০৫ পৃষ্ঠায় ১৮৯৪ সালের ভারতবর্ষের অধীশ্ররা বনাম গণপৎরাও মোকদ্দমা দেখা) বোদ্বাই গবর্ণমেন্ট যে পরামর্শ দেন সেই পরামর্শ কার্য্যে পরিণত করিবার অভিপ্রায়ে এই ধারাটা প্রণীত হইয়াছে। হত্যাকারী যদি এদেশায় ভারতীয় প্রজা হইত তাহা হইলে বোধ হয় বর্তমান আইন তাহার সম্বন্ধে খাটিত, কিন্তু এবিষয়ে কোন তর্কবিতর্ক হয় নাই। ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার রটিশ ভারতবর্ষের সকল ব্যক্তিরই নিমিত্ত আইন করিবার ক্ষমতা আছে এবং যে সকল লোক অপর লোককে অপরাধ করিতে উত্তেজিত করে তাহারা রটিশ ভারতবর্ষে থাকিয়া কেন যে নিরাপদে ঐরপ করিতে পারিবে তাহার কোন কারণই দেখা যায় না।

এম্, ডি. কালমার্স।

জে, এম্, ম্যাকৃফার্সন,

১৮৯৭ সাল ৭ই অক্টোবর।

ভারতবর্ষের গবন্মেন্টের দেক্রেটরী।

Chunder Nath Bose, Bengali Translator.



# गवन्यन् कारकि

TUESDAY, NOVEMBER 16, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৬ নবেম্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

षष्ट्रेम थए।

ইশ্ভিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম। ইন্তিহার নামা কাছারি কলেইরী জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান ষাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারিখের অনাদায় ১০, টাকার ঊদ্ধ জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ ভালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার বর্ষায়তে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেটুরী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

				স দব	ক মা ৷		স্কী।		
•মিক বেব।	তাপুকাব নগব।	মৌজা, পানা, মহাল ও ভালুকাব নাম।	মালিকেব নাম :	শকানা ৷	(\$ <del>5</del> )	ু থাজান <sub>া</sub>	চেচ।	८माउँ।	<b>म</b> श्चरा
>	۹	•	8	đ	•	9	<b>+</b>	2	٥.
3	\$ 0,5 0.8 6 0.8	মোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল ন ওয়াবাদ।— তাং আহাম্মদ আলী ও মাচাং ইছপ ও কোব্বান আলী ও আজগর আলী ও শ্রীমতী সুরবিবি।	জ্ববার আলী সদাগর জানিবে শ্রীমতী ময়মুনা খাতুন ও করিমন্ত্রিছা পক্ষে হিং হুরল হক্ ও আছফা খাতুন, নেজা- মত আলী চৌধুরী ও মণীক্র চক্র ঘোষ, মোবা- রেক আলী, আবছল রহমান ও নেজামত আলী ও আবগুল হাকিম হুয়ুং তং নাবাকেগ		२ ७७।/७	৩৬  ৯/৯	3⊌   <b>~</b> °	داده	
			প্রতা আলা মিঞা ও ইছমাইল হিতৈষী উক্ত আবগুল হাকিম।						

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon.

For Collector.

#### জिना ग्रामम् ।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালনহ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজ্জত্বর ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২০ ডিসেম্বর তারিখে বেলা মুই অহর ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

>	2	٥	8	a	! 	9	<b>b</b>	>
তৌজির নধর।	মহাল ও প্রগনার নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদৰ জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কি না।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রম গুটলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হউবে ভাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হুইলে. ঐ অংশেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল   কিন্তুয় ছইলে   তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ভাহার বাকী।
<b>4</b> Þ3	কাশিমপুর পর- গণা কাশিমপুর।	२७३३ ४७०	না	এই মহালে মোট ৬৯টামোজা আছে	শিবগোবিন্দ গোক- দার, বিবিম্বত্তন	3159040		<b>P</b> >10
k				এই সম্পূর্ণ মহালের		ন নেসা ি	বাব উজিরেণ	1
	রেশিভূয়ারী অং	শ নিলাম :	হইবে কিশ্ব	নীচের লিখিত অংশ-	সেনা স্বয়ংও উ	<b>তি</b> রণ নেসা	পক্ষে মৃজা	
	গুলি যাহার ড	গন্য স্বতন্ত্র বি	তনটা পৃথক	হিসাব খোলা আছে	আবেদ হোমেন, ভ	নবেদা খাড়ু	ন্, ও আমল	1
	তাহা নিলাম			ε.	খাতুন ; গোলাম		-	4
	(১) এই সম্পূর্ণ	মহালের ও	०० छ। यो जा	র মধ্যে <sub>(</sub> ৯)৫ ছাপ				
	অংশ	,			মূরজাঁহা নেসা পণ্			1
	1			া, গাজিপুর, খোদ-	বন নেসা; মধুসুদ			1
	1		7	া. জলকর গাজিপুর,	i			1
				াহাজীর, জোতমণি,	1			
				পাড়া, পাহাড়াভিটা.				
	t and the second			লানী, বিল দহভারা,	য়ণ নন্দী স্বয়ণ ও	٦.		
	1			বানীপুর, মবারকপুর,	শশিভূষণ নন্দী ; ি			1
	,		4	স্বজইল, স্থলতানপুর	চন্দ্র থোকদার আ	,	- \	
_	1 -	-		।।২ দ্বীপ অংশ ও মন্ত্রিক কর্মন	ও সাবির মহম্মদ	~ ,		1
7	1 , ,	াবাজপুর নগ মৌজার।/২		মণি, স্কাইল ও উত্তর '	চৌধুরী, জহর ম নেসা; সমনজান ে			
	Colle	्रत्याञ्चाम १८५ ।	।	1	ं देनगाः, ग्रामध्याम् ६	শণা ড শ্র্	। ভালেনা।	

উল্লিখিত রেসিডুয়ারী অংশ ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কিন্তির বাকী রাজস্ব ভাদায় জন্য নিলাম হইবে।

চীক!—যে স্বলে উপবেব লিখিত ধৰ্ণনাপত্ত্বে ৫, ৭ ও ১ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম ১১বে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ২হা বুবিতে হইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইমা থাকে ও মহালেব অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্ৰম হয় না।

MALDA COLLECTORATE,

J. H. LEA.

The 1st November 1897.

Collector.

#### জিলা চট্টপ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিধিত বছালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে শাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার মিমিত সন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন্ ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ৷

3	٤	•	8	t	હ	1	ь	•
ভৌজিয় নম্ব ।	• মহাল ঙ প্রগণার নাম।	সম্পূৰ্মহাটোৱ ১, ধৰ জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হটবে কিলা।	কেনল মাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিষরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম স্ট্রে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছউলে ঐ অং- শোব সদর শুমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম চইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত বিক্ৰয় হইলে তাহা বাকী।
3039 3039 3444	থানে শাতকানীয়া মোং গারাজায়া তং মোং গারাজায়া বাং তং মঞ্চত রা হাজারি ।	20201/2	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰী হ <b>ই</b> - বেক।	••••	শ্রীযুত বাবু কৈলাস চম্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবহুল কন্তা খাঁ শ্রীদাহ মিঞা গং।	••••	৩০40/০	
७७• २२०৯ ১ <b>१</b> ८०	ভরক মেডিজ শোহ গারা— বাং ডং মঞ্চত রাম হাজারি।		Ŷ.	•••••	শ্রীগমির সিং হাজারি শ্রীআবগুল কঠা বাঁ গং।	1	<b>૭</b> ৯৮॥ <sub>৶</sub> ર	•••••
4.54 846 846			is a		শ্ৰীদেশ হাবিব আহা স্মদ চোং জাং ডৎ পিতা মকবৃদ্দ আল চোং পক্ষে।	-	81119	

সন ১৮৯৭ ইংরেজীর ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

জীকা।— যে ল্বলে উপবের লিখত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ১ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া শিখিত আছে দেই ল্বলে ইছা বৃথিতে চইবে যে এ আংশেব মিম্বিভ অভান্ন হিনাব রাখা কইয়া থাকে ও মহালেব অন্য ব। অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় নাঃ।

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. DIXON,
For Collector.

#### खिना यानपर।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতছারা সংবাদ দেওয়৷ যাইতেছে যে মালদহ জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ধবেক্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ভ অন্ত্লারে উক্ত মালদহ জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২০ ডিসেম্বর তারিখে মোতাবেক বাজালা ১৩০৪ সনের ৬ পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রায় হইবেক !

**यतिकात्रगगरक निरम्नत निर्मि**छ निर्मारयत मर्ख मकरन वाथा इहेरछ इहेरत।—

#### নিলামের সর্ত্ত :---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা **অধিক**মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক
স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইরাছে তাহা চিরন্থরূপে গণ্য হইরা এই মহালে গ্রথমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দারায় যে সকল শত্ত অর্পন হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাটা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা ক্রমক প্রজা দারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের শ্বত্ত স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অন্ধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার উদ্ধ হইলে যত টাকা ভাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (য়ে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়-কারি খরিকারের দায়ীতে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ীধোবরা মহাদের ভক্ত এজমালী॥• আনা অংশ।	একব, কড পোল ট ১৩০২৩৬ ১০		এই মহালের এজমালী অবিভক্ত গবর্ণমেন্টের ॥০ পাট আনা অংশ
ছক্ত এজমালী॥ আনা অংশ।	` <u>₩</u> 20>>	et 110/30	এই মহালের এজমালী অবিভক্ত গবর্ণমেন্টের ॥০ পাট আনা অংশ
না কাশিমনগর।			নিলাম হইবে : তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্থ ঘরে গবর্ণমেন্টের।। আট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। এই মহাল বর্ত্তমান সনের জন্য ইজারা বন্দো- বস্ত আছে আগামী ১৮৯৮ সালের ৩১ণে মার্চ্চ তারিখে ইজারার
দশ আনা তরক পুর মহালের অবি- এজমালী।।• আট অংশ। না কাশিমনগর।	٥٤٠٠- د ١٥٥	30 II/ 2	ম্যাদ শেষ হইবে আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে। এই মহালের অবিজ্ঞ এজমালী গবর্ণমেন্টের ॥ ত আট আনা অংশ নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্ব ঘরে গবর্ণমেন্টের ॥ ত আট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল ইইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য ইইবে।
াড়া সোণাপুর। না কাশিমনগর।	\$\$ <del>p2</del>	15 ~ 33	আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।
	পুর মহালের অবি- এজমালী।।• আট অংশ। না কালিমনগর। াড়া সোণাপুর।	भूत यशास्त्र पार्व- अक्षमामी ।। जाहे प्रश्म । तो कोस्मिमनगत । ।।जा সোণাপুর । तो कास्मिमनगत ।	এজমালী।। আট  অংশ। না কালিমনগর।  াড়া সোণাপুর।  ২২৮১৮ ১৭৬ ন/ ১১ না কালিমনগর।

কালেক্টরের কাছারি জেলা মালদহ ভারি**খ** ২৮শে অক্টোবর ১৮৯৭।

J. H. Lea, Collector.

#### জিলা নোয়াখালি।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া বাইভেছে যে বোমাখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আ্লিসে বাকী রাজন্ত ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্তের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জানুয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

3	ì	3	R	¢	8	,	۲	3
ভৌজির নহর।	মহাল ও পরগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহা- পের সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেংলমাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ও অংশ বা ঐ> অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইপে, ঐ অং- শেব সদর শ্বমা!	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইলে ভাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহাব বাকী।
433	বামনি জনিদারী চাকলে বামনী।	<b>&gt;&gt;&gt;</b> ,	সম্পূৰ্ব		বাবু উপেচ্ছাচন্দ্ৰ দক্ত মোনছারত্বাব মিয়া কোজা ফেট ও বাবু রয়ুনাধ প্রসাদ তেওয়ারি গং।		\$ - \$ \$    \dot 2 \gamma 2	<b></b>
			খাস মহ	লৈ টেনিউর —				
5445	शः यः शाउमा	७३४५७	मण्णृर्व	•••••	ওয়াজনি ঘাট মাজি।		282√€	*****
১৬৬২	আবহুল রহমান।  চর মবধরা গং মং  হাওলা আজম- ভুলা গং ৮০ নং  দখল।	9 • 5 4 4/9	ď		ত্রৈ <b>লো</b> ক্যনাথ গুছ অভিভাবক জানিবে সচিনাথ গুহ।	••••	20012	<b></b>
3693	চর গাজির ১ নং দখল।	२०२१।७८	· j		জমিয়ত খালি		85-910	
2692	ঐ চরে ২ নং দখল	20021122	·		١		७१७।/७	••••
3626.	চর আনেকজভারের	8049	(a)		নবকুমার বহু		306,2	•••••
	১ নং গং মং হাওলা।							
3666	এই চরের ২ নং গং মং ছাওলা।	48242	<b>D</b>	••••	Ġ.		390142	•••

S. K. AGASTI,

Collector.

#### জিলা চট্টগ্রায়।—ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের জনাদায় ৫০) টাকার উদ্ধ জ্মার নওয়াবাদ তালুকাদির বাকী ধাজনা ও ছেছ আদারের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এজিল তারিখে নিলায় হইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জব্দ হইয়াছে সেই দমস্ত তালুকাদির বাকী আদারের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্ম্ময়তে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ ব্রহম্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেকুরী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলায়ে ধরা যাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্ৰমিক	<b>তলুকার ন</b> খব।	মৌলা পানা, মহাল ও	मालिएकव मः भ	সম্ব জয়া।		वाकी।			मचुरा ।
নপ্র ;	७ मूमाप्र महरा	তাশুকার নাম।	म्।लिटक्व मः म	খাজানা ৷	(EB)	শাখানা।	(BE	মোট।	4 ख ८ )
>	2	v	9	α	•	1		>	۶۰
3	\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$	মোজে জ্জখনা থানা কটীকছ্বী মহাল ন ওয়া বাদ।—  তালুক এয়ার আলি খাঁ, হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।	ওবেদর রহমান ংঁ। ও মেহের আলি খাঁ।	२७88)	১৬৬५०	رده	<b>داو</b> د	90010	•••

CHITTAGONG COLIECTORATE,

F. P. Dixon,

The 22nd September 1897.

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, rs. 10 The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, tr cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twilve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বর সিন্কোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থারক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্গ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌণ্ড ক্রন্থ করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে শ্বরম্ম দিন্কোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পৌণ্ড টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থারিকেণ্ডেক্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৬২ টাকায় এবং এক পৌণ্ড টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেভাগণও এই ঔষধ বিক্রেয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের।০ ও এক পৌণ্ড টিনের ৮০ ডাক মাস্থল দিতে ইইবে।

বঙ্গদেশের গ্রবর্ণমেণ্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কৃইনাইন : ১৮৯৬ সালের 'লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুল্য হইবে, যথা---১ এক পেভি টিন ১৮, বা ভাক মাভল সমেভ ১৮৭০ ð, 2110 27 25 ,, 8110 ,, ,, 4) পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে অস্তুত করা হইয়াছে। এবং हेश यि निवुद्धानाहेन ७ निवुद्धानीष्ठाहेन नामक अशक्के काद्यत महिल हेक्कार्यक मिनान इस नाह ভাহার গ্যারান্টা দেওয়া বাইভেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিফ্রয ক্রা ঘাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিটেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ষাইতে পারিবে। NOTICE. The 21st February 1883 .- The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance :-For the Mufussal. Entire Gazette ... 10 0 ber annum Postage Ð 8 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-0 Eutire Gazette Postage 0 1 0 ... Parts III, IV, V, and VI 1 for 4 sheets or an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4. Postage For Culcutta. The same rates as those of the mutassal, with the exception of the charge for postage E. N. BAKER Offg. Under-Secretary to the Goot, of Bengal, বিজ্ঞাপন। ১৮৮৩ লাল ২১ কেব্রেয়ারি।—বাজালা গবর্গমেন্ট গেজেটের মুল্য ও ভাকমারল এই সবাধ মিলু-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :--টাকা। मन्त्रुर्व (शटक हे ৩ ও ৪ ও ৫ ও ৬ খণ্ড ( যাহাতে কার্ডবর্ষের ও বল-দেশের ব্যবস্থাপক সভার আইন 🗷 আইনের পাণ্ডলিপি থাকে ) ভাক্ষাস্থল সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের মূল্য **ডাক্মান্থ**ৰ ৪৪৩৫ প ৬ বঞ্জ ( প্রড্যেক ৪ পৃষ্ঠা বা ভাহার ম্যুন সংখ্যক পৃষ্ঠার মৃদ্যু) / · ৪ পৃষ্ঠার উপর ৪ পটা প্রতি ভার একং আনা। **फांक्याञ्चन** ... কলিকাভায় ৷

ক্লিকাডায় ও ধ্বঃদলে সমান গুল্য, কলিকাডায় কেবল ডাৰ্মাখল লাগিয়ে না।

रे, अब, श्वकाद ।

व**क्राम्यत गर**र्नश्यक्ति अकृष्टिः **(हा**हे मिटक हेर्री ।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

\* The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construct the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalee Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly east.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazotte-, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. Bolton, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

13th December 1882.

Note - Rates of advertisements in the CALCUITA GAZETTE

Full page, per issue	•••	***	•••	Rs. 20
Half ,, Casual adver		1—4 annas per	line.	10

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই গেজেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মালের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাভিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কাষ্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃথিন কাষ্যালয় ভিন্ন ক্রেভি বালাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তু। উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তিমিত্র নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ. রোক্ত ফার্যালয় ভিন্ন ফোন ব্যক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর ৴৽ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

> সি, ডবলিউ বল্টন, বল্লদেশের গ্রহ্মিটের ছোট সেক্টেরী

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য : কলিকাতা গেলেটে ইপতিহার একাশ করিব	র হাব এইং।	-			, Brene
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ কবণের	•••		***	100	₹••
জ্ঞাধ পৃষ্ঠা	***	•••		40-	>
কথ্য কথ্য ইপ্তি হার একাশ করিতে চইলে	are offer	4.1	>00	F#0	1.

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., I.L.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B .- Copies are still available

#### वाकाम (मटककेरिया विकास विकास विकास विकास ।

ৰারিফার-অটা-লা ও শুশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সর্বিদে নিযুক্ত বর্জমানের ডিফ্টিক্ট ও সেশন জব্দ ও রেন্ট ক্মিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল. এল, ভি নাহেবের প্রণীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবনর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীয় প্রজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### এकर थानि शृक्षकत मुना, e. शांठ छाका।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌন্টান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা যোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার খরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বঙ্গদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেত ওয়েন্ট টোন হালের হাভায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাথ্যবিভাগের আপিসে বেজি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুশুক কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিশ্ব কোম্পানির বাটাতে ক্রয় করিতে পাওয়া বায় ।

कानकांका व्योगतक्त्री विन यक्षामत्य गवनत्यत्तिव कना विष्ठ किम्म (पि मारहर कर्क मृक्षिण स स्वामण स्वेत !





# गवर्गाम् (शदलं

TUESDAY, NOVEMBER 23, 1897.

## মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৩ নবেম্বর।

CONTENTS.	
Page.	নিষ্ট।
ART IResolutions, Orders and Notifica-	नृ हे।
tions of the Government of India Nil.	প্ৰপম বস্ত।—ভাবতব্যীয় গ্ৰণ্মেটের নিশ্বাৰণ
ART II.—Resolutions, Orders and Notifica-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই
tions by the Lieutenant-Governor	ছিতীয় বশু।—বঙ্গদেশের গ্রপ্মেন্টের নির্দারণ,
of Bengal 339- 340	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি ৩৩৯ - ৩৪
ART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	বিতীয় ক বস্ত।—বঙ্গদেশের গর্বনেটের আদেশ ১০০ –১৬
nor of Bengal 103111	ড়তীয় খণ্ড।—ভাবতবৰ্ষীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্ৰণীত
PART III Acts of the Legislative Council of	काडेम मार्ड
India Nil.	চতুৰ্ব খণ্ড ৷ — ভাৰতবৰ্ষীয় বাৰন্দাপক সভাৱ আইনেৰ
PART IV Bills of the Legislative Council of	পাণুলিপি নাউ
India Nil.	नक्षम यल।वक्षीय बावन्हां भक मछात्र श्रानीक आदेव नाई
PART V.—Acts of the Bengal Council Nil.	वर्ष्ठ थल।—बक्नीय वायन्त्रांशक मचात्र आहेरनत
ART VI.—Bills of the Bengal Council Nil.	পাণুলিপি নাই
ART VII.—Circular Orders by the High	সম্ভম খণ্ড।—হাই কোটেব ও রেবিনিউ বেটেডর
Court and Board of Revenue 7-8	নাধারণ জ্ঞাপমপত্র ৭
ART VIII.—Advertisements 573—582	অট্রম বশু।—ইশ্তিহার প্রভৃতি ৫৭৩ –৫৮
UPPLEMENT Nil.	পৰিশিষ্ট গ্ৰথমৈটের গেলেট নাই

#### PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দ্বিতীয় খণ্ড।

বঙ্গদেশের গবর্ণযেক্টের নির্দাবণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 15th November 1897.

No. 187 Marine.—The following notification No. 2876, dated 29th October 1897, issued by the Government of India, Home Department, under the provisions of section 58 of the Pilgrim Ships Act, XIV of 1895, is published for general information.

A. D. McArrhur, Colonel, R.E., Secy. to the Govt. of Bengal.

No. 2376, dated Simla, the 29th October 1897.

NOTIFICATION-By the Government of India, Home Department,

In exercise of the powers conferred by section 58 of the Pilgrim Ships Act, XIV of 1895, the Governor-General in Council is pleased to direct that the following rule thall be substituted for rule 22 of the rules published with the Notification of the Government of India, in the Home Department, No. 262, dated the 5th October 1896:—

22. The upper deck and the between decks of every pilgrim ship shall be either of wood, or of iron or steel sheathed with wood and caulked.

# বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেণ্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

## মেরিন্ ডিপার্টমেণ্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ১৫ নবেম্বর।

মেরিন্ ১৮৭ নম্বর ।—তার্থধাঞাদিগের জাহাজ বিষয়ক ১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের ৫৮ ধারার বিধানমতে ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের প্রকাশিত ১৮৯৭ সালের অক্টোবর মাসের ২৯ তারিখের ২৩৭৬ নং নিম্নলিখিত বিজ্ঞাপন সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল।

> এ, ডি, ম্যাকআর্থর, কর্নেল, আর, ই, বঙ্গদেশের গ্রন্মেন্টের সেক্টেরী।

#### २७१७ नः, मिम्ना ३৮৯१ मान २৯ पङ्घादत ।

#### ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের বিজ্ঞাপন।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের প্রতি তীর্থযাত্রিদের জাহাজবিষয়ক ১৮৯৫ সালের ১৪ আইনের ৫৮ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছে তদ্স্পারে কার্য্য করিয়া তিনি এই আদেশ করিলেন যে, ভারতবর্ধের গবর্ণযেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৬ সালের ৫ অক্টোবর তারিখের ২৬২ নং বিজ্ঞাপনের সঙ্গে প্রকাশিত।বধির ২২ বিধির পারিবর্ডে নিম্নলিখিত বিধি দেওয়া যায়।—

২২। তার্থাত্রীদিগের প্রভ্যেক জাহাজের উপরকার তৃতক ও মধ্যের ভূতক কাষ্টের হ**ং**বে কিছা ক টে মোড়া ও কালাপাতি করা লোহা বা ইম্পাতের হইবে।



TUESDAY, NOVEMBER 23, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৩ নবেম্বর। PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal. দ্বিতীয় ক বও । বন্ধদেশের গ্রন্মেন্টের আদেশ।

## ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 1431 T.M.—The 9th November 1897.—Whereas a Notification No. 4140 M., dated the 9th August 1897, was published at page 192, Part IB of the Calcutta Gazette of the 11th idem, declaring the intention of the Lieutentant-Governor to confirm the rules set forth below, which were framed by the Commissioners of the Sherpur Municipality, under section 3, Act XX of 1887, for the protection of wild birds and game within the limits of the above Municipality, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified that the said rules are confirmed by the Lieutenant-Governor under clause 4, section 3 of the Act, and are published for general information under clause 5, section 6 of the General Clauses Act I of 1887:—

Rules under Section 3 of Act XX of 1887 for the Sherpur Municipality. Rules.

- 1. "Wild bird" for the purposes of these rules shall include jungle-fowl, pea-fowl partridges, quail, plover, whistling teal, painted snipe, cotton teal, and every bird killed for the sake of its plumage.
- 2. The Local Government having by notification declared that the provision of section 3, Act XX of 1887, shall apply to haves and deer, the following rules will apply to those animals as well as to wild birds.
- 3. The breeding season for the purposes of these rules shall extend from the 1st April to the 30th September.
- 4. Whoever during the breeding season has in his possession, within the limits of the Municipality of Sherpur, any wild bird, deer or hare, recently killed or taken, or exposes for sale any such bird or animal, living or dead, shall be hable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.
- 5. Whoever during the breeding season imports into the town the plumage of any kind of wild bird recently killed or taken, or the fur or skin of any hare or deer recently killed or taken, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for the plumage of every such bird, or the fur or skin of every such hare or deer.
- 6. In the case of a second conviction the fine may extend to Rs. 10 for each such bird, hare, doer, plumage, fur or skin.
- 7. All birds, plumage, fur or skin, &c., in respect of which a conviction has been had under rules 4, 5 and 6, shall be confiscated.
- 8. A reward, not exceeding half the fine imposed and realised under rules 4, 5, and 6, may be granted by the adjudicating Magistrate to any person who has afforded information leading to a conviction for a breach of any of the above rules.

H. H. RISLEY,

Secy. to the Goot. of Bengai.

#### NOTIFICATION.

No. 1432 T.M.—The 9th November 1897.—Whereas a Notification No. 4141 M., dated the 9th August 1897, was published at page 192, Part IB of the Calcutta Gazette of the 11th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to confirm the rules set forth belowwhich were framed by the Commissioners of the Dacca Municipality, under section 3.

# বঙ্গদেশের শ্রীযুক্ত লেপ্টেনেল্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

# মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

১৪৩১ টি, এম্, নম্বর ।—১৮১৭ সাল ১ নবেম্বর ।—শেরপুর মুনিসিপালিটীর সীমার মধ্যে বন্য পক্ষী ও শীকারোপযোগী পশু পক্ষ্যাদি রক্ষাকরণার্থ উক্ত মুনিসিপালিটীর কমিশনরগণ কর্তৃক ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৬ ধারামতে প্রণীত নিম্নলিখিত বিধি দৃঢ় করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ১ আগফ তারিখের ৪১৪০ এম্, নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১১ ভারিখে কলিকাতা গেজেটের ১ ১ খণ্ডের ১৯১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব উক্ত আইনের ৩ ধারার ৪ দক্ষামতে উক্ত বিধিগুলি দৃঢ় করিয়া সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ১ আইনের ৬ ধারার ৫ দক্ষা অনুসারে সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করিলেন।

শেরপুর মুনিসিপালিটার নিমিত ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারাভ্সারে প্রণীত বিধি।

১। এইং বিধির কার্য্য পক্ষে ''বন্ধ পক্ষী'' শব্দে বন্য কুক্ট, ময়র, তিতির পক্ষী, বটের পক্ষী টিটির পক্ষী, সিস দেওয়া বালহাঁস, রঞ্জিত কাদা খোঁচা তৃলা বালহাঁস, (কটন্টিল) এবং যে সকল পক্ষীকে পালকের জন্য মারা হয় সেই সকল পক্ষীও বুঝাইবে।

২। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপনক্রমে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারার বিধান খরগোস ও করিনের প্রতি বর্ত্তিবে, এই আদেশ করায় নিম্নলিখিত বিধি যেরপ বন্য পক্ষীর প্রতি বর্ত্তে সেইরূপ ঐং

জন্তুর প্রতিও বর্ত্তিবে।

৩। এইং বিধির কার্য্যপক্ষে প্রসব করিবার ঋতু এপ্রিল মাসের ১ তারিখ হইতে সেপ্টেম্বর মাসের ৬০ তারিখ পর্য্যন্ত ব্যাপ্ত হইবে।

৪। প্রসব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে শেরপুর মুনিসিপালিটার দীমার মধ্যে কোন ব্যক্তির নিকট সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন বন্য পক্ষা, হরিণ, বা খরগোস থাকিলে কিম্বা কোন ব্যক্তি জীবিত বা মৃত তদ্রপ কোন পক্ষা বা জম্ব বিক্রয়ার্থে দেখাইলে প্রত্যেক পক্ষার বা জম্বর নিমিত্ত তাহার ৫, পাঁচ টাকার অনধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।

৬। কোন ব্যক্তি সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন প্রকার বন্য পক্ষীর পালক কিম্বা সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন খরগোসের বা হরিণের লোম বা চর্ম প্রসব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে সহরে আমদানী করিলে তদ্রপ প্রত্যেক পক্ষীর পালকের কিম্বা তদ্রপ প্রত্যেক খরগোস বা হরিণের লোমের বা চর্মের

নিমিত্ত তাহার ৫) টাকার অনধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।

৬। বিভীয়বার অপরাধ প্রমাণ হইলে ঐরপ প্রত্যেক পক্ষী, খরগোস, হরিণ, পালক, লোম ব্ চর্মের নিমিত্ত ১°) টাকা পর্য্যন্ত অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।

৭। যে সকল পক্ষী, পালক, লোম ও চর্ম প্রভৃতি সম্বন্ধে বিধির ৪, ৫, ৬ ধারামতে অপরাধ

প্রমাণ করা হইয়াছে তাহা জব্দ হইবে।

৮। উপরোক্ত বিধির ৪, ৫, ৬ ধারা লজ্মন জন্য অপরাধ যাহাতে প্রমাণ হয় এমত সন্ধান যে ব্যক্তি দেন, বিচারকারী মাজিফ্রেট উক্ত কএক ধারামতে যে অর্থদণ্ড ধার্য্য হইয়া আদায় করা যায়, তাহার অর্দ্ধেকের অনধিক তাঁহাকে পুরস্কার দিতে পারিবেন।

এচ্, এচ্, রীসলি, বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন ।

১৪৩২ টি, এম , নম্বর । —১৮৯৭ সাল ৯ নবেম্বর ।—ঢাকা মুনিসিপালিটার সীমার মধ্যে বন্য পক্ষী ও শীকারোপযোগী পশু পক্ষ্যাদি রক্ষা করণার্থ উক্ত মুনিসিপালিটার কমিশনরগণ কর্তৃক ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ৩ ধারামতে প্রণীত নিম্নলিখিত বিধি দৃঢ় করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহে-বের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ শালের ৯ আগস্ট তারিখের ৪১৪১ এম , নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ১১ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ টি খণ্ডের ১৯২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন তাপত্তি

Act XX of 1887, for the protection of wild birds and game within the limits of the above Municipality, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified that the said rules are confirmed by the Lieutenant-Governor under clause 4, section 3 of the Act, and are published for general information under clause 5, section 6 of the General Clauses Act I of 1887:—

# Rules under Section 3 of Act XX of 1887 for the Dacca Municipality. Rules.

- 1. "Wild bird" for the purposes of these rules shall include jungle-fowl, pea-fowl, partridges, quail, plover, whistling teal, painted snipe, cotton teal and every bird killed for the sake of its plumage.
- 2. The Local Government having by notification declared that the provision of section 3, Act XX of 1887, shall apply to haves and deer, the following rules will apply to those animals as well as to wild birds.
- 3. The breeding season for the purposes of these rules shall extend from the 1st April to the 30th September.
- 4. Whoever during the breeding season has in his possession, within the limits of the Municipality of Dacca, any wild bird, deer or hare, recently killed or taken, or exposes for sale any such bird or animal, living or dead, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for each bird or animal.
- 5. Whoever during the breeding season imports into the town the plumage of any kind of wild bird recently killed or taken, or the fur or skin of any hare or deer recently killed or taken, shall be liable to a fine not exceeding Rs. 5 for the plumage of every such bird or the fur or skin of every such hare or deer.
- 6. In the case of a second conviction the fine may extend to Rs. 10 for each such bird, hare, deer, plumage, fur or skin.
- 7. All birds, plumage, fur or skin, &c., in respect of which a conviction has been had under rules 4, 5 and 6, shall be confiscated.
- 8. A reward, not exceeding half the fine imposed and realised under rules 4, 5 and 6, may be granted by the adjudicating Magistrate to any person who has afforded information leading to a conviction for a breach of any of the above rules.

H. H. RISLEY,
Secy. to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 1437 T.M.—The 9th November 1897.—Whereas a notification No. 2538 M., dated the 7th May 1897, was published at page 116, Part IB of the Calcutta Gazette of the 12th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of sections 254 to 260, 260 A and 274 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Muktagacha Municipality, in the district of Mymensingh, and whereas objections which have been accepted as valid have been raised to the proposed extension of the said provisions to certain portions of the Municipality within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the modified recommendation of the Commissioners of the Muktagacha Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the portions of the Municipality included within the boundary specified below:—

On the north by the Aiman river, on the east by the Dowla bill, on the south by the Subarnakhally Road, and on the west by the Hari Datta's Road.

H. H. RISLEY,
Secy. to the Gool. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ।

১৪৭৯ টি, এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ১২ নবেম্বর।—সাধারণের অবগত্যর্থে এজদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের প্রতি কলিকাতার মুনিসিপল আইন সংগ্রহ-করণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের ২ আইনের ৪১৪ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছে ডদহুসারে কার্য্য করিয়া তিনি উক্ত আইনের ৪১৩ ধারামতে কলিকাতা মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের প্রণীত নিমতলা ও শানগর এবং কাশী মিত্রের শবদাহ ঘাটে জ্বালানি কাষ্টের হার প্রভৃতি বিষয়ক নিম্নলিখিত সংশোধিত উপবিধি দৃঢ় করিলেন।

# কলিকাতা কর্পোরেশন।

### শবদাহ ঘাটে খরচ।

শবদাহ ঘাটে শবদাহকরণসম্বন্ধীয় উপবিধির মধ্যে ১৯ নং বিধি সংশোধন করাতে এক্ষণে এইরূপ পাঠ করিতে হইবে, যথা —

	1.	77 07117	ও শানগ	44 IA414	1160		টাকা	আৰা	পাই
মণকৰা ৷ ১১০ আনাৰ জি	मार्ग खोलानि	र ऋँ भवि कार्र	ষ্ঠ ৫ <i>৴</i> মণ			•••	7	ા! ગ જાના	چ 11ء
স্থ দবিব সরু চেলা৮ আ					•••	•••		ال	,
भक्षा ७ जाहि	•••	•••		•••	•••			1	6
পাটকাটি ৬ আটি					• • •		٥	ڼ	9
মাটিব কলসী (একটা)					***		•	•	
পিশু			• • •		•••		•	•	•
য়ত ৴• ছটাক .								,	
ৰা। তথায়।					•••				
্যo আনা গ <b>জে</b> ব কাপড	২ গঞ	***			• •	•	•	1	9
গ্ৰাণ ২ থান .			•••	•				ز	•
<del>স্</del> পন কান্ত /- ছটাক							٥	Ź	
রাক্ষণ .							۰	ĺν	9
ভোম		••	• • • •				٠	<b>9</b> /	•
					মোট		9	1/	
	বে*	শা সাগতে	নও ডপরে	कि मदा मि	তে হইবে।				
শে বংসরের কম ব্যসের	व क्ट्लटपर						>	110	b
- Abberra									
-1) N >	ারের ও ব	गुन्धा । गुरु	রে ঘাটে ভি	াস লোকদে	বে দাত করিব	প্র হারা	5.1		
مالا	ণরের ও ব	गुना ।यदव	ন্ত্র ঘাটে নি	श्य त्माकत	র দাহ করিব	ার ধরা	5		
	গরের ও ব 	PI=11   A(co 	ত্র ঘাটে •ি 	ক্ষি লোকদে 	ন দাহ করিব	ার <b>খ</b> রা 	, § 1	11/	•
ৰ্ণ বয়ন্ধ লোকদেব		P]=¶ा   यद्व 	র ঘাটে বি 	নস্ব <b>লো</b> কদে  	রে দাহ করিব 	ার <b>খ</b> রা 		111 141	<b>y</b>
पूर्व दशक लाभित्व	ः ( <b>६</b> टलटम्ब	•••	***			ার <b>খ</b> রা 		-	<b>b</b>
পূৰ্ণ ৰয়ক্ষ লোকদেব - ৰংসবের কম বয়দেব	ः ( <b>६</b> टलटम्ब	•••	***	শৈষ লোকদে  াহ করিবার		ার <b>খ</b> রা 		-	9
पूर्व दश्रक्क ट्लॉक्ट्स्व ० व्हनटदत्र कथ दश्रटम्ब ब्हालामी कांक्रे व्यापन	ः ( <b>६</b> टलटम्ब	•••	***			ার <b>খ</b> রা 		-	<b>b</b>
শান? পূৰ্ণ বয়স্ক লোকদেব ০ বংসবের কম বয়দেব জ্বালামী কাষ্ঠ ৫০ মণ ভোম	ः ( <b>६</b> टलटम्ब	•••	***			ার <b>খ</b> রা 	•	n)	'bs
पूर्व दश्रक्क ट्लॉक्ट्स्व ० व्हनटदत्र कथ दश्रटम्ब ब्हालामी कांक्रे व्यापन	ः ( <b>६</b> टलटम्ब	•••	***		 জব্য। 		•	リリノ	·b
পূৰ্ণ বয়স্ক লোকদেব • বৎসবের কম বয়সেব দ্বালামী কাষ্ঠ ৫৴ মণ ভাম	्र (ছেলেদেব পু	 বয়স্ক ৫ 	 শাকদের দ 	 াহ করিবার 	 জব্য।  মোট		•	11	<b>'b</b>
পূৰ্ণ বয়স্ক লোকদেব - বংসবের কম বয়সেব স্থালামী কাঠ ৫৴ মণ ভাম	्र (ছেলেদেব পু	 বয়স্ক ৫ 	 শাকদের দ 	 াহ করিবার 	 জব্য। 		•	リリノ	·b
পূৰ্ণ বয়ক্ষ লোকদেব - বংসবের কম বয়সেব হালানী কাঠ ৫৴ মণ ভাম	्र (ছেলেদেব পু	 বয়স্ক ৫ 	 শাকদের দ 	 াহ করিবার 	 জব্য।  মোট		•	リリノ	· bo
পূৰ্ণ বয়স্ক লোকদেব বংসবের কম বয়সেব হ্বালামী কাঠ ৫০ মণ ভোম  হ্বালামী কাঠ ২॥০ মণ	्र (ছেলেদেব পু	 বয়স্ক ৫ 	 শাকদের দ 	 াহ করিবার 	 জব্য।  মোট		•	11 /	·b
পূৰ্ণ বয়স্ক লোকদেব ৽ বংসবের কম বয়সেব জ্বালামী কাষ্ঠ ৫৴ মণ ভোম	्र (ছেলেদেব পু	 বয়স্ক ৫ 	 শাকদের দ 	 াহ করিবার 	 জব্য।  মোট		•		· b

মন্তব্য ।---বাঞ্চলা, তিন্দি, উড়িয়া এবং ইংৰাজী ভাষায় এই সকল উপবিধিব এক খান নকল শ্বদাহ ঘাটে প্ৰবেশ কবিবার পথেব পার্ম্বে সকলের নজরে পড়ে এমম জায়গায় একখান তক্তায় টাঞ্চাইয়া রাখিতে ছইবে।

> এচ্, এচ্, রীস্লি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটিরী।

#### NOTIFICATION.

No. 4786M.—The 15th November 1897.—Whereas a notification No. 4539M., dated the 30th August 1897, was published at page 205, Part IB of the Calcutta Gazette of the 1st September 1897, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part X of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the North Barrackpore Municipality, in the district of the 24-Parganas, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the North Barrackpore Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISLEY,
Secy. to the Govt. of Bengal.

উপস্থিত করা না যাওয়াতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে. এীযুত সেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব উক্ত আইনের ৩ ধারার ৪ দফামতে উক্ত বিধিগুলি দৃঢ় করিয়া সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৮৭ সালের ১ আইনের ৬ ধারার ৫ দফা অভ্সারে সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করিলেন।

#### ঢাকা মুনিসিপালিটীর নিমিত্ত ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ও ধারাস্থসারে প্রণীত বিধি। বিধি।

- ১। এইং বিধির কার্য্য পক্ষে "বন্য পক্ষী" শব্দে বন্য কৃক্ট্, ময়ূর, তিতির পক্ষী, বটের পক্ষী, টিটির পক্ষী, সিস দেওয়া বালহাঁস, রঞ্জিত কাদা খোঁচা, তৃলা বালহাঁস, (কটন্টিল) এবং যে সকল পক্ষীকে পালকের জন্য মারা হয় সেই সকল পক্ষীও বুঝাইবে।
- ২। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট বিজ্ঞাপমক্রমে ১৮৮৭ সালের ২০ আইনের ও ধারার বিধান খরগোস ও হরিণের প্রতি বর্ত্তিবে, এই আদেশ করায় নিম্নলিখিত বিধি যেরপ বন্য পক্ষীর প্রতি বর্ত্তে সেইরপ ঐং জন্মর প্রতিও বর্ত্তিবে।
- ৩। এইং বিধির কার্য্যপক্ষে প্রদাব করিবার ঋতু এপ্রিল মাদের ১ তারিখ হইতে দেপ্টেম্বর মাদের ৩০ তারিখ পর্যান্ত ব্যাপ্ত হইবে।
- 8। প্রসব করিবার ঋতুর কালের মধ্যে ঢাকা মুনিসিপালিটীর সীমার মধ্যে কোন ব্যক্তির নিকট সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন বন্য পক্ষা, হরিণ, বা খরগোস থাকিলে কিয়া কোন ব্যক্তি জীবিত বা মৃত তদ্রূপ কোন পক্ষা বা জন্ত বিক্রয়ার্থে দেখাইলে প্রত্যেক পক্ষীর বা জন্তুর নিমিত্ত তাহার ৫) পাঁচ টাকার অন্ধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ৫। কোন ব্যক্তি সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন প্রকার বন্য পক্ষীর পালক কিন্বা সম্প্রতি মারা বা ধরা কোন খরগোসের বা হরিণের লোম বা চর্ম প্রসব করিবার ঋতৃর কালের মধ্যে সহরে আমদানী করিলে তদ্রাপ প্রত্যেক পক্ষীর পালকের কিন্বা তদ্রাপ প্রত্যেক খরগোস বা হরিণের লোমের বা চর্মের নিমিত্ত তাহার ৫) টাকার অনধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।
- ৬। দ্বিতীয়বার অপরাধ প্রমাণ হইলে ঐরপ প্রত্যেক পক্ষী, খরগোস, হরিণ, পালক, লোম বা চর্মের নিমিত্ত ১০, টাকা পর্যান্ত অর্থনণ্ড হইতে পারিবে।
- ৭। যে স্ক্র পক্ষা, পাসক, লোম ও চর্ম প্রভৃতি সম্বন্ধে বিধির ৪, ৫, ৬ ধারামতে অপরাধ প্রমাণ করা হইয়াছে তাহা জব্দ হইবে।
- ৮। উপরোক্ত বিধির ৪, ৫, ৬ ধারা লজ্মন জন্য অপরাধ যাহাতে প্রমাণ হয় এমত সন্ধান যে ব্যক্তি দেন, বিচারকারী মাজিফ্রেট উক্ত কএক ধারামতে যে অর্থদণ্ড ধার্য্য হইয়া আদায় করা যায়, তাহার অর্দ্ধেকের অন্ধিক তাঁহাকে পুরস্কার দিতে পারিবেন।

এচ্, এচ্, রীসলি, বঙ্গদেশের গবর্গমেন্টের সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

১৪৩৭ টি, এম, নম্বর ।—১৮৯৭ সাল ৯ নবেম্বর ।—ময়মনসিংহ জিলার অন্তর্গত মুক্তাগাছা মুনিসিপালিটাতে বল্পীয় ১৮৯৪ সালের ৪ আইন ও বল্পীয় ১৮৯৬ সালের ২ আইন ছারা সংশোধিত বল্পদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ২৫৪ অব্ধি ২৬০ পর্যান্ত ও ২৬০ক এবং ২৭৪ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৭ মে তারিখের ২৫৬৮ এম, নং এক বিজ্ঞাপান ঐ মাসের ১২ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খণ্ডের ১১৬ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও এবং উক্ত বিজ্ঞাপান উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত ইইবার তারিখ বর্ধি এক মাসের মধ্যে উক্ত মুনিসিপালিটার কোন২ অংশে উক্ত সকল বিধান প্রচলনের সম্বন্ধে যে২ আপত্তি উপস্থিত করা গিয়াছিল তাহা যুক্তিসিদ্ধ বলিয়া গ্রাহ্য হওয়ায় সাধারণের অবগত্যর্থে এতজ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানায় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদত্ত ক্ষমতাহ্লসারে কার্য্য করিয়া এবং মুক্তাগাছা মুনিসিপালিটার সভাগত কমিশনরদের পরিবর্ত্তিত অহ্বরোধন্ধ্রেমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটার নিম্মনিদ্দিষ্ট সীমার মধ্যে প্রচলিত করিবার অহ্নমতি দিলেন।

উত্তর সামা।—আর্মন নদা।
পূর্বে সীমা।—দোলা বিল।
দক্ষিণ সীমা।—স্থবর্ণখালী রোড।
পশ্চিম সীমা।—হরিদত্তের রোড।

এচ্, এচ্, রীসন্সি, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।



# পবর্ণমেন্ট গেজেট।

# गञ्जलवात, ১৮৯१ माल २७ नरवम्रत।

#### मश्रम थए।

হাই কোর্টের ও ব্লেবিনিউ বোর্ডের সাধারণ জ্ঞাপনপত্র।

বঙ্গদৈশের অন্তর্গত কোর্ট উইলিয়মস্থ হাই কোর্টের আদেশমতে প্রচারিত সরক্লর অর্ডর।

বর্তমান বিধি।

২।—উকীল হইবার নিমিত্ত আবশ্যক গুটেগর কথা।

(৩) হাই কোটের অধীন আদানত সমূহে নিম্ন-নিখিত ব্যক্তিগণকে উকীনস্বরূপ ভর্ত্তি করিতে পারা যাইবে. অর্থাৎ:—

প্রথমতঃ, যে কোন ব্যক্তি কলিকাতা, আলাহাবাদ,
মাস্ত্রাজ্ঞ ও বোষাই এই কয় বিশ্ববিদ্যালয়ের যে কোন
একটির বাচিলার অক্লা উপাধি কিন্তা উক্ত বিশ্ববিদ্যাল
লয়গুলের একটীর লাইদোদিয়েট অফ্লা বলিয়া
লাইদেশ প্রাপ্ত হন তাঁহাকে। কিন্তু উকীল স্বরূপ
শুর্তি হইবার নিমিত্ত তাঁহার দরখান্ত তাঁহার ঐরপ
ভিপাধি বা লাইদেশ পাইবার এক বৎসরের মধ্যে
কিন্তা হাই কোট কোন বিশেষ কারণে ইহার অপেকা
বি বেশী সময় দেন সেই বেশী সময়ের মধ্যে করিতে
হইবে।

[দেওয়ানী।]

২ নং বিধি, তারিখ ১৮৯৭ সাল ২২এ সেপ্টেম্বর।

হাই কোটের (দেওয়ানী) সাধারণ বিধি ও সরকুলর অর্ডরের ৩৭২ পৃষ্টায় ২ খণ্ডের ৭ অধ্যায়ের ১ বিধির ৩ দফার প্রথম পারাগ্রাকের শেষ পংক্তির ''হইবে'' এই শক্ষটির পর নিম্মলিখিত শক্ষগুলি যোগ করিতে ইইবেঃ —

কিন্তু আলাহাবাদ বিশ্ববিদ্যালয়ের যে বাচিলার অফ লা ঐ রূপে দরখাস্ত করেন তাঁহার বাচিদার ভাফ ছার্ট উপাধি পাইয়া থাকা চাই এবং তিনি যে জিলাতে সাধারণতঃ ওকলেতা করিবার অভিপ্রায় করেন সেই জিলার চলিত দেশীয় ভাষা পড়া, লেখা এবং কহা সম্বন্ধে জিলার জভের আদেশান্ত্সারে গৃহীত একটা পরীক্ষায় তাঁহার উক্তার্ক হওয়া চাই।

১৮৯৭ সালের ৮ই দেপ্টেম্বর তাবিখেব কলিকাত: গেকেটেব ১ খণ্ডেব ১১৬১ পৃষ্ঠায় এবং ঐ মাদেব ১৮ট তা বংখাৰ খাদাম গেলেটেব ০ খণ্ডেব ৮৬১ পৃষ্ঠায় প্রকাশিত।

## বঙ্গদেশের অন্তর্গত ফোর্ট উইলিয়মস্থ হাই কোর্টের আদেশ মতে প্রচাঞ্চিত সরকুলত্ত অর্ডর।

বর্ত্তমান বিধি।

#### [य्किषमात्री।]

#### কার্যের নিমিত্ত ইণ্ডেন্ট।

[বিচার বিভাগীয় পাঠের জন্য বাৎসরিক ও বিশেষ
প্রয়োজনীয় ইণ্ডেন্টের কথা।—১৮৯০ সালের ১০ই
ডিসেম্বর তারিখের ৭ নং সরকুলর অর্ডর।]—(ক) অমৃমোদিত বিচার বিভাগীয় পাঠের জন্য বাৎসরিক ইণ্ডেন্ট
প্রতি বৎসর ১লা কেক্রেয়ায়ি তারিখের পর না হয়
এমন তারিখে পরবর্ত্তী ১লা আগফ্ট অবধি ৩১শে
ক্লোই পর্যান্ত বার মাসের জন্য সরবরাহের নিমিত্ত
ফৌশনরির স্থপরিন্টেভেন্টের নিকট দাখিল করিতে
চইবে।

(খ) বিশেষ প্রয়োনীয় ইণ্ডেন্ট বংসরের যে কোন সময়ে পাঠান যাইডে পারে এবং তদমুসারে বংসরের যে কোন সময়ে দ্রব্য সরবরাহ করা যাইবে কিন্তু এইরূপ সকল ইণ্ডেন্ট হাই কোটের মারকত পাঠাইতে হইবে। ৩ নং। তারিখ ১৮৯৭ সাল ২৫ এ সেপ্টেম্বর।

(কেজিদারী) সাধারণ বিধি ও সরক্লর অর্ডর পুক্ত-কের ক্রোড়পত্রের ২ পৃষ্ঠায় প্রদক্ত ১৮৯০ সালের ১০ই ডিসেম্বর তারিখের ৭ নং সরক্লর অর্ডরের পরিবর্ষে নিম্নলিখিত সরক্লর অর্ডরটি সন্ধিবেশিত করিতে হইবে:—

#### कात्रायत निमिष्ठ हेए के।

বিচার বিভাগায় কারমের নিমিত্ত বাৎসরিক ও জরুরি ইণ্ডেন্ট—১৮৯৭ সালের ২৫এ সেপ্টেম্বর তারিখের ৩ নং সরকুলর অর্ডর।]—

- (ক) ১লা আগন্ট হইতে পরবর্ত্তী ৩১ এ জুলাই পর্য্যন্ত ১২ মাসের জন্য অন্থমোদিত বিচার বিভাগীয় কার-মের সরবরাহের নিমিক্ত বাৎসরিক ইণ্ডেন্ট প্রতি বৎসর ১লা জান্থমারির পর না হয় এমন তারিখে ক্টেশনরির স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট দাখিল করিতে হইবে।
- (খ) জরুরি ইণ্ডেন্ট বৎসরের যে কোন সময়ে পাঠান যাইতে পারিবে এবং ভদমুসারে বৎসরের যে কোন সময়ে দ্রব্য সরবরাহ করা যাইবে। কিন্তু ঐরপ ইণ্ডেন্ট হাই কোর্টের হাত দিয়া পাঠাইতে হইবে।
- (গ) ফেশনরি বিষয়ক ১৮৯০ সালের বিধিপৃস্ত-কের ১১ পৃষ্ঠায় ৮ বিধির প্রতি মনোযোগ আকর্ষণ করা যাইতেছে। ঐ বিধিতে এই কথা লিখিত আছে যে কোন কর্মচারী কোন দ্রব্যের যে পরিমাণ চাহিয়া পাঠান তাহা যদি ঐ দ্রব্যের গড় খরচের উপর শত-করা ১০ ভাগের বেশী হয় তাহা হইলে ইণ্ডেন্টে সম্ভোষ-জনক কৈফিয়ত না লিখিলে ১০ ভাগ বেশীর উপর যে অধিক পরিমাণ ইণ্ডেন্ট করা হয় তাহা পাশ করা হইবে না। ভবিষ্যতে সকল স্থলেই এই বিধি কড়াকড় রক্ষমে কার্য্যে পরিণত করা হইবে।

CHUNDER NATH Bose,

Bengali Translator.



# गवर्गाम ।

TUESDAY, NOVEMBER 23, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৩ নবেশ্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्ठिय थए।

ইশ ডিহার এড়তি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা চট্টগ্রাম।

#### ইন্ডিহার নামা কাছারি কলেক্ট্রী জিলে চটুগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে, ১৮৯৭ ইং ২৫ মে শেষ তারি.খর অনাদায় ১০) টাকার ঊর্দ্ধ্ব জমার নওয়াবাদ ও খাষ তরফ ভালুকাদির বাকা খাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ধারার শর্মাতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ বাং তাং ১১ অগ্রহায়ণ রোজ রহস্পতিবার নিলামের দিন ধার্য্যে জিলার কালেক্টরী কাছারিতে প্রকাশ্য নিলামে ধরা যাইবে। ইতি ১৮৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

				সদৰ জমা৷		i : :	ব <b>াকী</b>	1	1 6
ক্রমিক তালুকাব লখর। লখব।	মৌজা, থানা, মছাল এ ডালুকাব নাম।	মালিকেব নাম।	<b>খালা</b> ন। ।	(55)	ু থাক্ষা।	ছেছ।	মোট।	মন্তব্য	
3	<b>.</b>	•	8			9		2	>•
	<b>b-b-9</b>	মোজে বাকলিয়া থানা সহর মহাল নওয়াবাদ।—					,		
3	20508	তাং আহামদ আলী ও		15061 n	<b>२</b> ७%।/७	७७॥० व	361100	6012	••••
	et à	মাহাং ইছপ ও কোকান	~ .				1		
}		আলী ও আজগর আলী	•		•	1	i !		
		ও শ্রীমতী হরবিবি।	পক্ষে হিং মুরল হক্			!	 	;	
			ও আছকা খাতুন, নেজা-		İ			1	
1			মত আলী চৌধুরী ও					!	
			মণীন্দ্ৰ চন্দ্ৰ ঘোষ, মোবা	1	[	,    -		1	
1			রেক আলী, আবঙ্গ রহমান ও নেজামত		:			1	
			মালী ও আবগুল হাকিম	1	i I		1		
			স্থয়ণ ওৎ নাবাদেগ	!	1				
•		1	ভাতা আলা মিঞা ও						
			ইছুমাইল হিতৈষী উক্ত						•
			আবগুল হাকিম।		1				

CHITTAGONG COLLECTORAIN,

The 22nd September 1897

F. P. DIXON,

For Collector.

#### किला यानमर।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালনহ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২০ ডিসেম্বর তারিখে বেলা দুই প্রহর ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

5	÷	9	8	(	•	9	<b>b</b>	•		
তৌজিব নম্বর।	মহাল ও প্ৰগ্নার নাম।	্সম্পূর্ণ মহাজোব : সদর জ্বম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম চইবে কিনা।	কেবল মাত্ৰ অংশ বিক্ৰয চইলে ঐ অংশ ব। ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম স্টেবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হুইলে, ঐ অংশেব সদৰ জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল কি.কুম হইলে ভাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্ন হইলে, ভাঙাধ বাকী।		
(P)	কাশিমপুর পর- গণাকাশিমপুর।	२७३३ भर्य	না	৩৯টা মৌজা আছে	1	369042		P-510		
	্রেফিড্সারী অ	ুল নিলা <b>য়</b> ং	চটাৰ কিন্তু	এই সম্পূর্ণ মহালের নীচের লিখিত অংশ-		নি নেশা, ফ জিলেন তেলা	বাব ডাজরেণ প্রক্রেজ			
				হিসাব খোলা আছে						
	তাহা নিলাম		•		খাতৃন ; গোলাম হোসেন চৌধুরা মূজা					
	(১) এই সম্পূর্ণ	মহালের ৬	৯টা মোজা	त मरक्षा (अव घीপ	আমজাদ আলা বেগ, হুরজাঁহা নেদা স্বয়ং ও					
	অংশ	,			হ্রজাঁহা নেসা প্রে	ক আমিলন ে	ন্যা ও নজি			
	(२) इंख्यमहेल,	উত্তরজোই.	ওয়ালতোর	া, গাজিপুর, খোদ্দ-	বন নেসা; মধুসূদর					
	‡ মালং	কা. গোপালগ	পুর, ছয়পুর	া, জলকর গাজিপুর,	স্থদয় মোহন পাল					
	প্ৰজ্ঞা	পতি শ্রীপতি	, জোতজ	াহাজীর, জোতমণি,	পক্ষে উপেন্দ্ৰ না					
	গুহিল,	, দেওগাঁও, ন	লতোর, পান	পাড়া, পাহাড়ীভিটা,	নারায়ণ পাল; ভৈ					
	বাউল	া. বিল আন্ধ	ারু, বিল ও	লানা, বিল দহভারা,	यन नन्ती खयुर ७ व	ক্টা নারায়	ग नकी शक्त	,		
	বিল	পারনা, বিল	হাতিয়া, ভ	বানীপুর, মবারকপুর.	শশিভূষণ নন্দী ;					
	যুদাক	ত খালিমনগৰ	র, রসিকপুর	সুজইল, স্থলতানপুর	চন্দ্র থোকদার আহি					
	ও স	হাজাদপুর মে	াজার ৵১৬৷	I২ দ্বীপ জংশ ও	ও আবির মহম্মদ	চৌধুরী প	কে রবিউলা			
4	(৩) গুহিল সাহ	াবাজপুর নলা	তোর, জোতঃ	যণি, স্বজইল ও উত্তর	চেপুরী, জহর মং	মেদ চৌধুরী	ও কিশোর			
	জেহি	মোজার।/২	গাণ্ডা অংশ	l	নেসা ; সমনজান বে	মসা ও পর্বত	গী নেসা।			
			,			1				

উদ্লিখিত রেসিডুয়ারী তংশ ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কিন্তির বাকী রাজস্ব আদায় জ্বন্য নিলাম হইবে।

টীকা—যে স্থলে উপবেব লিখিত বৰ্ণনাপত্ৰেৰ ৫. ৭ ও ৯ ঘৰে গোন অংশ মাত্ৰ শিক্ষ চঠৰে বালিখা লিখিত আছে সেই ক্ষলে ইহা ব্ৰিতে চইৰে যে ঐ অংশের নিমিত স্বতন্ত্ৰ চিসাৰ শালা হঠায় থাকে ও মহাকের জ্বলা বা জন্যান্য অংশ বিজয় হয় না।

MALDA COLLECTORATE,

J. H. Lea,

The 1st November 1897.

Collector.

#### জিলা চটুগ্রাম।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে চট্টগ্রাম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্ন্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত সন্ন ১৮৯৭ ইংরেজির ২৬শে নবেম্বর তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রায় করা যাইবে। ইতি সন্ন ১৮৯৭ ইংরেজী তারিখ ১৮ সেপ্টেম্বর ।

3		•	8		· •	9	ь	•
ভৌব্দির মধর।	মহাল ও প্ৰগণার নাম ।	সম্পূর্ণ মহাদের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্ৰ অংশ বিক্ৰয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সুস্পত্তি বিক্ৰয় হইবে তাহাৰ মালিকগণেব নাম।		সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয হইলে তাহার বাকা।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহা ৰাকী।
१०१ ১-১१ ১१৮२	খানে শাতকানীয়া মোং গারাজীয়া তংমোং গারাজীয়া বাং তং মঞ্গত রাম্ হাজারি ৷	1	সম্পূর্ণ মহান বিক্রা হই- বেক।		শ্রীযুত বাবু কৈলাস চন্দ্র দাস মেনে- জার জাং আবহুল ফর্জা খাঁ শ্রীদাহ মিঞা গং।		O. ho/o	
७७० २२०२ <b>३१</b> ८०	তরক মোজে লোহা গারা— বাং তং মঞ্চত রাম হাজারি।		ď		শ্রীগমির সিং হাজার শ্রীআবহুল ফর্ত্তা খাঁ গং।		७৯৮॥ ८२	•• ••
&&9 २०১१४ .১१৯৪९	~	<b>₹</b> \$₩  <b>∕</b> ╚	ď		শ্রীদেখ হাবিব আহা শ্রদ চৌং জ্ঞাং ডৎ- পিতা মকবুল আলী চৌং পক্ষে।		85-119	

সন ১৮৯৭ ইংরেজার ২৫মেই শেষ তারিখের বাকি পড়া।

টীকা।- যে স্থলে উপনেব লিখত বৰ্ণনাপাৰের ৫, ৭ ও ৯ ঘবে কে.ন অংশ দাত্র বিক্রয় ইইবে বলিয়া নিখিত আছে দেই স্থলে ইহা বুৰিতে চহবে যে এ অধ্যের মিমিত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা স্ট্রা থাকে ও মহালেব অন্য বং অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

CHITTAGONG COLLICTORATE,

The 24th September 1897.

F. P. DIXON,
For Collector.

#### किना योगम् ।

#### নিদামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে মালদহ জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বস্ত আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অভ্নারে উক্ত মালদহ জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৭ সনের ২০ ডিসেম্বর তারিখে মোভাবেক বাঙ্গালা ১৩০৪ সনের ৬ পোষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে।—

#### নিলামের সর্ত :---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্রর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপে**ক্ষা অধিক** মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মা**লিক** স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থব্ধপে গণ্য হইয়া এই মহালে গব**র্থমেন্টের** যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্যাপ্ত হইবে।

ছিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে ভাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্রমক প্রজা দ্বারা দন্তখন্ত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিক্ষারগণ বাধ্য হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অন্ধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার উদ্ধ্ হইলে যত টাকা ভাক হংয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (বে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার নায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়-কারি খরিন্দারের দায়ীতে এই মহাল পুনরায় নিলাম হউবে।

তৌৰিব নশ্ব ।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	একাৰৰ ভিসাৰে গাণ্ডমেন্টেৰ যতদুৰ কানা যাগ বাজৰ ঘাহা ভূমিৰ অনুমানিক ধাষ্য হট- প্ৰিমাণ । যাছে।	મસ્ત્રા ક
	-	একৰ, ৰুড় পোল টা: আ: না:	· Address of the control of the cont
२० नः	বিটোরী খোবরা মহালের . অবিভক্ত এজমালা ॥ আট আনা অংশ। পরগনা কাশিমনগর।	700	এই মহালের এজমালী অবিভক্ত গবর্ণমেন্টের ॥ গাট আনা অংশ নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চাঃর্থ ঘরে গবর্ণমেন্টের ॥ আট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। এই মহাল বর্তমান সনের জন্য ইজারা বন্দো-
ऽ∉8 न९	। । ১০ দশ আনা তরফ মহদীপুর মহালের অবি- ভক্ত এজমালী। । আট আনা অংশ। পরগনা কাশিমনগর।	0022	বস্তু আছে আগামী ১৮৯৮ সালের ৩১শে মার্চ্চ তারিখে ইজারার ম্যাদ শেষ হইবে আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইডে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে। এই মহালের অবিভক্ত এজমালী গবর্ণমেন্টের ॥• আট আনা অংশ নিলাম হইবে। তৃতীয় ঘরে মোট মহালের রকবা দেখান হইল। চতুর্থ ঘরে গবর্ণমেন্টের ॥• আট আনা অংশের রাজস্ব দেখান হইল। আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।
<b>६</b> २४ <b>न</b> ९	ভোরাপাড়া সোণাপুর। পরগনা কাশিমনগর।	550-7-0 748 % 77	আগামী ১৮৯৮ সালের ১লা এপ্রেল হইতে নিলাম খরিদ্ধার এই মহালের মালিক স্বরূপ গণ্য হইবে।
	1	1	•

কালেক্টবের কাছারি জেলা মালদহ ভারিখ ২৮শে অক্টোবর ১৮১৭।

J II. LEA, Collector.

#### किना भाषाभानि ।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোয়াখালি জিলার অন্ধর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেবের আদিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য হে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায় হইবার আলেশ আছে তাহা আলায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জাহ্মারি তারিখে নিলামে বি ক্রয় করা ঘাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	2	٠	*	t	ક	•	-	*
ভৌজির শ্বন্থ ।	মহাল ও প্রগণাব নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা সম্পূৰ্ণ মহাল লের সদধ বিক্ৰম ছটবে জমঃ। কিনা।		কে কমাত্র অংশ বিক্রয় ছউলে ঐ অংশ বা ঐ ২ অংশের বিশেষ বিববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রন্ন হইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ঐ অং- শের সঙ্গর শ্বমা।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহাব বাকী:	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।
422	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	<b>333•9</b> ,	मञ्जूर्य		বাবু উপেন্দ্রচন্দ্র দত্ত মেনেজ্ঞার অব বিস কোর্জন কেট ও বাবু রঘুনাগ প্রসাদ তে ওয়ারি গং।		e • e e     e   5 5 5	
			খাদ মহ	ল টেনিউর —				
2447	চর শুলুকিয়ার ৯ নং গং মং হাওলা	63 <b>5</b> 45 ;	म™ॄर्थ		•য়াজেদিন ঘাট মাজি।		\$8≥n/€	•••••
ऽ७७२	আবহুল রহমান। চর মধ্ধরা গং মং হাওলা আজ্ঞম- ভুজা গং ৮০ নং	<b>90644</b> 9	Œ)		ৈলোক্যনাথ গুহ অভিস্থাবকজানিবে সচিনাথ গুহ।		\$ 0 0 H 2	
১৬৭১	দখল। চর গাজিব ১ নং দখল।	२०२१। । ४	À		জমিয়ত আলি		८६५।०	•••••
3693	ध চরের ২ নং দখল	24421122	À		Ġ		७१७।/७	
7626.	চর আন্সেকজণ্ডারের ১ নং গং মং হাওলা।	<b>€8</b> 04/9	<u>Ā</u>		নবকুমার <b>বস্থ</b> …	*****	१७५४३	•••••
ንሁታሁ	के हत्त्रत २ नः १११ सः शंखना ।	<b>68242</b>	À	•••••	ď	•••••	390100	*****

S. K. AGASTI, Collector.

#### জিলা চট্টগ্রাম।—ইন্ডিহার নামা কাছারি কালেক্টরি জিলে চট্টগ্রাম।

ইহাছারা জানান যাইতেছে যে ১৮৯৬ ইং ২৬ ডিসেম্বর শেষ তারিখের জনাদায় ৫০) টাকার উর্দ্ধ জ্ঞমার মওয়াবাদ তালুকাদির বাতী বাজনা ও ছেছ আদায়ের নিমিত্ত ১৮৯৭ সাং ৬ এপ্রিল তারিখে নিলাম হইয়া তদান্দরে যে সমস্ত তালুকা বায়না জন্দ হইয়াছে সেই সমস্ত তালুকাদির বাকী আদায়ের নিমিত্ত ১৮৬৮ সাং ৭ আং ও ১৮৭১ সাং ২ আং ও ১৮৫৯ সাং ১১ আইনের ৬ ধারার মর্মমতে ১৮৯৭ ইং তাং ২৫ নবেম্বর মোং ১৩০৪ সালের বাং তাং ১১ অগ্রহারণ রোজ রহস্পতিবার ধার্য্যে জিলার কালেক্ট্রী কাছারিতে প্রকাশ্য ছানি নিলামে ধরা ঘাইবে। ইতি ১৬৯৭ ইং তাং ১৬ সেপ্টেম্বর।

ক্রমিক মশ্ব।	তশুকার নম্ব।	মৌলা থানা, মহাল ও তালুকাব নাম।	মালিকেব শাম ।	সদ্র জনা।		वाकी।			
				থাকানা।	<b>ছে</b> ছ।	थाञ्चाला ।	(इह	মোট।	मच्छ4ा ।
3	₹	٧	8	ď	٠	1	۲	٤	۶۰
3	748P 4PP 50PdP 8P.7P	মোজে জ্জখনা গানা কটীকছরী মহাল নওয়া বাদ।— তালুক এয়ার আলি ধাঁ, হাং তাং ওবেদর রহ- মান খাঁ।		२७88)	১৬৬৸৽	رفاها	७१।८७	५७०।८७	

CHITTAGONG COLLECTORATE,

The 22nd September 1897.

F. P. Dixon,

For Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বন্থ সিনকোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গাডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের অ্পারক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবর্ধ-বেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে প্রবন্ধ নিন্দেনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥ ০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫১ টাকায় ও এক পোও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের অ্পারক্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ দিন ৬) টাকায়, আট ঔপ টিন ৬১ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার অধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেম্বাগণও এই ঔষধ বিক্রেম্ব করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের।০

বঙ্গদেশের গবর্গমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন ।
১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পেভি টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেউ ১৮৭০

॥ प्यांश ,, ,, ३) ,, ,, ,, ३॥ ।

| 門ক ,, ,, 8||・ ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্ষট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপ্র্কক মিশান হয় নাই ভাষার গ্যারাক্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটয়্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ঘাইতে পারিবে।

### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

Entire Gazette ... 10 per annum. Postage 2 8 0 Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette Postage 0 0 ... Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets or with of 1 anua for an charge every 4 sheets in excess Postage

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage

E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ শাল ২১ ফেব্রেয়ারি।—বাঙ্গালা প্রথমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যান্থল এই শ্বধি নিম্নালিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে:—

বকঃসলে

কিলো

	बकः मत	P			होका ।
मण्णूर्व (शरक हे	•••	•••	•••	বৎসর	3.5
ডাকমান্থল	•••	•••	•••	,,	<b>tli</b> •
७ ७ ६ ७ ६ ७ ६ ४७	( যাহাতে ব	<u> শারভবর্ষের</u>	<b>७ ग</b> ङ-		
দেশের ব্যবস্থাপক					
পাতৃলিপি ধাকে )		•••	•••	,,	*)
ভাক্ষাস্থল	•••	•••		29	3,
গশ্ব একখানি গেচ্ছেটের	<b>भृ</b> नाः	••	••	"	1.
	•••		•••	,,	•
0 9 8 3 6 9 6 40 (	প্রত্যেক	४ शृक्षे। वा	ভাৰার		
ন্যন সংখ্যক পৃ	<b>টার মৃল্য</b> )	•••	,	30	/• ৪ পৃষ্ঠাৰ উপৰ বাদ অধিক হয়
<b>डॉक्याञ्च</b>	•••	••	·		ভাগর প্রভাক ৪ পৃষ্টা প্রভি দার একং আনা।
	-	F			

কশিকাভার।

কলিকাভার ও মঞ্চলেল সমান গুল্য, কলিকাভার কেবল ভাক্ষাহল লাগিবে না।

₹, अब, ८गक:व ।

এজ দেশের গবর্থখন্টের এক্টিং ছোট সেক্রেটরী।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his eountry-Extract from Preface

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON. Under-Secretary to the Goot, of Bengal,

12th December 1882.

NOTE Rates of adve	ertisements	s in the Calcu	tta Gazrt	TE.
				Rs.
Full page, per issue	•••	***	•••	20
Half "	***	•••		10

Casual advertisement-4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওরা না গেলে এই গেজেট দে এরা যাইবে মা, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিত্রাপন একাশ করা গেল।

গবর্থমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন গ্রুক্তি বান্ধাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা ছইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ডিমিডি নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্ষেটারিয়েটের আকোন্টান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ. বোক্ত ফার্য্যালয় ভিন্ন ক্যেক্তিকে কোন পুশুকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেছেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা ঘাইবে না।

মল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জন্মে টাকার উপর আর 🗸 🕫 এক সানা পাঠাইতে হইবে :

> मि. एवमिछे वन्हें व. वक्रामण्या भवर्षायाचेत ছार्वे त्माकवेती ।

১৮৮२ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মক্ষর্য।—কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার ≪কাশ করিবা	ৰ হাব এইং।	_			हें। ♦ ११
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	***	•••	•••	***	200
काथ श्रका •	•••	***	**	400	>-,
ক্ষম কথ্য ইশ্ <b>তিভার একাশ ক্</b> রিতে ভ্ <b>ইলে</b>	कर गीक		200	(tp	10

## FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Kent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy way he sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B .- Copies are still available.

## वाकान (मटक्कोदिदस्र यखानदस्र विकसादर् पाटक् ।

বারিন্টার-অটা-লা ও ঐশ্রীমতীর বলদেশের সিবিল সন্ধিসে নিযুক্ত বর্তমানের ডিঞ্চিট্ট ও সেশন
জ্বাজ্ব ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি
লাছেবের প্রণীত বল্পদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবনর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভ্রাধিকারীব
আন্ধা বিষয়ক আইন সংহিতা।

একং থানি পুস্তকের মূল্য, ৫, পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌনীন্টের নিকট একং বানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা যোভক করিয়া ভাকে পাঠাইবার বরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য ।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বলদেশের মাজ্রসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্থানেছ ওয়েষ্ট টৌন হালের হাভায় ছিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে রেছি-ফ্রীরের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উদ্ধা সকল আইনের পুশুক কলিকাতার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, থাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটাতে ক্রয় করিতে পাওয়া ষায়।

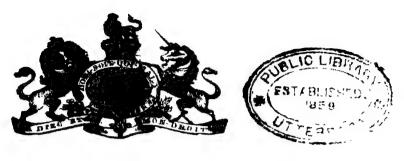
#### বিজ্ঞাপন।

সাধারণকে এতদ্বারা অবগত করা যাইতেছে যে চাকা জিলার অন্তর্গত মুন্দিগঞ্জের নিকট ধলেশ্বরী নদীর তটে প্রতি বৎসর যে কার্ত্তিক বারুণী মেলা হইয়া থাকে তাহা খুফীয় ১৮৯৭ সালের ২৫এ নবেশ্বর অর্থাৎ বাঙ্গালা ১৬০৪ সালের ১১ই অগ্রহায়ণ তারিখে আরম্ভ হইয়া ১৮৯৮ সালের ৫ই জ্ঞাহুয়ারি তারিখ পর্যান্ত থাকিবে। ব্যবসায়ী ও বিক্রেভাগণ ও অন্যান্য ব্যক্তি এই ছয় সপ্তাহ কালের মধ্যে ক্রম বিক্রম করিতে পারিবেন ।

জিলা বোর্ডের আপিস, ঢাকা, ১৮৯৭ সাল ২৮এ অক্টোবর।

কে, মহম্মদ ইউস্থক্, চেমারম্যানের পরিবর্ত্তে।

ক্ষিকাতা প্রেলিতেকী কেল হল্লালয়ে গ্রেবিয়েকের কলা জীবৃত কেম্স পেটা সাহেব কর্তৃক মৃত্রিত ও প্রকাশিত হবল।



# गवर्गाम् (जादजि

TUESDAY, NOVEMBER 3., 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩০ নবেশ্বর।

C	ONTR	NTS.		
				PAGE.
PART I Resolutions,	Orders	and N	lotifica-	
tions of t	he Gove	rn <b>n</b> ent (	of India	$m{Nil}$ .
l'ART II Resolutions	Orders	and I	Notifica-	
tions by t	he Lie <b>u</b> t	enant-G	overnor	
of Bengal		***		341-35 <b>2</b>
PART IIA Orders by	the Lie	utcnant	Gover-	
nor of Be	ngal	•••	•••	113116
PART III Acts of the	e Legisla	ative Co	uncil of	
. India	•••			Nil.
PART IV Bills of the	Logisla	tive Cor	ıncil of	
India	•••	•••	•••	Nil.
PART V Acts of the	Bengal (	Council	***	Nil.
PART VI Bills of the	Bengal	Council		Nil.
PART VII.—Circular	Orders	by the	High	
Court and	i Board	of Reve	nue	uil.
PART VIII Advertise	ements	•••	***	583593
Supplement		•••		Nil.

निर्वन्छ ।	
	। मृष्ठे ।
वाषम व । जात्र जनवीत । भवनीत्र विश्वासन	•
আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই।
খিতীয় ব্রা—বঙ্গদেশের গ্রব্মেটের নির্দারণ,	
আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	در در در د
বিতীয় ক ব 😁। — বঙ্গদেশের গাবর্ণমেন্টের আদেশ .	550-55a
ভৃতীয় খণ্ড।—ভারতব্যীয় ব্যবস্থাপক সভাব প্রবীত	
আইন	माই।
<b>ढ्रियं थ⊎।—ভাবতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের</b>	
পাত্রিশ	नाङ्ग ।
শক্ষম খণ্ড।বলীয় ব্যবন্ধাপক সভার প্রণীত আইন	নাই ৷
वर्षे थल । वक्षीय वायन्द्रां भक्ष माना वाहित्व	
পাণ্ডলিপি	নাই।
দন্তম বন্ত।—হাই কোর্টেব ও রেবিনিউ বার্চের	
<b>শাধারণ ভাপনপত্ত</b>	নাই :
অট্রম খণ্ড।—ইশ্তিহার প্রভৃতি	075-020
পরিশিষ্ট গ্রথমেটের গ্রেকট	লাই ৷

## PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দিতীয় খণ্ড।

वसरारभद शवर्यस्थित निर्वादन, जारमन । विकाशन व्यक्ति।

# প্লেগ-বিষয়ক বিজ্ঞাপন। -- > নম্বর।

## पार्किनिङ, ১৮৯৭ माल ১० हे नत्रहत ।

ব্যাপক পাঁড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের ২ ধারার (১) প্রকরণ ও ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের ছোম ডিপার্টিয়েন্টের ১৮৯৭ সালের ৪ঠা কেব্রুয়ারি তারিখের ৩০২ নং বিজ্ঞাপন অফুসারে প্রদক্ত ক্ষমতার পরিচালন করিয়া বঙ্গুদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব প্লোগ বিষয়ক ১০ই কেব্রুয়ারি তারিখের ১, ৪ ও ৫ নং বিজ্ঞাপন ও ১২ই মার্চ্চ তারিখের ৬ ও ৭ নং বিজ্ঞাপনক্রমে নির্দ্ধিষ্ট ব্যবস্থা রহিত করিয়া বুবনিক প্লোগের প্রচার নিবারণার্থ নিম্নলিখিত ব্যবস্থা নির্দ্ধেশ করিলেন। —

## প্রথম ভাগ। — প্লেগ কমিশনের নিয়োগ।

3। বজদেশের শ্রীযুত জেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেবের শাসনাধীন দেশের মধ্যে যাহাতে বৃবনিক প্রেগ ছইতে না পারে ও ছইলে তাহার প্রচার হইতে না পারে তদ্মিষ্টিভ্ত যে সকল উপায় অবলম্বন করিতে ছইবে তৎসম্বন্ধে গবর্ণমেন্টকে জিলার ও রেলওয়ের কর্মচারীদিগকে, ডিপার্টমেন্ট সকলের প্রধান রাজপুরুষদিগকে ও মুনিসিপালিটী ও জিলা বোর্ড সকলকে পরামর্শ প্রদান করিবার জন্য এবং অতঃপর অন্য যে সকল কর্ভব্যকর্মের ভার নিম্মলিখিত ব্যক্তিদিগের প্রতি অর্পিত হয় তাহা নির্বাহার্থে একটী প্রেগ কমিশন ছইবেন বলিয়া ঐ সকল ব্যক্তিকে নিযুক্ত করা গেল।—

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের মেডিকাল ডিপা	র্টমেন্টের সেক্রো	রী, মান্যব	ার এচ্, এচ্,	
तिमनी, मि, जाहे, हे,	• • •	•••		সভাপতি।
মানাবর সার পেটিক প্লেক্ষোর, নাইট, সি	ন, আই, ই,	•••	* }	
মান্যবর এম, সি, টর্ণর,	•••	•••		
বেঞ্চল চেম্বর অব ক্যার্দের সভাপতি	•••	• • •		
বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের পবলিক ওয়ার্কস ডি	ভূপার্টমেন্টের সো	ক্রেটরী	•••	
বঙ্গদেশের সিবিল হাঁস্পাতাল সমূহের ইনতে	প্রক্টর জেনরল	•••		
বঞ্চদেশের সানিটরা কমিশনর	•••	• • •		
কলিকাতার মেডিকাল কলেজের প্রিন্সিপা	न			
ব্রিগেড সর্জন লেপ্টেনেন্ট কর্নেল আর, সি	, সণ্ডার্স	• • •		
ব্রিঙ্গেড সর্জন সেপ্টেনেন্ট কর্নেল জে, ও'র	<u>বাইয়েন</u>			गভ্য।
ব্রিগেড সর্জন লেপ্টেনেন্ট কর্নেল সি, এচ্,	জুবেয়ার		}	13) 1
ব্রিগেড সর্জন লেপ্টেনেন্ট কর্নেল ই, জি, ব	রসেল			
সর্জন সেপ্টেনেন্ট কণেল জে, লিউটাস	•••	•••		
সর্জন মেজর এ, ডবলিউ, ডি, লাহি	***			
বঙ্গদেশের পোলাসের ইনস্পেক্টর জেনরল	• • •	• • •		
কলিকাতা করপোরেশনের সভাপতি	•••	•••		
ভাক্তর মহেন্দ্রলাল সরকার	• • •	•••		
ডাক্তর কৈলাস চন্দ্র বন্ধ	•••	•••		
মহিমবর শ্রীযুত রাজপ্রতিনিধির অনারারি	া আসিফান্ট সর্জ	ন মোলবী	জহিকদীন	
আহাম্মদ	•••	•••		
বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের পবন্দিক ওয়ার্কস ডি	ভূপার্টমে <b>ন্টের ছো</b>	<b>छ मिटक</b> छेन्	ती, ডवनिर्छ.	
ব্যাক্ষস্ শুইদর	•••	•••	•••	সেত্রে টরী।

দিতীয় ভাগ।—গ্রাম ও মুনিদিপালিটির বহিভূতি নগর সম্বন্ধীয় বিধি।

২। শ্রেগ কর্তৃপক্ষের নিয়োগ।—যেখানে প্লেগ হইবার আশঙ্কা আছে এরপ প্রত্যেক স্থানে জিলার মাজিস্টেট কমিশনর সাহেবের সাধারণ উপদেশ মান্য করিয়া প্লেগের প্রচার নিবারণার্থ যে সকল উপায় আবশ্যক জিলার মাজিস্টেটের সাধারণ আদেশাস্সারে তাহা উদ্ভাবন ও কার্য্যে পরিণত করিবার নিমিত্ত নামোলেখ করিয়া কিছা সরকারী পদধারী বলিয়া বিশেষ কর্মচারীদিগকে নিযুক্ত করিতে পারিবেন। এই সকল বিধি অহুসারে কোন স্থানের নিমিত্ত যে বিশেষ কর্মচারীরা নিযুক্ত হন তাহারা প্রেগ কর্তৃপক্ষ বলিয়া খ্যাত হইবেন।

- ত। জামির মালিকদের কর্ত্ব্যকর্ম।—প্রত্যেক প্রাথের মণ্ডল, জামির প্রত্যেক অধিকারা ও দখীলকার ও তাহার এজেন্ট এবং গবর্গমেন্ট বা কোট অব গুয়ার্ডস কর্তৃক রাজস্ব আদায় কার্য্যে নিযুক্ত প্রত্যেক ব্যক্তিকে তাঁহার সম্পান্তির মধ্যে প্লেগ হইলে প্রত্যেক প্লেগাক্রান্ত ব্যক্তিরে বিষয় সর্বাপেক্ষা নিকটপ্র পোলীস স্টেশনে তৎক্ষণাৎ রিপোর্ট করা সম্বন্ধে, পীড়িত ব্যক্তিদিগকে ও তাহাদের পরিচারক প্রভৃতিকে স্বতম্ব রাখা সম্বন্ধে, যাহারা প্লেগাক্রান্ত ইইয়াছিল তাহাদের বাড়ীর সংক্রামক দোষ নফ করা সম্বন্ধে এবং মৃত ব্যক্তিদের স্ব স্থ ধর্মাহ্ণগত প্রথাহ্নসারে দেহের সৎকার সম্বন্ধে যাহাতে নিম্নলিখিত বিধানগুলি সম্পূর্ণ-ক্রপে প্রালিত হয় তির্মিত্ত যথাসাধ্য চেন্টা করিতে হইবে।
- ৪। ফেশনের ও অওট-পোটের কর্মচারাদিগের ও প্রাম্য পোলীস ও চেকাদারা পঞ্চায়তের কর্ত্তর কর্ম।—কোন স্থানে ব্বনিক প্রেগের প্রাহ্রভাব হুইয়াছে বলিয়া ব্যক্ত করা হুইলে যদি তথা হুইতে কোন চেকিদারের প্রামে কোন লোক আসিয়া পহুঁছায় তাহা হুইলে ঐ চেকিদারকে অবিলয়ে ঐ লোকের নাম ও যে গৃহস্থের বাটীতে সে বাস করিতেছে তাহার নাম আপন পোলীস স্টেশনে বা আউট-পোটে রিপোট করিতে হুইবে ও তাহার পর এরপ নূতন লোক আসিয়া পহুঁছিলেই সেই কণা রিপোট করিতে হুইবে। উপরি লিখিত কর্তত্য কর্মটি ঠিকভাবে সম্পাদিত হুইতেছে কি না, চেকিদারী পঞ্চায়তের মেম্বর্রাদেগের তাহা দেখিতে হুইবে। পোলীস ফেশনে ও আউট পোটে একখানি বিশেষ তালিকা রাখা যাইবে এবং ঐরপে যে সকল নাম রিপোট করা যায় তাহা ঐ ভালিকায় তারিখ দিয়া লিখিতে হুইবে। রেলওয়ে পোলীস ১৩ বিধি অহুসারে ফেশনের কর্মচারির নিকট প্রেগাফান্ত স্থান হুইতে আগত যে সকল রাহীলোকের নাম ও ঠিকানা রিপোট করেন তিনি ঐ বিশেষ তালিকায় তাহাও লিখিবেন। তিনি আরও ঐ বিশেষ তালিকার লিখিত ব্যক্তিদের তাহার এলাকায় পাহুঁছিবার ঠিক পরবর্ত্তী দশ দিন ধরিয়া ঐ ব্যক্তিদের আহ্যের অবহা সম্বন্ধে আপনার নিকট বিশেষ রিপোট আনাইবেন।
- ৫। বেশী ইন্দুর বা বানর মরিভেছে এরপ জানিতে পারিলে প্রত্যেক চৌকীদারের তাহা রিপোর্ট করিতে হইবে।
- ৬। পোলীস ফেশন বা আওঁট পোফের কর্মচারী আদেশ করিলেই ঐ পোলীস ফেশন বা আওঁট-পোফের এলাকার মধ্যন্থিত কোন রেলওয়ে ফেশনে প্রত্যেক চৌকীদারকে ২৪ ঘটা মোতাএন থাকিতে হইবে ও পারে সরকুলর বা পোলীস বিভাগের শুকুম ক্রমে যে যে কর্তব্যকর্ম নির্দ্দিষ্ট হয় ঐ রেলওয়ে ফেশনে থাকিয়া সেই সেই কর্তব্যকর্ম করিতে হইবে।
- ৭। রেলওয়ে ফেশনে চেকিদারদের হাজির থাকিতে হইবে।—পোলীসের ি ট্রিক্ট স্থপারি ক্টেভেন্ট জিলার মাজিক্টেটের সহিত পরামশ করিয়া এইরপ বন্দোবস্ত করিবেন যে তাঁহার জিলার অন্তর্গত যে সকল রেলওয়ে ফেশনের নাম অতঃপর সময়ে সময়ে বিজ্ঞাপিত হইবে সেই সকল রেলওয়ে ফেশনে হই ছই জনের বেশী চেকিদার ২৪ ঘন্টাই হাজির থাকিবে। এই বন্দোবস্ত ডিট্রিক্ট স্থপারিনেটভেন্টের আজ্ঞাধীনে পোলীস ফেশন বা আউট-পোন্টের কর্মচারীকে করিতে হইবে, এবং ২৪ ঘন্টা কর্ম করিবার পর এ ছই ছই জন চেকিদার বা এ চেকিদারের দল নিয়মিত রূপে রিলিব হয় ও প্রত্যেক ব্যক্তি দিন ছই আনা হারে খোরাকা পায় ইহার নিমিত্ত এ কর্মচারির জ্বাৎদিহি থাকিবে। মাজিফ্রেট যেরপ বন্দোবস্ত করিবেন সেইরপ বন্দোব্য অম্পারে এ খোরাকী জ্বলা ব্যের্ডের তহবীল বা জিলার অন্য কোন তহবীল হইতে প্রদত্ত হইবে।
- ৮। বিশেষ তালিকার লিখিত ব্যক্তির মৃত্যুর রিপোর্ট হইলে তদন্ত করিতে হইবে।—
  ৪ বিধির উদ্লিখিত বিশেষ তালিকায় যে ব্যক্তির নাম লেখা হয় তাহার কিছা সে যে বাড়ীতে থাকে সেই বাড়ীর কোন ব্যক্তির পাঁড়া কি মৃত্যু হইয়াছে এরপ সন্থাদ পাওয়া গেলে, মৃত ব্যক্তির এতৎসংযুক্ত লিপির লিখিত মত প্লেগের লক্ষণ আছে কিন্না ছিল কি না ইহা নির্বয় করণার্থ ফেশনের বা আউট-পোফের কর্মচারী তদন্ত করিবেন এবং এ তদন্ত সন্থক্ষে যাহা করিলেন ফেশনের রোজনামচায় লাল সেহাই দিয়া তাহার রিপোর্ট লিখিয়া রাখিবেন. এবং সর্ব্বাপেক্ষা নিকটন্থ প্লেগ কর্ত্বপক্ষকে এ কথা জানাইবেন।
- ৯। প্রামে মৃত্যুর সংখ্যা অধিক হইলে তদন্ত করিতে হইবে।—কোন প্রাম হইতে যে সকল মৃত্যুর কথা রিপোর্ট করা হয় তাহার সংখ্যা সচরাচর যত মৃত্যু ঘটে তাহার বেশী হইলে, বিশেষতঃ দ্বুর হইয়া হঠাও মৃত্যু সংখ্যা প্রত্নপ বেশী হইলে, বুবনিক প্লেগের লক্ষণ বিদ্যান ছিল কি না ইহা নির্বাহ করণার্থ ফৌশনের বা আউট-পোন্টের কর্মচারী অবিলম্বে তদন্ত করিবেন এবং বঙ্গীয় পোলাসের ১৮৯৭ সালের মার্চ্চ মাসের ২ নং সরকুলরের নির্দিষ্ট ''সিবিল সর্জনের নিক্ট মৃত্যুর যে সাপ্তাহিক বিবরণ-পত্র' দিতে হয় তাহা পাঠাইবার সময় মৃত্যুর প্রে বর্দ্ধিত হারের প্রতি সিবিল সর্জনের দৃষ্টি আকর্ষণ করিবেন।

- ১০। পূর্শ্বর্তী বিধিয়ত তদন্তের ফল সিবিল সর্জনের নিকট রিপোর্ট করিতে ছইবে।—ঠিক পূর্ববর্তী বিধি হুইটির কোন বিধি অহুসারে তদন্ত করিয়া যে ফল হয় স্টেশনের বা আউট-পোটের কর্ম্মচারী তাহা অবিলয়ে সিবিল সর্জন ও সর্বাপেকা নিকটছ প্লোগ কর্ত্মপক্ষের নিকট রিপোর্ট করিবেন এবং টেশনের যে রোজনামচা প্রতিদিন পাঠান হয় ডিফ্রিক্ট স্থপারিকেডেন্ট ও মাজিফ্রেটের অবগতির নিয়িত তাহাতে লাল সেহাই দিয়া ঐ কথা লিখিবেন।
- ১১। মাজিফেট ও পোলাদের বড় কর্মচারীদিগকে তত্ত্বাবধান করিতে ছইবে।—এই ব্যবস্থায় যে সকল বিধি নির্দিট হইল তদমুদারে যথারীতি কার্য্য করা ছইতেছে কি না যাছাতে মাজিফেটেরা ও পোলাদের বড় কর্মচারীরা জিজ্ঞাদা করিয়া ও তদন্ত লইয়া তাহা ভাল করিয়া বুঝাইয়া লইতে পারেন এই নিমিত্ত তাঁহারা যখনই পারিবেন চেকীদারদের যে সাপ্তাহিক কুচকাওয়াজে সকল চেকীদার একত্র হয় তাহাতে উপস্থিত ছইবেন।
- ১২। প্লেগ কর্তৃপক্ষকে জিলার ও প্রায়্য পোলীলের সাহায্য করিতে হইবে।—এই ব্যবস্থা অভ্নারে প্লেগ কর্তৃপক্ষকে যে দকল কর্ত্তব্যকর্ম সম্পাদন করিতে হইবে তাহা সম্পাদন করিতে পারিবার নিমিন্ত তাঁহাদের যে সাহায্যের প্রয়োজন হয় জিলার ও গ্রায্য পোলীস তাঁহাদিগকে সেই সাহায্য প্রদান করিবেন।
- ১৩। রেলওয়ে পোলীদের কর্ত্ব্যকর্ম।—রেলওয়ে পোলীদের আসিফান্ট ইন্ম্পেট্টর জেনরল দিগকে জিলার পোলীদের সহিত সর্বান্তঃকরণে একযোগে কার্য্য করিতে আদেশ করা যাইতেছে। তাঁছারা এইরপা বন্দোবন্ড করিবেন যে, ট্রেন আসিয়া পঁছহিলেই রেলওয়ে পোলীস প্রেগাক্রান্ত স্থান হইতে আগত রাহীলোকদের নাম ও বাসস্থানের তালিকা প্রস্তুত করে। যে সকল টিকিট লওয়া হয় তাহার সহিত এই তালিকাগুলি মিলাইয়া দেখিবার পর ভেশন পোলীদে পাঠাইয়া দেওয়া যাইবে। কোন রাহী ঠিক নাম বা ঠিক বাসস্থান বলে নাই এরপা সন্দেহ করিবার কারণ থাকিলে, সে যে নাম ও বাসস্থান বলিয়াছে তাহা সত্য কি না জানিবার জন্য ৭ বিধির লিখিত একজন চোকীদারকে তাহার সহিত পাঠান যাইবে। যে সকল বিধি রেলওয়ে ফেশনে পালিত হইবার জন্য নির্দিন্ট ইইয়াছে তদম্যায়ী ঠিক কিক কার্য্য ইইতেছে কি না ও কোন রাহী মধ্যবর্ত্তী কোন ফেশনে নামিয়া নৃতন টিকিট লইয়া পারীক্ষা ও পারিদর্শন এড়াইতেছে কি না ইহা দেখিবার জন্য প্রত্যেক আসিফান্ট ইন্ম্পেট্রর জেনরলের নিমিত্ব এরপা কয়েকজন লোক মঞ্জুর করা যাইবে যাহারা নিয়ত যাতায়াত করিয়া এই সকল বিষয়ে লক্ষ্য করিবে।
- ১৭। রেপওয়েতে ষাইতেং পথে নামা। —কোন রাহী প্লেগাক্রান্ত কোন স্থান হইতে আসিতেছে ইহা গোপন করিবার জন্য নৃতন টিকিট পাইবার অভিপ্রায়ে কোন মধ্যবন্তা টেশনে নামিলে, রেলওয়ে পোলীস ভাহার নাম ও ভাহাকে যে নৃতন টিকিট দেওয়া হইল ভাহার নম্বর লিখিয়া লইবেন ও নীচের টেশনে ঐ সম্বাদ পাশইয়া দিবেন। ভাহা হইলে ঐ ব্যক্তি নামিলেই ভাহাকে প্রিদর্শনাধীনে রাখা মাইতে পারিবে।
- ১৫। শ্রেগ কর্তৃপক্ষের কর্ত্ব্যকর্ম।—প্রবর্তী বিধি অনুসারে সন্থাদ পাইলেই কিন্তা যখনই শ্রেগ কর্তৃপক্ষ বাড়াতে গিয়া দেখা আবশ্যক বিবেচনা করেন তখনই তিনি লক্ষিত স্থানে যাইবেন, এবং যদি ঐ স্থান বাড়া কি বাস্থান হয় এবং তিনি তথায় প্রবেশ করিতে চাহিলে উহার দখীলকারেরা তাঁহাকে তথায় প্রবেশ করিতে না দেয় ও তথাকার কোন ব্যক্তি প্লেগাক্রান্ত হইয়াছে কি না ইহা নির্বয় করণার্থ তাঁহার যুক্তিযুক্তরূপ স্থবিধা করিয়া না দেয় তাহা হইলে ঐ কর্তৃপক্ষ ঐ বাড়ীবা উহার কোন অংশে বলপ্রতিক প্রবেশ করিতে পারিবেন এবং তথায় কোন ব্যক্তিকে প্লেগাক্রান্ত দেখা গোলে কিন্তা প্লেগাক্রান্ত বলিয়া সন্দেহ করা গোলে কিন্তা সে সম্ভবমত ( যথা কোন প্লেগাক্রান্ত রোগীর সহিত এক বাড়ীতে বাস করিবার দক্ষন) রোগের বীজালান্ত হইয়াছে বলিয়া তাঁহার বিবেচনা হইলে সেই ব্যক্তিকে ডাক্তর দিয়া পরিক্ষা করাইবার জন্য আটক রাখিতে পারিবেন। উক্ত প্লেগ কর্তৃপক্ষ অয়ং ডাক্তর না হইলে গর্বনিমেন্টের বা কোন স্থানীয় কর্তৃপক্ষের চাকরীতে নিযুক্ত সক্ষাপেক্ষা নিকটয় ডাক্তরকে অবিলম্বে সন্থাদ পাঠাইবেন এবং ঐ ডাক্তর ঐ স্থানের জন্য প্লেগকর্তৃপক্ষ নিযুক্ত হইয়া থাকুন বা না থাকুন ঐ লক্ষ্যিত স্থানিয়া রোগীকে পরীক্ষা করিতে ও তাহার সন্থন্ধে রিপোর্ট করিতে বাধ্য হইবেন। রোগী প্লেগাক্রান্ত বলিয়া প্রমাণ হইলে প্লেগ কর্ত্বপক্ষ আপান বিবেচনামতে ৪৩ হইতে ৫২ পর্যন্ত বিধিগুলি যত দূর খাটে তত্ত্ব্ব ঐ সকল বিবি অভ্নারে কার্য্য করিতে পারিবেন।
- ১৫। প্লেগ কর্তৃপক্ষ প্রত্যেক ছলেই মৃত্যুর কারণ সন্ধন্ধে তদন্ত করাইতে পারিবেন এবং আপনার প্রতীতি না হংলে ঐ মৃত্যু প্লেগে মৃত্যু বলিয়া গণ্য করিতে পারিবেন।
- ১৭। প্লেগ কর্তৃপক্ষ বলিয়া এই সকল বিধি অম্পারে নিযুক্ত প্রত্যেক ডাক্তর যাহাদিগকে খুঁজিয়া বাহির করেন বা পূর্ববর্তী বিধির বিধানাম্নারে যাহাদের বিষয়ে সম্বাদ পান ভাহাদের সকলকেই

পরীক্ষা করিছে পারিবেন এবং যাহারা প্রেগাক্রান্ত হইয়াছে কিছা প্রেগাক্রান্ত বলিয়া তাঁহার সন্দেহ হয় যথাক্রমে সেইং ব্যক্তিদের থাকিবার জন্য জিলার মাজিফ্রেট কিছা এতদর্থে জিলার মাজিফ্রেট কর্তৃক বিশেষমতে নিযুক্ত কর্মচারী যে সকল স্থান নিরূপিত করেন সেই সেই স্থানে তাহাদিগকে আটক ও স্বতন্ত্র করিয়া রাখিতে পারিবেন। লোকদিগকে স্বতন্ত্র রাখিবার জন্য জিলার মাজিফ্রেট কিছা এতদর্থে তাঁহাহইতে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কর্মচারী কোন খালি জায়গা বা বিল্ডিঙ্ অধিকার করিয়া তাহা দখলে রাখিতে পারিবেন। ৫৫ বিধি অনুসারে ক্ষতিপ্রণার্থ যে টাকা ধার্য্য হয় ঐ জায়গা বা বিল্ডিঙ্কর অধিকারী বা দখালকারকে ক্ষতিপ্রণার্থ সেই টাকা পরে দেওয়া যাইবে।

- ১৮। এই দকল বিধি অহুদারে যে ভাক্তর প্লেগ কর্তৃপক্ষ বলিয়া নিযুক্ত হন তাঁহার যদি এরপ বিশ্বাদ করিবার কারণ থাকে যে, যে বিল্ডিও বা বাটী বসত বাটী অরপ ব্যবহার করা হইতেছে কি বসত বাটী অরপ ব্যবহার করিবার অভিপ্রায় আছে সেই বিল্ডিও বা বাটীতে কোন প্লেগাক্রান্ত ব্যক্তি আছেন কি ছিলেন কিছা তাঁহার যদি এরপ বোধ হয় যে ঐরপ কোন বিল্ডিও বা বাটী এরপ অস্বান্থ্যকর অবস্থায় আছে যে তাহা মহ্যেরের বাদের অযোগ্য তাহা হইলে তিনি লিখিত আদেশ দিরা ঐ বাটীর বসতবাটী অরপ আর ব্যবহার হওয়া নিষেধ করিতে পারিবেন। ঐরপ নিষেধ করা গেলে উক্ত কর্মচারী যতদিন ঐ বাটী মহ্যেরে বাদের নিমিত্ত ব্যবহার করিবার জন্য আবার লিখিত অহুমতি না দেন ততদিন ঐ বাটীর কোন অধিকারী বা দখীলকার উহা মহ্যেরের বাদের নিমিত্ত ব্যবহার করিবেন না ও করিতে দিবেন না। এই বিধি জারি করিবার নিমিত্ত যদি কাহাকেও ঐ বাটী হইতে জ্যের করিয়া সরান আবশ্যক হয় উক্ত কর্মচারী ভাহা করিতে পারিবেন।
- ১৯। এই সকল বিধি অন্ন্সারে থে ডাক্তর প্লেগ কর্তৃপক্ষ বলিয়া নিযুক্ত হন তিনি যদি এরপ বিবেচনা করেন যে, যে প্রামে বুবনিক প্লেগের প্রাত্তিবি ইইয়াছে সেই প্রামের লোকদিগকে ৫০ বিধিতে যে রকম বলা গিয়াছে সেই রকমে প্রাম হইতে দুরে প্রিত কোন স্থানে কিছু কালের নিমিত্ত রাখা আবশ্যক তাহা ইইলে তিনি জিলার মাজিস্টেটের নিকট ঐ মর্মে রিপোর্ট করিবেন এবং ঐ মাজিস্টেট ঐ প্রামের লোকদিগকে তদন্সারে বাটী ছাড়িয়া যাইতে আদেশ করিতে পারিবেন। এইরপ স্থলে ঐ সকল বাটা সম্পূর্ণরূপে দোযশূন্য করা ইইয়াছে বলিয়া যতদিন কোন ডাক্তর সার্টিফিকেট না দেন ততদিন বাটাগুলি পুনরায় দখল করিতে পারা যাইবে না।
- ২০। কোন আমে প্লেগ দেখা দিলে যতদিন রোগ সম্পূর্ণরূপে অদৃশ্য না হয় ততদিন চারি পাশের আমের লোকদিগকে এই বলিয়া সতর্ক করিয়া দিতে হইবে, তাহারা যেন দৃষিত গ্রামের সহিত কোন সংঅব না রাখেন।
- ২১। সর্বসাধারণের কর্ত্তব্যের কথা।—কোন প্লেগ কর্ত্তৃপক্ষ কোন ব্যক্তিকে স্বতন্ত্র থাকিবার নিমিত্ত কিম্বা তাঁহার বাটা কি কাপড় চোপড় আসবাব প্রভৃতি দোষশূন্য করিবার নিমিত্ত আদেশ করিলে কিম্বা এই সকল বিধির মধ্যে পড়ে এমন অপর কোন বিষয় সম্বন্ধে কোন আদেশ করিলে ঐ ব্যক্তি যথারীতি সেই আদেশ পালন করিবেন।

# তৃতীয় ভাগ। —মুনিদিপাল টোন ও কাউনমেউ দদন্ধীয় বিধি।

২২। নিম্নলিখিত বিধিগুলি প্রত্যেক মুনিসিপালিটী এবং কান্টনমেন্ট সন্থন্ধে খাটিবে। ২৬ ছইতে ৪২ পর্যন্ত বিধি এবং ৫৫ ছইতে ৫৭ পর্যান্ত বিধি এবং বেসরকারী হাঁস্পাতাল ও ক্যাম্প স্থাপন সন্ধন্ধে প্রস্তাবাদি প্রস্তুত করণের সহিত এবং স্থলভেদে প্লেগ কমিশন কিম্বা হেল্থ আপিসর কর্তৃক প্রপ্রভাবাদি মঞ্জুর হওনের সহিত ৪৬ বিধির যতদূর সম্পর্ক থাকে ততদূর পর্যান্ত প্র বিধি অবিলম্বে আমলে আদিবে। প্র সকল বিধি অবিলম্বে জিলার চলিত ভাষায় তরজমা করিয়া জিলার মাজিস্টেটের, কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষের এবং মুনিসিপাল কমিশনরদের আপিসে রাখা থাইবে এবং উহার এক এক খণ্ড প্র সকল আপিসের এবং জিলার মাজিস্টেট, কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষ এবং কলিকাতার কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান্ অপর যেহ প্রকাশ্য স্থানের কথা বলেন সেই সেই প্রকাশ্য স্থানের এমন জায়গায় লটকাইয়া রাখিতে ছইবে যে সকলে উহা দেখিতে পায়, এবং মুনিসিপালিটা বা কান্টনমেন্টের সক্ষার চেঁডুরা দিয়া এই কথা প্রকাশ্যরূপে ঘোষণা করা ঘাইবে যে প্র সকল বিধির এক খণ্ড নকল প্রস্তুপে লাইয়া দেওয়া হইয়াছে এবং আসল বিধি মুনিসিপাল কমিশনরদের কিছা কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষের কাপিসে দেখিতে পাওয়া যাইবে। যে মাত্র জিলার মাজিস্টেটের কিছা কান্টনমেন্টের কর্ত্বপক্ষের কিলা কলিকাতা হইলে কর্পোরেশনের চেয়ারম্যানের এইন্ধপ প্রতীতি হয় যে কোন মুনিসিপালিটা কিছা কান্টনমেন্টের মধ্যে কোন ব্যক্তির প্লেগ হইয়াছে বিধা উহার এমন কাছাকাছি স্থানে কোন ব্যক্তির প্লেগ হইয়াছে যে সেখন হইতে রোগ সহস্থেই প্র মুনিসিপালিটাতে বা কান্টনমেন্টে যাইতে পারে তংকণ ও বিদ্

বিধিগুলি ঐ মুনিদিপালিটী বা কান্টনমেন্টে আমলে আসিবে। যখনই এইরূপ ঘটিবে তখনই উপরের লিখিত প্রণালীতে বিধিগুলি প্রকাশিত করিতে হইবে।

- ২৩। হেল্থ আপিসর বলিতে কাহাকে বুঝাইবে সেই কথা।—নিম্নলিখিত বিধিতে "হেল্থ আপিসর" বলিতে জিলার সিবিল সার্জনকে বুঝাইবে এবং সিবিল মেডিকেল আপিসর, কোন কান্টন-মেন্টের ভারপ্রাপ্ত মিলিটরি মেডিকল আপিসর, কোন জিলা, মহকুমা বা মুনিসিপাল ডিপ্পেনসরির চিকিৎসা কার্য্যের ভারপ্রাপ্ত আসিন্টান্ট সার্জন এবং জিলার মাজিন্টেট কর্ত্বক ২৪ বিধি অম্পারে নিযুক্ত ডাক্তরকেও বুঝাইবে। কলিকাতায় হেল্থ আপিসর বলিতে কলিকাতার হেল্থ আপিসরকে বুঝাইবে এবং কোন আসিন্টান্ট হেল্থ আপিসরকেও বুঝাইবে।
- ২৪। হেল্থ আপিদরের নিয়োগের কথা।—যে সকল মুনিসিপালিটী বা কাল্টনমেন্টে প্লেগ হইবার আশকা আছে জিলার মাজিন্টেট কমিশনরের সাধারণ উপদেশের অধীনে সেই সেই জিলায় ও কাল্টনমেন্টে তাঁহার (জিলার মাজিন্টেটের) সাধারণ উপদেশাহ্নসারে প্লেগের প্রচার নিবারণার্থ সকল প্রকার উপায় স্থির করিবার এবং তদহুসারে কার্য্য করিবার নিমিক্ত নাম ধরিয়া বা পদের উল্লেখ করিয়া হেল্থ আপিসর নিযুক্ত করিতে পারিবেন এবং তাঁহার বেতন নির্দারণ করিতে পারিবেন। ঐ হেল্থ আপিসরের কর্তব্যকর্ম সম্পাদনে সাহায্য করিবার নিমিক্ত তিনি যেরপা অধক্তন কর্মচারির দল নিযুক্ত করা আবশ্যক বিবেচনা করেন সেইরপা অধক্তন কর্মচারির দলও নিযুক্ত করিতে পারিবেন এবং তাঁহাদের বেতন নির্দারণ করিতে পারিবেন। এই বিধি অহ্নসারে কার্য্য করিবার নিমিক্ত জিলার মাজিন্টেট কতকন্তালি মুনিসিপালিটী ও কান্টনমেন্ট একরে লইয়া তাহাদের গুলাকা ভুক্ত সমক্ত স্থানের নিমিক্ত এক জন হেল্থ আপিসর ও অধক্তন কর্মচারির একটা দল নিযুক্ত করিতে পারিবেন। কলিকাতায় কর্পো-রেশনের চেয়ারম্যান স্থানীয় গ্রন্মেন্টের উপদেশাধীনে এই সকল ক্ষমতার পরিচালন করিবেন।
- ২৫। রেলওয়ে টেশনে টোন পোলাসের কর্ত্ত্যকর্মের কথা।—কোন রেলওয়ে টেশন কোন মুনিসিপালিটার সীমার ভিতরে কি নিকটে থাকিলে রেলওয়ে পোলাস টোন পোলাসের সহিত এক যোগে ট্রেন পোঁছিলে তাহার নিকটে থাকিবার এবং দুখিত স্থান হইতে আগত যে সকল রাহী নামেন তাঁহাদিগের নাম ও বাসস্থানের তালিকা প্রস্তুত করিবার বন্দোবস্ত করিবেন। যে সকল টিকিট জড় করা হয় তাহার সহিত এই তালিকা মিলাইয়া টোনের পোলাস ফেশনে পাঠাইতে হইবে। কোন রাহী নাম ও বাসপ্থান মিথা করিয়া বলিয়াছেন এরপ সন্দেহ হইলে তাঁহার কথার সত্যাসতা নির্ধার্থ টোন পোলীসের যে সকল লোক তথার উপস্থিত থাকেন তাঁহাদের একজনকে তাঁহার সঙ্গে পাঠান হইবে।
- ২৬। দূষিত স্থান হইতে লোক আসিলে টোন পোলীসের তাহা রিপোর্ট করিবার এবং তাহাদিগকে পরিদর্শনাধানে রাখিবার কথা।—দেশের যে সকল অংশ বুবনিক প্লেগাক্রান্ত হইরাছে সেই সকল
  অংশ হইতে আসিয়া যে সকল লোক টোন পোলীসের বিটের সীমার মধ্যে কিছুকালের নিমিত্ত বা
  শ্বায়ীরূপে বাস করেন টোন পোলাসকে অবিলম্বে তাঁহাদের প্রত্যেকের নাম পোলীস ফেশনে রিপোর্ট
  করিতে হইবে। সমস্ত টোন পোলাস ফেশনে যে বিশেষ তালিকা বা লিফি রাখিতে হইবে তাহাতে
  এইরূপে যে সকল নাম পাওয়া যায় ভাহা এবং পর্মবর্ত্তী বিধিতে যে সকল নামের উল্লেখ করা গেল
  তাহা লিখিয়া লিখিবার তারিখ শুদ্দ লিখিতে হইবে। এই বিশেষ তালিকার বা লিফির একখানি
  নকল জিলার কিছা কাল্টনমেন্টের মাজিফ্রেটের নিকট এবং হেল্থ আপিসরের নিকট পাঠাইতে
  হইবে এবং সমস্ত নৃতন নাম তাঁহাদিগকে অবিলম্বে জানাইতে হইবে। যে সকল ব্যক্তির নাম
  বিশেষ তালিকায় লেখা হয় তাঁহাদিগের জাগমনের তারিখ হইতে দশ দিন কাল অতীত না হওয়া
  পর্যান্ত টোন পোলাসের তাঁহাদের স্বান্থ্য সম্বন্ধে দৈনিক রিপোর্ট দাখিল করিতে হইবে। কলিকাতায় ঐ
  তালিকা ও রিপোর্ট পোলীসের কমিশনর সাহেব ও হেল্থ আপিসরের নিকট পাঠাইতে
- ২৭। দূষিত স্থান হইতে আগত রাহীরা পথিমধ্যে থামিয়া নূতন টিকিট লইলে রেলওয়ে পোলীসের কর্ত্তরকর্ম।—কোন দূষিত শ্বান হইতে আগত কোন রাহী ঐরপ স্থান হইতে আসিয়াছেন ইহা লুকাইবার অভিপ্রায়ে নূতন টিকিট লইবার নিমিত্ত কোন মধ্যবর্তী ফৌশনে নামিলে রেলওয়ে পোলীস তাঁহার নাম এবং যে নূতন টিকিট দেওয়া হইল তাহার নম্বর লিখিয়া লইবেন এবং ঐ রাহা ট্রেন হইতে নামিলে যাহাতে তাঁহাকে পরিদর্শনের অধানে রাখিতে পারা যায় ভল্লিমিত্ত ঐ সংবাদ ঐ রেলওয়ে লাইনের নীচের ফৌশনে পাঠাইবেন।
- ২৮। কোন ব্যক্তির বুবনিক প্লেগ ইইলে কিম্বা ঐ রোগে মৃত্যু ইইলে টোন পোলীদের তাহা রিপোর্ট করিতে ইইবে।—কোন টোন পোলীদ ফেশনের ভারপ্রাপ্ত কর্মচারী কোন ব্যক্তির বুবনিক প্লেগ ইইবার কিম্বা ঐ রোগে মৃত্যু ইইবার সংবাদ পাইলে অবিলম্পে দেই কথা জিলার বা কান্টনমেন্টের মাজিফ্টেটের নিক্ট রিপোর্ট করিবেন এবং ডিফ্টিট্ট স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট এবং মাজিফ্টেটের অবগতির নিমিত্ত ঐ কথা ফৌশনের

রোজনামচায় লাল সেছাইতে লিখিবেন। কলিকাতায় পোলীসের কমিশনর এবং ছেল্থ আপিসরের নিকট ঐশ্বপ রিপোর্ট করিতে হইবে।

- ২৯। অন্যপ্রকারে বিশেষ ক্ষমতা প্রদন্ত না হইলে টোন পোলীসের কেবল রিপোর্টই করিতে ইইবে। শাসন সংক্রান্ত কিন্তা স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষের লিখিত আদেশাহসারে ভিন্ন অন্য কোন প্রকারে কোন পোলীস কর্মচারী পীড়া বা মৃত্যুর কথা রিপোর্ট করা ছাড়া এই ভাগের বিধি অহ্নসারে আর কোন কার্য্য করিবেন না। বাড়ার কর্ত্ত দেখিতে চাহিলে তিনি ঐ আদেশ দেখাইতে বাধ্য।
- ৩০। মাজিস্টেটের এবং বছ বছ পোলীসের কর্মচারীদের তত্ত্বাবধান করিতে হইবে।—মাজি-স্টেট এবং পোলীসের বজ় বছ কর্মচারীদিগকে স্বয়ং ঘন ঘন পরিদর্শন করিয়া দেখিতে হইবে যে, উপরি-লিখিত যে সকল বিধিতে পোলীসের কর্ত্তব্যকর্ম নির্দ্দিট হইয়াছে তদন্ত্সারে কড়াকজ়ি রকমে কার্য্য করা হইতেছে কি না।
- ৩১। হেল্থ আপিসরকে পোলীসের সাহায্য করিতে হইবে।—এই বিজ্ঞাপনের লিখিত বিধি অভুসারে কার্য্য করনার্থ হেল্থ আপিসর যেরূপ সাহায্য আবশ্যক বিবেচনা করেন পোলীসের সমস্ত কর্মচারির তাঁহাকে সেইরূপ সাহায্য করিতে হইবে। কলিকাতায় কর্পোর্নানের চেয়ারম্যানের প্রার্থন। জনে পোলীসের কমিশনর ঐরূপ সাহায্য করিবেন।
- ৩২। পরিদর্শন কমিটী।—হেল্থ শাপিসরের এই সকল বিধি অল্ল্যায়ী কর্ত্তবর্কের্ম সম্পাদনে তাঁহাকে সাহায্য করিবার নিমিন্ত জিলার বা কান্টনমেন্টের মাজিয়েট প্রতি মুনিসিপালিটী ও কান্টনমেন্ট পরিদর্শন কমিটী নিযুক্ত করিতে পারিবেন। প্রত্যেক কমিটীতে সাধারণতঃ মুনিসিপালিটীর প্রত্যেক ওয়ার্ডের নিমিন্ত কিয়া কান্টনমেন্টের কোন নিদ্ধিত অংশের নিমিন্ত চারিজন করিয়া সভ্য পাকিবেন। তাঁহাদের তুইজন হিন্দু এবং তুইজন মুসলমান হইবেন। হেল্থ আপিসর যখন পরিদর্শনার্থ ত্রিবেন তখন তাঁহার সঙ্গে সঙ্গে বা ওয়া, স্বাস্থ্যরক্ষার নিমিন্ত যে সকল উপায় অবলম্বন করা হয় তাহার প্রয়োজনীয়তা বৃক্ষাইয়া দেওয়া, ঐ গুলি কার্য্যে পরিণত করণে সাহায্য করা এবং যে সকল অভিযোগ করা হয় তাহা এবং ক্ষমতার যে সকল অপব্যবহারের কথা জানিতে পারেন তাহা রিপোর্ট করা ঐ সকল সজ্যের প্রধান কর্ত্তব্যকর্ম হইবে। সন্তব্ হইলে প্রত্যেক কমিটীর হিন্দুসভ্যদের মধ্যে অল্ভঃ একঙ্কন এবং মুসলমান সভ্যদের মধ্যে অলভঃ একজন চিকিৎসাব্যবসায়ী থাকিবেন। কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান পোলীসের কমিশনরের সহিত পরামর্শ করিয়া কমিটী নিযুক্ত করিতে পারিবেন। যে সকল স্থানে অধিবাদীদের মধ্যে বহুসংখ্যক বাজি হিন্দু বা মুসলমান নহেন সেই সকল স্থানে যে ওয়ার্ডে যে সকল জ্ঞাতির ও ধর্মের লোকদিগের সম্বন্ধে বিধিগুলি প্রধানতঃ খাটিবে সম্ভব্ হইলে সেই ওয়ার্ডের কমিটীতে সেই জ্ঞাতির ও ধর্মের প্রতিনিধি থাকিবে।
- ৩৩। স্বাস্থ্য সংক্রান্ত সাধারণ সতর্কতা। -কোন মুনিসিপালিটা বা কাণ্টনমেন্টে জিলার মাজি-ষ্টেট কিম্বা তাঁহার নিকট হইতে এই বিষয়ে ক্ষমতা প্রাপ্ত কোন মাজিফ্টেট কিম্বা কান্টনমেন্টের মাজিফ্টেট এইরূপ সাধারণ আদেশ প্রচার করিতে পারিবেন যে কোন নির্দ্দিষ্ট স্থানে কোন নির্দ্দিষ্ট তারিখের মধ্যে স্বাস্থ্য রক্ষার্থ কয়েকটী সামান্য সাধান্য সতর্কতার কার্য্য কর। যাইবে যথা, বাড়ার কলিফিরান, পায়খানা পরিকার করা, ময়লা এবং জঞ্জাল সরাইয়া ফেলা এবং যে সকল প্রাচীরাদিতে আলো আসার ও বাতাস খেলার ব্যাঘাত হয় সেই সকল প্রাচীরাদি সবাইয়া ফেলা। এবং উক্ত স্থান নিবাসী সকল ব্যক্তি ঐ সকল আদেশ পালন করিতে বাধ্য হইবে। কলিকাতায় কর্পেরেশনের চেয়ারম্যান এই সকল ক্ষমতার পরিচালন করিবেন। ঐ সকল ব্যক্তি ঐ সময়ের মধ্যে হুটিশের নির্দ্দিষ্ট কার্য্যাদি সম্পন্ন না করিলে হেল্থ আপিদর জিলার কিগা কাউনমেন্টের মাজিস্টেটের মঞ্জুরি লইরা এবং কলিকাতঃ হইলে কর্পোরেশনের চেয়ারম্যানের মঞ্জারি লায়া অবস্থান্নসারে আপানার অভিপ্রায়ের যেরূপ নুটিস দেওয়া শ্বশ্যক বোধ করেন দেইরূপ ভুটিন নিবার পর স্থোদিয় এবং সূর্য্যান্তের মধ্যে যে কোন সময়ে ঐ সকল প্রেমিদে প্রবেশ করিয়া উপরিলিবিত কাষ্য সকল করিতে পারিবেন। কিন্তু দেশের প্রচলিত রীতি অনুসারে যে জীলোক সন্দাধারণের সম্মুখে বাহির হন না, কোন বার্ছার কোন মহাল সেই স্ত্রীলোকের দখলে থাকিলে হেল থ আপিদর অন্ততঃ এক ঘন্ট। পূর্ব্বে ঐ মহালে প্রবেশ করিবার অভিপ্রায়ের মুটিস দিবেন এবং তিনি এ মহালের যে অংশে প্রবেশ করিতে ইচ্ছা করেন সেই অংশ হইতে সরিয়া যাইবার নিমিত্ত ঐ জ্রালোকের সাধপ্রকার যুক্তিসম্পত স্থবিধা করিয়া দিবেন। যে খরচা হয় ভাহা জিলার মাজিস্টেটের বিবেচনায় এবং কলিকাতা হইলে কর্পোরেশনের চেয়ারম্যানের বিবেচনায় র্যাহাদিগকে ন্যায্যভাবে দায়ী বলিয়া ধরা যাইতে পারে তাঁহাদিগের নিকট হইতে বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইনের ১২০ হইতে ১২৯ পর্য্যন্ত ধারায় যে প্রকারে খরচা আদায় করিবার বিধান করা হইয়াছে সেই প্রকারে কিদা স্থলভেদে কলিকাতার মুনিসিপাল আইন সংগ্রাহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইনের ৬ অধ্যায়শ্রহায়ী রেটস্থরপ আদায় করা যাইতে পারিবে।

৩৪। অস্বাস্থ্যকর বাটী ও চালা ঘরের বক।—যদি কোন প্রেমিস বা চালা ঘরের বুক এরপ অস্বাস্থ্যকর অবস্থায় থাকে যে হেল্থ আপিদরের মতে তাহার অধিবাদীগণের বুবনিক প্লেগাক্রান্ত হওয়ার বিশেষ সম্ভাবনা, তাহা হইলে তিনি ঐ প্রেমিসের বা ব্রুকের অধিকারীকে মুটিস দিয়া ভাহার সমস্তটা বা কতকাংশ নির্দ্দিট সময়ের মধ্যে 🔭 পরিকার করিতে আদেশ করিবেন। হেল্থ আপিসর যে প্রকারে পরিক্ষার করা আবশ্যক মনে করিবেন সেই প্রকারে পরিক্ষার করিতে হইবে। প্রয়োজন বোধ করিলে হেলথ আপিসর কোন উপযুক্ত ইঞ্জিনিয়ারের সহিত পরামর্শ করিয়া বায়ু ও আলোকের পথ রোধ করিতেছে এরূপ গাঁথনি, ব্যবধান প্রাচার বা বাটীর দেয়ালের অংশ ভাঙ্গিয়া ফেলিতে অধিকারীকে আদেশ করিতে পারিবেন। অধিকারী যদি নিদিষ্ট সময়ের মধ্যে ভুটিদের লিখিত কার্য্য না করেন. তাহা হইলে হেল্থ আশিসর, ডিফ্রিক্ট মাজিফ্রেট, কান্টনমেন্ট মাজিফ্রেট, অথবা, কলিকাতায় হইলে,কর্পোরেশনের চেয়ার্য্যানের অন্ন্যতি লইয়া সূর্য্যোদয় ও সূর্য্যান্তের মধ্যে যে কোন সময়ে ঐ প্রেমিসে প্রবেশ করিবেন ও প্রেকালিখিত সমুদায় কার্য্য সম্পাদন করিবেন। তবে প্রেমিসে প্রবেশ করিবার প্রদেষ তিনি অবস্থা বিবেচনায় যেরূপ ভুটিস যুক্তিযুক্ত মনে করেন সেইরূপ ন্রটিস দিয়া অধিকারীকে নিজের অভিপ্রায় জানাইবেন। এদেশের প্রচলিত রীতি অন্নসারে সাধারণের সমুখে বাহির হন না এরপ কোন জ্রীলোক কোন মহলে বাস করিভেছেন এরপ হইলে, হেল্থ আপিসর সেই মহলে প্রবেশ করিবার অভিপ্রায় জানাইয়। অন্ততঃ এক ঘন্টার হুটিস দিবেন এবং তিনি মহলের যে অংশে প্রবেশ করিতে ইচ্ছা করেন দেই অংশ চইতে ঐ স্ত্রালোক খাহাতে বাহির হইয়া ঘাইতে পারেন তাঁহাকে এরূপ সমস্ত যুক্তিযুক্ত স্থবিধা প্রদান করিবেন। এই সকল কার্য্য করিতে যে খুরচ হইবে তাহা ১৮৮৪ সালের বঙ্গীয় মুনিসিপাল আইনের ১২০ হইতে ১২১ ধারার উল্লিখিত প্রকারে অথবা কলিকাতার মুনিসিপাল আইন সংগ্রহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইনের ষষ্ঠ অধ্যায়ের অধীনে রেট বলিয়া আদায় হইতে পারিবে। অধিকারার নিকট হইতে অথবা ডিক্টিক্ট মাজিষ্টেট কিল্লা, কলিকাতার হইলে, কর্পোরেশনের চেমার্থগনের মতে যিনি খরচের জন্য দায়া তাঁহার নিকট হইতে এই খরচ আদায় করা যাইতে পারিবে।

৩৫। অত্যধিক দংখাক লোকপূর্ব বসতবাটা।—সদি কোন বাটাতে এত অধিক দংখ্যক লোক বাদ করে যে ছেল্গ আপিদরের মতে উহার অধিবাদাগণের পুরনিক প্লেগাকান্ত হইবার বিশেষ সন্তাবনা, তাহা হইলে ডিফ্টির মাজিন্টেট, কান্টনমেন্ট মাজিন্টেট, অথবা, কলিকাতায় হইলে, কর্পোরেশনের চেয়ারমান সকলে দেখিতে পায় ঐ বাটার এরূপ স্থানে হাটদ মারিয়া অধিকারা কিলা দখালকার যদি বসতবাটীতে এক্লতপক্ষে বাদ করিতেছেন এরূপ হয় তবে উহােকে, কিলা ঐ বসতবাটীর প্রজাপাণকে কিলা প্রকৃত অধিবাদার সংখ্যা করিবেন থেন হাটদের লেখামত ২৪ ঘন্টার মধ্যে উক্ত বসতবাটার প্রজা বা অপর অধিবাদার সংখ্যা কমাইয়া বাটার ভিড় কমাইয়া দেন অথবা বাটা একেবারে খালি করেন। হাটদের লিখিত মাদেশ অনুদারে কাম্যনা হইলে ডিফ্টির মাজিন্টেট, কান্টনমেন্ট মাজিন্টেট, অথবা, কলিকাতায় হইলে দ্বানি সিণালিটার চেয়ার্যানে বাটার সকল অধিবাদাকেই আপন ক্ষমতায় বাহির করিয়া দিতে পারিবেন কিলা ফেরপ প্রকারে ও যে পরিমাণে আবশ্যক বোধ হয় সেই প্রকারে ও সেই পরিমাণে অধিবাদীর সংখ্যা ক্যাইয়া দিতে পারিবেন। যে সকল অধিবাদীকে এইরপে বাহির করিয়া দেওয়া ইইবে আবশ্যক হইলে ভাহাদিগকে কিছু কালের জন্য বাসস্থানের যোগাড় করিয়া দিতে হইবে।

৩৬। নেকজা কুজান নিষেধ।—মুনিসিপালিটা বা কান্টনমেন্টের চাকর ছাড়া আর কেহ রাস্তা বা অন্য কোন খান হইতে নেকড়া বা অন্য কোন আবর্জনা কুড়াইতে পারিবে না। এবং হেল্থ আপিসর যে সকল নিয়ম নির্দেশ করেন সেই সকল নিয়মান্সারে ভিন্ন অন্য কোন রকমে নেকড়া বা অন্য কোন আবর্জনা এক স্থান হইতে অন্য স্থানে লইয়া যাইতে পারা যাইবে না। কেহ রাস্তায় বা অন্য কোন স্থানে নেকড়া বা অন্য কোন আবর্জনা কুড়াইলে পোলাসকর্তৃক গ্লুত হইতে পারিবে। যাহারা নেকড়া কুড়ায় ভাহাদের বাটাতে বা নেকড়া রাখিবার স্থানে যে নেকড়া থাকে ডিফ্রিক্ট মাজিক্টেট, কান্টনমেন্ট মাজিট্রেট অথবা, কলিকাভায় হইলে, কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান ভাহা দোষশ্ন্য করিতে বা আপন বিবেচনামতে মন্ট কারতে পারিবেন।

৩৭। ইাস্পাতালের ব্যবস্থা। হেল্থ আপিসর যে ছান উপযুক্ত বিবেচনা করেন ডিট্রিকু মাজিকেট, কান্টনমেন্ট মাজিকেট, অথবা কলিকাভায় হইলে, কপোরেশনের চেয়ারম্যানের পক্ষে প্রোগাজান্ত রোগীদিগকে স্বভন্ত করিয়া রাখিবার জান্য তথায় কোন হান বাছিয়া লইয়া ভাঙাতে হাস্পাতাল নির্মাণ করা বা পজার স্থান নয় এরূপ যে কোন বাটা হাস্পাতালরূপে পরিণত করা আইন সক্ষত কার্য হইবে। এরূপ হাস্পাতালে জালোকদিগের সামাজিক অবস্থাদি বিবেচনায় থাকিবার স্বভন্ত ও যথোপযুক্ত বন্দোবস্ত করিতে হইবে। যতদিন এ স্থান বা বাটা ডিট্রিকু মাজিকেট কান্টনমেন্ট মাজিক্টেট

বা চেয়ারম্যানের দধলে থাকিবে ততদিন উহার অধিকারী বা পাট্টাদার তাঁহার কাছে যুক্তিযুক্ত ভাড়ার বেশী কিছু দাবী করিতে পারিবেন না। বাড়ী ছাড়িয়া দিবার পূর্কে মাজিট্টেট, কাউনমেউ মাজিট্টেট অথবা চেয়ারম্যান উহার ভিতর ও বাহিরভাগ সম্পূর্ণরূপে পরিক্ষৃত ও দোষশ্ন্য করাইবেন।

- ভিচা থাকিবার ছানের বন্দোবন্ত।—প্লেগাক্রান্ত হইয়াছে বলিয়া যাহাদিগকে সন্দেহ করা যায় ভাহাদিগকে স্বতন্ত্র করিয়া রাখিবার জন্য, কিন্তা এই সকল ব্যবস্থান্থসারে যাহাদিগকে বাটী ছাড়িতে বাধ্য করা হইয়াছে ভাহাদের বাসের জন্য কোন স্থান বাছিয়া লইয়া ভাহাতে বাসস্থান নির্মাণ করা বা পূজার স্থান নয় এরপ যে কোন বাটী বাসস্থান রূপে পরিণত করা ডিফ্টিক্ট মাজিটেট, কান্টনমেন্ট মাজিটেট, অথবা, কলিকাভায় হইলে, মুনিসিপালিটীর চেয়ারম্যানের পক্ষে আইনসন্ধত কার্য্য হইবে। যভদিন ঐ স্থান বা বাটী ডিফ্টিক মাজিটেট, কান্টনমেন্টের কর্তৃপক্ষি বা চেয়ারম্যানের দখলে থাকিবে ভভ দিন উহার অধিকারী বা পাট্যাদার যুক্তিযুক্ত ভাভার বেশী কিছু দাবী করিতে পারিবেন না। বাটী ছাভিয়া দিবার পূর্কে মাজিটেট, কান্টনমেন্ট মাজিটেট বা চেয়ারম্যান উহার ভিতর ও বাহির ভাগ সম্পূর্ণরূপে পরিক্ষত ও দোষশূন্য করাইবেন।
- ৩৯। ফ্যাক্টরি হইতে রিপোর্ট।—ব্বনিক প্লেগাকান্ত হইয়াছে বলিয়া ব্যক্ত হওয়া স্থান হইতে আগত কোন লোককে কার্য্যে নিযুক্ত করিবার সময় প্রত্যেক ফ্যাক্টরির দখীলকারকে ঐ কথা এবং নিযুক্ত ব্যক্তির নাম ও বাসস্থান জিলার মাজিক্টেটকে লিখিয়া রিপোর্ট করিতে হইবে। কলিকাতায় ঐরপ রিপোর্ট কর্পেরেশনের চেয়ারম্যানের নিকট করিতে হইবে।

এই বিধিতে উল্লিখিত ' ফ্যাক্টরি '' অর্থে এক্লপ কোন বাটী বুঝাইবে যেখানে কোন দ্রব্য বা দ্রব্যের অংশ প্রস্তুত বা পরিবর্ত্তিত বা মেরামত বা ভূষিত বা সম্পূর্ণ বা প্রকারান্তরে ব্যবহারের বা বিক্রমের উপযোগী করণের কিন্না তদাহ্র্যজ্ঞিক কোন কার্য্য চালান হয় এবং যেখানে তদ্রূপ কার্য্যের সাহায্যার্থ বাষ্প, জল বা তন্য কোন যম্ভ্রচালক শক্তির ব্যবহার হয়।

- ৪০। বাটীওয়ালা কর্ত্ব রিপোর্ট।—যদি কোন বাটীতে কোন লোকের হঠাৎ দ্বুর হয় এবং দ্বুরের সহিত গলা, বগল বা কুঁ চ্কির বীচি ফুলিয়া উঠে, কালী থাকে. বুকে বেদনা বা চাপ অহুভূত হয় বা রোগী প্রলাপ বকিতে থাকে তাহা হইলে, অথবা এইরপ দ্বুরে বা এইরপ কোন লক্ষণ যুক্ত হইয়া যদি রোগার মৃত্যু হয়, তাহা হইলে ঐ বাটীর অধিকারী বা অধিকারী না থাকিলে ঐ বাটীর দখীলকার অথবা যে ব্যক্তি ঐ বাটীর বা উহার কোন অংশের ভাড়া আদায় করেন তিনি তৎক্ষণাৎ সর্ব্বাপেক্ষা নিকটছ থানায় ঐরপ পীড়ার বা মৃত্যুর রিপোর্ট করিবেন। কলিকাতার মুনিদিপাল আইন সংগ্রহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইনের ১৮৬ ধারা অহুসারে বাটীতে মৃত্যু হইলে যে ব্যক্তি তাহার সংবাদ দিতে বাধ্যু, কলিকাতায় হইলে, তাহাকে হেল্থ আপিসরের নিকট বা সর্ব্বাপেক্ষা নিকটছ থানায় রিপোর্ট করিতে হইবে।
- 8)। বুবনিক প্লেগাক্রাস্ত বলিয়া ব্যক্ত হইয়াছে এমন কোন স্থান হইতে আগত কোন লোক কোন বাটীতে আছেন বা ছিলেন এরূপ হইলে ঐ বাটীর অধিকারী বা অধিকারী তথায় না থাকিলে, যে ব্যক্তি ঐ বাটীর বা উহার কোন অংশের ভাড়া আদায় করেন তিনি (১) এইরূপ বাটীতে কোন লোকের কোন পীড়া হইলে তাহা প্রকাশ হইবামাত্র অথবা (২) তথায় কোন লোকের মৃত্যু হইলে মৃত্যু ঘটিবামাত্র সর্বাপেক্ষা নিকট স্থ থানায় বিপোর্ট করিবেন। যে ব্যক্তি কলিকাতার মুনিসিপাল আইন সংগ্রহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইনের ১৮৬ ধারা অহ্নসারে বাটীতে মৃত্যু হইলে যে ব্যক্তি তাহার সংবাদ দিতে বাধ্যু, কলিকাতায় হইলে, তাহাকে হেল্থ আপিসরের নিকট বা সর্বাপেক্ষা নিকট স্থানায় রিপোর্ট করিতে হইবে।
- 8২। চিকিৎসক কর্ত্বক রিপোর্ট।—যদি কোন চিকিৎসক কোন বাটীতে এৰূপ কোন পীড়ার চিকিৎসা করেন যাহা ব্বনিক প্লোগ বলিয়া বিবেচনা করিবার তাঁহার হেডু আছে তাহা হইলে তিনি তৎক্ষণাৎ সর্বাপেক্ষা নিকটয় খানায় ঐ পীড়ার রিপোর্ট করিবেন। কলিকাতায় হেল্থ আপিসরের নিকট ঐ রিপোর্ট করিতে হইবে।
- ৪৩। বাটী ওয়ালা কর্ত্ব সংক্রামক দোষনাশকরণ, পরিক্ষারকরণ প্রভৃতি।—যে কোন বাটীতে প্রেগ হইয়াছে তাহার অধিকারী ও দখীলকার এবং দেই বাটীতে বাস করে এমন কোন পরিবারের কর্তা বাটী পরিকার ও দোষশূন্য করা, বিছানা কাপড় চোপড় ও এইরপ প্রকারের অন্য কোন ম্বব্য নই করা বা দোষশূন্য করা, প্রেমিসের স্বাস্থ্য সম্বন্ধীয় অবস্থার উন্নতি করা, উপযুক্ত ইঞ্জিনি য়ারের সহিত পরামর্শ করিয়া বায়ু ও আলোকের গমনাগমনের পাগ রোধ করিতেছে এরপ ব্যবধান, প্রাচীর বা বাটীর দেয়ালের অংশ ভাঁজিয়া ফেলা এবং অন্য কোন স্বাস্থ্যসংক্রান্ত বিষয় সম্বন্ধে হেল্থ আপিসর

যে আদেশ প্রচার করেন সেই আদেশ পালন করিবেন এবং হেল্থ আপিসরকে পরিদর্শন করিবার জন্য বাটী বা প্রেমিসে প্রবেশ করিতে দিবেন। কিন্তু প্রবেশকালে হেল্থ আপিসর ৬২বিধি অনুসারে নিযুক্ত কমিটির একজন সভ্যকে সঙ্গে লইতে চেন্টা করিবেন। কিন্তু যদি কোন মহল এরপ কোন স্ত্রীলোকের দখলে থাকে যিনি দেশের রাতি অনুসারে সাধারণের সন্মুখে বাহির হন না তাহা হইলে হেল্থ আপিসর হুটিস না দিয়া এবং ঐরপ জালোককে চলিয়া যাইবার অবসর না দিয়া এরং শির্মা পরিদর্শনের সময় হেল্থ আপিসর সর্কাদাই পরিবারম্থ কোন পুরুষকে সঙ্গে লইবেন।

- 83। হেল্থ আপিসর কর্তৃক সংক্রামক দোষ নাশকরণ, পরিক্ষারকরণ প্রভৃতি।—আবশ্যক বোধ করিলে হেল্থ আপিসর নিজে বাটীর দোষ নাশকরণ সম্বন্ধে এবং পূর্ববর্তী বিধির লিখিত অন্যান্য বিষয় সম্বন্ধে কার্য্য করিবেন। দাহ্য এবং ইউকনির্মিত নয় এরপ কোন গৃহ প্রভৃতি পূজ়ান বা অন্য কোন প্রকারে নই করা আবশ্যক ও সাধ্য মনে করিলে হেল্থ আপিসর জিলার মাজিইটে, কাল্টনমেন্ট মাজিইটে অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যানের নিকট ঐ বিষয়ে রিপোর্ট করিবেন এবং তাঁহার আদেশমত কার্য্য করিবেন। যদি দোষ অন্য কোন প্রকারে সন্তোষজনক রূপে নই করা না যায় তাহা হইলে জিলার মাজিইটে বা তাঁহার অহ্পন্থিতিতে তাঁহার কার্য্যের ভারপ্রপ্রে মাজিইটে অথবা কাল্টনমেন্ট মাজিইটে এবং কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান যে কোন চালা ঘর বা অন্য কোন অস্থায়ী গৃহ প্রভৃতি পূড়াইবার আদেশ করিতে পারিবেন। যে সকল লোক এত গরিব যে গৃহ প্রভৃতি পোড়ান বা ভাজা হইয়াছে তাহা নিজেদের খরচে পুনরায় নির্মাণ করাইতে পারিবে না ভাহাদিগের তিনি ক্ষতি পূরণ করিয়া দিবেন।
- 8৫। প্রবেশ ও পারীক্ষা করিবার ক্ষমতা।—কোন বাটীর অধিকারী এবং দখীলকার হেল্থ আপি-সরকে তাঁহার প্রেমিসে প্রবেশ করিতে দিবেন এবং তিনি যে কোন ব্যক্তিকে বুবনিক প্লেগাক্রান্ত বলিয়া বিবেচনা করিবার কারণ আছে মনে করেন ভাহাকে পারীক্ষা করিতে দিবেন। যদি এ ব্যক্তি এরূপ কোন দ্বীলোক হন যিনি এ দেশের রীতি অভ্নসারে সাধারণের সম্মুখে বাহির হন না ভাহা হইলে তাঁহার পারীক্ষা যেয়ে ডাক্তার, যেয়ে হাঁস্পাতাল এসিফান্ট অথবা অন্য কোন দ্বীলোক দিয়া করিতে হইবে।
- ৪৬। স্বতন্ত্র করিয়া রাখা।—(১) ঠিক পূর্ববর্ত্তী বিধি অন্থসারে কোন ব্যক্তিকে পরীক্ষা করিয়া দেখিবার পর যদি হেল্থ আপিসর এরপ সন্দেহ করেন যে ঐ ব্যক্তি শ্লেগাক্তান্ত অথবা শ্লেগের দোষযুক্ত হইয়াছেন তাহা হইলে ডিনি ঐ ব্যক্তিকে হাঁম্পাতালে পাঠাইয়া দেওয়াইতে পারিবেন এবং সেখানে তাঁহার আটক থাকিবার, খাইবার ও চিকিৎসার বন্দোবন্ত করিতে পারিবেন। ঐ ব্যক্তি যে বাটীতে বাস করেন সেই বাটীতে অপর গাঁহারা বাস করেন হেল্থ আপিসর তাঁহাদিগেরও সকলকে স্বতন্ত্র করিয়া রাখিবার ক্যাম্পে পাঠাইতে পারিবেন এবং তাঁহাদিগকে দশ দিন পরিদর্শ নর অনীনে আটক রাখাইতে পারিবেন।
- (২) বিশেষ জাতি, শ্রেণী, একাছবর্ত্তী পরিবার বা পরিবার সমিতির দ্বারা বা নিমিন্ত বেসরকারী প্রেগ হাঁস্পাতাল বা স্বতম্ব করিয়া রাখিবার ক্যাম্পের বন্দোবস্ত করা হইলে এবং উক্ত হাঁস্পাতাল বা ক্যাম্প সমস্ত প্রয়োজনীয় দ্রব্যে সজ্জিত হইলে এবং হেল্থ আপিসর বা কলিকাতায় প্রেগ কমিশনের প্রেসিডেন্টের নিকট তন্মিনিত্ত ক্ষমতাপ্রাপ্ত ঐ কমিশনের অন্ততঃ গুইজন মেম্বর লিখিয়া ঐরপ হাঁস্পাতাল এবং ক্যাম্পের স্থান, প্রান, আদবাব, পৃথক করিয়া রাখিবার ও চিকিৎসাদির বন্দোবস্তের অন্ধ্যাদল করিলে যদি পীড়িত লোকেরা অথবা যাহাদিগকে সন্দেহ করা যায় তাহারা ইচ্ছা করে তাহা হইলে তাহা গিকে সরকারী হাঁস্পাতালে বা ক্যাম্পে না লইয়া গিয়া তাহারা যে জাতি, শ্রেণী বা পরিবারভুক্ত সেই জাতি, শ্রেণী বা পরিবারের ব্যবহারের নিমিত্ত প্রস্তুত বেসরকারী হাঁস্পাতালে বা স্বতম্ব করিয়া রাখিবার ক্যাম্পে স্থান ধাকিলে তাহাদিগকে তথায় লইয়া যাওয়া যাইতে পারিবে।
- (৩) সরকারী ও বেসরকারা উভয়বিধ ক্যাম্প এবং হাঁম্পাতালে দ্বীলোকদিগের জন্য পৃথক ও উপযুক্ত স্থানের বন্দোবস্ত করিতে হইবে। এবং যে দ্বীলোক দেশের রীতি অহসারে সাধারণের সন্মুখে বাহির হন না তাঁহাকে ক্যাম্প বা হাঁম্পাতালে লইয়া যাইবার সময় ও তথায় তাঁহার থাকিবার সময় তাঁহার আক্র কড়াকড়ি ভাবে রক্ষা করিতে হইবে।
- (ম) হেল্থ আপিদর যে দকল সভর্কভার উপায় অবলয়ন আবশ্যক বিবেচনা করেন কেব-দেই দকল সভর্কভার দিকে দৃষ্টি রাখিলে পাড়িত ব্যক্তিদের আত্মীয়, বন্ধু হাকিম বৈদ্য ও পুরোহিত নিগকে নিনের বেলায় অবাধে তাঁহাদের কাছে যাইতে দেওয়া হইবে।
- (৫) পাড়িত ব্যক্তির পরিবারভুক্ত যে সকল লোক তাঁহার সেবায় নিযুক্ত থাকেন তাঁহাদিগকেও সরবারী বা নেসরকারী হাঁম্পাড়ালে প্রবশ করিতে দিতে পারা ঘাইবে। কিন্তু তাঁহাদিগকে হাঁম্পাড়ালে

ŧ

মুমাইতে দেওয়া হইবে না। হাঁস্পাতালের কম্পাউণ্ডে তাঁহাদের নিদ্রার জ্বন্য তিপ্যুক্ত স্থানের বন্দোবস্ত করা হয় তথায় তাঁহাদিগকে মুমাইতে হইবে।

১ম ব্যাখ্যা। — এই বিধি অনুসারে যে সকল হাঁস্পাতাল করা হয় তাহা দুরে অথবা অস্থবিধাজনক স্থানে নির্মাণ করিবার প্রয়োজন নাই।

২য় ব্যাখ্যা। — কলিকাতায় যে সকল লোক (২) দকার স্থবিধা পাইতে ইচ্ছা করেন তাঁহারা অবি-লম্বে প্লেগ কমিশনকে পত্র লিখিবেন এবং প্লেগ উপস্থিত হইলে তাঁহারা যে উপযুক্ত হাঁস্পাতাল ও ক্যাম্পের বন্দোবস্তু, করিতে সক্ষম ভদ্বিষয়ে উক্ত কমিশনের প্রতীতি জন্মাইবেন। অন্যত্র হেল্থ আপি-সরের নিকট দরখাস্ত করিতে হইবে।

৩য় ব্যাখ্যা। —কলিকাতায় যদি হেল্থ আপিসর রিপোর্ট করেন যে বেসরকারী হাঁস্পাতালে ও ক্যাম্পে রোগীদিগকে স্বতন্ত্র করিয়া রাখার ও তাঁহাদিগের চিকিৎসার বন্দোবন্তে তাঁহার সন্তোষ জন্মিতেছে না অথবা যে সকল নিয়মে ঐরপ ক্যাম্প বা হাঁস্পাতাল খুলিতে দেওয়া হইয়াছিল সেই সকল নিয়ম পালন করা হইতেছে না তাহা হইলে প্লোগ কমিশনের আজ্ঞাক্রমে উক্তরূপ হাঁস্পাতাল ও ক্যাম্প বন্ধ করিতে পারা যাইবে। অন্যত্র হেল্থ আপিসরের রিপোর্টের উপর নির্ভর করিয়া জিলার মাজিস্টেট বেসরকারী হাঁস্পাতাল ও ক্যাম্প বন্ধ করিবার ক্ষমতার পরিচালন করিবেন।

- 89। যে ব্যক্তিকে সরকারা বা বেসরকারী হাঁম্পাতালে লইয়া যাওয়া যায় যদি কোন গুলে সেই ব্যক্তির সঙ্গে বন্ধু বান্ধব বা পরিচারকাদি যান ভাষা ছইলে তাঁহাদিগের মধ্যে গাঁহারা রোগীর সেবায় নিযুক্ত নহেন তাঁহাদিগকে হেল্থ আপিসর হাঁম্পাতালের কাছেই স্বভন্ত করিয়া রাখিবার জন্য প্রস্তুত যে খোলার ঘর বা তাঁবুতে থাকিতে বলেন ভাষাতে থাকিতে হইবে এবং যতদিন না হেল্থ আপিসর যাইবার অম্মতি দেন ততদিন তাঁহাদিগকে ঐ স্থানে থাকিতে হইবে।
- ৪৮। এইরপে স্বতন্ত্র থাকিবার সময় যদি কোন ব্যক্তির ব্বনিক প্লেগ হয় তাহা হইলে হেল্থ আপিসর তাঁহাকে কোন সরকারা বা বেসরকারা হাঁস্পাতালে পাঠাইবেন এবং পূর্মবন্তী বিধিতে যে ব্যবস্থা করা হইল তাঁহার বন্ধু বান্ধব ও পরিচারকদিগকে সেই বিধির অধীন করিতে পারিবেন।
- ৪৯। কোন রোগীর ব্বনিক প্লেগে মৃত্যু হইলে যে বাড়ীতে তিনি পীড়িত ছিলেন বা মরিয়াছেন হেল্গ আপিসর সেই বাড়ীতে অপর যে সকল লোক থাকেন তাঁহাদিগকে স্বতন্ত্র রাখিবার ক্যাম্পে পাঠাইতে ও তথ্য তাঁহাদিগকে ১০ দিন আটক করিয়া রাখিতে পারিবেন। কিন্তু যে সকল ডাক্তর, হাকিম বা বৈদ্য কোন সময়ে রোগী দেখিতে যান তাঁহাদের সম্বন্ধে এই বিধি খাটিবে না। এবং পোসাদার মৃতদেহ বাহক, পোসাদার শোককারী এবং যে সকল বন্ধু বান্ধব মৃত ব্যক্তির সেবায় নিযুক্ত ছিলেন না তাঁহাদিগের সম্বন্ধেও এই বিধি খাটিবে না। এই বিধি অভ্নারে যে সকল ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাখা হয় জিলার মাজিক্রেট কিন্তা কাল্টনমেন্ট মাজিক্রেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান তাঁহাদিগেক তাঁহাদিগের নিজ্ব নিজ্ব অবস্থার উপযোগা হারে খোরাকী দিতে পারিবেন।
- ৫০। রাস্তা বা পালী খালি করিতে হইবে।—কোন মুনিসিপালিটা বা কাউনমেন্টের কোন অংশে ব্বনিক প্লেগ প্রবল ইইলে জিলার মাজিট্টেট বা কাউনমেন্ট মাজিট্টেট অথব। কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান গবর্ণমেন্টের মঞ্জুরি লইয়া কোন রাস্তা, মহলা বা অন্য স্থানের অবিাসাদিগকে উহাদের বাসগৃহ খালি করিয়া দূষিত পালী ইইতে দূরে কোন স্থানে কিছু দিনের নিমিন্ত যাইবার আদেশ করিতে পারিবেন। জিলার মাজিট্টেট বা কাউনমেন্ট মাজিট্টেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান প্রয়োজন ইইলে এইয়প লোকদিগকে কিছু দিনের জন্য থাকিবার স্থান দিতে পারিবেন। প্রত্যেক গৃহস্থামিকেই তাঁহার অমুপস্থিতি কালে তাঁহার বাটাও সম্পত্তির তত্ত্বাবধানের জন্য উপযুক্তরূপ বন্দোবস্ত করিতে দেওয়া ইইবে এবং স্থলভেদে মুনিসিপাল কমিশনরেরা অথবা কাউনমেন্ট মাজিট্টেট খালি বাটা চোকাদিবার বন্দোবস্ত করিবেন। বাটা ছাড়িয়া দিবার পর হেল্ধ আপিসর ঐ বাটাগুলি সম্পূর্জপে পরিক্ষার ও দোষশ্ন্য করিবার বন্দোবস্ত করিবেন এবং বাটাগুলি দোষশ্ন্য ইইয়াছে এইয়প সার্টিফিকেট প্রদন্ত না হওয়া পর্যান্ত অধিবাসীদিগকে উহাতে ফিরিয়া আসিতে দেওয়া ইইবে না।
- ৫১। আদেশ পালন করিতে হইবে।—যে ব্যক্তির সম্বন্ধে পূর্কোক্ত বিধিমতে কার্য্য করা যায় এবং যে ব্যক্তিকে সামরিক মেডিকাল কর্তৃপক্ষ কিয়া কলিকাতার বন্দরের হেল্থ আপিসরের আজ্ঞাক্রমে কোন হাঁশপাতালে পাঠান যায় হেল্থ আপিসর তাঁহাদের কোন পরিদর্শনের ঘরে, সরকারী বা বেসরকারা গাঁশপাতালে অথবা স্বতন্ত্র হইয়া থাকিবার স্থানে যাওয়া ও থাকা সম্বন্ধে এবং শথ্যা, বন্ধ ও প্রকাপ দ্বের জ্বালাইয়া দ্বেওয়া বা দোষশূন্য করা সম্বন্ধে কিয়া স্বাস্থ্য সংক্রান্ত অন্য কোন বিষয়

সম্বন্ধে যে কোন আদেশ করেন তাহা তাঁহাদিগকে পালন করিতে হইবে। হেল্থ আপিসরের লিখিড অনুমতি ব্যতিরেকে ঐরপ কোন স্থান হইতে তাঁহারা চলিয়া যাইবেন না।

- ৫২। মৃতদেহের কি করিতে ছইবে।—মৃত ব্যক্তির বৃদ্ধুদিগকে মৃতদেহ লইয়া আপান আপান ধর্মাচার অন্ন্সারে দাহ করিবার বা কবর দিবার অন্ন্যতি দেওয়া যাইবে। কিন্তু হেলথ আপিসর কিয়া অন্য আছ্য সংক্রান্ত বা লাসন সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষ মৃতদেহ দাহ করিবার বা কবর দিবার ছানে লইয়া যাইবার যে সময়, পথ ও প্রণালীর আদেশ করেন তাহা তাঁহাদিগকে পালন করিতে ছইবে। মৃত ব্যক্তির আত্মীয় বা বন্ধুবর্গ তাঁহার মৃতদেহ লইয়া না যাইলে বা লইয়া যাইতে অন্ধীকার করিলে, হেল্থ আপিসর মৃতদেহ সম্বন্ধে মৃত ব্যক্তির ধর্মান্থায়ী ব্যবস্থা করিবেন। যে সকল ইউরোপীয়ান বা মুসলন্মানের প্রেণে মৃত্যু হয় তাঁহাদের মৃতদেহ সন্তব ছইলে অন্ততঃ ছয় ফুট মাটির নীচে পুঁতিতে ছইবে। কোন অন্নাদিত গোরস্থানে কবর দেওয়া না হইলে, কবরের স্থান লোকের বাসহান হইতে দুরে হইবে এবং এরূপা ছানে হইবে যে কোন জল সরবরাহের স্থান বা জলাশয় দুষিত ছইবার সন্তাবনা না থাকে। যে কফিন ও কাপতে মৃতদেহ আচ্ছাদিত থাকে মৃতদেহের সহিত তাহা পুঁতিয়া ফেলা না হইলে বিনফ করিতে ছইবে। যে সকল স্থলে দাহ করিবার প্রথা, সে সকল স্থলে মৃত দেহটীকে সচরাচর যে ঘাটে শবদাহ করা হয় সেই ঘাটে অথবা অন্য স্বতন্ত্র স্থানে প্রধান্ত্র স্বাত্তি হইবে। মৃতদেহের সহিত যে বন্ধাদি আনা হয় তাহা প্রধান্ত্র পোড়াইয়া ফেলিতে হইবে অথবা দোষশ্ব্য করিতে হইবে।
- ৫৩। রোগী লইয়া যাইবার যান।—জিলার থাজিস্টেট কিম্বা কান্টনমেন্ট মাজিস্টেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান প্রোগাক্রান্ত ব্যক্তিদিগকে অথবা যাঁহাদিগকে রোগাক্রান্ত বলিয়া সন্দেহ করা যায় তাঁহাদিগকে বিনা ভাড়ায় লইয়া যাইবার জ্বন্য সহজে দৃষ্টি আকর্ষণ করে এমন করিয়া রং দেওয়া উপযুক্ত যানের বন্দোবস্ত করিবেন। এইরূপ যান যে কোন সরকারী বা বেসরকারী রাস্তা দিয়া চালাইয়া বা বহিয়া লইয়া যাওয়া আইনসম্ভ কার্য্য হইবে।
- ৫৪। সরকারী যান দোষশূন্য করিতে হইবে।—যে কোন সরকারী বা বেসরকারী যান প্রেগের দোষযুক্ত কোন ব্যক্তি কর্ত্বক অথবা যে ব্যক্তিকে উক্তরূপ দোষযুক্ত বলিয়া সন্দেহ করা যায় ভাঁহা কর্ত্বক ব্যবহৃত হইয়াছে তাহা পুনর্কার ব্যবহার করিবার পূর্বে সম্যক্রপে দোষশূন্য করিতে হইবে এবং অন্ততঃ চনিক্র ঘন্তাস ও সূর্য্যের আলোকে রাখিতে হইবে। এবং উহার যে সকল সাজসজ্জা হেল্থ আপিসরের মতে উপযুক্ত রূপে দোষশূন্য করা যায় না তাহা অগ্নি দারা নই করিতে হইবে।

# চতুর্থ ভাগ।—সাধারণের প্রতি খা টিবার বিধি।

- ee। ক্ষতিপূরণ।—এই সকল ব্যবস্থা অমুসারে ক্বত কোন কার্য্যের জন্য কোন ব্যক্তির বিশেষ ক্ষতি বা হানি হইলে জিলার মাজিট্রেট কিম্বা কার্টনমেন্ট মাজিট্রেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান আপন বিবেচনামুসারে উক্ত ব্যক্তিকে ক্ষতিপূরণ দিতে পারিবেন। কিন্তু কোন ব্যক্তিই ক্ষতিপূরণ পাইবার অধিকার আছে বলিয়া কোন ক্ষতিপূরণের দাবী করিতে অধিকারী হইবেন না। ক্ষতি পূরণের দাবীর মামাংসার সময় মাজিট্রেট কিম্বা কার্টনমেন্ট মাজিট্রেট অথবা কলিকাতায় চেয়ারম্যান ৩২ নিয়মাম্সারে নিযুক্ত ক্মিটীর সহিত প্রামর্শ ক্রিবেন কিন্তু ঐ ক্মিটীর প্রামশ্রিসারে কার্য্য করিতে বাধ্য হইবেন না।
- ৫৬। কর্তৃত্ব।—হেল্থ আপিসর বা কান্টনমেন্ট মাজিস্টেট বা শ্লেগের কোন কর্তৃপক্ষকে এই বিধিগুলি অনুসারে যে সমস্ত ক্ষমতা প্রদন্ত হইল তাহা জিলার মাজিস্টেটের অথবা কলিকাতায় কপো-রেশনের চেয়ারম্যানের সাধারণ কর্তৃত্বাধীনে পরিচালন করিতে হইবে।
- ৫৭। খরচ।—এই বিধিগুলি কার্য্যে পরিণত করিতে যে খরচ হইবে সে সমস্ত খরচ ৩৩ ৩ ৪ বিধির বিধানের অধীনে প্রথমতঃ মুনিসিপাল বা ডিফ্রিক্ট ফণ্ড হইতে অথবা ছানীয় কর্তৃপক্ষদিগের (গুরুতর প্রয়োজনার্থ) ঝণ বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনাত্মসারে ক্বত ঋণ হইতে দেওয়া ফাইবে। কিন্তু জিলার মাজিস্টেট কিন্তা কাণ্টনমেন্ট মাজিস্টেট অথবা কলিকাতায় কর্পোরেশনের চেয়ারম্যান যে কোন ব্যক্তি ছলভেদে বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের আইন বা কান্টনমেন্ট আইন বা বিধি অথবা কলিকাতার মুনিসিপাল আইন সংগ্রহকরণ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের আইন অনুসারে অনুরূপ অবস্থায় ক্মিশনরদিগকে যে টাকা দিতে দায়ী তাহা তাঁহার নিকট আদায় করিতে পারিবেন।



TUESDAY, NOVEMBER 30, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩০ নবেম্বর।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal. দিতীয় ক খণ্ড। বৰুদেশের গ্রন্মেন্টের আদেশ।

## ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 4924M.—The 18th November 1897.—Whereas a notification No. 3898M., dated the 26th July 1897, was published at page 182, Part IB of the Calcutta Gazette of the 28th idem, declaring the Lieutenant-Governor's intention to sauction, under section 86 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, the levy by the Commissioners of the Kharar Municipality, in the district of Midnapore, of a fee on the registration, under section 142, of all earts kept or used in the ordinary course of business within the Municipality, and whereas no objections have been raised to the proposal within one month from the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that the Lieutenant-Governor hereby sanctions the levy by the Commissioners of the Kharar Municipality of the said fee on the registration of carts at rates not exceeding those mentioned in section 143 of the Act.

H. H. RISLEY,
Story to the Govt. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 4926M.—The 18th November 1897.—Whereas a notification No. 4098M., dated the 7th August 1897, was published at page 191, Part IB of the Calculta Gazette of the 11th, idem, declaring the Lieutenant-Governor's intention to sanction the levy by the Commissioners of the Ramjibanpore Municipality, in the district of Midnapore, of a fee on the registration, under section 142 of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Benga Acts IV of 1894 and II of 1896, of all carts kept or used in the ordinary course of business within the Municipality, and whereas no objections have been raised to the proposal within one mouth from the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power conferred upon him by section 86 of the Act, the Lieutenant-G versor sanctions the levy of the said fee by the Commissioners of the Ramjibanpore Municipality at rates not exceeding those mentioned in section 143 of the Act.

H. H. RIBLEY,
Secy. to the Govt. of Bengal.

## বঙ্গদেশের প্রীযুত লেপ্টেনেণ্ট গবর্গর সাহেবের আদেশ।

## মুনিসিপল ও স্থানীয়।

## বিজ্ঞাপন।

৪৯২৪ এম , নম্বর।—১৮৯৭ সাল ১৮ নবেম্বর।— মেদিনীপুর জেলার অন্তর্গত ধড়ার মুনিসিপালিটির মধ্যে কার্য্য চলনের সাধারণ নিয়মাস্থ্যারে যে সকল গরুর গাড়ী রাখা যায় বা ব্যবহার হয়
উক্ত মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের কর্ত্বক ১৮৯৪ সালের বজায় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বজীয়
২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ও আইনের ১৪২ ধারামতে
ভাহার রেজিন্টরী করণের উপার কা আদায় হইবার নিমিত্ত উক্ত আইনের ৮৬ ধারামতে অন্থমতি দিতে
শ্রীয়ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অন্তিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ২৬ জ্বলাই তারিখের ৩৮৯৮ এম
নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ২৮ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১৪ খণ্ডের ১৮২ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা
গোলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত
প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ
দেওয়া যাইতেছে যে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব উক্ত আইনের ১৪৩ ধারার লিখিত হারের অন্ধিক
হারে খড়ার মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের দ্বারা গরুর গাড়ী রেজিন্টরী করিবার নিমিক্ত উক্ত কী
আদায় হইবার এতদ্বারা অন্থমতি দিলেন।

এচ্, এচ্, রীসলি, বলদেশের গবর্থেনেটের সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন ।

৪৯২৬ এম্ , নম্বর ।—১৮৯৭ সাল ১৮ নবেম্বর । —মেদিনীপুর জিলার অন্তর্গত রামজীবনপুর মুনিসিপালিটীর মধ্যে নার্য চলনের সাধারণ নিয়মাহ্লসারে যে সকল গরুর গাড়া রাখা যায় বা ব্যবহার হয়, উক্ত মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের কর্তৃক ১৮৯৪ সালের বঙ্গীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বঙ্গীয় ২ আইন দ্বারা সংশোধিত বঙ্গদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ১৪২ ধারামতে তাহার রেজিউরী করণের উপর কা আদায় হইবার নিমিত্ত অহুমতি দিতে শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ৭ আগস্ট তারিখের ৪০৯৮ এম্ নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মান্দের ১১ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১টি যতের ১৯১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এত্দ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে ধ্যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবণর সাহেবের প্রতি উক্ত আইনের ৮৬ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছে তদমূলারে কার্য্য করিয়া তিনি উক্ত আইনের ১৪০ ধারার লিখিত হারের অনধিক হারে রামজীবনপুর মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের দ্বারা উক্ত কী আদায় হইবার অহ্নমতি দিলেন।

এচ**্, এচ**্ রীসলি, বঙ্গদেশের প্রব্যেক্টের সেক্টেরী।



# गवध्यक् फार्डिं

TUESDAY, NOVEMBER 30, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৩০ নবেশ্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

অইম খণ্ড।

ই× ডিহার গুড়ত।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

## জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তলবী বাকী রাক্ষম্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহ্সারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ৫ জাহ্মারি তারিখ মোণ ১৬০৪ সনের ২২ পৌষ বুধবার নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেম্বর।

,	<b>t</b>	•	8	t	y.	1	<b>b</b>	,
্ <sup>©</sup> ভৌজিব নম্বর।	মহাল ও প্ৰগণ্য নাম I	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব কমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিজ্ঞা হইবে কিলা।		যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হুইলে ঐ অংশেব সদর জুমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিজয় হইলে ভাহাব বাকী	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।
8484	পদ্মা ওরফে রম- জানপুর পং কাশীম পুর দেহলাপট্টী।		সম্পূর্ণ মহা- লের মালিক স্বত্ত নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং		२०२8)	••••
<b>8</b> ७ • <b>¢</b>	চর সমসদী বালি- গাও পং সায়েন্তা নগর।	i '	a a		দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।	•••••	984216	••••
<b>8</b> 986	চর জন্সা পং উত্তর সাবাজপুর।	968,	ď	· <b></b>	হরিয়োহন ঘোষাল	## 1 <b># 6</b>	ماه	
3924	মেজি চিকনাকান্দা পং চন্দ্ৰদ্বীপ।			এজমালী —    ১   ১   ২   ২   ৪      তিল অংশ নি  লাম হইবে এত  ঘ্যতীত অন্য কোন অংশ  নিলাম হইবে	1	୨୦୨ <b>୬</b> ନ4	•••	₹ <b>₽</b> \$ <b>h</b> ₽/₽
7953	তালুক বিশ্বনাথ সেন পং খাঞ্জাবাহাহর নগর।	&9 o   o∕3 5   l	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।		রামনারায়ণ সেন গং	••••	) १८८८     	******
Psec	ভালুক ফডে মাছামুদ পং খাঞ্জাবাছাত্র- নগর ৷	90699	œ		রাখালচন্দ্র রায় চৌধুরা গং।		25/2	*** ***
3499	তালুক সৌজ্বদ্দিন খাঁ গংপং বোজরগো- মেদপুর।	,		এজমালী—  ৸১১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম  হইবে। এত  হাতীত অন্য  কোন অংশ।  নিলাম হইবে  না।	į.	S • 804 J 8		<b>५०।</b> ¶२,211

3	1	9	8	t t	•	٦	ъ	,
তী/জব নম্বব :	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সম্পঃ জমা।		কেবল মাত্র অংশ নিক্রণ হউলে ঐ অংশ বা ঐথ অংশের বিশেষ বিবৰণ	रिय मन्ना छ। ८ क्रम इंड्र	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে ঐ অং- শেবসদব জ্মা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাষার বাকী	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হইলে তাহা। বাকী।
¢38¢	কিশমত তেওভা, পাওতা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ- পুর।	¢38 <sub>9</sub> /•	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।		দেবনাথ দত্ত চৌধুরী গং।		۵۵۲۵۵۱	,
२१०৮	জমিদারী পং উত্তর শাবাজপুর।	78981%¢	ď		আনন্দ চন্দ্র রায় গং।		১৫ <b>১</b> ৵৪	
, , , , ,	<ul><li>১০ গণ্ডা জমিদারী তপে হাবেলী সীলিমাবাদ।</li></ul>	7.84.7911	र्ख	••••	সোদানিনী গুপ্তা গং।		2224¢Ⅱ	******
<b>८२</b> ८७	চর উমেদ মহালাধীন ৬৪ নং যোত পং জঞারা।	34440	সম্পূৰ্ব যোত নিলাম হইবে।		হরিচরণ হাওলাদার গং।	••••	२७४,/७	*****
<b>€</b> ₹8७	চর পদ্মা মহালাধীন ১ নং গরমকররি তালুক গুপিক্কঞ্চ বন্দ্যোপাধ্যায় পং দক্ষিণ সাবাজপুরঃ		সম্পূর্ন তালুক নিলাম হইবে		বিহারী লাল রায় চেম্বুরী ।	•••	(88)	,

িকা। যে স্থলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ৭৯ ঘণে কোন অংশ মাজ বিজয় হইবে বলিয়া লিখিত ক্ষাছে সেই স্কলে ট্রা বৃধিতে ছইবে যে ঐ কা শের মিজ স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহাদেয় অন্য বা অন্যান্য অংশ বিভ্নয় হয় দা।

B. Bell,

Offg. Collector.

## জিলা ঢাকা।—জমিদারী বিক্র্রের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত গলন্তুলি ব মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিনে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও বস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ৬ই জাহ্মারি তারিশ্বেলামে বিক্রয় ক্রা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্নাপত্তার ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত ছে সেই স্থলে প্র অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	2	•	8	¢	5	9	<b>b</b>	<b>à</b>
তীব্দিব নথব।	মহাল ও প্রগণাব নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদৰ শ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিষ্ণেয় হুইবে হি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম চইলে ঐ তাংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিধ্ববণ।	যে সম্পতি বিক্রম ছইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন ভাংশ থাতা বিক্ৰম ভাইলে ঐ ভাংশেব স্বৰ ক্ষমা।	। সম্পূৰ্ণ মহাল বিজ্ঞান্তইলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰৰ গইলে ভাহ'ৰ বাকী।
78	পং বন্দরখোনা মং মামুদরাজা।	369040 3011	•	অবশিষ্ট	। শশীকুমার পোদ্ধার গং।	े ३३७॥ ∳२ <b>५</b>	·· ··•	२७१॥२।
٠٠٥٥	চর মুজাপুরের মধ্য- গড সালিনা ওরকে চক হরিচরণ।	483)	<b>যোলআ</b> নী	····••	কুফচন্দ্র সাহা গং	•	39640	••••••

DACCA COLLECTORATE, The 18th November 1897. OKHOY COOMAR SEN,
For Collector.

## জেলা বাঁকুড়া। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্ত:পাতি নিম্নলিখিড মহালে গ্রথমেন্টের যে মলিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অম্লসারে উক্ত বাঁকুড়া জেলার কালেক্ট্রবিডে ১৮৯৮ সনের ১লা কেব্রুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২০শে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্দারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে,—

## নিলামের সর্ত্ত।---

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিট্ট করেন ভাষার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপোকা অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিন্ধারকে ইয়ার মালিক অরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য হইয়াছে তাহা চিরছরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি অত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ অত্ব খরিন্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইরাছে এবং
  এই ক্ষণ যে সকল পাটা বর্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং
  রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওরা জ্মাবন্দী যে সকল খোদখান্ত।
  ক্রমক প্রজা দ্বারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য
  হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০০ টাকার উর্দ্ধৃ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্দারের দায়িত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভে) <b>তি</b> ব নথর।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	একবেৰ ছিলাবে যত- দূৰ জালা যায় ভূথিয় অসুমালিক	গ্ৰপ্তেমণ্টেৰ বাজস্ব যাহা ধাৰ্য্য হাই-	मचरा (
<b>ل.</b>	আমরাণী পরগণে বিস্পূর ···	পরিমাণ। মোট মহালের ৩ কাগ অংশ।	য়া হে।  13 ০ চারি  সানা দশ- পাই মান।	থানা বিষ্ণুপুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম– নিবাসী দিনময়া দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সার্টিফিকেট জারিতে গবর্ণমেন্ট কর্জ্বক প্রকাশ্য নিলামে খরিক। করা হইয়াছে।

কালেক্টরের কাছারি, জেলা <sup>ই</sup>াকুড়া, ভারিষং • শে নবেম্বর ১৮৯৭

G. E. Manisty,

Collector.

### किना योगपर।

## জমিদারি বিক্রমের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে মালদহ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজ্বস্থ ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে বাকী রাজ্ঞস্কের ন্যায় আদায়ের যোগ্য ভাছা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৭। ২০ ডিসেম্বর তারিখে বেলা গ্রই প্রহর ১ টার সময় নিসামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

5	,	0	8	•	4	9	b	>
তৌজিব মন্বব।	মহাল ও প্ৰগনাৰ নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদ্ধ জম।।	সম্পূৰ্ণ মকাল বিক্ৰম কইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিজয় ১ইলে ঐ অংশ ব। ঐং অংশের বিশেষ বিবৰণ।	মে সম্পত্তি বিক্রয় ছউবে ভাছার মালিকগণেব নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিঞ্যু ছউলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম চইলে, ডাহাব বাকী।
<b>(</b> )	কাশিমপুর পর- গণা কাশিমপুর।		ন্	এই মহালে মোট ৩৯টীমোজা আছে এই সম্পূর্ণ মহালের	1	3690 Nd		<b>b</b> -510
	গুলি যাহার ও তাহা নিলাম: (১) এই সম্পূর্ণ তাহা (২) ইন্দ্রসইল, মালং প্রজ্ঞা প্রহিল, বাউল মুদাফ	জন্য স্থতন্ত্ৰ বি হইবেক না যথ মহালের ৩ , উত্তরজোই, কা. গোপালপ্ পতি জীপতি , দেওগাঁও, নথ া, বিল আন্ধা পারনা, বিল ত খালিমনগর	তনটা পৃথক থা;  ওয়ালতোর থুর, ছমপুরা র, জোওজ লতোর,পান কৈ, বিল ও হাতিয়া, ভ	নীচের লিখিত অংশ- হিসাব খোলা আছে  র মধ্যে (১)৫ দ্বীপ  া, গাজিপুর, খোর্দ্দ- া, জলকর গাজিপুর, াহালীর, জোতমনি, পাড়া, পাহাড়ীভিটা, লানী, বিল দহঙারা, বানীপুর, মবারকপুর, অজ্ঞাইল, অলভানপুর াই দ্বীপ অংশ ও	নেসা স্বয়ং ও উ আবেদ হোসেন, জ খাতুন; গোলাম আমজাদ আলা বেং হ্রজাহা নেসা প্রে বন নেসা; মধুসূদ্দ হ্বদয় মোহন পাল	জ্বরণ নেসা  গাবেদা খাতু  হোদেন   গে, হুরজাঁহা  ক আমিলন   বেগাষ, পি  কয়ং ও হুদর  রায়ণ পাল  রবচন্দ্র নন্দী  নাবায়ণ  বিহারীলাল  বির্মিশ্যদ	পক্ষে মৃজ্ঞা ন, ও আমন চাধুরী মৃজ্ঞা নেসা স্থয়ং ও নসা ও নজি- ায়ারী খানম ও স্থরেন্দ্র নম্দী নারা- গ নম্দী পক্ষে চোধুরী স্বয়ং চোধুরী স্বয়ং	

উল্লিখিত রেসিডুয়ারী অংশ ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কিন্তির বাকী রাজস্ব আদায় জন্য নিলাম হুইবে।

টীকা –যে শুলে উপবেব লিখিত বৰ্ণনাপত্ৰেব ৫, ৭ ও ৯ গবে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হউবে বলিয়া লিখিত আছে দেই শ্বলে ইংগ ব্ৰিতে হইবে যে 'ই অংশের নিমিত স্বতন্ত্ৰ হিসাব রাখা ২০খা থাকে ও মহাকেব অন্য বা অন্যান্য এংশ বিজয় হয় না !

MALDA COLLECTORATE, The 1st November 1897. J. H. LITA.

Collector.

## জিলা নোয়াখালি।

## জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নোমাখালি জিলার অস্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জাহ্মারি তারিখে নিসামে বিক্রয় করা যাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

<b>5</b>	•		8	ά	s.	1	-	۶
ছৌশিব এথব।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে স <b>™</b> াতি বিক্ৰয় হইবে তাহাব মালি¢গণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ঐ অং- শের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।
<i>₹</i> 33.	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	\$\$\$ <b>•</b> 9,	मण्णूर्व		বাবু উপেজ্ঞচন্দ্র দত্ত মেনেজার অব মিস কোর্জন ফেট ও বাবু রঘুনাথ প্রসাদ তে ওয়ারি গং।		د د دراله ۵۰ ه	
			খাদ মহ	ল টেনিউর —				
445		७३৮५५	अ,व्यक्ष		७ग्नाङकिन घाँहे गाङि।	•••••	3820∕€	•••••
	গং মং হাওলা। আবগুল রহমান।				411971	1		
હહર	চর মুগ্ধরা গংমং	90549/9	(P)		ত্ৰৈলোক্যনাথ তহ	******	200119	
,	হাওলা আজ্ম-				অভিভাবক জানিবে			
	ভূলাগং৮০ নং। দখল।				সচিনাথ গুহ।	1		
७१১	চর গাজির ১ <b>নং</b> দখল।	२०२१। 🎝 🎖	Ď		জমিয়ত আলি		8640	*****
693	র্জ চরের ২ নং দখল	24421177	(a)		<b>(a)</b>		७१७।/७	•••••
62.6	চর আলেকজঞ্জারের	80 W 9	(a)		নবকুমার বহু		३७७०/३	•••••
	১ নং গং মং ছাওলা।			}				
હ <b>ક્ષ્</b> હ	ঐ চরের ২ নং গং মংহাওলা।	48242	<b>(4)</b>	••••	æ	•••••	390102	*** ***

S. K. Agasti, Collector

## **जिला वर्कमान।—जम्मिनाति विकासन विज्ञानन क**।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বর্জমান জিলার অন্তর্গত নিম্ন-নিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নারে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত আগামী ১৮৯৮ সালেঙ ৫ জামুয়ারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

` `	3	٥	8	ď	y	9	•	6
ভৌগির শহর।	মহাল ও প্রলণার শীম্।	সম্পূর্ণ মছা- লের সহর জনা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজ্ঞায় ছইৰে কিলা	কেবলমাত্র অংশ নিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বি শেষ বিবরণ।	বে সম্পত্তি বিক্রন্ত ছইবে ভাছার স্থালিকগণের নামঃ	**	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজয় হইচেন ডাহার বাজী।	Alm talled
93	মহাল পাটুলী পর- গণা পাটুলী।	e 964 40		কেবল মূল মহাল নিলাম হইবে অন্যান্য জংশ নিলাম হইবে না।	নবিনচন্দ্র চৌধুরী দিং।	₹ <b>₽</b> \$○ /3。		88(€

টাকা।—যে স্বলে উপরেব লিখিত বর্ণনাপত্রেব ৫. ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ইছা বৃথিতে হউবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত থতাঃ হিসাবে রাখা ছইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা জন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

C. FISHER,

Collector.

## **जिना** वीत्र ज्या । — जिमाति विकास विकास विकास का

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিধিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজন্মের নাায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জাম্মারি তারিখে বেলা ১ টার সম্ম নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে।

,	2	۰	8	Œ	•	٩	•	۵
ভিলীব পর।	মহাল ও পরগনার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদব জ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় হউলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম ক্রম্বটেব তাহার মালিকগণের নাম।	কোন তাংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ জংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহার বাকী।
3 नः	আমজাপান্সন পর- গণা খটন্সা থানা সিউজী।		•	এজমালি অংশ— দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে আপ্তি, দেবীপুর, জঙ্গল জমা ও আমড়াপালন মো- জায় রকম যোল আমা, এই অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।	স্থরেন্দ্র নারায়ণ সেন দিগর।	€86hJ•		

চীকা।- যে পালে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তার ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রেয় চইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ইহা ব্রিতে ছইবে যে ঐ তংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব বাখা ইইয়া থাকে ও উপদ্ভি লিখিত অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRRHUM COLLECTORATE,
Dated Suri, the 18th November 1897.

F. N. FISCHER, Collector.

## Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for eash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 oz. tin, eight annas per 8 oz. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

## জুরত্ব সিন্কোনা।

কলিকাডান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ-বেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রেয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে ক্রেয় দিনকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥ ত টাকায়, আট ঔপ টিন ৫ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০ টাকায় পাইবেন। দর্অসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপন্থিভেন্টেরে নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬ টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেন্ডাগনও এই ঔষধ বিক্রেয় করিয়া গাকেন। উপরোক্ত ছার ছাড়া চারি ঔপ টিনের । , আট ঔপ টিনের । ও এক পৌও টিনের ৮ ত ডাক মাস্কল দিতে ইইবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিনকোন। আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলফেট অফ কৃইনাইন।

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পৌও টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

।। जास ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।•

1 阿存 ,, ,, 811° ,, ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনীডাইন নামক অপক্লফ ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপ্র্কক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারাক্টা দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিক্টেণ্ডেক্টের নিকট পাওয়া ঘাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

```
Rs.
                                          ... 10
                                                       0
Entire Gazette
                                                          per annum.
                                                   8
                                              2
                                                       0
                  Postage
Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts
 and Bills of the Legislative Councils of India
 and Bengal
                  Pestage
For a single copy-
  Entire Gazette
                                               0
                  Postage
                                                   1
                                                        0
Parts III, IV, V, and VI
                                               0
                                                            for
                                                                    sheets
                                                                             OT
                                                                                 under
                                                            with
                                                                             additional
                                                                     of 1
                                                            charge
                                                                             anua for
                                                            every 4 sheets in excess
```

Postage ... 0 1 0

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Goot, of Bengal.

## विकाशन ।

১৮৮৩ বাল ২১ কেব্ৰেয়ারি।—বাজালা গ্ৰথমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যাছল এই অবধি নিল্ল লিখিত হারে অগ্রিয় দিতে চইবে :--

ति जात्त्रम् । मध्य रस्य ः—	ৰক:সৰ্				होका।	
	4 10 16	•				
সম্পূৰ্ণ গেডেট	•••	•••	•••	বৎসর	300	
ডাক্যান্থল	•••	•••	•••	"	<b>*11 •</b>	
0 9 8 9 6 9 6 40	বাহাতে ব	চারভবর্ষের	ও বজ-			
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার ভ	गरेंग 🌞 🤄	गारेटबद			
পাগুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	8,	
ভাকমাত্রপ	•••	•••	•••	79	3,	
সস্ধ একখানি গেজেটের	যুশ্য	•••	***	"	3,	
ডাক্ষান্থল	•••	•••	•••		1.	
C 0 8 9 6 7 6 40 (	প্রত্যেক	8 शृक्षा वा	ভাহার			
ৰ্য়ন সংখ্যক প্	डोत मृग्र)	•••				পৃ <b>টার উ</b> পর অধিক হয়
					ভাৰ ৪ পু	র <b>প্রভ্যে</b> ক টা প্রভি ভার
		Æ				আনা।
<b>फांक्याञ्चन</b>			• •		/.	11-111

কলিকাভায়।

কলিকাডায় ও ধক:শলে সমান মূল্য, কলিকাডায় কেবল ডাক্যান্থল লাগিবে না ৷ रे, अब, (दकाव।

বজ্বদেশের গবর্ণমেন্টের একুটিং ছোট সেক্রেটরী।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, w.a., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country-Extract from Preface

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

## NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or offices under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

> C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

Note. - Rates of advertisements in the CALCUITA GAZETTE. Rs. Full page, per issue 20 Half 10 Casual advertisement—4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওলা মা গেলে ঐং গেজেট দেওয়া ঘাইবে মা, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপঞাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গ্রব্যেক্টের কার্য্যালয় কিন্তা গ্রব্যেক্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তি বাজাল সেকেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ভন্মিত্ত নগদ মূল্য দিতে হইবে এভদ্ধারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেক্টোরিয়েটের আকেটিান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ্রেক্তিক কার্য্যালয় ভিন্ন গোলেকেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভাগন করা ঘাইবে না।

সূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জ্ঞানে টাকার উপর আর 🗸 🗝 এক আনা পাঠাইতে হইবে।

সি. ডবলিউ বল্টন,

बक्राम्टमा भववंदमादकेत ह्यां दिनादककेती।

## ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মক্ষরা।—ক <b>লি</b> কাতা গেছেটে ইণতিহার <b>এ</b> কাশ কণিবাব হাব এটন।—					
প্रां उक स्का अवर वात्र अकान करातव	***		•••		204
আধ প্ৰকা	***	•••			3 **
কথন কথন ইশ্চিষ্ট অসাশ কৰিতে চউটে	क्रीहरक्र	•	19	***	1.0

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tevant in the provinces subject to the Lacutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Hengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

## বাজাল সেকেটারিয়েট যন্তালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে 1

বারিফার-আই-লা ও শুশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সন্ধিসে নিযুক্ত বন্ধমানের ডিষ্টিট্ট ও সেশন জ্বান্ধ বিশ্বের ক্রিমান্তরের মেশ্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি. কিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাছেবের প্রনীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবণর সাছেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূয্যধিকারীর আজা বিশ্বরক আইন সংহিতা।

## একং থানি পুস্তকের মূল্য. ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েটের আকেণ্টান্টের নিক্র একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিরা ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাহবেন মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া ঘাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপসক্ষে বজদেশের মন্ত্রিসভার আইনের প্রচ্যোজন হইছে। কলিকান্তার স্পানেত করেন্ট টোন হালের হাতায় ভিত বজদেশের গবন্যেটের ব্যবস্থাপন কাণ্যবিভাগের আলিসে বেজি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুত্তক কলিকাভার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিল্প কোম্পানির বাটাতে ক্রাই করিতে পাওয়া বার ।

## বিজ্ঞাপন ।

সাধারণকে এতদ্বারা অবগত করা ঘাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত মুন্দিগঞ্জের নিকট ধলেশ্বরী নদার তটে প্রতি বৎসর যে কার্ত্তিক বাৰুণী মেলা হইয়া পাকে তাহা গুটীয় ১৮৯৭ সালের ২৫এ নবেল্বর অর্থাৎ বাঙ্গালা ১৩০৪ সালের ১১ই অগ্রহায়ণ তারিখে আর্ছ হইয়া ১৮৯৮ সালের ৫ই জাতুয়ারি তারিখ পর্যান্ত থাকিবে। ব্যবসায়ী ও বিক্রেভাগণ ও অন্যান্য ব্যক্তি এই ছয় সপ্তাহ কালের মধ্যে ক্রয় বিক্রয় করিতে পারিবেন।

জিলা বোর্ডের আপিস, ঢাকা, ১৮৯৭ সাল ২৮এ অক্টোবর।

কে, মহম্মদ ইউস্ফু, চেযাবম্যানের পরিবতে:

কলিকাতা শোগডেনী শেল য়ুপ্ৰালয়ে গ্ৰেণমেন্টেৰ কন্য শ্ৰীযুত তেম্ম পেটি মানেৰ কতৃক যুদ্ধিত ও একাশিত চইল :





TUESDAY, DECEMBER 7, 1897.

# यञ्चलवात, ১৮৯१ माल १ ডिमেश्वत ।

CONTENTS.		1	
	PAGE.	নিৰ্≎ ।	
PART 1 Resolutions, Orders and Notifica-			न्हें।
tions of the Government of India	Nil.	প্রথম বস্ত।—ভারতব্যীর গ্রেপ্টের দির্ভারণ	
PART II Resolutions, Orders and Notifica-		আদেশ ও বিভাগন প্রভৃতি	নাই।
tions by the Lieutenaut-Governor		विक्रीय थल । — यक्टलटमात्र भवन्दिमत्केत्र मिक्स्त्रम्.	., .,
of Bengal	353359		410-c10
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		বিতীয় 🖚 খণ্ড।—বল্লেলের গ্রেপ্নেটের আলেশ	339-356
nor of Bengal	117-118	ছতীয় খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত	••
PART III Acts of the Legislative Council of		আইন	নাই
India	21-22	চতুর্ব বশু।—ভারতধর্ষীয় ব্যবন্দাপক সভার আইনের	., .
PART IV Bills of the Legislative Council of		পাছনিশি	2522
India	Nil.	পঞ্চম থণ্ড।—বঙ্গীয় ব্যবন্দাপক সভার প্রণীত আইন	নাই
PART V Acts of the Bengal Council	Nil.	वर्ष थल । तकीय वागन्यांभक मजाब आहेत्यम	., .,
PART VI Bills of the Bengal Council	Nil.	পাছনিপি	माई।
PART VII Circular Orders by the High		সভ্য থও।—হাই কোর্টের ও রেবিনিউ বোর্চের	.,,,,
Court and Board of Revenue	Nil.	সাধাৰণ জ্ঞাপনপত্ৰ	নাই
PART VIII Advertisements	595-605	অটুম বণ্ড।—ইশ্তিহার প্রভৃতি	424-4-4
SUPPLEMENT	Nil.	পরিশিপ্ত সবর্থমেটের সেকেট	মাই

## PART II.

Resolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengal.

# দিতীয় খণ্ড।

वक्रमान्त शवर्वधारकेत निर्मातन, जात्मन ଓ विज्ञानन वाञ्चि ।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের মুনিসিপাল (মেডিক্যাল) ডিপার্টমেণ্টের সেক্টেরির নিকটি প্রেরিত ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্টের সেক্টেরী শ্রীযুক্ত জে, পি, হিউয়েট সি, আই, ই, সাহেবের ২৫০৫ নং পত্র।

হোম ভিপাটমেন্ট। সাস্থ্য বিষয়ক।

কলিকাতা, ২১শে নবেম্বর ১৮৯৭ সাল।

আপনার ১৫ই তারিখের সাঙ্কেতিক টেলিগ্রামে যে লেখালেখি শেষ হয় তাহারই জেরস্বরূপ বঙ্গ-দেশের গবর্ণমেন্টের অবগতির নিমিত্ত হেজাজে তীর্থযাত্রা করিবার চলিত কালের মধ্যে ঐ তার্থযাত্রা সম্বন্ধে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইন অহুসারে ২০শে তারিখের ২৪৯৫ নং যে বিজ্ঞাপন প্রচারিত করিরাছেন তাহার একখানি নকল প্রেরণ করিতে আদিই হইয়াছি।

- ২। আমার এই অন্থরোধ যে ঐ সকল আদেশের মর্ম যাহাতে অবিলপ্নে এবং বিস্তৃতভাবে জ্ঞানান হয় এবং যে সকল হেতুতে ঐ সকল আদেশ প্রচার করা হইয়াছে তাহা বুঝান হয় ওজ্ঞার যে সকল উপায় অবলম্বন করা সম্ভব ভাহা অবলম্বিত হয়। জ্ঞিলার মাজিট্রেটদিগের দ্বারা, মুসলমান-দিগের ধর্ম সম্বন্ধীয় প্রধান প্রধান ব্যক্তিদিগের দ্বারা, তার্ধ্যাত্রীদিগের দালালদিগের দ্বারা এবং বজদেশের গবর্ণমেন্ট অন্য যে উপায় ভাল বিবেচনা করেন ভদ্দারা যাহাতে তার্থগ্যনেচ্ছুক ব্যক্তিগণকে এ বংসর হেজাজে যাইতে বিরত করা যায় তৎপক্ষে যত চেন্টা করা কর্ত্ব্য ভাহাও করা উচিত।
- ৬। ভারতবর্ষের যে সকল অংশ হইতে তীর্থগমনের নিয়েধ আজ্ঞা প্রত্যাহার করা হইয়াছে হেজাজে গমনার্থ জাহাজে চড়াইবার নিমিত্ত সেই সকল অংশ হইতে ভীর্থযাত্রীদিগকে করাচি এবং চট্টগ্রামে পাঠাইবার বন্দোবন্ত করা সম্বন্ধে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এবং আড্মিনিস্টেশন সমূহের নিকট যে সারকুলার প্রেরণ করা হইয়াছে বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের অবগতির নিমিত্ত আমি তাহারও একখানি নকল পাঠাইতেছি। দৃষ্ট হইবে যে আপনার ৬ই তারিখের টেলিগ্রামে যে প্রস্তাব করা হইয়াছে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট তাহা আহা করিয়াছেন এবং বঙ্গদেশ আসাম এবং উত্তর-পশ্চিম প্রদেশ ও অযোধ্যার পূর্বে ভাগের তীর্থযাত্রীদিগকে প্রথমতঃ একটা প্রাদেশিক পরিদর্শনের ক্যাম্পে পরিদর্শনাধীনে আটকাইয়া রাশিয়া এবং তথা হইতে স্পোলল ট্রেনে এবং একজন জবাবদিহিসম্পন্ন কর্মচারির জিম্মায় তাঁহাদিগকে রাণীগঞ্জের সেক্রীল ক্যাম্পে প্রেরণ করিয়া তাহার পর চট্টগ্রামে জাহাজে চড়াইয়া দেওয়া হইবে। যে সকল স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এবং আড্মিনিফ্রেশনের সহিত এই কার্য্যের সংক্রব আছে তাঁছারা যে সকল বন্দোবস্ত করেন তৎসন্বন্ধে বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টকে সংবাদ দিবার নিমিক্ত এবং রাণাগজে গমন করিবার নিমিত্ত যে সকল লোক প্রাদেশিক ক্যান্সে থাকেন তাঁছাদের সংখ্যা সম্বন্ধে এবং তাঁহারা যত সময় পরিদর্শনাধীন থাকিয়াছেন তৎসম্বন্ধে সময়ে সময়ে সংবাদ দিবার নিমিত্ত ঐ সকল স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এবং আড্মিনিফ্রেশনকে আদেশ করা হইয়াছে। আমার এই অন্নরাধ যে প্রাদেশিক ক্যাম্প হইতে রাণীগঞ্জে তার্থযাত্রী গ্রাহণ করিবার বন্দোবস্ত সম্বন্ধে বঞ্চদেশের গবর্ণমেন্ট ঐ সকল স্থানায় গবর্ণমেন্ট এবং আড্মিনিফ্রেশনের সহিত লেখালেখি করেন। বন্ধদেশের এবং অপর প্রদেশের ভার্থযাত্রীদিগকে রাণীগঞ্জে গ্রহণ করিবার নিমিত্ত এবং ভাহাদিগকে চট্টগ্রামে পাঠাইয়া দিবার এবং তথায় জাহাজে চড়াইয়া দিবার নিমিত্ত যে সকল বন্দোবস্ত করা হয় তৎসন্ধন্ধ সংবাদ প্রাপ্ত হইলে ভারতবর্ষের গবনমেন্ট আব্লাদিত হইবেন।
- ৪। পরিদর্শনের ক্যাম্প ভিন্ন অন্য কোথাও টিকিট বিক্রা করা হইবে না এবং আমার এই অনুরোধ যে এই আদেশ জারি করিবার নিমিন্ত এবং তার্থযান্তীদিগের দালালদিগকে ইহা জানাইবার নিমিন্ত উপায় স্বলম্বন করা হয়। বন্দোবন্তের বিষয় জাহাজের এজেন্টদিগকে অবগত করিবার নিমিন্ত এবং কত জাহাজ পাওয়া যাইতে পারে যতদূর সম্ভব তাহার সংখ্যা নির্ণয় করিবার নিমিন্ত, যে যে তারিখে ঐ সকল জাহাজ রওয়ানা হইবে দেই সেই তারিখ নিগ্য় করিবার নিমিন্ত এবং ঐ সকল জাহাজ করাচি হইতে কি চট্টাম হইতে ছাভিবে ভাহা নিগ্য় করিবার নিমিন্ত বোদাইয়ের গ্রণমেন্টকে অনুরোধ করা হইয়াছে। চট্টাম হইতে যে সকল জাহাজ রওয়ানা হইবে তৎসম্বন্ধে যে সংবাদ সংগ্রহ করা হাইতে পারে বিশ্বদেশের গ্রণমেন্টকে ভাহা এবেল করিবার নিমিন্ত বোদাইয়ের গ্রণমেন্টকে অনুরোধ করা হইয়াছে।

শাব্র্রাজ প্রেসিডেন্দী হইতে এবং মহীশ্র ও হাইদরাবাদ রাজ্য, হইতে যে সকল তীর্থযাত্রী
গমন করিবে ভাহাদিগকে করাচিতে কিথা চট্টগ্রামে জাহাজে চড়ান হইবে এই বিষয় এখন ও বিবেচনাধীন
রহিয়াছে এবং এবিষয়ে আর এক পত্র প্রেন্ করা যাইবে ।

জে, পি হিউয়েট্, ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেকেটরী শ্রীযুক্ত জে, পি, হিউয়েট্ সি, আই, ই, সাহেবের নিকট হইতে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সম্হের নিকট প্রেরিত ২৫০৯। ১৪ নং সারকুলার।

হোম ডিপার্টমেন্ট। স্থাস্থ্য বিষয়ক।

কলিকাতা, ২১শে মবেমর ১৮৯৭ সাল।

হেজাজে তীর্থযাত্রা করিবার চলিত কালের মধ্যে ঐ তার্থযাত্রা সম্বন্ধে ভারতবদের গ্রন্মেন্ট ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইন অভ্নসারে ২০শে তারিখের ২৪৯৫ নং যে বিজ্ঞাপন প্রচারিত করিয়াছেন আপনার অবগতির নিমিত্ত তাহার একখানি নকল প্রেরণ করিতে আদিইট ইইয়াছি।

- ২। আমার এই অভ্রোধ যে ঐ সকল অন্তেশৰ মর্ঘ যাছাতে অবিলয়ে এবং বিস্তৃতভাবে জানান হয় এবং যে সকল হৈতুতে ঐ সকল আনেশ প্রার করা হইয়াছে তাহা বৃথান হয় তজ্জন্য যে সকল উপায় অবলপ্ধন করা সন্থব তাহা অবলপ্ধিত হয়। জিলাব মাজিট্রেটদিগেব পারা, মুসলমান-দিগের ধর্ম সন্ধন্ধীয় প্রধান প্রধান ব্যক্তিদিগের পারা, তার্থ যাত্রীদিগের দালালদিগের পারা এবং আপানারা অন্য যে উপায় ভাল বিবেচনা করেন তদ্ধারা যাহাতে তার্থগমনেজ্ব ব্যক্তিগণকে এবংসর হেজ্বজে যাইতে বিরত করা যায় তৎপক্ষে যত চেন্টা করা কর্ত্বয় তাহাও করা উচিত।
- ৩। দৃষ্ট হইবে যে কেবলমাত্র সিন্ধু প্রদেশের করাচি বন্দরে এবং নিম্ন বঙ্গের চট্টগ্রাম বন্দরে তীর্থযাত্রীদিগকে জাহাজে চড়িতে দেওয়া হইবে। চট্টগ্রাম দিয়া যে পথ তাহা বঙ্গদেশ, আদাম এবং উত্তর-পশ্চিম প্রদেশ ও অযোধ্যার পূর্ব ভাগের লোকদিগের নিমিত্ত এবং করাচি দিয়া যে পথ তাহণ সিন্ধু ও অপার ইণ্ডিয়ার লোকদিগের নিমিত্ত। উত্তর-পশ্চিম প্রদেশ ও অযোধ্যা, পঞ্জাব, মধ্য-প্রদেশ, আসাম ও নিকটবত্ত্বী দেশায় রাজ্য, রাজপুতানা এবং মধ্য-ভারতবর্ণের যে সকল লোক তার্থ গমনের করেশ পরিত্যাগ না করিবেন তাঁহাদিগকৈ প্রস্তানা ও মধ্য ভারতব্য হইলে এজেলিতে

জড় করিতে ইইবে ও তথায় তাঁহাদিগকে অন্ততঃ ১০ দিনের জন্য একজন কমিশনপ্রাপ্ত ডাক্তা-রের বিশেষ তত্ত্বাবধানে আটকাইয়া রাখিতে হইবে। যে সকল তার্থযাত্রী করাচিতে জাহাজে চ্চিবেন উহিাদিগকে প্রাদেশিক পরিদর্শনের ক্যাম্প হইতে একবারে বন্দরে পাঠান যাইবে এবং যে সকল তীর্থ-গাত্রী চট্টগ্রামে জাহাজে চড়িবেন তাহাদিগকে প্রথমতঃ প্রাদেশিক ক্যাম্প হইতে রাণাগঞ্জয়িত সেন্টাল কণাম্পে পাঠাইয়া পরে ৬বা হইতে বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্ট যে সকল বন্দেবস্ত করিবেন ভদ্মসারে চট্টগ্রামে পাঠান হইবে। যে সকল ভার্থগ্যনেচ্ছুক ব্যক্তি ১০ দিন পরিদর্শনাধীন থাকিয়াছেন এবং যাঁহাদের সংক্রামকদোষশ্রাতা সম্বন্ধে সার্টিফিকেট দেওয়া হইয়াছে কর্তৃপক্ষেরা উত্তাদিগকে লইতে প্রস্তুত আছেন আশনার। সিন্ধু বা বঙ্গদেশ চইতে এই সংবাদ প্রাপ্ত চইবামাত্র তাঁহাদিগকে স্থলভেদে করাটি বা রাণীগঞ্জে পাঠাইয়া দেওয়া ইইবে। কত জাহাজ পাওয়া যাইতে পারে এবং কোনু তারিখে ঐ সকল জাহাজ ছাড়িবে তাহারই উ ার ইহা নির্ভর করিবে। প্রাদেশিক ব্যাপ হইতে তার্থযাত্রীদিপকে স্পোশল টেনে এবং একজন জবাবদিহিসম্পন্ন কর্মচারির জিল্মায় পাঠাইতে হইবে। দেশীয় রাজ্য হইতে প্রাদেশিক পরিদর্শনের ক্যাম্পে তীর্থযাত্তী গ্রহণ করা সগলে এ স্কুল রাজ্যস্থিত পলিটিকাল কর্তৃপক্ষদিগকে পত্রলেখা আবশ্যক হংবে। হেজাজে যাইবার টিকিট কেবলয়াত্র পরিদর্শনের ক্যাম্পে বিক্রয় করা যাইতে পারিবে এবং আমার এই অন্থরোধ যে এই আদেশ জারি <mark>কবিবার জন্য এবং বোদ্বাই ও বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের স</mark>হিত্ত পরামূল করিয়া জাহাজের এজেন্ট এবং তীর্থযাত্রীদিগের দালালদিগকে ইহা জানাইবার জন্য যে সকল উপায় অবলম্বন করা আবশ্যক তাহা অধলম্বিত হয়।

৪। আমার এই অনুরোধ যে পরিদর্শ নের ক্যাম্পের একটা স্থান অবিলয়ে পছন্দ করা হয়, এই পত্রে যে সকল উপদেশ প্রদন্ত হইল ভদন্তসারে কার্য্য করিবার পক্ষে যত শাদ্র সম্ভব বন্দো-বস্তু করা হয় এবং যে সকল বন্দোবন্ত করা হয় ভাহার সংবাদ স্ভারতবর্ষের সর্বাহেন্ট এবং বোদাই ও বঙ্গদেশের গবর্গমেন্টকে প্রেরণ করা হয়। করাচি বা রাণীগঞ্জে যাইবার নিমিত্ত যত লোক প্রাদেশিক ক্যাম্পে থাকেন তাঁহাদের সংখ্যার এবং তাঁহারা যত সময় পরিদর্শ নাধান থাকিয়াছেন ভাহার এক এক-খানি সাময়িক বিবরণ দিবার নিমিত্ত এবং প্রাদেশিক ক্যাম্প হইতে তীর্থযাত্রীদিগকে স্থলভেদে করাচি বা রাণীগঞ্জের ক্যাম্পে পাঠাইবার জন্য বোদাই ও বঙ্গদেশের গবর্গমেন্টের সহিত পরাম্প্ করিয়া বন্দোবন্ত করিতে হইবে।

জে, পি, হিউমেট্, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

২৪৯৫ নম্বর।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেট।

হোম ডিপার্টমেণ্ট।

স্বাস্থ্য বিষয়ক।

কলিকাতা, ১৮৯৭ সাল ২০এ নবেম্ব ।

## निष्ठां भन ।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্টমেন্টের ১৮৯৭ সালের ২০এ কেব্রুয়ারি তারিখের ৬২৫ নং বিজ্ঞাপনে ব্যাপক পীড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ৩ আইনের ২ ধারার (১) প্রকরণের প্রদক্ত ক্ষমতাহ্ন-সারে এই আদেশ করা হয় যে ১৮৯৭ সালে হেজ্ঞাজে তীর্থযাত্রার কালে ঐ তীর্থযাত্রা স্থাসিত থাকিবে।

ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্ট এরূপ আবশকে বিবেচনা করেন না যে তীর্থযাত্রার চলিভ কালের মধ্যে তীর্থযাত্রা একবারে বন্ধ করা হয়। কিন্তু বোধাই প্রেসিডেন্সাতে মড়কের প্রাণ্ডভাব বছদূর ব্যাপ্ত হইয়া পাডায় ভ্রন্থস্থন ইউরোপের সমস্ত গবর্ণমেন্ট ইউরোপে মড়ক যাওয়ার আশক্ষা আছে বলিয়া দৃচ্ডা সহকারে যে মড প্রকাশ করিয়াছেন ভাছা বিবেচনা করিয়া এবং তীর্থগমনেচ্ছুক ব্যক্তিগল কর্তৃক্ষ ভারতবর্ধের দূষিত স্থান হইতে অনুষত স্থানে মড়ক ব্যাপ্ত হইবার যে আশক্ষা আছে তাহা বিবেচনা করিয়া ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্ট উক্ত তীর্থযাত্রীগণকে সাবধানে নিয়মের অধীন করা নিতান্ত আবশ্যক মনে করেন।

অতএব মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনগল সাহেব ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের হোম ডিপার্ট-মেন্টের ১৮৯৭ সালের ২০এ ফেব্রুয়ারি তারিখের ৬২৫ নং বিজ্ঞাপন রহিত করিলেন।

মান্ত্রসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব আরও আদেশ করিলেন যে অন্য আদেশ না হওয়া পর্যাস্ত সিন্ধু ভিন্ন বোদ্বাই প্রেসিডেন্সির অপর কোন অংশের কোন স্থায়ী বা অস্থায়ী অধিবাসীকে মেক্কায় তীর্থযাত্রায় যাইবার অভিপ্রায়ে ভারতবর্ষের কোন বন্দরে জাহাজে চড়িতে দেওয়া হইবে না।

মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব নিম্নলিখিতমত আদেশও করিলেন :---

(১) সিন্ধু প্রদেশের করাচি বন্দর এবং নিম্নবন্ধ প্রদেশের চট্টগ্রাম বন্দর ভিন্ন অপর কোন বন্দর চইতে ,মেক্কায় তীর্থযাত্রার অভিপ্রায়ে কোন ব্যক্তিকে জাহাজে চড়িতে দেওয়া হইবে না। এবং কোন ব্যক্তি কর্ত্বক মডকের বীজ ব্যাপ্ত হইবার আশঙ্কা সম্পূর্ণরূপে দূর হইয়াছে বলিয়া যতক্ষণ পরিদর্শনার্থ নিরূপিত কোন হানের ভারপ্রাপ্ত ভাকারের প্রতীতি না জন্মে ততক্ষণ তাঁহাকে তথায় পরিদর্শনা নির্মাণ না গেলেও এবং পরিদর্শনের স্থান হইতে জাহাজে চড়িবার স্থানে তীর্থযাত্রীদিগকে লইয়া যাইবার নিমিত্ত যে কর্মচারী নিযুক্ত হন সেই কর্মচারী প্র ব্যক্তিকে জাহাজে চড়িবার স্থানে লইয়া না গেলেও তাঁচাকে জাহাজে চড়িবেও দেওয়া হইবে না।

- (২) তীর্থগমনেচ্ছুক পরিদর্শনাধীন যাত্রীগণকে আটকাইয়া রাখিবার নিমিত্ত যে সকল স্থান নিরূপিত হয় তন্তিম্ব অপর কোন স্থানে হেজ্ঞাজে যাইবার টিকিট বিক্রয় করা যাইবে না।
- (৩) ভারপ্রাপ্ত ডাক্তারের যতক্ষণ এইরূপ প্রতীতি না হয় যে, যে সকল ব্যক্তি হেজাজে যাইবার অভিপ্রায়ে সিন্ধু প্রদেশ ভিন্ন বোদ্বাই প্রেসিডেন্সির অপর কোন অংশে প্রবেশ করিয়াছেন তাঁছাদের মধ্যে মড়ক দেখা দিবার আশঙ্কা সম্প্রিপে দূর হইয়াছে ততক্ষণ সেই সকল ব্যক্তিকে পরিদর্শনের ক্যাম্পে বা তাঁবুতে রাখা হইবে। তাহার পর তাঁহাদিগকে বাড়ী পাঠান যাইবে ।

উপরিলিখিত সতর্কতা সহকারে হেজাজে তার্থযাত্রা করিতে দেওয়া যাইতে পারে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট এইরপ সিদ্ধান্ত করিলেও সমস্ত অবস্থা বিবেচনায় এবং তুরস্ক গবর্ণমেন্ট যে কড়াকড় করোকীইনের নিয়ম ধার্য্য করিয়াছেন তাহা বিশেষভাবে বিবেচনা করিয়া এবং আরব দেশে উপস্থিত
হইয়া তার্থগমনেচ্ছুক ব্যক্তিগণকে সম্ভবতঃ যে অম্ববিধা ও নিএই ভোগ করিতে হইবে তাহা বিবেচনা করিয়া ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের দৃঢ় বিশ্বাস এই যে তার্থগমনেচ্ছুক ব্যক্তিরা আগামী তার্থযাত্রার
কাল পর্যান্ত আপনাদের সঙ্কম্প হইতে বিরত থাকিলে মুবুদ্ধির কার্য্য করিবেন।

ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট খুব সম্প্রতি যে সংবাদ পাইয়াছেন তাহা হইতে জানা যায় যে হেজাজে এখনও হোর অশান্তি চলিতেছে এবং মেকায় গমন করিলে ধন প্রাণ নাশের আশক্ষা আছে।

> জে, পি, হিউয়েট্, ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

म्निमिপाल जिलाउँ रमे ।

মেডিক্যাল।

৫০৭১ নং মেডিক্যাল।

## কলিকাডা, ১৮১৭ সাল ২৬ এ নবেম্বর।

শ্রীষুত ই, আর. হেন্রী, সি, এস্, সাহেবের নিকট প্রেরিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরী শ্রীযুত এচ্, এচ্, রিস্লী, সি, আই, ই. সাহেবের পত্র।

আপনার অবগতির নিমিত্ত হেজাজে তীর্থযাত্রা করিবার চলিত কা লের মধ্যে ঐ তীর্থযাত্রা সম্বন্ধে ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের এই মাদের ২১ তারিখের ২৫০৫ নং পত্তের প্রতিলিপি পাঠাইতে আদিই ইইয়াছি।

- ২। ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের উক্ত পত্রের ২ পারাত্রাফ সম্বন্ধে এই আপিসের পোলিটিকাল ডিপার্টমেন্ট হইতে আদেশ প্রদত্ত হইবে। এরূপ আশা করা যায় যে তীর্থযাত্রীদিগকে সতর্ক করিয়া দেওয়াতে অনেক মুসলমান্ট এই বৎসর হেজাজ যাত্রা হইতে নির্ত্ত হইতে পারে।
- ৩। ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের পত্রের ৩ পারাত্রাকের লিখিত প্রকারে তার্থমাত্রীদিগকে চট্টগ্রাম হইতে প্রেরণ করিবার যে সকল বন্দোবস্ত করিতে হইবে শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব আপনাকে ভাহার ভার প্রদান করিতে হির করিয়াছেন। আমার অন্নরোধ এই যে আপনি আবশ্যকমত ভাস্ত করিবার পর বঙ্গদেশ ও অন্যান্য প্রদেশের তীর্থমাত্রীদিগকে রাণীগঞ্জে গ্রহণ করিবার নিমিত্ত এবং ভাহাদিগকে চট্টগ্রামে পাঠাইয়া তথা হইতে জাহাজে উঠাইবার জন্য যে সকল বন্দোবস্ত করিবার প্রভাব করেন যতদুর সম্ভব তাহার সম্পূর্ণ ও বিস্তারিত বিবরণ সম্বলিত একখানি রিপোট শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অবগতির নিমিত্ত ও ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টকে জ্ঞাপন করিবার নিমিত্ত অর্পণ করেন। এ বিষয়ে আপনাকে নিম্নলিখিত মন্তব্যও জ্ঞাপন করণার্থ আদিট হইয়াছি।
- 8। রাণীগঞ্জ ক্যাম্প।—কোন জাহাজেই এক হাজারের বেশি লোকের জায়গা হইতে পারে না, এই জন্য ঐ ক্যাম্প এরূপ বড় ছওয়া চাই যে উহাতে প্রায় এক হাজার লোক ধরিতে পারে। সানিটরী ক্মিশনরের সহিত পরামর্শ করিয়া ক্যাম্পের নকুসা কৃরিতে হইবে এবং যদি সম্ভব হয়

তাহা হইলে এরপ বন্দোবন্ত করিতে হইবে যেন ক্যাম্পের কোন অংশে সংক্রামক রোগ দেখা দিলে সমস্ত তীর্থযাত্রীকে আটক করিয়া রাখা আবশ্যক হইয়া না পতে। ক্যান্দে পর পর ভিন্ন ভিন্ন ভীর্থযাত্রীর দলকে থাকিতে হইবে বলিয়া জল সরবরাহ ও পাইখানা সম্বন্ধে ও যে প্রণালীতে মল ছানাম্বর ও ভাগার বিলিব্যবস্থা করিতে হইবে তৎদশ্বন্ধে বিশেষ দৃষ্টি রাখিতে হইবে। তার্থযাত্রীদিগকে ক্যান্সে অটক করিয়া রাখিবার সময় তাহাদিগের খাদ্য সরবরাহ করা আবশ্যক হইবে; এছলে মন্তব্য এই যে, এই বিষয়ে ও জী যাত্রীদিগের বাসা দিবার সম্বন্ধে কিরূপ বন্দোবন্ত করা উচিত ভ্রম্বিয়ে প্রধার জন কয়েক তার্থযাত্রীর দালালের সহিত পরামর্শ করিলে ভাল হয়। ক্যাম্পের কিয়দংশে উৎক্লফ্টতর গাকিবার জায়গার বিধান করিয়া তাহা উচ্চ শ্রেণীর তীর্থযাত্রীদের জন্য স্বতম্ব করিয়া রাখা উচিত কি না ইহাও আপনাকে বিবেচনা করিয়া দেখিতে হইবে। তীর্থযাত্রীর দালালদের ধাকিবার वत्कावस कता हारे, जाराता क्यांत्मारे जायानात्मत व्यवमा हामारेत। अमन्नत्म मस्या এरे या माधातन তীর্থঘাত্রীরা যে অংশ দখল করিবে দালালদের থাকিবার স্থান ভাষা হইতে পৃথক রাখিতে হইবে ৷ ক্যাম্প তীর্থযাত্রীদিগকে গ্রহণ করিবার উপযুক্ত হইলেই এধানং মুসলমান, দালাল ও গ্রাম্য চৌকীদার দ্বারা ঐ কথা যতদুর সম্ভব প্রচার করিতে হইবে। গমনেচ্ছু তীর্থযাত্রীরা যাহাতে কলিকাতায় প্রবেশ না করিয়া একবারে ক্যাম্পে যায় ভাষাদিগকে এইরপে উৎসাহিত কর। বাঞ্চনীয়। আমার পারাযুশে, যে পুথ দিয়া তীর্থযাত্রীদের যাওয়া উচিত প্রত্যেক জিলায় তাহার বিজ্ঞাপন দিলে ও তীর্থযাত্রাদিগকে আটকাইয়া ক্যাম্পে লইয়া যাইবার জন্য নৈহাটী ও রাণীগঞ্জে বা ধানায় দালাল রাখিলে ঐ অভিপ্রায় সিদ্ধ হইতে পারে।

- ে। টিকিট বিক্রয়।--ভীর্থযাত্রীদিগকে আটক করিয়া রাখিবার জন্য যে সকল স্থান নির্দ্দিষ্ট হয় হোম ডিপার্টমেন্টের ২০এ নবেম্বরের ২৪৯৫ নং বিজ্ঞাপন অনুসারে কেবল সেই সকল স্থানেই হেজাজে যাইবার টিকিট বিক্রয় করা যাইতে পারিবে। এই নিয়মটি বহুলোকে জানিতে পারিলে ও এই নিয়মানু সারে ভাসরপ কার্য্য করিতে পারিসেই উপস্থিত প্রস্তাবটির অধিক পরিমাণে সফলতা লাভ করিবার সম্ভাবনা। এই বৎসরের প্রথম কয়েক মাস বহুসংখ্যক তীর্থযাত্রী বোম্বাইয়ে টিকিট ক্রয় করিয়া জাহাজে উঠিতে না পাওয়ায়, কলিকাতা হইতে যে সকল তার্থযাত্রী লইয়া যাইবার ফীয়ার বা পাইলভরে গামী আরবদেশীয় জাহাজ স্থপদাগরে বা পারদ্য উপদাগরে যায় ভাহাতে উঠিতে পারিবে এই আৰু। করিয়া কলিকাতায় আসিয়াছিল। যাহাতে পুনর্বার এরপ না হইতে পারে তন্ত্রিমিত সাবধান হইতে হইবে। এ বিষয়ে পরামর্শ এই যে, আপনি এখানে ও বোদ্বাইয়ে এবং অপার ইণ্ডিয়ার সমস্ত বভং নগর ও সহরে এই কথা প্রচার করিয়া দিবেন যে কোন টিকিটে যদি কোন ক্যাম্পের ভারপ্রাপ্ত কর্মচারীদের স্বাক্ষরিত এমন সার্টিফিকেট লিখিত না খাকে যে (১) ঐ টিকিট ঐ ক্যাম্পে বিক্রয় করা হইয়াছে এবং (২) টিকিটধারীকে প্রস্থান করিবার সময় পর্যান্ত পরিদর্শনাধীনে আটক রাখা হইয়াছিল, ভাহা হইলে ঐ টিকিট কায়েম টিকিট বলিয়া আহ্য করা মাইবে না। তীর্থগমনেচ্ছুক সকল ব্যক্তিকে ইছাও পরিক্ষার করিয়া বুঝাইয়া দিতে ছইবে যে, যাহার জেন্দায় ফিরিয়া আদিবার টিকিট ক্রয় করিবার টাকা নাই তাহাকে রাণীগঞ্জ ক্যাম্পে এছণ করা ঘাইতে পারিবে না। যে তীর্থযাত্রীরা অন্যান্য প্রদেশ হইতে আসিবে তাহাদের ইতিপূর্কেই টিকিট লইয়া আসা আবশ্যক।
- ৬। রাণীগঞ্জ হইতে চট্টগ্রামে গমন।—নিদ্দিউসংখ্যক তীর্থযাত্রী গ্রহণ করণার্থ চট্টগ্রামে কোন জাহাজ প্রস্তুত আছে রাণীগঞ্জে এই সমাদ প্রাপ্ত হওয়া গেলেই, ক্যাম্পের ভারপ্রাপ্ত কর্মচারী পরিদর্শনিধীন ব্যক্তিদের মধ্য হইতে ঐ সংখ্যক লোক বাছাই করিবেন ও তাহাদিগকে ডাক্তারের ছারা পরীক্ষা করাইবেন। তাহার পর তাহাদিগকে প্রহরীর জিল্মায় স্পেশল ট্রেনে কৃটিয়ায় লইয়া যাইতে ইইবে। তথা হইতে চাঁদপুরে যাইবার জন্য তাহারা একখানি স্পেশল শ্রীমারে উঠিবে। তাহাদিগকে চট্টগ্রামে লইয়া যাইবার জন্য চাঁদপুরে একখানি স্পেশল ট্রেন তৈয়ারি থাকা চাই। আমার অম্বরোধ এই যে, যে সকল রেলওয়ে ও শ্রীমার কোম্পানির সহিত এ কার্য্যের সংঅব আছে তাহাদের সহিত লেখালেখি করিয়া এই সকল বন্দোবভর্ষিত প্রত্যেক বিষয় হির করা হয় এবং রাণীগঞ্জ হইতে চট্টগ্রাম যাত্রার পথে কোন্ ছোনে তার্থযাত্রীরা আহার করিবার জন্য নামিতে পারিবে তৎপ্রকাশক একখানি টাইম টেবিল সমেত সম্পূর্বরূপে ঐ সকল বিষয় রিপোর্ট করা হয়। যাত্রাকালের মধ্যে তাহাদিগকে কি প্রকারে জল সরবরাহ করা যাইবে ইহাও উল্লেখ করিতে হইবে। কৃটিয়ায় জাহাজে উঠা, চাঁদপুরে জাহাজ হইতে নামা এবং চট্টগ্রামে জাহাজে উঠা এই সকল কার্য্য দিবাভাগে করা বিশেষ আবশাক।
- ৭। চট্টপ্রামে জাহাজে উঠা।—চট্টপ্রাম হইতে তীর্থযাত্রীদের জাহাজ ছাভিবার সময়ের স্থান প্রহলার বিষয়ক ১৮৯৫ সালের আইনের ৮ ধারাস্থলারে চট্টপ্রামের পোর্ট আপিসরকে নিযুক্ত করা হইবে। উক্ত আইন ও উক্ত আইন অনুসারে প্রণীত বিধির বিধানমতে ঠিক করা হইতেছে ইহা দেখা তাঁহার কর্ত্তব্য কর্ম হইবে।

তীর্থ যাত্রীদিগকে জাহাজে উঠাইয়া দিবার সন্থকে কোন গোলযোগ হইবার আশক্ষা নাই। চাঁদপুর হইতে যে ট্রেনে ভাহাদিগকে লইয়া আসা হইবে তাহা জাহাজের পার্শ্বে আনা হইবে এবং তৎ
কালের জন্য প্রস্তুত জেটীর উপর দিয়া তাহারা জাহাজে উঠিবে। তাহারা নগরে প্রবেশ করিতে কিয়া
চট্টগ্রামের অধিবাসীদের সহিত কোনরূপ সংস্রব রাখিতে না পারে ইহা দেখিবার জন্য পোর্ট আপিসরকে আদেশ করা হইবে।

- ৮। জাহাজের দ্রব্য সামগ্রী।—আপনি দেখিকেন যে, চট্টগ্রাম হইতে যে সকল জাহাজ ছাড়ে ভৎসম্বন্ধে কোন সমাচার প্রাপ্ত হওয়া গেলে বোম্বাইয়ের গবর্ণমেন্ট এই গবর্ণমেন্টকে ঐ সমাচার দেন উক্ত গবর্ণমেন্টকে এইরপ অন্ধরোধ করা হইয়াছে। কিন্তু বোম্বাইয়ের এজেন্ট ও জাহাজ ওয়ালাদের চট্টগ্রাম বন্দরের অবস্থা সম্বন্ধে সবিশেষ অভিজ্ঞতা না থাকিতে পারে এবং এই বিষয়ে অনভিজ্ঞতা বন্ধতঃ ও ঝড়ে চট্টগ্রামের ক্ষতি হইয়াছে বলিয়া আশকা থাকায় তাঁহারা আপন আপন অভিপ্রায় ব্যক্ত করিতে তত ইচ্ছুক না হইতে পারেন এই বিবেচনায় আপনাকে এই পরামর্শ, দেওয়া ঘাইতেছে যে, আপনি আলোর বয়ার ও নলবের বন্দোবস্ত, ভাটার সময় চড়ায় কত জল থাকে, জাহাজ সজ্জিত করিবার, মেরামত করিবার ও দ্বব্য সামগ্রী পাইবার কিরপ স্ববিধা আছে, চট্টগ্রাম সম্বন্ধীয় এইরপ সকল প্রধানং বিবরণ কলিকাতার পোর্ট আপিসরের নিকট হইতে জানিয়া লইয়া সাধারণতঃ যে সকল জাহাজ ওয়ালা হেজাজে যাত্রী লইয়া যায় তাহাদিগের নিকট ঐ সকল বিষয়ের একটি সংক্ষেপ বিবরণ পাঠিইয়া দিবেন।
- ১। যাত্রাকালের জন্য খাদ্য সরবরাহ।—পরিশেষে, তীর্থযাত্রীদের জাহাজ বিষয়ক ১৮৯৫ সালের আইনের ১২ ও ১৮ ধারা এবং ৩১ ও ৩২ বিধির প্রতি আপনার দৃষ্টি আকর্ষণ করিতেছি। এরপ বিশ্বাস করা যায় যে তীর্থযাত্রীরা সাধারণতঃ জাহাজে উঠিবার পূর্কেই আপনং খাদ্য ক্রয় করিয়া জাহাজে লইয়া আইসে। জাহাজে উঠিবার যেপ্রণালীর একণে প্রভাব করা যাইতেছে তদমুসারে উক্তরূপ করা সম্ভব হইবে বলিয়া বোধ হয় না। আমার অম্বরোধ এই যে আপনি জাহাজের দালাল ও চার্টররদের সহিত লেখালেখি করিয়া এই বিষয়ে বিশেষ ভদন্ত লইবেন ও খাদ্য সরবরাহ সম্বন্ধে কিরূপ বন্দোবস্ত করা উচিত তৎসম্বন্ধে রিপোর্ট করিবেন।

अष्, अष्, दिमली।
व करामस्त्र शद्वीयरातंग्रेत स्मरक्रेदो।



TUESDAY, DECEMBER 7, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ৭ ডিসেম্বর।

PART HA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal. দিতীয় ক খণ্ড। বৰুদেশের গ্ৰথমেন্টের আদেশ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 5099M.—The 26th November 1897.—Whereas a notification No. 640T.M., dated the 15th September 1897, was published at page 217, Part IB of the Calcutta Gazette of the 22nd idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of section 252 of Part VI of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as amended by Bengal Acts IV of 1894 and II of 1896, to the Barisal Municipality, in the district of Backergunger and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Barisal Municipality, made at a meeting, the Lieutenaut-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISLRY, S.cy. to the Govt. of Bengal.

বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৫০৯৯ এম,নম্বর 1—১৮৯৭ সাল ২৬ নবেম্বর। —বাশ্বরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত বরিশাল মুনিসিপালিটিতে ১৮৯৪ সালের বৃদ্ধীয় ৪ আইন ও ১৮৯৬ সালের বৃদ্ধীয় ২ আইন হারা সংশোধিত বৃদ্ধদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ষষ্ঠ পরিচ্ছেদের ২৫২ ধারার বিধান প্রচলিত করণার্থ প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ১৫ সেপ্টেম্বর তারিখের ৬৪০ টি, নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ২২ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১টি খণ্ডের ২১৭ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রভাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগত্যর্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে প্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতাহ্লারে কার্য্য করিয়। এবং বরিশাল মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অহ্মতি দিলেন।

এচ্, এচ্, রিসলী, বঞ্চদেশের গবর্গমেন্টের সেক্তেটরী।



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট।

### गक्रवाद. ১৮৯१ मान १ ডिस्मिवत ।

# চতুর্থ খণ্ড।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের পাণ্ডুলিপি।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্ট

ব্যবস্থা বিভাগ

নিম্নলিখিত আইনের পাণ্ট্লিপিখানি ১৮৯৭ সালের ৫ই নবেম্বর তারিখে আইন ও ব্যবস্থা প্রণয়নার্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মন্তি-সভায় উপস্থিত করা হইয়াছিল।—

১৮৯৭ দালের ১৯ নম্বর।

পেট্রোলিয়ম বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইন অধিক-তর সংশোধন করণার্থ আইনের পাণ্ডুলিপি।

পেট্রোলিয়ম বিষয়ক ১৮৮৬ সালের আইন অধিক-ভর সংশোধন করা বিহিত, অতএব এতদ্বারা নিম্ন-লিখিতমত বিধান করা গেল।—

সংক্ষেপ নাম ও আরতিকে পেট্রোলিয়ম বিষয়ক
১৮৯৭ সালের আইন বলা
যাইতে পারিবে, এবং

(१) ইহা অবিলয়ে আমলে আসিবে।

২ ধারা। পেট্রোলয়ম
১৮৮৬ সালের ১২ আই- বিষয়ক ১৮৮৬ সালের
নেব ৩ ধারায় 'পেট্রোলয়ম ''শক্ষের নৃত্তন অর্থনির্দেশ বসাইবার কথা।
বসাইতে হইবে, অর্থাৎ—

¹(১) '' পেট্রোলিয়ম " শব্দে--

ক) যে সকল তরৰ পদার্থ মাটিয়া তৈল, রাস্থ্য ভৈল, ব্রহ্মদেশায় তৈল, কেরো- সাইন, প্যারাফাইন তৈল, খনিজ তৈল, পেট্রোলাইন, গ্যাসোলাইন, বেঞ্জোল, বেঞ্জোলাইন ও বেঞ্জাইন নামে সাধারণতঃ খ্যাত;

- (খ) যে কোন আশুদ্ধলনশীল তরল পদার্থ পেট্রোলিয়ম বা পাথরিয়া কয়লা বা শ্লেটাকার প্রস্তুর বা উদ্ভিজ্ঞ বস্তুজাত মৃদ্ধিকাদি বা অন্য কোন আলকাতরার ভূল্য দ্রুব্য হইতে বা পেট্রোলিয়মজাত কোন বস্তু হইতে প্রস্তুত হয়, এবং
- (গ) অন্য দ্বোর সহিত পুর্বোক্ত কোন তরল পদার্থ মিশাইয়া যে কোন ওরল ব। আটাল মিশ্র হয় —

তাহাও গণ্য।

কিস্কু যে কোন তৈল সাধারণতঃ মহণ করিবার নিমিত্র ব্যবস্থাত হয়, এবং থাছার প্রভানির্গম হুল ফারণ-হিটের তাপমান যক্ত্রের তুইশত অংশ বা তর্পার হয় পোট্রোলিয়ম শব্দে তক্ত্রপাকোন তৈল বুঝায় না।

১৮৮৯ সালের ১২ আই-নের ৪ ধারায় মৃতন ৪ ধারায় নিশুলিখিত প্রকরণটি প্রকরণযোগ করবার কথা। যোগ করিতে হইবে, অর্থাৎঃ—

' (৩) মজিদভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গংগর জেনরল সাংহ্র রাজকীয় গেজেটে বিজ্ঞাপন প্রকাশ করিয়া নৃত্ন বা

A Bill to further amend the Petroleum Act, 1886.

পরিবর্ত্তিত পরীক্ষা ও ঐ স্কল পরীক্ষার আয়োজ্জন ও প্রয়োগার্থ উপদেশ নির্দেশ করিয়া এই আইনের ভক্ষসীলের পরিবর্ত্তন বা তাছাতে যোগ করিতে পারি-বেন। এবং ঐ ভক্ষসীল পরিবর্ত্তিত ছইলে বা

উহাতে যোগ করা গেলে এই আইনে ঐ তক্ষসীলের উল্লেখ হইলে তাহার এইরূপ অর্থ করিতে হইবে যেন উপস্থিত সময়ের ঐরপে পরিবর্ত্তিত বা যোগ করা ঐ তক্ষসীলের উল্লেখ হইয়াছে।"

### অভিপ্রায় ও হেতুর বিবরণ।

বং, বার্নিশ ও ঐরপ অন্যান্য যে সকল দ্রব্যের মধ্যে আশুজ্বলনশীল পদার্থ থাকে তাহার আমদানী, তাহা নিকটে রাখা ও তাহা চালান দিবার সম্বন্ধে সতর্কতা অবলম্বনের আবশ্যকতা বিষয়ে ভারতবর্ধের গবর্থমেন্টকৈ জ্ঞাত করা হইয়াছে ও এই বিষয়ে ঐঐঐয়তীর ফেট সেক্টেরী সাহেবের সহিত লিখন পঠনাদিও
চইয়াছে। এই জন্য পাণ্ডলিপির ২ ধারাক্রমে এক্ষণে প্রস্তাব করা যাইতেছে যে, পেট্রোলিয়ম বিষয়ক
১৮৮৬ সালের আইনের (১৮৮৬ সালের ১২ আইন) বিধান উক্ত রূপ পদার্থ সম্বন্ধেও খাটবে। যে সকল তরল
পদার্থ ইতিপূর্ব্বেই "পেট্রোলিয়ম " শব্দের অর্থের অন্তর্গত করা হইয়াছিল তাহার কোনটির সহিত অপর দ্রব্য
মিশাইয়া তরল বা আটাল মিশ্র প্রস্তুত হইলে তাহাও যাহাতে ঐ শব্দের অর্থ মধ্যে গণ্য হয় এইভাবে উহার অর্থ
প্রসারিত করা গেল। এই উপলক্ষে অর্থনির্দেশটি উৎক্রফতর আকারে রচিত হইল, কাজের পরিবর্ত্তন
এই যে কএকটি শব্দ সংযোগ করিয়া দেওয়া হইয়াছে মাত্র।

২। আইনের তক্সীলে যে সকল পরীক্ষা ও যন্ত্র নির্দিষ্ট হইয়াছে তম্ভিন্ন অন্য পরীক্ষা ও যন্ত্রও কোন কোন ছলে প্রয়োগ করিলে ছবিধা হইতে পারে দেখা গিয়াছে। এই কারণে পাণ্ডুলিপির ও ধারা দারা আইনের ৪ ধারায় যে সংযোগ বিহিত হইল ভাছা এই অভিপ্রায়ে করা গেল যে তাহার বলে মন্ত্রিসভাধিন্তিও শ্রীষুত গবর্ণর ক্ষেনরল সাহেব ইভিন্না গেজেটে সময়ে সময়ে বিজ্ঞাপন দিয়া ঐ তপসীল পরিবর্ত্তিত বা উহাতে সংযোগ করিতে পারিবেন।

সি, এম, রিবাজ।

জে, এম, ম্যাককাস ন,

ভারতবর্ধের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী। Chunder Nath Bose, Bengali Translator.

১৮৯৭ সাল ২৭এ অক্টোবর।



# গবর্ণমেণ্ট গেজেট

TUESDAY, DECEMBER 7, 1897.

# यक्लवात, ১৮৯१ माल १ ডिम्प्रित ।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

बहेग थल।

रेम् जिराद अपृष्ठ।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিবয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা বাকরগঞ্জ।—জযিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এডছারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগুলি এবং মহালগাল উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তলবী বাকী রাজক্ষে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ৫ জাম্মারি তারিখ মোং ১৩০৪ সনের ২২ পৌষ বুধবার নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেম্বর।

>	•	٥	8	e	•	•	•	>
ভৌজির নশ্ব ।	মহাল ৩ প্ৰগণার লাম ৷	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব শ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	ক্ষেত্রমাত্র অংশ বিক্রম ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে\সম্পত্তি বিক্রম হইবে ভাহার মালিকসংগর নাম।	কোন অংশ দাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের লদর ভ্যা	স্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহার বাকী	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহার ব্যকী।
8184	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	2020)	সম্পূৰ্ব মহা- লের মালিকী ফল্ক মিলাম হইবে।		হরকুমার সেন পং		<b>२०२</b> 8)	,
84•4	চর সমসদী বালি- গাও পং সায়েন্ডা- নগর।	7884)	B	•. •	দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।		98416	*****
8986	চর জ <b>ন্ধনা পং</b> উত্তর সাবাজপুর।	948)	d	•••••	ছরিয়োহন ঘোষাল	•• ••.	36,	•••
3 <b>9</b> ₹ <b>¢</b>	মেজি। চিকনীকান্দী পং চম্মন্ত্ৰীপ।	•••••	••••	এজমানী—  IARII(१ = 3/8  তিল অংশ নিলাম হইবে এড- দ্যতীত অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে	1	১७১৯५१		₹ <b>₩</b> \$ ₩
<b>3</b> 88.	তালুক বিশ্বনাথ সেন পং খাঞ্জাবাহাছর- নগর।	¢9010/3311	<b>সম্পূ</b> ৰ্ মহাঙ্গ নিজাম হইবে।		রামনারায়ণ সেন গং	*****	785I <b>∿</b> ⊱II	•••••
229	তালুক কতে মাহামুদ পং খাঞ্জাবাহাহ্র- নগর।	ه له حاده	æ		রাখালচন্দ্র রায় চৌধুরী গং।	894 641	25/4	*****
5899	ভালুক সোক্ষদিন খাঁ গং পং বোজরগো- মেদপুর।		•	এজমানী—  ৸১১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম  হইবে। এড-  হ্যতীত অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে  না।	ক্লফকিশোর নিয়োগী গং।	3 · 8 º H J 8		१७।८८४।।

,	<b>\</b>	9	8	¢	٠.	9	ь	>
তৌজির নশ্বব !	মহা <b>ল ও প</b> র্গণার নাম।	সভ্গ মহাজ্যে সদর ক্ষমা।	मण्पूर्व महान विक्रम हहेंदर कि मा।	क्विन भोज अश्म विक्रम इंडेटन के अश्म वा केश अश्टमंत्र विटमंग विवस्त	त्य मन्त्राख । यक्त्र इट्ट्र	কোম অংশ মাত্র বিক্রন্ন হইলে ঐ অং- শের সদর ক্রমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রেয় হইলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে ভাহা বাকী।
4784	কিশ্মত তেওডা, পাওডা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ- পুর।	¢28%	मण्णृं ग्रहान विनाय इहेटर ।		দৈবনাথ দক্ত চৌধুরী গং।		ا ( در له ۱۹ هـ	••••
२१०৮	জমিদারী পং উত্তর দাবাজপুর।	289814/¢	(d)	••••	আনক চক্র রায় গং।	•••••	\$\c2\%	*****
7976	(১ • গণ্ডা জমিদারী তপে হাবেলী সীলিমাবাদ।	2 08 6 1 4 3 1	( ا	•••••	দৌদামিনী <b>গুপ্তা</b> গং।		<sup>C1</sup> 674	*****
<b>e</b> २ ৫ %	চর উমেদ মহালাধীন ৬৪ বং যোক্ত পং জন্দীয়া :	844/9	সম্পূৰ্বযোত নিলাম হইবে।	•••••	ছরিচরণ হাওলাদার গং।	••••	२७४५७	•••••
<b>e</b> 280	চর পদ্মা মহালাধীন ১ নং গরসকররি ভালুক গুপিক্ক কন্দ্রোপাধাায় পং দক্ষিণ সাবাজপুর:		সম্পূৰ্ব তালুক নিলাম ছইবে		বিহারী <b>লাল রা</b> য় চৌধুরী ।		(88)	•••••

টিকা।—যে দ্বলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ এ৯ হতে কোন অংশ মাত্রবিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে গেই দ্বলে টছা বৃথিতে ছইবে য ঐ অং শের নিমিত বত্র ছিলাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য ।অংশ বিক্রয় হয় লা।

B. Bell,

Offg. Collector.

#### জिना गोका। - अभिनातौ विकासित विकासित।

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ গরামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিধিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদার হইকার আদেশ আছে তাহা আদার করিবার নিমিত ১৮৯৮ সালের ৬ই জাহ্মারি তারিখেঁ নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ১ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া খাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

,	2	٥	8	t	, ,	4	<b>&gt;</b>	
তৌঞ্জির নম্বর।	মহাল ও পরস্থার নাম।	স <b>স্</b> র্গ মহালের সদব ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিজ্ঞায় হউবে কিন্সা।	কেবলমাত্র অংশ বিজয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ নিববণ।	যে সম্পত্তি বিশ্রুয় ছইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হুইলে ঐ অংশেব সদব ক্যা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হউলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্থ হউলে ডাহার বাকী।
78	भः वन्मत्राचीना यः गामूमताच्या ।	36904€ 3•11	•	অবশিষ্ট	भगीक्यात (भाष्मात १९।	<b>ઢ</b> ડહા!જર મ	•••••	२७१¦i•
2•30	চর মৃজাপু <b>রের মধ্য</b> - গত সালিনা ওরকে চক হরিচরণ।	983)	ষোলআনী	••••••	कृष्ण्डस्य माश गः	-	<b>ን</b> ዓቝዛ <sub>•</sub> ⁄	*** ,*

DACCA COLLECTORATE,
The 18th November 1897.

ORHOY COOMAR SEN,
For Collector.

# জেলা বাঁকুডা।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মলিকি স্বত্ন আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ভ অম্প্রসারে উক্ত বাঁকুডা জেলার কালেইরিতে ১৮৯৮ সনের ১লা কেব্রুয়ারি তারিখ যোতাবেক বাজলা ১৩০৪ সনের ২০শে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিদামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে,—

#### নিলামের সর্ভ।---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেকা অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহান্সের খরিন্দারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরম্বরূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণয়েন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের ঐতি পর্য্যাপ্ত इक्टित ।

দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এই ক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে দকল খোদখান্তা ক্লমক প্রজা দ্বারা দক্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ত স্বাকার করিতে খরিদ্দারগণ বাধ্য

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার অন্ধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতর্থ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার ঊর্দ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রছরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ক উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রছরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্দারের দায়িত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভৌজিব নশ্ব।	মহাল ও প্রগণার মাম।	একবের হিসাবে যত- দূব জানা যায় ভূষির অফুমানিক পরিমাণ।	গ্রব্দেশ্টের রাজক থাহা ধার্য্য হই- য়াছে।	- মন্তব্য।
b⊷ o	আমরাণী পরগণে বিষ্পুর ···	মোট মহালের ৩ কাগ অংশ।	।১০ চারি আনা দশ- পাই মাত্র।	থানা বিষ্ণুপুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম- নিবাসী দিনময়ী দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সার্টিফিকেট জারিডে গবর্ণমেন্ট কর্জুক প্রকাশ্য নিলামে খরিদ করা হইয়াছে।

কালেইরের কাছারি, জেলা গ্ৰৈড়া, ভারিখ২ ০শে নবেছর ১৮৯৭

G, E. MANISTY,

Collector .

#### किना बनीस।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিশ্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নদীয়া জেলার কালেক্ট্রবিডে ১৮৯৮ সনের ১০ই জাহুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাল্ললা ১৩০৪ সনের ২৭শে পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে। —

#### নিলামের সর্ত্ত।---

- প্রথম। নিলামের শময়ে কালেক্ট্র সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন ভাহার উপর যে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে ভাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রম্ন হইবে। এই মহালের খরিন্ধারকে ইহার মালিক স্বন্ধপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে ভাহা চিরস্বরূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে এ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিন্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- ৰিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দারায় থে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ থে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভে-নিউ কার্য্যকারকগণ দারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী থে সকল খোদখাস্তা ক্রমক প্রাক্ত দারা দত্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য হইবে।
- তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অন্ধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
  চতুর্থ । নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উর্দ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
  একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদব্ধি
  পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ
  দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি
  হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানও
  করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে ) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার

নিলাম হইবে।

একংবৰ হিনাবে গ্ৰণ্মেণ্টেৰ

যত্ত্বৰ শ্ৰাম্ম্য বাজ্ঞ মাহ্য

ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি ধরিদ্দারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায়

কালেক্টরের কাছারি জেলা নদীয়া ত ়িখ ৪ঠা ডিসেম্বর ১৮৯৭ সাল।

R. A. Rossiter, For Collector.

#### জিলা নোয়াখালি।

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে ষে, নােয়াখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেকুর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজন্মের নাায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জাম্মারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য ব্যব্দারার অংশ বিক্রয় হয় না।

>		٥	8	a	4	•	-	5
তীজির শস্ব।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদব কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় গুইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবৰণ।		কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ঐ অং শেব সদর ক্রম।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহাঃ বাকী।
\$22	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	>>>• <b>9</b> ,	मण्णृर्व		বাবু উপেন্দ্রচন্দ্র দত্ত মেনেজার অব মিস কোর্জন ফেট ও বাবু রঘুনাগ প্রসাদ তে ওয়ারি গং।		د د د د ال	
			খাদ মহ	ল টেনিউর —				
443	চর শুলুকিয়ার ৯ নং গং মং হাওলা	७३৮५५	मण्णूर्व		ওয়াজন্দিন ঘাট মাজি।		3820	•••••
<b>७</b> ७२	আবগুল রহমান।  চর ম্বধরা গংমং  হাওলা আজ্ঞান-  ভুলা গং৮০ নং  দখল।	9 a <b>b 4 <sub>9</sub>/ 9</b> :	d ·		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিভাবক জানিবে সচিনাথ গুহ।	••••	اه ۱۱ م	••••
८१১	চর গাজির ১ নং দখল।	२०२१।८४	<b>ज</b> े	•••	জমিয়ত আলি	•••••	86910	
<b>693</b> 656	এই চরের ২ নং দখল চর আলেকজেপ্তারের ১ নং গং মং		A A		র্জ নবকুমার বস্থ	*****	ও৭৩I৴ঙ ১৩৬৵৯	•••••
<b>ሁ</b> ታሪ	হাওলা। ঐচরের ২ নং গং মংহাওলা।	<b>48242</b>	Ď	•••••	À		390100	

S. K. AGASTI, Collector.

#### জिना वर्षमान ।-- अमिनादि विक 🚉 द विकाशन क ।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিশ্ব নিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকী রাজত্ব ও জনা যে সকল দাবী আইনান্ত্রসারে বাকা রাজত্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিক্ত আগামী ১৮৯৮ সালে: ৫ জান্ত্রয়ারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে

;	2	•	8	¢	9	j	, F	>
তৌভির নমর।	মহাল ও প্ৰয়ণ্য নাম ৷	সম্পূর্ণ মছা- লের সম্বর জন্ম	সম্পূৰ্ণ মহ স বিজ্ঞায় ছইবে কি লা।	কেবলমাত্র অংশ বিজ্ঞায় হটলে ঐ অংশ বাঐ বজংশের বি- শেষ বিবৰণ।	দে সম্পত্তি বিজ্ঞন্থ হইবে ভাষার ঘাণিকগণেব নাম।	-> >	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় চইলে ভাহাৰ বাকী।	wiles ( a 180 24
93	মহাল পাটুলী পর গণা পাটুলী।	e 96 5 40		কেবল মূল মহাল নিলাম হইবে অন্যান্য অংশ নিলাম হইবে না।	নবিনচন্দ্ৰ চেপুৱী	₹ <b>₩</b> \$₽ <b> </b> / <b>5</b> •		88(4

টক। - যে স্থানে উপবেব লিখিত বর্ণনাপারের ৫, ৭ ও ৯ ছাবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হাবে বলিখ লিখিত ভগছে দেই সূলে ইচা বুঝিতে ছইবে 'য ঐ অংশের নিমিত শ্বাস্ত্র 'হ্যাব্রেখা চইবা শাকে ও মহালের অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

C FISHER,
Collector.

#### किन। वौत्रज्ञ ।--अभिमाति विकासत विकाशन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে বারভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখি মহালপ্তলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্যযে সকল দাবী আইনাম্নসারে বাব রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য ভাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জামুয়ারি তারিখে বেলা ১ টার সম্নিলামে বিক্রায় করা যাইবে।

2	ર		8	ζ	•	٩	b	۵
তৌজীব নধব।	ম <b>গল</b> ও প্ৰগ্ৰাৰ নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰেয় হুইবে কিনা।	কে .ল মাত্র অংশ বিক্রয গ্রন্থ ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র ক্রান্ত্র অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রুয় চইবে তাহাব মালিকগণের নাম	কোন অংশ মাঞ্জবিক্রয চইলে ঐ অংশেন সদব জম:।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাজ বিক্রম্ব হউলে ভাঙার বাকী।
२७8 <b>न</b> ः	অমিজাপালন পর- গণা খটন্দা থানা সিউজী।	1	•	এজমালি অংশ— দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে আপ্তি, দেবীপুর, জকল জমা ও আমড়াপালন মৌ- জায় রকম যোল আনা, এই অংশ ভিন্ন মহ;লের অন্যা কোন অংশ নীলাম হইবে না।		446hJ0		94/9

চীকা।- যে গতেল উপজের লিখিত বৰ্ণাপত্তের ৫. ৭ ও ৯ ছবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিও আছে দেই স্থান ইছা ব্থিতে ছইবে যে ঐ অংশে নিমিত্ত অংশ তির বিসাৰ-বাধা হইরা থাকে ও উপরি লিখিত অংশ তির মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRBHUM COLLECTORATE,
Dated Suri, the 18th November 1897.

F. N. FISCHER, Collector.

#### জিলা নদীয়া। জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১০ আইনের ৬ ও ১০ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেইর সাহেবের আফিসে বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাব এচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজ্ঞথের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আহে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১০ জাহ্মারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত ব্যনাপত্তের ৫,৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেইস্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখ। হইয়া খাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

5			8	a	,	4	•	•
(ড}কিব নম্ব ৷	মছাল ও প্ৰগণাৰ নাম ৷	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদ্ধ ক্মা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম ছইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় স্টালে ঐ অংশ ব। ঐং অংশেন বিশেষ বিধ্বন।	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় চইবে ডাহাৰ মাজিকগণেৰ নাম।	কোন অংশ মাত্র থিক্রয় হঃলে ঐ অংশেব সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাঞ্জ বিক্রেথ হইলে তাহা বাকী।
2	মহাল আলমপুর পর- গণে আলমপুর।	৯২৯৬৬॥∕৮ পুলিস ১০৪৯৮৮৫	না	১। ০ নং অংশ । ৫৮৪। ৫১০ উক্ত অংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিক্ৰয় হইবেক না।	কালী প্ৰসন্ধ ঘোষ	४२७७ <b>१/७</b> পুলিস ৪৮२।৫		२ ७ ३ । । ४ ८
<b>১७१न</b> ः	মহাস হ্বরা প্রগণে পাচ নউর।	১৯৪১৩৮/১ পুলিস রেজিনিউ ২১৩/১৪	না	১৬৭।২ নং অংশ /১৪।১৬॥,/০ উক্ত জংশ ব্যত্ত অন্য অ•শ বিক্রয় হইবে না।	সারদা প্রসাদ স্থর ভবানীপ্রসাদ স্থর অন্ধপূর্ণ। দাসী দিগর।	२००७५७ পুनिम २२/೨	••••	9  } •

[LLEGIBLE.]

Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for each only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### खुतच् मिन्दकाना।

কলিকাডান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থারিক্টেণ্ডেন্টের নিকট গবণ-মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নালখিও মূল্যে প্রবন্ধ দিনকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ।।। টাকায়, আট ঔপ টিন ৫- টাকায় ও এক পৌও টিন ১০, টাকায়, পাইবেন । সর্ব্যাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থারিনেট্ভেন্টের নিকট নগদ মূল্য দিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬- টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার গ্রেধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেডাগণ ও এই ঔষধ বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ষ হার ছাড়া চারি ঔপ টিনের।০, আট ঔপ টিনের।।। ও এব পোও টিনের ৭০ ডাক মান্ত্রশ দিতে ইইবে। বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কুইনাইন।

১৮৯৬ সালে ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা-

১ এক পোঁও টন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইছা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্সট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ভাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয়

ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

				Ks.	A.	P.	
Entire Gazette	•••	• • •		10	0	0	per annum.
	Postage			2	8	0	**
Parts III, IV, V,	and VI, cor	itaining the	Acts				
and Bills of the	Legislative (	Councils of	India				
and Bengal		•••		1	0	0	1)
O	Postage	***	•••	1	0	0	**
For a single copy	-						
Entire Gazette	•••		•••	0	4	0	
	Postage	•••	•••	0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••		0	1	0	for 4 sheets or under
							with an additional charge of 1 anna for every 4 sheets in excess of 4.

Postage ... 0 1 0

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. Bakes.

Offg. Under-Secretary to the Goot. of Bengal,

#### বিজ্ঞাপন।

১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রুয়ারি।—বাঙ্গালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্যান্থল এই অবধি নিম্নুলিখিত হারে অগ্রিম দিতে হুইবে :—

	यकः मट	1			<b>होका</b> ।	
সম্পূর্ণ গেডেট	•••		•••	বৎসর	30-	
ডাক <b>মান্ত</b> ৰ			•••	"	रे॥•	
৬ ৩ ঃ ও ৫ ও ৬ খণ্ড	( যাহাতে ব	চারতবর্বের	ও বজ-			
দেশের ব্যবস্থাপব	সভার ও	पांचेन 🥶 🤊	<b>শাইনের</b>			
পাণ্ঠলিপি থাকে )		•••	• • •	,,	3,	
ভাক্ষাত্রল		•••	• • •	77	١, ١	
সম্পূৰ্ণ একখানি গেজেটে	র মূল্য	• •	/40	79	1•	
<b>ডাক্যাহ্</b> প	•••	•••	•••		/ •	
0 6 8 6 6 4 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6	( প্রত্যেক	৪ পৃষ্ঠা বা	তাহার			
<b>ন্</b> য়ন সংখ্যক <sup>(</sup>	পৃষ্ঠার মূল্য)	•••			/  ৪ পৃষ্টার উপর যদ অধিক হর তাহার প্রভ্যেক	
					৪ পৃষ্ঠা প্রতি জার একং জানা।	
ডাক্যান্থল				•	/>	

#### কলিকাঙায়।

কলিকাডায়, ও ধ্বঃশলে সমান মূল্য, কলিকাভায় কেবল ডাক্মাহল লাগিবে না

र, अब, ध्वकाव।

ৰ জাদেশের গবর্ণমেটের এক্টিং ছোট সেকেটরী।

#### The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

. The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the eraminations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country-Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or officers under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

12th December 1882.

NOTE.—Rates of advert	isement	s in the CALCU	PTA GAZETT	K.
Full page, per issue	•••	***		Rs. 20
Half ,, ,,	***	•••	***	10
Casual adver	isemen	t-4 annas per	line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বালালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এং গেজেট দেওয়া ঘাইবে মা, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিভাপন একাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেন্তি বাঞ্চাল সেক্রেটারিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিছা উক্ত ছাপাখানায় কোন কৰ্ম করাইতে চাহিলে ভদ্মিতি নগদ মূল্য দিতে হইবে এভদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকোটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন গোল ব্যক্তিকে কোন পৃত্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মুল্যের নিমিত্ত ভাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকেণ্টি বাদ দিবার জম্যে টাকার উপর আর 🗸 • এক ৰানা পাঠাইতে হইবে।

> नि. खदनिए वन्हेंस. वक्राप्रान्था भवर्गायक्षेत्र (क्राप्टे म्याक्रिकेते ।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

১ খব্য – কলিকাতা গেলেটে ইপতিহার প্রকাশ করিবার	शत करेरा-				। कार्च
· পুৰা এক পুঞা একং বার প্রকাশ করণের	•••		•••		200
জাধ পৃষ্ঠা	***	•••			>
কথ্য কথ্য ইশ্ডিখায় প্রকাশ করিতে তুইলে	444 416			A40	10

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annas for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B .- Copies are still available.

#### वाकाक मिटकोतिसारे यखानस विकसार्थ चाट्य ।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বল্পদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন জ্বাজ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাছেবের প্রনীত বল্পদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূষ্যধিকারীর ক্ষাজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মূল্য, ে পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তুক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকেণ্টান্টের নিকট একং থানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ভাকে পাঠাইবার খরচ।/ • পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য ।— উক্ত পুস্তুক এখনও পাওয়া ঘাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকার্য্যোপদক্ষে বলদেশের মাজিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেড ব্যুবাট টোন হালের হাভায় ছিত বলদেশের গ্রথমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেজি-ফ্রারের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পুক্তক কলিকাতার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটীতে জ । করিতে পাওয়া যায়।

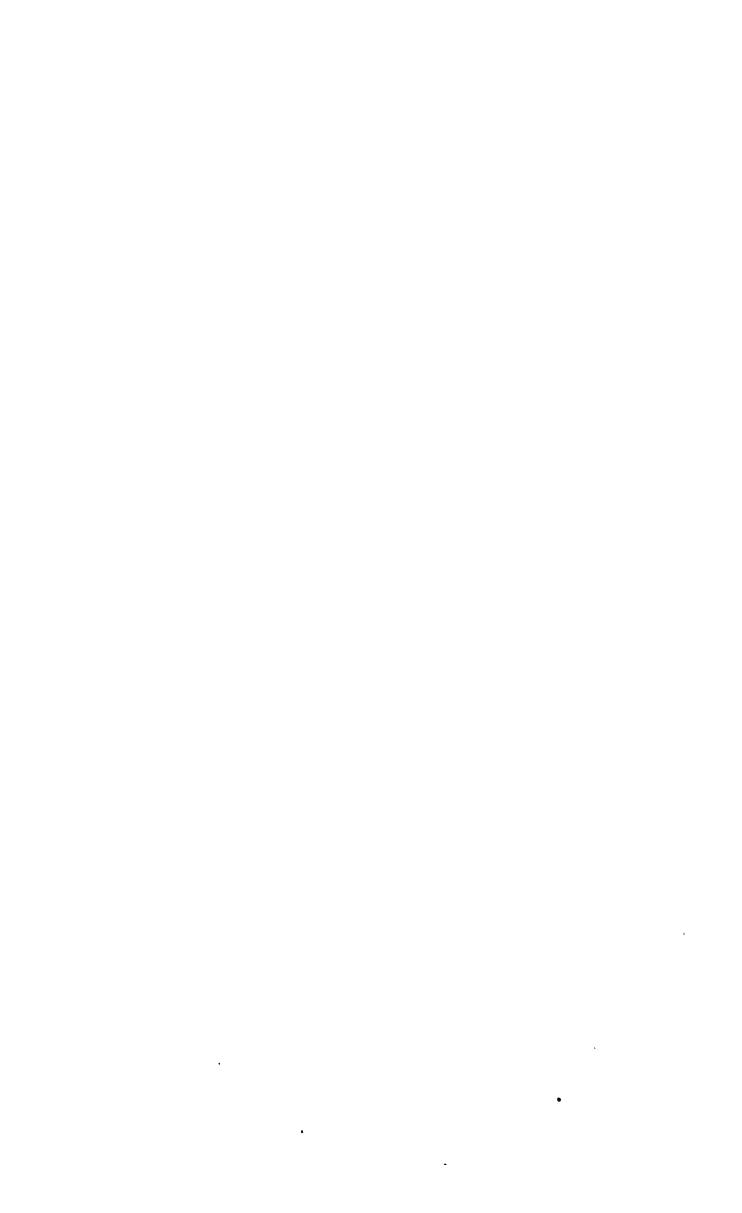
#### বিজ্ঞাপন ।

সাধারণকে এতদ্বারা অবগত করা ঘাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত মুন্সিগঞ্জের নিকট ধলেশ্বরা নদীর তটে প্রতি বৎসর যে কার্ত্তিক বারুণী মেলা হইয়া থাকে তাহা খুটীয় ১৮৯৭ সালের ২৫এ নবেম্বর অর্থাৎ বান্ধালা ১৩০৪ সালের ১১ই অগ্রহায়ণ তারিখে আরম্ভ হইয়া ১৮৯৮ সালের ৫ই জায়য়ারি তারিখ পর্যান্ত থাকিবে। ব্যবসায়ী ও বিক্রেভাগণ ও অন্যান্য ব্যক্তি এই ছয় সপ্তাহ কালের মধ্যে ক্রয় বিক্রয় করিতে পারিবেন।

জিলা বোর্ডের আপিস, ঢাকা, ১৮৯৭ সাল ২৮এ অক্টোবর।

কে, মহম্মদ ইউন্নফ্, চেয়ারম্যানের পরিবর্ণ্ডে।

কলিকাতা ৰোগিডেন্দ্ৰী কেল মন্ত্ৰালয়ে গবৰ্মেটের জন। আযুত তেম্ম পেটা সাহেব কণ্ট্ৰ মৃত্তিত ও প্রকাশিত হইল।



REGISTERED No. 3.

Mumb. 3046 [2088]





# গবর্ণমেন্ট গেজেট।

TUESDAY, DECEMBER 14, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৪ ডিসেম্বর।

CONTENTS.	- 1
Pag	3. fa48 i
PART I.—Resolutions, Orders and Notifica-	<b>१</b> वे। :
tions of the Government of India N	ট. অধ্য বভ।—ভারতব্যীর গ্রপ্থেটের নির্ছারণ
PART II.—Resolutions, Orders and Notifics-	আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি নাই।
tions by the Lieutenant-Governor	বিতীয় খণ্ড।—বঙ্গদেশের গ্রথমেন্টের নির্ছারণ,
of Bengal N	টে. আদেশ ও বিভাপন প্রভৃতি নাই
PART IIA.—Orders by the Lieutenant-Gover-	विक्रीय क थल। —वक्राम्यत्र गवर्गायाचेत्र कारक्य ১১৯ -১३.
nor of Bengal 119—13	20 🛊 ভূতীয় খণ্ড।—ভারতবর্ষীয় বাবন্দাপক সভার প্রণীভ
VART III Acts of the Legislative Council of	चाहेन नाहे।
India	ारे.   इकुर्व थल। - अत्रव्यवीय वावन्यालक मछात खावेटमन
PART IV.—Bills of the Legislative Council of	পাতৃলিশি নাই
India N	ारी. शक्य वर्त्त।—वन्त्रीय वावन्द्रांशक मचात श्रेगील आहेत नाहे।
PART V Acts of the Bengal Council N	िंथे. वहे थल।—वजीत वावन्यानक मखात जाईदसर
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Vil. পাছলিপি নাই /
l'ART VII Circular Orders by the High	সভম খণ্ড।—ছাই কোটের ৩ বেবিনিট বেটের
• Court and Board of Revenue .	Vil. সাধারণ ভাপমপত্র নাই
PART VIII.—Advertisements 607—	
SUPPLEMENT	Vil. भित्रिमिक्टे शवर्षस्यक्षित्र रगरक्षे वाहे

#### PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় 🔻 খণ্ড।

वक्षात्मव शवन्यक्षेत्र चारम् ।

#### ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 5267M.—The 1st December 1897.—It is hereby notified for general information that the Lieutenant-Governor is pleased, in the exercise of the power conferred on him by section 414 of the Calcutta Municipal Consolidation Act, II of 1888, to confirm the following revised bye-law relating to the wearing of metal tickets by the drivers of carts, which has been framed by the Commissioners of the Calcutta Municipality under section 412 of the said Act:—

"Every driver of a registered cart shall, at all times while acting as such driver, wear a metal ticket exposed to view, marked or orgraved with a number corresponding with the registration number of the cart; and such ticket shall, on application, be delivered by the Commissioners free of cost at the time of the registration of the cart to the owner or the person in charge at the time for the use of the driver of the cart for the time being. On the expiry of the period for which such license is granted, the owner or person in charge of the cart is bound to return such ticket to the Commissioners. But in the case of the words or figures on the metal ticket becoming disfigured or obliterated, or of a metal ticket being lost or stolen within the period for which such ticket is issued, a duplicate ticket may, with the sanction of the Commissioners, to issued on payment of a fee of two rupees."

H. H. RISLEY, Secy. to the Gort, of Bengui.

বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেণ্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

#### মুনিসিপল ও স্থানীয়।

#### বিজ্ঞাপন।

৫২৬৭ এম্, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ১ ডিসেম্বর।—সাধারণের অবগত্যর্থে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, প্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবের প্রতি কলিকাতার মুনিসিপল আইন সংগ্রহ বিষয়ক ১৮৮৮ সালের ২ আইনের ৪১৪ ধারামতে যে ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে ডদ্মসারে কার্য করিয়া তিনি গব্দর গাভ়ির গাভ়ওয়ানদের ধাতৃনির্থিত টিকিট ধারণ করণ সম্বন্ধে উক্ত আইনের ৪১২ ধারাক্রমে কলিকাতা মুনিসিপালিটীর কমিশনরদের প্রণীত নিম্নলিধিত সংশোধিত উপবিধি দৃঢ় করিলেন।

"রেজিন্টরীকরা গরুর গাভির প্রত্যেক গাভওয়ান গাড়ী চালাইবার সময়ে সকলে দেখিতে পায় এমন করিয়া একখানি ধাতৃনির্মিত টিকিট ধারণ করিবে। গরুর গাড়ির রেজিন্টরার যে নম্বর ঐ টিকিটে সেই নম্বর চিক্লিত বা খোদিত থাকিবে। দরখান্ত করা হইলে, যখন যে গাড়ওয়ান থাকে তাহার ব্যবহারের জন্য গাড়ী রেজিন্টরী করিবার সময়ে কমিশনরগণ বিনা খরচায় এইরূপ একখানি টিকিট গাড়ির মালিক বা গাড়ী যে ব্যক্তির জিল্মায় গাকে তাহাকে দিবেন। যে সময়ের নিমিত্ত লাইসেপ দেওয়া যায় তাহা অতীত হইলে গাড়ির মালিক কিছা যে ব্যক্তির জিল্মায় গাড়ী থাকে সেই ব্যক্তি কমিশনরগণকে ঐ টিকিট ফিরাইয়া দিতে বার্য। কিছু যে সময়ের নিমিত্ত শাতুনির্মিত টিকিট দেওয়া যায় যায় যায় যায় বিদ্যা ঐ টিকিট খোয়া বা চুরি যায় তবে ওই টাকা ফি দেওয়া গোলে কমিশনরগণের মঞ্বির মে দোকর টিকিট দেওয়া যাইতে পারিবে।"

এচ্, এচ্, রিসলী, বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টেস সেক্রেটরী :



# गवर्गायक (भारकि

TUESDAY, DECEMBER 14, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ১৪ ডিসেম্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

जहेम थउ।

ইশ্তিহার প্রভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্তাহার।

#### জিলা বাকরগঞ্জ ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতন্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তলবী বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ৫ জাহুয়ারি তারিখ মোং ১৩০৪ সনের ২২ পেষি বুধবার নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেশ্বর।

<b>)</b>	₹		8	¢	8	9	b	
ভৌজির লম্বর।	মহাল ও প্ৰগণাৰ কাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব সদব কমা।	্ সম্পূর্ণ মহাল বিক্রম হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহাব মালিকগণেব নাম।	कान अश्म माज निक्य इटेडन थे अश्टमंद भनद क्रमा ।	স <b>ভ্পূৰ্ণ মহাল</b> বিক্ৰেম হুইলে ভাহাৰ বাক <sup>ী</sup>	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাষা বাকী।
8484	পদ্মা ওরফে রম- জামপুর পং কাশীম পুর সেহলাপট্টী।		সম্পূর্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ত নিলাম হউবে।		হরকুমার সেন গং		2028)	
8 <b>ს ∘ ¢</b>	চর সমসদা বালি- গাও পং সায়েন্তা নগর।	1	· G		দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।		48416	
8 <b>4</b> 8 <b>&gt;</b>	চর জন্ধলা পং উত্তর সাবাজপুর।	968)	Ġ	• • • • • •	হরিমোহন ঘোষ।ল	e+ 74	رمود	
3 9 2 6	মৌজা চিকনীকান্দা পং চন্দ্ৰস্থীপ।			এজমালী —    । । । । । । । । ।   ।		202249		रेक्प प्रश्लेष
7%%3	তালুক বিশ্বনাথ সেন পং খাঞ্জাবাহাতর- নগর।	49010/3311	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।	······	রামনারায়ণ সেন গং	***	28510/41	******
PEGC	তালুক ফতে মাহামুদ পং খাঞ্জাবাহাত্র- নগর ৷	ه له حاده	ď	•••••	রাখালচন্দ্র রায় চৌধুরী গং।	•• •	52.6	44
<b>ऽ</b> ।५ <b>१</b> ९	তালুক সৌজুদ্দিন খাঁ গংপং বোজরগো- ঘেদপুর।			৸১১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে। এত দ্যাতীত অন্য		১ ^ ৪ ত ৸ ৶ ৪ ,		२ ७१ च २ २ ११
				কোন জংশ নিলাম হইবে না				

,	₹	9	g	Ċ	10	<b>1</b> 9	ь	۵
তৌ জিব নপ্ত	মহাজ ও প্রগণার নাম। -	স <b>ল্পূৰ্ণ মহালে</b> ব সদ্ধ জম্ <b>।</b>	্সম্পৃথি মগল বিক্ৰম চইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় চইলে ঐ অংশ ব: ঐ অংশের বিশেষ বিবৰণ	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মান বিক্রয় হইলে ঐ অং- শেবসদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিশ্ৰুষ হুইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে তাহার বাকী।
¢28¢	কিশমত তেওভা, পাওভা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ- পুর।	¢384°	সম্পূর্ণ মহাল মিলাম হইবে।	••••	দেবনাথ দক্ত চৌধুরী গং।		۵۵4۵۵۵	•••••
२१६४	জমিদারী পং উত্তর শাবাজপুর।	28981%€	À		আনন্দ চন্দ্র রায় গং।	*****	ऽ७ऽ.√ <b>४</b>	
7976	(১ ° গণ্ডা জমিদারী তথেপ থাবেল। সানিমাবাদ।	2 - 84 19911	ď	******	শোদ।মিনী শুপ্তা গং।		22 2 m 411	
a 2 a 15	চর উমেদ মহালাধীন ৬৪ ন° যোত পং জজীৱা।	20000	সম্পূর্ণ যোত নিলাম হইবে।	······	হরিচরণ হাওলাদার গং ৷		<b>২৩</b> ১৯৬	
<b>€</b> ₹85	চর প্রা মহালাধীন ১ নং গরমকররি ভালুক গুপিক্বাধ বন্দ্যোপাধ্যায় পং দক্ষিণ সাবাজপুর:		1		्विश्वती लाल द्वास (	· · ·	/ <b>%</b> `.	

ট কা।— যে শ্বলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তাব ৫, ৭ জ ৯ ঘবে কোন অংশ মা এবি এয় হ ইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই শ্বলে ইচা বু খতে চইবে ্য এ আংবেশুৰ নিমিত ঘতত্র হিসাবে ব'থা হ ইয়া থাকে ও মহালেয় অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় লা।

P. Pell,

Offg. Collector.

#### জিলা ঢাকা।-জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া গাইতেছে যে ঢাকা জিলাব অন্ধর্গত নিম্লিখিত মহালগুলি ব মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে ভাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ৬ই জান্ত্যারি তারি ই নিলামে বিক্রয় কবা যাইবে। যে জলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তির ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিও আছে সেই জলে ও অংশের নিমিত্ত পতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য সংশ্বিক্য হয় না।

5	2	ષ્	8	tr.	<b>b</b>	! ! •	b	
তৌঞ্জির নথর।	মহাল ও প্রগণার নাম। ·	সম্পূর্ণ মহালের সদর জ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মঙাল বিক্ৰেয় কইবে কি.ন.।	কেবলমাত্র অংশ বিশ্লুয গুইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিহুবণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম ছইবে তাঙাব মালিকগণেব শাম।		।   সম্পূৰ্ণ মহাল   বিক্ৰাণ হউলে   ভাহাৰ বাকী।	
. 78	পং বন্দরখোনা মং মামুদরাজা।	3690Har 3011	•	অবশিষ্ট	শশীকুমার পোদ্ধার গং।	કેટહા!એર મ		રહવાારા
٥٠ ٥ و	চর মৃজাপুরের মধ্য- গত সালিনা ওরফে চক হরিচরণ।	98 <del>₹</del> )	যোলআনী	<b>.</b>	রুষ্ণচন্দ্র সাহা গং	•• ··•	39649/	

DACCA COLLECTORATE, The 18th November 1897. OKHOY COOMAR SEN,
For Collector.

#### জেলা বাঁকুডা। নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওটা ঘাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্মলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মলিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্মলিখিত নিলামের সর্ত্ত অন্তসারে উক্ত বাঁকুড়া জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৮ সনের ১লা কেব্রুয়ারি তারিখ মোভাবেক বাললা ১৩০৪ সনের ২০শে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্যু হইবেক।

খরিন্দারগণকে নিমের লিখি গ নিলামের সর্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে,—

#### নিলামের সর্ত :--

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিট করেন ভাছার উপর থে ব্যক্তি সর্ব্বাপেক। অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে ভাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিন্দারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে ভাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্গমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিন্দারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং
  এই ক্ষণ যে সকল পাটা বর্তমান আছে এই নিলামে তালা বলবৎ থাকিবে এবং
  রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা
  রুষক প্রজা দ্বারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বাকার করিতে খ্রিদ্ধারগণ বাধ্য
  হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০% টাকার অনধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্গ। নিলামি মূল্য ১০০, টাকার ঊর্দ্ধ্য হউলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
একাংশ ডৎক্ষণাথ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া ডদবধি
পঞ্চদণ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা
ঐ দিবস কোন পর্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে ভোহার পরে প্রথম যে দিবস
কাছারি হইবে সেই শ্বিস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা
আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম
হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্ধারের দায়িত্বে এই
মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

েতাজিব নপুব।	মহাল ও প্রগণার নাম :	একবেব ভিপাবে যত- দৃর জানা যায ভূমিব অমুমানিক প্ৰিমাণ।	গ্ৰণ্ডিমণ্টেৰ রাজস্ব যাহা ধাৰ্য্য হট- য়াছে	মন্তব্য।
<b>b</b> - o	আমরাণী পরগণে বিস্থুপুর · · ·	মোট মহালের ৩ <sup>†</sup> কাগ অংশ।	1	থানা বিষ্ণুপুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম- মিবাসী দিন্ময়ী দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সার্টিফিকেট জ্ঞারিতে গবর্ণমেন্ট কর্জ্ক প্রকাশ্য নিলামে খরিদ করা হইয়াছে।

কালেক্টরের কাছারি, জেলা<sup>ই</sup>াকুড়া, ভারিখ২০শে নবেশ্বর ১৮৯৭ <sub>ট</sub>

G: E. MANISTY,

Collector

#### किना बनीया।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্ধারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ভ অহুসারে উক্ত নদীয়া জেলার কালেক্ট্ররিতে ১৮৯৮ সনের ১০ই জ্ঞাহুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাজ্পলা ১৩০৪ সনের ২৭শে পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় ইইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে। —

#### নিলামের সর্ত্ত।---

- প্রথম। নিলামের শময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের থে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর
  যে ব্যক্তি সব্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সমত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয়
  হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং
  যে রাজস্ব ধার্য্য হইরাছে তাহা চিরগুরূপে গণ্য হইরা এই ম্হালে গবর্ণমেন্টের যে
  মালিকিস্বত্ব আছে এ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- দ্বিতায়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ ইইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভে-নিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্লমক প্রজা দ্বারা দন্তখত ইইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থাকার করিতে খরিদ্দারগণ বাধ্য ইইবে।
- তৃতায়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
  চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উর্দ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের
  একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবিধি
  পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ
  দিবস কোন পর্ব্ব উপালক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি
  হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত
  করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
  নায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্দারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায়
  নিলাম হইবে।

তৌ <del>জি</del> ব নস্ব !	মহাল ও প্ৰগণ্ধ নাম।	একবেব হিপাবে যতদূব জান। যায ভূমিব অফুমানিক প্ৰিমাণ।	গ্ৰণ্ডেত্ত্ব ৰাজস্ম যাত্ৰ। ধাষ্য হই- য়াছে।	মশ্ভব্য।
7.23	সিমুলিয়া পরগণে শ্রীনগর	একর— ২০.৮৬ অর্থাৎ ৬৩/২। বিঘা।	টা: আ: পা: ১৬) • •	· · ·-

কালেক্টরের কাছারি জেলা নদীয়া তারিখ ৪ঠা ডিসেম্বর ১৮৯৭ সাল।

R. A. Rossiter, For Collector.

#### জিলা নোয়াখালি।

----

#### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, নোয়াখালি জিলার অন্তর্গত নিম্লিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিলে বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদাহ করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জাল্লয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্ত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

<b>&gt;</b>		. <u>.</u>	1 8	•	¥	1	-	
ভৌজিব শ্বস্ব।	, মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূৰ্মহা- লেথ সদব জম:।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইবে কিনা।	কেংলমাএ অংশ বিক্রম ভইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেগ বিববণ।	যে সম্পতি বিক্রম গ্রহ	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় চইলে, ঐ অং শেষ সদর জম।	সম্পূৰ্মহাল বিক্ৰম হটলে তাহাব বাকী ;	কোন অং মাত বিক্র হইলে তাহা বাকী:
\$22	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	\$\$\$ • <b>9</b> ,	मण्णृं		বাবু উপেন্দ্রচন্দ্র দন্ত মেনেজার এব মিস কোর্জন ক্টেট ও বাবু রঘুনাগ প্রসাদ তে ওয়ারি গং।		a.aa  e/33	
			খাস মহ	াল টেমিউর —				
2007	চর শুলুকিয়ার ৯ নং গং মং হাওলা আবজুল বহুমান।	<b>4344</b> 5	मण्पूर्व		ওয়াজনিন ঘাট। মাজি।		78244	•••••
<b>১</b> ७'५२	চর মগধরা গং মং হাওলা আজ্জ ভূলা গং ৮০ নং দখল।	9 o b 4 <sub>9</sub> / 9	٩		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিভাবক জানিবে সচিনাথ গুহ।		200112	*******
८९४८	চর গাজির ১ নং দখল।	₹ 0 <del>2</del> 9 8 !	À		জমিয়ত খালি		86910	
3693	এই চরের ২ নং দখল	20001133	٩		(a)		0901/6	*** ***
১৫৮৫	চর আঙ্গেকজ্ঞেণ্ডারের ১ নং গং মং হাওলা।	(8049	À		নবকুমার বহু	••••	304%	•••••
3446	ঐ চরের ২ নং গং মংহাওলা।	48242	<b>A</b>	•	À		390'00	•••••

S. K. AGASTI, Collector.

### किमा वर्षमान।--कमिमाति विकासन्न विकाशन कः।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্ধর্গত নিশ্ব-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জুন কিন্তির বাকা রাজন্ম ও অনা যে সকল দাবী আইনাম্পারে বাকা রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত আগামী ১৮৯৮ সালের ৫ জাম্যারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

``` <u> </u>	}	•	8	C .	6	9	-	>
তৌদির নগর।	মহাল ও প্রজন্ত নাম।	সম্পূর্ণ মছা ক্ষের সম্বর অমা !	সম্পূৰ্ণ মহ ল বিক্ৰয় ছইবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বি- শেষ বিব্বণ।	ষে সম্পত্তি বিক্রন্ত ছইবে শুকার মালিকগণের ন্যমঃ		HADE BECA	কোন আংশ মাত্র বিক্রয় চইলে ভাগার বাকী ঃ
92	মহাল পাটুলী পর গণা পাটুলা।	a 96-15 40		কেবল মূল মহাল নিলাম হইবে অন্যান্য অংশ নিলাম হইবে না।	নবিনচত্ত্ব চৌধুরী দিং।	 		88(&

টাক। — যে স্থলে উপবেব লিখিত বৰ্ণনাপত্ত্ৰেব ৫.৭ ও ৯ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইছা বুঝিতে হইবে যে ঐ অংশেয় নিমিত থতঃ হিসাৰে বাথা হইযা খাকে ও মহালের অন্যান্য অংশ বিক্ৰম হয় না।

> C. Fisher, Collector.

#### জিলা বারভূম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বারভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্যয়ে সকল দাবী আহনাভ্নারে বাকী রাজস্বের নাায় আদায়ের যোগ্য ভাষা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জাত্মারি তারিখে বেলা ১ টার সম্ম নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

\$	٩	٥	8	a a	•	1 9	· <b>b</b>	2
তৌজীব মধুব।	মহাল ও প্ৰধানাৰ নাম।	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদব জ্বা।	সম্পূৰ্ণমতাল বিক্ৰয় হটুৱে কিনা।		যে সম্পত্তি বিক্রম ভইবে তাতার মালিকগণের নাম।	टकान ज्यश्म मात्र विक्य इडेटल के क्यरटमव मध्य	সম্পূর্ণ মহাল বিক্যু হইলে ভাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্তর হইলে ভাহার বাকী।
<b>.</b>	আমড়াপালন পর- গণা খটন্দা থানা সিউড়ী।		•	এজমালি অণ্শ দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে অাপ্তি, দেবীপুর, জন্মল জমা ও আমড়াপালন মো- জায় রকম যোল আনা, এই অংশ ভিন্ন মহালের অনা কোন অংশ নীলাম হইবে না।	হুরেন্দ্র নারায়ণ সেন দিগর।	¢8⊌h√∘		U4/\$

দীকা। – যে গুলে উপবেব লিখিত বণনাপতেব ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হউবে বলিয়া লিখিত আছে দেই শুলে ইহা বুৰিতে ছটবে যে ঐ অংশেই নিমিত স্বতন্ত্র হিসাব কাথা ইইয়া থাকে ও উপরি লিখিত জংশ ভির মহালের জন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRBHUM COLLECTORAGE.

Lated Sur:, the 18th November 1897.

#### ্জেলা ত্রিপুরা।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন খ।

Utt TO

১৮৫১ সালের ১১ আইনের ৫ ও ১৩ ধার।মতে এজদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে যদি নিম্নের লিখিও বাকী রাজন্থ আগামী রাজন্থ দিবার শেষ দিনে অর্থাৎ ১৮৯৮ ইং ১২ জাহ্মারি তারিখে বা তৎপূর্বেনা দেওয়া হয় ভাহা হইলে ত্রিপুরা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আ্ফিসে উক্ত বাকী রাজ্ঞ্যের জন্য ১৮৯৮ ইং ২৫শে মার্চ্চ তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইং ৩ ডিসেম্বর ১৮৯৭।

5	3	•	8		•	١	_	÷	>•
ভৌজির নম্বর।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হু হৈবে কি না।	কেবলমাত অংশ বিক্রম ভইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	থে সম্পত্তি বিক্ৰয় হুইৰে ভাহাব মালিক- গণেব নাম।	কোন অংশ মাত্ত বিক্রম হইলে ঐ অংশেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মংগল বিক্ৰয় হইদে তাহাব থাকী।	কোন অংশমাত্র বিক্রয় হউলে তাহার বাকী।	যে দাবিব জন নিলাম হটকে তাহার প্রকাব ৪ পরিমাণ।
3200	মেয়াদি বন্দোবন্তী জোয়ার দৌল-	6600C	मण्णूर्व		উমা নাথ ঘোষ গং		<b>১</b> ዓ ካ <sub>ቀ</sub> / ଓ		দেওয়ানী আদালত
	তপুর পং বর-				1			কর্তৃক ত্রে	াকা মহাল
	দাখাত ১২৬১				1			3629	हें २४८म
	সন হইতে				1			সেপ্টেম্ব <b>ে</b>	
	১৬১০ পর্যান্ত		:					বাকী ১৭	१०/५ भाइ।
	৫০ বৎসর।	1			 				1
		1	j		,		j	1	!

টাক:।—যে শ্বলে উপঞ্জ বৰ্ণনাশতেৰ ৫, ৭ ও ৯ ঘৰে কোন অংশ মাত্ৰ কিন্তু হইবে ৰলিয়া লিণিও আছে দেই শ্বলে ইঞা বুকিতে হইবে যে ঐ অংশেব নিমিন্ত ৰভন্ত হিদাৰ বাৰা ছইয়া থাকে ও মহালেৱ অন্য ৰা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

যেৎ প্রকারের বাকির এই ইস্তাহাবের ফারম ব্যবহার হইবে তাহ। আইনের ৫ ধাবাতে উল্লিখিড আছে এবং তদফুসাবে ১০ ঘবের বিধবণ লিখিতে চইবে।

TIPPERA COLLECTORATE,

J. KENNEDY,

Codector.

 $\langle 1 \rangle$ 

The 7th December 1897.

#### জিলা রাজসাহা। — জমিদারী বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে রাজশাহী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনামুসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ইং ১১ই জামুয়ারি মোঃ ১৬০৪ বাং ২৮ পৌষ তারিখ্যকলবার বেলা ২। ২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

,		•	8		•	1	ь,	ì
ভৌজীর মদর।	<b>মহাল ও</b> শ্রগনরে নাম ।	স <b>ল্পুর্ণ মহালের</b> সলর ক্ষমা।	WALL FARMS	কেবলমাত্ৰ অংশ বিক্ৰয় ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিৰবণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হ <b>ট</b> বে ভারাব মালিকগণের ময়ে।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হ'বল ঐ অংশের সদর ভয়া।	ৰম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইলে ভাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিঞ্চর ক্ইলে তাহার বাকী।
২৩৪ নং ৬ ছিদ্যা বিশেষ নং ১।	হাটনা দিগর পরগং ভেগাছী।		••	ै॥ ৮০ আনা .	ধনরাজ মল ওরফে ঝড়ুবাবৃ বজাজ হীরালাল বাবৃ বজাজ গিরীধারী বজাজ।	8 br 3 br 0		٠ ١٠,

\* উল্লিখিত অংশ ব্যতীত অন্য ৰা অন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হইবে না।

টীকা — বে ছলে উপবের লিখিত বর্থনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ছত্তে কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সৈই ছগে। ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ অংশের মামত মতত্র ছিলাব বাখা হইয়াখাকে ও মহালের জনা বা জন্যানা অংশ বিক্রয় হয় না।

RAJSHAHI COLLECTORATE,

R. S. GREENSHIELDS,

The 7th December 1897.

Collector.

#### क्षिना बनीया।

#### জ্বিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আকিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১০ জাল্লয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এডৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫,৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া খাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

<b>5</b>	1	9	8	ά	6	9	•	>
তৌজির নধর।	মহাল ও প্রগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর ক্ষমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হটবে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবয়ণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হ <b>ই</b> বে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় চয়লে ঐ অংশের সদব ধ্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ ম¦ত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।
>	মহাল আলমপুর পর গণে আলমপুর।	৯২৯৬৬॥/৮ পুলিস ১০৪৯।১৫	না	১। ০ নং অংশ । ৮৬ ৮৪।। ৮১ ০ উক্ত অংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিক্রয় হইবেক না।	কালী প্রসন্ধ ঘোষ	৪২৬৩৭/৩ পুলিস ৪৮২।৫		₹38   <b>6</b> /8
১৬৭নং	মহাল গ্রক্টা প্রগ <b>ে</b> পাচ ন্উর ।	১৯৪১৩।৯/১ পুলিস বেভিনিউ ২১৩।/৪	না	১৬৭া২ নং অংশ /১৪1১৬।।  উক্ত অংশ  ব্যতীত অন্য  অংশ বিক্রয়  হইবে না।	সারদা প্রসাদ স্থর ভবানীপ্রসাদ স্থর, অন্ধর্থা দাসী দিগর।		••••	41130

E. A. GAIT, Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking six pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, for cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native druggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### জ্বদু সিন্কোনা।

কলিকাতান্থ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেক্টের নিকট গবণ বেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পোও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে ধ্রবন্ধ সিনকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি গুল টিন ২॥০ টাকায়, আট গুল টিন ৫৯ টাকায় ও এক পোও টিন ১০০ টাকায় পাইবেন। সর্বসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিক্টেণ্ডেন্টের নিকট নগদ মূল্য শিল এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি গুল টিন ৬, টাকায়, আট গুল টিন ৬৯ টাকায় এবং এক পোও টিন ১২০ টাকায় পাইতে পারিবেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় গুমধ বিক্রেন্ডাগণও এই গুমধ বিক্রয় থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি গুল টিনের।০, আট গুল টিনের।০

বঙ্গদেশের গবর্ণমেণ্টের সিন্কোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সল্ফেট অফ কৃইনাইন

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য হইবে,যথা—

১ এক পোণ্ড টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৸৽

川 勁性 ,, ,, 為, ,, ,, ,, ,, 為川。

। শিকি , , 8|।° , , , , , , , , , ,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃষ্ঠ ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্বক মিশান হয় নাই ডাহার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিক্ট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাতার নিক্ট শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিক্ট পাওয়া ষাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will henceforward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufassal.

			-	Rs.	A.	P.	
Entire Gazette	•••			10	0	0	per annum.
	Postage			2	8	0	2)
Parts III, IV, V.	and VI, cor	taining the	Acts				*
and Bills of the							
and Bengal	• •		•••	4	0	0	
	Postage			î	0	ŏ	*
For a single copy		• • •	•••	-	v	v	55.
							•
Entire Gazette	• • •	•••	• • •	0	4	0	
	Postage		•••	0	1	0	
Parts III, IV, V,	and VI	•••	•••	0	1	• 0	for 4 sheets or under
di sao-	l'ostage			. 0		0	with an additional charge of 1 rnua for every 4 sheets in excess of 4.
,	rosugo	***	- 4	, 0	1	U	

The same rates as those of transfer of the exception of the charge for postage.

E. N. Baker.

Offg. Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপন ৷

১৮৮৩ সাল ২১ কেব্রুয়ারি।—বালালা গবর্ণমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাকমাত্রল এই অবধি নিং-লিখিত হারে অগ্রিম দিতে হইবে :--

	यकः मट	4			<b>ब्रिको</b> ।
সম্পূৰ্ণ গেডেট	•••	•••	• • •	বৎসর	3 4 4
ডাক্যাস্থল			•••	71	<b>110</b>
ତ <b>ଞ୍ଜ ଓ ଓ ଅଟ</b> (	যাহাতে স	গারতবর্ষের ও	<b>उ वक</b> -		
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার জ	াইন ও অ	व्या		
পাণ্ডুলিপি ধাকে )	•••	•••		,,	\$ 7
ভাকমাত্রল	• • •	•••	•••	"	>>
ল পূর্ণ একখানি গেজেটের	মূল্য			,,	<b>!</b> •
		•••	•••		. •
008989649 (	প্রত্যেক	8 शृक्षे। वा	ভাহার		
ন্যন সংখ্যক পৃ	क्षेत यृष्ट्र)	•••		٠,	/ ৪ পৃষ্টার উপর বাদ অধিক হয় ভাষার প্রভাক ৪ পৃষ্ঠা প্রভি দার একং আনা।
एकिशासून	••				. /•

#### কৰিকাতায় ৷

কলিকাডায় ও মক:খলে সমান মৃল্য, কলিকাডায় কেবল ডাকমান্তল লাগিতে না इ. এब. धाकातः।

वक्राम्य भवर्ग्यक्वेत अकृष्टिः ह्यां अन्यक्वेती।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

• The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible. I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construc the hymns of the ancient Rishis of his country-Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDY., GOVY. PRINTING, No. 8, Hasting's Street, Calcutta.

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengalce Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers

or offices under the control of Government officers are strictly eash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretariat.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anus in the

Rupee on account of discount

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Govt. of Benyal.

12th December 1882.

NOTE.—Rates of advertisements in the Unicutta Gazette Rs. 20 Full page, per issue 10 . . . Casual advertisement-4 annas per line.

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিছা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে এই গেজেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেশ্বর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাভিত্তিক এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ক্রেডি বাঙ্গাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে ডন্মিন্ড নগদ মূল্য দিতে ছইবে এডদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাণ সেক্টোরিয়েটের আকোনীতের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিম্বা উক্ত কোন গেজেটে ইশভিহার কি বিজ্ঞাপন প্র'ভৃতি প্রকাশ করা মাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিকোন্ট বাদ দিবার জ্ঞান্তে টাকার উপর আর 🗸 -এক আনা পাঠাইতে হইবে।

সি. ডবলিউ বল্টন,

বলদেশের গ্রথমেন্টের ছোট সেকেট্রী:

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তব্য।—কলিকাতা গেলেটে ইণাভিহার <b>একাশ ক</b> রিবার হার এইং।—						
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বার প্রকাশ করণের	•••	•••	•••	••	200	
काश পৃষ্ঠ।	***	•••			>	
কথন কংম ইশ্চিছ'র প্রকাশ করিতে চইলে	क्रम निक	•	**	• •	(*	

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan. Member of the Rent Commission.

Price Rs 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N.B.—Copies are still available.

#### ৰাজ্যল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে।

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বলদেশের সিবিল সর্বিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিষ্ট্রিক্ট ও সেশন আৰু ও রেন্ট কমিশ্যনের মেশ্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি সাছেবের প্রাণীত বলদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাছেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর বাজা বিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুশুকের মূল্য, 🖎 পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রম করিতে চাহিলে বাজাল সেক্রেটারিয়েটের আকৌক্টাক্টের নিক্ট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং ভাষা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইডে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

রাজকায্যোপলকে বঙ্গদেশের যজিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাভার স্পানেত ওয়েষ্ট টৌন হালের হাভায় স্থিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিলে রেজি. ঠীরের নামে শিরোনামা দিয়া প্রার্থনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উপ্ত সকল আইনের পৃস্তক কলিকাডার গবর্থমেন্ট প্লেশে, থাকার স্পিন্ধ কোম্পানির বাটাড়ে ক্রয় ক্রিডে পাওয়া বায় ।

#### বিজ্ঞাপন।

গবর্ণমেন্টের ১৮৮১ সালের জ্বন মাসের ২৯ তারিখের আজ্ঞাত্মসারে বেভিক্ল গ্রাহকক্ষরপ পোর্ট-কমিশনরেরা নিম্নলিখিত যে সকল দ্রব্য অধিকারে লইয়াছেন ওাহার মূল্য ১০০) টাকার অধিক হওয়াতে ১৮৮০ সালের ৭ আইনের ৭৬ ধারার বিধানমতে তাহার বর্ণনা সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল :--

ভারিথ।	था भटनव सन्दर्भ	জা⊂ব্যব বণ ∵ ।				যে স্থানে পা এয়া গেল।	যে স্থানে আছে।
5	2			-	8	œ	•
৪ <b>েশ নবে-</b> ধর ১৮৯৭ দালা।	৪ পি, এ, ্	শাল (মোটা তুলার) ভিন্নং রন্তের ডোরা কাটা  শৃতীবন্ধ  ডিল (ডোনা কাটা ও শাদা) বেগুনিয়া বংপ্লের ডোরা কাটা কটন রোল তুলা ও পাট মিশ্রিত শাদা চাদর লাল রন্তের সৃতীকাপাড় লাল রন্তের সৃতীকাপাড় লাল রন্তের পশমা কম্বল কালা ও সবুজ স্থানেল নাল ও সবুজ স্থানেল নালা ও সবুজ স্থানেল নালা রন্তের সামান্য বন্ধাদি মিশ্রিত টের্চা বৃন্নের কাল রন্তের রোল গাড় নীল রন্তের মোটা সার্জ্র ভিন্নং রন্তের মোটা সার্জ্র ভিন্নং রন্তের পোলা  মার্লিক কাল আলপাকা কাল সার্জ্রের গোল ১ খানি শাদা ও ১ খানি নীল রন্তের টের্চা বৃন্নের মিহি সার্জ্র ডেরা ব্রন্নের মিহি সার্জ্র ডেরা ব্রন্নের মিহি সার্জ্র ডেরা ব্রন্নের মিহি সার্জ্র টের্চা বুন্নের স্থী চাদর পাটকিলা বন্তের সার্জ্র টের্চা বুন্নের স্থী চাদর	28 2 7202 0777 00 977 727	?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ?? ??	<b>ह</b> ।का।		পোর্ট করি শনরদের হাবড়ার ড ইয়ার্ডে

কলিকাতা, ২৪শে মবেম্বর ১৮৯৭ সাল। <sup>)</sup>

আসিফাণ্ট কনসারভেটর।

কালকাতা লোগিডেকী লেল মগ্রালায়ে গাব্ৰমেন্ট্র জন। আঁইত তে ১২: (% ही गाद्यंत कर्ष् के मुक्तिए ও অকাশিত চইল ।







# शवर्वाभिके (शिष्ठि।

TUESDAY, DECEMBER 21, 1897.

# यक्लवात्र, ५৮৯१ जाल २১ ডिएमइत ।

CONTENTS.	1		
	PAGE.	स्म <b>ं</b> है ।	
PART 1.—Resolutions, Orders and Notifica-			नुष्ठा ।
tions of the Government of India	Nil.	<b>অখন খণ্ড।—ভারতবর্তীর</b> গবর্ণমেটের নির্দারণ	
PART II.—Resolutions, Orders and Notifics-		আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	নাই।
tions by the Lieutenant-Governor		विकीय प्रा-नमस्मात्मा गवर्गायके विकायन.	.,,,,
of Bengal	Nil.	আলেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি	माङ्गे ।
PART IIA Orders by the Lieutenant-Gover-		विकास क थें। क्यारमात्मात गावनीयार केत्र क्यारमान	माई।
nor of Bengal	Nil.	अधीत वस ।- जातकर्वीत वानकाशक मजाव संगीत	
VART III Acts of the Legislative Council of		व्यक्ति	নাই <sup>i</sup>
Indis	Nil.	চতুর্ব বর । - ভারতব্যীর বাব-রাপক সভার আইনে।	., .
PART IV Bills of the Legislative Council of		শাক্তমিশি	নাই।
India	Nil.	পঞ্চ বৰ । - বৰীৰ ব্যবস্থাপক সভার প্রণীত জাইন	माई।
PART V Acts of the Bengal Council	Nil.	वर्षे वर्षा वर्षीय मार्गाभक मचात्र चाहित्सत	" "
PART VI.—Bills of the Bengal Council	Nil.	भाक्षानि	नांचे।
I'ART VIICircular Orders by the High		मध्य थक ।वार्ट क्यार्टित क व्यविविध व्यार्टित	-11-4
Court and Board of Revenue	Nil.	নাধারণ জাপনপত্র	নাই
TART VIIIAdvertisements	521-694		\$2360R
S TPPLEMENT	Nil.	পরিশিষ্ট সর্বাচনটার সেলেট	নাই

TART VIIL

ADVERTISEMENT.

ष्ट्रेय थन्।

ইম ভিহার অভৃতি।

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাছার।

### জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারী এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের লাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তলবী বাকী রাজক্ষে ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহুসারে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ৫ জাহুয়ারি তারিখ মোং ১৩০৪ সনের ২২ পৌষ বুধবার নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেছর।

3	۶	۰	8	· •	•	•	F	>
			1	কেবলমাত্র অংশ		কোন অংশ	স=পূৰ্থ মহাল	কোন অংশ
ভৌজির নধ্য।	মহাল ও প্ৰগণাব কাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব সদৰ জমা।	্ সম্পূৰ্ণ মহাল বিশ্লয় হইবে কিনা।	বিক্রম হ≩লে ঐ তথংশ বা ঐং তথংশের বিশেষ বিষয়ব।	় যে সম্পত্তি বিক্রম ছইবে তাহার মালিকগণের নাম।	মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	বিজয় হইলে ভাহাব বাকী	মাত্র বিক্রন্তর
8086	পদ্মা ওরফে রম- জানপুর পং কাশীম পুর দেহলাপট্টী।	&050)	সম্পূৰ্ণ মহা- লের মালিকী স্বত্ব নিলাম		হরকুমার সেন গং		२०२8)	
84•¢	চর সমসদী বালি- গাও পং সায়েন্তা: নগর।	7884)	इस्ट्र । ज	·	দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।	•••••	98696	
8986	চর জঙ্গলা পং উত্তর সাবাজপুর।	968)	ď	*****	হরিমোহন ঘোষ ল	en 31	رهو	
3 92 0	মেজি। চিকনীকান্দা পং চন্দ্ৰস্থাপ।			এজমালী —    \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \( \text{IV} \) \	অশ্বিনী কৃষার দক্ত গং।	303 <b>3</b> 49	•	२७३५७७
2886	তালুক বিশ্বনাথ দেন পং খাঞ্জাবাহাত্বর নগর।	æ901€/33	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।	না। 	রামনারায়ণ সেন গং	****	28⊀I <b>৵</b> ►II	*** ***
٩ۅۅڕ	তালুক ফতে মাখামুদ পং শ্লাঞ্জাবাহাহর-	90693	ભ્રે	•••••	রাখালচন্দ্র রায় চৌধুরী গং।		৯২/৮	. *** * * *
<b>&gt;</b> ৬٩٩	নগর। তালুক সৌজ্বদিন খাঁ। গং পং বোজরগো- মেদপুর।	••		এজমালী –  ৸১৫ গণ্ডা অংশ নিলাম হইবে: এড- দ্বাতীত অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না!	ক্লফকিশোর নিয়োগী গং।	<b>3∘8⊍4</b> √8		१०१८८१

,	,	3	9	8	ď	• .	9	ь	<b>à</b>
	তৌজির নম্ব।	মহা <b>ল ও</b> প্রগণ্ব নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা।	বিক্রম হইবে	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয় ছটলে ঐ অংশ বা ঐ অংশের বিশেষ বিবৰণ	त्य मन्त्राख विकास इंदर्	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অং- শের সদর শ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইলে তাহার বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে তাহা বাকী।
	¢ 78¢	কিশমত তেওতা, পাওতা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ-	& > 8 <sub>9</sub> / 0	मन्पूर्व सहान बिनास इहेट्य ।	••••	দেবনাথ দত্ত চৌধুরী গং।		در له ۱۹۵۵	•••••
	२९०৮	পুর। জমিদারী পং উত্তর	289814€	Ð	••	আনন্দ চন্দ্র রায়		<b>7</b> €7 <b>%</b> 8	
	১৯১৬	দাবাজপুর। (১০ গণ্ডা জমিদারী তৎেপ হাবেলী	208617911	œ	••••	গং। সোদামিনী গুণ্ডা গং।	••	2224¢II	******
•	<b>०</b> २०७	সীলিমাবাদ। চর উমেদ মহালাধীন ৬৪ নং যোত পং	264%0	সম্পূৰ্যোত নিলাম	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	হরিচরণ হাওলাদার গং।	••••	२७६५७	•••••
	<b>4</b> 280	জঞীরা।  চর পদ্মা মহালাধীন  ১ নং গরমকররি  তালুক গুপিক্বফ বন্দ্যোপাধ্যায় পং  দক্ষিণ সাবাজপুর।		হইবে। সম্পূৰ্ন তালুক নিলাম হইবে		বিহারী লাল রায় চৌধুরী ।		(83)	

টি কা। - যে ল্ফলে উপবেব লিখিত বৰ্ণনাপালেৰ ৫, ৭ এ হাবে কোন অংশ মাত্ৰজিক হইবে বলিয়া লিখিত আছে পেই দ্বলে ইছা বুলিতে ছইবে যে ঐ আংশের নিমিত্ত ঘণ্ডন্ন ছিলাব ব'ব। হইয়া পাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রায় বন্ধ হা।

B. Bell,
Offg. Collector.

# জিলা ঢাকা।—জমিদারী বিক্রমের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালগুলি ওজিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ৬ই জান্ন্যারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেইক্রম্নত ও অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	2	9	8	(t	. 5	9	₽	>
তৌজির নম্বব।	মহলে-ও প্ৰগ্ৰাথ নাম (	সম্পূৰ্ণ মহাকোব সদৰ ক্ষম।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম ছইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বিশেষ বিষ্ববণ।	থে সম্পত্তি বিক্ৰয চইবে ভাহাৰ মালিকগণেৰ নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল কিন্তু হইলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ডাহাৰ বাকী।
. 78	পাং বন্দরখোলা মং মার্দরাজা।	264040 2011	•	অবশিষ্ট	্ শশীকুমার পোন্দার গং।	એડહાંજર <b>મ</b>	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	<b>२७</b> ९¦।२१
٥٠١٥	চর মৃজাপুরের মধ্য- গত সালিনা ওরফে চক হরিচরণ।		ষোলআনী		<b>इ</b> क्ष्ण्य माश १९		39640/	*** }

DACEA COLLECTORATE, The 18th November 1897. OKHOY COOMAR SEN.

For Collector.

# **प्टमा** वाक्डा।

### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতন্ধারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মলিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত অন্ধ্রসারে উক্ত বাঁকুড়া জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৮ সনের ১লা কেক্টেয়ারি তারিখ মোতাবেক বাললা ১৩০৪ সনের ২০লে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক ১

খবিদ্ধারগণকে নিমের লিখিভ নিলামের সর্ত সকলে বাধা হইতে হইবে,---

#### নিলাযের সর্গু।---

প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন ভাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রম হইবে। এই মহালের খরিদ্দারকে ইহার মালিক অরপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজন্ম ধার্য্য হইমাছে তাহা চিরছরপে গণ্য হইমা এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্দারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।

বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের ছারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ ছইয়াছে এবং
এই ক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং
রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ ছারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখান্তা
কৃষক প্রজা ছারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থাকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য
হইবে।

जुछीय । निर्माम मूना ३००, है।कात जनधिक श्रहेरम ममूमस है।का उदक्रशाद मिएछ श्रहेरत ।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার উর্ধ্ব ইইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে ইইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য ইইয়া তদব্ধি পঞ্চদশ দিবদের দিবদে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ঠ টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্বে উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি ইইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত ইইবে (যে টাকা আমানত করা ইইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত ইইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি ইইয়া অনাদায়কারি খরিদ্দারের দায়িত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম ইইবে।

তৌজির নশ্বর।	মহা <b>ল ও</b> প্রগ্ণার নাম।	একরের ছিসাবে যত- দূব জানা যায ভূষির অস্মানিক প্রিমাণ।	गवर्गत्मत्जैव ताक्ष्य यांचा भाषा बड़ें- प्राटहा	मच्चवा ।
br o	আমরাণী পরগণে বিস্পূর	 মোট মহানের ৬ কাগ অংশ।	•	থানা বিষ্ণুপুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম - নিবাসী দিনময়ী দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সার্টিকিকেট জারিতে গ্রন্থেণ্ট কর্তৃক প্রকাশ্য নিলামে খ্রিদ করা হইস্লাছে।

ক্রান্সেক্টারের কাছারি, ক্রেন্সা <sup>ই</sup>াকুড়া, ডারিখ২০শে নবেম্বর ১৮৯৭। G. E. MANISTY.

Collector.

# किना बमीशा।

#### নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেণ্টের যে মালিকিখত আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অন্থসারে উক্ত নদীয়া জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৮ সনের ১০ই জান্থ্যারি তারিখ মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৭শে পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় ইইবেক।

খরিদারগণকে নিমের লিখিত নিলামের সর্ত্ত সকলে বাধ্য হইতে হইবে। —

#### নিলামের সর্ত্ত।---

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্ট্র সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্দিষ্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সন্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রম হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরস্থরপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- দ্বিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাটা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং রেভে-নিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্লমক প্রজা দ্বারা দন্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থীকার করিতে খরিক্ষারগণ বাধ্য হইবে।
- তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হুইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

  চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উর্দ্ধ হইলে যত টাকা ডাক হইয়া বাকে তাহার চতুর্থাংশের

  একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবধি

  পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ

  দিবস কোন পর্ব্ব উপালক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি

  হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত

  করা হইয়াছিল ভাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার

  নাায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্ধারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায়
  নিলাম হইবে।

তৌজিব নম্বর ।	মহাল ও প্রগণার নাম।	একবেব হিচাবে যতদূব জান: যায় ভূমিব অফ্মানিক প্ৰিমাণ।	গৰণমেন্টেৰ ৰাজস্থ থাছা ধাৰ্য। ছই- য়াছে।	• মস্ভবা।
2.29	সিমুলিয়া পারগণে শীনগর	একর— ২০.৮৬ অর্থাৎ ৬৩/২। বিঘা।	টা: আ: পা: ১৬ <sub>)</sub> • •	

কালেক্টরের কাছারি জেলা নদীয়া ভারিখ ৪ঠা ডিলেম্বর ১৮৯৭ সাল।

R. A. Rossiter,
For Collector.

#### জিলা নোয়াখালি।

### জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে, নোয়াখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজক্ষ ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবহাক্রমে বাকী রাজক্ষের ন্যায় আদায় হইবার আলেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত ১৮৯৮। ৪ জায়্য়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ঐ অংশের নিমিত অতন্ত হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

,	•	•	8	t	હ	,	-	۵
ভৌজির দ্বধ্ব।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সদর কমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইবে কি না।	কেব্লেমান ক্ষংশ বিক্লেয় হইলে থী অংশ বা থাই অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পাতি বিক্রম ভইবে ভাহার মালিকগণের নাম।	दकाल काश्य माळ दिक्षम इडेटल, को काश- ट्यांत्र अपत कमा।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহাব বাকী।
<b>\$</b> 22	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	>>>• <b>9</b> ,	मन्भूर्व		বাবু উপেপ্রচম্দ্র দত্ত মেনেজার অব মিস কোর্জন ফেট ও বাবু রঘুনাথ প্রসাদ তেওয়ারি গং।		@ • @ @     & \$ \$ \$	
			খাদ মহ	ল টেনিউর —				
2007	গং মং হাওলা	<b>હ</b> ) રુ નહ	मन्पूर्व		ওয়াজদিন ঘাট মাজি।		3820√€	•••••
ऽ७७२	আবর্গ রহমান। চর মবধরা গং মং হাওলা আজম- ভুলা গং ৮০ নং দখল।	<b>●</b> ੧ <b>◦፦</b> ਖ₀∕੧	Ą		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিভাবক জানিবে সচিনাথ গুহ।	•••••	500118	
८९४	চর গাজির ১ নং দখল।	२०२१। 🎝 🎖	À	***	জমিয়ত আলি	••••	8४९।०	*****
\$693	এই চরের ২ নং দখল	20021122	(A)		Ú		0901/4 <sub>7-</sub>	•••••
3646	চর আনেকজেণ্ডারের ১ নং গং মং হাওলা।		À		নবকুমার বস্থ	••••	3060/2	******
3446	ঐ চরের ২ নং গং মং হাওলা।	48242	Ġ	••••	<b>L</b>	•••••	39010/2	*****

S. K. Agasti, Collector.

#### जिना वर्षमान।—कमिनाति विकासन विकाशन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিশ্র-লিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জ্বন কিব্তির বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নারে বাকী রাজ্যন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত আগামী ১৮৯৮ সালের ৫ জাম্যারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

,	٤	٠	8	¢	Ŀ	9	F	•
তৌজির নহর।	মহাজ ৩৪ প্রজনার নাম ৷	সম্পূর্ণ মহা- লের সহর ক্রমা !	সম্পূৰ্ণ মহ ল বিজ্ঞায় ঘটৰে কি ৰা ৷	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বি- শেষ বিবরণঃ	বে সম্পতি বিজ্ঞন্থ ছইবে শুধার যাগিকগণের নামঃ		TARK STEP	কোন অংশ মাজ বিক্রয় ছইলে ওগোর বাকী ঃ
44	মহান পাটুনী পর- গণা পাটুনী।	৫ ৭৮৬ ৸৩		क्विम प्रश्न प्रश्न मिनाम इहेर्द अनुग्नाग ज्रुभ निनाम इहेर्द नो।	নবিনচভ্ৰ চৌধুৱী দিং।	₹ <b>₽</b> ₽○ /3 •		88 <sub>(</sub> ¢

দীক।।—যে ভলে উপবেব লিখিত বৰ্ণনাপত্ত্রর ৫, ৭ ও ১ ঘবে কোন তাংশ মাত্র বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই শ্বলে ইহা বৃথিতে হইবে যে ঐ তাংশের নিমিত শতপ্র হিসাধ রাখা হইয়া থাকে ও মহালের তান্য বা অন্যান্য তাংশ বিক্রম হয় না।

C. FISHER,

# জিলা বারভুম।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওরা যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনামুসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জামুয়ারি তারিখে বেলা ১ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

3	٩	٥	8	æ	•	٩	<b>b</b>	৯
তৌজীর মধর। •	মহাল ৩ প্ৰগ্ৰাৰ নাম ৷	সম্পূর্ণ মহাজেব সদর জন্মা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয হইবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয হউলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰয হইবে তাহাব মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রথ হইলে এ জংশেব সদর জমঃ।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় চইলে তাহাব বাঞী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হইলে তাহার বাকী।
২ <b>৩</b> ৪ নং	ুজায়কাপালন পর- গণা খটন্টা থানা সিউড়ী।			এজমালি অংশ— দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে আপ্তি, দেবীপুর, জন্ধল জমা ও আমড়াপালন মো- জায় রকম যোল দানা, এই অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশনীলাম হইবে না।	স্থরেন্দ্র নারায়ণ সেন দিগর।	€84HJ0		<b>54/9</b>

দীকা।- ৰে শ্বলে উপরের লিখিত নংনাপত্তার ৫. ৭ ৩ ৯ ছবে কোন অংশ মাত্র বিক্রেয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ইহা বুঝিতে ছইবে বে ঐ অংশে<sup>ব</sup> নিমিত্ত স্বতম্ন হিসাব রাখা **হইয়া থাকে** ও উপরি লিখিত অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRBHUM ColleCTORATE,

Dated Suri, the 18th November 1897.

### · জেলা ত্রিপুরা।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন খ।

Lee at-

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৫ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে যদি নিম্নের লিখিত বাকী রাজস্ব আগামী রাজস্ব দিবার শেষ দিনে অর্থাৎ ১৮৯৮ ইং ১২ জামুয়ারি তারিখে বা তৎপুর্বেন না দেওয়া হয় তাহা হইলে ত্রিপুরা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেবের আফিনে উক্ত বাকী রাজ্যস্বের জন্য ১৮৯৮ ইং ২৫লে মার্চ্চ তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিসামে বিক্রয় করা যাইবে। ইং ৩ ডিসেম্বর ১৮৯৭।

5	3	٥	8	e .	•	9	<b>b</b>	à	5.0
তৌজির নপ্র।	মহান্স ও প্রথাণার নাম।	সম্পূর্ণ মহাক্ষের সদর জমা	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইবে কি না ।	কেবলমার অংশ বিক্রয় হুইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	্যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিক- গণের নাম।	কোন অংশ মাজ বিক্ৰয় হইণে ঐ অংশের সদব জমা।	বিক্ৰয় চইশে	কোন অংশমাত্র বিক্রয় ছটলে তাহাব বাকী।	যে দাবির জন। নিলাম হউবে তাহাব প্রকাব ও পরিমাণ।
3 200	মেয়াদি বন্দোবন্তী কোয়ার দৌল- তপুর পং বর- দাখাত ১২৬১ সন হইতে ১৩১০ পর্যান্ত ৫০ বৎসর।		मण्पृर्व		উমানাথ ঘোষ গং	•••	39 Ha/18	কর্তৃক ক্রে ১৮৯৭ সেপ্টেম্বরে	দেওয়ানী আদালত কী মহাল ইং ২৮শে বি দেয় ক্লেড পাই।

টীকা।—যে স্থলে উপকৃত্ত বৰ্ণনাপত্ত্বের ৫,৭ ও ৯ মতে কোন অংশ মাঞ্জিক্স হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইছা বুঝিতে হইবে যে ঐ অংশেব নিমিত্ত স্বতম্ভ ছিদাব রাশা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় লা।

্ষেৎ প্রকারের বার্কির এই ইস্তাহাবের ফাবম ন্যবহার হুইবে ভাহা আইনের ৫ ধারাতে উল্লিখিত আছে ৫বং তদশুসারে ১০ ছবের বিষরণ লিখিতে হুইবে।

TIPPERA COLLECTORATE,

J. KENNEDY,

The 7th December 1897.

Collector.

#### जिना ताजमारी।—ज्यामाती विकास विजापन क।

১৮৫৯ সালের ১১ অইনের ৬ ও :৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে রাজশাহী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত হোলগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেবের আফিনে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে । । কী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ইং ১১ই জাহুয়ারি মোঃ ১৩০৪ বাং ২৮ পৌষ তারিশ্ব ফেলবার বেলা ২। ২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

3	٠,	•	8		•	1	F	8
তৌশীর মশ্র ।	মহাল ও শ্বগনাব নাম।	म~्पृर्वसद्दारल त भवत अस्पाः	সম্পূৰ্ণৰ মধ্যম	নক্বলমাত্র ভাংশ বিক্রয় ছইলে ঐ ভাংশ বা ঐং ভাংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্রন্ন হ <b>ই</b> বে তাহার মালিকগণের মাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম ছইলে ঐ অংশের সদর ভ্যা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় গুইলে তাহাৰ বাকী।	কোন <b>অংশ</b> মাতা বিক্ৰয় ক্ <b>ই</b> লে তাহায় বাকী।
(৩৪ নং । ছিস্যা বিশেষ নং ১।	হাটরা দিগর পারগণে ভেগাছী।	20 c he/o		* ॥৵● আনা	ধনরাজ্মল ওরফে ঝড়ুবাবুবজাজ হীরালাল বাবু বজাজ গিরীধারী বজাজ।	er>40		\$ ")

\* উল্লিখিত অংশ বাতীত অন্য ৰা অন্যান্য অংশ বিক্ৰয় হইবে না।

টীক'।— যে স্থলে উপাবেব লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ছত্তে কোন আংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই দ্বানে উহা বৃথিতে হ ইবে যে ঐ অংশের মামত মতন্ত্র হিমাব রাখা হইমা থাকে ও মহালের জন্ম বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

RAJSHARI COLLECTORATE,

R. S. GREENSHIELDS.

Collector.

### জিলা ২৪ পরগণা।

এতদ্বারা সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে নিম্নলিধিত জমিদারি মহালের সম ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কি**জি**র রাজস্ব ২৮ সেপ্টেম্বর সূর্যান্ত পর্যান্ত দাখিল না হওয়ায় ঐ সমন্ত। মহাল সন ১৮৫১ সালের ১১ আইনমতে স্ব ১৮৯৮ সালের ১০ জাহুয়ারি তারিখে জেলা ২৪ পরগণার কালেকারিতে বেওজর নিলামে ধরা যাইবেক।

১। প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবস্তী মহাল।—

>	2	9	8	t	<b>b</b>	9	b		94
্কামক সম্ব।	छोक्नीत मधव।	প্রগণা ও মহাজের নাম।	প্রা মহা- লেব সদব কমা।	भ्या महान विक्रम श्रेटव किसा।	যদি একটি অংশ বিদ্রুদ্ন হয় তবে সেই অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিলাম হইবেক তাহাব মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রম হয় তাহার সদব কমা।	যদি প্রা মহাল বিক্রম করিতে হয় তাহার বাহির পরিমাণ।	হয় তাহার
	**************************************	পৃং মাশুরা কিং রামেশ্বরপুর। পৃং মাশুরা কিং আবগাছিয়া দিং।	<b>۵</b> ₽84 <b>√</b> 9	•••	মেডিজ চাকারবেড়ে  , পার্ব্বভিপুর,  ,, রামদুর,  ,, রামচম্রপুর, এই চারি মোজায় ।  ॥ = ক্রান্ডি বাদে অবশিক্ট ॥/১৯।  কান্ডি।  মোজে রাম্ম্বরপুর  ১৬ ৸ কাগ বাদে অবশিক্ট ৬/৩০ কাগ আলীপুর প্রভৃতি অবশিক্ট ১৪ মেজায় ১৬ আনা।  মোজে চক কাঁটালে  ।১০ বাদে॥/• আনা।  মোজে বাবনপুর ও  নোনা প্রভ্যেক মো- জায় ৬/১। বাদে অবশিক্ট ৬/১৮॥ আনা। অবশিক্ট	বঁকে বিহারি লাল মণ্ডল। জগৎচম্প্র রায় চৌধুরী দিং।	(30(II)0 -		43/4 39Me
	302	ন পং মাগুরা, কিং ইন্দ্রপালা দিং।		পুরা মহাল।	আবগাছিয়া দিং ৭ মৌজরা প্রত্যেক মৌজায় ১৬ আনা।	মানদাস্থন্দরী দেবী		١٠ د لـ ان ٩	
		रव्यामा। गरा	ა <u>წ</u>			<b>मि</b> ॰ ।			
	2 1780	পং ঘড় দিং কিং রায়পুর I	७१८२॥ <u>५</u>	•	<ul> <li>৮/৬॥ = ক্ৰান্তি বাদে</li> <li>অবশিক্ত √:৩।—</li> <li>ক্ৰান্তি।</li> </ul>	বাঁকে বিহারি লাল মণ্ডল।	<b>১</b> ১२७५०		عالمه العادا د
	७৮৫	পং আজিমাবাদ কিং হুদারস- খালি দিং।	7 5 2 5 2 8 4 8 11		৩৩ মোজার মধ্যে ৩২মো- জায় ৮৶৫ আনা বাদে অবশিক্ট (১৫ গণ্ডা।	বাঁকে বিহারী লাল মঞ্জন।	2004911		24/6
	به 	প° আজিমাবাদ কিং• হুদাজ্জয়- চঙ্জিপুর।	, ,	•••	৮/৬।। = ক্রান্তি বাদে অবশিষ্ট ৮/১৬। ক্রান্তি।	বিশ্বেশ্বর লালা	201611/5		4 € 0   1 / 3 3

1	٦	अस्य	2	1	1
			٠,		

# গবর্ণযেন্ট গেজেট, ১৮১৭ সাল ২১ ডিসেম্বর।

L	O	•
•	_	

13	1	•	8	a	·	9	٢	>	>0
	ट्रिकिंग्र मध्य ।	পরগণা ও মহালেব নাম।	পুবা মছা- লের সদর ক্রমা।	পুরা মহাল বিক্রম হইবে কি ল।।	যদি একটা অংশ বিক্রয় ছয় দেই অংশের বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি নিলাম হইবেক তাহার মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রয় হয় তাহার সদর জমা।	যদি পুণা মহাল বিক্রম করিতে হয় তাহার বা- কির পরিমাণ।	যদি অংশ বি- ক্রম করিতে হয় তাহার বাকির প্রিমাণ।
The state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the state of the s	8	কিং হদাজয়-	   bosold   b		৮/৬॥= বাদে অবশিষ্ট ৮/১৩।— ক্ৰাস্থি।	বাঁকেবিহারি লাল মণ্ডল দিং।	30re  1/0		२६७।८७
•	8 0 3	চণ্ডিপুর। পং আজিমাবাদ কিং হুদারাম- কৃষ্ণপুর দিং।	9 28711	•••	দে/৯।। – ক্ৰান্তি বাদে অধশিষ্ট /১• — ক্ৰান্তি।	বাঁকে বিহারী লাল মণ্ডল দিং৷	<b>18911/3</b> 0		23 4/911
1	244		3656 N	পুরা মহাল।	, <i></i>	চণ্ডিসাল সিং দিং	•••••	<i>دال</i> الا	

আলিপুর,

সন ১৮৯৭। ১৮ ডিসেম্বর।

CHUNDER NARAIN SINGH.

For Collector.

# জিলা নদীয়া। জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত দ্বালিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী ফিলিড আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ভ জাহ্মারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এঙৎসংযুক্ত ব্যনাপাত্রের ৫,৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ইবে বলিয়া লিখিড আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় মনা।

>	2	٥	8	a	<b>&amp;</b>	9	<b>-</b>	,
ছীজির স্থর।	ম <b>হাল ও প</b> ৰগণাৰ নাম ৷	সম্পূৰ্ণ মহালেব সদ্ধ ক্ষা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় ছইবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয চউলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিক্ৰয় হইবে ভাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হছলে ঐ অংশেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় গুইলে তাভাব বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰম হইলে তাহাব ্ৰাকী।
3	মহাল জালমপুর পর- গণে আলমপুর।	৯২৯৬৬॥/৮ প্রসি ১০৪৯।৶৫	<b>ล</b> า	১। ০ নং অংশ  । ১ ৬ ১৪। ১ ০  উক্ত সংশ  ব্যতীত অন্য  অংশ বিক্রন্থ  হইবেক না।	কালা প্ৰসন্ধ ঘোষ	৪২৬৩৭/৩ পুলিস ৪৮২।৫		₹७१  ४/8
<b>७७ १ जर</b>	মহান থুবড়া পরগণে পাচ নউর।	১৯৪১৩।৮/১ পুলিদ বেভিনিউ ২১৩।/৪	না	১৬৭া২ নং অংশ /১৪ ১৬ ।০/০ উক্ত অংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিভয় হইবে না।	সারদা প্রসাদ স্থর ভবানী প্রসাদ স্থর, অন্ধপূর্ণ। দাসী দিগর।	২০০৬ <b>১৩</b> পুলিস ২ং/৩		9  5 •

E. A. GAIT,
Collector.

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one taking  $\bar{s}ix$  pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin, Rs. 2 ans. 8; per eight-ounce tin, Rs. 5; per pound tin, Rs. 10. The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, fir cash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin, Rs. 3; per eight-ounce tin, Rs. 6; per pound tin, Rs. 12. This medicine is also sold by the principal European and Native dauggists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

#### কুরন্ন সিন্কোনা।

কলিকাডাছ বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিনেটডেওন্টের নিকট গবন মেন্টের কর্মচারিগন এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নিম্নলিখিও মূল্যে প্রবন্ধ সিনকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ওপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ওপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০, টাকায় পাইবেন। সর্ক্যাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিন্টেভেন্টের নিকট নগদ মূল্য কিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ওপ টিন ৬, টাকায়, আট ওপ টিন ৬, টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২, টাকায় পাইতে পারিহেন কলিকাভার প্রধানং ইউরোপীয় ও দেশীয় ও্রধ বিক্রেডাগনও এই ওম্ব বিক্রয় করিয়া থাকেন। উপরোক্ত হার ছাড়া চারি ওপ টিনের।০, আট ওপ্ টিনের।০

বঙ্গদেশের গবর্ণনেন্টের সিন্কোন। আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলকেট অফ কুইনাইন।

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মুল্য হইবে,যথা—

১ এক পেণ্ডি টিন ১৮) বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

॥ जार ,, ,, ৯) ,, ,, ,, ३॥०

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপক্রম্ট ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপুক্ষক মিশান হয় নাই ভাষার গ্যারান্টী দেওয়া যাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিক্রয় করা যাইবে এবং কলিকাভার নিকটস্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ঘাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will hence forward be at the following rates, payable in advance:—

For the Mufussal.

Rs. Envire Gazette ... 10 () 0 per annum. Postage Parts III, IV, V, and VI, containing the Acts and Bills of the Legislative Councils of India and Bengal Postage For a single copy-Entire Gazette Postage Parts III, IV, V, and VI for 4 sheets or with additionar an of 1 charge enna for every 4 sheets in excess of 4.

Postage ... 0 1 0

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage.

E. N. BAKER.

Offg. Under-Secretary to the Goet. of Bengal.

#### বিজ্ঞাপর ৷

১৮৮৩ সাল ২১ কেব্রুয়ারি।—বাজালা গ্রথমেন্ট গেজেটের মূল্য ও ডাক্মান্থল এই অবধি নিদ্রা বিড হারে অগ্রিম দিডে হইবে:—

	यक:मर	5			টাকা।	•
সম্পূর্ণ গেচ্ছেট	***	•••	•••	বৎসর	3 0~	
` ভাকমান্ত্ৰ	•••	•••	•••	"	<b>*11:</b> •	
७ ७ ३ ७ ६ ७ ६ ५७	( যাহাতে 🕶	ণর <b>ভব</b> র্ষের	ও বল-			
দেশের ব্যবস্থাপ	াক সভার জ	िन 😻	শাইনের			
পাণ্ডুলিপি থাকে		•••	•••	,•	8,	
ভাক্ষাস্থ	•••	***	•••	"	١,	
সপূৰ্ব একখানি গেজে	हेत भृष्य	••	***	,,	<b>{•</b>	
ডা <b>ক্মাস্থ</b> ৰ		***			, •	
৩ ০ ৪ ৩ ৫ ৩ ৫ ২৫	) ( প্রত্যেক ।	৪ পৃষ্ঠা বা	তাহার			
ন্যুন সংখ্যক	थकोत <b>मृ</b> ना)	•••		٠٠,	ক্রাহার ভাষার	পৃষ্টার উপর অধিক হর অধ্যেক প্রিভি আর অধ্যা
					- T. A. A.	11-4 1 4

#### ক্ৰিকাডায় |

কলিকাডায় ৬ মঞ্চঃগলে সমাম গুল্য, কলিকাডায় কেবল ডাকমান্তল লা্পিবে না । ই. এন, বেকার

वक्टान्टम्बर शवर्वधारिक अकृषिः छारे त्मरक्रवेती।

The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

F. Max Müller, M.A., in two Volumes. I rice Rs. 24: packing and postage Re. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the principal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at present a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced student only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the study of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in India will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Rishis of his country—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPDT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

ভাক্ষায়ৰ

#### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1887, intimating that no copies of the Calcutta Gazette or of the Bengales Gazette will be supplied unless the subscriptions to the same is propaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers or officer under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either of the Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted to the Accountant, Bengal Secretarist.

Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the Rupee on account of discount.

C. W. BOLTON, Under-Secretary to the Guot. of Bengal.

13th December 1882.

NOTE - Rates of advertisements in the CALCUITA GAZETTE.

<b>7.</b> 1)				1	Rs.	
tull b	age, p	er issue	•••	***	•••	20
Bulf			***	. •••	***	10
	, Cas	adve	tisement	-4 annas ne	r line.	

#### বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা গেজেটের কিন্তা বাজালা গেজেটের মূল্য অগ্রিম দেওয়া না গেলে ঐং গেজেট দেওয়া যাইবে না, ১৮৮৭ সালের নবেছর মাসের ২০ তারিখের জ্ঞাপনপ্রাতিরিক্ত এই মর্মের বিজ্ঞাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিম্বা গবর্ণমেন্ট কর্তৃপক্ষণের কর্তৃতাধীন কার্য্যালয় ভিম্ন কোন ব্যক্তি বালাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পৃস্তকাদি ক্রয় করিতে চাহিলে কিম্বা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তমিতি নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজাল সেকেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাটান না গেলে উপ্রেক্তি কার্য্যালয় ভিন্ন গেলেটে ইলভিহার কি বিজ্ঞাণন প্রকাশ করা হাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণিট বাদ দিবার জ্বন্যে টাকার উপর আর 🗸 ৫ এক আনা পাঠাইতে হইবে।

সি. ভবলিউ বল্টম, ৰঙ্গদেশেন গ্ৰৰ্থমেন্টের ছোট দেকেট্রী।

#### ১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

মন্তৰ্য ৷ – কলিকাতা গেলেটে ইণতিহার প্রকাশ করিবা	র ছার এটং ।—				টাকা।
প্ৰা এক পৃষ্ঠা একং বাব প্ৰকাশ কৰণের	***	•••	•••		200
আধ পৃষ্ঠা	•••	***	1.	***	200
ক্ষন কংম ইশ্ডিয়ার প্রবাশ করিতে ছইলে	क्रभेष रक्त	•	***	. •	1.

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-Governor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs. 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Scoretariat.

N.B .- Copies are still available.

#### वाकान (मटक्रेडोविट्सडे यञ्जानट्स विक्रसार्थ पाटह ।

বারিন্টার-আট-লা ও শুশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সন্ধিসে নিযুক্ত বর্দ্ধমানের ডিফ্রিক্ট ও সেশন জ্ঞান্ত ও রেন্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেম্পালের শ্রীযুত সি, ডি, ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি লাহেবের প্রনীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গ্বনর সাহেবের শাসনাধীন প্রদেশের ভূম্যধিকারীর প্রাক্র বাইন্সক আইন সংহিতা।

### একং বানি পুস্তকের মৃদ্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুস্তক ক্রয় করিতে চাহিলে বাঞ্চাল সেকেটারিয়েটের আকেণিটান্টের নিকট একং খানি পুস্তকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ।/০ পাঁচ আনা পাঠাইবেন ্ মন্তব্য।—উক্ত পুস্তক এখনও পাওয়া যাইতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

র্জকার্য্যোপদক্ষে বঙ্গদেশের মাজিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পানেত ওরেষ্ট টোন হালের হাতায় ছিত বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কার্য্যবিভাগের আপিসে বেক্ষি-ঞ্চারের নামে শিরোনামা দিয়া থা র্যনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

উক্ত সকল আইনের পৃশু<sup>ন্</sup> কলিকাভার গবর্ণমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিশ্ব কোম্পানির ধাটাতে ক্রায় করিতে পাওয়া যায় ৷

### বিজ্ঞাপন।

গবর্ণমেন্টের ১৮৮১ সালের জ্বন মাসের ২৯ তারিখের আজ্ঞান্ত্রসারে নেভিক্ত গ্রাহকক্ষরপ পোর্ট-কমিশনরেরা নিম্নলিখিত যে সকল দ্রব্য অধিকারে লইয়াছেন ভাহার মূল্য ১০০ টাকার অধিক হওয়ান্তে ১৮৮০ সালের ৭ আইনের ৭৬ ধারার বিধানমতে তাহার বর্ণনা সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ করা গেল:—

তাবিথ। প্রাণা ন ধ্ব	হ ং বিশ্লা:	কাছাকাছি যে স্থানে মৃল্য। পাওয়া গেল।	i
, ,	•	8 4	•
৪শে নবে- ৪ পি, এ ধর ১৮৯৭ বালা।	শাল (মেটা তুলার) ১৩ খানি ভিন্নং রন্ধের ডোরা কাটা  স্তাবন্ধ ৯ ,  ড্লে (ডোরা কাটা ও শাদা) ১৪ ,,  বেগুনিয়া রংক্ষের ডোরা কাটা কটন রোল ১ ,  তুলা ও পাট মিশ্রিত শাদা  চাদর ২ , লাল রক্ষের সৃতীকাপড় ১ , লাল রক্ষের পশমা কম্বল ৩ , লাল রক্ষের পশমা কম্বল ৩ , লাল, সবুজ ও কাল রক্ষের সার্জ ৩ , লাল ও সবুজ ফুানেল ২ ,, রেশম ও স্তা মিশ্রিত চাদর ৬ ,, নানা রক্ষের স্মানার বন্ধাদি ৫ ,, মিশ্রিত টেচা বুননের কাল রক্ষের রোল ১ , গাঢ় নীল রক্ষের মোটা সার্জ ৩ ,, ভিন্নং রক্ষের ডোরাকাটা ফুানেল ৭ , কাল সার্জের শাল ২ ,, বানি শাদা ও ১ খানি নীল রক্ষের টেচা বুননের মিছি সার্জ ২ ,, পাটকিলা রক্ষের সার্জ ২ ,, পাটকিলা রক্ষের সার্জ ২ ,, পাটকিলা রক্ষের সার্জ ২ ,, টেচা বুননের গ্রুতী চাদর ১ ,,	ই।ক।।	পোর্ট কমি শনরদের হাবড়ার ড ইয়ার্ডে।

পোর্ট কমিশনরদের আপিস,

এ, कि, इक्,

ক**লিকাতা,** ২৪**শে** নবেম্বর ১৮৯৭ সাল। <sup>)</sup>

আসিষ্টান্ট কনসারভেটর।

কলিকাতা শোসিডেন্দ্রী ক্লেল যক্ষালয়ে গ্রবমেন্টের জন্য জ্ঞযুত ক্লেম্স পেট্রা সাছের কর্তৃক মুক্তিও ও প্রকাশিত চই ল ।

B 81a-20-12-97--1991- 120



# অতিরিক্ত গবর্ণমেণ্ট গেজেট।

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২১ ডিসেম্বর।

# চতুর্থ থগু।

ভারতবর্ষীয় ব্যবস্থাপক সভার আইনের পাণ্ডুলিপি।

# ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট।

# ব্যবস্থা বিভাগ।

নিম্নলিখিত আইনের পাণ্ডুলিপিখানি ১৮৯৭ সালের ১৫ই অক্টোবর তারিখে আইন ও ব্যবস্থা প্রণয়নার্থ ভারতবর্ষের শ্রীযুত গর্বর জেনরল সাহেবের মন্ত্রি-সভায় উপস্থিত করা হইয়াছিল।—

১৮৯৭ সালের ১৮ নম্র।

ক্ষেজদারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের পাণ্ডলিপি।

স্থচীপত্র।

হেতুবাদ।

প্রথম খণ্ড।

স্থ চনা।

১ প্রথম অধ্যায়।

ধারা।

১। সংক্ষেপ নামের কথা। আরস্ভের কথা। ব্যাপ্তির কথা।

২। তাইন রহিত হইবার কথা। রহিত করা আইন অস্যায়িক বিজ্ঞাপনাদির ধারা।

ত। ফোজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক
আইনের ও অন্য রহিত করা আইনের
উল্লেখ হইলে তাহার কথা।
পূর্ব্ব পূর্ব্ব আইনে ব্যবহৃত শব্দের কথা।

৪। অর্থনির্দেশের কথা।
"আডবোকেট জেনরল।"
"জামিন লইবার উপাযুক্ত অপারাধ।"
"জামিন লইবার অল্পযুক্ত অপারাধ।"
"চার্জ।"

''চীফ জঞ্চিদ।"

"ক্লাৰ্ক অফ দি ক্লোন।"

"ধর্ত্তব্য অপরাধ।"

"ধর্তব্য মোকদ্দমা।"

"নালিশ।"

''ইউরোপীয় রটিষ প্রজা।''

''হাই কোর্ট।"

"তদন্ত।"

"অহুসন্ধান।"

"বিচার ঘটিত কার্য্য।"

"অধর্ত্তব্য অপরাধ।"

"অধর্তব্য মোকদমা।"

''অপরাধ।''

"পোলীস খানার অ**ধ্যক্ষ।**"

" স্থান।"

A Bill to consolidate and amend the law relating to Criminal Procedure.

" **डेकिम**।"

"পোলীস থানা।"

" রাজকীয় অভিযোক্তা।"

" মহকুমা।"

" সমলের মোকক্ষা।"

" বিচার।"

'' ওয়ারক্টের মোকদ্দমা।''

যে যে শক্তে কার্য্যের উল্লেখ আছে ভাহার কথা।

দণ্ডবিধির আইনে কোন শব্দের যে অর্থ আছে সেই অর্থ থাকিবার কথা।

 ৫ । দণ্ডবিধির আইন্মত অপরাধের বিচারের কথা ।

অন্যান্য আইনের বিৰুদ্ধ অপরাধের বিচারের কথা।

# দ্বিতীয় খণ্ড।

ক্ষেদারী আদালত ও কার্য্যালয়ের সংস্থাপন ও ক্ষমতার বিধি।

২ দ্বিতীয় অধ্যায়।

কেজিদারী আদালতের ও কার্য্যালয়ের সংস্থাপনের বিধি।

ক।—কেজিদারী আদালতের নানা শ্রেণী বিষয়ক বিধি।

৬। কেঞ্চিদারী আদালতের নানা শ্রেণীর কথা।

খ।--দৈশিক বিভাগের বিধি।

৭। সেশন খণ্ডের ও জিলার কথা। খণ্ড ও জিলা পরির্ত্তবন করিবার ক্ষমতার

> যাবং পরিবর্ত্তন না হয় বর্ত্তমান খণ্ড ও জিলা থাকিবার কথা।

> রাজধানী গুলি জিলা বলিয়া গণ্য হইবার কথা।

৮। জিলা মহকুমায় বিভক্ত করিবার ক্ষমতার ় কথা ∤

এইক্ষণকার মহকুমা থাকিবার কথা।

গ।—রাজধানীর বহিঃস্থ আদালতের ও কার্য্যালয়ের বিধি।

১। সেশন আদালতের কথা।

১ । জিলার মাজিফেটের কথা।

ধারা ।

১১। জিলার মাজিস্টেটের পদ শ্ন্য হইলে যে ব্যক্তি কিয়ৎকালের নিমিত্ত সেই পদে থাকেন তাঁহার কথা।

১২। অধ্যন্ত মাজিয়েউটদের কথা।
উহাদের বিচারাধীন স্থানের সীমার কথা।

১৩। মাজিস্টেটের প্রতি মহকুমার অধ্যক্ষতা ভার দিবার ক্ষমভার কথা।

জ্ঞিলার মাজিক্টেট লাহেবের প্রতি ক্ষমতা-প্রের কথা।

১৪। বিশেষ মাজিফ্রেটদের কথা।

১৫। মাজিয়েটদের বেঞ্চের কথা। বিশেষ আদেশ না থাকিলে বেঞ্চ যে ক্ষমভা পরিচালন করিতে পারিবেন তাহার কথা।

১৬। বেঞ্চের কার্য্যপদ্ধতি দর্শাইবার বিধি প্রণয়ন করিবার ক্ষমতার কথা।

১৭। মাজিফ্রেটদের ও বেঞ্চদের জিলার মাজিফ্রেট লাহেবের অধীন থাকিবার কথা। মহকুমার মাজিফ্রেটের অধীন থাকিবার কথা। আসিফ্রান্ট সেশন জজদের সেশন জজের অধীন থাকিবার কথা।

য।—প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেটের আদালত বিষয়ক বিধি।

১৮। প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট নিযুক্ত করিবার কথা।

১৯। তাঁহাদের বিচারাধান স্থানের সীমার কথা।

२०। दाचाइरम्रद পिটि সেশন আদালতের কথা।

२)। श्रधान गाजिएक्वेट्रित कथा।

(ও)।—শাস্তিরক্ষার্থ জটিসদিগের বিষয়ের বিধি।

২২। মফঃসলের শান্তিরক্ষার্থ জন্টিসদের কথা।

२७। त्राज्यांभीत मां खित्रकार्य किंगित्मत क्या।

২৪। বর্তমান শান্তিরক্ষার্থ জফিসদের কথা।

२৫। পদোপলক্ষে শান্তিরক্ষার্থ জটিসদের কথা।

চ।—ছগিত ও অবস্ত হইবার বিধি।

২৬। জজদের ও মাজিফ্রেটদের স্থগিত ও অব-স্থত হইবার কথা।

২৭। শান্তিরক্ষার্থ জ্বফিসদের স্থগিত ও অবস্থত হইবার কথা।

৩ তৃতীয় অধ্যায়।

আদালতের ক্ষমতা বিষয়ক বিধি। ক।—এত্যেক আদালতের বিচার্য্য অপরাধের বর্ণনা।

২৮। দণ্ডবিধির আইনমত অপরাধের কথা।

২৯। অন্য আইনমত অপরাধের কথা।

৩০। প্রাণ দভের অপরাধ ভিন্ন অপরাধের কথা।

धाता ।

ংখ।—নানা শ্রেণীর আদালত যে যে দণ্ডাজ্ঞা দিতে পারিবেন তদ্বিষয়ক বিধি।

- ৩১। হাই কোর্ট ও সেশনের জজ সাহেব যে যে দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন ভাহার কথা।
- ৩২। মাজিস্টেটেরা যে যে দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন তাহার কথা।
- ৩৩। অর্থদণ্ডের টাকা না দেওয়াতে মাজিফেটদের কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার ক্ষা।
- ৩৪। কোনং জিলার মাজিক্টেট সাহেবদের উচ্চ-ভর ক্ষমতার কথা।
- ৩৫। একই বিচারে অনেক অপরাধের প্রমাণ হইলে ভাহার দণ্ডাজ্ঞার কথা। অত্যধিক যত কাল দণ্ড হইবে ভাহার
- গ।—নিয়মিত ও অতিরিক্ত ক্ষমতা বিষয়ক বিধি।
- ৩৬। মাজিফেটদের মিয়মিত ক্ষমতার কথা।

**本**智 1

- ৩৭। মাজিক্টেটদের প্রতি অতিরিক্ত ক্ষমতা দিবার কথা।
- ৩৮। জিলার মাজিস্টেট সাংহ্ব যে ক্ষমতা দিতে পারেন তাহার নিম্মের কথা।
- <sup>ষ</sup>। ক্ষমতার প্রদান, স্থিতি ও বিলোপ বিষয়ক বিধি।
  - ৩৯। ক্ষমতা প্রদান করিবার নিয়মের কথা।
  - ৪ । কর্মচারিরা স্থানাস্তরে প্রেরিড হইলে তাঁহা-দের ক্ষমডা প্রবল থাকিবার কথা।
  - ৪১। ক্ষমতা রহিত হইতে পারিবার কথা।

# তৃতীয় খণ্ড।

সাধারণ বিধান।

### ৪ চতুর্থ অধ্যায়।

মাজিক্টেটদিগকে ও পোলীসকে ধৃত করণ কার্য্যে নিযুক্ত ব্যক্তিদিগকে সাহায্য ও সংবাদ দিবার বিধি।

- ৪২। কোনং স্থলে সকল লোকের মাজিস্টেটের ও পোলীসের সাহায্য করিতে হইবার কথা।
- ৪৩। পোলীস কর্মচারী ভিন্ন ওয়ারন্ট সাধনকারী . ব্যক্তিকে সাহায্য করিবার কথা।
- 88। কোনং অপরাধের সন্ধান সকল লোকের দিতে ছইবার কথা।
- ৪৫। গ্রামের মণ্ডল, পাটওয়ারি, ভ্যাধিকারী প্রভৃতির কোন কোন বিষয় রিপোট করিতে বাধ্য হইবার কথা।

এই ধারার প্রয়োজনার্থ কোন কোন স্থলে জিলার মাজিট্টের দ্বারা আমের মণ্ডলের নিয়োগের কথা।

#### ৫ পঞ্চ जशाय।

ধৃতকরণ, পালায়ন ও পুনঃ ধৃতকরণ বিষয়ক বিধি।

ক।—সাধারণতঃ ধৃতকরণ বিষয়ক বিধি।

ধারা ।

- ৪৬। যেরপে য়ড় করিতে হইবে তাহার কথা। ধরিবার উদ্যোগের বাধা দিবার কথা।
- ৪৭। <sup>যা</sup>হাকে ধরিবার চেন্টা হয় সে কোন স্থানে **প্রবেশ** করিলে সেই স্থান অন্নেষণ করিবার কথা।
- ৪৮। **প্রবেশ** করিতে না পাইলে কার্য্যপ্রণালীর কথা। অস্কঃপরের দ্বারাদি ভাল্লিয়া খলিবার
  - অন্তঃপুরের দ্বারাদি ভাঙ্গিয়া খুলিবার কথা।
- ৪৯। মুক্তির উদ্দেশে স্বার ও জানালা ভালিয়া খুলিতে পারিবার কথা।
- ৫০। অনাবশ্যকমতে বদ্ধ না করিবার কথা।
- ৫১। ধৃত ব্যক্তির মা তলাশের কথা।
- ৫২। যে প্রকারে স্ত্রীলোকের গা তলাশী করিতে হইবে তাহার কথা।
- ৫७। সাংঘাতিক অন্ত লইবার ক্ষমতার কথা।

খ।—ওয়ারণ্ট বিনা ধৃত করিবার বিধি।

- ৫৪। যে স্থলে পোলীস ওয়ারন্ট বিনা ধ্বত করিতে পারেন তাছার কথা।
- ৫৫। ভ্রমণকারি ব্যক্তি ও রীতিমত দয়্য প্রভৃতিকে ধৃত করিবার কথা।
- ৫৬। পোলাসের কর্মচারী ওয়ারন্ট বিনা ধ্বড করিবার নিমিক্ত আপন অধান কর্ম-চারিকে প্রেরণ করিলে কার্য্যপ্রণালীর
- ৫৭। নামধাম জানাইতে অস্থীকার করিলে তাহার কথা।
- ৫৮। অপরাধীকে ধরিবার জন্য অন্য এলাকায় যাইবার কথা।
- ক) সামান্য ব্যক্তিদের দ্বারা ধৃত হওয়ার কবা ধৃত ব্যক্তিকে লইয়া বাহা করিতে হইবে তাহার কথা।
- ৬•। ধত ব্যক্তিকে মাজিইটের কিম্বা পোলীস থানার অধ্যক্ষের নিকটে উপস্থিত করিবার কথা।
- ৬১। ধৃত ব্যক্তিকে ২৪ ঘন্টার অধিক আটক করিয়া না রাখিবার কথা।
- ৬২। ধ্বত করণ বিষয়ে পোলাদের রিপোর্ট করি-বার কথা।
- ৬৩। ধৃত ব্যক্তিকে ছ।ভিয়া দিবার কথা।
- ৬৪। মাজিস্টেটের দৃষ্টিগোচরে যে অপরাধ করা ধায় তাহার কথা।

৬৫। মাজিক্টেটের দ্বানা সাক্ষাতে ধরিবার কথা।

৬৬। পলাইলে পশ্চাৎ২ যাইবার ও পুনর্কার ধরিতে পারিবার কথা।।

৬৭। ৬৬ ধারামত ধৃত করণের প্রতি ৪৭ ও ৪৮ ও ৪৯ ধারার বিধান বর্জিবার কথা।

# ৬ ষষ্ঠ অধ্যায়।

উপস্থিত করাইবার পরওয়ানা বিষয়ক বিধি।

ক।---সম্মের বিধি।

৬৮। সমনের পাঠের কথা। সমন যে জারী করিবে তাহার কথা।

৬৯। সমন কি রূপে জারী করা যাইবে তাহার কথা।

সমনের রসীদে স্থাক্ষর করিবার কথা।

- १०। সমন গাঁহার নামে দেওয়া থায় তাঁহাকে না
   পাওয়া গেলে জারী করিবার কথা।
- १३। त्रनीम ना পा उग्ना शिष्ट कार्या अगानीत कथा।
- ৭২। গ্রথমেন্টের কিরেলওয়ে কোম্পানির কর্ম-কারকের উপর সমন জ্ঞারী করিবার কথা।
- ৭৩। স্থানীয় সীমার বহিছ্তি স্থানে সমন জারী ক্রিরার কথা।
- ৭৪। তদ্রপ স্থলেও যে ব্যক্তি সমন জারী করেন তিনি উপস্থিত না থাকিলে সমন জারী হইবার প্রমাণের কথা।

খ।—ধৃত করিবার ওয়ারন্ট বিষয়ক বিধি।

৭৫। ধ্বত করিবার ওয়ারণ্ট লিখিবার পাঠের কথা।

ধ্বত করিবার ওয়ারণ্ট প্রবল থাকিবার কথা।

- ৭৬। আদালত যে স্থলে হাজিরজামিন লইবার আজ্ঞা করিতে পারেন তাহার কথা। নিবন্ধপত্র পাঠাইবার কথা।
- ৭৭। যাহাদের নামে ওয়ারন্ট দিতে হইবে তাহার কথা।

অনেক লোককে ভয়ারতী দিবার কথা।

- ৭৮। ভূম্যধিকারী প্রভৃতির নামে ওয়ার**ন্ট** লিখিয়া , দিতে পারিবার কথা।
- ৭৯। পোলীসের কর্মচারীকে যে ওন্নারন্ট দেওয়া যায় ভাছার কথা।
- ৮০। ওয়ারন্টের মর্ম জ্ঞাত করিবার কথা।
- ৮)। ধৃত ব্যক্তিকে অবিলম্বে আদালতের সমুখে আমিবার কথা।
- ৮২। ওয়ারক যে স্থানে জারী ছইতে পারিবে তাহার কথা।

ধারা।

- ৮৩। বিচারাধীন স্থানের বহির্ভূত স্থানে জারী করণার্থে মাজিফ্রেটের নিকট ওয়ারণ্ট পাঠাইবার কথা।
- ৮৪। এশাকার বহিভূতি স্থানে জ্ঞারী করণার্থ পোলীসের কর্মচারীকে ওয়ারন্ট দিবার কথা।
- ৮৫। যাহার নামে ওয়ারন্ট বাহির হয় তাহাকে ধরা গেলে পর যাহা করিতে হইবে তাহার কথা।
- ৮৬। ধৃত ব্যক্তিকে যে মাজিস্টেটের নিকট আনা যায় তাঁহার কর্তব্যের কথা।

গ।—ঘোষণাপত্র ও ক্রোক করণ বিষয়ক বিধি।

- ৮৭। পলাতক ব্যক্তির নিমিত্ত ঘোষণার কথা।
- ৮৮। পলাতক ব্যক্তির সম্পত্তি ক্রোক করিবার কথা।
- ৮৯। ক্রোকক্বত সম্পত্তি ফিরিয়া দিবার কথা।

য। -পরওয়ানা সংক্রাপ্ত অন্যান্য বিধি।

- ৯০। সমনের পরিবর্ত্তে কি তদতিরিক্ত ওয়ারন্ট দিবার কথা।
- ৯১। উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্র লইবার ক্ষমতার কথা।
- ৯২। উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্রের নিয়ম ভঙ্গ হইলে ধত করণের কথা।
- ৯৩। এই অধ্যায়ের বিধানগুলি সাধারণতঃ সম-নের প্রতি ও ধরিবার ওয়ারক্টর প্রতি বর্ত্তিবার কথা।

#### ৭ সপ্তম অধ্যায়।

দঙ্গীল ও অন্যান্য অস্থাবর সম্পত্তি বলপূর্বক উপস্থিত করাইবার এবং অন্যায়মতে অবৰুদ্ধ ব্যক্তির সন্ধান দিবার পরওয়ানা বিষয়ক বিধি। '… •

ক।—উপস্থিত করাইবার সমন বিষয়ক বিধি।

- ৯৪। দলীল কি অন্য দ্রব্য উপস্থিত করাইবার সম-নের কথা।
- ১৫। পত্র ও ভাড়িত বার্তা সম্বন্ধে কার্য্প্রণাদীর কথা।

খ।—তলাশী পরওয়ানা বিষয়ক বিধি।

- ৯৬। তলালী পরওয়ানা যে স্থলে বাহির হইতে পারে তাহার কথা।
- ৯৭। পর ওয়ানায় স্থান নির্দেশ করিতে পারিবার কথা।
- ৯৮। যে গৃহাদিতে চোরা জব্য কি ক্কত্রিম দলীলাদি থাকার অনুমান হয় ভাহাতে অন্বেষণ করিবার কথা।

৯৯। এলাকার বাহিরে তলালক্রমে কোন দ্রব্য পাওয়া গেলে তাহা লইয়া কার্য্য করিবার কথা।

> গ।—জন্যায়মতে অবরুদ্ধ ব্যক্তিদিগকে প্রকাশ করণের বিধি।

১০০। অন্যায়মতে অবরুদ্ধ ব্যক্তিদিগকে তলাশ করিবার কথা।

য। - তলাশ সংক্রান্ত সাধারণ বিধি।

১০১। তলাশী পরওয়ানা যাহার নামে দিতে হইবে তৎপ্রভৃতির কথা।

১০২। বদ্ধখান যে ব্যক্তির জিম্মায় থাকে ভাষার ভঙ্গাশ করিবার অন্ত্যতি দিতে হইবার কথা।

১ ০০ । সাক্ষীদের সমুখে তলাশ করিতে হইবার কথা।

> যে স্থানে তলাশ হয় সেই স্থানবাসির উপস্থিত হইতে পারিবার কথা। গু।—বিবিধ বিধি।

১০৪। দলীলাদি উপস্থিত করা গেলে তাহা আটক করিয়া রাখিবার ক্ষমতার কথা।

১০৫। মাজিস্টেটের সাক্ষাতে অন্নেষণ হইবার আজ্ঞার কথা।

# চতুর্থ খণ্ড।

অপরাধ নিবারণ বিষয়ক বিধি।

# ৮ অষ্ট্রম অধ্যায়।

শান্তিভঙ্গ না করিবার ও সদচারণের জামিন বিষয়ক বিধি।

ক।—অপরাধ নির্ণয় হইলে শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিনের বিধি।

১০৬। অপারাধ নির্ণয় হইলে শান্তিভল না করিবার মুচলকার কথা।

খ। অন্যছলে শান্তিভঞ্জ না করিবার জামিন ও সদাচরণের জামিন বিষয়ক বিধি।

১০৭। অন্য স্থলে শাস্তিভঙ্গ না করিবার জামিন দিবার কথা।

১০৮। ১০৭ ধারামতে কার্য্য করিতে ক্ষমতাপন্ধ না হইলে মাজিফেট প্রভৃতির কার্য্য-প্রণালীর কথা।

১ ° ৯। ভ্রমণকারি ও সন্দেহযুক্ত ব্যক্তিদের স্থানে সদাচরণের জামিন সইবার কথা।

১১০। পাকা বদমাইসদের স্থানে সদাচরণের জামিন লইবার কথা। ধারা।

১১১। ইউরোপীয় বেটুয়াদের সম্বন্ধীয় উপবিধির কথা।

১১২। যে আজ্ঞা করিতে হইবে তাছার কথা।

১১৩। যে ব্যক্তি আদালতে উপস্থিত ধাকেন তৎসম্বন্ধে কাৰ্য্যপ্ৰশালীর কথা।

১১৪। তদ্রপে কোন ব্যক্তি উপস্থিত না থাকিলে সমন কি ওয়ারন্ট দিবার কথা।

১১৫। ১১২ ধারামত আজার নকল সমনের কি ওয়ারন্টের সজে দিতে ছইবার কথা।

১১৬। স্বরং অহপাছিত থাকিবার অহ্নযতি দিবার ক্ষমতার কথা।

১১৭। সম্বাদের সত্যতা সম্বন্ধে তদস্তের কথা।

১১৮। জামিন দিবার আজ্ঞার কথা।

১১৯। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবার কথা।

# গ।—জামিন দিবার আজার পর সর্বাত্র কার্য্যাস্টানের বিধি।

১২০। যে সময়ের নিমিত্ত জামিন দিবার আদেশ হয় ভাহার আরজ্যের কথা।

১২১। নিবন্ধপত্রে যাহা যাহা থাকিবে তাছার কথা।

১২২। জামিন অগ্রাহ্য করিতে পারিবার কথা।

১২৩। জ্ঞামিন না দিলে কারাদণ্ডের কথা। কার্য্যান্নষ্টানের কাগজপত্র কখন হাই কোটে কি সেশন আদাসতে অর্পন করিতে হইবে তাহার কথা।

যে প্রকারের কারাদণ্ড হই..ব ভাহার কথা।

১২৪। জামিন না দেওয়া প্রযুক্ত যাহারা কারাবদ্ধ হয় ভাহাদিগকে ছাভিয়া দিভে পারিবার কথা।

১২৫। শান্তিভঙ্গ না করিবার কোন নিবন্ধনপত্ত জিলার মাজিফ্রেট সাহেবের অকর্মণ্য করিতে পারিবার কথা।

১২৬। জামিনকে ছাজিয়া দিবার কথা।

# ৯ নবম অধ্যা**র**।

# বেআইনীমত জনতাবিষয়ক বিধি।

১২৭। মাজিফ্রেটের কিম্বা পোলীদের কর্মচারির আজ্ঞামতে জনতা ভঙ্গ হইবার কথা।

১২৮। জনতা ভঙ্গ করিবার জন্যে সৈন্য ছাড়া অপর লোক সইয়া বল প্রয়োগের কথা।

১২৯। সৈন্যদল ব্যবহারের কথা।

১৩০। জনতা ভল্প করিবার নিমিত্ত মাজিস্টেটের আজ্ঞা ছইলে সৈন্যাধ্যক্ষের কর্তব্য কর্মের কথা।

১৩১। জনতা ভঙ্গ করণার্থে সনন্দপ্রাপ্ত সেনা-পতিদের ক্ষমতার কথা।

১৩২। এই অধ্যায়মতে কর্ম হইলে অভিযোগ না হইবার কথা। থারা।

# ১০ দশন অধ্যায়

# সাধারণের অনিউজনক বিষয়ের বিধি।

- ১৩৩। অনিউজনক বিষয় স্থানান্তর করিতে নিয়মা-ধীন আজ্ঞা করিবার কথা।
- ১৩৪। আজা কিয়া জাহার জ্ঞাপনপত্র দিবার কথা।
- ১৩৫। ঘাহাকে আজ্ঞা করা বার তাহার সেই আজ্ঞা যানিবার,

কিল্লা কারণ দশ্ভিবার কি পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত হইবার দাওয়ার কথা।

- ১৩৬। তদ্রপ না করিবার ফলের কথা।
- ১৩৭। কারণ দর্শাইতে উপস্থিত হইলে কার্য্য-প্রণান্সীর কথা।
- ১৩৮। পঞ্চায়তের দাওয়া করা গেলে কার্য্য-প্রশালীর কথা।
- ১৩৯। পঞ্চায়ত মাজিফ্টেটের আজ্ঞা যুক্তিযুক্ত নির্ণয় করিলে যাহা কর্ত্তব্য ভাহার কথা।
- ১৪০। আজ্ঞা চূড়ান্ত করা গেলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।

আজ্ঞা অমান্য করা গেলে কলের কথা।

- ১৪১। পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত না করা গেলে কি ভাহার।

  যত প্রকাশ না করিলে, কার্য্যপ্রণালীর

  কথা।
- ১৪২। তদৰ কাৰ্য্য চলম কালে নিষেধ দূচক আজ্ঞার কথা।
- ১৪৩। সাধারণের অনিউজনক কার্য্য বারস্থার না হইবার বা না চলিবার বারণ করিতে মাজিক্টেটের ক্ষমতার কথা।

# ১১ একাদশ অধ্যায়।

অনিষ্টজনক বিষয় ব' বিপদাশঙ্কা ঘটিত আবশ্যক স্থলে কিয়ৎকালীন আজ্ঞা বিষয়ক বিধি।

১৪৪। অনিউজনক বিষয় বা বিপদাশকা ঘটিত আবশ্যক স্থলে একবারে চূড়ান্ত আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।

# >२ जानम व्यथाय ।

# স্থাবর সম্পত্তি সম্বন্ধীয় বিবাদ বিষয়ক বিধি।

১৪৫। ভূমাাদিবিষয়ক কোন বিবাদে শান্তিভঙ্গের সম্ভাবনা হইলে কার্যাপ্রশালীর কথা। দর্খলে থাকিবার ভদত্শের কথা। যে পক্ষের দর্খলে থাকে হাবৎ আইনমতে বেদখল না হয় ভাষার দখলে থাকিবার কথা। ধারা ।

- ১৪৬। বিবাদীয় বিষয় ক্লোক করিবার ক্ষমতার কবা।
- ১৪৭। স্থাচ্ছন্দ্যভোগস্থত্ব প্রভৃতি বিষয়ের বিবা-দের কথা।
- ১৪৮ । স্থানীয় ডদন্ত লইবার কথা । খরচা বিষয়ে আজ্ঞার কথা ।

### ১৩ ত্রয়োদশ অধ্যায়।

# পোলীসের নিবারণাত্মক কার্য্য বিষয়ক বিধি।

- ১৪৯। ধর্দ্ধব্য অপরাধ পোলীসের নিবারণ করিতে হইবার কথা।
- ১৫০। ঐ অপরাধ করিবার কম্পনার সংবাদ পাইলে তাহার কথা।
- ১৫১। ঐ অপরাধ নিবারণার্থে ধৃত করিবার কথা।
- ১৫২। রাজকীয় সম্পত্তির হানি নিবারণের কথা।
- ১৫৩। বাটখারা ও মাপিবার যন্ত্রাদি দৃষ্টি করি-বার কথা।

# পঞ্চম খণ্ড :

পোলীদে সংবাদ দিবার ও তাঁগাদের অহুসন্ধান করিবার ক্ষমতার বিধি।

# ১৪ চতুৰ্দ্ধশ অখ্যায়।

- ১৫8। श्रृंत्र (माकक्षमात्र मःतान निवात कथा।
- ১৫৫। অধর্ত্তব্য মোকদ্দমার সংবাদ দিবার কথা। অধর্ত্তব্য মোকদ্দমার অভ্নস্কান লইবার কথা।
- ১৫৬। ধর্ত্তব্য মোকদমার অহুসন্ধান লইবার কথা।
- ১৫৭। ধর্ত্তব্য অপরাধ সংঘটনের সন্দেহ হইলে কার্য্যপ্রশালীর কথা।

স্থানায় অন্নহ্মান না শইবার স্থান প্রানার অধ্যক্ষ অন্নহান লইবার বিশিষ্ট হেতু না দেখিলে তাহার কথা।

- ১৫৮। ১৫৭ ধারামত রিপোর্ট কিন্ধপে পাঠাই ত হইবে তাহার কথা।
- ১৫৯। অল্পদ্ধান বা প্রথম স্থলীয় তদন্তের ক্ষয়ত'র কথা।
- ১৬০। সাক্ষীদিগকে উপস্থিত করাইতে পোলীদের কর্মচারির ক্ষমতার কথা।
- ১৬১। পোলীসের ছারা সাক্ষিদের সাক্ষ্য গ্রহণের কথা।
- ১৬২। পোলীদের নিকট যে উক্তি করা যার তাহাড়ে স্বাক্ষর করিতে না হইবার ও তাহা সাক্ষ্য স্বরূপ গ্রাহা না হইবার ।

ধারা r

১৬৩। श्रांत्र कि मा निर्वात कथा।

১৬৪। উক্তি ও স্থীকার বাক্য দিশিবদ্ধ করিবার ক্ষমতার কথা।

১৬৫। পোলীস কর্মচারির দ্বারা জলাশের কথা।

১৬৬। যে ছলে পোলীস ধানার এক অধ্যক্ষ অন্য অধ্যক্ষকে তলালী পারওয়ানা দিবার আদেশ করিতে পারিবেন তাহার কথা।

১৬৭ । চক্রিশ ঘণ্টার মধ্যে অভ্নসন্ধান সমাপ্ত হইতে না পারিলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।

১৬৮। অধীনস্থ শোলীস কর্মচারী কর্তৃক অহ্ন-সন্ধানের রিপোর্টের কথা।

১৬৯। প্রমাণের ন্যুত্রতা হইলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মুক্ত করিবার কথা।

১৭০। উপযুক্ত প্রমাণ থাকিলে মোকদমা মাজি-ফ্রেটের নিকটে পাঠাইবার কথা।

১৭১। বাদিদের কি সাক্ষিদের পোলীদের কর্মচারির সঙ্গে না ঘাইতে হইবার কথা।
বাদিদিগকেও সাক্ষিদিগকে আটক করিয়া
না রাখিবার কথা।

বাদী বা সাক্ষী স্থীকার নাকরিলে প্রহরির জিম্মায় প্রেরিত হইবার কথা।

১৭२। সত্বসন্ধান কার্য্যের রোজনামচার কথা।

১৭৩। পোলীসের কর্মচারির দ্বিপোর্টের কথা।

১৭৪। আত্মহত্যা প্রস্কৃতি তদন্ত লইয়া পোলীদের রিপোর্ট করিবার কথা।

১৭৫। ব্যক্তিদিগকে সমন করিবার ক্ষমতার কথা।

১৭৬। মাজিকেটের ছারা মৃত্যুর কারণের তদন্ত কাইকার কথা।

প্রোধিত দেহ উঠাইতে পারিরার কথা।

# ষষ্ঠ খণ্ড।

মোকদ্দমা চালাইবার কার্য্যপ্রশালী বিষয়ক বিধি।

১৫ প্রকাদশ অধ্যায়।

তদন্ত ও বিচারকার্য্যে কেজিদারী আদালতের বিচারাধিকারেম্ব বিধি।

ক। তদন্ত লইবার ও বিচার করিবার ছান বিষয়ক বিধি।

১৭৭। সাধারণতঃ তদস্ত লইবার ও বিচার করি-বার স্থানের কথা। •

১৭৮। ভিন্ন সেশন খণ্ডে মোধ দ্দমার বিচার হই-বার আজ্ঞা দিজে পা:রিবার কথা।

১৭৯। যে জিলার ক্রিয়া করা যায় কি যে জিলায় ক্রিয়ার ফল প্রকাশ হয় ইহার একতর জিলায় অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার হইতে পারিবার কথা। ধারা।

১৮০। অন্য ম্পেরাধের সহিত সমস্ক থাকা প্রযুক্ত কোন ক্রিয়া ম্পেরাধ হইলে বিচার করিবার স্থানের কথা।

১৮১। ঠগ হইবার কি ছাকাইত দলের লোক হই-বাব কি হেফাজত হইতে পলাইবার ইত্যাদির কথা।

> অপরাধস্তাবে অবিহিত ব্যর্হারের ও অপ-রাধস্তাবে বিশ্বাস মাতকতা করণের কথা।

চুরি করগের কথা।

১৮২। অপরাধ য়ে স্থানে করা গেল তাছা নিশ্চয় না হইলে, কিশ্বা কেবল একস্থানে না করা গেলে, কিশ্বা অপরাধ নিয়ত করা গেলে কিশ্বা অনেক কার্য্য লইয়া অপরাধ হইলে তদন্ত ও বিচার করিবার স্থানের কথা।

১৮৩। যাত্রাক্রমে পথে অপরাধ করিলে তাহার কথা।

১৮৪। রেলওয়ে ও টেলিগ্রাক ও ডাক্যর ও অস্ত্র বিষয়ক আইনের বিরুদ্ধে অপরাধের কথা।

১৮৫। কোন্জিলায় তদন্ত লওয়া যাইবে বা বিচার ছইবে এবিষয়ে সন্দেহ ছইলে হাই কোর্টের দ্বারা ইহা নির্ণয় ছইবার কথা।

১৮৬। বিচারাধীন স্থানের বাহিরে অপরাধ করা গেলে সমন কি ওয়ার**ন্ট দিবার ক্ষ**মভার কথা।

> ধরিলে পার মাজিন্টেটের কার্য্যপ্রণলীর কথা।

১৮৭। অধীন মাজিকেটের এক্লারট ছইলে কর্ত্ত-ব্যের কথা।

১৮৮। রটিষ প্রজ্জার রটিষ ভারতবর্ষের বাহিরে অপারাধ করিলে তাগদের দায়ের কথা। অভিযোগের তদন্ত লওয়া উচিত এই বিষয়ে পদিটিকাল এক্ষেন্টের সর্টি-ফিকেট দিবার কথা।

১৮৯। সাক্ষ্যের ও দলালের প্রতিলিপি প্রামাণ-স্বরূপ গ্রহণ করিতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।

# খ। — কার্ধ্যারছের আবশ্যক নিয়মবিষয়ক বিধি।

১৯•। মাজিফ্রেটেরা যে অপরাধ গ্রাহ্য করিতে পারিবেন তাহার কথা।

১৯১। অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনামতে মোকদ্দমা হস্তান্তর বা সমর্পণ করিবার কথা।

১৯২। শাজিফেটদের মোকদ্দমা হস্তান্তর করিবার কথা।

১৯৩। সেশন আদালত যে অপরাধ গ্রাহ্য করিতে পারিবেন তাহার কথা।

১:৪। ছাই কোর্ট যে অপরাধ গ্রাহ্য করিবেন ভাহার কথা।

১৯৫। রাজকীয় কার্য্যকারকদের আইনসিদ্ধ ক্ষমতী অবজ্ঞা করণ হেতৃক অভিযোগের কথা। সাধারণের ন্যায়বিচারের বিরুদ্ধে কোনং অপরাধহেতৃ অভিযোগের কথা। দলীল প্রমাণস্করণে উপস্থিত করা

দলীল প্রমাণস্বরূপে ডপাস্থত করা গেলে ভৎসম্পর্কীয় অপরাধের অভি-যোগের কথা।

ষে প্রকারের অভ্যতি পাওয়া আবশ্যক ভাষার কথা।

১৯৬। রাজবিরুদ্ধ অপরাধের অভিযোগের কথা।

১৯৭। বিচার কর্তাদের ও রাজকীয় কার্য্যকারক-দের নামে অভিযোগের কথা।

> অভিযোগ সম্বন্ধে গবর্ণমেন্টের ক্ষমতার কথা।

১৯৮। চুক্তিভঙ্গ ও অপবাদ ও বিবাহ সম্পর্কীয় অপরাধের অভিযোগের কথা।

১৯৯। পারদার সংক্রান্ত কিম্বা বিবাহিতা দ্রী-লোককে ফুসলাইয়া লওন বিষয়ক অভিযোগের কথা।

১৬ (सांध्रम व्यथाय।

### यां ब्लिट्स्टें टेप्पर निकड़े नामिश कतिवात विधि।

় ২০০। বাদির পরীক্ষা লইবার কথা।

২০১। মাজিক্টেট নালিশ শুনিতে ক্ষমতাপন্ধ না হইলে কাৰ্য্যপ্ৰণালীর কথা।

২০২। পরওয়ানা দিতে বিলম্ব করণের কথা।

২০৩। নালিশ ডিসমিস করিবার কথা।

# 39 म श्रुपम ज्याशा ।

# মাজিফ্রেটদের সমুখে কার্য্যারম্ভ করিবার বিধি।

২০৪। পরওয়ানা দিবার কথা।

২০৫। অভিযুক্ত ব্যক্তির উপস্থিত না হইবার অম্ল-মতি দিতে মাজিক্টেটের ক্ষমতার কথা।

# ১৮ जहीमन जशाश ।

# দেশন আদালতের কি হাই কের্টের বিচার্য্য মোকদ্দমার তদন্ত বিষয়ক বিধি!

২০৬। বিচারার্থ সমর্পণ করিবার ক্ষমতার কথা। ২০৭। সমর্পণার্থে প্রথমে তদন্ত সইবার কার্য্য-প্রশালীর কথা। ধারা ।

২০৮। উপস্থিত সাক্ষ্য এহণের কথা। আরো সাক্ষ্য উপস্থিত করাইবার পার-ওয়ানার কথা।

২০৯। যে ছলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দেওয়া যাইবে তাহার কথা।

২১০। কখন অভিযোগপত্র প্রস্তুত করিতে হইবে তাহার কখা। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে অভিযোগ বৃঝাইয়া

দিবার ও অভিযোগপত্রের নকল দিবার কথা।

২১১। বিচার কালে প্রতিবাদীর সপক্ষ সাক্ষিদের নাম নির্ঘটের কথা। অন্য নাম নির্ঘটের কথা।

২১২। মাজিফ্রেটের তদ্রপ সাক্ষীদিগকে পরীক্ষা করিবার ক্ষমতার কথা।

২১৩। বিচারার্থে সমর্পণ করিবার আজ্ঞার কথা।

২১৪। ইউরোপীয় রটিষ প্রজার সহিত রাজধানী নগরের বাহিরে একত্র অভিযুক্ত ব্যক্তির কথা।

২১৫। ২১৩ কি ২১৪ ধারামতে বিচারার্থে সমর্পণ অসিদ্ধ করিবার কথা।

২১৬। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করা গেলে প্রতিবাদীর সাক্ষিদিগকে সমন দিবার কথা।

> অনাবশ্যক সান্ধির খরচা আমানৎ না ছইলে তাহাকে সমন করিতে অন্থীকার করি-বার কথা।

২১৭। বাদিদের ও সাক্ষিদের নিবন্ধপত্রের কথা। উপস্থিত হইতে কি নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে স্থীকার না করিলে হেকাজতে রাখিবার কথা।

২১৮। মোকদ্দমা সমর্পণ হইলে জ্ঞাত করিবার কথা।

অভিযোগপত্র প্রভৃতি হাই কোর্টে বা সেশন আদালতে পাঠাইবার কথা।

ইংরাজী অন্নবাদ হাই কোর্টে পাঠাইতে হইবার কথা।

২১৯। অতিরিক্ত সাক্ষিদিগকে সমন করিবার ক্ষমতার কথা।

২২০। বিচারের অপেকায় অভিযুক্ত ব্যক্তিকে হাজতে রাখিবার কথা।

়১৯ উনবিংশ অধ্যায়।

অভিযোগের বিধি।

অভিযোগ লিখিবার পাঠের বিধি।

২২১। অভিযোগপত্তে অপরাধ নির্দ্ধিষ্ট করিবার কথা। অপুরুধের বিশেষ নামুই বিশিষ্ট বর্তনা

অপারাধের বিশেষ নামই বিশিষ্ট বর্ণনা ছইবার কথা। ধারা ৷

অপরাধের নাম নিরূপণ না হইলে যেরূপ বর্ণনা হইবে তাহার কথা। অভিযোগপত্রে যে অস্থমান হইবে তাহার কথা। অভিযোগপত্র যে ভাষায় লেখা যাইবে তাহার কথা। পুর্বেষ্ক অপরাধ নির্ণয় হইলে অভিযোগ-পত্রে তাহা লিখিবার কথা।

২২২। সমমের ও স্থানের ও ব্যক্তির বিশেষ বিবরণের কথা।

২২৩। অপরাধ কি প্রকাে করা গিয়াছিল এই কথা যে স্থলে ব্যক্ত করিতে হইবে ভাহার কথা।

২২৪। যে আইনক্রমে অপরাধের দণ্ড হয় সেই আইনমত অর্থে অভিযোগণত্ত্রের শব্দের ্ অর্থ গৃহীত হইবার কথা।

२२६ । ज्यात करनत कथा।

২২৬! অভিযোগপত্র বিনা বা অসম্পূর্ণ অভিযোগ-পত্র সহিত সমর্পন করা গেলে কার্য্য-প্রণালীর কথা।

২২৭। অভিযোগপত্র পরিবর্ত্তন করিতে আদা লতের ক্ষমতার কথা।

২২৮। যে২ স্থলে পারিবর্ত্তন হইলেই বিচারের কার্য্য চলিতে পারে তাহার কথা।

২২৯। যে স্থলে নৃতন বিচারের আজ্ঞা কিম্বা বিচার স্থগিত হইতে পারিবে তাহার কথা।

্ত। পরিবর্ত্তিত অভিযোগপত্রের লিখিত অপ-রাধ হেতৃক অসমতি পাইবার প্রয়োজন হইলে মোকদ্মার কার্য্য স্থগিত রাখিবার কথা।

২৩১। অভিযোগপত্ত পরিবর্ত্তিত হইলে সাক্ষি-দিগকে পুনশ্চ ডাকিতে পারিবার কথা।

২৩২। স্তৰ্কতর ভ্রম হইলে তাহার ফলের কথা।

অভিযোগ সংযোগ করিবার কথা।

২৩৩। **ভিন্ন২ অপরাধে ভিন্ন**২ অভিযোগ হই-বার কথা।

২৩৪। এক বৎসরের মধ্যে এক প্রকারের শপরাধ তিনবার করিবার অভিযোগ একত হইতে পারিবার কথা।

২৩৫। গুই কি ভদধিক অপরাধের 'বিচারের কথা।

একই অপরাধ গুই সংজ্ঞার মধ্যে আইলে
ভাহার কথা।

নানা ক্রিয়ার দারা এক অপরাধ হইলে
কিন্তু সমবেত হইয়া অন্য অপরাধ
হইলে ভাহার কথা।

২৩৬। কি অপারাধ হইয়াছে এই বিষয়ের সন্দেহ স্থলের কথা। ধারা ।

২৩৭। কোন ব্যক্তির নামে এক অপরাধের অভি যোগ হইলে ভাহার অন্য অপরাধ যে স্থলে নিএর হইতে পারিবে ভাহার কথা।

২৬৮। যে অপরাধের প্রমাণ হয় জাহা অভিযোগের অপরাধ মধ্যে রা গেলে তাহার কথা।

২৩৯। যে২ ব্যক্তিদের অভিযোগ একত্র করা যাইতে পারে তাহাদের কথা।

২৪০। জনেক অভিযোগ ছইমা একের প্রমাণ হইলে অন্য সকল অভিযোগ উঠাইমা লইবার কথা।

২০ বিংশ অধ্যায়।

মাজিস্টেটেরা সমন দিয়া যে মোকদ্দমার বিচার করেন ভাহার বিধি।

২৪১। সমন দিয়া যে মোকদ্দমার বিচার হয় তাহার কার্য্যপ্রণালীর কথা।

২৪২। অভিযোগের মর্ম জানাইবার কথা।

২৪৩। অভিযোগের সভ্যতা স্বীকার করিলে অপ-রাধ নির্ণয়ের কখা।

২৪৪। তজ্ঞপ স্থাকার না হইলে যাহা কর্তব্য তাহার কথা।

২৪৫। মুক্ত করণের কথা। দণ্ডাজ্ঞার কথা।

২৪৬। অপরাধ নির্ণয়, নালিশ বা সমনে আবন্ধ না থাকিবার কথা।

২৪৭। বাদা উপস্থিত না হট্নে তাহার কথা।

२८৮। नानिन उठाहरा नहेव द कथा।

২৪৯। বাদী না থাকিলে কার্য্যান্নন্তান বন্ধ করিবার ক্ষমতার কথা।

২৫০। ভুচ্ছ বা হংখদায়ক মাত্র অভিযোগের কথা।

### ২১ একবিংশ অধ্যায় !

যে মোকদ্দমায় ওয়ারন্ট বাহির হয় মাজিফ্টেটদের দারা ভাহার বিচার হইবার বিধি।

২৫১। যে মোকদ্দমায় ওয়ারন্ট বাহির হয় তবি ষয়ের কার্য্যপ্রণালীর কথা।

২৫২। অভিযোগের সপক্ষ সাক্ষ্যের কথা।

২৫৩। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবার কথা।

২৫৪। অপরাধের প্রমাণ খাছে দেখা গোলে অন্তি-যোগপত্ত লিখিবার কথা।

२००। উত্তরের কথা।

२६७। व्यक्तिरामन कथा।

২৫৭! অ**ভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনাম**তে সাক্ষ্য উপ-স্থিত করাইবার কথা।

২৫৮। মুক্তকরণের কথা।

দোষী নির্ণয় করণের কথা।

২৫৯। বাদী উপস্থিত না থাকিবার কথা।

# ২২ দ্বাবিংশ অধ্যায়।

#### সরাসরা বিচারের কথা।

#### शता।

২৬০। সরাসরী বিচার করিবার ক্ষমতার কথা।

২৬১। ন্যুন ক্ষমতাপ্রাপ্ত মাজিস্টেটদের বেঞ্চের প্রতি ক্ষমতা প্রদান করিবার কথা।

২৬২। যে২ মোকদ্দমায় সমন ও ওয়ারণ্ট দেওয়া যাইতে পারে সেই সেই মোকদ্দমায় কার্য্যপ্রপালী খাটিবার কথা। কারাদভের মিয়াদের কথা।

২৬৩। যে মোকদ্দমায় আপীল নাই সেই মোকদ্দমায় রিকার্ডের কথা।

২৬৪। যে মোকদ্দমার উপর আপাল হইতে পারে সেই মোকদ্দমায় রিকার্ডের কথা।

২৬৫। রিকার্ড ও নিম্পান্ত যে ভাষায় লিখিতে হউবে ভাষার কথা।

বেকের কেরাণী রাবিতে পারিবার কথা।

# ২৩ ত্রয়োবিংশ অধ্যায়।

# হাই কোর্টেশ্ব ও সেশন আদালতের সন্মুখে বিচারের বিধি।

#### क।--উপক্রমণিকা।

২৬৬। "হাই কোর্ট" শব্দের অর্থের কথা।

২৬৭। ছাই কোর্টে জুরির ধারা বিচার হইবার কথা।

২৬৮। সেশন আদালতে জ্বির দ্বারা বা আসে-সরদের সহকারিতায় বিচার হইবার কথা।

২৬৯। সেশন আদালতে জ্বির দারা বিচার হয়
স্থানীয় গবর্ণমেন্টের এই আজ্ঞা করিতে
পারিবার কধা।

২৭০। সেশন আদালতে রাজকীয় অভিযোক্তা দ্বারা বিচারের কার্য্যের অস্থ্রান হইবার কথা।

# খ।--কার্য্যারছের বিধি।

২৭১। বিচার আরম্ভ করপের কথা। অপারাধ স্থীকার করিলে ভাছার কথা।

২৭২। অপরাধ জীকার না করিবার কি বিচার হইবার দাওয়ার কথা।

জুরির কি আসেসরদের পরিবর্তন না হইয়।
ক্রমশঃ বছ অপরাধীর বিচার ছইতে
পারিবার কথা।

২৭৩। অভিযোগের প্রতিপোষণ হইতে না পারিলে যে কথা লেখা যাইবে তাহার কথা। ঐ লিখিত কথার ফলের কথা।

### গ। জুরি নির্কাচনের বিধি।

#### श्राता ।

২৭৪। কত জন লইয়া জুরি হইবে তাহার কথা।

২৭৫। সেশন আদাসতে ইউরোপ কি আমেরিকা- দেশীয় সোক ভিন্ন অন্য সোকদের বিচারার্থ জুরির কথা।

২৭৬। গুলিবাঁট দারা জুরি মনোনীত হইবার কথা।

বর্ত্তমান রীতি চলিবার কথা। যাঁহাদিগকে সমন দেওরা যায় নাই তাঁহা-দিগকে কখন এইণ করিতে পারা যায় তাহার কথা।

বিশেষ জুরির সহযোগে বিচার হইবার কথা।

২৭৭। জ্রির নাম ডাকিবার কথা। জ্রির কোন ব্যক্তির বিষয়ে আপত্তির কথা।

কারণ না জানাইয়া অপত্তি করিবার কথা।

২৭৮। আপত্তির কারণের কথা।

২৭৯। আপত্তি নিষ্পত্তির কথা। যে জ্বরেরে বিরুদ্ধে আপত্তি গ্রাহ্য হয় তাঁহার স্থানে অন্য লোক নিয়োগের কথা!

২৮০। জুরির প্রধান ব্যক্তির কথা।

२৮)। ज्युत्रतिमशत्क मार्शिश मिर्वात कथा।

২৮২। জুরর উপদ্বিত থাকিতে না পারিলে যাহা কর্ত্তব্য তাহার কথা।

২৮৩। আসামীর পীড়া হইলে জুরিকে বিদায় করিয়া দিবার কথা।

## য :--- আসেসর নির্কাচনের বিধি।

১৮৪। আসেদরদিগকে যেরপে মনোনীত করা ঘাইবে তাহার কথা।

২৮৫। আসেমর উপস্থিত থাকিতে না পারিলে । যাহা কর্ত্তব্য তাহার কথা।

ও।—অভিযোগের ও প্রতিবাদের সমাপ্তি পর্য্যস্ত মোকন্দমার বিচারের বিধি।

২৮৬। অভিযোগের যোকদমার সূচনার কথা।
সাক্ষিদের পরীক্ষা লইবার কথা।

২৮৭। মাজিফেটদের সমুখে অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা লওয়া গেলে তাগ প্রমাণস্বরূপ গ্রাহ্য ছইবার কথা।

২৮৮। প্রথমস্থলীয় ওদন্ত লইবার সময়ে যে সাক্ষ্য দেওয়া যায় তাহা গ্রাহ্য হইবার কথা।

২৮৯। অভিযোগের সাক্ষীদের পরীক্ষার পর কার্য্যপ্রধালীর কথা।

২৯০। প্রতিবাদের কথা।

- ২৯১। সাক্ষীদের পরীক্ষা সইতে ও ভাহা-দিগকে সমন করিতে অভিযুক্ত ব্যক্তির অধিকারের কথা।
- ২১২। অভিযোক্তার উত্তর দিবার অধিকারের কথা।
- ২৯৩। জুরির কি আসেসরদের ছারা ছানাদি দৃষ্ট হইবার কথা।
- ২৯৪। ছ্রির কোন ব্যক্তির কি আসেসরের পরীক্ষা যে ছলে লওয়া হইতে পারিবে ভাহার কথা।
- ২৯৫। অধিবেশন করিবার দিনাস্তর নিরূপণ হইলে জুরির কি আসেসরদের উপস্থিত হইবার কথা।
- २ ৯ । जुतिक वन्न दार्थिवात कथा।
  - চ। শ্বরির বিচারিত মোকন্দমায় বিচার সমাপ্তির বিধি।
- ২৯৭। জুরির প্রতি উপদেশের কথা।
- ২৯৮। জজ সাহেবের কর্ত্তব্য কর্ম্মের কথা।
- ২৯১। জুরির কর্ত্তব্য কর্মের কথা।
- ৩০০। বিবেচনা করিবার জন্য জ্রির বিরলে যাইবার কথা।
- ৩০১। মীমাংসা জানাইবার কথা।
- ৩০২। জুরির ঐক্যবাক্য না হইলে কার্য্যপ্রণাদীর ক্ধা।
- ৩.৩ ) প্রত্যেক অভিযোগ ধরিয়া মীমাংসা করি-বার কথা।
  - ব্দুরিকে জজ সাহেবের জিজ্ঞাসা করিতে পারিবার কথা।

প্রশ্ন ও উত্তর লিখিয়া রাখিবার ক্থা ।

- ৩০৪। মীমাংসা সংশোধনের কথা।
- ৩০৫। ছাই কোর্টে মীমাংসা যে সময়ে প্রবল ভূ ছইবে ভাষার কথা।

অন্যন্থলে জ্রিকে বিদায় দিবার কথা।

- ৩০৬। মীমাংসা সেশন আদালতে যে সময়ে প্রবল হইবে তাহার কথা।
- ৩০৭। জ্রির মীমাংসার সহিত সেশন জঞ্জ সাহে-বের মতের অনৈক্য ইইলে কার্য্যপ্রণাদীর কথা।
- ছ।—জ্রেকে বিদায় দিবার পর অভিযুক্ত ব্যক্তির পুনর্কিচারের বিধি।
- ৩০৮। জ্রিকে বিদায় করিয়া দিবার পর অভিযুক্ত ব্যক্তির পুনশ্চ বিচার হইবার কথা।
- জ। আসেসরদিগের সহকারিতায় থে মোকদ্দমার বিচার হয় তাহার সমাপ্তির বিধি।
- ৩০৯। আসেসরদের মত দিবার কথা। নিশান্তির কথা।

ধারা।

- ৰ ।—পূৰ্বে অপরাধ নির্ণয় হইয়া থাকিলে কার্য্যগ্রণালী বিষয়ক বিধি।
- ৩১ । পূর্বে অপরাধ নির্ণয় হইরা থাকিলে কার্য্য-প্রশালার কথা ।
- । পূর্ব্ব অপরাধ নির্ণয়ের সাক্ষ্য যে স্থলে দেওয়া যাইতে প্রারিবে তাহার কথা।
- ।—ছাই কোর্টের ছ্রেরদের ফর্দের ও উক্ত কোর্টের ছ্রেরদিগকে ভাকিবার বিধি।
- ৩১২। বিশেষ জুরির সংখ্যার কথা।
- ৩১৩। সাধারণ ও বিশেষ জ্বির নামের ফর্দের কথা।
  - যে কর্মচারী কর্দ্দ প্রস্তুত করেন তাঁহার স্ববিবেচনামতে কর্ম করিবার কথা।
- ৩১৪। প্রাথমিক ও সংশোধিত ফর্দ প্রকাশ করি-বার কথা।
- ৩১৫। রাজধানী নগরে জ্রির কর্ম করিতে যত জনকে সমন করিতে হইবে তাহার কথা। অতিরিক্ত সমনের কথা।
- ৩১৬। রাজধানীর বাহিরে জুরির ব্যক্তিদিগকে সমন করিবার কখা।
- ৩১৭। সৈনিক জুরির কথা।
- ৩১৮। জ্বির কোন ব্যক্তি উপস্থিত না হউলে তাহার কথা।
- ট।-- সেশন আদাসতের জুররদের ও আসেসরদের নাম নির্ঘণ্ট করিবার ও তাহাদিগকে সমন দিবার বিধি।
  - ৩১৯। ছরের ও আসেসর স্বরূপ কর্ম করিতে ইইবার কথা।
  - ৩২০। বর্জিড ব্যক্তিদের কথা।
- ৩২১। জ্বরির ও আসেসরদের নামের নির্ছটের কথা।
- ७२२। निर्घले अठात कतिवाद कथा।
- ৩২৩। নির্ঘটের প্রতি আপত্তির কথা।
- ৩২৪। নির্ঘক সংশোধনের কথা। বৎসরং ঐ পত্র সংশোধনের কথা।
- ৩২৫। বিশেষ জুরিদের নির্ঘ**ন্টপা**ত্র প্রস্তুত করিবার কথা।
- ৩২৬। জুরর ও আসেসরদিগকে জিলার মাজিস্টেট সাহেবের সমন করিবার কথা।
- ৩২৭। অন্য জুররদিগকে কি আসেসরদিগকে সমন করিবার ক্ষমতার কথা।
- ৩২৮। সমনের পাঠের ও তাহাতে যাহা লিখিত থাকিবে তাহার কথা।
- ৩২৯। গৰণমেন্টের কি রেশওয়ের কর্মচারিকে কখন অব্যাহতি দেওয়া যাইবে ভাহার কথা।

৩৩০। আদালতের জুরেরের ক আসেসরের উপ-স্থিত না হওয়ার ুমতি দিতে পারিবার কথা। বিশেষ জুলিদিগকে বুনরায় জুরিস্থরূপ কার্য করিবার দা ১২তে বার মাসের জুন্য জুলালতের নিজ্ত দিতে পারি-ব্য কথা।

৩৩)। জ্বাধির যে ব্যক্তিরা কি যে আসেসরের।
ডপাস্থত হন তাঁংখাদের নামের নির্ঘটের
কথা

৩৩২। জ্বরে কি আসেসর অন্পস্থিত **হইলে** দভের কথা।

ঠ। হাই কোর্ট সম্বন্ধে বিশেষ বিধান।

৩৩৩। আডবোকেট জেনরলের অভিযোগ না চালাহবার ক্ষমতার কথা।

৩৩৪। অধিবেশনের সময়ের কথা

৩৩৫। অধিবেশন করিবার স্থানের কথা। ভাধিবেশনের নোটিস দিবার কথা।

৬৬৬। ইউরোপীয় রাচ্য প্রজ্ঞার বিচার হইবার স্থানের কথা।

# ২০ চত্*ৰি*রিংশ **অ**ধাায়।

তদন্ত ও বিচার সংক্রান্ত সাধারণ বিধি।

৩৩৭। সহায়ের ক্ষমা করিতে প্রস্তাব করি**ব**ার কথা।

৩৬৮। ক্ষমার প্রস্তাব করিতে আদেশ দিতে পারি-বার কথা।

৩৩৯। যাহাকে ক্ষমা করিবার প্রস্তাব করা হয় ভাহাকেও বিচারার্থে সমর্পণ করিবার আজ্ঞা করিতে পারিবার কথা।

ওম । অভিযুক্ত ব্যক্তির উকীল নিযুক্ত করিবার অ ধকারেব কথা।

৩৪১। অভিযুক্ত ব্যক্তির আহ্নষ্ঠানিক কার্য্য বৃঝিতে না পারিলে তদ্বিষয়ের কথা।

৩৪২। অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা করিতে পারি-বার কথা।

৩৪৩। কোন কথা প্রকাশ করিবার প্রবৃত্তি না দিবার কথা।

৩৪৪। আন্ত্রানিক কার্য্য স্থগিত রাখিবার বা তাহার দিনান্তর নিরূপণ করিবার কথা। হেকাজতে ফিরাইয়া দিবার কথা। ফিরাইয়া পাঠাইবার যুক্তিসঞ্চত কারণের কথা।

তমধ্য অপরাধ সম্বন্ধে রফা করিবার কথা।

58.5। মোকদ্দমা মকঃসল মাজিক্টেকে ক্ষমতার বহিভূতি হইলে তাঁহার, যাহা কর্ত্তর্য ভাহার কথা। ধারা।

৩৪৭। মোকদ্দমা বিচারার্থে সমর্পণ করা ভাটত তদম বা বিচারকার্য্য আরম্ভ হইবার পারে মাজিস্টেট এমত জ্ঞান করিলে তাঁহার কর্তব্যের কথা।

৩৪৮। প্রশ্নে মুক্রা বা ইফীম্প আইন বা সম্পত্তি স্থান্ধে যাহাদের অপরাধ নির্ণয় হইয়াছে ভাহাদের বিচারের কথা।

৩৪৯। মাজিফেট উচিত্যত কঠিন দভের আজ্ঞা করিতে না পারিলে যাহ কর্ত্তব্য ভাহার কথা।

৩৫০। সাক্ষ্যের এক অংশ এক মাজিফ্টেটের ও অন্য অংশ অন্য মাজিফ্টেটের দ্বারা লিপিবদ্দ হইলে সেই সাক্ষ্যক্রমে অপ-রাধনির্বয় বা বিচারার্থে সমর্পণ হইবার কথা।

৩১১। অপরাধারা অদালতে আইলে তাহাদিগকে আটক করিয়া রাখিবার কথা।

৩৫২। আদালত মুক্তদার হওয়ার কথা।

# ২৫ পদবিংশ অধ্যায়

তদন্তে ও বিচারকার্য্যে যে প্রকারে সাক্ষ্য লইতে ও লিপিবদ্দ করিতে হইবে তদ্বিষয়ক বিধি।

৩৫৩। অভিযুক্ত ব্যক্তির সাক্ষাতে সাক্ষ্য লইবার কথা

৩৫৪। বাজধানী নগরের বাহিরে সাক্ষ্য লিখিবার নিয়মের কথা।

৩৫৫। সমনের মোকদ্দমায় এবং প্রথম ও দ্বিতীয় শ্রোণীর মাজিষ্টেটের দ্বারা কোনং অপরাধের বিচারকালে নথীর কথা।

৩৫৬। রাজধানী নগরের বাহিরে অন্য সকল মোকদমায় নথীর কথা।

ইংরাজী ভাষায় সাক্ষ্য দিবার কথা। \* 
মাজিফ্রেটের কি জজের সাক্ষ্য লিখিত
না হইলে মন্মাত্মক লিপির কথা।

৩৫৭। সাক্ষ্য যে ভাষায় নিপিবদ্ধ করা যাইবে ভাহার কথা।

৩৫৮। ৩৫৫ ধারার উলিখিত ছলে মাজিস্টেটের স্ফেচ্চার কথা।

৩৫৯। ৩৫৬ কি ৩৫৭ ধারামতে সাক্ষ্য যেরূপে লিখিতে দইবে তাহার কথা।

৬৬০। সাক্ষ্য লওয়া সমাপ্ত হইলে যাহা কর্ত্তব্য ভাহার কথা।

৩৬১। সাক্ষ্য অভ্বাদ করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তির কি তাহার উকীলের নিকটে ব্যক্ত হই-বার কথা। •

৩৬২। প্রেসিভেন্সা মাজিফ্টেটের আদালভে সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করণের কথা।

৩৬৩। সাক্ষীর আচরণ বিষয়ে মন্তব্যকথা।

৬৬৪। অভিযুক্ত ব্যক্তির সাক্ষ্য লিখিবার নিয়মের° কথা।

৬৬৫। ছাই কোর্টে সাক্ষ্য যেরপে দিবিয়া লওয়া যাইবে ভাহার কথা।

# ২৬ ষড়বিংশ অধ্যায়। নিশভিবিষয়ক বিধি।

৩৬৬। নিম্পত্তি যে প্রকারে প্রকাশ করিতে হ**ইবে** তাহার কথা।

৬৬৭। যে ভাষায় নিষ্পত্তি দিখিতে হইবে তাহার কথা।

নিপত্তিপত্তে যাহা লেখা থাকিবে তাহার কথা।

একতর অপরাধ নির্ণয়ের কথা।

৩৬৮। প্রাণদণ্ডের আজ্ঞার কথা।

দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞার কথা।

৩৬৯। আদালতের নিষ্পত্তি পরিবর্ত্তন না করিবার কথা।

৩৭০। প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেটের নিম্পত্তির কথা।

৩৭১। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নিম্পত্তি বুঝাইয়া ও নকল দেওয়া যাইবার কথা।

> যে ব্যক্তির প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হয় তাহার কথা।

৩৭২। নিম্পত্তি যে স্থলে অসুবাদ করিতে **হইবে** তাহার কথা।

৩৭৩। সেশন আদালতের নিপান্তিপত্তের ও দণ্ডাজ্ঞার নকল জিলার মাজিফ্টেট সাহেবের নিকট পাঠাইবার কথা।

# २० मर्खितर्भ जभाग्र।

দৃঢ় করণার্থ দণ্ডাজ্ঞা অর্পণ বিষয়ক বিধি।

৩৭৫। আরো ভদস্ত বা অভিরিক্ত প্রমাণ লইতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।

৩৭৬। দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় কি অপরাধ নির্নয় অন্যথা করিতে হাই কোর্টের ক্ষমতার কথা।

৩৭৭। দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করিবার কিলা ন্তন দণ্ডের . আনজ্ঞাতে ছইজন জজের স্বাক্ষর করি-কথা।

७१४। य ७८७४ इहेटन कार्या अनोनीत कथा।

৩৭৯। দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় হইবার জ্বন্য হাই কোর্টে অর্পিত হইলে কার্য্যপ্রশালীর কথা।

৩৮০। স্থাসিফীক সেশন জজের ও ৩৪ ধারামতে কর্মকারী মাজিফ্টেটের ক্বন্ত দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করনের কথা।

# ২৮ অপ্তাবিংশ অধ্যায়। আজ্ঞা সাধন বিষয়ক বিধি।

ধারা।

৩৮১। ৩৭৬ ধারামতে জাজ্ঞাক্রমে কার্য্য কর।ইবর কথা।

৬৮২। অন্তরাপত্যার প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা গোলে সাধন করিবার কথা।

৩৮৩। অন্য স্থলে দ্বীপান্তর প্রেরণ কি কার। দঙ্গের আজ্ঞা সাধনের কথা।

৩৮৪। সাধনার্থ ওয়ারক্টের শিরোনামার কথা।

৩৮৫। ওয়ারণ্ট যাহাকে দিতে হইবে তাহার কথা।

৩৮৬। অর্থদণ্ড আদায়ের ওয়ারন্টের কথা।

৩৮৭। ঐ ওয়ারন্টের ফলের কথা।

৩৮৮। কারাদণ্ডাজ্ঞা সাধন স্থগিত রাখিবার কথা।

৩৮৯। কে ওয়ারন্ট দিতে পারেন ইহার কথা।

৩৯ । কেবল কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞামত কার্য্য ছইবার কথা।

৩৯১। কারাদণ্ডের সহিত কশাঘাত দণ্ডের আজা হইলে ঐ আজা সাধনের কথা।

৩৯২। ঐ দণ্ড যেরপে সাধন হইবে তাহার কথা। আঘাতের ঊর্ধ্ব সংখ্যার কথা।

৩৯৩। ভাগং করিয়া না মারিবার কথা। মুক্ত থাকার কথা।

৩৯৪। অপরাধীর শরীর অস্ত্রহ থাকিলে ঐ দ্রু না হইবার কথা। দণ্ডসাধন স্থগিত হইবার কথা।

৩৯৫। ৩৯৪ ধারামতে দণ্ড হইতে না পারিলে যাহা কর্ত্তব্য তাহার কথা।

৩৯৬। পলাতক বন্দিদের উপর দণ্ডাজ্ঞা সাধ্র করিবার কথা।

৩১৭। এক অপরাধের দণ্ডভোগী অপরাধীর উপর অন্য অপরাধের দণ্ডের কথা।

৩৯৮। ৩৯৬ ও ৩১৭ ধারা সম্বন্ধে বাঁচাইবার ক্থা।

৩৯৯। অম্পবয়স্ক অপরাধীদিগকে চরিত্র সংশো-ধনালয়ে বদ্ধ করিবার কথা।

৮০০। দভাজ্ঞা সাধন হইলে ওয়ার
ট কিরাইয়া
পাঠাইবার কথা।

# ২৯ উনত্রিশ অগ্যায়।

দণ্ড স্থগিত রাথিবার ও ক্ষমা করিবার ও পরিবর্তন করিবার বিধি।

8 ° ১। দণ্ড স্থগিত রাখিবার কি ক্ষমা করিবার ক্ষমতার কথা।

৪০**২। দও পরিবর্ত্তন** করিবার ক্ষমতার কথা।

#### ৩০ ত্রিংশ অধ্যায়।

# পূৰ্ব নিৰ্দ্ধোষ নিৰূপণ কি অপরাধ নির্ণয় বিষয়ক বিধি ।

#### ধারা |

৪০৩। যে ব্যক্তি একবার অপরাধী কি নির্দোষী বলিয়া নির্ণয় ছইল তাহার সেই অপ-রাধে পুনরায় বিচার না হইবার কথা।

# সপ্তম খণ্ড।

### আপীল ও অর্পণ ও সংশোধন করণের বিধি।

### ৩১ একত্রিংশ অধ্যায়।

## আপীলের বিধি।

- ৪০৪। প্রকারান্তরের বিধান না থাকিলে আপীল না চইবার কথা।
- ৪০৫। ক্রোকক্কত সম্পত্তি ফিরিয়া পাইবার প্রার্থনাপত্র অগ্রাহ্য করিবার আজ্ঞার উপর আপীলের কথা।
- ৪০৬। সদাচরণের জামিন দিবার আজ্ঞার উপর আপীল করিবার কথা।
- ৪•৭। দিতীয় কি তৃতীয় শ্রেণীর মাজিয়েটের দণ্ডাজ্ঞার উপা আপীলের কথা।
  প্রথম শ্রেণীর মাজিয়েটের প্রতি আপীল

হর্য ভ্রেণার ম্যাজভেচের আতি সাসং হস্তান্তর করিয়া দিবার কথা।

- ৪০৮। আসিফান্ট সেশন জজ বা প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেটের আজ্ঞার উপর আপীলের কথা।
- ৪০৯। সেশন আদালতে আপীল কিরুপে শুনা ঘাইবে তাহার কথা।
- 85 । সেশন আদালতের দণ্ডাজ্ঞার উপর আপী-লের কথা।
- 8১১। প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেটের দণ্ডাজ্ঞার উপর আপীলের কথা।
- 8)২। অভিযুক্ত ব্যক্তি দোষ স্বীকার করিলে কোন২ স্থলে আপীল না হইবার কথা।
- ৪১৩। ক্ষুদ্রং মোকদ্দমায় আপীল না হইবার কথা।
- 8) ৪ । সরাসরিমতে অপরাধ নির্ণয় হইলে কোনং স্থলে তাহার উপর আপীল না হইবার কথা।
- 85¢। 850 ७ 858 शांतात निरंगितिशत कथा।
- ৪১৬। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের দণ্ডের আজ্ঞা বর্জিত হইবার কথা।
- ৪১৭। নিজোষ করণের আজ্ঞার উপর গবর্ণমে তের পক্ষে আপীল করিবার কথা।
- ১৮। কোন্ বিষয়ে আপীল গ্রাহ্য হইতে পারিবে ভাহার কথা।

ধারা।

- ৪১৯। আপীলের দরখান্তের কথা।
- । ৪২০। আ**পেলান্ট কারাবদ্ধ থাকিলে কার্য্যপ্রণা**-লীর কথা।
  - ৪২১। আপীল সরাসরীমতে অ**গ্রাহ্ম করিবার ক্ষম**-তার কথা।
  - ৪২২। আপীল শুনিবার নোটসের কথা।
  - ৪২৩। আপীল লইয়া আপীল আদালত কি করিতে পারিবেন ভাষার কথা।
  - ৪২৪। নিম আপীল খাদালতে নিপ্তির কথা।
  - 8২৫। ছাই কোর্টে আপীলক্রমে যে আজ্ঞ-করা যায় ভাষা অধ্বঃস্থ আদালতে জ্ঞাত করাইবার কথা।
  - ৪২৬। আপীল উপস্থিত থাকিতে দণ্ডাজ্ঞা স্থগিত করিবার কথা।

হাজিরজামিম দিলে আপোলাউকে মুক্ত করিবার কথা।

- ৪২৭। নির্দোষ করণের উপর আপীল হইলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ধৃত করিবার কথা।
- ৪২৮। অধিক প্রমাণ লইতে কি লইবার আজ্ঞা করিতে আপীল আদালতের ক্ষমতার কথা।
- ৪২৯। আপীল আদালতের জজদের যতজনের একমত হয় ওতজনের ভিন্নমত ২ইলে কার্য্যপ্রশালীর কথা।
- ৪৩০। আপীল হইয়া যে আজ্ঞা হয় তাহা চূড়াস্ক হইবার কথা।
- ৪৩১। তাপীল উঠিয়া যাইবার কথা।

#### ৩২ দ্বাজিংশ অধ্যায়।

#### প্রশার্পণের ও সংশোধনের বিধি।

- ৪৩২। প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেটের হাই কোর্টে প্রশা-র্পন করিবার কথা।
- ৪৩৩। হাই কোর্টের নিষ্পত্তি অহুসারে মোকদ্দমা নিষ্পত্তি করিবার কথা।

খরচা বিষয়ক আজ্ঞার কথা।

- ৪৩৪। হাই কোর্টের আদে বিচারাধিপত্যক্রম কোন প্রশ্ন উথিত হইলে পশ্চাৎ বিবে-চনার নিমিত্ত তাহা রাখিবার কথা। বিবেচনার নিমিত্ত রাখা গেলে কার্য্য-প্রধালীর কথা।
- ৪৩৫। অধীন আদালতের কাগজপত্র আনাইবার ক্ষমতার কথা।
- ৪৩৬। সমর্পণ করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবার কথা।
- ৪৩৭। তদন্ত লইবার আজ্ঞা করিতে পারিবার কথা।

৪৩৮। হাই কোর্টে রিপোর্ট করিবার কথা।

- ৪৬৯। হাই কোর্টের সংশোধন করিবার ক্ষমতার কথা।
- ৪৪০। আদালতের স্বেচ্ছাধীনে উভয় পক্ষের কথা শ্রবণ করিবার কথা।
- ৪৪১। প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেট আপন নিপাতির যে যে হেতু জানান হাই কোর্টের ভাহা বিবেচনা করিবার কথা।
- 88২। হাই কোর্ট যে আজ্ঞা করেন তাহা অধঃস্থ আদালতে বা মাজিফ্টেটকে জ্ঞাত করি-করিবার কথা।

# অফ্টম খণ্ড।

বিশেষ আহ্নষ্ঠানিক কার্য্যের বিধি।

# ৩৩ ত্রয়স্ত্রিংশ অধ্যায়।

- ইউরোপ ও আমেরিকাদেশীয়দিগের বিরুদ্ধে ক্ষেজিদারী আন্তঞ্চানিক কার্য্যবিষয়ক বিধি।
  - ৪৪৩। ইউরোপীয় রটিষ প্রজারা অপরাধ করিলে থে মাজিস্টেটেরা সেই অপরাধের তদন্ত লইয়া বিচার করিবেন তদ্বি-ময়ের কথা।
  - 888। সেশন জজের ইউরোপীয় রটিষ প্রজা হইবার কথা। আসিফান্ট সেশন জজের তিন বৎসর কর্ম করিবার ও বিশেষ ক্ষমতা প্রাপ্ত
  - ৪৪৫। ইউরোপীয় রটিষ প্রজা অপরাধ করিলে ভাহা গ্রাহ্য হইবার কথা।

হইবার কথা।

- ৪৪৬। মফঃস্থল মাজিফ্রেটেরা যে দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন তাহার কথা।
- ৪৪৭ ন যে স্থলে সেশন আদালতে ও যে স্থলে হাই কোর্টে সমর্পণ করিতে হইবে তাহার কথা।
  - ৪৪৮। এক অপরাধের জন্য প্রাণদণ্ড কি ষাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড হইতে পারিলে ও অন্য অপরাধের নিমিত্ত তদ্ধ্রপ দণ্ড হইতে না পারিলে অপরাধের বিচারের কথা।
  - 88৯। সেশন আদালত যে দণ্ডের, আজ্ঞা দিতে পারিবেন ভাহার কথা।
    - সেশন জজ আপানার ক্ষমতা ন্যুন জ্ঞান করিলে কার্যপ্রশালীর কথা।
  - ৪৫০। ছাই'কোটে বা সেশন আদালতে,জুরি বা আসেমরদের কথা।

ধারা।

- ৪৫১। জিলার মাজিয়্টেটের নিকট ইউরোপীয় রটিষ প্রজার জ্বির দাওয়া করিবার স্বত্বের কথা।
  - কোনং স্থলে অন্য আদালতে যোকদ্দমা পাঠাইবার কথা।
- ৪৫২। ইউরোপীয় রটিব প্রজার সহিত এদেশীয় ব্যক্তির নামে অভিযোগ হইলে বিচারের কথা।
  - এদেশীয় লোকের স্বতন্ত্র বিচার ছইবার দাওয়ার কথা।
- ৪৫৩। কোন ব্যক্তি আপনার পক্ষে ইউরোপায় রুটিষ প্রজান্দরপ কার্য্য ইইবার দাওয়া করিলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।
- 848। উক্ত অবস্থার দাওয়া না করিলে তাহা ত্যাগ করা গেল জ্ঞান হইবার কথা।
- ৪৫৫। ইউরোপীয় রটিষ প্রজা না হইয়া কোন ব্যক্তির এই অধ্যায়মতে বিচার হইলে তাহার কথা।
- ৪৫৬। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাকে বেআইনীমতে আটক করিয়া রাখা গেলে আপনাকে হাই কোর্টের সমুখে উপস্থিত করিবার আজ্ঞা প্রার্থনা করিবার অধিকারের কথা ।
- ৪৫৭। তদ্রপ প্রার্থনা হইলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।
- ৪৫৮। হাই কোর্ট যে যে স্থানে তদ্রূপ আজ্ঞা করিতে পারেন তাহার কথা।
- ৪৫৯। যে যে আইনে মাজিস্কেটদের ও সেশন আদালতের প্রতি বিচার করিবার ক্ষমতা প্রদক্ত হয় তাহা খাটিবার কথা।
- ৪৬০। ইউরোপের কি আমেরিকার লোকদের বিচারার্থ জুরির কথা।
- ৪৬১। ইউরোপ ও আমেরিকা দেশীয় লোকের সহিত অন্য জাতীয় লোকের অভিযোগ হইলে জুরির কথা।
- ৪৬২। ৪৫০. ৪৫১ কি ৪৬০ ধারামতে সমন করিয়া জুরি নিযুক্ত করিবার কথা।
- ৪৬৩। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের বিরুদ্ধে
  কোজদারী আত্মগ্রীনিক কার্য্য চালাইবার
  কথা।

# ৩৪ চতুস্তিংশ অধ্যায়।

#### किथ्रमा वाक्टिएत मध्योग विधि।

- ৪৬৪। অভিযুক্ত ব্যক্তি ক্ষিপ্তমনা হইলে যাহা কন্তব্য তাহার কথা।
- ৪৬৫। দেশন আদালতে কি হাই কোটে সমর্গিত ব্যক্তি ক্ষিপ্ত হইলে যাহ। কর্ত্তব্য ভাহার কথা।

श्रवा ।

৪৬৬। অহ্নসন্ধান বা বিচারের অপোক্ষায় কিপ্ত ব্যক্তিকে মুক্ত করিবার কথা। তাঁহার রক্ষণের কথা।

৪৬৭। তদম্ভ কি বিচারকার্য্যে পুনশ্চ প্রবৃত্ত হই-বার কথা।

১৬৮। অভিযুক্ত ব্যক্তি মাজিক্টেটের কি আদা-লতের সম্মুখে উপস্থিত হইলে ইভিকর্ত্তব্য ভার কথা।

৪৬৯। অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ক্ষিপ্ত দেখা গেলে যাহা কর্ত্তব্য তাহার কথা।

৪৭০। অভিযুক্ত ব্যক্তি ক্ষিপ্ত হওয়া প্রযুক্ত নিরপরাধী নির্ণয়ের কথা।

৪৭১। উক্ত প্রকারে যাহাকে নিরপরাধী করা যায়
তাহাকে নির্কিন্দে আটক রাখিবার কথা।
দানীয় গবর্ণমেন্টের আজ্ঞাক্রমে কারাবদ্ধ
অপরাধী ক্ষিপ্ত ব্যক্তিদিগকে এক প্রদেশ
হইতে অন্য প্রদেশে পাঠাইবার আজ্ঞা
দিতে মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর
জেলরল সাহেবের ক্ষমতার কথা।

কোনং কার্য্য হইতে ইনস্পেট্রর জেনরল সাহেবকে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের মুক্ত করণের ক্ষমতার কথা।

8৭২। ক্ষিপ্ত ব্যক্তিকে ইনস্পেক্টর জেনরলের দৃষ্টি করিবার কথা।

৪৭৩। বদ্দ ক্ষিপ্ত ব্যক্তি অভিযোগের উদ্ভর দিতে সক্ষম,রিপোর্ট ছইলে কর্তব্যের কথা।

৪৭৪। ৪৬৬ কি ৪৭১ ধারামতে বদ্ধ ক্ষিপ্ত ব্যক্তি মুক্ত হইবার যোগ্য প্রকাশ হইলে তাহার কথা।

৪৭৫। আত্মীয়ের ভত্তাবধানে ক্ষিপ্তকে অর্পন করিবার কথা।

# ৩৫ পঞ্চত্রিংশ অধ্যায়।

বিচার কার্য্য সম্বন্ধীয় কোন কোন অপরাধের যোক-দ্দমার আন্নন্ধীনিক কার্য্য বিষয়ক বিধি।

৪৭৬। ১৯৫ ধারার লিখিত স্থলে কার্য্যপ্রণালীর কথা।

৪৭৭। সেশন আদালতের সন্মুখে তদ্রূপ অপরাধ হইলে ঐ আদালতের ক্ষমতার কথা।

৪৭৮। অত্নসন্ধানের কার্য্য সমাপ্ত করিয়া হাই
কোর্টে কি সেশন আদালতে সমর্পন
করিতে দেওয়ানী ও রাজস্বসম্পর্কীয়
আদালতের ক্ষমভার কথা।

৪৭৯। তদ্রপ স্থলে দেওয়ানী বা রাজক সম্পর্কীয় আদাসতের কর্তব্যের কথা।

৪৮০। কোনং স্থলে অবজ্ঞা হইলে যাহা কর্ত্তব্য ভাহার কথা।

863। এই ज्ञान स्थान क्या विश्व कथा।

ধারা ।

৪৮২। ৪৮০ ধারামতে মোকদ্দমা লইয়া কার্য্য হওয়া উচিত নয় আদালতের এমত বোধ হইলে কার্য্যপ্রশালীর কথা।

৪৮৩। রেজিফ্রার বা সব-রেজিফ্রার ৪৮০ ও ৪৮২ ধারামতে দেওয়ানী আদালত বলিয়া জ্ঞান যে স্থলে হইবে তাহার কথা।

৪৮৪। অপরাধী আজ্ঞাক্রমে কার্য্য করিলে কিছা অপরাধ স্থীকার করিলে ভাহার মুক্ত হইবার কথা।

৪৮৫। উত্তর দিতে কি দলীল উপস্থিত করিতে স্বীকার না করিলে কোন ব্যক্তিকে কারাবদ্ধ করিবার কি হেকাজতে রাখি বার কথা।

৪৮৬। অবজ্ঞার মোকদ্দমায় অপরাধ নির্ণয় হইলে তাহার উপর আপীলের কথা।

৪৮৭। ১৯৫ ধারার উল্লিখিত অপরাধ কোনং জজের কি মাজিফ্রেটের সমুখে করা গেলে তাঁছাদের সেই অপরাধের বিচার না করিবার কথা।

# ৩৬ ষট্ত্রিংশ অধ্যায়।

ন্ত্রী ও সম্ভানাদির ভরণপোষণের বিধি।

৪৮৮। স্ত্রী ও সন্তানাদির ভরণপোষণের আজ্ঞার কথা।

সেই আজ্ঞা প্রবল করিবার কথা।

৪৮৯। র্ত্তি পরিবর্তন করিবার কথা।

8৯•। ভরণপোষণের আজ্ঞা প্রবল করিবার কথা।

৩৭ সপ্তত্তিংশ অধাায়।

হাবিয়াস কর্পস ভাবাপন্ধ আজ্ঞার বিধি।

৪৯১। হাবিয়াস কর্পস নামক পারওয়ানার ভাবা-পার আজ্ঞা দিবার কথা।

# নব্য থগু।

অতিরিক্ত বিধান।

# ৩৮ অপ্তিত্তিংশ অধ্যায়।

রাজকীয় অভিযোক্তাদের সম্বন্ধীয় বিধি।

৪৯২। রাজকীয় অভিযোক্তা নিযুক্ত করিবার ক্ষমতার কথা।

৪৯৩। যেই মোকদ্দমা চালাইবার ভারপ্রাপ্ত হন দেই২ মোকদ্দমায় সকল আদালতে রাজকীয় অভিযোক্তার উত্তর প্রত্যুক্তর করিতে পারিবার কথা।

> বেদরকারী কোন ব্যক্তির উকীল তাঁহার আজ্ঞাধীন থাকিবার কথা।

- ৪৯৪। অভিযোগ উঠাইয়া দিলে ভাছার কলের কলা।
- ৪৯৫। অভিযোগ চালাইবার অন্নমতির কথা।

# ৪৯ উনচত্তারিংশ অধ্যায়।

#### ছাজিরজামিন বিষয়ক বিধি।

- ৪৯৬। যে ছলে ছাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে তাহা লইতে ছইবার কথা।
- ৪৯৭। হাজিরজামিন লইবার অযোগ্য যে ছলে হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারিবে তাহার কথা।
- ৪৯৮। হাজিরজামিন লইবার কি উহা কমাইরা দিবার আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।
- ৪৯৯। অভিযুক্ত ব্যক্তির ও জামিনদের নিব**ন্ধ**-পত্তের কথা।
- ৫০০। হেকাজত হইতে মুক্ত হইবার কথা।
- ৫০)। প্রথমে যে হাজিরজামিন লওয়া যায় তাহা প্রচুর না হইলে প্রচুর জামিন দিবার আজ্ঞা করিবার ক্ষমতার কথা।
- ৫০২। প্রতিভূদের মুক্ত হইবার কথা।

### ৪০ চত্বারিংশ অধ্যায়।

### দাক্ষীদের পরীকার্থ কমিশন বিষয়ক বিধি।

- ে০। যে স্থলে সাক্ষীর স্বয়ং অন্পস্থিত পাকিবার

  অন্নমতি দেওয়া যাইতে পারে তাছার

  কথা।
  - কমিশন দিবার ও তাহার কার্য্যপ্রণালীর কথা।
- ৫০৪। সাক্ষী রাজধানী নগরের মধ্যে থাকিলে ক্ষিশনের কথা।
- শেকীর প্রীক্ষা লইতে পক্ষদের ক্ষমতার কথা।
- ৫ পে । অধন্তন মকঃন্থল মাজিস্টেটের কমিশন দিবার জন্য প্রার্থনা করিতে পারিবার কথা।
- ৫০৭। কমিশন ফিরিয়া পাঠাইবার কথা।
- ৫০৮। তদন্ত কি বিচারকার্য্য স্থগিত থাকিবার কথা।

# ৪১ একচত্বারিংশ অধ্যায় ।

শাক্ষ্য বিষয়ক বিশেষ বিধি।

- ১। চিকিৎসক সাক্ষীর সাক্ষ্যের কথা।
   চিকিৎসক সাক্ষীকে সম্ম করিতে পারিবার কথা।

ধারা।

- ৫১২। অভিযুক্ত ব্যক্তির অহপস্থি তিতে সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ হইবার কথা।

# ৪২ দাচত্বারিংশ অধ্যায়।

#### নিবন্ধপত্র বিষয়ক বিধি।

- ৫১৩। মুচলকার পরিবর্ত্তে আমানতের কথা।
- ৫১৪। নিবন্ধপত্তের টাকা দণ্ড হইলে কার্য্যপ্রণা লীর কথা।
- ৫১৫। ৫১৪ ধারামত আজ্ঞার উপর আপীল
   হইবার ও ঐ আজ্ঞা সংশোধনের কথা।
- ৫১৬। কোন কোন নিবন্ধপত্রক্রমে আদেয় অর্থদণ্ড আদায় করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবার কথা।

### ৪৩ ত্রিচত্বারিংশ অধ্যায়।

# সম্পত্তি লইয়া কার্য্য হইবার বিধি।

- ৫১৭। ষে দ্রব্য সম্পর্কে অপরাধ করা যায় তাহা
   লইয়। যাহা করিতে ছইবে এই বিষয়ের
   আজ্ঞার কথা।
- ৫১৮। জিলার মাজিফ্রেট সাহেবের বা মহকুমার মাজিফ্রেটের প্রতি দ্রব্য অর্পণসূচক আজ্ঞা ছইবার কথা।
- ৫১৯। অভিযুক্ত ব্যক্তির নিকট যে টাকা পাওয়া বায় তাহা নির্দ্দোষী ক্রেতাকে দিবার কথা।
- ৫২০ ৷ ৫১৭, ৫১৮ বা ৫১৯ ধারামত আ**জ্ঞা** স্থগিত করিবার কথা ৷
- ৫২১। অপারাধ সম্পর্কীয় ও অন্য বিষয় বিনষ্ট করিবার কথা।
- ৫২২ । স্থাবর দ্রব্যের অধিকার কিরিয়া দিবার ক্ষমতার কথা।
- ৫২৩। ৫১ ধারামতে প্রাপ্ত বা চোরা দ্রব্য পোলীস কর্তৃক ধৃত হইলে, কার্য্যপ্রণালীর কথা। দ্রব্যের স্বামী অজ্ঞাত হইলে যাহা কর্ত্ব্য তাহার কথা।
- ৫২৫। আশুক্ষমশীল দ্রব্য বিক্রম করিতে পারিবার কথা।।

# ৪৪ চতুশ্চত্ত্বাব্রিংশ অধ্যায়। কৌজদারী মোকদমা হস্তান্তর করণ বিষয়ক বিধি।

#### ধাৰা ৷

- ৫২৬। হাই কোর্টের মোকদ্দমা হস্তান্তর করি-বার কি স্বয়ং বিচার করিবার ক্ষমভার কথা।
  - এই ধারামতে প্রার্থনা হইলে রাজকীয় অভিযোক্তাকে নোটিস দিবার কথা।
  - এই ধারামত প্রার্থনা হইলে দিনান্তর নির-পাণের কথা।
- শংগ। মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গাবর্ণর জেনরল

  সাহেবের কেজিনারী মোকদ্দমা ও

  আপীল হস্তান্তর করিবার ক্ষমতার কথা।
- ৫২৮। মোকদ্দমা জিলার বা মহকুমার মাজি-উটের উঠাইয়া লইবার কি অর্পণ করি-বার ক্ষমত র কথা।
  - ক্ষিলার মাজিস্টেট সাহেরকে বিশেষ প্রকা-রের সকল মোকদ্দমা উঠাইয়া লইবার ক্ষমতা দিতে পারিবার কথা।

# ৪৫ পঞ্চ ব্লারিংশ অধ্যায়।

# অনিয়মিত আহুষ্ঠানিক কার্য্যবিষয়ক বিধি।

- ৫২৯। অনিয়মিত ক্রিয়াহেতুক আঞ্জানিক কার্য্য ব্যর্থনা হইলে তাহার কথা।
- ৩০। অনিয়মিত যে কার্য্য ছারা আহ্নষ্টানিক কার্য্য অসিদ্ধ হয় তাহার কথা।
- eus। অমুপযুক্ত ছানে আমুষ্ঠানিক কার্য্য হইবার কথা।
- ৫৩২। অনিরমিতরূপে ব্যক্তিকে সমর্পণ করা গেলে ভাহা যে হলে সিদ্ধ করা যাইতে পারে ভাহার কথা।
- e৩৩। ১৬৪ বা ৩৬৪ ধারার বিধান পালন না করিবার কথা।
- ৫৩৪। ৪৫৪ (২) ধারার নির্দ্ধিউ প্রশা জিল্লাসা করিতে ক্রটি হইবার কথা।
- ৫৩৫। অভিযোগপত্র প্রস্তুত না হইবার ফলের কথা।
- ৫৩৬। আসেসরদের বিচার্য্য মোকদ্দমার জুরির ভারা বিচার হইবার কথা।
  - জুরির বিচার্য্য মোকদ্দমার আসেসরদের দ্বারা বিচার হইবার কথা।
- ৫৩৭। অভিযোগপত্তে কিয়া আহ্ষ্ঠানিক কার্য্যে
   ভ্রম কি প্রযাদপ্রযুক্ত নিস্পত্তি কি দণ্ডাজ্ঞা
   অন্যথা হইবার কথা।
- ৫৩৮। আইটানিক কার্য্যে রীতির দোষ থাকাতে কোক বেআইনী না ছইবার ও ক্রোক-কারী ব্যক্তি অনধিকার প্রবেশকারী বলিয়া জ্ঞান না হইবার কথা।

# ৪৬ ষট্চত্তারিংশ অধ্যায়।

# বিবিধ বিধি।

#### ধারা ৷

- ৫৩৯। যে যে কোটের ও যে যে ব্যক্তিদের সমুখে আফিডেবিট করা যাইতে পারিবে তাঁহাদের কথা।
- ৫৪০। গুরুতর সাক্ষীকে সমন করিবার কিছা উপস্থিত ব্যক্তির পরীক্ষা লইবার ক্ষমতার কঞা।
- ৫৪১। কারাদণ্ডের স্থান মির্দেশ করিবার ক্ষমতার কথা।
  - দেওয়ানী জেলে বন্ধ অভিযুক্ত বা নির্ণীতাপরাধ ব্যক্তিদিগকে ফোজদারী জেলে
    পাঠাইবার ও তাহাদের দেওয়ানী
    জেলে ফিরিয়া আসিধার কথা।
- ৫৪২। কারাবদ্ধ ব্যক্তির পারীক্ষার জন্যে তাহাকে আনাইতে আজ্ঞা করিতে প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেটের ক্ষমতার কথা।
- ৫৪৩। দোভাষির যথার্বই অর্থ করিতে হইবার কথা।
- ৫৪৪। বাদিদের ও সাক্ষীদের খরচের কথা।
- ৫৪৫। অর্থদণ্ডের টাকার একাংশ খরচ বা ক্ষতি-প্রণস্বরূপ দিতে আদালতের ক্ষমতার কথা।
- ৫৪৬। পরবর্ত্তী যোকদ্দমায় সেই টাকা ধরিবার কলা।
- ৫৪৭। যে টাকা দিবার আজ্ঞা হয় ভাহা অর্থদণ্ডের ন্যায় আদায় ছইতে পারিবার কথা।
- **८८৮। नशीत नकन पिरात कथा।**
- ৫৪৯। কোট মার্শ্যন্ত ছারা যাছাদের বিচার ছইবে এরপ ব্যক্তিদিগকে সৈন্যসংক্রাস্ত কর্ত্তৃপক্ষদের হুল্ডে সমর্পণ করিবার কথা।

তজ্ঞপ ব্যক্তিদিগকে ধৃত করিবার কথা।

- ৫৫০। পোলীদের উচ্চপদস্থ কর্মচারীদের ক্ষমতার কথা।
- ৩৫১। অপহত জীলোককে ফিরাইয়া দেওনের ক্মতার কথা।
- ee ২। রাজধানী নগরে যে ব্যক্তিকে অকারণে প্রহরির জিম্মায় দেওয়া যায় তাহার হানিপ্রণের কথা।
- eeo। জন্ধীন আদালতের কাগজপত্র পরিদর্শন করিবার বিধি সনক্ষপ্রাপ্ত হাই কোর্টের প্রায়ন করিতে পারিবার কথা।
  - অন্যান্য কার্য্যের নিমিক্ত অন্যান্য ছাই কোর্টের বিধি করিনার ক্ষমভার কথা।

ee8 । भार्ठत कथा।

৫৫৫। যে ছলে জজ বা যাজিক্টেট আপনি স্বার্থ-যুক্ত থাকেন তাহার কথা।

ee৬। আদাদতের ভাষা ছির করিতে পারিবার কথা।

eer। চলিত মোকদমার কথা।

eea। নিলাম কার্য্যে লিপ্তা কর্মচারীদের সম্পত্তি ক্রম না করিবার বা না ডাকিবার কথা।

৩০। স্থামী কর্তৃক বলাৎকার অপরাধ সম্বন্ধে
বিশেষ বিধানের কথা।
 প্রথমবার অপরাধী বিষয়ক বিধি।

थाता ।

৫৬১। দণ্ডাজ্ঞা দিবার পরিবর্তে সদাচরণের
পরীক্ষার নিয়ম করিয়া আদালতের
ছাড়িয়া দিবার ক্ষমতার কথা।

 ৬৬২। অপরাধী আপন মুচলকার নিয়ম পালন না করিলে বিধানের কথা।

৫৬৩। অপরাধীর বাসস্থান সম্বন্ধে নিয়মের কথা।

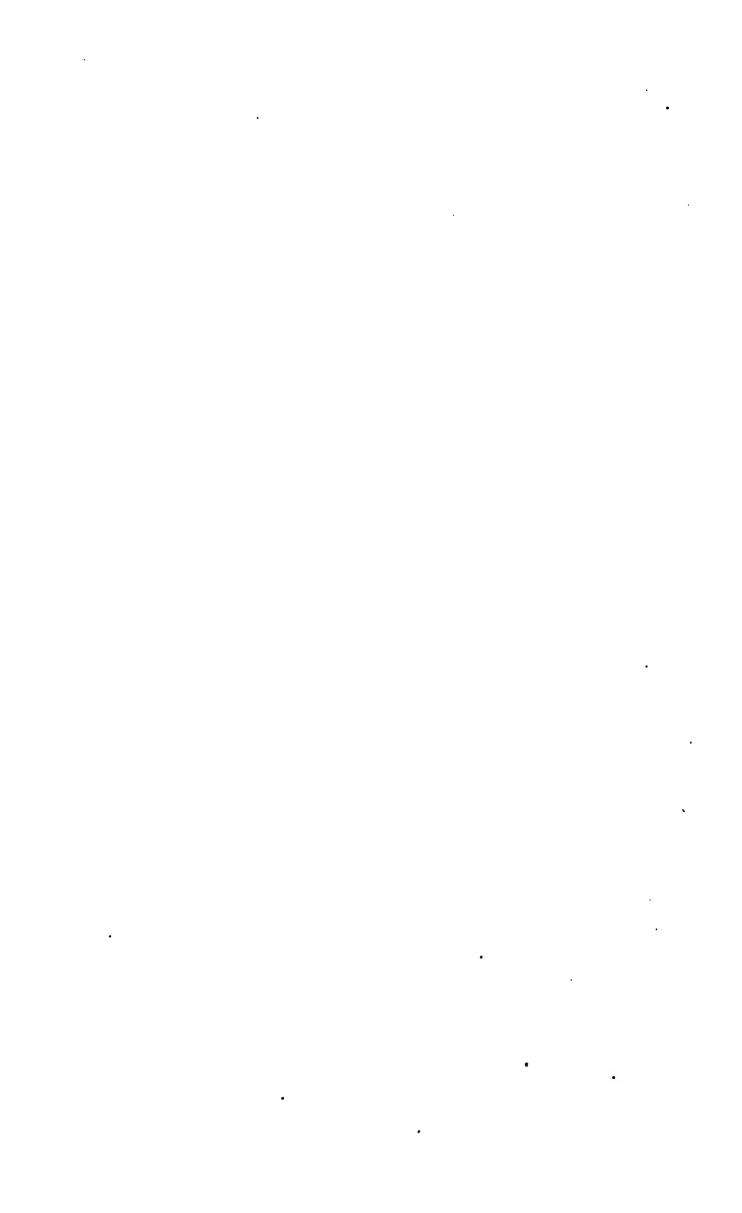
৫৬৪। ভত্তাবধানের আজ্ঞার কথা।

৫৬৫। তত্তাবধানের আজ্ঞা ছইলে তাহার কলের কথা।

প্রথম তক্ষসীল।—যে যে আইন রহিত হইল। ছিতীয় তক্ষসীল।—অপারাধের বিবরণ পত্তের টেবিল। তৃতীয় তক্ষসীল।—মকঃশল মাজিফ্রেটের নিয়মিত ক্ষমতার কথা।

চতুর্থ তকসীল।—যাজিফেটদের প্রতি যে অতিরিক্ত কমতা দেওয়া ঘাইতে পারে তাহার কথা।

পঞ্চম ভক্ষদীল।—পাঠ বিষয়ক।



# ফৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংগ্রহ ও সংশোধন করণার্থ আইনের পাণ্ডুলিপি।

কেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংগ্রহ ও সংশোধন করা বিহিত, এই হেড়ু এতদ্বারা নিম্নলিখিতমত বিধান করা গেল।—

# প্রথম খণ্ড।

# ञ्चना।

#### ১ প্রথম অধ্যায়।

১ ধারা। (১) এই আইন "কোজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৯৮ দংক্ষেণ নামেব কথা। আবত্তেব কথা। ইইডে পারিবে এবং ইহা ১৮৯৮ সালের মাসের দিবসে প্রবল হইবে।

- (২) এই আইন সমস্ত রটিষ ভারতবর্ষে ব্যাপ্ত হইবে কিন্তু বিপরীত ভাবের বিশেষ বিধান না থাকিলে এই আইনের কোন কথায় এক্ষণে যে বিশেষ কি স্থানীয় আইন প্রচলিত আছে তাহার কিন্তা উপস্থিত সময়ের প্রচলিত অন্য আইনক্রমে যে বিশেষ বিচারাধিকার কি ক্ষমতা প্রদত্ত কিন্তা যে বিশেষ প্রকারের কার্য্যপ্রণালী নির্দ্দিষ্ট হইয়াছে তাহার কোন বিল্ল হইবে না, কিন্তা ইহার কোন কথা—
  - (ক) কলিকাতা ও মাজ্রাজ ও বোম্বাই নগরের পোলাসের কমিশনর সাহেবের প্রতি কিম্বা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলাসের প্রতি ;
  - শ্ব) মান্দ্রাজ প্রেসিডেন্দ্রীর প্রামপতিদের
     প্রতি; কিছা
    - (গ) বোম্বাই প্রেসিডেন্সীর প্রাম্য পোলীস কর্ম-চারিদের প্রতি

#### ---বর্ত্তিবে না।

কিন্তু স্থানীয় গবর্ণমেন্ট উপযুক্ত বিবেচনা করিলে, মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মঞ্জুরি লইয়া রাজকীয় গেজেটে বিজ্ঞাপন দিয়া এই আইনের কোন বিধান প্রয়োজনীয় পরিবর্ত্তন সহঁ ঐরূপ বর্জ্জিত ব্যক্তিদের সম্বন্ধে প্রচলিত করিতে পারিবেন।

২ ধারা। (১) এই আইনের প্রথম তফ্দীলে যে যে
আইনের উল্লেখ হইরাছে ঐ
আইন রহিত হইবাব
কথা।

মাণ- নির্দ্দিক হইল ১৮৯৮
সালের মাদের দিবদে ও ঐ
দিবদ হইতে সেই সেই আইন সেই পরিমাণ রহিত করা

যাইবে, কিম্বু তৎকালে যে বিচারাধিকার কি যে প্রকারের কার্য্যপ্রণালী না থাকে কি না অবলম্বিত হয় এই রাহিত্য বলে তাহা পুনজ্জীবিত হইবে না, কিম্বা তৎকালে যে কারাদণ্ড বৈধ থাকে এই রাহিত্যক্রমে তাহা অবৈধ হইবে না।

- (২) এতৎক্রমে রহিত করা, কি এতদ্বারা রহিত করা আইনক্রমে রহিত করা আইনক্রমে রহিত করা বহিত করা আইনক্রমে যে সকল বিজ্ঞাপন প্রকাশিত, ঘোষণাপত্র প্রচারিত, ক্রমতা প্রদন্ত, পাঠ নিরপিত, স্থানীয় সীমানিদিক্ট, দণ্ডাজ্ঞা দত্ত ও আজ্ঞা ও বিধি ও নিরোগ ক্রত হইয়া ১৮৯৮ সালের মাসের দিব-সের অব্যবহিত পূর্বের্ব প্রচলিত থাকে, তৎসমুদয় এই আইনের তত্তৎ বিষয়্ণক ধারাক্রমে প্রকাশিত, প্রচারিত প্রদন্ত, নির্মিপত, নিদ্দিষ্ট, দত্ত ও ক্বত বলিয়া জ্ঞান করা ঘাইবে।
- ও ধারা। (১) এই আইন প্রচলিত হইবার পূর্বের
  ফোজদাবী মোকদমাব
  কাগ্রপ্রণালী বিষয়ক আইনেব ও জন্ম বাহত করা বিষয়ক ১৮৬১ সালের ২৫
  আইনেব উল্লেখ হইলে আইনের কিয়া ১৮৭২ সালের
  তাহার কথা।
  ১০ আইনের কিয়া ১৮৮২
  সালের ১০ আইনের কি তাহার কোন অধ্যায়ের কি
  ধারার কিয়া এই আইনক্রমে রহিত করা জন্য আইনের
  উল্লেখ হইয়া থাকিলে, এই আইনের কিয়া তত্ত্বৎ
  বিষয়ক এই আইনের অধ্যায়ের কি ধারার উল্লেখ হইয়াছে যথাসাধ্য এমত জ্ঞান করিতে হইবে।
- (২) এই আইন প্রচলিত হইবার পূর্নের প্রণীত কোন আইনে 'মাজিফ্রেটের প্ৰ প্ৰ আইনে ব্যব-ক্ষমতা (কি 'পুর্ব ক্ষমতা') মতে কর্মকারী কর্মচারী ও "অধঃস্থ প্রথম শ্রেণীর মাজিস্ফেট'' ও ''অধঃস্থ দ্বিতীয় শ্রেণীর गाजित्क्रें । अहेर শব্দ থাকিলে, ভদ্ধারা যথা-ক্রমে ''প্রথম শ্রেণীর মাজিফেট'' ও ''দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিক্টেট'' ও "তৃতায় শ্রেণীর মাজিফ্টেট' বুঝ ইবে বলিয়া জ্ঞান করিতে হইবে, ''জিলার খড়ের মাজিফুট'' শব্দে 'মহকুমার মাজিফেট'' বুঝাইবে বলিয়া জান করিতে হইবে, ''জিলার মাজিফ্টেট'' শকে ''জিলার মাজিফ্টেট'' এবং ''পোলীদের মাজিফ্টেট' শদ্দে 'থেসি-ডেন্সী মাজিফ্রেট'' বুঝাইবে বলিয়া জ্ঞান করিতে হুইরে এবং ''জাইণ্ট দেশন জজ'' শব্দে ''আডিশনল দেশন জজ" বুঝাইবে।
- 8 ধারা। (১) এই আইনে নিম্নলিখিত কথা ও অর্থনির্দেশের কথা। শব্দের যে অর্থ নিম্নে করা যাইতেছে, বিষয়ের কিম্বা পূর্ব্বা। পার কথা দারা ভাবান্তর প্রকাশ না ছইলে দেই কথার ও শব্দের দেই অর্থ ধরিতে হইবেঃ—
- (ক) যে কোন ব্যক্তির বিৰুদ্ধে কোন নালিশ করা হয় কিমা এই আইনমত সাম্প্রানিক কার্য্য উপস্থিত

করা কি উপস্থিত করিবার চেষ্টা করা হয় ''অভিযুক্ত'' বলিতে সেই ব্যক্তিকেও বুঝাইবে।

- (খ) "আডবোকেট জেনরল" এই শব্দে গ্রন্নেন্ট আডবোকেটকে অথবা
  থেখানে আডবোকেট জেনরল
  কৈ গ্রন্মেন্ট আডবোকেট নাই সেখানে তৎকার্য্য
  পক্ষে স্থানীয় গ্রন্মেন্ট সময়ে সময়ে যে কর্মচারীকে
  নিযুক্ত করেন ভাঁহাকেও ব্রাইবে।
- রে) দ্বিভায় তফসালের লিখিতমতে কিন্তা যৎকালে
  অন্য যে আইন প্রচালিত থাকে
  ভদন্দারে কোন অপারাধের
  অপারাধ।
  ভাষিন লইবার অমৃগদৃজ্ঞ অপারাধ।
  বিষ্কি হাজিরজামিন ভাইন
  যাহতে পারিলে "জামিন লইন
  বার উপাযুক্ত অপারাধ" শব্দে
  সেই অপারাধ ব্ঝাইবে। "জামিন লইবার অন্পাযুক্ত
  অপারাধ" শব্দে অন্যান্য অপারাধ ব্ঝাইবে।
- (য) চার্জে একাধিক দকা থাকিলে " চার্জ'' অন্তি-যোগ শব্দে চার্জের যে কোন দকাও বুঝাইবে।
- (ও) "চীফ জফিস" শব্দে পঞ্জাবের চীফ কোর্টের "চীফ জষ্টিদ।" ও রাস্কুণের রিকার্ডারের আদা-সতের পদজ্যেষ্ঠ জজ সাহেবও

#### বাচ্য।

- (চ) এই আইনের দানা ক্লার্ক অফ দি ক্রোনের কর্ত্তব্য বলিয়া যে কর্ম নির্দিট ইইয়াছে চীফ জ্বটিস সাহেব সেই কর্ম নির্কাষ্ট্রার্থে যে কর্মচারাকে বিশেষমতে নিযুক্ত করেন, "ক্লার্ক অফ দি ক্রোণ' শব্দে তাঁহাকেও বুঝাইবে।
- ছে) এই আইনের দ্বিতীয় তফদীল অন্ন্সারে কিদ্যা

  যৎকালে যে কোন আইন

  "ধর্ত্তর অপনাধ।"

  "ধর্ত্তর মোকদ্দমা।"

  অচলিত পাকে তদন্সারে
  পোলীদের কর্মচারী রাজধানী

  নগরের ভিতরেই হউক আর বাহিরেহ হউক যে অপরাধের নিমন্ত ও যে মোকদ্দমায় ওয়ারন্ট বিনা গ্লত
  করিতে পারেন "ধর্ত্তরে অপরাধ" ও "ধর্ত্তর মোকদ্দমা"

  শব্দে সেই অপরাধ ও মোকদ্দমা বুঝাইবে।
- (জ) ''পোলাসের ক্ষিণনর বলিতে পোলীসের ভেপুটি ক্ষিশনরকেও বৃঝাইবে।
- (ঝ) জ্ঞাত কি অজ্ঞাত কোন ব্যক্তি অপরাধ করিয়া ছেন কিন্তা এই আইনমত জ্ঞান্তানিক কার্য্য হইবার পক্ষে আন্ত রকমে যোগ্য হইরাছেন. এই আইন অন্ত্র্সারে কার্য্য উপস্থিত করিবার উদ্দেশে কোন মাজিস্টেটের নিকট বাচনিক কি লিখিত এরপ বর্ণনা করা গেলে, ''নালিশ'' শঙ্কে তাহা বুঝাইবে। পরের ভূমিতে গোমেষাদির অবেশ বিষয়ক ১৮৭১ সালের আইনমত নালিশও ইহার অন্তর্গত, কিন্তু কোন পোলীস কর্মচারির রিপোট ইহার অন্তর্গত নয়।

- (এ) ''দেশন আদাসত'' বলিতে সেশন জঞ্জ আডিশনল সেশন জজ ও আসিফান্ট সেশন জজকেও বুঝাইবে।
- (ট) "ইউরোপীয় রটিষ "ইউবোপীয় রটিয প্রকা।" প্রজা'' শব্দে ইহাদিগকে সুবুঝাইবে।
  - (/০) শীশ্রীমতী মহারাণীর যে কোন প্রজা গ্রেটির ও জায়রলও সংযুক্ত রাজ্যে কিছা
    শ্রীশ্রীমতী মহারাণীর কোন ইউরোপীয়
    কি আমেরিকা দেশীয় কি অফ্রেলীয়
    উপনিবেশে কি অধিক্বত দেশে কি নব-জীলও উপনিবেশে কি উন্মাণা কি নেটাল উপনিবেশে জন্ম গ্রহণ করেন কি প্রজাধিকার প্রাপ্ত হন কি চিরবাদী হন, তিনিও
  - (১০) তাঁহার ঔরস পুত্র কন্যা কি পোত্র পোত্রী কি দেহিত্র দেহিত্রী।
- (ঠ) ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের নামে কিন্না ইউ রোপীয় রটিষ প্রজাদের সহিড "গাই কোট।" অন্য ব্যক্তিদের নামে অভিযোগ ইইলে, যে কার্যান্নস্থান হয় তৎসম্পর্কে "হাই কোট" শব্দে কলিকাতার ও মান্দ্রাজের ও বোপাইয়ের হাই কোট ও উত্তর-পশ্চিম প্রদেশের হাই কোট ও পঞ্জাবের চাফ কোট ও রান্ধ্রণের রিকাডার ব্যাইবে।

অন্য স্থলে "হাই কোট" শব্দে কোন স্থানীয় চক্রের
মধ্যে ফোজদারী মোকদমার আপীল গ্রাহ্য কিন্তা দেই
মোকদমার পুনদৃষ্টি করনার্থ উচ্চতম আদালত বুঝাইবে;
কিন্তা উপস্থিত সময়ের প্রচলিত কোন আইনক্রমে
তদ্রূপ কোন শাদালত সংস্থাপন করা না গেলে, মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীয়ত গবর্গর জেনরল সাহেব এতদর্থে যে
কর্মাচারীকে নিযুক্ত করেন "হাই কোট" শব্দে তাঁহাকেও ব্রাহ্বে।

- (ড) বিচারের পূর্ষে এই আইনমতে মাজিফ্টেট বা আদালত কর্ম্বক যে তর্মন্তের. কার্য্য করা যায় বা যে তদন্তে কোন বিচার করা না যায় ''তদন্ত' শব্দে তাহাও বাচ্য।
- (চ) এই আইনমণ্ডে প্রমাণ সংগ্রাহ করিবার জন্য পোলীদের দ্বারা কিন্তা এতৎ-পক্ষে মাজিস্টেটের নিকট ক্ষমতা প্রাপ্ত (মাজিস্টেট,বা পোলীস কর্মচারী দ্বাড়া) কোন ব্যক্তি দ্বার: যে সকল কার্ণ্যের অভ্নন্তান হইবার অভ্নমতি আছে ''অভ্নসন্ধান শব্দে তাহাও বাচ্য।
- (৭) মে কার্য্যের অস্কষ্ঠান কালে আইনমতে সাক্ষ্য "বিচাব ঘটিও ক্র্য্যা"

  শাসে সেই কার্য্য ব্ঝাইবে। তাহার ফলস্করপ অপর প্রত্যেক কার্য্যাস্থ্রানও তাহার অন্তর্গত।

- (ভ) ে যে অপরাধ হইলে ও যে মোকদ্দমায় পোলী-সের কর্মচারী রাজধানী নগরের "অধর্ত্তব্য অপবাধ।" ভিতরেই হউক আর বাহিরেই "অধর্ত্তব্য মোকদ্দমা।" ছউক ওয়ারন্ট বিনা ধ্রত করিতে না পারেন "অধর্তব্য অপরাধ" ও "অধর্তব্য যোকদ্দমা'' শব্দে সেই অপরাধ ও সেই মোকদ্দমা বুঝাইবে।
- (থ) যৎকালে যে কোন আইন প্রচালত থাকে তৎক্ৰমে যে কোন কাৰ্য্য বা ক্ৰটি ' অপরাধ।'' দঙ্নীয় হয় তাহাই "অপরাধ" नदक वाहा।
- (দ) পোলীস থানার অধ্যক্ষ থানাগরে অহপস্থিত থাকিলে, কিম্বা পাড়া বশতঃ "পোলীস থানাব আপন কর্ম করিতে অশক্ত অধ্যক্ষ।" হইলে তৎপরবর্ত্তী নিম্ন পদের যে কর্মচারী কনফেবলের ঊর্গুতন পদস্থ হইয়া থানাঘরে উপস্থিত থাকেন, "পোলাস থানার অধ্যক্ষ" শব্দে তাঁহাকেও বুঝাইবে, কিশ্বা স্থানীয় গবৰ্ণমেণ্ট আদেশ করিলে, অন্য যে পোলীস কর্মচারী তদ্রপে উপস্থিত থাকেন ভাঁহাকেও বুঝাইবে।
  - (ধ) ''স্থান'' শক্তে বাটী ও ইমারও ও তাঁৰু ও জলযান কি অপর গঠিত " স্থান **।**" জিনিশও বুঝাইবে।
- আদালতের কার্য্যাহ্নষ্ঠান সম্বশ্বে (ন) কোন "উকাল" শব্দ ব্যবস্থত হইলে " एकील।" উপস্থিত সময়ের প্রচলিত কোন আইনক্রমে উক্ত আদালতে কর্ম করিতে ক্ষমতা-পদ্ম উকীল বা মোক্তার বুঝায় এবং (১) ভদ্রাপ ক্ষমতা-পন্ন হাই কোর্টের আডবোকেট ও উকাল ও আটনি ও (২) আদালতের অমুমতিক্রমে তৎ কার্য্যামুষ্ঠানে কর্ম করিতে নিযুক্ত কোন ব্যক্তিও উক্ত শব্দে বাচ্য।
- (প)। যে আড্ডাবা ছান এই আইনের কার্য্য-পক্ষে স্থানীয় গ্রথমেন্ট সাধা-"পোলীদ থানা।" রণ মতে বা বিশেষ মতে পোদীস থানা বদিয়া ব্যক্ত করেন "পোদীস থানা" শব্দে সেই স্থান বৃকাইবে ও প্রানীয় গবর্ণমেন্ট এতদর্থে যে কোন স্থানীয় চক্র নির্দেশ করেন, তাহাও বুঝাইবে।
- (ফ) ''রাজকীয় অভিযোক্তা'' শব্দে ৪৯২ ধারা মতে নিযুক্ত কোন ব্যক্তিকে ''রাজকীয় অভিযোক্তা।'' ত রাজকীয় **অভিযোক্তা**র আদেশক্রমে কার্য্যকারী কোন ব্যক্তিকে ও কোন হাই-काटि जाटनी क्लिनाती विष्ठात्राधिकातकः य कार्या-

- কালে শ্রীশ্রীমতী মহারাণীর পক্ষে যে ব্যক্তি অভিযোগ চালান সেই ব্যক্তিকেও বু**ঝাইবে**।
  - (ব) ''মহকুমা'' শব্দে এই আইন মতে করা বা রাখিয়া দেওয়া জিলার ' মহকুমা " মহকুমা বুঝাইবে।
- (छ) " मगरन्त्र साकक्या" भटक ওয়ারক্টের মোকদ্দমা নয় কোন অপরাধ ''সমনেৰ মোকদমা।'' मः क्रान्ड এরপ যোকদ্মা বুঝাইবে।
- ্ম) চার্জ লিখিত হইবার পর আদালতে যে সকল কার্য্যাস্থষ্ঠান হয় ''বিচার'' শব্দে "বিচাব।" তাহা বুঝাইবে ও অপরাধীর প্ৰতি কোন দণ্ডাজ্ঞা হইলে তাহাও বুঝাইবে।

অভিযুক্ত ব্যক্তি আদালতে উপস্থিত হইবার সময় হইতে বিংশ ও দ্বাবিংশ অধ্যায়মত কাৰ্য্যান্ত্ৰীনও ইহার অন্তর্গত।

(য) মৃত্যু কি দ্বীপান্তর প্রেরণ কি ছয় মাসের অধিক কালের কারাবাস যে অপ-''গুয়াব**তে**ব মোকদ্দমা।'' রাধের দণ্ড ''তয়ারন্টের মোক-দ্দমা" শব্দে সেই অপরাধ সংক্রান্ত মোকদ্দমা বুঝাইবে। (২) যে যে শব্দে ক্লভ কার্য্যের উল্লেখ আছে যে যে শব্দে কার্য্যের উল্লেখ তৎসমুদয় অবৈধ ক্রটির প্রতিও আছে তাহাব কথা।

বর্তিবে। এবং

- এই जाहरन रव रव मन उ श्रम तात्रक इडे-য়াছে ভারতব্যীয় দণ্ড বিধি-দণ্ডবিধিব আইনে কোন আইনে তাহার অর্থ করা হইয়া শব্দেব যে অৰ্থ আছে থাকিলে ও ইহাতে হাওপুৰ্বে সেই তার্থ থাকিবার কথা। না হইয়া থাকিলে ঐ দও বিধির আইনে যথাক্রমে সেই সেই শকের ও পদের যে যে অর্থ আছে দেই দেই অর্থে ব্যবহার হইয়াছে জ্ঞান করিতে **२**इटें ।
- ৫ ধারা। (১) ভারতবর্ষীয় দওবিধির আইনমত সমুদয় অপরাধের অহুসন্ধান দগুনিধির আইনমত অপ-ও তদন্ত ও বিচার ও তৎ-রাধেধ বিচাবেব কথা। সংক্রান্ত অন্যরূপকার্য্য ইহার পর প্রদত্ত বিধান অম্বসারে হইবে।
- (২) অন্য কোন আইনমত অপরাধের অন্নসন্ধান ও তদন্ত ও বিচার ও তৎ-অন্যান্য আগনের বিরুদ্ধ भःकान्छ अवात्रभ कार्या है व्यानाट्यव विहादवर कथा। বিধান অনুসারেই হইবে, কিন্তু সেই অপরাধের ওদস্ত বা বিচারের প্রণালী বা স্থান নিয়ামক উপহিত সময়ের এচলিত কেনে ব্যবস্থা থাকিলে ভাহা মানিতে হইবে।

# দ্বিতীয় থণ্ড।

ক্ষেজদারী আদালত ও কার্য্যালয়ের সংস্থাপন ও ক্ষমতার বিধি।

২ দ্বিতীয় অধ্যায়।

কৌজদারী আদালতের ও কার্য্যালয়ের সংস্থাপনের বিধি।

ক।—কোজদারী আদালতের নানা শ্রেণী বিষয়ক বিধি।

৬ ধারা। রটিষ ভারতবর্ষে হাই কোর্ট ভিন্ন এবং ফৌজনাবী আদালতের নানা শ্রেণীর কথা।
এই আইন ব্যতীত অন্য যে আইন য্ৎকালে প্রচলিত থাকে ভৎকালে ভৎক্রমে সংস্থাপিত

আদালত ভিন্ন পাঁচ শ্রেণীর ফোজদারী আদালত থাকিবে; যথা,

- ১। সেশন আদালত।
- २। थ्यिंगएजी गाजिएके।
- । श्रथम (अंगोत माजिएके ।
- ৪। বিতীয় শ্রেণীর মাজিফেট।
- ে। তৃতীয় শ্রেণীর মাজিফেট।

খ।—দৈশিক বিভাগের বিধি।

৭ ধারা। (১) রাজধানী ব্যতিরিক্ত প্রত্যেক প্রদেশ একটি সেশন খণ্ড হইবে কিম্বা নানা সেশন খণ্ডের সমষ্টি কথা। ইইবে এবং এই আইনের অভি-প্রায়াস্থ্যারে প্রত্যেক সেশন খণ্ড একটি জিলা কি নানা জিলার সমষ্টি ইইবে।

- (২) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ঐং খণ্ডের ও জিলার সীমা,
  বস্তু ও জিলা পরির্ভন
  করিবার ক্ষমতার কথা।
  মতি গ্রহণ পূর্বেক, সংখ্যা
  পরিবর্ত্তন করিতে পারিবেন।
- (৬) এই আইন প্রচলিত হইবার সময়ে যেং সেশন

  যাবং প্রিবর্ত্তন না হয়
  বর্ত্তমান থণ্ড ও জিলা
  থাকিবার কথা।

  যাত্ত কাল প্রিবর্ত্তন করা না

  যায় ততকাল তৎসমুদ্র সেশন

খণ্ড ও জিলা থাকিবে।

(৪) এই আইনের অভিপ্রায়ন্সারে এত্যেক রাজ্যানীগুলি জিলা রাজধানী এক একটী জিলা বলিয়া গণ্য ১ইবার কথা। বলিয়া গণ্য হইবে।

৮ ধারা । (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট রাজধানীর বহিঃস্থ কোন জিলা মহকুমায় বিভক্ত করিবার ক্ষমতার কথা।

করিবার ক্ষমতার কথা।

মহকুমায় পরিণত করিতে পারিবেন ও কোন মহকুমার সীমা পরিবর্তন করিতে পারিবেন। (২) জিলার বর্ত্তমান যে সকল মহকুমা সচরাচর
এইক্ণকার মহকুমা থাকিবার কথা।
আইক্লিয়া থাকে তৎসমূদ্য এই
আইনক্রমে ক্রত কলিয়া জ্ঞান

করা যাইবে।

### গ।—রাজধানীর বহিঃস্থ আদালতের ও কার্য্যালয়ের বিধি।

- ৯ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট প্রত্যেক সেশন ধানে কাদালতের কথা। সেশন আদালত সংস্থাপন করি-বেন এবং তদ্রাপা আদালতের এক এক জন জজ নিযুক্ত করিবেন।
- (২) তদ্রপ এক কি একাধিক আদালতে বিচারাধি-কার পরিচালন করিবার নিমিত্ত স্থানীয় গবর্ণমেন্ট আডিশনল সেশন জজ ও আসিস্টান্ট সেশন জজ নিযুক্ত করিতে পারিবেন।
- (৩) এই আইন প্রচলিত হইবার সময়ে যে সকল সেশন আদালত থাকে তৎসমুদ্য় এই আইনমতে সংস্থাপিত বলিয়া জ্ঞান করা ঘাইবে !
- ১০ ধারা। (১) রাজধানীর বহিঃস্থ প্রত্যেক জিলায়
  ভালার মাজিট্টের কখা।
  প্রথম শ্রেণীর মাজিস্টেট নিযুক্ত
  করিবেন, যিনি জিলার মাজিস্টেট নামে খ্যাত
  হইবেন।
- (২) স্থানীয় গবর্ণমেন্টে সময়ে সময়ে প্রথম শ্রেণীর কোন মাজিফেটকে তিন মাসের অন্ধিক কালের নিমিত্ত আডিশনল জিলার মাজিফেট স্বরূপ নিযুক্ত করিতে পারিবেন, এবং এই আইনমত জিলার মাজিফেটের যে সমস্ত বা যে কোন ক্ষমতা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট আদেশ করেন ঐ আডিশনল জিলার মাজিফেটের সেই সমস্ত বা সেই ক্ষমতা হইবে।
- ১১ ধারা। জিলার মাজিস্টেটের পদ শূন্য হওয়া
  প্রিলার মাজিটেটের পদ
  শূন্য হইলেযে ব্যক্তি
  কিমংকালের নিমিন্ত দেই
  পদে থাকেন ভাগার কথা।
  তিনি স্থানীয় গ্রন্থিমেন্টের আজ্ঞা পাইবার অপোক্ষায় এই
  আইনক্রমে জিলার মাজিস্টেটের যে সকল ক্ষমতা ও
  কর্ত্তব্য নির্দারিত হইল, সেই সকল ক্ষমতা পরিচালন
  করিবেন ও সেই সকল কর্তব্য কর্ম নির্দাহ করিবেন।

১২ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট জিলার মাজিত্রুট ভিন্ন অন্য যত ব্যক্তিকে
কথা।
ত্যাহাদিগকে রাজধানীর বহিঃছ
জিলায় প্রথম কি বিতীয় কি তৃতীয় প্রোণীর মাজিফেট
স্বরূপ নিযুক্ত করিতে পারিবেন; এবং উক্ত ব্যক্তির

যে যে স্থানীয় চক্রমধ্যে এই আইনক্রমে প্রাপ্ত সমুদয়
বা কোন ক্ষমতা পরিচালন
ভাগেদের শিচাবাধীন করিতে পারিবেন, স্থানীয়
গ্রন্মেন্ট কিন্তা স্থানীয় গ্রন্
মেন্টের কর্তৃজ্ঞাধীনে জিলার মাজিস্ট্রেট সময়েং তাহা
নির্ণয় করিয়া দিতে পারিবেন।

(২) তজ্ঞপে নির্ণয় করিয়া না দিলে ঐ ব্যক্তিরা সাধারণতঃ উক্ত জিলার সর্বস্থলে উক্ত বিচারাধিকার ও ক্ষমতা পরিচালন করিতে পারিবেন।

১৩ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট প্রথম কি দ্বিভীয়

ক্ষেণীর কোন মাজিস্টেটকে

ক্ষান জধ্যক্ষতা ভাব দিবার

ক্ষমতার কথা।

ক্ষিলার কোন মহকুমার অধ্য
ক্ষেতা ভার দিতে, পারিবেন

এবং প্রয়োজনমতে ঐ অধ্য-

ক্ষতা ভার হইতে তাঁহাকে মুক্ত করিতে পারিবেন।

(২) সেই মাজিস্টেট মহকুমার মাজিস্টেট নামে ব্যাত হইবেন।

ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষা

১৪ ধারা । (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট রাজধানীর বহিঃস্থ কোন স্থানীয় চক্রে বিশেষ মাজিটেলের মাকদ্দমা সম্পর্কে কিয়া বিশেষ এক প্রকারের কিয়া বিশেষ নানা প্রকারের মোকদ্দমা সম্পর্কে কি সাণারণতঃ সকল মোকদ্দমা সম্পর্কে কোন ব্যক্তির প্রতি এই আইনক্রমে দত্ত কি দেয় প্রথম কি দ্বিতীয় কি তৃতীয় শ্রেণীর মাজি-ক্রেটের সকল কি অন্যতর ক্ষমতা প্রদান করিতে

(২) সেইং মাজিফ্টেট বিশেষ মাজিফ্টেট নামে খ্যাত হইবেন।

পারিবেন।

- (৩) যন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহে
   বের অভ্নয়তি গ্রহণ পূর্বক স্থানীয় গবর্ণমেন্ট যদ্রপা

  নিয়ম বিহিত বোধ করেন তদ্রপা নিয়মে স্বীয় কর্তৃত্বাধীন কোন কর্মচারির প্রতি (১) প্রকরণক্রমে প্রদত্ত

  ক্ষমতা অর্পণ করিতে পারিবেন।
  - (৪) আসিন্টান্ট ডিট্রিক্ট স্থপরিন্টেণ্ডেন্টের নিম্ন-শ্রেণীস্থ কোন পোলীস কর্মচারির প্রতি এই ধারামতে কোন ক্ষমতা দেওয়া ঘাইবে না, এবং শান্তি রক্ষার্থ ও অপরাধ নিবারণার্থ ও অপরাধীদিগকে মাজিস্টেটের সমুখে আনিবার জন্য ডাহাদের অপরাধ আবিকার পুরুক ডাহাদিগকে ধৃত করণার্থ ও আটক করিয়া রাখিবার নিমিন্ত এবং উপস্থিত সময়ের প্রচলিত আইন-ক্রমে ঐ কর্মচারির অপর যে কর্ম করিতে হয় সেই কর্ম সম্পাদনার্থ আবশ্যক না হইলে ঐরপ কোন ক্ষমতা দেওয়া ঘাইবে না।

১৫ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কোন তুই কি

• তদধিক জন মাজিট্রেটকে

মালিট্রেটদেব বেংগুর রাজধানার বৃহিঃস্থ কোন স্থানে

কিচারকার্য্যে বেঞ্জন্তপ বৃদিতে

আদেশ করিতে পারিবেন ও আদেশ প্রদান করিয়া সেই বেঞ্চের প্রতি এই আইনক্রমে দক্ত কি দেয় প্রথম কি বিতীয় কি ভৃতীয় শ্রেণীর মাজিফ্রেটদের যে কোন ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন, ও স্থানীয় গবনমেন্ট মে সামার মধ্যগত স্থানে তাঁহাদের দ্বারা যে যে মোক-দ্বমার বা যে যে প্রকারের মোকদ্বমার বিচার হওয়া উচিত জ্ঞান করেন তাঁহাদিগকে সেই সীমার মধ্যে প্র ক্ষমতাক্রমে সেইং মোকদ্বমার বিচার করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

(২) এই ধারামত কোন আজ্ঞায় অন্যরূপ বিধান না
ধাকিলে, যে মাজিক্টেটেরা
বিশেষজ্ঞাদেশনা থাকিলে অধিবিফ কার্য্যে প্ররৃত্ত হন
কোণ যে ক্ষমতা পাবিচালন তাঁছাদের অন্যতর ব্যক্তি উচ্চকাবতে পাবিবেন ডাহাব
কথা।
এই আইনক্রমে প্রদত্ত সেই

শ্রেণীর মাজিট্রেটের ক্ষমতা প্রাপ্ত হইবেন এবং এই আইনের অভিপ্রায়সারে যতদূর সম্ভব সেই শ্রেণীর মাজিট্রেট বলিয়া গণ্য হইবেন।

১৬ ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কিম্বা জিল্পার মাজিক্ষেট সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের
ক্ষেত্র কার্যাপদ্ধতি দশ্যইবাব বিধি প্রণমন কবিবার
ক্ষমতাব কথা।
জিলার মধ্যে মাজিস্টেটদের
বেঞ্জের কার্য্যপদ্ধতির বিধি
প্রণম্মন করিতে পারিবেন। সেই বিধি এই আইনসঙ্গত হইবে, তন্মধ্যে এই২ বিষয়ের বিধান থাকিবে।

- (क) य य व्यकादात स्थाकनमात्र विहात इहेरव।
- (খ) অধিবেশনের সময় ও স্থান।
- (গ) বিচারকার্য্য চালাইবার জ্ঞান্যে কে কে অধি-বিষ্ট হইবেন।
  - ঘ) অধিবিষ্ট মাজিস্টেটদের মতের অনৈক্য হইলে ষেরূপে তাঁহাদের বিবাদ নিষ্পত্তি করা যাইবে।

১৭ ধারা। (১) ১২ ও ১৩ ও ১৪ ধারামতে নিধুক্ত
সমুদয় মাজিস্টেট ও ১৫ ধারামাজিস্টেটদেব ও বেঞ্চদেব
জিলার মাজিস্টেট সাহেবের
অধান থা ক্বাব কথা।

জিলার মাজিস্টেট সাহেবের
অধান হইবেন, ও তিনি উক্ত
মাজিস্টেটদের ও বেঞ্চদের মধ্যে কর্ম বিক্তাগ করিয়া
দিবার সম্বন্ধে সময়েং এই আইনের সম্পত বিবি করিতে

কিন্তা বিশেষ আজ্ঞা করিতে পারিবেন; এবং

(২) মহকুমার মাজিস্টেট ভিন্ন মহকুমার মধ্যে যত

মহকুমান মাজিটেটত ও বেঞ্চ ক্ষমতা প্রাপ্ত

হইয়া তৎক্রমে কার্য্য করেন,
তাঁহারা সেই মহকুমার মাজিটেটরেও অধীন হইবেন। কিপ্ত এই বিধয়ে জিলার

মাজিস্টেট সাহেবের সাধারণ কর্ড্য থাকিবে।

(৩) যে সেশন জজের আদালতে আসিফ্টান্ট সেশন

আসি ট্রান্ট সেশন জন্ধদেব সেশন জন্জের অধনি থাকি-বার কথা। জজেরা বিচারাধিকারক্রমে কার্য্য করেন তাঁহারা তাঁহার অধীন হইবেন ও তিনি উক্ত আদি-ফার্ট সেশন জজদের মধ্যে কর্ম্ম

বিভাগ করিয়া দিবার সম্বন্ধে সময়েং এই আইনের সঙ্গত বিনি করিতে পারিবেন।

- (৪) সেশন জজ স্বয়ং অপরিহার্য্য কারণে অন্থ-পস্থিত হইলে কি কর্ম করিতে অশক্ত হইলে, আসিফান্ট সেশন জজ কর্তৃক কোন জরুরি দরখান্ত বা বিষয়ের নিম্পত্তি হইবার নিমিত্তও বিধি প্রণয়ন করিতে পারি-বেন. এবং ঐরপ দরখান্ত বা বিষয় লইয়া কার্য্য করনার্থ আসিফান্ট সেশন জজের বিচারাধিকার থাকিবে।
- (৫) জিলার মাজিকেট সাহেব কিন্না ১২ ও ১৩ ও ১৪ ও ১৫ শারামতে নিযুক্ত কি সংস্থাপিত মাজিকেট কি বেঞ্চ ইহার পর স্পান্টত: যতদুর ও যজ্ঞপ বিধান হইয়াছে ভদ্ভিন্ন স্থলে সেশন জজ সাহেবের অধীন হইবেন না।

# <sup>ঘ</sup>। প্রেসিডেপী মাজিস্টেটের আদালত বিষয়ক বিধি।

১৮ ধারা। (১) প্রত্যেক রাজধানীর মাজিস্টেট
হইবার নিমিত্ত যত ব্যক্তির
প্রেসিডেনী মালিটেট
প্রিয়ক্ত কবিবার কথা।
সময়েং তাঁহাদিগকে নিযুক্ত
করিবেন। তাঁহারা ইহার পর প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট
নামে অভিহিত হইবেন, এবং প্রত্যেক রাজধানীতে
তন্মধ্যে একজন প্রধান মাজিস্টেটের পদে নিযুক্ত
ছইবেন।

- (২) নিম্নলিখিতমতে প্রাপ্ত ক্ষমতারুমে প্রধান মাজিফ্রেট যে বিধি প্রণয়ন করেন পূর্ব্ধাক্ত হুই কি ডদ-ধিক ব্যক্তি সেই বিধি মানিয়া বেঞ্চস্বরূপ একত্র বসিতে পারিবেন।
- ১৯ ধারা। প্রত্যেক প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট যে
  রাজধানার নিমিন্ত নিযুক্ত হয়েন
  ভাগদের বিচানাধীন
  ভাগের সীমার অন্তর্গত সকল
  স্থানে, এবং বন্দর ও বন্দরীয়
  মাস্থল বিষয়ক যে আইন যৎকালে প্রবল থাকে তদয়্লসারে ঐ নগরের বন্দরের ও বন্দরে প্রভিছিবার
  নৌকাগম্য কোন নদীর কিশ্বা জলপথের যে সীমা
  নির্দিন্ট থাকে, সেই সীমার মধ্যে বিচারাধিকারক্রমে
  কার্য্য ক্রিবেন।

২০ ধারা। ১৮৭৭ সালের আপ্রিল মাসের ১ তারিবোষাইযের পেটি সেশন
আদালভের কথা।
আদালভের বোষাই নগরে যে
যে বিচারাধিকার ছিল, বোষাই নগরে প্রভ্যেক প্রেসিডেপী মাজিফ্রেট সেই সমুদ্য বিচারাধিকার পরিচালন
ক্রিবেন।

কিন্ত বোম্বাই মুনিসিপালিটী সম্বন্ধে যৎকালে হে আইন প্রচলিত থাকে তৎক্রমে আপীল কেবল প্রধান মাজিটেটের নিকট হইবে।

- ২১ ধারা। এই আইনমতে কোন প্রধান মাজিষ্টেটকে
  প্রধান মাজিটেটের কগা।

  যে সকল ক্ষমতা প্রদানত হইলা
  কিম্বা এই আইন প্রচলিত

  ইইবার অব্যবহিত পূর্ফে বলবৎ যে কোন আইন কি
  বিধিমতে কোন সীনিয়র বা প্রধান মাজিষ্টেটের ছারা
  যে সকল ক্ষমতা পরিচালন করিবার আদেশ থাকে
  প্রধান মাজিষ্টেট স্থীয় বিচারাধীন স্থানের সামার মধ্যে
  সেই সকল ক্ষমতা পরিচালন করিবেন, এবং নিম্নজিখিত
  বিধয়ের যে বিধি এই আইনের বিধান সঞ্জত হয়
  স্থানীয় গ্রন্থিতেবার অনুমতি এইণ পূর্কক সম্যেই
  এমত বিধি করিতে পারিতে পারিবেন, যথা,
  - (ক) নগরের অন্তর্গত মাজিক্টেটদের নানা আদালতে কার্য্য নিকাহ ও বিলি করিবার ও রীতি নির্দেশ করিবার বিধি।
  - (খ) মাজিস্টেটদের বেঞ্চ যে যে সময়ে ও হানে অধিবিষ্ট হইবেন তাহার বিধি।
  - (গ) যাঁহাদিগকে লইয়া ঐ বেঞ্চ হইবে ভদ্ধি-যয়ের বিধি।
  - (য) অধিবিষ্ট মাজিফ্রেটদের মতের অটনক্য হইলে ভাহা যেরপে নিশান্তি করা যাইবে ভাহার বিধি।
  - (ও) জিলার মাজিফেটের অধীন মাজিফেট দিগের উপর কর্তৃত্ব করিবার তাঁহার যে সাধারণ ক্ষমতা আছে তদম্সারে অপর যে কোন বিষয় সংয়া তিনি কার্য্য করিতে পারিতেন তাহার বিধি।
  - (७)।—मास्तितकार्थ कर्षिंत्रमिटगत विषद्यत विशि।

২২ ধারা। মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত ভারতবর্ষের ঐীযুত

মফ:সলেব শাভিবক্ষার্থ গবর্ণর জেনরল সাহেব রাজভট্টিসদের কথা। ধানী ভিন্ন রটিষ ভারতবর্ষের
সমুদয় কি কোন ছান সম্পর্কে,

এবং প্রত্যেক স্থানীয় গবর্ণমেন্ট পূর্কোক্ত রাজধানী ভিন্ন স্থীয় শাসনাধীন দেশ সম্পর্কে,

রাজকীয় গেজেটে জ্ঞাপনপত্র প্রকাশ করণ পূর্বক যে ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদিগকে যোগ্য জ্ঞান করেন তাঁহাদিগকে জ্ঞাপনপত্রে দিখিত দেশমধ্যে বা দেশের নিমিত্ত শান্তিরকার্থ জ্ঞিসের কর্ম করিবার নিমিত্ত নিযুক্ত করিতে পারিবেন ৮

বত ধারা। কলিকাতা ও মাক্রাজ ও বোম্বাই নগর
রাত ধানীর শাভিরকার্থ
কীয় গেজেটে জ্ঞাপন প্রকাশ
করণ পূর্বক, ভিন্নাধিকারদেশের
প্রজা ভিন্ন রটিব ভারতবর্ষের মধ্যবাসী যে কোন ব্যক্তিদিগকে শাভিরকার্থ জ্ঞিনের কর্ম করিবার যোগ্য

জ্ঞান করেন, তাঁছাদিগকে ঐ জ্ঞাপনপত্রের লিখিত নগরের সীমার মধ্যে ঐ কর্মে নিযুক্ত করিতে পারি-বেন।

২৪ ধারা। (১) যে প্রত্যেক ব্যক্তি কোন হাই
কাটের প্রচারিত কোন কমিকাটিসদের কথা।
তিক্ত রাজধানী ভিন্ন রটিয
ভারতবর্ষের কোন অংশের মধ্যে ও জন্যে তছলে
শান্তিরক্ষার্থ জন্টিসের কর্ম করিতেছেন তিনি ২২ ধারামতে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবণর জেনরল সাহেব
কর্তৃক উক্ত সকল নগর ভিন্ন রটিয ভারতবর্ষের সমস্ত
ছানের শান্তিরক্ষার্থ জন্টিসদের কর্ম করিতে নিযুক্ত
হইয়াছেন, এমত জ্ঞান করিতে হইবে।

(২) যে ব্যক্তি তদ্ৰপ কোন কমিশন প্ৰাপ্ত হইয়া এইক্ষণে উক্ত কোন নগরের সামার মধ্যে শান্তিরকার্থ জ্ঞন্টিসের কর্ম করেন, ডিনি ২৩ ধারামতে স্থানীয় গবর্ণ-মেন্টকর্ত্ব নিযুক্ত হইয়াছেন এমত জ্ঞান করিতে হইবে। ২৫ ধারা। স্বস্থপদের বলে শ্রীযুক্ত গবর্ণর জেনরল সাহেব ও শ্রীযুঙ গবণর गटनाथलटक गान्धितकार्थ জেনরল সাহেবের মন্ত্রিসভার कष्टिमदम्ब कथा। নিয়মিত সভ্যগণ ও হাই কোর্টের সমুদয় জজ ও রাছুণের রিকার্ডার সাহেব রটিষ ভারতবর্ধের অন্তর্গত সমস্ত স্থানের মধ্যে ও তল্পিতিভ শান্তিরক্ষার্থ জঞ্চিদ হইয়া থাকেন দেশনের জজ ও জিলার মাজিফ্রেট সাহেবেরা যে স্থানীয় গবর্ণ-মেন্টের অধীনে কর্ম করিতেছেন, সেই স্থানীয় গবর্ণ-মেন্টের শাসনাধীন দেশের সমস্ত স্থানের মধ্যে ও ভন্নিমিত্ত শান্তিরকার্থ জন্টিস হইয়া থাকেন। এবং প্রেসিডে পী মাজিফ্টেটেরা যে রাজধানী নগরের মাজি-ফ্রেট হন দেই নগরের মধ্যে তথাকার শান্তিরক্ষার্থ জ্ঞানিও হইয়া থাকেন।

#### চ।—স্থগিত ও অবসূত হইবার বিধি।

২৬ ধারা। রাজকীয় সনন্দক্রমে সংস্থাপিত হাই
কোট ভিষ্ণ ক্রেজদারা আদালক্রেলের প্রমান্ত ইটদের তের সকল জক্ত ও সকল
দ্ব্যিত ও অবস্থত এইবার
কথা।
কর্তৃক কর্ম্ম হইতে স্থািত কি

অবস্ত হইতে পারিবেন।

কিন্তু এইক্ষণে কেবল মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবই ষে জজ ও মাজিফ্রেটদিগকে কর্ম হইতে ছগিত কি অবসৃত করিতে পারেন জন্য কোন কর্তৃপক্ষ ভাঁহাদিগকে কর্ম হইতে ছগিত কি অবসৃত করিবেন না।

২৭ ধারা। মান্ত্রসভাধিষ্ঠিত জারতবর্ষের শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব শান্তি-শান্তিরক্ষার্থে কাইসকে দুগাত ও অবসত হইবার কথা। নিযুক্ত করেন তাঁহাকে তিনি দুগিত ব্লাখিতে কি পদচ্যুত করিতে এবং ছানীয় গবর্গমেন্ট শাক্তিরক্ষার্থ যে কোন জ্ঞাঞ্চিসকে নিযুক্ত করেন তাঁহাকে সেই গবর্ণমেণ্ট ছগিত রাখিতে কি পদচ্যত করি:ত পারিবেন।

# ত ভৃতীয় অধ্যায়।

#### আদালতের ক্ষমতা বিষয়ক বিধি।

ক ।—প্রত্যেক আদালতের বিচাধ্য অপরাধের বর্ণনা।

২৮ ধারা। এই আইনের

দণ্ডবিধিৰ অংইনন্ড অপ- অন্যান্য বিধানের নিয়মারাধেরকথা।

ধানে ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির
আইনম্ভ কোন অপরাধ্য-

- (ক) হাই কোট কর্তৃক, অথবা
- (খ) সেশন আদালত কতৃক অথবা
- (গ) ঐ অপরাধ অপর যে কোন আদালতের বিচার্য্য বলিয়া দ্বিতীয় তফসীলের অস্ট্রম ঘরে দেখান গেল সেই আদালত কর্ত্তুক

### —বিচারিত হইতে পারিবে। উদাহরণ।

আনন্দকে অপরাধযুক্ত নরহত্যা চার্জে সেশন আদালতে সোপরর্দ্ধ করা গেল। তাহার মাজিফ্টেটের বিচার্ঘ্য ইচ্ছাপূর্ব্যক পীড়া জন্মান অপরাধটা মাত্র সাব্যস্ত হইতে পারিবে।

২৯ ধারা। (১) ব্দান্য আইনমত অপারাধ হইলে

আন্য আইনমত অপাবাধেব
কথা।

তিক্ত আদাসত ঐ অপারাধের
বিচার করিবেন।

(২) যদি কোন আদালতের উল্লেখ না থাকে, তবে হাই কোর্ট কি এই আইনমতে সংস্থাপিত কোন আদালত তাহার বিচার করিবেন।

কিশ্ব--

- (ক) এইরপে যে অপরাধে ৭ বৎসরের অধিক কাল পর্য্যন্ত কারাদণ্ড হইতে পারে প্রথম শ্রেণীর কোন মাজিফ্রেট সেই অপরাধের বিচার করিবেন না;
- (খ) এইরপ যে অপরাধে তিন বৎসরের অধিক কাল পর্যান্ত কারা দণ্ড হইতে পারে দ্বিতীয় শ্রেণীর কোন মাজিস্টেট সেই অপরাধের বিচার করিবেন না; এবং
- (গ) এইরপ যে অপরাধে এক বৎসরের অধিককাল পর্যান্ত কারাদণ্ড হইতে পারে তৃতীয় শ্রেণীর কোন মাজিক্টেট সেই অপরাধের বিচার করিবেন না।

৩০ ধারা। (১) পঞ্জাবের শ্রীযুক্ত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর
সাহেবের শাসিত দেশে এবং
থান দণ্ডের অপরাধ দির
অযোধ্যার ও মধ্য প্রদেশের ও
কুর্গের ও আসামের প্রধান ক্ষি

শনর সাহেবদের শাসিত দেশে এবং অন্যং প্রদেশের যে যে অংশে ডেপ্টা কমিশনরেরা কি আসিফান্ট কমিশনরেরা থাকেন সেইং অংশে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ২৯ ধারায় ভাবাস্তরের কথা থাকিলেও জিলার মাজিফ্রেট সাহেবকে মাজিফ্রেটস্বরপ প্রাণদভের অপরাধ ভিন্ন সমুদয় অপরাধ্যের বিচার করিবার ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।
(২) এই ধারার বিধান নিম্ন ব্রহ্ম সম্বন্ধেও খাটিবে।

### খ।—নানা শ্রেণীর আদালত যেং দণ্ডাজ্ঞা দিতে পারিবেন তদ্বিষয়ক বিধি।

হাই কোর্ট ও দেশনের ৩১ থারা। (১) হাই কোর্ট জন্ধ সাহেব যে দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন তাহার কথা। আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

- (২) সেশন জজ কি আডিশনল সেশন জজ সাহেব আইনমত যে কোন দণ্ডের আজ্ঞা দিতে পারিবেন, কিপ্ত ডক্রপ কোন জজ প্রাণ দণ্ডের আজ্ঞা দিলে তাহা হাই কোর্টের অমুমোদনসাপেক থাকিবে।
- (৩) আসিন্টান্ট সেশন জজ প্রাণদণ্ড ও সাতবং-সরের অধিক মিয়াদের দ্বীপান্তঃ প্রেরণ দণ্ড ও সাত বংসরের অধিক কালের কারাদণ্ড ভিন্ন আইনমত যে কোন দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন। কিন্তু আসি-কান্ট সেশন জজ চারিবংসরের অধিক কালের কারা-দণ্ডের আজ্ঞা কি কোন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা করিলে তাহা সেশন জজ বা আডিশনল সেশন জজ সাহেবের অম্বোদন সাপেক্ষ থাকিবে।

মাজিট্টেটেরা যে যে দভের ৩২ ধারা। (১) মাজিটেট্ট-আজ্ঞা করিতে পারিবেন দের আদলত নিদ্মলিখিত দভের তাহার কথা। আজ্ঞা করিতে পারিবেন, যথা

(ক) প্রেসিডেন্সী মাজি-স্টেটদের ও প্রথম শ্রেণীর মাজিস্টেটদের আদালত

আইনমত নিজ্জন কারাদণ্ড সমেত গুইবৎসরের
অন্ধিক কালের কারাদণ্ড।
এক হাজার টাকার অনধিক অর্থ দণ্ড;

কশাঘাত দও।

(খ) দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিফেটদের আদালত আইনমত নিজ্জন কারাদণ্ড সমেত ছয় মাসের অন্ধিক কালের কারা-

ধুইশত টাকার অন্ধিক অর্থ-

F19;

অর্থদণ্ড।

প্রেটিদের আদালত কালের কারাদণ্ড।

কালের কারাদণ্ড।

পঞ্চাল টাকার অন্ধিক

(২) কোন মাজিফ্টেটের আদালত আইনমত থে২ দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারেন তন্মধ্যে একাধিক থেকোন দণ্ড একত্র করিয়া আইনসঙ্গত সংযুক্ত দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন। (৩) দ্বিতীয় শ্রেণীর কোন মাজিস্টেট এতদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের স্থানে বিশেষ করিয়া ক্ষমতা না পাইলে, তাঁহার আদালত কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা করিবেন না।

৩৩ ধারা (১) অর্থদণ্ডের টাকা না দেওয়াতে আইনমতে যত কালের কারাদণ্ড

যাতে মাজি ট্রেটরের কারাহইতে পারে মাজিট্রেটের
দণ্ডের আজা করিবার আদালত ঐরপ ক্রটি ঘটিলে
ক্মডার কথা।
ততকালের কারাদণ্ড দিতে
পারিবেন।

#### কিন্ধু--

- (ক) ততকালের কারাদণ্ড যেন এই আইনমত মাজিস্টেটের ক্ষমতার অতিরিক্ত না হয়।
- খে) মাজিউেটদের ছারা কোন মোকদ্মার নিষ্পান্তিহইলে যদি মূলদণ্ডের একাংশ
  কানং ছল সম্পদ্ধনিয়মবিধিব কথা।
  হইয়া থাকে তবে অর্থ দণ্ডের
  টাকা না দেওয়াতে কারাদণ্ডস্বরূপ ভিন্ন তিনি ঐ অপরাধের দণ্ডস্বরূপে যতকালের নিমিত্ত কারাদণ্ডের
  আজ্ঞা করিতে ক্ষমতাপন্ন হন অর্থদণ্ড না দেওয়া প্রযুক্ত
  ভাহার চতুর্থাংশের অধিক কালের কারাদণ্ডের আজ্ঞা
  দিবেন না।
- (২) ৩২ ধারামতে মাজিফেট অত্যধিক যতকালের মূল কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারেন, এই ধারামত কারাদণ্ড তদতিরিক্ত হইতে পারিবে।

৩৪ ধারা। ৩০ ধারামতে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত জ্ঞার মাজিষ্টেট সাহেবের কোন জিলাব মাজিষ্টে সাহেবদেব উচ্চতর ক্ষমতার কথা। তথ্যবিদ্যালিক প্রাক্তির দিশা-ভার প্রেরণ দণ্ড কিয়া সাত ব্

সরের অধিক কালের কারাদণ্ডের আজ্ঞা ছাড়া আইনসম্মত যে কোন দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন, কিন্তু
চারি বৎসরের অধিক কালের কারাদণ্ডের আজ্ঞা এবং
কোন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা সেশন জজ্ঞ বা
আভিশনল সেশন জজ্ঞ সাহেবের অন্থ্যোদ্নসাপোক্ষ
গার্কিবে।

৩৫ ধারা। (১) একই মোকদ্দমায় কোন ব্যক্তির
ত্বই কি ডতধিক স্বতন্ত্র অপরাএকই বিচাবে অনেক
অপবাধের প্রমাণ হইলে তাহার যে
তাহার দণ্ডাজ্ঞার কথা।
যে অপরাধের প্রমাণ হয় ঐ
আদালত সেইং অপরাধের যে
যে দণ্ড করিছে সক্ষম হয় ঐ ব্যক্তির সেইং দণ্ডের

যে দণ্ড করিতে সক্ষম হন ঐ ব্যক্তির সেইং দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন। কারাদণ্ডের কি দ্বীপাস্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হইলে আদালত যে ক্রমের আদেশ করেন সেই ক্রমে এক দণ্ড জোগ হইলে পার অন্য দণ্ডের আরম্ভ হইবে।

(২) ঐ আদালত একই অপরাধের নিমিত্তে যত দূর দণ্ড করিতে ক্ষয়তাপন্ন হন, ঐ সমুদয় অপরাধের দণ্ড মসন্টি তদতিরিক্ত বলিয়া অপরাধীকে উপরিস্থ আদালতে বিচার ছইবার নিমিত্তে প্রেরণ করা আবশ্যক হইবে না।

কন্ত (ক) কোন স্থলে সেই অভাধিক যত জাল দণ্ড ব্যক্তির চৌদ্দ বৎসরের অধিক কারাদণ্ডের আজ্ঞা হইবে না।

- (খ) আরো ৩৪ ধারামতে কর্মকারী মাজিস্টেট ভিন্ন অন্য মাজিস্টেটের দারা সেই মোকদমার বিচার হইলে, তিনি স্বীয় নিয়মিত ক্ষমতাক্রমে যৎপরিমাণে দণ্ড করিতে পারেন, পূর্ব্বোক্ত দণ্ড সমুদ্য় তাহার দিশুণের অধিক না হয়।
- (৩) একই বিচারে অনেক অপরাধের প্রমাণ হইলে এই ধারামত সংযুক্ত মণ্ডাজ্ঞা দৃচ করণের কি আপীলের সময়ে একই আজ্ঞা বলিয়া গণ্য হইবে।

ব্যাখ্যা। —পৃথক করা যাইতে পারে এরপ যে সকল অপরাধ ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ৭১ ধারার বিধানের অন্তর্গত ভাষা এই ধারার অর্থমতে স্বতন্ত্রং অপরাধ নয়।

#### উদাহরণ।

- (ক) আনন্দ এমন একটি হাজামায় লিপ্ত হয় যাহা চলিবার সময় ও যাহার সাধারণ উদ্দেশ্য সাধনার্থ বলরাম চম্রুকে গুরুতর পীড়া দেয়। এই ধারার অর্থ-মতে আনন্দ স্বতন্ত্রং অপরাধ করে নাই, কিন্তু বলরাম করিয়াছে।
- (খ) আনন্দ চোর্য্যাভিপ্রায়ে অযথারূপে কোন বাটাভে প্রবেশ করে এবং তথায় সম্পত্তি চুরি করে। আনন্দ অভন্তং অপরাধ করে নাই।

গ। — নিয়মিত ও অতিরিক্ত ক্ষমতা বিষয়ক বিধি।

৩৬ ধারা। জিলার মাজিক্রেট ও মহকুমার মাজিক্রিট ও প্রথম ও দ্বিতীয় ও

মাজিট্টেদের নিয়মিত তৃতীয় শ্রেণীর মাজিক্রেটদের

ক্ষমতার কথা।

প্রতি নিম্নে যথাক্রমে যে যে

ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়া তৃতীয় তকসীলে নির্দিট হইয়াছে,
তাঁহারা সেইং ক্ষমতা প্রাপ্ত হইয়াছেন। এই

ক্ষমতাকে তাঁহাদের "নিয়মিত ক্ষমতা" বলে।

৩৭ ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট কি জিলার মাজিস্টেট সাহেব যে শ্রেণীর মাজিস্টেটকে মাজিটেটদের প্রতিজ্ঞতি-রিক্ত ক্ষমতা দিবার কথা। চতুর্থ তকসীলে নির্দিট ইই-

মাছে, কোন মহকুমার মাজিক্টেটকে কিন্তা প্রথম কি বিভীয় কি ভৃতীয় প্রোণীর কোন মাজিক্টেটকে তাঁহারা নিয়মিত ক্ষমতার অতিরিক্ত স্থানীয় গবর্গমেন্ট কি স্থল বিশেষে জিলার মাজিক্টেট সাহেব সেই ক্ষমতা দিতে পারিবেন।

জিলার মাজিইটে সাহেব যে ক্ষমতা দিতে পারেন, ভাহার নির্মের কথা। প্রতি যে ক্ষমতা অর্পিত হইল ভাহা ছানীয় গ্রন্মেত্তের কর্তৃতাধীনে প্রিচালন করিতে হইবে। য।—কমতার অনান, ছিভি ও বিলোপ বিষয়ক বিধি।

৩৯ ধারা। (১) এই আইনমতে ক্ষমতা প্রদান
করিতে হইলে, স্থানীয় গবর্ণক্ষমতা প্রদান করিবার
নিয়মের কথা।

দের নাম করিয়া বা পদোপলক্ষে তাঁহাদিগকে কিম্বা সকল শ্রেণীর কর্মকারকদের
পদসংক্রান্ত খ্যাতি ধ্রিয়া সেই কর্মকারকদিগকে ঐং
ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।

- (২) উক্তরপ অভ্যেক আজ্ঞা যে তারিখে ক্ষমতা-প্রাপ্ত ব্যক্তিকে জ্ঞাত করা যায়, সেই তারিখ স্বধি কলবং হইবে।
- ৪০ ধারা। কোন ব্যক্তি গ্রথমেন্টের কর্মসংক্রান্ত
  ক্রেনিত হইলে তাহাদের চক্রের সর্বাত্ত এই আইনক্রমে
  ক্রমতা প্রবল থাকিবার কোন ক্রমতা প্রাপ্ত হইলে
  কথা।

  যদি একই স্থানীয় গ্রথমেন্টের
  অধীন ভজপ স্থানীয় চক্রে ভঙ্গুল্য প্রকারের সমান কি
  উচ্চতর পদে নিযুক্ত হন, তবে স্থানীয় গ্রথমেন্টের
  প্রকারান্তরের আজ্ঞা না করিলে কি না করিয়া থাকিলে
  তিনি থে স্থানীয় চক্রে প্রেরিত হইয়াছেন সেই স্থানীয়
  চক্রে সেই ক্রম্ভা পরিচালন করিতে থাকিবেন।

### উদাহরণ।

ক নামক মাজিক্টেট কিয়ৎকালের জন্য সেকেটরী আফিসে নিযুক্ত হন। যখন তিনি সেই জিলায় কি অন্য জিলায় মাজিক্টেট শ্বরূপ আপন পদে প্রত্যাবর্ত্তন করেন তখন নৃতন করিয়া ক্ষমতাপ্রাপ্ত না হইয়াও মাজিক্টেটের ক্ষমতার পরিচালন করিতে পারিবেন।

8১ ধারা। (১) এই আইনক্রমে ছানীয় গাবর্ণমেন্ট বা ডদধান কোন কর্মচারী ক্ষমতা রহিত হইতে পারিবার কথা।
ক্রমতা প্রদান করেন, উক্ত গাবর্ণমেন্ট ভাহার সমস্ত বা কোন ক্ষমতা রহিত করিতে পারিবেন।

(২) জিলার মাজিফ্রেট কর্তৃক প্রদন্ত কোন ক্ষমতা ঐরপে জিলার মাজিফ্রেট কর্তৃক রহিত করা যা**ইডে** পারিবে।

# তৃতীয় খণ্ড।

#### সাধারণ বিধান।

৪ চতুর্থ অধ্যায়।

মাজিক্টেটদিগকে ও পোলীসকে ও ধ্বত করণ কার্য্যে নিযুক্ত ব্যক্তিদিগকে সাহায্য ও সংবাদ দিবার বিধি।

কোনং স্থলে সকল ৪২ ধারা। (ক) মাজিস্ট্রেট লোকেব মাজিট্রেটের ও বা পোলীসের কর্মচারী যাহাকে পোলীদেব সাহায্য করিছে ছইবার কথা। ধরিতে সক্ষম হন, এমন কোন ব্যক্তিকে ধরিবার জ্বন্যে,

- (খ) কিন্তা শান্তিভক নিবারণার্থে, কি রেলওয়ে কি খাল কি টেলিগ্রাফ কি রাজকীয় সম্পত্তির হানির চেন্টা নিবারণার্থে, কিন্তা
- (গ) দাঙ্গা কি হঙ্গমা দমন করণার্থে, কিম্বা বেআইনীমতে জনতা কিম্বা পাঁচজন কি পাঁচজনের অধিক লোকের যে জনতায় সাধারণের শান্তির বিদ্ব হইবার সম্ভাবনা সেই জনতা ভাঞ্জিয়া দিবার জন্যে—

মাজিফ্রেট কি পোলীসের কর্মচারী যে কোন ব্যক্তির যুক্তিমত সাহায্য চাহেন, রাজধানীর ভিতরেই হউক কি বাহিরেই হউক, সেই ব্যক্তির তাহার সাহায্য করিতেই হইবে।

৪৩ ধারা। পোলীস কর্মচারী ভিন্ন অন্য কোন
গোলীস কর্মচারী ভিন্ন ব্যক্তির নামে ওয়ারন্ট লিখিয়া
ওয়ারন্ট সাধনকারী দেওয়া গেলে, যে ব্যক্তির নামে
ব্যক্তিকে লাহায্য করিবার লিখিয়া দেওয়া যায় সেই ব্যক্তি
কখা।

যদি নিকটে থাকিয়া ওয়ারন্ট
সাধন করিতে প্রব্রু হন, তবে অন্য কোন ব্যক্তি ঐ
ওয়ারন্ট সাধন কার্য্যে তাঁহাকে সাহায্য করিতে
পারিবেন।

(২) যে কোন কার্য্য রটিষ ভারতবর্ষে ক্বত হইলে অপরাধ হয় এই ধারার প্রয়োজনার্থ ''অপরাধ'' শব্দে ভাহাও বৃঝাইবে।

জ্ঞানাইবেন। যদি না জানাইবার যুক্তিসিদ্ধ কারণ

ধাকে তবে সেই কারণের প্রমাণ করিবার ভার তাঁহার

প্রতি বর্তিবে।

৪৫ ধারা। (১) নিম্নলিখিত কোন বিষয় সম্বন্ধে গ্রামের মণ্ডল, পাটও কোন সন্ধান পাইলে প্রত্যেক বারি, ভূম্যধিকারী প্রভৃতির প্রাম্য মণ্ডল, প্রাম্য পাটওয়ারি, কোন কোন বিষয় বিশোর্ট প্রাম্য চৌকিদার, প্রাম্য পোলীস কর্মচারী, ভূমির অধিকারী বা দখীলকার এবং এইরূপ কোন অধিকারী বা দখীলকারের এক্জেন্ট, এবং গ্রবর্ধেন্ট কিম্বা কোর্ট অব ওয়ার্ডের পক্ষেভূমির রাজস্ব বা খাজানা আদায় কার্য্যে নিযুক্ত প্রত্যেক কর্মচারিকে সর্ব্বাপেকা নিকটন্থ মাজিস্কেট ও সর্ব্বাপেকা নিকটন্ত মাজিস্কেট ও সর্ব্বাপেকা নিকটন্ত মাজিস্কেট ও সর্ব্বাপেকা নিকটন্ত ক্ষ্মচারী

এই হুই জ্ঞানের মধ্যে যিনি বেশী নিকটে থাকেন তাঁছাকে অবিলম্বে সেই সন্ধান জানাইতে হইবে—

- (ক) তিনি যে গ্রামের মণ্ডল, পাটওয়ারি চেকিদার বা পোলীস কর্মচারী, কিন্ধা যে
  গ্রামে ভূমি অধিকার বা দখল করেন,
  কিন্ধা এজেন্ট থাকেন, কিন্ধা রাজস্ব বা
  খাজানা আদায় করেন সেই গ্রামে কোন
  প্রসিদ্ধ চোরাদ্রব্যের গ্রাহক বা বিক্রেতার
  নিয়ত বা কিয়ৎকালীন বাস করা
  সম্বন্ধে।
- (খ) যে ব্যক্তিকে ঠগ, দম্ম্য, পলায়িত কয়েদি কিম্বা ঘোষিত অপরাধী বলিয়া তিনি জানেন কিম্বা ন্যায্যরূপে সন্দেহ করেন সেই গ্রামের মধ্যে কোন স্থানে তাহার সর্বাদা আসা সম্বন্ধে কিম্বা সেই গ্রামের ভিতর দিয়া তাহার চলিয়া যাওয়া সম্বন্ধে।
- (গ) ধে অপরাধের নিমিত্ত হাজিরজামিন লওয়া
  যাইতে পারে না দেই অপরাধ কিম্বা
  ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ১৪৬,
  ১৪৪, ১৪৫, ১৪৭ কিম্বা ১৪৮ ধারাহুসারে দণ্ডনীয় কোন অপরাধ দেই
  গ্রামের ভিতর বা নিকটে ক্বত হওয়া
  সম্বন্ধে বা ক্বত হইবার অভিপ্রায় থাকা
  সম্বন্ধে।
- (ঘ) সেই গ্রামের ভিতর বা নিকটে কোন আক-শ্মিক বা অপঘাত মৃত্যু কিন্তা সন্দেহ-জনক অবস্থায় কোন মৃত্যু ঘটা সম্বন্ধে।
- (ও) যে কার্য্য রটিষ ভারতবর্ধের ভিতর করিলে
  ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের নিম্নলিখিত ধারাগুলির মধ্যে, অর্থাৎ, ৩০২,
  ৩০৪, ৩৮২, ৩৯২, ৩৯৩, ৩৯৪, ৩৯৫,
  ৪৩৬, ৪৪৯, ৪৫০, ৪৫৭, ৪৫৮, ৪৫৯,
  এবং ৪৬০ এই ধারাগুলির মধ্যে কোন
  ধারাহ্লাবে দণ্ডনীয় অপরাধ হয় তাহা
  রটিষ ভারতবর্ধের বাহিরে সেই গ্রামের
  নিকটে কোন স্থানে করা সম্বন্ধে কিয়া
  করিবার অভিপ্রায় থাকা সম্বন্ধে।
- (চ) শৃঙ্খলা রক্ষার ব্যাঘাত হওয়া সন্তব কিন্তা অপরাধ নিবারণের ব্যাঘাত হওয়া সন্তব ফিন্তা শরীর বা সম্পত্তি নিরাপদ থাকি-বার ব্যাঘাত হওয়া সন্তব এমন যে বিষ-য়ের সন্ধান দিবার জন্য জিলার মাজি-ফ্রেট অত্যে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের মঞ্জি লইয়া সাধারণ বা বিশেষ ভুক্মক্রমে তাঁহাকে জাদেশ প্রদান করিয়াডেন সেই বিষয় সন্থানে।

- (২) এই ধারায়
  - 'প্রাম' শব্দে প্রামের জমিও বুকাইবে। এবং
  - (৵৽) ষে কার্য্য রটিষ ভারতবর্ষের ভিতর করা হইলে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের নিম্নলিখিত ধারাগুলির यारशा, व्यर्शाव, ७०२, ७०८, ७४२, Uat, Uau, Ua8, Uae, Uae, 039, 03b, 033, 802, 80¢ 806, 885. 8¢0, 8¢9, 8¢b ৪৫৯, এবং ৪৬০ এই ধারাগুলির যধ্যে কোন ধারাত্মসারে দওনীয় হয় মজিসভাধিষ্ঠিত এীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্ত্তক ভারত-বর্ষের কোন অংশে স্থাপিত বা রাখিয়া দেওয়া কোন আদালত বা কর্তৃপক্ষ কর্তৃক যে ব্যক্তি সেই কার্য্য সম্বন্ধে অপরাধী বলিয়া ঘোষিত হন 'বোষিত অপরাধী' বলিতে সেই ব্যক্তিকেও বুঝাইবে।
- (৩) যে আমের নিমিত্ত অন্য কোন আইনামুসারে কোন আম্য মণ্ডল নিযুক্ত করা क्रे शहाव श्रामानमार्थ হয় নাই জেলার মাজিট্রেট কোন কোন স্থলে জেলাব भासिट्डेट्डेंट बाता बारमव স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এতদর্থে যে মশুলেব নিয়োগেব কথা। ্সকল বিধি প্রণয়ন করিবেন **उपशील এই शातात व्यट्यां जनार्थ मगर्य मगर्य (मह** আমে একজন কি তদধিক আম্য মণ্ডল নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

#### ৫ পঞ্চম অধ্যায়।

ধ্বতকরণ, পলায়ন ও পুনধ্ব তকরণ বিষয়ক বিধি।

ক।—সাধারণতঃ ধৃতকরণ বিষয়ক বিধি।

৪৬ ধারা। (১) ধ্রভ করণ সময়ে পোলীদের কর্ম-চারী কিন্তা অন্য যে ব্যক্তি যেরূপে ধৃত করিতে ধুত করেন তিনি যাহাকে ধরি-হইবে তাহাব কথা। বেন ভাহার গাত্র স্পর্শ করিবেন কিছা ভাহাকে আটক করিয়া র'খিবেন। কিন্তু যদি সেই ব্যক্তি কথা কি কর্মদারা আটক থাকিবার সমতি দেখায় তবে ভাহাকে স্পর্শাদি করিবার প্রয়োজন नारे।

(২) তাহাকে ধরিবার উদ্যোগ হইলে যদি সেই ব্যক্তি বলক্রমে বাধা দেয় কিন্তা धतिवात উল্যোগের বাধ। ধুত হওয়া এড়াইতে চেষ্টা দিবার কথা। করে, তবে পোলীদের ঐ কর্ম-চারী কি অন্য ব্যক্তি ঐ ব্যক্তিকে ধরিবার জন্যে থাহা আবশ্যক ভাহাই করিতে পারিবেন।

(৩) যে অপরাধে প্রাণদণ্ড বা যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর দও হয় না সেই অপরাধে অন্তিযুক্ত কোন ব্যক্তি হইলে এই ধারার কোন কথায় তাহার প্রাণহানি করিবার অধিকার জন্মে না।

৪৭ ধারা। যাহাকে ধ্বত করিতে হইবে সেই ব্যক্তি কোন স্থানে প্রবেশ করিয়াছে যাহাকে ধরিবাব চেটা হয় কি আছে, ধত করিবার ওয়া-সে কোন স্কানে প্রবেশ রন্টক্রমে কার্য্যকারী কবিলে সেই স্থান অথেষণ ব্যক্তির কিম্বা ধ্বত করিবার কবিবাব কথা। ক্ষমতাপন্ন কোন পোলীদের

কর্মচারির এমত বিশ্বাস করিবার হেন্থু থাকিলে তিনি ঐ স্থান বাসির কি রক্ষকের অত্মতি চাহিলে, তাঁহার কর্তব্য যে পূর্কোক্তরূপে কার্য্যকারী ঐ ব্যক্তিকে কি পোলীসের সেই কর্মচারিকে অবাধে প্রবেশ করিতে দেন ও সেই স্থানে অন্নেষণ করিতে সর্ব্বপ্রকারে যুক্তি-মত হৃবিধা করিয়া দেন।

৪৮ ধারা। যদি ৪৭ ধারামতে উক্ত স্থানে প্রবেশ করিতে না পারা যায়, ওয়ারন্ট-প্ৰবেশ কৰিছে নাপাইলে क्य कार्याकाती वाकि य কার্য্যপ্রণালীর কথা। কোন ছলে, এবং যে ছলে ওয়ারন্ট বাহির হইভে পারে কিন্ধু যে ব্যক্তিকে ধ্বত করিতে হইবে তাহাকে পালাইবার স্থযোগ না দিয়া ওয়ারন্ট প্রাপ্ত হওয়া যায় না, সেই স্থলে পোলীদের কর্ম-চারী সেই স্থানে প্রবেশ করিয়া অবেষণ করিতে পারিবেন ও অপিনার ক্ষমতা ও অভিপ্রায় জ্ঞাত করিয়া উপযুক্তমতে প্রবেশ করিবার অন্নমতি চাহিলে পর, যদি অন্য কোন প্রকারে প্রবেশ করিতে না পারেন, তবে তথায় প্রবেশ করিবার জন্যে যে ব্যক্তিকে ধরিতে হইবে সেই ব্যক্তির কি অন্য যাহার হউক ঘরের কি স্থানের সদর কি ভিতর দ্বার কি জানালা ভালিয়া খুলিয়া

কিন্তু যদি উক্ত স্থান যে ব্যক্তিকে ধ্বত করিতে হইবে তদ্ভিম প্রকৃতপক্ষে স্ত্রীলোকের ভাষ্ঠ:প্রেব बावां(प्र অধিক্বত অন্তঃপুর হয় ও সেই ভাঞ্মিয়া খুলিবাব কথা। স্ত্রীলোক যদি স্বজাতীয় আচার-মতে প্রকাশ্য স্থানে না যায়, উক্ত ব্যক্তি কি পোলীসের কর্মচারা তাহাকে স্থানান্তরে যাইবার অনুমতি জানাইয়া ও সক্ষপ্রকারে তাহার স্থানান্তরে যাইবার যুক্তিমতে স্থবিধা করিয়া দিয়া ঐ অন্তঃপুরের দারাদি ভাঙ্গিয়া তথায় প্রবেশ করিতে পারিবেন।

পারিবেন।

প্রবেশ করিতে

৪৯ ধারা। ধৃত করিবার ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন পোলী। সের কর্মচারী কি অন্য ব্যক্তি মুক্তিৰ উদ্দেশ্যে ধার ও আইনমতে ধত করিবার নিমিত্ত জানালা ভালিয়া খুলিতে কোন গৃহে বা স্থানে প্রবেশ পাৰিবাৰ কথা। করিয়া তথায় আবদ্ধ হইলে আপনাকে কি অন্য ব্যক্তিকে মুক্ত করিবার নিমিত্ত সেই গুহের বা স্থানের সদর কি ভিরত দার কি জানাল। ভাজিয়া খুলিতে পারিবেন।

ধারা। ধৃত ব্যক্তির পলায়ণ নিবারণের জন্য

যত দুর আবশ্যক হয় তাহাকে

অনাবশ্যকমতে বন্ধ না

তদাধিক কয় দিয়া আটক
করিবার কথা।

করিবার বাধিতে ছইবে না ।

৫) ধারা। ষে ওয়ারকে হাজিরজামিন লইবার বিধান না থাকে পোলীলের ধৃত ব্যক্তির গা তলাশের কোন কর্মচারী এমত ওয়ারকে-কথা। ক্রমে কোন ব্যক্তিকে ধৃত করিলে কিছা ওয়ারকে হাজিরজামিন লইবার বিধান ধাকিতেও ধৃত ব্যক্তি তাহা দিতে না পারিলে, এবং

কোন ব্যক্তিকে ওয়ারত বিনা ধৃত করা গেলে কিছা ওয়ারতক্রমে সামান্য কোন ব্যক্তি কর্ত্ত্ব ধৃত করা গেলে ও আইনমতে ভাহার হাজিরজামিন লইডে না পারা গেলে কিছা সে দিতে না পারিলে,

যে কর্মচারী ভাষাকে ধৃত করিলেন কিন্তা ভাষাকে কোন সামান্য ব্যক্তি ধৃত করিলে উক্ত সামান্য ব্যক্তি সেই ধৃত ব্যক্তিকে পোলীসের যে কর্মচারির হত্তে সমর্পণ করেন, তিনি ঐ ব্যক্তির গা তলাশা করিয়া ভাষার প্রয়োজনীয় পরিধেয় বন্ধাদি ভিন্ন ভাষার নিকট অন্য যত দ্বব্য পান ভাষা লইয়া নির্কিন্মে রাখিতে পারিবেন।

ৰং ধারা। কোন জীলোকের গা তলাশী করা আবৃশ্যক হইলে, লজ্জাশীলযে প্রকাবে জীলোকের
গা তলাশী করিতে হইবে
ভাচার কথা।

ঐ কার্য্য করিতে হইবে।

৫৩ থারা। যে কর্মচারী কি অন্য ব্যক্তি এই আইনমতে কোন ব্যক্তিকে ধৃত
সাংঘাতিক অন্ত লইবার
করেন, ধৃত ব্যক্তির সঙ্গে কোন
কমতার কথা।
আক্রমণ করিবার অন্ত থাকিলে
তিনি তাহা লইতে পারিবেন এবং তদ্রপে যে যে অন্ত
লন, এই আইনের আদেশমতে তাঁহার ধৃত ব্যক্তিকে
যে আদালতের কি কর্মচারির সমুখে উপস্থিত করিতে
হইবে সেই আদালতের কি কর্মচারির নিকট সেইং
আন্ত সমর্পণ করিবেন।

# খ।—ওয়ারন্ট বিনা ধ্বত করিবার বিধি।

৫৪ ধারা। (১) পোলাসের কর্মচারী মাজিস্টেটের তে দলে পোলীস ওয়ানাই বিনাধত করিতে পারেন পাইরাও এইং ব্যক্তিকে ধরিতে
ভাষার কথা। পারিবেন, অর্থাৎ,

প্রথম। - যে কোন ব্যক্তি ধর্তব্য কোন অপরাধে
লিপ্ত হইরাছে বা যুক্তিসিদ্ধমতে যাহার
নামে তদ্রপ কোন অপরাধে লিপ্ত
থাকার নালিশ করা যায়, কিম্বা যাহার
তদ্রপ অপরাধে লিপ্ত থাকার বিশ্বাসযোগ্য সন্ধান পাওয়া যায় বা যুক্তিমত
সংশ্র হয় ভাহাকে।

ছিতীয়। — গৃহ তাজিয়া প্রবেশ করিবার কোন যন্ত্র আইনসিদ্ধ কারণ বিনা কোন ব্যক্তির নিকট থাকিশে তাহাকে। আইনসিদ্ধ কারণ থাকিবার প্রমাণের ভার ঐ ব্যক্তির উপার বর্তিবে।

ভৃতীয়।—এই আইনাম্বসারে কিষা ছানীয় গবর্ধ-মেন্টের আজ্ঞাক্রমে অপরাধী বলিয়া যাহার নাম ঘোষণা হয় ভাহাকে।

চতুর্থ।—চোরা দ্রব্য বলিয়া যুক্তিমতে যে দ্রব্যের বিষয়ে সংশয় থাকিতে পারে কোন ব্যক্তির নিকটে এমত দ্রব্য পাওয়া গোলে এবং ঐ দ্রব্য সম্বন্ধে সে কোন অপরাধ করিয়াছে এরূপ যুক্তিসিদ্ধ সন্দেহ থাকিলে তাহাকে।

পঞ্ম।—কোন ব্যক্তি পোলীসের কর্মচারির কর্তব্যকর্ম করণ সময়ে ভাষার বাধা জন্মাইলে
কিন্তা আইনমত হেকাজত হইতে পলাইলে কি পলাইবার উদ্যোগ করিলে,
ভাষাকে।

ষষ্ঠ।— শ্রীঞ্জীমতী মহারাণীর পশ্চন হইতে কিন্তা

যুদ্ধ জাহাজ হইতে পলাতক বলিয়া

অথবা শ্রীঞ্জীমতী মহারাণীর ভারতবর্ষীর

মেরিণ সর্বিসের লোক বলিয়া এবং

ঐ সর্বিস হইতে বেআইনীমতে অল্লপাছিত আছে বলিয়া যে ব্যক্তির বিষয়ে

যুক্তিমত সংশয় খাকে তাহাকে। এবং

সপ্তম।—যে ক।র্য্য রটিষ ভারতবর্ষের ভিতর করা হইলে অপরাধ বলিয়া দণ্ডনীয় হইত সে কার্য্য র্টিষ ভারতবর্ষের বাহিরে কোন স্থানে ক্বত হওয়ার স্থলে যে ব্যক্তি ভাহাতে লিপ্ত হইয়াছে কিম্বা যে ব্যক্তির বিরুদ্ধে এরপ যুক্তিযুক্ত অভিযোগ করা হইয়াছে বা বিশ্বাসজনক সংবাদ পাওয়া গিয়াছে বা যুক্তিসঙ্গত সন্দেহ আছে যে সে সেই কার্য্যে লিপ্ত ছিল এবং যে ব্যক্তিকে ডজন্য অপরাধী-দিগকে স্ব স্থ দেশে প্রেরণ করা বিষয়ক কোন আইনাম্সারে কিম্বা প্রভাতক অপরাধী বিষয়ক ১৮৮১ সালের আইনা-হুশারে কিম্বা অন্য কোন রকমে রটিয ভারতবর্ষের ভিতর ধ্বত করা বা হাজতে রাখা যাইতে পারে ভাহাকে।

অষ্টম।—যে কোন ব্যক্তি ৫৬৫ ধারার অর্থনির্দ্দেশমত পোলীসের তত্তাবধানের সর্ত ভল্প করে ভাহাকে।

(২) এই ধারা কলিকাডা ও বোধাই নগরের পো-ন্সীসের প্রতি বর্ত্তে।

(৩) ওয়ারন্ট বিনা ধ্রুত করণ সম্বন্ধে এই আইনের বিধান ছানায় গবর্ণমেন্ট যেরূপ পরিবর্তন বিহিত বোধ করেন সেইরূপ পরিবর্তন সহিত ছোম্য পোনীসের লোক বা চেকিলার সহজে খাটিবে, ছানীর গ্রান্মিন্ট এইরূপ আদেশ করিতে পারিবেন।

ভ্রমণকাবী ব্যক্তি ও ক্লীতি-মত দম্মগ্রহুতিকে ধৃত করি বার কথা। ব্যক্তিবিদ্যকে ধ্রিতে কি ধ্রা-ইত্তে পারিবেন।

- (ক) যদি উক্ত ধানার সীমার মধ্যে কোন ব্যক্তিকে এরপ অবস্থায় আত্ম গোপন করিবার যতু করিতে দেখা যায় যাহাতে বিশ্বাস করিবার কারণ থাকে যে সে ধর্তব্য অপার্যশ্র করিবার অভিপ্রায়েই ভদ্রেপ যতু করিতেছে; কিম্বা
- (খ) উক্ত থানার সীমার মধ্যে যে ব্যক্তির দিন-পাড়ের স্পান্ট সঙ্গতি না থাকে কিছা যে ব্যক্তি হ্বছোধমতে আপনার র্ভান্ত জানাইতে না পারে; কিছা
- (গ) যে ব্যক্তি প্রসিদ্ধ রাতিমত দহরে কি দোষভাবে পরগৃহ প্রবেশকারা কি চোর
  হয়, কিছা চোরা দ্রব্য চোরা জানিয়া
  গ্রহণ করা যে ব্যক্তির অভ্যাস আছে,
  কিছা যে ব্যক্তি নিয়ত বলপূর্বক অপ
  হরণ করে কিছা অপহরণ করণার্থে
  নিয়ত হানির ভার দেখায় বা দেখাইবার
  চেক্টা করে বিশিয়া প্রসিদ্ধ।
- (২) এই ধারা কশিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলী-দের প্রতি বর্ত্তে।

৫৬ ধারা। (১) আইনমতে যে ব্যক্তিকে ওয়ারন্ট বিনা ধৃত, করা খাইতে পারে গুরাবর্ট বিনা গুত করিবাব নিমিত্ত আপন অধীন কর্ম-চারিকে প্রেরণ কবিলে কার্য্য-প্রধার্ট্ট বিনা ধরিবার জন্যে প্রধানীয় কথা। আপনার অধীন কোন কর্ম-কর্মচারিকে আজ্ঞা করিলে, গ্রাহাকে আজ্ঞাপত্র দিবেন। যে অপরাধের নিমিত্ত যে ব্যক্তিকে ধরিতে হইবে আজ্ঞাপত্রে এইং কথা নির্দিষ্ট থাকিবে।

(২) এই ধারা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলীসের প্রতি বর্ত্তে।

৫৭ ধারা। (১) যে অপরাধ অধর্তব্য কোন ব্যক্তি
এমত অপরাধ পোলীস কর্মনাম ধামজানাইতে অবীনাম ধামজানাইতে অবীকার করিলে তাহার কথা।

হইলে ও সেই ব্যক্তি ঐ কর্মচারির আদেশমতে
আপনার নাম ও বাসস্থান জানাইতে অীকার না
করিলে কিল্পা যে নাম ও বাসস্থান জানায় তাহা ঐ
কর্মচারির মিধ্যা বলিয়া বিশ্বাস করিবার,কারণ থাকিলে
ঐ কর্মচারা, সেই ব্যক্তির নাম বা বাসস্থান নিশ্তিমতে
জ্ঞানিবার নিমিত ভাহাকে গ্লুত্ করিতে পারিবেন।

- (২) এ ব্যক্তির প্রকৃত নাম ও বাষ্থান নিশ্চিত মতে জানা গেলে যদি সে জাদেশ হুইলেই কোন মাঞ্ছি-ক্লেটের সমুখে উপস্থিত হুইবার জন্য রটিষ ভারতবর্ধের অধিবাদী এক কি একাধিক ঠিক ও উপযুক্ত জামিনদারের সহিত নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেয় তাহা হুইলে ভাহাকে ছাড়িয়া দেওয়া যাইরে।
- (৩) ধৃত করিবার দ্রায়য় ছইতে চবিংশ ঘণ্টার মধ্যে তালার প্রকৃত নাম ও বাসন্থান নিশ্চিত্যতে জানা না গেলে, কিছা সে ঐ নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে বা ক্লামিনদার দিতে অপারগ ছইলে. তাহাকে বিচাবাধিকার-বিশিক্ত সর্বাপেক। নিকটন্থ মাজিকেটের, নিকট অবিশক্তে পাঠাইতে ছইনে।

৫৮ ধারা। এই অধ্যায়মতে কোন ব্যক্তিকে ধ্রুড করিবার ক্ষমতাপদ্ধ হইয়া সেই অপরাধীকে ধরিবার ক্ষম অনা এলাকায় ঘাইবার কথা। বিষিত্ত পোলাসের কর্মচারী সেই ব্যক্তির পশ্চাৎ২ রুটিষ ভারতবর্ষের যে কোন স্থানে মাইতে পারিবেন।

৫৯ ধারা। (১) ধর্তব্য যে অপরাধের নিমিন্ত হাজির জামিন লওয়া হাইডে শামান্য ব্যক্তিদের ঘারা বৃত হওয়াব কথা।
আপনার দৃষ্টিগোচরে কোন ব্যক্তিকে তদ্রপ অপরাধ করিতে দেখিলে ভাহাকে কিন্তু। অপরাধী বলিয়া যাহার নাম ঘোষণা হইয়াছে ভাহাকে ধরিতে পারিবেন।

এবং অনাবশ্যক বিলম্ব না করিয়া তদ্রূপ ধ্রত
ব্যক্তিকে পোলীসের কর্মরত ব্যক্তিকে গোলীসের কর্মকবিতে হইবে তাহার কথা।
বন। পোলীসের কর্মকারক
না ধাকিলে তাহাকে নিকটন্ত পোলীস থানায় লইয়া
যাইবেন।

- (১) ঐ ব্যক্তি ৫৪ ধারার বিধানের মধ্যে আইলে এরপ বিশ্বাস করিবার কারণ না থাকিলে, পোলীস কর্মচারী তাহাকে পুনর্কার ধরিবেন।
- (৩) এ ব্যক্তি অধর্তব্য অপরাধ করিয়াছে এরপ বিশ্বাদ করিবার কারণ থাকিলে, এবং পোলীস কর্ম-চারির আদেশমতে দে নাম ও ধাম জানাইতে এক্ষীকার করিলে কিন্বা যে নাম ও ধাম জানায় উক্ত কর্মচারী তাহা মিখা বলিয়া বিশ্বাদ করিবার কারণ দেখিলে, ৫৭ ধারার বিধানমতে তাহাকে লইয়া কার্য্য করিবেন। সে কোন অপরাধ করিয়াছে এরপ বিশ্বাদ করিবার যথেষ্ট কারণ না থাকিলে, তাহাকে অগোণে মুক্ত

৬০ ধারা। পোলীসের কর্মচারী গুয়ারন্ট বিনা

ক্ষত ব্যক্তিকে মাজিট্টের

টেব কিমা পোলীস থানাব মোকদ্দমায় যে মাজিট্টের

অধ্যক্ষেব নিকটে উপস্থিত
করিবাব কথা।

না করিয়া এবং জ্ঞামিন বিষয়ে

এই আইনের বিধান মানিয়া তাঁহার নিকটে কিম্ব

পোলীস ধানার অধ্যক্ষের নিকটে ঐ ধ্বত ব্যক্তিকে লইয়া যাইবেন কি পাঠাইবেন।

ধিক কান্স আটক করিয়া রাখিবেন না এবং ১৬৭ ধারামতে কোন মাজিস্টেটের বিশেষ আজ্ঞা না থাকিলে তাহকে চরিশ াকীর অধিক কান রাখিবেন না . তাহাকে যে স্থানে গ্রেক্তার করা গেল সেই স্থান হইতে মাজিস্টেটের আলালতে প্রভূতিতে যত সময় লাগে ঐ চবিশে ঘণ্টার মধ্যে সেই সময় ধরিতে ইইবে না ।

(২) ১৮৬১ সালের ৫ আইনমতে রোলভূক্ত পোলীদের কর্মচারা কর্তৃক যে আটক রাখ। হয় কেবল ভাহারই সহিত এই ধারার বিধানের সম্বন্ধ।

৬২ ধারা। পোলীস থান র কোন অধ্যক্ষের ক্ষমতাধীন স্থানে কোন ব্যক্তি।
ধত কবল বিষয়ে পোলীপ্রেরার কথা।
ও তাহার হাজিরজ্ঞমিন দিবার
অন্নমতি হউক আর নাই হউক ঐ কর্মচারী জিলার
মাজিস্টেটের নিকটে কিন্তা তাঁহার আদেশমতে মহকুমার মাজিস্টেটের নিকটে কিন্তা ঐ কথার রিপোট
করবিন।

৬৩ ধারা। পোলীসের কর্মচারী কর্তৃক যে ব্যক্তি
ধৃত হইয়াছে নিজে মুচলক।
ধৃত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া
কি জামিন না দিলে কিয়া
দিবাৰ কথা।
মাজিফ্টেটের বিশেষ ভাজ্ঞা না
ছইলে ভাহাকে ছাডিয়া দেওয়া থাইবে না।

৬৪ ধারা। মাজিফেটের দৃষ্টিগোচরে তাঁহার
বিচারাধীন স্থানের মধ্যে কোন
মাজিটেটের দৃষ্টিগোচবে যে অপরাধ করা যায়
তাহার কথা।

কিম্বা কোন ব্যক্তির প্রতি
অপরাধীকে ধরিবার আজ্ঞা দিতে, এবং জামিন সম্বন্ধে
এই আইনের বিধান মানিয়া ভাহাকে প্রহরির জিশ্মায়
সম্বর্গন করিতে পারিবেন।

৬৫ ধারা। কোন মাজিস্টেট যৎকালে থে অবস্থায়
থে ব্যক্তিকে ধরিবার ওয়ারন্ট
মালিট্টের ছারা বা দিতে ক্ষমতাপান্ন হন, তৎকালে ও সেই অবস্থায় তিনি
আপন বিচারাধীন স্থানের মধ্যে সেই ব্যক্তিকে ধরিডে
বা আপনার সাক্ষাতে ধরিবার আজ্ঞা দিতে পারি
বেন।

৬৬ ধারা। আইনমত হেফাজত হইতে কোন ব্যক্তি পলাইলে কি ভাহাকে গলাইলে শশ্চাং শশ্চাং মাইবার ও পুনবার ধনতে শাহিবার কথা। ভাজির হেফাজত হইতে সে প্রায় কি ভাহাকে ছাড়াইয়া

দেওয়া ধার সেই ব্যক্তি তৎক্ষণাৎ ভাষার পশ্চাৎং যাইয়া রটিষ ভারতবর্ষের যে কোন স্থানে ভাষাকে পুন কার ধরিতে পারিবেন।

৬৭ ধারা। যে ব্যক্তি ৬৬ ধারামতে ধ্বত করেন তিনি ওয়ারক্টক্রমে কার্য্য না ৬৬ ধারামত ধৃতক্বণের প্রতি ৪৭ ও ৪৮ ও ৪৯ ধারার বিধান বন্তিবার কথা। হইসেও ঐ ধ্বত করেণ কার্য্যের প্রতি ৪৭ ও ৪৮ ও ৪৯ ধারার বিধান বর্ত্তিবে।

#### ৬ ষষ্ঠ অধ্যায়।

উপস্থিত করাইবার পর ওলানা বিষয়ক বিধি।

#### ক। সমনের বিধি।

৬৮ ধারা। (১) এই আইনমতে কোন আদালত ধে

সমন দেন তাহা হুই কেতা

করিয়া লি:খরা দেওয়া ঘাইবে
ও তাহাতে উক্ত আদালতের আধিপত্যকারী কর্তৃপক্ষের
কিন্তা হাই কোট সময়ে সময়ে বিণিক্রমে যজ্ঞপ আদেশ
করেন তদ্রাপ অন্য কর্মচারির স্থাক্ষর ও মোহর থাকিবে।

- (২) পোলীদের কর্মচারী হারা সমনজারী হইবে,
  কিন্তা ছানীয় গবর্গমেন্ট এডদর্শে যে বিধি নির্দেশ করেন
  তাহার হুং।।
  কেন্তা কেন্তা কর্মাধীনে, যে
  আদালভ সমন দেন সেই আদালভের কর্মচারী হারা
  কিন্তা অপর রাজকীয় কার্য্যকারকের হারা সমন জারী
  করা যাইবে।
- (৩) এই ধারা কলিকাঙা ও বোষাই নগরের পোলী∵ র প্রতি ২িডিবে।
- ৬৯ ধারা। (১) যে ব্যক্তির নামে সমন দেওয়া যায় সাধ্য হইলে ঐ সমনের সমন কিএপে কারী করা আইবে তাহার কথা। কি দিতে চাহিয়্না তাঁহার উপার জারী করা যাইবে।
- (২) যে প্রত্যেক ব্যক্তির উপর তদ্রাপে সমন জারী
  করা যায়, জারীকারক কর্মচারী
  সমলের বসীদে স্বাক্ষর
  করিবাব কথা।

  বসীদ অন্য কেভার পৃষ্টে
  স্বাক্ষর করিয়া দিবেন।
- (৩) কোন কন্মপোরেট করা কোম্পানি বা কোন করপোরেট সমাজের নামে সমন জারী করিতে হইলে তাহা ঐ করপোরেশনের সেক্রেটরা, স্থানীয় কার্য্য-নির্কাহক কি অপর প্রধান কর্মচারির উপর জারী করিয়া কিন্তা রটিষ ভারতবর্ষে ঐ করপোরেশনের প্রধান কর্মচারির ঠিকানায়,ভাক্ষোগে রেজিউরী করা পত্র িয়া জারা করা হাইতে পারিষে। এরপ হলে

ভাকের সংধারণ কার্য্যরীতি অন্থসারে যখন ঐ পত্র পর্ছ ছার্ম তখনই উক্ত সমন জারী হইয়াছে বলিয়া বিবেচনা করা যাইবে।

৭০ ধারা। হাঁহার নামে সমন দেওয়া যায় ঘণাযোগ্য

সমন বাঁচার নামে দেওয়া বায় ডাঁথাকে না পাওয়া গেলে ভারী কবিবার কথা। ষত্ব করিয়া ভাঁহাকে পাওয়া না গেলে, ভাঁহার পরিবারের মধ্যে বয়ঃপ্রাপ্ত যে পুরুষ কিল্লা রাজধানা নগর হইলে

যে চাকর জাঁহার সজে বাস করে তাহার নিকট ঐ সমনের এক কেত। তাঁহাকে দিবার নিমিত্ত রাখিয়া দিয়া তাহা জারী করা যাইতে পারিবে। এবং তজপে যে ব্যক্তির নিকটে ঐ সমন রাখিয়া দেওয়া যায় জারী-কারক কর্মচারী আদেশ করিলে, সেই ব্যক্তি অন্য কেতার পৃষ্টে উহার রসীদ স্বাক্ষর করিয়া দিবেন।

৭১ ধারা। যথাযোগ্য ষত্ব করিয়াও ৬৯ ও ৭০
রদীদ না পাওয়া গেলে
কার্যপ্রশালীব কথা।

করিতে পাওয়া না গেলে
যাঁহার নামে সমন দেওয়া যায়
তিনি সচরাচর যে গৃহে বা বাটীতে বাস করেন সেই
গৃহের বা বাটীর কোন প্রকাশ্য স্থানে জারীকারক কর্মচারা সমনের এক কেভা লাগাইয়া দিবেন; এবং
ভাহা করিলে, ঐ সমন যথাযোগ্যরূপে জারী করা
হইয়াছে বলিয়া জ্ঞান করা যাহবে।

৭২ বারা। (১) যে ব্যক্তিকে সমন করা যায় তিনি
যদি গবর্ণমেন্টের কিছা কোন
গবর্ণমেন্টের কি বেলব্রেলপ্তয়ে কোম্পানির চলিত
ওয়ে কোম্পানির কর্মকার
কর্মে নিযুক্ত থাকেন, তবে যে
কার্যালয়ে তিনি কর্ম করেন ঐ
সমন প্রচারক আদালত সামা-

নাতঃ সেই কার্য্যালয়ের প্রধান কর্মচারির নিকট ঐ
সমনের ছই কেতা পাঠাইবেন। তাহা হইলে যাঁহার
নামে সমন হইয়াছে ঐ প্রধান কর্মচারী তাঁহার উপর
তাহা ৬৯ ধারার বিহিত প্রকারে জারা করাইবেন
এবং ঐ ধারার আদেশমত পৃষ্ঠলিপি সহিত তাহাতে
নিজে স্বাক্ষর করিয়া আদালতে কিরাইয়া দিবেন।

 (২) ঐরপ আক্ষরই আপাত দৃষ্টিতে ঐ সমন যথা-রীতি জারী হইবার প্রমাণ হইবে।

৭৬ ধারা। কোন আদালত যে সমন দেন তাহা তাহার বিচারাধীন স্থানের শ্বানীয় দীমার বহিষ্ঠ বহিষ্ঠ কোন স্থানে জারী শ্বানে সমন ভারী করিবার করিতে অভিলাষী হইলে, যে ব্যক্তির নায়ে সমন দেওয়া যায়

সেই ব্যক্তি যে স্থানে বাস করে কিন্ধা থাকে আদালত তথায় তাহার উপর জারা করিবার নিমিত্ত সামান্যতঃ ঐ স্থানের কোন মাজিস্টেটের নিকট ঐ সমনের দোকর লিপি পাঠাইবেন। ৭৪ ধারা। (১) কোন আদালত যে সমন দেন তাছ।

তক্রণ স্থলেও যে ব্যক্তি সমন জারী কবেন তিনি উপস্থিত না থাকিলে সমন জাবী হইবার প্রমানেব কথা। সেই আদাসতের বিচারাধীন ছানের বহিভূতি ছানে জারী করা গেলে ও যে ছলে যে কর্মচারী কোন সমন জারী করেন
তিনি নালিশ শুনিবার সময়ে

উপস্থিত না হইলে. সেই স্থলে, ঐ সমন জারী হইরাছে এই মর্মের আফিডেবিট কোন মাজিটেটের সম্মুখে করা গিয়াছে বলিয়া দৃষ্ট হইলে তাহা এবং যে ব্যক্তিকে সমন দেওয়া কি দিতে চাহা যায়, কিয়া যাহার নিকট তাহা রাখিয়া আসা যায় ৬৯ বা ৭ পারার বিধানমতে ঐ সমনের দোকরলিপি তাহার পৃষ্ঠলিপি সংযুক্ত হইরাছে বলিয়া দৃষ্ট হইলে ঐ দোকর লিপি প্রমাণ মধ্যে গৃহীত হইতে পারিবে; এবং যাবৎ বিপরীভ প্রমাণ না পাওয়া যায় তাহাতে যাহা লিখিত থাকে যথার্থ বলিয়া জ্ঞান করা যাইবে।

( ) এই ধারার উলিখিত আফিডেবিট ঐ সমন-পতের দোকর লিপিতে সংযুক্ত করিয়া আদালতের নিকট ফিরিয়া পাঠান থাইতে পারিবে।

# খ।—ধৃত করিবার ওয়ারন্ট বিষয়ক বিধি।

৭৫ ধারা। (১) এই আইনমতে কোন আদালত

যে ওয়ারন্ট দেন ডাছা লিখিয়া

গত কবিবাব ওয়ারন্ট
লিখিনাব পাঠেব কথা।

আদালতে আবিপাত্যকারী
কর্তৃপক্ষ কিম্বা মাজিস্টেটদের বেঞ্চ হইলে ঐ বেঞ্চের
কোন মেম্বর স্থাক্ষর করিবেন এবং ডাহাতে আদালতের
মে।হর দেওয়া যাইবে।

(২) তদ্রপ যে ওয়ারন্ট বাহির হয় তাহা যে আদাশত ঐ ওয়ারন্ট দেন সেই আদা
শত কবিবাব ওয়ারন্ট
প্রবল থাকিবাব কথা।
কিন্তা তদত্সারে যত দিন কর্ম
সাধন হয়, তত দিন প্রবল থাকিবে।

৭৬ থারা। (১) কোন আদালত কোন ব্যক্তিকে ধরিবার ওয়ারন্ট দিলে, যে কর্ম্মআদালত যে হলে চারির নামে ওয়ারন্ট দেওয়া
আম ঐ ওয়ারন্টের পৃষ্ঠে লিখিয়া
আম ঐ ওয়ারন্টের পৃষ্ঠে লিখিয়া
আম ঐ ওয়ারন্টের পৃষ্ঠে লিখিয়া
আম এই আদেশ করিতে
পারিবেন যে উক্ত ব্যক্তি নির্দিষ্ট সময়ে ও তৎপরে
আদালতের ভিম্নরপ আজ্ঞা না পাওয়া পর্যান্ত ঐ আদালতের সমাধ্যে উপস্থিত হইবার উপযুক্ত জামিনসহ নির্দ্ধপত্ত লিখিয়া দিলে সেই জ্ঞামিন লইয়া ঐ

(২) (ক) যত জন জামিন দিতে হইবে,

ব্যক্তিকে হেফাজত হইতে ছাড়িয়া দিবেন।

(খ) তাছারা ও ফাছাকে ধরিবার জন্য ওয়ার ক দেওয়া যায় সেই ব্যক্তি বত টাকা তাইনের বন্ধ হইবে ও

- (গ) আদাদতের সন্মুখে যে সময়ে উপস্থিত হইতে হইবে এই সকল কথা ঐ পৃষ্ঠ-লিপিতে লেখা যাইবে।
- (৬) এই ধারামতে জামিন লওয়া গেলে, যে কর্মচারির নামে ওয়ারন্ট দেওয়া
  নিবদ্ধণান পঠাইনার
  কথা।
  নিকট ঐ নিব্দ্ধপত্র পাঠাইয়া

मद्बा

৭৭ খারা। (১) খ্বত করিবার ওয়ারন্ট সচরাচর এক

ক্ষাতাদেব নামে প্রয়াবন্ট
দিতে হইবে তাহার কথা।

যাইবে এবং প্রেসিডেন্সা মাজিট্রেট গুয়ারন্ট বাহির করিলে তাহা সন্ধদাই তদ্রপে
দেওয়া যাইবে। কিন্তু তরায় জারা করা আবশ্যক
হইলে ও তৎকালে পোলাদের কর্মচারিকে পাঠান
যাইতে না পারিলে অন্য যে আদানত তাহা প্রচর
করেম সেই আদানত অন্য কোন ব্যক্তির কি ব্যক্তিগণের
নামে তাহা লিখিয়া দিতে পারিখেন, এবং উক্ত ব্যক্তি

(২) ওয়ারন্ট অনেক কর্মচারির কি ব্যক্তির নামে
আনেক লোককে ওয়াবন্ট
দিবার কথা।

এক কি অধিক জনের দারা
থ ওয়ারন্ট জারী হইতে পারিবে।

পদ ধারা। (১)কোন পালাজক বন্দীকে কিন্তা যে অপ-বাধীর নিষম্মে যোষণাপত্তি প্রচার ক্মাধিকারী প্রভৃতির নামে শুমাধিকারী প্রভৃতির নামে শুমাধিকারী প্রভৃতির নামে শুমাধিকার ক্রমা। ক্রমাধিকার ক্রমা। ক্রমাধিকার ক্রমা। ক্রমাধিকার ক্রমা। ক্রমাধিকার ক্রমা। ক্রমাধিকার ক্রমা। ক্রমাধিকার ক্রমা।

না কোন ব্যক্তির নামে এমত অপরাধের অভিযোগ হইলে তাহাকে ধরিবার নানা উদ্যোগ হইলেও ধরা যাইতে না পারিলে জিলার মাজিফ্রেট সাহেব কিম্বা অহকুমার মাজিফ্রেট আপন জিলার বা মহকুমার জন্তুর্গত কোন ভূম্যধিকারী কি ভূমির ইজারদারের কি কার্যা-ধ্যক্ষের নামে তাহাকে ধরিবার ওয়ারন্ট লিখিয়াদিতে পারিবেম।

- (২) ঐ ভূম্যধিকারী কি ইজারদার কি কার্য্যাধ্যক্ষ সেই ওয়ারত পাইবার রসিদ লিখিয়া দিবেন ও যে ব্যক্তিকে ধরিবার নিমিন্ত ভাষা বাহির হয় সেই ব্যক্তি ভাষার মহালে কি ইজারায় কি ভাষার ভল্লাধীন ভূমিতে থাকিলে কি ভাইলে সেই ওয়ারত জারী করিবেন।
- (৩) ঐ ওয়ারন্ট যে ব্যক্তির নামে বাহির হয় তাহাকে ধরা গেলে ওয়ারন্ট সহিত তাহাকে পোলী-সের নিকটস্থ কর্মচারির হল্ডে সমর্পণ রুরা মাইবে আর ৭৬ ধারামতে হাজিরজ্ঞামিন লওয়া না গেলে পোলী-সের সেই কর্মচারী মোকজ্মার বিচার করিবার ক্ষমতা-পদ্ম মাজিট্রেটের নিকট ঐ ব্যক্তিকে চালান করিবেন।

৭৯ ধারা। পোলীসের কোন কর্মচামির নামে ওয়ারন্ট লিখিয়া দেওয়া গেলে
পোলীসের কর্মচাবিকে যে
ওয়ারক দেওয়া যায় তাহার
কথা।
কিছা পৃষ্টলিপিক্রমে ভাহাকে
দেওয়া গেলে সেই কর্মচারী
ঐ ওয়ারকের পৃষ্টে পোলাসের অন্য কর্মচারির নাম লিখিয়া দিলে ভাহার দ্বারা
ঐ ওয়ারক জারী করা যাহতে পারিবে।

৮০ ধারা। পোলাসের কর্মচারী কি অন্য বে ব্যক্তি ধ্বত করিবার ওয়ারন্ট ওয়াবটের মর্ম জাত-জরিবার কল্প। জাতী করেন, যাহাকে ধরিতে হুছবে তাহার নিকটে তিনি ঐ ওয়ারন্টের মর্ম জানাইবেন ও সেই ওয়ারন্ট দেখাইতে বলিলে দেখাইবেন।

৮১ ধারা। পোলাসের যে কর্মচারা কিছা অন্য যে ব্যক্তি ওয়ারন্ট জারী করেন ব্যক্তি ওয়ারন্ট জারী করেন আনলতের সমূধে আন্ন-বার কথা। ক্যান্তিক বে আদালতের সম্মুখে তাঁহার উপস্থিত করা ইতে হুইবে জামিন সম্বন্ধে ৭৬ ধারার বিধান মানিয়া অনাবশ্যক বিদন্ত না করিয়া ভিনি তা্হাকে সেই আদালতের সম্মুধে আনিবেন।

ভুমাবন্ট যে স্থানে ভাব ছইতে গালবে তাহাব কথা। মধ্যে মে কোন স্থানে জারী করা যাইতে পারিবে।

৮৬ গরা। (১) যে আদালত ওয়ারন্ট দেন সেই আদালতের বিচারাধীন বিচারাধীন স্থানের বহি-স্থানের বহিস্থাত স্থানে তাহা স্থানের বহিস্থাত স্থানে তাহা স্থানিহের নিকট ওয়ারন্ট স্থানী করিতে হইলে, উক্ত পাঠাইবার কথা। আদালত ঐ ওয়ারন্ট পোলী-সের কোন কর্মচারিকে না দিয়া যে মাজিস্টেটের কি পোলীসের ক্ষিশন্তর বা

দিয়া যে মাজিফেটের কি পোলীসের কমিশনর বা ৬ খ্রিক্ট স্থপারিকেণ্ডেন্ট সাহেবের বিচারাধীন স্থানে ভাহা জারী করিতে হইবে তাঁহার নিকটে ভাক্ষোগে কি অন্য-রূপে ভাহা পাঠাইয়া দিতে পারিবেন।

- (২) যে মাজিক্টেট কি কমিশনর কি ডিট্টিট্ট স্থপারি-'
  কেন্ডেন্ট সাহেবের নিকট উক্ত ওয়ারন্ট ডজেপে পাঠান
  যায়, তিনি তাহার পৃট্টে আপন নাম লিখিয়া দিয়া সাধ্য
  হইলে আপন বিচারাধীন স্থানের মধ্যে তাহা ইহার
  পূর্বেন দে প্রকারের বিধান হইল সেই প্রকারে জারী
  করাইবেন।
- (৩) এই ধারা ক্ষিকাতা ও বোদ্বাই নগরের পোলী-দের অভি বর্জে।

৮৪ ধারা (১) যে আদালত প্রয়ারকী দেন সেই
আদালতের বিচারাধীন স্থানের
এলাকাব বহিস্ত স্থানে
বারী কবণার্থ পোলীসের
কর্মচানেকে ওয়ারকী দিবার
কথা।

তারিকে তাহা দেওয়া গেলে
বাহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে

জারী করিতে হইবে উক্ত কর্মচারী সামান্যতঃ সেই

মাজিটেটের নিকট কিছা থানার অধ্যক্ষতা ভারপ্রপ্রকর্ম-চারির অন্যুন পদস্থ পোলীসের কে.ন কর্ম চারির নিকট পৃষ্টলিপি করিয়া দিবার নিমিক্ত ভাষা লইয়া যাইবেন!

- (২) ঐ মাজিটেট কিছা পোলীদের ঐ কর্মচারী ওয়ারতের পৃষ্টে আপন নাম লিখিবেন তাহা হইলে পোলীদের যে কর্মচারিকে ঐ ওয়ারতি দেওয়া যায় তাঁহার পক্ষে ঐ পৃষ্ঠ লিপিই সেই সীমার মধ্যে ঐ ওয়াবত জারী করিবার প্রভৃত ক্ষমতা হইবে, ও আদিষ্ট হইলে ঐ ওয়ারত জারী করবলকার্য্যে ওৎস্থানের পোলাস ঐ কর্মচারির সহকারিতা করিবেন।
- (৩) ওয়ারন্ট যে মাজিয়েটের কিন্তা শোলীদের কর্মচারির বিচারাধীন স্থানের মধ্যে জারা করিতে হহবে তাহার পৃষ্ঠলিপি করাইতে হইলে বিলম্ব সন্তাবনা হেত্ক ঐ ওয়ারন্ট জারী করিতে পারা যাইবে না এমত বিশ্বাস করিবার কারণ থাকিলে, শোলীসের যে কর্ম-চানিকে ওয়ারন্ট দেওয়া যায় ভিনি উক্ত প্রকারের পৃষ্ঠলিপি ব্যতীত যে আদালত ওয়ারন্ট দিলেন সেই আদালতের বিচারাধীন স্থানের বহিভৃতি কোন স্থানে তাহা জারী করিতে পারিবেন।
- (৪, এই ধারা কলিকাতা ও বোষাই নগর্মের পোলা-সের প্রতি বর্ত্তে।

৮৫ ধারা। (১) ধরিবার ওয়ার ন্ট যে জিলায় বাহির
হয় সেই জিলার বহি ভূ তি সানে
যাহাব নামে ওযাবন্ট জারী করা গেলে, যে জাদালত
বাহির হয় ভাহাকে ধরা
গেলে পর যাহা কবিতে
হুইবে তাহাব কথা।

ধরিবার স্থানের বিশ মাইলের
মধ্যে না থাকিলে কিসা যাহার

বিচারাধীন স্থানে ধৃত করা গেলে েই মাজিফেট কি পোলীসের কমিশনর বা ডিট্রিক্ট স্থপারি উত্তেউ সাহেব অপেক্ষা নিকটে না থাকিলে কিম্বা ৭৬ ধারামতে হাজিরজামিন না লওয়া গেলে উক্ত মাজিফেট কি কমিশনর বা ডিট্রিক্ট স্থপারিকেডেওট সাহেবের নিকট ধৃত ব্যক্তিকে আনিতে হইবে।

(<sup>\*</sup>২ ) এই ধারা কলিকাতা ও বোদ্ব:ই নগরের পোলীদের প্রতি বর্ত্তে।

৮৬ ধারা। (১) যে আদালত ওয়ারন্ট দেন ঐ পুত ব্যক্তি সেই আদালতের লক্ষিত গত ব্যক্তিকে যে মান্দি-ট্রেটের নিকট অনা যায ভারার কর্ত্তেবার কথা।

কৈ ক্ষিশ্মর কি ডিক্রিক্ট স্থপারি-টোণ্ডেন্ট সাহেব ত্ত্তাকে

পেয়াদার জিম্মায় দিয়া উক্ত আদালতে পাঠাইবার আদেশ করিবেন।

কিন্তু ঐ শপরাধের নিমিত হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারিলে ও ধত ব্যক্তি উক্ত মাজিফেট বা কমিশনর বা ভিট্রিক্ট স্থপ।রিন্টেণ্ডেন্ট সাহেবের সন্তে-ষ-জনক জামিন দিতে চাহিলে, ও প্রস্তুত থাকিলে কিয়া ৭৬ ধারামতে ওয়ারন্টের পৃষ্টে আদেশ লেখা গেলে ও ঐ ব্যক্তি ডক্ত আদেশমতে প্রতিভূদিতে চাহিলে ও প্রস্তুত থাকিলে, উক্ত মাজিক্টেট কি কমিশনর বা ডিফ্রিক্ট স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট সাহেব জ্ঞামিন বা স্থল বিশেষে প্রতিভূ লইয়া সেই জ্ঞামিনা বা প্রতিভূপত্র যে আদালত ওয়ারন্ট দিয়াছেন সেই আদালতে পাঠাংয়া দিবেন।

- (২) পোলীসের কোন কর্মচারী ৭৬ ধার।মতে যে প্রতিভূ লইতে পারেন এই ধারার কোন কথাক্রমে তাহার কোন বাধা হইল বলিয়া জ্ঞান করিতে হইবে না।
- (৩) এই ধারা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলীদের শুতি বর্জে।

গ।—ঘোষণাপত্র ও ক্রোক করণ বিষয়ক বিধি।

৮৭ ধারা। (১) সাক্ষা লইয়াই হউক বা না লইয়াই
হউক, যে ব্যক্তির নামে কোন
শলভিক ব্যক্তির নিমেন্ত
আদালত ওয়ারন্ট বাহির
ফেরেন্ত্র কথা।
করিয়াছেন, তাহার উপর
ওয়ারন্ট জারী না হয় এই নিমিত্ত সে পালায়ন করিয়াছে কি গোপনে আছে উক্ত আদালত এইরূপ বিশ্বাস
করিবার কারণ দেখিলে দোষণাপত্র প্রচার করিবেন।
ভাহাতে সেই ব্যক্তির প্রতি নিদিন্ট স্থানে ও ঘোষণাপত্র
প্রচারের ভারিশ অবধি ত্রিশ দিনের অন্যন নিরূপিত

(২) **এ ঘোষণাপত্র নিদ্রালিখিতমতে** প্রচার করা যাইবে।

কোন সময়ে উপস্থিত হইবার আদেশ থাকিবে।

- (ক) উক্ত ব্যক্তি সচরাচর যে নগরে কি আমে বাস করিয়া থাকে ঐ ঘোষণাপত্র সেই নগরের কি আমের কোন প্রকাশ স্থানে প্রকাশ্যরূপে পাঠ করা যাইবে।
- ্খ) সে ব্যক্তি সচারাচর যে গৃহে বা বসত-বাটীতে থাকে তাহার কিন্তা ঐ নগরের কি গ্রামের কোন প্রকাশ হানে ঐ পঞ লাগাইয়া দেওয়া যাইবে, ও
- (গ) সেই ঘোষণাপত্তের প্রতিলিপি আদালত ঘরের কোন প্রকাশ স্থানে লাগাইয়া দেওয়া ঘাইবে।
- (৩) নির্দ্দিষ্ট দিনে নিয়মিতরূপে ঘোষণা করা গিয়াছে ঘোষণাপত্ত প্রচারকারী আদালতের এই মর্ফের লিখিত উক্তি এই ধারার আদেশ পালন হইবার ও নির্দ্দিট দিনে ঘোষণাপত্ত প্রচারিত হইবার সিদ্ধান্ত প্রমাণ হইবে।

৮৮ ধারা। (১) আদালত ৮৭ ধারামত দ্যেষণাপত্র প্রচার করিবার পর উক্ত প্রতক্ষাজ্ঞিক সম্পত্তি কোক করবাৰ কথা। অস্তাবর কি উন্তয় প্রকারের কোন সম্পত্তি ক্রোক করিবার মাজ্ঞা দিতে পারিবেন।

(২) যে জিলায় উক্ত আজ্ঞা করা যায় সেই জিলার মধ্যে উক্ত ব্যক্তির যে সম্পত্তি থাকে ঐ আজ্ঞাক্রমে সেহ সম্পত্তি ক্রোক করিবার অন্নমতি হইবে; এবং ঐ জিলার বহিভূতি যে জিলায় ঐ ব্যক্তির সম্পত্তি থাকে সেই জিলার মাজিক্টেট সাহেব কিপা রাজধানীর প্রধান মাজিকেট সাহেব ঐ আজ্ঞাপ:ত্র পৃষ্ঠলিশি লিখিয়া দিলে তাঁহার জিলার মধ্যে উক্ত ব্যক্তির যে সম্পত্তি থাকে ঐ আজ্ঞাক্রমে সেই সম্পত্তিরও ক্রোক করিবার অস্থ্যতি হইবে,

- (৩) যদি ঋণ বা অন্য অস্থাবর সম্পত্তি ক্রোক করি-বার আজ্ঞা হয় ভবে আদালত যেমন উচিত বোধ করেন তদমুসারে,
  - (ক) আটক করণ দ্বারা, কিন্বা
  - (খ) গ্রাহক নিযুক্ত করণ দ্বারা, কিন্তা
  - (গ) ঘোষিত ব্যক্তিকে বা তাঁহার পক্তে কোন ব্যক্তিকে উক্ত সম্পত্তি সমর্পণ নিষেধ-সূচক লিখিত আজ্ঞা দারা, কিদ্বা
  - (য়) উপরিশিশিত সমুদয় বা কোন হইটি উপায় য়ায়া,

এই ধারামতে ক্রোক করা ঘাইবে।

- (৪) যদি স্থাবর সম্পত্তি ক্রোক করিবার আজ্ঞা হয় ভাহা গবর্ণমেন্টের মালগুজারী ভূমি হইলে যে জিলায় ভূমি থাকে সেই জিলার কালেক্টর সাহেবের দারা এই ধারামতে ক্রোক করা যাইবে, অন্য স্থলে আদালত যেমম উচিত বোধ করেন তদপ্রসারে
  - (৩) দখল করণ দারা, কিয়া
  - (চ) আহক নিযুক্ত করণ ছারা কিন্তা
  - (ছ) ঘোষিত ব্যক্তিকে কিন্তা তাঁহার পক্ষায় কোন ব্যক্তিকে খাজানা দেওয়া বা সম্পত্তি সমর্পণ করা সম্বন্ধে নিষেধগৃচক লিখিত আজ্ঞা দ্বারা কিন্বা
  - (জ) এইং উপায়ের মধ্যে সমূদয় কি কোন তুইটী দ্বারা, এই ধারামতে ক্রোক করা ঘাইবে।
- (৫) যে সম্পত্তি ক্রোক করিবার আজ্ঞা হয় তাহা যদি জীবস্তু পশু পক্ষ্যাদি কি নউ হইতে পারে এরপ সম্পত্তি হয় তাহা হইলে আদালত বিহিত বোধ করিলে তাহা অবিলয়ে বিক্রয় করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন এবং ঐরপ স্থলে ঐ বিক্রবোৎপন্ন টাকা আদালতের আজ্ঞার অপেক্ষায় থাকিংব।
- (৬) এই ধারামতে যে আহক নিযুক্ত হন, তাঁহার ক্ষণতা কর্ত্তর ও দায় দেওয়ানী মোকদ্দার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের ৬৬ অধ্যায়মতে নিযুক্ত আহকের ক্ষমতাদির তুল্য হইবে।
- (৭) যে ব্যক্তির নামে ঘোষণাপত্র হয় দেই ব্যক্তি ঘোষণাপত্রের নির্দিষ্ট সমহের মধ্যে উপস্থিত না হইলে, ঐ ক্রোক করা সম্পত্তি গবর্ণমেন্টের ম্বেচ্ছাধীন ধাকিবে, কিন্তু ক্রোক করিবার তারিখ অবধি ৬ মাস না গেলে বিক্রয় করা ঘাইবে না। পরস্তু ঐ সম্পত্তি স্বভাবতঃ আশু ক্লয়শীল হইলে কিন্তা বিক্রয় করা গেলে স্বামার লাভ হইবার সন্তাবনা আদালতের এমত বিবেচনা হহলে আদালত যখন উচিত বোধ করেন তখনই উহা বিক্রয় করাইতে পারিবেন
- (৮) যে সম্পত্তি ক্রোক করিবার আ্রুন্তা হয় যদি কোন তৃতীয় ব্যক্তি ভাহা কি ভাহার কোন অংশ

দাওয়া করেন ভাষা ছইলে আদালত দেওয়ানী মেকিদুমার কার্যাপ্রণালা বিষয়ক আইনের ২৭৮ ধারাজ্রতে
যে প্রকারের বিধান ছইয়াছে সেই প্রকারে দুখলের
বিষয় অনুসন্ধান ও নিরপণ করিতে পারিবেন।

৮৯ ধারা। ৮৮ ধারার (৭) প্রকরণমতে যে ব্যক্তির সম্পত্তি গবর্গমেন্টের স্বেক্ছাধীনে ক্রোক্ত সম্পত্তি ফিবিয়া আইসে সেই ব্যক্তি ঐ সম্পত্তি ক্রোক কথা।
ক্রোক ক্রার পর প্রই বৎসরের

মধ্যে স্বেচ্ছাপুর্ব্বক উপস্থিত হইলে কিন্তা যে আদালভের আজ্ঞাক্রমে সম্পত্তি ক্রোক করা সিয়াছিল ধৃত হইরা সেই আদালভের সমূখে আনাত হইলে. এবং ওয়ারক্ট জারী এড়াইবার জন্যে সে পলায়ন করে নাই ও গোপনে থাকে নাই এবং ঘোষণাপত্রের নির্দ্দিন্ত সময়ের মধ্যে উপস্থিত হইতে পারে ঘোষণাপত্র প্রচারের এরপ নোটস পার নাই সেই আদালভের ছ্রম্বোধমতে এই কথার প্রমাণ করিলে, ঐ সম্পত্তি কিন্তা যদি পরের বিক্রম হইয়া থাকে তবে বিক্রমোৎপন্ন নিট টাকা কিখা সম্পত্তির অংশমত্রে বিক্রম হইয়া থাকে তবে বিক্রমে।থাকলে বিক্রমে।থাক বিক্রম হইয়া থাকিলে বিক্রমে।থান নিট টাকা ও অবশিন্ত সম্পত্তি ক্রোকজনিত সমুদ্য খরচতাহা হইতে পরিশোধ করিয়া লইবার পর যাহাকে দেওয়া ঘাইবে।

য।-পরওয়ানা সংক্রান্ত অন্যান্য বিধি।

৯০ ধারা। কোন আদালত জ্বর বা আসেসর
ভিম্ন কোন ব্যক্তিকে উপস্থিত
সমনেব পরিবর্তে কি
তদ্ভিবিজ্ঞ ওয়াবট দিবার
কথা।

ইইলে নিম্নলিখিত স্থলে হেড়
লিপিবদ্ধ করিয়া ভাগাকে ধ্রবিবার নিমিত্র ওয়ারক দিকে

লিপিবদ্ধ করিয়া তাহাকে ধরিবার নিমিত্ত ওয়ারক্ট দিতে পারিবেন—

- (ক) যদি সমন দিবার পুর্বে কিছা সমন দিবার পর কিন্তু উক্ত ব্যক্তির উপস্থিত হইবার নির্দ্ধিট সময়ের পুর্বে, আদালত এরপ বিশ্বাস করিবার কারণ দেখেন থে সে পালায়ন করিয়াছে কিছা সমন মান্য . করিবে না; কিছা
- (খ) যদি উক্ত নিৰ্দ্ধিষ্ট সময়ে সে উপস্থিত না হয়
  এবং ইহা প্ৰমাণ করা যায় যে, সমন যে
  সময়ে নিয়মিত রূপো জারা করা হয়
  তাহাতে সে তদল্লারে উপস্থিত হহতে
  পারিত ও তাহার উপস্থিত না হইবার
  যুক্তিসিদ্ধ কারণ দর্শান না যায়।

১১ ধারা। কোন আদালতে আধিপত্যকারী কর্তৃপক্ষ যে ব ক্তিকে উপন্থিত
উপন্থিত ইইনার নিবন্ধ
পত্র লইবার ক্ষমতার কথা।

পন্ধ হন, সেই ব্যক্তি এউক্ত আদালতে উপস্থিত থাকিলে
উক্ত কর্ত্বপক্ষ তাহাকে জামিনসহ কি জামিন,বিনা উক্ত
আদালতে উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার
আদেশ করিতে পারিবেন।

১২ খারা। কোন ব্যক্তি এই আইনমতে গৃহীত

উপস্তিহ বাব মিবন भटाव नियम एक वहेरल, মুত করণের কথা।

নিবশ্বপত্তক্রমে কোন আদালতে উপস্থিত হইতে বন্ধ হইয়াতৎক্ৰমে উপছিত বা হইলে, উক্ত আদা-সতে আধিপত্যকারী কর্তৃপক্ষ

উক্ত ব্যক্তিকে ধরিয়া আপমার সন্মুশে উপস্থিত করিবার আদেশ দিয়া ওয়ারত বাহির করিতে পারিবেন।

अ हे कामगरश्रव विश्वासक्षीन সাধারণতঃ সমনেব প্রতি ও ধরিবার ওয়ারটের প্রতি ৰৰ্জিবাৰ কথা।

৯৩ ধারা। এই অধায়ে সমন ও ওয়ারন্ট এবং সমনের ও ওয়ারন্টের বাহির করণ ও জারীকরণ ও সাধন সম্বন্ধে যে যে বিধান আছে তৎসমুদয়, যতদৃর সম্ভব, এই আইনমত প্রত্যেক সম্মের ও

প্রত্করিবার ওয়ারন্টের প্রতি বর্ত্তিবে।

# ৭ সপ্তম অধ্যায়।

ममोन ও जनाना जञ्चावत मन्निक वनभूक्त छेेेेे छिउ করাইবার এবং অন্যায়মতে অবরুদ্ধ ব্যক্তির সন্ধান দিবার পরওয়ানা বিষয়ক বিধি।

ক।—উপস্থিত করাইবার সমন বিষয়ক বিধি।

৯৪ ধারা। (১) কোন আদালত কিন্তা কলিকাতা ও বোদ্বাই নগরের সীমার বহিঃগ্র

प्रतील कि अमा खरा কোন স্থানে পোলীস ধানার উপশ্তি কৰাইবাৰ সমনের অধ্যক্ষ ঐ আদালত কি কর্ম-**49**, 1 চারির ছারা কি তাঁহার সম্মুখে

এই অইনমত কোন অহৃসন্ধান কি তদন্ত কি বিচার কি অন্য কায়্যের অহুষ্ঠান নিমিত্ত কোন দললৈ কি অন্য দ্রব্য উ শস্থিত কর৷ আবশক কি বাঞ্চনীয় বোধ করিলে, ঐ দলাল কি দ্রব্য ষে ব্যক্তির অধিকারে কি ক্ষমতায় জাছে বলিয়া বিশ্বাস হয় ঐ আদালত ভাহার নামে সমন দিয়া কিম্বা ঐ কর্মচারী লিখিত আজ্ঞা দিয়া ভাহাকে ঞ সমনেম্ম বা আজ্ঞার লিখিত সময়ে ও স্থানে উপস্থিত হইয়া বা না হইয়া ঐ দলীল কি দ্ব্য উপস্থিত ক তে আজ্ঞা করিবেন।

- (২) এই ধারামতে যে ব্যক্তির প্রতি কেবল দলীল বা অন্য দ্রব্য উপস্থিত করিবার আজ্ঞা হয় তিনি ভাষা উপস্থিত করিবার নিমিত্ত স্বয়ং উপস্থিত ন। হইয়া ঐ দলীল বা দ্রব্য উপস্থিত করাইলেই আদেশ পালন ক্রিয়াছেন বলিয়া জ্ঞান করা যাইবে। .
- (৩) এই ধারার কোন কথাক্রমে ভারওবর্ষীয় माक्ता विषयक ১৮৭२ मारलद आहरूबद ३२७ ७ ३२८ ধাবার কেন ব্যতিক্রম হইস বলিয়া, কিম্বা ডাক াক টেলিগ্রাফ বিজাগের কর্তৃপ'ক্ষর হন্তে যে পত্র কি পোষ্ট কার্ড কি তাড়িত বার্জা কি অন্যতদলীল বা দ্রব্য থাকে, ভৎপ্ৰতি এই ধারার কোন কথা বর্তিল বলিয়া জ্ঞান করিতে হউদে না।

৯৫ ধারা। (১) ভাক কি টেলিগ্রাক বিভাগের कंड्र भक्तित इस्ड य ममीन कि শত্ৰ ও তাড়িত ৰাৰ্ডা পুলিকা কি দ্রব্য থ'কে জিলার **সম্বে** প্রাপ্রণালীব ক্থা।

মাজিফ্টেট কি প্রধান প্রেসি-ভেন্দী মাজিফ্রেট কি হাই কোট কি সেশন আদালভের মতে এই আইনয়ত কোম অহুসন্ধান কিন্তা তদস্ত কি বিচার কি জন্য কার্য্যের অহুষ্ঠান নিমিক্ত তাহার প্রয়ো-क्षन २६८म फेक गाजिएक्रिंगे कि व्यामामङ फेक ममीम कि शूनिका कि स्वा थे गाकि एक कि जानान एउन আদেশমত ব্যক্তিকে দিবার জন্য উক্ত ডাক কি স্থলভেদে টে লএফে বিভাগের কর্তৃপক্ষের প্রতি আজ্ঞা করিডে পারিবেন।

২) তদ্ৰপ কোন কাৰ্য্যের জন্য তদ্ৰপ কোন দলালের কি পুলিন্দার কি দ্রব্যের প্রয়োজন আছে অন্য কোন মাজিফেট কিম্বা কে ন পুলীদের কমিশনর কিম্বা পোল দের ডিষ্ট্রিক্ট মুপারিন্টেণ্ডেন্ট সাহেবের এরূপ মত হইলে তিনি ডাক বা হুলন্ডেদে টেলিগ্রাফ বিস্তাগের প্রাত উক্ত জিলার মাজিফেট কি প্রধান প্রেসিডেন্সা যাজিফ্রেট সাহেবের কি আদালতের আজ্ঞা পাইবার অপেক্ষায় ঐ দলালের সন্ধান লইয়া খাহা খাটক করিয়া রাখিবার আদেশ দিতে পারিবেন।

### খ।—তলাশী পর ওয়ানা বিষয়ক বিধি।

৯৬ ধারা। (১) যে ব্যক্তির প্রতি ১৪ থারামত সমন কি আজ্ঞাপত্ত কি ১৫ ভলাশী প্ৰ-এয়ানা যে ধারার (১) প্রকরণমত আদেশ স্থলে বাহির চইতে পাবে দেওয়া গিয়াছে কি দেওয়া তাহাব কথা! ষাইতে পারিত সে ঐ সমন প্রভৃতির আদেশমতে দলাল কি অন্য দ্রব্য আনিয়া দেখাইবে না কি খেখাইত না কোন আদালতের এমড

কিম্বা উক্ত দলীল কি তনা দ্রব্য কাহার অধিকারে ণছে, ঐ আদালতের জানা ন। থাকিলে,

বিশ্বাস করিবার কারণ থাকিসে

কিম্বা সাধারণমতে অন্নেমণ করিলে কিম্বা দেখিলে এই আইনমত তদন্তের কি বিচারের কি অন্য কায্যা-इष्ठात्वत छेटममा मिस्र इस्टि, जे भागमछ अक्रभ विद्य-চনা করিলে,

জলাশী পরওয়ানা দিতে পারিবেন; এবং **যে** ব্যক্তির প্রতি ঐ পরওয়ানামতে কর্ম করিবার ভার অর্পিত হয়, ভিনি ভদ্মসারে ও পশ্চালিখিক বিধান অভ্নসারে অন্নেষণ করিতে বা দেখিয়া লইতে পারিবেন।

(২) যে দলীল কি পুলিম্দা কি অন্য দ্রব্য ডাক ঘরের কি টেলিপ্রাকের কর্তৃপক্ষের জিম্মায় খাকে জিলার মাজিক্টেট কিম্বা প্রধান প্রেসিডেম্বী মাজিটেট ভিত্র কোন মাজিষ্টেট এই ধারার কোন কথার বলে সেই দলীলের কি পুলিন্দার কি অন্য দ্রব্যের ভলাশী পর-ওয়ানা দিতে সমতাপন্ন হইবেন না।

৯৭ ধারা। যে স্থান কিম্বা তাহার যে অংশ ভিম্ন
প্রথ্যানায় স্থান নৈর্দ্ধেশ
কবিতে পাবিবার কথা।
বিহিত বোধ করিলে সেই পরওয়ানায় সেই স্থানটি নিন্দিষ্ট করিতে পারিবেন।
তাহা হইলে যে ব্যক্তির প্রতি ঐ পরওয়ানামতে কায্য
করিবার ভার অর্পিত হয় তিনি ওজ্ঞা নির্দিষ্ট স্থান

কি ভদংশ ভিন্ন অন্য স্থানে খু জিবেন কি দেখিবেন না।

যে গৃহাদিতে চোবা এব্য কি কৃত্রিম দলীলাদি থাক। অসুমান হয় ভাহাতে অত্যে-ক্রিব ব্যক্তিবার কথা।

৯৮ ধারা। (১) কোন স্থান চোরা দ্রব্য রাখিবার কি বিক্রয় করিবার স্থান স্বরূপ ব্যবহার হইয়া থাকে,

কিছা জাল করা দলাল কিছা ক্রিম যোহন কিছা ক্রিম ইফাম্প বা মুদ্রা, কিছা মুদ্রা বা ইফাম্প ক্রিম করিবার কি জাল করিবার যন্ত্র কি সরঞ্জাম রাখিবার কি বিক্রম কি প্রস্তুত করিবার ছান্ধরূপ ব্যব-হার হংয়া থাকে,

কিন্তা কোন জ্ঞাল করা দলীল কি ক্লঞ্জিম মোহর কিন্তা ক্লঞ্জিম ইন্টাম্প কি ক্লঞিম মুদ্রা কিন্তা মুদ্রা কি ইন্টাম্প ক্লঞ্জিম করিবার কি জ্ঞাল করিবার যন্ত্র কি সরঞ্জাম, কোন স্থানে রাখা গিয়া কি গচ্ছিত হইয়া থাকে,

জিলার মাজিস্টেট কি মহকুমার মাজিস্টেট কি প্রেসি-ডেপা মাজিস্টেট কি প্রথম শ্রেণীর কোন মাজিস্টেট সন্ধান পাইয়া ও যে অনুসন্ধান লওয়া আবশ্যক বো করেন তাহা লইয়া ইহা বিশ্বাস করিবার কারণ দেখিলে,

ভিনি পে লীসের কন্ষীবলের উচ্চ শ্রেণীর কোন কর্মকারককে পরওয়ানা দিয়া,

- (ক) তাঁহাকে প্রয়োজনমত সহকারী লোক লংয়া উক্ত কোন হানে প্রবেশ করি-বার, এবং
- (খ) পরওয়ানার নিদ্দিষ্টমতে তন্মধ্যে অন্নেষণ করিবার, ও
- (গ) যে দ্রব্য কি দলীল কি মোহর কি ইন্টাম্প কি মুদ্রা পাওয়া যায়, যুক্তিসিদ্ধমতে ভাহা চোরা কি অন্যায়মতে প্রাপ্ত কি জ্ঞাল কি ফুত্রিম কি কুট জ্ঞান করিলে ভাহা, এবং পর্কোক্ত যন্ত্র ও সরঞ্জাম জ্বীয় অধিকারে লইবার, ও
- (ম) ঐ দ্রব্য কি দলীল কি মোহর কি ইউ।ম্প কি মুন্তা কি মন্ত্রাদি কি সরঞ্জাম কোন মাজিস্টেটের সমুখে চালান করিবার কিন্তা অপরাধ'কে যতকাল কোন মাজি-ঐেটের সমুখে আনা না যায় ততকাল ঐ স্থানে ঐ দ্রব্যাদির উপর চৌকী রাখিবার কিন্তা তাহা লইয়া কোন নিক্তিয়ু স্থানে রাখিবার, এবং
- (৬) ও দ্ব্য চোরা কি তন্য প্রকারে অন্যায়-মতে পাওয়া গিয়াছে; কিয়া উক্ত দলীল

কি মোহর কি ইফীম্প কি মুদ্রা কি যন্ত্র কি সরঞ্জাম জ্বাল করা কি কুট করা কি ক্লতিম, কিন্তা মুদ্রা কি ইফ্টাম্প ক্লতিয় করিবার কি জাল করিবার জনো ঐ যন্তের কি দ্রব্যের ব্যবহার হইয়াছে বা ব্যবহার করিবার কম্পনা আছে, যে ব্যক্তি ইহা জানে কিম্বা যাহার এমত জানিবার যুক্তিনঙ্গত কারণ থাকে ও যাহাকে উক্ত কোন দ্ৰব্য কি দলাল কি মোহর কি ইউাম্প কি মুদ্রা কি যন্ত্র কি সরঞ্জাম গচ্ছিত করিয়া রাখিবার কি বিক্রয় করিবার কি গছাইবার কি রাখি-বার সহজ্ঞানী বলিয়া বোধ হয়, এমত যেং ব্যক্তিকে সেই স্থানে পান সেই প্রত্যেক ব্যক্তিকে ধরিয়া রাখিবার ও মাজিফ্টেটের নিকট চালান করিবার ক্ষমতা দিতে পারিবেন।

- (২) (ক) ক্বতিম মুদ্রা সমন্ধায়.
  - (খ) ক্লতিম বলিয়া সন্দেহ হয় এমন মুদ্রা সংক্ষীয় এবং
  - (গ) মুদ্রা ক্রুতিম করিবার যন্ত্র বা উপকরণ সম্বন্ধীয় —

এই ধারার বিধান যতদূর খাটান গাইতে পারে ওত-দূর যথক্রেমে—-

- (ক) যে সকল ধাতৃখণ্ড ধাতব নিদর্শন বিষ

  য়ক ১৮৮৯ সালের আইন উল্লেজ্যন

  করিয়া প্রস্তুত করা হয় কিথা নামু

  দ্রিক কন্ত্রী বিষয়ক ১৮৭৮ সালের
  আইনের ১৯ ধারাত্মসারে যখন যে
  বিজ্ঞাপন প্রবল থাকে তাহা উল্লেজ্যন
  করিয়া রটিষ ভারতবর্যে আনা হয়
  তৎসম্বন্ধে খাটিবে।
- (খ) সে কল ধাতৃখণ্ড ঐক্সপে প্রস্তুত করা হইয়াছে বা ঐকপে রটিষ ভারতবনে আনা হইয়াছে বা ঐ আইনদ্বয়ের ও মধ্যে প্রথমোক্ত আইন লক্তান করিয়া প্রচার করা অভিপ্রেত বলিয়া সন্দেহ করা যায় তৎসম্বন্ধে শাটিবে। এবং
- (গ) ঐ আইন লঙ্ঘন করিয়া ধাতৃখণ্ড প্রস্তুড করিবার ২জ্ঞ বা উপকরণ সগক্ষে খাটিবে।

৯৯ ধারা। 'যে আদালত তলালী পারওয়ানা দেন সেই আদালতের এলাকাব এলাকায় গহিবে তশাল ক্ষমে কোন দ্রব্য পাওয়া গেলে তাহা লইয়া কার্য্য করিবার সময়ে, যে য দ্রব্যের করিবার কথা। অন্তেমণ হয় তন্মধ্যে কোন দ্ব্যা পাওয়া গেলে, ঐ সকল

দ্রব্য ও পশ্চালিখিত বিধানমতে প্রস্তুত ঐ সকল দ্রব্যের ফর্দ তয়ারন্টদাতা আদালতের নিকটে অগৌণে লছয়া বাইন্ত হইবে; কিন্তু ঐ স্থান উক্ত আদালতের অপেকা ঐ স্থান যে মাজিক্টেটের বিচারাধীন তাঁহার নেশা নিকট হইলে ঐ দ্রব্য ও কর্দ্ধ তাঁহার কাছে অগোনে লইয়া যাইতে হইবে; ও বিপরীত আজ্ঞা করিবার বিশিষ্ট কারণ না থাকিলে তিনি উক্ত আদালতের নিকটে ঐ দ্রক্যাদি লইয়া যাইতে আ্জ্ঞা করিবেন।

# গ।—অন্যায়মতে অবরুদ্ধ ব্যক্তিদিগকে প্রকাশ করণের বিধি।

১০০ ধারা। যদি কোন প্রেসিডেন্সী মাজিফ্টেট বা প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্টেট বা অন্যায়মতে অনক্ষ বাজিদিগকে তলাশ কবি-বার কখা। বিশ্বাস করিবার কারণ দেখেন যে যাহাতে অপারাধ হয় এমত

অবস্থায় কোন ব্যক্তিকে অবরুদ্ধ করিয়া রাখা হইয়।ছে, তবে তিনি তলাশী পর ওয়ানা দিতে পারিবেন এবং যাহার নামে ঐ পর ওয়ানা দেওয়া যায় তিনি ঐ অবরুদ্ধ ব্যক্তিকে অন্নেষণ করিয়া দেখিতে পারিবেন এবং ঐ পর ওয়ানা অভ্নারে অস্থেষণ করা যাইবে ও ঐ ব্যক্তিকে পাওয়া গেলে অগোণে তাহাকে কোন মাজিরেউটের সমুখে লইয়া যাইতে হহবে এবং তিনি অবস্থা বিবেচনায় যেরপা আজ্ঞা করা উচিত বোধ করেন কবিবেন।

# য।—ভলাশ সংক্রান্ত সাধারণ বিধি।

১০১ ধারা। ৯৬ ধারা কি ৯৮ ধারা কি ১০০
ধারমতে যত তলাশী পারওতলাশী পারওগানা যাগাব স্থানা দেওয়া যায়, তৎপ্রতি
নমে দিতে ছইবে তংপ্রভযত দূর সম্ভব ৪৩ ও ৭৫ ও
তিব কথা।
৭৭ ও ৭৯ ও ৮২ ও ৮৩ ও
৮৪ ধারার বিধান বর্তিবে।

১০২, ধারা। (১) এই অধ্যায়মতে যে স্থান তলাশ করিবার কি দেখিয়া লংবার বন্ধন্ধান যে ব্যক্তির যোগ্য তাহা বন্ধ থাকিলে, যে কর্মান থাকে তাহার তলাশ করিবার অব্যুতি দিতে হইবাব কথা।

পর ওয়ানামতে কার্য্য করিবেন তাঁহার দাওন্ধা হইলে ও ওয়া-রন্ট দেখান গেলে ঐ স্থানবাসা ব্যক্তি কিম্বা তাহা যে ব্যক্তির জিম্মায় থাকে তিনি কর্মাচারিকে কি অন্য ব্যক্তিকে অবাধে দেই স্থানে প্রবেশ করিতে দিবেন, ও তথায় তলাশ করিবার যুক্তিমত সর্বপ্রকার স্থবিধা করাইয়া দিবেন।

(২) যদি সেই স্থানে ডব্রুপে প্রবেশ করিতে না পারা যাম, যে কর্মচারী কি অন্য ব্যক্তি ওয়ারন্ট অর্থাৎ পরওয়ানা জারী করিতেছেন ডিনি ৪৮ ধারার বিধান-মতে কার্য্য করিতে পারিবেন। (৩) যে হলে ঐরপ কোন ছানে বা ছানের নকটে কোন ব্যক্তির সম্বন্ধে যুক্তিযুক্তরূপে এরপ সন্দেহ হয় যে সে আপন গায়ে এমন কোন দ্রব্য গোপন করিয়া রাখিয়াছে যাহার জন্য তলাশ করা উচিত সেই ছলে ৫১ ও ৫২ ধারাক্রমে যে প্রকারের বিধান হইয়াছে সেই প্রকারে সেই ব্যক্তির গাতলাশি করা যাইতে পারিবে।

১০৩ ধারা। (,) যে কর্মচারী কিন্তা অন্য ব্যক্তি
তলাশ করিবেন, তিনি এই
শালীদের শন্ম্যে তলাশ অধ্যায়মতে তলাশ করিবার
প্রের্ব যে স্থানে তলাশ করিতে
ইইবে তথাকার গুই কি তনধিক জন সন্ত্রান্ধ ব্যক্তিকে
উপন্থিত হইয়া ঐ তলাশী কার্য্যের সাক্ষী হইবার
নিমিত্তে আহ্বান করিবেন।

(২) তাঁহাদের সম্মুখে তলাশ করা যাইবে এবং তলাশ কালে যে সকল দ্রব্য গ্বত হয় ও যে স্থানে যে দ্রব্য পাওয়া যায় ঐ কর্মচারী বা অন্য ব্যক্তি তাহার ফর্দ্দ প্রস্তুত করিবেন এবং ঐ সাক্ষীরা তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন কিন্তু যাঁহারা এই ধারামত তলালের সাক্ষী থাকেন আদালত তাঁহাদের নামে বিশেষমতে সমন না দিলে আদালতে তাঁহাদের ঐ তলালের সাক্ষীস্কর্মপ উপস্থিত হইবার প্রয়োজন নাই।

(৩) যে স্থানের তলাশ হয়, তথায় তলাশ করিবার

বে ছানে তলাশ হয়

সেময়ে সেই স্থানবাদির কিম্বা

তৎপক্ষে কোন ব্যক্তির সর্ব্বহইতে পাবিবাব কথা।

তৎপক্ষে কোন ব্যক্তির সর্ব্বফলেই উপস্থিত থাকিবার অভ্মতি হইবে; এবং এই ধারামতে

যে কর্দ্দ প্রস্তুত করা যায়, উক্ত সাক্ষাদের স্থাক্ষরিত
সেই ফদ্দের নকল ঐ স্থানবাদির বা ব্যক্তির প্রার্থনামতে
ভাহাকে দেওয়া যাইবে।

#### **७**।—विविध विधि।

১০৪ ধারা। কোন আদালতের সমুখে এই আইনমতে কোন দলাল কি অন্য দ্রব্য
গলে ও হা অটক করিয়া
রাখিবাব ক্ষমতাব কথা।
আদালত বিহিত বোধ করিলে
ভাষা আটক করিয়া রাখিতে

পারিবেন।

১০৫ ধারা। কোন মাজিফ্টেট যে স্থানে অন্নেষণ করিবার তলাশী পরওয়ানা মাজিটেটের দাক্ষতে দিতে ক্ষমতাপদ্ম হন এমত অধ্যেশ হইবার আজ্ঞার কথা। করিবার আজ্ঞা দিতে অন্নেষণ করিবার আজ্ঞা দিতে

পারিবেন।

# চতুর্থ খণ্ড।

#### অপরাধ নিবারণ বিষয়ক বিধি।

# ৮ ज्रष्टेग ज्यागा ।

শান্তিভঙ্গ না করিবার ও সদাচরণের জামিন বিষয়ক বিধি।

### ক।—অপরাধ নিণয় হইলে শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিনের বিধি।

১০৬ ধারা । (১) হল্পমা, কি আক্রমণ করণ, কি
অন্য প্রকারে শান্তিভঞ্জন কিম্বা
অপবাধ নির্ণয হইলে ভাহাতে সহায়তা করণ কিম্বা
প্রভিল্পনা ক্রিবার মচল-

শান্তিভল না কা ববার মৃচলকাব কথা।
তাহা করিবার স্পান্ত অভিথা র

অল্পারী লোক সংগ্রাহ কি
বৈ আইনী অন্য কার্য্য করণাপরাধে যে ব্যক্তির নামে

বেখাইনী অন্য কার্য্য করণাপরাধে যে ব্যক্তির নামে অভিযোগ হয়, কিম্বা অপরাধজনকরপে ভয় দেখাইয়াছে বিলিয়া যে ব্যক্তির নামে অভিযোগ হয়, হাই কোর্টের কি দেশন আদালতের কি প্রেসিডেন্দী মাজিস্টেটের আদালতের কি জিলার মাজিস্টেটের কি মহকুমার মাজিস্টেটের কিমা প্রথম শ্রেণীর মাজিস্টেটের সমুখে সেই ব্যক্তির অপরাধ নির্বয় হইলে,

ও উক্ত আদালত সেই ব্যক্তির স্থানে শান্তিভক্ত না করিবার নিবন্ধপত্র দিখাইয়া লওয়া আবশ্যক বোধ করিলে,

ঐ আদালত উক্ত ব্যক্তির উপর দণ্ডাজ্ঞা করিবার সময়ে তাহার সঙ্গতি অভ্সারে অর্থনতের নিয়মে তিন বংসরের অনধিক যত কাল উচিত বোধ করেন তত কালের নিমিত্ত তাহাকে শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিন সহ কি জামিন বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- (২) আপীলে বা প্রকারান্তরে ঐ অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ হইলে, ঐরপে যে নিবন্ধ পত্র লিখিত হয় ভাহা ব্যর্থ হইবে।
- (৩) কোন আপীল আদালত কিম্বা পুনদৃষ্টির ক্ষমতা পরিচালন কালে হাই কোর্টও এই ধারামত আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
  - খ। অন্যন্থলে শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিন ও সদাচরণের জামিন বিষয়ক বিধি।

১০৭ ধারা। কোন প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট কি
জ্ঞান্ত দলে শান্তিভঙ্গ না
কবিবার জামিন দিগার
কথা।

মাজিস্টেট বিশ্বন প্রথম শ্রেণীর
মাজিস্টেট যখনই এই মর্মের
সন্ধাদ পান যে, উক্তে মাজিক্রেটের এলাকার মধ্যে কোন ব্যক্তির দ্বারা শান্তিভঙ্গ
ইইবার কিয়া যাহাতে শান্তিভক্ত ইইতে পারে কিয়া

সাধারণের স্থাছিরতার ব্যাঘাত হইবার সম্ভাবনা এমত কোন অন্যায় কার্য্য করা যাইবার সম্ভাবনা, তথনই উক্ত মাজিস্টেট এক বংসরের অন্ধিক যত কাল উচিত বোধ করেন তত কালের নিমিত্ত শাস্তিভল্প না করিবার জামিনসহ কি জামিন বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আ্জা তৎপ্রতি কেন হইবে না ইহার কারণ দশাইবার জন্য পশ্চালিখিত বিধানমতে সেই ব্যক্তির প্রতি আদেশ দিতে পারিবেন।

১ • ৮ ধারা। (১) যে কোন মাজিস্টেট ১ • ৭ ধারামতে কার্য্য করিতে ক্ষমতাপন্ন
কবিতে ক্ষমতাপন্ন না ছইলে
মাজিস্টেট প্রভূতব কার্য্যপ্রথালীর কথা।
এরপ বিশ্বাস করিবার কারণ
দেখেন যে কোন ব্যক্তি কর্ত্তক

শান্তিভঙ্গ হইবার অথবা যাহাতে শান্তিভঙ্গ হইতে পারে এমন কোন অন্যায় কার্য্য করা যাইবার সন্তাবনা ও উক্ত ব্যক্তিকে ধরিয়া হাজতে না রাখিলে অন্য কোন-রূপে শান্তিভঙ্গ নিবারণ করা যায় না, তবে তাহাকে ধরিয়া হাজতে না রাখা গিয়া থাকিলে কিছা সে আদালত তোহাকে ধরিবার ওয়ারন্ট দিতে এবং ১০৭ ধারামতে কার্য্য করিবার ক্ষমতাপন্ধ মাজিফ্রেটের নিকটে পাঠাইতে পারিবেন।

(২) যে মাজিফ্রেটের নিকট এই ধারাক্রমে কোন ব্যক্তিকে পাঠান যায় তিনি খাবৎ পশ্চান্নিদিট অহ-সন্ধান শেষ না হয় উক্ত ব্যক্তিকে স্থায় বিবেচনামতে হাজতে রাখিতে পারিবেন।

১০৯ ধারা। যখন কোন প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট কি

জ্বনং কাবী ও সন্দেহযুক্ত
ব্যক্তিদের স্থানে সলাচব মাজিস্টেট কি প্রথম শ্রেণীর
ব্যক্তিদের ক্রান কথা। মাজিস্টেট সংবাদ পান যে,

- (ক) তাঁহার এলাকার মধ্যে কোন ব্যক্তি আত্মগোপন করিবার যতু করিতেছে ও কোন ধর্তব্য অপরাধ করিবার অভি-প্রায়ে সে তদ্রপ যতু করিতেছে ইহা বিশ্বাস করিবার কারণ আছে, কিছা
- (খ) যাহার দিনপাতের কোন প্রকাশ্য উপায় নাই কিম্বা যে আপনার হুছোধজনক বিবরণ জানাইতে পারে না উক্ত এলা-কার মধ্যে তদ্রপ কোন ব্যক্তি আছে,

তখন উক্ত মাজিক্টেট পাশ্চাল্লিখিত প্রকারে বার মাসের অনধিক যত কাল ধার্য্য করা উচিত বোধ করেন তত কালের নিমিত্ত সদাচরণের জামিনসহ নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আজ্ঞা চুৎপ্রতি কেন হইবে না ইহার কারণ দর্শাইবার জন্য সেই ব্যক্তির প্রতি আদেশ করিতে পারিবেন ১১০ ধারা। যখন কোন প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট বা জিলার মাজিস্টেট বা মহ-পাকা বদ্যাইসদেব স্থানে কুমার মাজিস্টেট কিছা স্থানীয় গ্রবর্গমেন্টের স্থানে এভদর্থে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত প্রথম প্রেণীর কোন মাজিস্টেট সংবাদ পান যে তাঁহার প্রলাকার মধ্যে কোন ব্যক্তি—

- (ক) রীতিমত দহ্য কি দোষভাবে পরগৃহে প্রবেশকারী কি চোর, কিম্বা
- (খ) চোরা দ্রব্য চোরা জানিয়া তাহার রীতি-মত গ্রহণকারী কিম্বা
- (গ) চোরের রীতিমত রক্ষক বা অশ্রয়দাতা বা চোরাদ্রব্যের গোপন বা বিলিব্যবস্থা করণের রাতিমত সাহায্যকারী, কিম্বা।
- (ঘ) সে নিয়ত অপকার বা অপহরণ করে বা করিবার চেন্টা করে, কিয়া
- (ঙ) অপাহরণ করণার্থ নিয়ত লোকদিগকে হানির ভয় দেখায় বা দেখাইবার চেষ্টা করে, কিম্বা
- (চ) এরপ মরিয়া ও বিপজ্জনক লোক যে তাহার বিনা জামিনে স্বাধীন ভাবে থাকিলে সমা-জের পক্ষে বিপদের আশকা আছে—

তখন উক্ত মাজিটেট, পশ্চাল্লিখিত প্রকারে, তিন বৎসরের অনধিক যতকাল ধার্য্য করা উচিত বোধ করেন ততকালের নিমিত্ত সদাচরণের জামিনসহ নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আজ্ঞা তৎপ্রতি কেন হইবে না ইহার কারণ দর্শ(ইবার জন্যে সেই ব্যক্তির প্রতি আদেশ করিতে পারিবেন।

১১১ ধারা। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের সম্বন্ধে ইউরোপীয় বেটুয়াদের বিষ-ইউবোপীয় বেটু<sup>যাদেব</sup> য়ক ১৮৭৪ সালের আইনমতে সম্পন্ধীয় উপবিধির ক্ষা। কার্য্য হইতে পারিলে, তাহা-দের প্রতি ১০৯ ও ১১০ ধারার বিধান খাটে না।

১১২ ধারা। কোন মাজিস্টেট ১০৭ কি ১০৯ কি
১১০ ধারামতে কার্য্য করণ
যে আজ্ঞা কণিতে ছইবে কালে কোন ব্যক্তিকে সেই
তাহার কথা।
থারাক্রমে কারণ দশাইবার
আদেশ করা আবশ্যক জ্ঞান করিলে তিনি লিখিয়া
আজ্ঞা দিবেন। তাহাতে যে সংবাদ পাওয়া গিয়াছে
তাহার মর্ম, যে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে ছইবে তাহার
টাকার পরিমাণ, যতকাল তাহা বলবৎ থাকিবে সেই
কলে, ও জ্ঞামিন দিবার আদেশ ছইলে জামিনের
সংখ্যা, প্রকৃতি ও শ্রেণী এই২ কথা লেখা থাকিবে।

১১০ ধারা। যে ব্যক্তির সম্বন্ধে তদ্রপ আজ্ঞা করা যায় সেই ব্যক্তি আদা-যে ব্যক্তি আদালতে উপন্তিত থাকেন তংসদান্ধ কার্য্যপ্রণালীব কথা। অজ্ঞা তাহাকে প•িয়া ভানান থাইবে কিন্তা তাহার ইচ্ছাক্রমে ঐ আজ্ঞার মর্ম তা াকে বুঝাইয়া দেওয়া যাইবে। ১১৪ ধারা। উক্ত ব্যক্তি আদালতে উপস্থিত না গানিলে মাজিস্টেট তাহাকে তক্রণে কোন ব্যক্তি উপস্থিত হইবার আদেশ উপস্থিত হইবার আদেশ করিয়া সমন দিবেন, কিয়া উক্ত ব্যক্তি হাজতে থাকিলে যে কর্মচারির জেম্মায় থাকে, সেই কর্মচারির প্রতি ওয়ারান্ট দিয়া তাহাকে আদালতের সম্মুখে আনিতে আজ্ঞা করিবেন।

কিন্তু শান্তিভঙ্গ হইবে এমত আশহা থাকার কারণ আছে, ও তৎকালেই উক্ত ব্যক্তিকে ধরিয়া না রাখা গোলে তাহার নিবারণ হইতে পারিবে না, ঐ মাজিস্টেট পোলীসের কোন কর্মচারির রিপোট কি অন্য সংবাদ-ক্রমে ইহা জানিতে পারিলে, যে সময়ে হউক ঐ ব্যক্তিকে ধরিবার ওয়ারন্ট দিতে পারিবেন। উক্ররিপোর্টের বা সংবাদের মর্ম মাজিস্টেট লিখিয়া রাখিবেন।

১১৫ ধারা। ১১২ ধারামতে যে আজ্ঞা করা যায়,
তাহরে এক কেতা নকল ১১৪
১১২ ধারামত সমন কি ওয়ারন্টের
নকল সমনেব কি ওয়ারটেব সঙ্গে দিতে হইবে, এবং যে
যে কর্মচারী সমন জারী করেন
কি ওয়ারন্ট সাধন করেন,
তিনি যে ব্যক্তির উপর সমন জারী করেন কিম্বা

১১৬ ধারা। শান্তিভঙ্গ না করিবার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আজ্ঞা তৎপ্রতি ব্যাং অনুপদ্ধিত থাকি-বার অনুমতি দিবার ক্ষম-তার কথা।
কিন্তু কিন্তু কিন্তু আদেশ হয়, মাজিক্টেট উপযুক্ত হেতু দেখিলে সেই ব্যক্তির স্বয়ং অনুপদ্বিত থাকিবার ও উকীল দ্বারা উপস্থিত হইবার অনুমতি দিতে পারিবেন।

১১৭ ধারা। (১) ১১২ ধারামত কোন আজ্ঞা ১১৩

ধারামতে আদালতে উপস্থিত

কাষাদেব সত্যতা সমসে
তদন্তেব কথা।

কিষা বুঝাইয়া দেওয়া গেলে
কিষা ১৪ ধারামত সমন কি ওয়ারন্ট জারীক্রমে কোন
ব্যক্তি মাজিফ্রেটের সম্মুখে উপস্থিত কি আনীত হইলে

মাজিফ্রেট যে সম্বাদ অমুসারে কার্য্য করিয়া:েন তাহার

সত্যতার তদন্ত এবং আর যে প্রমাণ লওয়া আর্শ্যক
বোধ হয় তাহা লইতে প্রস্তুভ হইবেন।

(২) ইহার পর সমনের মোকদ্দমায় বিচার ও সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করিবার যে প্রণাঙ্গী নির্দিন্ট হইয়াছে, শান্তি-ভঙ্গ না করিবার জামিন দিবার আজ্ঞা হইলে উক্ত ডদন্ত থত দূর সম্ভব সেই প্রণালীমতে লইতে হইবে; এবং ইহার পর ওয়ারন্টের মোকদ্দমায় বিচার ও সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করিবার যে প্রণালী নির্দ্দিন্ট হইয়াছে সদাচরণের জামিন দিবার ঘাজ্ঞা হইলে, উক্ত ভদন্ত য়ত দূর সম্ভব সেই প্রধালীয়তে লইতে হইবে, বিভেদ এই বে অভিযোগপত্র প্রস্তুত করিবার প্রয়োজন নাই।

- (৩) এই ধারার কার্য্যপক্ষে কোন ব্যক্তি যে পাকা বদমাস ইহা সাধারণ প্রসিদ্ধির সাক্ষ্যবারা বা প্রকারা-স্তুরে প্রমাণ করা যাইতে পারিবে।
- (৪) যে ছলে গুই কি তদধিক ব্যক্তির তদন্তাধীন বিষয়ে সাহচর্য্য থাকে সেই ছলে মাজিস্ট্রেট যেরূপ বিহিত বোধ করেন তদ্রপে তাহাদিগের সম্বন্ধে একই বা পৃথকং তদন্ত করা যাইতে পারিবে।

১১৮ ধারা। (১) যদি তদ্রপ তদন্ত লইয়া প্রমাণ
হয় যে শান্তিজ্ঞ না হইবার
ভামিন দিবাব আজ্ঞাব কিন্তা ত্বল বিশেষে সদাচরণ
কথা। রক্ষা হইবার জন্য যে ব্যক্তির
সম্পর্কে তদন্ত লওয়া যায় তাহার জামিনসহ কি জামিন
বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেওয়া আবশ্যক, তবে মাজিস্কৌট (২) প্রকরণের বিধান মান্য করিয়া তদ্রপ আজ্ঞা

কিশ্ব প্রথমতঃ—১১২ ধারামত আদেশে যাহা নির্দ্দিষ্ট থাকে, তদ্ভিন্ধ প্রকারের কি তাহা অপেক্ষা অধিক টাকার, কি তাহা অপেক্ষা অধিক কালের জামিন দিতে কোন ব্যক্তির প্রতি আজা হইবে না।

ষিতীয়তঃ - যে নিবন্ধপত্ত লিখাইয়া লওয়া যায় মোকদ্দমার অবস্থা বৃঝিয়া সেই নিবন্ধপত্তের টাকার পরিমাণ ধার্য্য করিতে হইবে। উহা অভ্যধিক হইবে না।

তৃতীয়ত:—যে ব্যক্তির সম্বন্ধে তদন্ত লওয়া যায় সেই ব্যক্তি নাবালগ হইলে, কেবল তাহার জামিনেরা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবেন।

- (২) (ক) মাজিস্টেট বিহিত বোধ করিলে উক্ত রূপ আজ্ঞা করিবার পরিবর্ত্তে ঐ ব্যক্তিকে তিন বৎসরের অন্যবিক কালের জন্য পোলীসের তত্ত্বাবধানাধীনে ছাপিত করা যায় এরূপ আগু। করিতে পারিবেন।
- খে) উক্তরূপ আজ্ঞাক্রমে পোলীদের তত্ত্বাবধানা-ধীনে স্থাপিত কোন ব্যক্তি পোলীদের তত্ত্বাবধানের পরিবর্ত্তে তাহার সদাচরণের জামিন লইবার আজ্ঞা পাইবার নিমিত্ত যে কোন সময়ে কোন প্রধান প্রেসি ডেপ্সী মাজিক্টেট বা জিলার মাজিক্টেটের নিকট দরখান্ত করিতে পারিবে।
- (গ) পোলীসের তত্তাবধানের আজ্ঞা করা আব-শ্যক উক্ত মাজিক্টেটের এরূপ মত হইলে, তিনি ঐ দরখান্ত অগ্রাহ্য করিতে পারিবেন, কিন্তু অগ্রাহ্য করিবার হেডু তাঁহার দিপিবদ্ধ করিতে হইবে।
- (ঘ) সাধারণ লোকদের কি অন্য কোন ব্যক্তির আপদ সম্ভাবনা ব্যতীত পোলীদের তত্ত্বাবধানের আজ্ঞার পরিবর্দ্ধে জ্ঞামিন লওয়া যাইতে পারে, উক্ত মাজিফ্রেটের এরপ মত হইলে, তিনি এই ধারার বিধান মতে জ্ঞামিনের আজ্ঞা করিবেন।

১১৯ ধারা। ১১৭ ধারামত তদন্ত লইয়া যে ব্যক্তির সহদ্ধে উক্ত তদন্ত লওয়া যায় অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সেই ব্যক্তির শান্তিভঙ্গ না করিবার কিয়া স্থলবিশেষে সদাচরণ রক্ষা হইবার জন্য নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেওয়া আবশ্যক এরপ প্রমাণ না হইলে মাজিফ্টেট নথাতে এই মর্ঘের কথা লিখিবেন, এবং কেবল ঐ তদন্তের নিমিত্ত উক্ত ব্যক্তিকে ধরিয়া হাজতে রাখা গিয়া থাকিলে, তাহাকে ছাড়িয়া দিবেন অথবা ঐ ব্যক্তি হাজতে না থাকিলে তাহাকে অভিযোগ হইতে মুক্ত করিবেন।

### গ। – জামিন দিবার আজ্ঞার প্র সর্বত্ত কার্য্যান্ম্র্টানের বিধি।

১২০ ধারা । (১) যে ব্যক্তি সম্পর্কে ১০৬ ধারা কি
১১৮ ধারামতে জামিন দিবার
যে সময়েব নিমিত্ত
কামিন দিবাব আদেশ হয়
তাহার আবড়েব কথা।
অভি করিবার সময়ে কারাদণ্ডের আজ্ঞা পাইলে কিয়া
কারাদভাধীন থাকিলে, উক্ত দণ্ডাজ্ঞার মিয়াদ ফুরাইলে
উক্ত জ্ঞামিন দিবার সময়ের আরেন্ড হইবে।

(২<sup>)</sup> স্থলান্তরে ঐ আজ্ঞার তারিখেই উক্ত সময়ের আরম্ভ হইবে।

১২১ ধারা। উক্ত ব্যক্তির যে নিবন্ধপত্র সিখিয়া

দিতে হইবে তাহাতে শাখিতজ্ঞ
নিবদ্ধপত্র যাহা যাহা
খানিবে তাহার কথা।

মদাদরণ করিবার প্রতিজ্ঞা
থাকিবে; এবং শেষোক্ত স্থলে যে কোন স্থানে
কারাদণ্ডে দওনীয় যে কোন অপরাধ হউক না কেন
করা গেলে কি করিবার উদ্যোগ হইলে কি সহায়তা
হইলে, ঐ নিবন্ধ ভক্ষ করা হয়।

১২২ ধারা। এই অধ্যায়মতে যে ব্যক্তিকে জামিন
দিবার।প্রস্তাব হয় সে অনুপ্র
শানবার কথা।
তাগকে প্রাহ্য করিতে অস্থাকার
করিতে পারিবেন। অনুপযুক্ত বলিবার হেতু মাজিক্টেট
লিপিবদ্ধ করিবেন।

১২৩ ধারা। (১) কেন ব্যক্তি ১০৬ কি ১১৮ ধারা
মতে জামিন দিতে আদিফ

কামিন না দিলে কাবা
দণ্ডের কথা।

সময়ারস্ক হইবার তারিখে কি
তৎপূর্বে জামিন না দিলে পশ্চালিখিত হল ভিম
তাহাকে কারাগারে পাঠান যাইবে, কিয়া দে কারাগারে
ভাকিলে যাবৎ উক্ত সময় গভ না হয় কিয়া যে আদালত
বা মাজিফেট জামিন দিবার আজ্ঞা করেন দেই আদা
লভের বা মাজিফেটের নিকট কিয়া ঐ আজ্ঞা প্রাপ্ত
ব্যক্তি বে জেলে থাকে দেই জেলের অধ্যক্ষতা ভার
প্রাপ্ত কর্মচারির নিকট ঐ সময়ের মধ্যে দে জামিন না
দেয় তাবৎ তাহাকে কারাগারে রাখা যাইবে।

- (২) জেলের অধ্যক্ষতা ভারপ্রাপ্ত কর্নচারির নিকট জামিন দিতে চাহা গেলে, তিনি যে আদালত বা মাজিস্টেট জামিন দিবার আজ্ঞা করেন সেই আদালত বা মাজিস্টেটের নিকট অবিলয়ে ঐ বিষয় অর্পণ করি-বেন এবং ঐ আদালত বা মাজিস্টেটের আজ্ঞার অপেকা করিবেন।
- (৩) মাজিকেট উক্ত ব্যক্তিকে এক ব্ৎসরের
  কার্যান্টানের কাগজপত্র কথন হাই কোর্টে কি
  দেশন আদালতে অর্পন ব্যক্তি পূর্বোক্তরূপ জামিন না
  করিতে হইবে. ভাষার দেয়, ভবে উক্ত মাজিক্রেট
  কথা।

  সেশন আদালভের আজার
  অপেকায় এবং উক্ত মাজিক্রেট প্রেসিডেন্সী মাজিক্রেট
  ছইলে, হাই কোর্টের আজার অপেকায় ঐ ব্যক্তিকে
  কারাগারে রাখিবার ওয়ারন্ট দিবেন, এবং ভদ্বিষয়ের
  কাগজপত্র স্থবিধামতে ত্বায় উক্ত আদালভের কি
  কোর্টের সমুখে অর্পিভ হইবে।
- (৪) ঐ আদালত কি কোর্ট তাহা দৃষ্টি করিলে ও অধিক যে সন্ধান কি প্রমাণ আবশ্যক বোধ করেন তাহা গ্রহণ করিলে পর যদ্রপ উচিত বোধ করেন সেই মোকদ্দমায় তদ্রূপ আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

কিন্তু কোন ব্যক্তি জ্ঞামিন না দিলে যত (যদি কোন) কালের নিমিত্ত তাহার কারাদণ্ড হয়, তাহা তিন বৎসরের অধিক হইবে না।

(৫) শান্তি ভঙ্গ না করিবার যে প্রকাবেব কাবাদণ্ড জামিন না দিলে যে কারাদণ্ড হয় তাহা সামান্য কারাদণ্ড

इइर्द् ।

(৬) সদাচরণ করিবার জামিন না দিলে যে কারাদণ্ড হয়, তাহা প্রত্যেক হলে আদালতের কি মাজিফ্রেটের আজ্ঞাক্রমে কঠোর কি সামান্য কারাদণ্ড হইতে পারিবে।

২২৪ ধারা। (১) জিলার মাজিক্টেট সাহেবের কিম্বা
কোন প্রধান প্রেসিডেন্সা
জ্যুমিন না দেওঘা প্রযুক্ত মাজিক্টেটের কিম্বা তাঁহার
ঘহাবা কাবান হয় তাহাদিগকে চাডিঘা দিভে পাবিবার কথা।
অধীন কোন মাজিক্টেটের
আক্তামতে এই অধ্যায়মত সদা-

চরণের জামিন না দেওরা প্রযুক্ত যে ব্যক্তিকে কারাবদ্ধ করা যায় সেই ব্যক্তি মুক্ত হইলেও সাধারণ লোকদের কিন্তা অন্য কোন ব্যক্তির কোন আপদ সন্তাবনা নাই, জিলার মাজিস্টেট কৈন্বা কোন প্রধান প্রেসিডেন্সা মাজিস্টেট এমত বোধ করিলে, প্র ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন কিন্তা জামিনের টাকার প্রিমাণ কি জামিনদারদের সংখ্যা কি যত কালের জন্য জামিন দিবার আদেশ হইয়াছে তাগ ক্মাইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(২) এই অধ্যান্নমত জামিন না দেওয়া প্রযুক্ত কোন ব্যক্তিকে সেশন আদালতের কি হাই কোর্টের

আজ্ঞানতে কারাবদ্ধ করা গেলে এবং সেই ব্যক্তি মুক্ত হইলেও উক্তরপ আপদ সন্তাবনা নাই জিলার মাজিস্টেট সাহেব কি কোন প্রধান প্রেসিডেপী মাজিস্টেট এমত বোধ করিলে, ঐ সেশন আদালতের কিন্তা হল বিশেষে হাই কোর্টের আজ্ঞা পাইবার জন্য অগোণে সেই বিষয়ের রিপোর্ট করিবেন; এবং উক্ত আদালত বা কোর্ট উচিত বোধ করিলে ঐ ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

২২৫ ধারা। জিলার মাজিস্টেট লাহেব যে কোন সময়ে উপযুক্ত কারণ দেখিলে

শান্তিভঙ্গ না করিবাব তাহা লিখিয়া কোন নিবন্ধনপত্র জিলাব মাজিটেট্ট সাতেবের অকর্মন্য কবিতে পারিবাব কথা। এরপ কো

তাহা লিখিয়া আপন আদা-লতের উচ্চতর নহে জ্বিলার এরপ কোন আদালতের আজ্ঞাক্রমে এই অধ্যায়মতে

শান্তিভঙ্গ না করিবার কি সদাচরণের জন্য যে কোন নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেওয়া যায় কিয়া ১১৮ ধারার (২) প্রকরণমত পোলীসের তত্ত্বাবধানের ভন্য যে কোন আজ্ঞা দেওয়া যায় তাহা অকর্মণ্য করিতে পারিবেন।

১২৬ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির শাস্ত থাকার কি
সদাচরণের জ্ঞামিন যে কোন
কথ:।

মাজিস্টেটের কি জিলার মাজিক্রেটের কি মহকুমার মাজিস্টেটের কি প্রথম শ্রেণীর
মাজিস্টেটের নিকটে তাঁহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে
এই অধ্যায়মতে লিখিয়া দেওয়া কোন নিবন্ধপত্র
রহিত ইইবার প্রার্থনা করিতে পারিবেন।

- (২) করিলে যে ব্যক্তির নিমিত্ত ঐ জামিন প্রতিজ্ঞা-বন্ধ আছেন ঐ মাজিফ্রেট আপন বিবেচনামতে তাহার উপস্থিত হইবার কিম্বা তাহাকে আপানার নিকট আনাইবার আজ্ঞাসূচক সমন কি ওয়ারক্ট দিবেন।
- (৩) সেই ব্যক্তি ঐ মাজিস্টেটের সমুখে উপস্থিত হইলে কিম্বা তাহাকে আনা গেলে, ঐ মাজিস্টেট ঐ নিবন্ধপত্র রহিত করিয়া সেই ব্যক্তিকে নিবন্ধপত্রের অবশিষ্ট কালের নিমিন্ত মূল জামিন সদৃশ অন্য জামিন দিতে আন্তা করিবেন। তদ্ধপা প্রত্যেক আন্তা ১২১ ও ১২২ ও ১২৩ ও ১২৪ ধারার কার্য্যপক্ষে ১০৬ ধারামতে কিম্বা স্থলবিশেষে ১১৮ ধারামতে কৃত আন্তা বলিয়া গণ্য হইবে।

#### ৯ নবম অধ্যায়।

#### বেআইনীমত জনতাবিষয়ক বিধি।

১২৭ ধারা। (১) বেজাইনীয়ত জনতা হইলে কিছা
পাঁচ কি তদধিক ব্যক্তি যোট
মাজিটেটের কিলা পোলীদেব কথাচাবিব আজামতে
জনতা ভঙ্গ হইনাব কথা।
কান মাজিটেট কিছা পোলাস
পানার অধ্যক্ষ সেই জনতা ভঙ্গ করিয়া পৃথক হইবার

আজ্ঞা করিতে পারিবেন। তাহা করিলে তদমুসারে ঐ জ্ঞানজার লোকদের পৃথক হইয়া যাওয়া কর্ত্তর্য।

(২) এই ধারা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলীদের প্রতি বর্ত্তে।

১২৮ ধারা। উক্ত প্রকারের জ্ঞ্মতা তদ্রপ আজা পাইলে যদি জন্ধ ইইয়া না যায়

ছনতা ভঙ্গ কবিবাব ছনো কিন্তা তদ্ৰপ আজ্ঞা না পাই-দৈনা ছাড়া অপব লোক লেও এরপে কার্য্য করে যে লইয়া বল প্রয়োগের কথা। ভঙ্গ হইয়া খাইবে না এপ্রকার

সঙ্কপ্প দেখায়, তবে কোন মাজিট্রেট কিন্তা পোলীস থানার অধ্যক্ষ, রাজধানার মধ্যেই হউক আর বাহিরেই হউক, বলপূর্ব্বক ঐ জনতা ভঙ্গ করিয়া পৃথক করিতে প্রব্রু হইতে পারিবেন। তদর্থে এবং আবশ্যক হইলে, জনতা ভঙ্গ করিবার কি তাহাদিগকে আইনমতে দণ্ড দিবার নিমিক্ত জনতার অন্তর্গত লোকদিগকে ধরিয়া রাখিবার জন্য তিনি শ্রীশ্রীমতী মহারানীর সৈন্যদলের যে অধ্যক্ষ কি সৈনিক কিন্তা ভারতব্যায় বল ক্রিয়র বিষয়ক ১৮৯৬ সালের আইনমতে নাম লিখান বলক্রিয়র তত্ত্ব ব্যক্তি স্বরূপ কার্য্য করিতেছেন তদ্তির কোন পুরুষের প্রতি সাহায্য করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

১১৯ ধারা। তদ্রপ জনতা ভঙ্গ করিয়া তদন্তর্গত
লোকদিগকে অন্য প্রকারে
পৃথক করা ঘাইতে না পারিলে
ও সাধারণের নিরাপন্তার জন্যে ঐ জনতা ভঙ্গ করা
আবশ্যক হইলে, অতি উচ্চ শ্রেণীর যে মাজিস্টেট
উপদ্বিত থাকেন তিনি সৈন্যদলের দ্বারা ঐ জনতা ভঞ্গ
করাইতে পারিবেন।

১৩ থারা। (১) কোন মাজিস্টেট সৈন্যদল দ্বারা ঐ রূপ কোন জনতা ভঙ্গ করিতে জনতা ভঙ্গ কবিবার নিমিত্ত স্থির করিলে তিনি শ্রীশ্রীমতী মাজিস্টেট্র অজ্ঞা গুইলে সৈন্যাধ্যক্ষেব কন্তব্য কর্ষোব কথা। ভারতবর্ষীয় বল ন্টিয়র বিষয়ক ১৮৬৯ সালের আইন মতে

নাম লিখান বল নিটার দলের সনন্দপ্রাপ্ত বা সনন্দ অপ্রাপ্ত কোন অধ্যক্ষকে সেই জনতা সৈন্যদল ছারা ভঙ্গ করিয়া দিতে আদেশ করিতে পারিবেন, কিম্বা ভদন্তর্গত যে সকল ব্যক্তিকে মাজিফ্রেট ধরিয়া শাটক করিয়া রাখিতে আজ্ঞা দেন কিম্বা জনতা ভঙ্গ করিবার জন্য কি তাহাদিগকে আইনমত দণ্ড দিবরে জন্য যাহা-দিগকে ধরিয়া আটক করিয়া রাখা আবশ্যক হয়, ভাহাদিগকে গরিয়া আটক করিয়া রাখিতে আদেশ করিতে পারিবেন।

(২) ঐরপ প্রত্যেক সৈন্যাধ্যক্ষের কর্ত্ব্য থে আপনার বিবেচনামতে যজ্রপে কর। উচিত তজ্রপে উক্ত আদেশ পালন করেন; কিন্তু জনতা ভল্প করিবার এবং উক্ত ব্যক্তিদিগকে ধরিয়া আটক করিয়া রাখিবার জন্যে যত অম্প বল প্রয়োগ ও ব্যক্তির কি সম্পৃত্তির সত অম্প হানি করা সঙ্গত হয় তদ্ধিক করিবেন না। ১৩১ ধারা। উক্তরপ কোন জনতা দ্বারা স্পার্টই
সাধারণের নিরাপভার বিদ্বাজনতা ভদ করণার্থে শকা হটলে ও কোন মালি

জনতা ভদ করণার্থে শক্ষা হইলে ও কোন মাজি-সনন্দপ্রাপ্ত সেনাণতিদের ক্ষমতার কথা। ভেটের সঙ্গে লিখন পঠনাদি হইতে না গণরিলে, এপ্রীমাতী মহারানীর সৈনাদের সমন্দ্র পোপ্ত কোন আমাতী

মহারাণীর সৈন্যদের গৈনন্দ প্রাপ্ত কোন সেনাপতি সাহেব বা বল টিয়রেরা সৈন্য দলের বল ছারা তন্ত্রপ কোন জনতা ভঙ্গ করিয়া দিতে পারিবেন; এবং জনতা ভঙ্গ করিবার জন্য অথবা তাহাদিগকে আইনমত দণ্ড দিবার জন্য তদস্তর্গত যে কোন ব্যক্তিদিগকে ধরিয়া আটক করিয়া রাখিতে পারিবেন। কিন্তু এই ধারামতে কর্ম করিবার সময়ে তিনি কোন মাজিটেটের সঙ্গে লিখন পঠনাদি করিতে পারিলে করিবেন; এবং উক্ত কর্ম করিতে থাকিবেন কি না এবিষয়ে তদবিধ ঐ মাজিষ্টেটের আদেশ পালন করিবেন।

১৩২ থারা। কোন মাজিফ্টেটের কি উপরিলিখিত অপর কর্মচারী কি ব্যক্তির এই অধ্যায়মতে কর্ম এই অধ্যায়মতে ক্বত বলিয়া হইলে অভিযোগনা হই-বার কথা।

কার্য্যের জন্য মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত

শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের অন্নমতি বিনা তাঁহা-দের নামে কোন ফেজিদারী আদালতে অভিযোগ উপ-স্থিত করা যাইতে পারিবে না; এবং –

- (ক) কোন মাজিস্টেট কি পোলাসের কর্মচারী এই অধ্যায়মতে সরল মনে কার্য্য করিলে, ও
- (খ) কোন কর্মচারী ১৩১ ধারামতে সরল মনে কার্য্য করিলে, ও
- (গ) কোন ব্যক্তি ১২৮ কি ১৩° কি ৪২ ধারামত আদেশ পালন করিতে গিয়া সরল মনে কোন কার্য্য করিলে, ও
- (ঘ) কোন অধস্তন কর্মচারী কি সৈনিক কি বলন্টিয়র যে আজ্ঞা পালন করিতে বাধ্য দেই আজ্ঞা পালন করিতে গিয়া কোন কার্য্য করিলে,

তাহাতে যে তাঁছার কোন অপরাধ করা হইল এরপ জ্ঞান করা যাইবে না।

#### ১০ দশন অধ্যায়।

# সাধারণের অনিষ্টজনক বিষয়ের বিধি।

১৩৩ ধারা। (১) সাধারণে যাছার আইনমডে
ব্যবহার করে বা করিতে পারে
অনিষ্টজনক বিষয় স্থানান্তব করিতে নিয়মাধীন
আজ্ঞা করিবাব কথা।
বিশ্ব অনিষ্টজনক কোন বিষয় স্থানান্তর করা উচিত,
কিছা

কোন ব্যবসায় কি কর্ম কিন্তা কোন মাল কি বাণিজ্ঞ্য দ্রব্য রাখা সাধারণের স্বাচ্ছ্যের কি শারীরিক স্বন্দ্রভার বিদ্মঞ্জনক হওয়া প্রযুক্ত রহিত কি স্থানান্তর কি নিষেধ করা উচিত, কিম্বা

কোন গৃহ নিৰ্মাণ কিম্বা কোন দ্ৰব্য লইয়া ষেরূপ কার্য্য করা যায় ভদ্ধারা গৃহাদির দাহ কি শব্দ করিয়া জ্বলিয়া উঠা সম্ভাবনা প্রযুক্ত তাহা নিবারণ কি বন্ধ-করা উচিত, কিম্বা

কোন গৃহাদির এরপ অবস্থা যে তাহা পডিয়া যাও-য়ার সম্ভাবনা ও তাহাতে নিকটে যাহারা বাস করে বা কর্ম করে ভাহাদের বা নিকট গমনশীল লোকদের হানি হইবার সভাবনা প্রযুক্ত তাহা খানান্তর বা মেরামত বা সংরক্ষণ করা আবশ্যক, কিন্তা

পূর্কোক্ত পথের কি সাধারণের স্থানের নিকটস্থ পুষ্করিণী কি কুপ কি গও এ প্রকারে ঘেরিয়া রাখা উচিত ধাহাতে সাধারণের সঙ্কট নিবারিত হয়

জিলার মাজিফ্টেট সাহেব কিন্তা মহকুমার মাজি-ফ্রেট কিম্বা তৎপক্ষে স্থানীয় গ্রন্মেন্ট হইতে ক্ষমতা-প্রাপ্ত প্রথম শ্রেণার কোন মাজিয়েট রিপোর্ট কি অন্য সন্ধাদ পাইয়া ও যজ্ঞপ (যদি কোন) সাক্ষ্য লওয়া উচিত বোধ করেন তদ্রপ সাক্ষ্য লইয়া এমত বোধ

যে ব্যক্তির দারা ঐ বাধা কি অনিউজনক বিষয় হয় কিন্ত। যে ব্যক্তি ঐ ব্যবসায় কি কর্ম করে কিন্তা ঐ মাল কি বাণিজ্যদ্রব্য রাখে, কিম্বা ঐ গৃহ কি দ্রব্য কি পুষ্করিণী কি কুপ কি গর্ভথে ব্যক্তির হয় কি ধাহার অধিকারে কি কর্তৃত্বে থাকে, তাহার নামে তিনি নিয়মা ধীন স্বাজ্ঞা লিখিয়া দেই আজ্ঞাতে সময় নিৰ্দ্দিষ্ট করিয়া তাহাকে সেই সময়ের মধ্যে,

ঐ বাধা কি অনিউজনক বিষয় স্থানাম্ভর করিতে, কিন্তা

স্ত্লবিশেষে ঐ ব্যবসায় কি কর্ম রহিত কি স্থানা-ম্বর করিতে, কিম্বা

ু ঐ মাুল বা বাণিজ্ঞান্তব্য স্থানান্তর করিতে, কিমা ঐ গৃহ নির্মাণ নিবারণ কি বন্ধ করিতে, কিষা

তাহা স্থানান্তর কি মেরামত কি সংরক্ষণ করিতে,

ঐ দ্রব্যের ব্যবস্থান্তর করিতে, কিম্বা

ঞ পুষ্করিণা কি কুপ কি গর্ত ঘেরিয়া দিতে,

ঐ আজ্ঞার নিদ্দিষ্ট সময়ে ও স্থানে আপনার কিম্বা প্রথম কি দ্বিতীয় শ্রেণীর অন্য মাজিফ্রেটের সমুখে উপস্থিত হইয়া ঐ আজ্ঞা পশ্চালিখিত প্রকারে রহিত কি পরিবর্ত্তিত করিবার শ্রার্থনা করিতে হইবার আদেশ দিতে পারিবেন।

(২) এই ধারামতে কোন মাজিফ্টেট কর্ত্তৃক নিয়-মিতরূপে যে আজ্ঞা করা যায় তাহা কোন দেওয়ানী ষ্মাদাঙ্গত অগ্রাহ্য করিতে পারিবেন না।

ব্যাখ্যা।—''সাধারণের স্থান'' বলিতে রাজকীর সম্পত্তি কিম্বা ছাউনী করিবার জায়গা বা স্বাস্থ্যের কিম্বা আমোদের জন্য যে জামগা খালি রাখা যায় তাহাও বুঝাইবে।

১৩৪ ধারা। (১) উল্লিখিত আজ্ঞাপত্র যে ব্যক্তির নামে লেখা যায় এই আইনে আজ্ঞা কিখা তাহাব যে প্রকারে সমন জারী করি-ক্তাপনপত্ৰ দিবাৰ কথা। বার বিধান আছে সেই প্রকারে তাহাকেই দেওয়া যাইতে পারিলে দেওয়া ঘাইরে।

(২) উক্ত আক্ষা তদ্রপে জারি করা অসাঃ হইলে ঘোষণা করিয়া ঐ অঃজ্ঞার নোটিস দেওয়া যাইবে। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট বিধিক্রমে যে প্রকারের আদেশ করেন সেই প্রকারে গোষণাপত্র প্রচার করা যাইবে, ও সেই ব্যক্তির ঐ আ্ডার ক্থ। জানিতে পাইবার যাহাতে স্থবিধা হয় সেইরূপ কোন এক কি অধিক স্থানে ঐ ঘোষণাপত্তির নকল লাগাইয়া দেওয়া যাইবে।

যাও কে আ জা কৰা যায ১৩৫ ধারা। যে ব্যক্তির 'ংাহাব দেই আজা মানি-নাযে ٩ অ জ দে ওয়া যায় -

- (ক) ঐ আজ্ঞার নির্দ্দিষ্ট সময়ের মধ্যে তাহার সেই আজ্ঞামত কার্য্য করিতে হইবে. অথবা
- (খ) ঐ আজ্ঞামতে উপস্থিত হইয়া তদ্বিকৃদ্ধে কারণ দশ্হিতে হইবে অগবা সেই কিন্তা কাৰণ দশাইবাৰ কি আজ্ঞা যুক্তিমত ও উপযুক্ত কি পঞ্চাৰ নিমুক্ত হইবাৰ না এই কথার বিচার করণার্পে দাওয়াব কথা। জুরি (অর্থাৎ পঞ্চায়ৎ) নিযুক্ত হইবার নিমিত্ত যে মাজিফেট উক্ত আজ্ঞা করিলেন তাঁহার নিকটে প্রার্থনা করিতে হইবে।

১৩৬ ধারা। উক্ত ব্যক্তি ১৩৫ ধারার আদেশমত এ কার্য্য না করিলে কিষা ভ দ্বা কৰিবাৰ ফলেৰ উপস্থিত হইয়া কারণ না দশা-**কথা।** ইলে অথবা পঞ্চায়ৎ নিযুক হইবার প্রার্থনা না করিলে, ভারতবর্ধের দও বিধির আইনের ১৮৮ ধারায় তরিখনের যে দণ্ড নির্দিষ্ট আছে ঐ ব্যক্তি সেই দণ্ডের যোগ্য হইবে; এবং ও আজ্ঞা চূড়ার इहेर १।

১৩৭ ধারা। (১) ঐ ব্যক্তি উপস্থিত হইয়া ঐ আছার বিরুদ্ধে কারণ দর্শা-কাৰণ দশ্ৰইতে উপস্থিত हेटल या जिटकें मे मार्नत द्यांक-**হ**ইলে কাষ্যপ্র ।(লীব ক**থ**্ৰ দ্দমার ন্যায় ভদ্বিষয়ে সাক্ষ্য লইবেন।

- (২) ঐ আজা যুক্তিমত ও উ**প**যুক্ত নহে মাজি-**एक मार्ट्स्टर अन्नर्भ क्रियाम क्रियाम, क्रियरम आ**न কোন কার্য্যাহ্নষ্টান করা ঘাইবে না।
- (৩) মাজিফেট সাহেবের তদ্রপ ছক্ষোধ না জমিলে, ঐ আজ্ঞা চূড়ান্ত করা থাইবে

পঞ্চাযতের দাওয় কণা
গেলে কার্য্যপ্রনালীর কথা।

গেরে প্রার্থার্থনা পাইলে,

- (ক) অগোণে পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত করিবেন। সেই
  পঞ্চায়তে পাঁচের অন্যুন বিষম সংখ্যক
  ব্যক্তি থাকিবে। মাজিফ্রেট ঐ পঞ্চা
  য়তের প্রধান ব্যক্তিকে ও অবশিষ্ট
  লোকের অদ্ধাংশ মনোনীত করিবেন,
  অন্য অদ্ধাংশ প্রার্থক মনোনীত
  করিবেন।
- (খ) যে স্থানে ও যে সময়ে উচিত বোধ করেন মাজিফ্টেট উক্ত প্রধান ব্যক্তিকে ও পঞ্চায়তের মেম্বরদিগকে সেই স্থানে ও সেই সময়ে উপস্থিত হইবার নিমিত্ত সমন করিবেন, ও
- (গ) যে সমস্নের মধ্যে তাঁহাদের মত প্রকাশ করিতে হইবে সেই সময় ধার্য্য করিবেন ;
- (২) ঐ রূপে যে সময় ধার্য করা হয় তাহা উপযুক্ত কারণ দেখান গেলে মাজিস্টেট কর্তৃক বাড়াইয়া
  দেওয়া ঘাইতে পারিবে।

১৩৯ ধারা। (১) পঞ্চায়ৎ কিন্বা তাহার অধিকাংশ
পঞ্চায়ং মানি ইটেব
আজ্ঞা যুক্তিয়ক্ত নির্ণয় আজ্ঞা যুক্তিসিদ্ধ ও উপযুক্ত
করিলে যালা কর্ত্তব্য তাহাব বিবেচনা করেন কিন্তা তাহা
কথা। পরিবর্ত্তিত হওয়া উচিত বোধ
করিলে যদি মাজিফ্রেট সেই মত গ্রাহ্য করেন তবে
মাজিফ্রেট কোন রূপ পরিবর্ত্তন করা গেলে তাহা মানিয়া
ঐ আজ্ঞা চুড়ান্ত করিবেন।

- (২) স্থলান্তরে, এই আইনমত আর কোন কার্য্যান্থ-ষ্ঠান করা যাইবে না। কিন্তু যদি মাজিন্টেট এরপ বিবেচনা করেন যে পঞ্চায়ৎ অসদাচরণ করিয়াছেন তাহ। হইলে তিনি মূতন পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত করিতে পারিবেন এবং ওদনন্তর মূতন করিয়া কার্য্যান্থ্রান হইবে।
- ১৪০ ধারা। (১) ১৩৬ কি ১৩৭ কি ১৩৯ ধারামতে কোন আজ্ঞা চ্ডান্ত করা
  আজ্ঞাচ্ডান্ত করা গেলে যাহার বিরুদ্ধে আজ্ঞা
  করা গিয়াছিল মাজিফ্টেট সেই
  ব্যক্তিকে ইহাব নোটিস দিবেন এবং নোটিসের নির্দিট
  সমযের মধ্যে ভাহাকে ঐ আজ্ঞামত কার্য্য করিতে
  আদেশ দিবেন ও ভাহাকে জানাইবেন যে আজ্ঞা
  অমান্য করা গেলে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের
  ১০৮ ধারার বিধ্নমতে ভাহার দণ্ড হইতে পাণিবে।
- (২) নির্দ্ধিন্ট সম্য াধ্য উক্ত কার্য্য করা না গেলে
  মাজিন্টেট ঐ কার্য্য করাইতে
  আঞ্জ অ ন্য বলা
  পোরিবেন ও তাঁহার আজনে নিয়ে
  গেলে ফলের বলা
  যায় তাহা বিক্রয় করিয়া কিয়া প্রকান্ত ব্যক্তির অস্থাবর জন্য যে সম্পত্তি তাহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে কি বাহিরে থাকে তাহা ক্রোক ও বিক্রয়

করিয়া ঐ কার্য্য করিবার খরচের টাকা আদায় অরিতে পার্নিবেন। ঐ অন্য সম্পত্তি তাঁহার বিচারাধীন ছানের বান্দিরে থাকিলে, যে মাজিস্টেটের বিচারাধীন ছানে ঐ সম্পত্তি ক্রোক করা যাইবে তিনি ঐ আজ্ঞাপত্রের পৃষ্ঠে লিখিয়া দিলে তাহা ক্রোক ও নীলাম হইবে ঐ আজ্ঞা-পত্রে এই মর্ম্বের অন্নমতি থাকিবে।

(৩) এই ধারাবলে সরল মনে যে কোন ক্রিয়া করা যায় তৎসম্বন্ধে কোন মোকদ্দ্যা হইতে পারিবে না।

১৪১ গরা। প্রার্থক যদি তাচ্ছল্য করিয়া কি প্রকাণ্ডারং নিযুক্তন কর বাস্তরে পঞ্চায়তের নিযুক্ত লকর হওয়া নিবারণ করে, কিছা যে প্রকাশ না করিলে, কার্য্য- পঞ্চায়ত নিযুক্ত হন তাঁহারা প্রণাশ র কথা। যদি কোন করেণে নির্দ্ধিষ্ট সময়ের মধ্যে কিছা মাজিস্টেট স্বীয় বিবেচনামতে আর যে সময় দেন তল্মধ্যে আপনাদের মীমাংসা না দেন তবে মাজিস্টেট যে আজ্ঞা উচিত বোধ করেন করিতে পারিবেন। সেই আজ্ঞা ১৪০ ধারার বিধানমতে প্রবল করা যাইবে।

১৪২ ধারা। (১) সা ারণ লোকদের আসন্ধ সন্ধটি বা গুৰুতর হানি নিবারণের গণেছ কার্যা চলন কালে জন্মে আগোণে কোন কার্যা করা আবশ্যক, যে মাজি-স্কেট ১৩৩ ধারামতে আজ্ঞা করেন তাঁহার এইরূপ বিবেচনা হইলে, পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত করিতে হইলে বা নিযুক্ত করা গেলে বা না গেলেও ঐ সন্ধট কি হানি না হইবার জন্যে কি তম্বিবারণার্থে নিষেধসূচক যজ্ঞাপ আজ্ঞা করা আবশ্যক হয় যে ব্যক্তিকে আজ্ঞা দেওয়া গেল পঞ্চায়তের নির্দিয় কিছা ঐ বিষয়ের, অন্যরূপ নিপ্তির অপেক্ষায় তাহাকে মাজিস্কেট নিংমধসূচক তদ্যপা আজ্ঞা দিতে পারিরেন।

- (২) নিষেধ সূচক সেই আজ্ঞাক্রমে যে সকল কর্ম করা আবশ্যক যদি উক্ত ব্যক্তি তৎকালেই তাহা না করে, তবে ঐ সঙ্কট না হইবার নিমিত্তে কিছা ঐ হানি নিবারণার্থে মাজিফ্রেট যে কার্য্য উপযুক্ত বিবেচনা করেন আপনি তাহা করিবেন কি করাইবেন।
- (৩) এই ধারাক্রমে মাজিফ্রেট সরল মনে যে কোন কার্য্য করেন তৎ সম্বন্ধে কোন মোকদ্দমা হইতে পারিবে না।

১৪৬ ধারা। ভারতবর্ষের দণ্ড বিধির আইনে কিম্বা কে ন বিশেষ কি ছানীয় সাধারণের অনিষ্ঠজনক কাহ্য বাবধার না হটবাব বা না চলিগাব াবণ কবিতে মাজেশেরে ক্ষমতাব কথা। কোন ব্যক্তি অনিষ্টজনক সেই কার্য্য পুনশ্চ না করে বা করিতে

না থাকে, জিলার মাজিক্টেট সাহেক কিশ্বা মহকুমার মাজিক্টেট সাহেব কিশ্বা স্থানীয় গবর্গমেন্ট কি জিলার মাজিক্টেট হইতে এতদর্থে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য কোন মাজিক্টেট তাহাকে এমত নিষেধ করিতে পারিবেন।

# ১: একাদশ অধ্যায়।

অনিউজনক বিষয় বা বিপদাশস্কা ঘটিত আবশ্যক স্থলে কিয়ৎকালীন আজ্ঞা বিষয়ক বিধি।

১৪৪ ধারা। (১) জিলার মাজিক্টেটের কি প্রধান প্রেসিডেপ্টা মাজিক্টেটের কি

অমি ই চনক বিষয় বা বিপদাশকা ঘটত আবশ্যক দ্বলে একবারে চূড়ান্ড আঞ্চা কবিবার ক্ষমতার কথা। প্রাসতে পা মাজকেতের কি মহকুমার মাজিকেটের কিছা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট কি প্রধান প্রেসিডে পী মাজিক্টেট কি জিলার মাজিক্টেট হইতে এই

ধারাক্রমে কর্ম করিতে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য কোন মাজিস্টেটের মতে যে স্থলে আপদের অগোণে নিবারণ বা তুরায় প্রতিবিধান করা বাঞ্চনীয় সেই স্থলে,

উক্ত মাজিফ্টেট যদি বিবেচনা করেন যে তিনি আজ্ঞা করিলে বৈধমতে কর্মকারী কোন ব্যক্তির বাধা কি ক্লেশ কি অপকার বা তাহা হইবার আশস্কা বা মহযের প্রাণের বা আস্থ্যের বা নিরাপতার বিদ্ধ বা দাঙ্গা বা হঙ্গুমা নিবারণ হইবার সন্তাবনা কিন্তা নিবারণের প্রব্রক্তি জন্মিতে পারে, তাহা হইলে তিনি তিম্বিয়ে প্রয়োজনীয় রভান্তগুলি বর্ণনা করিয়া লিখিত আজ্ঞা দিবেন ও তাহা ১৩৪ ধারার বিধানমতে জারী করাইয়া কোন ব্যক্তিকে কোন কর্ম না করিতে অথবা তাহার অধিকারগত কি কর্তৃত্বাধীন কোন সম্পত্তি কোন নিয়ম-মতে রাখিতে আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

- (২) অত্যাবশ্যক ছলে ও যে ছলের ভাবগতিক বিবেচনায় যাহার বিৰুদ্ধে আজ্ঞা করা যায় ভাহাকে উপযুক্ত সময়ে নোটিস দিবার অবকাশ না হয় এমত ছলে কেবল একপক্ষের কথা শুনিয়া এই ধারামত আজ্ঞা করা যাইতে পারিবে।
- (৩) এই ধারামতে বিশেষ ব্যক্তির মামে আজ্ঞা লিখিয়া দেওয়া যাইতে পারিবে কিম্বা সাধারণ লোকে কোন বিশেষ ছানে নিয়ত গমনাগমন করিলে ভাহাদের নামে সাধারণ আজ্ঞা দেওয়া ঘাইতে পারিবে।
- (৪) কোন মাজিষ্টেট কিম্বা তাঁহার অধীন কোন মাজিষ্টেট বা তাঁহার পূর্বে সেই পদধারী এই ধারামতে যে আজ্ঞা করেন তিনি তাহা রহিত কি পরিবর্ত্তিত করিতে পারিবেন।
- (৫) মহুষ্যের প্রাণের, স্বাস্থ্যের বা নিরাপ্তার হানি হইবার আশঙ্কা কিছা দালা কি হলামা হইবার স্ভাবনা হওয়াতে স্থানীয় গ্রন্মেণ্ট রাজকীয় গ্রেজেটে জ্ঞাপন-পত্র প্রকাশ করিয়া প্রকারান্তরের আজ্ঞানা দিলে, এই ধারামতে যে, কোন আজ্ঞা করা যার তাহ। আজ্ঞার তারিখ হইতে ছই মাসের অধিককাল বলবং থাকিবেনা।

### ३२ जान्म व्यक्षांत्र ।

#### হাবর সম্পত্তি সম্বন্ধীয় বিবাদ বিষয়ক বিধি।

১৪৫ ধারা। (১) জিলার মাজিফেট সাহেব কিছা
মহকুমার মাজিফেট কি প্রথম

ভূম্যাদিবিষ্যক কোন বিষাদে শান্তিভক্তের সন্তা-বনা ১ইলে কার্যাপ্রণালীর কথা।

শ্রেণীর মাজিস্টেট আপন বিচারাধীন স্থানের অন্তর্গত কোন ভূমি বা জল কি তাহার সীমা লইয়া বিবাদ হইতেছে

ও তৎপ্রযুক্ত শান্তিভঙ্গ হইবার সম্ভাবনা পোলীসের রিপোট কি অন্য সংবাদ পাইয়া ইহা ছদোধমতে জানিলে, আপন হুদোধমতে তদ্রপা জ্ঞান থাকার হেতুর রুবকারা লিখিয়া ঐ বিবাদে যাহারা লিগু থাকে সেই সকল ব্যক্তিকে আপনার আদালতে নিরূপিত সময়ের মধ্যে স্বয়ং কি উকীলের দ্বারা উপস্থিত হইয়া ঐ বিবাদীয় ভ্য্যাদির প্রকৃত দখল বিষয়ে আপন আপন দাওয়ার রুভান্ত লিখিয়া অর্পণ করিতে আজ্ঞা করিবেন।

- (২) এই ধারার প্রয়োজনার্থ " ভূমি বা জল" বলিতে বাটী, মৎস্য ধরিবার স্থান, ফসল বা ভূমি হইতে উৎপন্ন অপর দ্রব্য এবং ঐরপ কোন সম্পান্তির খাজানা কি লভ্যও বৃঝাইবে।
- (৩) সমন জারী করিবার নিমিত্ত এই আইনমতে যে প্রকারের বিধান হইয়াছে উক্ত আজ্ঞার একখানি নকল সেই প্রকারে জারী করিতে হইবে।
- (৪) উক্ত মাজিক্টেট দখল করিবার স্বত্ব বিষয়ে

  দখলে থাকিবার তদত্তের
  কথা।

  করিয়া উভয়ের অর্পিত রুভান্ত
  পাড়িয়া দেখিবেন, উভয় পাক্ষের কথা শুনিবেন,
  তাঁহারা যে সাক্ষ্য উপস্থিত করেন তাহা এহণ করিবেন,
  ঐ সাক্ষ্যের বলবভা বিবেচনা করিবেন, আর সাক্ষ্য
  লওয়া আবশ্যক বোধ হইলে তাহা লইবেন ও তদনন্তর
  সম্ভব হইলে বিবাদীয় বিষয় উপরিলিখিত আজ্ঞার
  তারিখে কোন পাক্ষের দখলে আছে কি না ও থাকিলে
  কাহার দখলে আছে এই কথার নিপাত্তি করিবেন।
- (৫) বিবাদীয় সম্পত্তি ঐ সময়ে এক পক্ষের দখলে

  যে পক্ষেব দখলে থাকে
  যাবং আইনমতে বেদখল নিষ্পত্তি করিলে. আইনের নিয়না হয তাগব দখলে থাকিনা হয তাগব দখলে থাকিকাব কথা।

  পক্ষকে যতকাল বেদখল না
  করা যায়, ততকাল ঐ বিষয় তাহার দখলে থাকিবে ও
  ততকাল তাহার দখলের কোন ব্যাঘাত না হয় এয়ত
  আক্তা করিবেন।
- (৬) যে কোন পক্ষের প্রতি উক্তরপে উপস্থিত হইবার আদেশ হয় এই ধারার কোন কথায় তাঁহার পুর্ব্বোক্ত বিবাদ নাই বা ছিল না ইহা দেখাইবার বাধা হইবে না; এবং এরূপ স্থলে মাজিফ্রেট উক্ত আজ্ঞা রহিত করিয়া তৎসংক্রান্ত অন্যান্য সমুদয় কার্য্যান্ত্রান

ছগিত করিবেন, কিন্তু ঐরপ রহিত করণের অধীনে মাজিয়েটের আজা চূড়ান্ত হইবে।

- (৭) এই ধারামত কার্য্যাস্থ্রানের কোন পক্ষের মৃত্যু হইয়াছে কেবল এই হেতুতে উক্ত কার্য্যাস্থ্রান বন্ধ হইবে না।
- ১৪৬ ধারা। (১) বিবাদীয় বিষয় তৎকালে উক্ত ব্যক্তিদের মধ্যে কাছারও দখলে বিবাদীয় বিষয় কোক নাই ঐ মাজিস্টেট ইহা নির্দ্ধার্য্য করিলে কিছা কাছার দখলে আচে সেই কথা ছাছোধমতে নিশ্চয় করিতে না পারিলে, ঐ ব্যক্তিদের অধিকার কিছা ঐ বিষয় কাছার দখলে থাকা উচিত এই কথা যতকাল উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন আদালতে নিশ্বতি করা না যায় ততকাল তিনি ঐ বিষয় কোক করিয়া ৱাখিতে পারিবেন।
- (২) মাজিউটে বিবাদায় বিষয় ক্রোক করিলে যদি বিহিত বোধ করেন তবে তরিমিউ এক জন গ্রাহক নিযুক্ত করিতে পারিবেন। মাজিউটের কর্তৃত্বাধীনে ঐ প্রাহক দেওয়ানী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক শাইনমতে নিযুক্ত গ্রাহকের সমস্ত ক্ষমতা প্রাপ্ত হইবেন।

১৪৭ ধারা। কোন পৃথস্তম্ব সমেত কোন ভূমি বা জ্বল ব্যবহার করিবার স্বত্ত লইয়া ৰাচ্ছ্দ্যভোগস্থ প্রভৃতি বিষয়ের বিবাদেব কথা। বিবাদ আছে ও তাহাতে শান্তি-

ভঙ্গ হইবার সন্তাবনা, প্রদ্ধাপ কোন মাজিফ্রেট পূর্ব্বোক্তরূপ দ্বশ্বোধ্যতে এই কথা জানিলে, ১৪৫ ধারায় যে প্রকারের বিধান হইয়াছে সেই প্রকারে ইহার ওদন্ত লইতে
পারিবেন ও যে ব্যক্তি সেই কার্য্যে আপত্তি করে অথবা
ভাষা করিবার দাওয়া করে, সে সেই কার্য্য নিবারণ
করিতে কি হুল বিশেষে, তাহা করিতে স্বত্ববান, উর্পক্ত
ক্ষমতাপন্ধ আদালতের এইরূপ নিশান্তি যতকাল না
হয় ওতকাল ঐ শ্বত্ব কাহারও আছে বলিয়া মাজিফ্রেট
সাহেবের বোধ হইলে ঐ মাজিফ্রেট উক্ত কার্য্য করিতে
অন্থমতি দিতে কিন্ধা স্থলবিশেষে তাহা না করিবার
আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

কিন্ধু যদি তদ্রপ কার্য্য করিবার অধিকারমতে বারমানই কার্য্য হইতে পারে, তবে সেই তদন্তের অন্ধান

হইবার তারিখের পূর্কে তিন মানের মধ্যে ঐ অধিকারক্রমে কার্য্য না ইইয়া থাকিলে অথবা যদি বংসরের কালবিশেষে ঐ অধিকারমতে কার্য্য ইইয়া থাকে
তবে উক্ত রূপ অন্ধান হইবার পর্কে শেষবার উক্ত
রূপ যে কাল উপস্থিত হয় সেই কালের মধ্যে ঐ অধিকারক্রমে কার্য্য না ইইয়া থাকিলে, মাজিফেট এই
ধারামত কোন কার্য্য করিবার অন্থমতি সূচক কোন
আক্রা করিবেন না।

38৮ ধারা। (১) এই অধ্যায়ের কার্য্যপক্ষে স্থানীয়
তদস্ত লওয়া আবশ্যক
ভানীয় তদস্ত লইবার হইলে, কোন জিলার কি
ক্ষা।
যহকুমার মাজিটেট আপানার
ভ্রীন কোন মাজিটেটকে ঐ তদস্ত লইবার জন্যে পাঠা-

ইতে পারিবেন, ও তাঁহার কার্য্য পদ্ধতি দশ্হিবার জন্যে যে উপদেশ আবশ্যক বোধ হয় তাঁহাকে সেই উপদেশ লিখিয়া দিডে পারিবেন ও সেই তদম্ভ লইবার সমস্ত খরচ কিম্বা তাহার কোন অংশ কাহার দিতে হইবে ইহা ব্যক্ত করিতে পারিবেন।

- (২) যে ব্যক্তিকে ঐ রূপে পাঠান যায়, তাঁহার রিপোর্ট মোকদ্দমায় সাক্ষ্যস্বরূপ পঠিত হইতে পারিবে।
- (৩) এই অন্যায়মত কার্য্যাস্থানের কোন পক্ষ শ্বচা বিষয়ে আজ্ঞার ঐ উজয় বলিয়া কোন খরচ করা।

  করিলে যে মাজিফেট ১৪৫ কি ১৪৬ কি ১৪৭ ধারামতে নিপত্তি করেন, তিনি কে ঐ খরচ দিবে, উক্ত কার্য্যাস্থানের ঐ পক্ষ বা অন্য কোন পক্ষ, এবং সমস্ত বা কি অংশ বা পরিমাণ দিবে, এই বিষয়ে আজ্ঞা করিতে পারিবেন। ঐরপে যে খরচ দিবার আজ্ঞা হয়, তাহা অর্থদণ্ডের ন্যায় আদায় করা হাইতে পারিবে।

### ১৩ ত্রয়োদশ অধ্যায়।

পোলীদের নিবারণাত্মক কার্য্য বিষয়ক বিধি।

১৪৯ ধারা। পোলীসের প্রত্যেক জন কর্মচারী
ধর্ত্তব্য অপরাধ নিবারণ করধর্ত্তব্য অপরাধ নিবারণ করগার্থে হস্তক্ষেপ করিতে পারিকথা।
বন এবং যথাসাধ্য তাহা
নিবারণ করিবেন।

১৫০ থারা। পোলীদের কোন কর্মচারী ধর্তব্য কোন অরপাধ করিবার কম্প-নার স্থাদ পাইলে ভাষাব কথা। পোলীদের যে কর্মচারির অধীন থাকেন তাঁছাকে ও অন্য যে কর্মচারির তদ্রুপ অপরাধ নিবারণ কিম্বা ভাষার অন্থ-সম্বান করা কর্তব্য তাঁহাকে দেই কথা জ্ঞাত করিবেন।

১৫১ ধারা। পোলীসের কোন কর্মচারী ধর্তব্য কোন অপারাধ করিবার কম্পা-ঐ অপরাধ নিমাবনার্থে নার কথা অবগত হইলে যদি ধৃত কবিবার ক্পা। দেই কম্পনাকারী ব্যক্তিকে ধৃত না করিলে ঐ অপারাধ নিবারণ হইতে পারে না বলিয়া তাঁহার বোধ হয়, তবে ঐ কর্মচারী মাজিস্টেটের আজ্ঞা ও ওয়ারন্ট বিনা ঐ কম্পনাকারী ব্যক্তিকে ধৃত করিতে পারিবেন।

১৫২ ধারা। পোলীদের কর্মচারির দৃষ্টি গোচরে রাজকীয় দম্পত্তির হানি নিবারণের কথা।
করিবার উদ্যোগ করা গেলে থ কর্মচারী ভাষা নিবারণার্থে, কিল্পা রাজকীয় কোন ভূমির চিক্ল কি বয়া কি নৌকাদির পথ দশ্ভিবার অন্য চিষ্ণ স্থানান্তর করা কি তাহার হানি করা নিবারণার্থে, স্থায় ক্ষমতাক্রমে প্রতিবন্ধক হইতে পারিবেন।

১৫৩ ধারা। (১) কোন ছানে অপ্রক্রন্ত কোন বাটবাটখার। ও মাণিবার
যুদ্রাদি দৃষ্টি কবিবার কথা।
পালি প্রভৃতি আছে পোলীস
খানার অধ্যক্ষের ইহা জানিবার
কারণ থাকিলে, তিনি বিনা পরওয়ানায় আপন
ধানার এলাকার অন্তর্গত ঐ ছানে ব্যবহৃত কি
রক্ষিত সেই বাটখারা কি মাপিবার, গজ, কাঠা, পালি
প্রভৃতি দৃষ্টি করিবার কিছা অন্তেষণ করিবার জানৈর ঐ
ছানে প্রবেশ করিতে পারিবেন।

(২) সেই স্থানে অপ্রক্লান্ত কোন বাটখারা কি মাপি বার গজ, কাঠা, পালি প্রভৃতি পাইলে তিনি তাহা লইয়া যে মাজিস্টেটের বিচারাধিকার থাকে তাঁহাকে অগোণে আপনার ঐ দ্রব্য ধরিবার সন্থাদ দিবেন।

# পঞ্চম খণ্ড।

পোলীসে সংবাদ দিবার ও তাহাদের অহ্সন্ধান করিবার ক্ষমতার বিধি।

# ১৪ চতুর্দ্দশ অধ্যায়।

১৫৪ ধারা। পোলীস থানার অধ্যক্ষের নিকট
ধর্তব্য মোকদ্মান দংবাদ
দিবান কথা।

তাহা তৎকর্তৃক বা তাঁহার
আদেশমতে লিখিয়া লওয়া যাইবে ও সংবাদ দাতাকে
পার্ডয়া শুনান ঘাইবে ও ঐ সংবাদ লিখিয়াই দেওয়া
হউক বা পুর্নোক্ষমতে লিখিয়াই লওয়া হউক যে ব্যক্তি
সংবাদ দেন তিনি তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন। পোলীসের ঐ কর্মচারির নিকট এক খান বহী থাকিবে, তন্মধ্যে
স্থানীর গাবর্ণমেণ্ট যে পাঠ নির্দ্দিউ করেন সেই পাঠে
ঐ সংবাদের মর্ম্ম লেখা ঘাইবে।

১৫৫ ধারা। (১) যে অপারাধ পোলীসের ধর্ত্ব্য অধর্ত্তব্য মোকদ্দমার সংবাদ দিবার কথা।

অপারাধ করা গিয়াছে বলিয়া

তাঁছার নিকট সংবাদ দেওয়া গেলে তিনি পুর্পোক্তমতে যে বঁহী রাখা যায় ভাছাতে সংবাদের মর্ম্ম লিখিবেন ও সংবাদদাতাকে মাজিফ্টেটের নিকট যাইতে বলিবেন।

(২) অধর্ত্তর মোকদ্দমায় পোলীদের কর্মচারী উক্ত অধর্ত্তর মোক্দমার অফ্ সন্ধান লইবাব কথা।
কি তাহা বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতাপদ্ম প্রথম কি দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিস্টেটের কিয়া প্রেসিডেন্দী মাজি-ফ্রেটের আজ্ঞা না পাইর্মী ঐ মোক্দমার অন্নসন্ধান লইবেন না। (৩) পোলীস থানার অধ্যক্ষ ধর্তব্য মোকদ্দমায় অহুসন্ধান সইবার যেং ক্ষমভামতে কার্য্য করিতে পারেন তদ্রপ আজ্ঞা পাইলে ওয়ারন্ট রিনা ধ্বত করিবার ক্ষমতা ভিন্ন পোলীসের কোন কর্মচারির অহুসন্ধান সইবার সেইং ক্ষমতা থাকিবে।

১৫৬ ধারা। (১) পোলীস থানার অধ্যক্ষ মার্জিফ্রে-ধর্ত্তর মোক্ষমান্ত অফ্-সদ্ধান লইবার কথা।

সের ধর্ত্তব্য এমন কোন মোক-দ্দমার অনুসন্ধান লইতে পারি-

বেন যৎসম্পর্কে উক্ত থানার এলাকার উপর বিচারাধি-কার প্রাপ্ত কোন আদালত ১৫ অধ্যায়ের তদন্তের কি বিচারের স্থান বিষয়ক বিধানমতে তদন্ত লইতে কি বিচার করিতে পারিবেন।

- (২) তাঁহার উক্ত প্রকারে কার্যাস্থ্র্টানের কোন সময়ে উক্ত কর্মচারী এই ধারামতে ঐ যোকন্দমার অহ-সন্ধান করিতে পারেন না বলিয়া দেই কার্য্যের বিষয়ে আপত্তি করা ঘাইতে পারিবে না।
- (৩) ১৯০ ধারামতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন মাজিফ্রেট উপরি লিখিত মত কোন অহুসন্ধান হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

১৫৭ ধারা। (১) পোলীস থানার অধ্যক্ষ ১৫৬ ধারামতে যে অপরাধের অভ্-ধর্ত্তর্য অপরাধ সংঘটনেব সন্ধান লইতে পারেন কোন সংবাদ পাইয়া কি প্রকারাস্ত্ররে তাঁহার এমত অপরাধ সংঘট-

নের সন্দেহ হইলে, তিনি পোলীস রিপোর্টক্রমে উক্ত অপরাধের বিচার করিবার ক্ষমতাপন্ধ মাজিস্টেটের নিকট ঐ অপরাধের রিপোর্ট অবিলয়ে পাঠাইয়া সেই বিষয়ের রতান্তের ও প্রাপর ঘটনার অমৃশন্ধান লইবার নিমিত্ত এবং অপরাধীর সন্ধান লইবার ও তাহাকে ধরিবার জন্য যাহা আবশ্যক হয় তাহা করিবার নিমিত্ত আপনি সরেজমীনে যাইবেন কিম্বা আপনার অধীনে কোন কর্মচারিকে পাটাইবেন।

প্রপ্ত (ক) কোন ব্যক্তির নামে অপ্রাধ করিবার সংবাদ দেওয়া গেলে যদি গুরু-বাব স্থলের কথা।

থাকে, তবে অসুসন্ধান লইবার জন্যে পোলাস থানার অধ্যক্ষের স্বয়ং দেই স্থানে যাই-বার কিম্বা অধান কর্মচারিকে পাঠাইবার প্রয়োজন নাই।

খানার অধ্যক্ষ এমত বোধ
পালীদ থানাব অধ্যক্ষ
অনুদদ্ধান লইবাব বিশিপ্ত
হেতুন,দেখিলে তাহাব কথা।
করিবেন এবং যদি কেহ নালিশ
কারী থাকে তবে তাহাকে যাহা করিলেন তাহা জানাই
বেন।

(২) ১ প্রকরণের নিয়মবিধির (ক) ও (খ) দকার উল্লিখিত এইরূপ প্রত্যেক স্থলে পোলীস থানার অধ্যক্ষ ঐ প্রকরণের আদেশগুলি সম্পূর্ণরূপে পালন না করি-বার হেতু আপনার ঐ রিপোর্টে লিখিবেন।

১৫৮ ধারা। (১) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সাধারণ কি
বিশেষ আজ্ঞা করিয়া এই
কার্য্যের নিমন্ত পোলীদের উচ্চকিরণে পাঠাইতে ইইবে
তাহার কগা।
পদস্থ যে কর্মচারিকে নিযুক্ত
করেন স্থানীয় গবর্ণমেন্ট আদেশ

করিলে, ১৫৭ ধারামতে যে প্রভ্যেক রিপোর্ট মাজিক্টেটর নিকট পাঠান যায় ভাহা তাঁহারই দ্বারা পাঠাইতে হইবে।

(২) উক্ত উচ্চপদস্থ কর্মচারী পোলীস ধানার অধ্যক্ষকে যে আদেশ করা উপযুক্ত জ্ঞান করেন জাহা করিয়া ঐ রিপোর্টের উপর সেই আদেশ লিখিয়া অবি-লম্বে মাজিট্রেটের নিকেট পাঠাইবেন।

১৫৯ ধারা। উক্ত মাজিস্টেট তদ্রূপ রিপোর্ট পাইলে আপনার উচিত বোধ হইলে, অগুসদ্ধান বা প্রথম ক্ষমতার কথা।
করিবার জন্য কিন্তা ঐ বিষয় লইয়া অন্য যে কর্ম করা উচিত এই আইনের নির্দিষ্টমতে তাহা করিবার জন্য আপনি প্ররত্ত হইতে পারিবেন, কিন্তা আপনার অধীন কোন মাজিফ্রেটকে পাঠাইতে পারিবেন।

১৬° ধারা। পোলীসের যে কর্মচারী এই অধ্যায়-মতে অস্থসন্ধান লন তিনি যে দাক্ষীদিগকে উপন্থিত ক্রাইতে পোলীদের কর্ম-চারির ক্ষমতার কথা।
তাহার লাগাও অন্য এলাকার

দামার মধ্যবর্ত্তী কোন ব্যক্তি দেই ব্যাপারের প্র্রাপর ঘটনা অবগত আছে, প্রাপ্ত সংবাদক্রমে কি প্রকারান্তরে এমত বোধ করিলে, তিনি অম্বজ্ঞাপত লিখিয়। দেই ব্যক্তিকে আপনার সমুখে উপস্থিত হইবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন; ও দেই ব্যক্তির দেই আজ্ঞামতে উপস্থিত হইতে ইইবে।

কিন্তু কোন পর্দানশিন দ্বীলোকের উপস্থিত হইবার প্রয়োজন হইলে, ঐ বিষয় জিলার কি মহকুমার মাজি-ক্টেটের আজ্ঞার নিমিত্ত অর্পণ করিতে হইবে।

১৬১ ধারা। (১) পোলীদের কোন কর্মচারী যে

মোকদ্দমার এই অধ্যায়মতে
পোলীদের ধারা দাক্ষী অনুসন্ধান লইতেছেন, কোন
দেব দাক্ষ্য গ্রুংণের কথা।
ব্যক্তি দেই মোকদ্দমার রক্তান্ত
ও পূর্ব্বাপর ঘটনা জ্ঞাত আছে এমত অনুমান হইলে,
ভিনি দেই ব্যক্তির বাচনিক সাক্ষ্য গ্রহণ করিতে পারিবেন. ও সেইরপে যাহার সাক্ষ্য লওয়া ধায় তাহার
উক্তি লিখিয়া লইতে পারিবেন।

(২) যে প্রশোর উত্তর দিলে দেই ব্যক্তির নামে কোজদারী অভিযোগ হইতে পারে কি তাহার অর্থদণ্ড কি সম্পত্তি দণ্ড হইতে পারে তন্তিয় উক্ত কর্মচারী দেই

ব্যাপার বিষয়ে যত প্রশ্ন করেন তাহার সেই প্রশ্নের যথার্থ উত্তর দিতেই হইবে।

১৬২ ধারা (১) এই অধ্যায়মত অহুসন্ধান কালে কোন
পোলীদের নিকট যে
উক্তি করা যায় তালাতে
বাকর করিতে ন হইবার
ও তালা নাক্ষাস্থরণ থাল্য
না হইবার কথা।

সেই উক্তিকারকের আক্ষর
করিতে হইবে না কিয়া উক্তিকারকের বিরুদ্ধে ১৭২
ধারার ক্রিদ্দিউ প্রকারে ও পরিমাণে ভিন্ন সাক্ষাস্থরণ বা
আমৃষ্ঠানিক কার্য্যস্করপ তালার ব্যবহার হইবে না।

(২) এই ধারার কোন কথাক্ষে ভারতবর্ষীয় সাক্ষ্য বিষয়ক ১৮৭২ সালের আইনের ২৭ ধারার বিধানের কোন বিশ্ব হইল এরপ জ্ঞান করিতে হইবে না।

১৬৩ ধারা। (১) পোলাসের কোন কর্মচারী কি
প্রান্ত না দিবাব কথা।

অপনি বা অপর কাহার দ্বারা
ভারতবর্ষীয় সাক্ষ্যবিষয়ক ১৮৭২ সালের আইনের ২৪
ধারার উলিখিত মত কোন প্রবৃত্তি দিবেন না কি ভয়
দেখাইবেন না কি অঙ্গীকার করিবেন না।

(২) কিন্তু এই অধ্যায়মত অভ্নসন্ধানকালে কোন ব্যক্তি ইচ্ছা করিয়া কোন কথা প্রকাশ করিতে চাহিলে পোলীসের কর্মচারী কি অন্য ব্যক্তি তাহাকে সতর্ক করিয়া কিন্না অন্য কোন প্রকারে সেই কথা প্রকাশ করিতে বারণ করিবেন না।

১৬৪ ধার:। (১) এই অধ্যায়মত অত্নসন্ধান কালে
কিমা তাহার পার তদন্ত বা
উক্তি ও খীকায় বাক্য বিচার আরম্ভ হইবার পূর্বের
লিপিবদ্ধ করিবাব ক্ষমতাব
কথা।
পোলীদের কর্মচারী না হইলে
কোন উক্তি বা খীকার বাক্য লিপিবদ্ধ করিতে পারিবেন।

- (২) সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করিবার যেং প্রকারের বিধান পশ্চাৎ নির্দিষ্ট হইল ঐ উক্তি মোকদ্দমার অবস্থা ধরিয়া তন্মধ্যে যাহা তাঁহার মতে সর্বোৎক্রন্ট বোধ হয় সেই প্রকারে লিপিবর্দ্ধ করা যাইবে। তদ্রুপ স্বীকারবাক্য ৩৬৪ ধারার নির্দ্দিষ্টমতে লিপিবদ্ধ ও স্বাক্ষরিত হইবে ও যে মাজিক্রেট ঐ মোকদ্দমার তদন্ত লইবেন কি বিচার করিবেন তাঁহার নিকট পাঠান যাইবে।
- (৩) স্বেচ্ছাক্রমে স্বীকার করা গেল মাজিস্টেট স্বীকারকারিকে প্রশ্ন করিয়া এমত জানিবার কারণ না পাইলে ঐরপ কোন স্বীকারবাক্য লিপিবদ্ধ করিবেন না; ও তিনি কোন স্বীকারবাক্য লিপিবদ্ধ করিলে ঐ লিপির নিম্নভাগে এই মর্মের কথা লিখিবেন।—

'এই স্বীকারবাক্য স্বেচ্ছাক্রমে করা গিয়াছে আমার এই বিশ্বাস। ইহা আমার সাক্ষাতে ও শ্রুতিগোচরে গৃহীত হইয়াছে ও যে ব্যক্তি শ্রীকার করে, ভাছাকে ইহা পড়াইয়া শুনান যায় এবং সে ইহা ঠিক বলিয়া আহা করে এবং সেই ব্যক্তি যে উক্তি করে ইহাতে তাহার সম্পূর্ণ ও প্রক্রুত বিবরণ আছে।

> (স্থাক্ষর) শ্রীসমূক মাজিফ্টেট।"

ব্যাখ্যা।—যে যাজিস্কেট কোন স্বীকারবাক্য বা উক্তি গ্রহণ করিয়া লিপিবদ্ধ করেন ছাঁহাকে যে ঐ মোকদমায় বচারাধিকার প্রাপ্ত মাজিক্টেট হইতে হইবে ইহা আবৃশ্যক নহে।

১৬৫ ধারা ৷ (১) পোলীদ খানার অধাক <del>\*</del>কিমা পোলাদের যে কর্মচারী অহা-পোলীদ কৰ্মচারিব ছারা সন্ধান লইতেছেন তিনি যে छलाटन्य क्श्री। অপরানের অভ্নন্ধান লইতে ক্ষমতাপন্ন হন তাহার অহুসন্ধানার্থে কোন দলীল বা অনা দ্রব্য উপস্থিত করা আবশ্যক বোধ করিলে, এবং ১৪ ধারামতে যে ব্যক্তির নামে সমন বা আজ্ঞাপ এ দেওয়া গিয়াছে বা দেওয়া ঘাইতে পারে সেই ব্যক্তি সমনের বা আজ্ঞাপত্তের আদেশমতে ঐ দলীল বা অন্য দ্রব্য উপস্থিত করিবে **ন। এরূপ বিশ্বাস করিবার কার**ণ খাকিলে, কিম্বা ঐ দদীল বা অন্য দ্রব্য কোন ব্যক্তির অধিকারে আছে বলিয়া জানা না থাকিলে ভিনি ষে ধানার অধাক্ষতাভার প্রাপ্ত হন কি যে থানায় নিযুক্ত খাকেন ঐ খানার এলাকার অন্তর্গত কোন স্থানে সেই দ্রবের গম্বেষণ করিতে কি করাইতে পারিবেন।

- (২) উক্ত কর্মচারী পারিলে আপনি ঐ দ্রব্য অন্থে-ষণের কার্য্য নির্ন্ধাঃ করিবেন।
- (৩) আপনি তাহা করিতে না পারিলে ও তৎকালে দেই অবেষণ করিবার ক্ষমতাপন্ন অন্য ব্যক্তি উপস্থিত না থাকিলে তিনি আপানার অধীন কোন কর্মচারির প্রতি ঐ অন্যেষণ করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন, ও সেই কর্মচারিকে আজ্ঞাপত্র দিয়া যে স্থানে যে দলীল বা অন্য দ্রন্যের অন্থেষণ করিতে হইবে তাহা নির্দেশ করিয়া লিখিবেন: ঐ অধীন কর্মচারী তাহা হইলে ঐ স্থানে ও দ্রব্যের অন্থেষণ করিতে পারিবেন।
- . (৪) এই আইনে তলাশী পরওয়ানা সম্বন্ধে যেং বিধান আছে তাহা এই ধারামত অন্মেষণের কান্যের প্রতি, যত দুর সম্ভব বর্তিরে।

১৬৬ ধারা ৷ (১) কোন পোলীন থানার অধ্যক্ষ

যে স্থলে পোলীম পানার এক অধ্যক্ষ ৩-৪ তটেক্ষকে তলালী পর ওসাল দিবার আদেশ কণিতে পারেবেন ভাহার কথা। গে গুলে আপান থানার এলাকাব মধ্যে অন্নেষণ করাইতে
ক্ষমতাপাম হনসেই গুলে আপান
কি অন্য জিলার অন্য পোলীস
থানার অধ্যক্ষকে কোন ছানে
কোন দ্রব্যের অন্যেষণ করাই-

বার আদেশ করিতে পারিবেন।

(१) উক্ত কর্মচারী তদ্রপ আজ্ঞা পাইলে ১৬৫ ধারার বিধানমতে কার্য্য করিবেন ও ঐ দ্রব্য পাইলে যে কর্মচারির স্থাদেশমতে তলাশ করিলেন তাঁহার নিকট পাঠাইবেন।

১৬৭ ধারা। (১) ৬১ ধারার নির্দ্দিন্ট চিকাশ ঘন্টার
চিকাশ ঘন্টার মধ্যে অনুসদ্ধান সমান্ত ছইতে না নের কার্য্য সমাপ্ত ছইতে
পাবিলে কার্য্যপ্রধালীর পারিবে না দৃষ্ট ছইকেই এবং
কথা।
অভিযোগ বা সম্বাদ সমুলক
জ্ঞান করিবার হেতু থাকিলে, পোলীস থানার অধ্যক্ষ
নিকটন্থ মাজিক্টেটের নিকট পাশ্চালিখিত বিধানমত
মোকদ্দমা সংক্রান্ত রোজনামচার লিখিত কথার নকল
অবিলম্বে পাঠাইবেন এবং তৎকালেই অভিযুক্ত ব্যক্তিকে
(যদি কেছ থাকে) ঐ মাজিক্টেটের নিকট পাঠাইবেন 1

- (২) যে যা জা ফ্রাটের নিকট অভিযুক্ত ব্যক্তিকে এই ধারামতে পাঠান যায় তাঁহার উক্ত মোকদ্দমার বিচার করিবার ক্ষমতা থাকুক বাং না খাকুক তিনি সময়েং যেরূপ হেফাজতে উচিত বােধ করেন সেইরূপে হেফাজতে মােটে ১৫ দিনের অনধিক কাল অভিযুক্ত ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাথিবার অভ্যমতি দিতে পারিবন। যদি তাঁহার বিচার করিবার কি বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতা না থাকে, এবং তিনি আর আটক করিয়া রাখা অনাবশ্যক বিবেচনা করেন তবে তিনি উক্তরূপ ক্ষমতাপন্ন মাজিফ্রেটের নিকটে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে পাঠাইয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
- (৩) কে:ন মাজিষ্টেট এই ধারামতে পোলীদের হফ।জতে আটক করিয়া রাখিবার অভ্নতি দিলে যেং কারণে দেই অভ্নতি দেন তাহা লিপিবদ্ধ করিবেন।
- (৪) জিলার মাজিফ্রেট কিম্বা মহকুমার মাজিফ্রেট ভিন্ন অন্য কোন মাজিফ্রেট সেই আজ্ঞা করিলে তিনি যে মাজিফ্রেটের অব্যবহিত অধীন তাঁহার নিকট সেই আজ্ঞা করিবার হেতুপত্র সহিত সেই আজ্ঞার প্রতিলিপি প্রেরণ করিবেন।

১৬৮ ধারা। পোলীদের অধঃস্থ কোন কর্মচারী
এই অধ্যায়মতে অস্পদ্ধান
অধানত শেলাস কর্ম লইলে পোলীস থানার অধান
চারী ৮০০ অস্পদ্ধানের
বিপোটের কথা।
কল বিষয়ক রিপোর্ট দিবেন।

১৬৯ ধারা I (১) যে প্রমাণ কি যজ্ঞপ সংশয় থাকিলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মাজি-প্রমাণের নানতা ছটনে ক্রেটের নিকটে পাঠান যাইডে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মুক্ত ক্রিমান ন্যা:

আতি প্রক্রিকার নাম ক্রিকার যুক্তি-

মত হেতৃ নাই পোলাল থান ল অধ্যক্ষ এই অধ্যায়মত অন্ধ্যক্ষান লইয়া এরপ বোধ করিলে, যদি উক্ত ব্যক্তি হাজতে থাকে তাহার নিকট জামিন সহ কি জামিন বিনা যক্ত্রপ আদেশ করেন ত্তুরূপ এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখাইয়া লইয়া তাহাকে ছাড়িয়া দিবেন যে, সে যদি ও যখন আদেশ হয়. পোলীসের রিপোর্টক্রমে উক্ত অপরাধ গ্রাহ্য করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার করিবার বা তাহাকে বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতাপন্ন মাজিক্টের সন্মুখে উপস্থিত হইবে।

(২) মাজিক্টেট বিহিত বোধ করিলে ঐ নিবন্ধপত্র রহিত করিতে পারিবেন অথবা ঐ বিষয়ে অপর যেরূপ আজ্ঞা করা ন্যায়্য িবেচনা করেন তদ্রূপ আজ্ঞা করিতে পারিবেন্।

১৭০ ধারা। (১) এই অধ্যায়মত অহ্নসন্ধান লইয়া
পোলীস খানার অধ্যক্ষের যদি
উপযুক্ত প্রমাণ পাবিলে এরূপ বোধ হয়, যে পূর্ব্বোক্ত-মোক্ষম। মালিটেটেব নিকটে পাঠাইবার কথা।
মত হেতু আছে, তাহা হইলে

পোলীস থানার অধ্যক্ষ ঐ ব্যক্তিকে প্রহারর জিন্মায় দিয়া পোলীসের রিপোটক্রমে উক্ত অপরাধ গ্রাহ্য করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার করিবার কিম্বা তাহাকে বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতাপন্ধ মাজিফ্রেটের নিকটে পাঠাইবেন, অথবা যে অপরাধের অভিযোগ হয় তাহার নিমিন্ত জামিন লওয়া যাইতে পারিলে ও অভিযুক্ত ব্যক্তি জামিন দিতে সক্ষম হইলে নিরূপিত দিনে সেই মাজিফ্রেটের সমুখে উপস্থিত হইবার ও যত কাল প্রকারান্তরের আজ্ঞা না হয় ততকাল দিন দিন উপস্থিত থাকিবার জামিন তাহার নিকট হইতে লইবেন।

- (২) যখন পোলীস থানার অধ্যক্ষ এই ধারামতে কোন অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মাজিক্টেটের নিকটে পাঠান কিয়া তাহার স্থানে উক্ত মাজিক্টেটের সমুখে উপস্থিত হইবার জামিন লন, তিনি যে অন্ত কি অন্য ক্রব্য উক্ত মাজিক্টেটের সমুখে উপস্থিত করা আবশ্যক বোধ করেন তাহাও তৎকালে পাঠাইবেন, এবং বাদী থাকিলে সেও যাহারা সেই ব্যাপারের পূর্বাপির ঘটনা জানে বালিয়া বোধ হয় তাহাদের মধ্যে যত ব্যক্তির উপস্থিত হওয়া আবশ্যক জ্ঞান করেন তাহারা ঐ মাজিক্টেটের সমুখে উপস্থিত হওয়া নিবন্ধপত্রের আদেশমত সময়ে ও প্রকারে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিক্তমে তাভিয়ো বিষয়ে নালিশ চালাইবে কি স্থল বিশেষে, সাক্ষ্য দিবে তাহাদের প্রতি এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আদেশ করিবেন।
- (৬) নিবন্ধপত্তে জিলার মাজিষ্টেটের কিন্তা মহকুমার মাজিষ্টেটের আদালতের উল্লেখ থাকিলে ঐ
  মাজিষ্টেট অন্য যে আদালতের বারা তদন্ত লইবার
  কি বিচার হইবার নিমিত্ত মোকদ্দমা প্রেরণ করেন
  উল্লিখিত আদালতের মধ্যে দেই আদালতও গণ্য হইবে।
  কিন্তু ঐ বাদিকে কি ব্যক্তিদিগকে তদ্রাপ প্রেরণের
  নোটিদ দিতে ইইবে।
- (४) অভিযুক্ত ব্যক্তির স্থানে হ জিরজামিন লওয়া গোলে তাহার যে দিনে উপস্থিত হইতে হইবে সেই দিন, কিম্বা প্রহরির জিম্মায় আহাকে চালান করিতে হইলে মাজিস্টেটের কাছারীতে ভাহার যে দিনে পঁছছিবার সম্ভাবনা সেই দিন, এই ধারামতে নির্মাপিত দিন হইবে।

দিবেম, ও পরে মাজিফেটের নিকট আপম রিপোর্টের সঙ্গে মূলপত্র পাঠাইবেম।

১৭১ ধারা। মাজিস্টেটের কাছারীতে বাদিদের কি
সাক্ষীদের যাইবার সময়ে,
বাদিদের কি সাক্ষীদের
পোলীদের কর্মচাবির সঙ্গে
না যাইতে হইবার কথা।

সাজে যাইতে আদেশ হইবে
না.

কিম্বা কোন বাদীকে কি সাক্ষীকে অনাবশকেরপ বাজ্রিগনে ও সাক্ষী-দিগকে আটক কবিয়া বাখা কি ক্লেশ দিগকে আটক কবিয়া না দেওয়া যাইবে না ও নিজ রাধিবাব কথা। প্রতিজ্ঞামত নিবন্ধ ভিন্ন তাহা দের উপস্থিত হইবার অন্য জামিন দিতে আদেশ ইইবে না।

কিন্তু কোন বাদী কি সাক্ষী উপস্থিত হইতে কিন্তু।
বাদী না সাক্ষী স্বীকাৰ
না কবিলে এগবিৰ জিম্মায় লিখিয়া দিতে স্থীকার না
প্রেবিত হইবাৰ কথা।
করিলে, পোলীস থানার তথ্যক্ষ
তাহাকে প্রহরির জিম্মায় দিয়া

মাজিফেটের নিকটে পাগৈইতে পারিবেন। তাহা হইলে সে যত কাল ঐ নিবন্ধপত্র লিখিয়া না দেয়, কিম্বা সেই মোকদ্দমার শ্রাবণ কার্য্য থত কাল সমাপ্ত না হয় মাজিফ্রেট ততকাল ঐ বাদীকে কি সাক্ষীকে আটক করিয়া রাখিতে পারিবেন।

১৭২ ধারা। (১) পোলীদের যে কর্মচারী এই
অনুসদ্ধান পার্যার বোলনামচার কথা।
তিনি তৎসম্পর্কে দিনং যে
কার্য্য করেন তাহার রক্তান্ত
রোজনামচায় লিখিবেন, অর্থাৎ অপরাধের সম্বাদ যে
সময়ে তাঁহার নিকটে পঁছছে ও তিনি অনুসদ্ধানের
কার্য্য যে সময়ে আরম্ভ ও যে সময়ে সমাপ্ত করেন ও
যে স্থানে কি যেং স্থানে যান ও অনুসদ্ধান ধারা থে
সকল রক্তান্ত অবগত হন, তাহার বিবরণ লিখিবেন।

(২) কেজিদারী কোন আদালতে মোকদ্দমার তদন্ত লওন কি বিচার করণ সময়ে ঐ আদালত পোলীদের দেই মোকদ্দমা বিষয়ক রোজনামচা আনাইয়া আপনার তদন্ত দইবার কি বিচার করিবার সাহায্যার্থে ঐ রোজ-নাম গর ব্যবহার করিতে পারিবেন, সাক্ষ্যস্বরূপ নহে। অভিযুক্ত ব্যক্তির কিম্বা ভাহার পক্ষ মোথ্যারদের তাহা আনাইবার অধিকার নাই; এবং আদালত ঐ রোজ-নামচার ব্যবহার করিয়াছেন এই মাত্র কারণে ভাহার কি ভাহাদের সেই রোজনামচা দেখিবার অধিকার থাকিবে না। কিন্তু পোলীদের যে কর্মচারী ভাষা লিখিলেন তিনি যদি স্মরণশক্তির উপকারার্থে তাহার ব্যবহার করিয়া খাকেন কিন্তা আদালত যদি পোলীদের ঐ কর্মচারির কথা খণ্ডাইবার জন্য ভাহার ব্যবহার করিয়া ধাকেন, তবে ভারতবর্ষীয় দাক্যবিষয়ক ১৮৭২ দালের আইনের ১৬১ •ধারার বা স্থলবিলেষে ১৪৫ ধারার বিধান তৎপ্রতি বর্তিবে।

১'৭৩ ধারা। (১) অনাবশ্যক বিলম্ব না করিয়া এই অধ্যায়মত অহুসন্ধানের কার্য্য পোলীদের কর্মচারির সমাপ্ত করিতে হইবে। সমাপ্ত বিপোটেব কথা। হইলে পোলীস ধানার অধ্য-ক্ষতা ভারপ্রাপ্ত যে কর্মচারী ঐ অমুসন্ধান লন তিনি ছানীয় গবর্ণমেন্টের নির্দ্ধিষ্ট প্রাঠে রিপোর্ট লিখিয়া পোলীদের রিপোর্টক্রমে উক্ত শপরাধের বিচার করি-বার ক্ষমতাপন্ন মাজিফ্রেটের নিকটে পাঠাইবেন। উভয় পক্ষের নাম, ও যে সংবাদ পান তাহার ভাব ও যাহারা সেই ব্যাপারের পূর্বাপর ঘটনা জ্ঞানে বলিয়া বোধ হয় ভাহাদের নাম ঐ রিপোর্টে লেখা খাকিবে ও তাহাতে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে প্রহরির জিম্মায় পাঠান গিয়াছে, কিম্বা তাহার স্থানে জামিনসহ কি জামিন বিনা নিবন্ধপত্ৰ লেখাইয়া লইয়া তাহাকে ছাড়িয়া দেওয়া গিয়াছে এই কণ্ণাও লিখিতে হইবে।

- (২) ১৫৮ ধারামতে উচ্চপদস্থ পোলীদের কোন কর্মচারী নিযুক্ত হইলে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট যে কোন স্থলে সাধারণ বা বিশেষ আজ্ঞাক্রমে তদ্রপ আদেশ করেন সেইং স্থলে ঐ রিপোর্ট উক্ত কর্মচারির হস্ত দিয়া পাঠাইতে হইবে এবং তিনি মাজিক্টেটের আজ্ঞার অপে-ক্ষায় আরো অহুসন্ধানের নিমিত্ত পোলীস ধানার অধ্য-ক্ষের প্রতি আদেশ দিতে পারিবেন।
- (৩) এই ধারামতে যে রিপোর্ট পাঠান যায় তাহা হইতে যদি দৃষ্ট হয় যে অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনি নিবন্ধ-পত্র লিখিয়। দিয়া মুক্ত হইয়াছে, তবে মাজিফ্রেট ঐ নিবন্ধপত্র রহিত করিবার বা প্রকারান্তরের যে জাজা করা বিহিত্তবোধ করেন করিবেন।
- ১৭৪ ধারা। (১) প্রভ্যেক পোলীস থানার অধ্যক্ষ আখ্রুগতা প্রভৃতিব ভদন্ত ও স্থানীয় গবর্গমেন্ট কর্ত্তক লইমা পোলীদেব বিপোট ভদর্থে নিযুক্ত অপর প্রভ্যেক কবিবাব কথা। পোলীদের কর্মচারী,
  - (ক) কোন ব্যক্তি আত্মহত্যা করিয়াছে, কিম্বা
  - (খ) কোন ব্যক্তিকে অন্য কেছ মারিয়া ফেলিয়াছে কিছা জব্ধ দারা বা কলে পড়িয়া বা অপ-তাতে ভাষার মৃত্যু হইয়াছে কিছা
  - (গ) কোন ব্যক্তির এরপ অবস্থায় মৃত্যু হই য়াছে যে অন্য কোন ব্যক্তি অপরাধ করিয়াছে বলিয়া যুক্তিসিদ্ধ সন্দেহ হয় এই নম্বাদ পাইলে,

তৎক্ষণাৎ অপমৃত্যুর তদন্ত লইবার ক্ষমতাপন্ধ অতি
নিকটস্থ মাজিস্টেটকে দেই কথা জ্ঞাত করিবেন, এবং
স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রণীত বিধিক্রমে অথবা জিলার বা
মহকুমার মাজিস্টেটের সাধারণ বা বিশেষ আজ্ঞাক্রমে
প্রকারান্তরের তাদেশ প্রাপ্ত না হইলে ঐ মৃত
ব্যক্তির দেহ যে স্থানে থাকে সেই স্থানে গিয়া প্রতিবাদী
গুই কি তদধিক সন্ত্রান্ত লোকের গোচরে অমুসন্ধান
লইয়া ঐ মৃত্র দৃষ্ট কারণের রিপোর্ট করিবেন ও
শরীরে যে ক্ষত কি অস্থিভঙ্গ কি আ্থাত কি অন্য হানির
চিক্ত দৃষ্ট হয়, তাহার বর্ণনা ও যে প্রকারে কিল্পা যে অল্প
বা যন্ত্র দারা সেই চিক্ত হইয়া থাকিবে তাহাও লিখিবেন।

- (২) পোলাসের ঐ কর্মচারী ও অন্য ব্যক্তিরা কিম্বা তাঁহাদের যত জন ঐ রিপোটের কথায় সম্মত হন তাঁহারা তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন ও সেই রিপোট অগোণে জিলার মাজিস্টেটের কিম্বা মহকুমার মাজি-স্টেটের নিকট পাঠান যাইবে।
- (৩) মৃত্যুর কারণ বিষয়ে সন্দেহ থাকিলে কিয়া অন্য কোন কারণে পোলীসের কর্মচারী বাঞ্চনীয় বিবেচনা করিলে, কাল ও স্থানের দুরত্ব বিবেচনায় ঐ শব পথে পচিয়া যাইয়া পরীক্ষা নিক্ষল হইবার আলকা বিনা নিকটস্থ সিবিল সর্জন সাহেবের নিকটে কিয়া স্থানীয় গবর্ণমেন্ট অন্য যে যোগ্য চিকিৎসককে এতদর্থে নিযুক্ত করেন তাঁহার নিকটে পাঠান যাইতে পারিলে, পোলীসের কর্মচারী এতদর্থে স্থানীয় গবর্ণ মেন্টের নির্দ্দিত বিধির নিয়মাধীনে ঐ দেহ পরাক্ষা করিয়া দেখিবার জন্য প্রেরণ করিবেন।
- (৪) মাজ্রাজ ও বোশ্বাই প্রেসিডেন্সীতে গ্রামের মণ্ডল এই ধারামতে অভ্নন্ধান লইয়া অপমৃত্যুর তদন্ত লইবার ক্ষমতাপন্ন নিকটন্থ মাজিস্টেটের নিকটে অভ্ন-সন্ধানের কল রিপোর্ট করিতে পারিবেন।
- (৫) এইং মাজিক্টেটেরা অপমৃত্যুর তদন্ত লইবার ক্ষমতাপন্ন, যথা, কোন জিলার মাজিক্টেট কি মহকুমার মাজিক্টেট, ও এতদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের কি জিলার মাজিক্টেটের স্থানে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন মাজি ক্টেট।
- (৬) কারাগারে কোন কয়েদির মৃত্যু ইইলে তৎসম্বন্ধে এই ধারার বিধান খাটিবে না। ঐরপ স্থলে
  কারাগার সম্বন্ধায় ১৮৯৪ সালের আইনের ১৫ ধারার
  আদিউয়তরিকার্ডের একখানি নকল কারাগারের স্থপারিকৌণ্ডেন্টের অগোণে জিলার মাজিট্টেটের নিকট পাঠাইতে হইবে। ঐ মাজিট্টেট ঐ রিপোর্ট প্রাপ্ত হইলে
  তৎসম্বন্ধে যেরপ কার্য্য করা বিহিত্ত বোধ করেন
  দেইরপ কার্য্য করিবেন।

১৭१ ধার । (১) পোলীস থানার অধ্যক্ষ উক্ত অহ্সন্ধান কার্য্যের জন্যে আজ্ঞাব্যক্তি দগদে সমন কবিবাব ক্ষমতাব কথা।

কি তদধিক ব্যক্তিকে এবং
যাহারা ঐ ব্যাপারের র্জান্ত জানে বলিয়া বোধ হয়
এমত অন্য ব্যক্তিকে সমন করিতে পারিবেন। কোন
ব্যক্তিকে তদ্রপে সমন করা গেলে তাহার উপস্থিত
হইতে হইবে, এবং যে প্রশ্নের উত্তর দিলে তাহার নামে
কৌজদারা অভিযোগ হইতে পারে, কিম্বা তাহার অর্থদশু কি সম্পত্তিদশু হইতে পারে তন্তিম্ব তাহার সকল
প্রশ্নের ষ্থার্থ উত্তর দিতেই হইবে।

(২) ধর্ত্তব্য যে অপরাধ সম্বন্ধে ১৭০ ধারা খাটে র্ভান্ত দৃষ্টে যদি তদ্রাপ অপরাধের প্রকাশ না হয়, তবে পোলীসের কর্মচারী সেই ব্যক্তিদিগকে মাজিস্টেটের জা লিতে উপস্থিত হইবার আজ্ঞা দিবেন না।

১৭৬ ধারা। (১) পোলীদের হেফাজতে কোন ব্যক্তির মৃত্যু হইলে পোলীদের মালিটেইটের ছার। মৃত্যুব কর্মচারির অভ্নন্ধান লওয়ার কারতের তদন্ত লাইবাব কথা। পরিবর্ত্তে কিম্বা তাহার পরেও অতি নিকটস্থ মাজিষ্টেট অপমৃত্যুর তদন্ত লইবার ক্ষমতা-পন্ন হইলে মৃত্যুর কারণের তদন্ত লইবেন; এবং ১৭৪ ধারার (১) প্রকরণের (ক), (খ) ও (গ) দফার লিখিত অন্য কোন বলে উক্তরপ ক্ষমতাপন্ন কোন মাজিইেট अंक्रभ जम्छ नहराज भार्तिरत्व ; अदः नहरान. कान অপরাধের তদস্ত লইতে হইলে তাঁহার যেং ক্ষমতা থাকিত যেই২ ক্ষমতাস্থসারে লার্য্য চালাইবেন। স্মাজিন ক্টেট ভজপ ভদৰ দইলে ডৎসম্পর্কেষে সাক্ষ্য দন ব্যাপারের ভাবগতিক বিবেচনায় পশ্চাৎ নিট্টিস্ট অন্যতর প্রকারে সেই সাক্ষ্য বিপিবন্ধ করিবেন।

(২) কোন ব্যক্তির মৃতদেহ প্রোথিত করা গেলে
পার উক্ত মাজিফ্রেট মৃত্যুর
কারণ জানিবার জন্য সেই দেহ
পরীক্ষা করা স্থাবশ্যক বিবে
চনা করিলে, মাজিফ্রেট ঐ দেহ উঠাইয়া পরীক্ষা করিতে
পারিবেন।

# यष्ठं थए।

মোকদমা চালাইবার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক বিধ।

#### ১৫ পঞ্চদশ অধ্যায়।

ভদন্ত ও বিচারকার্য্যে ফেজিদারী আদালতের বিচারাধিকারের বিধি।

ক। - ভদন্ত লইবার ও বিচার করিবার স্থান বিষয়ক বিধি।

১৭৭ ধারা। অপারাধ যে আদালতের বিচারাধান
স্থানের মধ্যে করা যায়, সাধাসাধারণত: তদন্ত লাইবাব ও বিচাব কবিবাব
দ্যানের কথা।
তাহার তদন্ত লওয়া যাইবে ও
ভাহার বিচার হইবে।

১৭৮ ধারা। ১৭৭ ধারায় প্রকারান্তরের কথা থাকি-লেও, কোন, মোকদ্বার কিয়া ভিন্ন দেশন থণ্ডে মোক-দ্বার বিচাব হইবার আজা পিতে পারিবার কথা।
বিশেষ প্রকারের কোন মোক-দ্বমা যে কোন জিন্সায় বিচা-রার্থে সমর্পণ করা যাউক

স্থানীয় গবৰ্ণমেণ্ট সেশনের যে কোন খণ্ডে তাহার বিচার হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

কিন্তু এর প স্থলে আবশ্যক যে, উক্ত আজ্ঞা ভারত-বর্ষীয় হাই কোর্ট বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইনের ১৫ ধারামতে কিন্তা এই আইনের ৫২৬ ধারামতে হাই কোর্ট ক্লুক পূর্ব্ব প্রদত্ত কোন আজ্ঞার বিরুদ্ধ না হয়। ১৭৯ ধারা। কোন কার্য্য করণ প্রযুক্ত ও তাহার
যে কিলার ক্রিয়াকবা যায়
কি যে কিলার ক্রিয়াকবা যায়
কি যে কিলার ক্রিয়াকবা ফল
প্রশাপ হয় ইহাব একতর ব্যক্তির নামে অভিযোগ হইলে,
ক্রেলায় অভিযুক্ত ব্যক্তিব যে যে আদালতের বিচারাধীন্
ক্রিচাব হইতে পারিবার কথা।

হানের মধ্যে উক্ত কার্য্য করা
লাম বা উহার কল প্রকাশ হয় তাহার অন্যতর আদালত দ্বারা ঐ অপরাধের ভদন্ত লওয়া যাইতে ও বিচার
হইতে পারিবে।

#### উদাহরণ।

- (ক) ক আদালতের বিচারাধীন স্থানে আনন্দের আঘাত হইয়া গ আদালতের বিচারাধীন স্থানে তাহার মৃত্যু হয়। আনন্দের অপরাধ্যটিত হত্যাকরণ অপ-রাধের তদন্ত ও বিচার ক কিয়া গ আদালতে হইতে পারিবে।
- খে) আনন্দ ক আদালতের বিচারাধীন স্থানে আহত হইরা দশ দিন থ আদালতের বিচারাধীন স্থানে ও আর দশ দিন গ আদালতের বিচারাধীন স্থানে থাকেন, এবং থ কি গ আদালতের বিচারাধীন স্থানে থাকিবার সময় আপনার সাংসারিক কর্ম চালাইতে পারেন না। আনন্দকে গুরুতর পীড়া দেওন অপরাধের তদন্ত ও বিচার ক, খ বা গ আদালতে হইতে পারিবে।
- গ) কোন ব্যক্তি ক আদালতের বিচারাধীন স্থানে আনন্দের হানি করিবার জয় দর্শাইলে খ আদালতের বিচারাধীন স্থানে সেই ব্যক্তিকে আনন্দের সম্পত্তি দিবার প্ররন্তি হইল। আনন্দকে জয় দর্শাইয়া তাঁহার দ্রব্য গ্রহণাপরাধের তদস্ত ও বিচার ক কিম্বা খ আদালতে হইতে পারিবে।
- (য় আনন্দকে দেশীয় রাজ্য বরদায় আহত কর। হয় ও পুনায় ঐ আঘাত হইতে তাহার মৃত্যু হয়। আনন্দের মৃত্যু ঘটাইবার অপারাধের, তদস্ত ও বিচার পুনায় হইতে পারিবে।

১৮০ ধারা। অপারাধস্চক অন্য ক্রিয়ার সহিত পর্বা কর্তা অপারাধ করিতে সক্ষম হইলে যাহা অপারাধ করিতে সক্ষম হইলে যাহা অপারাধ করিতে সক্ষম হইলে যাহা অপারাধ করিতে সক্ষম হইলে যাহা অপারাধ করিতে সক্ষম হইলে যাহা অপারাধ করিব।

বিচারাধীন ছানের মধ্যে তহুভরের একতর ক্রিয়া করা বায়, সেই আদালত ছারা শেষোক্ত অপারাধের অভিব্যোগের তদস্ক ও বিচার ইইতে পারিবে।

# উদাহরণ।

(ক) সহায়তাকরণের অভিযোগ হইলে যে আলালতের বিচারাধীন স্থানে সহায়তা করা গেল সেই আদালতে কিয়া যে অপরাধের সহায়তা করা যায় তাহা বে আদালতের বিচারাধীন স্থানে করা গেল

সেই আদালতে, ঐ অভিযোগের তদন্ত ও বিচার হইতে শারিবে।

- (খ) চোরা দ্রব্য গ্রহণ করিবার কি রাখিবার অভি-যোগ হইলে যে আদালতের বিচারাখান স্থানে দ্রব্য চুরি করা গেল কিছা উক্ত দ্রব্যের মধ্যে কোন দ্রব্য কোন সময়ে যে আদালতের বিচারাখান স্থানে কুটিলভাবে গ্রহণ করা কি রাখা গেল সেই আদালতে ঐ অভি-যোগের তদম্ভ ও বিচার হইতে পারিবে।
- (গ) মহুষ্য চুরি হইয়াছে জ্ঞানা গেলে সেই
  মহুষ্যকে অন্যায়মতে লুকাইয়া রাখিবার অভিযোগ
  হইলে যে আদালভের বিচারাধীন স্থানে তাহাকে অন্যায়
  মতে লুকাইয়া রাখা গেল কিম্বা যে আদালভের বিচারাধীন স্থানে চুরি করা গেল ইহার মধ্যে কোন আদালভে
  দেই অভিযোগের তদস্ত ও বিচার হইতে পারিবে।

১৮১ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির নামে ঠগ হইবার
কি ঠগ হইয়া হত্যা করিবার
দলের লোক হইবার কি কি ডাকাইডি করিবার কিছা
হেফাজত হইডে পলাইবার হত্যা সহিত ডাকাইডি করিবার
ইভ্যাদিব কথা।
কিছা ডাকাইডদলের লোক
ইইবার কিছা হেকাজত হইডে পলাইবার অভিযোগ
হইলে অভিযুক্ত ব্যক্তি যে আদালতের রিচারাধীন ছানের
মধ্যে গাকে সেই আদালত দ্বারা ডাহার সেই অপরাধের তদন্ত লওয়া যাইডে ও বিচার হইডে পারিবে।

(২) অপরাধভাবে দ্রব্য লইয়া অবিহিত ব্যবহার
করণের কিন্না অপরাধভাবে
ব্যবহাবের ও অপরাধভাবে
বিশ্বাস্ঘাতকতা করণের অভিবিশ্বাস্ঘাতকতা করণের যোগ হইলে, যে আদালতের
ক্থা।
বিচারাধীন স্থানের মধ্যে অপরাধ বিষয়ক দ্রব্যের কোন অংশ অভিযুক্ত ব্যক্তি
প্রাপ্ত হয় কি অপরাধ করা যায় সেই আদালত দ্বারা
প্র অপরাধ্যে তদন্ত লওয়া যাইতে ও বিচার হইতে
পারিবে।

(৩) সে আদালতের বিচারাধীন স্থানের মধ্যে কোন দ্রব্য চুরি করা যায় কিম্বা চোরের অধিকারে থাকে কিম্বা তাহা চোরা জানিয়াও কি বিশ্বাস করিবার কারণ পাইয়াও কোন ব্যক্তি লয় কি রাখে, সেই আদালত দ্বারা উক্ত দ্রব্য চুরি করণের অপারাধের তদন্ত লওয়া যাইতে ও বিচার হইতে পারিবে।

অপবাধ যে স্থানে কৰা গোল ভাষা নিশ্চয না হইলে, কিম্বা কেবল এক-ম্থানে না কৰা গোলে, কিম্বা অপবাধ নিয়ত কৰা গোলে কিম্বা অনেক কাৰ্য্য লাইয়া অপবাধ কইলে তদন্ত ও বিচার করিবার স্থানেও

১৮২ ধারা। অনেক ছানের মধ্যে কোন্ ছানে অপারাধ করা গেল ইছা নিশ্চয় না ছইলে, কিম্বা

অপরাধের এক অংশ এক স্থানে অন্য অংশ অন্য স্থানে করা গেলে, কিম্বা অপরাধ ক্রমিক হইলে ও হুই কি তদধিক স্থানে করা গিয়া থাকিলে, কিছা

ভিন্নং স্থানে ক্লভ নানা কার্য্য লইয়া অপরাধ হইলে,

যে আদালতের উক্তরূপ কোন স্থানের উপর বিচারা-ধিকার আছে সেই আদালত দ্বারা ঐ অপরাধের তদম লওয়া যাইতে ও বিচার হইতে পারিবে।

১৮৩ ধারা। স্থলপথে কি জলপথে যাত্রাক্রমে
কর্মন করা গেলে যে

যাত্রাক্রমে পণে জপরাধ কবিলে তাহার কথা।

যে ব্যক্তির বিকদ্ধে কি যে দ্রব্যের সম্বন্ধে ঐ অপরাধ
করা যায় সেই ব্যক্তি কি সেই দ্রব্য উক্ত যাত্রাক্রমে

যায়, সেই আদালত দ্বারা ঐ অপরাধের তদন্ত লওয়া

যাইতে ও বিচার হইতে পারিবে।

১৮৪ ধারা। রেল ওয়ে কি টেলিপ্রাফ কি ডাক
যর কি অন্ধ ও বারুদাদি বিষ
বেল এয়ে ও টেলিপ্রাফ মুক যে আইন যৎকালে
ও ডাক্মর ও অন্ত বিষয়ক
আইনের বিরুদ্ধে অপথেধের
কথা।

করা যায় তাহা রাজ্ঞধানী
নগরের মধ্যে করা গিয়াছে বলিয়া উক্ত হউক কি না
হউক, তথায় তাহার অস্পদ্ধান লওয়া যাইতে ও বিচার
হইতে পারিবে।

কিন্তু এরপ স্থলে আবশ্যক যে অপরাধীকে ও মোকদ্দমার আবশ্যক সমস্ত সাক্ষীদিগকে উক্ত নগর মধ্যে পাওয়া যায়।

১৮৫ থারা। (১) এই অধ্যায়ের অন্তর্গত পূর্ববর্তী
বিধানক্রমে কোন্ আদালত
কোন্ জিলাম তদন্ত দ্বারা অপারাধের ভদন্ত লওয়া
লওয়া যাইবে বা বিচাব
হুইবে এবিষয়ে গলেহ
হুইলে হাই কোর্টের হারা
ইহা নির্বন্ন হুইবাব কথা। কোর্টের ফোজদারী আপীলী
বিচারাধিকারের সীমান্তর্গত
হ্বাবে অপারাধী প্রক্রন্তপক্ষে থাকে কোন্ আদালত হারা

স্থানে অপারাধী প্রক্লভপক্ষে থাকে কোন্ আদালত দ্বারা উক্ত অপারাধের তদন্ত লওয়া যাইবে কি বিচার ছইবে ইহা সেই হাই কোর্ট নির্ণয় করিবেন।

(২) নিম্ন ব্রহ্মদেশে, অপরাধী ইউরোপীয় রাট্য প্রজা ইইলে রাস্কুণের রিকার্ডার সাহেব ও অন্যান্য স্থান স্কুডিশ্যল কমিশনর সাহেব এই ধারার কার্য্যপক্ষে হাই কোর্ট বলিয়া গণ্য হইবেন।

১৮৬ ধারা। (১) যখন কোন প্রেসিডেন্সী মাজিত্ট্রেট কি জিলার মাজিট্টেট কি ঘারিরে আপবাধ করা গোলে
সমন কি ওয়ারট দিবার স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ইইতে এডংসমতার কথা।
স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ইইতে এডংসংঘতার কথা।
ত্ত্রিট এরপা বিশ্বাস করিবার কারণ দেখেন যে,
ক্রিকার বিহারগীন স্থানের মধ্যে ক্রিয়া ব্রু

ব্যাজতভূত প্রসাণ বিশ্বাপ কার্যবার কারণ দেবেন যে, তাঁহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যস্থ কোন ব্যক্তি ঐ স্থানের বাহিরে (রটিষ ভারতবর্ধের ভিতরেই হউক আর ' ক্ষায়িন্তেই হউক) কোন প্রপয়াধ ক্ষিয়াহে ও ১৭৭ ধারা অববি ১৮৪ ধারা পর্য্যন্ত কোন ধারার বিধানক্রমে কি चना य जारेन उपकारम टांग्लिंड शास्त्र उपकार के ন্তানের মধ্যে সেই অপরাধের তদস্ত লওয়া কি বিচার করা যাইতে পারে না, কিন্তু প্রচলিত কোন আইনবলে রটিষ ভারতবর্ষের মধ্যে ভাহার বিচার হইতে পারে, তখন স্বীয় বিচারাধীন স্থানের মধ্যে ঐ অপরাধ করা গেলে তিনি যেম্ন তদম্ভ লইতে পারিতেন ডদ্রাপ তদ্ভ লইতে ও ইতিপূর্বে যেরূপ বিধান করা গিয়াছে ডৎক্রমে ঐ ব্যক্তিকে বলপূর্বক আপন সমুখে উপস্থিত করাইতে পারিবেন এবং উক্ত অপরাধের ওদন্ত লইবার কি বিচার করিবার ক্ষমতা যে মাজিফ্টেটের থাকে ভাহার নিকটে ভাহাকে ধরিলে শর মাজিট্রেটের পাঠাইতে পারিবেন অথবা কার্য্যপ্রণালীর কথা। উক্ত অপরাধ জামিন লইবার যোগ্য হইলে, উক্ত মাজিফ্রেটের সন্মুখে তাহার উপ-স্থিত হইবার নিমিন্ত, জামিন সহিত বা জামিন ব্যতীত

(২) উক্তরূপ ক্ষমতাপন্ন একাধিক মাজিন্টেট শ্বাকিলে এবং কাহার নিকটে কি সম্মুখে উক্ত ব্যক্তিকে প্রাক্তাইতে কি উপস্থিত হইবার নিমিত্ত আবদ্ধ করিতে ক্রইবে, এই ধারাক্রমে কার্য্যকারী মাজিন্টেট এবিষয়ে কিছু স্থির করিতে না পারিলে, হাই কোর্টের আজ্ঞার নিমিত্ত মোকদ্দমার রিপোর্ট করিবেন।

মিবন্ধপত্র লইতে পারিবেন।

১৯-৭ ধারা। (১) শ্রেসিডেন্সী মাজিট্রেট কি
জলার মাজিট্রেট ভিন্ন কোন
অধীন মাজিট্রেটেব
অধারণ্ট ছইলে কর্ত্তিগ্রেব
কথা।
বি প্রয়ারণ্ট দেন তৎক্রমে
কোন ব্যক্তিকে ধ্রত করা গেলে.

প্র শাক্সিটেট মাহার অধীন হন ঐ ধৃত ব্যক্তিকে নেই জ্বিলার মাজিটেট সাহেবেব নিকট পাঠাইবেন। কিন্তু যে মাজিটেটের ঐ অপারাধের তদন্ত লইবার কি বিচার করিবার ক্ষমতা থাকে তিনি ঐ ব্যক্তিকে ধরিবার গুরারন্ট দিলে, পোলীদের যে কর্মচারী ঐ গুরারন্ট জারী করেন, তাঁহার নিকটে ঐ ধৃত ব্যক্তিকে সমর্পণ করা যাইবে, কিন্তা যে মাজিটেট ওয়ারন্ট বিলেন গ্রাহার নিকটে ভাহাকে পাঠান যাইবে।

(২) ধৃত ব্যক্তি যে অপরাধে অপরাধী বলিয়া কণিত হয় কি তাহার প্রতি সংশয় থাকে যদি ১৮৬ ধারামতে কর্মকারী মাজিস্টেটের আদালত ছাড়া শেই জিলার অন্য কোম কৌজদারী আদালতের দারা ভাইার ভদন্ত ও বিচার হইতে পারে, তবে ঐ মাজিফ্টেট উক্ত আদালতে ঐ ব্যক্তিকে পাঠাইবেন।

১৮৮ ধারা। যদি শ্রীশ্রীমতীর ভারতবর্ষীয় কোন দেশীয় প্রজা রটিষ ভারতবর্ষের রটিষ প্রদান রটিষ ভারত-বর্ষের বাহিরে অপরাধ করিলে ভাহাদের গায়ের স্থানে কোন অপরাধ করে কথা। কিয়া

- (ক) যদি কোন রটিম প্রজা ভারতবর্ষের কোন রাজা বা অধিপতির শাসনাধীন দেশে কোন অপরাধ করে, কিছা
- (খ) মহারাণীর কোন চাকর, রটিষ প্রক্রা হাউক আর নাই হউক, ভারতবর্ধের কোন রাজা বা অধিপতির শাসনাধীন দেশে কোন অপরাধ করে—

তবে রটিষ ভারতবর্ষের অন্তর্গত যে কোন স্থানে তাহাকে পাওয়া যায় সেই খানেই অপরাধ করার ন্যায় তাহার সেই অপরাধ হেতুক বিচারাদি হইতে পারিবে।

পরস্ত যে দেশে সেই অপরাধ করা গিয়াছে বলিয়া বর্ণিত হয় সেই দেশের পলিটি-অভিযোগের তদন্ত ল ওয় কাল এজেন্ট সাহেব থাকিলে উচিত এই বিববে পলি-তিনি রটিষ ভারতবর্ষে সেই চিকাল একেন্টের সাটিকি কেট দিৰাৰ কথা। অভিযোগের তদম উচিত বলিয়া অাপন অভিমতের দার্টিফিকেট না দিলে রটিষ ভারতবর্ষে উক্ত কোন অপরাধ বিষয়ক অভিযোগের তদন্ত লওয়া যাইবেনা। এবং পলিটিকাল এজেন্ট না থাকিলে স্থানীয় গ্বৰ্ণ-মেন্টের অম্বয়োদন আবশ্যক হইবে।

আরো এই ধারামতে কোন ব্যক্তির বিপক্ষে কোন কার্য্যাস্ক্রান হইলে পর. রটিষ ভারতব্যে সেই অপরাধ করা গেলে যদি সেই অপরাধের নিমিন্ত, পশ্চাৎ সেই বাক্তির বিপক্ষে আর কার্য্যাস্ক্রান হইতে না পারে ভবে রটিষ ভারতবর্ষের সীমার বহিভূতি কোন দেশে সেই অপরাধের উপলক্ষে তাহার বিপক্ষে ভিন্ন দেশের বিচারাধিপত্য বিষয়ক ও অপরাধাদিগকে অং দেশে প্রেরণ বিষয়ক ১৮৭৯ সালের আইনমতে আর কার্য্যাস্থ-ক্রান হইতে পারিবে না।

১৮৯ ধারা। ১৮৮ ধারায় যে প্রকারের অপারাধের উল্লেখ হইরাছে তাহার তদস্ত ও দলীলের ল ওয়া যাইতেছে কি বিচার প তিলি প প্রামাণস্বরূপ বাংণ কবিতে আছে। কবি-इहरण्डा थ्या भगास स বার ক্ষমতাব কথা। দেশে অপরাধ করা গিয়াছে বলিয়া কথিত হয় তথায় বা তথাকার পলিটিকাল এজেন্ট সাহেবের কিম্বা বিচারপতির সমুখে যে জ্বানবন্দি লওয়া কি যে দলীল উপস্থিত করা গেল তদস্ককারী কি বিচারকারী আদালত যে কোন মোকদ্মায় সেই জবানবন্দি কি দলীলের লিখিত বিষয়ের সাক্ষ্য লইবান্ধ জন্যে কমিশনদিতে পারিতেন সেই মোকদ্মায় 🗳 আদানত ঐ জবানবন্দি ও দলীলের প্রতিলিপি প্রমাণ স্মরূপ এহণ করিবেন, স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট বিহিত বোধ করিলে এমন আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

#### খ। — কাৰ্য্যাৰডেও আৰশ্যক নিয়ম্ববিষয়ক কিমি।

১৯• ধারা। (১) পশ্চালিখিত বিধানের স্থল ভিন্ন
কোন প্রেসিডেন্সা মাজিস্টেট
মালিটেটেন যে অপনাধ ও জিলার মাজিস্টেট ও মহকুবাস কবিতে পারিবেন
ভাষার কথা।
বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য
কোন মাজিস্টেট,

- (ক) কোন অপরাধাত্মক ঘটনার নালিশ প্রাপ্ত হইলে, কিন্তা
- (খ) উক্ত ঘটনা সম্বন্ধে পোলীদের রিপোর্ট পাইলে, কিছা
- (গ) পোলাস কর্মচারী ভিন্ন অন্য ব্যক্তির নিকট সংবাদ পাইলে, অথবা উক্ত অপরাধ যে করা গিয়াছে এডছিষয়ে তাঁহার স্থীয় জ্ঞান কি সন্দেহ. থাকিলে, ঐ অপরাধ গ্রাহ্য করিতে পারিবেন।
- (২) কোন মাজিট্রেট ষে অপরাধের বিচার বা যাহা বিচারার্থে সমর্পন করিতে পারেন, স্থানায় গ্রন মেন্ট কি স্থানীয় গ্রন্থেন্টের সাধারণ কি বিশেষ আজ্ঞা-ক্রমে জিলার মাজিস্ট্রেট সাহেব (১) প্রকরণের (ক) কিল্লা (খ) দকামতে সেই অপরাধ আহ্য করিলার ক্ষমতা সেই মাজিস্ট্রেটকে দিতে পারিবেন।
- (৩) কোন মাজিস্টেট যে অপরাধের বিচার বা ভাহা বিচারার্থে সমর্পণ করিতে পারেন, স্থানীয় গবর্ণ-মেন্ট (১) প্রকরণের (গ) দকামতে সেই অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা প্রথম কি দ্বিতীয় শ্রেণীর সেই মাজি-ফ্রেটকে দিতে পারিবেন।
- ১৯১ ধারা। কোন মাজিফেট পূর্কবর্তী ধারার (১)

  প্রকরণের (গ) দফামতে কোন

  অভিযুক্ত ব্যক্তিব প্রধানমতে মোকদ্দমা হতান্তব

  বা নামর্পণ ক ব্রার কথা।

  ক্ষা ক্ষা ক্রান্তব কামে অভিযোগ হইলে

তন্মধ্যে কোন একজন কোন সাক্ষ্য গৃহীত হইবার পূর্বে এইরূপ দাওয়া করিতে পারিবেন যে, উক্ত মাজি-ষ্টেট কর্তৃক ঐ মোকদ্দমার বিচার না হইয়া উহা অন্য কোন মাজিফেটের নিকট প্রেরিত হয় অথবা দেশন আদালতে সমর্পিত হয়।

১৯২ ধারা। (১) কোন জিলার মাজিস্টেট কি প্রধান
প্রাক্রিটেদের মোকজম।
মাজিট্টেটদের মোকজম।
মহকুমার মাজিস্টেট যে মোকহস্তান্তর করিবার কথা।
কমা প্রাহ্য করেন তাহার ভদন্ত
কইবার কি বিচার করিবার নিমিত্ত তিনি ভাছা ভাঁহার
ক্ষধীন কোন মাজিস্টেটের নিকট প্রেরণ করিছে
পারিবেন।

(২) কোন প্রথম শ্রেণীর মাজিক্টেট মোকন্দমা গ্রাহ্য করিয়া থাকিলে, জিলার মাজিক্টেট সাহেব তাঁহাকে এই আইনমতে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার করিবার বা

ভাষাকে বিচারার্থে স্বয়র্পন্ধ করিবার ক্ষমভাপন্ন ঐ জিলার অন্য কোন বিশেষ মাজিক্টেটের নিকট তদন্ত বা বিচার হইবার নিমিত্ত উহা প্রেরণ করিবার ক্ষমভা দিতে পারিবেন: এবং ঐ মাজিক্টেট তদমুসারে মোক ক্ষমার নিশান্তি করিতে পারিবেন।

১৯৩ ধারা। (১) এই আইনে কিন্তা যৎকালে অন্ত্য যে আইন প্রচলিত থাকে দেশন আদানত থে তাছাতে প্রকারান্ত্রের স্পান্ত অশবাধ থাহা ক বতে পাবিবেন তাগাব কথা। বিধান না থাকিলে, তদ্পথে নির্ম্মহতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন মাজিফ্রেট কর্তৃক অন্তিযুক্ত ব্যক্তি সমর্পিত না হইলে, কোন সেশন আদালত প্রথম স্থলায় বিচারাধিকার-বিশিক্ত আদালতক্ষরপ কোন অপরাধ গ্রাহ্য করি-বেন না।

- (২) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সাধারণ কি বিশেষ আজ্ঞা ঘারা তাঁহাদিগকে যে সকল মোকদ্দমার বিচার করিতে অদুদেশ দেন, কিছা দেই খাঙের সেশন জ্ঞান্দ সাহেব সাধারণ কি বিশেষ আজ্ঞাদ্বারা যে সকল মোকদ্দমা তাঁহাদিগের নিকট বিচারার্থে অর্পণ করেন, আভিশনল সেশন জ্ঞাকি আসিফান্ট সেশন জ্ঞাজ কেবল সেই সকল মোকদ্দমার বিচার করিবেন।
- (৬) স্থানীয় গবণমেন্ট এক সেশন খণ্ডের সেশন জজকে অন্য খণ্ডের আডিশনল সেশন জজ স্বরূপ ও নিযুক্ত করিতে পারিবেন, এবং এরপ স্থলে তিনি উহার অন্যতর খণ্ডের যে স্থানে বা যে গোনে শ্বানীয় গবণমেন্ট আদেশ করেন তথায় মোকদ্মার নিম্পত্তির জন্য অধিবেশন করিতে পারিবেন।

১৯৪ ধারা। (১) পশ্চালিখিত বিধানমতে কোন অপরাধ হাই কোটে সমর্পণ গাহ্য কবিবেন তাহার কথ। গ্রাহ্য করিতে পারিবেন।

ভারতবর্ষীয় হাই কোট বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইনমতে যে পেটেন্টপত্র প্রদন্ত হয়, এই ধারার কোন কথায় ভাহার বিধানের কিল্পা এই আইনের জন্য কোন বিধানের কোন বিল্প হইবে এরূপ জ্ঞান করিতে হইবে না।

- (২) (ক) শ্রীশ্রীষতীর এটার্ন জেনরল সাহেব যে যে অভিপ্রায়ে ক্রণউবের পক্ষে ইংআডবেনেট জেনবল
  কত্ব স্থাদাদবাব কথা।
  ফিড করিতে পারেন আডবেংকেট জেনরল সাহেব জ্ঞো মান্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবনর
  জেনরল সাহেবের কিন্তা ছানীয় গবর্ণমেন্টের মঞ্জুরি
  লইয়া হাই কোর্টের এলাকাধীন ব্যক্তিদের বিরুদ্ধে
  সেই সেই অভিপ্রায়ে হাই কোর্টে সন্থাদ উপস্থিত
  করিতে পারিবেন।
- (খ) ঐরপ প্রত্যেক সম্বাদ সম্বন্ধে যোকদমার অবস্থা ও উক্ত হাই কোটের রীতি ও কার্য্যপ্রশালা অমুসারে যত দুর সাধ্য হয় এরপ কার্য্যান্টান হইতে

পারিবে যাহা শ্রীশামতীর এটনি জেনরস সাহেব কর্তৃক উপস্থিত করা তদ্রাপ সম্বাদ সম্বন্ধে আইনমতে অমৃষ্ঠিত হুইতে পারে।

- (গ) ঐরপ কোন সন্ধাদ অহুসারে বা তৎক্রমে যে জরমানা, অর্থ দণ্ড, সম্পত্তিদণ্ড, ঋণ বা টাকা আদায় করা হয় তংসমন্তই ভারতবর্ষের গবর্গমেন্টের হইবে।
- ছাই কোর্ট এই ধারার বিধান কার্য্যে পরিণত করণার্থে বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।

১৯৫ ধারা। (১) (ক) জারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের
১৭২ ইইতে ১৮৮ পর্যান্ত ধারা
রাজকীয় কার্য্যকারকদের
আইনসিঞ্চ ক্ষমতা অবজ্ঞা
কবণ হেতৃক অভিযোগের
কথা।

বি কার্য্যকারকের সম্বন্ধে হইয়া
থাকে তাঁহার কিম্বা তিনি
যাহার অধীন সেই রাজকীয় কার্য্যকারকের অসুমতি
কি নালিশ না হইলে,

খ) উক্ত আইনের ১৯৩, ১৯৪, ১৯৫, ১৯৬, ১৯৯, ২০০, ২০৫, ২০৬, ২০৭, ২০৮, সাধাবণের ন্যায়বিচাবের বিরুদ্ধে কোন্য অপরাধ্যেত্ত্ অভিযোগের কথা।

তাহা কোন আদালতের আমু-

ষ্টানিক কার্য্যে বা তৎসম্বন্ধে করা গেলে ঐ আদালতের কিম্বা সেই আদালত অন্য যে আদালতের অধীন থাকেন তদীয় অহুমতি কি নালিশ না হইলে,

র্গ) উক্ত আইনের ৪৬৩ ধারায় যে কোন অপরাধের বর্ণনা আছে কিম্বা, ৪৭১,
দলীল প্রমাণ স্বরূপে উপশিত করা গোলে তৎ সম্পকীয় অপবাধের অভিযোগোর কথা।
বিশ্ব কান আদালতের আনুষ্ঠানিক
কোন কার্য্যে প্রমাণস্বরূপ যে

দলীল উপস্থিত করা কি দেওয়া যায় তৎসম্বন্ধে কোন পক্ষ সেই অপরাধ করিলে, ঐ আদালত কিয়া ঐ আদা-লত অন্য যে আদালতের অধীন থাকেন তদীয় অমুমতি কি নালিশ না হইলে,

কোন জাদালত ঐ অপরাধ গ্রাহ্য করিবেন না।

- (২) এই ধারায় "আদালত" শব্দে কোন দেও-য়ানী, রাজস্ব বা ফোজদারী আদালত বুঝাইবে, কিন্তু বেজিফ্টরী করণ বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইনমত কোন রেজিফ্টার বা অপর কোন আমলা ইহার অন্তর্গত নয়।
- (৩) এই ধারার লিখিত সকল অপরাধ সম্বন্ধে এই ধারার বিধান ঐ সকল অপরাধের সহায়তা করণের ও ঐ সকল অপরাধ করিবার উদ্যোগের প্রতিও বর্ত্তে।
- (৪) এই ধারায় যে অনুমতির উল্লেখ হইয়াছে
  তাহা সাধারণ কথায় ব্যক্ত
  থে প্রকাবের অনুমতি
  পাওয়া আবশ্যক তাহার
  কথা।

  তাহা সাধারণ কথায় ব্যক্ত
  ব্যক্তির নাম নিধিবার প্রয়োজন নাই িকন্তু যে আদা-

লতে কি অন্য স্থানে ও যে সূত্রে অপরাধ করা যায় যথাসাধ্য তাহার নির্দেশ করিতে হইবে।

- (৫) এই ধারার উল্লিখিত কোন অপরাধ সম্পর্কে অহমতি প্রদন্ত হইলে রক্তান্ত দৃষ্টে অন্যতর অপরাধ ক্বত হইয়াছে বলিয়া যদি প্রকাশ হয় তবে যে আদালত মোকদ্দমা গ্রাহ্য করেন উল্লিখিত অন্য অপরাধ ধরিয়া অভিযোগপত্র প্রস্তুত করণার্ধে সেই আদালতের ক্ষমতা থাকিবে!
- (৬) এই ধারামতে যে অহ্মতি দেওয়া অন্থীকার করা যায় অন্থীকারকারা কর্তৃপক্ষ যে কর্তৃপক্ষের অধীন সেই কর্তৃপক্ষ তাহা দিতে পারিবেন। সেই অহ্মতি লিখিত হইয়া দিবার তারিখ হইতে ছয় মাসের অধিক কাল বলবং থাকিবে না। কিন্তু হাই কোর্ট উপায়ুক্ত কারণ দেখান গেলে ঐ কাল বাড়াইয়া দিতে পারিবেন।
- (৭) ছোট আদালত ভিন্ন প্রত্যেক আদালত হইতে সাধারণতঃ যে আদালতে আপীল হয়, এই ধারার কার্য্য-পক্ষে প্রথমোক্ত আদালত সেই আদালতের অধীন বলিয়া গণ্য হইবে।
- (৮) রাজধানী নগরের ছোট আদালত হাই কোর্টের অধীন বলিয়া গণ্য হইবে, এবং প্রত্যেক ছোট আদালত যে সেশন খণ্ডের মধ্যে থাকে সেই খণ্ডের সেশন আদালতের অধীন বলিয়া গণ্য হইবে।

১৯৬ ধারা। ভারতবর্ষের দশুবিধির আইনের ১২৭
ধারা ভিন্ন ৬ অধ্যায়মতে দশুবাজবিক্ষ অশ্বাধেব নীয় কিম্বা উক্ত আইনের
অভিযোগের কথা।
২৯৪ক ধারামতে দশুনীয় অপ্রাধের নালিশ হইলে, মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত
গবর্বর জেনরল সাহেবের কিম্বা স্থানীয় গবর্গমেন্টের
আজ্ঞা কিম্বা দত্ত ক্ষমতাক্রমে কিম্বা এতৎপক্ষে মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের স্থানে
ক্ষমতাপ্রাপ্ত কর্মচারির আজ্ঞা কিম্বা তাঁহার দত্ত ক্ষমতাক্রমে ঐ নালিশ উপস্থিত করা না গেলে, কোন আদালতে
তদ্রপ অপরাধের অভিযোগ গ্রাহ্য হইবে না। -

১৯৭ ধারা। (১) বিচারকর্তাস্তরপ কোন বিচার-কর্তার নামে কিন্তা রাজকীয় কর্তার কামে কিন্তা রাজকীয় অন্য যে কার্য্যকারক ভারতবর্ষীয় কি স্থানীয় গবর্ণমেন্টের অন্থ্যতি বিনা অপস্ত হইতে না পারেন

এমত কার্য,কারকস্বরূপ তাঁহার নামে কোন অপরাধের অভিযোগ হইলে, যে গবর্ণমেন্ট তাঁহাকে অপাসৃত করি-বার আজ্ঞা দিতে পারেন সেই গবর্ণমেন্ট কিম্বা উক্ত গবর্ণমেন্ট হইতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য কর্মচারির অনুমতি ভিন্ন অথবা ঐ বিচারকর্তা কিম্বা রাজকীয় কার্য্যকারক যে আদাসতের কিম্বা অন্য কর্তৃপক্ষের অধীন থাকেন উক্ত গবর্ণমেন্ট তাঁহার তক্রপ অভিযোগ করিবার অনুমতি দিবার ক্ষমতা ধর্ব করিয়া না থাকিলে, তাঁহার অনু-মতি ভিন্ন ঐ অভিযোগ কোন আদাসতে প্রাহ্য হইবে না। (२) যে ব্যক্তি কর্ত্ক ও যে প্রকারে উক্ত বিচারকর্তা <sup>®</sup> কি রাজকীয় কার্য্যকারক
অভিযোগ সম্বন্ধ গবর্ণমেন্টের ক্ষমতার কথা।
ইইবে উক্ত গবর্ণমেন্ট ভাষা
- স্থির করিতে পারিবেন, এবং যে আদালভের সম্মুখে
বিচার ইইবে ভাষাও নির্দেশ করিতে পারিবেন।

১৯৮ ধারা। ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ১৯ কি

হ অধ্যাহের মধ্যে কি ৪৯৬

হ ইতে ৪৯৬ পর্য্যন্ত ধারার

অভিযোগের কথা।

মধ্যে যেং অপরাধ পড়ে ঐ ঐ

অপরাধক্রমে কভিএন্ত কোন

ব্যক্তির ছারা নালিশ না হইলে কোন আদালতে সেই

অপরাধ এই হ ইবে না।

১৯৯ ধারা। দ্বীলোকের স্বামী কি তাঁহার অমূপথিবছাব সংক্রান্ড কিয়া সেই সময়ে তাঁহার পক্ষে ঐ
বিবাহিতা দ্বীলোককে ফ্নলাইম। লওন ব্যয়ক
ভাঙিযোগের কথা:
তিনি নালিশ না করিলে, কোন
আদালতে ভারভবর্ষের দণ্ডবিধির
আইনের ৪৯৭ কি ৪৯৮ ধারামত অপরাধ গ্রাহ্য হইবে
না।

### ১৬ যোজন অধ্যায়।

### মাজিফ্রেটদের নিকট নালিশ করিবার বিধি।

২০ ধারা। নালিশ হইলে যে মাজিফ্রেট কোন
অপরাধ গ্রাহ্য করেন, তিনি
বাদিব পরীক্ষা লইবার
কথা।
লইবেন, ও সেই পরীক্ষার মর্ম
লিখিয়া রাখা যাইবে ও তাহাতে বাদী এবং মাজিফ্রেট
স্থাক্রর করিবেন।

- কিছু (ক) লিখিয়া নালিশ করা গেলে, ১৯২ ধারা-মতে মোকদ্দমা হস্তান্তর করিবার পূর্কে মাজিফ্টেটের যে বাদির পরীক্ষা লইতে হইবে, এই ধারার কোন কথায় এরপ জ্ঞান হইবে না।
- . (খ) উক্ত মাজিফেট প্রেসিডেন্সী মাজিফেট হইলে, মাজিফেট প্রত্যেক স্থলে যেমন উচিত বোধ করেন তেমনি লপথ করাইয়া কি না করাইয়া ঐ পরীক্ষা করিতে পারিবেন, এবং তাহা লিখিয়া লইবার প্রয়োজন নাই; কিন্তু মাজিফেট বিহিত বোধ করিলে নালিশের ধিষয় তাঁহার সমুখে উপস্থিত করাইবার পূর্কে তাহা লিখিয়া দিবার আদেশ করিতে পারিবেন।
- (গ) ১৯২ ধারামতে ফোকদ্দমা হস্তান্তর করা গেলে, যে মাজিঞ্টেট তাহা হস্তান্তর করেন তিনি বাদির পরীক্ষা লইয়া থাকিলে, যে মাজিফ্টেটের নিকটে ঐ

মোকদ্দমা হস্তান্তর করিয়া দেওয়া যায় তিনি বাদিকে পুনর্কার পরীক্ষা করিতে বাধ্য হইবেন না।

২০১ ধারা (১) .লিখিয়া নালিশ করা গিয় ।

শালিছে এবং মাজিটেট ঐ

শালিছে এবং মাজিটেট ঐ

নালিশ গ্রাহ্য করিতে ক্ষমতাপ্রানা হইলে উপাযুক্ত আদালতে দিবার নিমিত্ত শেই মার্মের
পৃষ্ঠলিপি সহিত নালিশ কিরাইয়া দিবেম।

(२) নালিশ লিখিয়া করা গিয়া না থাকিলে ঐ মাজিউেট নালিশকারাকে উপযুক্ত আদানতে ঘাইবার আদেশ করিবেন এবং নালিশ যে করা ইইয়াছিল এই কথা লিপিবদ্ধ করিবেন।

২°২ ধারা। (১) প্রধান প্রেসিডেন্সী মাজিট্রেট এবং স্থানীয় গবর্ণমেন্ট অন্য প্ৰওয়ানা দিতে বিলয় যে কোন প্রেসিডেন্সী মাজি-করণের কথা। ফ্রেটকে এতদর্থে সময়েং ক্ষমতা দেন তিনি, কিম্বা প্রথম বা দ্বিতীয় প্রোণীর মাজি-खिं एवं नानिन थोश करिएं भारतन तम्हें नानि**न्द** সত্যতা সম্বন্ধে অবিশ্বাস করিবার কারণ দেখিলে বাদির পরীক্ষা লইবার পর নালিশের সভ্যতা সম্বন্ধে অবিশ্বাস করিবার কারণ লিপিবদ্ধ করিয়া যাহার নামে নালিশ হইল তাহাকে উপস্থিত করাইবার পরওয়ানা দিতে বিলম্ব করিয়া নালিশের সত্যাসত্যতা নির্ণয় করিবার জন্য আপনি নালিশের ডদম্ভ লইতে পারি-বেন কিম্বা প্রথমে আপনার অধীন কোন কর্মচারির কিম্বা পোলীদের কর্মচারির দ্বারা কিম্বা মাজিফ্রেট বা পোলাস কর্মচারী ভিন্ন অন্য যে ব্যক্তি দারা বিহিত বোধ করেন সেই ব্যক্তি দারা ঐ নালিশের স্থানীয় অমুসন্ধান লইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- (२) মাজিফ্রেট কিছা পোলীদের কর্মচারী ভিন্ন যদি অন্য ব্যক্তির হারা ঐ অন্সন্ধান লওয়া যায়, তবে এই আইনক্রমে থানার অধ্যক্ষের প্রতি যে সকল ক্ষমতা অর্পণ করা গেল ঐ ব্যক্তি সেই সকল ক্ষমতামতে কার্য্য করিতে পারিবেন, কেবল ভাঁহার ওয়ারণ্ট বিনা ধৃত করিবার ক্ষমতা থাকিবে না।
- (৩) এই ধারা কলিকাতা ও বোম্বাই নগরের পোলী সের প্রতি বর্ত্তে।

২০৩ ধারা। যে মাজিফেটের নিকট নালিশ করা বা উঠাইয়া দেওয়া যায় বা উঠাইয়া দেওয়া যায় তিনি বাদির পরীক্ষা করিলে এবং ২০২ ধারামতে অফুসন্ধান লওয়া গেলে তাহার ফল বিবেচনা করিয়া সেই বিষয়ের আর কোন কার্য্যায়ন্তান করিবার বিশিষ্ট কারণ নাই বিবেচনা করিলে ঐ নালিশ ডিসমিস করিতে পারিকেন। ঐরপ স্থলে তাঁহার উক্তরপ করিবার হেডু সংক্ষেপে লিপিবদ্ধ করিতে হইবে।

### ১৭ मक्षमम जन्माय ।

মাজিফেটদের সন্মুখে কার্য্যারম্ভ করিবার বিধি।

২০৪ ধারা। (১) যে মাজিফেট কোন অপরাধ গ্রাহ্য করেন তাঁহার মতে কার্য্যান্থচান করেবার বিশিষ্ট কারণ থাকিলে দিতীয় তক্সীলের চতুর্থ ঘর দেখিয়া যদি প্রথমে সেই মোকদ্মায় সমন দেওয়া উচিত বোধ হয় তবে অভিন্যুক্ত ব্যক্তির উপস্থিত হইবার নিমিক্ত সমন দিবেন। উক্ত ঘর দেখিয়া প্রথমে যদি ওয়ারন্ট দেওয়া উচিত বোধ হয়, তবে তিনি আপনার কিছা সেই বিষয়ের বিচার করিতে সক্ষম অন্য মাজিফেটের সম্মুখে অভিন্যুক্ত ব্যক্তিকে নির্দিষ্ট সময়ে আনাইবার বা উপস্থিত করাইবার জনো ওয়ারন্ট দিতে অথবা উচিত বোধ করিলে সমন দিতে পারিবেন।

- (২) এই ধারার কোন কথাক্রমে ৯০ ধারার বিধানের কোন ব্যতিক্রম হইবে বলিয়া জ্ঞান হইবে না।
- (৩) যৎকালে যে কোন আইন প্রচলিত থাকে তদম্পারে কোন পরওয়ানার কী বা অপর কা দেয় হইলে, যাবৎ ঐ কী দেওয়া না হয় তাবৎ সমন দেওয়া যাইবে না, এবং যুক্তিযুক্ত সময়ের মধ্যে ঐ কী দেওয়া না গেলে মাজিউটে মোকদমা ডিদ্মিদ করিতে পারিবেন।

২০৫ ধারা। (১) যখন কোন মাজিস্টেট সমন দেন, উপযুক্ত কারণ জানিলে অভি-আজ্মুক্ত ব্যক্তির অনুমতি দিতে মাজিট্রেটের ক্ষমতার কথা। হইয়া আপনার পক্ষের উকী-লের দ্বারা উপস্থিত হইবার

অহুমতি দিতে পারিবেন।

(২) কিন্তু কার্য্যাম্ষ্টানের কোন সময়ে ভদস্তকারী বা বিচারকারী মাজিস্টেট আপুন বিবেচনামতে অভিযুক্ত ব্যক্তির স্বয়ং উপস্থিত হইবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন, এবং আবশ্যক গইলে পুর্ব্ব প্রদত্ত বিধানমতে তাহাকে বলপুর্বাক উপস্থিত করাইতে পারিবেন।

# ১৮ जहोन्स जधााय ।

সেশন আদালতের কি হাই কোর্টের বিচার্য্য মোকদ্দমার তদন্ত বিষয়ক বিধি।

২০৬ ধারা । (১) ৪৪৩ ধারার বিধান মানিয়া কোন
প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট কিয়া
বিচারার্থ সমর্পন কবিবাব
জন্মার মাজিস্টেট কিয়া এহকুমার মাজিস্টেট কিয়া প্রথম
শ্রেণীর কোন মাজিস্টেট কিয়া এতৎ পক্ষে স্থানায়
গবর্ণমেন্ট হইতে ক্ষমতা প্রাপ্ত কোন মাজিস্টেট দেশন
আদালতের কিয়া হাই কোর্টের বিচার্য্য কোন অপরাধ
হেতুক কোন ব্যক্তিকে ঐ আদালতে কি কোর্টে সমর্পন
করিতে পারিবেন।

(২) কিন্তু এই আইনে প্রকারান্তরের বিধান না থাকিলে সেশন আদালতৈর বিচার্য্য কোন ব্যক্তিকে বিচারার্থে হাই কোটে সমর্পণ করা যাইবে না।

২০৭ ধারা। কেবল সেশন আদালতের কি হাই
কোর্টেরই বিচার্য্য মোকদ্দমার
সমপণার্থে প্রথমে তদন্ত
লইবাব কার্য্যপ্রণালীর কথা।
হাই কোর্টে কি সেশন আদালতে
যে মোকদ্দমার বিচার হওয়া উচিত, সেই মোকদ্দমায়
মাজিফ্রেটেদের সমুখে যে তদন্ত লওয়া যায় তিছিবয়ে
নিম্নলিখিত প্রণালীমতে কার্য্য করিতে হইবে।

২০৮ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তি উপস্থিত হইলে

অথবা তাহাকে মাজিফ্রেটের

সম্বুখে উপস্থিত করা গেলে

মাজিফ্রেট কেহ বাদী থাকিলে

তাহার বক্তব্য শ্রাবন করিবেন ও অভিযোগের পক্ষে বা
অভিযুক্ত ব্যক্তির পক্ষে যে সকল সাক্ষ্য উপস্থিত করা

যায় বা যাহা মাজিফ্রেট তলব করেন তাহা পাকালিখিত
বিধানমতে গ্রহন করিবেন।

- (२) অভিযুক্ত ব্যক্তি অভিযোগের পক্ষে সাক্ষী-দিগকে জেরা করিতে পারিবেন, এবং ঐরপ স্থলে অভিযোক্তা তাহাদিগকে পুন্ধার পরীক্ষা করিতে পারিবেন।
- (৩) কোন সাক্ষীকে কি কোন দলীল কি অন্য বস্তু
  উপস্থিত করাইবার নিমিত্ত বাদী
  আবো সাক্ষ্য উপস্থিত
  করাইবার পব ওয়ানাব কথা।
  চালান তিনি কি অভিযুক্ত ব্যক্তি
  মাজিস্টেটের নিক্টে পরওয়ানা দিবার প্রার্থনা করিলে
  মাজিস্টেট ঐ পরওয়ানা দিবেন, কিন্তু তদ্রপ পরওয়ানা
  দেওয়া অনাবশ্যক জ্ঞান করিলে যুক্তি লিপিবদ্ধ করিয়া
  পরওয়ানা দিবেন না।
- (৪) প্রেসিডেন্দী মাজিফ্রেটকে যে আপনার যুক্তি নিপিবদ্ধ করিবার আদেশ হইল, এই ধারার কোন কথায় এরপ জ্ঞান করা যাইবে না।

২০৯ ধারা। (১)২০৮ ধারার (১) ও (৩) প্রকরণের উল্লিথিত সাক্ষ্য লইয়া এবং সাক্ষ্যে

যে ক্লে অভিমূক্ত অভিমূক্ত ব্যক্তির বিৰুদ্ধে যে
নাইবে তাহাব কথা।

তাহার ব্যাখ্যা করিতে সমর্থ
করিবার নিমিত্ত অভিমূক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা করিয়া অভিমুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সমর্পণ করিবার বিশিষ্ট হেতু
নাই মাজিষ্টেট এমত বোধ করিলে ঐরপা বোধ' করিবার হেতু লিপিবদ্ধ করিয়া তাহাকে ছাড়িয়া দিবেন।
কিন্ধু আপনার সম্মুখে কিন্ধা অন্য কোন মাজিষ্টেটের
সম্মুখে সেই ব্যক্তির বিচার হওয়া উচিত তাঁহার এরপা

বোধ হইলে তিনি তদহ্যায়া কার্য্য করিবেন।
(২) অভিযোগ অমূর্লক বিবেচনা করিলে, হেছু
লিপিবন্ধ করিয়া, মাজিষ্টেট মোকদ্দমা চলনের এতৎপূব্ধ কোন স্বস্থায় অভিযুক্ত ব্যক্তিক যে ছাভিয়া দিতে

পারিবেন না, এই ধারার কোন কথাক্রমে এরপ জ্ঞান করা যাইবে না।

২১০ ধারা। (১) তদ্রপা সাক্ষ্য লওয়া গেলে পর
এবং তদ্রপা পরীকা যদি করা
কখন অনুভযোগশত্রপ্রত্তত ধায় তাহা করা গেলে পর যদি
মাজিক্টেট স্থির করেন যে,
মোটামুটি অভিযোগের বিষয় সাব্যক্ত হইয়াছে ও অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সমর্পন করিবার বিশিষ্ট হেডু
আছে, তবে অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে যে অপরাধের
অভিযোগ হইল তাহা নির্দেশ করিয়া আপনার স্বাক্ষরযুক্ত অভিযোগপত্র প্রস্তুত করিবেন।

(২) অভিযোগপত্ত প্রস্তুত হইলে পর অভিযুক্ত ব্যক্তির নিকটে পাঠ করা ব্যক্তির নিকটে পাঠ করা যাইবে ও তাহাকে বুঝাইয়া অভিযোগপত্তের নকল দেওয়া যাইবে ও সে চাহিলে দিবাব কথা। তাহার নকল বিনা খরচায়

২১১ ধারা। (১) বিচারকালে অভিযুক্ত ব্যক্তি সাক্ষ্য দিবার জন্য কাহাকে সমন বিচাব,কালে প্রতিবাদির করাইতে চাহিলে যাহাদিগকে সপক সাক্ষীদের নাম-নির্ঘক্তের কথা।
 সমন করাইতে চাহে, তৎ-কালেই তাহাদিগের নাম বাচনিক জানাইতে কি লিখিয়া দিতে তাহার প্রতি আজ্ঞা হইবে।

(२) মাজিস্টেট স্থায় বিবেচনামতে তৎপশ্চাৎ কোন কালেও অভিযুক্ত অভ্যুক্ত ব্যক্তিকে দাক্ষীদের নামের আর এক কর্দ দিবার অহ্মতি দিতে পারেন; এবং অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে হাই কোর্টের সমুখে সমর্পণ করা গেলে অভিযুক্ত ব্যক্তি বিচারকালে সাক্ষ্য দিবার জন্য অন্য ব্যক্তিদের নামে সমন দেওয়াইতে বৃঞ্ছা ক্রিলে, বিচার হইবার পর্বের কার্ক অফ দি কোন সাহেবকে তাহাদের নামের নির্দিন্ট দিবার তাহার কোন বাধা আছে, এই ধারার কোন কথাক্রমে এমত বোধ হইবে না।

২১২ ধারা। ২১১ ধারামতে মাজিফ্টেটকে যে
সাক্ষীদের নামের ফর্দ্দ দেওয়া
মাজি-১ইটেব তজ্ঞশ যায় স্থীয় বিবেচনামতে তিনি
সাক্ষীদেগকে পরীক্ষা করিবার ক্ষমতাব কথা।

দিয়া পরীক্ষা করিতে পারিবেমা।

২১৩ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি ২১১
ধারামতে ফর্দ দিবার আদেশ
বিচারার্থে সমর্পন করিবার আজ্ঞার কখা।
জ্ববা সে ডদ্রপ ফর্দ দিলেও,
মাজিকেট যাহাদের পারীকা লইতে চাহেন তন্মধ্যে এমন

শাক্ষী যদি থাকে ভাহাদিগকে ২১২ ধারামতে সমন করিয়া পরীক্ষা করা গেলে, মাজিষ্টেট হাই কোর্টে কি স্থলবিশেষে, সেশন আদালতে বিচারার্থে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন এবং শ্রেসিডেন্দী মাজিষ্টেট না হইলে ঐ আজ্ঞাতে তদ্রপ সমর্পণ করিবার হেতু সংক্ষেপে লিপিবদ্ধ থাকিবে।

(२) প্রতিবাদীর সাক্ষীদিগের উক্তি শুনিবার পর যদি মাজিফ্রেটের এরপ প্রতীতি হয় যে, অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ঐরপে সমর্থণ করিবার পক্ষে উপযুক্ত কারণ নাই তাহা হইলে তিনি অভিযোগ রহিত করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

২১৪ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি ইউরোপীয় রটিয
প্রজানা হইলে যদি তাহার নামে
কর্তবোপীয় রটিষ প্রজাব
নাহিত বাজধানী নগবের
বাহিবে ওকল অভিযুক্ত
ব্যক্তির কথা।

ইটিম প্রজা একই ব্যাপার মূলক
ভদ্রপ অভিযোগে শীঘুই হাই কোর্টে বিচারার্থে
সমর্পিত হইবে কিন্তা হাই কোর্টে যাহার বিচার হইবে
ভাহার সঙ্গে ব্যক্তিকে বিচারার্থে সমর্পন করিবার

তাহার সঞ্চে সংযুক্ত হইয়া সে অপরাধ করিয়াছে, ও সেই অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সমর্পন করিবার বিশিষ্ট হেতু আছে মাজিস্টেট যদি এরপ বোধ করেন তবে তিনি সেই অভিযুক্ত ব্যক্তিকে হাই কোর্টে বিচার হইবার নিমিন্তে সমর্পন করিবেন, সেশন আদালতে নয়।

২১৫ ধারা। কোন উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন মাজিফ্রেট ২১৩ কি ২১৪ ধারামতে কিন্তা ২১৩ কি ২১৪ ধাবামতে কোন দেশন আদালত ৪৭৭ বিচাবার্থে সমর্ণণ অসিদ্ধ ধারামতে কিম্বা কোন দেওয়ানী কবিব;ব কথা। রাজস্ব আদালত ৪৭৮ ধারামতে একবার বিচারার্থে সমর্পণ করিলে, কেবল হাই কোট তাহা অসিদ্ধ করিতে পারিবেন, তাহাও কেবল আইন ঘটিত বিষয় ধ্রিয়া পারিবেন।

২১৬ ধারা । অভিযুক্ত ব্যক্তি ২১১ ধারামতে
সাক্ষাদের নামের নির্গতীপার
অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমদলে ও তাহাকে বিচারার্থে
পণ করা গেলে প্রতিরাদীর সাক্ষীদিগকে সমন
দিবার কথা।
লিখিত যে সাক্ষীরা আপনার সম্মুখে উপস্থিত হয়
নাই যে তাদালতে অভিযুক্ত ব্যক্তি বিচারার্থে সমর্পিত
হইরাছে যাজিফ্রেট তাহাদিগকে সেই আদালতে উপ

কিপ্প উক্ত ব্যক্তিকে হাই কোর্টে সমর্পন করা গেলে মাজিফ্রেট স্থায় বিবেচনামতে ক্লার্ক অফ দি কোনের জন্য উক্ত সাক্ষাদিগকে সমন করিবার কার্য্য রাখিয়া দিতে পারিবেন; এবং তদ্মসারে উক্ত সাক্ষাদিগকে সমন করা যাইতে.পারিবে। পরস্ত কেবল কট দিবার কি বিলম্ব করিবার কিম্বা

অনাবশ্যক দাক্ষীর থর6! আমানত না হইলে তাহাকে দমন কবিতে অস্বীকাব করিবাব কথা। ন্যায়বিচারের উদ্দেশ্য নিক্ষল করিবার জন্য সাক্ষীদের নাম-নির্ঘটে কোন ব্যক্তির নাম লেখা গিয়াছে মাজিক্টে এমত বোধ করিলে, সেই সাক্ষীর

সাক্ষ্য অত্যন্ত প্রয়োজনীয় বলিয়া বিশ্বাস করিবার যে যুক্তিযুক্ত হেডু আছে তছিয়য়ে ঠাঁহার প্রতীতি জন্মাই-বার জন্য ক্লন্ডিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি আদেশ করিতে পারিবেন। মাজিক্টেট সাহেবের প্রন্ধপ প্রতীতি না জন্মাইলে তিনি প্র সাক্ষীকে সমন করিতে অন্ধীকার করিবার হেডু লিখিয়া অন্ধীকার করিতে পারিবেন কিন্তা প্র সাক্ষীকে উপস্থিত করাইবার নিমিন্ত যত খরচ আবশ্যক জ্ঞান করেন তিনি প্র সাক্ষীকে সমন করিবার পূর্ব্বে তত টাকা ও অন্য সকল উপযুক্ত খরচ আমানত করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

২১৭ ধারা। (১) সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে যে বাদিদের ও অভিযোগের বাদিদের ও অভিযোগের বাদিদের ও পাক্ষীদের ও প্রভিবাদের সপক্ষ যে সাক্ষীদের উপস্থিত হওয়া আবশ্যক তাহারা মাজিস্টেটের সমুখে উপস্থিত থাকিলে, সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে মোকদ্দমা ঢালাইবার কিম্বা স্থলবিশেষে সাক্ষ্য দিবার জন্য ডাকা গেলেই তাহারা উপস্থিত হইবে মাজিফ্রেট সাহেবের সাক্ষাতে এই মর্শ্বের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবে।

(২) কোন বাদী কি সাক্ষী সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে উপস্থিত হইতে, উপস্তি হটতে কি কিম্বা পূৰ্ব আজ্ঞামত নিবন্ধ-নিবন্ধপত লিখিয়া দিতে পত্র লিখিয়া দিতে অস্বীকার স্থীকাৰ না কৰিলে ছেফা-করিলে, যত কাল ঐ পত্র ষতে বাখিবাৰ কথা। লিখিয়া না দেয় কিন্তা সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে তাহার যত কাল উপস্থিত হওয়া প্ৰয়োজন না হয় মাজিফ্টেট তাহাকে তত কাল হেফাজতে রাখিতে পারিবেন। এরপ প্রয়োজন হইলে মাজিফ্রেট তাহাকে গ্রহরির জিম্মায় সেশন আদা-লতে কি স্থলবিশেষে হাই কোর্টে পাঠাইবেন।

২১৮ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সম্পূর্ণ করা গেলে মাজিফ্রেট গ্রুক কর্ম গেলে মাজিফ্রেট গ্রুক কর্মক যে ব্যক্তি অতৎপক্ষে নিযুক্ত হন তাঁহার নামে আজ্ঞাপত্র দিয়া ঐ সমর্পন হইবার কথা জানাইয়া অভিযোগপত্রের পাঠাহ্নসারে অপরাধজ্ঞাপক পত্র দিবেন। কিন্তু যদি মাজিফ্রেটের প্রতীতি জন্মেয়ে উক্ত ব্যক্তি সমর্পন হইবার বিষয় ও অভিযোগপত্রের পাঠ অবগত আছেন, তবে তাঁহার নামে আজ্ঞাপত্রাদি দিবেন না।

এবং যে অভিযোগপত্তি ও তদন্তের কাগজপত্ত ও

অন্ধ শন্ত্র কি অন্য দ্রব্য প্রমাণঅভিযোগণত্ত প্রভৃতি
হাই কোটে বা দেশন
আদালতে পাঠাইবান কথা। হয় তাহা ঐ মাজিফ্টেট দেশন
আদালতে কিন্তা (হাই কোটে
সমর্পণ হইয়া থাকিলে) ক্লার্ক অফ দি কোন সাহেবের
বা এতৎপক্ষে হাই কোটের নিযুক্ত অন্য কর্মচারির "
নিকট প্রেরণ করিবেন।

(২) যখন হাই কোর্টে বিচারার্থে সমর্পণ করা যায়,
নখীর অংশবিশেষ যদি ইংরাজী
ইংবাজী অন্তবাদ হাই ভাষায় লিখিত না হয়, তবে
কোটে পাঠাইতে হইবার
নখীর সঙ্গে ঐ অংশের
কথা।
ইংরাজী অমুবাদ পাঠাইতে

হইবে।

২১৯ ধারা। (১) সমর্পণ হইবার পর ও বিচার
কার্য্যের আরম্ভ হইবার পুর্বে আত্তবিক্ত সাক্ষীদিগকে সমন করিবাব ক্ষমতাব কথা।

তাতিরিক্ত সাক্ষীদিগকে সমন করিয়া তাহাদের পরীক্ষা লইক্তে পারিবেন, ও পূর্ববিহিত্ত প্রকারে তাহাদিগকে উপস্থিত হইয়া সাক্ষ্য দিতে প্রতিজ্ঞাবদ্ধ করিতে পারিবেন।

(?) হইতে পারিলে, অভিযুক্ত ব্যক্তির সাক্ষাতে ঐ পরীক্ষা লওয়া যাইবে ও মাজিফ্রেট প্রেসিডেপী মাজি-ফ্রেট না হইলে, অভিযুক্ত ব্যক্তি যদি চাহে ভাহাকে বিনা খরচে ঐ সাক্ষাদের জবানবন্দীর নকল দেওয়া বাইবে।

২২০ ধারা। বিচারের অপেকায় ও বিচারকালে
মাজিফেট হাজিরজামিন সম্বন্ধে
বিচারের অপেকায় অভিযুক্ত ব্যক্তিকে হাজতে
বাধিবাৰ কথা।

ওয়ারন্ট দ্বারা হেফাজতে স্ম-

প্ৰ ক্রিবেন।

# ১৯ ঊনবিংশ অধ্যার।

অভিযোগের বিধি।

অভিযোগ লিখিবার পাতের বিধি।

২২১ ধারা।(১) অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে যে অপরাধের অভিযোগ হয় এই আইনমভ অভিযোগপত্রে অপবাধ নির্দ্দিট করিবার কথা।

থাকিবে।

(২) যে আইনে কোন কর্ম অপরাধ বলিয়া নির্দ্ধিষ্ট হয় সেই আইনে ঐ অপরাধের অপরাধের বিশেষ নাম থাকিলে, অভি-যোগপত্রে কেবল সেই নাম উল্লেখ করিয়া অপরাধ নির্দ্ধিষ্ট হইতে পারিবে।

(৩) যে আইনে কোন কর্ম অপরাধ বলিয়া নির্দিষ্ট হয় সেই আইনে ঐ অপভাশবাধের নাম নিরূপণ রাধের বিশেষ নাম না থাকিলে,
না হইলে যেরূপ বর্গনা
ইইবে তাহার কথা।

ত্যানিতে পায় এই নিমিত্ত ঐ অপরাধ নির্দেশ করণের যত কথা উল্লেখ করা প্রয়োজন তাহার উল্লেখ করিতে হইবে।

- (৪) যে আইনের এবং আইনের যে ধারার বিরুদ্ধে অপরাধ করা গিয়াছে বল। যায়. অভিযোগপত্রে সেই আইনের ও সেই ধারার উল্লেখ করিতে হইবে।
- (৫) কোন স্থলৈ অপারাধের শুভিযোগ হইলে আইন সংক্রাপ্ত যে২ নিয়ম না থাকিলে অভিযোগপতে বে অনু-মান গইবে ভঃহাব কথা। অপারাধ হয় না, সেই স্থলে ঐথ নিয়ম যে পূর্ব হইল ঐ অভিযোগই ইহার বর্ণনার ভূলা।
- (৬) রাজধানী নগর সমূহে অভিযোগপত্র ইংরাজী ভাষায় লিখিত হইবে; অন্যত্র লেখা যাইবে তাগার কথা। কিছা আদালতের ভাষায় লেখা যাইবে।
- (৭) পূর্বে যদি অভিযুক্ত ব্যক্তির কোন অপরাধ নিণয় হইয়া থাকে এবং আদা-পূর্বে অপবাধ নির্ণম লভ ধে দণ্ডের আজ্ঞা করিবার ক্ষমভাপন্ধ হন ভাহার রুদ্ধি কি হ্রাস করণাভিপ্রায়ে যদি পূর্বেনির্ণীত অপরাধ প্রমাণ করিবার কম্পনা থাকে, ভবে পূর্বের অপরাধ নির্ণয় হইবার কথা ও যে ভারিখে ও স্থানে অপরাধ নির্ণয় হইয়াথে ভাহা শভিযোগপত্রে লিখিতে হইবে! প্রথমে যদি না লেখা গিয়া ধাকে ভবে দণ্ডের আজ্ঞা হইবার পূর্বের কোন সময়ে ভাহা আদালত অভিযোগপত্রে সংযোগ করিয়া দিতে পারি-

### উদাহরণ।

- (ক) আনন্দের নামে বসরামকে বধকরণাভিযোগ হয়। ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৯৯ ও ৩০০ ধারায় উক্ত অপারাধের যে অর্থ নির্ণয় হইয়াছে সেই অর্থের মধ্যে আনন্দের কর্ম আইসে ও দণ্ডবিধির আইনের সাধারণ বর্জ্জিত কথার মধ্যে আইসে না, ও ৩০০ ধারায় যে পাঁচটি বর্জ্জিত কথা আহে তাহার কোন কথার মধ্যে আইসে না কিম্বা প্রথম বর্জ্জিত কথার মধ্যে ঘাদিও আইসে না কিম্বা প্রথম বর্জ্জিত কথার মধ্যে ঘাদিও আইসে ভ্রমাপি ঐ বর্জ্জিত কথার ভিন নিয়মবিধির মধ্যে অন্যতর নিয়মবিধি ঐ অন্তি-যোগের প্রতি খাটে, উক্ত অন্তিযোগই ঐ সকল কথার বর্ণনার ভুল্য।
- (খ) আনন্দ গুলি ছুড়িকার যন্ত্র দ্বারা ইচ্ছাপ্র্বক বলরামের গুঁকতর পাড়া জ্বন্দাইরাছে বলিয়া ভারত-

বর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৬ ধারামতে ভাহার নামে অভিযোগ হয়। এই স্থলে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩৩৫ ধারায় ঐ অপরাধের বিধান হয় নাই ও সাধারণ বর্জ্জিত কথা ঐ অপরাধের প্রতি বর্তে না, উক্ত অভিযোগই এমত বর্ণনার ভূষ্য।

- (গ) আনন্দের নামে বধু বা প্রবঞ্চনা বা চে য্যা
  বা অপহরণ বা পরদার গমন বা অপরাধভাবে জয়
  দর্শাওন বা দ্রব্যের স্থামিত্তর চিক্ল মিথ্যারূপে ব্যবহার
  করণ অপরাধের অভিযোগ হয়। ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনে ঐং অপরাধের ষেং অর্থ নির্ণয় হইয়াছে
  অভিযোগপত্রে তাহার উল্লেখ না হইয়া আনন্দ বধ
  করিয়াছে বা প্রবঞ্চনা বা চোর্য্য বা অপহরণ বা পরদার
  গমন করিয়াছে বা অপরাধ্যটিত ভয় দর্শাইয়াছে বা
  দ্রব্যের স্থামিত্বের চিক্ল মিথ্যারূপে ব্যবহার করিয়াছে
  কেবল এইং বননা থাকিতে পারে; কিন্তু উক্ত প্রত্যেক
  স্থলে যে ধারামতে অপরাধের দণ্ড হইতে পারে অভিযোগপত্রে তাহার উল্লেখ করিতে হইবে।
- থি) রাজকীয় কার্য্যকারক আইনসিদ্ধ ক্ষমতামতে কোন দ্রব্য বিক্রয় করিতে উদ্যুত হইলে আনন্দ ইচ্ছা পুন্ধক বিক্রয়ের বাধা দিয়াছে বলিয়া ভারতবর্বের দণ্ড-বিধির আইনের ১৮৪ ধারাত্র মে আনন্দের নামে অভিযোগ হয়। তদ্রপ কথা অভিযোগপত্রে লিখিতে হইবে।

২২২ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে কিরপ অভিস্দর্যের ও ভানের ও হোগ ছইল এই কথা তাহার ব্যক্তির বিশেষ বিবরণের যুক্তিসিদ্ধরূপ প্রচুরমতে জানিক্থা। বার জন্যে কথিত অপরাধ ইইবার সময়ের ও ছানের ও কোন ব্যক্তির বিপক্ষে হইলে যে ব্যক্তির বিপক্ষে বা কোন দ্বর্য সম্বন্ধে ইইলে যে দ্ব্য সম্বন্ধে অপরাধ ইইকাছে তাহার নামাদির রক্তান্ত যত দূর লেখা প্রয়োজন অভিযোগপত্রে তাহা লিখিতে ইইবে।

২২৩ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে যে বিষয়ের অভিযোগ হয় যদি মোকদ্দমার অপায়ধ কি প্রকাবে করা ভাব বিবেচনায় ২২১ ও ২২২ গিয়াছিল এই কথা যে স্থলে ব্যক্ত করিতে হইবে তাহার কথা।

মতে জানিতে না পারে তবে কথিত অপারাধ যে প্রকারে করা গিয়াছিল ইহার বিশেষ যে কথা লিখিলে পর্ব্বোক্ত অভিপ্রায় সফল হয় তাহাও, অভিযোগপত্রে লিখিতে ইইবে।

## উদাহরণ।

- কে) আনন্দের নামে অমুক সময়েও স্থানে অমুক দ্ব্য চুরি করিবার অভিযোগ হয়। যে প্রকারে চুরি হইয়াছিল অভিযোগপত্তে তাহা লিখিবার আবৃশ্য-কতা নাই।
- (খ) অমুক সময়ে ও ছানে বলরামকে প্রবঞ্জণ করিয়াছে বলিয়া আনন্দের নামে অভিযোগ হইলে,

আনন্দ যে প্রকারে বলরামকে প্রবঞ্চনা করিয়াছে অভি-যোগপত্তে সেই কথা লিখিতে হইবে।

- (গ) অ'নন্দের নামে অমুক সময়ে ও স্থানে মিথা সাক্ষ্য দেওয়ান অপরাধের অভিযোগ হইলে, আনন্দের সাক্ষ্যের যে অংশ মিথ্যা বলিয়া কথিত হইল অভিযোগ-পত্রে সেই অংশ লিখিছে হইবে।
- (ঘ) বলরাম নামক রাজকীয় কার্য্যকারক রাজকীয় কর্ম নির্বাহ করিভেছেন এমন সময়ে আনন্দ অমুক সময়ে ও স্থানে তাহাকে বাধা দিয়াছিল বলিয়া আনন্দের নামে অভিযোগ হইলে, বলরামের কর্ম নির্কাহকরণ সময়ে আনন্দ কি প্রকারে তাঁহার বাধা দিয়াছিল অভিযোগপত্তে এই কথা লিখিতে হইবে !
- (ও) আনন্দ অমুক সময়ে ও স্থানে বলরামকে বধ করিয়াছে বলিয়া তাহার নামে অভিযোগ হইলে, আনন্দ কি প্রকারে বলরামকে বধ কয়িয়াছিল অভিযোগপত্রে এই কথা লিখিবার আবশ্যক্তা নাই।
- (চ) বলরামের দণ্ড না হয় এই উদ্দেশ্যে আনন্দ আইনের কোন আদেশ অমান্য করিয়াছে বলিয়া তাহার নামে অভিযোগ হয়। যে কার্য্য দ্বার। আদেশ অমান্য করা হইয়াছে ও যে আইন লজ্ঞান হইয়াছে অভিযোগপত্তে তাহা লিখিতে হইবে।

অভিযোগপত্তে কে ন প্রত্যেক ২২৪ ধারা। অপরাধ বর্ণনা করিতে যেং ঁশব্দের ব্যবহার হয় ঐ অপরাধ যে আইনক্রমে অপ-রাধের দণ্ড হয় সেই আইন-যে আইনমতে দণ্ডনীয় সেই অভিযোগ-মত তার্থে আইনে সেই২ শব্দের যে২ প্ত্রেব শক্কের অর্থ গুগীত অৰ্থ আছে অভিযোগপত্ৰে হইবার কথা। সেই২ অর্থে ব্যবহার হইয়াছে

## বলিয়া জ্ঞান করা যাইবে।

২২৫ ধারা। (১) অপরাধ যে প্রকারে লেখা যায়
কিছা অভিযোগপতে যে রক্তান্ত
লিখিতে কোন ভ্রম হইলে, এবং অপরাধ লিখিতে কিছা
ঐ রক্তান্ত ব্যক্ত করিতে ক্রটি হইলে, যদি সেই ভ্রম কি
ক্রটি দ্বারা অভিযুক্ত ব্যক্তির বস্তুতঃ ভ্রম না হইয়া
থাকে ও তাহাতে ন্যায়বিচার ব্যর্থ না হইয়া থাকে তবে
যোকদ্মার বিচার করণের কোন কালে ঐ ভ্রম কি ক্রটি
শুক্তর বলিয়া জ্ঞান হইবে না।

(২) বিশেষ করিয়া নির্দেশ করা হয় নাই কিষা
অন্য দ্বকমে এই অধ্যায়ের আদেশ পালিত হর নাই
এই হেতুতে কোন অভিযোগপত্র সম্বন্ধে আপত্তি করিতে
হইলে ভাহা যত লীজ্র-হয় স্বযোগ পাইলেই করিতে
হইবে, এবং ঐরপে করা নাগেলে, অভিযোগপত্র দাঁড়াযত কি প্রচুররূপ হয় নাই এই হেতুতে কোন উদ্ধাতন
আদালত আপীলে বা সংশোধন কালে কোম নির্ণয়,
দণ্ডাজ্ঞা বা আজ্ঞা অন্যধা বা পরিবর্তিত করিবেন না।

## উদাহরণ।

- (ক) আনন্দের নিকট ক্বত্রিম মুদ্রা ছিল ও আনন্দ যে
  সময়ে তাহা পাইয়াছিল দেই সময়ে তাহা ক্বত্রিম জানিত
  বলিয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৪২ ধারামতে
  তাহার নামে অভিযোগ হইল। কিন্তু অভিযোগপত্রে
  "প্রতারণান্ডাবে" কথা লেখা হয় নাই। দেই শব্দ না লেখাতে আনন্দের বস্তুতঃ ভ্রম হইয়াছে ইহা দৃষ্ট না হইলে ঐ ভ্রম গুরুতর বলিয়া জ্ঞান করিতে
  হইবে না।
- (খ) আনন্দের নামে বলরামকে বঞ্চনা করিবার অভিযোগ হয়, কিয়ু কি প্রকারে তাঁহাকে বঞ্চনা করিয়া-ছিল এই কথা অভিযোগপত্তে লেখা যায় নাই কিয়া অভদ্ধরূপে লেখা গিয়াছে। আনন্দ প্রতিবাদ করিয়া সাক্ষীদিগকে ডাকিল ও সেই ব্যাপার সম্বন্ধে নিজের বিবরণ জ্ঞানাইল। আদালত ইহা দেখিয়া সেই বঞ্চনা কার্য্য যে প্রকারে করা গিয়াছিল, তাহা না লেখা গুরুতর নয় বলিয়া অয়ুমান করিতে পারিবেন।
- (গ) আনন্দের নামে বলরামকে বঞ্চনা করিবার অভিযোগ হয়, কিন্তু কিপ্রকারে তাঁহাকে বঞ্চনা করিয়াছিল এই কথা ঐ অভিযোগপতে লেখা যায় নাই। আনন্দের ও বলরামের মধ্যে অনেক ব্যাপার চলিত; অত্পর কোন্ব্যাপার ধরিয়া ঐ অভিযোগ হইল আনন্দ ইয়। নিরূপণ করিতে না পারিয়া প্রতিবাদ করে নাই। এই স্থলে বঞ্চনা কি প্রকারে করা গিয়াছিল, এই কথা না লেখাই গুরুতর ভ্রম, আদালত উক্ত র্ভান্থ দৃট্টে এই অনুমান করিতে পারিবেন।
- (ঘ) আনন্দ ১৮৮২ সালের জাহ্যারি মাসের ২১ তারিখে খোদাবদ্ধকে বধ করিয়াছে বলিয়া তাহার নামে অভিযোগ হয়। হত ব্যক্তির প্রকৃত নাম হায়দরবক্স ও ১৮৮২ সালের জাহ্যারি মাসের ২০ তারিখে তাহাকে বধ করা হয়। কিন্তু আনন্দের নামে সেই একটী বধাপরাধ ভিম্ন অন্য বধাপরাধের অভিযোগ হয় নাই ও কেবল হায়দরবলের বধের বিষয়ে মাজিস্টেটের সম্মুখে তদন্দ লওয়া গেলে আনন্দ উপস্থিত হইয়। তাহা শুনিল। এই রভান্ত দৃফে আনন্দের ভ্রম হয় নাই ও অভিযোগপত্রে যে ভূল ছিল তাহা শুক্তর নয়, আদালত এই অহ্মান করিতে পারিবেন।
- (৬) আনন্দ ১৮৮২ সালের জন্মারি মাসের ২০ তারিখে হায়দরবয়কে বধ করে ও খোদাবয় তাহাকে ধরিতে গেলে ১৮৮২ সালের জান্মারি মাসের ২১ তারিখে তাহাকেও বধ করে, আনন্দের নামে এই মাডিযোগ হইল। হায়দরবয়কে বধ করিবার অভিযাগে খোদাবয়কে বধ করিবার নিমিত ভাহার বিচার হয়। তাহার সপক্ষে যে সাক্ষীরা উপস্থিত ছিল ভাহারাও হায়দরবয়ের বধের মাকদ্মার সাক্ষী। ইহাতে আনন্দের ভ্রম হইয়াছে ও গুরুতর ভূল হইয়াছে, আদালত এই অন্নান করিতে পারিবেন।

২২৬ ধারা। অভিযোগপত্র বিনা বা অসম্পূর্ণ বা

অভিযোগপত্র বিনা বা অস**ল**ূৰ্ণ অভিযোগণত সহিত সমর্পণ করা গেলে, কার্য্যপ্রণালীর কথা।

ভ্ৰাম্ভিজনক অভিযোগপত্ৰ সহিত বিচারার্থে কোন ব্যক্তিকে সমর্পণ করা গেলে, আদালত, বা হাই কোর্ট হইলে, ক্লার্ক অফ দি কৌন এই আইনে অভি-

যোগপত্র লিখিবার পাঠের বিষয়ে যেং বিধি আছে 🛶 ইং বিধিতে মনোযোগ করিয়া অভিযোগপত্ত প্রস্তুত করিতে বা স্থল বিশেষে তাহা পরিবর্দ্ধিত বা প্রকারাম্ভরে পরিবর্ত্তিত করিতে পারিবেন।

২২৭ ধারা। (১) কোন আদালতের নিষ্পত্তি প্রচার

অভিযোগণত পবিবর্ত্তন করিতে আদালতের ক্ষম-তার কথা।

করিবার পূর্বের কোন সময়ে, কিম্বা সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে মোকদ্দমার বিচার হইলে জ্রির মীমাংসা জানাই-

বার কিম্বা আদেসরদের মত ব্যক্ত হইবার পূর্বেক কে:ন সময়ে, ঐ আদালত কোন অভিযোগপত পরিবর্তন করিতে কিম্বা তাহাতে যোগ করিতে পারিবেন।

(২) পরিবর্ত্তিত কণা অভিযুক্ত ব্যক্তির নিকট পাঠ করা থাইবে ও তাহাকে বুঝাইয়া দেওয়া যাইবে।

২২৮ ধারা। ২২৬ বা ২২৭ ধারামতে অভিযোগ-

যেং স্থলে পবিবর্ত্তন হই-লেই বিচারের কাহ্য চলিতে পাবে ভাগাব কথা।।

পত্র যেরূপে প্রস্তুত বা পরি-বর্ত্তন করা খায়, তাহাতে যোকদমার কার্য্য অগোণে চলিলেও অভিযুক্ত ব্যক্তির

প্রতিবাদ করিবার বা অভিযোক্তার মোকদ্দমা চালাই-বার কোন ব্যাঘাতের সম্ভাবনা নাই, যদি আদালতের এমত বিবেচনা হয়, তবে ঐ আদাসত আপন বিবেচনা-মতে ঐ অভিযোগপত্র প্রস্তুত বা পরিবর্ত্তিত হইলে পর দেই নৃতন বা পরিবর্তিত অভিযোগপত প্রথম অভি-যোগপত্তির ন্যায় জ্ঞান করিয়া মোকক্ষমার বিচার কব্লিতে থাকিবেন।

২২৯ ধারা। ঘদি নৃতন বা পরিবর্ত্তিত অভিযোগ-পত্র এরূপ হয় যে তাহাতে যে শ্বলে নৃতন বিচাবেব মোকদ্দমার কার্য্য অংগাংশ আজা কিয়া বিচাব স্থগিত চলিলে পুর্বোক্তমত অভিযুক্ত হুইতৈ পারিবে ডাহার কথা। ব্যক্তির বা অভিযোক্তার

কার্য্যের ব্যাঘাতের সম্ভাবনা আদালত এমত বিবেচনা করিলে, নৃতন বিচার হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন, অথবা যতকাল আবশ্যক তত কাল বিচার কার্য্য স্থগিত রাখিতে পারিবেন।

পৰিবৰ্ত্তিত অভিযোগ-শতের লিখিত অপবাধ হেতৃক অনুমতি পাইংাব প্ৰয়োজন চইলে মোক-ক্ষাৰ কাৰ্য্য স্থগিত রাখিবার कथा।

২৩০ ধারা। নৃতন বা পরিবর্ত্তিত অভিযোগপত্রে যে অপরাধ ব্যক্ত হয় তদ্ধেতৃক প্রথমে অহ্মতি পাওয়া আব-শ্যক হইলে, যতকাল ঐ অন্ন-মতি পাওয়া না যায় ততকাল याकक्षमात्र कार्या ठिल्ट न। ; কিন্তু নৃতন বা পরিবর্ত্তিত

অন্তিযোগ যে ব্ৰভান্ত মূলক হয় সৈই ব্ৰভান্তমতে অভি-

যোগ করিবার অহুমতি পূর্বের পাওয়া গেলে মোকদ্দমা চলিতে পারিবে।

২৩১ ধারা। বিচারারম্ভ হইবার পর অভিযোগ-

অভিযোগপত্ৰ পৰিবৰ্ত্তিত হইলে সাক্ষীদিগকে পুনশ্চ ভাকিতে পাবিবার কথা।

পত্রের পরিবর্ত্তন বা ভাহাতে সংযোগ হইলে, পুর্বে শক্ষীর শাক্ষ্য লওয়া গিয়াছিল অভিযোক্তা এবং অভিযুক্ত

ব্যক্তি তাহাকে পুনশ্চ ডাকাইয়া বা সমন করিয়া সেই পরিবর্তন সম্বন্ধে পরীক্ষা করিবার এবং আদাসত অতিরিক্ত কোন সাক্ষীকে বিশেষ প্রয়োজনীয় বোধ করিলে তাহাকে ডাকাইবার অস্ক্রমতি পাইবেন।

২৩২ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হইলে অভিযোগপত্ৰ গুরুত্ব ভ্রম হুইলে তাহার থাকাতে বা শ্বভিযোগপত্তে ভ্রম থাকাতে তাহার প্রতিবাদ করণে ভ্রম হইয়াছে আপীল আদালকের কিন্তা সংশোধন করিবার ক্ষমতান্ত্র্সাবে কিম্বা ২৭ অধ্যায়নত ক্ষমতা-মুসারে কার্য্য করভঃ হাই কোর্টের এই মত হইলে, ঐং আদালত সেই অভিযোগপত্র যদ্রাপে প্রস্তুত করা উচিত বোধ করেন তজ্রপে প্রস্তুত করিয়া ভদ্রসারে

(২) মোকদ্দমার র্ভান্ত দৃষ্টে যে রভান্তের প্রমাণ হইল তথ্পলক্ষে অস্থিযুক্ত ব্যক্তির নামে কোন প্রক্রত অভিগোগ উপস্থিত করা যাইতে পারে না ঐ আদা-লতের এই মত হইলে, আদালত ঐ অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিবেন।

নৃতন বিচার হইবার আজ্ঞা করিবেন।

### উদাহরণ।

ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১৯৬ ধারামতে আনন্দের অপরাধ নির্ণয় হইয়াছে, কিন্তু সে ত্রুইভাবে সভ্য কি প্রকৃত বলিয়া যে প্রমাণের ব্যবহার করিয়াছে কি করিতে চেষ্টা করিয়াছে নেই প্রমাণটি সে মিখ্যা কি ক্বত্রিম জানিত ইহা অভিযোগপত্রে লেখা যায় নাই। আনন্দ সেই কথা জানিত কিন্তু অভিযোগ পত্রে তাহার সেই জ্ঞানের কথা লেখা না যাওয়াতে তাহার প্রতিবাদ করণের ভ্রম হইয়াছে, আদালত এই অত্মন্তব করিলে সংশোধিত অভিযোগপত্রাত্মসারে নৃতন বিচার হইবার আজ্ঞা করিবেন; কিন্তু আনন্দের সেই কথা জ্ঞাত না থাকা আহুষ্ঠানিক কাৰ্য্য দ্বারা আহুমান হইলে, আদালত ঐ অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিবেন।

### অভিযোগ সংযোগ করিবার কথা।

কোন ব্যক্তির নামে যেং স্বডম্ব २७७ शता। অপরাধের নালিশ হয় তাহার ভিন্নং অপবাধে ভিন্নং ভিন্নং অভিযোগ থাকিবে এবং অভিযোগ হইবার কথা। २७८ ७ २७६ ७ २७५ ७ ২৩৯ ধারার উল্লিখিত স্থলভিন্ন উক্ত প্রত্যেক অভি-যোগের স্বতক্ত বিচার করিতে ছইবে।

## উদাহরণ।

আনন্দ এক সময়ে চুরি করিয়াছে ও অন্য সময়ে গুৰুতর পীড়া জন্মাইয়াছে বলিয়া ভাষার নামে নালিশ হয়। ভাষার নামে চুরি করণের ও গুৰুতর পীড়া জন্মাওনের অভন্ত অভিযোগ করিতে ও ভাষার অভন্ত বিচার করিতে হইবে।

২৩৪ ধারা। (১) কোন ব্যক্তি বার মাসের মধ্যে প্রথমবিধি শেষ পর্যস্ত একই এক বংশরের মধ্যে এক প্রকারের অকাধিক জ্পারাধ প্রকারের অপাধি তিনবার ক্রিয়াছে বলিয়া জ্বিয়োগ হইলে, তিন বারের অন্ধিক সেই জ্পারধের অভিযোগ ও বিচার

### একই সময়ে হটতে পারিবে।

- (২) যেং অপান্ধানে ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের কিম্বা কোন বিশেষ বা ছানীয় আইনের একই ধারামতে একই পরিমাণে দণ্ড হইতে পারে সেইং অপারাধ একই একারের অপারাধ।
- (৩) অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে অপরাধভাবে বিশ্বাস-ঘাতকতা বা অপরাধভাবে টাকার অবিহিতরপ ব্যব-হারের অভিযোগ হইলে, বিশেষ যে যে দফায় অবিহিত রূপে ব্যবহার হইল কিন্তা ঠিক যে যে তারিখে অবিহিত রূপা ব্যবহার হইল তাহার নির্দেশ করা আবশ্যক হইবে না।

২৩৫ ধারা। (১) কএক ক্রিয়া পরস্পার সংযুক্ত ছইয়া
একই ব্যাপার ছইলে ও একই
ব্যক্তির দারা সেই ক্রিয়া ঘটিত
দুই কি তদধিক অপরাধ করা
গেলে, সেই ব্যক্তির নামে এককালে উক্ত প্রত্যেক
অপরাধের অভিযোগ ও বিচার ছইতে পারিবে।

- (২) যৎকালের প্রচলিত যে আইনমতে অপ্রাধের অর্থ নির্নয় ও দণ্ড হয় এমন একই অপ্রাধ ছই কোন আইনের নির্দ্ধিট স্বতম্ব সংজ্ঞাব মধ্যে আইলে তাহাব কথা।
   স্ট অর্থের মধ্যে একই ক্রিয়া আইলে, অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে ভজ্ঞাপ প্রভ্যেক অপ্রাধেব অভিযোগ হইয়া একই বিচারকালে বিচার ইইতে পারিবে।
- (৬) অনেক ক্রিয়ার মধ্যে এক কি কএক ক্রিয়া
  স্বতঃই অপারাধ হইলে ও সেই
  নামা ক্রিয়ার বারা এক
  অপারাধ হইলে কিন্তু সমবেত হইনা অন্য অপারাধ
  হইলে ভাহাব কথা।
  ক্রিয়া সমক্টিতে বিভিন্ন এক
  অপারাধ হয় সেই
  অপারাধের কিন্তা উক্ত এক কি কএক ক্রিয়ায় যে কোন
  অপারাধ হয় সেই অপারাধের অভিযোগ হইয়া একই
  বিচার কালে বিচার ইইতে পারিবে।
- (৪) এই ধারার কোন কথাক্রমে ভারতবর্ষের দণ্ড বধির আইনের ৭১ ধারার কোন ব্যতিক্রম হইবে না 1

### উদাহরণ।

### ১ প্রকরণের---

- (ক) বলরাম আইনমত হেকাজতে ছিল, আনন্দ তাহাকে জোর করিয়া ছাড়াইয়া দিল এবং বলরাম চক্র নামক যে কনন্টেবলের হেকাজতে ছিল ভাহার গুরুতর পীড়া জন্মাইল। এমন স্থলে আনন্দের নামে ভারত-বর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২২৫ ও ৩৩৩ ধারাম্থেও অপরাধের অভিযোগ হইয়া ভাহার সেই সেই অপরাধ নির্বিয় হইতে পারিবে।
- খে) আনন্দ পরদার গমন করিবার উদ্দেশে দিন-মানে পরগৃহে প্রবেশ করিয়া সেই গৃহে প্রবিষ্ট ইইলে বলরামের স্ত্রীতে উপাগত হয়। আনন্দের নামে ভারত-বর্ষের দণ্ড বিধির আইনের ৪৫৪ ও ৪৯৭ ধারামত অপারাধের স্বতন্ত্র অভিযোগ ও তাহার সেইং অপারাধ নির্ম ইইতে পারে।
- (গ) আনন্দ পারদার গমন করিবার উদ্দেশে চন্দ্রের দ্রা বামাকে ফুসলাইয়া লইয়া ভাহাতে উপাগত হয়। আনন্দের নামে ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ৪৯৮ ও ৪৯৭ ধারামত অপরাধের স্বতম্ব অভিযোগ ও ভাহার সেইং অপারাধ নির্ণয় হইতে পারে।
- (ঘ) আনন্দের নিকট অনেক ক্ষত্রিম মোহর আছে।
  আনন্দ সে গুলি ক্ষত্রিম বলিয়া জানে ও ভারতবর্ধের
  দণ্ডবিনির আইনের ৪৬৬ ধারামতে দণ্ডনীয় ভিন্নং জাল
  কার্য্যের নিমিত্ত ভাহা ব্যবহার করিতে ভাহার ইচ্ছা
  আছে। এই স্থলে আনন্দের নামে ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ৪৭৩ ধারামতে ভাহার নিকট থাকা
  একং মোহরের নিমিত্ত ভাহার নামে পৃথকং অভিযোগ
  ও ভাহার পৃথকং অপরাধ নির্মু ছইতে পারিবে।
- (%) বলরামের নামে মোকদ্দমা করিবার যথার্থ ও
  ন্যায্য কারণ নাই জানিয়া আনন্দ তাহার হানি করিবার অভিপ্রায়ে তাহার নামে মোকদ্দমা উপস্থিত করে।
  আরো বলরামের নামে মোকদ্দমা করিবার যথার্থ ও
  ন্যায্য কারণ নাই জানিয়া বলরাম কোন অপরাধ
  করিয়াছে বলিয়া আনন্দ তাহার নামে মিথ্যা অভিযোগ
  করে। ভারতবর্ষের দওবিধির আইনের ২১১ ধারামতে আনন্দের নামে পৃথকরূপে গুই অপরাধের অভিযোগ ও গুই অপরাধ নির্বন্ন ইইতে পারিবে।
- (চ) বলরামের নামে মোকদ্দমা করিবার যথার্থ ও ন্যায্য কারণ নাই জানিয়া আনন্দ বলরামের হানি করিবার অভিপ্রায়ে অপরাধ করিয়াছে বলিয়। ভাহার নামে মিথ্যা অভিযোগ করে। বিচারকালে আনন্দ বলরামের প্রাণদণ্ড যোগ্য অপরাধ প্রমাণ করিবার মানসে বলরামের বিপক্ষে মিখ্যা সাক্ষ্য দেয়। আন-ন্দের নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির অভিনের ২১১ ও ১৯৪ ধারামতে পৃথক২ অপরাধের অভিযোগ ও দেই২ অপ্-রাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।
- (ছ) আনন্দ অন্য ছুয় জনকে সজে লইয়া হঞ্চম করণ ও গুরুতর পীড়া জন্মাওন অপরাধ এবং রাজ

কীয় কার্য্যকারক ঐ হল্পমা নির্দ্ত করিবার উদ্যোগ করিলে তাঁহার প্রন্তি আক্রমণ করণাপরাধ করিল। আনন্দের নামে ভারভবর্ষের দওবিধির আইনের ১৪৭ ও ৩২৫ ও ১৫২ ধারামত অপরাধের পৃথক অভিযোগ ও ভাহার সেই২ অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।

- (জ) আনন্দ একই সমধ্যে বলরামকে ও চম্রুকে ও দীননাথকে ভাত করিবার নিমিত্ত ভাহাদের শারীরিক হানির ভয় দর্শাইল। উক্ত তিন ব্যক্তির বিপক্ষে যে তিনটি অপরাধ হইল ভারতবর্ষের দওবিধির আইনের ৫০৬ ধারামতে ভাহার নামে তদক্ষর্গত প্রভ্যেক অপরাধের অভিযোগ ও প্রত্যেক অপরাধের নির্বয় হইতে পারিবে।
- (ক) হইতে (জ) পর্যান্ত উদাহরণে যে স্বভন্তরং অভিযোগের উল্লেখ হইল তাহার এক কালে বিচার হইতে পারিবে।

#### ২ প্রকরণের —

- (ঝ) আনন্দ অন্যায়মতে বলরামকে বেত্রাঘাত করে। আনন্দের নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩৫২ ও ৩২৩ ধারামত অপরাধের স্বতন্ত্র অভিযোগ ছইতে ও তাহার সেই২ অপরাধ নির্ধিয় হইতে পারে।
- (এ) কএক বস্তা চোরাই শস্য আনন্দকে ও বলরামকে লুকাইয়া রাখিবার নিমিক্ত দেওয়া যায়, ভাহারাও সেই শস্য চোরা দ্রব্য জানিয়া মরাইর সকল শস্যের নীচে লুকাইয়া রাখিবার কার্য্যে ইচ্ছাপূর্বক পরস্পর সাহায্য করিল। আনন্দের ও বলরামের নামে ভারত্বর্যের দণ্ডবিধির আইনের ৪১১ ও ৪১৪ ধামামত অপরাধের স্বতন্ত্র অভিযোগ ও তাহাদের সেই২ অপ-রাধ নির্ব্য হইতে পারে।
- (ট) অন্ধদা তাহার সম্ভান কেলাইয়া যায় ও জানে যে তাহাতে ঐ সম্ভানের মৃত্যু হইবার সম্ভাবনা। করপে কেলাইয়া যাওয়াতে এ সম্ভানের মৃত্যু হয়। অন্ধদার নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩১৭ ও ৩০৪, ধারামত অপরাধের স্বতম্ব অভিযোগ ও তাহার সেই২ অপরাধ নির্বয় হইতে ারে।
  - (ঠ) বলরাম নামক রাজকীয় ক র্যকারকের ভারত-বর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১৬৭ ধারামত অপরাধ নিণ্য় হয় এই নিমিত্ত আনন্দ হৃষ্টভাবে প্রমাণস্বরূপ জাল করা দলীল উপস্থিত করিল। ঐ আইনের ৪৭১ ধারার সহিত ৪৬৬ ধারা পাঠ করিয়া আনন্দের নামে ৪৭১ ও ১৯৬ ধারামত অপরাধের পৃথকং অভিযোগ ও ভাহার পৃথকং অপরাধ মির্য হইতে পারে।

#### ৩ প্রকরণের---

(ড) আনন্দ বলরামের দ্রব্য অপাহরণ করে ও সেই কার্য্যকরণে ইচ্ছাপুর্ব্ধক তাহার পীড়া জন্মায়। আনন্দের নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৩ ও ৩৯২ ও ৩৯৪ ধারামত অপারাধের স্বতম্ব অভিযোগ হইতে ও সেই২ অপারাধ নির্ণয় হইতে পারে। ২৩৬ ধারা। একই ক্রিন্ধার কিন্ধা ক্রিয়াসংযোগের ভাব দৃষ্টে যেং র্ভান্তের প্রমাণ কি অপবাধ হইয়াছে এই বিবরের সন্দেহ স্থানে কথা।

অপরাধটি হইল এই বিষয়ে

সন্দেহ থাকিলে, অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে ভাহার সমুদম কি অন্যতর অপরাধ করিবার অভিযোগ হইতে পারিবে ও সেইং অভিযোগের মধ্যে একই সময়ে ভাহার কোন সংখ্যার বিচার হইতে পারিবে কিছা উক্ত সকল অপ রাবের মধ্যে অন্যতর অপরাধ করিয়াছে বলিয়া ভাহার নামে অভিযোগ হইতে পারিবে।

### উদাহরণ।

- (ক) যে ক্রিয়া চের্ঘ্যি হইতে পারে বা চোরা দ্রব্য প্রহণ বা অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা করণ বা বঞ্চনা অপরাধ হইতে পারে আনন্দের নামে এমত ক্রিয়ার অভিযোগ হয়। তাহার নামে চের্য্যি ও চোরা দ্রব্য প্রহণ ও অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা ও বঞ্চনা করণ অপরাধের অভিযোগ হইতে পারিবে অথবা চের্ম্যি কি চোরা দ্রব্য গ্রহণ কি অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা করণ কিন্বা বঞ্চনা করণ ইহার মধ্যে কোন এক অপরাধ করিয়াছে বলিয়া অভিযোগ হইতে পারিবে।
- (খ) আনন্দ মাজিফ্রেটের নিকট শপথপূর্ধক বলে যে বলরাম লগুড় দ্বারা চন্দ্রকে আঘাত করিয়াছে ইহা সে দেখিয়াছে। আনন্দ সেশন আদালতে শপথ পূর্বক বলে যে বলরাম কখনই চন্দ্রকে আঘাত করে নাই। ইচ্ছাপূর্ধক মিথ্য। সাক্ষ্য দিয়াছে আনন্দের এই অপরাধ নিধ্য হইতে পারিবে, যদিও উক্ত ত্বই পরস্পার বিরুদ্ধ উক্তির কোন্টি মিথ্যা ইহার প্রমাণ করা যাইতে পারে না।

২৩৭ ধারা। (১) ২৩৬ ধারার লিখিত হলে অভি-যুক্ত ব্যক্তির নামে এক অপ-কোন গাজ্জিব নামে এক রাধের শভিযোগ ៖ ইলে এবং ভাতিযোগ ভাপখাধেব হুইলে ভাহাব ভান্য অপ-ঐ ধারার বিধানমতে অন্য রাধ যে স্থলে নির্ণয় হইতে যে অপরাধের অভিযোগ হইতে পাৰিবে তাহাৰ কথা। পারিত সে ঐ অন্য অপরাধ করিয়াছে প্রমাণ দারা ইহা দুট হইলে, ভাহার যে অপরাধের প্রমাণ হয় তাহার নামে সেই অপরাধের অভিযোগ না হইলেও তাহার সেই অপরাধ নির্য় হইতে পারিবে।

(২) অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে কোন অপরাধের অভি-যোগ হইলে, ঐ অপরাধের উদ্যোগ করিবার পৃষক অভিযোগ করা না হইলেও সে ঐ অপরাধ করিবার উদ্যোগ করিয়াছে তাহার এই অপরাধ নির্ভায় ২২০৬ পারিবে।

### উদাহরণ।

আনন্দের নামে চোর্য্যের অভিযোগ হয়, কিন্তু সে অপারাধভাবে বিশ্বাদ্যাতকতা করিয়াছে কিন্তা চোরা দ্রব্য গ্রহণ করিয়াছে ইহা দৃষ্ট হইলে তাহার নামে এই অপরাধ্যের অভিযোগ না হইলেও তাহার অপরাধভাবে বিশ্বাস্থাতকতা কিন্ধা স্থলবিশেষে চোরা দ্রব্য গ্রহণ অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।

২৩৮ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির নামে যে

প্রপাধ অনেক ক্রিয়ার সমষ্টি

যে অপরাধেব প্রমাণ হয়
কোল আছিযোগের অপবাধ
হইয়া অভিযোগের এক অংশের
প্রমাণ না হইলেও অন্য যে

অংশের প্রমাণ হয় ডাহাই কোন

ক্ষুত্র অপরাধের তুল্য হইলে, তাহার যে ক্ষুদ্রতর অপরাধ প্রমাণ হইল তাহার নামে সেই অপরাধের অভিযোগ না হইলেও তাহার সেই অপরাধ নির্বয় হইতে পারিবে।

- (২) কোন ব্যক্তির নামে কোন অপরাধের অভি-যোগ হইলে, যদি সেই ব্যক্তি এরপ র্ভান্তের প্রমাণ দিতে পারে যাহাতে ঐ অপরাধ ক্ষুদ্রতর অপরাধে পরিণত হয়. তবে তাহার নামে ঐ ক্ষুদ্রতর অপরাধের অভিযোগ না হইলেও তাহার ঐ ক্ষুদ্রতর অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।
- (৩) ১৯৮ বা ১৯৯ ধারার আদেশমত নালিশ করা না গেলে, উক্ত ধারার উল্লিখিত কোন অপারাধ নির্ণয় করিবার ক্ষমতা দেওয়া গেল, এই ধারার কোন কথা ক্রমে এরপ জ্ঞান ২ইবে না।

### উদাহরণ।

- কো আনন্দ মুটিয়া বলিয়া তাহাকে বিশ্বাসপ্ৰক কোন দ্ৰব্য দেওয়া গেলে সে অপরাধভাবে বিশ্বাস-গাতকতা করিয়াছে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৪০৭ ধারামতে ভাহার নামে এই অভিযোগ হইল। সেই ব্যক্তি ঐ দ্রব্য লইয়া ৪০৬ ধারামতে অপরাধ-ভাবে বিশ্বাস্থাতকতা করিয়াছে কিন্তু মুটিয়া বলিয়া ঐ দ্রব্য বিশ্বাসপ্র্কিক ভাহাকে দেওয়া যায় নাই ইহা দৃষ্ট হইলে ৪০৬ ধারামতে ভাহার অপরাধভাবে বিশ্বাস্থাতকতা অপরাধ নির্ব্ধ হইতে পারিবে।
- খে) আনন্দ শুরুতর পীড়া জন্মাইয়াছেন বলিয়া তাহার নামে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৫ ধারামত অভিযোগ হয়। তিনি প্রমাণ করেন গে অকস্মাৎ অত্যন্ত ক্রোধজনক ব্যাপার ঘটাতে তিনি ঐ কার্য্য করেন। দণ্ডবিধির আইনের ৩৩৫ ধারামতে তাঁহার অপরাধ নির্ণয় হইতে পারিবে।
- ২৩৯ ধারা। পুই কি তদধিক ব্যক্তির নামে একই

  অপরাধের কিন্তা একই

  মেং ব্যক্তিদেব অভি- ব্যাপারে ভিন্তং অপরাধের

  যোগ একএ করা ঘাইতে
  পাবে ভাহাদের কথা।

  ব্যক্তির নামে অপরাধ কর
  পের ও অন্য ব্যক্তির নামে ঐ অপরাধের সহায়তা
  করণের কি অপরাধ করিবার উদ্যোগ করণের অভিযোগ

হইলে, আদালত যেমন উচিত বোধ করেন তেমনি তাহাদের নামে একত্র বা স্বতন্ত্র অভিযোগ ও বিচার হহতে পারিবে। তজ্ঞপ সকল অভিযোগের প্রতি এই অধ্যায়ের পূর্বভাগের বিধান খাটিবে।

## উদাহরণ।

- (ক) আনন্দ ও বলরাম উভয়ের নামে একই বধা-পরাধের নালিশ হয়। উভয়ের নামে একই অভি-যোগপাত্র হইতে পারে ও উভয়ের এককালে বিচার হইতে পারিবে।
- খে) আনন্দ ও বলরাম উভয়ের নামে দম্যতার নালিশ হয়। সেই দম্যতা করণ সময়ে আনন্দ কোন ব্যক্তিকে বধ করে, তাহাতে বলরামের সম্পর্ক ছিল না। এমন স্থলে দম্যতা করণের অভিযোগে আনন্দ ও বলরামের একত্র বিচার হইতে এবং বধাপরাধের নিমিত্ত কেবল আনন্দের বিচার হইতে পারিবে।
- (গ) আনন্দ ও বলরাম একই চৌর্য্য করিয়াছে বলিয়া তুই জনের নামে নালিশ হয়; ও সেই ব্যাপা-রের মধ্যে বলরাম অন্য তুই চৌর্য্যাপরাধ করিয়াছে বলিয়া তাহার নামে নালিশ হয়। যে নালিশমতে আনন্দ ও বলরাম তুই জনের চৌর্য্যাপরাধ করিবাব অভিযোগ হইল সেই অভিযোগে হুই জনের একত্র বিচার এবং অন্য তুই চৌর্য্যাপরাধে কেবল বলরামের বিচার হুইতে পারিবে।

২৪০ ধারা। একই ব্যক্তির নামে তুই কি তদধিক
দকা বিশিষ্ট অভিযোগ হইয়া
অনেক অভিযোগ হঠয়া
তক্ষা প্রেন শ্রমাণ হইলে অন্য
নকল অভিযোগ উঠাইয়া
লইবার কথা।

বিশিষ্ট অভিযোগ উঠাইয়া
লইবার কথা।

অভিযোগের কার্য্য চালান

তিনি আদালতের অন্থমতি গ্রাহণপূর্বক অবশিষ্ট এক কি অধিক অভিযোগ উঠাইয়া লইতে পারিবেন কিছা আদালত আপন ইচ্ছামতে ঐ অভিযোগের ওদন্ত লওন কি বিচারকার্য্যে নিরন্ত হইতে পারিবেন। তদ্রপে উঠাইয়া লওয়া গেলে দেই কিছা দেইং অভিযোগে মুক্ত হংবার ন্যায় ফল হইবে। কিন্তু যদি অপরাধ নিবয় অসিদ্ধ করা হয়, তাহা হইলে যে আদালত তাহা অসিদ্ধ করেন দেই আদালতের আজ্ঞাধীনে উক্ত আদালত ঐরপে উঠাইয়া লওয়া এক অধিক অভিযোগের তদন্ত লওন বা বিচারকার্য্য চালাইতে পারিবেন।

### ২০ বিংশ অধ্যায়।

মাজিস্টেটরা সমন দিয়া যে মোকদ্দমার বিচার করেন তাহার বিধি।

২৪১ ধারা। মাজিস্টেটেরা সমন দিয়া যে মোকসমন দিয়া যে মোক দ্দার বিচার করেন সেই
বিচাব হয় তাহার কার্য্য- মোকদ্দমায় এই প্রণাশীমতে
প্রণালীর কথা। কর্মা করিবেন।

২৪২ ধারা। মাজিফেটের সমুখে অভিযুক্ত ব্যক্তি
উপস্থিত হইলে অথবা তাহাকে
অভিযোগের মর্ম জানা- আনা গেলে তাহার নামে বে
ইবাব কথা। অপরাধের অভিযোগ ইইয়াছে
তৎসংক্রাম্ভ বিশেষ র্ভান্ত তাহাকে জ্ঞাত করা হাইবে ও
তাহাকে এই জিজ্ঞাসা করা যাইবে ষে তোমাকে অপরাধী নির্ণয় না করিবার কোন কারণ দেখাইতে পার কি
না। কিন্তু রীভিমত অভিযোগপত্র সেখা আবশ্যক
হইবে না।

হংবে পা।

২৪৩ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি তাহার নামে যে বা

যে যে অপরাধের অভিযোগ হয়

আভিযোগের সভাতা সেই বা সেই সেই অপরাধ বা

থীকার করিলে অপরাধ

ভাহার কোনটি করিয়াছে বিলিয়া

তাহার কোনটি করিয়াছে বিলিয়া

তাহার কারিলে, যতদূর সভব

তাহারে ব্যবহৃত শব্দে সেই কথা লিপিবদ্ধ করা যাইবে,
ও তাহাকে অপরাধী নির্ণয় করা কেন না যাইবে সে
ইহার উপযুক্ত কারণ না দেখাইলে মাজিস্টেট তাহাকে
অপরাধী নির্ণয় করিতে পারিবেন।

২৪৪ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তি ঐ অভিযোগ
সভ্য বলিয়া স্থাকার না করিলে
তক্ষণ বীকার না ১ইলে মাজিস্টেট, বাদী থাকিলে,
যাচা কর্ত্তব্য তাহার কথা।
তাহার কথা ও অভিযোগের
পোষকভায় যে সকল সাক্ষ্য উপস্থিত করা যায় তাহাও
ভানবেন, এবং অভিযুক্ত ব্যক্তি কথা ও সে প্রভি
বাদের পোষকভায় যে সকল সাক্ষ্য উপস্থিত করে
ভাহাও ভানবেন।

- (২) মাজিক্টেট, বাদির কিম্বা অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনামতে 'উচিত বোধ করিলে কোন সাক্ষীকে উপ-স্থিত করাইবার অথবা কোন দলীল কি অন্য দ্রব্য উপ-স্থিত করাইবার পর এয়ানা দিতে পারিবেন।
- (৩) বিচারের কার্য্য পক্ষে সাক্ষীর উপস্থিত হইবার যে খরচ মুক্তিমতে লাগিতে পারে মাজিফ্রেট উক্ত প্রার্থনামতে সমন দিবার পূর্কে আদালতে ঐ খরচ আমানত করিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন ৷
- ন্ত ধর্মী। (১) ২৪৪ ধারার উলিখিত সাক্ষ্য লইয়া এবং অন্য কোন সাক্ষ্য মাজিফ্রেট স্বেচ্ছামতে উপস্থিত করাইয়া থাকিলে তাহা লইয়া ও বিহিত বোধ করিলে অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা লইয়া মাজিফ্রেট অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষী নির্ণয় করিলে মুক্ত করিবার আজ্ঞা লিপিবদ্ধ করিবেন।
  - (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধী নির্বয় হইলে মাজিক্টেট আইনমতে তাহার দগুজার কখা।

    দণ্ডের আজ্ঞা করিবেন।

২৪৬ ধারা। নালিশের কি সমনের ভাব ষেরপ ইইয়াছিল
ত তথ্য কি না কেন, স্থারত কি একাধিক অ
ত তথ্য দিশ্য নালিশ বা
সমহন আবদ্ধ না থাকিবাব
ক্যা।

ইইয়াছিল
একাধিক অ
একাধিক আ
ক্যান্থ কি আ
ক্যান্থ ক্রিয়াছে
বিচার্য্য যে অপরাধ ক্রিয়াছে

শারিবেন।

বলিয়া জানা যায়. মাজিক্টেট ২৪৩ কি ২৪৫ ধারামতে ভাহার সেই অপরাধ নির্বন্ন করিতে পারিবেন।

২৪৭ ধারা। নালিশক্রমে সমন দেওয়া গিয়া
বাদা উপান্তিত না হইলে
তাহার কগা।
তিবাদিত না হইলে
তাহার কগা।
তিবাদিত না হয় সেই দিনে বাদী উপাস্থিত না
হইলে, মাজিস্টেট পূর্বে এই আইনে ভাবান্তরের কথা
থাকিলেও অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মুক্ত করিবেন। কিন্তু
তিনি কোন কারণে সেই মোকদ্দমা শুনিবার কার্য্য
স্থাতিত করিয়া অন্য দিন নিরূপণ করা উপাযুক্ত বোধ
করিলে তাহা করিতে পারিবেন।

২৪৮ ধারা। এই অধ্যায়মত কোন যোকদ্মায়

নালিশ উঠাইয়া লইবাব

কথা।

অনুমতি দিবার উপাযুক্ত হেড়
আছে এই বিষয়ে বাদী মাজিস্টেটের হুদ্বোধ জন্মাইতে
পারিলে তিনি ঐ নালিশ উঠাইয়া লইবার অনুমতি
দিতে পারিবেন, এবং তাহা হইলে অভিযুক্ত হ্যক্তিকে
মুক্ত করিবেন।

২৪৯ ধারা। নাঙ্গিশ ভিদ্ন অন্য প্রকারে কোন
বাদীনা থাকিলে কার্যামুঠান বন্ধ কবিবাৰ ক্ষমতাৰ
কথা।

কথা প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেট
কিম্বা জিলার মাজিফ্রেট সাহেবের অহ্মতি গ্রহণপূক্ত অন্য কোন মাজিফ্রেট হেডু
লিপিবদ্ধ করত স্থীয় বিবেচনামতে মুক্ত করণের কি
অপরাধ নির্বয়ের নিশ্বতি প্রকাশ না করিয়া যে কোন
সময়ে কার্য্যাহ্রন্তান বন্ধ করিতে পারিবেন এবং ভাহা
হইলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

২৫০ ধারা। (১)এই আইনের নিদিষ্ট অর্থে নালিশ-

ক্রমে কিম্বা কোন পোলীসের ডুচ্ছ ব। ছ: ধদায়ক খাত্র কর্মচারিকে বা কোন মাজিস্টে-অভিযোগের কথা। টকে প্রদন্ত সম্বাদ অবলম্বনে কোন অভিযোগ উপস্থিত করা হইলে যদি তাছাতে কোন ব্যক্তি কোন মাজিফ্টেটের সমুবে মাজিফ্টেট দ্বারা বিচার্য্য কোন অপরাধে অভিযুক্ত হয় এবং যে মাজিস্কেট দারা অভিযোগ উপস্থিত করা হয় তিনি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দেন বা মুক্ত করেন ও তাঁহার প্রতীতি হয় যে ঐ ব্যক্তির বিরুদ্ধে যে অভিযোগ হইয়াছে তাহা তুচ্ছ বা হঃখদায়কমাত্র, তাগ হইলে মাজিফ্টেট স্থীয় বিবেচনামতে ছাড়িয়া দিবার বা মুক্ত করিবার আজ্ঞা দ্বারা যে ব্যক্তির নালিশ বা সংবাদক্রমে অভিযোগ হইয়াছিল তাহার প্রতি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে কিম্বা একাধিক অভিযুক্ত ব্যক্তি থাকিলে ভাহাদের প্রভ্যেককে হানিপ্রণের নিমিক্ত পঞ্চাশ টাকার অনধিক ষড টাকা ন্যায্য বোধ করেন ভতু টাকা দিবার আদেশ করিতে

- কিন্ত ঐরপ কোন জাদেশ করিবার পূর্কে মাজিক্টেট—
- (ক) ঐ আদেশ দিবার বিরুদ্ধে বাদী বা সংবাদদাতা যে কোন আপত্তি করেন তাহা
  দিপিবদ্ধ করিবেন ও বিবেচনা করিয়া
  দেখিবেন, এবং
- (খ) ছানিপুরণ দিবার আদেশ করিলে ছাড়িয়া দিবার বা মুক্ত করিবার আজ্ঞায় ছানি-পুরণ দিবার কারণ লিখিবেন।
- (২) কোন মাজিস্টেট (১) প্রকরণমতে যে হানি পুরণ দিবার আজ্ঞা করেন তাহার টাকা অর্থদভের ন্যায় আদায় করা ঘাইতে পরিবে।

কিন্ত ইহা আদায় করা যাইতে না পারিলে যে কারাদভের আজ্ঞা দেওয়া হইবে তাহা সামান্য কারাদভের
আজ্ঞা হইবে এবং ত্রিশ দিনের অধিক না ঽয় মাজিস্টেট
এমন যে সময়ের আদেশ করেন সেই সময়ের নিমিত্ত
হইবে।

- (৩) যে বাদী বা সংবাদদাতার প্রতি দ্বিতীয় বা তৃতীয় শ্রেণীর কোন মাজিফ্রেট কর্তৃক কোন অভিযুক্ত ব্যক্তিকে (১) প্রকরণমতে হানিপুরণ দিবার আজ্ঞা হইয়াছে দেই বাদী বা সংবাদদাতা ঐ আজ্ঞা যতদূর হানিপুরণ দেওয়া সম্বন্ধীয় হয় ততদূর ঐ আজ্ঞার বিরুদ্ধে এরপে আপীল করিতে পারিবেন যেন ঐ বাদা বা সংবাদদাতা ঐ মাজিফ্রেটের নিকট বিচারে অপরাধী নির্ণীত হইয়াছেন।
- (৪) ৩ প্রকরণ অন্থসারে যে মোকদ্দমার আপীল হইতে পারে যে স্থলে সেই মোকদ্দমায় কোন অভি-যুক্ত ব্যক্তিকে হানিপুরণ দিবার আজ্ঞা হয় সেই স্থলে আপীল উপস্থিত করিবার নিমিত্ত প্রদত্ত সময় অতীঙ না হইবার পুর্কে কিম্বা আপীল উপস্থিত করা হইয়া থাকিলে আপীলের নিষ্পত্তি না হইবার পুর্কে তাহাকে হানিপুরণ দেওয়া ঘাইবে না ।
- (৫) সেই বিষয় সংক্রান্ত কোন পরবর্তী দেওয়ানী মোকদ্দমায় হানিপুংণ দিবার সময়ে,এই ধারামতে হানি-পুরণ স্বরূপ কোন টাকা দেওয়া বা আদায় করা হইয়া থাকিলে আদালত তাহা বিবেচনাধানে লইবেন।

## ২১ একবিংশ অধ্যায়।

সে মোকদ্দমায় ওয়ার-ট বাহির হয় মাজিস্টেটদের দ্বারা ভাহার বিচাধ হইবার কথা।

যে মোকজ্মায় ওয়াবন্ট-বাছেব হয় তামময়ের কার্য্য-প্রাণালীর কথা। ২০১ ধারা। যে মোকদ্দমায় ওয়ারন্ট বাহির হয়
মাজিফ্টেটেরা সেই মোকদ্দমার
বিচারকালে এই প্রণালীমতে
কার্য্য করিবেন।

- ২৫২ ধারা। (১) মাজিকেটের সমুখে অভিযুক্ত ব্যক্তি উপস্থিত হইলে কি অভিযোগের সণক তাহাকে আনা গেলে, মাজি-নাক্ষ্যের কথা। কথা শুনিবেন ও অভিযোগের পোষকভার যে সকল সাক্ষ্য উপস্থিত করা যায় তাহা গ্রহণ করিবেন।
- (২) যে২ ব্যক্তি মোকদ্মার ইডান্ত জানে ও অভিফল যোগের সপক্ষ সাক্ষ্য দিতে পারিবে মাজিট্রেট বাদীর স্থানে কিম্বা অন্য প্রকারে তাহাদের নাম জানিয়া লইয়া ভাহাদের যভ জনকে আবশ্যক বোধ করেন ভত জনকে আপনার সন্মুখে সাক্ষ্য দিবার জন্য সমন করিবেন।
- ২৫৩ ধারা। (১) ২৫২ ধারার উলিখিত সমুদ্ম সাক্ষ্য গ্রহণ হইলে পর এবং আভ্যুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়াদিবাৰ কথা।

  স্কুল ব্যক্তির কোন পরীক্ষা লওয়া আরশ্যক হইলে যে পরীক্ষা লওয়া আরশ্যক হইলে যে পরীক্ষা লওয়া আবশ্যক তাহা লওয়া গেলে পর, অভিযুক্ত ব্যক্তি সম্বন্ধে এমন কিছু প্রমাণ হয় নাই যাহার বিক্ল প্রমাণাভাবে তাহার অপরাধ নির্ণয় করিতে হয় মাজিফেট ইহা বোধ করিলে তাহাকে ছাভ্য়ো দিবেন।
- (২) মাজিক্টেট অভিযোগ অমূলক জ্ঞান করিলে, যাহার হেতু লিখিয়া মোকদ্দমা চলনের এতৎপূর্ব কোন সময়ে অপরাধীকে যে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন না. এই ধারার কোন কথাক্রমে এরপা জ্ঞান হইবে না ৷

২৫৪ ধারা। উক্ত সাক্ষ্য ও পারীক্ষা সম্পূর্ণরূপে
কি অংশতঃ গ্রহণ করা গেলে,
অপরাধেব প্রমাণ আছে
দেখা গেলে অভিযোগশত্র লিখিবাব কথা।

করিয়াছে এরপ অপ্রমান করিবার হেতু আছে মাজিফ্রেট ইহা বিবেচনা করিলে
এবং আপনি সেই অপরাধের বিচার ও ভাহার সমুচিড
দণ্ড করিতে ক্ষমতাপন্ন আছেন বোধ করিলে, ভিনি
অভিযুক্ত ব্যক্তির নামে অভিযোগপত্র লিখিয়া প্রস্তুড
করিবেন।

২৫ ধারা। (১) পারে ঐ অভিযোগপত্র অভিযুক্ত ভত্তবের কথা।
তাহাকে বৃঝাইয়া দেওয়া যাইবে ও তাহাকে জিজ্ঞাসা করা ঘাইবে যে ভূমি এই অপরাধে অপরাধী, না ইহাল্ল প্রতিবাদ করিতে চাহ।

- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনাকে অপরাধী স্বীকার করিলে মাজিক্টেট সেই কথা লিপিবদ্ধ করিবেন ও স্বীয় বিবেচনামতে তদহুসারে তাহার অপরাধ নিণয় করিতে পারিবেন।
- ২৫৬ ধারা। (১) অভিযুক্ত বাক্তি আপনাকে

  অপরাধী বলিতে এস্থীকার

  করিলে কিম্বা অপরাধী স্থীকার

  না ক্সিলে অথবা থিচারের দাওয়া করিলে, ভাহার

  প্রতি অভিযোগের প্রতিবাদ কার্য্যে প্রস্তু হইতে ও
  ভাহার সপক্ষ সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে আজ্ঞা হইবে

ও প্রতিবাদ করিবার যে কোন সময়ে ভাছার প্রতি
আদালতে কিম্বা আদালতের সীমা সরহদ্দের মধ্যে
উপস্থিত অভিযোগের সপক্ষ যে কোন সাক্ষীকে পূর্বের
অভিযোগাত্মক র্ভান্ত সম্বন্ধে জেরা করা হয় নাই
ভাছাকে পূনরায় ডাকিয়া জেরা করিছে অম্মতি হইবে।

- (২) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কোন লিখিত বর্ণনাপত্র অর্পণ করে তবে মাজিফ্রেট তাহা নথীর সঙ্গে রাখিবেন।
- ২৫৭ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তি মাজিফ্রেটের निकटि शूर्व्स थे साकक्रमाय অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনা-ষাহার পরীক্ষা গৃহীত হইয়াছে মতে দাক্ষ্য উপন্থিত করা-কি হয় নাই এমন কোন ইবার কথা। দাক্ষীকে পরীক্ষা বা জেরার নিমিত্ত উপস্থিত করাইবার জন্যে অথবা কোন দলীল কি অন্য দ্রব্য উপস্থিত করাইবার নিমিত্ত কোন পর ওয়ানা দিবার প্রার্থনা করিলে, মাজিফ্টেট ঐপরওয়ানা **मिर्टिन ।** किंकु छेक्न श्रार्थनाश्रेज कर्षे मिरात कि विनम्न ঘটাইবার বা স্থবিচারের উদ্দেশ্য বিফল করিবার নিমিত্ত উপস্থিত করা গিয়াছে বলিয়া তাহা অগ্রাহ্য করা উচিত এরপ বিবেচনা করিলে, তিনি ঐ হেতু লিপি-বন্ধ করিয়া পর ওয়ানা দিবেন না।
- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি কোন সাক্ষীকে জেরা করিলে বা জেরা করিবার হুযোগ প্রাপ্ত হইলে পর এই ধারা-মতে ঐ সাক্ষীকে বলপুর্বাক উপস্থিত করা যাইবে না, কিন্তু হুবিচারের প্রয়োজনার্থ ঐরপ করা আবশ্যক, মাজিস্টেটের এরপ প্রতীতি হইলে করা যাইতে পারিবৈ।
- (৩) তদ্রপ প্রার্থনামতে কোন সাক্ষীকে সমন দিবার পূর্বে মাজিস্টেট আদেশ করিতে পারিবেন যে, উক্ত বিচারের নিমিত উপস্থিত হইতে তা হার যে যুক্তি-মত খরচা পড়ে তাহা আদালতে আমানত করা যায়।
- ২৫৮ ধারা। (১) এই অধ্যায়মত কোন মোকদ্দ্দ্দায়
  অভিযোগপত্র প্রস্তুত করা

  ্গলে মাজিস্ট্রেট অভিযুক্ত
  ব্যক্তিকে নির্দ্দোধী নির্দ্ধ করিলে মুক্ত করণের আজ্ঞা
  লিপিবদ্ধ করিবেন।
- (২) ঐরপ মোকদ্দমায় অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ
  লোখী নির্ণয় করণের কথা।
  নির্ণয় করণের কথা।
  মতে তাহার দণ্ডের আজ্ঞা
  করিবেন।

২৫৯ ধারা। নালিশক্রমে কার্য্যান্নন্তান হইলে মোকদ্বা শুনিবার কোন নির্মাপিত
বার কথা।

কালী উপন্থিত না থাকিবার কথা।

কাইনমতে অপরাধের রফা

ইইতে পারিলে মাজিস্টেট স্বীয় বিবেচনামতে পূর্বের
এই আইনে প্রকারান্তরের কথা থাকিলেও অভিযোগপত্র
প্রস্তুত করিবার পূর্ব্ব কোন সময়ে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে
ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

# ২২ দ্বাবিংশ অধ্যায়। সরাসরী বিচারের কথা।

সরাসবী বিচার করিবার ২৬০ **ধারা। (১) এই আইনে** ক্ষমতার কথা। প্রকারান্তরের কথা থাকিলেও,

- (ক) জিলার মাজিফ্রেট দাহেব এবং
- (খ) এডদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট হইতে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত প্রথম প্রেণীর কোন মাজি-স্টেট এবং
- (গ) প্রথম শ্রেণীর মাজিক্টেটের ক্ষমভাপ্রাপ্ত ও এতদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের স্থানে বিশেষ ক্ষমতাপ্রাপ্ত মাজিক্টেটদের কোন বেঞ্চ,

বিহিত বোধ করিলে নিম্নলিখিত সমুদর কি অন্যত্তর অপরাধের সরাসরা বিচার করিতে পারি-বেন:—

- (ক) যে অপরাধের নিমিত্ত প্রাণদণ্ড কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড কি ছয় মাসের অধিক কালের কারাদণ্ড না হয় সেই অপরাধ।
- (খ) ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৬৪ ও ২৬৫ ও ২৬৬ ধারামতে ওজন ও পরিমাপণ যন্ত্রবিষয়ক অপরাধ।
- (গ) উক্ত আইনের ৩২৩ ধারামতে পীড়া ক্তমাওন।
- (ঘ) চোরা দ্রব্যের মূল্য ৫০) টাকার অধিক না হইলে উক্ত আইনের ৩৭৯ বা ৩৮০ বা ৩৮১ ধারামতে চৌর্য্য।
- (ও) চোরা দ্রব্যের মূল্য ৫০ টাকার অধিক না ছইলে উক্ত আইনের ৪১১ ধারা-মতে চোরাদ্রব্য গ্রহণ বা রাখা।
- (চ) চোরা জব্যের মূল্য ৫০ টাকার অধিক না হইলে উক্ত 'কাইনের ৪১৪ ধারা-মতে ঐ জব্য গোপন বা বিক্রয় প্রভৃতি করণের সাহায্য করণ।
- (ছ) উক্ত আইনের ৪২৭ ধারামতে অপকার করণ।
- (জ) উক্ত আইনের ৪৪৮ ধারামতে গৃহে অন-ধিকার প্রবেশ করণ।
- (ঝ) উক্ত আইনের ৫০৪ ধারামতে শাস্তিভঙ্গ করাইবার উদ্দেশে অপমান করণ ও ৫০৬ ধারামতে অপরাধভাবে ভয় দর্শতিন।
- (ঞ) পুর্বের্বাক্ত কোন অপারাধের সহায়ত। করণ।
- (ট) পুর্কোক্ত কোন অপরাধ করিবার উদ্যোগে অপরাধ হইলে, তদ্রাপ উদ্যোগ!

(ঠ) পরের ভূমিতে গোমেষাদির প্রবেশ বিষয়ক । ১৮৭১ সালের আইনমত নালিশ।

কিন্তু যে গোকদমায় জিলার মাজিস্টেট সাহেব ৩৪ ধারামতে অর্পিত বিশেষ ক্ষমতাত্মসারে কার্য্য করেন, সেই মোকদমার সরাসরী বিচার হইবে না।

(২) কোন সরাসরী বিচার চলিতে থাকিবার সময় যদি মাজিফ্রেট কি বেঞ্চের এরপ বিবেচনা হয় যে, মোকদ্দমার যে প্রকৃতি তাহাতে উহার সরাসরীমতে বিচার করা বাঞ্চনীয় নয় তাহা হইলে ঐ মাজিফ্রেট কি বেঞ্চ কোন সাক্ষাকে পরীক্ষা করা হইয়া থাকিলে তাহাকে পুনশ্চ ডাকাইবেন এবং এই আইনের নির্দিষ্ট প্রকারে ঐ মোকদ্দমা পুনশ্চ শুনিতে প্রয়ন্ত হইবেন।

২৬১ ধারা। স্থানীয় গবর্ণমেন্ট দ্বিতীয় কি তৃতীয় শ্রেনীর মাজিফ্টেটের ক্ষমতা-

ন্যন ক্ষমতাপ্রাপ্ত মাজি-ইটদের বেক্টের প্রতি ক্ষমতা প্রদান কবিবার কথা।

অতি নিম্মলিখিত সকল কি কোন অপারাধের সরাসরী

বিচার করিবার ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেনঃ—

- (ক) যে সকল অপরাধ ভারতবর্ষের দণ্ড বিধির আইনের ২৭৭ ও ২৭৮ ও ২৭৯ ও ২৮৫ ও ২৮৬ ও ২৮৯ ও ২৯° ও ২৯২ ও ২৯৩ ও ২৯৪ ও ৩২৩ ও ৩৩৪ ও ৩৩৬ ও ৩৪১ ও ৩৫২ ও ৪২৬ ও ৪৪৭ ধারার বিরুদ্ধ।
- (খ) মুনিসিপল আইনের বিৰুদ্ধ ও পোলীস আইনের অন্তর্গত নগর পরিপাটীকরণ-সূচক ধারার বিরুদ্ধ যে যে অপরাধের নিমিত্ত অর্থদণ্ড কি এক মাসের অনধিক কারাদণ্ড হইতে পারে সেইং অপরাধ।
- (গ) পূর্ব্বোক্ত কোন অপরাধের সহায়তাকর**।**
- গ্রেরাক্ত কোন অপরাধ করিবার উদ্যোগ
   অপরাধ হইলে, তদ্রপ উদ্যোগ।

২৬২ ধারা। (১) এই অধ্যায়মতে বিচার হইলে পশ্চাল্লিখিত যে২ মোকদ্দমা বিজিত হইল তন্তিম সমনের ও ওয়ারত দেওয়া যাইতে মোকদ্দমায় সমনের মোকদ্দমার পাবে দেই দেই মোকদ্দমায় নির্দ্দিত কার্য্যপ্রণালী চলিবে ও ওয়ারতের মোকৃদ্দমায় ওয়া-

রন্টের মোকদ্দমার নির্দ্দিষ্ট কার্য্যপ্রণালী চলিবে।
(২) এই অধ্যায়মতে
কারাদণ্ডের মিয়াদের অপারাধ নির্ণয় হইলে তিন
কথা।
মাদের অধিক কালের কারাদণ্ডের আজ্ঞা হইবে না।

২৬৩ ধারা। যেং মোকদ্মায় আপীল নাই সেইং মোকদ্মায় সাক্ষীদের সাক্ষ্য ্ম মোকদ্মায আপীল মাজিস্টেটের কিন্তা মাজিস্টেট-নাই সেই মোকদ্মায় বেকাডেব কথা।

প্রয়োজন নাই এবং রীতিমত অভিযোগপত্রও লিখিবার প্রয়োজন নাই; কিন্তু তিনি কি তাঁহারা ছানীর গবর্ণমেন্ট যে পাঠের আদেন করেন সেই পাঠে এইং কথা লিখিবেন:—

- (ক) ক্রমিক নম্বর।
- (খ) যে তারিখে অপরাধ করা যায় সেই তারিখ।
- (গ) যে তারিখে রিপোর্ট কি নালিশ করা যায় তাহা।
- (य) वामी शांकिटन वामित्र नाम।
- (ও) অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ও তাহার পিতার নাম ও বাসস্থান।
- (চ) যে অপরাধের নালিশ হয় ও প্রমাণ হইলে যে অপরাধের প্রমাণ হয় তাহা এবং ২৬• ধারার (১) প্রকরণের (ঘ), (৪) বা (চ) দফার অন্তর্গত মোকদ্দমা হইলে যে সম্পত্তি সম্বন্ধে অপরাধ করা হইয়াছে তাহার মূল্য।
- (ছ) প্রতিবাদীর উত্তর ও তাহার প্রীক্ষা হইয়া থাকিলে তাহা।
- (জ) নিষ্পত্তি এবং অপরাধ নিণয় হইলে তাহার হেতৃর সংক্ষেপ বর্ণনা।
- (এ০) দভের আজ্ঞাবা অন্য চূড়ান্ত আজ্ঞা, এবং
- (ট) যে তারিখে তান্ত্র্পানিক কার্য্য সমাপ্ত হয় তাহা।

২৬৪ ধারা। (১) কোন মাজিস্টেটের কি বেঞ্চের সরাসরীমতে বিচারিত কোন যে মোকদ্মার উপর আপীল কইতে পাবে সেই মোকদ্মার উপর আপীল মোকদ্মার বিকাডের কথা। খাকিলে, ঐ মাজিস্টেট কি বেঞ্চ যে সাক্ষ্য দ্বারা অপরাধ নির্বয়

করিলেন দণ্ডের আজ্ঞা করিবার পূর্ব্বে সেই সাক্ষ্যের মর্ম এবং ২৬৩ ধারার উল্লিখিত বিবরণ সহিত নিষ্পত্তি লিপিবদ্ধ করিবেন।

(২) এই ধারার মধ্যে যে২ মোকদ্দমা আইসে তাহাতে ঐ নিম্পত্তি ভিন্ন অন্য রিকার্ড থাকিবে না।

২৬৫ ধারা। (১) ২৬৩ ধারামতে যে রিকার্ড লেখা যায় ও ২৬৪ ধারামতে থে বিকার্ড ও নিম্পত্তি <sup>বেষ</sup> ভাষায় লিখিতে হইবে তাহার কথা। ইংরেজী ভাষায় না হয় স্পাদা-লতের ভাষায় অথবা বিচারপাতি

মব্যবহিত রূপে যে আদালতের অধীন সেই আদালতের আদেশ হইলে ঐ বিচারপতি কর্তৃক অদেশীয় ভাষায় সেই রিকার্ড ও নিশক্তি লিখিত হইবে।

(২) মাজিফ্রেটদের যে বেঞ্চ সরাসরীমতে অপরা-ধ্বের বিচার করিতে ক্ষমতাপন্ন বেঞ্চের কেরাণী বাথিতে পাবিবার কথা।

ত্ব্যবহিতরূপে যে আদালতের

অধীন তাঁহাদিগকে এতদর্থে সেই আদালতের নিযুক্ত এক জ্ঞান আমলা ছারা প্রেকাক্ত রিকার্ড কি নিম্পত্তি-লেখাইয়া লইবার অন্থাতি দিতে পারিবেন। রিকার্ড কি নিপান্তি ভজ্রপে লিখিয়া দেওয়া গেলে ঐ বেঞ্চের যত জন উপস্থিত হইয়া ঐ আস্কানিক কার্য্য চালান ভাঁহারা প্রত্যেকে ভাহাতে স্বাক্ষর করিবেন।

- (৩) এ রূপ অহমতি দেওয়া না হইলে, বেঞ্জের এক জনের কর্তৃক যে রিকার্ড প্রস্তুত হইয়া পুর্বোক্তমতে স্বাক্ষরিত হয় তাহাই যথাযথ রিকার্ড হইবে।
- (৪) যদি বেঞ্চের মতের অনৈক্য হয় তাহা হইলে যাহারা ভিন্ন মত হন তাঁহারা স্বতন্ত্র নিষ্পাত্তি লিখিতে পারিবেন।

### ২৩ ত্রয়োবিংশ অধ্যায়।

## হাই কোর্টের ও সেশন আদালতের সন্মুখে বিচারের বিধি।

### ক।—উপক্রমণিকা।

২৬৬ ধারা। ভারতবর্ষীয় হাই কোর্ট বিষয়ক
১৮৬১ সালের আইনমতে যে
"হাই কোর্ট" শব্দেব সকল হাই কোর্ট স্থাপিত হইরাছে কি হইবে, ২৭৬ ও ৩০৭
ধারা ছাড়া এই অধ্যায়ে এবং ১৮ অধ্যায়ে ''হাই কোর্ট''
শব্দে সেই সকল হাই কোর্ট ও পঞ্জাবের চীফ কোর্ট ও রাস্থনের রিকার্ডারের আদালত এবং মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গ্রন্থর জেনরল সাহেব সময়েং ইণ্ডিয়া গেজেটে বিজ্ঞাপন প্রকাশ করিয়া অন্য যে সকল আদালত এই অধ্যায়ের অভিপ্রায়াস্থ্যায়ী হাই কোর্ট বলিয়া নির্দ্দেশ করেন, সেই সকল আদালত বুঝাইবে।

২৬৭ ধারা। এই অধ্যায়মতে কোন হাই কোর্টে যত মোকদ্দমার বিচার হয় হাই কোটে জুবিব ধাবা সকলই জুরির সহযোগে বিচাব হইবাব কথা। হইবে ;

এবং এই আইনমতে কিম্বা ভারতব্যীয় হাই কোর্ট বিষয়ক ১৮৬১ সালের আইনক্রমে যে হাই কোর্ট স্থাপিত হুইয়াছে তাহার পেটেন্টপত্রমতে, যে সকল কৌজদারী মোকদ্দমা হাই কোর্টের প্রতি অপিত হয়, এই আইনে ভাবাস্থরের বিধান থাকিলেও, ঐ হাই কোর্ট আদেশ করিলে, জুরির সহযোগে সেই সকল মোকদ্দমার বিচার হইবে।

দেশন আদালতে জুনিব ধারা বা আনেদারদের সত-কাবিভায় বিচাব হইণাব কথা। ২৬৮ ধারা । সেশন আদা-লতে যে বিচার হয়, তাহা জুরির দারা অথবা আসেসরদের সহকারিতায় করা যাইবে।

২৬৯ ধারা। (১) কোন জিলার সেশন আদালতে
সকল অপারাধের কিন্তা বিশেষ
দেশন আদালতে জুবিব কোনং শ্রেণীর অপারাধের
দ্বার বিচাব হয় শ্বানীয়
গবর্গমেন্টেব এই আজ্ঞা
কবিতে পারিবার কথা।

ইইবে, স্থানীয় গবর্গমেন্ট অগ্রে
মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্গর
জেনরন্স সাহেবের মঞ্জুরি লইয়া রাজকীয় গেজেটে

আদেশ প্রচার দারা এমস্ত আজ্ঞা করিতে পারিবেন ও ঐরপ মঞুরি লইয়া সেই আজ্ঞা রহিত কি পরিবর্ত্তিত করিতে পারিবেন।

- (২) স্থানীয় গবণমেন্ট রাজকীয় গেজেটে সাধারণ বা বিশেষ আজ্ঞা প্রচার করিয়া যে বা যে স্থানে সেশন আদালতের অধিবেশন হইবে তাহার আদেশ করিতে পারিবেন এবং ঐরপে ক্বত কোন আজ্ঞা সময়ে সময়ে রহিত বা পরিবর্ত্তিত করিতে পারিবেন কিন্তু যাবং ঐরপ আজ্ঞা করা না যায় তাবং সেশন আদালতের পূর্বমত অধিবেশন হইবে।
- (৩) যে জেলায় জুরির দ্বারা কোন অপরাধের বিচার হইবে সেই জিলা সন্ধন্ধে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ঐরপ আজ্ঞাক্রমে ইহাও ব্যক্ত করিতে পারিবেন যে জজ সাহেবের নিকট দরখান্ত করা গেলে তিনি যদি তদম্পারে কিন্ধা তিনি যদি আপন ইচ্ছায় এরপ আদেশ করেন যে বিশেষ জুরির ফর্দ্দ হইতে জুরিদিগের নামে সমন দিয়া তাঁহাদের দ্বারা সেই অপরাধের বিচার হইবে তাহা হইলে সেই অপরাধের বিচার সেরপ হইবে এবং সেই আজ্ঞা রহিত বা পরিবর্ত্তিত করিতে পারিবেন।
- (৪) কোন কোনটা জ্বির বিচার্য্য ও কোন কোনটা জ্বির বিচার্য্য নহে এরপ ভিমং অপরাধের নিমিত্ত এক কালে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার হইলে তন্মধ্যে যেং অপরাধ জ্বির বিচার্য্য সেইং অপরাধের বিচার জ্বির দ্বারা ও যেং অপরাধ জ্বির বিচার্য্য নহে সেইং অপরাধের বিচার আসেসরস্বরূপ জ্বেরের সাহায্যে সেশন আ্দালতের দ্বারা হইবে।

দেশন আদালতে বাজ-কীয় অ'ভযোক্তা দ্বাবা বিচাবেব কাষ্য্যেব অনুষ্ঠান কইবাব কথা। ২৭০ ধারা। সেশন আদালতের সন্মুখস্থ প্রভেত্তক
মোকদ্দমার বিচারকালে রাজকীয় অভিযোজা অভিযোগের
কার্য্য চালাইবেন।

# (খ)। - কার্য্যারছের বিধি।

২৭১ ধারা। (১) আদালত বিচার কার্য্য আরম্ভ করিতে প্রস্তুত হইলে অভিবিচার আবম্ব করণের যুক্ত ব্যক্তি আদালতের সমুখে কথা।
তপস্থিত হইবে অথবা তাহাকে সমুখে আনা যাইবে; ও তাহার নিকট অভিযোগপত্র পাঠ করিয়া বুঝাইয়া দেওয়া যাইবে ও তাহাকে জিজ্ঞাসা করা যাইবে যে তুমি এই পত্রলিখিত অপ্বরাধে অপ্রাধী, না বিচার হইবার দাওয়া রাখ।

(২, অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনাকে অপরাধী স্থীকার
করিলে সেই কথা লিপিবদ্ধ
অপনাধ শ্বীকাব করিলে করা ঘাইবে ও তদত্মারে
ভাষাব কথা।
তাধার অপরাধ নির্ণয় হইতে
পারিবে।

ং ৭২ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি আ**পনাকে** অপরাধী বলিতে অত্থীকার করিলে কি অপবাধ স্বীকার না কবি-অপরাধ স্থীকার না করিলে বার কি বিচার হইবার দা ও-কিন্তা বিচার হইবার দাওয়া যার কথা। করিলে, আদালত পশ্চালিখিত বিধানমতে জুরি কিম্বা আসেসরদিগকে মনোনীত করিয়া

বিচারের কার্য্যে প্রব্রুত হইবেন।

٫ কিন্তু পশ্চাল্লিখিড জাপত্তি করিবার অধিকার মানিয়া আদালত জুরি কি আ সসর-জুরির কি আদেশবদের দিগকে পরিবর্তন না করিয়া পরিববর্ত্তন না হইয়া ক্রমশঃ তাঁহাদের দ্বারা বা তাঁহাদের বক্ত অপরাধীর বিচার হইতে অভিযুক্ত যত সহকারিতায় পারিবার কথা। জনের বিচার করা বিহিত জ্ঞান

করেন ক্রমশঃ তত জনের বিচার করিতে পারিবেন।

২৭৩ ধারা।(১) হাই কোর্টের সন্মুখে বিচার হইলে, অভিযোগের কিছা তাহার প্রতি-কোন অংশের প্রতিপোষণ অভিযোগেব শোষণ মইতে না পাবিলে হইবার আইনমত প্রমাণ নাই य कथा लिया यादेख অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার আরম্ভ ভাৱাৰ কথা। হইবার পূর্ব কোন সময়ে হাই কোর্টের এইরূপ বোধ হইলে, ,বিচারপতি অভি-যোগপত্তের উপর সেই মর্মের কথা লিখিয়া দিতে

পারিবেন। (২) ঐ কথা লেখা গেলে ঐ অভিযোগপত্রের কিম্বা হল বিশেষে ভাহার এ ঐ লিখিত কথার ফলের অংশের উপর কার্যাইটান কথা।

## গ।—জুরি নির্কাচনের বিধি।

স্থগিত হইবে।

(১) হাই २ 98 शांत्रा । কত জন লইয়া জুবি कार्ड विठात इहेटन नग्न जन হৰ্ষৰে তাহাৰ কথা। वाक्तिक नहेश भूति इहेर्त ।

(২) সেশন আদালতে জুরির দারা বিচার হইলে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট বিশেষ কোন জিলার সম্পর্কে কিম্বা ঐ জিলার মধ্যে বিশেষ কোন শ্রেণীর অপরাধ সম্পর্কে কোন আজ্ঞা করিলে, তদহুসারে তিন জ্ঞানের অন্যুন ও নয় জ্ঞানের অনধিক বিষম সংখ্যক ব্যক্তিকে লইয়া **इ**ति इहेरव ।

২৭**৫ খারা। সেশন আদালতে জ্**রি দ্বারা ইউ**রোপ** ও আমেরিকা দেশীয় ভিন্ন সেশন আদালতে ইউ-কোন ব্যক্তির বিচার হইলে রোপ কি আমেরিকা দেশীয অভিযুক্ত ব্যক্তি চাহিলে প্রির লোক ভিন্ন অন্য লোকদেব অধিকাংশই ইউরোপ বিচার।র্থ জুরিব কথা। আমেরিকা দেশীয় ভিন্ন অন্য

## व्यक्तिमिशक महेग्रा इहेर्द ।

২৭৬ ধারা। যে ব্যক্তিদিগকে জ্বির কর্ম করিতে সম্ম করা যায় হাই কোট গুলিবাট দারা জুরি সময়েং বিধিক্রমে যে প্রকারের মনোনীত হইবারকথা। আদেশ করেন, সেই প্রকারে

গুলিবাঁট করিয়া ভাছাদের মধ্য হইতে ছরি মঝোনীত করা যাইবে।

কিন্তু---

প্রথমতঃ এইক্লণে কোন ক্রি মনোনীত করিবার বিষয়ে যে রীতি কোন আদা-বৰ্ত্তমান রীতি চলিবাব লতে প্রচলিত আছে, যত দিন \_\_. কথা। উক্ত আদলতের নিমিত্ত এই ধারামত বিধি প্রচার না হয় তত দিন সেই রীডি

দ্বিতীয়তঃ জুরিতে যত জন লোকের প্রয়োজন যাঁহাদিগকে সমন করা গিয়াছে যাঁহাদিগকে সমন দেওযা তাহাদের মধ্যে তত জন না যায় নাৰ ভাঁহাদিগকে কথন থাকিলে অন্য যে ব্যক্তিরা তাহণ করিতে পাবা যায উপস্থিত থাকেন আদালতের তাহ'র কথা। অভ্যতি লইয়া তাঁহাদের মধ্য

হইতে লোক মনোনীত করিয়া, সংখ্যা পূর্ণ করা যাইতে পারিবে।

তৃতীয়ত: কোন রাজধানীতে কোন ব্যক্তির বিচার इ**दे**त्नः ---

(ক) যে অপরাধে প্রাণ-বিশেষ জুবির সহযোগে দণ্ড হইতে পারে ভাহার নামে বিচাব হইবার কথা। এমত অপরাধের অভিযোগ

হইলে, কিম্বা

(খ) অন্য কোন স্থলে হাই কোটের এক জন জজ আদেশ করিলে—

পশ্চান্নিদ্দিষ্ট বিশেষ জুরির ফর্দ্দ হইতে জুরর্নিগকে মনোনীত করা যাইবে। এবং

চতুৰ্থতঃ স্থানীয় গবৰ্ণমেণ্ট যে কোন জিলা সম্বন্ধে এরূপ ব্যক্ত করিয়াছেন যে কোন কোন অপরাধের বিচার বিশেষ জ্বিগ স্বাসা করা যাইতে পারিবে সেই জিলায় যে স্থলে জজ সাহেব সেরপ আদেশ করেন সে স্থলে ৩২৫ ধারার নিদ্দিট বিশেষ জ্রির কর্দ্দ হইতে জুরি মনোনীত করা যাইবে।

২৭৭ ধারা। (১) জ্বির একং ব্যক্তি মনোনীত **रहेरल, जारात नाम खेरिकः ऋत** জুবির নাম ডাকিবার ডাকা যাইবে; ও উপস্থিত কথা | হইলেই অভিযুক্ত ব্যক্তিকে জিজ্ঞাসা করা যাইবে যে, এই ব্যক্তির দ্বারা তোমার বিচার হইবার কোন আপত্তি আছে কি না।

(২) অভিযুক্ত ব্যক্তি কিম্বা অভিযোক্তা ছ্রির ঐ ব্যক্তির বিষয়ে আপত্তি করিতে জুরিব কোন ব্যক্তিন্ব পারিবেন, ও তাঁহার সেই বিষয়ে আপত্তির ৰূপা। আপত্তির কারণ জানাইতে

इरेर्द । কিন্তু হাই কোটে মহারাণীর পক্ষে আট পর্য্যন্ত ব্যক্তির, বিষয়ে ও অভিযুক্ত कांद्रण मा जान है शां একই কি সকস ব্যক্তির পক্তে আপতি করিবার কথা। আট পর্য্যন্ত ব্যক্তির বিষয়ে কারণ না জানাইয়া আপত্তি করিবার অস্থয়তি থাকিবে। ২৭৮ ধারা। পশ্চাল্লিখিত কোন কারণে ছবির কোন ব্যক্তির বিষয়ে যে আপত্তির কাবণের কলা। আপত্তি করা যায় ভাষা আদা-লভের হুলোধজনক হইলে গ্রাহ্য হইবে, অর্থাৎ.

- (क) কোন ব্যক্তির পক্ষপাতী হওয়া অহ্মান কিছা তিনি পক্ষপাতী আছেন বলিয়া যে আপতি।
- (খ) ব্যক্তি বিশেষের বিষয়ে আপন্তি, যথা
  তিনি ভিন্নদেশীয় লোক, কিন্না প্রচলিত
  কোন আইনমতে কিন্না আইনের তুল্য
  বলবৎ কোন বিধিমতে যেং গুল থাকা
  আবশ্যক তাঁহার এমত কোন গুণের
  অভাব আছে, কিন্না তাঁহার বয়স
  ২১ বৎসরের কম বা ৬০ বৎসরের
  অধিক, বলিয়া যে আপত্তি।
- (গ) তিনি আচারক্রমে কিম্বা ধর্মসংক্রাম্ভ মানত করিয়া সাংসারিক সমস্ভ বিষয় চিন্দা ত্যাগ করিয়াছেন।
- (ঘ) ঐ ব্যক্তি সেই আদালতে কি তাহার অধীন কোন পাদে নিযুক্ত আছেন।
- (৩) তিনি পোলীস সংক্রান্ত কোন কর্ম নির্কাহ করিতেছেন, কিয়া তাঁহার প্রতি পোলীস সংক্রান্ত কার্য্যের ভার অর্পিত হইয়াছে।
- (চ) যে অপরাধ হেতুক তিনি আদাসতের বিবেচনামতে জ্বির কর্ম করিতে অযোগ্য হন, তাঁহার এমন কোন অপ রাধ পূর্বে নির্ণয় হইয়াছে।
- (ছ) সাক্ষ্য যে ভাষায় দেওয়া যায় কিছা দোভাষী যে ভাষায় অর্থ করিয়া দেন তিনি তাহা বৃথিতে পারিবেন না।
- (জ্ঞা আদালতের বিবেচনামতে অন্য যে গতিক প্রযুক্ত ঐ ব্যক্তির জ্বরের কর্ম করা অমূচিত হয় এমত কোন গতিক থাকার-

্ত্ত্। হেতু।

২৭৯ ধারা। ১) কোন স্থ্রের সম্বন্ধেযে আপত্তি করা যায় সেই আপত্তি গ্রাহ্য কি না, এই বিষয়ে আদালত নিশৃত্তি করিবেন, ও আদালতের সেই নিশত্তি লিপি-বদ্ধ করা যাইবে ও চূড়ান্ত হইবে।

(২) আপত্তি প্র'হ্য হইলে জ্বিকে ডাকিবার
সমন মতে অন্য যে ব্যক্তিরা
' যে জ্বনের বিরুজে উপন্থিত থাকেন প্র ব্যক্তির
কালে জন্য লোক নিযে।
গোর কথা।

ধারার বিধানমতে তাঁহাকে
মনোনীত করা যাইবে। অন্য ব্যক্তি না থাকিলে জ্বির
কর্দে যাঁহার নাম দেখা আছে এমত অন্য যে ব্যক্তি
আদালতে উপন্থিত থাকেন কিল্লা আদালত অন্য

২৭৮ ধারা। পশ্চালিখিত কোন কারণে জ্রির । যাঁহাকে জ্রির কর্ম করিবার উপযুক্ত জ্ঞান করেন এমন কোন ব্যক্তির বিষয়ে যে কোন ব্যক্তিকে নিযুক্ত করা মাইবে।

> কিন্ত ইহাতে প্রয়োজন যে সেই ব্যক্তির বিষয়ে ২৭৮ ধারামত কোন আপত্তি না হয়, হইলেও প্রান্তা না হয়।

২৮০ ধারা। (১) জ্বরির সংখ্যা পূর্ণ ছইলে জাহারা আপনাদের একজনকে কথা। আধিপতি বলিয়া নিযুক্ত করি-

- (২) ঐ অধিপতির কর্তব্য কর্ম এই২—ছুরি কোন বিষয়ে বিবেচনা করিবার নিমিত্ত শুতন্ত বসিলে তিনি অধ্যক্ষতা করিবেন, ও আদালতে ছুরির নিপাত্তি জ্ঞাত করিবেন এবং ছুরি বা কোন ছুরের আদালতের নিক্ট কোন সংবাদ জানিতে চাহিলে তিনিই সেই বংগ জিজ্ঞাসা করিবেন।
- (৩) ঐ জুরির অধিপতি পাদে কৈ নিযুক্ত হইবেন, এতবিষয়ে জজ যে সময় যুক্তিসিদ্ধ জ্ঞান করেন সেই সময় মধ্যে বদি তাঁহাদের অধিকাংশের এক মত না হয়, তবে আদালত ঐ অধিপতিকে মনোনীত করিবেন।

২৮১ ধারা। জুরের অধিপ:তি নিযুক্ত হইলে, ভারত-ক্যার শপথ বিষয়ক ১৮৭৩ ক্যান কথা।
কথা।
কথা।
কথা।
কথা

২৮২ ধারা। (১) জুরির দ্বারা কোন মোকদ্মার বিচার কার্য্য চলিভেছে এমন জুবৰ উপস্থিত থাকিতে সময়ে যদি নিষ্পত্তির পূর্বে मा लागल यारा कड़वा ঐ জ্বির কোন ব্যক্তি উপযুক্ত তাহাব কৰা ৷ কোন কারণে ঐ বিচারের · ভাবৎকাল উপস্থিত থাকিতে না পারেন, কিন্ধা 🗨রির অন্যতর ব্যক্তি অমুপস্থিত হইলে যদি তাঁহাকে উপ-স্থিত করান যাইতে না পারে, কিন্তা যদি দেখা যায় যে জ্রির কোন ব্যক্তি যে ভাষায় সাক্ষ্য দেওয়া হয় সেই ভাষা বুকিতে পারেন না কিম্বা ঐ সাক্ষ্য দোভাষির দারা বুঝাইয়া দেওয়া গেলে যে ভাষায় তাহা বুঝাইয়া দেওয়া যায় দেই ভাষা বুঝিতে পারেন না, তবে একজন জ্বর আহণ করা যাইবে, কিম্বা ঐ জুরির সমুদয় ব্যক্তিকে বিদায় করা যাইবে ও মৃতন ছুরি মনোনাও श्रदेव ।

(২) ঐরপ প্রত্যেক স্থলে মোকদ্দমার প্রথমাবিধি পুনক্ত বিচার হইবে।

২৮৩ ধারা। আসামী প্রীজাপ্রযুক্ত আদালতের আসামীর প্রীজা ছগলে সম্ম খে থাকিতে না পারিলে জুবকে বিদায় কথা। ত করিয়া দিতে পারিবেন।

याक्ट्र ।

## খ।—আসেসর নির্কাচনের বিধি।

২৮৪ ধারা। আসেসরদের সহকারি ায় বিভার
ত করিতে হইলে আসেসরদের
আসেসরদিগকে যেকণে কর্ম করণার্থে যে ব্যক্তিদিগকে
মনোনীত করা খাইবে
ভাহার কথা।
বিরূপ উচিত বোধ করেন
ভদম্পারে ভাহাদের মধ্য হইতে গুই কিয়া ভদধিক
আসেসর মনোনীত করা ঘাইবে।

২৮৫ প্রারা। (১) আদেসরদের সাহায্যে কোন মোকক্ষমায় বিচার হইতেছে এমন
আদেসব উপস্তিত থাকিতে সময়ে নিপত্তি হইবার পূর্বের
না পারিলে থাবা কর্ত্তরা
ভাষার কথা।
কারণে বিচারের শেষ না হওন
পর্য্যন্ত উপস্থিত থাকিতে না পারিলে অথবা অমুপস্থিত
ইইলৈ ভাহাকে উপস্থিত করা ঘাইতে না পারিলে
অন্য এক কি অধিক জন আদেসবের সাহায্যে ঐ বিচার
কার্য্য চলিবে।

(২) বিচারকরণ সময়ে সকল আসেসরেরই উপস্থিত হইবার বাধা হইলে কিয়া জাঁহারা আপনারাই অমৃ-পাছিত হইলে, আচ্চানিক কার্য্য স্থাপিত হইবে ও অন্য আসেসরদিগের সহকারিতায় মোকদ্দমার নূতন বিচার হইবে।

ত্ত।—অভিযোগের ও প্রতিবাদের মোকদ্মার সমাপ্তি পর্য্যন্ত বিচারের বিধি।

২৮৬ ধারা। (১) জ্বর ও আদেসরদিগকে মনোনাত করা গেলে, যে অপরাধের অভযোগ হইয়াছে, অভিযোভা ভারতবর্ষীয় দভবিধি কিছা আবং যে সাক্ষ্যারা তিনি অভিযুক্ত ব্যক্তির দোষ প্রমাণ করিতে চাহেন সংক্ষেপে তাহা বলিয়া স্থীয় মোকদ্মার সচনা করিবেন।

সাক্ষাদের পরীক্ষা লই- (২) তদনস্কর তিনি আপনার বাহ কথা। সাক্ষাদের পরীক্ষা লইবেন।

২৮৭ ধারা। যে মাজিক্টেট সমর্পণ করেন তাঁহার

দ্বারা বা তাঁহার সমূথে অভিযুক্ত

া মালিট্রেটদের সমূথে ব্যক্তির পরীক্ষা হইয়া যথাবিধি
আভিযুক্ত করিও পরীক্ষা লিপিবদ্ধ করা গেলে তাহা
কর্মা গেলে তাহা প্রমাণস্বরূপ দিবেন
ও তাহা প্রমাণস্বরূপ পাঠ

### করা যাইবে।

২০৮ ধারা। যে ব্যক্তিকে উপস্থিত ও পরীক্ষা করা যায় সমর্গণক রী মাজিস্টেটের এখ্যক্ষনীর তদত লাজ্-বাব সময়ে যে সাক্ষা দেশ্রম বাম ভাষা আহা ছাবাব কথা।

যি ব্যক্তিক তাহা যদি নিয়ামিত-রূপ অভিযুক্ত ব্যক্তির সাক্ষাতে লাইয়া গিয়া থাকে, ভবে আধিপত্যকারী জজের বিবেচনামতে তাহা মোক-দ্দমার প্রমাণ মধ্যে ধরা যাইতে পারিবে।

২৮> ধারা। (১) অভিযোগের সপক্ষ সাক্ষাদের
পরীক্ষা ও থদি অভিযুক্ত
অভিযোগের সাক্ষীদের
ব্যক্তির পরীক্ষা লওয়া যায়
বাধা।
তাহা সমাপ্ত হইলে পর অভিযুক্ত ব্যক্তি সাক্ষ্য উপস্থিত
করিতে চাহে কি মা তাহাকে এই কথা জিজ্ঞাসা করা

- (>) সে খদি মা বলে তবে অভিযোক্তা মোকদ্দমার সার ব্যক্ত করিবেন। তাহা হইলে পার খদি
  আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধ যে করিয়াছে
  ইহার সাক্ষ্য নাই এরূপ বিবেচনা করেন. তবে আসেসরদের সহকারিতায় মোকদ্দমার বিচার করিলে
  আপনার নির্ন্ন লিপিবদ্ধ করিতে ও জ্রির দ্বারা বিচার
  ইইলে জ্রির প্রতি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষ জানাইবার আদেশ করিতে পারিবেন।
- (৩) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কিয়া অনেক অভিযুক্ত ব্যক্তি থাকিলে তন্মধ্যে কেহ, সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে চাহি বলে এবং আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধ, যে করিয়াছে ইহার সাক্ষ্য নাই এরূপ বিবেচনা করেন তবে আসেসরদের সহকারিভায় মোকদমার বিচার হইলে আপনার নির্মান লিপিবদ্দ করিতে ও জুরির দারা বিচার হইলে ক্ষ্রির প্রতি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষ জানাইবার আদেশ করিতে পারিবেন।
- (%) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কিয়া অনেক অভিযুক্ত ব্যক্তি থাকিলে ভন্মধ্যে কেহ, সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে চাহি বলে, এবং যদি আদালত বিবেচনা করেন যে, সেই ব্যক্তি অপরাধ্ব যে করিয়াছে ইহার সাক্ষ্য আছে. কিয়া সে সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে চাহি না বলিলে, যদি অভিযোক্তা মোকদমার সার ব্যক্ত করেন ও আদালত-অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধ্ব যে করিয়াছে ইহার সাক্ষ্য আছে এরপ বিবেচনা করেন, তাহা হইলে আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে প্রতিবাদ কার্য্যে প্রবৃত্ত হইতে আদেশ দিবেন।

২৯০ ধারা। অনন্তর অভিযুক্ত ব্যক্তি কিছা ভাহার
পশক্ষ উকীল যে রক্তান্ত কি

ভাতিনাদের কণা।
বিষেদ্ধির উপর নির্ভির করিতে
চাহেন ও ভাহার বিবেচনায় অভিখোগের সাক্ষ্য
সম্বন্ধে যে কথা বলা আবশ্যক হয় ভাহা বলিয়া
স্বীয় প্রতিবাদের সূচনা করিবেন। তৎপরে ভাহার
সপক্ষ সাক্ষী থাকিলো ভাহাদের পরীক্ষা লইভে
পারিবেন ও ভাহাদের কুট পরীক্ষা ও পুনঃ পরীক্ষা
করা গোলে ভাহার পর আপনার মোকদ্যার সার
ব্যক্ত করিকে পারিবেন।

. ২৯১:ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি পুর্বে যে সাক্ষীর

নাম দেয় নাই এমত সাক্ষী
সকীদেব পৰীক্ষা লহতে উপস্থিত থাকিলে সে তাহার
ও তারাদিগকে সমন
কবিতে অভিযুক্ত ব্যক্তির
কবিতে অভিযুক্ত ব্যক্তির
কবিতে অভিযুক্ত ব্যক্তির
কবিত অভিযুক্ত ব্যক্তির
কবিত কবিত

ব্যক্তির অধিকার থাকিবে না।

বিচারার্থে সমর্পণ করেন তাঁছাকে সাক্ষাদের নামের যে নির্ঘটপাত্র দেওয়া যায় সেই নির্ঘটপাত্রে যে সাক্ষাদের নাম লেখা থাকে ২১১ ও ২৩১ ধারার বিধানের ছল ভিন্ন অন্য হলে সেই২ ব্যক্তি ছাড়া অন্য বাজিদিগকে সমন করাইতে অভিযুক্ত

২৯২ ধারা। যদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কিন্না অভিযুক্ত ব্যক্তিদের মধ্যে কেহ, ২৮৯ আভিযোজাৰ উত্তৰ দিবাৰ অধিকাৰেৰ কথা। ধারামতে জিজ্ঞাসিত হইলে, সাক্ষ্য উপস্থিত করিতে চাহি বলে, তবে অভিযোক্তার প্রভুত্তর করিবার অধিকার

বলে, তবে অভিযোক্তার প্রত্যুত্তর করিবার অধিকার থাকিবে। কিপ্পু অভিযুক্ত ব্যক্তি এ সময়ে এরপে না বলিলে, অভিযোক্তার প্রত্যুক্তর করিবার অধিকার থাকিবে না।

২৯৩ ারা। (১) অমুক স্থানে অপরাধ হইয়াছে বলিয়া যে ছানের উল্লেখ হয় জবিব কি আগেশবদেব অথবা মোকদ্দমার অমুসন্ধান দাবা স্থানান দৃষ্ট হইবাব পক্ষে গুৰুতর ব্যাপার যে স্থানে ঘটিয়াছে জ্রির কি

আসেসরদের সেই স্থান দৃষ্ট করা বিহিত আদালত এমত বোধ করিলে সেই মর্মের আজ্ঞা করিবেন। তাহা হইলে আদালতের কোন কার্য্যকারকের জিন্মায় ঐ জুরির কি আসেসরদের সমস্ত ব্যক্তিকে একএ সেই স্থানে লইয়া যাওয়া যাইবে; ও আদালতের নিযুক্ত কোন ব্যক্তি তাঁহাদিগকে ঐ স্থান দেখাইয়া দিবেন।

(২) আদালতের ঐ কর্মচারির কর্ত্তর্য যে অপর কোন ব্যক্তিকে আদালতের অনুমতি না হইলে ঐ জুরির কি অসেসরদের কাহার ও সঙ্গে কথা কহিতে কি পত্রাদি দিতে কি কোন প্রকারে ইন্সিতাদি করিতে না 'দেয় এবং আদালত অন্যরূপ আদেশ না দিলে সেই স্থান দৃষ্টি করিলে পর ভাহাদিগকে তৎক্ষণাৎ আদালতে পুনরায় খানা যাইবে।

২৯৪ ধারা। জুরির কোন ব্যক্তি কিন্না আদেসর
জুরির কোন ব্যক্তির কি - নিজে কোন প্রাসন্ধিক রন্তান্ত
আদেদবেব পালাবিক অবগত থাকিলে জজ সাহেলওরা কইতে পাবিকে বকে তাঁহার সেই কথা জ্ঞাত
ভাষার কথা।
করা কর্ত্তরার পরীক্ষা ও কুট
পরীক্ষা ও পুনঃ পরীক্ষা লওয়া ঘাইতে পারিবে।

২৯৫ ধারা। যদি বিচারকার্য্য স্থগিত হইয়া ঐ
কার্য্যন্ত্র্যালের কার্য্যন্ত্র্যালের কার্য্যন্ত্র্যালের কার্য্যন্ত্র
কার্য্যন্ত্র কার্য্যন্ত্র কার্য্যন্ত্র
কার্যালের কার্য্যন্ত্র
ক্রার কথা।
স্যাপ্তি না ক্রম্ব পর্যান্য তথ্

পশ্চাৎ প্রত্যেক অধিবেশন কালে জ্রির বা আদেসম্ম-দের উপস্থিত হইতে হইবে।

২৯৬ ধারা। কোন মোকদ্দশার বিচার করিতে এক দিনের অধিক লাগিলে, হাই জু<sup>বিকে বদ্ধ</sup> রাখিবার কথা। দের একত্র থাকিবার বিধি

করিতে পারিবেন, ও জুরির ব্যক্তিদিগকে কোর্টের কোন কর্মচারির জিন্মায় একত্র রাখিতে হইবে কি না, ও যে প্রকারে রাখা যাইবে, কিম্না তাঁহানা স্বং গৃছে ফিরিয়া যাইতে পাইবেন, এই বিষয়ে আধিপত্যকারী জজ উক্ত বিধি প্রবল মানিয়া আজ্ঞা করিতে পারি-বেন।

### চ।—জ্রির বিচারিত गোকদ্দমায় বিচার সমাপ্তির বিধি।

২৯৭ ধারা। ছুরির বিচারিত মোকদ্দমায় প্রতিবাদের সপক্ষ কার্য্য সমাপ্ত
ছবির প্রতি উপদেশের
হইলে এবং অভিযোক্তা প্রত্যুত্তর
সমাপ্ত হইলে পর আদালত অভিযোগের ও প্রতিবাদের
সপক্ষ সাক্ষ্যের সার ব্যক্ত করিয়া ও যে আইনমতে
ছুরির বিচার করিতে হইবে সেই আইন ব্যক্ত করিয়া
তাঁহাদিগকে উপদেশ দিবেন।

২৯৮ ধারা। (১) তদ্রপ পদ দাহেবের কর্ত্তব্য মোকদ্দমায় জজ সাহেবের কর্ত্ব্যে কর্ম্ম এই২।—

- কি) তিনি বিচারকালে উথিত আইনঘটিত সমস্ত বিবাদ, বিশেষতঃ যে র্ত্তান্তের প্রমাণ করিবার প্রস্তাব হয় দেই র্ত্তান্ত প্রাস-দিক কি না এই বিষয়ের সকল বিবাদ নিশান্তি করিবেন; ও যে সাক্ষ্য দিবার প্রস্তাব হয় তাহা গ্রাহ্য কি না ও উত্তয় পক্ষ দ্বারা কি তাঁহাদের পক্ষে যে প্রশ্ন করা হয় তাহা উপায়ুক্ত কি না ইহা নির্ণয় করিবেন এবং যে সাক্ষ্য অগ্রাহ্য অন্য-তর পক্ষ তদ্বিষয়ে আপ্রতি করিলে বা না করিলেও ভিনি স্থায় বিবেচনামতে ভাহা উপান্থিত করিতে বারণ করিবেন।
- (খ) বিচারকালে যে দলান প্রমাণস্বরূপ উপ-স্থিত কর। যায় তাহার অর্থ ও ভাব নির্বয় করিবেনশ।
- (গ) বিষয় বিশেষের সাক্ষ্য দেওয়া যাইতে পারে এই নিমিত রতান্ত<sup>স্</sup>টিত যে সকল বিষয়ের প্রমাণ করা আবিশ্যক তাহা নির্ণয় করিবেন।
- (গ) কোন প্রশা উথিত হইলে তাহা আপনার বিবেচ্য না জ্বির বিদেচ্য তিনি ইহাও নির্ণয় করিবেন ও সেই বিষয়ে ভাঁছার নির্ণয় দারা জ্বিবদ হইবে।

(২) জজ সাহেব যে সময়ে প্রমাণাদির সার ব্যক্ত করেন সেই সময়ে উচিত বোধ করিলে ছ্রির নিকট আফুটানিক কার্য্যের প্রাসন্ধিক রক্তান্তঘটিত কোন বিষয়ে কিয়া আইন ও রক্তান্ত এই গুইয়ের মিশ্রিত কোন বিষয়ে আপনার মৃত জানাইতে পারিবেন।

### উদাহরণ।

ক) কোন ব্যক্তিকে সাক্ষীক্ষরপে ডাকা না গেলেও তিনি কোন উক্তি করিলে এবং কোন ভাবগতিকে কাহার উক্তির প্রমাণ গ্রাহ্য হওয়াতে তাঁহার সেই উক্তির প্রমাণ করিবার প্রস্তাব হয়।

এই স্থলে সেই ভাবগতিকের প্রমাণ হইয়াছে কি ন। এই বিষয়ের নিম্পত্তি করা জজ সাহেবের কর্তব্য জ্বির কর্ত্তব্য নয় ।

(খ) আসল দলীল হারাইয়াছে কি নঊ হইয়াছে বুলিয়া ঐ দলীলের গোণ সাক্ষ্য দিবার প্রস্তাব হয়।

আসল দলীল হারাইয়াছে কি নফ হইয়াছে কি না ইহা নির্ণয় করা জজ সাহেবের কর্তব্য।

ক্র্বির কর্ত্রন্য কর্মের কর্ম।। ২৯৯ ধারা। জ্রের কর্ত্রন্য এই২।—

- (ক) রুত্তান্তের কোন্ ভাবটি সত্য ইহা নির্বয় করিবেন, এবং জজ্ঞ সাহেবের আদেশ-য়ভ তাঁহাদের সেই ভাবায়্সারে যে মীমাংসা করা উচিত তাহা করিবেন।
- (খ) আইনের কথা ছাড়া পারিভাষিক কথা ও
  শব্দের অপ্রসিদ্ধ ভাব ধরিয়া যাহার
  ব্যবহার হয় এমত কথা কোন দলীলে
  লেখা থাকিলে কি না থাকিলেও যদি
  ভাহার অর্থ-নির্বয় করা আবশ্যক হয়
  ভবে ভাহার অর্থ নির্বয় করিবেন।
- (গ) আইনে যে সকল কথা রক্তান্তগটিত কথা বলিয়া ব্যক্ত হয় সেই সকল কথা, নির্ণয় করিকেন।
- ্ষ) সাধারণ ও অনির্দ্ধিষ্ট অর্থের কথা বিশেষ কোন স্থলে খাটে কি না ইছা নির্বাহ্ করিবেন। কিশ্ব সেই বথা আইনামু-যায়ী কার্য্যপ্রণালী সম্প্রকীয় কথা ছইলে কিশ্বা আইনে সেই কথার অর্থ নির্দ্ধারিত থাঞ্চিলে ভাহার অর্থ নির্বাহ্ করা জজ সাহেবেরীকর্ত্তব্য।

### উদাহরণ।

(ক) বলরামকে বর্ধ করিয়াছে বলিয়া আনন্দের বিচার হয়। বধ ও অপরাধ্যটিত নরহত্যা এই তুই অপ-রাধের মধ্যে যে বিশেষ থাকে ছুরির নিকট তাহা ব্যক্ত করা এবং র্জান্তের কিরূপ ভাবদৃত্তে আনন্দকে বধাপ-রাধী বলিয়া কিছা অপরাধ্যটিত নরহত্যার অপরাধী বলিয়া নির্ণয় করিতে হইবে ও কিরূপ ভাবদৃত্তে

তাহাকে নির্দ্ধোষ করিতে হইবে এই সকল কথা জ্ঞাত করা জজ্ঞ সাহেবের কর্তব্য।

রভান্তের কোন্ ভাবটি যথার্থ ইহা নির্ণয় করা এখং জজ সাহেব যে উপদেশ দেন ভাহা ঠিক হউক কি । নাই হউক ও জ্বি ভাহাতে সম্মত হইলে কি না ছই-লেও সেই উপদেশাসুসারে মীমাংসা করা জ্বির কর্তব্য।

(খ) বিশেষ কোন বিষয়ে কোন ব্যক্তির বৃক্তিয়ত প্রতীতি ছিল কি না। কোন কর্ম বৃক্তিয়ত কোলল-ক্রমে বা উপাযুক্ত যড়ক্রমে করা গিয়াছে কি না।

এই श विषयं क्वित विद्या ।

৩°° ধারা। ছুরির বিচারিত মোকদ্দ্যায় জজ বিবেচনা ক্রিবাব ভন্য জুবির বিবলে যাইবাব কথা। হইলে কিরপ মীমাংসা করা কর্ত্তব্য ইহা বিবেচনা করিবার জন্যে তাঁহারা বিরলে যাইতে পারিবেন।

আদাসতের অমুমতি বিনা জ্বর ভিন্ন এন্য কেছ সেই জ্বির কোন ব্যাক্তর সঙ্গে কথা কহিতে কিছা তাহাকে পত্রাদি দিতে কিছা ইঞ্চিতাদি করিতে পারিবে না।

৩০১ ধারা। জুরি মীমাংসা বিবেচনা করিলে পার মীমাংসা ভানাইবাব ফীহাদের অধিপতি সেই মীমাংসা জিম্বা অধিকাংশ মীমাংসা অদালতে জানাইবেন।

ত ০২ ধারা। জ্বির ঐক্যবাক্য না হইলে জজ ক্রব ঐক্যবাক্য নাহইলে সাহেব তাঁহাদিগকে আরো ক্রবার নাহইলে বিবেচনা করিবার . নিমিত্ত বিরলে যাইবার আদেশ করিছে পারিবেন। পরে জজ সাহেত্বের বিবেচনায় উপযুক্ত সময় গত হইলে পর জ্বি এক্মত না হইলেও তাঁহার। মীমাংসা প্রকাশ করিতে পারিবেন।

এ০০ ধারা। (১) আদালত প্রকারান্থরের আদেশ প্রত্যেক অভিযোগ ধব্যা মীমাংদা করিবাব কগা।

ক্রিকে লজ সাহেবের জিজ্ঞাদা কাবতে পাহিবাব কগা।

তাঁহাদের মীমাংসা আভার্যকর্মতে জানিবার নিমিত্ত যেং প্রশ্ন করা আবশ্যক জজ সাহেব ভাঁহাদের নিকট সেইং প্রশ্ন করিতে পারিবেন।

প্রশা ও উত্তব লিখিয়া (২) সেই প্রশা ও ভাছার বাধিবার কথা। উত্তর লিখিয়া রাখিতে হইবে।

৩-৪ ধারা। ঘটনা বা ভাস্কিক্রমে অন্যায় মীমাংসা

মীমাংসা সংশোধনের
কগা।

তিনি বা ভাস্কি তাহা লিখিত
হইবার পর্বে কি অব্যবহিত
পরে জ্রী এ মীমাংসা সংশোধন
করিতে পারিবেন, এবং শেষে যদ্রপ সংশোধন করা
যায় ভাষা ভদ্রপই থাকিবে।

৩ । ধারা। (১) হাই কোর্টে বিচারিত মোকদ্দমায়
স্করের সকল ব্যক্তি আপনাহাই কোর্টে মীমাংসা যে
সময়ে এবল হইবে তাহাব
কথা।

শর্মান্ত এক বাক্য ও জজ্জ
সাহেব তাহাদের মতে সম্মত হইলে জজ্জ সাহেব উক্ত
মুতাহ্লসারে নিপাত্তি করিবেন।

- (২) তজ্ঞপা কোন মোকদ্দমায় ছুরির সকল ব্যক্তি একবাক্য হইবেন না, তাঁগারা ইহা দ্বদ্বোধমতে জানিলে কিন্তু ছয়জন একবাক্য হইলে তাঁহাদের মুখ্য ব্যক্তি জজ্জ সাহেবকে সেই কথা জানাইবেন।
- (৩) সেই অধিকাংশ ব্যক্তিদের মতে জজ সাহেব অন্যন্তলে শূবিকে বিদায় সম্মত না হইলে, তিনি জ্ববিকে দিবাৰ কথা। বিদায় করিয়া দিবেন।
- (৪) তাঁহাদের ছয়জন পর্য্যন্ত একবাক্য না হইলে জজ সাহেব যত কাল যুক্তিনিদ্ধ জ্ঞান করেন ততকাল অপেক্ষা করিয়া জুরিকে বিদায় করিয়া দিবেন।

৩০৬ ধারা 1 (১) সেশন আদালতে বিচারিত মোকদ্দমায় ছ্রির কিন্তা লঙে যে সম্যে প্রবল হইবে হাঠান কথা। আমাংসা হয় জজ্ঞ সাহেব ভদ্ভিন্ন মত ধার্য্য করা আবশ্যক জ্ঞান না করিলে ভদন্মারে নিপ্পিক্তি করিবেন।

(২) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষ করা যায় তবে জজ সাহেব তাহার নির্দ্দোষ হওনের আজ্ঞা লিপিবদ্ধ করিবেন। যদি অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হয় তবে জজ সাহেব আইনাহ্নসারে তাহার দণ্ডের আজ্ঞা করিবেন।

৩০৭ ধারা। (১) তদ্রপ কোন মোকদ্দমায় অভিশ্বেরির যে যে দফায় অভিযুক্ত জ্বির মীয়াংগার সহিত ব্যক্তির বিচার হয় তৎসমু-দেশদ জব্দ সাহেবেৰ মতেৰ জনৈক্য হইলে কাব্য-প্রণালীব কথা। সম্বন্ধে জ্বির কিম্বা তাঁহাদের অধিকাংশ ব্যক্তির মতের সহিত

সেশন জজ সাহেবের মতের যদি অনৈক্য হয়
এবং ন্যায়বিচারের পক্ষে হাই কোটে মোকদ্দমা অর্পন
করা আবশ্যক ইহাই তাঁহার স্পান্ত মত হয় তাহা হইলে
আপন মতের হেতৃ লিখিয়া, ও জুরিদের মীমাংসা
নির্দোষ নির্ণয়ের হইলে, তাঁহার বিবেচনার যে অপরাধ
করা হইয়াছে ডাহা লিখিয়া ঐ। মোকদ্দমা অর্পন
করিবেন।

(২) যখন জজ সাহেব এই ধারামতে মোকদ্দমা অর্পণ করেন যে২ অভিযোগে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার হয় তন্মধে কোনটার সম্বন্ধে তিনি নির্দেশ নির্ণয়ের কি অপরাধ নির্ণয়ের নিষ্পত্তি লিপিবদ্ধ করিবে না, কিন্তু তিনি অভিযুক্ত ব্যক্তিকে পুনরায় হেফাজতে রাখিবার কি তাহার স্থানে হাজির জামিন লইবার অন্ন্যতি দিতে পারিবেন।

(৩) হাই কোর্ট আপীল হইলে যে সকল ক্ষমতার পরিচালন করিতে পারেন তদ্রপ অর্পিত মোকদ্দমা লইয়া তন্মধ্যে কোন ক্ষমতার পরিচালন করিতে পারিবেন, এবং সেই ক্ষমতার অধীনে সমস্ত সাক্ষ্য বিবেচনা করিয়া দেখিয়া ও সেশন জক্ষ ও ক্রিরা মতের প্রতি যথায়থ আস্থা প্রদর্শন করিয়া যে অভিযোগপত্র প্রস্তুত করিয়া ক্রির সম্মুখে উপস্থিত করা যায় তাহা লইয়া ক্রির যেরপে পারিতেন সেইরপে অভিযুক্ত ব্যক্তির নির্দ্ধোবিতা নির্ণয় কি অপরাধ নির্ণয় করিবেন। অপরাধ নির্ণয় করিলে সেশন আদালত যে দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

# ছ।—জ্রিকে বিদায় দিবার পর অভিযুক্ত ব্যক্তির পুনর্বিচারের বিধি।

৩০৮ ধারা। জুরিকে বিদায় করিয়া দেওয়া গেলে

জবিকে বিদায় করিয়া
দিববৈ পর অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বদ্ধ করিয়া
দিববি পর অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বদ্ধ করিয়া
হাজির জামিন লইয়া ভাহাকে
হাজিয়া দেওয়া মাইবে ও
আন্য জুরির দ্বারা ভাহার বিচার হইবে। কিন্তু ভাহার
পুনশ্চ বিচার হওয়া উচিত নয় জজ সাহেবের এই
বিবেচনা হইলে, তিনি অভিযোগপতে সেই মর্মের
কথা লিখিবেন, ও অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দোধী করণের
ভুল্য সেই কথার ফল হইবে।

জ।—আসেদরদিগের সহকারিতায় যে মোকদ্দমার বিচার হয়, তাহার সমাপ্তির বিধি।

৩০৯ ধারা। (১) আদেসরদের সহকারিতায় মোক: •

শুমার বিচার হইলে, প্রতিআদেশবদের মত দিবাব

ক্থা।

উত্তর দিলে তাহার পর আদালভ অভিযোগ ও প্রতিবাদের পক্ষে যে সাক্ষ্য থাকে
তাহার সার বলিয়া প্রত্যেক জন আদেসরকে বচনক্রমে আপনার মত জানাইতে আদেশ করিবেন ও ঐ
মত লিপিবদ্ধ করিবেন।

- (২) তদনস্তর জজ সাহেব আপনার নিশান্তি নিশান্তিব কথা। দিবেন। কন্ত তিনি আসে-সরদের মতাত্মসারে চলিতে বাধ্য হইবেন না।
- (৩) যদি অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হয়, তবে জজ সাহেব আইন অন্নসারে তাহার দণ্ডের আজ্ঞা করিবেন।

র।—পূর্বে অপরাধ নির্ধন্ন ছইন্ন। থাকিলে, কার্য্য-গ্রনালী বিষয়ক বিধি।

৩১ ॰ ধারা। জুরিন্ধারা কিম্বা আনেসরদের সাহায্যে বিচার হইলে, যদি পূর্বের কোন পূর্বের অপবাধ নির্ণয় অপরাধ নির্ণয় হইবার পর ক্রইঘা থাকিলে, কার্য্যপ্রণা-লাব কথা। অপরাধ করিবার অভিযোগ

হয় তবে ২৭১, ২৮৬, ৩০৫, ৩০৬ ও ৩০৯ ধারায় যে কার্যপ্রেণালী নির্দিষ্ট হইয়াছে, তাহা নিম্নলিখিতরপে পরিবর্ত্তিত করিতে হইবে।

- (ক) অন্তিযুক্ত ব্যক্তি পরবর্তী অপরাধে অপরাধা বলিয়া স্থাকার না করিলে কিয়া
  তাহার ঐ অপরাধ নির্ণয় না হইলে,
  যত দিন স্থাকার বা অপরাধ নির্ণয় না
  হয়, তত দিন অভিযোগপত্রের যে অংশে
  পূর্বের অপরাধ নির্ণয়ের কথা লেখা থাকে,
  সেই অংশ আদালতে পাঠ করা যাইবে
  না এবং অভিযোগপত্রের উক্তিমতে পূর্বের
  তাহার অপরাধ নির্ণয় হইয়াছে কি না
  অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ইহা জিজ্ঞাসা করা
  যাইবে না।
- (খ) যদি সে পারবর্ত্তী অপারাধে অপারাধী বলিয়া ভাকার করে কিয়া তাহার ঐ অপারাধ মির্ণয় হয়, তবে অভিযোগপত্রের উক্তি-মত পূর্ক্ষে তাহার অপারাধ নির্ণয় হইয়াছে কি না, ইহা তাহাকে জিজ্ঞানা করা যাইবে।
- (গ) আসেমরদিগের সহযোগীতায় বিচার করা হইলে, যাবৎ পূর্ল অপরাধ নির্ণয়ের বিষয়ের নিম্পান্ত না হয় তাবৎ লিখিত নিম্পান্ত দেওয়া আবশ্যক হইবে না।
- ্য) ঐরপে পূর্বে তাহার অপরাধ নির্ণয় হইমাছে সে এরপ উত্তর দিলে, বিচারপতি
  তদমুসারে তাহার প্রতি দণ্ডাজ্ঞা করিতে
  প্রব্রু হইবেন; কিন্তু ঐরপে পূর্বে
  তাহার অপরাধ নির্ণয় হইয়াছে সে ইহা
  শীকার না করিলে, কিন্তা ঐ প্রশ্নের
  উত্তর দিতে অস্বীকার করিলে বা না
  দিলে, জুরি কিন্তা স্থলবিশেষে আদালত
  ও আসেসরেরা উক্ত পূর্বে অপরাধ
  নির্ণয় সন্থন্ধে সাক্ষ্য প্রবণকরিবেন, এবং
  এরপ স্থলে দ্বিন্তারা বিচার হইলে
  শুরির শস্ত্রগতি ব্যক্তিদিগকে আবার
  শপাধ দেওয়া আবশ্যক হইবে না।

ত ১১ ধারা। যদি পূর্ব্ব অপারাধ নির্ণয়ের কথা সাক্ষ্যবিষয়ক ভারতবর্ষীয় ১৮৭২
পূর্ব্ব অপাবাধ নির্ণয়েব সালের আই নাম্পারে প্রাসন্ধিক
কথা হয় তাহা হইলে ঠিক
কথা হয় তাহা হইলে ঠিক
পূর্ব্ববর্তী ধারায় যাহা কিছু
আছে তাহা সত্তেও পারবর্তী
অপারাধের বিচারে পূর্ব্ব অপারাধ নির্ণয়ের সাক্ষ্য দেওয়্ল-

৩১২ ধারা। বিশেষ জুরির বিশেষ জুরিব সংখ্যাব নামের ফর্দে এককালে চারি কথা। শতের অধিক ব্যক্তির নাম লেখা থাইবে না।

কোর্টের জ্রেরদিগকে ডাকিবার বিধি।

৩১৩ ধারা। (১) হাই কোর্ট সময়েং যেং বিধি
নিদ্দেশ করেন, ক্লার্ক অক্:দি

সাধারণ ও বিশেষ জ্রির
নামেন ফর্দেন কথা।

মাসের প্রথম দিনের প্রকে সেই
বিধিমতে,

- (ক) সাধারণ জ্বির কর্ম করিবার উপাযুক্ত সকল ব্যক্তির নামের কর্দ্দ, ও
- (খ) য<sup>®</sup> হোরা বিশেষ জুরির কর্ম করিবার যোগ্য ভাঁহাদেরও নামের কর্ম প্রস্তুত করিবেন।
- (২) শেষোক্ত কর্দ প্রস্তুত করিতে গেলে তিনি ঐ ব্যক্তিদের সম্পত্তি ও সদাচার ও বিদ্যাবক্তা লক্ষ্য করিয়া নাম লিখিবেন।
- (৩) পূর্ব্ব কোন বৎসরের বিশেষ জ্বরির নামের কর্দ্দের মধ্যে নাম লেখা গিয়াছে, কেবল এই কারণে কোন ব্যক্তি বিশেষ জ্বির নামের মধ্যে আপনার নাম লিখাইবার দাওয়া রাখিতে পারিবেন না।
- (৪) ফোর্ট উইলিমলস্থ হাই কোট হইলে মন্ত্রি-সভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব এবং অন্য কোন হাই কোর্ট হইলে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট রাজকীয় বেতনভোগী কোন কর্মচারিকে জ্বির কর্মকরণ হইতে — মুক্ত করিতে পারিবেন।
- (৫) ক্লাৰ্ক অৰু দি ক্লোন পূৰ্ব্বোক্ত বিধি মানিয়া
  স্থীয় বিবেচনামতে যজ্ঞপ
  গে কৰ্মচানী কৰু প্ৰস্তুত উচিড বোধ করেন তজ্ঞাপে
  কনেন ভাছাৰ স্থিবনেচনা
  মতে কৰ্ম কবিৰাৰ কথা।
  থ কৰ্মতাপন্ন হইবেন। তাঁহার
  নিষ্পান্তির উপার আপীল নাই, পূনরালোচনাও নাই।
- ৩১৪ ধারা। (১) সাধারণ জুরির এবং বিশেষ জুরির কর্ম করিবার উপযুক্ত ভাপমিক ও সংশোধিত ফর্ম কর্মান করিবার কথা। অস্তুত করিবার পর আপ্রিল মাসের ১৫ তারিখের পূর্বে উহা ক্লার্ক অফ দি ক্রোনের স্বাক্ষরযুক্ত হইয়া স্থানীয় রাজকীয় গেজেটে একবার প্রকাশিত হইবে।

- (২) সাধারণ জ্বির ও বিশেষ জ্বির কর্ম করিবার উপযুক্ত ব্যক্তিদের নামের সংশোধিত কর্দ্দ পুর্বোক্ত-যতে স্বাক্ষরিত হইয়া প্রস্তুত হইলে পর, মে মাসের প্রথম দিবসের পুর্বের স্থানীয় রাজকীয় গেজেটে একবার প্রকাশ করা যাইবে।
- (৩) উক্ত ফর্দের নকল কোর্ট হোসের কোন

   প্রকাশ স্থানে স্থানে লাগাইয়া দেওয়া যাইবে।

৩১৫ ধারা। (১) উক্ত সংশোধিত কর্দে যে
ব্যক্তিদের নাম লেখা থাকে
বালধানী নগবে জ্বিব প্রত্যেক রাজধানী নগরে
কর্মা করিতে যত জনকে
সমন করিতে হইবে তাগব
কথা।

অধ্য হইতে যাহার। বিশেষ
জুরির কর্মা করিবার উপাযুক্ত

তাঁহাদের অন্যন সাতাইশ জানকে ও যাঁহারা সাধারণ জুরির কর্মা করিবার উপযুক্ত তাঁহাদের অন্যন চুয়াম জনকে সমন করা যাইবে।

- (২) কোন ব্যক্তিকে একবার সমন করা গেলে পর, যদি তাঁহাকে না লইয়া জুরির সংখ্যা পূর্ণ হইতে পারে, তবে ছয় মাসের মধ্যে তাঁহাকে আবার সমন করিতে হইবে না।
- (৩) যে২ ব্যক্তিদিগকে সমন করা গেল সেশনের কার্য্য চলন সময়ে তাঁহাদের কার্য্য চলন সময়ে তাঁহাদের সংখ্যা প্রচুর নয় জানা গেলে অন্য যে ব্যক্তিরা পুর্বোক্তমতে জ্বির কর্ম করিতে যোগ্য হন তাঁহাদের মধ্য ছইতে আর যত জনের প্রয়োজন থাকে তত জনকে ঐ সেশনের নিমিত্ত সমন করা যাইতে পারিবে।

৩১৬ ধারা। কোন হাই কোর্ট ফোজদারী মোকদ্দমা

আদে বিচার করিবার ক্ষমতা

বাল্ধানীৰ বাহ্নবেজ্বির স্থসারে কার্য্য করিবার নিমিত্ত

রাজ্ঞানী নগর ভিন্ন কোন

ক্থা।

ত্থায়ের নোটিস দিলে পর ষে কোন আজ্ঞা করিয়া

থাকেন, তৎস্থানের সেশন আদালত দেই আজ্ঞা
প্রবন্ন মানিয়া, সেশন আদালতে জ্বরির ব্যক্তিদিগকে

প্রবল মানিয়া, সেশন আদালতে জুরির ব্যক্তিদিগকে
সমন করণার্থে পরে যে প্রকারের বিধান করা গেল
সেই প্রকারে স্থায় জুরির ফর্দ্দ হইতে যত জন জুররের
প্রয়োজন তাহাদিগকে সমন দিবেন।

৩১৭ ধারা। (১) উক্ত দেশন আদালত জুরির ব্যক্তি বলিয়া যত জনকে সমন করিদৈনিক জ্বিব কথা।
দেন পূর্ব্বোক্ত হাই কোর্টের
সমুখে যে সকল ব্যক্তির নামে অপরাধের অভিযোগ
হয়, তাহাদের বিচারের জন্য ঐং ব্যক্তি ছাড়া আর
যত জনকে লইয়া জুরি হইবে, তাঁহাদের সংখ্যা পূর্ব
করিবার নিমিন্ত প্রয়োজন বোধ করিলে, কোর্ট যে
স্থানে অধিবেশন করিবেন তথা হইতে দশ মাইলের
মধ্যবাসী প্রধান সেনাপতি সাহেবের সঙ্গে লিখন পঠন
করিয়া প্রীশ্রীমতী মহারাণার সৈন্যদলের সনদ প্রাপ্ত
ও সনদ অপ্রাপ্ত কএকজন কর্মচারিকে সমন
করাইবেন।

(१) যত জন কর্মচারিকে তদ্রপো সমন করা যায়, এই আইনে প্রকারান্তরের বিধান থাকিলেও, তাঁহারা এ জ্বরির কর্ম করিবার যোগ্য হইবেন। কিন্তু উক্ত কর্মচারির সৈন্যসংক্রান্ত অত্যাবশ্যক কার্য্য থাকাতে, কিয়া সৈন্যসংক্রান্ত অন্য বিশেষ কারণে, প্রধান সেনা-পাতি সাহেব জ্বির কর্ম হইতে তাঁহার মুক্ত থাকার ইচ্ছা প্রকাশ করিলে তাঁহাকে সমন করা যাইবে না।

৩১৮ ধারা। কোন ব্যক্তিকে ৪১৫ কি ৩১৬ কি ৩১৭ ধারামতে সমন করা গেলে জ্বিব কোন ব্যক্তি উপ-স্থিত না হইলে ভাহাব কথা।

সমনের আদেশমতে উপস্থিত না হইলে. কিন্না উপস্থিত হই-

লেও জজ সাহেবের অহ্নয়তি না পাইরা চলিয়া গেলে, কিম্বা আদালতের কার্য্য স্থগিত হইরা অন্য সময়ে উপস্থিত ইইবার আজ্ঞা পাইলেও সেই সময়ে উপস্থিত না হইলে, তাঁহাকে অবজ্ঞা করণের অপরাধী বলিয়া জ্ঞান হইবে, ও জজ সাহেব যত টাকা দণ্ড উচিত বোধ করেন তাঁহার আজ্ঞামতে ঐ ব্যক্তির তত টাকা দণ্ড ইইতে পারিবে, ও সেই দণ্ডের টাকা না দিলে, যত দিন না দেন তত দিন তাঁহার দেওয়ানী জেলে অনধিক ছয় মাস কাল পর্যান্ত কারাদণ্ড হইতে পারিবে।

কিন্তু আদালত আপন বিবেচনান্ন্সারে ঐরপে নির্দ্ধারিত কোন জ্বরিমানা বা কারাদণ্ড ক্ষমা করিতে পারিবেন।

ট।—দেশন আদালতের জুররদের ও আদেসরদের নাম নির্ঘণ্ট করিবার ও তাহাদিগকে সমন দিবার বিধি।

৩১৯ ধরো। কোন জিলায় পশ্চালিখিত ব্যক্তি ভিন্ন একবিংশ বৎসরাবধি যফি জুবে ও আদেদৰ স্বৰূপ কর্ম কবিতে কইবাৰ কথা। পুরুষ বাস করেন, ঐ জিলায়

কিন্তা যদি স্থানীয় গবর্ণমেন্ট স্থানীয় অবস্থা বিবেচনায় এতদর্থে কোন ক্ষুদ্রভার স্থান ধার্য্য করিয়া থাকেন ভাষী। হইলে ঐরপে ধার্য্য করা স্থানের মধ্যে যে কোন বিচার হয় ভাগতে ভাঁহাদের জ্বরির ও আনেসরদের কর্ম করিতে হইবে।

৬২০ ধারা। নিম্নলিখিত ব্যক্তিরা জ্বির কি বজিলত ব্যক্তিদেব কথা। আসেসরের কর্ম ২২তে মুক্ত, অর্থাৎ

- (ক) জিলার মাজিয়েটের উর্জ শ্রেণীর থে দকল কর্মচারী দিবিল কর্মে নিথুক্ত থাকেন তাঁহারা।
- (খ) জজেরা।
- (গ) রাজস্বের কি কন্টমের কমিশনর ও কালে-ক্টর সাহেবেরা।
- (ग) পোলাসের কর্মচারিরা ও কন্টম ভিপার্ট-মেন্টে মাছল চুরি নিবারণের কর্মে নিযুক্ত ব্যক্তিরা।

- (৪) কালেক্টর সাহেব রাজস্ব আদায়ের কর্মে নিযুক্ত যে সকল ব্যক্তিকে রাজকীয় কর্ম প্রযুক্ত মুক্ত করা উচিত বোধ করেন তাঁহারা।
- (চ) যাঁহারা আপনং ধর্মসম্পতীয় পৌরহিত্য কর্ম করেন তাঁহারা ও ধর্মসংক্রাস্ত পদে নিযুক্ত অন্য ব্যক্তিরা।
- (ছ) সৈন্য সম্পর্কীয় কর্মেনিযুক্ত সকল ব্যক্তি।
  কিন্তু যৎকালে যে আইন প্রচলিত থাকে
  তদহুসারে উক্ত ব্যক্তিদিগকে বিশেষমতে ঐ কর্ম করিবার যোগ্য করা গেলে
  তাহারা নিযুক্ত হইতে পারিবেন।
- (জ) চিকিৎসকেরা ও অন্য যে ব্যক্তিরা নিয়ত প্রকাশ্যরূপে চিকিৎসাকর্ম করেন ঠাহারা।
- (ঝ) ডাকঘরের ও টেলিগ্রাফ বিভাগের কর্মে

   নিযুক্ত ব্যক্তিরা।
- (ট) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট অন্য থে ব্যক্তিদিগকে জুরির বা আসেসরের কর্ম করিবার দায় হইতে মুক্ত করেন তাঁহারা।

৩২১ ধারা । (১) জুরর বা আসেসরস্বরূপ কর্ম করিতে বাধ্য যে ব্যক্তিরা করিতে বাধ্য যে ব্যক্তিরা করিতে বাধ্য যে ব্যক্তিরা সোন্মর নির্ঘটের কথা।

স্বর্গমেন্ট সময়ে সময়ে অন্য যে কর্মচারিকে এতৎপক্ষে নিযুক্ত করেন তাঁহার বিবেচনায় জ্বরির কি আসেসরের কর্ম করিবার যোগ্য হন, এবং ২৭৮ ধারার (খ) অবধি (জ) পর্যান্ত প্রকরণক্রমে যাঁহাদের বিরুদ্দে সক্ষীনরূপ আপত্তি হইবার সন্তাবনা নাই উক্ত সেশন জ্বজ্ব কি কালেক্ট্র সাহেব কিছা উক্ত অন্য কর্মচারী বর্ণাবলীক্রমে তাঁহাদের নামের এক নির্ঘটপত্র লিখিয়া প্রস্তুত করিবেন।

(২) ঐ নির্ঘকীপত্রে উক্ত প্রত্যেক জনের নাম ও বাসস্থান ও পদ কি ব্যবসায় লেখা থাকিবে; ও তাঁহা-দের কোন ব্যক্তি ইউরোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় লোক হইলে যে জাতীয় হন তাহাও লেখা যাইবে।

৩২২ ধারা। ঐ নির্ঘণ্টপত্যের শুভিলিপি কালেক্টর
নির্ঘণ প্রচাব কবিবার
কর্মচারির কাছারীতে ও জিলার
মাজিস্টেট সাহেবের ও ডিফ্টিক্ট
কোটের আদালত ঘরে, ও দেই নির্ঘণ্টপত্যের লিখিত
ব্যক্তিরা যে২ নগরে কি নগরের নিকটে বাস করেন
ভাহার কোন প্রকাশ্য স্থানে লাগাইয়া দেওয়া যাইবে।

তংত ধারা। সেই প্রত্যেক প্রতিলিপির নিম্নভাগে

কথা।

কথা।

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

কথান

ক

তং৪ ধারা। (১) সেশন জজ সাহেব উক্ত আপত্তি
নির্থন সংশোধনের কথা।
তিনিবার নিমিত্ত কালেক্ট্রর সাহেবের কিন্তা পূর্ব্বোক্ত অন্য
কর্মচারির সঙ্গে বসিবেন ও ঐ নোটিসের নির্দিন্ত
সময়ে ও স্থানে ঐ নির্থনিপত্র সংশোধন করিবেন ও
তৎসংশোধনে বাঁহাদের স্থার্থ থাকে এমত কোন ব্যক্তি
আপত্তি করিলে তাহা শুনিবেন, কোন ব্যক্তিকে জ্বির
কি আসেসরের কর্ম করিবার অযোগ্য বিবেচনা করিলে
কিন্তা ৩২০ ধারামতে সেই কর্ম ইইতে অব্যাহতি পাইবার যে বিধান আছে কোন ব্যক্তি সেই বিধানমতে
নিক্ষ্তি চাহিলে তাঁহারা তাঁস্থাদের নাম উঠ।ইয়া ঐ
কর্মের গোগ্য অন্য যে ব্যক্তির নাম তন্মধ্যে লেখা যায়
নাই তাহা লিখিবেন।

- (২) সেশন জজ সাহেবের ও কালেক্টর সাহেবের কিষা পুর্বোক্ত অন্য কর্মচারির মতের অনৈক্য হইলে নির্ঘটিপত্র হইতে গুলাবিত জ্বরের কি আসেসরের নাম উঠাইয়া দেওয়া যাইবে।
- (৩) সেশন জজ সাহেব ও কালেক্টর সাহেব কি পর্ব্বোক্ত অন্য কর্মচারা ঐ সংশোধিতপত্তের প্রতিলিপিতে স্বাক্ষর করিয়া তাহা সেশন আদালতে পাঠাইবেন ।
- (৪) সেশন জজ সাহেব ও কালেক্ট্র সাহেব কি পুর্কোক্ত অন্য কর্মচারী ঐ নির্দক্তিপত্র প্রস্তুত ও সংশোধন করণ সম্পর্কীয় যে আজ্ঞা করেন ভাহা চূড়ান্ত হইবে।
- (৫) এই ধারামতে নিষ্কৃতি পাইবার দাওয়া না করা গেলে, পরে নির্ঘণীত যৎকালে সংশোধিত হইবে : তৎকাল পর্য্যন্ত ঐ দাওয়া পরিত্যাগ করা গিয়াছে বলিয়াজ্ঞান করা যাইবে।
- । ৬) তদ্রপে প্রস্তুত ও বংমরং ঐ পত্র সংশো- সংশোধিত মির্ঘটপাত্র প্রতিবং-ধনের কথা। সর একবার সংশোধন করা যাইবে।
- (৭) তদ্রপ সংশোধিত নির্ঘন্ত নৃতন নির্ঘন্ত স্থান হইবে, ও প্রথমবার প্রস্তুত নির্ঘন্ত সম্বন্ধীয় পূর্ব্বোক্ত সকল বিধি ঐ নৃতন নির্ঘন্তির প্রতি খাটিবে।

৩২৫ ধারা। যে কোন জিলার নিমিত্ত স্থানীয়
গবর্গমেন্ট এরপ ব্যক্ত করিগত্র প্রস্তুত করিবার কথা।
আপরাধের বিচার বিশেষ জ্বি দ্বারা ইইবে সেই জিলা
সন্ধন্ধে ঐ জিলার সেশন জজ ও কালেক্ট্রবা পূর্বোক্ত-

মত অপদ্ম কর্মচারী ইহার পূর্বে যে সংশোধিত ফর্দ্দ নির্দিত হইয়াহে তদতিরিক্ত একখানি বিশেষ কর্দ্দ প্রস্তুত করিবেম। উহাতে সংশোধিত কর্দ্দের লিখিত যে জ্বিরা ঐ সেশন জ্বজ্ব ও কালেক্ট্রর বা পূর্বেগক্তমত অপর কর্ম-চারির বিবেচনায় সম্পত্তি, চরিত্র বা শিক্ষা সম্বন্ধে হিশিক্টরূপে যোগ্যতাসম্পন্ন বলিয়া বিশেষ জ্বিজ্বরূপ কর্ম করিবার উপযুক্ত তাঁহাদের নাম লিখিতে হইবে। কিন্তু কোন ব্যক্তির নাম এর শ বিশেষ কর্দ্দ ভুক্ত হইবার দক্ষণ সংশোধিত কর্দ্দ হইতে উঠিয়া যাইবে না এবং যে সকল মোকদ্দমার বিচার বিশেষ জ্বির দ্বারা না হয় সেই সকল মোকদ্দমার সাধারণ জ্বিস্কর্মণ কর্ম করিবার পক্ষে তাঁহার যে দায়িত্ব আছে তিনি সেই দায়িত হইতে অব্যাহতি পাইবেন না।

৩২৬ ধারা। (১) সেশন আদালতের অধিবেশন কালে জুরির দ্বারা কিন্তা আদে-জুবর ও আদেশবদিগকে সরদের সাহায্যাবলন্থনে যে২ জিলার মালিট্রেট শাহেবের সমন করিবার কথা।
বিচার কালে সেশন জজ্জ

সাহেব যত জনের প্রয়োজন জ্ঞান করেন অধিবেশন করিবার নির্দারিত দিনের পূর্বেন নৃত্যনকপ্পে তিন দিন থাকিতে জিলার মাজিস্টেট সাহেবের প্রতি উক্ত সংশোধিত নির্ঘটপত্রের কিন্তা বিশেষ নির্ঘটপত্রের লিখিত তত জনকে আহ্বান করিবার আজ্ঞাপত্র দিবেন; ঐ সেশনের বিচার্য্য কোন মোকদ্মায় যত জনের প্রয়োজন হয়, তাহার দিগুনের নৃত্যন ব্যক্তিকে সমন করাইবেন না।

(২) বে ব্যক্তিরা তৎপূর্ক ছয় মাসের মধ্যে উক্ত কর্ম করিয়াছেন তাহাদিগকে না ধরিয়া যদি উপযুক্ত সংখ্যার রাক্তিদিগকে পাওয়া যাইতে পারে তবে আঁহাদিগকে ত্যাগ করিয়া অন্য ব্যক্তিদিগকে সমন করিতে হইবে। কোন্ কোন্ ব্যক্তিদিগকে সমন করিতে হইবে ইহা মুক্তবার আদালতে গুলিবাট করিয়া নিশ্বাধ্য হইবে, ও উক্ত আজ্ঞাপত্রে তাঁহাদের নাম লেখা যাইবে ।

৩২৭ ধারা। সেশন আদালতের এককালীন অধিবেশনে অনেক মোকন্দমার
অন্য লুররদিগকে কি বিচার করিতে হইলে ও বিচাআসেদবিদ্যকে সমন করি॰
বার ক্ষমতাব কথা।

করিদিগকে সমন করা পেল,
ভাঁছাদের সেই সমস্ত মোকন্দমার বিচারে উপস্থিত
থাকিতে হইলে বহু কেশ সম্ভাবনা, অথবা অন্য কোন

কারণে আবশ্যক বোধ হইলে সেশন আদাপত ৩২৬ ধারার মিন্দিট সময় ভিন্ন অন্য সময়ে জ্বর কি আসে-সক্ষদিণকে সমন করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন। ৩২৮ ধারা। জ্বরকে কি আনেসরকে যে সমন দেওয়া যায় তাহা লিখিয়া

দেওয়া যায় তাহা লিখিয়া
সমনেব পাঠের ওতাহাতে দেওয়া যাইবে ও ঐ পরে

যাহা লিখিত থাকিবে তাহার

কথা।

থাকে তাহার প্রতি ঐ সময়ে

ও ছানে জ্রির কি আসেসরের কর্ম করণার্থে উপছিত হইবার আদেশ থাকিবে ৷

৩২৯ ধারা। জ্বির কি আসেসরের কর্ম করণার্থে
যে ব্যক্তিকৈ সমন করা যায়

গন্দমেন্টের কিরেল এরের
ক্মান্তিকে কথন অব্যাহতি
দে ওয়া যাইবে তাহার কথা।
হন সেই ব্যক্তির জ্বির কি

স্থল বিশেষে আনেসরের কর্ম করিতে হইলে রাজকীয় কার্য্যের ব্যাঘাও হইতে পারে তিনি যে দক্তরশানায় কর্ম করেন সেই দক্তরশানার প্রধান কর্মচারির উজি-মতে ইহা দৃষ্ট হইলে যে আদালতে কর্ম কর্পার্থে তাঁহাকে সমন দেওয়া যায় সেই আদালত ঐ ব্যক্তির উপস্থিত না হওয়া ক্ষমা করিতে পারিবেন।

৩৩০ ধারা। (১) উপযুক্ত হেডু থাকিলে সেশন
আদালতের জুববের কি বেশন কালে জুরির কোন
আসেসবের উপান্ধত না
হওয়ার অনুমতি দিতে
পাবিবাব কথা।
তিত্তী কি আমেসবের উপান্ধতিন।
তিত্তী কি আমেসবের উপান্ধতিন।

(২) বিশেষ জ্বি দ্বারা কোন বিচার সমাপ্ত হইলে
বিশেষ প্রনিগকে প্রন রাম প্রশিষকে প্রন বার দার হইতে বার মাদের এইরপ আদেশ করিতে পারি-লন্য আলালতের নিভ্তি দিভে পারিবার কথা।
ত্বিনার কথা।
ত্বিনার কথা।
ত্বিনার করার করিবার করিবার নামিত সমন দেওয়া যাইবে না।

তও১ ধারা। (১) সেশন আদালতের যে অধিবেশনকালে যাঁহারা জুরির কি
জুবিব যে ব্যক্তিবা কি যে
আসেসবেরা উপস্থিত তুল
ভাহাদের নামের নির্মন্টেব
কথা।

সেই অধিবেশনে তাঁহাদের
নামের নির্মন্ট লেখাইবেন।

- (২) ৬২৪ ধারামতে জ্ররদের ও আসেসরদের নামের যে সংশোধিত নির্ঘন্টপত্র প্রস্তুত করা যায় তাহার সঙ্গে উক্ত নির্ঘন্টপত্র রাখিতে হইবে।
- (৩) এই ধারামতে প্রস্তুত নির্দটে গাঁহাদের নাম লেখা যায় উক্ত সংশোধিত পত্রের এক পার্খে তাঁহাদের নামের উলেখ থাকিবে।

ততং ধারা। (১) কোন ব্যক্তিকে জুরর কি
আসেসরস্বরপে উপস্থিত হইজুবব কি আসেসর
অনুপদ্তিত হইলে দণ্ডেব
কথা।

ন্যায্য কোন কারণ না থাকিলেও তিনি ঐ সমনের আদেশ
মতে উপস্থিত না হন, কিয়া উপস্থিত হইয়াও যদি

মতে উপদ্বিত না হন, কিম্বা উপস্থিত হইয়াও যদি আদালতের অন্থাতি না পাইয়া চলিয়া যান কিম্বা বিচারকার্য্য স্থাপিত হইয়া দিনান্তর নিঞ্পাণ হইলে সেই দিনে উপস্থিত ইইবার আজ্ঞা পাইয়াও যদি উপস্থিত না হন তবে সেশন আদালতের আজ্ঞামতে তাঁহার এক শত টাকার অনধিক অর্থদণ্ড হইতে পারিবে।

- (২) যে তাদালত ঐ আজ্ঞা করেন সেই আদালতের বিচারাধান ছানের মধ্যে ঐ জুররের কি ঐ আদেসরের অন্থাবর যে দ্রব্য থাকে জিলার মাজিস্টেট সাহেব তাহা ক্রোক ও নীলাম করণ ছারা ঐ অর্থদণ্ড আদায় করিতে পারিবেন।
- (৩) উপযুক্ত কারণ দেখান হইলে আদালত ঐ-রূপে নির্দারিত কোন জরিয়ানা ক্ষমা করিতে বা ক্যা-ইয়া দিতে পারিবেন।
- (৪) ক্রোক ও নীলাম করণ দ্বারা ঐ অর্থনন্তের টাকা আদায় হইতে না পারিলে, দেশন আদালতের আজ্ঞাক্রমে, ঐ জ্বরকে কি আদেশরকে পঞ্চদশ দিন পর্য্যন্ত দেওয়ানী জেলখানায় কারাবদ্ধ করা যাইতে পারিবে। ইতিমধ্যে ঐ টাকা দেওয়। গেলেই মুক্ত করা করা যাইবে।

# ঠ। - হাই কোর্ট সম্বন্ধে বিশেষ বিধান।

৩৩৩ ধারা। এই আইনমতে কোন হাই কোর্টে বিচার কার্য্য চলন কালে আডবোকেট ভেনবলের অভিযোগ না চালাইবার ক্ষমতার কণা। আডবোকেট জেনরল সাহেব মীমংসা জানাইবাব পূর্বে কোন সময়ে বিহিত বোধ করিলে

শ্রীশ্রীমতীর পক্ষে কোর্টে এই কথা জানাইতে পারিবেন যে আসামীর বিপক্ষে যে অভিযোগ হইরাছে তৎক্রমে আমি এই মোকদ্রমা আর চালাইব না, তাহা হইলে আসামীর বিশক্ষে সেই অভিযোগক্রমে আর কার্য্যামৃ-ষ্ঠান হইবে না ও তাহাকে সেই অভিযোগ হইতে মুক্ত করা যাইবে। কিন্তু বিচারপতি প্রকারান্তরের আদেশ না করিলে তাহার তদ্রপ মুক্ত করণ নির্দোধা নির্ণয়ের ভল্য হইবে না।

৩০৪ ধারা। প্রত্যেক হাই কোর্টের চীফ জন্টিস সাহেব সময়েং যেং দিন, ও অধিবৈশনের সম<sup>তের</sup> স্থবিধামতে ষতকাল ব্যবধানে কথা। অধিবেশন করিতে নিরূপণ করেন, সেইং দিনে ও তত কাল অন্তর কোজদারী মোকদ্দমার আদে বিচার করিবার জন্যে কোর্টের অধিবেশন হইবে।

৩৩৫ ধারা। (১) ছাই কোর্ট এইক্ষণে যে স্থানে অধিবিট হইয়া থাকেন সেই আধিবেশন করিবাব স্থা- স্থানে কিন্তা মন্ত্রিসভাধিন্তিত নের কখা। শ্রীযুত গবর্গর জেনরল সাহেব কোর্ট উইলিয়ম রাজধানীর হাই কোর্টের প্রতি, কিন্তা স্থানে অধিবেশন করিতে আজ্ঞা করিলে. সেই স্থানে অধিবেশন করিবেন।

(২) কিন্তু সময়েং কোর্ট উইলিয়মের হাই কোর্ট মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিভ শ্রীযুভ গবর্ণর জেনরল সাহেবের অহ্-মৃত্তি লইয়া ও অন্যং স্থানের হাই কোর্ট তত্ত্বৎ স্থানীয় গবর্ণমেন্টের অহ্মতি লইয়া আপীলী মোকদ্দমার পক্ষে ঐ কোর্টের বিচারাধিপত্য যে সীমার মধ্যে প্রবল থাকে, সেই সীমার অন্তর্গত অন্য যে২ স্থান নিরূপণ করেন, সেই২ স্থানে অধিবেশন করিতে পারিবেন।

(৩' কেজিদারী মোকদমার আদে বিচার করণার্থ
হাই কোর্টের যে ক্ষমতা থাকে,
অধিবেশরে ব নাটিস
দিবার কথা।
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
ক্ষমতামতে কার্য্য করিবার
থাকিলে, চীফ জন্টিস সাহেব যে কর্মচারির প্রতি
আদিশ করেন তিনি ঐ অধিবেশন হইবার পূর্ব্বে স্থানীয়
রাজকীয় গেজেটে ডছিষয়ের নোটিস প্রচার করিবেন।

ততাও ধারা। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদিগকৈ ও

২১৪ ধারামতে হাই কোর্টে

ইউবোপীয় রটিষ প্রণাব

বিচাব হইবাব স্থানের

কথা।

কোনং কিলায় কিয়া বৎসরের
নির্দ্দিষ্ট কোনং সময়ে হাই কোর্টে বিচারার্থে সমর্পণ
করা গেলে ঐ কোর্ট আপনার নিয়ত অধিবেশনের
স্থানে তাঁহাদের বিচার হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন,
অথবা নির্দ্দিষ্ট অন্য স্থানে তাঁহাদের বিচার হইবার
আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

# ২৪ চতুর্নিংশ অধ্যায়।

তদন্ত ও বিচার সংক্রান্ত সাধারণ বিধি। .

৫৩৭ ধারা। (১) কেবল দেশন আদালতের বা হাই কোটের বিচার্য্য কোন অপরাধ সহায়েৰ ক্ষমা করিতে হইলে তদন্তাধীন অপরাধে প্রস্তাব করিবার কথা। যাহার স্পান্টরূপে কি চক্রান্তে সম্পর্ক কি সমজ্ঞান থাকা অহুমান হয়, তাহার সাক্ষ্য লইবার অভিপ্রায়ে সেই ব্যক্তি ঐ ফ্লুড অপরাধ বিষয়ে যাহা জ্ঞাত আছে সম্পূর্ণ ও যথার্থ ভাবে তাহার তাবৎ রক্তান্ত ও ঐ অপরাধ করণ কার্য্যে অন্য যত জন মুখ্য-ভাবে বা সহায়ত্বরূপ লিপ্ত থাকে তাহাদের নাম প্রকাশ করিবে এই নিয়মে জিলার মাজিফ্রেট সাহেব কিম্বা কোন প্রেদিডেন্দী মাজিস্টেট কি ঐ মোকদমার উদস্ত-কারা প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেট কিম্বা জিলার মাজি-ফ্রেটের অহ্মতিক্রমে অন্য কোন মাজিফ্রেট ভাহাকে ক্ষমা করিবার প্রস্তাধ করিতে পারিবেন।

- (২) কোন ব্যক্তি এই ধারামত ক্ষমার প্রস্তাব গ্রাহ্য করিলে ঐ যোকদ্বমার সাক্ষার ন্যায় ঐ ব্যক্তির সাক্ষ্য লওয়া যাইবে।
- (৩) সেই ব্যক্তি যদি হাজিরজামিন দিয়া মুক্ত না থাকে তবে সেশন আদালতে বা স্থল বিশেষে হাই কোর্টে ঐ মোকদমার বিচার সমাপ্ত না হওন পর্য্যস্ত ভাহাকে হেকাজতে রাখা যাইবে।

(৪) প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট ভিন্ন যে মাজিক্টেট এই ধারামত ক্ষমার প্রস্তাব করেন, তিনি তাহার কারণ লিপিবদ্ধ করিবেন, এবং কোন মাজিক্টেট এই ধারামতে তক্রপ প্রস্তাব করিয়া যে ব্যক্তির নিকট প্রস্তাব করা যায় তাহার পরীক্ষা লইলে, আপনি মোকদ্দমার বিচার করিতে পারিবেন না, অভিযুক্ত ব্যক্তি যে অপরাধ করিয়াছে বলিয়া প্রতীতি হয় সেই অপরাধ উক্ত মাজিক্টের বিচার্য্য হইলেও, পারিবেন না।

৩৩৮ ধারা। তজ্রপে কোন অপরাধে যাহার স্পর্ট-রূপে কি চক্রান্তে সম্পর্ক কি ক্ষমাব প্রভাব করিছে আদেশ দিতে পারিবার কথা। আদালতে বিচারার্থে সমর্পণ করা যায় সেই আদালত ঐ

মোকদমার বিচার কালে উক্ত কোন ব্যক্তির সাক্ষ্য গ্রহণাভিপ্রায়ে মোকদমা সমর্পণ করা গেলে পর কিন্তু নিশুন্তি হইবার পূর্ব্বে ঐ ব্যক্তিকে ক্ষমার প্রস্তাব করিতে পারিবেন কিন্তা সমর্পণকারী মাজিফেটকে বা জিলার মাজিফেট সাহেবকে পূর্ব্বাক্ত নিয়মমতে ঐ ব্যক্তির ক্ষমার প্রস্তাব করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

৩৩৯ ধারা। (১) ৩৩৭ কিম্বা ৩৩৮ ধারামতে ক্ষমার

যাগকে ক্ষমা করিবাব প্রস্তাব হয় তাহাকেও বিচা-রাখে সমর্পন কবিবাব আজ্ঞা ক্রতে পালিবাব কথা। প্রস্তাব হইলে পর কোন ব্যক্তি এ ক্ষমার প্রস্তাব গ্রাহ্য করিলেও আবশ্যক কোন কথা ইচ্ছা-পূর্বক গোপন করিয়া কিম্বা মিথ্যা সাক্ষ্য দিয়া ঐ ক্ষমা পাই-

বার প্রস্তাবের নিয়ম অন্থায়ী কার্য্য যদি না করে তবে যে অপরাধ সম্পর্কে ক্ষমার প্রস্তাব হইয়াছে কিম্বা সেই বিষয় সম্বন্ধে সে অন্য যে অপরাণ করিয়াছে বলিয়া প্রতীতি হয় সেই অপরাধের নিমিত্তে তাহার বিচার হইতে পারিবে।

- (২) এই ধারামতে ক্ষমার প্রস্তাব রহিত করা গেলে ক্ষমা পাইবার আশয়ে ঐ ব্যক্তিযে কথা কহিয়াছিল তাহা তাহার বিপক্ষে প্রমাণ মধ্যে উল্লেখ হইতে পারিবে।
- (৩) ঐ কথা সম্বন্ধে মিখ্যা সাক্ষ্য দিবার অপরাধের

  অভিযোগ হাই কোর্টের অসমতি বিনা গ্রাহ্য হইবে না।

  ৩৪০ ধারা। কোজদারী আদালতে কোন ব্যক্তির
  নামে অপরাধের অভিযোগ

  অভিযুক্ত ব্যক্তিব উকীল
  নিষ্ক্ত করিবার অধিকাবের
  কথা।

  ব্যক্তির পক্ষসমূর্থন হইবার

অধিকার থাকিবে।

১৪১ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি কিপ্তমনা না হইলেও
তাহাকে আফুণ্টানিক কার্য্য
ভাভ্যুক্ত ব্যক্তির আফুব্যাইয়া দিলেও সে ব্বিতে
লারিলে ভাষবরের কথা। না পারিলে আদালত তদন্ত
লগুয়ার কি বিচারের কার্য্য
চালাইতে পারিবেন; ও হাই কোট ভিন্ন অন্য আদালত হইলে তদন্ত লইয়া যদি ভাহাকে বিচারার্থে সম-

পূন করা বায় কিছা বিচার হইয়া যদি ভাষার অপরাধ নির্নয় হয়, ভবে ঐ ব্যাপারের রক্তান্ত সহিত ঐ আত্ম-ষ্ঠানিক কার্য্যের কাগজ্ঞপত্র হাই কোটে পাঠান যাইবে। হাই কোট ভদ্বিয়ে যে আজ্ঞা বিহিত বোধ করেন করিবেন।

৩৭২ ধারা। (১) সাক্ষ্যে অভিযুক্ত ব্যক্তির বিরুদ্ধে
যে কোন বিষয় দেখা যায় সে
অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীকা
কবিতে পাবিবাৰ কথা।

পারে এই অভিপ্রায়ে তদস্ত
লওনের কার্য্য চলনের কোন সময়ে আদালত সময়েং
অভিযুক্ত ব্যক্তিকে পূর্কে না জানাইয়া তাহাকে যে
কথা জিজ্ঞাসা করা আবশ্যক বোধ করেন করিতে
পারিবেন এবং অভিযোগের সাক্ষীদের সাক্ষ্য লওয়া
গেলে পর ও তাহাকে প্রতিবাদের নিমিত্ত আদেশ
করিবার পূর্কো পূর্কোক্ত অভিপ্রায়ে মোকদ্দমা সম্বন্ধে
সাধারণতঃ জিজ্ঞাসাবাদ করিবেন।

- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি দেই প্রশ্নের উত্তর না দিলেও কিস্তা তাহার উত্তরে মিথাা কথা কহিলেও তৎপ্রযুক্ত দভের যোগ্য হইবে না কিন্তু তাহার উত্তর না দেওয়াতে কি মিথাা উত্তর দেওয়াতে আদালত ও, জুরি থাকিলে, জুরি তদ্বিয়ের যে অনুমান ন্যায্য বোধ করেন করিতে পারিবেন।
- (৩) অভিযুক্ত ব্যক্তি যে উদ্ভৱ প্রদান করে তাই। উক্ত তদন্ত ও বিচারকার্য্যে বিবেচিত ইইতে পারিবে ও ঐ উদ্ভৱ ইইতে সে অন্য যে অপরাধ করিয়াছে বলিয়া বুঝা যায় সেই অপরাধের তদন্তে ও বিচার কার্য্যেও ভাহার সপক্ষে বা বিৰুদ্ধে প্রমাণস্বরূপ উপস্থিত করা যাইতে পারিবে।
- (৪) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে শপথ করাইতে হইবে না।

  ৩৪৩ ধারা। ৩৩৭ ও ৩৩৮ ধারায় যে স্থলের বিধান

  হইয়াছে তদ্ভিন স্থলে অভিরার প্ররুতি না দিবাব কথা।

  যের অস্পালার করিয়া কি

  তাহাকে ভয় দেখাইয়া কিছা খন্য প্রকারে তাহার জানা
  কোন কোন কথা প্রকাশ করিবার কি গুপ্ত রাখিবার
  প্রবৃত্তি জন্মাইয়া দিতে হইবে না।

৩৪৪ ধারা। (১) কোন সাক্ষীর অস্পস্থিতি প্রযুক্ত
কিম্বা যুক্তিমত অন্য কারণে
আনুষ্ঠানিক কাগ্য হুগিত
রাধিবার বা ত হার দিনাগুর
নিরূপণ করিবার কথা।
কি তাহার দিনাগুর নিরূপণ

করা আবশ্যক কি উপযুক্ত হইলে, আদালত যদি বিহিত বোধ করেন তবে হেতু লিপিবদ্ধ করিয়া আজ্ঞা লিখিয়া দিয়া সময়েং যে নিয়ম উচিত বোধ করেন সেই নিয়মে যতকাল যুক্তিসিদ্ধ জ্ঞান করেন ততকালের নিমন্ত সেইং কার্য্য স্থগিত রাখিয়া কি তাহার দিনাম্বর নিরূপণ করিয়া ওয়ার্ন্ট দিয়া তদ্রপে অভিযুক্ত ব্যক্তি হেক্ষান্ততে থাকিলে তাহাকে ফিরাইয়া দিতে পারিবেন।

किंड এই	ধারামতে	কোন	माजित्यो	अदक्षा	র পঞ্
হেফাৰতে	ফিবাইযা			অধিক	
হেকালতে দিবার কথা।	(4.4/4.4)	নিমিত্ত কোন অভিযুক্ত ব্যক্তি৷ হেকাজতে কি াইয়া পাঠ			
ইবেল লা।		644	ri orco	14.5 (4.80)	1101-

(২) হাই কোর্ট ভিন্ন অন্য আদালত এই ধারামত ভাজা করিলে, উক্ত আজ্ঞা লেখা ষাইবে ও অধিপত্য-কারী জব্দ বা মাজিফ্টেট সাহেব ভাহাতে স্বাক্ষর করি-বেন।

ৰ্যাখ্যা।—অভিযুক্ত ব্যক্তি কোন অপরাধ করিয়াছে এমত সন্দেহ করিবার বিশিষ্ট ফ্রাইয়া পাঠাইবার অমাণ পাওয়া গেলে, ও युक्तिमक्क कांवटनव कथा। তাহাকে কিরাইয়া পাঠাইলে ষ্মারো এমাণ পাইবার সম্ভাবনা থাকিলে, তাহাই ফাছাকে ব্যৱাইয়া পাঠাইবার যুক্তিসঙ্গত কারণ হয়। ৩৪৫ ধারা। (১) নিম্নলিখিত টেবিলের প্রথম হুই ঘরে বর্ণিত ভারতবর্ষের দণ্ড-অপবাধ সম্বন্ধে রক্ষা বিধির আইনের কএক ধারা-করিবার কথা। মতে দঙ্কীয় অপরাধ সহস্কে ঐ টেবিলের তৃতীয় ঘরের লিখিত ব্যক্তিরা রকা করিতে পারিবেন।--

	The second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second secon					
অপরাধ।	ভারতবর্ষেব দশুবিধির আই- নের যে২ ধার। খাদিবে।	যে ব্যক্তি অশরাধ সমক্ষে রফা কবিতে শারিবেন।				
ধর্ম দম্পকে কোন ব্যক্তির মনে ইতাপ্কক ছংখ দিবার জনো জ্ঞানপ্কিক কোন কথা প্রভৃতি কহা।	<b>२</b> ৯৮	ধর্ম সম্পর্কে যে ব্যক্তিব মনে ছঃখ দিবাব অভিপ্রায থাকে দেই ব্যক্তি				
পীড়া জন্মান	৩২৩, ৩৩৪	যে ব্যক্তির পীড়া জন্মান যায় সেই ব্যক্তি।				
কোন ব্যক্তিকে অন্যায়- মতে অনবোধ বা বন্ধ	<b>483, 48</b> 8	যে বাজিককে অবরুদ্ধ বা বন্ধ করা যায়				
কবণ। আক্রমণ বা অপরাধযুক্ত বল প্রকাশ করণ।	७०२, ७००, ७०४	দেই ব্যক্তি। যে ব্যক্তির প্রতি আক্র- মণ বা অপবাধ্যুক্ত বল প্রকাশ করা				
বেজ্ঞাইনমতে বলপ্ৰাক পবিভাম কৰান।	<b>19</b> 18	যায়, সেই ব্যক্তি। যে ব্যক্তিকে বলপূৰ্বক পবিশ্ৰম কদান যায় দেই ব্যক্তি।				
কেবল বেসনকাৰী কোন ব্যক্তির ক্ষতি কি নোক সান হইলে, অপকাৰ কৰণ।	8२७, 8२१	যে ৰ্যাক্তিব কতি কি মোকদান হয়. দেই ব্যক্তি।				
ক্ষণ। অপরাধ্জাবে অমধিকাব প্রবেশ কবন।	889	যে সন্পত্তিতে জনধি- কার প্রবেশ ঘটে, দেই সম্পত্তি যাহার				
শর <b>গতে জনধিকার এ</b> তে≃ কবল <sup>।</sup>	886	অধিব্যার থাকে সেই ব্যক্তি।				

অপরাধ।	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আই- নের যেহ ধারা খাটিরে।	যে ব্যক্তি ক্ষণরাধ লখছে রকা করিতে পায়িবেস I
অপনাধভাবে চান্ধরির চুজ্জিজে <del>ল</del> করণ।	824, 823, 822	ৰে ব্যক্তির সহিত অণ রাধী চৃক্তি করি য়াছে, দেই ব্যক্তি
পরস্ত্রী গমন  অপরাধভাবে অন্যের পড়া- কে ফুদলাইয়া লওয়া  কি হরণ করা কি আটক করিয়া বাধা।	829 82 <del>7</del>	े জীলোকের বা্মী।
অপবাদ করণ  মাহা অপবাদজনক জ্ঞান  ম্মাহা এমত কোন বিষয়  মুদ্রিত কি ফোদিত  করণ।	400	যে ব্যক্তির অপৰ। করা যায়, সে
যাহাতে অপবাদৰ্শনক বিষয় থাকে এমন মুদ্রিত কি কোদিত বস্তু জানিয়া বিক্রেয় করণ।	<b>6</b> •₹	
শাভিভক্ষে প্রবৃত্তি জন্মাই- বার অভিশ্রাহ্যে জ্ঞান- পূর্বাক অপামান করণ।		যে ব্যক্তিব অপমান করা যায়, সেই ব্যক্তি।
যে অপেরাধে সাত বৎসৰ পর্য্যন্ত কারাদণ্ড হউছে পারে তদ্ভিন্ন অপেরাধ ভাবে ডয় দর্শান :	5	যে ব্যক্তিকে ডঃ দৰ্শ যায়, সেই ব্যক্তি।

- (২) ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৪, ৩২৫, ৩৩৫, ৩৩৭, ৩৩৮, ৪২৮, ৪২৯ বা ৪৬০ ধারামতে যথাক্রমে দণ্ডনীয় ইচ্ছাপূর্বেক পীড়া জন্মান, ইচ্ছাপূর্বেক গুরুতর পাড়া জন্মান, যাহাতে প্রাণহানি হইবার আশঙ্কা হয় এরূপ কার্য্য দ্বারা পীড়া জন্মান, কিছা যাহাতে প্রাণহানি হইবার আশঙ্কা হয় এরূপ কার্য্য দ্বারা গুরুতর পাড়া জন্মান অপরাধের অভিযোগ যে আদালতে উপস্থিত থাকে সেই আদালতের অস্থমতি পাইলে, যে ব্যক্তির পীড়া জন্মান যায় সেই ব্যক্তি ভাহার রকা করিতে পারিবেন।
- (৩) এই ধারায়তে কোন অপারাধের রকা ছইতে পারিলে, উক্ত অপারাধের সহায়তাকরণ কিছা (যে ছলে অপারাধ করিবার উদ্যোগ অপারাধ হয় সেই ছলে উক্ত অপারাধ করিবার উদ্যোগ করণ ঐরপা রকাযোগ্য ছইবে।
- (৪) কোন ব্যক্তির এই ধারামতে রক্ষা করিবার ক্ষমতা সম্বন্ধে অন্য কোন বাধা না থাকিলে, সেই ব্যক্তি যদি নাবাদপ বা জড় বা উন্মাদগ্রস্ত হয়, তবে যে ব্যক্তি ভাহার পক্ষে চুক্তি করিতে পারেম ভিনি ঐ অপরাধের রকা করিতে পারিকেম।

- (৫) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারের নিমিত্ত সমর্পণ করা গেলে কিছা ভাহার অপরাধ নিগর হইয়া আপীল দায়ের থাকিলে পর, ভাহাকে যে আদালতে সমর্পণ করা গেল কিছা ছলভেদে যে আদালতে ঐ আপীল শুনা যাইবে সেই আদালতের অনুমতি বিনা ঐ অপরাধের রক্ষা করিতে দেওয়া ঘাইবে না।
- (৬) এই ধারামতে কোন অপরাধের রকা করা গেলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষী করণের ন্যায় ফল ছইবে।
- (৭) এই ধারার বিধানামূসারে ভিন্ন কোন অপ-রাধের রকা ছইতে পারিবে না।

৩৪৬ ধারা। (১) রাজধানী নগরের বহিভূতি কোন জিলার মাজিফ্রেটের সমুখে (মাকদ্দমা মফ:দল মাজি-তদন্তের কি বিচারের কার্য্যা-্ট্রেটের ক্ষমতার বহিত্ত হইলে তাহাৰ যাহা কণ্ডণ মুষ্ঠান হইতেছে এমন সময়ে যদি প্রমাণদুষ্টে তাঁহার বোধ হয় যে, উক্ত জিলার অন্য কোন মাজিফ্টেটের নিকটে ঐ মোকদ্দমার বিচার হওয়া কি তাহা বিচারার্থে সমর্পণ করা উচিত, তাহা হইলে তিনি সেই আমৃ-ষ্ঠানিক কার্য্য স্থগিত করিয়া আপনি যে মাজিফ্রেটের অধীন থাকেন তাঁহার নিকটে কিম্বা জিলার মাজিফ্রেট সাহেব উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন অন্য যে মাজিফ্টেটের নিকট ভাছা পাঠাইতে আজ্ঞা করেন তাঁহার নিকটে ঐ মোকদ্দমা প্রেরণ করিবেন, ও তৎসঙ্গে ঐ যোকদ্দমার ভাব ব্যাখ্যা করিয়া সংক্ষেপ রিপোর্ট দিবেন।

(২) মোকদ্দমা যে মাজিউটের নিকট পাঠান যায় তিনি ক্ষমতাপন্ন হইলে আপনি সেই যোকদ্দমার বিচার করিতে পারিবেন অথবা তাহা আপনার অধীন উপ-যুক্ত ক্ষমতাপন্ন কোন মাজিউটের প্রতি অর্পন করিতে কিছা বিচার হইবার নিমিত্ত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পন করিতে পারিবেন।

ওঁ
৪৭ থারা। (১) মাজিফেটের সন্মুখে কোন তদন্ত

মোকদ্মা বিচারাথে সম-প্রণ কবা উচিত তদস্ত বা বিচাব কার্য্য অবেজ হইবাব প্রে মাক্ষিট্রেট এমত জ্ঞান করিলে তাঁহাব কর্তব্যের কালে কিম্বা মাজিফ্টেটের সমুখে কোন মোকদ্দমার বিচার কালে নিশান্তি স্থাক্ষর করিবার পূর্কে সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে সেই মোকদ্দমার বিচার হওয়া উচিত ভাঁহার এমত

জ্ঞান হইলে এবং তিনি বিচারার্থে সমর্পণ করিতে সমর্থ হইলে, তিনি আর কোন কার্য্যাগ্র্ন্তান না করিয়া ইহার পুর্বালি খিত বিধানমতে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সম-পূর্ণ করিবেন।

(২) ঐ মাজিফ্টেটের বিচার।র্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতা না থাকিলে তিনি ৩৪৬ ধারামতে কার্য্য করিবেন। ৩৪৮ ধারা। ভারতর্বের দণ্ডবিধির আইনের ১২

পৃৰ্কে মুদ্ৰা বা ইপ্ৰীম্প আইন বা সম্পত্তি সপদ্ধে যাহাদেব অপবাধ নিৰ্ণম উইযাছে তাহাদের বিচারের কথা। অধ্যায় কি ১৭ অধ্যায়মতে যে
অপরাধের নিমিত্ত ডিন বৎসর
কি তদধিক কাল কারাদণ্ড
হইতে পারে কোন ব্যক্তির সেই
অপরাধ নির্ণয় হইলে পর যদি
ভাষার নামে উক্ত অন্যতর

অধ্যায়মতে তিন বৎসর কি তদধিক কারাদণ্ডে দণ্ডনীয় অন্য অপরাধের অভিযোগ হয়. তাহা হইলে তাহাকে সেশন আদালতে বা স্থলভেদে হাই কোর্টে সমর্পণ করা যাইবে, কিশ্ব যে মাজিস্টেটের নিকট আফ্টানিক কার্য্য দায়ের থাকে তিনি যদি এরূপ বিবেচনা করেন যে, অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হইলে তিনি নিজেই সমুচিত দণ্ডাজ্ঞা দিতে পারেন তবে সমর্পণ করা যাইবে না।

কিন্তু জিলার মাজিস্টেট সাহেবের প্রতি ৩০ ধারা-মতে ক্ষমতা প্রদান করা হইয়া থাকিলে ঐ মোকদ্দমা সেশন আদালতে সমর্পণ করিবার পরিবর্ত্তে তাহার প্রতি হস্তাম্বর করিয়া দেওয়া ঘাইতে পারিবে।

৩৪৯ ধারা। (১) বিচার করিবার উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ধ বিতীয় কি তৃতীয় শ্রেণীর

মাজিটেইট উচিত মত কঠিন দণ্ডেৰ আঞা কৰিতে না পাৰিলে থাই। কন্তব্য তাহাৰ কথা।

মাজিফেটের অভিযোগের সাক্ষ্য ও অভিযুক্ত ব্যক্তির কথা শুনিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তি অপরাধী কিন্তু আপনি যে

প্রকারের কি যে পর্যান্ত দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারেন ঐ ব্যক্তির তন্তিম প্রকারের কি তদপেক্ষা কঠিন দণ্ড হওয়া উচিত কিম্না তাহার প্রতি ১০৬ ধারামতে নিবন্ধ-পত্র লিখিয়া দিবার আদেশ হওয়া উচিত কিম্বা তাহার সম্বন্ধে ৫৬১ ধারামতে কার্য্য হওয়া উচিত এই মত হইলে তিনি সেই মত লিখিয়া রাখিতে ও আপনার আম্মানিক কার্য্যের কাগজপত্র সহিত ঐ অভিযুক্ত ব্যক্তিকে আপনি জিলার কি মহকুমার যে মাজি-ফ্রেটের অধীন থাকেন তাঁহার নিকট পাঠাইতে পারিবেন।

(২) ঐ আমুষ্ঠানিক কার্য্যের কাগজপত্ত যে মাজি-স্কেটের সমুখে অর্পন করা যায় তিনি উচিত বোধ করিলে উভয় পক্ষের পরীক্ষা লইতে পারিখেন ও ঐ যোকদ্মায় যে সাক্ষীরা সাক্ষ্য দিয়াছে ভাহাদিগকে প্ররায় ডাকাইয়া ভাহাদের পরীক্ষা লইতে পারিখেন এবং আরং সাক্ষ্য ভলব করিয়া লইতে পারিখেন ও সেই মোকদ্মার আইন অন্থায়ী যজ্জপ নিম্পত্তি কি দভের আজ্ঞা কি জন্য আজ্ঞা উপযুক্ত জ্ঞান করেন ভজ্জপ নিম্পত্তি কি আজ্ঞা করিখেন।

কিশ্ত তিনি এই আইনের ৩২ ও ৩৩ ধারামতে যে দণ্ড দিতে পারেন তদপেক্ষা কঠিন দণ্ড দিবেন না। ৩৫০ ধারা। (১) কোন মাজিফ্রেট কোন ভদস্তে কি

সাক্ষ্যের এক অংশ এক
মাজিট্টেটের ও অন্য অংশ
অন্য মাজিট্টেটের ছাবা
লিপিবন্ধ ইউলে সেই সাক্ষ্যক্রমে অপবাধ নির্বা
বিচাবার্থে সমর্পন হইবাব
কথা।

বিচার কার্য্যে সাক্ষ্যের সমুদ্র কি এক অংশ শুনিয়া লিপিবদ্ধ করিলে পর সেই মোকদ্দমার তাঁহার বিচারাধিকার রহিত হইলে ও তৎপশ্চাৎ বিচারা-ধিকারবিশিষ্ট অন্য মাজিফ্রেট সেই বিচারাধিকারক্রমে কর্ম

করিলে, শেষোক্ত মাজিস্টেট আপন পূর্ব্ব পদধারির কিম্বা অংশতঃ আপন পূর্ব্বপদধারির ও অংশতঃ আপনার লিপিবদ্ধ সাক্ষ্যমতে মোকদ্দমার নিপত্তি করিতে পারিবেন; অথবা সাক্ষীদিগকে পুনশ্চ সমন করিয়া গোড়া অবধি তদস্ত কি বিচার কার্য্য আরম্ভ করিতে পারিবেন।

- কিশ্ব (ক) দ্বিতীয় মাজিউটে মোকদ্দমার কার্য্যমুষ্ঠান করিতে আরম্ভ করিলেই সাক্ষীদিগকে বা কোন
  সাক্ষীকে পুনরায় সমন করাইয়া তাহাদের বা তাহার
  কথা শুনা যায় অভিযুক্ত ব্যক্তি যে কোন বিচারকালে
  ইহার দাওয়া করিতে পারিবেন।
- (খ) যে মাজিফ্টেটের সম্মুখে অপরাধ নির্বর

  ইইল তিনি নিজে যে সাক্ষ্য সম্পূর্ণরূপে লিপিবদ্ধ করেন

  নাই তৎক্রমে ঐ অপরাধ নির্বর ইইয়া অভিযুক্ত ব্যক্তির
  পক্ষে গুৰুতর হানি হইয়াছে, হাই কোটের কিয়া
  জিলার মাজিফ্টেট সাহেবের অধীন মাজিফ্টেটের দ্বারা
  মোকদ্দমার বিচার হইলে জিলার মাজিফ্টেট সাহেবের
  এরপ মত হইলে, উক্ত কোট কিয়া জিলার মাজিফ্টেট

  আপীল হইলে বা না হইলেও অপরাধ নির্বর করণ
  সূচক সেই নিম্পত্তি অন্যথা করিয়া নৃতন তদস্ত কি বিচার

  হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
- (২) যে২ স্থলে ৩৪৬ ধারামতে আন্তর্জানিক কার্য্য স্থানিত রাখা গিয়াছে সেইং স্থলের প্রতি এই ধারার কোন কথা বর্তিবে না

৩৫১ ধারা। (১) কোন ব্যক্তি ধৃত না হইয়া কি
সমন না পাইয়া কোজদারী
অপবাধীৰা আদালতে উপস্থিত হইলে,
আইলে ভাহাদিগকে আদ কাৰ্ম্য বাধিবাৰ কথা।
আহ্য করিতে পারেন প্রমাণ-

ক্রমে সে তদ্রপ কে!ন অপরাধ করিয়াছে দৃষ্ট হইলে, আদালত তাহাকে পরীক্ষা করিয়া দেখিবার নিমিত্ত আটক করিয়া রাখিতে পারিবেন এবং ধৃত কিম্বা সম্ম হওয়ার ন্যায় তাহার বিপক্ষে কার্য্য হইতে পারিবে।

(২) ১৮ অধ্যায়মতে তদন্ত লইবার সময়ে কিখা বিচার আরম্ভ হইলে পর যদি দেই ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাখা যায়, তবে সেই ব্যক্তি সম্প্রকীয় আমু-ষ্টানিক কার্য্য নৃতন আরম্ভ হইবে ও সাক্ষীদের কথা পুনশ্য শুনা ঘাইবে। ত থ ধারা। কোন অপরাধের তদন্ত কি বিচার
হইবার নিমিত্তে কোন কোজআদানত মৃক্তনার হওদারী আদালতের যে স্থানে
অধিবেশন হয় সেই স্থানই

মুক্তদার বিচারালয় জ্ঞান হইবে, তথায় সর্বসাধারণ যত লোক স্থবিধামতে ধরিতে পারে, তাছাদের যাইবার বাধা নাই।

কিন্তু কর্তৃপক্ষ জজ বা মাজিন্টেট সাহেব যে সময়ে কোন বিশেষ মোকদ্দমার ওদন্ত কি বিচার করেন, সেই সময়ে উপযুক্ত বোধ করিলে এই আজ্ঞা করিতে পারি-বেন ষে সর্কসাধারণ লোক কি কোন ব্যক্তি আদালতের ব্যবস্থৃত ঐ ঘরের কি অট্টালিকার মধ্যে আসিতে কি থাকিতে না পায়।

### ২৫ পঞ্চবিংশ অধ্যায়।

তদন্তে ও বিচারকার্য্যে যে প্রকারে সাক্ষ্য লইতে ও লিপিবদ্ধ করিতে হইবে, তদ্বিষয়ক বিধি।

৩৫৩ ধারা। প্রকারান্তরের স্পান্ত বিধান না থাকিলে ১৮ ও ২০ ও ২১ ও ২২ ও২৬

অভিযুক্ত ব্যক্তিব সাক্ষাতে সাক্ষা লইবাব কথা।

অধ্যায়মতে যে সাক্ষ্য লইবাব কথা।

যায়, অভিযুক্ত ব্যক্তির সন্মুখে
কিম্বা সে স্বয়ং অহুপস্থিত থাকিবার অহুমতি পাইয়া
উকীলের দ্বারা উপস্থিত হইলে সেই উকালের সন্মুখে
সেই সাক্ষ্য লওয়া যাইবে।

৩৫৪ ধারা। প্রেসিডেপ্দী মাজিস্টেট ভিন্ন মাজি-স্টেটের কিম্বা সেশন জজ বাঙ্ধানী নগবের বাহিবে সাহেবের ক্লভ কি সন্মুখস্থ সাক্ষ্য লিখিবাৰ নিয়মের ক্রাসরি মোকদ্দমার বিচার ভিন্ন এই আইনমত সকল তদস্ভ

ও বিচার কার্য্যে নিম্মলিখিত প্রকারে সাক্ষীদের সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করা যাইবে।

৩৫৫ ধারা। (১) প্রেসিডেন্সী ম।জিস্টেট ভিন্ন কোন মাজিস্টেটের সন্মুখে উপ-সমনেব মোকদ্দমায় এবং স্থিত যে মোকদ্দমায় সমন প্রথম ও দ্বিতায় শ্রেণীব মাহিটেব দ্বাবা কোনং অশবাধের বিচাবকালে মোকদ্দমায় এবং ২৬০ ধারার

নথাৰ কথা।

(১) প্রকরণের (খ) অবধি (ট) পর্যান্ত দক্ষার লিখিত

অপরাধের মোকদনায় প্রথম কি দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিস্টেটের দ্বারা বিচার হইলে সেই মোকদনায় এবং ১৩৭ ধারায়ত ও ৫১৪ ধারামত সমুদ্য আছু. ষ্টানিক কার্য্যে (বিচার চলিতে থাকিবার সময়ে না হইলে) একং জন সাক্ষীর পরীক্ষা লওন কার্য্য যেমন চলিতেছে মাজিফ্রেট তাহার সাক্ষ্যের মর্ম্ম তেমনি সংক্রেপে লিখিয়া রাখিবেন।

(২) মাজিফ্টেট আপদ্ম হাতে ঐ মর্মাত্মকলিপি লিখিয়া স্বাক্ষর করিবেন ও তাহা মোকদ্দমার একাংশ হইবে।

- (৩) উক্ত আনেশমতে মাজিক্টেটের মর্মাত্মকলিপি করিবার বাধা থাকিলে তিনি যে কারনে তাহা লিখিতে পারিলেন না তাহা লিপিবদ্দ করিবেন এবং যুক্তদ্বার আদালতে আপনার কথনমতে অন্যদ্বারা ঐ মর্মাত্মক-লিপি লেখাইয়া তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন। ঐ মর্মা-ত্মকলিপি কাগজপত্রের একাংশ হইবে।
- ৩৫৬ ধারা। (১) সেশন আদাসতের সমুখে ও
  প্রেসিডেপী মাজিফেট ভিন্ন

  রাজধানী নগবের বাহিরে
  অন্য সকল মোকদ্দমায়

  নথীর কথা।

  কল বিচার কার্য্যে এবং ১২
  ও ১৮ অধ্যায়মত সমুদ্র ভদক্ষে

আদালতের ভাষায় প্রভ্যেক জন সাক্ষীর সাক্ষ্য মাজি-ক্রেটের কিছা সেশন জজের দ্বারা কি তাঁহার দৃষ্টি ও শ্রুভিগোচরে ও তাঁহার নিজ আদেশমতে ও তত্ত্বাধানে লিখিয়া লওয়া যাইবে, ও মাজিফ্রেট কি সেশন জজ ভাহাতে স্বাক্ষর করিবেন।

- (२) শাক্ষী ইংরাজী ভাষায় সাক্ষ্য দিলে মাজিস্কেট কি সেশন জজ সাহেব ঐ ইংবাজী ভাষায় দাক্ষ্য ভাষায় স্বহস্তে সেই সাক্ষ্য দিবার কথা: ভাষায় স্বহস্তে সেই সাক্ষ্য দিবার কথা: লিখিছে পারিবেন ও অভিযুক্ত ব্যক্তি ইংরাজী ভাষা ভাল না জানিলে কিম্বা আদালতের ভাষা ইংরাজী না হইলে আদালতের ভাষায় ঐ সাক্ষ্য অনুবাদিত ও যথার্থ অনুবাদ বলিয়া স্বাক্ষরিত হইয়া ঐ অনুবাদ মোকদ্মার কাগজপত্রের একাংশ হইবে।
- (৩) যে মোকদমায় মাজিক্টেট কিন্তা সেশন জজ সাহেব স্বহুন্তে সাক্ষ্য লিখিয়া মাজিটেটে কি লাজ্য লিখিয়া লাজ্য লিখিও না ছইলে মাজাজক লিখিব কথা।

  যে সময়ে লওয়া ঘাইতেছে সেই সময়ে ঐ সাক্ষী যাহা কহে তিনি তাহার মর্ম লিখিয়া লাইবেন। মাজিক্টেট কি সেশন জজ সাহেব স্বহুন্তে সেই মর্মাত্মক পত্র লিখিয়া তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন ও তাহা মোকদমার কাগজপত্রের প্রকাংশ হুঁহবে।
- (৪) পুর্ন্ধাক্ত আজ্ঞাক্রমে ঐ মর্ম্ম লিখিতে মাজি-ক্টেটের কিমা সেশন জজ সাহেবের বাধা থাকিলে তিনি যে কারণে তাহা লিখিতে পারিলেন না তাহা লিপিবদ্ধ করিবেন।
- তিং ৭. ধারা। (১) কোন জিলায় কি জিলার কোন
  খণ্ডে কিয়া কোন সেশন আদাদাক্ষ্য যে ভাষাম লিপিবন্ধ করা সাইবে তাগ্রার
  কথা।
  ক্যিটের সম্মুখে মোকদ্দমার
  অম্নুষ্ঠান হইলে ৩৫৬ ধারার উল্লিখিত স্থলে ঐ
  সৈশন জজ কি মাজিক্টেট অদেশীয় ভাষায় স্বহত্তে
  প্রত্যেক সান্ধীর সাক্ষ্য লিখিয়া লইবেন, স্থানীয় গ্রবণমেন্ট এমত আজ্ঞা করিতে পারিবেন। কিয়্তু সেই
  সেশন জজ কি মাজিক্টেট উপযুক্ত কোন কারণে কোন

দাক্ষীর দাক্ষ্য লিখিতে না পারিলে তাঁহার অপারগতার কারণ লিখিয়া মুক্তধার আদালতে আপনার ক্থনমতে ঐ দাক্ষ্য লেখাইবেন।

(२) তদ্রপে যে সাক্ষ্য লিখিয়া লওয়া যায় সেশন জজ কিয়া মাজিষ্টেট তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন ও তাহা মোকদ্দমার কাগজপত্রের একাংশ হইবে।

কিন্ত ইংরাজী ভাষা কিন্তা আদালতের ভাষা সেশন জজের কি মাজিফ্টেটের স্থদেশীয় ভাষা না হইলেও স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট তাঁহাকে ইংরাজা ভাষায় কিন্তা আদা-লতের ভাষায় সাক্ষ্য লিখিয়া লইধার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

ত্ব ধারা । মাজিফেটদের সমুখে ৩৫৫ ধারার
ত্ব ধারার উলিখিত প্রকারের মোকদমার
কালিইটের থেজার কথা। বিচার হইলে মাজিফেট উচিত
জ্ঞান করিলে ৩৫৬ ধারার
বিধানমতে কোন সাক্ষীর সাক্ষ্য লিখিয়া লইতে পারিবেন; কিম্বা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট যদি ঐ মাজিফেটের
বিচারধৌন স্থানে ৩৫৭ ধারার উলিখিত আ্ঞা করিয়া
থাকেন তবে উক্ত ধারার বিধানমতে সাক্ষীর সাক্ষ্য
লিখিয়া লইতে পারিবেন।

- ত ও পরা । (১) ত ৫ ৬ কি ত ৫ ৭ ধারামতে যে

  ত ৫ ৬ কি ত ৫ ৭ ধারামতে

  সাক্ষ্য লওয়া থায় তাহা সাধাবণতঃ প্রক্ষোতরভাবে লেখা

  ইইবে তাহাব কথা।

  ইইবে তাহাব কথা।

  ত প্রকান্তভাবে

  লেখা যাইবে ।
- (২) মাজিফ্রেট কিম্বা সেশন জজ সাহেব আপন বিবেচনামতে বিশেষ কোন প্রশ্ন ও উত্তর লিখিতে কি লেখাইতে পারিবেন।
- তাও০ ধারা। (১) তথে বা তথে ধারামতে কোন

  সাক্ষ্য লওমা সমাপ্ত

  মাক্ষ্য লওমা সমাপ্ত

  ইইলে পর অভিযুক্ত ব্যক্তি

  উপন্থিত থাকিলে তাহার

  সাক্ষাতে কিম্বা সে উকীলের দ্বারা উপন্থিত হইলে এ
  উকালের সাক্ষাতে ঐ সাক্ষ্য সাক্ষীর নিকটে পাঠ করা

  যাইবে ও আবশ্যক ছইলে সংশোধন করা যাইবে।
- (২) সাক্ষীর নিকট পাঠ করিবার সময়ে যদি সে সাক্ষেরে কোন অংশ অশুদ্ধ কহে, তবে মাজিফ্রেট কি সেশন জজ ঐ সাক্ষ্য সংশোধন না করিয়া, তদ্বিষয়ে সাক্ষা যে আপত্তি করে তাহার মর্ম লিখিতে পারিবেন ও তাহাতে আপনার যে মন্তব্য কথা লেখা আবশ্যক বোধ করেন লিখিবেন।
- (৩) সাক্ষ্য যে ভাষায় দেওয়া গেল ডম্ভিন্ন অন্য ভাষায় লেখা গেলে ও যে ভাষায় লেখা গেল সাক্ষা ভাহা বৃথিতে না পারিলে থে সাক্ষ্য লেখা গিয়াছে ভাহা যে ভাষায় দেওয়া যায় সেই ভাষায় কিন্তা সাক্ষা অন্য যে ভাষা বৃথিতে পারেন এমত ভাষায় তাঁহাকে বৃথাইয়া দিতে হইবে।

৩৬১ ধারা। (১)

শাক্ষ্য অনুবাদ করিয়া
অভিযুক্ত ব্যক্তিব কি তাহাব
উকীলেব নিকটে ব্যক্ত হইবার কথা।

অভিযুক্ত ব্যক্তি শ্বয়ং উপস্থিত
হইলে ও সাক্ষ্য যে ভাষায়
দেওয়া গেল তাহা বুঝিতে না
পারিলে সে যে ভাষা বুঝে সেই
ভাষায় অহ্বাদ করিয়া ভাহা
মুক্তদার আদালতে ভাহার

# নিকটে ব্যক্ত করা যাইবে।

- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি উকালের দারা উপস্থিত হইলে ও আদালতের ভাষা ভিন্ন অন্য ভাষায় সাক্ষ্য দেওয়া গেলে ও উকীল ঐ ভাষা না ব্যিলে, ঐ সাক্ষ্য আদা-লতের ভাষায় অহবাদ করিয়া উকালের নিকটে ব্যক্ত করা যাইবে।
- (৩) রীতিমত প্রমাণস্বরূপ দলীল উপস্থিত করা গোলে আদালত সেই দলালের যে অংশের অর্থ করিয়া দেওয়া আবশ্যক জ্ঞান করেন সেই অংশের অর্থ করিয়া দিবেন।

৩৬২ ধারা। (১) যে প্রত্যেক মোকদ্দমায় কোন প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট গুইশত প্রাদানতে সাক্ষ্য নিশিবদ্ধ করণেব কথা। ছয় মাসের অধিক কারানণ্ডের আজ্ঞা করেন, তদ্রপা প্রত্যেক মোকদ্দমায় তিনি সাক্ষীদের সাক্ষ্য স্বহস্তে নিথিয়া লইবেন কিন্তু। মুক্তদ্বার আদালতে আপন কথনমতে

মোকদ্দমায় তিনি সাক্ষাদের সাক্ষ্য স্বহস্তে লিখিয়া লইবেন কিম্বা মুক্তদ্বার আদালতে আপন কথনমতে লেখাইয়া লইবেন। তদ্রপো যে সকল সাক্ষ্য লিখিয়া লওয়া যায় তাহাতে মাজিফেট স্বাক্ষর করিবেন ও তাহা কাগজপত্রের একাংশ হইবে।

- (২) তদ্রাপে যে সাক্ষ্য লিখিয়া লওয়া যায় তাহা সচরাচর র্ক্তান্তের মত লেখা যাইবে, কিন্তু মাজিক্টেট স্থীয় বিবেচনামতে কোন বিশেষ প্রশ্ন কি উত্তর লিখিয়া বা লেখাইয়া লইতে পারিবেন।
- (৩) ৩৫ ধারামতে একই কালে যেং দণ্ডের আজ্ঞা হয় তৎসমুদয় এই ধারার কার্য্যপক্ষে একই দণ্ড বলিয়া বিবেচিত হইবে।

৩৬৩ ধারা। যে ছলে সেশন জজ কিয়া মাজিফ্রেট
সাক্ষীর আচরণ বিষয়ে
মন্তব্য কথা।

যজ্রপ আচরণ করে ভিষয়ে
তিনি কোন কথা লেখা প্রয়োজনীয় জ্ঞান করেল
যে কথা লেখা প্রায়োজনীয় জ্ঞান করেন, তাহাও
লিপিবদ্ধ করিবেন।

তও৪ ধারা। (১) কোন মাজিক্টেট কর্তৃক কিয়া রাজকীয় সনন্দৰলৈ সংস্থাপিত অভিযুক্ত ব্যক্তিব দাখা লিখিবার নিয়মেব কথা। হাই কোট ভিন্ন ও পঞ্জাবের চীফ কোট ভিন্ন কোন আদালত কর্তৃক অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা লওয়া গেলে, ভাহার নিকট যেং প্রশ্ন হয় ও সে যেং উত্তর দেয় ভাহা যে ভাষায় ভাহার পরীক্ষা হয় সেই ভাষায় কিয়া উহা অসাধ্য হইলে আদালতের ভাষায় বা ইংরাজী ভাষায় বিশ্বাতিরপো লিখিয়া লইতে হইবে, ও সেই লিখিত

কথা তাহাকে দেখান যাইবে কিন্তা তাহার নিকটে পাঠ করা যাইবে কিন্তা উহা যে ভাষায় লেখা হয় সে তাহা না ব্যিলে দে যে ভাষা বুঝে সেই ভাষায় তাহাকে উহা বুঝাইয়া দিতে হইবে ও সে আপনার কোন উভরের ব্যাখায় করিতে বা তাহাতে অন্য কথা সংযোগ করিতে পারিবে।

- (২) সে যাহা সত্য বলি । ব্যক্ত করে সমুদয় কথা সেইরপে লেখা গেলে পর অভিযুক্ত ব্যক্তি ও মাজিক্টেট কিম্বা উক্ত আদালতের জজ্ঞ সাহেব ঐ লিখিত কথায় স্বাক্ষর করিবেন এবং উক্ত মাজিক্টেট কি জজ্ঞ সাহেব ঐ পরীক্ষা আমার দৃষ্টি ও শ্রুভিগোচরে লওয়া গিয়াছে ও অভিযুক্ত ব্যক্তি যাহা কহিল এই লিখিত কধায় তৎসমুদয়ের পূর্ণ ও শুদ্ধ বর্ণনা আছে স্বহস্তে এই সার্টিধিকেট লিখিয়া দিবেন।
- (৩) মাজিফ্টেট কি সেশন জজ আপনি অভিযুক্ত ব্যক্তির উত্তর লিপিবদ্ধ না করিলে ঐ ব্যক্তির পরীক্ষা হওন সময়ে আদালতের ভাষায় কিম্বা ইংরাজী ভাষায় তাঁহার উপযুক্ত জ্ঞান থাকিলে ইংরাজী ভাষায় তাঁহার উপযুক্ত জ্ঞান থাকিলে ইংরাজী ভাষায় ঐ উত্তরের মর্মাত্মক কথা তিনি প্রেসিডেক্টা মাজিফ্টেট কি জজ আপন হাতেই ঐ মর্মাত্মক কথা লিখিয়া স্বাক্ষর করিবেন ও তাহা কাগজপত্রের সামিল করা যাইবে। মাজিফ্টেট কি জজ প্র্কোক্ত প্রকাক্ত প্রকাক্ত কারবের মর্মাত্মকপত্র লিখিতে না পারিলে তাঁহার না পারিবার কারণ লিপিবদ্ধ করিবেন।
- (৪) ২৬৩ ধারামতে অভিযুক্ত ব্যক্তির যে পরীক্ষা লওয়া যায় তৎপ্রতি এই ধারার কোন কথা যে বর্তিবে এরপ জ্ঞান করা যাইবে না।

তঙ্ ধারা। কোর্টের সন্মুখে যে মোকদ্দমা উপস্থিত
করা যায়, সেই মোকদ্দমায়
করা যায়, সেই মোকদ্দমায়
সাক্ষ্য যেরপে লিখিয়া লওয়া
যাইবে, রাজকীয় সনন্দবলে
সংস্থাপিত প্রত্যেক হাই কোর্ট ও
পঞ্জাবের চীফ কোর্ট সময়েই ইহার সাধারণ বিধি
করিতে পারিবেন ও তদ্রপ কেনে বিধি করা গেলে
ঐ কোর্টের জজেরা সেই বিধিমতে সাক্ষ্য কি সাক্ষ্যের

২৬ ষড়বিংশ অধ্যায়। · নিশভি বিষয়ক বিধি।

নিষ্পত্তি যে প্রকাবে প্রকাশ কবিতে হইবে ভাহার ৩৬৬ **ধারা**। (১)— কথা।

यर्थ निथिया नहरवन।

(ক) মুক্তদার আদালতে বিচার শেষ ছইবার অব্যবহিত পরেই অধবা তৎপারবর্তী যে সমূরের স্থাটিস পক্ষাণকে কিছা তাহাদের উকীলদিগকে দেওয়া যাইবে সেই সময়ে, এবং (খ) আদালতের ভাষায় অধবা অপর যে ভাষা
 অভিযুক্ত ব্যক্তি কিছা তাহার উকীল
 বন্ধেন সেই ভাষায়—

২৬৩ ধারা ও ৩১০ ধারার (খ) দকার বিধানাধীনে সরেনও বিচারাধিকারবিশিক্ট কোন কোজদারী আদা-শতের প্রত্যেক বিচারের নিম্পত্তি প্রকাশ করা যাইবে কিছা উহার সারাংশ বুঝাইয়া দেওয়া যাইবে।

কিন্ত অভিযোক্তাপক অথবা অভিযুক্তপক যদি অধ্যক্ষতাকারী জজকে সমস্ত নিপত্তি পড়িয়া শুনাইবার নিমিত্ত অন্থরোধ করেন তাহা হইলে অধ্যক্ষতাকারী জজ ভাহা করিবেন।

- (২) যে ছলে বিচারকালে অভিযুক্ত ব্যক্তির নিজের উপস্থিতি অনাবশ্যক বলিয়া আদেশ করা হয় এবং দশুজা কেবল মাত্র জারমানার দণ্ডাজা সে ছলে নিশান্তি তাহার উকীলের সমক্ষে প্রকাশ করা যাইতে পারিবে। কিন্তু সেই ছল ছাড়া অন্য স্থলে নিশান্তি পাঠ শুনিবার জন্য অভিযুক্ত ব্যক্তি হেকাজতে থাকিলে ভাহাকে আনা যাইবে এবং হেকাজতে না থাকিলে ভাহাকে উপস্থিত হইবার নিমিক্ত আদালত কর্তৃক আদেশ করা যাইবে।
- (৩) কোন কোঁজদারী আদালতের নিশান্তি পাঠ করিবার নিমিত্ত যে দিন ও স্থানের হুটিস দেওয়া হয় কোন পক্ষ কিম্বা তাহার উকীল সেই দিনে বা স্থানে কেবল মাত্র অফুপস্থিত থাকিবার দরুন কিম্বা ঐ দিন ও স্থানের হুটিস পক্ষগণের উপর কিম্বা তাহাদের উকীলদিগের উপর কিম্বা তাহাদের মধ্যে কাহারও উপর কেবল মাত্র জারা না করিবার দরুন কিম্বা জারা করিতে কেবল মাত্র কোন দোষ ঘটবার দরুন সেই পাঠিত নিশান্তি অসিদ্ধ বলিয়া গণ্য হইবে না।
- (৪) এই ধারায় যাহা কিছু আছে তাহার এরপ অর্থ করা যাইবে না যে তদ্ধারা ৫৩৭ ধারার বিধানের ব্যাপ্তি কোন রকমে সমুচিত হয়।

৩৬৭ ধারা। (১) এই আইনে প্রকারান্তরের স্পষ্ট বিধান না থাকিলে আদালতের যে ভাষায় নিপত্তি কর্তৃপক্ষ আদালতের ভাষায় লিখিতে হংবে তাহার কি ইংরাজী ভাষায় নিশান্তি #91 I লিখিবেন; ও যে বিষয় কি যে বে বিষয় নির্ণয়ার্থে উপস্থিত করা যায় ও ভদ্বিষয়ে যাহা নির্ণয় হয় ও সেই নির্ণ-নিক্তিপতে যাহা দেখা মের হেডু এই সকল কথা পাৰিৰে তাহাৰ কথা। নিশত্তিপত্তে লেখা যাইবে এবং বিচারপতি মুক্তদ্বার আদালতে তাহা প্রকাশ করিবার সময়ে তারিখ লিখিয়া তাহাতে স্বাক্ষর করিবেন।

(২) কোন অপারাধ নির্বি ছইলে ভারতবর্ষের দণ্ড-বিধির আইনের কি অন্য আইনের যে ধারামতে অভিযুক্ত ব্যক্তির যে অপারাধ নির্ণিয় হয় এবং কোন দণ্ডের আজ্ঞা হইলে যে দণ্ডের আক্তা হয় নিম্পত্তিপত্তে ভাহার নির্দেশ থাকিবে।

- (৬) ভারতবর্ধের 'দণ্ডবিধির আইনমতে অপরাধ একতব অপবাধ নির্ণয়েব ধারার মধ্যে কোন্ ধারার অন্তর্গত কিম্বা একই ধারার মুই ভাগের মধ্যে কোন্ ভাগের অন্তর্গত এই বিষয়ে সংশয় হইলে আদালত তাহা স্পঠ জানাইয়া উক্ত এক কিম্বা অন্য ধারা কি ভাগক্রমে নিপত্তি করিবেন।
- (8) যদি নির্দোষ করণরূপ নিষ্পত্তি হয় তবে ঐ পত্তে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে যে অপরাধ সম্বন্ধে নির্দোষী করা গেল তাহা লিখিয়া ঐ ব্যক্তিকে মুক্ত করিয়া দিবার আজা থাকিবে।
- (৫) অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রাণদণ্ডে দণ্ডনীয় অপরাধ নির্ণয় হইলেও আদালত প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা ভিন্ন অন্য কোন দণ্ডের আজ্ঞা করিলে, আদালত যে বিবেচনায়া প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা করেন নাই তাহার কারণ লিখিয়া দিবেন।

কিন্ত ক্রের ছারা বিচার হইলে আদালতের নিপাতি লিখিবার আবশ্যকতা নাই, কিন্তু দেশন আদালত ক্রের নিকট উপদেশ বাক্যের মূল কথা লিখিবেন।

৩৬৮ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা প্রাণদণ্ডের আজ্ঞার কথা। ছইলে সে যাবৎ না মরে ভাবৎ ভাহার গলদেশে উদ্বন্ধন থাকিবে দণ্ডাজ্ঞার মধ্যে এই আজ্ঞা হইবে।

(২) যে ব্যক্তির উপর দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হয় সেই ব্যক্তিকে আজ্ঞা কথ।।

কান্ স্থানে প্রেরণ করিতে হইবে, উক্ত আজ্ঞায় ইহার নির্দেশ থাকিবে না।

৩৬৯ ধারা। নিষ্পান্তিপত্রে স্বাক্ষর করা গেলে পর
৩৯৫ ধারার ও ৪৮৪ ধারার
আদালতের নিষ্পান্ত
প্রিবর্ত্তন না কবিবার কথা।
ভূল সংশোধন করিবার নিমিন্ত
না হইলে হাই কোর্ট ভিন্ন যে আদালত ঐ নিষ্পান্ত
করিলেন সেই আদালতের দ্বারা তাহার পরিবর্ত্তন কি
পুনর্ফিবেচনা হইতে পারিবে না।

৩৭০ ধারা। পুর্ব্বোক্ত বিধানমতে নিপ্সতি না লিবিয়া প্রোসিডেন্সী মাজিট্রেট প্রোসডেন্সী মাজিট্রেটেব নিম্মলিখিত বিবরণ লিপিবদ্ধ করিবেন।—

- (ক) মোকদ্দমার ক্রমিক নম্বর।
- (খ) যে তারিখে অপরাধ করা যায় সেই তারিখ।
- (গ) বাদী থাকিলে তাহার নাম।
- (ঘ) অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম এবং ইউরোপীয় রুটিষ প্রজানা হইলে তাহার পিতার নাম ও বাদয়ান।

- (৬) যে অপরাধের নালিশ কি প্রমাণ হয় তাহা।—
- (চ) প্রতিবাদীর উত্তর ও তাহার পরীক্ষা করা গিয়া থাকিলে ঐ পরীক্ষা।
- (ছ) শেষ আ<u>জ্ঞা।</u>
- (জ) ঐ আজ্ঞার তারিখ। এবং
- (ব) মাজি ফ্রেট কোন মোক দ্দমায় কারা দভের কিন্তা ২০০, টাকার অধিক অর্থদভের কি উভয় দভের আজ্ঞা করিলে, অপরাধ নির্ণয় করিবার হেভুর সংক্ষেপ কথা।

৩৭১ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনামতে,
নিম্পত্তির নকল অথবা সে
অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ইচ্ছা করিলে সাধ্যমতে
নিম্পত্তি ব্যাইয়া এনকল
দেওয়া যাহবাব কথা।
আদালতের ভাষায় তাহার
অহ্বাদ অগোণে তাহাকে দেওয়া যাইবে। সমনের
মোকদ্দমা ভিন্ন অন্য মোকদ্দমায় ঐ নকল বিনা
শ্বরচায় দেওয়া যাইবে।

- (২) সেশন আদালতে জুরি দ্বারা বিচার হইলে জুরির প্রতি যে উপাদেশ দেওয়া যায় তাহার দফা সমূহের নকল অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রার্থনাক্রমে তাহাকে অগোণে বিনা শ্রচায় দেওয়া যাইবে।
- (৩) সেশন জজ কর্তৃক অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হইলে, ইচ্ছা

  যে ব্যক্তিব প্রাণদণ্ডেব করিলে যে সময় মধ্যে সে
  আপীল করিতে পাইবে উক্ত
  জক্ত সাহেব ইহাও তাহাকে জানাইবেন।

৩৭২ ধারা। আসল নিষ্পত্তি মোকদ্দমা ঘটিত কাগজ পত্তের নথাতে দেওয়া যাইবে নিষ্পতি যে দেওয়া যাইবে নিষ্পতি যে দেওয়া কাগজ কাগতে কাগজ প্রতিষ্ঠ কালা হইয়া অন্য ভাষায় লেখা গোলে ও অভিযুক্ত ব্যক্তি প্রার্থনা করিলে আদালতের ভাষায় তাহার অল্পাদ মোক মার কাগজপত্তের মধ্যে রাখা ঘাইবে।

ত্বত ধারা। সেশন আদালতের বিচার হইলে যে জিলার মধ্যে মোকদ্দমার বিচার হয় ঐ আদালত আপনার নকল জিলার মাজিটে নিম্পান্তি ও দণ্ডাজ্ঞা থাকিলে লাহেবের নিকট শাঠাইবার কখা।

মাজিক্টেট সাহেবের নিকটে পাঠাইবেন।

### २१ मश्रिक्ण ज्याप्ता ।

দৃঢ় করণার্থে দণ্ডাজ্ঞা অর্পণ বিষয়ক বিধি।

ত্ব থারা। সেশন আদাসত প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা করিলে মোকদ্দমার কাগজপত্ত প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা অর্পণের কথা। ত হাই কোর্টের ছারা দৃঢ় করা না গেলে ঐ দণ্ডাজ্ঞা সাধন

ত ৭৫ ধারা। (১) মোকদ্দমার কাগজপত্র ত দ্রপে
আবো তদন্তবা অতিবিজ্ঞ প্রমাণ লইতে আজ্ঞা
করিবার ক্ষমতাব কথা।
কি নির্দ্দোবিতার প্রতিপোষক
কোন বিষয়ের আরও তদন্ত
বা প্রমাণ লওয়া উচিত জ্ঞান করিলে তদ্রাপ তদন্ত বা
প্রমাণ ক্ষমং লইতে পারিবেন কিশ্বা সেশন আদালত
দ্বারা লইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- (২) জ্বির কি আসেসরদের সাক্ষাতে উক্ত তদন্ত বা প্রমাণ লওয়া যাইবে না ও হাই কোর্ট প্রকারান্তরে আজ্ঞা না করিলে যে ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হইল প্রমাণ লইবার সময়ে তাহার উপস্থিত থাকিবার প্রয়ো-জন নাই।
- (৩) তদ্রপ তদন্ত বা প্রমাণ যদি লওয়া হয় তবে হাই কোট না হইলে তদন্দ লওয়ার ফল ও প্রমাণ হাই কোটে সার্টিফিকেট দ্বারা জ্ঞাত করা যাইবে।

দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় কি অপবাধ
নির্বায় অন্যথা করিতে হাই
কোটের ক্ষমন্তার কথা।

ক্ষমার বিচার আসেসরদের
সহকারিতায় কিয়া জ্রির ছারা
ইইয়া থাকুক, হাই কোর্ট —

- (ক) ঐ দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করিতে কিম্বা আইন অন্ধ-যায়ী অন্য কোন দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন, অধবা
- (খ) অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিয়া সেশন
  আদালত তাহার যে কোন অপরাধ
  নির্ণয় করিতে পারিতেন সেই অপরাধ
  নির্ণয় করিতে পারিবেন কিন্তা সেই কি
  সংশোধিত অন্য অভিযোগক্রমে পুনশ্চ
  বিচার হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন,
  অথবা
- (গ) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্ধোষ করিতে পারিবেন।

কিন্তু যাবৎ আপীল করিবার মিয়াদ গত না হয় কিন্তা ঐ মিয়াদের মধ্যে আপীল করা গেলে ঐ আপীলের নিশতি না হয়, তাবৎ এই ধারামত দৃঢ় করণের আজ্ঞা করা যাইবে না। চণণ ধারা। তদ্রপ প্রত্যেক অপিত মোকদ্মায়

দশাজা দৃঢ় কবিবাব
কিখা বৃতন দণ্ডেব আজাতে
ইইজন লভেব ৰাজ্য তবে ঐ কোর্ট যে দণ্ডের আজা
কবিবাব কথা।

দশাজ্ঞা কি অন্য আজা করেন, ঐ কোর্টের ন্যুনকম্পে
তুই জন জজ ঐ আজা করিয়া তাহাতে স্বাক্ষর
করিবেন।

ত্রণ ধারা। জজদের বেঞ্চের সন্মুখে তদ্রপ মের্কিদ্দার শুননী ইইলে এবং মতভেদ ইইলে কার্যা-উক্ত জজেরা সমসংখ্যাক্রমে শ্রুণালীর কথা। ভিন্নমত ইইলে, উক্ত মোকদ্দা তাহাদের মতসহ অন্য জজের সন্মুখে উপস্থিত করা যাইবে, এবং উক্ত জজ যদ্রাপে পরীক্ষা গ্রহণ ও শ্রুবণ বিহিত বোধ করেন তাহা করিয়া আপন মত দিবেন এবং নিশ্বতি কি আজ্ঞা সেই মতাম্যায়ী ইইবে।

ত্র ধারা। সেশন আদালত হাই কোর্টের দ্বারা প্রাণ দণ্ডের আজ্ঞা দৃঢ় হইবার প্রাই কোর্টে অ পত হইলে কার্য্যপ্রধালীব কথা।

স্থাক্তা করা গেলে পার, ঐ কোর্টের উপযুক্ত কর্ম্যারী

আজ্ঞা করা গেলে পর, ঐ কোর্টের উপযুক্ত কর্মানী অগোণে ঐ হাই কোর্টের মোহরাঙ্কিত ও আপনার পদসম্পর্কীয় স্বাক্ষরে স্বাক্ষরিত ঐ আজ্ঞার নকল সেশন আদালতে প্রেরণ করিবেন।

৩৮০ ধারা। (১) আসিফান্ট সেশন জজের কি
৩৪ ধারামতে কর্মকারী জিলার
আগিষ্টান্ট দেশন জজেব
ও ৩৪ ধারামতে কর্মকারী
মাজিট্টের কৃত দণ্ডাজ্ঞা
দৃঢ় কবণের কথা।
বা আডিশনল সেশন জজের
নিকটে অর্পিত হইলে, উক্

### · जुड़ा —

- (ক) ঐ দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করিতে পারিবেন কিম্বা নিম আদালত অন্য যে দণ্ডাজ্ঞা করিতে
- পারিতেন সেই দণ্ডাজ্ঞা করিতে পারিবেন.
   কিশ্বা
- (খ) অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিয়া নিম্ন আদালত
  তাহার যে কোন অপরাধ নির্ণয় করিতে
  পারিতেন সেই অপরাধ নির্ণয় করিতে
  পারিবেন কিম্বা সেই কি সংশোধিত
  অন্য অভিযোগক্রমে পুনশ্চ বিচার হইবার
  বা সমর্পন করিবার আজ্ঞা করিতে
  পারিবেন কিম্বা
- (গ) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দ্দোষ করিতে পারিবেন কিম্বা

লইতে পারিবেন কিম্বা তজ্ঞপা তদস্ত লইবার কি প্রমাণ গ্রহণ করিবার আদেশ দিতে পারিবেন; কিম্বা

- (৬) অতিরিক্ত বা অন্য যে কোন আজ্ঞা ন্যাষ্য হয় ডাইা করিডে পারিবেন।
- (২) সেশন আদালত প্রকারান্তরের আজা না করিলে যে ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হয় উক্ত তদন্ত কি প্রমাণ লওন কালে তাহার উপস্থিত থাকিবার প্রয়োজন নাই; এবং আসিফান্ট সেশন জজ কর্তৃক দণ্ডাজ্ঞা অর্পিউ হইলে উক্ত তদন্ত বা প্রমাণ ক্ষরির কি আসেদর্মদের সম্মুখে লওয়া যাইবে না।
- (৩) তদস্ত বা প্রমাণ যদি লওয়া হয়, তবে সেশন আদালত না হইলে ঐ তদস্তের ফল ও প্রমাণ সার্টিফিকেট দ্বারা উক্ত আদালতে জ্ঞাত করিতে হইবে।

২৮ অপ্তাবিংশ অধ্যায়।

আজ্ঞা সাধন বিষয়ক বিধি।

৩৮১ ধারা। দেশন আদালতের ফ্লুন্ত প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা দৃঢ় হইবার জন্য হাই-কামে কার্য্য করাইবাব কথা, কার্টে অপিত হইলে উক্ত দেশন আদালত তত্বপরি হাই কোর্টের দৃঢ় করণের বা অন্য আজ্ঞা পাইলে, ওয়ারন্ট দিয়া বা অন্য যে উপায় অবলম্বন করা আবশ্যক হয় তাহা করিয়া সেই আজ্ঞামতে কার্য্য করাইবেন।

৩৮২ ধারা। কোন দ্বীলোকের প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হইলে যদি তাহাকে অন্তরাপাত্যা অন্তর্গাণতাব প্রাণদণ্ডের বলিয়া জ্ঞানা যায় তবে হাই-আজ্ঞা গৌণে সাধন করি-বাব বথা।

সাধন করিবার আজ্ঞা দিবেন এবং বিহিত বোধ করিলে দণ্ড পরিবর্ত্তন করিয়া যাব-জ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারি-বেন।

তচত ধারা। তচ ধারায় যাহার বিধান হইয়াছে
তিন্তিয় স্থলে অভিযুক্ত ব্যক্তির
অন্যন্দলে বীপাশুর প্রতি দ্বীপাশুর প্রেরণ কি
কারাদণ্ডের আজ্ঞা হইলে, যে
আদালত বাধান করিয়া
রাখা হয় কিয়া রাখিতে হইবে, যে আদালত দণ্ডাজ্ঞা
করেন দেই আদালত তৎক্ষণাৎ দেই জেলে ওয়ারন্ট
পাঠাইবেন এবং অভিযুক্ত ব্যক্তি দেই জেলে আবদ্ধ
না থাকিলে, ওয়ারন্টের সক্ষে তাহাকেও উক্ত জেলে
পাঠাইবেন।

৩৮৪ ধারা। বন্দী যে জেলে কি অন্য স্থানে আবদ্ধ
আছে কি থাকিবে, সেই জেলের
সাধনার্থ গুরাবটের
কি অন্য স্থানের অধ্যক্ষের
নামে কারাদ্ভ সাধন করিবার

🕰 ত্যক ওয়ারন্ট দে ওয়া যাইবে।

৩৮৫ ধারা। বন্দীকে যদি জেলে আবদ্ধ রাখিতে হয় কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারতী ওয়াবতী থাহাকে দিতে জেলরের হাতে দেওয়া হবৈ ব ভাহাব কথা। যাইবে।

ত৮৬ ধারা। অপরাধীর অর্থদণ্ড দিবার আজ্ঞা হইলে
অর্থদণ্ড আদায়ের ওয়ারন্টের কথা।

ক্ষেত্র কথা।

ক্ষেত্র কথা।

ক্ষেত্র করিলেন সেই আদালভ স্থীয়
বিবেচনামতে অপরাধীর অস্থাবর কোন সম্পত্তি ক্রোক
ও বিক্রয়করণ ছারা ঐ টাকা আদায় করিবার ওয়ারন্ট
প্রচার করিতে পারিবেন।

৩৮৭ ধারা। যে আদালত ঐ ওয়ারন্ট প্রচার করেন
ঐ ওয়ারন্টের ফলের কথা।

তাঁহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে
তদম্যামী কার্য্য করা যাইতে
পারিবে এবং অপরাধার কোন অস্থাবর সম্পত্তি উক্ত
আদালতের বিচারাধীন স্থানের বহিভূতি স্থানে থাকিলে
সেই স্থান যে জিলার মাজিক্রেট সাহেবের বা প্রধান
প্রেসিডেপী মাজিক্রেটের বিচারাধীন তিনি ওয়ারন্টের
পৃষ্টে লিখিয়া দিলে তাহার সেই সম্পত্তির ক্রোক ও
বিক্রয় হয় ঐ ওয়ারন্টে এই অমুমতি থাকিবে।

৩৮৮ ধারা। (১) অপরাধীর প্রতি কেবল অর্থদণ্ডের আজ্ঞা হইলে ও অর্থদণ্ড না কারাদগুজ্ঞা পাধন স্থগিত দেওয়াতে কারাদণ্ডের আজ্ঞা ৰাখিবাৰ কথা। হইলে এবং আদালত ৩৮৬ ধারা-মতে পরওয়ানা বাহির করিলে ঐ পরওয়ানা ফিরিয়া আনিবার নিরূপিত দিনে অপরাধী উক্ত আদালতের সন্মুখে যে উপস্থিত হইবে আদালতের বিবেচনামতে জামিন সহিত কি জামিন বিনা এই নিয়মে নিবন্ধপত্ৰ লিখিয়া দিলে, আদালত কারাদভাজা সাধন স্থগিত রাখিয়া অপরাধীকে ছাড়িয়া দিতে পারিবন। নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার সময়াবধি ঐ পরওয়ানা ফিরিয়া আনিবার পানের দিনের অধিক সময় নিরূপণ হইবে না। অর্থদণ্ড আদায় না ছইলে আদালত অবিলয়ে কারাদণ্ডাজ্ঞা সাধন করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

(২) যে ছলে কোন জ্বরিমানা বা অর্থদণ্ড নির্দারিত করা হইরাছে ও তাহা আদায় না হইলে কারাদণ্ড করা যাইতে পারে এই ধারার বিধান সেই ছল সম্বন্ধেও খাটিবে।

৩৮৯ ধারা। যে জজ কি মাজিফ্রেট দণ্ডাজ্ঞা করেন তিনি অথবা তাঁহার কে ওয়ারন্ট দিতে পারেন ইহাব কথা। ওয়ারন্ট দিতে পারিবেন।

৬৯০ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি কেবল কশাযাত দণ্ডের আজ্ঞা হইলে,
কেবল কশাঘাত দণ্ডেব আদালতের আদেশমত স্থানে
আজ্ঞামত কার্য্য হইবার
কথা
কথা
কথা

৩৯১ ধারা। (১) যে মোকদ্দমায় আপীল হইডে পারে এমত মোকদমায় কোন কাবাদশ্ভেব সহিত কশা-ব্যক্তির কারাদভের **সহিত** ঘাত দভের আজা হইলে কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা হইলে औ ज्याका माध्यमत कथा। ঐ দভাজার তারিখ অবধি পঞ্চদল দিন গত না হইলে কিম্বা তৎকালের মধ্যে যদি আপীল হইয়া থাকে তবে আপীল আদালত ঐ দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় না করিলে কশাঘাত করিতে হইবে না ; কিন্তু সেই পঞ্চদশ দিন গভ হইলে পর যত শীঘূ হইতে পারে কশাঘাত দণ্ড হইবে, কিম্বা যদি আপীল হইয়া থাকে তবে আপীল আদালতের সেই দণ্ডের আজ্ঞা দৃঢ় করণ-সূচক আজ্ঞা পাইলে পর যত শীঘু হইতে পারে দণ্ড श्रेरव ।

۲.

- (২) জজ কি মাজিষ্টেট সাহেব আপনার সমুখে দণ্ড দিবার আজ্ঞা না করিলে, জেলের অধ্যক্ষের সমুখে কশাঘাত দণ্ড দেওয়া যাইবে।
- (৩) যে ছলে অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি কারাদভাতি-রিক্ত কশাঘাত দভের আজ্ঞা হয় সেই ছলে কারাদভের কাল তিন মাসের কম হইবে না।

৩৯২ ধারা। (১) ১৬ বৎসরের কি তাহার ঊর্ধ্ব বয়সের ব্যক্তির সেই দণ্ডের ঐ দণ্ড যেকশে সাধন আজ্ঞা হইলে যাহার ব্যাস হরবে তাহার কথা। অন্যুন আধ ইঞ্চি এরপ পাতলা বেত দ্বারা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট যেরপে ও শরীরের যে স্থানে কশাঘাত করিবার আদেশ করেন তদম্সারে ঐ দভ হইবে। অপরাধী ষোল বৎসরের ন্যুন বয়ক্ষ হইলে পাঠশালার শাসনের ন্যায় লঘুবেত্তে প্রহার হইবে।

আগাতের উদ্ধৃদংখ্যার (২) কোন স্থলে উক্ত দণ্ড কথা! ৩০ ঘার অধিক হইবে না। ৩৯৩ ধারা। কশাঘাত দণ্ড ভাগাং করিয়া সাধন করিতে হইবে না; এবং নিম্ন-ভাগাং কবিয়া না মাবিবাব কথা। কশাঘাত দণ্ড হইবে না, যথা

मुक्त थानात कथा। (क) खीटनाकटनत,

- (খ) যে পুরুষদের প্রাণদণ্ড বা দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড বা দণ্ডরূপ পরিশ্রাম বা পাঁচ বৎসরের অধিক কালের কারাদণ্ডের শাক্তা হয় তাহাদের ৷
- (গ) যে পুরুষদিগকে আদালত পঁয়তাল্লিশ বৎসরের অধিক বয়ক্ষ বিবেচনা করেন সেই পুরুষদের।

৩৯৪ ধারা। (১) শরীরের স্বাস্থ্য বিবেচনায় অপরাধী ঐ দণ্ড সহ্য করিতে
অপরাধীর শরীর অস্ত্র পারে চিকিৎসক বর্তমান
ক্ষা।
ক্ষা ইহার সার্টিফিকেট
দিলে কিয়া ইহার সার্টিফিকেট
দিলে কিয়া চিকিৎসক না
থাকিলে তৎস্থানে উপস্থিত মাজিফ্রেট কি কর্মচারী
এইরপ বোধ করিলে ঐ কশা্ঘাত দণ্ড সাধ্ন হইবে,
নতুবা নয়।

(২) কশাঘাত করা যাইটেডছৈ এমন সমর্যে অপরাধী
শরীরগতিক বিবেচনায় ভাষার
দত্যাধন স্থানত হইবার আর প্রহার সহ্য হয় না
ভিনিৎসক ইছা সংশিতরূপে
কহিলে কিম্বা মাজিফ্রেট কি যে কর্মচারী উপস্থিত থাকেন
ভিনি এমত বোধ করিলে দণ্ড একবারে স্থগিত করা
ফ্রাইবে।

ভ৯৫ শারা। (১) ত৯৪ শারামতে কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা হইমাও তাহা সম্পূর্ণ-ত৯৪ দাবামতে দণ্ড হ'তে স্মা শাবিলে খাহা কর্ত্তন্য তাহার কথা। হইবার বাধা হইলে, যে আদা-লত ঐ দণ্ডের আজ্ঞা করেন

সেই আদালত যতকাল ঐ দণ্ডাজ্ঞা সংশোধন না করেন ততকাল অপারাধীকে হেফাজতে রাখিতে হইবে: ও সেই আদালত স্থায় বিবেচনামতে দণ্ডাজ্ঞা রহিত হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন, অথবা কশাঘাত দণ্ডের পারি-বৈর্ত্তি কিয়া ঐ দণ্ডের যে অংশ দেওয়া যাইতে পারে নাই তৎপারিবর্তে তাহার বার মাদের অন্থিক কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন, এমন হলে সেই অপারাধের নিমিজে কশাঘাত ভিন্ন অপারাধীর অন্য দণ্ডের আজ্ঞা হইলে ঐ কারাদ্ভ তদ্ভিরিক্ত হইবে।

- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি আইনমতে যত কালের কারাদণ্ডের যোগ্য কিছা কোন আদালত যত দণ্ডের আজ্ঞা
  করিতে সক্ষম এই ধারীর কোন কথাক্রমে উক্ত আদাদত্তের প্রতি ভদ্ধিক কারাদ্র দিবার ক্ষমতা দেওয়া
  গেল এরপ জ্ঞান করিতে হইবে না।
- ৩৯৬ গোরা। (১) পালাতক বন্দির প্রতি এই আইনমতে প্রাণদণ্ডের কি অর্থদণ্ডের
  শিলাতক বন্দিদেশ উশার
  দণ্ডাপ্তা সাধন কবিবাৰ
  কথা।

  শিলাতক বন্দিদেশ উশার
  কি কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা
  হইলে পূর্বালিখিত বিধানের
  নিমমাধানে তৎক্ষণাৎ ঐ দণ্ডের
  আজ্ঞামতে কাট্য হইবে এবং কারাদণ্ডের কি দণ্ডরপ
  পারিশ্রম কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হইলে নিম্নলিখিত বৃধিক্রমে কার্য্য হইবে:—
- (২) পলাতক বন্দী যে দণ্ড ভোগ হইতে পলায়ন করে, তদপেকা কঠিন প্রকারের দণ্ডের আজ্ঞা হইলে, তৎক্ষনাৎ ঐ মৃত্যু সণ্ডের আজ্ঞায়তে কার্য্য হইবে।
- (৩) বন্দা বৈ দণ্ড ভোগ হইতে পলায়ন করে নৃতন লণ্ডের আজ্ঞা তদপেকা কঠিন প্রকারের না হইলে পলা-ম্বন সম্মারে তাহার সেই পূর্ব কারদিও কিয়া স্থল বিশেষে ক্ষত্তরূপ পরিপ্রেম দ । কি হাপান্তর প্রেরণ দণ্ড ভোগের মত কাল বাকি ছিল আর ওতকাল ঐ দণ্ডভোগের পরে ঐ মৃতন দণ্ডের আজ্ঞায়তে কার্য্য হইবে।

ব্যাখ্য। —এই ধারার কার্য্যপকে —

- ্ক) কারাদণ্ডের **অপেকা দ্বাপান্তর প্রেরণ** কি দশুরূপ পরিপ্রায় দণ্ডের আজ্ঞা কঠিন জ্ঞান হইবে।
- (খ) নির্জ্ঞন কারাবদ্ধ হওনের আজা বিনাযে কারাদণ্ডের আজা হয়, তদপেকা নির্জ্ঞন

কারাষদ্ধ 'হঁওন সহিত সেই 'প্রকারের কারাদণ্ডের আজ্ঞা কঠিন জ্ঞান হইবে ;'ও

(গ) নির্জ্জন কারাবদ্ধ হওনের আজ্ঞা 'সহিত কি তদ্বিনা সামান্য কারাদণ্ড অপেকা কঠোর কারাদণ্ডের আজ্ঞা কঠিন জ্ঞান হইবে।

৩৯৭ ধারা। কোন ব্যক্তি কারাদণ্ড কি দশুরূপ পরিশ্রম দণ্ড কি দ্বীপান্তর এক অপনাধের দণ্ডভোগী ভাশরাধীর উপন আনু অপ-রাধের দণ্ডের কথা।
এমন সময়ে যদি আবার দণ্ডাজ্ঞা হইয়া তাহার কারাদণ্ডের কি

দশুরূপ পরিশ্রম দশুরে কিম্বা দ্বীপান্সর শ্রেরণ দশুর আজ্ঞা হয়, তবে পূর্ব আজ্ঞামতে কারাদণ্ডের কি দার্ভারপ পরিশ্রম দশুরে কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দশুর মিয়াদ ফুরাইলে ঐ দ্বিতীয় কারাদণ্ডের কি দশুরূপ পরিশ্রম দশুর কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আরম্ভ হইবে।

কিন্তু যৎকালে কারাদও ভোগ করিতেছে তৎকালে তাহার অন্য অপারাধ প্রমাণ হইয়া দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হইলে, সেই দণ্ডভোগ অগোণেই অথবা পূর্ব আজ্ঞামতে কারাদণ্ডের মিয়াদ ফুরাইলে পর আরম্ভ হংবে, কোট স্থায় বিবেচনামতে ইহার একতর আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৩৯৮ ধারা। (১) পূর্ব্ব কি পশ্চাৎক্বত অপরাধ নির্ণয়ক্রমে কোন ব্যক্তি যে গ্রুড ও জন ধারা সম্বদ্ধে বাঁচাইবার কথা। ৩৯৭ ধারার কোন কথা দ্বারা ভাহার কোন অংশ ক্ষমা করা হইল এমত জ্ঞান করিতে ইইবে না।

(२) মূল কারাদণ্ডের কিছা কারাদণ্ডে দণ্ডনীয় অপরাধের নিমিত্ত দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের কি দণ্ডরূপ
পরিশ্রম দণ্ডের আজ্ঞার সঙ্গে সংযুক্ত অর্থদণ্ড না
দেওয়াতে কারাদণ্ডের আজ্ঞা হইলে, এবং যে ব্যক্তি
সেই মূল দণ্ড জোগ করিতেছে ঐ দণ্ডাজ্ঞা সাধন হইলে
পার তাহার আর এক কি অধিক মূল কারাদণ্ড কি
দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড কি দণ্ডরূপ পরিশ্রেম দণ্ড ভোগ
করিতে হইলে, সেই বাজির ঐ এক কি অধিক মূল দণ্ড
ভোগ না হওয়া পর্যান্ত অর্থ দণ্ড না দেওয়াতে যে
কারাদণ্ডের আজ্ঞা হয় তাহা ফলবৎ করা যাইবে না।

৩৯৯ ধারা। (১) কোন অপারাধের নিমিন্তে কৌজদারী আদালত কর্তৃক পানর
অলাব্যক্ষ অপারাধীদিগকে চরিত্র সংশোধনালয়ে বন্ধ করিবার কথান

কোন কারাগারে বন্ধ না করাইয়া চরিত্র সংশোধনার্থ ঘে
আলয়ে উপাযুক্তমত শাসম করিবার ও উপাকারজনক
কোন শিম্পবিদ্যা শিক্ষা করিবার সহপায় থাকে, ছানীয়
গ্রন্মেন্ট এমত যে সংশোধনালয় বালকদের বন্ধ থাকাল্প
উপাযুক্ত স্থান বলিয়া স্থাপন করেন, অথবা তদ্রূপ ষে
আলমের কর্তা তথাকার বন্ধ ব্যক্তিদের শাসন ও পাল-

মাদি বিষয়ে গবর্ণমেন্টের বিধিমতে কার্য্য করিতে সম্মত হন, ঐ আদালত উক্ত অপবাধী বালকের সেই স্থানে বন্ধ হংবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- (২) যাহারা এই ধারামতে বদ্ধ হয়, তাহারা তদ্রপে নির্দ্দিউ বিধির অধীন থাকিবে।
- (৩) এই ধারার কিন্তা ৩৯৭ ও ৩৯৮ ধারার কোন কথাক্রমে চরিত্র সংশোধনার্থ বিদ্যালয় বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের বিধানের কোন বিদ্নু হইবে না।

৪০০ ধারা। দণ্ডাজ্ঞামত কার্য্য সম্পূর্ণরূপে সাধন করা গেলে পার, যে কর্মচারী দণ্ডাজ্ঞা সাধন হইলে তাহা সাধন করিলেন তিনি ধ্রয়াবট ফিরাইয়া পাঠাই-বার কথা। গিয়াছে ওয়ারন্টের পৃষ্টে

তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া স্বাক্ষর করিয়া যে আদালত হইতে ওয়ারন্ট বাহির হয় সেই আদালতে ফিরাইয়া পাঠাইবেন।

### ২৯ উন্তিংশ অধ্যায়।

দণ্ড ছগিত রাখিবার ও ক্ষমা করিবার ও পরিবর্ত্তন করিবার বিধি।

৪০১ ধারা। (১) কোন অপরাধের নিমিত্তে কোন
ব্যক্তির দণ্ডের আজ্ঞা হইলে
দণ্ড শ্বনিত হাধিবাব কি
ক্ষা কবিবাব ক্ষমতাব কথা।

গবর্ধমেন্ট কোন সময়ে নিয়ম ব্যতিরেকে কিম্বা ঐ ব্যক্তি
যে নিয়ম গ্রাহ্য করে এমত নিয়ম করিয়া সেই দণ্ডাজ্ঞা
সাধন স্থানিত করিতে কি তৎপ্রতি যে দণ্ডের আজ্ঞা হয়
সেই সম্পূর্ণ দণ্ড বা ভাহার এক অংশ ক্ষমা করিতে
পারিবেন।

- (২) মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহে-বের অথবা স্থানীয় গবর্ণমেন্টের নিকটে দণ্ড স্থগিত কি ক্ষমা করিবার নিমিন্ত প্রার্থনা করা গেলে, যে আদালতের সমুখে অপরাধ নির্ণয় হয় কিন্তা যে আদালত কর্তৃক ঐ অপরাধ নির্ণয় দৃঢ় করা ধায় মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কি, স্থলবিশেষ, স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সেই আদালতের কর্তৃপক্ষকে উক্ত প্রার্থনা প্রাহ্য করা উচিত কি না এই বিষয়ে আপনার মত ঐ ম'তের গেং ক্রেডু থাকে ভাহা লিখিয়া পাঠাইবার আদেশ করিতে পারিবেন।
- (৩) যে কোন নিয়মে কোন দণ্ড স্থগিত বা ক্ষমা করা যায় মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্গর জ্ঞেনরল সাহে-কের কিন্তা স্থলবিশেষে স্থানীয় গবর্গমেন্টের বিবেচনায় সেই নিয়ম পালিত হয় নাই বোধ হইলে, মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্গর জ্ঞেনরল সাহেব কিন্তা স্থানীয় গবর্গমেন্ট সেই স্থগিত করণ কি ক্ষমা রহিত করিতে পারিবেন। তাহা হইলে যে ব্যক্তির অনুকূলে দণ্ড

স্থগিত হইয়াছে বা ক্ষমা করা গিয়াছে, সেই ব্যক্তি মুক্ত থাকিলে কোন পোলীল কর্মচারী ভাহাকে ওয়ারন্ট বিনা ধরিতে পারিবেন এবং দণ্ডের অবশিষ্ট অংশ ভোগ করি-বার জন্য ভাহাকে ফিরিয়া পাঠান যাইতে পারিবে।

- (৪) এই ধারামতে যে নিয়মে দণ্ড স্থগিত কি ক্ষমা করা যায়, সেই নিয়ম যে বাজির অলুকুলে দণ্ড স্থগিত কি ক্ষমা করা হয়, সেই ব্যক্তি কর্তৃক পালনীয় নিয়ম হইতে পারিবে, অথবা তাহার ইচ্ছাধীন নহে এরপ নিয়ম হইতে পারিবে।
- (৫) শ্রীশ্রীমতী মহারাণীর ক্ষমা করিবার কি দণ্ড গোণ কি স্থগিত করিবার কিম্বা দণ্ড হইতে মুক্ত করিবার থে অধিকার আছে, এই ধারার কোন কথাক্রমে তাহার ব্যাঘাত হইল এমন জ্ঞান করিতে হইবেনা।
- (৬) মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব ও স্থানীয় গবর্ণমেন্ট সাধারণ বিধি বা বিশেষ আজ্ঞা-ক্রমে দণ্ডাজ্ঞা স্থগিত করণ সম্বন্ধে ও যে সকল নিয়মে দরখাস্ত দিতে হইবে ও তাহা লইয়া কার্য্য হইবে তৎ-সম্বন্ধে আদেশ প্রদান করিতে পারিবেন।

৪০২ ধারা। কোন ব্যক্তির নিম্নলিখিত কোন দণ্ডের
আজ্ঞা হইলে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত
দণ্ড পরিবর্তন করিবার
ক্ষমতার কথা।
কিন্তা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ঐ
ব্যক্তির সম্মতির অপেক্ষা না করিয়া কোন দণ্ডের পরিবর্ত্তে তৎপশ্চাত্বলিখিত অন্য কোন দণ্ডের আজ্ঞা
করিতে পারিবেন।

প্রাণদণ্ড, দ্বাপান্তর প্রেরণ দণ্ড, দণ্ডরূপ পরিপ্রাম. ঐ ব্যক্তির যত কারাদণ্ড হইতে পারিত তাহার অনধিক কালের কাঠোর কারাদণ্ড, এরূপ কালের নিমিন্ত সামান্য কারাদণ্ড, অর্থদণ্ড।

#### ৩০ ত্রিংশ অধ্যায়।

পূর্ব নির্দোষ নিরূপণ কি অপরাধ নির্ণয়
বিষয়ক বিধি ৷

৪০৩ ধারা। (১) কোন অপরাধের নিমিত্তে উপ-

যে ব্যক্তি একবাব অপরাধী কি নির্দ্দেখী বলিয়া নির্ণয চইল তাহার দেই অপবাধে পুনধায় বিচাব না হইবাব কথা।

যুক্ত ক্ষমতাপন্ধ আদালত কর্তৃক কোন ব্যক্তির একবার বিচার হইয়া তাহার সেই অপরাধ নির্ণয় হইলে কিম্বা তাহাকে নির্দোষী করা গেলে, যত কাল সেই অপরাধ নির্ণয়ের কিম্বা

নির্দোষ করণের আজ্ঞা প্রবল পাকে, তত কাল সেই
অপরাধহেতুক, কিয়া ২৩৬ ধারামতে তাহার নামে সেই
রক্তান্তমূলক অন্য যে অপরাধের অভিযোগ হইতে
পারিত কিয়া ২৩৭ ধারামতে তাহার যে অপরাধ নির্দ হইতে পারিত, এমত অন্য কোন অপরাধহেতুক তাহার
পুনর্ধিচার হইতে পারিবে না।

- (২) কোন ব্যক্তির কোন অপরাধ নির্ণয় ছইলে কিছা তাহাকে নির্দোষী করা গেলে, পর, যদি সেই বিচারকালে ২৩৫ ধারার ১ প্রকরণমতে তাহার নামে কোন অপরাধহেতুক স্বতন্ত্র অভিযোগ হইতে পারিত, তবে পশ্চাৎ দেই অপরাধের নিমিত্ত তাহার বিচার হইতে পারিবে।
  - (৩) কোন ক্রিয়া সম্পর্কে ষে অপরাধ হয় কোন ব্যক্তির সেই অপরাধ নির্ব্য হইলে, সেই ক্রিয়া হইতে যে ফল উৎপন্ন হয় যদি ঐ ক্রিয়া সহযোগে সেই ফলটি ঐ অপরাধ হইতে ভিন্ন অপরাধ হয়, তবে যে সময়ে ভাহার অপরাধ নির্ব্য হইল সেই সময়ে সে ফল না হইয়া থাকিলে, কিন্বা হইলেও আদালত ভাহা অবগত না থাকিলে, শেষোক্ত অপরাধহেতুক সেই ব্যক্তির পশ্চাৎ বিচার হইতে পারিবে।
  - (৪) কোন ক্রিয়ামূলক কোন অপরাথে কোন ব্যক্তিকে নির্দোষ করা গেলে কিয়া তাহার অপরাথ নির্ণয় হইলে পর যদি ঐ ব্যক্তি সেই ক্রিয়ামূলক অন্য কোন অপরাথ করিয়া থাকে ও যে আদালত প্রথমে ভাহার বিচার করিয়া ছিলেন পশ্চাৎ ঐ ব্যক্তির সেই অন্য অপরাধের অভিযোগে সেই আদালত ভাহার বিচার করিতে সক্ষম না হন তবে পূর্কে নির্দোষী করা গেলেও কি অপরাধ নির্ণয় হইলেও সেই অন্য অপরাধহেতৃক পশ্চাৎ ভাহার নামে অভিযোগ ও ভাহার বিচার হইতে পারিবে।
  - (৫) এই ধারার কোন কথা ক্রমে সাধারণ ধারা বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের ২৬ ধারার কিম্বা এই আইনের ১৮৮ ধারার বিধানের ব্যাঘাত হইবে না।

ব্যাখ্যা।—নালিশ ডিসমিস করা গেলে, কিম্বা ২৪৯ ধারামতে কার্য্যান্ত্র্যান স্থগিত করা গেলে, কিম্বা অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাডিয়া দেওয়া গেলে কিম্বা ২৭৩ ধারামতে অভিযোগপত্রে কোন কথা লেখা গেলে, তাহা এই ধারার অভিপ্রায়ান্ত্র্যায়ী নির্দোষ করণ হয় না।

#### উদাহরণ।

- (ক) আনন্দ চাকর হইয়া চুরি করিয়াছে এই অভিযোগে বিচার হইয়া ভাহাকে নির্দোষ করা গেল। ভাহা হইলে ঐ নির্দোষ করণের আজ্ঞা প্রবল থাকিতে আনন্দের নামে সেই রক্তান্ত ধরিয়া চাকর স্বরূপ চুরি করিবার কি অপরাধভাবে বিশ্বাসঘাতকতা করিবার জন্য অভিযোগ হইতে পারিবে না।
- (খ) বধকরণাভিযোগে আনন্দের বিচার হইয়া ভাষাকে নির্দ্ধোষ করা গেল। তৎকালে দস্যভার অভিযোগ হয় নাই কিন্তু যে সময়ে বধ করা হয় সেই সময়ে আনন্দ দস্যভাও করিয়াছিল রভান্তবারা ইহা দৃষ্ট হইলে, তৎপশ্যাৎ ভায়ার নামে দস্যভা করণাপ-রাধের অভিযোগ ও সেই অভিযোগমতে ভায়ার বিচার হইতে পারিবে।

- (গ) শুরুতর পীড়া জন্মাইবার অভিযোগে আনন্দের বিচার হইয়া তাহার অপারাধ নির্ন্ন হইল। যে ব্যক্তি পীড়া পায় পশ্চাৎ সেই ব্যক্তির মৃত্যু হইলে অপারাধ-. ঘটিত নরহত্যার নালিশে আনন্দের আবার বিচার হইতে পারিবে।
- (ঘ) বলরামকে দোষঘটিত নরহত্যা করণাপারাধে আনন্দের নামে দেশন আদালতে অভিযোগ হইয়া ঐ অপরাধ নির্ণয় হইল। তৎপরে সেই র্ভান্ত ধরিয়া বলরামকে বধ করণাভিযোগে তাহার বিচার হইতে পারেবে না।
- (ঙ) আনন্দ ইচ্ছাপুর্বক বলরামের পীড়া জন্মা-ইয়াছে বলিয়া প্রথম প্রেণীর মাজিইটে তাহার নামে অভিযোগ করিয়া তাহার অপরাধ নির্ম করিলেন। তৎপরে সেই র্ভান্ত ধরিয়া এই ধারার ৩ প্রকর্ণাম্-যায়া মোকদ্মা না হইলে, ইচ্ছাপুর্বক বলরামের গুরুতর পীড়া জন্মাইবার নিমিত্তে আনন্দের পুনশ্চ বিচার হইতে পারিবে না।
- (চ) আনন্দ বলরামের গাত্র হইতে দ্রব্য চুরি করে বলিয়া দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিস্টেট তাহার নামে অভি-যোগ করিয়া তাহার অপরাধ নির্ণয় করিলেন। সেই রভান্ত ধরিয়া আনন্দের নামে পুনশ্চ দহ্যতা করণের অভিযোগ হইয়া তাহার বিচার হইতে পারিবে।
- ছে) আনন্দ বলরাম ও চন্দ্র দিননাথের উপর দক্ষ্যতা করিয়াছে বলিয়া প্রথম শ্রেণীর মাজিষ্টেট তাহাদের নামে অভিযোগ করিয়া তাহাদের অপরাধ নির্ণয় করিলেন। তৎপরে দেই রক্তান্ত ধরিয়া আন-ন্দের ও বলরামের ও চন্দ্রের নামে ডাকাইতা করিবার অভিযোগ হইয়া তাহার বিচার হইতে পারিবে।
- (জ) একই রভান্ত ধরিয়া ঘুইটি বিভিন্ন অপরাধে আনন্দের নামে অভিযোগ হইয়া তাহার একটি অপ-রাধ নির্বয় হয় ও অপর অপরাধে তাহাকে নির্দোষ করা যায়। যে অপরাধে তাহাকে নির্দোষ করা হইয়াছে আপীল আদালত তাহার সেই অপরাধ নির্বয় করিতে পারিবেন এবং তাহার যে অপরাধ নির্বয় হইয়াছে সেই অপরাধে তাহাকে নির্দোষ করিতে পারিবেন।

## मुख्य थु ।

আপীল ও অর্পণ ও সংশোধন করণের বিধি।

৩১ একত্রিংশ অধ্যায়।

### আপীদের বিধি।

৪০৪ ধারা। এই আইনমতে কিম্বা অন্য যে আইন

থংকালে চলিত থাকে সেই

প্রকানান্তবেদ বিধান না আইন মতে আপীল করিবার
থাকিলে আণীল না হটবার কবা:

আদালতের কোন নিম্পান্তির
কি মাজ্ঞার উপর আপীল হইবে না।

প্রতি ধার্মা। সম্পান্ত রা জাহার বিক্রমোৎপান্ধ টাকা
পাইবার শিমিত কোন ব্যক্তির
নাইবার প্রার্থনাপত্র অঞ্চর
কবিবার আজার উপব
আপীলের কথা।
আপীল,হয় প্রার্ভিক সেই আদালতের দাপাল করিতে
পারিবেন।

৪০৬ ধারা। জিলার মাজিক্টেট কি প্রেসিডেন্সী
মাজিক্টেট ভিন্ন অন্য কোন
অ্লাচরণেশ্জামিন দিরার মাজিক্টেট কোন ব্যক্তিকে ১১৮
আঞ্চার উপ্রব আশীল
ধারামতে সদাচরণ করিবার
জ্জামিন দিতে বা শোলাদের

জন্মবধানাখানে স্থাপিত হইতে আজ্ঞা করিলে সে ক্ষেত্রার আজিফ্রেট লাহেবের নিকট আপীল করিতে পারিবে।

৪০৭ ধারা। (১) দ্বিতীয় বা তৃতীয় শ্রেণীর কোন

শাজিফ্টেটের বিচারক্রমে কোন

শিতীয় কি তৃতীয়শ্রেণীব ব্যক্তির অপারাধ নির্ণয় হইলে
ক্যালিটেটের দশুজাবাউশর কিন্তা ৩৪৯ ধারামতে দিতীয়

শ্রেণীর মহকুমার মাজিফ্টেটের
দ্বারা কোম ব্যক্তির দণ্ডের আজ্ঞা হইলে, দেই ব্যক্তি
ক্যালিবেন।

(২) জিলার মাজিফ্রেট এই ধারামত কোন আপীল ক্লি কোন ভোণীর আশীল প্রথম জ্বেণীয় মান্সিট্রে-আপনার অধীন যে কোন প্রথম টের প্রতি কাদীল হস্তান্তব শ্রেণীর মাজিক্টেট স্থানীয় গবর্ণ-ক্ৰিয়া দিবার-ক্রা। মেন্ট হইতে ভদ্ৰপ আপীল ভনিবার ক্ষমতা পাইয়াছেন সেই মাজিফ্রেট ভনিবেন বলিয়া আজ্ঞা করিছে পারিবেন। ভাহা হইলে উক্ত আপাল বা উক্ত শ্রেণীর আপীল ঐ অধান মাজি-ফ্রেটের'নিকট উপস্থিত করিতে হইরে, কিম্বা জিলার মাজিফেট সাহেবের নিকট পুর্বে উপস্থিত করা গিয়া ধাকিলে, উক্ত অধীন মাজিফ্রেটের প্রতি হস্তান্তর করিয়া দেওয়া হইবে। ঐব্ধপে যে কোন আপীল বা যে কোন শ্রেণীর শাপাল উপস্থিত করা বা হস্তা-স্তর করিয়া দেওয়া যায় জিলার মাজিফ্রেট সাহেব ভজাপ কোম মাজিফ্টেটের নিকট হইতে তাহা উঠাইয়া লইতে পারিবেন।

৪০০ ধারা। কোন ব্যক্তি আদিষ্টান্ট সেশন জজের বা জিলার মাজিফ্টেট সাহেরের আদিষ্টান্ট দেশন দল রা প্রথম শ্রেণীর আন্য মাজি-রা প্রথম শ্রেণীর আন্য মাজি-টের আন্তার উপর আগোঁ-লেব কথা।
তিব ক্রিণার আর্থন শ্রেণীর মাজিফ্টেটের দ্বারা ৩৪৯ থারা-

মতে কোম ব্যক্তির দণ্ডের আজ্ঞা হইলে, সেই ব্যক্তি দেশন আদালতে আপীল করিতে পারিবেন। কি স্কু (ক) থকান মোকস্মনায় 'আ লিউনিট সৈশন
জজ বা জিলার মাজিউটে সাহেব । যে 'দিশুর আছা
করেন :তাহা সেনান 'স্ফাদালতের দৃঢ় করেন আপেশিক
থাকিলে ঐরপ প্রত্যেক মোকস্মার আপীল হাই কোটেট
হইবে; কিন্তু যাবৎ সেশন আদালত মোকস্মার নিশান্তি
না করেন তাবৎ উপস্থিত করা যাইবে না ।

(খ) ডদ্রপে কোন ইউরোপীয় রুটিষ প্রজার অপরাধ নির্বয় হইলে সেই ব্যক্তি স্বেচ্ছাক্রমে সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে আপীল করিতে পারিবেন।

৪০৯ ধারা। সেশন আদাসতে কিয়া সেশন জজ সাহেবের নিকটে যে আপীল করা যায় তাহা সেশন জজ সাহেব কি আডিশনল সেশন জজ সাহেব শুনিবেন।

8১০ ধারা। সেশন জজ সাহেবের কিম্না আডিসেশন ক্ষাদালতের দণ্ড:ত্তাব উপর আপীলের কথা।
নির্ম হইলে সে হাই কোর্টে
আপীল করিতে পারিবে।

855 ধারা প্রেসিডেন্সী মাজিফ্টেটের বিচারমতে কোন ব্যক্তির অপারাধ নির্ণয় প্রেসিডেন্সী মালিট্টেটেব হুইয়া ছয় মাসের অধিক দণ্ডাজ্ঞার উপৰ আপীলেব ক্ষানাদণ্ডের কিয়া তুইশত টাকার অধিক অর্থদণ্ডের স্মাজ্ঞা স্ইন্দে

ঐ ব্যক্তি হাই কোটে আপাল করিতে পারিবে।

হইতে পারিবে নতুবা ভাপীল নাই।

85২ ধারা। পুর্বে ভাবান্তরের কথা থাকিলেও অভিহ্ক ব্যক্তি লোহ খীকার করিলে কোনং ছলে আপীল না হইবার কথা।

সারে সেশন আদালত কি কোন মাজিস্টেট তাহার অপারাধ নির্দ্ধ করেন সেই স্থলে ঐ দণ্ডাজ্ঞার পরিমাণ কিছা ঐ দণ্ডাজ্ঞা আইন সিদ্ধ কি না এই২ বিষয় লইয়া অপীল

৪১০ ধারা। পুর্বে ভাষান্তরের কথা থাকিলেও,
ক্ষং মোক্দমায় আপীল
না হইবাব কথা।

শৌজিকেট সাহেব বা প্রথম
শৌজিকেট সাহেব বা প্রথম
শৌকদ্দমায় কেবল এক মাসের অন্ধিক কারাদভের কি
কেবল পঞ্চাশ টাকার অন্ধিক অর্থদভের কি কেবল
কশাখাভ দভের আজ্ঞা করেন, সেই মোক্দমায় আপীল
মাই ব

ব্যাখ্যা।— মূলদণ্ডের মধ্যে কারাদণ্ডের আজা না হইয়া যদি উক্ত আদালত, কি মাজিক্টেট আশ্দণ্ডের টাকা না দেওয়া প্রযুক্ত কারাদণ্ডের জাজা করেন, তবে তাহার উপর আপীল নাই। ৪১ ব ধারা। পূর্ব্ধে ভাবাস্তরের কথা থাকিলেও,

সরাসবীষতে অপরাধ কোন মাজিক্টেট ২৬ পরামতে
নির্পর হইলে কোনং ক্রে কার্য্য করিবার ক্ষমতাপদ্ম হইয়া
তাহার উপর আপীল না সরাসরীমতে যে কোন মোকহর্ষরার কথা। ক্ষমার বিচার করিয়া কেবল
ভিম মাসের অমন্তিক কারাদণ্ডের কিল্বা কেবল ২০০)
টাকার অন্তিক অর্থদণ্ডের কিল্বা কেবল কলাঘাত দণ্ডের
ভাজার অন্তিক সেই আজ্ঞার উপর অন্ত্রীল নাই।

৪১৫ ধারা। ৪১৩ কি ৪১৪ ধারার উলিখিত কোন
দণ্ডের স্মাজ্ঞা দারা এই ধারার
৮১০ ও ৪১৪ ধারার
উলিখিত কোন হই কি তদধিক
নিয়মানাধর ক্যা।
দণ্ড সংযোগ করা গেলে তাহার
উপর আপীল হইতে পারিবে; কিন্তু যে দণ্ডাজ্ঞার
বিশ্বদ্ধে প্রকারান্তরে আপীল হইতে পারিত না, যে
ব্যক্তির অপরাধ নির্ভর হইয়াছে তাহার প্রতি স্মান্তিক
না করিবার জ্ঞামিন দ্বার আজ্ঞা হইয়াছে বলিয়া সেই
দণ্ডাজ্ঞার বিশ্বদ্ধে আপীল হইতে পারিবে না।

ব্যাখ্যা। — অর্থদণ্ড না দেওয়াতে যে কারাদণ্ডের আজ্ঞা হয় তাহা এই ধারার অভিপ্রায়ান্থায়ী ত্ই কি তদধিক দণ্ড সংযোগ করিবার দণ্ডাজ্ঞা নছে।

836 ধারা। ৩৩ অধ্যায়মতে ইউরোপীয় রটিষ
প্রজাদের যে দণ্ডের আজ্ঞা হয়
উউনোপীয় রটিষ প্রজা
দেব দণ্ডের অজ্ঞা বজ্জিত
ইইবাব কবা।

ইবাব কবা।

৪১৭ ধারা। হাই কোট ভিন্ন অন্য কোন আদালভ কর্তৃক কোন ব্যক্তিকে নির্দোষ করণের আজ্ঞার উপর গার্লমেন্ট্র পালে করিবে আদিন কি আপীলী আজ্ঞা হইলে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট্র রাজ্ঞকীয় অভিযোক্তার প্রতি প্রাজ্ঞার উপর হাই কোর্টে আপীল উপস্থি ১ করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

8 ১৮ ধারা। আইনঘটিত বিষয় ধরিয়া যেমন
আপীল চইতে পারে, রভান্ত
কেন্ বিষয়ে অগৌল
বাহা কইতে পাবিষে ভাহাব
কথা।
আপীল চইতে পারিবে। কিন্তু
জুরির সহযোগে বিচার হইলে

ক্ষেত্রল সাইন বটিত বিষয় ধরিয়া আপীল গ্রাহ্য হইতে পারিবে।

ব্যাখা। — দণ্ডাজ্ঞার কঠোরতার কথা এই ধারার কার্য্যপক্ষে আইনঘটিত বিষয় বলিয়া গণ্য হইবে।

৪১৯ ধরা। লিখিত দরখান্ত দিয়া আপেলান্ট বা তাঁহার উকীল আপীল উপ-ভূপানিব দ্বধান্তের ছিত করিবেন এবং যে আদা-ক্ষা। লভে উপন্থিত ক্রা যায় সেই আদালত প্রকারান্তরের আজ্ঞা না করিলে তক্রপ আপী-লের যে প্রত্যেক দরখান্ত দেওয়া যায় যে নিম্পত্তির কি আজ্ঞার উপর অপীল হয় তাহার নকল ও ছ্রির বিচারিত মোকদ্বমা হইলে ৩৬৭ ধারামত উপদেশ বাক্যের যে মূল কথা লেখা যায় তাহার নকলও সেই দরখান্ডের সজে দিতে ছঁইবে।

8২০ ধারা। আপেলান্ট কারাবদ্ধ থাকিলে, সে
আপীলের দরখান্ত ও ভাহার \*
আপোলান্ট কাবাবদ্ধ সহিত যে২ নকল দিতে হয়
গানিলে কার্য্যঞ্জালীর কথা।
সেই২ নকল জেলের অধ্যক্ষকে
দিতে পারিবে। তিনি তাহা পাইলে উপযুক্ত আপাল

আদালতে সেই দরখান্ত ও নকল পাঠাইবেন।

8২১ খারা। (১) আপীল আদালত ৪১৯ কি ৪২০

ধারামত দরখান্ত ও নকল

আণাল স্বাদ্রীমতে পাইলে পর ভালা পাঠ করিয়া

তথ্য প্রবাধ ক্ষমতাব

হস্তক্ষেপ করিবার উপযুক্ত

কারণ নাই জ্ঞান করিলে

সরাসার্যতে আপীল ডিসার্য্যন্ করিতে পারিবেন।
কিন্তু আপীলের পোষকভার আপোলান্টের কিছা
তাঁহার উকীলের কথা শুনিবার যুক্তিসলত সময় না
দিয়া ৪১০ ধারামতে উপস্থিত কর। কোন আপীল
ডিসমিস করা যাইবে না।

(२) এই ধারামতে আপীল ডিসমিস ক্রিবার পুর্বে আদালত মোকদ্দমার কাগজ্ঞপত্র আনাইতে পারিবেন কিন্তু আনাইতেই যে হইবে এমত নয়।

৪২০ ধারা। আপাল আদান্ত সরাসরামতে আপীল ভানিবার নোটিব আপোলীকে বা তাঁহার উক লকে ও এতদর্থে স্থানীয় গবর্গনৈট যে কর্মচারী নিযুক্ত করেন তাঁহাকে সেই আপীল ভানিবার দিনের ও স্থানের নোটিস দেওয়াইবিন ও এ কর্মচারির প্রার্থনামতে তাঁহাকে আপোলের হেতৃবাদের এক কেভা নক্স দিবেন।

এবং ৪১৭ ধারামত আপীল হইলে আপীল আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকেও তদ্রপ নোটিস দেওয়াইবেন।

৪২৩ ধারা। (১) ঐ মোকদ্দমা ঘটিত কাগজপত্র আপীল লইয়া আপীল আদালত কি কবিতে পারি বেন তাগার কথা।

পাঠ করিলে পর. ও আপে-লাট কি তাঁহার উকাল উপস্থিত থাকিলে তাঁহার কথা শুনিলে পর, ও রাজকীয় অভি-যোক্তাও উপস্থিত থাকিলে তাঁহার কথা শুনিলে পর, এবং ৪ ৭ ধারামতে আপীল হইলে ও অভিযুক্ত ব্যক্তি উপস্থিত থাকিলে তাহার কথা শুনিলে পর হস্তক্ষেপ করিবার উপযুক্ত কারণ নাই এরপ বিবেচনা করিলে আপীল অগ্রাহ্য কবিতে পারিবেন. কিয়া

(ক) নির্দ্ধোষ নির্ধারর আন্তার উপর আপীস হছলে উক্ত আজ্ঞা অন্যথা ক্রিয়া আরো তদভের কিছা শুল বিশেষে অভিযুক্ত ব্যক্তির পুনব্বিচার কি বিচারার্ধে সম-পূল হইবার আদেশ করিন্ডে পারিবেন অগবা ভাহাকে দোষী সাব্যস্ত করিয়া ভাহার উপর আইনমত দণ্ডাজ্ঞা করিভে পারিবেন।

- (খ) অপরাধ নির্ণয়ের আপীল হইলে. (১) উক্ত অপরাধ নির্ণয় ও দণ্ডাজ্ঞা অন্যথা করিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দোষী করিতে বা ছাড়িয়া দিতে অথবা ঐ আপীল আদা-লতের অধীন উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন কোন আদালতের দারা তাহার পুনর্বিচার বা বিচারার্থে সমর্পণ হইবার আদেশ দিতে পারিবেন, অথবা (২) দণ্ডাক্ডা স্থিরতর রাখিয়া সেই নিণয় পরির্তন করিতে কিম্বা নির্ণয় পরিবর্তন করিয়া কি না করিয়া যে দণ্ডের আজা হইয়াছে ভাহা কম করিতে পারিবেন, অথবা (৩) ভদ্রপ কম করিয়া কি না করিয়া ও নির্ণয় পরিবর্তন করিয়া কি না করিয়া যে দভের আজা হইয়াছে তাহার ভাব পরিবর্ত্তন করিতে পারিবেন কিন্তু এরূপে করিতে হইবে যেন তাহার রন্ধি না হয়।
- (গ) অন্য কোন আজ্ঞার উপর আপীল হইলে ঐ ভাজ্ঞা পরিবর্ত্তন কি অন্যথা করিতে পারিবেন।
- (ঘ) ফলস্বরূপ বা আহ্বাঙ্গক যে কোন সাজ্ঞা ন্যাথ্য বা উপযুক্ত হয় তাহা করিতে পারিবেন।
- (২) জ্বজ্জ সাহেবের উপদেশের দোষে কিশ্বা তিনি
  যে ব্যবস্থা নির্দেশ করেন জ্বরি তাহা বৃথিতে না পারায়
  জ্বরের মীমাংসায় ভ্রম হইয়াছে, এরপ বিবেচনা না
  করিলে উক্ত আদালত যে জ্বির মীমাংসা পরিবর্তন কি
  অনাধা করিতে পারিবেন এই ধারার কোন কথায় ঐ আদা
  লতের প্রতি এমন কোন ক্ষমতা দেওয়া যাইতেছে না।
  ৪২৪ ধারা। আদে বিচারাধিকারবিশিষ্ট ফোজদারী আদালতের নিশান্তি
  নশ্ব আপীল আদালতের নিশান্তি
  সম্বন্ধে ২৬ অধ্যায়ে যে যে
  নিশান্তিব কথা।

বিধি আছে তাহা যতদুর হইতে পারে হাই কোর্ট ভিন্ন অন্য আপীল আদালতের নিপ্প-ভিন্ন প্রতি বর্তিবে।

কিন্তু আপীল আদালত প্রকারান্তরের আজ্ঞা না করিলে, যে নিপাত্তি প্রচার করা যায় তাহা শুনিবার নিমিত্ত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে আনা বা উপস্থিত হইবার আদেশ করা যাইবে না।

৪২৫ ধারা। (১) আপীল হওয়াতে হাই কোর্ট এই অধ্যায়মতে কোন মোক-হাই কোর্টে আণীল দ্দমার নিষ্পত্তি করিলে, যাহার ক্ষমে বে আজা কবা যায়. বিক্লমে আপীল হয় সেই নির্বয়, ভাহা অধ্যক্ষ আদালতে ভাত কবাইবার কথা।

দেখা বা করা গিয়াছিল এ হাই
কোর্ট সেই আদালতে সার্টিফিকেট ছারা আপন নিষ্পত্তি কি আজ্ঞা জানাইবেন। যদি জিলার মাজিষ্টেট ভিন্ন অন্য মাজিষ্টেট কর্তৃক ঐ নির্ণয়, দণ্ডাজ্ঞা বা আজ্ঞা দেখা বা করা যায়, জিলার মাজিষ্টেট দ্বারা ঐ সার্টিফিকেট পাঠাইতে হইবে।

(২) হাই কোর্ট সার্টিফিকেট ছারা যে আদালতের নিকট আপন নিশান্তি বা আজ্ঞা জ্ঞাভ করেন সেই আদালত হাই কোর্টের নিশান্তির কি আজ্ঞার অমুযায়ী আজ্ঞা করিবেন। আবশ্যক হইলে কাপ্তজ্পত্রও তদমুশারে সংশোধন করা যাইবে।

৪২৬ ধারা। (১) যাহার অপারাধ নির্নয় হয় দণ্ডাআণীল উপস্থিত গানিতে
দণ্ডাক্তা স্থানত কবিবার
কগা।

হাজিবলামিন দিলে
আলোলত কবিবার
কথা।

যত দিন উপস্থিত থাকে আপীল
বালেলাতকৈ মৃক্ত কবিবার
কথা।

যামী কার্য্য না হইবার আদেশ
করিতে পারিবেন: ও আপোলাক কারাবদ্ধ থাকিলে
হাজিরজামিন বা নিজ্ঞ তাহার নিবন্ধপাত্র লইয়া
তাহাকে মুক্ত করিবার অভ্ঞা দিতে পারিবেন।

- (২) এই ধারায় আপীল আদালতের প্রতি যে ক্ষমতা প্রদত্ত হইল অপারাধের নির্ণয় হইলে কোন ব্যক্তি হাই কোটের অধীন কোন আদালতে আপীল করিলে, হাই কোটও সেই ক্ষমতা অহুসারে কার্য্য করিতে পারিবেন।
- (৬) শেষে আপেলান্টের কারাদণ্ডের, দণ্ডরূপ পরি-ভামের বা দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের আজ্ঞা হইলে, সে উক্ত প্রকারে যত দিন মুক্ত ছিল দণ্ডের মিয়াদ নিরূপণ কালে সেই সকল দিন ধ্রিতে হইবে না।

৪২৭ ধারা। ৪১৭ ধারামতে আপীল উপস্থিত করা
গেলে হাই কোট অভিযুক্ত
ানকোষ কবণের উপব ব্যক্তিকে ধরিয়া আপানার বা
আপীল সংলে আভযুক্ত
ব্যাক্তকে গ্রত করবা।
কথা।
সমুখে আনাইবার ওয়ারন্ট
দিতে পারিখেন ও যে আদা-

লতের সমুখে তাহাকে আনা যায় সেই আদালত আপীলী মোকদ্দমার নিষ্পত্তি না হওন পর্যান্ত তাহাকে কারাগারে অর্পণ করিতে পারিবেন কিয়া তাহার হাজির-জামিন লইবার অন্ন্যতি দিতে পারিবেন।

৪২৮ ধারা। (১) এই অধ্যায়মত আপীল সংক্রান্ত আধিক প্রমাণ লইতে কি লইবার আজা কবিতে আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া আদালত অধিক প্রমাণ লওয়া আদালত বাধ করিবার হেডু লিপিবদ্ধ করিবার হেডু লিপিবদ্ধ করিবার বেছু লিপিবদ্ধ করিবার এবং, আপান সেই প্রমাণ লইতে পারিবেন, কিম্বা কোন মাজিক্টেটের দ্বারা অথবা আপাল আদালত হাই কোট ছইলে কোন সেশন আদালতের বা মাজিক্টেটের দ্বারা তাহা লইবার আজা করিতে পারিবেন।

- (२) ° উক্ত সেশন আদানত বা মাজিফেট সেই অধিক প্রমাণ লইলে আপীন আদানতের নিকট সার্টি-কিকেট সহিত সেই প্রমাণ পাঠাইবেন, ও উক্ত আদা-লভ তদমুসারে আপীন নিপজি করিতে প্রবৃত্ত হইবেন।
- (৩) আপীল আদালত অন্যরূপ আদেশ না করিলে ঐ অধিক প্রমাণ লওনের সময়ে অভিযুক্ত ব্যক্তি কিন্তা তাঁহার উকীল উপস্থিত থাকিবেন। কিন্তু উদ্রূপ প্রমাণ জ্বির কি আসেসরদের সাক্ষাতে লওয়া যাইবে না।
- (৪) এই ধারামতে প্রমাণ লওয়া তদস্তের ন্যায় ২৫ অধ্যায়ের বিধানের অধীন হইবে।

৪২৯ ধারা। যে জজ সংহেবেরা আপীল আদালতআপীল আদালতেব
ক্ষমণ অধিবিট হন, তাঁহাদের
যত জনের একমত হয় ততহুই ততভানের জিল্ল মত জানের ভিল্ল মত ছুইলে, ঐ
হুইনে কার্যপ্রশালীব ক্যা। মোকদ্দমা তাঁহাদের মতসহ
ঐ আদালতের অন্য জাজের সমুখে উপস্থিত করা
যাইবে। ভিনি যজ্ঞা (যদি কোন) পরীক্ষা লওয়া ও
ভানা উচিত বোধ করেন তত্রপা পরীক্ষা লইয়া ও
ভানিয়া আপনার মত প্রকাশ করিবেন ও সেই মতাহ-

৪৩০ ধারা। ৪১৭ ধারার ও ৩২ অধ্যায়ের বিধানের স্থল ভিন্ন অন্য সকল স্থলে আপীল হইয়াযে আজা আপীল আদালত আপীলক্রমে হয় তাহা চুডান্ত হইবাব কথা। তাহা চুড়ান্ত হইবে।

সারে নিশক্তি কি আজ্ঞা হইবে।

৪৩১ ধরা। ৪১৭ ধরামতে অপীলের মোকদ্দমার অভিযুক্ত ব্যক্তির মৃত্যু হইলে আপীল উটিম। মাইবাব এবং এই অধ্যায়মত অন্য কথা। আপীলে আপীলাক্টের মৃত্যু হইলে আপীল একবারে উঠিয়া ঘাইবে।

#### ৩২ দাত্রিংশ অধ্যায়।

#### প্রশার্পণের ও সংশোধনের বিধি।

৪৩২ ধারা। কোন মোকদ্দমা শ্রবণ কালে আইন-কোন প্ৰশ্ন ঘচিত উঠিয়া প্রেসিভেনী মার্কিট্রেটর প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট উচিত হাই কোটে প্রশ্নার্পণ কবি-ৰোধ করিলে হাই কোটের ৰাব কথা। মত জানিবার জন্যে ঐ প্রশ্ন হাই কোর্টে প্রেরণ করিছে পারিবেন কিন্ধা সেই প্রশ্ন বিষয়ে ছাই কোর্টের যে নিষ্পত্তি হয় তাহার অপেক্রা করিয়া তিনি দেই বিষয়ে আপনার বিচার জানাইতে পারিবেন ও হাই কোর্টের সেই নিস্পত্তির, অপেক্ষায় অভিযুক্ত ব্যক্তিকে কারাগারে পাঠাইতে পারিবেন, কিম্বা ভাহাকে ডাকা গেলে সে বিচার জানিবার জন্যে উপ-'ছিত হইবে এই নিয়মে হা**লি**রজামিন লইয়া তাহাকে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

৪৩৩ ধারা। (১) কোন প্রশ্ন পূর্ব্বোক্তগতে অর্পণ করা গেলে হাই কোর্ট তদ্বিষয়ে হাই কোর্টের নিশান্তি অথ্যাবে ঘোকদ্দমা নিশান্ত কাববার কথা।

পশ্ম অর্পণ করেন সেই নিশান্তির নকল তাঁহার নিকটে প্রেরণ করাইবেন ও তিনি সেই নিশান্তি অস্ক্রসারে মোকদ্দমার নিশান্তি করিবেন।

(২) সেই প্রশা অর্পণ করিবার খরচ কাহার দিছে থবচাবিষ্যক আজ্ঞাব **ছইবে হাই কোর্ট এই** ,বিষ্ণানের ক্থা।
আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

808 ধারা। (১) কোজদারী মে।কদমার আদে বিচার করিবার ক্ষমভাক্রমে গাই কোর্টেব আদে বিচারাধিশতাক্রমে কোন প্রশ্ন উপিত হইলে পদ্চাৎ বিবেচনার নিমন্ত ভাহা হাই কোর্টের কোন জজের রাধিবাব কথা।

সমুখে কোন ব্যক্তির বিচার হইয়া অপরাধ সপ্রমাণ হইলে

যদি তাহার বিচার কালে আইন্যটিত কোন প্রশ্ন উথিত হইয়া থাকে ও সেই প্রশ্নের যজ্ঞপ নির্ণয় হয় তদমুসারে মোকদ্দমার নিষ্পত্তির কলাকলের সন্তাবনা হয়, তবে সেই জজ সাহেব বিহিত বোধ করিলে হাই কোর্টের তুই কি তদ্ধিক জন জজের কোর্টের নিষ্পত্তির নিমিত্ত ঐ প্রশ্ন অর্পন করিতে পারিবেন।

(২) উক্ত জজ সাহেব তদ্রাপ কোন প্রশ্ন পশ্চাৎ
বিবেচনার নিমিত্ত রাখা
গেলে কাব্যপণালীব কথা।
ব্যক্তির অপরাধ প্রমাণ হইল
ঐ প্রশ্ন নিপত্তি হইবার অপেক্ষায় তাহাকে পুনশ্চ জেলে পাঠান যাইবে, কিন্তা জজ্ঞ
সাহেব উচিত বোধ করিলে তাহার হাজিরজামিন
লওয়া যাইতে পারিবে, এবং হাই কোর্ট সেই মোকদ্দমা
কিন্তা তাহার যে অংশ আবশ্যক তাহা পুনদ্ টি করিতে
ও সেই প্রশ্ন চূড়ান্তরূপে নিপাত্তি করিতে পারিবেন।
তাহা করিলে আদে যে আদালতের নিপাত্তি করিবার
ক্ষমতা আছে সেই আদালতের দণ্ডাজ্ঞা পরিবর্ত্তন করিতে
ও হাই কোর্ট যে নিপাত্তি ও দণ্ডাজ্ঞা উচিত বোধ করেন

৪৩৫ ধরা। (১) স্থীয় বিচারাধীন স্থানের কোন অধীন আদালতের কা-সম্পন আনাইবার ক্ষমতার কথা।

বিচারাধীন স্থানের কোন কোন আন্নন্ধীনিক কার্য্য করিয়া যে নির্বিয় কি দণ্ডের আজ্ঞা কি অন্য আজ্ঞা লিখেন কি করেন

তাছা করিতে পারিবেন।

তাহা যথার্থ ও আইন অম্যায়ী ও উপযুক্ত কি না ও সেই অধান আদালতের কোন আমুষ্টানিক কার্য্য বিধিমত হইয়াছে কি না, হাই কোর্ট কি কোন সেশন জজ কি জিলার মাজিউটে কিম্বা এতদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের হানে ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন মহকুমার মাজিউটে ইহা হ্রেষেধমতে জ্ঞাত হইবার অভিপ্রায়ে উক্ত আমুষ্টানিক কার্য্যের কাগজপত্র আনাইয়া দৃষ্টি করিতে পারিবেন।

- (২) কে,ন মহকুমার মাজিক্টেট (১) প্রকরণমভকার্য্য করিবার সময়ে যদি বিবেচনা করেন যে এরপ কোন নির্ণয়, দণ্ডাজ্ঞা বা আজ্ঞা আইনবিক্লন্ধ বা অমৃচিত হুইয়াছে কিছা আফুটানিক কার্য্য নির্মায়ত হয় নাই, তবে তিনি যে মন্তব্য লেখা উচিত জ্ঞান করেন তৎসহিত নথী জিলার মাজিক্টেট সাহেবের নিকট পাটাইবেন।
- (৩) ১৪৩ ও ১৪৪ ধারামতে যে যে আজ্ঞা করা যার ভাষা এবং ১৭৬ ধারামত আফুষ্ঠানিক কার্য্য এই ধারার ক্ষতিশারাম্ব্যারী আমুষ্ঠানিক কার্য্য নহে।
- (ধ) সেশন জজ.কিম্বা জিলার মাজিফেটের নিকট এই ধারামতে কোন দরখান্ত করা হইয়া ধ'কিলে তাঁহাদের জন্যতর ব্যক্তি জার কোন দরখান্ত গ্রাহ্য করিবেন না।

৪৩৬ ধারা। ৪৩৫ গারামতে বা প্রকারান্তরে
কোন যোকদ্দমার কাগজপত্ত সমর্পণ করিবাব আজা দিতে পারিবার কথা।

দিতে পারিবার কথা।

সাহেবের কি জিলার মাজিক্টেট

সাহেবের এমত জ্ঞান হয় যে উক্ত মোকদ্দমা কেবল সেশন জজের বিচার্য্য ও অধীন আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে অন্নচিত্তমতে ছাড়িয়া নিয়াছেন, তাহা হইলে দেই সেশন জজ কি জিলার মাজিফেট সাহেব ভাছাকে ধরাইয়া নৃতন তদন্ত লইবার আদেশ না দিয়া যে বিষয় ধরিয়া সেশন জজের কি জিলার মাজিফেট সাহেবের বিবেচনায় অভিযুক্ত ব্যক্তিকে অন্নচিতমতে ছাড়িয়া দেওয়া গিয়াছে সেই বিষয় ধরিয়া অভিযুক্ত ব্যক্তির বিচার।র্থে সমর্পণ হইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- কৈছে (ক) এরপন্ধলে আবশ্যক যে সমর্পণ করা কেন যাইবে না উক্ত জজ্জকে কি মাজিক্টেটকে ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত অভিবৃক্ত ব্যক্তিকে স্থযোগ দিতে হইবে ৷
- (খ) অভিযুক্ত ব্যক্তি অন্য কোন অপরাধ করিয়াছে ঐ জজ কি মাজি:ফ্রট সাংগবের নিবেচনা-মতে ইহা প্রমাণ দারা দৃষ্ট হইলে, ঐ জজ কি মাজিফ্রেট সাহেব ভাষীন আদাসতের প্রতি সেং অপরাধের তদন্ত সইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৪৩৭ ধারা। ২০৩ ধারামতে কোন নালিশ ডিসমিস
করা গেলে, কিন্তা ১৬৯ ধারাতদন্ত লইবর আজা
মতে কোন অভিযুক্ত ব্যক্তিকে
করি:ত পারিবাব কথা।
ভাতিয়া দেওয়া বা মুক্ত করা
গেলে, ৪৩৫ ধারামতে বা প্রকারান্তরে কাগজপত্র
দেখিয়া ছাই কোট কিন্তা দেশন জজ জিলার মাজিফ্রেট
সাহেবের প্রতি নিজে কিন্তা আপনার অধীন কোন
মাজিস্টেটের দ্বারা লেই বিষয়ের অধিক তদন্ত লইবার
আদেশ করিতে পারিবেন; এবং জিলার মাজিস্টেট
সাহেব আপনি সেই ভদন্ত কিন্তা অধান কোন
মাজিস্টেটের প্রতি লইবার আদেশ করিতে পারিবেন।
কিন্তা ৫৬১ ধারামতে যে ব্যক্তির অপরাধ নির্ধয় হয়
তাহার সহন্তে জিলার মাজিস্টেট সাহেব আপনি

নিপত্তি প্রকাশ ও দঞ্চাজ্ঞা প্রদান করিবেন . অথবা অধীন মাজিফেটের প্রতি করিবার আদেশ করিতে পারিবেন।

৪৩৮ খারা। ৪৩৫ খারামতে বা প্রকারস্করে কোন আমুন্তানিক কার্যের কাগজপাত্র হাই কোটোরশে,ট করিব দিছিয়া সেশন জব্ধ কি বিজ্ঞার বার কথা।

মাজিক্টেই সাহেব উচিত বোধ করিলে হাই কোটের আজ্ঞার জন্যে তজ্ঞপা দেখিবাত্র কল বিষয়ে রিপোর্টে করিতে পারিবেন এবং এ রিপোর্টে দণ্ডাজ্ঞা জন্যথা করিবার জম্পুরোধ থাকিলে, এ দণ্ডাজ্ঞানত কার্য্য হুগিত রাখিবার ও অভিমুক্ত ব্যক্তি কারাবদ্ধ থাকিলে হাজিরজামিন কিয়া তাহারই নিবন্ধপাত্র লইয়া ভাহাকে ছাভিয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৪৩১ ধারা। (১) হাই কোট আপনার ইচ্ছামতে কোন আছ্টানিক কার্য্যের हाहे स्कार्टिन मश्टमाधन কাগজপত্ৰ আনাইলে, কিম্বা করিবার ক্ষমতার<sub>ক্</sub>কথা। আজ্ঞার জন্যে ভাষার রিপোর্ট পাইলে কিম্বা অন্যত্ৰপে ভদ্বিয়ক কথা অবগভ হইলে, ३৯६ ७ ८२७ ७ ८२५ ७ ८२१ ७ ८२४ भारामार्ड আপীল আদালতের প্রতি কিন্তা ৩৩৮ ধারামতে কোন আদালতের প্রতি ষে২ ক্ষমতা অর্পিড হইয়াহে হাই কোট আপন ইচ্ছাক্রমে তন্মধ্যন্থ যে কোন ক্ষমতান্ত্রসারে কার্য্য করিতে পারিবেন এবং দণ্ডাজ্ঞা রন্ধি করিতে পারিবেন, এবং সংশোধন করিবার আদালভত্তরপ জজদের যত জনের একমত তত জনের ভিন্নমত হইলে ৪২১ ধরার বিধানমতে ঐ মোকদমা লইয়া কার্য্য इश्दा

- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তি আপন পক্ষ সমর্থনার্থ অন্নং বা উকালের ছারা যাহা বলিতে চাহেন তাহা শুনিবার হুযোগ দেওয়া না গেলে, তাঁহার বিরুদ্ধে এই ধারামত কেনে আজ্ঞা করা যাইবে না।
- (৩) এই ধারায় যে দণ্ডাজ্ঞার কথা আছে কোন মাজিক্টেট ৩৪ থারামতে কার্য্য না করিয়া সেই দণ্ডাজ্ঞা করিলে উক্ত কোর্টের মতে অভিযুক্ত ব্যক্তি যে অপরাধ করিয়াছে, সেই অপরাধহেতুক প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেট কিম্বা এথম শ্রেণীর কোন মাজিক্টেট যত দণ্ড করিতে পারিতেন, ঐ কোট ভাহার অধিক দণ্ডের আজ্ঞা করিবেন না।
- (৪) ২৭৩ ধারামতে যাহা কিছু লেখা যায় তৎপ্রতি এই ধারার কোন কথা বর্জিবে না, কিখা হাই কোর্ট এনর্দ্দোখিতা নির্ণয় বদলাইয়া অপরাধ নির্ণয় করিবার ক্ষমতা পাইলেন এই ধারার কোন কথাক্রমে এরূপ জ্ঞান করিতে ইইবে না।
- (i) যে ছলে এই আইনয়তে আপীল থাকিরা আপীল করা হয় না সেই ছলৈ সংশোধনের অভিপ্রায়ে কোন আছান্তানিক কার্য্য গ্রান্থ্য করা যাইবে না, এরং এই আইনক্রমে যেরূপ বিধান ক্ষন ভদন্সারে ভিন্ন আপীল বা সংশোধনের অভিস্থায়ে কোন আহানিক কার্য্যই গ্রাহ্য হইবে না।

880 ধারা। কোন আদালভের সংশোধন করিবার ক্ষমভাত্রসারে কার্য্য করণকালে

আলালতের স্বেদ্খাধীনে উভয় পক্ষেব কথা আবণ

পকের **নিজে** উকীলের দ্বারা শ্রুত হইবার অধিকার নাই।

কিন্তু আদালত উচিত বোধ করিলে নিজ কোন পক্ষের কিম্বা তাঁহার উকীলের কথা প্রবণ করিতে পারিবেন। এই ধারার কোন কথাক্রমে ৪৩৯ ধারার ২ প্রকরণের বিধানের কোন বিল্প হইবে বলিয়া জ্ঞান হইবে না।

৪৪১ ধারা। হাই কোর্ট ৪৩৫ ধারামতে কোন

প্রেসিডেনী মাজিটেট আপন নিষ্পত্তির যেং ছেডু জানান হাৰ কোটেৰ তাহা बिट्बह्मा क्रियांत कथा।

প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেটের কোন আত্নষ্ঠানিক কার্য্যের কাগজপত্র চাহিয়া পাঠाইলে, गाजिस्किष्ठे ষে যে হেতৃ ধরিয়া নিপত্তি কি আজ্ঞা করেন ও নিপ্সত্তি উপ-

লক্ষে তিনি যে রক্তান্ত গুরুতর বলিয়া জ্ঞান করেন যোকদ্মার কাগজপত্তের সজে সেই সেই হেতুর ও ব্লজান্তের বর্ণণপত্রও অর্পণ করিতে পারিবেন। হাই কোর্ট ঐ নিষ্পত্তি কি আজ্ঞা ব্যর্থ কি অসিদ্ধ করণের পুরের সেইং হেতু ও রক্তান্ত বিবেচনা করিবেন।

৪৪২ ধারা। এই আধ্যায়মতে হাই কোর্ট কর্তক

হাই কোট যে আজা ক্ৰেন তাথা অধ্যক্ত আদা-লতে বা মাক্তিটেটকে জ্ঞাত ◆[ববার **কথ**: |

কোন মোকদমার হইলে হাই কোট যে নিৰ্বয়, দভাজা বা আজ্ঞা সংশোধিত হয় ভাহা যে আদালত লিখেন বা করেন সেই আদালতে পুর্বে

যে প্রকারের বিধান হইয়াছে সেই প্রকারের সার্টিফিকেট ছারা আপনার নিশান্ত কি আজ্ঞা জ.ন।ইবেন। সার্টিফিকেট দ্বারা যে আদালতের কিলা যে মাজিটেটের নিকট ঐরপে নিপত্তি কি আজ্ঞা জ্ঞাত কর। হয় সেই আদালত কি মাজিপ্টেট ঐ নিশ্বত্তি অনুসারে আজ্ঞা করিবেন এবং আবশ্যক হইলে তদমুসারে নগী সংশোধন করা খাইবে।

## অফ্টম খণ্ড।

বিশেষ আত্মন্তানিক কার্য্যের বিধি।

৩৩ ত্রয়স্থিশে অধ্যায়।

ইউরোপ ও আমেরিকাদেশীয়দিগের বিরুদ্ধে ফৌজদারী আত্মন্তানিক কার্য্যবিষয়ক বিধি।

৪৪৩ ধারা। কোন মাজিষ্টেট শান্তিরক্ষার্থ জকিস

इंडेरवाणे ग्र 177 প্ৰকাষ: তাপৰ ধ কৰিলে ্য माक्षिरद्वेटहेना (भन्ने अर्थ-बारमव उपस नहेंचा विहास করিবেন ভাষ্যয়েব কথা।

না হংলে, এবং (সদি তিনি জিলার य कित्ये है কিম্ব প্রেসিডে স মাজিক্টেট হন) প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেট ७ इंद्रांशीय इंदिय श्रका ना হইলে ইউরোপীয় রটিষ প্রজার নামে অভিযোগের ওদ্ত লইতে কি বিচার করিতে সক্ষম হইবেন না।

৪৪৪ ধারা। সেশনের জজ ভিন্ন কোন সেশন

আদালতে আধিপত্যকারী জঞ্জ দেশন জক্ষেৰ ইউবো-পীয় বৃটিধ প্ৰস্থা হইবাৰ

ইউরোপীয় রটিষ প্রজা না হইলে কোন ইউরোপীয় রটিষ

প্রজার নামে অভিযোগের বিচার করিতে পারিবেন না: এবং আধিপত্যকারী জজ

अशिष्टे! के (मना करक्त

ভিন সংস্ব কথা কবিসাৰ ও বিশেষ ক্ষমতা প্রাপ্ত उइवाव कथा।

আসিষ্টান্ট সেশন জজ হইলে যদি তিনি আসিফান্ট সেশন জজের কর্ম অন্যুম তিন বৎসর না করিয়। থাকেন এবং এতদর্থে স্থানু য় গবর্ণমেন্টের স্থানে

বিশেষ ক্ষমতা না পাইয়া থাকেন তবে তিনি ঐরপ অভিযোগের বিচার করিতে পারিবেন না।

88৫ ধরে | কোন মাজিট্রেট যে গুলে অন্য ব্যক্তিদের যদ্রপ অপরাধ

হ<sup>†</sup>েণণীয় রটি**ষ** প্রজা অপ্ৰাধান বলৈ ও হা প্ৰাহ্য थदनाव कथा।

আহ্য করিতে সক্ষম হন দেই স্থলে ৪৪৩ কি ৪৪৪ ধারার কোন ক থায় ইউরোপীয়

রটিষ প্রজাদের ভজ্রপা অপরাধ গ্রাহ্য করিতে তাঁহার বাধা হইবে না।

কিন্ত ইউরোপীয় রটিষ প্রজার নামে অপরাধের অভিযোগ হওয়াতে যদি তাঁহাকে উপস্থিত করাইবার পরওয়ানা প্রচার করেন, তবে যে মাজিফ্রেট সাহে**ব ঐ** মোকদ্দমার তদন্ত লইয়া বিচার করিবার ক্ষমতাপান হন ঐ পর ওয়ান।মতে তাঁহারই সন্মুখে তাহাকে উপস্থিত করিবার বিধান করিতে হইবে।

৪৪৬ ধারা। ৩২ কি ৩৪ ধারায় প্রকারান্তরের কুগা

মফ শল মাজি টেটোবা ষে দণ্ডেব আজা কবিতে

প্রধিবেন ডাইবি কথা।

থাকিলেও জিলার মাজিফেটট কিমা প্রেসিডেনী মাজিকেট ভিন্ন কোন মাজিয়েট ইউ-রোপীয় রটিষ প্রজার উপর

তিন মাসের অন্ধিক কারাদ্র কিলা এক সহস্র টাকার অন্ধিক অর্থণিও কি উত্র দণ্ডের আছে৷ ভিন্ন অন্য আজ্ঞা করিতে পারিবেন না। এব কোন জিলার মাজিটেট ছয় মাস পানস্থ করেলা কিলা ছই সহত্র টকা প্রান্ত অর্থদণ্ড কি উত্তর দৰে ব আজা ভিন্ন এন্য আজ্ঞা করিতে পারিবেন না।

৪৪৭ ধারা। (১) ইউরোপীয় ্িষ প্রজাব নামে যে মাজিফেটের নিকট যে

(ষস্তুলে সেখন আদা লতে এ যেশ্বলে হাই-কে.টে সমলণ কৰিতে হ'বে হাগৰ কণা:

অপরাধের নালিল হয় সেই **े জि**र्को एवेत (मर्के अंगदारश्रत সমুটিত দও করিবার ক্ষমতা নাছও সেই অপরাস প্রাণ-

দণ্ডের কি জাবজ্জীবন দাপান্তর প্রেরণ দণ্ডের যোগা অপরাধ নয় তাঁহার এমত বিবেচনা হইলে, যদি মজি- যুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করা উচিত বোধ করেন, ভাহাকে সেশন আদালতে, কিম্বা তিনি প্রেসিডেস্সী মাজিক্টেট হইলে, হাই কোটে সমর্পণ করিবেন।

(২) যে অপরাধ হইয়াছে বলিয়া বোধ হয় ভাছা প্রাণদণ্ডের কি যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ডের যোগ্য অপরাধ হইলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে হাই কোর্টে সমর্পণ করা যাইবে।

৪৪৮ ধারা। যে ব্যক্তিকে ৪৪৭ ধারামতে হাই কোর্টে সমর্পণ করা যায় এক অপবাধেব জন্য প্রাণ-অনেক অপ-प्रश्र कि यावच्छीरम बीপास्त्रव তাহার নামে প্রেরণ দশু ১ইতে পাবিলে রাধের অভিযোগ হইলে, ও ও অন্য অপরাধেব নিমিন্ত তন্মধ্যে এক অপরাধের নিমিত্তে তদ্ৰণ দণ্ড হটতে না প্রানদণ্ড কি জাবজ্জীবন দ্বীপা-শারিলে অপরাধের বিচা. বেব ৰূপা। ন্তুর প্রেরণ দণ্ড ও অন্য অপরাধের লঘু দণ্ড হইতে পারিলে যে অপরাধের নিমিত্ত প্রাণদণ্ড কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড হইতে পারে ঐ হাই

প্রাণদণ্ড কি দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড হছতে পারে আ হাই কোর্ট সেই অপরাধ ধরিয়া তাহার বিচার করা উচিত বোধ না করিলেও অন্য অপরাধ ধরিয়া তাহার বিচার করিতে পারিবেন।

৪৪৯ ধারা। (১) ৩১ ধারায় প্রকারান্তরের বিধান
থাকিলেও কোন সেশন আদালেশন আদালত যে লভ ইউরোপীয় রুটিষ প্রজার
দত্তের আজা দিতে পারিবেদ ভাষার কথা।
তিজয় দণ্ডের আজা ভিন্ন অন্য দণ্ডাজ্ঞা করিতে
পারিবেন না।

(২) যে অপরাধের প্রমাণ হইয়াছে বলিয়া
বোধ হয়, উক্ত প্রকারের
দেশন বন্ধ আপনাব দণ্ডাজ্ঞা দ্বারা সেই অপরাধের
ক্ষমতা ন্যুন জ্ঞান করিলে
কার্য্যপ্রণানীর কথা।
সমূচিত দণ্ড হয় না সমর্পণ
হইবার পর ও নিম্পত্তি স্বাক্ষর
করিবার পূর্বেষ কোন সময়ে আধিপত্যকারী জজ

করিবার পূর্ব্বে কোন সময়ে আধিপত্যকারী জজ লাহেবের এমত জ্ঞান হইলে তিনি আপনার সেই মত লিপিবদ্ধ করিয়া হাই কোর্টে মোকদ্দমা প্রেরণ করিবন। উক্ত জজ সাহেব আপনি বাদির ও সাক্ষীদের স্থানে হাই কোর্টে উপন্থিত হইবার নিবন্ধপত্র লইতে পারিবেন কিম্বা যে মাজিফ্টেট সাহেব সমর্পণ করেন ষ্টাহাকে তন্দ্রপাপত্র লইবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

৪৫০ ধারা। (১) হাই কোর্টে কি সেশন আদা **ইউরোপীয়** রুটিষ লতে হাই কোটে বা দেশন প্রক্রাদের বিচার হইলে, প্রথম আপালতে জ্বিবা আদে-ব্দুরেরের ডাক হইয়া আহ म्बर्पिय कथा। পুর্কের অথবা হইবার বিশেষে প্রথম আসেসর নিযুক্ত হইবার পূর্কে উক প্রজা মিশ্র ক্রিদারা বিচারের দাওয়া করিলে, বিচার জুরি দ্বারা হইবে এবং জুরির অর্দ্ধ সংখ্যার অন্যুন ব্যক্তি ইউরোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় কিম্বা ইউরোপীয় ও আমেরিকাদেশীয় হইবে।

(২) সেশন আদালতে সামান্যতঃ আসেসরদের
সাহায্যে ঐরপ বিচার হইলে, অভিযুক্ত ইউরোপীয়
রটিম প্রজা কিয়া কএকজন ইউরোপীয় রটিম
প্রজার নামে অভিযোগ হইলে, তাঁহারা সকলে
একত্রে (১) প্রকরণ মতে মিশ্র ছ্রিছারা বিচারের
দাওয়া না করিয়া এইরপ দাওয়া করিতে পারিবেন
যে, আসেসরদের অর্দ্ধ সংখ্যার অন্যুন ব্যক্তি ইউরোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় কিছা ইউরোপীয় ও
আমেরিকাদেশীয় হইবে।

৪৫১ ধারা। (১) কোন জিন্সার মাজিফ্রেটের নিক্ট ইউরোপীয় রুটিষ প্রজার মাজিট্টের विठात श्रेटल, উক্ত প্রজা, নিকট ইউরোপীয় রটিব সম্ৰের যোকদ্মায় \$88 প্রজার জুবিব দাওয়া করি-ধারামতে প্রতিবাদের পোষ-ৰার স্বত্বের কথা। কভায় তাঁহার কথা ভনা

যাইবার পুর্বের অধব। ওয়ারতের মোকদ্দমায় ২৫৬ ধারামতে তাঁহার প্রতিবাদকার্য্যে প্রব্রক্ত হইবার পুর্বের, এই দাওয়া করিতে পারিবেন যে ৪৫০ ধারার নির্দিষ্ট প্রকারের নিযুক্ত জ্বিদ্বারা বিচার হইবে।

- (२) সমনের মোকদ্দমায় যে সময়ে মাজিক্টেট ২৪৪ ধারামতে অভিযুক্ত ব্যক্তির কথা শুনিতে প্ররন্ত ধন, কিম্বা ওয়ারন্টের মোকদ্দমায় যে সময়ে মাজিক্টেট অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি ২৫৬ ধারামতে প্রতিবাদকার্য্যে প্রবৃত্ত হইবার আজ্ঞা দেন, সেই সময়ে (১) প্রকরণমতে দাওয়া করা গেলে, মাজিক্টেট তৎক্ষণাৎ পূর্কোক্তমত ক্রেরদ্বারা বিচার ইইবার আবশ্যক আজ্ঞা দিবেন।
- (৩) আন্তর্গানিক কার্য্য এই অবস্থায় উপস্থিত হই-বার পূর্ব্বে ঐরপ দাওয়া করা গেলে, যখন লিপিবদ্ধ সাক্ষ্য দেখিয়া মাজিফ্রেট সাহেবের বোধ হইবে যে মোকদ্দমা জ্বির নিকট পাঠাইবার উপযুক্ত তখনই তিনি উক্তরূপ আজ্ঞা দিবেন।
- (৪) ২৪২ ধারায় প্রকারান্তরের কথা থাকিলেও, এইরূপ প্রত্যেক স্থলে মাজিফ্রেট পুর্নোক্তরূপ কোন আজ্ঞা দিবার পূর্বের রীতিমত অভিযোগপত্র লিখিবেন।
- (৫) এই ধারামতে যে কোন বিচার হইবে, ভাগাঙে বাদী, অভিযুক্ত ব্যক্তি ও সাক্ষাদিগকে উপস্থিত করাই-বার সম্বন্ধে যতদূর সম্ভব ২১১ ২১৬, ২১৭. ২১৯ ও ২২০ ধারার বিধান খাটিবে।
- (৬) জিলার মাজিফ্রেট সেশনের জজ হইলে, এবং অজিযুক্ত ব্যক্তি বিচারার্থে উক্ত জজ সাহেবের আদালতে সমর্পিত হইলে, সেশন আদালতে জ্বির বিচারের কার্য্যপ্রণালী সংক্রান্ত এই আইনের বিধানসমূহ যেরূপ খাটিত, এই ধারামত প্রত্যেক বিচার সম্বন্ধে যতদুর মন্তব সেইরূপ খাটিবে।
- (৭) (৫) প্রকরণের কিম্বা (৬) প্রকরণের উল্লিখিড বিধান সকল ঐ ঐ প্রকরণমতে যতদুর পায়স্ত খাটান যায়, সেই সীমার মধ্যে তাহার কোন বিধানের অর্থ করিবার সময়ে সকল আদালত, আপনাদের সম্মুখে যে বিষয় উপস্থিত থাকে তত্পযোগী করণার্থ ঐ বিধানের

ষেরপ ভাষাগত পরিবর্ত্তন করা আবশ্যক বা উচিত ছয়, সারাংশের ব্যতিক্রম না করিয়া সেইরূপ ভাষাগত পরি-বর্ত্তন করিয়া লইতে পারিবেন।

- (৮) ৩৪৭ কিয়া ৪৪৭ ধারামতে কোন অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিচারার্থে সমর্পণ করিতে মাজিফ্টেটের যে ক্ষমতা আছে, এই ধারার কোন কথায় ভাহার কোন ব্যতিক্রম হইবে না।
- (৯) যদি কোন জভিযুক্ত ব্যক্তি এই ধারামতে জ্বির দ্বারা বিচারিত হইবার কোনহ দ্বলে অন্য আদা- দাওয়া করে, এবং জিলার লতে মোকদমা পাঠাইবাব মাজিস্টেটের বিবেচনায় এরপা কথা।
  বিশ্বাস করিবার কারণ থাকে

যে, ৪৫ • ধারার নির্দ্ধিন্ট প্রকারে আপনার সমুখে বিচারার্থ জ্বরি নিযুক্ত হইতে পারে না. অথবা জ্বরি নিযুক্ত করিতে এত বিলম্ব, অর্থ ব্যয় বা অন্থবিধা হয় যাহা মোকদ্দমার অবস্থা বিবেচনায় অযোক্তিক বোধ হয় তাহা হইলে তিনি এই ধারামতে আপনার সমুখে বিচার হইবার আজ্ঞা না করিয়া হাই কোর্টে সময়েং এতদর্থে বিধি প্রণয়ন করিয়া ও তদ্বিষয়ে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের অমুমোদন প্রইয়া, অথবা বিশেষ আজ্ঞা করিয়া যে জিলার মাজিস্টেট বা সেশনেব জজককে নির্দেশ করেন, ঠাহার নিকট এরপ মোকদ্দমা বিচারার্থ পাঠাইতে পারিবেন।

(:॰) এই ধারামতে কোন মোকদ্দমা কোন সেশ-নের জজ কিন্বা জিলার মাজিট্রেটের নিকট পাঠান গেলে, তিনি এই ধারামতে কার্য্যকারী জিলার মাজিট্রেট ইইলে, (বিচারার্থে সমর্পন করিবার ক্ষমতা সমেত ঠাহার যে সকল ক্ষমতা থাকিত ও যে কার্য্যপ্রনালী অবলম্বন করিতে হইত, সেই সকল ক্ষমতামতে ও সেই কার্য্যপ্রনালী অনুসারে স্থবিধামত সত্ত্বকাসহকারে ঐ মোকদ্দমার বিচার করিবেন।

৪৫২ ধারা। যে ব্যক্তি ইউরোপীয় রটিষ প্রজ্ঞা নহে, কোন স্থলে তাহারই সঙ্গেং ইউরোপীয় রটিষ প্রজারও -সহিত এদেশীয় ব্যক্তির নামে অভযোগ হইলে বিচাবের কথা।

বিচাবের কথা।

বিচাবের কথা।

বিচাবের হইবার নিমিত্তে

ঐ ইউরোপীয় ত্রিটিষ প্রজাকে সমর্পণ করা গেলে, ঐ হই ব্যক্তির একত্র বিচার হইতে পারিবে, এবং ইউ-রোপীয় ব্রিটিষ প্রজার স্বতন্ত্র বিচার হটলে যে প্রণালী-মতে কার্য্য চলিত, সেই প্রণালীমতে চলিবে।

কিন্ত ইউরোপীয় রটিষ প্রজা ৪৫০ ধারামতে মিপ্র ক্রি ছারা বা মিপ্র আদেসর-এদেশীয় লোকেব সতন্ত্র দল ছারা বিচারের দাওয়া বিচাব হইবাব দাওয়ার করিলে এবং উক্ত যে ব্যক্তি শ্বা। ইউরোপীয় রটিষ প্রজা নহে সে স্বভন্ত বিচারের দাওয়া করিলে, ২৩ অধ্যায়ের

বিধানমতে শেষোঁক্ত ব্যক্তির স্বতন্ত্র বিচার হইবে।

৪৫৩ থারা। (১) ইউরোপীয় রটিষ প্রজার ন্যার কোন ব্যক্তিকে লইয়া কার্য্য শক্তে ইউরোশীয় রটিষ হয় তাঁহার এমন দাওয়া হইলে

শক্ষে ইউরোপীয় রুটির ধর তারার এবন দাওরা ইংপে প্রকাষরণ কার্য্য হইবার তদস্ত লইবার কি বিচার হই-দাওয়া করিলে কার্য্যপ্রণা বার নিমিত্ত তাঁহাকে যে মাজি-লীর কথা। টেট সাহেবের সন্মুখে উপস্থিত

করা যায় সেই মাজিফ্রেট সাহেবকে তিনি সেই দাওয়ার হেতু জানাইবেন। তাহা হইলে উক্ত মাজিফ্রেট ঐ উক্তির সত্যতাহসন্ধান করিবেন এবং ঐ ব্যক্তিকে ইহার সত্যতা প্রমাণ করিবার যুক্তিসক্ত সময় দিবেন, ও তদনস্ভর তিনি ইউরোপীয় রিটিষ প্রজা কি না, ইহার নিম্পাত্তি করিবেন ও তাঁহাকে লইয়া তদহসারে কার্য্য করিবেন। উক্ত মাজিফ্রেট ঐ ব্যক্তির অপারাধ নির্ণয় করিলে ও ঐ ব্যক্তি তজ্ঞাপ অপারাধ নির্ণয়র উপার আপীল করিলে মাজিফ্রেটের সেই নিম্পাত্তি যে অন্যায় ইহা প্রমাণ করিবার ভার তাঁহারই প্রতি বর্ত্তিবে।

- (२) মাজিষ্টেট তজ্রপ কোন ব্যক্তিকে বিচারার্থে সেশন আদালতে সমর্পন করিলে এবং ঐ ব্যক্তি উক্ত আদালতে ইউরোপীয় রচিষ প্রজার ন্যায় তৎসম্বন্ধে কার্য্য ইইবার দাওয়া করিলে, উক্ত আদালত যদি আরো তদন্ত করা উচিত বোধ করেন তাহা করিয়া ঐ ব্যক্তি ইউরোপীয় রচিষ প্রজা কি না ইহার নিশান্তি করিবেন ও তাঁহাকে লইয়া ওদমুসারে কার্য্য করিবেন। উক্ত আদালত তাঁহার অপরাধ নির্ণয় করিলে ও তিনি তজ্ঞপ অপরাধ নির্ণয়ের উপর আপীল করিলে, আদালতের, সেই নিশান্তি যে অন্যায় ইহা প্রমাণ করিবার ভার তাঁহারই প্রতি বর্ত্তিবে।
- (৩) যে আদালতে কোন ব্যক্তির বিচার হয় সেই আদালত তিনি ইউরোপীয় রটিষ প্রজা নহেন এই নিশতি করিলে, বিচারে যে দণ্ডাজ্ঞা কি আজ্ঞা হয় উক্ত নিশতি তাহার উপর আপীল করিবার জন্যতর হেতৃ হইবে।

৪৫৪ ধারা। (১) যে মাজিক্টেটর সমূখে ইউরো-

উক্ত অবস্থাব দাওয়। না কবিলে তাজা ত্যাগ কবা গেল জ্ঞান জইবাব কথ। করা যায়, ইউরোপীয় রটিষ প্রজার ন্যায় তাঁছার পক্ষে

কার্য হয় ঐ ব্যক্তি তাঁহারই নিকট ইহার দাওয়া না করিলে কিম্বা সমর্পণকারী মাজিফেটের নিকটে তদ্রুপ দাওয়া করা গিয়া অগ্রাহ্য হইলেও তাঁহাকে যে আদা লতে সমর্পণ করা যায় তথায় তিনি উক্ত দাওয়া পুনশ্চ না করিলে, ইউরোপীয় রটিষ প্রজাবরূপ আপনার সেই বিশেষ ক্ষমতা ত্যাগ করিয়াছেন, এমত জ্ঞান হইবে, এবং সেই মোকদ্দমা চলনের তৎপশ্চাৎ কোন সময়ে ঐ দাওয়া করিতে পারিবেন না।

(২) মাজিষ্টেট সাহেবের সন্মূপে কোন ব্যক্তিকে উপস্থিত করা গেলে সে ইউরোপীয় রটিষ প্রজ্ঞা নছে মাজিষ্টেট সাহেব এমত বিশ্বাস করিবার কারণ না দেখিলে, ভূমি ইউরোপীয় রটিষ প্রজা কি না ভাছাকে এই কথা জিজ্ঞাসা করিবেন।

৪৫৫ ধারা। যে ব্যক্তি ইউরোপীয় রটিষ প্রজা নহে

इंडरवाशीय त्रिय श्रामा না হইয়া কোন ন্যতিট্ৰ এই অধ্যায়নতে বিচাব হ**ইলে** তাহাব কথা।

ভাহাকে লইয়া এই অধ্যায়মতে ইউরোপীয় রটিষ প্রজার ন্যায় কাৰ্য্য হইলে ও সে আপত্তি করিলে ডদ্রপ কাৰ্য্য না হুইয়াছে বলিয়া তদন্ত কি. শুলবিশেষে, সমর্পণ কি

বিচার কি দণ্ডাজা অসিদ্ধ হহবে না।

ইউবোপীয় রটিৰ প্রভাকে ক্যাটক বেআইনী নতে কৰিয়া রাখা গেলে আপ নাকে হাই কোটেঁৰ সম্ব্ৰ উপাশ্বত কবিবাৰ আজা প্রার্থনা কবিবার অধিকাবের

**주의** |

৪৫৬ ধারা।

কোন ইউরোপায় রটিষ প্রজাকে কোন ব্যক্তি অবৈধমতে বদ করিয়া রাখিলে, ঐ ইউরোপীয় রটিষ প্রজা কি তাঁহার পক্ষে কোন ব্যক্তি যে স্থানে ভাংগকে বন্ধ করিয়া রাখা যায় সেই স্থানে কোন অপরাধ করিলে ভাহার উপর যে হাই কোর্টের

বিচারাধিপত্তা থাকিত কিথা ভদ্রাপ অপরাধ নির্বয়সূচক আজ্ঞার উপর তিনি যে হাই কোটে আপীল করিতে পারিতেন সেই হাই কোটের নিকট এই মর্ঘের প্রাণনা করিতে পারিবেন যে আমাকে যে ব্যক্তি বন্ধ করিয়া রাখিয়াছে জাহার নিকট উক্ত হাই কোটের এই আজ্ঞা হর বে আহার বিষয়ে উক্ত কোট আর যে আজ্ঞা করিতে পারেন ভাছার অপেকায় থাকিবার জন্যে আমাকে সেই ছাই কোটে উপস্থিত করা যায়।

৪৫৭ ধারা! হাই কোর্ট বিহিত বোধ করিলে ঐ আজ্ঞা করিবার পূর্কো আফি-**छजन डा**र्थना इरेटन ডেবিটক্রমে কি একারাস্তরে कारा अवासीय कथा। সেই আজ্ঞা প্রার্থনা করিবার কারণের অন্ত্রসন্ধান লইয়া দেই এার্থনা গ্রাহ্য কি অগ্রাহ্য করিতে পারিবেন অথবা ওখমেই সেই হাজা দিতে পারিবেন। পরে সেই ব্যক্তিকে আপনার সন্মুখে উপস্থিত করা গেলে আবশ্যকমতে তদন্ত লইয়া সেই বিষয়ের অন্য মে আজ্ঞা বিহিত বোধ করেন করিতে भाति द्वा

BID श्राता। (वर एएटम शहे क्यांद्रित क्येडिन)

इक्टि को है ज एक न्हारम कक्षण बाका कांग्टर পারেন তাহার কথা।

অপৌল শুনিবার বিচারাধিশতা থাকে। সই> দেশে এবং মঞ্জ-সভাগিত ভ শৌযুত প্ৰবন্ধ জেনেরল সাহেব অন্য যে-

স্থানের অনুমতি দেন পের সকল ভানে হাই কোটের (मृहे श्रकादा आडा मित्र क्या शांकित।

त्य यक्तां हैत्य भारिके

দেব **ও সেশন** আপালতের

7.411

৪৫১ ধারা: (১) পুঝাপর কণা দ্বারা ভাবাতর প্ৰকাশ না পাইলে মব্ৰিসভা-ধ্যিষ্ঠ ত জীযুত গ্রবর জেনরল সাহেব প্রথে বেথে সকল আইন প্রান্ত জ্বার ক্ষ্মতা প্রান্ত বিদ্যার ক্ষ্মতা প্রান্ত ক্ষ্মতা প্রাণ্ড ক্ষ্মিন ক্ষ্মিন্ত না ও পারে প্রদান্ত হয় ড.২৷ ব,টিগাস্থ যাহা করিবেন, তৎক্রমে মাজি-ফ্রেটনের ও দেশন আদালতের প্রতি বিচার করিবার ক্ষমতা প্রদত্ত হইলে, ভাহা ইউ-রোপীয় রুটিষ প্রজাদের প্রতি খাটিবে বলিয়া জ্ঞান হইবে ; তাহাতে তাঁহাদের স্পান্ট উল্লেখ না থাকিলেও, খাটিৰে বৃশিয়া জ্ঞান হইবে।

(২) কোন ইউরোপীয় রটিষ প্রজাকে কোন আদালত যে পরিমাণে দণ্ড দিতে পারেন বলিয়া এই অধ্যায়ে নিৰ্দ্ধিষ্ট হইয়াছে এই ধারার কোন কথাক্রমে উক্ত আদালতের প্রতি যে তৎসীমা অতিক্রম করিবার অহুমতি দেওয়া যাইতেছে, অথবা শান্তিরক্ষার্থ জঞ্চিস ভিন্ন কোন মাজিফ্টেটের কিম্বা সেশন আদালতে আধি-পত্যকারী কোন জজের প্রতি, যে বিচারাধিকার প্রদত্ত হইতেছে, এরূপ জ্ঞান করিতে হইবে না।

৪৬০ ধারা। জুরির দ্বারা বা আসেসরদের সহযোগে

हेडेटबाटलव कि छाटम--বিকাৰ লোকদেব বিচাৰাৰ্থ

বিচাৰ্য্য কোন মোকদ্দমায় খদি অভিযুক্ত ব্যক্তি কি অভিযুক্ত वाकिएनत मर्था अक्जन हेडे-রোপীয়ে রটিষ প্রজা

নামে অপরাধের অভিযোগ

ইউরোপ কি আমেরিকাদেশীয় লোক হয়, তবে জুরির অর্দ্ধাংশ ইউরোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় হন ইউ-রোপীয় কি আমেরিকাদেশীয় উক্ত ব্যক্তি এমন দাওয়া করিলে ও ভাত্রপ জুরি পাওয়া যাইতে পারিলে জুরের অৰ্দ্ধাংশ ইউরোপ কিম্বা আমেরিকাদেশীয় **१३८४२ ।** 

৪৬১ ধারা। সেশন আদালতের সমুখন্ত কোন মোকদমায় ইউরোপ বা শ্রমে-ইউবোপ ও আমেরিকা রিকাদেশায় নহে এরপ কোন দেশীয় লোকে সভিত ব্যক্তির সহিত ইউরোপ বা অন্য জাতীৰ লোকেৰ অ'ভযে∶গ হইলে জু/বব আমেরিকাদেশীয় লোকের 4211

হইলে, ইউরোপ ও আমেরিকাদেশায় লোকদিগকে লইয়া যে জুরির কি আসেসরদের ন্যুনকণ্ণে অর্দ্ধাংশ হইবে যদি উক্ত ইউরোপ কি আমেরিকাদেশীয় ব্যক্তি এমন জুরির দারা কি এমন আদেদরদের সহযোগে ৪৬০ ধারামতে বিচার হইবার দাওয়া করাতে এরপে তাহার বিচার হয়, তবে ঐ ভিন্ন জাতীয় ব্যক্তি ইচ্ছা করিলে ভাষার স্বতন্ত্র বিচাব হইতে পারিবে।

৪৬২ ধারা। (১) দেশন আদালতে যাহার বিচার হংবে এমন কোন মোকদমায়

800, RES 14 850 8171 ৪৫০ কি ৪৬০ ধারার বিধান-মতে সদম কায়, জুবি মতে নিযুক্ত জুরি দারা অজি-नियुक्त कतियाद कथा । যুক্ত ব্যক্তি কিন্তা অভিযুক্ত

ব্যক্তিদের মধ্যে একজনের বিচার হইবার অধিকার থাকিলে অথবা ৪৫১ ধার।মতে কার্য্যকারী জিলার মাজিস্টেটের কিম্বা সেশনের জজের আদালতে থিচার হইলে, দেই বিচারের নিমিত্ত জুরিস্বরূপ ইউরোপীয় ও আমেরিকাদেশীয় যত জনের প্রয়েজন হয় উক্ত স্থাদালত ঐ মোকদমা বিচার হইবার নির্দ্ধারিত দিবসের পুৰে ন্যুক্তেপ তিন দিন পাকিতে পূৰ্কলিখিত বিধি-মতে তাঁহাদিগকে সমন ক্রাইবেন।

- (१) সংশোধিত নির্ঘণীয়ে অন্য যে ব্যক্তিদের নাম লেখা থাকে আদালত দেই সময়ে দেই প্রকারে তাহাদের মধ্য হইতেও তভুল্য সংখ্যক ব্যক্তিদিগকে সমন করাইবেন। যদি সেই সেশনে অরি ছারা বিচা-রের নিমিত্ত ঐ অন্য প্রকারের তভুল্য সংখ্যক ব্যক্তি-দিগকে পূর্কে সমন করা গিয়া থাকে তবে করাইবেন না।
- (৩) তদম্পারে যত ব্যক্তি উপস্থিত হন তাঁহাদের
  মধ্যে যে যে ব্যক্তিদিগকে লইয়া জুরি হইবে ২৭৬
  ধারার নির্দ্দিউমতে গুলিবাট করিয়া তাঁহাদিগকে
  মনোনীত করা যাইবে ও যাবৎ ইউরোপীর এবং
  আমেরিকাদেশীয় উপযুক্ত সংখ্যার লোক কিশ্বা
  সাধ্যমতে প্রায়ই সেই সংখ্যার লোক প্রাপ্ত হওয়া না
  যায় তাবৎ মনোনীত করণ কার্য্য চলিবে।

কিন্তু কোন মোকদ্দমায় উপযুক্ত সংখ্যক ইউরোপ ও আমেরিকাদেশীয় লোক প্রকারান্তরে পাওয়া যাইডে না পারিলে আদালত আপন বিবেচনামতে ক্রির সংখ্যা পূর্ব করিবার উদ্দেশে ৩২০ ধারামতে মুক্ত বলিয়া ক্রির ফন্দ হইতে বর্জ্জিভ কোন ব্যক্তির নামে সমন দিতে পারিবেন।

৪৬৩ ধারা। ইউরোপীয় রটিষ প্রজাদের ও ইউরোপীয় রটিষ প্রজা ভিন্

ইউবোপীয় রটিষ প্রজা-দেব কিন্দুদ্ধে ফৌন্দ্রাবী আনুষ্ঠানিক কাষ্য চালা-ইবাব কগা। ইউরোপীয় রটিষ প্রজা ভিন্ন ইউরোপীয়দের ও আমেরিকা-দেশীয়দের বিরুদ্ধে থে কোঞ্জ-দারা আত্মন্তানিক কার্য্য সেশন আদালতে ও হাই কোর্টে উপ-

ছিত ক্রা যায় তাহা প্রকারান্তরের স্পন্ট বিধান না থাকিলে এই আইনের বিধানমতে চালান খাইবে।

## ৩৪ চতুস্ত্রিংশ অধ্যায়।

#### ক্ষিপ্তমনা ব্যক্তিদের সম্বন্ধীয় বিধি।

৪৬৪ ধারা। (১) যে মাজিফ্টেট তদন্ত কি বিচার করেন অভিযুক্ত ব্যক্তি বিক্কত-আভ্যুক্ত ব্যক্তি বিক্কত-মনা ও তন্ধিমিত্ত অভি-ফো। যোগের উত্তর দিতে অক্ষম সেই মাজিফ্রেট এইরপ বিশ্বাস

করিবার কারণ দেখিলে, ঐ ব্যক্তির মনের অস্বাস্থ্য নিশ্চয় করণার্থে তদন্ত লইয়া জিলার সিবিল চিকিৎসক সাহেবের দ্বারা কিন্বা স্থানীয় গবর্ণমেন্টের আদেশমত অন্য কোন চিকিৎসকের দ্বারা ঐ অভিযুক্ত ব্যক্তির পরীক্ষা করাইবেন এবং স্বাক্ষীস্বরূপ ঐ সিবিল চিকিৎসক সাহেবের কি অন্য চিকিৎসকের সাক্ষ্য গ্রহণপূর্ণক ঐ সাক্ষ্য লিখিয়া রাখিবেন।

(২) মাজিস্ক্রেট ঐ অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ক্ষিপ্তমনা ও তন্মিমিত্ত অভিযোগের উত্তর দিতে অক্ষম জ্ঞান করিলে, দেহ মোকদ্দমার অন্য সকল কার্য্য স্থগিত রাখিবেন। ৪৬৫ ধারা। (১) কোন ব্যক্তি দেশন আদালতে কি

সেশন আদালতে কি হাই কোটে সমপিত ব্যক্তি ক্ষিপ্ত হইলে যাগ কন্তব্য তাথার কথা। হাই কোর্টে বিচারার্থে সমর্পিত হইলে ও তাহার বিচার কালে আদালত তাহাকে ক্ষিপ্তমনা ও তম্মিতি অভিযোগের প্রতিবাদ করিতে অক্ষম বোধ করিলে,

জুরি অথবা আসেসরদের সাহায্যপ্রাপ্ত আদালত প্রথমে তাহার মনের অস্বাস্থ্যের ও অক্ষমতার বিচার করিবেন ও সেই বিষয় স্থান্ধেমতে জানিতে পারিলে, তদম্যায়ী নিম্পত্তি করিবেন। তাহা হইলে মোকদ্দমার বিচার গৌণে হইবে।

- (২) অভিযুক্ত ব্যক্তির মনের অস্বাস্থ্যের ও তাহার অক্ষযতার যে বিচার করা যায় তাহাও আদালতের সম্মুখে তাহার বিচারের একাংশ বলিয়া জ্ঞান হইবে।
- (৩) নথার প্রয়োজনার্থ আদালত এই আইনের ৫১২ ধারাক্রমে যে প্রকারের বিধান হইয়াছে সেই প্রকারে যে সকল সাক্ষী ও যে সাক্ষ্য উপযুক্ত বিবেচনা করেন সেই সকল সাক্ষীকে পরীক্ষা করিতে ও সেই সাক্ষ্য গ্রহণ করিতে পারিবেন এবং প্রস্ক্রপে যে কোন সাক্ষ্য গৃহীত হয় বা প্রাপ্ত হওয়া যায় তাহার কল ঐ ধারার নির্দ্দিট কলের তুল্য হইবে।

৪৬৬ ধারা। (১) কোন স্থলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে বিক্লতমনা ও অভিযোগের অপুসন্ধান বা বিচাবেৰ অপেক্ষায় ক্ষিপ্তব্যক্তিকে প্রতিবাদ করিতে অক্ষম জানা মুক্ত কবিবাৰ কথা। গোলে ভাহার যে অপরাধের অভিযোগ হয় যদি সেই অপরাধ

হেতুক হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে, তবে সেই
ব্যক্তির উপযুক্তমতে তত্ত্বাবধান করা যাইবে ও দে
আপনার কি অন্য কাহার হানি করিতে পাইবে না ও
আজ্ঞা হহলে তাহাকে মাজিফ্রেটের কি আদালতের
সমুখে কিখা মাজিফ্রেট কি আদালত এতৎপক্ষে যে
কার্যকারককে নিযুক্ত করেন তাহার সমুখে উপস্থিত
করা যাইবে এই২ নিয়মে উপযুক্ত জামিন দেওয়া
গেলে মাজিফ্রেট কিখা স্থলবিশেষে আদালত তাহাকে
ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

(২) থদি সেই অপরাণের নিমিত্তে হাজিরজামিন
লওয়া ঘাইতে না পারে, কিন্তা
উপযুক্ত জামিন না দেওঃ।
যায়, তবে মাজিফ্টেট কি আদালত স্থানায় গবলমেন্টের
নিকটে ঐ ব্যাপারের রিপোর্ট করিবেন ও স্থানীয়
গবর্ণমেন্ট অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ক্ষিপ্তদের সাম্রায় বাটাতে
কিন্তা নির্দিয়ে আটক করিয়া রাখিবার অন্য কোন
উপযুক্ত স্থানে বদ্ধ করিয়া রাখিবার আজ্ঞা দিতে
পারিবেন, এবং ঐ মাজিফ্টেট কি আদালত উক্ত

৪৬৭ ধারা। (১) ৪৬৪ কি ৪৬৫ ধারামতে লেখি মোকদ্মার তদন্ত লইতে প্নশ্চ প্রবর্ত্ত গ্রহার কথা। ফোট কিয়া স্থলবিশেষে আদ্ধ-লত কোন সময়ে ঐতদন্ত কি বিচারের কার্য্যে পুনশ্চ প্ররঃ হইতে পারিবেন ও উক্ত মাজিফ্রেটের কি আদালতের সমূখে অভিযুক্ত ব্যক্তির উপস্থিত হই-বার কি ভাষাকে আনাইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৪৬৬ ধারামতে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে মুক্ত করা গেলে ও এতদর্থে মাজিয়েটে কি আদানত যে কর্ম-চারিকে নিযুক্ত করেন তাঁহার নিকটে এ ক্ষিপ্ত ব্যক্তিকে উপস্থিত করিবার জায়িন ভাহাকে উপস্থিত করিলে সেই কর্মচারী খদি সাটিকিকেট দেন ধে অভিযুক্ত ব্যক্তি প্রতিবাদ করিতে সক্ষম, উক্ত সার্টিফিকেট প্রমা-ণের মধ্যে গ্রহণ করা যাইতে প।রিবে।

তাভিযুক্ত ব্যক্তি মাজি-ট্রেটের কি আদালতেব সম্মুথে উপস্থিত চইলে ই।তকত্তব্যতার কথা।

৪৬৮ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তি মাজিফৌটের কি স্থল বিশেষ আদাদতের সমুখে উপস্থিত হইলে কি ভাহাকে পুনশ্চ উপস্থিত করা গেলে. সে অভিযোগের প্রতি-বাদ করিবার উপযুক্ত ভাবাপন্ন

হইয়াছে ঐ মাজিফেট কিন্তা ঐ আদালতের এমত বোধ হইলে ঐ মোকদ্দমার তদস্ত কিন্তা বিচার কার্য্য চলিবে।

\*(২) তৎকালেও মাজিষ্টেট কি আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে অভিযোগে প্রতিবাদ করিতে অক্ষম জ্ঞান করিলে মাজিক্টেট কিন্ধা আদালত পুনশ্চ ৪৬৪ কি স্থল বিশেষে ৪৬৫ ধারার বিধানমতে কায্য করিবেন।

তদন্ত কি বিচার সময়ে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে স্থেমনা দেখা গেলে ব্যক্তিকে অভিযুক্ত ও অভিযুক্ত ব্যক্তি যে কার্য্য ক্ষিপ্ত দেখা গোলে যাই! করিয়াছে প্রক্রতম্না হইয়া কন্তব্য, তাগাব কথা। সেই কার্য্য করিলে ভাহা অপ-

রাধ হইত কিন্তু যে সময়ে ঐ ক্রিয়া করিয়াছিল সেই সময়ে মনের বিরুতি প্রযুক্ত ভতিযোগের ঐ ক্রিয়ার ভাব বৃঝিতে পারে নাই, ও অন্যায় কি আইন বিৰুদ্ধ কর্ম করিতেছে ইহা জানিতে পারে নাই, মাজিফ্রেটের সমুখে যে সাক্ষ্য দেওয়া যায় তদ্ধারা তাঁহার এমন জ্ঞান করিবার বিশিষ্ট হেতৃ থাকিলে, মাজিফ্টেট মোকদ্দমা করিতে প্রবৃত্ত হইবেন ও দেশন আদা-লতে কি হাই কোটে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করা বিহিত হইলে বিচারার্থে সেশন আদালতে কি গুলবিশেষে হাই কোর্টে পাঠাইবেন।

৪৭০ ধারা। যে সময়ে অপরাধ করিয়াছে বলিয়া কোন ব্যক্তির নামে অভিযোগ অভিযুক্ত ব্যক্তি কিন্তু হয় সেই সময়ে মনের অস্বাস্থ্য 5 ভ্রম। প্রামৃত্ত নিবপরাধী প্রযুক্ত দে ঐ অভিযোগের ।ন/যেৰ কথা। ক্রিয়ার অপরাধ স্বরূপ ভাব বুঝিতে পারে নাই ও শন্যায় কিমা আইনবিরুদ্ধ কর্ম কারতেছে হুহা জানে নাই, এই হেতু তাহাকে নিরপ-রাধা করা গেলে, সেই ব্যক্তি ঐ ক্রিয়া করিয়াছিল কি

না নিৰ্মপত্ৰে এই কথা বিশেষমতে লিখিতে হইবে।

৪৭১ ধারা। (১) ঐ অক্তিযুক্ত ব্যক্তি অভিযোগ্নযত

উॐ श्रक्\*रत गांबरक নিৰপৰাধী কৰা যায় ভাতাকে নিৰ্বিদ্ধে আতক বাংখবাৰ 4V, 1

ক্রিয়া করিয়াছে নির্বাপতে ইহা ব্যক্ত হংলে ও তাগার উক্ত অক্ষমতা না হইলে যদি অভি-যোগমত এ গ্রিয়া অপরাধের ভুল্য হইত, তবে যে মাজিফ্রেটের

কিমা যে আদালতের সন্মুখে ঐ বিচার হয়, সেই মাজিক্টেট বা আদালত যে স্থানে ও ফ্রেপে উপযুক্ত বোধ করেন সেই ছানে ও সেৎরূপে ঐ ব্যক্তিকে নিবিংলে হেফাজতে রাখিবার আজা করি বন ও স্থানীয় গ্রবর্ণমেন্টের আজ্ঞার জন্যে ঐ বি য়ের করিবেন।

- ২) স্থানীয় গবর্ণমেন্ট ক্ষিপ্ত ব্যক্তিদের আশ্রায়-বাটাতে কিখা কারাগারে কিখা স্বর্ফা ২ইবার অন্য কোন উপযুক্ত স্থানে ঐ ব্যক্তিকে বন্ধ করিয়া রাখিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
- গবর্ণ**ে**ম**ে**ণ্টব আজাক্রমে ক্রাবদ্ধ এপ াধা ক্ষিপ্ত ব্যক্তিফাকে अक श्रापमा प्रदेशक अमा প্রদেশে পাঠাইবাব আজা াদতে মন্ত্ৰিসভাগিষ্টিত জ্ঞান্ত গ্ৰহণ ফেন্যল সাচেৰেৰ

ক্ষম হাব কথা ৷

(৩) মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত ঐীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব সাধারণ কি বিশেষ আজ্ঞাক্রমে এইরূপ আদেশ করিতে পারি-বেন যে স্থানীয় গ্রণমেণ্ট যে কোন ব্যক্তিকে এই অধ্যয়মতে কোন শিপ্ত ব্যক্তিদের আছায় বাটীতে, জেলে বা নিনিদ্রে রাখিবার অন্য কোন স্থানে বঞ্জ রাখিবার আজ্ঞা করিয়াছেন,

সেই ব্যক্তিযে স্থানে বন্ধ থাকে তথা হুইতে ভাহাকে র্টিষ ভারতবর্ষের অন্তগত কোন শিপ্ত ব্যক্তিদের আগ্রায় বাটাতে বা জেলে বা নিকিছে। রাখিবার অন্য স্থানে পাঠাইতে হইবে।

কোনৰ কাৰ্য্য ভইতে **हेमर न्त्र**केट एक नवल मार्ट०-বকে স্থানীয় গ্ৰপ্ৰেমক্টেৰ যুক্ত কবণের ক্ষমতাব কথা।

(৪) কোন ব্যক্তি ২৬৬ বা এই ধারার বিধানমতে य एक दल व भारक, अभोग्न গবর্ণমেন্ট সেই জেলের কার্গ্যের অধ্যক্ষতা ভারপ্রাপ্ত কর্তৃপ-क्रांक ४१२, ४१७ वा ४१४ ধারামত জেলের ইনস্পেষ্ট্রর

জেনরল সাহেবের সকল কি কোন কার্য্য করিবার ক্ষমতা দিতে পারিবেন।

৪৭২ থারা। ৪৬৬ কিন্না ৪৭১ ধারার বিধান্মতে কোন ব্যক্তিকে বন্ধ করা গেলে किछनाजिन्दक इंग्टब्लेहन সেই ব্যক্তি কারাগারে বদ্ধ **ब्बन्दल**स मृष्टि कविवाव शिकत्म (अत्मद इनत्म्भक्ट्रेंद 4211

জেনরল সাহেব কিম্বা কিপ্ত ব্যক্তিদের আশ্রয় বাটীতে বদ্ধ থাকিলে ঐ আশ্রয় বাটীর সন্দর্শকেরা কিম্বা তাহাদের কোন হুইজন ঐ ব্যক্তির মনের অবস্থা জ্ঞাত হওনার্থে তাহার সলে সাক্ষাৎ করিতে পারিবেন ও সেই ইনস্পেক্টর জেনরল সাহেব কিলা পূৰ্বোক্ত গুই জান সন্দৰ্শক ছয়ং মাসা-ন্তুর ন্যুনকল্পে একবার ভাহার সঙ্গে সাক্ষাৎ করিয়া স্থানীয় গবৰ্ণমেন্টের মিকট তাহার মনের অবস্থার । বিশেষ রিপোর্ট করিবেন।

৪৭৩ ধারা। । ঐ ব্যক্তি ৪৬৬ ধারার বিধানমতে বন্ধ

২৬ কিব বাজি জভি-গোড়ে উদ্ভব দিতে সক্ষয় বিশোট ১ইলে কর্ডেন্ডের কথা; হইলে সে অভিনেগের প্রতিবাদ করিতে সক্ষম উক্ত ইন-শেশক্রীর জেনরল সাহেব কিম্বা সন্দর্শকেরা এই সার্টিফিকেট দিলে ঐ মাজিফ্রেট কিমা জল

বিশেষে আদালত যে সময় নিরূপণ করেন সেই সময়ে ত ব্যক্তিকে ঐ মাজিফ্রেটের কি আদালতের সম্মুখে উপস্থিত করা যাইবে; ও সেই মাজিফ্রেট কি আদালত সেই ব্যক্তির সম্বন্ধে ৩৬৮ ধারার বিধানমতে কার্য্য করিবেন ও সেই ইনস্পেক্টর জেনরলের কি সন্দর্শকদের পর্কোক্ত সার্টিফিকেট প্রমাণস্বরূপে গ্রাহ্য হইবে।

898 ধারা। (১) সেই ব্যক্তি ৪৬৬ কি ৪৭১ ধারার বিধানমতে বদ্ধ হইলে এবং

৪৬৬ কি ৪৭১ ধাৰামতে সন্ধ কৰু গাজি মুজ ২২-বাৰ গোগ্য প্ৰকাশ চইলে তাগৰ কথা। তাহাকে মুক্ত করা গোলে সে আপনার কি অন্য কাহার হানি যে করিবে আমার কি আমাদের বিবেচনায় এয়ত শক্ষা হয় না

উক্ত জেলের ইনস্পেষ্ট্রর জেনরল সাহেব কিন্তৃণ্ প্রক্ষোক্ত সন্দর্শকেরা এই মর্মের সার্টিকিকেট দিলে, খান ম গবর্ণমেন্ট ভাষার মুক্ত হইবার অথবা ভাষাকে শ্রেমাগতে রাখিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন অথবা প্রক্ষান্তি ব্যক্তিদের রাজকায় আশ্রেয়বাটাতে প্রেরিভনা হইলে ভাষাকে সেই খানে পাটাইবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন এব ভথায় পা াহবার আজ্ঞা দিলে কোন এক এন বিচারকভাকে এবং ছুই জন চিকিৎসক সাংখ্যকে কমিশনস্ক্রপ নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

(২) ঐ কমিশন আবশ্যক্ষত প্রমাণ গ্রাহণপূর্গ্রক এ বংক্তির মনের অবস্থার বিষয়ে নিয়মিভরূপে ভদন্ত লইক্তা স্থানার গবর্ণমেন্টে রিপোট করিবেন। গবর্ণ-মেন্ট ক্রেমন উচিত বোধ করেন ভেমনি ঐ ব্যক্তিকে ছাড়িলা দিবার কিন্তা ভাহার আটক থাকিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৪৭৫ থারা। (১) ৪৬৬ কি ৪৭১ ধারার বিধান্যতে কোন ব্যক্তি আটক থাকিলে , অংগ্রন্থের ওত্তাবধানে যদি ভাঙার জ্ঞাতি কুট্ধ কি কিপ্তবেল অপন করিবার কথা। রক্ষণে ও তত্ত্বাবধানে লইতে

ইচ্ছা করে, তবে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের নিকটে দরখান্ত কারলে সেই ব্যক্তির উপযুক্তমতে তত্ত্ব লওয়া যাইবে ও সে আপনার কি অন্য ব্যক্তির হানি করিতে পারিবে না ঐ স্বর্ণমেন্টের হাদোধমতে ইহার প্রতিভূ দিলে, গবর্ণ ট ঐ ব্যক্তিকে উক্ত জ্ঞাতি কুটুম্বের কি বন্ধুর নিক্রে ন্যপ্রা করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

(২ তাহাকে সেই প্রকারে সমর্পণ করা গেলেও স্থানা নবর্ণমেন্ট যে কর্মচারিকে নিযুক্ত করেন তিনি এ তা বিমন্টের নিরূপিত সময়ে সময়ে ঐ ব্যক্তিকে দৃক্তি বাতে পাইবেন এই নিয়য়ে তাহাকে অর্পণ করা যাইবে (৩) এই ধারামতে যে ব্যক্তি দিগকে মমর্পণ কর। যার তাহাদের প্রতি জাবশাক পরিবর্তনসহ ৪৭২ ও ৪৭৪ থারার বি ান খাটিবে; ও এই ধারামতে যে পরি-দর্শনকারা কর্মচারিকে নিযুক্ত করা যায় তাঁছার সার্টি-ফিকেট প্রমাণ বলিয়া গ্রাহ্য হইবে।

### ·৫ পার্বিল অপায়,

বিচার কার্য্য সঙ্গন্ধ র কোন কোন অপরারের যোক-দ্দমার আইঞ্চানিক কার্য্য বিষয়ক বিধি।

৪৭৬ ধারা। (১) ১৯৫ ধারার উলিখিত বিচারকার্য্য-ৰুমে ভৎসন্মধে ক্লড কি ১৯ঃ পাবাব লি খড অানীত কোন অপরাধের স্কুলে ক ব। প্রশালার কথা। তদম্ভ লইবার হেতৃ আছে, কোন দেওয়ানী কি কেজিদারী কি রাজস্বসম্পর্কীয় আদালত এমত বোধ করিলে সেই আদালত প্রথমস্থলীয় আবশ্যক ওদন্ত করিলে পর নিকটন্থ মাজিন্টেট্রের নিকট তদন্ত বা বিচার হইবার জন্যে সেই মোকদ্দ্রা প্রেরণ করিতে পারিবেন। উক্ত আদালত অভিযুক্ত ব্যক্তিকে প্রহারর জিশ্মায় পাঠাইতে কিথা তাহার স্থান ঐ মাজিষ্ট্েটের সন্মুখে উপস্থিত হইবার উপাযুক্ত জামিন লইতে পারিবেন ও সেই বিচার কি তদন্ত হই-বার সময়ে উপস্থিত হংয়া সাক্ষ্য দিবার জন্য কোন ব্যক্তিকে প্রতিজ্ঞাবদ্ধ করিতে পারিবেন।

- (-) তাগ হইলে ঐ মাজিষ্ট্রেট আইন অন্নসারে ও যেন নালিশ করা হইয়াছিল এমনি ভাবে কার্য্য করিবেন এব° তিনি ১৯২ ধারামতে মোকদ্দমা অর্পনি করিবার ক্ষমতা পাইয়া থাকিলে উপযুক্ত ক্ষমতাণন্ত্র দ্দার মাজিফেটের প্রতি উক্ত ভদন্ত বা বিচারকার্য্যের ভার অর্থন করিতে পারিবেন।
- (৩) ৩২ জধায় মত সংশোধন দারা বা প্রকারা-স্তরে এই ধারাস্থায়িক আস্প্রানিক কার্য্যের প্রতিবাদ করা যাইবে না।

৪৭৭ ধারা। (১) সেশন আদালতের সমুখে ১৯৫ ধারার উল্লিখিড কে:ন অপার্ধ

দেশন আদালতের হইলে কিম্বা বিচারকার্যক্রেমে সম্মুখে ওজ্প অপবাধ হঠলে ঐ প্রাদ্ধতের জানা উক্ত আদালতের জ্ঞান ক্ষমতার কথা। গোলে, সেই আদালত ৪৪৪ ধারার বিধা-

নের নিয়মাধানে ঐ ব্যক্তির নামে ঐ অপারাধের অভি-যোগ করিয়া আপানার ক্বত অভিযোগপাত্রক্রমে ঐ ব্যক্তিকে সম ন করিতে কিলা ভাহার স্থানে হাজির-জামিন লইয়া ভাহার বিচার করিতে পারিবেন।

(২) ঐ জ্ঞালত মাজিক্টেটকে উভ বিচারকালে সাক্ষী দিগকে ভপঞ্ছিত করাইবার আভা দিতে পারি-বেন। ৪৭৮ ধারা। (১) কোন দেওয়ানী বা রাজস্বসম্পর্কীয়

অনুসন্ধানের কাগ্য সমাপ্ত কবিয়া ভাই কোটে কি সেশন আদাপতে সমর্পান কাবতে দেওয়ানী ও বাজস্ব-সন্প্রকীয় আদালতেওব ক্ষম. তার কথা। আদালতের সমুখে এমত
অপরাধ করা গেলে কিয়া
বিচার কার্য্যক্রমে তাহা উক্ত
আদালতের জ্ঞানগোচরে আনা
গেলে, অপরাধের বিচার যদি
কেবল দেশন আদালতে কি

হাই কোর্টে হইতে পারে কিম্বা মদি উক্ত দেওয়ানী কি রাজস্ব সম্পর্কীয় আদালত বিবেচনা করেন যে সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে উহার বিচার হওয়া উচিত, তবে সেই দেওয়ানী কি রাজস্ব সম্পর্কীয় আদালত ৪৭৬ ধারামতে মাজিক্টেটের দ্বারা তদন্ত লইবার জ্ঞানে। মোকদ্দমা প্রেরণ না করিয়া আপনি সেই তদন্ত লওনের কার্য্য সমাপ্ত করিতে পারিবেন ও হাই কোর্টে কিম্বা স্থলবিশেষে সেশন আদালতের সম্মুখে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করিতে কিম্বা বিচার হইবার নিমিতে হাজিরজামিন লইতে পারিবেন।

(২) এই ধারামতে তদন্ত লইবার জন্যে দেওয়ানী বা রাজস্বসম্পর্কীয় আদালত ৪৪৩ ধারার নিয়মাধীনে মাজিন্টেটের সকল ক্ষমতামতে কার্য্য করিতে পারিবেন এবং ঐ তদন্ত লইবার সময়ে আদালতের আন্তর্ভানিক কার্য্য যতদূর সম্ভব ১৮ অধ্যায়ের বিধানমতে হইবে ও তাহা মাজিন্টেটের ছারা করা গেল এমত জ্ঞান হইবে।

৪৭৯ ধারা। দেওয়ানী বা রাজস্বসম্পর্কীয় আদাপত কর্তৃক অপরাধীকে উক্ত

ত দ্ৰপ শুলে দেওয়ানী বা ক্লাক্ষ সম্প্ৰকীয় আদালতেব কন্তব্যের কথা। কতৃক অপরাধাকে ভক্ত প্রকারে সমর্পণ করা গোলে, ঐ আদলত সমর্পণ করিবার আজ্ঞার ও মোকদ্দমার কাগঞ্জপতের

সহিত অভিসোগপতা প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেট কি জিলার মাজিফ্রেট সাহেবের কিন্না বিচারার্থ সমর্পণ করিবার ক্ষমতাপন্ন অন্য মাজিফ্রেটের নিকটে পাঠাইবেন। সেই মাজিফ্রেট প্র মাকদ্দমা এবং বাদির ও প্রতিবাদির সাক্ষ্যদিগকে হাই কোর্টের কি স্থলবিশেষে সেশন আদালতের সন্মুখে উপস্থিত করাইবেন।

৪৮০ ধারা। (১) ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের কোনং ছলে ভাগজা কলে যাগাকপ্রন্য ভাগর কথা।
কি ১৮০ কি ২২৮ ধারার ব্যব্তি কোন অপারাধ কোন দেওয়ানী কি ফেডিলারী কি রাজস্থ-

সম্পর্কীয় আদালতের দৃষ্টিগোচরে কি সমুখে করা গেলে
অপরাধা ইউরোপায় রটিয প্রজা হউক কি না হউক
ঐ আদালত ভাহাকে হেফাজতে রাখিতে পারিবেন
ও সেই দিনে আদালত উচিত বোধ করিলে, উঠিয়া
ফাইবার পূর্ব্ব কোন সময়ে ঐ অপরাধের বিচার করিয়া
অপরাধীর দুই শত টাকার অনধিক অর্থদণ্ডের আজ্ঞা
করিতে পারিবেন ও সেই অর্থদণ্ড না দেওয়া গেলে
ভাহার এক মাস পর্যান্ত সামান্য করাদণ্ড হইবার আজ্ঞা

করিতে পারিবেন। ইতিমধ্যে ঐ অর্থদণ্ড দেওয়া গেলেই তাহাকে মুক্ত করা যাইবে।

(২` ৪৪৩ ও ৪৪৪ ধারার কোন কথা এই ধারামত কার্য্যাস্ক্রানের প্রতি বর্তিবে বলিয়া জ্ঞান হইবে না

৪৮১ ধারা। (১) উক্ত প্রত্যেক ছলে যে কার্য্য দ্বার। অপরাধ হয় ও অপরাধী দেই

এইরপ মোকদ্দমায়নগীব বিষয়ে কোন উত্তর দিলে থে উত্তর
কথা।

দেয় ও যে নির্বয় ও দণ্ডাজ্ঞা হয়আদালত সেই সকল কথা লিপিবদ্ধ করিয়া রাখিবেন।

(২) ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ২২৮ ধারামত অপরাধ হইলে ঐ আদালত বিচারঘটিত যে কার্য্যে অধিবিষ্ট ছিলেন সেই কার্য্যের ভাব ও কার্য্য কত দূর চলিলে ঐ অপমান কি প্রতিবন্ধকতা করা যায় তাহা ও সেই অপমানের বা প্রতিবন্ধকতার ভাব ঐ কাগজপত্রে

দেখাইতে হইবে।

৪৮২ ধারা। (১) ৪৮০ ধারার উলিখিত ও আপনার

৪৮০ ধারামতে মোক

দ্ফি গোচরে কি সম্মুখে ক্লত

দমা লইযা কার্য্য হওয়। কোন অপরাধে অভিযুক্ত

৪৮০ নয়, আদালতের ব্যক্তির অর্থদণ্ড না দেওয়া
এমত বোধ হইলে কার্য্য- প্রযুক্ত যে কারাদণ্ড হইতে
প্রনালীব ক্ষা।

পারে ভদ্তির কাণ্যদণ্ড কিম্বা

ত্বই শত টাকার অধিক অর্থদণ্ড করা উচিত আদালত এমত বোধ করিলে, কিম্বা ৪৮০ ধারামতে ঐ মোকদমা লইয়া কার্য্য করা উচিত নয় আদালত অন্য কোন কারণে এরপ বিবেচনা করিলে, যে কার্য্যাদি দ্বারা ঐ অপরাধ হয় ও পূর্বলিখিত বিধিমতে অভিযুক্ত ব্যক্তিযে উত্তর দেয় ঐ আদালত তাহা লিপিবদ্ধ করিলে পর ঐ মোকদমার বিচার করিবার ক্ষমতাপন্ন মাজিফ্রেটের নিকটে সেই মোকদমা পাঠাইবেন, ও অভিযুক্ত ব্যক্তি ঐ মাজিফ্রেটের সম্মুখে উপন্থিত হইবে ইহার জামিন না দেওয়া গেলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে প্রহরির জিন্মায় ঐ মাজিফ্রেটের নিকটে পাঠাইবেন।

(২) এই ধারামতে কোন ব্যক্তিকে ধে মাজিস্টেটের নিকটে পাঠান থায় ইতিপুক্তে যে বিধান করা গিয়াছে সেই বিধানমতে তিনি ভাহার নামে নালিশ'শুনিতে প্রব্যুত্ত হইবেন।

৪৮০ ধারা। স্থানীয় গ্রব্মেন্ট আন্তা করিলে ভারতব্যীয় রেজিইনীকরণ জার ৬৮০ ও ১৮০ ধানাতে দেওগানী আদালত বাল্যা আন যে দ্লেইইবে তাগ্র ব্যাস্থানা আভান যে দ্লেইইবে তাগ্র ধানাত বিষয়ক ১৮৭৭ সালের আইনার আভান যে দ্লেইইবে তাগ্র ব্যাস্থানার আভিপ্রায়াম্ব্যায়া

দেওয়ানী আদালত বলিয়া জ্ঞান হইবে।

৪৮৪ ধারা। কোন ব্যক্তিকে আইনসিদ্ধ কোন কার্য্য করিঙে আজ্ঞা করা কার্য্য করিঙে আজ্ঞা করা কার্য্য করিজে কিঘা অপরাধ গোলে তাহা করিঙে অজ্ঞীকার দ্বীকার কবিলে তাহাব মৃক্ত করা কিঘা সেই কর্ম না করা হইবার কথা। কিঘা ইচ্ছাপূর্থক অপমান করা

- সাক্ষীত্মপে ভাহার সাক্ষ্য লইবার জন্যে ভাহাকে ঐ কোর্টের সমুখে আনাইবার আজ্ঞা।
- (ঘ) কোর্ট মার্লা লের সমুখে কিন্তা মন্ত্রিসভাথিটিত জীমুত গবণর জেনরল সাহেবের
  কোন কমিশনের বলে কর্মকারী কোন
  কমিশনরদের সমুখে বিচার হইবার
  জন্যে কিন্তা উক্ত কোর্ট মার্শ্বলের কি
  কমিশনরদের সমুখে উপদ্বিত কোন
  বিষয়ে সাক্ষ্য দিবার জন্যে প্রেভিমত
  বন্ধ কোন আসামীকৈ জানাইবার
  আজ্ঞা।
  - (ও) উক্ত স্থানের মধ্যে কোন আসামীর বিচার হইবার জ্ঞান্যে তাহার বন্ধ থাকার এক স্থান হইতে অন্য স্থানে চালান করিবার আজ্ঞা। এবং
  - (5) ধ্বত করিবার পরওয়ানা জারী করিয়।

    শরিক সাহেব সীপাই কর্পস (অর্থাৎ

    ব্যক্তিকে াইয়াছি) বলিয়া যে রিটর্গ

    দেন তদমুসারে উক্ত ছানের মধ্যের

    কোন আসামীকে আনিবার আজ্ঞা।
- (২) এই ধারামতে যে প্রণালীক্রমে কার্য্য করা যাইবে উক্ত প্রত্যেক হাই কোর্ট সময়েং সেই প্রণালী বিষয়ক বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।
- (৩) রাজকীয় বন্দী বিষয়ক বন্ধদেশের ১৮১৮
  সালের আইন, মান্দ্রাজের ১৮১৯ সালের ২ আইন
  কিন্না বোদ্বাইর ১৮২৭ সালের ২৫ আইনমতে
  অথবা রাজকীয় বন্দী বিষয়ক ১৮৫০ সালের আইন
  বা রাজকীয় বন্দী বিষয়ক ১৮৫৮ সালের আইনমতে
  যে ব্যক্তিদিগকে আটক করিয়া রাখা যায়, ভাহাদের
  প্রতি এই ধারার কোন কথা খাটে না।

### নব্ম খণ্ড।

অভিরিক্ত বিধান।

**७৮** जहें जिश्म जशाय ।

রাজকীয় অভিযোক্তাদের সম্বন্ধীয় বিধি।

৪৯২ ধারা। (১) মাজ্রসভাধিষ্ঠিত শ্রীমৃত গবর্ণর
জ্ঞানকীয় অভিযোজন গর্ণমেন্ট কোন ছানে সাধামিশুক্ত করিবার ক্ষমতার
কথা।
বিশ্বেক কোন মোকন্দমায়
বা কোন বিশেষ শ্রেণীর মোক-

ন্দমায় রাজকায় অভিযোক্তা নামক এক বা একাধিক কর্মচারী নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

(২) সেশন আদালতের বিচারার্থে যে মোকজনা সমর্পণ করা যায় জিলার মাজিট্রেট লাহেব কিছা তাঁহার কর্ত্ত্ত্বাধীনে মহকুমার মাজিট্রেট রাজকীয় অভিযোক্তা অমৃপস্থিত থাকিলে, কিছা নিযুক্ত না হইয়া থাকিলে, থে মোকদমার কার্য্যপক্ষে আলিফাণ্ট ভিষ্ট্রিট্ট অপারেবিভেন্টের শ্রেণার নিম্নন্থ পোলীলের কর্ম্যার জিয় করিতে নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

৪৯৩ ধারা। যে আদালতে রাজকীয় অভি-যোক্তার প্রতি সমর্পিত মোক-বাহ প্রাপ্ত ৯০ কেইং মোক্ত দ্বমায় সকল আদালতে বাহুকীয় অভিযোক্তার উত্তব প্রস্থান্তর করিতে পারিবেন;

ও ঐরপ কোন মোকদ্দমায় যদি বেসরকারী কোন ব্যক্তি কোন ব্যক্তির নামে বেসবকারী কোন ব্যক্তিব অভিযোগ করিবার নিমিস্ক উকীল তাঁগার আঞ্জাধীন গার্কিবার কথা।
তবে মোকদ্দমা চালাইবার

ভার রাজকীয় অভিযোক্তার প্রতি বর্ত্তিবে ও আদেশ-প্রাপ্ত উকীল তাঁহার স্মাজ্ঞাধীনে কর্ম করিবেন।

৪৯৪ ধারা। মজিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের বা ছানীয়
ভাতথোগ উঠাইয়া দিলে গবর্ণমেন্টের নিযুক্ত কোন
ভাতার ফলের কথা।
 রাজকীয় অভিযোক্তা জ্বির
জারা মোকদ্দমার বিচার হইলে, তাঁহাদের মীমাংসা
দিবার পূর্বেও অন্য ছলে, নিপ্ততি প্রকাশ করিবার পূর্বেং
আদালতের অহমতি লইয়া কোন ব্যক্তির নামে
অভিযোগ উঠাইয়া লইতে পারিবেন। ঐরপে যদি
অভিযোগ উঠাইয়া লওয়া যায়, তবে

- (ক) অভিযোগপত্র প্রস্তুত হইবার পূর্বের তাহা করিলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে ছাড়িয়া দেওয়া যাইবে।
- (খ) অভিযোগপত্র প্রস্তুত হইবার পর, কিম্বা যে স্থলে এই আইনমতে অভিযোগপত্তির প্রয়োজন নাই, সেই স্থলে ঐরপ করিলে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দোষ করা যাইবে।

৪৯৫ ধারা। (১) কোন মাজিফ্রেট মোকদ্দমার
তদন্ত লইলে কি বিচার করিলে
আভিযোগ চালাইবাব স্থানীয় গবর্ণমেন্ট মন্ত্রিসভাঅনুমতির কথা।
ধিন্তিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল
সাহেবের অনুমতি প্রহণ পূর্কক এতদর্থে পোলীসের যে
শ্রেণী নির্দেশ করেন সেই শ্রেণীর নিম্নতন পোলীস
কর্মচারী ভিন্ন যে কোন ব্যক্তিকে অভিযোগ কার্য্য
চালাইতে অনুমতি দিতে পারিবেন, কিন্তু তক্ত্রপ
অনুমতি না পাইলে আভবোকেট জেনরল কি ফাণ্ডিং
কৌন্দেল কি গ্রন্মেন্ট সলিসিটর কি রাজকীয়

শভিষোক্তা কিয়া এডদর্থে স্থানীয় গৰ্গনেতের স্থানে সাধারণ বা বিশেষমতে ক্ষতাপ্রাপ্ত কোন কর্ম। চারা ভিন্ন কোন ব্যক্তির সেই কার্য্য করিবার অশ্বিকার নাই।

- (२) কোন ব্যক্তি অভিযোগ কার্য্য চালাইনে আপদ্মি কিছা উকালের ছারা ভালা চালাইতে পারিবেন।
- (৩) ৪৯৪ ধারা ক্রমে অভিযোগ উঠাইমা দিবার যে ক্রমতা সন্থন্ধে বিধান হইয়াছে ঐরপ কোন ব্যক্তির তভুল্য ক্ষমতা থাকিবে এবং ঐ ব্যক্তি কর্তৃক কোন অভিযোগ উঠাইয়া লওয়া হইলে তৎসন্থন্ধে ঐ ধারার বিধান খাটিবে।
- (ম) অভিযুক্ত বাক্তির নামে যে অপরাধের নিমিত্ত অভিযোগ চলিতেছে, পোলীদের কোন কর্ম-চারী সেই অপরাধ সম্পর্কীয় তদন্তের কোন অংশে দিপ্ত থাকিলে তাঁহাকে সেই অভিযোগ কার্য্য চালাইবার অমুমতি দেওয়া যাইবে না।

## ্ত উনচত্তারিংশ অধ্যায়।

### হাজিরজামিন বিষয়ক বিধি।

৪৯৬ ধারা। যে অপরাধের নিমিত হাজিরজামিন
লয়রা ঘাইতে পারে না এমত
থে ছলে হাজিরলামিন
লও্যা যাইতে পাবে তাহা
লউতে হইবার কথা
থিত কিয়া আটক করা গেলে কিয়া কোন আদালতের
সম্মুখে দে উপজ্জিত হইলে কি ভাছাকে আনা গেলে
ও দে উক্ত পোলীদের কর্মচারির হেফাজতে ধাকিবার
কি উজ্জ আদালতে আফ্রন্তামিক কার্য্য চলিবার কোন
সময়ে হাজিরজামিন দিতে প্রস্তুত্ত থাকিলে, ভাহার
ছারে হাজিরজামিন লইয়া ভাহাকে ছাড়িয়া দেওয়া
যাইবে।

পরন্ত পশ্চালিখিত বিধানমতে ঐ ব্যক্তি জামিন বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া উপস্থিত হইবার প্রতিজ্ঞাবদ হইলে উক্ত কর্ম্বচারা কি আদালত উচিত বোধ করিলে তাহার স্থানে হাজিরজামিন না শইয়া জ্ঞাহাকে ছাড়িয়া দিতে পারিবেন।

৪৯৭ ধারা। (১) যে অপরাধ হইলে হা জরজামিন ল ওয়া যাইতে পাবে মা, কোন হাতি রভামিন লইবাব তাযোগ্য যে স্থলে হাতি ব-ভামিন লওয়া যাইতে গানেরবে ডাধের কথা। ভাষ্যকে কোন পে,লীস থানার ভাষ্যক ওয়া বনী ধৃত

করিলে কিন্তা আটক করিয়া রাখিলে কিন্তা দে কোন আদালতের সমুখে উপস্থিত হইলে কিন্তা ভাষাকে আনা গেলে তাহাকৈ হাজিনজামিন লইয়া ছাড়িয়া দেওয়া মাইতে পারিবে, কিন্তু তাহার নামে দে অপরাধের অভিযোগ হইল সে এ অপরাধে অপরাধী এমত জান

করিবার যুক্তিয়ত কারণ গৃষ্ট ছইলে ভাহাকে ঐরপে ছাড়িয়া দেওয়া যাইবে না।

- (২) ঐ ব্যক্তি যে উক্ত অপরাধ করিয়াছে ইহা
  বিশ্বাস করিবার বৃক্তিমত কারণ দৃষ্ট হয় না, কিন্ত
  ভাহার অপরাধের আরো ভদত লইবার বিশিষ্ট হেড়
  আছে, অমুসন্ধান কি ভদত কি বিচারকার্য্য চলিবার কোন
  সময়ে উক্ত কর্মচারির কি আদালতের এইরপ বিবেচনা
  হইলে ঐ ভদত না লওন পর্যান্ত অভিযুক্ত ব্যক্তির
  নিকট হাজিরজানিন লইয়া কিয়া ঐ কর্মচারির বা
  আদালতের বিশ্বেচনামতে পশ্চালিখিত বিধান অমুসারে
  জামিন বিনা উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্র ভাহার স্থানে
  লেখাইয়া লইয়া ভাহাকে ছাভিয়া দেওয়া যাইতে
  পারিবে।
- (৩) পশ্চাৎ এই শাইনমত কোন কার্য্যান্নন্তান হই-বার যে কোন সময়েই কোন আদাসত এই ধারামতে মুক্ত কোন ব্যক্তিকে ধৃত করাইয়া হেকাজতে অর্পণ করিতে পারিবেন।

৪৯৮ বারা। এই অধ্যায়মতে যে কোন নিবন্ধপত্রি শেখাইয়া লওয়া যায় মোকদ্দ-গাঙ্কির গাঘন লইবার কি উল্ল কমান্তব্য কাজিল কারবার ক্ষমতার কথা। বাধিয়া ভাহার টাকা ধার্য্য করা যাইবে এবং ঐ টাকা

অত্যধিক হইবে না: এবং কোন ব্যক্তিকে হাজিরজামিন দিবার অহুমতি দেওয়া যায়, কিম্বা পোলীদের কর্ম-চারা কিম্বা মাজিফেট মত টাকার জামিন চাহেন ভাছা কমাইয়া দেওয়া যায়, অপারাধ নির্ণয়ের উপার আপাল হউক কি না হউক, হাই কোট কি দেশন আদালত যে কোন হলেই এমত আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

৪৯৯ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির স্থানে হাজির জামিন কি তাহার নিজের জামিন কি তাহার নিজের কামিনদের বিবন্ধপত্তি লইয়া তাহাকে কথা।
কথা।
কয়ের কর্মচারা কি স্কুশ্রিশেষে

আদালত যত টাকা উপযুক্ত জ্ঞান করেন ঐ অভিযুক্ত ব্যক্তি ও তাহাকে হাজিরজামিন লইয়া ছাড়িয়া দেওয়া পেলে, এক কি অধিক জন বিশিষ্ট প্রতিভূ তত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবে। নিবন্ধপত্রের নিয়ম এই যে, ঐ ব্যক্তি ঐ নিবন্ধপত্রের নির্দ্ধিষ্ট সময়ে ও স্থানে উপস্থিত হইবে, ও পোলাদের কর্মচারির কি স্থল-হিশেষে আদালতের অন্য আজ্ঞা না হওন পর্যান্ত উপস্থিত থাকে।

(২) মাদ মোকজ্মার প্রয়োজন হয়, উক্ত নিবল্প-পত্রে এই নিয়্মও থাকিরে যে যে ব্যক্তিকে হাজির-জামিল লইমা ছাড়িয়া দেওয়া যায় সেই ব্যক্তি ক্রজিগোগের উত্তর দিবার জন্য আহুত হইলে হাই ক্যোটে কি সেশন আদালতে কি অন্য আদালতে উপস্থিত হইবে। কিলা কার্য্যের বাধা দেওরা প্রবৃক্ত লাদালত ৪৮০ ধারামতে কোর অপরাধীর দণ্ড নিরূপন করিলে যদি দেই অপরাধী ঐ আদালতের আজা কি আদেশ মানিতে স্থীকার করে কিলা আদালতের হলো মতে অপরাধ স্থীকার করে তবে আদালত স্থীয় বিবেচনা-মতে তাহাকে মুক্ত করিতে কিলা তাহার দণ্ড ক্যা করিতে ক্ষমতাপল্ল ছইবেন।

.)

ষতে বাখিবার কথা।

•৪৮৫ ধারা। কোজদারী আদালতের সন্মুখে উত্তর দিতে কি দলীল উপান্ধিত কারতে ঘীকার ব্যক্তিকে কোন দলীল উপ-দা কাবলে কোন ব্যক্তিকে ছিড করিছে তলব করা হয় কারাবদ্ধ কবিবাব কি হেফা- ভাছাকে যে কথা জিল্ঞাসা

করা যায় সে তাহার উত্তর দিতে কিম্বা ভাহার অধিকারগত কি ক্ষমতাভুক্ত যে দলাল উপস্থিত করিবার আদেশ হয় ভাষা উপস্থিত করিতে অপ্টাশার করিলে, ও অস্টাকার করণের কোন যুক্তিসঞ্চত কারণ না জানাইলে, ঐ আদালত হেডু লিপিবন্ধ করিয়া ঐ ব্যক্তির সাত দিনের অন্ধিক কাল সামান্য কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিতে, কিন্না ভাহাকে অধ্যক্ষতা ভারপ্রাপ্ত মাজিটেটের বা জজের স্বাক্ষরিত ওয়ারন্টক্রমে তত কাল আদালতের কোন কর্মচারির হেফাজতে অর্পণ করিতে পারিবেন। ইতি-মধ্যে সাক্ষ্য ও উত্তর দিতে বা দলীল উপস্থিত করিতে সন্মত হইলে তাহাকে মুক্ত করা ধাইবে। কিন্তু সেই সাত দিনের পরেও অস্থাকার করিতে ধাকিলে তাশ্বর প্রতি এই আংনের ৪৮০ ও ৪৮২ ধারার বিধানমতে কার্য্য হইতে পারিবে এবং রাজকীয় সনন্দ বলে স্থাপিত আদালত হংলে তাহাকে অবজ্ঞা করণাপরাধা জ্ঞান করা যাইবে।

৪৮৬ ধারা। (১) কোন আদালত কর্তৃক ৪৮০ কি
৪৮৫ ধারামতে কোন ব্যক্তির
• অবজ্ঞাব মোকদ্দায অপবাধ নিব্য ০ইলে ডাগ্রব
উপর আপিলের কথা।
উপর সাধারণতঃ যে আদা-

লতে আপীল হইতে পারে সে ইতিপূর্বে প্রকারাম্ভরের কথা সত্ত্বেও সেই আদালতে আপীল করিতে পারিবে

- (২) এই ধারামত আপীলের প্রতি ৩১ অধ্যায়ের বিধান যতদূর বর্জিতে পারে বর্জিবে ওযে নির্নয়ের কি দণ্ডাজ্ঞার বিরুদ্ধে আপীল হয় আপাল আদালত সেই মির্ণয় পরিবর্জন কি অন্যথা করিতে কিয়া সেই দণ্ডাজ্ঞা কম কি অন্যথা করিতে পারিবেন।
- (৩) রাজধানী নগবের ছোট আদালতে উক্ত অপারাম নির্ণয় হউলে ছাই কোর্টে আপীল ছইতে পারিবে এবং

জনা ছোট আদালতে অপরাধ নির্ণয় হইলে ঐ আদালত যে সেশন খণ্ডের মধ্যে থাকে সেই সেশন খণ্ডের সেশন আদালতে আপীল হইতে পারিবে।

(৪) প্ৰেকাজমতে নিযুক্ত বেজিফ্টার বা সব-বেজি-ফ্টারস্ক্রপ কোন কর্মচারী ডক্রপ অপরাধ নির্বয় করিলে উক্ত কর্মচারী যদি কোন দেওয়ানা আদালভের বিচারপতিও ছয়ের; তবে ঐ কর্মচারী উক্ত বিচারপতিস্বরূপ অপরাধ নিগর করিলে এই ধারার প্রবাংশমতে রে আদালতে আপীল হইতে পাতি সেই আদালতে আপাল হইবে; ও ছলান্তরে জিলার জ্ঞুজ সাহেবের মিকটে কিছা রাজধানী নগরে হাই কোর্টে আপীল হইবে।

৪৮৭ ধারা।(১)৪৭৭ ও ৪৮০ ও ৪৮৫ ধারার নির্দিষ্ট

১৯৫ ধাৰাব উল্লিখনত
অপৰাধ কোন২ লভেব কি
মাজেওেতের সন্ধূধে করা
গোলে, তাঁগালের নেক অপবাধের বিচার না করিবার
কলা।

ছল ব্যতিরেকে হাই কোর্টের জজ ও রেছণের রিকার্ডার ও প্রেসিডেন্সী মাজিফেট ভিন্ন কোন কোজদারী আদালভের জজ কি মাজিফেট ১৯৫ ধারার উল্লিখিত অপরাধ তৎসমুখে

কিষা ভাষার ক্ষমভার প্রতি অবজ্ঞা দেখাইয়া করা গোলে, কিছা বিচারকার্য্যক্রমে ঐ জজ্ঞ বা মাজিফেট ক্ষমণ তাঁছার জ্ঞান গোচরে আনা গেলে ঐ অপরাধ ছেতু কোন ব্যক্তির বিচার করিতে পারিবেন না।

(২) যে মাজিফ্রেট সেশন আদালতে কি হাই কোর্টে সমর্পণ করিবার জন্য জমজাপন্ন হন তিনি যে উক্ত আদালতে কি কোরে কোন মোকদ্দমা আপনি সমর্পণ করিতে পারিবেন না কিন্তা প্রেসিডেন্সা মাজিফ্রেট যে অন্য মাজিফ্রেটের নিকটে তদন্ত জন্য না পাঠাইয়া কোন মোকদ্দমা লইয়া আপনি কার্য্য করিতে পারিবেন না. ৪৭৬ কি ৪৮২ ধারার কোন কগার ভারা এরপা বিধান হইবার জ্ঞান হইবে না।

#### ७७ यहेजिल्न जमाग :

### ন্ত্রী ও সন্তানাদির ভরণপোষণের বিধি।

৪৮৮ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির উপযুক্ত সক্তি
থাকিডেও যে আপন স্ত্রীর কিছা
প্রী ও সম্ভানাদির ভরণ
পোষণের আজার কথা।
বিজ্ঞানিক স্থাতিপাদনে অক্ষম কোন
উরস কি জারজ সন্তানের ভরণ-

পোষণ করিতে উপেক্ষা কি অস্থাকার করে ইহার উপযুক্ত
প্রমাণ হইলে, জিলার মাজিস্টেট সাহেব কিম্বা প্রেসিডেন্সা মাজিস্টেট কিম্বা মহকুমার মাজিস্টেট কি প্রথম
শ্রেণার মাজিস্টেট কিম্বা মহকুমার মাজিস্টেট কি প্রথম
শ্রেণার মাজিস্টেট কিম্বা মহকুমার মাজিস্টেট কি প্রথম
শ্রেণার মাজিস্টেট কিম্বা মাজিস্টেট কামরেব মত
টাকা উচিত বোধ করেন এ ব্যক্তির তত টাকা দিবার
আজ্ঞা করিতে পারিখনেন। মাজিস্টেট সময়েব যে
ব্যক্তির নিকট দিবার আদেশ করেন সেই টাকা সেই
বাজ্ঞির নিকট দিতে হাইবে।

(২) ভরণপোষণের এই টাকা দিবার আজ্ঞার তারিখ অবধি কিম্বা যদি এরূপ আজ্ঞা হয় তবে নালিশের ভারিখ অবধি এই টাকা দেওয়া যাইবে। (৩) যদি ঐরপ আজ্ঞাপ্রাপ্ত কোন ব্যক্তি ইচ্ছাপূর্বক

এইপ আজ্ঞামত কার্য্য করিতে

কেই আজ্ঞা প্রথন করিবাব

উপেক্ষা করে, তবে যতবার

ইপালি করে তবে যতবার

ইপালি করে তবে যতবার

ইপালি করে তবে যতবার

ইপালি করে তবে যতবার

ইপালি করিবার ও

ইয়ারকী জারী ইইলে ও কান মাসের টাকার সমুদ্র

বা কোন অংশ অদত্ত থাকিলে ঐ ব্যক্তির একমাস কাল

অধবা যতকাল ঐ টাকা দেওয়া না হয় ততকাল পর্যান্ত

কারাবন্ধ ইইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

কিন্তু যদি এ বাক্তি কহে যে, ছা আমার সঙ্গে বাস করিলে আমি ভাহার ভরণপোষণ করিতে প্রস্তুত আছি ও ছী ষদি কাহার সঙ্গে বাস করিতে স্বীকার না করে তবে ঐ ছা অস্থীকার করিবার যে কারণ জানায় ঐ মাজিস্টেট সেই কারণ বিবেচনা করিতে পারিবেন ও মাজি-ফেটের যদি এরপ প্রতীতি হয় যে এই ধারামত আজ্ঞা করিবার ন্যায্য হেডু আছে তাহা হইলে পুরুষ পুর্বোক্ত প্রস্তাব করিলেও তিনি এই ধারামত আজ্ঞা করিতে পারিবেন

- (৪) দ্বী যদি উপপান্দর সঙ্গে বাস করে, কিম্বা যদি অন্পথ্যক্ত কারণে আপন স্বামীর সঙ্গে বাস করিতে অস্বীকার করে, কিম্বা যদি উভয়ে পরস্পরের সম্মতি-ক্রোমে স্বভন্ত বাস করে, তবে এই ধারামতে স্বামির স্থানে এ দ্বীর রভি পাইবার অধিকার ন।ই।
- (৫) কোন জার অন্তক্লে এই ধারামতে আজ্ঞা করা গেলে যদি প্রমাণ হয় যে সেউপপতির সহিত বাস করিতেছে, কিয়া উপযুক্ত কারণ বিনা আপন স্বামীর সঙ্গে বাস করিতে অস্থাকার করে, কিয়া উভয়ে পর-স্পারের সম্মতিক্রমে স্বতন্ত্র বাস করে, তবে মাজিফ্রেট উক্ত আজ্ঞা বহিত করিবেন।
- (৬) এই ধারামত সমুদয় সাক্ষ্য স্থামির বা স্থল-বিশেষে পিভার সাক্ষাতে লওয়া যাইবে, কিছা তাঁহার স্থয়ং উপস্থিত না হইবার আজ্ঞা দেওয়া গেলে তাঁহার উকীলের সাক্ষাতে লওয়া যাইবে এবং সমনের মোক-দমায় যেরপে সাক্ষ্য লিপিবদ্ধ করা যায় তাহা সেইরপে লিপিবদ্ধ করা যাইবে।

কিন্তু সে ইচ্ছাপুর্বাক ঐ আজ্ঞা জারী করণ এড়াই-তেছে কিন্তা আদালতে উপস্থিত হইতে ইচ্ছাপূর্বাক উপোক্ষা করিতেছে মাজিফেটের এরপ প্রভীনি হইলে, উক্ত মাজিফেট ঐ মোকদমা একতরকা শুনিরা নিপান্তি করিতে প্রবৃত্ত হইতে পারিবেন। তিন মাসের মধ্যে দরখান্ত করিয়া উপযুক্ত কারণ দেখান গেলে ঐরপে ক্লত কোন আজ্ঞা অন্যথা করা যাইতে পারিবে।

(৭) অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনি সাক্ষী ছইতে চাহিতে পারিবে ও ঐ রূপ ছলে সাক্ষীষ্দরপ ভাহাকে পরীকা করা যাইবে এবং আদাসত এই ধারামত নালিশ সংস্কে কার্য্য করিবার সময় খরচ সম্বন্ধে যেরূপ আজা ন্যায়্য হয় ভাহা করিতে পারিবেন। (৮) অভিবৃক্ত ব্যক্তি যে কোন জিলার রাস করে বা থাকে কিছা যথার সে শেষবার নালিশকারিণীর সহিত সহবাস করিয়াছিল তাহার বিৰুদ্ধে সেই জিলায় আফ্টানিক কার্য্য ছইতে পারিবে।

৪৮৯ ধারা। ৪৮৮ ধারামতে যে ব্যক্তি মাসিক তি পার কি ঐ ধারামতে যাহার প্রতি পারবর্তন করিবার প্রতি স্থীয় দ্বীকে কি সম্ভানকে মাসিক রতি দিবার আজা হয়, ইহার মধ্যে কোন ব্যক্তিং সঙ্গতি পারবর্তন হওয়া প্রমাণ হইলে ঐ মাজিইটেট উক্ত রতি যজপে পারবর্তন করা উচিত বোধ করেন, করিতে পারিবেন, কিন্তু যদি তিনি রতি বাড়াইয়া দেন তাহা হইলে মাসে মোট পঞ্চাশ টাকার অধিক দিবার আজা করিবেন না।

৪১০ ধারা। যে ব্যক্তির ভরণপোষণের নিমিত্ত
ভরণপোষণের আজা
প্রবদ করিবাব কখা।

কর্ম ভাহার অভিভাবক থাকিলে
উক্ত অভিভাবককে কিয়া যে
ব্যক্তিকে রভি দেওয়া যাইবে সেই ব্যক্তি কে বিনা কীতে
ঐ আজ্ঞার নকল দেওয়া যাইবে। ও যে ব্যক্তির নামে
ঐ আজ্ঞা দেওয়া যায় সেই ব্যক্তি যে কোন স্থানে
থাকুক সেই ছানের কোন মাজিইটে উভয় পাক্ষর
অনন্যভা ও যে টাকা দেওয়া হয় ভাহা দেওয়া যায়
নাই এই বিষয় হ্রছোধমতে জানিলে ঐ আজ্ঞা প্রবল
করিতে পারিবেন।

#### ৩৭ সপ্তত্তিংশ অংশয়।

হাৰিয়াস কৰ্পস ভাবাপন্ন আজ্ঞার বিধি।

- 8৯১ ধারা। (১) কোট উইলিয়ম ও মাজ্রাজ ও বোদ্বাই রাজধানীর হাবিয়াস কর্ণসনামক পর-ওয়ানার ভাষাপদ্ধ আজ্ঞা দিবার কখা। বাধ করেন সেট সময়ে এইং আজ্ঞা করিতে পারিবেন:—
  - (ক) কোন ব্যক্তি কোটের দেওয়ানা মোকদ্দমা '
    আদে শুনিবার ক্ষমতাধান স্থানের
    মধ্যে থাকিলে, তাহাকে লইয়া আইনমতে কার্য্য হয়, এই নিমিত্ত তাহাকে
    কোটের সমুধে আনাইবার আজ্ঞা।
  - (খ) উক্ত ছানের মধ্যে কোন ব্যক্তি বেআইনী-মতে কি অহাচিতমতে রাজকীয় কার্য্য-কারকের কি বেসরকারী কোন ব্যক্তির নিকট বদ্ধ থাকিলে তাহাকে ছাভিয়া দিবার আজ্ঞা।
  - (গ) উক্ত ছানের অন্তর্গত কোন জেলৈ যে আনামী বন্ধ থাকে, উক্ত কোর্টে উপ-ইছিড কোন বিষয়ের কিছা যে বিষয়ের অমুসন্ধান লওয়া ঘাইবে সেই বিষয়ে

(২) যে বিষয় সহক্ষে নিবদ্ধপত্ত লিখিয়া দেওয়া যায়, তভিদ্ধ কোন বিষয়ের নিমিত কোন ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাখা যাইতে পারিলে এই ধারার কিম্বা ৪৯৬ বা ৪৯৭ ধারার কোন কথাক্রমে তাহাকে যে মুক্ত করিবার আদেশ হইল এরপ জ্ঞান করিতে হইবে না।

৫০১ ধারা। ভ্রান্তি কি প্রতারণাক্রমে বা প্রকাপ্রথমে বে গাজরজামিন
লওমা যায় তাহা প্রচুর না
গুইলে প্রচুব ভামিন । ধবার
আজা কবিধার ক্ষমতাব
কথা।
বিশ্বীর বিশ্বির করিয়া হাজির-

জামিনক্রমে মুক্ত ব্যক্তিকে আপনার সন্মুখে আনাইবার আজ্ঞা করিয়া উপযুক্ত হাজিরজামিন দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন, না দিলে ভাহাকে কারাবদ্ধ করিতে পারিবেন।

৫০২ ধারা। (১) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে হাজিরজামিন লইয়া ছাড়িয়া দেওয়া
প্রতিক্দের মৃক্ত হইবার
পান।
ও উপস্থিত থাকার সমুদ্র কি

কোন কোন প্রতিভূ যে কোন সময়েই মাজিফ্টেটের নিকটে সম্পূর্ণরূপে কিম্বা আপনং নিবন্ধপত্র হইতে মুক্ত হইবার প্রার্থনা করিতে পারিবেন।

- (২) তদ্রপ প্রার্থনা হইলে মাজিস্টেট উক্তরপে
   মুক্ত ব্যক্তিকে আপনার সন্মুখে উপস্থিত করাইবার আদেশ
   করিয়া তাহাকে ধরিয়া আনিবার ওয়ার
  উ দিবেন।
- (৩) সেই ব্যক্তি ওয়ারন্টক্রমে উপস্থিত হইলে কিম্বা ুম্বেচ্ছামতে আপনাকে ধরা দিলে মাজিস্টেট ঐ প্রতি-ভূদের নিবন্ধপত্র সম্পূর্ণরূপে কিম্বা প্রার্থকদের সম্বন্ধে রহিত হইবার আজ্ঞা করিয়া ঐ ব্যক্তিকে উপযুক্ত অন্য প্রতিভূদিতে আজ্ঞা করিবেন। তাহা দিতে না পারিলে ভাহাকে কারাবদ্ধ করিতে পারিবেন।

### ৪০ চত্ত্বারিংশ অধ্যায়।

সাক্ষীদের পরীক্ষার্থ কমিশন বিষয়ক বিধি।

৫০৩ ধারা। (১) সন্থিচারার্থে কোন সাক্ষীর পরীক্ষা

যে স্থলে সাক্ষীব স্বয়ং জ্যমুপন্ধিত খাকিবার অমৃ-মতি দেওয়া যাউতে পাবে তাহার কথা। প্রয়োজনীয় ও যে বিলম্ব কি খরচ কি কন্ট ব্যতীত উক্ত সাক্ষীকে উপস্থিত করা যাইতে পারে ন। ভাহা বিষয়ের ভাবগতিক বিবেচনায় যুক্তিসিদ্ধ নহে এই আইনমত কোন তদন্ত কি বিচার কি অন্য আহ্নতানিক কার্যক্রমে কোন প্রেসিডেন্সী মাজিক্টেটের কি জিলার মাজিক্টেটের কি সেশন আদালতের কি হাই কোর্টের এরপ বোধ হইলে উক্ত মাজিক্টেট কি আদালত কি কোর্ট সেই সাক্ষার স্বয়ং অহ্নপছিত থাকিবার অহ্মতি দিতে পারিবেন ও উক্ত সাক্ষার সাক্ষ্য লইবার নিমিত্ত

যে জিলার মাজিক্টেট শিষ্বা কার্মাপ্রনালীর কথা। প্রথম শ্রেণীর মাজিক্টেটের বিচারাধীন স্থানে সাক্ষী থাকে তাঁহার নামে কমিশন লিখিয়া দিতে পারিবেন।

- (২) ভারতবর্ষীয় যে রাজার বা অধিপতির শাসনা-ধীন দেশে রটিষ ভারতবর্ষীয় গবর্ণমেন্টের প্রতিনিধি কর্মচারী আছেন, সাক্ষী সেই দেশে বাস করিলে কমিশন এ কর্মচারির নামে দেওয়া ঘাইতে পারিবে।
- (৩) যে মাজিফেটকৈ কি কর্মচারিকে কমিশন দেওয়া যায় তিনি স্বশ্ধং কিমা জিলার মাজিফেট হইলে তিনি বা প্রথম শ্রেণীর যে মাজিফেটকৈ তিনি এডদর্থে নিয়ক্ত করেন সেই মাজিফেট সাক্ষী যে স্থানে থাকে সেই স্থানে যাইবেন কিমা ঐ সাক্ষীকে আপনার নিকট সমন করিবেন; এবং এই আইনমতে ওয়ারন্টের মোকদ্দমার বিচার কালে যে প্রকারে সাক্ষ্য লগুয়া যায় ও যে যেক্মতামতে কার্য্য হয় সেই প্রকারে ঐ সাক্ষীর সাক্ষ্য লইতে পারিবেন ও ডদর্থে সেই সেই ক্ষমতামতে কার্য্য করিতে পারিবেন।

৫ ০ ৪ ধারা। (১) সাক্ষী কোন প্রেসিডেন্দ্রী
নাকা নাকধানী নগরেব
মধ্যে থাকিলে কমিশনের
কথা।
বা আদালত কমিশন লিখিয়া
দেন সেই মাজিফ্টেট বা আদা-

লত ঐ প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেটের নাথে কমিশন দিতে পারিবেন। তাছা হইলে ঐ মাজিফ্রেটের সমুখে যে মোকদ্দমা উপস্থিত থাকে সেই মোকদ্দমায় সাক্ষীদিগকে উপস্থিত করাইয়া তাহাদের সাক্ষ্য লইবার তাঁহার যে ক্মতা থাকে সেই ক্মতামতে তিনি সেই সাক্ষীকে উপস্থিত করাইয়া তাহার সাক্ষ্য লইতে পারিবেন।

(২) শ্রীশ্রীমতী মহারাণী বিক্রোরিয়ার ৩৯ ও ৪০ বৎসরের আইনের ৪৬ অধ্যায়ের ৩ ধারামতে হাই কোটের যে কমিশন লিখিয়া দিবার ক্ষমতা আছে এই ধারার কোন কথার তাহার কোন বিশ্ব হইবে না।

ক ০ ক ধারা। (১) এই আইনমত যে কোন আমুচানিক কার্য্যে কমিশন বাহির
নাক্ষার পরীক্ষা লইতে
পক্ষদের ক্ষমতাব কথা।
মাজিস্টেট কি আদালত কমিশনের আদেশ করেন দেই মাজিস্টেট কি আদালত
যাহা প্রাসলিক জ্ঞান করেন এমন প্রশ্ন লিখিয়া পাঠাতৈতে পারিবেন ও যে মাজিস্টেটের কি কর্মচারির
নামে কমিশন দেওয়া যায় তিনি ঐ প্রশ্ন ধ্রিয়া উক্ষ
সাক্ষীর প্রীক্ষা লইবেন।

(২) যে মাজিটেটের বা কর্মচারির নামে কমিশন লিখিয়া দেওয়া যায় উক্ত পক্ষেরা উকীলের দারা
কিল্পা হেফাজতে না থাকিলে, স্বয়ং তাঁহার সমুখে
উপদ্বিত হইতে পারিবেন এবং উক্ত সাক্ষাক করিতে ও স্থলবিশেষে জেরা কি পুনঃ পরীক্ষা করিতে পারিবেন 1

৫ ০৬ ধারা। প্রেসিডেন্সী মাজিস্টেট কিম্বা জিলার মাজিস্টেট ভিন্ন অন্য মাজি-ভ্রেটের কমিশন দিবাব জন্য প্রার্থনা কাবতে পারিবাব কথা।

প্রেটের সম্মুখে এই আইনমন্ত কোন ভদন্ত বা বিচার বা অন্য আইটানিক কার্য্যকালে সন্থি-চারার্থে যে সাক্ষীর সাক্ষ্য

লওয়া আবশ্যক তাহার পরীক্ষা লইবার জন্য কমিশন দেওয়া উচিত দৃষ্ট হইলে, ঐ সাক্ষাকে উপস্থিত করিতে হইলে থত বিলম্ব ব্যয় বা অন্থবিধা ঘটিবে তাহা মোক-দ্দমার অবস্থা বিবেচনায় অথোক্তিক বোধ হইলে, সেই মাজিফ্টেট জিলার মাজিফ্টেটের নিকট কারণ জানাইয়া কমিশন প্রার্থনা করিবেন; ও সেই জিলার মাজিফ্টেট প্র্রালিখিত বিধানমতে কমিশন দিতে পারিবেন কিম্বা ঐ প্রার্থনা অগ্রাহ্য করিতে পারিবেন।

৫ • ৭ ধারা। ৫ • ০ কি ৫ • ৬ ধারামতে কোন কমিশন দেওয়া গোলে তদমুসারে
কমিশন ফিরিয়া পাঠাইবাব কথা।

নেয়মিতরপো কার্য্য হইলে পর
যে আদালত ইইতে কমিশন
বাহির হইয়াছিল, ঐ কমিশনমতে যে সাক্ষার সাক্ষ্য
লওয়া গেল ভাঁহার ঐ সাক্ষ্য সহিত ঐ কমিশন সেই
ভাাদালতে ফিরিয়া পাঠাইতে হইবে; ও সেই কমিশন
ও ভাহার প্রভ্যপণ ও ঐ সাক্ষার সাক্ষ্য যুক্তিমত সকল
সময়ে পক্ষেরা দেখিতে পাইবেন, ও নাায়ায়গত বর্জিত
স্থল ভিন্ন ভাহা কোন পক্ষ কর্তৃক মোকদ্দমার প্রমাণস্বরূপ পঠিত হইতে পারিবে ও ভাহা মোকদ্দমার
কাগজপতের একাণ্শ হইবে।

৫০৮ ধারা। কোন স্থলে ৫০৬ কি ৫০৬ ধারামতে
কমিশন দেওয়া গেলে, তদহ্দর্গত পাকিবাব কথা।

যাহাতে ফিরিয়া আসিতে পারে
মুক্তিমত এরপ যথোচিত নির্দিষ্ট সময়ের নিমিত্ত তদত্ত
কি বিচার কি অন্য আন্টানিক কার্যা স্থগিত রাখা
মাইতে পারিবে।

### ৪১ একচন্তারিংশ অগায়।

#### সাক্ষ্য বিষয়ক বিশেষ বিধি।

৫ ০৯ ধারা। (১) মাজিফেটের দ্বারা অভিযুক্ত ব্যক্তির
সম্মুখে সিবিল সর্জনের
চিকিংসকসাক্ষীন সাক্ষাব
কথা চিকিৎসাকর্মকারী অন্য
কথা সাক্ষীর প্রীক্ষা লওয়া গেলে
ত তাঁহার সাক্ষ্য সাক্ষরিত হইলে, সেই প্রাক্ষিত ব্যক্তি

কে সাক্ষীস্বরূপ ডাকা না গেলেও এই আইনমত কোন তদন্ত কি বিচারকার্য্যে কি অন্য আন্নষ্টানিক কার্য্যে তাঁহার সেই সাক্ষ্য প্রমাণ্সরূপ দেওয়া যাইতে পারিবে।

- (২) আদালত উচিত বোধ করিলে ঐরপ সাক্ষীকে
  সমন করিতে পারিবেন ও

  চিকিৎসক সাক্ষীকে সমন
  করিতে পারিবার কথা।
  পরীক্ষা পরিতে পারিবেন।
- (৩) কোন সিবিল সর্জন বা অপার চিকিৎসক সাক্ষীর যে সাক্ষা এই আইনের ৪০ অধ্যায়মতে লওয়া যায় তৎসন্বন্ধে এই ধারার বিধান খাটিবে না।

৫১০ ধারা। এই আইনমত কোন আনুষ্ঠানিক কার্য্যক্রমে গবর্ণমেন্টের পক্ষে বাসাঘনিক জ্বা পরী-ক্ষককে কিন্তা রাসায়নিক জ্বকের বিপোটের কথা। ক্ষককে কিন্তা রাসায়নিক জ্বব্যের সহকারী পরীক্ষককে যে কোন বিষয় কি জ্ব্য পরীক্ষা করিয়া কি ভাহার মূলাংশ পৃপক করিয়া রিপোর্ট করণার্থে দেওয়া যায় ভদ্বিষয়ে ভাহার রিপোর্ট বলিয়া যে দলীল থাকে ভাহাতে ঐ পরীক্ষকের স্বাক্ষর থাকিলে ভাহা এই আইনমত ভদন্ত কি বিচার কি অন্য আনুষ্ঠানিক কার্য্যে প্রমাণস্বরূপ গ্রাহ্য হইতে পারিবে।

৫১১ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তির অপরাধ পুন্থে
পর্বে অপনাধ নির্বা বা
নির্দোষ হওনের প্রমাণ পুর্বে নির্দোষ করা গিয়াছে
যেরপে করা মাইবে তাগাব ইহার প্রমাণ এই আইনমতে
কথা।
তদন্ত কি বিচার কি অন্য আল্লগ্রানিক কার্য্যে উপস্থিত সময়ের প্রচলিত আইনে অন্য
যে কোন প্রকারের বিধান ধাকে তদ্ভিরিক্ত নিম্নলিখিত
প্রকারে করা যাইবে;—

- (ক) যে আদালতে ঐ ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয়
  কি ভাহাকে নির্দোষ করা যায় সেই
  আদালতের যে কর্মচারির জিম্মায়
  কাগজপত্র থাকে তিনি ঐ কাগজপত্র
  হইতে উদ্ভ কথা দণ্ডাজ্ঞার কি- আজ্ঞার
  নকল বলিয়া সার্টিফিকেট লিখিলে ও
  ভাহাতে স্বাক্ষর করিলে সেই উদ্ভ
  কথা দ্বারা, কিয়া
- (খ) অপরাধ নির্ণয়ের কথা হইলে, যে জেলে দণ্ড কি তাহার কোন অংশ বিধান করা যার সেই জেলের অধ্যক্ষের সার্টিফিকেট দ্বারা, কিন্তা সমর্পণ করিবার যে ওয়া-রন্টক্রমে দণ্ডভোগ হয় সেই ওয়ারন্ট উপস্থিত করণ দারা;

এবং ঐদ্ধপে যে ব্যক্তির অপরাধ নির্ণয় হয় বা যাহাকে নির্দোষী করা যায়, ঐদ্ধপ প্রত্যেক স্থলে অভিযুক্ত ব্যক্তির সহিতৃ তাহার অনন্যতা বিষয়ে প্রমাণ দ্বারা। ৫১২ ধারা। অভিযুক্ত ব্যক্তি পলায়ন করিয়াছে

অভিযুক্ত ব্যক্তির অমুপ-ক্ষিতিতে সাক্ষ্য লিপিবদ হইবাব কথা। ও তাহাকে শীঘু ধরা যাইবার সম্ভাবনা নাই এরপ প্রমাণ হইলে তাহার নামে যে অপ-রাধের নালিশ হয় সেই অপ-

রাধ হেতুক তাহার বিচার করিবার কিন্বা বিচারার্থে তাহাকে সমর্পণ করিবার ক্ষমতাপন্ধ আদালত তাহার ক্ষমপাস্থিতিতে অভিযোগের পক্ষে কোন সাক্ষা উপস্থিত করা গেলে তাহাদের সাক্ষ্য লিখিয়া রাখিতে পারিবেন। পরে সেই ব্যক্তিকে ধরা গেলে যদি সাক্ষী মরিয়া থাকে বা সাক্ষ্য দিতে অক্ষম হইয়া থাকে কিন্বা তাহাকে উপস্থিত করাইতে হইলে যে বিলম্ব, ব্যয় বা অক্ষবিধা হয় তাহা মোকদ্দমার অবস্থা বিবেচনায় অগোজিক বলিয়া বোধ হয়, তবে ঐ ব্যক্তির নামে যে অপরাধের অভিযোগ হয় সেই অপরাধের তদন্ত বা বিচার কালে ঐ সাক্ষ্য প্রমাণস্বরূপ উপস্থিত করা যাইতে পারিবে।

## ৪২ বাচত্বারিংশ অধ্যায়।

#### নিবন্ধপত্র বিষয়ক বিধি।

৫১৩ ধারা। সদাচরণের নিবন্ধপত্রের স্থল ভিন্ন
অন্য স্থলে কোন আদালত কিয়া

মচলকাব পরিবর্ণে কর্মচারী কোন ব্যক্তিকে
আমানতেব কথা।
জামিন সহিত কিয়া জামিন
বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে আজ্ঞা করিলে ঐ আদালত
কি কর্মচারী ঐ নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার পরিবর্ণ্ডে যত
টাকা নিদ্ধার্য্য করেন, ঐ ব্যক্তিকে নগদ কিয়া তত
টাকার গ্রেণমেন্টের প্রমিধরি নোট আমানত করিবার
অন্নমতি দিতে পারিবেন।

৫১৪ ধারা : (১) এই অ,ইনমতে কিম্বা ৪০১ ধারা হ্লারে প্রনীত কোন বিধিমতে
 হিলে কার্য্যপ্রণানীব কথা।
 হ্লীত হয় সেই আদালতের
 কিম্বা কোন প্রেনিডেন্সী মাজিস্টেটের কি প্রথম শ্রেণীর
মাজিস্টেটের আদালতের হ্লোধমতে,

কিম্বা কোন আদালতের সম্মুখে উপস্থিত হইবার নিবন্ধপত্র হইলে, ঐক্সাদালতের হ্রদোধমতে,

যদি প্রমাণ হয় যে নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইরাছে, তাবে ঐ আদালত উক্ত প্রমাণের হেডু লিখিবেন, ও যে কোন ব্যক্তি উক্ত নিবন্ধপত্র দারা বদ্ধ থাকেন তাঁহাকে অর্থদণ্ডের টাকা দিবার কিয়া না দেওনের কারণ দর্শাইবার আদেশ করিতে পারি বন।

(২) ঐ দণ্ডের টাকা না দেওয়া গেলে ও না দিবার উপযুক্ত কারণ দর্শনি না গেলে, আদালত উক্ত ব্যক্তির অস্থাবর দ্রব্য কিপা ভাষার মৃত্যু ছইয়া থাকিলে ভাষার ইন্টেট ক্রোক ও নালাম করিবার ওয়ারন্ট দিয়। ঐ টাকা আদায় করিতে প্রবৃত্ত হইতে পারিবেন।

- (৩) যে আদালত ওয়ারন্ট দেন. সেই আদালতের বিচারাধীন স্থানের মধ্যে ঐ ওয়ারন্টমতে কার্য্য করা যাইতে পারিবে, ও তন্মধ্যে এই অসমতি থাকিবে যে, ঐ সীমার বহিভূতি যে স্থানে উক্ত ব্যক্তির কোন অস্থাবর দ্বব্য থাকে, সেই স্থান যে জিলার মাজিফ্রেট কিম্বা প্রধান প্রেসিডেসী মাজিফ্রেট সাহেবের বিচারাধীন তিনি ঐ ওয়ারন্টের পৃষ্টে লিখিয়া দিলে ঐ দ্রব্যও কোন করিয়া নীলাম করা যাইতে পারিবে।
- (৪) সেই দণ্ডের টাকা না দেওয়া গেলে, ও উক্ত প্রকারে ক্রোক ও নালাম করণ দারা আদায় হইতে না পারিলে, যে আদালত ওয়ারত দেন, সেই আদালতের আজ্ঞাক্রমে ঐ ব্যক্তিকে দেওয়ানী জেলখানায় ছয় মাস পর্যান্ত বদ্ধ করা যাইতে পারিবে।
- (৫) আদালত আপনার বিবেচনামতে উল্লিখিত অর্থদণ্ডের একাংশ ক্ষমা করিয়া অংশ মাত্র আদায় করণ প্রবল করিতে পারিবেন।
- (৬) নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইবার পূর্কে ঐ নিবন্ধ-পত্রের কোন জামিনের মৃত্যু হইলে, তাঁহার ইফেট ঐ নিবন্ধপত্র সম্বন্ধে সমস্ত দায়িত্ব হইতে অব্যাহতি পাইবে, কিন্তু যে ব্যক্তিনিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়াছিলেন নৃতন জামিন দিবার জন্য তাঁহাকে আদেশ করা যাইতে পারিবে।

৫১৫ ধারা। প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেট কিম্বা জিলার মাজিফ্রেট ভিন্ন কোন মাজি-৫১৪ ধারামতে আজাব ক্রেট ৫১৪ ধারামতে যে আজা উপব আপাল কইবাব ও জা সাজা সংশোধনের কথা। অপীল হইতে পারিবে কিম্বা আপীল না হইলেও তাঁহার দ্বারা ঐ আজা সংশোধন

আপীল না হইলেও তাঁহার দ্বারা ঐ আজ্ঞা সংশোধন করা যাইতে পারিবে।

৫১৬ ধারা। হাই কোর্টের কিথা সেশন আদালতের সন্মুখে উপস্থিত হইয়া
কোন কোন নিৰ্দ্ধপত্ত- হাজির থাকিবার যে নিবন্ধপত্ত
জনম আদায় কবিবার আজা
দিতে পাবিৰার কথা।
কোন মাজিফেটকে সেই পত্ত-

ক্রমে পাওনা টাকা আদায় করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

## ৪৩ ক্রিচত্বারিংশ অ**ধ**্যায়। সম্পত্তি লইয়া কার্য্য হইবার বিধি।

ক্র প্রধারা। (১) কোন কোজদারী আদালতে ভদস্ত কি বিচারকার্য্য সমাপ্ত হউলে, যে দ্রুর সম্পর্কে অপরাধ করা যায় তাগালখ্যা যাহা করিতে গ্রুবে এই বিষয়ের আজ্ঞান কথা।

সম্পর্কে অপরাধ করা গিয়াছে দেখা যায় কিন্দা অপরাধ কর-গার্থে যাহার ব্যবহার হইয়াছে কিন্না যাহার অধিকার সম্বন্ধে সংশয় বা বিবাদ আছে তাহা লইয়া যাহা করিতে হউবে আদালত এই বিষয়ে যে আজ্ঞা বিহিত বোধ করেন করিবেন।

- (-) হাই কোর্ট কি দেশন আদাসত তদ্রূপ আজ্ঞা করিলে ও যে ব্যক্তি উক্ত দ্রব্য পাইবার স্বত্ত্বান তাহাকে স্বায় কর্মচারী দ্বারা ঐ দ্রব্য দিবার হ্রবিদা না হইলে, উক্ত কোর্ট কি আদাসত জিলার মাজি-ফ্রেটকে উক্ত আজ্ঞা ফলবতী করিবার আদেশ দিতে পারিবেন।
- (৩) যে মোকদ্দমায় আপীল আছে সেই মোকদ্দমায় এবং যে সম্পত্তির অধিকার লইয়া সংশয় বা বিবাদ আছে তৎসছত্ত্বে এই ধারামতে আজ্ঞা করা গেলে. জীবিত পশুপক্ষ্যাদি বা স্বভাবতঃ আশুক্ষয়শীল দ্রব্য না হইলে, আপীল করিবার সময় যাবং গত না হয় অথবা ঐ সময়ের মধ্যে আপীল করা গেলে, যাবং ঐ আপীল নিপত্তি না হয়, তাবং উক্ত আজ্ঞামতে কার্য্য করা যাইবে না।

ব্যাখ্যা।—যে দ্রব্য সম্পর্কে অপরাধ করা গিয়াছে দৃষ্ট হয়, সেই দ্রব্য হইলে, এই ধারায় যে "দ্রব্য" শব্দ আছে তাহাতে যে দ্রব্য প্রথমে কোন পক্ষের অধিকারে কি তত্ত্বাবধানে ছিল সেই দ্রব্যমাত্র বৃঝাইবে না, কিন্তু সেই দ্রব্য পরিবর্তিত হইয়া যে কোন দ্রব্য হয় কিয়্বালেই দ্রব্যের বিনিময়ে যে দ্রব্য পাওয়া যায় তাহাও বৃঝাইবে, এবং ঐয়প পরিবর্তন কি বিনিময় করণয়ারা অব্যবহিতভাবে কি প্রকারান্তরে যাহা কিছু লব্ধ হয় তাহাও বৃঝাইবে।

৫১৮ ধারা। ৫১৭ ধারাক্রমে আজ্ঞা না দিয়া কোন আদালত জিলার মাজিস্কেট দাহেবর প্রতি কিম্না মহকুমার বের বা মহকুমার মাজিক্টেন প্রতি করা অল্ঞা করবার আজ্ঞা করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন। তাহা হইলে ঐ দ্রব্য পোলীসের হারা ধ্রত হইয়া পালচালিখিতমতে তাঁহার নিকট রিপোর্ট করা গেলে তিনি যদ্রপে করিতেন ঐ দ্রব্য লইয়া তদ্রপেই কার্য্য করিবেন।

৫১৯ ধারা। চৌর্য্য বা চোরা দ্রব্য গ্রহণ অপরাধ হয় বা যাহার মধ্যে ঐ অপরাধ অভিযুক্ত ব্যক্তিব নিকট পড়ে কোন ব্যক্তির যদি এরূপ যে টাকা পা ওয়া যায় তাহা অপরাধ নির্ণয় হয় এবং ইহার নিৰ্দোষী ক্ৰেতাকে দিবার প্রমাণ হয় যে অন্য কোন ব্যক্তি ঐ দ্রব্য চোরা না জানিয়। বা বিশ্বাস করিবার কারণ না দেখিয়া ভাষা ক্রম্ন করিয়াছে, এবং যাহার অপরাধ নির্ণয় হয় ভাহাকে ধরা গেলে ভাহার নিকট হইতে কোন টাকা লওয়া হইয়াছে, তবে ক্রেতা প্রার্থনা করিলে ও অধিকার পাইবার স্বত্তবান ব্যক্তিকে এ চোরা দ্রব্য কিরাইয়া দিলে আদালত এই আজা করিতে পারিবেন যে ঐ টাকা হইতে ক্লেভার প্রদত্ত মুল্যের অনধিক টাকা ভাহাকে দেওয়া যায়।

৫২০ থারা। যে আদালতে আপীল কি দৃঢ়ীকরণ
কি বিবাদার্পণ কি নিম্পান্তির

৫১৭, ৫১৮ বা ৫১৯ ধারামত আজ্ঞা দ্বগিত করিবার
কখা।

আদালতের ক্বত ৫১৭, ৫১৮ বা
৫১৯ ধারামতে কোন আজ্ঞা স্থীয় বিবেচনার অপেক্ষায়
ছগিত রাখিবার আদেশ করিতে এবং সংশোধন কি
পরিবর্তন কি অসদ্ধ করিতে এবং আরো যে আজ্ঞা
ন্যায্য হয় ভাছা করিতে পারিবেন।

অপবাদ সম্পর্কীয় ও
ত্রুলা বিষয় বিনাই করিবাব
কথা।

কথা।

কথা বিষয় বিনাই করিবাব
কথা।

রাধ নির্ণয় হয় তাহার যত খণ্ড
আদালতের হেকাজতে কিম্বা নির্ণীতাপরাধ ব্যক্তির
অধিকারে কি ক্ষমভায় থাকে আদালত তৎসমুদ্য বিনাষ্ট
করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

৫২১ ধারা। (১) ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের

(২) ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৭২ কি ২৭৩ কি ২৭৪ কি ২৭৫ ধারামতে অপরাধ নির্ণয় হইলে, ধে খাদ্য কি পানীয় কি ঔষধ কি চিকিৎসা সম্পর্কীয় দ্বব্য সম্বন্ধে অপরাধ নির্ণয় হয়, আদালত ডদ্রপে ভাষা বিন্দু করিবার আজ্ঞা দিতে পারিবেন।

থারা। (১) কোন ব্যক্তির অপরাধযুক্ত বলপ্রকাশ সহিত কোন অপরাধ
ফাবৰ অব্যব অধিকাব
ফাবিয়া দিবার ক্ষমতাব
কথা।

 তিনিয়া হইলে, ও সেই বলপ্রকাশ দ্বারা কোন ব্যক্তিকে
স্থাবর দ্রব্যের অধিকারচ্যুত্ত
করা গিয়াছে উক্ত আদালত ইহা দেখিতে পাইলে যদি
উচিত বোধ করেন তবে ঐ ব্যক্তির পুনরায় তদধিকার
পাইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(২) কোন ব্যক্তি দেওয়ানী মোকদ্দমা করিয়া সেই স্থাবর দ্বব্যে আপানার স্বস্ত্ব বা স্থার্থ আছে বলিয়া প্রমাণ করিতে পারিলে পূর্কোক্ত আজ্ঞা দ্বারা ঐ স্বত্বের বা স্থার্থের বিদ্ধ হইবে না।

৫২৩ ধারা। (১) যে দ্রব্য ৫১ ধারামতে প্রাপ্ত বা যাহা চোরা বলিয়া কথিত ৫১ ধারামতে প্রাপ্ত বা চোরা দ্রব্য পোলীস কর্তৃক রত হুইলে, কার্য্যপ্রণালীর কথা।

যায় যে তৎসন্তব্যে কোন অপরাধ করা হুইয়াছে বলিয়া

সন্দেহ জন্মে, সেই দ্রব্য পোলীস কর্মচারী দ্বারা ধৃত
হইয়া থাকিলে, তছিষয়ে কোন মাজিফেটটের নিকটে
অবিলম্বে রিপোর্ট করা যাইবে, ও তাহা হইলে ঐ
মাজিফেট মেরপ উচিত বোধ করেন সেইরপ ঐ
দ্রব্যের বিলি ব্যবস্থার কি উহার অধিকার পাইবার
স্বত্বান ব্যক্তিকে উহা দিবার আজা করিবেন।
কিছা ঐ ব্যক্তিকে নিশ্চয়য়তে জানা যাইতে না পারিলে
মাজিফেট ঐ দ্রব্য রাধিবার ও উপস্থিত করিবার
বিষয়ে যে আজা উচিত জ্ঞান করেন করিবেন।

(২) ঐ সম্পত্তির অধিকার পাইবার স্বত্তবান ব্যক্তিকে জানা থাকিলে, বৃত দ্বের স্বামী অজ্ঞাত মাজিক্টেট যেরূপ (যদি কোন) হুইলে যাগ কর্ত্তব্য তাথার কথা। তিন্ধাম উচিত বোধ করেন তজ্ঞপ নিয়মে ঐ সম্পত্তি

তাহাকে দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন। উক্ত ব্যক্তিকে জানা না থাকিলে মাজিস্টেট ঐ সম্পত্তি রাখিতে পারিবেন এবং ঐ সম্পত্তির মধ্যে যে যে দ্রব্য আছে ঘোঘণাপত্তে সেই সেই দ্রব্যের বিশেষ বর্ণনা লিখিয়া প্রকাশ করণপূর্বক সেই দ্রব্যের উপার যে কোন ব্যক্তির দাওয়া থাকে তাহাকে ঐ ঘোষণাপত্তের তারিখ হইতে, ছয় মাসের মধ্যে কোন সময়ে তাঁহার সম্মুখে উপস্থিত হইয়া আপনার দাওয়া প্রমাণ করিতে আজ্ঞা দিবেন।

৫২৪ ধারা। (১) ঐ সময়ের মধ্যে কোন ব্যক্তি

ঐ দ্বব্যের উপর আপন

ছয় মানের মধ্যে পাওয়া দাওয়া সপ্রমাণ না করিলে

দাব উপন্তিত না হইলে

ও সেই দ্বব্য যাহার নিকটে

পাওয়া যায় সে ন্যায়মতে তাহা

পাইয়াছিল ইহা দেখাইতে না পারিলে, গবর্ণমেন্ট ঐ দ্রব্য লইয়া যাহা ইচ্ছা ভাহা করিতে পারিবেন, ও প্রেদি-ডেন্দা মাজিফ্টেট কি জিলার মাজিফ্টেট সাহেবের কিয়া মহকুমার মাজিফ্টেটের আজাক্রমে কিয়া প্রথম শ্রেণার মাজিফ্টেট স্থানীয় গবর্ণমেন্ট হইতে এতৎপক্ষে ক্ষমভাপ্রাপ্ত হইলে তাঁহার আজ্ঞাক্রমে ভাহা বিক্রয় করা যাইতে পারিবে।

(২) এই ধারামতে আজ্ঞা করা গেলে তদ্রূপ আজ্ঞা-কারক আদালতের দণ্ডাজ্ঞার উপর যে আদালতে আপীল হইতে পারে দেই আদালতে আপীল হইতে পারিবে।

৫২৫ ধারা। ঐ দ্রব্যের অধিকার পাইবার স্বত্বান
ব্যক্তি অজ্ঞাত কি অন্পৃদ্ধিত
আভক্ষণীল দ্রব্য বিক্রম পাকিলে ও উক্ত দ্রব্য স্বভাবতঃ
করিতে পারিবার কথা। আশুক্ষমশীল হইলে কিয়া
তাহা বিক্রম করাতে স্বামার লাভ আছে যে মাজিশ্রেটের নিকট ঐ দ্রব্য ধরিবার রিপোট হয় তিনি
এরপ বিবেচনা করিলে, যে কোন সময়ে তাহা বিক্রম
করিবার আদেশ দিতে পারিবেন এবং উক্ত বিক্রয়ের
নিট উৎপন্ন সম্বন্ধে, যত দুর স্ক্রব্, ৫২৩ ও ৫২৪ ধারার
বিধান শাটিবে।

## ৪৪ চতুশ্চত্তারিংশ অগ্যায়। কৈজিদারী মোকদ্দমা হস্তান্তর করণ বিষয়ক বিধি।

হাই কোটের মোকদ্মা ৫২৬ ধারা । (১) যখন হন্তান্তর কারবার কি মনং হাই কোটকে দেখান যায় যে, বিচার করিবার ক্ষমতাব কথা।

> (ক) তদধীন কোন কেজিদারী আদালতে ন্যায়-সঙ্গত ও অপক্ষপাত তদম্ভ কি বিচার পাওয়া ঘাইতে পারিবে মা, বা

- (খ) অসাধারণ কাঠিন্যযুক্ত আইন্যটিত প্রশ্ন উখিত হইরার সম্ভাবনা, বা
- (গ) যৈ স্থানে কি যে স্থানের নিকটে **অপরাধ** করা যায় সম্ভোষজনকরপ তদন্ত কি বিচারার্থে সেই স্থান দেখা আবশ্যক, বা
- (য) এই ধারামতে আজ্ঞা দিলে পক্ষদের বা সাক্ষিদের সাধারণতঃ স্থবিধা হইবে, বা
- (ঙ) উক্তরূপ আন্ধা ছবিচার নিমিত বাঞ্চনীয়, তখন উক্ত কোট নিম্নলিখিতরূপ আজ্ঞ। করিতে পারিবেন, ঃ—
  - (/০) যে আদালত ১৭৭ হইতে ১৮৪ পর্যান্ত ধারাক্রমে কোন অপরাধের তদন্ত ও বিচার করিবার ক্ষমতাপন্থ নহেন, কিন্তু অন্যান্য প্রকারে তৎকার্য্যক্ষম, সেই আদালত কর্তৃক উক্ত অপরাধের ভদন্ত কি বিচার হয়, কিন্তা
  - (৵৽) বিশেষ কোন ফোজদারী মোকদমা
    কি আপীল কি বিশেষ শ্রেণার
    তদ্রপ মোকদমা কি আপীল,
    স্থীয় কর্তৃত্বাধীন এক কোজদারী
    আদালত হইতে সমান কি অবিক
    ক্ষমতাপন্ধ তদ্রপ অন্য কোন
    ফোজদারী আদালতে প্রেরিত
    হয়, কিম্বা
  - (১০) বিশেষ কোন ফোজদারী যোকদ্দমা কি আপীল আপনার নিকটে প্রেরিত হইয়া বিচার হয়, কিয়া
  - (10) কোন অভিযুক্ত ব্যক্তি আপনার নিকট কিম্বা কোন দেশন আদালতে বিচারার্থে সমর্পিত হয়।
- (২) হাই কোর্ট প্রেসিডেপী মাজিক্টেটের আদালত ভিন্ন অন্য আদালত হইতে আপনার সন্মুখে বিচারার্থে কোন মোকদ্দমা উঠাইয়া আনিলে, ২৬৭ ধারার নিদ্দিট স্থল ভিন্ন যে আদালত হইতে মোকদ্দমা উঠাইয়া আনা যায় তদ্রূপে উঠাইয়া আনা না গেলে সেই আদালতে যে কার্য্যপ্রণালী অবলম্বন করিবেন।
- (৩) হাই কোট নিম্নতর আদালতের রিপোট্যতে কিম্বা স্বার্থযুক্ত কোন পক্ষের প্রার্থনামতে কিম্বা তাপন প্রবৃত্তিমতে কার্য্য করিতে পারিবেন।
- (৪) এই ধারাক্রমে যে ক্ষমতা প্রদন্ত হইল তদন্সারে কার্য্য হইবার প্রার্থনা (মোশন) প্রস্তাবনাক্রমে করা ঘাইবে ও প্রার্থক আডবোকেট জেনরল না হইলে আফিডেবিট কি প্রতিজ্ঞা দ্বারা তাহার পোষকতা করিতে হইবে।
- (e) অভিযুক্ত ব্যক্তি এই ধারামতে প্রার্থনা করিলে হাই কোর্ট ভাগার প্রতি এই নিয়মে জামিন সহিত বা

জামিন বিনা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আদেশ করিতে পারিবেন যে, অপরাধ নির্ণয় হইলে সে অভিযোক্তার খরচা দিবে।

(৬) কোন অভিযুক্ত ব্যক্তি ডদ্রাপ প্রার্থনা করিলে রাজকীয় অভিযোক্তার নামে এই ধানামতে প্রার্থনা ১ইলে বাজকীয় অভিযো-ফোকে নোটিদ দিবার কথা। যেং হেভুতে প্রার্থনা করা গেল সেইং হেভুপত্রের নকল ঐ

নোটিসের সঙ্গে দিবে, এবং সেই নোটিস দেওয়ার ও প্রার্থনাপত .শুনিবার সময়ের মধ্যে ন্যুনকম্পে চিবিশ ঘন্টা না গেলে ঐ প্রার্থনাপত্তের দোষগুণাহসারে কোন আজ্ঞা করা যাইবে না।

- (৭) ১৯৭ ধারামতে যে কোন আজ্ঞা করা যায়, এই ধারার কোন কথাক্রমে তাহার ব্যতিক্রম হইবে না।
- (৮) কোন ফোজদাব্লী মোকদ্দমায় বা আপীলে শুননী আরম্ভ হইবার পুর্কে এই ধারামত প্রার্থনা হইলে দিনান্তর নিরপণের কথা। অভিযুক্ত ব্যক্তি যে আদালতে মোকদ্দমা বা আপীল দায়ের

থাকে, প্র মোকদ্বমা সম্বন্ধে এই ধারামত প্রার্থনা করিবার অভিপ্রায় সেই আদালতে জানাইলে আদালত (থদি এরপ বিবেচনা না করেন যে, বিলম্ন করিবার কিম্বা অন্য রকমে স্ববিচারের গতির ব্যাঘাত ঘটাইবার অভিপ্রায়ে প্র প্রার্থনা করা হইতেছে তবে) কার্য্যাম্বন্ধান স্থগিত রাখিবার বাতাহার দিনাম্ভর নিরূপণ করিবার ৩৪৪ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতাম্পারে এরপে কার্য্য করিবেন যাহাতে অভিযুক্ত ব্যক্তির প্রতি প্রতিবাদকার্য্যে প্রন্ত ইইবার আজা ইইবার পূর্কে কিম্বা আপীল হহলে, আপীলের ভাননী ইইবার পূর্কে প্রার্থনা করিবার ও তাহার উপর আজা পাইবার যুক্তিসিদ্ধ সময় থাকে।

কংশ ধারা। (১) বিশেষ কোন ফেজিদারী মোকদ্মা মন্ত্রিসভাধিন্তিত শ্রীযুত গ্রবর্ধ স্কেনরল সাহেবের ফাঙ্গদারী মোকদ্ম। ও হাই কোর্টে অর্পণ করিলে কিম্বা আপীল হস্তান্তর করিবার ক্ষমতার কথা।

ক্ষমতার কথা।

ক্ষমতার কথা।

উঠাইয়া লইয়া অন্য হাই কোর্টের অধীন সমান কি
অধিক ক্ষমভাবিশিষ্ট অন্য কোজদারী আদালতে অপ্ন
করিলে ন্যায়বিচারের উদ্দেশ্য সকল হয়, কিম্বা উভয়
পক্ষের কি সাক্ষীদের স্থবিধা জন্মে, মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত
শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের এমত বোধ হইলে.
তিনি ইণ্ডিয়া গেজেটে জ্ঞাপনপত্র প্রকাশ করিয়া সেই
মোকদ্দমার কি আপীলের তদ্রপ হস্তাম্ভর হওয়ার
আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(২) যে আদালতে দেই মোকদ্দমা কি আপাল অর্পন করা যায় সেই আদালতেই প্রথম উপস্থিত করা গেলে ঐ আদালত সেই মোকদ্দমা কি আপীল লইয়া যেরপে কার্য্য করিতেন তদ্রপে কার্য্য করিবেন। ৫২৮ ধারা। (১) জিলার মাজিস্টেট সাহেবু কিশ্বা মহকুমার মাজিস্টেট আপন মোকদ্দমা জিলার বা মহ-কুমাব মাজিস্টেটের উঠাইয়। লইবাব কি অপন কবিবার ক্ষমতাব কথা।

তিঠাইয়া লইয়া অথবা তাঁহাকে যে মোকদ্দমা অর্পন

করিয়াছেন তাহা ফিরাইয়া লইয়া আপনি তাহার তদন্ত লইতে কি বিচার করিতে পারিবেন কিম্বা তদন্ত লইবার ও বিচার করিবার উপযুক্ত ক্ষমতাপাম আপনার অধীন অন্য কোন মাজিক্টেটের প্রতি তদন্ত লইয়া বিচার করিবার নিমিত্ত ঐ মোকদ্দমা অপণ করিতে পারিবেন।

(২) জিলার মাজিস্টেট সাহেব তাঁহার অধীন মাজিজিলাব মাজিটেট সাহেন স্টেটদের নিকট হইতে যে
বকে বিশেষ প্রকাবের সকল কোন প্রকারের মোকদ্দমা উঠামোকদ্দমা উঠাইয়া লইবাব
ক্ষমতা লিতে পাবিবার
কথা।

প্রকারের সকল মোকদ্দমা উঠা-

ইয়া লন, স্থানীয় গ্রন্মেন্ট তাঁহার প্রতি এই ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।

- (৩) কোন মাজিস্টেট এই ধারামতে কোন আজ্ঞা করিলে, তাঁহার ঐ আজ্ঞা করিবার যে কারণ থাকে তাহা লিখিয়া রাখিবেন।
- (8) মান্দ্রাজের ১৮২১ সালের ৪ আইনমত কোন গ্রাম্য মণ্ডল এই ধারার প্রয়োজনার্থ মাজিফ্রেট।

## ৪৫ পঞ্চত্তারিংশ অধ্যায়।

## অনিয় িত আহু ছানিক কার্য্যবিষয়ক বিধি।

অনিযমিত ক্রিয়াতেত্ক বং ৯ ধারা । কোন মাজিআমুগ্রানিক কার্য্য ব্যর্থ না ফ্রেট আইনমতে নিম্নলিখিত
হল্প ভাগার কথা। কোন কার্য্য করিবার, অর্থাৎ

- (ক) ৯৮ ধারামতে তলাশী পরওয়ানা দিবার,
- (খ) ১৫৫ ধারামতে পোলীসকে অপরাধের অহুসন্ধান লইবার আজ্ঞা করিবার,
- (গ) ১৭৬ ধারামতে মৃত্যুর কারণাস্থসন্ধান করিবার,
- (গ) কোন ব্যক্তি তাঁহার বিচারাধীন স্থানের বহিভূতি স্থানে স্পারাধ করিলে ১৮৬ ধারামতে নিজ বিচারাধীন স্থানে তাহাকে ধরিবার পরওয়ানা দিবার,
- (৬) ১৯০ ধারার ১ প্রকরণের (ক) কিছা (খ) দকামতে কোন অপারাধ গ্রাহ্য করিবার,
- (চ) ১৯২ ধারামতে কোন মোকদ্দমা হস্তান্ত্র করিবার,
- (ছ) ৩৩৭ বা ৩৩৮ ধারামতে ক্ষমার প্রস্তাব করিবার,
- (জ) ৫২৪ বা ৫২৫ ধারামতে সম্পত্তি বিক্রয় করিবার, কিম্বা

. (ঝ) ৫২৮ ধারামতে মোকদ্দমা উঠাইয়া লইয়া আপনি বিচার করিবার,

ক্ষমতাপন্ন না হইয়া যদি আন্তিক্রমে সরলমনে ঐ কার্য্য করেন, তবে ক্ষমতা ছিল না বলিয়া তাঁছার আন্তষ্ঠানিক কার্য্য অন্যথা করা যাইবে না।

৫৩০ ধারা। কোন মাঁজিআনিয়মিত যে কার্য্য দাবা স্কেট আইনমতে নিম্নলিখিত
আনুষ্ঠানিক কার্য্য করিতে ক্ষমতাপন্ন না
হয় তাহার কথা।
হইয়াও যদি সেই সেই কার্য্য
করেন, অর্থাৎ—

- (ক) যদি ৮৮ ধারামতে দ্রব্য ক্রোক ও বিক্রয় করেন,
- (খ) যদি ডাক্যরে পত্রের কি পুলিন্দার কি অপর দ্রব্যের কিম্বা টেলিগ্রাফ বিভাগে ভাভিত বার্ডার তলাশী পর ওয়ানা দেন,
- (গ) যদি শান্তিরক্ষার্থ জামিন দিবার আজ্ঞা করেন,
- (ঘ) যদি সদাচরণের জামিন দিবার আজ্ঞা করেন,
- (৩) কোন ব্যক্তি আইনমতে সদাচরণ করিতে নিবদ্ধ হইলে যদি তাহাকে মুক্ত করেন,
- (চ) যদি শান্তিরক্ষার মুচলকা রহিত করেন,
- (ছ) স্থানবিশেষের অনিউকর কার্য্য সম্বন্ধে যদি ১৩৩ ধারামতে আজ্ঞা করেন,
- (জ) সাধারণের অনিফকর কার্য্য না চলনার্থে বা পুনশ্চ না হওনার্থে যদি ১৪৩ ধারামতে তন্মিবারণের আজা করেন,
- (ঝ) যদি ১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা প্রচার করেন,
- (ঞ) ১২ অধ্যায়মতে যদি আজ্ঞা করেন,
- (ট) ১৯০ ধারার (গ) দফামতে যদি কোন অপারাধ গ্রাহ্য করেন,
- (ঠ) অন্য মাজিফ্টেটের লিখিত রূবকারি অন্নসারে যদি ৩৪৯ ধারামতে দণ্ডের স্মাজ্ঞা করেন,
- (ডু) ৪৩৫ ধারামতে যদি কাগজপাত্র আনান,
- ( চ) যদি ভরণপোষণের আজ্ঞা করেন,
- (৭) যদি ৫১৪ ধারামতে প্রদত্ত আজ্ঞা ৫১৫
- ধারামতে সংশোধন করেন,
- (ত) যদি কোন অপরাধীর বিচার করেন,
- (থ) যদি সরাসরীমতে অপুরাধার বিচার করেন, কিছা
- (দ) যদি আপীলী মোকদ্দমার নিপাত্তি করেন, তবে তাঁহার আন্নষ্টানিক কার্য্য অসিদ্ধ হইবে।

৫৩১ ধারা। তদন্ত কি বিচার কি অন্য আনুষ্ঠানিক কার্য্য অহুপযুক্ত সেশন খণ্ডে অসুপযুক্ত স্থানে আমৃ-ঠানিক কার্য্য হইবার কুখা। কি জিলায় কি মহকুমায় কি অন্য ছোনে হইয়াছে বলিয়া, কেবল সেই কারণে কোন কোজদারী আদালতের নির্ম কি দণ্ডাজ্ঞা কি অন্য আজ্ঞা অসিদ্ধ হইবে না; সেই ভ্রম হেডুক সদ্বিচারের বস্তুতঃই ব্যাঘাত হইয়াছে, ইহা দৃষ্ট হইলে নৃতন বিচার হইবার আজ্ঞা হইতে পারিবে।

৫৩২ ধারা। (১) কোন মাজিফ্টেট কি অন্য
কর্তৃপক্ষ আইনমতে নিয়মিতআনিষ্মিতরণে ব্যক্তিকে রূপে প্রদন্ত ক্ষমতাস্থ্যারে কার্য্য
স্মর্থণ করা গোল তাগ
করিতেছেন বিবেচনায় তদ্রপ
পাবে তাগার কথা।
ক্ষমতাপন্ন না হইয়া যদি
সেশন আদালতের বা হাই

কোর্টের বিচারার্থে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমর্পণ করেন, তবে যে আদালতের প্রতি সমর্পণ করা যায় সেই আদালত আন্তর্ভানিক কার্য্যের কাগজপত্র পাঠ করিয়া, অভিযুক্ত ব্যক্তির হানি হয় নাই বিবেচনা করিলে, এবং তদন্ত লওনের সময়ে ও সমর্পণের আজ্ঞা হওনের পূর্বে অভিযুক্ত ব্যক্তির কিম্বা অভি-যোক্তার পক্ষ হইতে সমর্পণকারী মাজিফ্টেটের কি অন্য কর্তৃপক্ষের বিচারাধিকার বিষয়ে আপত্তি ন্ থাকিলে ঐ আদালত সেই সমর্পণকার্য্য গ্রাহ্য করিতে পারিবেন।

(২) কিন্তু অভিযুক্ত ব্যক্তির হানি হইয়াছে উক্ত আদালতের যদি, এইরপ বিবেচনা হয় কিম্বা তদ্রপ আপত্তি হইয়। থাকে, তবে উক্ত আদালত দেই সমর্পণ-কার্য্য অসিদ্ধ করিয়া উপযুক্ত মাজিফ্টেটের দ্বারা নৃতন তদন্ত লইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

৫৩৩ ধারা। (১) ১৬৪ বা ৩৬৪ ধারামতে লিপিবদ্ধ করা অভিযুক্ত ব্যক্তির
১৬৪ বা ০৬৪ ধারার বিধান
পালন না কবিবাব কগা।

যে আদালতের সম্মুখে প্রমাণ্
স্বরূপ উপস্থিত করা হয়, সেই আদালত যদি দেখেন
যে ঐ উক্তি লিপিবদ্ধকারী মাজিস্টেট উক্ত গুই ধারার
কোনটির কোন বিধান সম্পূর্ণরূপে পালন করেন নাই,
তবে প্রতিবাদী ঐ লিপিবদ্ধ কথা যে নিয়্মিতরূপে
কহিয়াছিল, ইহার প্রমাণ লইবেন. এবং ভারতবর্ষীয়
সাক্ষ্য বিষয়ক আইনের ৯১ ধারায় প্রকারান্তরের কথা
থাকিলেও, যদি সেই ভ্রমদ্বারা মোকদ্দমার গুণাগুণ
সম্বন্ধে প্রতিবাদ কালে অভিযুক্ত ব্যক্তির হানি না
হইয়া থাকে তবে ঐ উক্তি গ্রাহ্ম হইবে।

(२) এই ধারার বিধান আপীল আদালত ও সংশোধনকারী আদালতের প্রতি বর্তে।

৫৩৪ ধারা। যে মোকদ্দমার প্রতি ৪৫৪ ধারার দেও (২) ধাৰাব নির্দিষ্ট প্রম জিজ্ঞাসা কবিতে ক্রেটি ইইবাব কথা।

কি না " এই প্রশ্ন জিজ্ঞাসা করিবার ক্রটি ইইলে, তাহাতে আন্ম্র্টানিক কার্য্যের সিদ্ধতা সম্বন্ধে কোন বিদ্ব হইবে না। ৫৩৫ ধারা। (১) অভিযোগপত্র প্রস্তুত না করা গেলেও ন্যায়বিচারের কোন ব্যাঘাত অভিযোগণত্র প্রস্তুত না হয় নাই আপীল আদালতের কি সংশোধনকারী আদালতের এমত জ্ঞান হইলে সেই অভিযোগপত্র প্রস্তুত না হওয়াতে নির্ণয় কি দণ্ডাজ্ঞা অদিদ্ধ হইবে না।

(২) অভিযোগপত্ত প্রস্তুত না হওয়াতে ন্যায়-বিচারের ব্যাঘাত হইয়াছে আপীল আদালতের কি সংশোধনকারী আদালভের এমত বোধ হইলে, ঐ আদালত অভিযোগপত্ত প্রস্তুত করিবার ও মোকদ্দমার বিচার কালান থে সময় অভিযোগপত্ত প্রস্তুত করা উচিত ছিল তাহার অব্যবহিত পরবর্ত্তী সময় হইতে বিচার কার্য্যের পুনরারস্তু হইবার আজ্ঞা দিবেন।

৫৩৬ ধারা। (১) আসেসরদের সহকারিতায় যে

অপরাধ বিচার্য্য হয় জুরির জারা
আসেদবদের বিচার্য্য
মোক্ষম। জুবিব দারা
বিচাব কইবাব কথা।

তৎপ্রযুক্ত সেই বিচার অসিদ্ধ
হইবে না।

জ্বিব বিচাৰ্য্য মোকদ্দম<sub>।</sub> আদেসবদেব দাবা বিচাৰ হ**ই**বাৰ কথা। (২) জ্বির দ্বারা বিচার্য্য অপরাধের বিচার আদেসরদের সহকারিভাম্ম করা গেলে, যদি আদালতের নির্নমপ্র লিপিবদ্ধ

হইবার পূর্ব্বে আপত্তি না করা যায় তবে কেবল আসেসরদের সহকারিতায় হওয়া প্রযুক্ত বিচার অসিদ্ধ হইবে না।

৫৩৭ ধারা। - পূর্ব্ব প্রদত্ত বিধানের স্থলভিন্ন-

ক্ নালিশে কি সমনে কি
অভিযোগপত্ত্বে কিয়া ওয়ারকে কি অভিযোগপত্ত্বে
আমুষ্ঠানিক কাণ্যে ভ্রম কি কি গোষণাপত্ত্বে কি আজ্ঞাপতে
প্রমাদপ্রযুক্ত নিম্পান্ত কি
দেখাজ্ঞা অন্যথা চইবাব
কথা।

করণ সময়ের বা তৎপুর্কের
অন্য আমুষ্ঠানিক কার্য্যে কিয়া

এই আইনমত কোন তদত্তে বা অন্য আন্নষ্ঠানিক কাৰ্য্যে কোন ভ্ৰম কি ক্ৰটি কি অনিয়ম হইলে, কিম্বা

- (খ) ১৯৫ ধারার আদেশমত কোন অস্মতির অভাব হইলে, কিম্বা
- (গ) ৬২৪ ধারা অমুসারে জুরির বা আসেসরদের কোন ফর্দ্দ সংশোধন করিতে ক্রটি হইলে, কিয়া
- (ঘ) জুরির প্রতি উপদেশ বাক্যের মধ্যে কোন অন্যায় কথা থাকিলে যদি সেই ভ্রম কি ক্রটি কি অনিয়ম কি অভাব কি অন্যায় কথা দ্বারা বস্ততঃই ন্যায়বিচারের ক্রটি না হইয়া থাকে,

তবে ২৭ অধ্যায়মতে কার্য্য হইলে কিম্বা সেই মোকদ্মার উপর আপীল হইলে কিম্বা তাহা সংশোধন করণার্থে উপস্থিত হইলে ঐ ভ্রম প্রভৃতি হেতৃক উপযুক্ত ক্ষমতাপন্ন আদালতের নির্ণয় কি দণ্ডাজ্ঞা কি আজ্ঞা (উহা বিচার চলিতে থাকিবার মধ্যে প্রদক্ত হউক বা চুড়ান্থই হউক) অন্যথা কি পরিবর্তন করা যাইবে না।

### উদাহরণ।

কোন মাজিস্টেট আইনমতে কোন দলীলে স্থাক্ষর করিতে আদিউ হইয়া কেবল আপান নামের আদ্যক্ষর লিখিয়া উহা স্থাক্ষর করেন। ইহা একটি অনিয়ম মাত্র ও ইহাতে ঐ আত্মন্তানিক কার্য্যের সিদ্ধতার ব্যাঘাত হয় না।

৫৩৮ ধারা। এই আইনের বলে যে ক্রোক করা যায়,

আমুষ্ঠানিক কাৰ্য্যে বীতিব দোধ থাকাতে ক্ৰোক বেআইনী না চইকাব ও ক্ৰোককারি ব্যক্তি অন্ধিকার প্রবেশকাবী বলিয়া জ্ঞান না চইবার কথা। সমনে কি অপরাধ নির্ণয়পত্তে কি কোকী পরওয়ানায় কি তৎসম্পর্কীয় অন্য কার্য্যে রীতিগত কোন দোষ কি অভাব প্রযুক্ত তাহা বেআইনী বলিয়া জ্ঞান হইবে না ও যে ব্যক্তি

ক্রোক করে তাহাকে অনধিকার প্রবেশকারী বলিয়া জ্ঞান হইবে না।

## ৪৬ ষ**ট ্চডারিংশ অ**ধ্যায়।

#### বিবিধ বিধি।

৫৩৯ ধারা। কোন হাই কোটের, কিম্না ঐ কোটের কোন কর্মচার্নির সম্মুখে যে

যে যে কোটেঁব ও যে যে ব্যক্তিদেব সম্মুখে আ.ফ-ডেবিট করা যাইতে পাবিবে ভাগদের কথা। আফিডেবিটের ও প্রতিজ্ঞা-পত্রের ব্যবহার করিতে হইবে সেই আফিডেবিট ও প্রতিজ্ঞা পত্র সেই কোটের কিছা ক্লার্ক-

অফ দি ক্রেনির, কিন্তা তৎকার্যপেক্ষে নিযুক্ত কোন কমিশনরের কি অন্য ব্যক্তির সম্মুখে কিন্তা রুটিষ ভারতবর্ষের কোন রিকার্ড কোর্টে আফিডেবিট গ্রহণের কোন জজ কি কমিশনর সাহেবের সমুখে কিন্তা ইংলভে কি আয়রলভে শপথ করাইবার কোন কমিশন-রের সমুখে, কিন্তা স্কটলভ দেশে যে কোন মাজিফ্রেট আফিডেবিট কি প্রতিজ্ঞা করাইতে ক্ষমতাপার হন তাহার সম্মুখে শপথ বা প্রতিজ্ঞা পূর্বক করা যাইতে পারিবে।

৫৪০ ধারা। এই আইনমত তদস্ত কি বিচার কি

গুঞ্জব সাক্ষীকে সমন কবিবার কিয়া ত্রীপান্থত ব্যক্তির পরীকা লইবার ক্ষমতার কপা। অন্য আত্মন্তানিক কার্য্য করিবার কোন সমুয়ে কোন আদালত কোন ব্যক্তিকে সাক্ষীস্থরূপ সমন করিতে পারিবেন ও সমন না হইয়া যে ব্যক্তি

আদালতে উপস্থিত থাকে সাক্ষীস্থরপ তাহারও সাক্ষ্য লইতে পারিবেন, এবং যাহার পরীক্ষা পূর্বেল লওয়া গিয়াছে এমন কোন ব্যক্তিকে আবার ডাকাইয়া পুনর্বার ভাহার পরীক্ষা লইতে পারিবেন; এবং নগ্রমতে মোকদ্দমার নিম্পত্তি হইবার নিমিত্তে তদ্রাপ কোন ব্যক্তির সাক্ষ্য অত্যাবশ্যক বোধ হইলে ঐ আদালত ভাহাকে ভাকাইয়া ভাহার পরীক্ষা লইবেন কিম্বা ভাহাকে আবার ডাকাইয়া ভাহার পুনঃপরীক্ষা লইবেন।

৫৪১ হারা। (১) উপস্থিত সময়ের প্রচলিত আইনে একারাস্ভরের বিধান না পাকিলে কাবাদণ্ডের স্থান নির্দেশ এই আইনমতে যে ব্যক্তির করিবার ক্ষমভার কথা। কারাদণ্ড বা হেফাজতে সমর্পণ হইতে পারে ভাহাকে যে ছানে অবরুদ্ধ করিয়া রাখিতে হইবে, স্থানীয় গ্রণমেণ্ট তাহার আদেশ করিতে পাহিবেন।

(২) এই আইনমতে যে ব্যক্তির কারাদণ্ড বা সমূপ্ৰ **इ**हेर ७ হেকাজতে ব্যক্তি দেওয়ানী ভেলে ৰদ পারে, সেই অভিযুক্ত বা নিণীতাপরাধ দেওয়ানী জেলে বন্ধ থাকিলে, ফোজদারী ব্যক্তিদিগকে যে আদালত বা মাজিফেট পাঠাইবার COT BY বা কারাদভের হেফাজতে তাগাদের দেওয়ানী ভেলে ফিৰিয়া আসিবার কথা। সম্পূপের আজ্ঞা দেন, সেই আদালত বা মাজিফেট উক্ত

ব্যক্তিকে কৌজদারী জেলে পাঠাইবার আদেশ করিতে পারিবেন।

- (৬) কোন ব্যক্তিকে (১) প্রকরণমতে ফৌজদারী জেলে পাঠাইয়া দেওয়া গেলে, তিনি তথা হইতে মুক্তিলাভ করিলে তাঁহাকে দেওয়ানী জেলে ফিরাইয়া পাঠাইতে হইবে, কিন্তু নিম্নলিখিত স্থলে এই বিধি খাটিবে না, অর্থাৎ,
  - তাঁহাকে ফোজদারী জেলে পাঠাইবার পর যদি তিন বৎদর অভীত হইয়া থাকে; তিনি দেওয়ানা মোক-এরপ স্থলে দ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক শাইনের ৩৪২ ধারামতে মুক্ত হইয়াছেন বলিয়া জ্ঞ ন করা যাইবে, অথবা
  - (খ) যে আদালত তাঁহাকে দেওয়ানী জেলে কারাবদ্ধ রাখিবার আজ্ঞা করেন, সেই ফৌজদারী জেলের আদালত যদি অধ্যক্ষকে এই মর্মের সার্টিফিকিট দেন যে দেওয়ানী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের ৩৪১ ধারামতে ঐ ব্যক্তি মুক্ত হইতে পারে।

৫৪২ ধারা। (১) বন্দিদের সাক্ষ্য এহণ বিষয়ক ১৮৬৯ সালের আইনে ভাবা-কারাবন্ধ ব্যক্তির পর্যাকার স্থারের বিধান থাকিলেও কোন জন্যে তাগকৈ আনাইতে প্রেসিডেন্সী মাজিফ্রেটের সম্মুখে আজা কৰিতে প্ৰোদডেন্সী উপস্থিত কোন যোকদমায় মাজিট্রেটের ক্ষমতার কথা। তিনি সাক্ষী কিম্বা অভিযুক্ত

ব্যক্তি বলিয়া আপৰ এলাকার দীমার, অন্তর্গত জেল-খানায় বন্ধ কোন ব্যক্তিয় শাক্ষ্য লইতে চাহিলে, ঐ জেলের অধ্যক্ষের নামে আজ্ঞাপত্র লিখিয়া ঐ পত্রের দিখিত সময়ে সাক্ষ্য দিবার জন্য ঐ ব্যক্তিকে উপযুক্ত · **এ**হরির জিন্মায় আপনার নিকট আনাইতে আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(২) জেদের অধ্যক্ষ সেই আজ্ঞায় আইলে তদমুসারে কার্য্য করিবেন ও পূর্কোক্ত কার্য্যের নিমিত্ত ঐ বন্দী । যায় বা আদায় হয়, আদাসত তৎপ্রতি দৃক্তি রাখিবেন।

যতক্ষণ জেলখানা হইতে অনুপস্থিত থাকে ডভক্ষণ তাহার নির্কিন্নে রক্ষা করিবার বিধান করিবেন।

৫৪৩ ধারা। কোন ক্ষোজদারী আদালতে কোন অমাণের কি উক্তির সর্থ করি-<u>শেভাবিব ৰথাৰ্থট অৰ্থ</u> বার জন্যে দোভাষীর প্রয়োজন ৰু বতে গ্ৰহীনাৰ কথা। **२**हेटन जे দোভাষী অমাণের কি উক্তির যথার্থ অর্থ করিতে আবদ্ধ श्रुरेयन ।

৫৪৪ ধারা। যে বাদিরা কি সাক্ষিরা এই আইন অহুসারে কোন তদম্ভ কি বিচার वाण्टिमव ७ माक्टिपत्र কি অন্য আত্মন্তানিক কার্য্যের ধরচেব কথা। নিমিত্তে কোন কোজগারী আদালতে উপস্থিত হন, ঐ আদালত গবর্ণমেন্টের পক্ষে তাঁহাদের উপযুক্ত খরচ দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন। কিন্ত স্থানীয় গবর্ণমেন্ট মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের সম্মতিক্রমে যে বিধি করেন সেই বিধি যানিয়া উক্ত আজ্ঞা করা ঘাইবে।

৫৪৫ ধারা। (১) যৎকালে যে আইন প্রচলিত থাকে তৎকালে কোন কৌজ-অর্থনভের টাকাব একাংশ দারী আদালত সেই আইনমতে খরচ বা ক্ষতিপুবণস্বরূপ **অর্থদ**ণ্ডের 100 1 E করিসে দিতে আণালতের ক্ষমতার কিশ্ব। আপালক্রমে িচ স্থা সংশোধন করণক্রমে বা প্রকারাম্ভরে ঐ অর্থদভের আক্তা কিম্বা অর্থদভ যে আজ্ঞার একাংশ হয় সেই আজ্ঞা দৃঢ় করিলে, ঐ আদালত নিষ্পত্তি কালে ঐ অর্থদণ্ডের আদায় হওয়া সমুদয় টাকা কিন্তা ভাহার কোন অংশ—

- (ক) মোকদ্দমা ঢালাইবার নিমিত্ত যথার্থ যে খরচ হয় ভাহার পরিশোধার্থে,
- (খ) যে অপরাধ হয় তজ্জনিত ক্ষতি প্রযুক্ত দেওগানা মোকদ্দমা করিয়া বিশিষ্টরূপ ক্ষতিপুরনের টাকা পাওয়া ঘাইতে পারে जानानाउत अक्रम विविचना श्रहेंन के ক্ষতিপূরণার্থে—

দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

(२) द याकक्यात छे अत जाशील इहेट शादा সেই যোকদ্দমায় অর্থদণ্ডের আজ্ঞা করা গেলে, উক্ত যে টাকা দিবার শাজ্ঞা হইল, আপীল উপস্থিত করিবার মিয়াদ গত না হওন পর্য্যস্ত কিম্বা আপীল উপস্থিত করা গেলে ভাহার নিষ্পত্তি না হওন পর্য্যস্ত সেই টাকা দেওয়া যাইবে না।

৫৪৬ ধারা। পরে সেই বিষয় লইয়া দেওয়ানী যোকদম। হইলে ক্ষতিপুর্ব পরবর্ত্তী মোকদ্দমায় দেই দিবার সময়ে ৫৪৫ ধারামতে টাক। ধবিবার কথা। যে ক্ষতিপূরণের টাকা দেওয়া ৫৪৭ ধারা। অর্থদণ্ডের টাকা ভিন্ন অন্য কোন টাকা বি টাকা দিবাব আজ্ঞা এই আইনমত কোন আজ্ঞাহয় তাহা অর্থদণ্ডের ন্যায় ক্রমে দেয় হইলে, অর্থদণ্ড হইলে আদায় চইতে পারিবার যেক্সপে হইও সেইক্সপে তাহা
ক্রা। আদায় করা ঘাইতে পারিবে।

৫৪৮ ধারা। কোন কেজিদারী আদালতের নিশাজিতে কি অন্য আজ্ঞাতে যে
ব্যক্তির সম্পর্ক থাকে সেই
ব্যক্তি অ্রির নিকট জজ সাহেবের উপদেশের নকল
কিয়া কোন আজ্ঞার কি সাক্ষ্যের কি নথীর অন্যাংশের
নকল পাইবার অভিলাষী হইয়া প্রার্থনা করিলে ভাষা
ভাষাকে দেওয়া যাইবে।

কিন্তু আদালত কোন বিশেষ কারণে তাহাকে বিনা খরচে সেই নকল দেওয়া উচিত বোধ না করিলে ভাহারই সেই নকল করিবার খরচ দিতে হইবে।

৫৪৯ ধারা। (১) যে যে ছলে সৈনিক আইনের অধীন ব্যক্তিগণের বিচার যে কোর্ট মার্ল্যল ছারা যাহা-আদালতের প্রতি এই আইন দের বিচার হইবে এরূপ বর্ত্তে সেই আদালতের ছারা वर्गकामगढक देमनामश्कास कर्जभक्तमा इटल ममर्भन বা কোট মাশ্যল করিবার কথা। হইবে, তৎসন্বন্ধে মন্ত্রিসভাধি-ঠিড এীযুড গবর্ণর জেনরল সাহেব এই আইনের ও সৈন্য সংক্রান্ত আইনের কিন্তা তদ্রপ যে আইন যৎকালে প্রচলিত থাকে সেই আইনের সম্পত বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন; এবং কোন ব্যক্তির যে অপরাধে সৈন্য সংক্রাম্ভ আইনের ৪১ ধারামতে কোর্ট মার্শ্যল মারা বিচার হইতে পারে সেই অপরাধের অভিযোগসহ ভাহাকে কোন মাজিক্টেটের সন্মুখে আনা গেলে, ঐ মাজিক্টেট উক্ত বিধির প্রতি দৃষ্টি রাখিয়া, উপযুক্ত সকল স্থলে, ভাছার নামে যে অপরাধের অভিযোগ হয় তদ্বিবরণ সহিত তাহাকে সে যে পল্টনের কি সৈন্যদলের কি সেনাভাগের লোক সেই পল্টনাদির সৈন্যাধ্যক্ষের নিকটে কিম্বা নিকটম্থ সেনানিবেশের সৈন্যাধ্যক্ষের ানকটে কোর্ট মার্শ্যল ছারা বিচার হইবার নিমিত্ত

(২) তদ্রপ কোন ভানে অবস্থিত কি নিযুক্ত তদ্রপ ব্যক্তিদিগকে বৃত করিবার কথা।

ইইলে প্রত্যেক মাজিস্টেট যাহার নামে উক্তরপা অপরাধের অভিযোগ আছে তাদৃশ কোন ব্যক্তিকে ধৃত করিয়া নির্কিন্নে রাখিবার নিমিত্ত যথাসাধ্য চেন্টা করিবেন।

পাঠাইবেন।

ee । ধারা। পোলীস থানার অধ্যক্ষেরা আপন
আপন থানার সীমার মধ্যে
গোলীদের উচ্চপদন্দ্ধ
ক্ষেচারিদের ক্ষমতা।
পারেন পোলীদের যে কর্মচারিরা পোলীস থানার অধ্যক্ষের উচ্চপদন্দ্ধ হন তাহারা

যে স্থানীয় চক্রের নিষিত্ত নিযুক্ত হন তাহার সর্ব্বত্ত সেই সেই ক্ষয়তায়তে কার্য্য করিতে পারিবেন।

৫৫১ ধারা। কোন দ্বীলোককে কিন্তা চেন্দি বৎসরের
ন্যন বয়সের বালিকাকে অবৈধ
ত্যান্ত প্রীলোককে
কার্য্যের নিমিন্ত কুসলাইমা হরণ
করা কি বেআইনীমতে আটক
করিয়া রাখা গিয়াছে, প্রেসি-

ডেপী যাজিফেটের কি জিলার মাজিফেটের নিকট
লপথপূর্বক এই নালিল করা গেলে, তিনি ডৎক্ষণাৎ ঐ
লীলোককে ছাড়িয়া দিবার কিছা ঐ বালিকাকে আপান
স্থামির কি পিতার কি মাতার কি অভিভাবকের কিছা
বৈধমতে ঐ নাবালিকার রক্ষণের ভারপ্রাপ্ত অন্য
ব্যক্তির নিকট ফিরিয়া দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন,
ও যেরপ বলপ্রকাশ আবশ্যক হয় সেইরপ বলপ্রকাশ
করিয়া সেই আজ্ঞামতে কার্য্য করাইতে পারিবেন।

৫৫২ ধারা। (১) রাজধানী নগরে কোন ব্যক্তি
পোলীসের কোন কর্মচারির
বাজধানী নগরে যে
ব্যক্তিকে অকারণে প্রথবির
ভালমায় দেওয়া যায় ভাহার
হানিপ্রণের কথা।
তানন তাহার বিবেচনামতে
প্রব্যক্তিকে ধ্বত করিবার উপ-

যুক্ত কারণ না থাকিলে যে ব্যক্তিকে ধরা যায় মাজি-ক্টেট সাহেব তাহার সময় হরণের কি খরচের জন্যে হানিপরণস্বরূপ পঞ্চাশ টাকার অনধিক যত টাকা পাওয়া উচিত জ্ঞান করেন যে ব্যক্তি ভাহাকে ভদ্রপে ধৃত করায় তাহার প্রতি সেই ব্যক্তিকে ভত টাকা দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।

- (২) একপ স্থলে গৃই কি তদধিক জনকে ধৃত করা গেলে, মাজিফেট সাহেব উক্ত প্রকারে তাহাদের একং জনের পঞ্চাশ টাকার অনধিক যত হানিপুরন উচিত জান করেন ততই পাইবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন।
- (৩) এই ধারামতে হানিপ্রণক্ষরপ যে টাকা দিবার আজা হয় তাহা অর্থদণ্ডের ন্যায় আদায় হইতে পারিবে; ও তাহা তদ্রপে আদায় করা যাইতে না পারিলে, যে ব্যক্তির ঐ টাকা দেয় তাহার প্রতি মাজিফ্টেটেক্সআদেশমত ত্রিশদিনের অনধিক কাল সামান্য কারাদণ্ডের আজ্ঞা করা যাইবে। কিন্তু ঐ টাকা দেওয়া গেলেই তাহাকে মুক্ত করা যাইবে।

বংও ধারা। (১) কলিকাতার হাই কোর্ট মন্ত্রিসভাধিতি প্রীযুত গবর্ণর জেনপত্র পরিদর্শন করিবার বিধি
প্রক্ত এবং রাজকায় সনন্দরলে
প্রান্ত কার্যর কার্যর কার্য জ্বান হাই
কোর্ট ছানীয় গবর্ণমেন্টের অভ্ন
মতি গ্রহণপূর্বক সময়েই অধীন আদালতের কাগজপ্র
পরিদর্শন করিবার বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।

অন্যান্য কার্য্যের নিমিত্ত অন্যান্য হাই কোর্টের বিধি করিবার ক্ষমতাও কথা।

- (২) যে হাই কোর্ট রাজকীয় সনন্দবলে সংস্থাপিত নহে

  ছানীয় গবৰ্ণমেন্টের অহ্মতি
  গ্রহণপূর্বক সেই হাই কোর্ট
  সময়ে সময়ে—
- (ক) স্থায় অধীন ক্ষেত্রিকারী আদালতে যে যে বহী রাখিতে হইবে ও তদ্মধ্যে যে যে কথা ও হিসাব লিখিতে হইবে ও সেই সক্স আদালতের যে রিটর্ন কি বর্ননাপত্র প্রস্তুত করি:। পাঠাইতে হইবে তদ্বিষয়ক বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।
- (খ) উক্ত সকল আদালতের আহ্নষ্টানিক কোন কার্য্য লিখিবার পাঠ নিৰ্দ্ধিষ্ট করা আব-শ্যক জ্ঞান করিলে সেই পাঠ নিরূপণ করিতে পারিবেন।
- (গ) স্বীয় রাতির ও আমৃষ্ঠানিক কার্য্যের এবং আপনার অধান সকল ফোজদারী আদা-লতের রাতির ও আমৃষ্ঠানিক কার্য্যের ব্যবস্থা করণার্থ বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।
- (ঘ) অর্থদণ্ড আদায় করিবার জন্য এই আইন-মতে যে গুয়ারন্ট দেগুয়া যায়, ভাহা যে প্রকারে জারী করিতে হইবে তাহার ব্যবস্থা করণার্থ বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন।

কিন্তু এই ধারামতে যে কোন বিধি প্রণীত ও পাঠ নিরূপিত হয় তাহা এই আইনের কিন্তা যৎকালে অন্য যে আইন প্রচলিত থাকে সেই আইনের অসক্ষত না হয়।

(৩) এই ধারামতে কোন বিধি প্রণয়ন করা গেলে

তাহা স্থানীয় রাজকায় গেজেটে প্রকাশ করা ঘাইবে।

৫৫৪ ধারা! ৫৫৩ ধারামতে ও ভারতবর্ষীয় হাই
কোর্ট বিষয়ক ১৮৬১ সালের
আইনের ১৫ ধারামতে যে

ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে তাহা মানিয়া এতৎসংযুক্ত পঞ্চম
ভক্ষমীলে যে পাঠ নির্দিষ্ট হইল সেই পাঠ প্রত্যেক স্থলে
অবস্থাতেদে যেরপ পরিবর্ত্তন করা আবশ্যক হয় তাহা
করিয়া তত্ত্লিখিত কার্য্যে ব্যবহার করা যাইবে।

৫৫৫ ধারা। কোন জজ্ঞ বা মাজিস্টেট কোন মোকদ্দমার এক পক্ষ হইলে, যে দ্বলে জজ্ঞ বা মাজি-্ট্রেচ আপনি স্বার্থযুক্ত থাকেন তাহার কথা। যে আদালতে আপীল হয়,

সেই আদালতের অভ্যতি না লইয়া ঐ মোকদ্দ্যার বিচার বা ভাহা বিচারার্থে সমর্পণ করিবেন না এবং কোন জ্বজ্ব বা মাজিস্টেট নিজে যে নিপান্তি বা আজ্ঞা করেন ভাহার উপর আপীল শুনিবেন না।

ব্যাখ্যা। কোন জজ বা মাজিষ্টেট যুনিসিপল কমি-শনর কিছা রাজকীয় কর্মচারী অরপ অন্য রক্ষে সম্পৃক্ত আছেন কেবল এই কারণে এই ধারার মর্মায়-সারে কোন মোকদমার এক পক্ষ বা তাহাতে আপনি স্বার্থযুক্ত বলিয়া গণ্য হইবেন না।

#### উদাহরণ।

কোন মাজিক্টেট ১৯০ ধারামতে কোন অপরাধ গ্রাহ্য করিয়া থাকিলে কিছা ঐ রূপে কোন অপরাধ গ্রাহ্য করিয়াছেন এমন কোন মাজিক্টেট তাঁহাকে কোন মোক-দ্দমা হস্তান্তর করিয়া দিয়া থাকিলে, যে স্থানে ঐ -অপরাধ ক্বত হইয়াছে বলিয়া ক্ষিত হয় তিনি সেই স্থানে গিয়াছেন এবং ঐ অপরাধ সম্বন্ধে প্রথমস্থলীয় বা বেজাবেদামত তদন্ত লইয়াছেন কেবল এই ঘটনা বশতঃ তিনি ঐ মোক্দমার এক পক্ষ বা তাহাতে আপনি স্থার্থকুক নহেন।

৫৫৬ ধারা। কোন ছানীয় গবর্ণযেন্টের শাসনাধীন
আদালতের ভাষা দ্বির
কবিতে পাবেশার কথা। সংস্থাপিত হাই কোর্ট ভিন্ন
কোন আদালতের ভাষা বলিঃ।
এই আইনের কার্য্যপক্ষে কোন্ ভাষা গণ্য হইবে, উক্ত
ছানীয় গবর্ণযেন্ট ইহা ছির করিতে পারিবেন।

মগ্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গ্রপ্র জেনবল সাহেত্রের ব্য শ্বানীয় গ্রশ্মেক্টের ক্ষমতা-মুদাবে সময়ে সময়ে কার্য্য হইবাব কথা।

ভদত্মসারে কার্য্য হইতে পারিবে।

৫৫৭ ধারা। এই আইন ক্রমে মন্ত্রিসভাধিন্তিত প্রীযুত গবর্ণর জেনরঙ্গ সাহেবের বা ছানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি যে যে ক্ষমতা অপিত হইল প্রয়োজনমতে সময়ে সময়ে

৫৫৮ ধারা। এই আইন প্রচলিত হইবার পর যে

সকল আনুষ্ঠানিক কার্য্য উপ

চলিত মোকদ্মার ক্পা।

প্রিভ করা যায় তৎসম্বন্ধে এই
আইনের বিধান শাটিবে, এবং এই আইন থৎকালে
প্রবন্ধ হয় তৎকালে কোন কোজদারী আদালতে যে

সকল মোকদ্দমা চলিতে ধাকে তৎসম্বন্ধে যতদুর সভব
এই আইনের বিধান শাটিবে।

৫৫৯ ধারা। রাজকায় কোন কার্য্যকারক এই
আইনমতে কোন সম্পত্তি বিক্রা
নিলাম কার্য্য লিও কর্মচারিদের সম্পত্তি ক্রম না
করিবার বা না ভাকিবার
কর্ম করিবেন না বা নীলায়ে
ভাকিবেন না।

- ৫৬০ ধারা। (১) এই আইনে যাহা কিছু আছে
  স্থানী কণ্ঠক বলাংকার
  অপাবাধ সম্প্রে বিশেষ বিধানের কথা।

  জিলার মাজিস্টেট ছাড়া তন্য
  কোন মাজিস্টেট—
  - (ক) যে স্থলে কোন লোক আপন দ্বীর সহিত সংসর্গ করিয়াছেন সে স্থলে বলাৎকার অপরাধ আমলে আনিবেন না। কিছা

- (খ) সেই শোককে সেই অপরাধের নিমিত্ত বিচারার্থ সমর্পণ করিবেন না।
- (२) এবং এই ধারার (১) প্রকরণে যে অপরাধের উল্লেখ আছে যদি কোন প্রধান প্রেসিডেন্সী মাজিফেট বা জিলার মাজিফেট তৎসম্বন্ধে কোন পোলীসের কর্ম-চারী ছার। অন্নসন্ধানের আদেশ করা আবশ্যক জ্ঞান করেন ভাছা ছইলে এই আইনে যাহা কিছু আছে ভাহা সত্ত্বেও পোলীসের ইনিস্পেট্ররের নিম্ন পদস্থ কোন পোলীসের কর্মচারিকে সেই অন্নসন্ধান করিবার নিমিত্ত কিছা ভৎসম্বন্ধে কার্য্য করিবার নিমিত্ত নিযুক্ত করা হইবে না।

### প্রথমবার অপরাধী বিষয়ক বিধি।

৫৬১ ধারা। (১) কোন আদালতে কোন যোক-দ্যায় কোন ব্যক্তির চৌর্য্য দগুজা দিবার পরিবর্তে অপরাধ ভাবে অবিহিত ব্যব-গদাচরণের পরীক্ষার নিয়ম কবিয়া আদাশতের ছাড়িয়। হার, বঞ্চনা কিছা অন্ধিক গুই পিবার ক্ষমতার কথা। বৎসর কালের কারাদতে দওনীয় অপর কোন অপরাধ নির্বয় করা হইলে. ও ভাহার বিরুদ্ধে পুর্বের কোন অপরাধ নির্ণয় প্রমাণিত না হইলে, যে আদালতের সমুখে তাহার ঐরপ অপ-রাধ নির্বয় হয় যদি সেই আদালতের এরপ বোধ হয় যে অপরাধীর যৌবন, চরিত্র ও পুরর পরিচয়ের প্রতি, ঐ অপরাধের লয়ুড়ের প্রতি, ও যে অবস্থায় ঐ অপরাধ ক্লত হয় ভাহাতে অপরাধ লাগ্বকারী কোন বিষয় পাকিলে তৎপ্রতি লক্ষ্য রাখিয়া অপরাধীকে সদাচরণের পরীক্ষার নিয়ম করিয়া ছাড়িয়া দেওয়া বিহিত তাহা হইলে, আদালত তৎক্ষণাৎ তাহার প্রতি কোন দণ্ডের আজ্ঞা না করিয়া এরূপ আদেশ করিতে পারিবেন যে, সে আদিষ্ট হইলেই উপস্থিত হইয়া নিশাৰ্তি আহ্য করিবে এবং ইতিমধ্যে শান্তিভঙ্গ করিবে না ও সদা-চরণসম্পন্ন হইবে জামিনসহ কি জামিন বিনা এবং আদাসত যত কালের আদেশ করেন সেই কালের জন্য এই মর্মে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলে তাহাকে ছাভিয়া দেওয়া যায়।

(২) আদালত বিহিত বোধ করিলে এরপ আদেশ করিতে পারিবেন যে, আদালত যে কাল ও যে যে কিন্তির আদেশ করেন সেই কালের মধ্যে ও সেই সেই কিন্তিতে অভিযোগের খরচ বা ঐ খরচের কিয়দংশ অপরাধার দিতে হইবে।

ব্যাখ্যা।—এই ধারার প্রয়োজনার্থ ''আদালত' শব্দে কোন হাই কোর্ট, সেশন আদালত, জিলার মাজিট্টেট কিন্তা স্থানীয় গবর্ণমেন্ট হইতে এতদর্থে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত প্রথম শ্রেণীর মাজিক্টেট বুরাইবে।

- ৫৬২ ধারা। (১) অপরাধার মূল অপরাধ লম্পর্কে তাহার সম্বন্ধে কার্য্য করিবার অপরাধী আপম বৃচলকার কমতাপন্ধ কোন আদালতের যদি লগতন্দ্র প্রত্যাতি হয় যে, অপরাধী আপন মুচলকার কোন নিয়ম পালন করে নাই তাহা হইদে ঐ আদালত তাহাকে ধৃত করিবার জন্য ওয়ারলী দিতে পারিবেন।
- (१) কোন অপরাধী ঐদ্ধপ কোন ওয়ারন্টক্রমে ধ্রত

  হইলে যদি তাহার প্রতি দণ্ডাজ্ঞা দিবার ক্ষমতাপদ্ধ

  আদালতের সন্মুখে অগোণে আনীত না হয় তবে কোন

  মাজিয়্টেটের সন্মুখে আনীত হইবে এবং ঐ আদালত

  বা মাজিয়্টেট তাহার মুচলকার আদেশক্রমে তাহাকে

  নিম্পত্তির জন্য যে সময়ে উপস্থিত হইতে হইত সেই

  সময়পর্যান্ত কিম্বা তাহার মুল অপরাধ সম্বন্ধে বিচার

  করিবার ক্ষমতাপদ্ধ কোন আদালতের অধিবেশন না

  হওয়া পর্যান্ত ওয়ারন্টক্রমে তাহাকে হেফাজতে ক্ষরত
  পাঠাইতে পারিবেন অববা নিম্পত্তির জন্য উপস্থিত

  হইবার নিয়য়ে যথেক্টরূপ জামিন লইয়া তাহাকে ছাড়িয়া

  দিতে পারিবেন।
- (৬) ঐরপে ফেরত পাঠান হইলে যে স্থানে কি যে স্থানের নিমিত্ত ঐ অপরাধীকে ফেরড প্রেরণকার আদালত কান্য করেন অপরাধীকে হয় সেই স্থানের নয় সে যে স্থানে নিশান্তির জন্য উপস্থিত হইতে বাধ্য ছিল সেই স্থানের কোন কারাগারে অর্পন করা যাইতে পারিবে, এবং ফেরড পাঠাইবার ওয়ারনেট এই আদেশ থাকিবে যে, সে যে আদালতে নিশান্তির জন্য উপস্থিত হইতে বাধ্য ছিল কিম্বা তাহার খালাস হইবার সময় হইতে আপন আচরণ সম্বন্ধে জবাবদিহি করিতে বাধ্য ছিল তাহাকে সেই আদালতের সম্বৃধ্যে আনা যায়।
- ৫৬৩ ধারা। (১) আদাসত এই আইনের পূর্কবর্তী বিধানাম্পারে কোন অপারাধীকে তাপনাধীক বাদশান্দমকে ছাড়িয়া দিবার আদেশ করিবার পূর্কে আপন হুদ্বোধমতে জানিয়া সইবেন যে, যে ছানের জন্য আদাসত কার্য্য করেন কিছা নিয়ম পালনের জন্য নিরূপিত কালের মধ্যে যথায় অপারাধীর বাস করিবার সম্ভাবনা তথায় অপারাধী কি তাহার জামিনের নির্দ্ধিষ্ট বাসন্থান কিছা নিয়মিত কর্ম আছে।
- (২) এই ধারার কিছা ৫৬১ ও ৫৬২ ধারার কোন কথাক্রমে চরিত্র সংশোধনার্থ বিদ্যালয় বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইলের ৩১ ধারার বিধানের কোন ব্যতিক্রম ছইবে না।

#### পাকা বদমাস বিষয়ক বিধি।

৫৬৪ ধারা। (১) কোন ব্যক্তির ভারতবর্ষের দণ্ড-বিধির আইনের ১২ অধ্যায় কি তত্ত্বাবধানেব ভাগতাব ১৭ অধ্যায়মতে তিন বৎসর বা ভদধিক কালের কারাদণ্ডে দণ্ড-নীয় কোন অপ্যাধ নির্ণয় হইয়া কোন হাই কোর্ট, সেশ্ব আলালত, প্রেসিডেন্দী মাজিক্টেট, জিলার মাজি-• ক্লেট, মহকুমার মাজিক্টেট বা এন্ডদর্থে স্থানীয় গবর্ণমেন্টের ম্বানে বিশেষমতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত প্রথম শ্রেণীর কোন যাজিক্টেট কৰ্ত্তক উক্ত অধ্যায়ৰয়ের অন্যতন্ন অধ্যায়মতে তিন বৎসর বা তদধিক কালের কারাদণ্ডে দণ্ডনীয় কোন অপরাধ প্রকার নির্ণয় হইলে, ঐ কোর্ট, আদালত বা যাজিটেট যদি বিহিত বোধ করেন তবে ঐ ব্যক্তির প্রতি দ্বীপান্তর প্রেরণ বা কারাদণ্ডের আজ্ঞা করিবার সময় ঐ দণ্ডাজ্ঞার কাল অতীত হইবার তারিখ চইতে ভাহাকে অন্ধিক পাঁচ বৎসর কাল পোলীদের তত্তাব-ধানাধীনে স্থাপিত করা হয় এরূপ আজ্ঞাও করিতে পারিবেন।

- (২) যদি আপীলে বা অন্য রকমে ঐ অপরাধ নির্ণয় অন্যথা করা হয় তাহা হইলে পোলীদের ওত্তাব-ধানের ঐ আজ্ঞা বাতিল হইবে।
- (৬) কোন আপীল আদালত বা সংশোধনকারী আদালত ওঁরূপ পোলীসের ততাবধানের আজ্ঞা করিতে

পারিবেন কিন্তু ঐ আজ্ঞা যে অপরাধ নির্বয় ও দণ্ডা-জ্ঞার অংশভূত ভাষা এই আইনে পূর্বে যে প্রকারের বিধান হইল সেই প্রকারে ঐক্পপ আদালতের সমুখে উপস্থিত করা না হইলে ঐ আজ্ঞা সম্বন্ধে আপীল বা সংশোধন হইতে পারিবে না।

৫৬৫ ধারা। (১) যে ব্যক্তির প্রতি পোলীদের তড়া-বধানাধানে থাকিবার আজা হয় লে তাহার ফলের কথা। কি পোলীদের ডিট্টিক্ট ইপারি— ভেডেন্টক্ষে সে যে খাসছালে খাসকরে খা ভাঁহার বাস করিবার অভিপ্রায় আছে তাহা জানাইতে.খাধ্য হইবে।

(২) যদি ঐ ব্যক্তি জিলার ঐ মাজিইটেকে বা পোলীসের ঐ ডিট্রিট্র স্থপারিন্টেভেন্টকে অন্তো ভূটিস না দিয়া আপন বাসস্থানের পরিবর্ত্তন করে কিন্ধা কোন মাজিইটের বা হেড-কনস্টেবলের নিম্নপদস্থ না হন এমন কোন পোলীসের কর্মচারির বা জিলার মাজিইটেট কর্তৃক এতদর্থে নিযুক্ত অপর ব্যক্তির অমুমতি ব্যতিরেকে সূর্ণ্যান্ত ও সূর্য্যাদয়ের মধ্যে তাহার বিজ্ঞাপিত বাস-স্থান হইতে অম্পৃষ্থিত হয় ভাহা হইলে তাহাকে ওয়া-রন্ট বিনা ধত করা যাইতে পারিবে ও সে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১৮৮ ধারামতে দণ্ডনীয় অপরাধ করিয়াছে বলিয়া বিবেচনা করা যাইবে।

# প্রথম তফসীল।

# যে যে আইন রহিত হইল। (২ ধারা দেখ।)

বংসর ৷	मध्य ।	সংক্ষেপ মাম বা বিষয ।	যে পরিমাণ রহিত হ <b>ইল</b> ।
<b>&gt;&gt;</b> 9¢	٥٠	हाई कार्टित क्लिजनाती स्थाकन्त्रयात कार्याखनानी	मगूमग्र ।
2244	20	क्ष्मिनात्री याकक्षमात्र कार्याञ्चनानीविषयुक ४৮৮२ नालित पाइन	म्यूपग्र ।
7 r r 8	U	কৌজনারী মোকদমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংশোধনার্থ ১৮৮৪ সালের আইন।	मग्रू मग्र ।
3 <b>66</b> 6	20	কেজিদারী যোকদ্মার কার্য্যপ্রণাঙ্গী বিষয়ক ১৮৮২ সাঙ্গের আইন ও অন্য কএকটি আইন সংশোধনার্থ আইন।	১ হইতে ১৯ পর্য্যন্ত ধারা।
2000	¢	কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ আইন।	म्यूम्स ।
"	78	ভারতবর্ষীয় মেরিণ বিষয়ক ১৮৮৭ সালের আইন	৭৮ ধারা।
3443	3	ধাতব নিদর্শন বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন	৭ ধারা।
79	¢	মাস্ফাজ্যের করোণারের পদ রহিত করণার্থ আইন	৪ ধারার (১) প্রকরণ।
"	22	নিম্ম ব্রহ্মদেশের আদাপত বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন	দ্বিতীয় তক্ষসীলের যে পারি মাণের সহিত ক্ষোজদার মোকদ্দমার কার্য্যপ্রনার্গ বিষয়ক ১৮৮২ সালের আই নের সম্পর্ক সেই পরিমাণ
77	30	কান্টনমেন্ট বিষয়ক ১৮৮৯ সালের আইন	তফসীলের যে পরিমাণে সহিত কোজদারী মোব দ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয় ১৮৮২ সালের আইনে সম্পর্ক সেই পরিমাণ।
7897	0	ভারতবর্ষীয় সাক্ষাবিষয়ক ১৮৭২ সালের আইন ও ফেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশো- ধনার্থ আইন।	৯ ধারা।
٠,	8	ফেজিনারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ মাইন।	मग्रुमग्न ।
•,	20	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইন ও কোজদারী মোকদ্দমার কার্য্য- প্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ আইন।	
",	38	রহিত ও সংশোধন করণার্থ ১৮৯১ সালের আইন	কৌজদারী মোকদ্দমার কার্য প্রশালী বিষয়ক ১৮৮ সালের আইনের সহিত ( পরিমাণের সম্পর্ক হৈ পরিমাণ।
۶۳. 8	9	ক্ষেজদারী মেকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের মাইন ও ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইন সংশোধনার্থ আইন।	১ হইতে ৪ পর্য্যন্ত ধারা।
"	2.	ক্ষোজনারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ আইন।	मञ्जूषञ्च ।
3650	8	ক্ষেজনার মোকদ্মার কার্য্যপ্রণালা বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইনের ৩৬৬ ও ৩৭১ ধার! সংশোধনার্থ আইন।	1.
36-2·4	30	কৌজদারী মোকদ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক ১৮৮২ সালের আইন সংশোধনার্থ আইন।	म्यून्य।

# षिञीय उक्मील।

অপরাধের বিবরণপত্রের টেবিল।

অর্থ করিবার মন্তব্য কথা।—এই তক্ষ্পীলের ২ ও ৭ ঘরের অর্থাৎ ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনমত "অপরাধের" ও "দণ্ডের" ঘরে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ভিন্নং ধারার নিষিত অপরাধের ও দণ্ডের অর্থ করা, কিম্বা ঐং ধারার চূম্বক লেখা অভিপ্রায় নহে। কেবল প্রথম ঘরে যে ধারার নম্বর দেওয়া গেল সেই ধারার নিষিত কথার উল্লেখ করা অভিপ্রায়।

এই তক্ষীলের তৃতীয় ঘর কলিকাভা ও বোদ্বাই নগরের পোলীদের প্রতি বর্তে।

৫ পঞ্চম্ অধ্যায়।—-অপরাধের সহায়ভার কথা।

ь	দ্ভ। বে আদানতের বিচার্য।	সেই দঙ। সাহায্য করা অপরাধ্ব বে আদালভের বিচার্য্য সেই আদা- লভের।	∕97	ন প্রি-	<b>9</b>
•	ভাৰতবৰ্ষেৰ দশুবিধিৰ আইনমত দশু	অপ্রাধ্বের যে দ <b>ও</b> সহায়তারও সেই দ <b>ও।</b>	<del>.∕•</del>	্যে জ্পরাধের সহায়তা করিবার প্রায় ছিল সেই অপ্রাধের দণ্ড	ষে অপুরাধ হছল ভাহার দঙ
ņ	বঞ্চা করা অস্থিতে শারে কি মা	माहादा क्या ज्ञल- तारक्षत तका कता याहेट भावित्व कि वा भावित्व उमझक्री।	<b>*</b>	<b>^5</b> j	∕লু
8	হা <b>জি</b> বজামিন লভ্য ঘাইতে পাবে কি না।	माश्या क्यां अपे- द्यांत्यत्र नियांत्र्य शांक्षत्रकाषिन न- अम्रा माहेत्व भा- द्रितन कि ना भा- द्रितन मश्रम्ञात्र उ	শ্ব	<b>19</b> 5	শ্ব
88	भाषानाङः श्रुपद्य अष्रावके श्र भषन भिएङ श्रुव।	সাহায্য করা জপরাধ্হেত্র্ক ওয়ার্ক কিয়া সম্ল, যাহা হুইতে পারে ভদমুসারে স- হায়ভার জনে	<b>~9</b>	<b>∕</b> 9	****
9	लालीम अरावक रिमा गुछ कविट लाख कि मा।	সাহায্য করা অপরাধ্ধে- তুক ওয়ারজী বিনা ধুড করিতে পা- রিলে সহায়- ভারও সেই বিধি, নত্রা	<b>*9</b>	<b>189</b>	^g ·.
~	অপ্রাধ	কোন অপরাধের সহায়তা হওয়া প্রযুক্ত সেই অপরাধ করা গোলে ও ভাহার দভের স্পষ্ট বিধান না ধাকিলে, সেই সহায়তা।	ষে ব্যক্তির সাহায় হয় সে সহায় ব্যক্তির অভিপায় ভিন্ন অন্য অভিপায়ে কিয়া করিলে অপরাধের সহায়তা।	े जेनीविध मृत्के अक कियाव मरोव्रजा रहेगा। जना किया रहेल।	১১৩ যে ক্রিয়ার সহায়তা হয় তাহাতে সহায় ব্যক্তির অভিশায়মত ফল না হছয়া ভিন্ন ফল হছলে।
	म्	**	ŝ	223	. 955

	এপ- এাদা- বিচাৰ্য্য নতের ।	<i>:</i>	
	- K	<b>े</b> जु	<b>⁴</b> 9
	এক প্রকারের সাহায্য করা বাধ যে লভের সংভর্জালা	तक धकात धक यक कान इंट भारत भयांख (मरे अर्थन कि	डाशिक श्रुड इस्टाड भारत इस्टाड भारत इस्टाड भारत इस्टाड भारत इस्टाड भारत
	ণ বৎসর পর্যান্ত কোন এ কার্দিভ ও অধ্দিভ।	১৪ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকার কারাদণ্ড ও অর্থ দণ্ড। ঐ অপরাধের নিমিত্ত অত্যধিক যতকাল যে প্রকারের কারাদণ্ড হইতে পারে তাহার চতুর্ধাংশ কাল পর্যান্ত সেই প্রকারের কারাদণ্ড কিয়া অর্পদ্ড কি	ঐ অপরাধের নিমিক্ত অভ্যধিক যভ কাল হে প্রকারের কারাদভ হইতে পারে ভহার অর্ন্নেক কাল পর্যন্ত সেইপ্রকা- রের কারাদভ কিষা অর্পদভ কি ঐ ছুই দঙ্গ
	স্থিয় করা অপ- রাধের রকা করা যাইতে পারিসে কি না পারিসে তদস্ক্রপ।	প্র প্র	<b>~</b>
	হাজিরজামিন ল- ওয়া ঘাইবে না।	প্রাধের কি:মডে রাধের কি:মডে হাজিরজামিন ল- ওয়া ঘাইতে পা- রিলে সহায়ের হাজিরজামি ল- ওয়া ঘাইবে,	প্ত
	সাহায় করা- অপরাধ্বহে- তুক ওয়ারভী কিছা সমন্ যাহা হইতে পারে ভদম্- সারে সহা-	5 / G / G	<del>^G</del>
	সাহাহ্য করা অপরাধ হে- ত্ক ওয়ারভী বিনা গ্লভ করিভে পা- রিলে সহা- য়ভারও সেই	र १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १	49
উপস্থিত থাকিলে।	প্রাণদভ্রে কি যাবজ্জীবন দীপান্ত্র প্রেরণ স দভ্রে উপযুক্ত অপ্রাধের সাহায়ভা। ঐ সহায়তা প্রযুক্ত সেই অপ্রাধ না করা গেলে।	জু সহায়তা প্রযুক্ত অপকারজ্বক কিয়া করা গোলে। সে অপরাধের জনোকারাদণ্ড হইতে পারে হাহার সহায়তা। ঐ সহায়তা প্রযুক্ত ঐ অপর্ধে না করা গোলে।	অপৱাধ যাহার নিবারণ করা উচিত এমত রাজকীয় কার্যকারক সহায় হইলে কি ডাইন সহায়তা করে, গেলে।

^	~	p	98	<b>&amp;</b>	•	<b>6</b> -	
F	\$2 P. P. P. P. P. P. P. P. P. P. P. P. P.	শোলীস.ওধারক রিনা গুড করিডে পারে কি না।	সামান্যতঃ প্রথমে ওয়াবট বা সমন দিতে হয়:	হাডিরজামিন লওয়া যাইতে পারে কি ন্া	ৱফা কং! ঘাইতে পাৰে কি না।	ভার হররের দণ্ড বিধিব আইলসক মণ্ড।	ৰে আদালতের বিচার্ব্য।
5 .	সাধারণ লোকদের কি দশ জনের অধি- কের কুত কোন অপ্রাধের সহয়তা।	সাহাষ্য করা জপরাধহে- তুক ওয়া- রকী বিনা ধুত করিভে পারিলে স-	সাহায্য করা অপরাধ হে- তুক ওয়া- রক্ট কিয়া সম্মন যাহা হইতে পারে	সাহায্যক্ত অপরা- ধ্রে নিমতে  হাজিরজামিন ল- এক্স মাইতে পারিলে স্হামের  হাজিরজামিন ল-	সাহায্য করা অপ- রাধ্বের রকা করা যাইতে পারিলে কি না পারিলে ডদমূরপ।	ও বংসার প্রাপ্ত কোন এক অকারে কারাদও কিয়া অর্থদঙ কি এ ছই দও।	সাহায্য করা অপ- রাধ যে আদাল- তের বিচার্য্য সেই আদালতের।
\$ \$	ষে অংপরাধে প্রাণদণ্ড কি যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড ছইচ্ডে পারে জাছা করিবার কম্পনা গোপনে রাখা। ঐ	त्मर् विधि, मञ्ज्यां मञ्ज् कि	সহায়ভার জন্মে হইবে? ঐ	भ भ श्री	<b>^</b> 9	ণ বংসর পৃথ্যন্ত কোন এক প্রকারের কার্যাদ্ধ্য ও মুর্বাদ্ধ।	<b>*</b> 9
	জ্পরাধ করা গেলে।	<b>*</b>	^ <del>0</del> j	<b>∕9</b>	<b>^5</b> j	০ বৎসর প্র্স্ত কোন এক প্রকারের সংস্কান চলস্কান	<b>'</b> Y
2	রাজকীয় যে কার্যকারকের যে অপরাধ্ দিবারণ করা কর্তব্য তাহা করিবার কম্পনা তাঁহার শুগুর রাখা। ঐ অপরাধ করা গেলে।	<b>4</b>	<b>19</b> 3	माहाया कुछ जल- त्रारक्षत्र बिगिरक हाक्षित्रकाभिन न- उन्ना पाक्षरक भीकित्म महारक्षत्र हाक्षित्रकाभिन	<b>*</b>	কামানত ও অবন্ত। এ অপ্রাধের নিমিত্ত অভ্যাধিক মতকাল যে প্রকারের কারাদেও হছতে পারে ভাহার অর্কেক কাল প্রান্ত সেই প্রকা- রের কারাদ্র কিছা অ্পদ্র কি এ ফুই মত।	<b>^</b> ♥ <b>y</b>
	74.	-		6			

क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक	<b>ઉ</b> ં જી	•	<b>4</b> 9	^দ্ৰ
कि श्रांकेटकाश्विन न उश्वा श्रांकेटकाश्विन न उश्वा श्रांकेटका प्रमान न उश्वा श्रांकेटकाश्विन महाराज्ञ प्रमान न उश्वा श्रांकेटकाश्विन महाराज्ञ प्रमान न न उश्वा श्रांकेटकाश्विन महाराज्ञ न न उश्वा श्रांकेटकाश्वा के न ज्ञा श्रांकेटकाश्वा के न ज्ञा श्रांकेटकाश्वा के न ज्ञा श्रांकेटकाश्वा के न ज्ञा श्रांकेटकाश्वा के न ज्ञा श्रांकेटकाश्वा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा के न ज्ञा क	দশ বংশর পর্যন্ত কোন এক প্রকাশ্বর কারাদ্ভ। অপ্রাধ্যে নিমিক অভ্যাধিক যত কাল	বে অক্যান্তম কামানত ২২টে । যাত্ৰম ভাষা ব্যাহ্ৰ সেই অক্যানত কি অধ্যক্তি । কি এই দঙ্জ।	<b>~§</b>	অপরাধের নিমিক্ত অভ্যধিক যভ কাল বে প্রকারের কারাদণ্ড হইভে পারে ভাহার অন্তমাংশ কাল পর্যন্তি সেই প্রকারের ক্রাদণ্ড কি অর্পন্ড কি <u>এ হুই</u> দ্ও।
Friday State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State of State	<b>A</b>		⁴श्र	<b>∕9</b>
Ag Ag	্যাজিরজামিন লওয়া যাইবেনা। সাহায্যক্ত অপ-	हाकितकाधिन ज उम्रा हाइएड भावितका महासद हाकितकाधिन ज उम्रा बाहेर्व,	<b>A</b> y	∕°97
	<b>^</b> Gy <b>^</b> Gy		<b>~</b> €9	<b>*</b>
निमिक खानम्ख कि बीमा- मध श्री हिला । यो भीम के कान्नाम्ख श्री हिला । यो कित्रीय किन्माम खुरी । यो कत्रीयां करा हिला ।	· — · જુ <sup>તકું</sup>		<b>19</b>	<b>∕</b> 9
स्व प्रशास को क स्व त्यांस को क त्य प्रशास को व शास को व तास। क क प्रशास क	১১১ भी ष्मभन्नात्मत निर्मिष्ठ व्योगम् कि होगा- स्थत त्यात्रन मध रहोत्छ गर्मित्म । ष्मभन्नांभ नो कता त्रीतन		lo a	রাশ। ঐ অপরাধ করা গেলে। ঐ অপরাধ না করা গেলে

৬ য**%** অধ্যায়।—-রাজবিদ্রোহ অপ্রাধের বিধি।

৮ বে আদানতেৰ বিচাৰ্	কৃষা দশ সেশন আদালত। একারের	প্রকারের 🕒	<u>এ</u> কারের	भ्यात्त्व स्या-	ब्रम्स मुक्ता- नुष्टा-	रिवय रिवय	<b>/</b> 5
৭ ভারতবর্বের দশুবিধির আইনমত দশু।	যবিজ্ঞীবন দ্বীপাশুর প্রেব্তন কিছা দশ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের	কারদিও ও সম্পত্তি দণ্ড। ১০ বৎসর পর্যন্তি কোন এক প্রক	কারাদণ্ড ও অ্থদ্ভ। ৭ ব্ৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রক কারাদ্ভ ও অ্থদ্ভ।	যাবজ্জীবন কিছা ভিদিস্ক কাল পৰ্যাজ্জ ছীপাস্ত্ৰর প্রেরণ ও অর্থাদ্ভ কিছা ডিন বংসর পর্যাজ্ঞ অন্যুত্র প্রকারের করা- দ্ভ ও অর্থাদ্ভ কিছা অর্থদ্ভ।	যাবজ্জীবন দ্বীপাজ্জির প্রেরণ ও অর্থদ্ভ কিয়া ৭ বংসর প্রিজ্জ কোন এক প্রকা- রের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ কিয়া অর্থদ্ভ।	৭ বংসর পর্য্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ভ ওকোনং প্রকারের	मच्माकि मुख । ब्रे
ও রঞ্চাকবা ঘাইতে পাবে কিলা।	द्रका कन्ना वाहेर्ड भारत मा।	ঞ্	<b>√</b> g	<b>∕9</b>	<b>√9</b>	<b>∕6</b> j	<b>1</b>
१ श्कियकार्यम सहय। याहेएड भारत कि सः।	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইবে না।	^জু	^67	<del>1</del> 9	<b>~</b> €y	শ্ব	<b>&amp;</b>
8 मायाबाउः क्षरम ७प्रावर्धे वा मधन चिराह सम	ওয়ারণ্ট	<b>1</b> 97	्ज -	<b>*</b>	^জু	<b>^6</b> y	^ <del>5</del> j
ও পোলীস এঘাবন্ট বিনা যুক্ত ক্রিতে স্পার কিল্লা	<b>উ</b> বিনা করিবে	- ^By	<i>শ্</i> ব্য	<b>≈</b> j	∕g₁	<b>(S</b> )	. <b>*</b> 9
अ ज्याभिक्षां	মহারাণীর বিরুদ্ধে যুদ্ধ করিবার অভিশ্রামে অন্তাদি সংগ্রাহ করণ।	যুদ্ধ করিবার কণ্ণশা স্থাম করিবার মানুসে ডাহা জঞ্চ লাকা	আইমাত ক্ষ্যতাজ্যে কোন কাৰ্য্য বল- পুকক ক্রাইবার কি নিবারণ ক্রিবার অভিপারে গবর্গর জেনরল সাহেবের কি গবর্গর সাহেব প্রভৃতির উপর আক্র-	মণ। রাজ্যের প্রতি অভিক্রির উৎসাহ দেওন কিয়া দিবার উদ্যোগ করণ।	-আদিয়া দেশীয় যে রাজা মহারাণীর সহিত সন্ধিবন্ধ কি শান্তিভাবাপন্ন হন ভাঁহার বিকলে যুদ্ধ করণ কি ঐ যুদ্ধের সাহায় করণ।	মহারাণীর সঞ্জে সন্ধিব্দ কি শাস্তিভাবা- পন্ন কোন রাজার দেশে উপস্থিব করণ।	১২৫ ও ১২৬ ধারার লিখিভমতে যুদ্ধ কি
٠ الم	**	9	œ %	100 200 200 200 200 200 200 200 200 200		3 × C	6 % 5

%	সেশন আদালত কি eেনিডেকী মাজি- ফেট কিয়া এখ্য ভৌগুর মাজিডেট।	সশ্র প্রাদান ও
যাবজ্জীবন দ্বীপান্তির প্রেরণ কি ১০ বৎ সর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ত বৎসর পর্যন্ত সামীন্য কারাদন্ত ও অর্ধ- দণ্ড।	হাবজ্জীবন দীপাস্ত্রর প্রেরণ কি ১০বৎসর সেশন আদানত পর্যন্তে কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পন্ত।
<del>∕©</del>	শ্ব	<b>∕9</b>
<b>&amp;</b>	হাজিরজামিন সওয়া যাইকে পারে।	্হাজিরজামিন লওয়া য়াইতে পারেনা।
લ	<b>C</b> j	<b>1 G</b>
<b>∕</b> eg , ′	^ব্য	<b>€</b> g
১২৮ রাজনাতিপক্ষ কি মুক্ত্তকয়েদী রাজকায় কার্যকারকের রক্ষণে থাকিলে ভাহাকে ইচ্চাপর্জক প্লাইতে দেওন।	RZ.	উদ্ৰেপ বন্দির প্লায়নের সাহায্য বা ভাহাকে রক্ষা করণ কি আশ্রায় দেওন কিষা পুন্নায় ধুত করণের বাধা করণ।
*	· r	9

৭ সপ্তম হংলায়।—্রসন্য ও যুদ্ধজাহাতাজ সম্পর্নীয় অপরাধের বিধি।

	১৩১ সেনপিত কি ছদ্দাদার কি নিপাহী কি ওয়ারক বিনা ন'বিক প্রভৃতির রাজবিদ্রে,হিতা করি- ধুত করিতে বাব সহায়তা কি ভাহাকে হ'জব্ধাত। পারে। হইতে কি কর্ব্য কর্ম হইতে বিযুষ	ওয়ারণ্ট বিনা ধুত করিতে পারে।	<u> इश्रद्ध</u>	্হাজিরজামিন সওয়া রকা করা যাইতে যাইবে না। পারে না।	त्रका कहा याहिए। भारत्र मा	যাবজ্জীবন দ্বীপান্তির প্রেরণ কি ১০ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থনিত।	সেশ্ব আদাপত
9	করাছবার উদ্বোগ । রাজন্তোহের সহায়তা প্র্কুক রাজন্তোহ হইলে সেই সহায়তা।	*ড	कु	ণ্ড	<del>ड</del> ि	প্রাণদও কি যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ কিষা ১০ বৎসর পর্যন্ত্র কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ও।	.* *9
99	উপস্থিত কাৰ্যাকারক স্থীয় পদের কর্ম করিভেছেন এমন সম্মে ভাঁহার প্রতি সেনাপতি কি জন্দারের কি সিপাহীর কি নাধিকের আক্রণ করিবার সহয়তা।	<b>উ</b>	∕ <del>9</del>	হাজিরজামিন স ওয়া ঘাইতে পারে।	<b>8</b> 7	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের সেশন ঘাদালভ কিষা কারদেও ও অর্থদেও। প্রেমাজেন কিষা প্রধায়	(मन्न वामान्छ किश्व (अमिर्डभी माक्रि- (क्रेडे किश्व श्वभम् (खेनीत्र माक्रिकेडे)

^		47	60	<b>&amp;</b>	ņ	F	.b
<u>*</u>	N N N N N N N N N N N N N N N N N N N	लातीम ध्वारके बिमा धुरु कतिहरू भारत किमा।	मार्गाजाः अथत्य उदाइके व मयन नित्त श्रम	হাকিরভামিল লও্য যাইতে পারে কিলা	রুক্ত করা ঘাইতে পারে কিনা।	ভাবভংধের দগুবিধির আইনমত দশু।	যে আদালতেৰ বিচাৰ্থ।
208	উক্ত আক্রমণ হইলে ভাহার সহায়তা	ওয়ার্ক বিশা ধুত ক্রিভে পারে ৷	ওয়ারউ	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	द्रका कद्रा शहेर्ड शीरद्र गा	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদিও।	প্ৰকাৱের সেশন আদালভ ।
9	সেনাপতি কি হুদাদার কি সিপাহী কি নাবিকের পলায়নের সহায়তা।	ু <b>শ্</b> ব	~ <del>ড</del> ু	<b>∕s</b> j	: - <b>9</b> J	২ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিষা অর্পদণ্ড।	প্রেসিডেন্সী মাজি- ক্রেট কিষা প্রথম কি দ্বিভীয় শ্রেণীর মাজিক্রেট।
300	সেৰাপতি কি হন্দাদার কি সিপাহী কি নাবিক পলাভক হহলৈ তাহাকে আশ্ৰয়	∕ <b>e</b> j	<b>4</b>	<b>^5</b> j	· <b>%</b>	<b>∕6</b> π	<i>শ্ব্য</i>
e 9	্ত্তন্ত্ৰ জাহাজের স্বামীর কিছা অধ্য- ক্ষের জমনোযোগে ঐ জাহাজে প্লা- তকের লুকাইয়া থাকা।	ওয়ারক্ট বিনা ধুড করিবে না।	। प्र	<b>^6</b> y 	<b>^6</b> y	৫০০, টাকা অর্পদণ্ড	<b>^9</b>
, 0 0	সেনাপাডির কিছদ্দাদারের কি সিপাহীর কি । নাবিকের অবাধ্য ভাবের কোন ক্রিয়ার সহায়তা, ভংপ্রক্ত সেই অপরাধ করা	ওয়ারন্ট বিনা ধ্ড করিভে পারে।	ত স্থার জন্ম	<b>∕</b> •j	∕জ	৬ মাস প্ৰ্যুক্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদ্ভ কি অৰ্পদ্ভ কিয়া ঐ গুই দ্ভ।	প্রেসিডেকী মাজি- ক্টেট কিয়া প্রথম কি দিউীয় শ্রেণীর মাজিক্টেট।
80	কোন ব্যক্তি আপনাকে সিপাহী বুলিয়া জানাইবার অভিশ্রায়ে সিপাহীর পোষাক পরিধান কি কোন চিচ্চ পারণ করণ।	<b>প্</b>	ः भू भू	<b>্</b> ড	<b>*</b> 9	ত যাস পৰ্য্যন্ত কোন এক অকারের কারাদও কিয়া৫•০¸ টাকা অৰ্দিও কি ঐ চুই দও।	কোন মাজিস্টেট।

---

.1											. ,		22:		)													
	কোন মাজিফেট।		<b>€</b>		<b>~</b>				<b>^5</b>	সেশ্বৰ আদালত কিষ্	(खिमिएडभी यांकि- खेंहे किया अथय	त्यनीत्र याजित्येहे।	অপ্রাধ্ধ যে জাদা-	লতের বিচার্য্যসেই	9645				•	^ন্য								
- 1	ಶಾ	म्छ कि खर्यम्छ किया थे घृष्ट मछ।	र वरमत भरान्छ (काम धक ध्वकारतत	कांद्राम्छ कि जर्थम्छ किया जे घुरे मछ।	<b>~</b> §				<b>~9</b>	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের সেশান আদালত কিয়	कांत्राम्छ किया ज्यम्छ कि जे घुरे मछ।		অপিরাধের নিমিতে যে দণ্ড সেই দণ্ড							म क्षांत (नोक श्वयात महक्षत ्ना	ও সেই জনতার কোন লোক কোন	ष्रभिवाध कवित्र अहे ष्रभिवात्थत म्छ।			raman	-		
	রকা করা যাহতে	भारत मा।	শ্ব		<b>^</b>				ব্য	^জু		Ą	ग						Q	Ţ								
. 1	W.	इ.हेट भारत।	^ব্য		^ড়্য				∕ <b>o</b> j	শ্ব		A THE CONTRACT OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF	क्रिकार विशेषक	য়াজবঞ্জামন্ত্রা যাইতে পারিলে কি	ना शिहित्य छह-	1173			এ অপ্রাধেব নিমিত		- Land 194	उसी यहाँ भी-		ু রিলে তদম্সারে।				
	:		उश्रद्ध		<b>(</b> §				<b>1</b> 9	*জ্য				নি মিজে প্রভ কবিলান জমা	रके कि सम्ब	हिम्सि सरकार	रदात्र क्यांच	SHEE STEEL	11/2 6/21 (A.S. 2/3) (A.S. 2/3)	A 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	के विकास	नियुक्त द्यांक			নিয়িত্তে সমন	दा उद्योदक	যাহা হইতে,	भारत ।
, a	62148   CAI 4   4	2 4 5 C 6	: •		\$				<b>∕</b> €J	প্ত	A STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STA	के क्रमेंग्रह	Fred Alcon	। শান্তে ওয়া রক্টক্রে কিষ্	उद्योदके विमा	४७ कविर्	भादित्व ७म-	स्मार्द ।	CHIAN GAN	( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( ) ( )	9000	माद्र ।						
County of the second second second			প্ৰাণ্নাশক কোন অন্ত লইয়া বেকাইনি-	মত জনতার সহিত মিলিত হওন।	বেতাইনামত জনতার লোকদিগকে প্রক	• হইয়া বাইবার আজা হইয়াছে জানিয়া	সেই জনতার সহিত মিলিভ হওন কি	उनार्या थाक्न	इक्रमान्द्र	প্রাণ্নাশক মন্ত্র সাহস্থা করণ		THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF T	September 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1	্যামান ধামনে এ জন্ধতার এছ) ছিভেন্ত ন্যাজি সেকা এপর থের অস্বরাধী সম।					বেঅাইনীয়ত জনতায় মিলিত হইবার	अना कोन जाकमिशाक हिना करिया	THE REPORT OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE PARTY OF THE	अर्थ क्षेत्रक करात्र करात्र करात्र	কি তাহাদিগকে নিযুক্ত করণ।					
	200		88		>84				289	% %		OI V							ट क्लो ज्या									

( 25. )

						đ	3
, JR	ज्ञा <sup>श्</sup> त्रस्यः	পোলীস ওবাৰণ্ট বিনং ধুত ক'হতে পাৱে কি ল।	माबक्षाटः श्रुष्ट्रप ह्यावन्ते वा म्यन स्टिट स्थ	ু হাজিবজামিন ল এয়: মাইতে পাৰে কি না।	ৰফা কৰা ঘাইতে পাৰে কি লা।	ভাৰতবৰ্ষেৰ দশুৰিধিৰ আইনম্ভ দশু।	যে আদালতের কিচাই।
36)	পাঁচ কি ডদধিক সোকেরুজনতাকে পৃথক ওয়ারণ্ট বিনা হছয়। ঘাইবর আজা হছলৈ পর ধুত করিতে ক্ষােসা জনুসা সেই জনতায় মিলিড পাবে।	ওয়ার্জ বিনা ধুত করিতে পারে	স্মূল	হাজিরজামিন ল ওয়া মাইতে পারে।	द्यरा क्द्रा घाइएड भारत्र मा।	৬ ম্সাস প্ৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কাংনা- দগু কি অৰ্পিড কি ঐ তুই দণ্ড।	কেন মাজিফেট।
. ~	হুওন কি থাকন। রাজ্ককীয় কার্যকোরক হল্পমা প্রভৃতি নিব্যরণ করিতেছেন এমন সম্যে তীহার প্রতি আক্রমণ করণ কি তীহার	्र <b>व</b> र्ष	ওয়ারণ্ট	<b>*</b> 9	<b>્ર</b> નુ	ও বংসর পৃধ্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পন্ড কিয়া ঐ ছুই দণ্ড।	সেশন আদাসত কিষা প্ৰেসিডেশী মাজি- ফ্ৰেট কি প্ৰথম শ্ৰেশীৰ মাজিফেট।
9	হজাম। করিবার অভিপায়ে অকারণে রাগ জুমাওন, হজামা হছলে। হজমা না হছলে	<b>জ</b> প্র	্টি ম ম	<b>A</b> j <b>A</b> j	ત્કુ ત <u>ક</u>	১ বংশর প্রান্ত কোন এক শ্রকারের কারাদ্ভ কি অর্পভ কি ঐ মুই দ্ভ। ৬ মাস প্রান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ	কোন মা'জিটোউ । জ
2 4 8	হঞ্মা প্ৰভৃতির সন্ধাদ ভূমির স্বামীর কি দ্বীলকারের না দেওন।	ওয়ার্ড বিশা ধুত করিবে শা।	<b>∕©</b> j	<b>*</b> 57	<b>√3</b> j	কি অ্থদত কি এ মুহ দত। ১০০০, টাকা অ্থদত	প্রেসিডেকী মাজি- ফ্রেট কি এগম কি ছিনীস ভৌগীব
. **	যাহার উপকারাধে কি সপক্ষে হলমা হয় ভাছার ঐ হলমা নিবারণের কাইন-	<b>'</b> ড়	<b>∕ĕ</b> j	<b>&amp;</b>	<b>~</b> 5	ज्यास्त्र क	12 1
200	সিদ্ধ সকল উপায়য়তে কাৰ্য না করণ। যে স্থায়ীর কি দখীলকারের উপকারাথে ছ দুমা হয় তাহার গোয়ন্তার তাহা নিবারণের আইনসিদ্ধ সকল উপায়্মতে কার্য না করণ।	<b>∕•</b> j	<b>∕6</b> j	<b>~</b> 9	· <b>^6</b> j	: :	ু শু

264	বিষাইন ক্ষত জনতার নিমিত্তে যাহা- িংকে টিকা করিয়া রাখা যায় তাহা-	9	*9		<b>4</b>	<b>~</b> 3	৬ মাস পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারা- দও কি অর্থদঙ কি ঐ ঘুই দও।	• •
ž.		- - - - - - - - - - - - - - - - - - -	-জু	\$4 A. A. A. A. A. A. A. A. A. A. A. A. A.	<del>ণ্ড</del>	<b>◆</b>	•	<b>*</b> .
	াৰুপুৰু হ'ওন। কিছা আছ লইয়া গ্যন ক্রন	<b>49</b>	ওয়ারউ	:	<b>~</b> 9	<b>~</b> 9	২ বংসর পর্ব্যন্ত কোন এক প্রকারের	<b>~9</b>
•		ওয়ার <b>ট</b> বিনা ধুড করিবে না	भग्न	* *	<b>*</b> 9	<b>1</b> 9	কারাদঙ কি অর্থদঙ কি ঐ মুহ্ দঙ। এক মাস পরিন্তু কোন এক প্রকারের কারাদঙ কিছা এক শত টাকা অর্পন্ত কি ঐ চুই দঙ।	কোন মাজিফেট।
		১ লব্ম জ	न्दम ज्हांगा ।— द		ীয় কাৰ্যকি'ৰক ঘ	গরা কি তৎসম্পক্ষী	জকীয় কাৰ্যাক' <b>র</b> ক দারা কি তংসম্প্রকীয় অপরাধের বিধি।	
26.5	রাজকীয় কর্মকারক হুইয়া কি হুইবার অপেক্ষা করিয়া অধীয় পদ সংক্রান্ত কোন কর্ম করণার্থে আইনমত বেতন	ওয়ার্ড বিনা ধ্রুত করিবে না ৷	7.1 7.1 7.1	:	হাজিবজামিন লওয়া যাংতে পারে।	রফা করা যাছতে পারে না।	ত বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের। কারাদণ্ড কি অর্থন্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	সেশন আদালত কিষা গোসভেন্য মাজি- ফ্রেট কি প্রথম শোলীর
200	ভিন্ন পারিভোষিক এইণ করন। দুষণীয় কি বেঅইন্ডে উপায়ে রাজ্- সীয় সার্গক্ষেত্র সক্ষেত্র ক্র	√अं	<b>~</b>		જી	<b>~</b> 9	~5	যাজিস্টেট। এ
09.	কাম বাংস্কামকুকে বাওমাব্বাম জন্য পারিভোষিক গ্রহণ করণ। রাজকীয় কর্মকারকের নিক্টে স্থীয় প্রতিপত্তিকমে কোন কার্য করাছবংর জন্য পারিভোষিক গ্রহণ করণ।	-জু	শ্	and the second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second second s	<del>*9</del>	<b>1</b> 9	এক বংসর পর্যন্ত সামান্য কারাদঙ কি কর্পদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	<ul><li>(खिमिएए भी सांकि-</li><li>(खें) किया अथ्या</li><li>(खें) व सांकि छों।</li></ul>
89.5	রাজকীয় কর্মকারকের সম্পর্টে ইছার পুর্ব্ গুই ধারার অপরাধ ছইলে নিজ ছারা ডাছার নহায়তা।	<b>4</b> 9	<b>~</b> 9j	-	<del>^9</del>	<b>19</b> 3	ও ৰংসর পৰ্যন্ত কোম এক প্রকারের ্র কারাদণ্ড কি অর্পদ্ভ কি ঐ গুই দণ্ড।	तम्मन जामान्छ किश्चा त्यमिरङम्भी याक्कि- त्य्रेष्टे कि खब्य
								्व बाब गांक्टिक

<u> </u>	-	मामामाङः अधरम	ह शिक्षवक्षाभिन म ८इ	क्या आहेरिक भारत	•	
	भारत कि मा।	দিতে হয়।	যাইতে পারে কি না	H	ভারতবহেব দঙ্বিধির আইলমত দঙ্	्य ज्याम्नामाञ्च विक्रां
রাজ্ঞকীয় কার্যকোরক মোকদ্দমা শুনেন কিযে কার্য্য করেন ভাহার সম্পর্ক- যুক্ত ব্যক্তির হানে বিনা মূল্যে মূল্য- নান্ন বস্ত গ্রহণ	ওয়াব্রন্ট বিনা ধত করিবে না।	ः अंत्रच	হাজিরজামিন ল ওয়া ঘাইতে পারে।	द्रका क्दा घाहेर्ड शादन ना	২ বৎসর পর্যন্ত সামান্য কারাদ্ভ কি অর্থ দ্ভ কি ঐ হুই দণ্ড।	त्धिमिर्छभी याकि- छिटे किया अस्य कि विजीस ध्याभीत
দান ব্যক্তির হানি ক্রিবার অভিপ্রায়ে আছিলের বিধি রাজ্ঞকীয় কাধ্যকারকের না যানন।	<b>^</b> 9j	<b>19</b> 3	<b>~6</b> g	<b>-9</b> y	১ বংসর পর্যন্ত সামান্য কারাদ্ভ কি অধিদ্ভ কি ঐ গুই দও।	- 1 (a) (a) (a) (a) (a) (a) (a) (a) (a) (a)
ানি করিবার অভিশ্রোর রাজকীয় কর্মকারকের অভ্যন্ত দলীল করণ।	<b>4</b> 9	<b>*</b> 9	<b>^5</b> j	<b>. *</b>	ও বংসর প্র্যিত্ত কোন কোন এক প্রকা- রের কারাদণ্ড কি অর্গদ্ভ কি ঐ চ্ছ্ দৃঙ্গি।	ट्यमिट वामान कि ट्यमिट को मार्कि ट्रिके कि बर्धि
बाककोम्न कार्याकातकत्र विषादेनीयाउ वालिका कत्रण।	<b>4</b> 9	*	<b>*9</b>	<b>~9</b> 7	১ বংসর পর্যন্ত সামান্য কারাদ্ভ কি অর্থ দ্ভ কি ঐ মুই দ্ভ।	्रमात याष्ट्रका व्यमित्यमा याष्ट्रि व्योगे व्यक्ति
ৰাজকীয় কাৰ্য্য কারকের,বেআইনীয়তে সম্পত্তি ক্ৰয় করণ কি নীলামে ডাকন।	<b>~</b>	<b>^</b> sy	<b>~</b>	<b>49</b>	ং বংসর পার্যন্ত সামান্য কারাদ্ভ কি অখনিও কি এই দও এবং সম্পতি	100000 TO TO TO TO TO TO TO TO TO TO TO TO TO
दाककीय	ওয়ার <b>উ</b> বিনা ধুত করিতে	ওয়ারক	<b>~</b> 9	<b>-</b> 93	্ৰুমু কুমা নেবেৰ এবা নাজুৰ বুৰু কুমুন্ধ প্ৰয়িজ্ঞ কোনা এক প্ৰকারের কারাদ্ভ কি অৰ্পদ্ভ কি এই দ্ভ।	क्वां याक्टिके।
শুভারণাভাবে , রাজকীয় কর্মকারকের পোষাক চিহ্ন পরিধান্ কি ধারণ।	الله مالد	সম্ম	<b>'9</b>	<b>*9</b>	ও মাস পথ্যন্ত কোন প্ৰকারের কারাদণ্ড কিং, টাকা অৰ্শন্ত কি ঐ গুই দণ্ড।	49

										(	3	Ąυ	)													
किन मासिक्छे।		19		त्विमिरङमी माकि-		कि बिडोग्न त्यांनीत	मान्तिरक्रे	*		त्कान माजिएको।				4	ğ		কি বে শাদানতে এ বপ-	दांथ कवा यात्र कर	<u>কাইনের ৩¢ অধ্যা-</u>	रग्नत विशान्तिन	সেইআদালত কিছ	क्शदार वामांनर	मा श्रहाम (श्रमि-	त्रमा माकित्ये	কিয়াএখম কি দ্বিতীয়	ट्यनीय माक्तिके
১ মাস প্ৰ্যুম্ভ সামান্য কারাদণ্ড কি ৫০০১ কিন মাজিক্টেট	है कि । व्यर्थन कि कि कि मुहे मुखे।	ग्रास अधिक सामाया स्रायम्ब दि	३००० हैं। होको खबन्दर कि कि उने प्रक	P		,		नि अशस्य मार्याचा कार्याहरू कि	5 EV 5	10	STATE OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PERSON OF THE PER	D: vx 7 7 7 0: vx ->		j	मात्र प्रशुक्त सामान् कान्नाम् कि	স্থদ্ধ কি এ.গুৰ্দ্ধ		६००, होका व्यर्मध कि ज घुरे मछ।								
করা যাইতে	भारत मा।			6		MATTER P -	-	S. E. E. E. E. E. E. E. E. E. E. E. E. E.		49	-			-	9 		न ~ े	*				********		************	-	•
হাজিরজামিন লওয়া রকা	शहर् भारत। भार	<b>1</b> €		<b>(9)</b>	-			45	ī	16	Ţ				<b>5</b>		~ <del>~</del>						•	•		
मध्य		<b>1</b> 97		<b>~</b>				49	····	<b>~</b>	r	-		,	<b>5</b> 7		<b>9</b>			•						
ওয়ারন্ট বিনা স	धुक कविद्य	_ ^9	·	<b>4</b>				<b>~</b>	-	<u>~</u>		_,		4	 ij		<del>ড</del>	-	<b>-</b>				*			
কের হানে সম্ন কি	জন্য প্রওয়ানা না পাইবার শান্তা	महाज कि जाएँगि क्या खामनाज	. 267	क्षां मग्न कि जािष्म प्रवश्न कि	লটকাইয়া দেওয়া নিবারণ করণ কিষা	नक्रेक्षिया (म उसा (भारन जाश ऐंधारेसा	CF अन कि ट्यायना मियांत्रन कत्रन।	के भगम र एिएट अस् जामानाउ	উপস্থিত হওন প্রভৃতি আজা হইলে।	হান বিশেষে স্বয়ং কি মোকারের দ্বারা	উপস্থিত হুহ্বার আইন মৃত জাজ্ঞা	অ্যান্য করণ, কিষ্যা অস্মতি না পাইন্না	<b>जिसा यां उन</b> ।	আদালতে স্বয়ং উপস্থিত হওন প্রভূতির	के बाखा श्रहान ।	অহিন্মতে রাজকীয় কার্যকার্তের	बिका मने अ तेशिका कि कर्य	Selection and selection in the selection of the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection in the selection	PORT OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OF THE OWNER OWNER OF THE OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER OWNER							
29%	•			5 6	•					865						394	•									

( 748	)
-------	---

	ď	9	œ	٠	• •	r	
Ē	ं क्षेत्रहरू	(असीम अवतर् बिमा १३ क्विड शाद कि मा।	मृष्टानाडः खर्यन ६य.दर्फे दः मध्न	राङिङ्कारिक लक्ष्मा दाहेर्ट शहद किना	রক। কবা ঘাইতে পারে কিলা।	ভারতবংগুর দণ্ড/বাধিব জাইনিমত দণ্ড।	्व कामनिट्डव विहासी
*	সেই দলীল আদালতে উপস্থিত কি অৰ্পৰ কৱিধার মাজা ছইলে।	क्षा १८० के कि भी भी भी भी भी भी भी भी भी भी भी भी भी	ं : : : : :	হাজিরজামিন ল ওয়া মাইতে পারে।	त्रका कता याहेर शादत्र भा।	্ড মাস প্ৰ্যুন্ধ সামান্য কারাদণ্ড কি ১০০০, টাকা অৰ্পন্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	त्य जामानाः अ बन्दां क्वा याम् बह्णाद्मव विश्वान- सीत्व त्महे जामा- मा क्वा व्यामानाः यास् जामानाः यास् जामानाः वास् जामानाः स्टब्से माकित्येषे किश्व स्थम कि
2	ধাজকীয় কাধ্যকারকের নিকটে নোটিস কি সন্থাদ দিতে আইন্মতে বন্ধ চইয়া ভাহা দেওনে ইচ্ছাপুৰ্কক ক্ৰটি করণ।	<b>~</b> 55	<b>~</b> 5)	<b>⁴</b> ড়	<b>~</b> 9	১ মাস পৰ্য্যন্ত সামান্য কারাদণ্ড কি «•°) টাকা অৰ্থদণ্ড কি ঐ ঘুই দণ্ড।	्यमिएडकी याकि छोडे किया अथय किषिडीय ज्यमीव याक्रिडोड
*	সেই নোটিস কি সন্থাদ অপৱাধ প্রভৃতি করণ বিষয়ের হুইলে। রাজকীয় কার্য্যকারককে জানিয়া শুনিয়া হিখ্যা সন্থাদ দেওন।	<b>*</b> y <b>*</b> y .	<b>19 19</b>	<b>~ ~</b>	<b>4 4</b>	৬ মাসপার্যন্ত সামান্য কারাদভক্তি। টাকা অর্পন্ত কি ঐ গুই দও। ৬ মাস পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারা- দভ কিহা ১০০০, টাকা অর্পদ্ভ কি ঐ	<b>^6</b> y <b>^6</b> y
	थात्राकनीय मद्यान अभवाध धाक्रिकद्रन विवासत क्रेटन।	<b>^</b> 9	<b>√©</b> ¥	<b>*9</b>	<b>4</b> 9	২ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কি অর্থদ্ভ কি ঐ ছুই দভ।	· •

		( 254	)		
াধে করা ঘার এই আইনের ৩৫ অধ্যামের বিধান- ধীনে সেই জাদা- লঙ কিয়া জপরাধ আদলভেনা হইলে প্রেসিডেশী মাজি-	কি বিভায় <u>শে</u> ণার মাজিটেট।	*জু	সেশন আদালত কিয়া প্রেসিডেম্পী মাজি- ফ্রেট কি এথম শেণীর মাজিক্টেট।	ं ट्यिनिटडमी यांकि- ट्येडे किया अथ्य कि विडीय ट्योबीय	<b>*</b>
	<b>~</b>	ण मात्र भराञ्च मारांना कातामध कि ৫০०) होका वर्षम्ख कि जे घूरे मछ।	ও বৎসর পর্যন্ত কোন এক একারের সেশন আদালত কিয় কারাদণ্ড ও অর্থ দণ্ড। ফ্রেট কি এথ্য	ে যাস পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকাৰের কারা- দশু কি : ••, টাকা অৰ্থদ্ভ কি ঐ সুষ্ দশু।	<b>*9</b>
<b>~9</b>	<b>~</b>	<b>∕</b> g	<b>^6</b> j	~জু	₹
<b>े</b>	*9	<b>*</b>	<b>∕9</b> j	<b>~</b> 5	<b>*</b> 9
<b>§</b>	∕gr	<b>1</b> 9	િ	<b>∕</b> ⊊,	∕o <sub>y</sub>
<b>©</b>	<b>~</b>	<b>4</b>	<b>~</b> €9	~	*
১৭৮ মাঞ্চুকাল ক্ৰিয়েকাল্লক নিমনিভজংপে শ্ৰুপ্ৰ ক্ৰিয়েতে আন্তা ক্ৰিনে শ্ৰুপ্ৰ ক্ৰিডে শ্ৰুমীকাল ক্ৰুণ।	সজ্ঞ কহিতে আইনমতে বন্ধ হইয়া প্ৰশ্নের উত্তর দিতে অস্থীকার করণ।	রাজ্যকীয় কার্যকারকের নিক্টে যে কথার বর্ণনা করা যায় ভাহা আ্যুক্তর করিতে জ্যাইনুষ্টে জ্যাজ্ঞা পাইলেও অস্থীকার করণ।	রাজকীয় কার্যকারকের সন্মুখে শ্প্য করিয়া ভালপূর্বক সন্ত্য বুলিয়া মিধ্যা ক্থা ক্হন।	রাজ্ঞকীয় কার্যকারক আইনায়ত ক্ষাতা- জন্ম অন্য ব্যক্তির ছানি করেন কি তাহাকে কেশ দেন এই অভিপ্রায়ে ভাহাকে মিখ্যা স্থাদ দেওন।	রাজকীয় কার্যকারক আইনসিদ্ধ ক্ষয়- ভাতে সম্পত্তি লইতে গেলে বলপূর্বক ভীহার বাধা দেওন।
<b>.</b> .	24.	<u>ب</u>	3	ž	2

		9	us	يع	Ð	<b>6</b>	٩	
	2	ट्यानीम कुरावक विम मूक कवित्र	मोदम्बाजः अथटम ६इ.दाहे दो मधन मिट्ड रुषः।	চাঞ্চিজাবজামিন লওয় হাউতে পারে কি না	दक्ष क्दा यां <b>हेए</b> छ भ्रांद किंगा	ভাশতবৰ্ষেব দণ্ড,থিব আইলমত দণ্ড।	যে জাদানতেব বিচাৰ্ধ।	
₩	রাঞ্কীয় কাণ্যকারকের ক্ষমতাক্রমে যে সম্পত্তি বিক্রয় হট্বার জনো একাশ হয় ভাহার বিক্রয়ের বাধা দিওন।	ওয়ারেউ বিশা ধুও ক্রিনে মা	ः अन्न	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	इका कड़ा शहेरड भारत जा।	১ মাস প্ৰয়ন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদাভ কি ৫০০ <sub>১</sub> টাকা অৰ্পদণ্ড কি এ গুই দণ্ড।	त्यमिएउमी याकि- क्रिके किन्ना अध्य कि हिडी य त्योगीत	
(n	মাইনাসিল ক্ষমভাক্রমে সম্পাত্তির নীলাম হওনকংলে অহিনক্রমে জক্ষম ব্যক্তির ভাহাক্রয় করিবার মূল্য ডাকন কিষা মোকিলে মে দায় ঘটে ভাহা সফল করি-	<b>%</b>	<b>∕€</b> ; 	.∕eg	<b>4</b> 5	১ মাস প্ৰ্যান্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদভ কি ২০০০, টাকা অ্থদভ কি প্ৰ হুই দও।	<b>্</b> জ্য	(
lv.		~ <del>e</del> j	<i>∕©</i> j -	<b>©</b> j	<b>~</b>	ও মাস পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি ৫০০, টাকা অর্পদ্ড কি এ নুষ্ট দণ্ড।	<b>∕•</b> j	2/0
iv.	রাজকীয় কার্যকারকের সাহায্য করিতে। আইনমতে আনত হুইয়া ভাগ নাকরণ।	<b>^g</b>	<b>∕6</b> 7	<b>∕6</b> j 	<b>∕9</b>	১ মাস প্ৰ্যন্ত সামান্য কারাদণ্ড কি ২০০ <sub>)</sub> টাকা অৰ্পন্ত কি ঐ গুই দও।	<b>&amp;</b>	
4	প্রওয়ানায়তে কার্য করণার্থে কি অপ্ররাধ প্রভৃতির নিবারণার্থে রাজকীয় কার্যকারক সাহায্য চাহিলে ইচ্ছাপুর্কক	<b>উ</b>	<b>€</b> 5	<b>હ</b> નુ	<u>√ej</u>	ও মাস পৰ্য্যন্ত সামান্য কারদেও কি ৫০০) টাকা অৰ্গন্ত কি ঐ গুই দণ্ড।	<b>্</b> ভ	
M	তাহার সাহায্য না করণ। রাজকীয় কার্যকারক অংইনমতে যে আজ্ঞা প্রচার করেন ভাহা অমান্য করণ। সেই অমাননে নায্য করে প্রস্ত্র স্তিদের	<i>1</i> 69	<b>.</b>	<b>∕6</b> j	<b>∕•</b> j	১ মাস পার্যন্ত সামান্য কারাদ্ভ কি ২০০ <sub>১</sub> টাকা অর্পদ্ভ কি ঐ তুই দ্ভ।	∕জু	
	ৰাধা কি ক্লেশ কি হানি হছলৈ। সেই অমাননে মৃদ্ৰুয়ের প্রাণের কি আছেয়ের কি নিরাপদ প্রভৃতির আশঙ্কা হইলে।	<b>49</b>	<b>্</b> ভ	<b>4</b> 5	<b>∕6</b> j	৬ মাস পৰিত্ৰ কারাদ্ভ কি ১০০০) টাকা অৰ্গন্ভ কি এই সূহ দঙ্ভ।	• ^9	

• •		<b>্</b> ভ
ং বৎসর পর্যন্ত কোম এক অকারের। ক্রোন্ড কি অর্পদ্ড কি ঐ গুই দ্ও।	•	এক বৎসরপর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদিও কি ঐ্ছ্লন্ড।
<b>∕</b> <del>g</del>		<b>~\$</b> j
· · · ·		~ <b>6</b> j
ر <u>ض</u> •		~;
· <del>/Sj</del>		'গু
১৮৯ রাজকীয় কাহ্যকারকের পদসংক্রান্থ কোন কর্ম করিবার কি না করিবার প্রবাভি জনভিনের জন্য কাঁচার কিয়া	যে ব্যক্তির লাভালাভে ভাহার সম্পর্ক গাকে তাহার হানি করিবার ভয় দশতিন।	১১০ কোন ব্যক্তি হানি হইতে রক্ষা পাইবার জন্যে সাইনমতে দরবান্ত না ক্রে এই কারণে ভাহাকে ভয় দশাওন।
\$ \$	•	å .

১১ একাদশ বংগায়।—মিখ্যা প্রমাণের ও সাধার এর যথাধ বিচার হইবার বাধাজনক অধ্রাধের শিধান।

9	১৯৩ মোকদমা প্রস্তুতি কার্যেতে মিগ্যা শাক্ষা ওয়ারট বিনা দেওন কি প্রস্তুত করণ।	ওয়ারণ্ট বিনা ধুও করিবেনা।	ওয়ার্উ	হ†জির জামিন ল ওয়া, য:ইতে পারে।	द्रका कदा शाद्र गा।	হাইতে ৭ বৎসর প্র্যুন্ত কোন এক প্রকারের কারাদিও ও বর্ধ দঙ।	সেশন জ্যানাল্ড কিয়া প্রেসিডেন্সী মাজি-
	-	-					ফ্রেট কিন্না এথম শেণীর মাজিফেট।
	মনা কোন হলে মিখন সাক্ষ্য দেওন কি প্ৰভিত কলে।	<del>ह</del> ें।	√ <b>લ</b> ું	<i>'</i> জু	<b>∕</b> 9	ত ৰৎসর পর্যন্ত কোন একারের কারাদিও ও অর্পদ্ভ।	*ড়
or /2	কোন বাজির প্রাণ্য,ওর অপ্রাধ নির্য ইয় এই মান্সে নিথ্য সাক্ষ্য দেওন কি	~ <del>6,</del>	⁄লু	হাজির জায়িন লওয়া যাইবে না।	<b>িড</b> ্য	মবিজ্ঞীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ কিছা কঠিন পরিশাম সহিত ১০ বংসর কারাদণ্ড ও	সেশন আদালভ।
	প্রস্তুত্ত করেণ। উদ্ধারা নিদেশ্যী ব্যক্তির অপেরাধ নিন্যু ইইয়া প্রাণদ্ভ হ্ইসে।	~• <u>,</u>	∕ <del>कु</del>	⁄ন্ড	√ <del>c,</del>	ष्युमेख। व्यानम्ख किया शृत्कीक मध	^জু
Ä	যাবজ্ঞীবন দীপাত্র প্রেরণের কি সাত বংসরের জ্বিকক্ষিক্ষিক্রিদ্ভের উপ- যুক্ত মুগ্রেধ নিগ্য হইবার মান্সে মিগা সাক্ষ্য দেওন কি প্রস্তুত কর্ণ।	<u>क</u>	<del>'অ</del>	হাজির জামিন লওয়া মাইতে পারে।	<del>्र</del>	ज्यादार्थत ता मछ तम्हे मछ	সেশন অদাস্ত

	শৌলীস এয়ারণী সামালাতঃ প্রথমে বিনা যুত করিতে ওয়ারণীকি সমন পারে কি না! দিতে হয়।	হাজিবজামিন লওয়া ঘাইতে পারে কি না।	বঞ্চা কয়। ষাইতে পারে কিনা।	ণ ভারতবর্ধের দশুবিধিব আহিনমত দশু।	৮ যে আদানতেৰ বিচাৰ্য।
ামাণ মিখ্যা কি ক্লাত্রিম জালিয়া মোক- ওয়ারক বিনা ও দম্ম প্রভূতি কার্যে ভোহার ব্যবহার গ্লুভ করিবেনা। করণ।	ও মার <b>্ড</b> ::	জ প্রমাণ দেওনাপ্রা- ধ্বের জন্মে হাজির- জামিন লওয়া হাইতে পারিলে কি	ब्रक्षा कदा घाहेर ७ भीरत ना।	মিধ্যা সাক্ষ্য দেওতারর কি প্রস্তুত করণের যে কভ সেই দও।	সেশন আদালত কিন্ধা প্রেসিডেক্সী মাজি- ক্টেট কিন্ধা প্রথম্ শেশীর মাজিক্টেট।
∕ <b>u</b>	<u>~</u>	হুসারে। হাজির জামিন লওয়া যাইডেপারে।	<b>^</b> g	মিখ্যা সাক্ষ্য দেওনে যে দণ্ড সেই দণ্ড	<b>^9</b> 5
<b>~</b> €j	^ <del>S</del> j	∕ <b>©</b> j	<b>∕9</b> j	<del>*9</del>	धु
<b>∕®</b>	<u>~</u>	<b>∕</b> 5	<b>~</b> 9	*জু	<b>^9</b>
<b>∕9</b> ï	Ŋ	<i>^</i> ডু	<b>1</b> 9	<b>~</b> 9	<b>*</b>
<b>~9</b>	<b>∕6</b> 5	<b>√</b> 9	<b>^9</b> j	৭ বংসর পর্যাম্ভ কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ।	সেশ্ব আদালত।

259	

	कार्यामरख्द त्याता चनाताथ घरेटम।	, <b>,</b>	·			কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ারাদণ্ড ও অর্পদণ্ড। শোরাদণ্ড ও অর্পদণ্ড। শোরাদণ্ড কেষা লাক্ষা লাক্ষা শোর
	১০ বংসরের মূনে কার।দভের যোগা জপরাধ ছইলে।	<b>^9</b> j	^ <del>(g</del> g	<b>ি</b> লু	<b>4</b>	অপরাধের জনা অভাধিক যতকাল যে একারের কারাদণ্ড হয় তাহার চতুর্ধাংশ ক'ল সেই প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	প্রেসিডেকা মজিক্টেট কিয়া শ্রংমন্রেণীর মাজিক্টেট কিয়া অপরাধ্যে আদা- লডের বিচার্য সেই
0' 0 0'	যে ব্যক্তি আইলমতে অপ্রাধের সন্থাদ দিতে আবন্ধ ভাহার জানপূর্বক সন্থাদ না দেওন	<b>19</b>	: भू भू	⁄লু	<b>^</b> 5j	ও যাস প্ৰান্ত কোন এক প্ৰকাৱেরকারা- দ্ভ কি অংশাও কি ঐ গুইদ্ভ।	ष्मामान्छ। (खमिराजुषी माक्कि- (ख्रेष्टे किष्टी अव्यय (ख्रेषीत कि विजेस (ख्रेषीत माक्किकि।
9	যে অপুরাধ করা গিয়াছে ভাছার মিখ্যা সন্থাদ দেওন।	<b>√9</b> 7	उरावके	<b>√</b> ēj	<b>~</b> 9	২ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদ্ভ কি ঐ মুই দণ্ড।	∕ <del>©</del> j
00 •	কোন দলীল প্ৰমাণস্বরপে উপস্থিত না হছবার অভিপ্রায়ে ডাহা গুপ্ত কি নফ করণ।	<b>∕©</b> j	<b>^6</b> j	⁴षु	<b>√</b> §j	<b>*</b>	(अमिर अमी माजि- (खेडे किश धार्य (खेडी माजिएकेडे)
e) 0 w/	কোন যোকদমায় কি কেজিদারী নালিলে কোন কর্মের আই্টানিক কার্য্যে কিয়। হাজিরজামিন কি প্রতিত্ হইবার জ্বো অপিনাকে অন্য ব্যক্তিরপে পরি-	∕ভ	<b>^5</b> j	<b>^</b> ডু	<b>G</b>	ও ব্ৰসর প্ৰ্যান্ত কোম এক প্ৰকারের কারাদণ্ড কি অৰ্থদিও কি এই দণ্ড।	সেশন আগনৈত কিয়া প্রেসিডেপী মাজি- ফ্রেট কিয়া প্রথম্ শ্রেণীর মাজিফ্রেট।
2) •	চর দেওন দণ্ডসন্ধপ কিয়া অর্পদণ্ডের অজ্যিয়ক্রমে কিয়া ডিক্রীজারীক্রমে সম্পত্তি ক্রোক না হয় এই নিমিতে ভাহা প্রভারণাভাবে স্থানাদ্র কি গোপন করণ প্রভৃতি।	Ag .	· • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	<del>^9</del> j	<b>^5</b> j	ং বৎসৱ পৰ্যান্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদ্ড কি অৰ্পন্ড কি ঐ চুই দ্ও।	(खमिराएको माक्रि- (क्रेटे किश्व। अथम कि षिडोश (खोने) माक्रिके।

( 300 )

্ৰমত দণ্ড। বে আংশলতেৰ বিচ'ৰ।	এক প্রকারের প্রেসিডেন্সী মাজি- প্রেই দণ্ড। ক্রেট কিম্বা প্রথ্ম কি মিভীয় শ্রেণীর মাজিক্টেট।	्यमिराज्यो याष्टि- द्येषे किथा अथा त्यांशेष याष्टिके	এক প্রকারের	এক প্রকারের প্রস্থ দঙ্গ।	এক প্রকারের এ দুর্গ দঙ।	এক প্রকারের সেশন আদালত কিছা প্রেসিডেন্সী মাজি- স্কেট কিছা প্রথম
ণ ভাংতবর্ষের দ্ভবিষিব আইনমন্ত দণ্ড	২ বংসর পর্যান্ত কেন কারাদণ্ড কি অর্থদ্ভ কি	<b>~</b> €9	<ul> <li>বৎসর পর্যন্ত কোন</li> <li>কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।</li> </ul>	২ বৎনর প্র্যুন্ত কোন এক প্রকা কারাদণ্ড কি অর্গদ্ভ কি ঐ চুই দণ্ড।	২ বংসর পর্যন্ত কোন । কারাদণ্ড কি অর্থনণ্ড কি ৷	৭ বংসর পার্যন্ত কোন কারাদঙ ও অর্থদিও।
ঙ বফা কবা যাইতে পাবে কি না।	রকা করা ঘাইতে পারে না।	<b>^8</b> y	প্র	<b>∕</b> चु	'ল .	<b>~9</b> j
। হাইতে পাৰে কি না।	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	<b>-</b>	<b>*</b>	<b>~</b>	প্ত	<b>∕9</b>
8 मामांगङः श्वरीय खपांत्डे वा मयन मिट्ड इष ।	ওমার ::	^ <b>ব্য</b>	<b>^6</b> 7	<b>4</b>	<b>*</b>	<b>6</b>
ু পোলীস এছাৰক বিনা গ্ৰুত করিতে শাৰে কি নং।	ওয়ারউ বিশা ধ্রুত করিবে শা।	्रेषु	<b>*9</b>	<b>~</b> €g	<b>े</b> ज	<b>∕%</b> g
<b>数</b> 5.	দশুস্ত্রপ কিছা অর্পন্তের আজ্ঞায়্দ্রমে কিছা ডিক্রাজারীক্রমে সম্পত্তি ক্রোক নাহয়, এই নিমিত্তে ষ্ট্র না থাকিলেও সেই সম্পত্তির দাওয়া করণ কিছা ভৎ-	কাষ্য করণ। যে টাকা প্রাপ্য নহে ভাহার নিমিন্তে প্রভারণাক্রমে ডিক্রী হইতে দেওন কিম্ ডিক্রীর টাকা দেওয়া গেলে পর ভাহা জারী হইতে দেওন।	শাদালতে মিথ্যা দাওয়া করণ	ষে টাকা পাওনা নয় ভাহার নিমিত্তে প্রভারণাক্রমে ডিফ্রী পাওন কিষা ডিফ্রীমত কার্য্য হইলে পর ডাহা জারী	হানি করিবার মান্সে জপরাধের মিখ্যা জ্ঞিযোগ।	মে অপরাধের অভিযোগ হইল ওক্তন্য সাত বংসর কারাদণ্ড হইতে পারিলে।
·	o ~	<u>.</u>	*	2	\$ 25	

•	10 A	lear .	( 303 )	•	
সেশন আদলিত।	· 10 /2	यां के प्राप्त कि विकास	প্রেসিডেক্সী মাজিক- ফ্রেট কিষা প্রথম শ্রেকীর মাজিফ্রেট কিষা জপরাধ বে জাদালডেব বিচার্য	সেশন আদলিত।	तमनेन व्यापाञ्च किश त्यातिरङ्को गाजिको किश यथम चिनोत्र
· ***	৫ বংসর প্রান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পদ্ড।	ও বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থ দণ্ড।	অপরাধের নিমিক্ত অভ্যধিক যত কাল বে প্রকারের কারাদ্ভ নির্মারিত হছ্যাছে ভাহার চতুর্পাংশ কাল কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি ঐ ৪ই দ্ভ।	৭ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ও বংসর পৃথ্যিত্ত কোন এক প্রকারের কারাদত্ত অর্থদ্ভ।
<b>'</b>	<b>*</b> j	<b>^6</b> y	∕ভ	শ্ব	<b>^9</b> j
<b>⊕</b>	<b>*</b> j	<b>~</b> €9	<b>%</b>	لق.	<b>4</b> 9
<b>*</b>	न्तु	- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	~· ***	<b>े</b> ज	<del>্</del>
-^ <b>9</b> g - <b>*</b>	ওমারক বিনা ধুড করিভে পারে।	<b>₹</b>	<u>-</u> .	ওয়ান্ট বিনা ধুত করিবে না।	 -&y
ষে অপুসাধের অভিযোগ ছইল ভদপে প্রাণদ্ভ কি যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দভকিষাণ বংসরের অধিক কাল করো-	দভ হছতৈ পারিলে। অপরাধীকে আশায় দেওন, শাণদভের ওয়ারক বিনা উপযুক্ত অপরাধ হছলে।	্ যাবজ্জীবন দ্বীপাস্তর প্রেরণ দড়ের কি ১০ বৎসর কারাদভের উপযুক্ত জণ- রাধ হইলে।	১° বৎসর না হইয়া ১ বৎসর কারা- দভের যোগ্য অপরাধ হইলে।	অপেরাধীকে দণ্ড হছতে রক্ষা করণার্শে ওয়াউ বিনা দানাদি গ্রেহণ। প্রাণদণ্ডের উপযুক্ত। গ্রুড করিবে অপরাধ হছলে।	ধাবজ্জীবন দীপাশুর প্রেরণ কি ১০ বৎ- সর কারাদণ্ডের উপযুক্ত অপারাধ হছলে।
	~			2	

( 505 )

<u>-</u> _			90	b	Þ	r	P
	क्षणेयां है।	পোনীস ওঘাবণ্ট iবনা ধুত ক'বতে পাৰে কি না।	সামান্যতঃ প্রথমে ওয়াবন্ট বা সমুস দিতে হয়।	হাজিবকামেন লওয় যাইতে পাবে কিন	ৰঞ্জ কৰা যাইতে পাৰে কিলা।	ভাৰত বৃধ্ৰ দণ্ড বিধিব আইনমত দণ্ড।	ষে আদলিতের বিচাধ্য।
2 .	১০ বংসর মূলে কারাদজের যোগ্য অপ-। ওয়ারণ্ট বিনা রাধ ছট্লে। জাণ	ওয়াব্রকীবিশা ধুজ করিবে শা -	ওয়ার ট্র	হাজিরজামিন লওমা যাইতে পারে।	রক্ষা করা <b>গাই</b> ডে পারে না।	্পরাধের নিমিভে অভ্যধিক যভ কাল যে প্রকারের কারাদণ্ড নির্দারিত ছই- রাছে ভাহার চতুর্পাংশকাল সেই প্রকা- রের কারাদণ্ড কি অর্থদ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	(क्रिमिएएको मांकि- (क्रिमे किश्वा क्रिश्य (ज्योगीत मांकिएको किश्वा क्रमेताश (य आमानारुत विघा-
00 2	অপরাধীর রক্ষা হয় এই জন্তো সম্পত্তি ফিরিয়া দিবার কি দান করিবার প্রস্তাব করণ।	<b>6</b> 5	<b>∕9</b> :	<b>~5</b>	<b>4</b>	৭ ব্ৎসর পর্যাক্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ড।	(अवंश व्यक्तित्र)
	প্ৰাণ দঙ্জের হোগ্য় অপ্রাধ্হহণে। যাবজ্জীবন দ্বীপাস্ত্তর প্রেরণ দণ্ডের কি ১০ বংসর কারাদভের বোগ্য অপ্রাধ্	<b>*</b> 9	<b>~</b>	*জ	<b>4</b> 9	ও বংসর পর্যান্ত কোন এক একারে কারা- সেশন আদালভ কিছা দঙ্ভ ও অর্থনন্ত। স্কেট কিছা প্রথম	সেশন আদালত কিছা প্রেসিডেকী মাজি- স্টেট কিছা এথম
	১০ বংসরের মুদ্দ কারাদভের যোগ্য জুপুরাধ হছলে।	<b>₹</b> 5	<b>~9</b>	<b>*</b> 9	<b>*</b>	অপরাধের অভ্যধিক ষড কাল বে প্রকা- কারের কারাদণ্ড নির্নারিড হইয়াছে ভাহার চত্ধাংশ কাল সেই প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পদ্ড কি প্রস্ই দণ্ড।	्यिनित्र माजिएको। (यमिएकभी माजिक- (को किश्वा श्वथम (यमेनेत्र माजिएको) विश्वा वन्त्राव (स
2	-জপ্রাধ ছারা কোন ব্যক্তির যে অস্থাব্র সম্পক্তি হরণ হছ্যাছে অপ্রাধীকে ধ্রত ন' করাছ্যা ভাহা কিরিয়া দেওয়াইবার সাহায়াপে-দান গ্রহণ করণ।	<b>^5</b> j	<b>~</b> 9	<b>^5</b> g	<b>-%</b>	২ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থন্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	भाषान(७५ विषय) तम्हे जामान्छ। (खमिएएको माङ्कि- (खेटे किया ध्यथम (खेनोद माङ्किटे।

r		
	<b>CICI?</b>	
	200	

١,

সেশন জাদালত কিয়া ংশুসিডেপী. মাজিফ্টেট কিয়া প্রথম শৌণীর মাজিফ্টেট।	্ৰ . ৰেসিডেকী মাজি- ক্টো কিয়া এথম শ্ৰেণীর মাজিক্টেট কিয়া অপ্যায় যে	আদালতে বিচাধ্য সেশ আদালত। সেশ আদালত। শেশ আদাভেশী মাজি- স্টেটি কিয়া প্ৰথম নি	প্রেসিডেনী মাজি- ক্টেট কিয়া এথম কি দ্বিভীয় শ্রেণীর মাজিফেট।	সেশন আপোলভ। •	<b>^\$</b> j
৭ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের সেশন কারাদণ্ড ও অর্থন্ড। মাজি	ত বৎসর পর্যান্ত কোনাএক প্রকারের কারা- দণ্ড ও অর্থদিও। অপরাধের নিমিত্তে অভ্যান্থিক যতকাল যে প্রাধ্যে কারাদিও নির্নারিত হই- য়াহৈ ভাহার চতুর্থাংশ কাল সেই	শৈ সহিত কারা-	২ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারে । কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি ঐ দুই দণ্ড।	ও বৎসর প্র্যুন্ত কোম এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	৭ বংসের পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কি অর্থদ্ভ কি ঐ গুই দ্ভ।
<b>*</b> 9	^च ∕च	<b>~</b> €y	<b>~</b>	<b>∕8</b> π	<b>'</b> ড়
্ জ	्रेंच क्ष	* ******************************	~ · · · · ·	~ <del>§</del>	'জ
· <sup>1</sup> 9	- ·· <sup>१</sup> जु <b>१</b> जु	<b>-</b>	: ম ম	ওয়ার্ভ	<b>~</b>
ওয়াবান্ট বিনা ধত ক্রিডে পারে।	~ * <del>G</del>	<b>∕¢</b> j	ওয়ারাণ্ট বিনা সমন গ্রুত করিবে না।	~ ·	~ · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
২১৬ অংশবাধী করেদ হছতে পাল্ইলে কি এয়ারান্ট বিনা ভাহাকে ধরিবার আজ্ঞা ব্যহির হইলে। ধ্রুত ক্রিডে ভাহাকে আশ্রায় দেওন। প্রাণদণ্ডের পারে।	ষাবজ্জীবন ছীপাল্ডর প্রেরণ কি ১. বৎ- নর করোদভের বোগ্য অপরাধ হছাল। ১০ বৎসর না হছায়। ১ বৎসর কারাদভের ত্যাগ্য অপরাধ হছলে।	২১৬ক দস্থ্য বা ডাকাইতকে সাভায় দেওয়া	২১৭ ব্যক্তির দও কি সম্পক্তি দও না হইবার ও নিমিতে রাজকীয় কার্যকারক কর্তৃক ু আইনের আজ্ঞা অমান্য করণ।	২১৮ ব্যক্তির দণ্ড কি সম্পত্তিদণ্ড না হইবার নিমিন্তে রাজকীয় কার্যকারকের অভন রিকাতি কি লিপি করণ।	২১৯ যোকদমা প্ৰভৃতিতে ৱাজকীয় কাৰ্য্কার- কের কোন জাজা কি বিপোট কি ফয়সলা কি নিশ্তি আইন বিজয় জানিয়া করণ।

•

.

2	98	

<u>'</u>		- 1			( 208 )	, p		•
	.k	্য জ দালতেৰ হিচামী	সেশ্ব আদাসভ	<b>%</b>	পৰ্যন্ত্ৰ সেশান আদালত কিয়া প্ৰেমিডেকী মাজি- ফ্ৰেট কি প্ৰথম শ্ৰেণীৰ মাজিফ্ৰেট	প্রেসিডেকী মাজি- ক্টেট কিষা প্রথম কি হিতীয় শ্রেণীর মাজিফেট।	সেশন এদিলিভ	<b>*</b>
And the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second o	•	ए द् <b>ट</b> त्ट्र्व क <b>्ट्र्</b> स्त <u>ज</u> ाशामास क्र	৭ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড কি.ঐ গুই দণ্ড।	হ <i>প্নাণ্ড সহি</i> ত কি ভাষ্ট্ৰিষেণ ২ৎসার পাধ্যস্থ কোমা প্ৰকারেরে করে দণ্ড।	হৃহদন্ত সহিত কি তাৰুমি ও ব্ৎসর পাধ্যস্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদিও।	অধ্নও সহিত কি তাজ্মা ২ ব্ৎসর প্ৰ্যিক্স কোম এক প্ৰকারের কারা <sup>দ্</sup> ও	স্থদ্ভসাহিত কি ভাষ্টিম থাবজ্জীবন প্রেরণ কিয়া ১৪ ব্বসর পাধ্যস্ত কোম এক প্রদারের কার্দিও।	অংদণ্ড সহিত কি তাদ্তিম ৭ বৎসর প্রান্ত কোন এক প্রক,রের কারাদণ্ড।
	s	तक केना राज्यात का प्रति	दका कदा शहर भारत मा	<b>'6</b> j	√ <del>द</del> ें	<b>√6</b> 7	Ġj	'Gj
	<b>&amp;</b>	ভাজিবজামিন লওং। যুষ্তে পাৰে কিনা।	হাজিরজামিন লওয়া হাইতে পারে।	· Cj	<b>'</b> \$1	<i>₹</i>	হাজিয়েজায়িম সাওয়া যাইবে না।	∕¢ <sub>j</sub>
	<b>x</b>	म'म माछ: श्र थाय अदावते थः मध्न निन्छ ३य ।	ওয়ারক্ট	<b>رح</b> ج	<i>े</i> न	<del>क</del> ु	<del>€</del> j	<b>^9</b>
	ď	्राजीम स्यादक सम्मान क्राइड लएव कि जा।	জয়ংরটি বিশ্ব ্ড ক <i>ি</i> বেব	'ভ্য	·	∕c <sub>j</sub>	<b>∕</b> € <del>j</del>	 'क्
		**************************************	দোৰ ব্যক্তিকে বিচারণ্থে কিছা কারা গারে সমুস্প করা হাইন বিকর জানিয়া ক্ষয়তাপুষু ব্যক্তির সেই কর্যা করে।	অহিন্যতে অপ্রাধ্ককৈ ধ্রিতে বন্ধ হইয়। রাজকীয় কার্যকারকের জ্ঞাসূর্পক ধ্রিবার ক্রটি করণ। প্রাণদভের যোগ্য	যাৰজ্ঞাৰন হীপ'স্বে প্ৰেইণ কি ১০ ব্ৎ- সার করাদেড্রে যোগায় অপাব্ধ হুইলে।	১০ বংমর   ম্যেকশি করিশিজের যোগ্য অপরাধ হইলে।	আদালতের দণাজ্ঞাপ্তাপ্ত ব্যক্তিকে ধরিতে আইনমতেবন্ধ হইয়া তাহাকে ধরিতে রাজ- কীয় ক্যাকিরেকের ইচ্ছোপূর্কক ফটিকরণ। পুবাজির প্রাণিদ্ভের আজা হইসে।	ভাহার যাবজ্জীবন ধ্রীপাস্তর প্রেরণ কি দওরপ পরিশাম কি ১ বংসর কি ভদ্যিককাল ক্রাদ্ভের কি দওরপ পরিশ্ম করিবার আজ্ঞাইইলে।
\. 1	,,	le se	•	N.	-	,	N N	•

July 15	১০ শশ ২২সবের মূচন কারাদভের আজা হইলে কিছা অ্টিনয়তে অংসেধে রাখা গৌলে।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<b>Ġ</b> j	kv •	হাজিরজাগোন লওয়া • ঘাইতে পারে।	ę,	ও ব্ৰদ্ধ প্ৰাস্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড কি অংশন্ত কি ঐ তুই দণ্ড।	সেশন কিষা প্রে মাজিট্রেট
(AC )	রাজকীয় কার্যকারকের অনবধনেতায় কে'ন বাজিকে কারা হইতে প্রাইতে , দেওন।	<b>(\$</b> )	<b>र्ग</b> स	:	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<del>क</del> ु	১ ব্ৎস্ত পুর্বাস্থ্য সামান্ত কি অর্দত্ কি ঐ চুই দণ্ড।	অধ্য ভোগর মাজ্যুইট। প্রেসিডেকী মাজি- ফুট কিন্ এথম ভোগর কি ছিভীয় গ্রেণীর মাজিফ্টেট।
	ক্ৰিমতে ধ্ত না ইওনের জনো কোন ব্যক্তির বসপুক্ক বিপদ্ভা করণ কি বাশা দেওন।	ওয়ার উ বিশা ধত ক রৈতে পারে।	্থ জ জ জ	 :	ঙ্গ	<b>∕9</b> 7	২ বৎসর পর্যন্ত কোম এক প্রক,রের কারাদণ্ড কি অর্গদ্ভ কি ঐ ইই দণ্ড।	প্রেসিডেকী মাজি- ক্টেট কিছা এগম কি ছিতীয় শ্রেণার মাজিক্টেট।
(1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)	অভিনয়তে অন্য ব্যক্তির গ্রত না হওনের জ্বোর বুসপুক্ক বিপক্ষত। করণ কি বাধা দেওন কিল্লা তাহাকে অভিনয়ত আমেশ্ল ছইতে চাতাইয়া দেওন।	<b>%</b>	∕ <del>°</del> j	-	<b>-€</b> j	ধ্য	<b>€</b> j	<b>(b</b> )
ভাষার ১° জপুর	াহার যাবজ্জীবন দীপাস্তর প্রেরণ কি ১০ বংসর কারাদডের যোগ্য   অপ্রাধের অভিযোগ হইলে।	·*;	″লু	kv	হাজিরজঃমিন স ওয়া হাইবে মা।	<b>'</b> \$7	ওবৎসর প্রাস্ত কে.ম এক প্রকারের ক্রাদ্ভ ও অধ্দিভ :	<u> </u>
तिमर्छ श्रहेरम	প্রাণ্দ্যন্তর যোগ্য বপর্যুধের অভ্যিয়াগ হইলে।	• *9	শ্বি		∕ <b>Ġ</b> ĭ	∕ <del>©</del> j	৭ বৎসর প্রক্তে কোম এক এক।রের কারাদণ্ড ও অর্পদ্ড।	( <b>)</b> ( <b>)</b> ( <b>)</b> ( <b>)</b> ( <b>)</b> ( <b>)</b> ( <b>)</b> ( <b>)</b>
(A) (A) (A)	তাহার হাবজ্জীবন দীপান্তর প্রেরণ কিছা। ১০ ব্যসর কি ভেদ্ধিকনাল দীপান্তর প্রেবণ কি দণ্ডরপ পরিশ্রম করণ দণ্ডের কি কারাদডের জ্জো হইলে।	<b>'</b>	ব্	io .	হাজিরজ্নিম সভ্য। হাইতে পারে।	·c <sub>i</sub>		<b>'</b> 9

طـ	যে আদালভেব বিচাধ্য।	সেশন আদালত।		त्यान भागवान्त । प्र स्थितिक भी यां कि- स्थिति विक्र क्षय स्थिति यां किस्किने।	<ul><li>(विभिक्ति) याकि-</li><li>(केटे किया क्षय</li><li>कि विजित्त (चेनीय</li><li>माकिस्केटे ।</li></ul>	<b>*</b>	সেশন আদালত। ,	প্ৰথম ,অপ্ৰাধ যে জাদালভের বিচাৰ্ধ্য সেই জাদালভ।
6	্ভাবতবৰ্ষেৰ দশু বিদিব অস্থিনমত দ্ভ।	যাবজ্জীবন দীপান্ত্র প্রেরণ কি ১০ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের	কারাদণ্ড ও অর্থন্ড। ও বংসব প্রাক্ত কোন্ন এক একান্তর	. 'Š' J '9	ং বৎসর পর্যন্ত সামান্য কারাদও বা অর্থদ্ভ বা ঐ ফুই দও।	<ul> <li>মাস পর্যাস্ত কোন এক প্রকারের</li> <li>কারাদও কি অর্থদও কি ঐ চুই দও।</li> </ul>	যাবজ্জীবন দীপান্তর প্রেরণ ও তৎপূর্বের্ব অর্পদণ্ড ও ৩ বংসর পর্যন্ত কঠিন প্রিশ্রম সাইত কারাদণ্ড।	প্রথম আজ্ঞামত দণ্ড তাহার কিঞ্জিৎ ভোগ হইুসা থাকিলে অবশিষ্ট কাল ভোগ
Ą	বঁছা কথা হাইতে পাবে কি না।	রকা কর। ঘাইতে পারে শা।	<b>~</b> 9		<b>-%</b>	ઉ	∕দু	- <b>∕</b> ⊌
b	হাতিরজামিন লওয: ফুট্টেল পারে কি না।	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	*ড়া		कु	<b>~</b>	হা জিরজামিন ল ওয়া ঘাইতে পারে না।	<b>1</b>
co	প্রাব্ট থা সম্ম প্রাব্ট থা সম্ম দিজে হয়	:		-	:	: :	:	:
	माय:बा उद्योदन किंद्र	ওয়ারউ			ब प्र	ওয়ার উ	<b>^</b>	ম
9	(शांलीम उघादके दिमा ५७ कविट्ड शांद्र कि म	ওয়ারন্ট বিনা গ্রুত করিভে	পারে। ওয়া <b>রভি</b> বিশা	म - क - विदेश	<b>%</b>	ওয়ারণ্ট বিনা গ্রত করিতে পারে।	<b>⁄9</b>	ওয়ারেট বিনা ধৃত করিবে না।
~	জণবাধ )	শীণদঙ্গের জাজ্জা হইলে	যেং ছলের প্রকারাজ্ঞরের বিধান না থাকে সেইং স্থলে রাজকীয় কার্যকারক হইয়া ধরিবার ক্রটি করণ বা পলাইতে দেওন। (ক) ইচ্ছাপূৰ্কক ক্রটি করণ বা পলাইতে	(म.उम. फुटम	(খ) শৈশ্বিক ফুটকরণ বা প্লাইতে দেওন হলে।		র জা <b>ইনীম</b> তে	দও ক্ষ্যা হৰ্বার নিম্ম লজ্ন
<i>,</i>	स्वा	*	**			W .	20	e ~ ~

্ঞাই আইনের ৬৫ অধ্যায়ের বিধানা- ধীনেযে আদালতে অপরাধ হয় সেই	आमानक। ट्यमिएकमी माकि- ट्येने किया क्षम ट्येनीत्र माक्षिकि।		प्रमुख्य <u>प्रामानक</u>	<b>*</b>	(सम्बन्धामान्यक्षा (समिएकभी मास्ति- (स्केटे किया अथ्य (स्वनेद्यास्तिक्टे।	সেশন আদালত।
৬ মাস পৰ্যন্ত বিনা প্রিত্রামে কারাদণ্ড .এই আইনের ৩৫ কি ১০০০, টাকা অৰ্গন্ড কি ঐ তুই অধ্যায়ের বিধানা- দণ্ড। ধীনে যে জাদালতে	ং বংসর পর্যন্ত কোন এক <b>একা</b> রের কারাদণ্ড কি অর্পণ্ড কি ঐ মুই দণ্ড।	विधि ।	৭ ব্ৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থ দণ্ড।	যাবজ্জীবন দুণিজ্জির প্রেরণ কি ১০ বংসর প্রাস্তুকোন এক প্রকারের কারাদঙ্জ অর্থন্ড।	ব্ৎসর প্র্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ড।	ব্ৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।
6 मान भराव कि २ ° ° ° मङ।	् १ व९म५ कांत्रांम	মপ্রাধের বি		याव ख्र्यीत व दमञ काद्राम	ও বংস কারাদ্	क् दिस्
<del>्र</del>	<b>~</b>	म्ब्य मच्यक्रीय	রকা করা ঘাইতে পারে না।	<b>্</b> ভ	<b>^9</b> j	~9
হাজিমজামিন লওয়া যাইতে পারে।	⁴न	। ১২ হাদশ অধায়।—মুদ্রা ও গবর্গমেন্টের ইপ্রাম্প সম্পর্কীয় অপরাধের বিধি।	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে না	<b>∕9</b>	<b>^9</b>	<b>^9</b> ;
<del>/</del> 9j	<b>ি</b> জ	थतात्र ।—भूक्त	ওয়ার <b>্ট</b>	<b>^9</b>	<b>1</b> 9	<b>~</b> 9
∕ <del>§</del>	<b>*9</b>	ऽ२ हामन ज	ওয়ারক্ট বিনা ধৃড করিডে পারে।	<b>^9</b> y	<b>4</b> .	<b>18</b> 9
মোকদমা প্রভৃতির বিচালকালে আছান- পূর্বক রাজকীয় কার্যকারকের অপামান করণ কি বাধা দেওন।	অ্পানাকে স্থ্য কি আসেসরের ন্যায় দেখান।		মুদ্রা ফুদ্রিম করণ কি ফুদ্রিম করণ সম্প- কীয় কোন কার্য্য করণ।	মহারাণীর মুদ্রা ক্রিম করণ কি ক্লবিম করণ সম্পক্ষি কোন কার্য্য করণ।	মুদ্ধা ফাত্তিম করিবার যন্ত্র নির্মাণ কি ক্রন্ন কি বিক্রুম করণ।	মহারাণীর মুসা ক্লতিম করিবার নিমিডে যন্ত্র নির্মাণ কি ক্রম কি বিক্রম করণ।
<u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , , </u>	?		9	* 5 *	99%	80 9 9

^	·	9	<b>90</b>	٠	ð	•	٨
	কপরাধ।	শোলীস ওয়ারণ্ট বিনা যুক্ত করিচে পাৰে কি না,।	मामामाजः श्रास्म अष्टाःके द। ममन मिट्ड रह्म।	হাজিহভামিন লওয়া ঘাইতে পাবে কি না।	রকা করা যাইতে পারে কি না।	ভাংত বৰ্ধের দ্ভবিধির আছিনমত দ্ভ।	ৰে আদালভেৰ বিচাৰ্ধ্য।
9	মুদ্ৰ' কিএম করিবার জন্য কোন যন্ত্র কি দ্রব্য নিকটে রাখন।	ওয়ার <b>ক</b> বিনা ধুড করিভে পারে।	ওমার <b>ন্ট</b> ।	হাজিরজামিন সওস্না ঘাইবে না।	तका कता थाहेएड भारत ना।	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ড।	সেশন আদালত কিছা প্রেসিডেপী ম্যাজ্জ- ক্রেট কিছা এথ্য
··	महोत्रोगीत ग्रुसा श्हेरन	Ŋ	^9	<b>~</b>	<b>~</b>	১০ বৎসর প্র্যুক্ত কোন এক একারের	
30	ভারভবর্ষের মধ্যে থাকিয়া রটিয ভারত- বর্ষের বাছিরে মুদ্রা ক্তিম করণের সাহান্ত্য করণ।	T	<b>*</b> 9	<b>^</b>	-Sg	কারাদণ্ড ও অব্যক্ত। রটিষ ভারতবর্ষের মধ্যে ডব্রুপ মুস্রা ফুর্টিম করিবার সহায়ভার যে দণ্ড সেই দণ্ড।	<b>1</b> 97
	মুদ্ধা ক্লিম জ্ঞানে তাহা আমদানী কি রস্তানী করণ।	<b>∕</b> '9	<b>∕9</b> y	<b>*</b> 9	<b>A</b>	ভ'বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদৃত্ত।	সেশন আদানত কিছা প্রেসিডেশী মাজি- ক্টেট কিছা অ্থম্ শ্রেণীর মাজি-
3000	मरातानीत ग्रुमा कृत्विम खहारन जारा जाय- मानो किंद्राक्षानी कदान।	<b>169</b>	<b>19</b>	<b>4</b> 5	Æg	যাবজ্জীবন দ্বীপান্ত্র প্রেরণ কি ১০ ব্ৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ভ।	সেশ্ম আদালভ ৷
\$ \$ \$	মূদা প্রাপ্তিকালে ক্রিম জ্বানে তাহা নিকটে রাখন ও অন্য ব্যক্তিকে দেওন প্রভৃতি। া	<b>1</b> 9	<b>*</b>	<b>(9</b> )	<b>4</b>	ৰ বৎসর পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদন্ত ও অর্থিদন্ত।	সেশন আদালত কিয় প্রেসিচেজী মাজি- ক্টেট কিয়া এথম্ লেশীর মাজি-

00 00	মহারাণীর মুদ্রা সন্দাকে এই অপনাধ	<del>*</del>	<b>4</b>	<i>শ্ব</i> দ্ধ	<b>1</b>	১০ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	<b>*</b>	
%· ∞·	যুঞ্ধা প্রাণ্ডিকালীন ক্রত্তিম না জ্গানিয়া পরে ভাহা ক্রত্তিম জ্জানে অক্রত্তিম বলিয়া অন্যকে দেওন।	<b>∕9</b>	<b>ি</b> ড	<b>~</b> 9	<b>^</b>	ং বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কিয়া কিন্ত্র যুদ্ধার মূলোর দশগুণ অর্থদ্ভ কি ঐ ছুই দ্ভ।	माजि श्वय टिनीय	
≈ , ∞ ,	ফিত্রিম মুখা প্রাণ্ডিকালে কত্ত্তিম জ্ঞানে নিক্টে রাখন।	<b>^5</b> j	·\$ <del>-</del>	^9	<b>^9</b>	ও বংসর প্রস্তি কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্পদিন্ত।	10000000000000000000000000000000000000	
9 & *	মহারাণীর মুদ্রা প্রাপ্তি কালে ক্লাত্তিম জ্ঞানে নিকটে রাখন।	<b>∕</b> g	49	<b>∕6</b> 9	<b>^8</b> y	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	্রেণার মাজি- ক্রেট। সেশন আদালত কিয়া প্রেদি:ডেপী মাজি- ক্রেট কিয়া এথম	( )05
00 00 ••	মুদ্রা মে ওজনের ও যে ধাতুর যত দিয়। প্রস্তুত করিতে হছবে তদনাথায় টাকশালে কর্মকারী ব্যক্তির মুদ্রা প্রস্তুত	ষ্ট	^জু	শ্ব	<b>4</b> 9	<b>∕6</b> 9	<u>म</u> ज	)
& & *	মুন্দা শ্ৰম্ভত করিবার কোন যন্ত্র টাকশাল ছইতে বেআইনীমতে বাহির করিয়া লওন।	^জু	<b>*</b>	<del>'</del> 9	<b>∕</b> જુ	<b>1</b> 97	.' <del>^9</del>	
೨ ∞ ~	মুদার ওজন কিয়া ভাহাতে যে ধাতুর যত টাকা উচিত তাহা শঠতাজন্মে ন্যন করণ।	<b>⁴</b> 9	*9	<b>~</b>	<b>^9</b> g	ও বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পন্ড।	এক প্রকারের সেশন আদালত কিয়া প্রেসিডেন্সী মাজি- ক্টেট কিছা প্রথম ক্রেণীর মাজি-	

de	ৰে আদালতেৰ বিচাধ্য।	সেশন আদালভ কিছা শোসভেন্দ্রী মাজিক্টেচ কিছা লগম ভেণীর মাজিক্টেট।	<b>4</b> 5	<b>^</b> 9	<b>*</b> 5	<b>^8</b> g	•		ক্টেট কিয়া এখন কি দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিক্টেট।
,	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধিব আছিলমত দণ্ড।	৭ বৎসর প্র্যন্ত কোম এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ওৰৎসর প্ৰ্যান্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ <i>ও।</i>	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদিও।	৫ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদও ও অর্থন্ত।	১০ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।	ত ব্ৰুপর প্ৰ্যুক্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদ্ <b>ভ</b> ও অৰ্পন্ত।	<ul> <li>বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ।</li> <li>বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের</li> </ul>	কারাদও কিছা মুদার মূল্যের দশ <b>ন্ত</b> । অর্গদ্ভ।
•	রকা করা ঘাইতে পাবে কি না।	त्रका कता घांकेट ज भारत मा।	<b>্</b> জ	<b>^</b> জু	<b>∕</b> 9	<b>∕</b> <del>6</del> j	^জু	<b>ઉ</b> ∕9	
<b>9</b>	হাজিরজামিন লওয়া ৰাইতে পাবে কি না।	হাজিরজামিন স ওয়া যাইবে না।	″ন্থ	<i>শ্</i> ব	∕লু	<b>~</b>	∕ <del>s</del> j	'উ' উ	
8	সামান্যতঃ প্রখনে ওয়াবন্ট বা সমন দিত্তে হয়।	ওয় <b>বি</b> উ 	∕बु	<b>*</b> 9	<b>-জু</b>	<i>শ্</i> ব্য	~ <del>g</del>	শ্ব শ্ব	: ,
9	শোগাস ওয়ারণ্ড বিনা স্ত করিতে পারে কি না।	ওমারন্ট বিনা ধুত করিতে পারে।	^জু	<b>ं</b> चु	<b>4</b> 5	<b>%</b>	<b>^9</b>	<b>*</b> *9	,
	ख <sup>भ</sup> वाक्ष	মহার'ণ'র মুদ্রে ওজন কিয়া ভাহাতে যে ধাতুর যত পাকিতে হয় ভাহা শঠতাজমে ন্যে করণ।	কোম মুদ্রা অন্য একারের মুদ্ধাশরত চালাইবার অভিপ্রায়ে ভাহার মুপ পরিবর্জন করণ।	মহারাণীর মুদ্ধা অন্য প্রকারের মুদ্ধার মত চালাইবার অভিপামে তাহার রূপ পারিবর্জন করণ !	য়ুদ্রা প্রাপ্তিকালে তাহা রূপান্তর করা জানিয়া অন্যকে দেওন।	মহারাণীর মুদ্রা প্রাপ্তিকালে ভাহা রুপা- স্তর করা জানিয়া জন্যকে দেওন।	রুপাস্তর করা মুদ্রা পাশ্তিকালে ভাছা রুপাস্তর করা জানিয়া নিকটে রাখন।	মহারাণীর প্রাপ্তিকালে তাহা রূপান্ত্র করা জানিরা,নিকটে রাখন। মুন্তী প্রাপ্তিকালে রুপান্তর করা না	जिहा ब
^	414	or on ~	<b>,</b> ∞	78 00 07	•	\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$	**	9 .88	

1		
	323	

_						(	282	)		
সেশন আনিলিভ।	*	<b>.</b> %	<b>4</b> 9	(मन्त्र) व्यक्तिन्त	কিয়া <b>লে</b> সিডেপী মাজি <u>টে</u> ট কিয়া এগ্য <u>শে</u> ণীর	一種の	**		(खमिएडभी याकि- स्ट्रिडे किया अस्त्रम् कि विजीय (खेनीत्रः)	त्ममन वामान्छ कि त्थिमिएएभी मांकि- क्षेषे किन्ना क्षय्य त्योगेत मांकि-
যাবজ্জীবন দীপাস্তর প্রেরণ কি ১০ বংসর সোশর আদিসিত। পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্রও	৭ ব্যসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের ক্ষিত্রত ত কর্মতে		<b>~</b> 9	<b>4</b> 9		৭ ব্ৎসর প্র্স্ত কোন এক প্রকারের	कात्राम्छ कि जर्मम्छ किया अपे मुद्दे मछ। ७ वरमत्र मधिष्ट क्वांत्र अरु धाकारत्र	कात्राम्ख कि अर्थम्ख कि जे हुरे म्खा	২ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থন্ড কি ঐ মুই দণ্ড।	ত বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।
<b>∕9</b>	<b>∕</b> 9	<b>^9</b>	<b>1</b> 9	^ব্য		<b>4</b>	•		<b>~</b>	<del>∕9</del>
হাজিরজামিন সওয়া য়াইতে পারে।	शिकितकामिन नअप्रा याहेत्छ भारत ना ।	<b>্</b>	<b>1</b> 59	⁄ষ্য		<b>*9</b>	<b>^9</b> 7		*5	হাজিরজামিন শুওয়া যাইতে পারে।
<b>∕</b> 5	^ভু	<del>े</del>	*	T		⁄ন্দ	<b>~</b> 9		<del>^9</del>	<b>*</b>
<b>্</b> ড	<b>~</b> 9	<b>~</b> 5	<b>∕</b> 9	<b>^5</b>		<b>~</b>	*	مستورستان الفعاقة ويستوجو والمحاور	-জু	र्षेष्ठ
१६६ ) श्वर्यातन्त्र वेकोण्य कृत्रिय क्रम्	:গ্ৰণ্মেণ্টের ইন্টাম্প ক্লব্রিম করিবার যন্ত্র কি দ্রগ নিক্টে রাখন।	গ্ৰণ্মেণ্ডের ইউশিশ ক্লিম্ম করিবার যন্ত্র নির্মাণ কি ক্রম কি বিক্রম করণ।	श्वधारकेत क्षाय हेकोच्य विकस कत्र	গ্ৰণ্মেণ্টের ফুত্রিশ ইকীশে নিক্টে রাখন	*	গ্ৰণ্মেটের ইফান্শ ক্রিম জানিয়া	জ্ঞাত্ৰমমতে ব্যবহার করণ। প্ৰথমেক্টের ইটাশ মাহাতে পাকে এমত	প্রাাদ হছতে কোন লিখন ডিয়ছ্য়া দেওন কিয়া দলীলে যে ইফান্স দেওয়া গেল গ্ৰন্মেন্টের ক্তি করি-	বার অভিপ্রামে তাহা উঠাইয়া লওন। গ্রব্মেটের ইষ্টাব্শ পূর্কে ব্যবহার হছ্- য়াছে জানিয়া ছোহা ব্যবহার করণ	ইফান্স ব্যবহার হইলে ইহার চিক্ত উঠা- ইয়া দেওন।
	3) W		7							25

	٨	o)	er.		ņ		٩
संवा	<b>ष</b> १८ १८ १८	পোলীস এয়াবন্ধ নিমা যুক্ত ক্লিডে পারে কিমা।	সামান্যতঃ প্রথমে এয়াবর্ণ বা সমন দিত হয়।	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পাবে কি ন	বুফা করা <b>হাইতে প'বে</b> কিলা।	ভাবতৰৰের দশুবিধিৰ আইন মত দশু।	(ষ ভাদালাতেৰ বিচাধী।
\$09 k	を (	ওয়ারক্ট বিনা ধুত করিভে পারে।	ওমারও	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	त्रका कता याहेएड भ	यादेट २०० हे का जथनंद	(धमीएडमी माफि- (खेरे किया धश्म (खेरीत्र माफिक्रिडे।
		०० ब्राया	১৩ হুয়োদশ অধ্যায় ।—	- ওজন ও প্রাণ	্তিজন ও <b>প</b> রিনাণ সম্পকীয় অপর্টেথের কথা	র কথা।	
80 9)	ওজন করিবার অপ্রক্ত যন্ত্রের শঠত।- জনমে ব্যবহার।	ওমারক বিশ প্রত ক্রিবে মা –	ं द र	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে।	রকা করা ঘাইতে পারে না।	১ বংসর পার্যন্ত কোন এক অকারের কারাদ্য কি অর্পদ্ত কি এ গুই দ্যে।	(कि किया वाध्य कि विजीय (जेपी कि विजीय (जेपीय
₹ 9	অপ্রকৃত বাটখারা কি গজ প্রভৃতি প্রতা- রণা করিয়া ব্যবহার করণ।	*জ	<b>*</b>	<b>*</b> 9	<b>4</b>	<b>-%</b>	<b>^9</b> 7
9 9 4	অপ্রকত বাটখারা কি গজ্ঞ প্রভৃতি প্রতা- রুণার কার্যা ব্যবহার করিবার জন্য নিকটে রাখন।	<b>*</b> 9	<b>^</b> দু	જી	<b>∕6</b> j	<b>*</b>	<b>-®</b>

২৬৭ প্রভারণার কার্য্যে নিমিত্তে অথক্ত বাটধারা কি গজ প্রভৃতি নির্মাণ কি বিক্য করণ।

EN BENTH . BEHAND ALTERIA PARTICLE FOR STANDING TO SERVICE TO MAINTEN AND THE BOOKERS OF I

৬ মাস প্ৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকাৰেৰ কাৰা- প্ৰেসিডেপী মাজি- দও কি অৰ্থন্ত কি প্ৰত্ব দও। কি ছিডীয় শ্ৰেণীর	भाजपञ्च क्रांच क्रिक क्रिकारका (श्रीतिक्रभी मामिन- कारांमध कि व्यर्थम् क्रिके क्रिके मध । क्रिके क्रिका स्मिय क्रिकिकोस स्मिने	্যাস প্ৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের প্ৰ কারাদণ্ড কি অৰ্দণ্ড কি প্ৰ মৃষ্ট দণ্ড।	७ यांत्र भेषांख क्वांब अक थकारतत काता- मख कि ১०००) होका अर्थमध कि भे कहे छल।	<b>1</b> 9	·*§ .	<b>19</b>
৬ মাস পৰ্যান্ত কোন এক প্ৰক:বের দণ্ড কি অৰ্পদ্ভ কি ঐ চুই দণ্ড।	२ वष्मत भाषाञ्च । कातामञ्जाक प्रवास	৬ মাস পৰ্য্যন্ত ে কারাদণ্ড কি অৰ্পদ	। মাস প্ৰ্যন্ত কোৰ দণ্ড কি ১০০০) নই দণ্ড।	- ): Yu		,
द्रको कहा घाष्ट्रेर <b>ु</b> भारत्र ना।	প্ত	∕ <del>s</del> j	∕ <del>o</del> j	<b>~</b>	<sup>2</sup> 9	√g;
হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে।	*জু	~ <del>g</del>	^জু	<b>√6</b> 5	104	-জু
भग्न	<b>€</b>	<b>∕</b> ⊌	<b>~</b> 9	<b>~</b>	<b>√8</b> g	শ্ব .
ওয়ারক বিনা ধুত করিতে পারে।	<b>4</b> 9	ওয়ার <b>ট বি</b> না ধুড কারবে	_ ^gr	<b>~</b> 9	T	<b>~</b> 5
ষে কৰ্মদারা সাংঘাতিক রোগের সঞ্চার হুইতে পারে জানিয়া অনব্ধানে সেই কুমী করুল।	(य कमीवाज्ञा मांध्याष्टिक त्यारशंत्र मक्षात् इक्टि भारत्र कानिम्ना (व्यम्पूर्कक मिहे कमीकत्रण।	্ কারাতীটন বিধি জ্ঞানপূৰ্বক অমান্য করণ।	মন্থ্যের আহারীয় কি পানীয় যে এব্য বিক্রয়ার্থে হয় ডাহাতে এব্য মিভিড ক্রিয়া জুসাসক্ষেত্রক করন।	আহারীয় কি পানীয় দ্ব্য পীড়াজনক জানিয়া মহযের অহার কি পানাথে বিক্তয় করণ।	বিক্ৰয়াৰ্থ কোন বণিজ্ঞ কি ঔষধীয় দ্ৰব্যের গুণ খৰ্ম্ম করণাংখ কি ভাহার ফল পারি- বৰ্জনাংখ কি ভাহা পীড়াজনক করণাংখ কাহার সক্ষে অন্য দ্ব্য মিশ্রিড করণ।	যাহার সজে অন্য প্রব্য মিভিড হইল। দ্বিত হইয়াছে জানিয়া এমন কে'ন ব্যিজ প্রব্য কি প্রস্তুত করা ঔষধ,

			(	288	,			يضا سو ،
۵	ৰে আদাদতে বিচাৰ্য।	ट्यानिएउची माजि- क्रिके किया धार्य कि विजीय ट्योनीय माजिएको	क्तान माजित्के ।	<b>9</b>	के (अतिहरक्ष्मी याकि	· 一种 · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	(अवार्व वार्वान	्वनिर्वं मान को किया क्ष्य कि किवीस क्ष्ये मानिकि।
F	ভাষ্তবৰ্ণের দঙ্বিথিব আইনম্ভ দণ্ড।	৬ যাস পৰ্যন্ত কোন এক একারের কারা- দণ্ড কি ১০০০, টাকা অৰ্পন্ড কি ঐ সুই দণ্ড।	ত মাস প্ৰ্যন্ত কোন এক আকারের কারা- দণ্ড কি ৫০০০, টাকা অৰ্পণ্ড কি এ ঘুই দণ্ড।	के कि विष्मित्र विष्मित्र	ও মাস পৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকাৰের কারাদভ কি ১০০০, চাকা অৰ্পদ্ভ কি প্ৰত্ৰ দঙ।		৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্র কি অর্পন্ত কি ঐ ফুই দণ্ড।	৬ মাস প্ৰ্যুন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড কি ১০০০, টাকা অৰ্পদ্ভ কি ঐ
•	বঞ্চ করা মাইতে পারে কি না।	त्रका कत्रा वाहेए भीएत न्।	<b>~</b> 9 ·	<b>*</b> 5	<b>4</b> 5	<b>^6</b> 7	<b>1</b> 95	<b>∕9</b>
	হাভিরকায়িদ স্ওয়া বাইতে পাবেকি না	হাজিরজামিন লওমা ঘাইতে পারে।	<b>~</b> g	<b>√6</b> j	<b>ি</b> ড	<b>7</b> 9	<b>^</b> 5	<b>19</b>
<b>5</b>	সামান্যতঃ প্রখনে ওয়ারক বা সমুদ দিতে হয় ।	 भू	Ŋ	^\$J	<b>19</b>	<b>1</b> 9	ওয়ারন্ট	 मम्ब
9	ट्रभासीम अप्रायक । विमा पुछ करिएछ भारव कि मा।	ওয়ার্জ বিনা ধ্রু ক্রিবে না	ওয়ার <b>উ</b> বিনা ধৃত করিতে পারিবে।	ওয়াব <b>উ</b> বিনা ধুত করিবে	না। ওয়ারণ্ট বিনা ধুড করিতে পারিবে।	^জু	<b>-</b> 9j	*9
	Series I	কোন ব'ণজ কি এমধ সুব্য জানপ্ৰ্ক অন্য ব'ণজ কি এমখাম স্বাস্থ্ৰণ ঔষধ্নম ছইতে বিক্ৰয় করণ কি বাহির	ছ্টতে দেওন। সাধারতের ব্যবহার্য উত্মইর কি জ্লা- শঙ্কের জল যন্ত্রণ।	বায় পীড়াজনক করণ	রাজপণে মহতের প্রাণাদির আশকা- জন্মক রূপে অভিৰেগে কি অমনো- যোগে গাডী ঘোড়া প্রভৃতি চালাতন।	যমুষোর শ্রাণাদি আশশ্রণজনকরণে জুঃসাহসে কি অমনোমেগে নৌকাদি	চালাওন। মিখ্যা আলো কি চিহ্ন, কি বয়া দেখান	নৌকাদির অবস্থা কি বোকাই ব্ৰিয়া লাগের আশস্থা হইতে পারিলেও ভাড়া লইয়া কোন ব্যক্তিকে ঐ নোকাদিতে
-		96 ~	o	<u>}</u>	A 6 4	1	7	* *

•

<b>্</b> জ	<b>1</b> 99 .	কোন মাজিষ্টেট।	শ্ব্য	(अमिएडभी यां कि- क्रिडे किया अथ्य कि विजीय स्थितीय	म् विक्रा	কোন মাজিফ্টেট।	· *	(क्रिक्स) याकि- क्रिके किन्ना अव्यय कि चिछोत्र त्यनोत्र याक्सिके
र ००) ठोकाजर मङ	৬ মাস প্ৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দণ্ড কি ১০০০, টাকা অৰ্পন্ত কি ঐ	<b>*</b>	<b>19</b> 7	<b>*9</b>	<b>A</b> y	<b>A</b> y	<b>ং••) টাকা</b> অৰ্থদণ্ড	৬ মাস প্ৰ্যন্ত বিনা প্ৰিভামে ক্রিদিঙ কি অৰ্পন্ত কি এ গুই দঙ।
<b>re</b> j	<b>^6</b> y	^দ্র্য	<b>^9</b> 7	<b>*9</b>	<b>্</b> ড	শ্ব	*ড	<b>%</b>
^eŋ	<b>1</b>	⁄ড়	ণ্ড	<b>^</b>	<b>4</b>	প্য	∕9	- <del>G</del>
<b>√5</b>	<b>∕9</b>	<del>'</del>	শ্ব '	<b>∕8</b>	<b>હ</b>	প্র	<b>√6</b>	<b>4</b>
/G	ওয়াবন্ট বিনা গুড করিবে না।	ওয়ারণ্ট বিনা ধ্ত করিতে পারিবে।	· •	ওয়া <b></b> জি বিশা ধৃত করিবে না।	<b>19</b> 5	ওয়ার <b>ট বিনা</b> ধৃত করিতে পারিবে।	ওয়ারেণ্ট বিশা ধুড করিবে মা	ওয়ারক বিনা ধুড করিভে পারিবে।
রাজগণে কি নোকাপথে শক্ষট কি বাধা। কি হানিজনক কার্য্য করন।	বিষাল দ্ৰব্য লইয়া মন্ন্ৰেয়র প্ৰাণাদির আলক্ষাজনক কাব্য করণ।	অগ্নি কি আশুজুনানীয় বস্তু লইয়া মৃত্যুর প্রাণাদির আশক্ষাজনক কর্ম করণ।	যাহা শব্দ করিয়া জুলিয়া উঠে এমন দ্রব্যের উদ্রাপ কার্য্য করণ।	কোন কলেতে ভদ্ৰাপ কাৰ্য্য করণ	কোৰ ধর ভাঞ্চিতে কি সারাইয়া নিতে যাহার অধিকার পাকে তাঁহার ঐ ধর পতনে মহযের প্রাণের আশঙ্ক। সন্তা-	কোন জন্তুর দারা মহমেয়র প্রাণের আশক্ষা কি গুরুতর পীড়া নিবারণার্থে ঐ জন্তুকে উপযুক্তয়তে না রাখন।	স্ধারণের অনিউজনক কর্ম করণ	শনিউজনক কৰ্ম নিয়ন্ত কবিবার আজ্য হছলৈও নিয়ন্ত লা করণ।
2	%°	* ·	2	£ 4	<u>}</u>	3	r ~	2

	~	9	us .		Đ		•
	मू किया कर कर कर कर कर कर कर कर कर कर कर कर कर	শোলীস ওয়াবন্ট কিনা বুত ক্বিতে পাৰে কি না।	দাম্ন্ডি: প্রথমে ওয়াবত কি সমন দিতে হয়।	হাহি বজামিন লওয়া যাইতে পাবে কি ন	বহা কৰা যাইভে পাৰে কি লা।	ভারতবর্ষের দশুবিধির আইনমত দণ্ড।	যে আদালতের বিচার্ধ।
A	শৃষ্ণাররসগতিত কুৎসিত পুশুকাদি বিক্ত- ওয়ারণ্ট বিশা য়াদি করণ। পুডি করিতে	ওয়ারন্ট বিনা ধৃত করিতে পারিবে।	ওয়ারকী	হাজিরজামিন লওয়' যাইতে পারে।	রকা করা ঘাইতে পারে না।	ও যাস পৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দও কি অৰ্পদ্ভ কি ঐ গৃই দও।	(खमिएडभी याषि- (ख्रेडे किया अध्य कि विडोत्र (खेबी)
2000	শৃঞ্চাররসঘটিত কুৎসিত পুশুকাদি বিক্রয়	<b>~9</b> j	<b>~9</b>	<b>∕</b> €ÿ	<i>^</i> জ	*ড়	<b>-9</b>
7	ক্ষণ কি শশাওঁশাবে । একচ বাবন। শ্রকারসংঘটিত কুৎসিত গীত গান কর।	<b>~</b>	<b>~</b> 57	<b>∕9</b>	<b>^</b> 9	<b>্</b>	<b>^</b> 67
\$ 000 000 000 000 000 000 000 000 000 0	শর্তি খেলিবার কার্যালয় রাখন	ওয়ারক বিশা ধূত করিবে	 भ	79	<b>®</b> j	৬ মাস পর্যান্ত অন্যতর প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	কোন মাজিক্টেট।
*	শবি খেলা সম্পন্ধীয় প্ৰসক্ত প্ৰকাশ কৱণ।	_ ^9 . Fe	প্ত	<b>1</b> 5	<b>∕</b>	১ • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	<b>^9</b> y

(अम्प्रिक्ष्मी माक्षि- क्रिके किश्वा क्षय कि विजेश भ्योगीय माक्षिकि ।	<b>%</b>
যাইতে ২ বংসর পর্যন্ত কোন এক অকারের প্রেসিডেন্দী মাজি- কারাদও কি অর্থনিও কি এ গুই দও। ক্রেট কিছা প্রথম কি ছিতীয় শ্রেণীর মাজিক্টে।	১ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।
त्रका कन्ना याहेट शाद ना ।	⁄ড়
হাজিরজামিনল ওয়া রকা করা যাইতে পারে। পারে না।	<b>©</b> j
সমূল	<b>্</b> ড
	- ९५
১১৫ কোন জাতীয় লোকদের ধর্মে অবহেলা ওয়ারক বিনা করণাভিপ্রায়ে ভজনালয় কিপবিত্র বস্তু ধৃত করিতে নফ কি ক্ষতি কি অশুচি করণ।	২১৬ সুস্থর ভজনাথে সংগ্হীত লোকদিগের বাধা দেওন।
2	9 R ~

<b>^</b> ন্দু	. <sup>19</sup>	
১ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদঙ কি অর্থদ্ভ।	^97	
<b>*</b> 9	* ভ	
<i>्</i> ष्	<sup>r</sup> €g	
'বু	<b>b</b> y	
ন্ত্ৰ	ওয়ার <b>উ বিনা</b> গ্লুত করিবে না	_
২১৭ কোন ব্যক্তির মনে হঃখ.দিবার কিশ্ব। ধর্মে অবহেলা করিবার কিশ্ব। শবের প্রতি অবজ্ঞাভাবে কর্ম করিবার জন্য	ভজনালরে কি সমাধিহানে এবেশ করণ ও সমাধিকিয়ার বাধা দেওন। ধর্ম সম্পর্কে কোন ব্যক্তির মনে গুংখ দিবার জন্য তাহার হুংতি গোচরে কোন কথা কহন কি শব্দ করণ কিয়া তাহার	গাৰ্থন ৷
8 e		

১৬ ষোড়শা অধায়ে।—মনুমেরে শারীন সম্পর্নীয় অপরাচেধ বিধি।

## প্রতোর হানিজনক অপরাধ।

~	··· なりのでは、 ないの ないの できない ないの こうかい こうかい こうかい こうかい こうかい こうかい こうかい こうかい	ওয়ারণ্ট বিনা	া ওয়ারক্ট	হাজিরজাঘিন সওয়া রকা করা ঘাইতে	রকা করা ঘাইতে	9)	সেশন আদালত।
		भावित्व -	 9	राहित गा	भारत जा।	ত প্ৰথমত –	
9 9	यावज्जीतम क्रीभाखत (थरन मछाज्जा थाथ		<b>∕</b> \$j	<b>~</b>	^ন্য	क्षांग्रह	<b>^5</b>
	ন্যজি কর্ক জান্তত বধ।			-			
္တ စိ	জানফত বধের তুল্য নয় এমত জপরাধ-	<b>∕</b> §j	~ <del>~</del>	<i>^</i> ন্স	<b>~</b>	यावक्कीवन होशाख्त (श्वत्न कि ३० वष्मद	<b>*9</b>
	যুক্ত নরহত্যা। যে কার্য দারা মৃত্য				г	भर्गत्र कान वक धकारत्र कात्राम्छ उ	
	रम् जारा व्यान्नामामित जिञ्जातम			-		ज्यसम् ।	
	কর। গেলে।	-					
	প্রাণ্নাশাদির সন্তাবনা জানিয়া কিন্ত	<b>∕</b> \$j	∕ <b>€</b> j	<b>∕</b> ¢	Ą	३० द्यमं भर्षास क्वा अक श्रकार्य	ي.
	ভদভিপ্রায়ে ঐ ক্রিয়া না করা গেলে।			ī	ট্য	काव्रोम्छ कि ज्यर्थम्छ कि जे घुरे मछ।	ī
10	৩,৪ক গুঃসাইসে কিন্তা জনবধানতাতে কোন	<b>∕≅</b>	^ <del>S</del> J	হাজিরজামিন লওয়া	E	र वदमद भर्षास जनाज्द क्षकात्रद	সেশন আদালত কিছা
	কাধ্য করিয়া মৃত্যু কারণ হওন।		-	याहेट७ भाविद्य ।	Ţ	कांद्राम्छ कि जर्षम्छ कि जे घृष्टे मछ।	त्यजिएउनो माकि
							त्केंडे किश्वा व्यथ्य
		_				•	THE RESERVE

۵	ৰে আদানভেৰ বিচাৰ্য্য।	সেশন আদালভ।	ं. ^ <del>पु</del>	<b>্</b> জ	প্ত	<b>4</b>	<b>্</b> ড	<b>'</b> ভ	ट्यमिएएकी माकि क्रिडे किश्वा अथम कि शिजीय ज्येभीत	সেশন আদালভ ।
	ভাবতবৰ্ষের ক্জবি'ধর আইনমত দ্ও।	যাইতে। প্রাণদণ্ড কি যাবজ্জীবন দীপান্তর প্রেরণ কি ১০ বংসর প্রান্ত কারাদণ্ড ও অর্থ-	ऽ वस्मय भयान्य क्वांब क्वक व्यक्तिय	ক্রিদার্থ ও জ্বন্ধ করি করি করি করি করি করি করি করি করি করি	यावज्जीवन मीशास्त्र त्यात्रन कि शूर्वाक	প্রাণদিও বা পু.ধাজ দও	ও বংসর পর্যান্ত কোন এক শকারের কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ মৃষ্ট দণ্ড।	৭ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ ছুই দণ্ড।	) बब्भन्न भरान्छ दिना भनिर्ज्याप कानाम् । कि गर्थम् कि जे छुड़े म् ।	यावक्कोदन बोशास्त्र त्यद्रन उ जर्षमधः
	दक। कर। याहेएड मीदव कि नः।	রকা করা যাইতে। পারে না।	Ġ	প্ত	G	<b>~</b>	<b>∕</b>	<b>∕9</b> j	<b>°</b>	~ ~
•	হাজিৰভাষিন লওয়। ষাইতে পাবে কি লা।	शिष्टित्रकायिक ल ७ हा।	<b>%</b>	<b>1</b> 9	<b>*9</b>	<b>∕9</b>	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	~·	<b>G</b>	হাজির জামিন লওয়া মাইবে না
, on	সামালাত: প্রথমে ওহাবেট কি সমন দিতে হয়।	ওয়ারক	<b>C</b> y	न्तु	^67	*জু	<b>3</b> 7	49	•	<del>_</del> <del>[</del> و^
9	পোশীস এহাবন্ট নিমাধুত কবিতে পাৰে কি শা।	ওয়ারক বিনা গুও করিতে পারিবে।	<b>*</b>	<i>-</i> জু	<b>~</b>	<b>^</b> 57	<b>∕</b> g	<b>^</b> 9	<b>%</b>	প্
'n	ज्ञथन्तस्य ।	ৰালকের কি ক্ষিপ্ত ডি কি বিক্তমনা কি জড় কি উন্মন্ত ব্যক্তির সাত্মগণ্ডের সহাসকা	শুনু জুলা তেওঁ সূত্ৰ মূত্ৰ	ৰ্ম করিবার উদ্যোগ	সেই ক্রিয়াতে কোম ব্যক্তির পীড়া মুচলে।	रराज । याबब्धीवन वम्मी दक्ष कविदाद উদ্যোগে পीड़ा खम्माहेटन।	चनेत्राधर् क नदह्या कदिवाद डेत्मार	সেই ক্ৰিয়াভে কোন ব্যক্তির পীড়া হইলে	জাজুদাভের উদ্যোগ	ठेश खडान
^	भीवाः	<b>*</b>	9,9	و ، ي	_		<u>,</u>	,	<i>A</i> .	\$

গর্পতি করণ ও অভাত অপত্তার হানি করণ ও শিশু পরিত্যাগকরণ ও জম্ম গুপ্ত রাখনের কথা।

<b>*</b> S S	शक्यां कत्रन	ওয়ারক বিনা	ওয়ার <b>উ</b>	शिकद काचिन न उग्ना	रका कन्ना याहाउ	७ वस्मत्र भर्षास्त्र क्लाम शक थाकारत्रत	সেশন আদালত।
		क्ष कदिए ।		शहरक भारत ।	शास्त्र मा।	कांद्रामध किथा व्यक्षिक कि जे घृषे मछ।	•
	गर्द के व मकात्र हहें ल	<b>. 9</b> 7	^জু	<b>^</b> €7	<b>~</b> 9	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের	<b>1</b> 9
620	গধিনীর অত্বয়তি বিনা গরিপাত করা ভন	· <b>%</b> j	শ্ব	হাজির জামিন সওয়া	<b>~</b>	কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড। যাবজ্জীবন দীপাল্ডর প্রেরণ কি ১০ বৎ-	<b>-</b> 9
	•			याक्टि भा।		সর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারা-	
8 2 9	গৰ্ধপাত করণ অভিপ্রামে যে ক্রিয়া করা	<b>~</b> 9	<b>1</b> 57	কু	<b>%</b>	দণ্ড ও অর্থদন্ড। ১০ বংসর পর্য্যন্ত কোন এক প্রকারের	*9
	যায় ভদ্বারা মৃত্যু হইলে। গারিণীর অহুমতি বিনা ঐ ক্রিয়া করা	<b>∕</b> 9	<b>^6</b> y	<b>^5</b> J	Æj	কারাদ্য ও অর্থদণ্ড। যাবজ্ঞীবন দ্বীপাস্ত্র প্রেরণ কি পূর্কোক্ত	<b>^9</b> 7
\$ 62	গেলে। অপতা জীবিত না জন্মিবার কি ভ্যিষ্ঠ ফুলুন দ্বিনার ক্রান্ত	∕ुब	^লু	<b>'</b> মূ	<b>্</b> ড্য	দণ্ড। ১০ বংসর প্রাক্ত কোন এক প্রকারের	<b>~</b>
			-			수 1절 1부 6 1 수 보 1 수 1 수 1 수 1 수 1 수 1 수 1 수 1 수 1	
3,50	জপরাধযুক্ত হঙ্যার তুল্য কার্য্য দ্বারা জীবসঞ্চারিত গর্ভ নষ্টকরণ।	<del>∕9</del> j	<b>~9</b> j	জ	<b>'</b>	১০ বংসর প্র্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।	**
£ 5	১২ বৎসংরের নূগে বয়ক বালককে পার- ভ্যাগ করণাভিপ্রায়ে ভাহাকে পিভা মাভার কি রক্ষকের ফেলিয়া যাওন।	ওয়ার <b>উ</b> বিনা ধৃত করিতে পারিবে।	Ť	হাজির জামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	^জু	৭ বংসর পার্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি ঐ ফুই দভ।	• •
\$ 6	কিওর মৃত দেহ গুপুকরণ ঘারা জন্ম গুপুকরণ।	<del>- '9</del> .	<b>1</b> 9	<b>19</b> y	<i>*</i> ৰু	২ বংসর পর্যান্ত কোন প্রকারের কারাদণ্ড কিয়া অর্থদণ্ড কি ঐ গৃই দণ্ড।	সেশন আদালত কিয়া প্রেসিডেকী মাজি- ক্টেচ কি প্রথম কি দিউীয় জেশীর

			( 2.8.	)				
	त्व व्यामान्यस्थः विकादाः	কোন মাজিউট।	সেশন আদালভ কিষা প্রেসিডেপী মাজি- ফ্রেট কি প্রথম কি দ্বিভীয় শ্রেণীর	माजिएके ।	<b>^</b>	সেশন আদালত কিষা প্রেসিডেপী মাজি- ক্টেট কিষা প্রথম	्मां व्यक्तावित	• •
•	ভারতবর্হের দল্শীধ্য আছিন্মত দণ্ড।	ऽ वरमंत्र भरीखः काम अक्ट धाकादिः काद्रोम्छ कि ১०००, होका क्षमंख कि धेष्टे म्छ।	ও বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের সেশন আদালভ কিষা কারাদণ্ড কিষা অর্পদৃত্ত কি ঐ গুই দণ্ড। প্রেসিডেন্সী মাজি- ক্রেট কি প্রথম কি		9 वेदमत शरीखि त्यांन এक धाकात्रत कांत्रीमिक उपर्यम्छ।	যাৰজ্জীবন দ্বীপাপ্তর প্রেরণ কি ১০ বৎ- সেশন আদালত কিয়া সর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারা- প্রেসিডেশী মাজি- দণ্ড ও অর্থদণ্ড।	১• বংসর শধ্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ভ।	*
ð	রকাকরা যা তে পারে কি না।	द्रका कदा घारेट शादा	_ ,	হছলে রকা করা যাইতে পারে।	बका कवा याहेए। शास्त्र ना।		<b>~</b> 9	*9
2	হিছিবকামিন লওয়া যুদ্ভে পাৰে কি লা।	হাজিরজামিন সওয়া বাইতে পারে।	*জ		∕•ু	হাজিরজামিন নওয়া যাইতে পারে না।	-গু	<b>%</b>
60	সামান্যতঃ প্রথমে প্রধাবকী বা সমন দিতে হয়।		<b>1</b> 87		<b>^</b>	<b>∕6</b> y	ওয়ারণ্ট্	3
•	শোলীস ওঘারণ্ট বিনা ধৃত ক্রিতে পা্বে কি না।	ওয়ারণ্ট বিন্ধা ধুত করিবে না	ওয়ারণ্ট বিনা ধুত করিতে পারে।		∕ <del>ब</del> ु	<b>∕%</b>	^ছ্য	<b>y</b>
N	ज्ञांत्र ।	ইছোপ্ৰ্ৰ পীড়া জ্বনাওন	শ্হুটজনক অন্তবাবা কি অন্য উপায়ে ইচ্ছাপূৰ্বক পীড়া জ্মাওন।		ইচ্ছাপ্ৰ্ৰ গুৰুত্ব পীড়া জ্মাওন	শক্টজনক অস্তবার! কি জন্য উপায়ে ইচ্ছাপ্রক শুক্তরে শীড়া জন্মান্তন।	সম্পত্তি কি মূল্যবান নিদশ্লপত্তহরণ কর- পার্থে কি বেআইনিমত কার্য্য কিষে ক্লায়তের অপনাধ্রকর সগ্যামস্থ কাষ্য	কুৰণাৰ্থে ইচ্ছাপুৰ্বক পীড়া দেওন। কুৰণাৰ্থে ইচ্ছাপুৰ্বক পীড়া দেওন। পীড়া জন্মাইবার নিমিত্তে, অচেডনকারক বণিজ দ্বা, সেবন করাণ।
^	E	٥ ٢ ٥	∞ ~ 2		***	∌ •	**	<u>)</u>

লাগে কিছা বেখাৰ নিয়ন্ত লাগি বেব কাৰ্য্য কাৰ্য্য অপ্ৰয়াৰ কাৰ্য্য লাগি বিব কাৰ্য্য কি সম্পাৰ্থিক শুক্তৰ শীভা বাহ কি সম্পাৰ্থিক শুক্তৰ শুক্তৰ ভিছাৰ বাহ কি সম্পাৰ্থিক শুক্তৰ শুক্তৰ প্ৰভাৱ কাৰ্য্য কি সম্পাৰ্থিক ভিছাৰ অভূতি কাৰ্য্য কি সম্পাৰ্থিক ভিছাৰ অভূতি কাৰ্য্য কি সম্পাৰ্থিক ভিছাৰ অভূতি কাৰ্য্য কি সম্পাৰ্থিক শুক্তৰ কৰিব। কৰু হাজিকজামিন লওয়া বাৰ্য্য কি সম্পাৰ্থিক ভিছাৰ কৰিব। কৰু হাজিকজামিন লওয়া কাৰ্য্য কাৰ্য্যকাৰকে কৰিব। কৰি বিবা কাৰ্য্য কাৰ্য্যকাৰকে কৰিব। কৰি ভিছাৰ কৰিব। কৰি হাজিকজামিন লওয়া কাৰ্য্য কাৰ্য্যকাৰকে কৰিব। কৰি মুক্ত কৰিব। কৰি বিবা কাৰ্য্য কাৰ্য্যকাৰকে কৰিব। কৰি মুক্ত কৰিব। কৰি মুক্ত কৰিব। ক্ৰন্যাওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা ক্ৰন্য।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা ক্ৰন্য।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা জন্ম।ওনা ক্ৰন্য।কৰণক কৰিব ছালিব। আন ভিলা জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া জন্ম।ওনা জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া জন্ম।ওনা জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া জন্ম।ওনা জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া জন্ম।ওনা জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া জন্ম।ওনা জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া কৰিব। মুক্তিক পাড়া জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া জন্ম।বিব মুক্তিক পাড়া কৰিব। মুক্তিক পাড়া কৰিব। মুক্তিক স্বিব মুক্তিক	_			( 242	)	_	
নাগে কৈয়া স্বেশ্ব নিজ্ঞান কৰিছে। বিশ্ব নাগৰিক ভাৰ কৰিছে। বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব নাগৰিক ভাৰত বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব নাগৰিক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব নাগৰিক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব নাগৰিক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব নাগৰিক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব নাগৰিক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ্ব কৰিছেক বিশ	<b>~</b>			तमान जामानक किथा व्यितिएए भी याखि- व्योठ कि श्रुव्य	(मांग वामांगढ।	কোন মাজিফেট।	সশান আদাসত কিন্তু। প্রেসিডেকী মাজি- ফ্রেট কিন্তু। এথম কি দিতীয় শৌণীর মাজিফেট।
লাগে কিছা বেলাক লাগ লাগ লগা লগা লগা লগা লগা লগা লগা লগা	ষাবজীবন দীপান্তির প্রেরণ, কি ১০ বংশর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদিন্ত।	৭ বংশর প্রান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ।	১০ বৎসর পর্যান্ত কোন একারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	পৰ্য্যন্ত কোন এক কিষা অৰ্পদ্ভ কি 🖒		প্রকারের দিক কি জ	
াণ্ড বিদ্যালয় বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা কৰিব। বাহা	•	<b>^5</b> j	<b>^5</b> g	•	<b>1</b> 9	दका कदा घाष्ट्राङ भारत ।	যে জাদালতে মোক- দ্মা উপস্থিত পাকে সেই আদালতের অত্নুমতি হুইলে রকা করা যাইতে
লাগে কিছা বেআই নিমতে কাৰ্য ক্ষম কাৰ্য ক্ষম কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য ক্ষম কাৰ্য কাৰ্য ক্ষম কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কাৰ্য কৰা ক্ষম কাৰ্য কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা কৰা	•	হাজিরজামিন লওয়া ধাইতে পারে।	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে লা	হাজিরজামিন ল ওয়া মাইতে পারে।	হাজিরজামিন লওয়া যাইবে না।		
লাপে কিছা বেআই নিমত কাৰ্য ক্ষেত্ৰ প্ৰতিক্ৰ কাৰ্য লাহা অপ্ৰাধ করা অ্থামহয় ভাহা ক্ষুণ্ডিক শুকুভ্ৰ পীভা দেওল। দেওল। দেওল। দেওল। দেওল। দেওল। দোষ স্থীকার করাইবার কি সন্ধান পাই-বার কি সম্পত্তি বলপ্রক উদ্ধার অভ্তির প্রতিত্ব করিবার নিমিত্তে ইচ্ছাপুর্কক শুকুভ্র পীভা দেওল। বার কি সম্পত্তি বলপ্রক উদ্ধার অভ্তির পীভা দেওল। বাজকীয় কার্যকারকের কওঁব্য কর্ম নিবা-রন্ডেকীয় কার্যকারকের কওঁব্য কর্ম নিবা-রন্ডেকীয় কার্যকারকের কওঁব্য কর্ম নিবা-রন্ডেকীয় কার্যকারকের কওঁব্য কর্ম নিবান ভামাওল। শুকুভ্র রাগাজনক কার্য হঠাৎ হওয়াতে যে ব্যক্তিকে পীভা দিবার অনভিশ্রামে ইচ্ছাপ্রক পাভা দিবার অনভিশ্রামে ইচ্ছাপ্রক পাভা জম্মাওল। শুকুভ্র রাগাজনক কার্য হঠাৎ হওয়াতে যে ব্যক্তিকে পীভা দিবার অনভিশ্রামে ইচ্ছাপ্রক পাভা জম্মাওল। শুকুভ্র রাগাজনক কার্য হঠাৎ হওয়াতে যে ব্যক্তিকে পীভা দিবার অনভিশ্রামে ইচ্ছাপ্রকে পীভা দিবার অনভিশ্রামে ইচ্ছাপ্রক পাভা দিবার অনভিশ্রামে	<b>%</b>	<b>4</b> y	<b>~</b>	<b>~</b> 9	.∕ <del>©</del> j	 हिं	<b>∕</b> 9
	•	*	<b>~</b>	<b>∕9</b>	<b>~</b>	ওমারণ্ট বিনা গ্লুড করিবে না।	ওয়ারণ্ট বিশ। ধৃতি করা ঘাইতে পারে।
	পশাও কি মুজাবাল নিদশলপাত হ লাংখি কিছা বেআইনিম্ভ কাৰ্য্য কাৰ্য্য ছারা অপরাধ করা স্থামহয় করণাং <sup>থ</sup> ইচ্ছাপুর্কক শুক্তর কেওন।	দোষ স্থীকার করাইবার কি সন্ধান পাই- বার কি সম্পত্তি বল পূর্বক উদ্ধার প্রভৃতি করিবার নিমিত্তে ইচ্ছাপূর্বক	দোষ স্থীকার করাইবার কি সন্ধান পাই- বার কি সম্পত্তি বুলপূর্ক উদ্ধার প্রভৃতি করিবার নিমিত্তে ইচ্ছাপূর্কক শুক্তর পীড়া দেওন।	রাজকীয় কার্যকারকের কর্ত্ব্য কর্ম নিবা- রণের জন্মে ইচ্ছাপুর্মক পীড়া জন্মাওন।	কাৰ্য্যকারকের কঠন্য দুৰ্থ ইচ্ছাপুৰ্বক শুদ্ধভর <sup>গ</sup> ।।	एक्ड द्वाशक्वक कार्य होत् हुउद्वार द्य दाकिबादा दाश ब्हेन, उद्धिम जना दाकिक भीड़ा मिदांत जनङिशास इक्छापूर्यक भीड़ा क्यांउन।	
		9	599	~ 9	999	<b>8</b> 99	999

~		. 9	99	to	•	F	<b>.</b>
A STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STA	` <del></del>	পোলীস ওবাবক বিনা গুড কবিতে পাৰে কি না।	मामामाठः श्रुप्तम ६वाःके वा ममन क्रिक्ट इष।	হাভিবলমিন সভুয়া যাইতে পারে কি না।	বন্ধঃ কৰা যুংস্কৃতে পারে কি না	ভাবতবৰ্ধেৰ দণ্ডিৰিৰ অ'ৰ্নমত দণ্ডা	ৰে আদালতের বিচাধ্য।
৩০৬ মহ্মধ্যে প্রাণের আমাশকা কি অন্যদের ওয়ারণ্ট বিনা নরাপদের ব্যায়তি জনক কোন কার্য, গুড করা করণ।	হা কি অন্যদেৱ নক কোন কাৰ্য্য	Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Commence Com	 भक्ष	হাজির জামিন লওয়া যাইতে পারে।	शिष्टित कामिन अस्त दका कहा सहेट याहेट भारत। भारत ना	उ गांत्र शरींख क्वांन এक क्वांत्रद कादाम्छ कि २८०, होका व्यक्ति कि धे	क्षा माजिएको ।
মহযের প্রত্যের আক্ষা প্রভৃতি জনক কিয়া দারা পীড়া জমাওন।	কো প্রভৃতি জনক মাতেন ।	*ড	्कु	<b>^</b> 9j	ধে আলালতে মোক- দ্যা উপস্থিত থাকে সেই আদালতের অস্থতি হইলে	৬ মাস পৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দত্ত কি ৫০০, টাকা অৰ্পনন্ত কি ঐ গৃই দত্ত।	প্রেসিডেপী মাজি- ক্টেট কিছা প্রথম কি দিঙীয় শ্রেণীর মাজিফেট।
৬৬৮ মহবেধ্যর প্রাণের আলক্ষা প্রভৃতিজ্ঞাক কিয়া দ্বারা গুরুতর পীতা জন্মাওন।	শহা এক্ডিজনক তি জনাওন।	<b>~9</b>	<b>%</b>	<b>∕9</b>	भारत । क्रि	१ वरमत भर्षाख कांच এक धकारतत काताम्छ कि ১०००, होका ज्यसंख कि ध भूषे म्छ।	<b>.%</b>

জ্নায়িমতে অব্রোধের ও অন্নায়্মতে বদ্ধ করণের কথা।

	ওয়ারণ্ট বিনা ধৃত করিতে পারে।	ः भ	হাজিরজামিন লওয়া মাইতে পারে।	াজিরজামিন লওয়া রকা করা ঘাইতে যাইতে পারে।	এক ম্সে প্ৰ্যন্ত বিনা প্ৰিভাষে কারাদণ্ড কি ৫০০ <sub>১</sub> টাকা অৰ্ণন্ত কি ঐ চ্ছ দণ্ড।	কেন মাজিক্টেট।
১৪২ কোন ব্যক্তিকে জান্যায়মতে ব্ছক্রণ	<b>49</b> (	<b>-%</b>	<b>~</b>	<b>^</b> 5	১ বৎসর পর্যন্ত কোন এক একারের শ্রেসিডেপী যাজি- কারাদণ্ড কি ১০০০ <sub>)</sub> চাকা অর্পন্ত কি ট্রেক এথম জুমুই দণ্ড। নিক্সাজিতীয় শ্রে-	त्यात्राष्ट्रभी याष्ट्रि- क्येट कि श्रवय किया बिजीय त्य- नीत्र याखिएकेट।

<b>ভ</b> . `	तम्बन • वामान्छ किश्वात्धामात्छभी याखित्क्रेष्टे कि अश्य कि बिछीत्र	<b>্</b> ভ	<b>∕9</b> j .	<b>∕</b> 9ंग	সেশন আদালত কিষা প্রেসিডেন্সী মাজিফ্টে কি প্র- ংম শ্রেণীর মাজি-
য'ইতে ২ বংরর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্পদ্ভ।	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্গদ্ধ।	ং বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও তদভিরিক্ত অন্য কোন ধারামত কারাদণ্ড।	<b>∕</b> g	ও বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদঙ্গ ও বর্গদৃষ্ট।	<b>19</b>
রকা করা ঘণ্টভে পারে না।	∕ <b>क</b> ु	<b>^9</b> y	^ <del>के</del> ंग	∕জু	<b>^</b> € <b>y</b>
<b>.</b>	প্ত	∕ <del>©</del> j	^ <del>હ</del> ્યુ	∕જે	<b>্</b> ভ
<del>(9</del>	<b>'©</b> J	^ <del>6</del> g	∕ন্ধ	<b>∕9</b>	<b>্</b> জ
~ **	<b>1</b>	ওয়ারউ বিনা গ্রুত করিবে না	ওয়ার <b>ন্ট</b> বিশা ধ্রন্ত করিভে পারে।	∕কু	<b>-%</b> .
ও৪৩ : ডি <b>ন কি উদ্ধিক দিন অন্</b> যায়ত বন্ধ করণ।	দশ কি ভদধিক দিন অন্যায়মূতে বন্ধ করণ।	কোন বাজিন মুজিন জনো প্রওয়ানা বাহিরহইয়াছে জানিয়া তাহাকে অন্যায়- মতে বন্ধ রাখন।	গোপনৈ অন্যায়য়তে বন্ধ করণ	কোন দ্ৰব্য হরণ করিবার কিষা বে- আইনী কৰ্ম প্রভৃতি করাইবার জন্ম্য অন্যায়মতে বন্ধ করণ।	অপুরাধ স্বীকার করাইবার কি সন্ধান পাইবার জনো কি সম্পত্তি প্রভৃতি উদ্ধার করাইবার জনো জনায়েয়তে বদ্ধ করণ।
9 80 9	88 89	& & & 9		တ တ တ	9 9

( 248 )

অপরাধ্যুক্ত বল প্রকাশের ও আক্রমণের কথা।

6 2	জ্ঞক্তর হাগ জ্ব্যাইবার বিষয় না থাকিলে গ্রেগ্রু সামান্তঃ লগ্মে বিরু হাগ জ্ব্যাইবার বিষয় না থাকিলে ওয়ারক বিনা দিতে হয।  আজুকতর হাগ জ্ব্যাইবার বিষয় না থাকিলে ওয়ারক বিনা দিতে হয।  বাজকীয় কার্গ্রেয়ক কর্তব্য ক্র্যানিবা- ওয়ারক বিনা ওয়ারক বিনা বিল্ডেহ্য।  রাজকীয় কার্গ্রেয়ক কর্তব্য ক্র্যানিবা- ওয়ারক বিনা ওয়ারক বিনা ওয়ারক বিনা ওয়ারক বিনা ওয়ারক বিনা হাগালের।  হাল করণার্শে আক্রমণ কি অপারাধ্যুক্ত বল প্রকাশ করণ।  হাল করণার্শে আক্রমণ কি অপারাধ্যুক্ত বল প্রকাশ করণ।  হাল কেরণার্শে আক্রমণ কি অপারাধ্যুক্ত বল প্রকাশ করণ।  হাল কেরণার্শ করেণ।  হাল কেরণার প্রক্রি অপারাধ্যুক্ত বল প্রকাশ করেণ।  হাল করণার্শ করেণ।  হাল করণার্শ করেণ।  হাল করণার্শ করেণ।  হাল করণার্শ করেণ।  হাল করণার্শ করেণ।  হাল করণার প্রক্রি আক্রমণ কি অপারাধ্য না না না
	মূত বৃদ্ধ ব্যক্তির পরিহিত কি বাহিত দ্বব্য ওয়ারক্ট বিনা ওয়ারক্ট চুরি করণের উদ্যোগে আক্রমণ কি গ্লুত করিতে জগ্নশাস্ত সূত্র ক্রমণ্ট সূত্র
	<b>~</b> 9

		•		•	भीद्र ।	कि २००, ठेकि वर्षम्छ कि जे घूरे नछ।	r
•	•	गञ्जरा ह्रवि ७ दलश्रेत्वक	1 5	হরণ করণের ও দাদত্ত্বের ও বলপূর্বক শম করাইবার কথা	'বুর ও বলপূর্বক শ্র	দ করাইবার কথা।	•
ຄ <sub>າ</sub> ຄຸ	মন্বসূচুরি করণ	ওয়ারন্ট বিনা ধুড করিভে পারে।	ও মারণ্ট	হাজিরজায়িন লওয়া রকা যাইবে না।	त्रका कन्ना याहेए भारत्रमा।	৭ বৎসর প্ <sup>ধ্যস্ত</sup> কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ভ।	সেশন আদালত কিয়া প্রেসিডেপী মাজিফ্টেট কিয়া
8	ব্ধ করণাৰ্থে মহ্ম্য্য চুরি কি হ্রণক্রণ	<b>∕8</b> g	<b>∕</b> ⊌	<b>^</b>	ঞ্	যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ কি ১০ বৎসর পর্যান্ত কঠিন পরিশ্রম সহিত কারাদণ্ড	ক্ৰেট। সেশন আদলিত।
<b>a</b> 3.0	কোন ব্যক্তিকে গোপনে ও অন্যায়মতে বন্ধ রাখিবার জন্যে তাহাকে চুরি কি হবল করন।	প্র	G,	<b>^6</b> j	*ড়া	ও অৰ্পদ্ভ। ৭ বংসর প্ৰ্যুক্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদ্ভ ও অৰ্পদ্ভ।	প্ত
<b>\$</b> 30	কোন শ্বীর বিবাহ দেওন কি পুরুষের সঙ্গে অবিধিমতে সংসগি করান প্রভ্- ভির জনো ভাহাকেচার কি হবল করণ	<b>*</b>	<b>^</b> G	<b>*</b>	প্ত	১° বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও বর্পদণ্ড।	<b>্</b> জ
P 3.0	কোন ব্যক্তিকে গুৰুতর পাড়াদিবার কি দাস প্রভৃতি করিবার জন্যে ডাহাকে মরি কি হরন করন।	<b>.^6</b> J	<b>~</b>	<b>^9</b>	ণ্ড	<b>∕9</b>	• ⁄ <del>g</del>
730	א אַמַ	<i>ক</i> কু	^ <b>5</b> ∕ <b>6</b>	<i>*</i> 9 <i>*</i> 9	<b>A</b>		প্ত
•	ভাহাকে চুরি কি হরণ করণ। কোম ব্যক্তিকে দাসস্থন্ধপে ক্রয় কি হন্তা- স্তর করণ।	ওয়ার্ড বিলা গুড ক্রিবে ল	ग ∕ <b>च</b>	্র হাজিরজামিন লওয়া মাইতে পারে।	<b>9</b>	৭ বংসর প্যাস্ত কোন এক একারের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ। এ	<b>े</b> च अं

^	. ~	9	œ	¥	s	r	<b>A</b>
ब	জ্ঞাবাধ	ट्गामीम अरावन रिका इंड कविट्ड भारव कि नः।	সামান্যতঃ প্রথমে এয়বৈট কি সম্ন দিতে হয়	হাজিবজামিন লওয়। যাইতে গাবেকি না।	तक क्या याहेट्ड भारद किसा।	ভাৰতৰপ্ৰে দঙ্বিধিব আহিনম্ভ দঙ্	যে আদানতের বিচাধ্য।
2 6 9	দাসদিগকে লইয়া নিত্য ব্যবসায় করণ	ওয়ারক্ট বিশা ধৃত করিতে পারে।	ওয়ার <b>উ</b> ···	হাজিরজামিন লওয়া যাইবে না।	রকা করা যাইতে পারে না।	যাবজ্জীবন দীপাস্তর প্রেরণ কি ১০ বৎ- সর পুর্যাক্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থদিভ।	সেশান আদলিও।
~ ~ 5	ব্যভিচার প্রভৃতির জ্বন্যে বালিকাকে বিক্রম করণ কি ভাজা দেওন।	<b>∕9</b>	<b>্</b> ড্য	<b>%</b> 5	T	১০ বংসর প্রান্ত কোন এক প্রকারের কারাল্ড ও অর্থন্ড।	तमने वामांन्ड किश्वा ध्विमिष्डभी याखिखें किश्वा खश्य खिनीत्र याखि-
949	সেই কাৰ্ষ্যে নিমিতে বালিকাকে কয় করুণ কি প্ৰাপ্ত ভৱন।	<b>1</b> 9	<b>∕</b> € <del>J</del>	প্ত	প্ত	*জু	^লু
8 8	বেআইনীয়তে বলপূৰ্বক পরিশ্রাম করান্তন।	<b>-@</b>	ઉપ	হাজিরজামিন লওয়া যাইতেপারে।	রকা করা যাইতে পারে।	১ বংশর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থন্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	কোন শাজিকেটা
				বলাংকারের কথা	ا راه		
9 F D	নৃসাৎকার করণ. কোন লোকের আপান ন্ধীর সহিত সংস্থের হল।	ওয়ার উবিভা প্রক করিবে ন	भग्न	হাজিরজামিন লওয়া রকা করা যাইতে পারে ৷ পারে না	त्रका कड़ा शाहरू शास्त्र ना ।	যাবজ্জীবন দীপাজ্জর প্রেরণকি ১০ বংসর পুর্যুক্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ঞ।	সেখন আদিলিও ৷
	জ্ঞা কৈশি স্থলে	ই বিশা করিতে ।	ওয়ার <b>্</b> ট	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইবে না।	*জ	<b>~9</b> g	•9

অস্থাভাবিক অভিগমনের কথা।

		প্রসারক। বনা ধৃত করিডে পারে।		্ স্থাপ্ত জান্মৰ সংক্ৰে যাক্তিৰ ৰা ্	भूका कुशा वास्त्र भूतिय मा	যাবজ্ঞাবল ধাশাজ্ঞ শ্রেরণাক ১০ ব্যস্থ সেশান আদালভ প্রিস্ত কোন এক প্রকারের কারাদঙ ও অর্থদঙ।	সেমন আদানত
		2	मशुक्ता व्य	১৭ স্থ্যুদ্শ অধাষ্ট্র।—সম্পত্তির উপর অপরাধের বিধি চৌর্বোর কথা।	পর জপরাধের বিধি		
	तर्वा	ওয়ার <b>উ</b> বিশা ধুত করিতে	ওয়ারউ	হাজিরজামিন লওয়া যাইহে না ।	त्रका कन्ना घाइट शाद ना।	ও বৎসর পৃথ্যস্ত কোন এক প্রকারের কারাদভ কি অর্থদ্ভ কি ঐ চ্কু দও।	কোন মাজিষ্টে।
ږ	गृष्ट कि छात्रुएड कि त्नोकामिष्ड होर्या	भारत क	<i>^</i> ব্য	'ब्र	^ড়	৭ বংসর পাঠ্যন্ত কোন এক প্রাকারের কারাদণ্ড ও অধদণ্ড।	*
	কেরাণী কি চাকরু ছারা করার কি প্রভূর অধিকারস্থ সম্পান্তির চে <sup>†</sup> য্য ।	<b>^</b> 57	<b>^9</b> j	<b>4</b> 5	<b>5</b>	€	সেশন আদালত কিয়া গোসভেনী
	চুরি করণাথে কিয়া ভাহা করিবার পরে পলায়নাথে কিয়া অপফুত সম্পাত্তি রাঘিবার জন্য পাণনাশ করিবার কি পীড়া দিবার কি অবরোধ করিবার কিয়া শোলানাশের কি পীড়ার কি অব- রোধের আশক্তা জমাইবার উদ্যোগ	<b>∕</b> ⊌	<b>9</b>	<b>^9</b> y	<b>™</b>	১ - বৎসর পর্যন্ত কঠিন পরিশ্রম সহিড ক,রাদণ্ড ও অর্থদন্ত।	মাজিকেট কিছা প্ৰথম কি দিঙীয় শ্ৰেণীর মাজিক্টেট। সেশন আদালত।

	্নেট্টাস এখাবন্ট নিমা খুত কৰিতে পাৱে কি না	88 माराज डा श्रीस्था हरायहों कि माज	। হাছিবজামিন ন এয়া যাইতে গাবে কি লা।	ও বফা কৰা ঘটিতে পাৰে কিলা।	ণ ভে'বতবঢ়েৰৰ দণ্ডবিধিৰ আইনমত দণ্ড।	৮ ८४ व्यापनिटङ्क विठाशि।
:	ওয়ারজী বিনা ওয়ারজী হুড ক'রবে না।	্ত্র প্রাপ্ত বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্র	হাজিরজামিন লওয়া রকা করা যাইডে পারে। পারে না	द्रका कन्ना शहेर उ	ও হৎসর প্যিক্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্পদ্ভ কিষ্য প্রেষ্ট্র দ্ভ।	तम्बन्न जामानाङ किश्वा ट्यामिट ज्यो गार्कि- ट्येट कि श्वथ्य कि ब्रिटीय ट्योनीत
জপুহরণ করিবার নিমিত্তে কোন বাভির সামি করিরার ভয় জুমাওন কি জুমাই-	æj	<b>©</b> J	<b>~</b> 5	<b>∕©</b> j	২ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অধিদণ্ড কিছা ঐ ঘুই দণ্ড	<b>্</b> ড
বার উদ্যোগ করণ। শ্রীনাশের কি ন্তুক্তর পীড়ার ভয়	প্ত	<del>%</del>	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইবে না।	<b>~</b> 5j	১° ব্ৎসর প্র্যুক্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্ড।	সেশন আদালত।
অপাৰ্য। শাংসা শুমুল। অপাৰ্য করণাৰ্থে কোম ব্যক্তির প্রাণনা- শেব কি শুক্তর,পাড়ার ভয় জন্ম।ওন কি জুমাইবার উদ্যোগ করণ।	<b>√9</b>	<b>ভ</b>	<b>1</b> 5	<b>~</b>	৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পদ্ড।	- ^ন্ট্য
শাণদণ্ডের কি যাবজ্জীবন দ্বীপান্তির প্রেরণ দণ্ডের কি ১০ বংসর পর্যান্ত কারা- ভর যোগ্য অপরাধের অ্জিয়োগ করিবার ভয় দশ্হিয়া অপহরণ করণ।	<b>^9</b>	<b>*</b>	হাক্তিবজাঘিন ল ওয়া হাইতে পারে।	<b>્</b> કા	১০ ৰ্থসর প্রিস্তু কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।	<b>्म</b>
যে অপুরাধের ভয় দেখান হয় তাহা অথা- ভাবিক অভিগ্মনাপ্রাধ হইলে।	14	<b>^9</b> J	<b>∕6</b> j	<b>-8</b> j	যবিজীবন ধীপান্তর প্রেরণ দও	<b>*</b>

<b>.</b>	. %		সশন অ্যাদাসত কিষ প্রেসিডেন্দী মাজিক্টেট কিয়া ) প্রথম শ্রেদীর ১	j ~g ~g	निवा यामान्छ किवा त्यमित्छभी माखिरक्रेष्टे किवा यथम त्यानोत्र	সেশ্ব অপিলিও।
১০ ব্ৎসর পর্যন্তে কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অধদণ্ড।	যাবজীবন দ্বীপান্তর প্রেরণ দণ্ড		১০ বংশর পর্যান্ত কঠিন পরিশান সহিত সেশান কারাদও ও অর্থনও। মাজি	১৪ ২ৎসর পরিজ্ঞ কঠিন পরিভাষ সহিত কারাদন্ত ও অর্থনন্ত। ৭ ২ৎসর পরিক্স কঠিন পরিভাষ সহিত কারাদন্ত ও অর্থন্ত।	ধরণ কি ১০ বৎ- ে ভাষ সহিত কারা-	প্ৰাণ্ড কি হাবজ্ঞীবন স্বাণান্ত্ৰ প্ৰেহন- দণ্ড কি ১০ বংশের প্ৰ্যুন্ত কঠিন পাব্ধ- শ্ৰম সহিত কাহাদণ্ড ও অৰ্পন্ও।
~ ~	ल •	িকথা।	রকা করা ঘাইতে ১ পারে না।		₩ <b>/G</b> j	<b>्</b> ज <b>च</b> ज
^পু	<b>~</b> 9g	দুষ্যতা ও ডাকহিতির কথা	হ'জিরজামিন লওয়া যাইবে না।	^জু ^জু	<b>*</b> 5	শু শু
<u>ن</u>	<b>-</b> জু		ও শার্ম কি	<b>^6</b> g <b>∕6</b> g ∕	<b>े</b>	^জু ^জু
<b>•</b>	*ড়		ति । ब्रिट	ন কু	<b>√6</b> 9	শু শু
অপিহরণ করণীথে কোন ব্যক্তির প্রাণ- দণ্ডের কি যাবজ্জীবন দ্বীপান্তর প্রেন্ধ। কি ১০ বংসর পর্যন্ত কারাদণ্ডেব যোগ্য কপিরাধের অভিযোগ করিবার ভয়	জ্মাতিন। সেই অপরাধ অস্বাভাবিক অভিগমনা- প্রাধ হইলে।			স্থাতি হওনাম্থ ডদয় হওন প্যান্ত কৌন কালের মধ্যে রাজপ্থে দফ্যতা হইলে। দফ্যতা করণের উদ্যোগ	দস্থাতা করণে কি কারবার ডেদ্যোগে কোন ব্যক্তি কর্কি ইচ্ছাপুর্কক পীড়া জন্মাওন কিয়া সেই দস্যভার কার্য্যে সংস্কা- ভাবে অনা ব্যক্তির লিপ্ত হওন।	ডাকাইতী ডাকাইতী করণ সম্য়ে জনৈকত বধ
4	THE RESERVE AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND ADDRESS AND AD		~ A 9	9 ·	α /4 /5	+ A 4 A 9 9

	~	9	œ	•	ŋ	r	4
414	ক্ষাপ্ৰাধ	्रभानीम अन्नायक रिमा क्षुंक कर्वरङ भारव कि मा	সামান্যতঃ প্রথমে ভেষাবন্ট বা সমন দিতে হয়।	গুকিবজামিল ল ওয়া য'উতে পাৰে কি না।	বফা কব' যাইডে পাবে কিলা।	क:ब्रुट्ट्रह्ट <b>प्र⊛</b> विधित काहेनम्छ <b>म्</b> ७।	যে আদলতেৰ বিচাৰ্য।
5	হভারে কি শুক্তর পীড়ার উদ্যোগ ওয়ারক বিনা সন্থিত দহাতা কি ভাকাইতী। প্রকারত।	ওয়াবন্ট বিনা ধুত করিডে পারে।	ওয়ারণ্ট	হাজির জামিন ল ওয়া ঘাইবে লা!	द्रका क्या याहेत्ड भारत मः।	অন্যৰ ৭ বংসর কঠিন পরিভায় সহিত সেশন আদালক কারাদও।	সেশন আদালঙ। ————————————————————————————————————
400	मार्षाङक बह्न मात्र थाकिल मधारा कि	<b>-9</b> y	<b>1</b> 97	***	*9	*9	<b>*</b> 9
	ভাকাইতি করিবার উদ্যোগ করণ। ভাকাইতী করিবার উদ্যোগ করণ	75	<b>^5</b> J	*9	পু	১ ৷ বংসর পর্যন্ত কঠিন পরিশ্রম সহিত	<b>*</b> 9
• •	নিয়ত ভাকাইতি করণাধ দলবন্ধ বাজি- দের দল হতা হতান।	<b>4</b>	•	<b>~</b> 5	<b>√</b> 6-	কারাদণ্ড ও অবদন্ত। যাবজ্জীবন দীপান্তির প্রেরণ কি ১০ বৎ- সর কঠিন পরিশ্রম সহিত কারাদণ্ড ও	<b>^</b> 9
÷	নিয়ত চুরি করণার দলবন্ধ ভ্যণক্রী	<b>~</b> §	∕•ু	প্য	<b>6</b>	कर्गन्छ। ९ वरमन्न श्रमुख किंकिन शिवस्था महिङ	45
· 00	ব্যজন্তের দলভুক্ত হওন। ডাকাইতি করণার্থ পীচ কি ডদধিক ব্যক্তি	<b>4</b>	<b>1</b> 9	<b>4</b>	<b>~</b> 9	कादामिछ छ जर्मम्खा	<b>1</b> 97
	একএ হইলে ভাছার মধ্যে থাকন।						

জ্পরাধভাবে সম্পতির অ্বিহিত বাবহার করনের কথা।

					THE REPORT OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF				-		
০৩ অস্থাৰৰ প্ৰব্য শঠভাক্ৰমে অবিহিত্তৰণে ওয়াৰত বিনা ওয়াৰক কি শীয় কৰ্মে ব্যবহার কৰণ। ধৃত করিবে	ওয়ারন্ট বিনা ধুড করিবে	ওমারক	ः <b>राष्ट्रियः</b>	হাজিবজামিন লওয়া হাইতে পারে।	द्रका कन्ना घाहेर७ शीरत्र ना	ং বংসর প্রাক্ত কোন এক প্রকারের কোন মাজিফৌ কারাদণ্ড কিয়া অর্থদণ্ড কি ঐ চুই দণ্ড।	কোন এ ম্পদ্ভ কি	কি প্ৰকাৰে প্ৰস্থান	43 - 84 - 84	न माजिए	- 22
-	_ ज										
•	_										•

5	<del></del>
	ওয়ারক্ট বিনা ধুন্ত করিভে পারে। জ
	<b>্</b> ভ
	-প্ৰ .

চোরা দ্ব্য গ্রহণ ক্রিবার ক্থা।

i	) 由型型子 <sup>3</sup> 1	2 <i>6</i> 5 )		
৮ যে জাদীলডের বিচার্ছ্য	নশ্ন আদালভ কিছা এেসিডেন্দ্রী মাজিটেট কিছা এথম কি ছিতীয় ভেগ্য কি ছাজীয়	9	<b>~</b>	智用 经1为768 各 属
य कानाम	(मन्त्र) किश्वा (श्री माक्षित्वेष्ठे ध्रुश्य कि (ख्रोडे)	শেসন আ		(स्का किया (खाँ माखिएके है खब्म कि
৭ ভাৰত ংূৰ্যৰ দণ্ড'ৰ্থিৰ আইনমতে দণ্ড।	ও বংসর পর্যন্ত কোম এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থনণ্ড কি ঐ হুই দণ্ড।	যাব জ্জীবন স্থীপান্তর প্রেরণ কি ১০ বং- শেসন আদাসত। সর পর্যান্ত কঠিন পরিভাম সহিত কারাদণ্ড ও অর্পন্ড।	যাবজ্জীবন দীপাস্তর প্রেরণ কি ১০ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও সর্পদণ্ড।	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক আবকারের কারাদও কিয়া অর্থদও কি ঐ মুক্ট দঙ।
ক বৃহা কৰা যাইতে পাৰে কিলা।	त्रका कन्ना माहेए शास्त्र मा	<b>®</b>	<b>1</b> 9	<b>े</b> च
ह शक्रिकामिन अस्या यादेख्य भारत कि मा	शिष्टितका । यहित्व मा ।	' <del>S</del> J	*ড়	^জু
8 সামান্যক্ত: <b>গু</b> খংমে ও্যাবণ্ট বা সমস দিতে হয়।	;	· <b>%</b>	<b>∕9</b>	<b>^</b>
০ পোলীস ওথাবট নিনা ধুক্ত কবিডে প্ৰেৰ কি না	ওয়ারন্ট দিন। ধুড ক্রিভে পারে।	T	<b>~9</b> 7	∕9
8 1 1 1 1	চোরা দ্রব্য চোরা জানিরা শঠতাভাবে এয়ারক দিনা এয়ারক গ্রহণ। পারে।	চোরা স্বর ভাকাইতীধারা প্রাপ্ত জ্ঞানিয়। শঠতাভাবে এহণ।	চোরা দ্ব্য লইয়া নিয়ভ ব্যব্সায় করণ	চোরা অব্য চোরা জ্বালিয়া গোপান কি হস্তান্তর করণের সাহায্য করণ।
, E	200	~ ~	5 ,	œ .

_
-
ल
C
V.
ভ
3
٧
7-
16
문
V

	-৪১৭ ব্ধুনা ক্রল	ওয়ারক বিনা ধৃত করিতে পারে।	ওয়ারউ	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে।	রকা করা যাছতে পাবে না।	হাজিরজামিন লওয়া রকা করা যাছতে ১বংসর প্রান্ত কোন এক প্রকারের প্রোন্ডেস্থা ব্যাক্ষ যাইতে পারে। পারে না। কারাদ্ভ কিয়া অর্প্ড কি এ চুই দ্ভ। ফ্রেট কিয়া শ্রেক্য হাইতে পারে। কিছিভীয় শ্রেক্সী	্ৰোগ্ডেম। ব্যাক্ ফ্ৰেট কিছা প্ৰথম কি দিঙীয় শ্ৰেণীয যাজিফেট।
· &	্ অপরাধী আছিলমতে কি আছিলসিদ্ধ চুক্তিক্লমে যাহার স্থাধ রক্ষা করিতে বদ্ধ তাহাকে,ব্ধণনা করণ।	<b>*</b> 9 	<b>'</b> <del>9</del>	″ড়	<b>€</b>	ও বংসর পার্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিয়া অর্পণ্ড কি ঐ গুই দণ্ড।	সেশন অদিলিত কিয়া লেসিডেশী মাজিফ্টেট কিয়া এথ্য কি ষিতীয় ভেশীর মাজিফেট্টা
Ø 00 00 00	ছ্দ্মবেশ ধ্রিয়া'বঞ্চনা করণ বঞ্চনা ক্রিয়া শঠতাক্রমে সম্পাত্তি দেওয়াইবার বা যুল্যবান নিদর্শনপ্র	<i>'</i> ज <i>'</i> ज	ূৰ পুৰ -	<b>^6</b> y <b>^</b> 6y	^g	ঞ্ ৭ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের সেশন জাদালভ কিয়া কোরাদ্ভ ও অর্থন্ত।  স্ক্রোদ্ভ ও অর্থন্ত।  স্ক্রোদ্ভ ও অর্থন্ত।	প্ৰ দেশন আদালত কিয়া প্ৰেসিডেন্দী মাজি- ফ্ৰেট কিয়া এথম <u>শে</u> ণীর মাজিফেট।

	- 4841 - 1841 -
	A(°) A
	হন্তান্তর করণের
	3
	المعارق
	9
	(মু জ
	দুসীল প্ৰস্তুত ও সম্পতি হ
-	
	প্ৰভাৱণাভাবে
- 1	زي

(शिमिएडजी) याजि- (क्रेडे किथी श्रपम कि षिडीय (ज्येणीय	मिष्टिको ।	
तका कता हाहेट २ वरमत भयां ख कांच धक धकारतत (धिमरूष्य) यां कि- भारत जा। कात्रामध किया जर्षमध कि धे शहे मध। कि विधि प्र स्थि	<b>^§</b> y	
त्रका कन्ना घाहेए । भारत्र ना	∕खु	
হাজিরজামিন সওয়। যাইতে পারে।	∕ख	
ওয়ারন্ট	∕खु	
ওয়ারন্ট বিন। ধুড করিবে	_ <sup>^©</sup> हि	
৪২১ উত্তমন্দের মধ্যে সম্পত্তির বিভাগ না ওয়ারন্ট বিনা ওয়ারন্ট হয় এই নিমিতে প্রভারণাক্রমে ভাহা ধ্রড করিবে	গোপন কি হন্তান্তর করণ। ৪২২ অপরাধীর পাওনা অধবা দাওয়ার টাকা ভাহার উত্তযরেরা না পায় প্রতারণা-	श्क्रक व्याउँ कर्षा कडान
\$ 8 \$ 8	<b>√</b> <b>∞</b> ∞	

1	Nov.	त्यामाएकम्। माकि- त्येष्टे किया यथम् कि विजीत त्यानीत	(\$) (\$) (\$) (\$) (\$) (\$) (\$) (\$) (\$) (\$)			কোৰ মাজিক্টেট	(समिर्डनी माफि- द्केट किया सभ्य कि किडीम त्यनीतः	4
ী ভীৰতবৰ্ষেৰ সন্ধৰ্মিৰ <b>আছি</b> নমত সন্ধ		ং ৰৎসৱ প্ৰাজ্ভ কোন এক প্ৰকারের কারাদণ্ড কিয়া অৰ্পদ্ভ কি এ গুই দণ্ড।	<b>^6</b> y			হাজিরজামিন সওয়া কেবল সামান্য কোন ও মাস পর্যন্ত কোন এক প্রকারের মাইতে পারে। ব্যক্তির ফাতি কি কারাদঙ্গ কিয়া অর্পন্ত কি জুই দঙ্গ। হানি করা গোলে রকা করা যাইতে	ং বংগর প্রিস্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কিষা অর্পদ্ভ কি ঐ চ্ট্র দ্ভ।	<b>*</b> 9
্ট রক্ষা করা যাইতে পারে কিলা	7	तका कन्ना याहरू भीरत्र मा।	∕9		- <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del> <del>-</del>	কেবল সামান্য কোন ব্যক্তির ক্ষতি কি হানি করা গেলে রকা করা যাইতে	- <b>4</b> 9	त्रका कत्रा यावेए <b>ड</b> शास्त्र मा
ট হাজিবজাঘিন ল ওলু। যাইতে পাৰে ভি.লা।		ং। জগজাম্ম ল ওয়া যাইতে পারে।	^ভূ		क्षकारित्र कथा	হাজিরজামিন সওয়া যাইতে পারে।	<b>49</b>	**************************************
৪ সামান্যত: এখনে ওয়াব্ট বা সমন	िट व्य	:: ***********************************	<b>^y</b>			···	उप्तांबर्जे	<u> </u>
্ণালীস ওয়ারক থেনা ধৃত ক্বিভে			<b>~</b> 9			ওমারকী বিনা গ্রুত করিবে না।	<b>^</b> 59	ওমারকী বিনা গ্রন্ড করিভে পারে।
জু জু জু	ग्रामाः होको श्रोकारिक प्यह्मार्थकाल जन्म	পুত্ৰ এমত কোন হন্তান্ত্ৰক্ৰণাত্ৰ প্ৰতারণাপুষ্ক সম্পাদন করণ।	শুভারণাক্রমে স্বীয় কি পরের সম্পাত্তি স্থানাস্কর কি গোপন করণ কি ভাহা করিডে সাহায্য করণ কি যে বিষয়ের	দাবী বা দাওয়া করিবার অধিকার থাকে শঠতারুয়ে তাগি করণ		শ্ৰপ্ৰাৱ কর্ণ	জপকার করিয়া ৫০ টাকা কি ডগরিক জপচয় করণ।	১০ টাকা কি ডদধিক মূলোর কোন জন্তকে হত্যা করিয়া কি বিষ খাওয়া- ইয়া কি অক্সহীন কি অকর্ম্বা করিয়া অপকার করন।
· F	2		00 20 00			∌ ~ ∞	€ •	<u>)</u>

			( 2	<b>66</b> )		
तम्मन जानान्छ किश्वाद्धिरम्भि याखिरके किश्वा द्यय कि विधिय द्यमेत याखि-	<b>*</b>	<b>∕9</b>	. <b>19</b> 5	সেশন আদালভ ৷	ट्यामाएएकी गाकि- ट्येडे किथा श्रम कि विधिम्न ट्रिकीन	त्रमंग यामान्त ।
৫ বংসর প্যান্ত কোন এক একারের কারাদণ্ড কিয়া অর্পদ্ভ কি এ ফুই দণ্ড।	<b>*</b> 9	^কু	৫ বংসর পর্য্যন্ত কোন এক প্রকারের	কারাদ্ভ ও অধ্পদ্ভ কি এ মুহ্ দ্ভ। ৭ বংসর প্যিত্ত কোন এক একারের কারাদ্ভ কি অধ্দ্ভ কি এ চুহ্ দ্ভ।	১ বংশর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কি এ চুই দভ।	৭ বংসর পর্যান্ত কোম এক অকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।
উ	<b>^</b>	<b>^8</b> y	^95	<b>~</b>	<b>^9</b>	<b>∕</b> 9
<del>े</del>	<b>~</b>	<b>%</b>	A	<b>9 9</b>	<b>-%</b>	<b>~6</b> y
· •	∕ <del>©</del> j	<b>∕</b> 5j	J	<b>উ</b>	*	<b>19</b>
§ •	<b>∕</b> 9	<i>*</i> ডু		<b>~</b> √6j	ওয়ারণ্ট বিনা গুড করিবে না।	ওয়ার <b>ন্ট</b> বিনা ধৃত করিতে পারে।
হলার কি ভ্রের কি ঘোড়া প্রভাতর যে  যুল্য হউক ভাহাকে কি e biকা কি ভদাধিক যুল্যের অন্য জান্তুকে হভা। করিয়া কি বিষ শাওয়াইয়া কি অজ- হীন কি অকর্মণ্য করিয়া অপাকার	জনব্রাসকরণদারা কৃষিকর্ম প্রভৃতির অপকাস করন।	বাজাৰ কি শীকে। কি নোকাদির গ্ৰানো- পমুক্ত নদী-বা জ্লপ্থের হানি করিয়া ভাহা গ্ৰনাগ্যনের অ্যোগ্যক্রণ ছারা	বা ধ্ৰুণাদি চালানের ব্যাঘাত করণ হার। অপকার করণ।	ব্ৰুয়া কুরাছিয়া কি বাজকায় নুরদয়া অব্রোধ কুরাছিয়া অপচয় সহিত অপকার করণ। দীপ গৃহ কি সমুদ্রে জুলের নিশানী নউ কি সমুদ্রে কুলের নিশানী নউ		অগির ধারা কি শক করিয়া জুলিয়া উঠে এমত দ্রব্যের ধারা ১০০, কি ভদধিক টাকা পার্যন্ত কিষা ক্ষমিজাত দ্ব্য হইলে ১০, কি ভদধিক টাকা পার্যন্ত ক্ষতি করিবার কভিশায়ে অপাকার করণ।
<i>?</i> ∞	, 9	S 9 8		9 9 9 8	& 9 20	ž

		1				
۵	रम आमामाटात्र निहाई।।	সেশন আফানত	49	<del>*9</del>	<b>*</b>	<b>^</b>
•	ভারতবর্ধের দ্ওবিধির আহিনম্ভ দণ্ড।	যাবজ্জীবন দ্বীপাস্ত্তর প্রেরণ কি ১০ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও	অৰ্গদ্ভ। ১০ বংসর প্ৰয়ন্ত কোন এক প্ৰকাবের কারাদ্ভ ও অৰ্গদ্ভ।	যাবজ্জীবন দ্বীপাশুর প্রেরণ কি ১০ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাগণ্ড ও	অধ্যন্ত। ১০ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের	ক্ষাণ্ড ও অ্বন্ত। ৫ ব্ৰস্ত পৰ্য্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদ্ভ ও অ্বন্ত।
Ð	বন্ধা করা ঘাইতে পারে ফিনা।	त्रका कन्ना घाहेट ज शीरत्र मा	∕e <sub>J</sub>	Ŋ	<b>1</b> 9	<b>^</b>
8	হাভিত্তজামিদ লওয়া যাইতে শারে কি ন'।	शिष्टिद्रष्टायिन न ७ श्रां विहास विहास विहास	^জু	<b>19</b>	<b>^9</b>	<b>^</b>
<b>6</b> 0	मायानाडः श्रथाय अन्नायके या भयम मिट्ड स्प्र	ওমারক্ট	<b>~</b> 9	<b>∕9</b>	<b>~</b>	<b>~</b> 9
9	ल्मिलीम अधावके माथामाङ: श्रक्षाय विमा क्षक कवित्र अद्भावके वा मधम भारत कि मां। फिछ रहा।	ওয়ারকী বিনা ধুড করিডে	<b>₹</b>	<b>4</b>	<b>9</b>	<b>1</b> 95
~	अन्तिष्	৪৩৬ <sup>মু</sup> র অভ্নিত নস্ক করিবার অভিশাসে ওয়াবন্ট বিনা ওয়ারন্ট অগ্নির কি শক্ত করিয়া জ্লিয়া উঠে ধুড করিডে এয়ত দ্রোর দ্বারা অপকার করণ।	তুউকুমুক্ত কি ং॰ টৰ বোৰাইধারি নোকাদি নই কি বিন্যুক্তনক করিবার অভিপ্রায়ে অপকার কর্ণ।	অগ্রির কি শব্দ করিয়া ক্সলিয়া উঠে এমত স্তব্যের ধারা পূর্ব্ধ ধারার লিখিত জপকার করণ।	চৌৰ্যাদি করিবার অভিপ্রায় নৌকাদি চড়ায় কি ভাক্কায় ঠেকাওন।	व्याननारणंद्र कि भीज़ व्यक्षि क्याह्वात উদ্যোগ क्रिया!ष्रभकात स्त्रम्।
^	# Kd		5° 9	<u>)</u> 20 80	? 2 8	° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° °

অপর।ধভাবে অনধিকার প্রবেশ বরণের কথা।

688	ष्मित्राश्वकार्व षम्मिकात्र श्रात्म	:	9	मधन	शिकदकायिन न उज्ञा दका कदा	का कदा शहेर	যাইতে ৬ মাস পৰ্যান্ত কোন এক একারের কারা-	a Piferak
•			धुक कविएक		शहरु भारत।	भारत ।	मछ किया ६००, होका जनमध कि छ	
			शास्त्र ।				1000年 1000	
œ œ	প্ৰসূহে অন্যধকার প্ৰৰেশ	:	^97	ওমারক	<b>1 9 9</b>	<b>4</b>	) वयमत भराख को अब अक अकारतत	<b>~</b>
							काबाम् किया ३०००, केंका अर्थम्	
6			,				कि अ पूर्व मछ।	
<b>20</b>	क्रायुक एका	वर्ग्या	9	<b>(</b>	হাজিরজামিন লওয়া রকা করা ঘাইতে	न कन्ना याहरड	योवक्कीयन बीमास्त त्थ्रम कि ३० रमना सामान्	ा कामिन्छ।
	कत्ना भैवश्रह	<b>अन्यक्षिका</b> त			शहरव मा	शोरब मा	वरमत श्रीह्म किंग शहिता शहिता महित	•
	Cont.						1.94	

		এক প্রকারের কেনি মাজিক্টে	এক প্রকারের এক প্রকারের	এক প্ৰকাৰের এক প্ৰকাৰের ১	अक टाकारतत त्कान माजिएको । अक टाकारतत तमन पामान उन्हें विका पामान के विका पामान के विका पामान के विका पामान के विका पामान के विका पामान के विका पामान के विका पामान के विका पामान के विका पामान कि विका पामान कि विका पामान कि विका पामान कि विका पामान कि विका पामान कि विका पामान कि विका पामान कि विका पामान कि विका पामान कि विका पामान कि विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका प्राप्त के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका के विका क	এক প্রকারের বিধ্ব প্রকারের বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বিধ্ব বি
	এক প্রকারের		এক প্ৰকাৱের ব	এক <u>একারের</u> ১	এক এক এক এক এক এক এক এক এক এক এক এক এক এ	ভক্ প্ৰকারের । এক প্রকারের । এক প্রকারের স্থি
এক প্ৰকাৱের		এক প্রকারের		<b>∕</b> •	ক ক ক ক	এক শুকারের
ং বৎসর পরিন্তু কোন কাবাদণ্ড ও অর্থন্ড। ৭ বৎসর পরিন্তু কোন	रिमद श्रीहरू त्कान	ক্রিয়াদতে তে অধদতে ।		<b>~</b>	क्रे र वस्मद भ्रमुख क्वाम कांत्रामक उ व्यव्मछ।	र बस्मत भर्मास क्वां कांत्रामध उ वर्षम्छ। उ बस्मत भर्मास क्वां
१ वस्त्रव कार्याम् १ वस्त्रव कोद्यामि	৭ বৎসর ক্যরাদ্ধ				१ वहमत्र कांत्रोमिछ	४ वस्मत्र कार्तामध्य
^জ ^জ	~ <del>§</del>		<b>*</b>		<b>~</b> 9	<b>^6</b> j <b>∕6</b> j
ঙ্গামিন ল ওয়া ভ পারে। ঙ্গমিন ল ওয়া	প্যায়ৰ লওমা । বা ।		^9	<b>~</b> 5		- <b>©</b>
হাজিরজায়িন ল ওয়া যাইতে পারে। হাজিরজায়িন লওয়া যাইবে না।	হাজিরজামন ল ঘাইবে না	*9		<b>€</b>		<b>∕9</b>
^g ^g	ষ		<b>*</b> 9	পু		J
<b>~</b> €7	4	म	<b>∕</b> 9j	<b>∕9</b>		•
`	9 B de .		আক্ৰমণ প্ৰভৃতি না প্ৰগৃহে অন-	निधिकात खादन		প্ৰাধ কৰণাৰ্ছে অন্ধিকাত প্ৰেক্
जब्दिकां अदिवन्।	কার।দঙ্কের উপযুক্ত অপুরা। পুরস্থুছে অনুষিকার প্রবেশ। চরি রজনাগুগু মহনে		় পীড়া জন্মাইবার কি আক্রমণ পভ্চতি করিবার উদ্যোগ করিয়া পরগৃহে অন- ধিকার প্রবেশ।	मुक्रोतिष्कारो श्वार व्यनिष्कात थात्र । किष्ठा शृहास्त्र कत्र ।		কারাদভের উপস্ত অপ্রাধ করণার্থে নুক্মাসিডরণে প্রগ্হে অন্ধিকার প্রেক্শ কিয়া গ্ছভেদ করণ।
	, <del>v</del>	,	**************************************	9 e o		00

•	in	<b>9</b>	œ	੪	ş	r	٨
E .	- F. I. I. I. I. I. I. I. I. I. I. I. I. I.	পোনীস ওয়ারউ বিনা যুত করিতে গারে কি না।	নামান্যভঃ প্রথমে ওয়ার <b>ই</b> বা দমন দিতে হয়।	হাতিবজামিন লওগ্রা ঘাইতে পারে কি না।	ন্ধকা করা ঘাইতে পাচের পারে কি না।	ভারতবর্ষের দণ্ডবিষিধাুআইনমন্ত দণ্ড।•	ৰে আদালতের বিচাই।।
*	পীড়া জন্মাছবার কি আক্রমণ প্রভৃতি করিবার উদ্যোগ করিয়া লুক্কারিডরণে পরগৃহে অন্ধিকার প্রবেশ কিছা গৃহ- ভেদ করণ।	ওয়াবন্ট বিনা ধুড করিডে পারে।	अप्राद <b>्</b> 	হাজিবজামিন লওয়া ঘাইবে না।	त्रका कडा याहेए शीरत ना।	১০ বংসর প্র্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	तम्बन व्यामान्ड किश्वा त्यांत्रिएङम् याखिक्रिङे किश्वा टाश्य त्यांनीय
9) 60 80	রাত্রিযোগে শুকারিভয়ণে প্রগৃহে অন্ধি- কার প্রেশ কিয়া গৃহভেদ করণ।	<b>~9</b> 3	<b>~</b> 9	<b>∕g</b>	<b>~</b> 9	ও কংসর পর্য্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদ্য।	तम्मत व्यामामञ्ज्ञ किश्वा त्यामिएकभौ माक्तिके किश्वा व्यक्ष्य कि बिजेन्न ट्यक्षीत्र याक्तिके
er 44 80	কারাদভের উপযুক্ত অপরাধ করণার্থে রাজিযোগে লুকারিডরপে পরগৃহে	<b>~</b> 5	9	<b>~</b> 5	*ড	<ul> <li>ৰ্ষ্পর পৃষ্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পদ্ ।</li> </ul>	*
	্ত্য ক্ষণাৰ হছলে। ক্ষা স্থতে। ক্ষল । চুৱি ক্ষণাৰ্থে হছলে। ।	<b>^9</b>	<b>1</b> 9	<b>-9</b> 5	<b>^</b> 57	১৪ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ।	<b>^9</b>
. 7	পীড়া প্রভৃতি জন্মাইবার উদ্যোগ করিয়া রাজিযোগে পুকায়িডরপে পরগৃছে অন্ধিকার প্রবেশ কি গৃহভেদ করণ।	<b>^6</b> y	<del>^g</del>	<b>~9</b> y	<b>∕6</b> g	<b>~</b> §	সেশন আদালত কিছা ধ্রেসিডেপী মাজি- ক্টেচ কিছা প্রথম শ্রেণীর মাজিক্টেচ
<b>№</b>	বুকায়িডএণে প্রসূহে অম্বিকার প্রেশ কিছা সূহভেদ করণ কালে গুৰুতর পীড়া জ্মাওন।	**	~ <del>g</del>	<b>*</b>	<b>~9</b>	যাবজ্জীবন দ্বীপাস্ত্র প্রেরণ কি ১০ বৎসর প্র্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পদ্ড।	সেশন আদানত।

*								
<b>9</b>	· ·	त्केरे किया श्रम	कि विकीश	মাজিফ্টে। সেশন আদালত কিন্তু।	त्यमिरङम्। माकि	(केंग्रे किया व्यथम	কি দ্বিতীয় জ্বেণীর	माजिएको ।
*	S SCHE STITE OF STATES (STATES) WIFE	कार्राम् किया क्षम् किया के दूर	- Ok	ও বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের	কারাদণ্ড কি অর্থদণ্ড কি ঐ গুই দঙ্			
<b>9</b>	189	г		প্ত				
<b>∕€</b> ∫	ड्रांकितकामित्र ल वहा	याहेर्ड भीरत ।		<b>~</b> 59	-	-		
∕ej	4	Ţ		^9	г			
<b>~</b>	• ^ <del>g</del>			<b>^</b>				
৪৬০ বাভিষোগে গৃহভেদ করণ প্রভৃতি দাবে যিলিড বাহিদের মধে একজন কর্ত্ত	প্ৰাণ্ডাৰ কি গুৰুত্ব পীড়া জন্মান্তৰ। ৪৬১ বন্ধ বাৰ প্ৰভিত্ত কোন সম্পতি আছে	কি থাকা অমূভব করিয়া শঠভারঘে	जाश आक्रम कि श्रमन।	৪৬২ বন্ধ বান্ধ এভতি কোন ব্যক্তির জিমায়	রাবা গোলে তাহাতে কোন সম্পাত্ত অবাচ কি পাকা অমন্তন সহিলা কং-	THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY		
• গু	8 9 2			* 9 <b>8</b>	•			

১৮ অঔদেশ অধায়ে।—দুলীল সম্প্রনিয় ও শিল্প ব্রেসায়ির কি ফামিজুমূচক চিক্ল বিষয়ক অপরাধের কথা।

₩ •9	ক্রিম কার্য	নয়ারন্ট বিনা ধুত ক্রিতে পারে।	ওয়ার্জ	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারে।	রকা করা যাইতে পারে না।	্হাজিরজামিন লওয়া রকা করা মাইতে ২ বসৎসর পথ্য ক্রেন্ত্র প্রান্তর মাইতে পারে। পারে না। কারাদ্ভ কি অর্দ্ভ কি এ ফুই দেও।	সেশ্রম জাদানত
	• 855 রাজকীয় কাৰ্যকোরকের রক্ষিত আদালত সম্পর্কীয় কোম রিকাড কিয়া জন্ম প্রভাতর রেজিউরী ক্লান্তম করে।	^ব্য	<b>*9</b>	शक्रित्रकामिन न ७हा। याहत्व न।।	<b>^</b> জু	৭ ব্ৎসত্র পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ।	<b>1</b> 97
8 9	কোন মুসাবান নিদশ্ৰপাত্ৰ কি উইস কিয়া মুল্যবান নিদশ্ৰপত্ৰ প্ৰস্তুত কি হন্তান্ত্ৰ কলনে নিমা টাকা গ্ৰন্থে ক্ষ্যতাপ্ত ক্ৰিম কৱন।	<b>^</b> 5j	<b>ॅ</b> ज .	<b>∕9</b>	<b>~9</b>	যাবজ্জীবন দীপান্তর প্রেরণ কি ১০ বৎ- সর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারা- দণ্ড ও অর্থনিন্ত।	<b>9</b>
	সেই মুস্যবাল নিদশ্লপাত্র ভারতবর্ষের গবর্গমেন্টের প্রমিস্থি নোট ছইলে।	<i>শ্</i> ব	<b>্জ</b>	 • केंग्र 	<i>°</i> ন্থ	<b>-^6y</b>	<b>*9</b>

۵	যে আদানতের বিচার্য।	(अवन कामनिड।	<b>1 9</b>	<b>^9</b>	<b>~</b> 9	<b>*</b>	<b>4</b>
r	ভাষতবৰের দ্ভবিধিব আইনমত দ্ভ ।	৭ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ও বংসর পার্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থন্ড।	ক্তিম করণের যে দণ্ড সেই দণ্ড	<b>^5</b> j	যাবজ্জীবন দ্বীপাস্ত্তর প্রেবণ কি ৭ বৎ- সর পর্যন্ত কোন এক প্রক্তিরর কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ।	৭ বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও জর্পদ্ড।
ð	दफ, कव। य;≷एड भाड़ किजाः	রকা করা যাইতে পারে না।	*ড্য	<b>^9</b> J	<b>4</b> 9	<b>~</b> g	<b>*</b> 9
¥	হাভিবজামিন লওয়া যাইতে গা <sub>ে</sub> ক ল <b>়</b>	হাজিরজামিন লওয়া যাইতে পারেনা।	হাজিরজামিন ল ওয়া যাইতে পারে।	<b>~</b> 9	<b>4</b> 9	<b>*</b> 9	^ <del>%</del> g
œ	मायानाज्ञः श्रयत्य अद्योवके या मयम मिट्ड इत्र	ওয়ার <b>উ</b> ···	<del>∕9</del> j	<b>^</b> জু	<b>^5</b> j	⁴ज	<b>*</b> 9
9	ट्मानीम डवांबर्फ रिक कुछ कविट्ड भएव कि सः।	ওয়ারন্ট বিনা ধুড করিডে প্রামে	( <del>g</del>	<b>∕</b> €J	<b>*</b>	<b>*</b>	<b>%</b>
^	क्षाणीय ? स	বঞ্জা করণাথে কুন্তিম করণ	কোন ব্যক্তির স্থাতির হানি করণার্থে কিয়া ডদভিপ্রায়ে ব্যবহার হইবে	জানিয়া কুত্রিয় করণ। কুত্রিয় দলীল জানিয়া তাহা প্রকৃত দলী-	লের মত ব্যবহার করণ। ঐ ক্লিম দলীল ভারতবর্ষের গ্রন্মেণ্টের প্রামেশির নোট হইলে।	ভারতবর্ষের দঙ্বিধির আইনের ৪৬৭ ধারামতে দঙ্বীয় জালকরণ অপরাধ করিবার মানসে মোহর কি পট্ট প্রভৃতি প্রস্তুতকরণ কি কুট্রিম করণ, কিছা কোন	্যানসে নিকটে রাখন। ভারত্বর্যের দণ্ডবিধির আইনের ৪৬৭ ধারা ভিন্ন অন্য রূপে দণ্ডনীয় জাল করণাপরাথ করিবার মানসে মোহর কি পট্ট প্রভৃতি প্রস্তুত করণ কি ক্লিমি করণ, কি ক্লিম্স্থানিসে
	- Ki	ች %	<b>6</b>	86		₹ •	* 9 *

<b>*</b>	<b>^</b>	<b>⁴</b> ज	<b>^6</b> y .	<del>^9</del>	9
•	যাবজ্জীবন দ্বাপান্তর প্রেরণ দণ্ড কি ৭ বংসর পৃষ্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	<b>G</b> y	৭ বৎসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও বর্ষদণ্ড।	যাবজ্জীবন দ্বীপান্ত্র প্রেরণদঙ্জ কি ৭ বৎ- সর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারা- দণ্ড ও অর্থদণ্ড।	<b>*9</b>
<b>~</b> 9	^ড়া	<b>^6</b> j	<b>^9</b> ÿ	कु	<b>1</b> 9
<b>*</b>	^জু	<b>4</b> 9	∕দু	<b>~</b>	<b>1</b> 9
<b>5</b>	<b>্</b> ভ	<del>*</del> 9	•	<b>€</b>	- Oy
ওয়ারট বিভা ধুড করিবে না।	<b>∕9</b> j	^জু	<b>্</b> ড	<b>े</b>	- - - T
কোন দলীল ক্বঞিয়জানিয়া অক্তডের ন্যায় ব্যব্হার ক্রণার্থে নিক্টে বাখন। ঐ দলীল ভারভবর্ধের দভ্বিধির আই- নের ৪৬৬ ধারার লিখিত অকারের হছলে।	ঞ দলীল ভাৱত্বধ্বের দ্ভবিধির আইনের ৪৬৭ ধারার লিখিত প্রকারের হছলে।	ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৪৬৭ ধারার নিক্ষিয় দলীল সিদ্ধ করণার্থে যে অঙ্কের কি চিক্তের ব্যবহার হয় তাহা ফুদ্রেয় কর্রগু কিয়া কুদ্রিয় চিক্তিড দ্ব্য	ভারতবর্ষের দশুবিধির আহিনের ৪৬৭ ধারার নির্দিষ্ঠ দলীল ভিন্ন অন্য দলীল দিদ্ধ করিবার জন্যে যে অক্সের কি চিক্রের ব্যবহার হয় ভাহা ক্রিম করণ কিয়া ক্রিম চিহ্নিত স্থব্য নিক্টে	উইল প্রভৃতি প্রতারণা করিয়া নফ কি বিফুত করণ কিয়া নফ কি বিফুত করিবার উদ্যোগ করণ কি গোপন করণ।	৪৭৭ক হিসাব মিখ্যা করিয়া লিখন্
60 60 60		6. 6.	∞ . •	e− e− oc	96

ব্যবসায়ির ও সামি, ব্রুর চিক।

		•		( )44 )			
P	ষে অ'লালডের বিচাধ্য	প্রেসিডেপী মাজি- ফ্রেট কিছা এথম কি বিভীয় শ্রেণীর	- Ag	সেশন আদালভ কিষা প্রেসিডেকী মাজি- ফেট কি প্রথম শ্রেশীর মাজিফেট।	<b>^</b>	প্রেসিডেপী মাজি- ক্টেট কিয়া প্রথম কি ষিভীয় শ্রেণীর	সেশন আদালত কিয়া প্রাসডেকী মাজিক্টে কিয়া এণ্ম কি ছিতীয় ভেণীর মাজিক্টেট।
e.	ভাততবৰ্ষর দেশ্বিধিৰ আধিনমত দশু	১ বংসর পৃষ্ঠান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্য কিষা অর্পদ্য কি ঐ হুই দণ্ড।	ং বংশর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিয়া অর্পন্ড কি এ মুই দণ্ড।	ত বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্থদণ্ড।	ত বংসর পর্যান্ত কোনা এক প্রকারের কারাদ্ভ কিছা অর্পণ্ড কি ঐ কুই দঙ।	১ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কিষা অধন্ত কি ঐ গুই দ্ও।	ত বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কিয়া অর্পদ্ভ কি ঐ চুই দ্ভ।
ņ	বন্ধ্য কৰা যাছতে পাৰে কি শা:	द्रका कदा थाहेत्ड भीत्र मा।	*গ্ৰ	∕জু	∕ <b>ड</b> म	°cj	<b>15</b>
•	श्रुंकिदकारिक ल छर। बा <b>इ</b> ट्ड भाउँ कि मा	হাক্তিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	<b>1</b> 9	*জু	<b>∕9</b>	^জু	<b>*</b>
, —	मायमाडः खरस ६म्राब्डे दा म्यम मिट्ड क्ष	ওয়ারক :::	<b>^</b> 5j	ंड स्ट	· <del>G</del>	<b>G</b> y	<i>শ্ব</i>
9	পেলীস এনবেও দিন: মৃত কবিভে পাহে: কি না।	ওয়ারণ্ট বিশ: ধুত করিবে শা।	<b>*</b> 9	শ্ব		49	শ্ব
W	अण्यां व	কোন ব্যক্তিকে বঞ্চনা কি ভাহার হানি- কবণাৰ্থে ব্যবসায়ের কি স্থায়িত্বের কুত্রিম চিক্ন ব্যবহার করে।।	অপচন্ন কি হানি করিবার মানসে অন্যোর ব্যবস্থত ব্যবসায়ের কি স্বায়িত্ত্বে চিক ফ্রিম করণ।	রাজকীয় কায্যকারক স্থামত্রেয়ে গেচিহ্ন কিয়াকোন দ্ব্য প্রস্তুত করণের স্থান গুণাদি জানাইবার জানো, যে চিহ্ন ব্যবহার করেন, ভাহা ফুত্রিম করণ।	সাধারণ কি ব্যক্তি বিশেষক স্বামিড্রে কি ব্যবসায়ের চিক ক্রি করণার্থে কোন ছেনি কি পটু কি অন্য দ্ব্য প্রভারণা করিয়৷ প্রস্তুত করণ কি নিকটে রাখন।	স্থামিত্ত্বে কি ব্যবসায়ের কুদ্রিম চিন্সিভ কোন দ্রব্য জানপুর্ক বিক্রুয় করণ।	যে বন্তাতে কি আখারে যে দ্রব্য না থাকে ভাহাতে দেই দ্রব্য আছে এযত বিশ্বাস জন্মাইবার নিমিত্তে প্রভারণা করিয়া ভাহাতে মিখুন চিব্ন প্রভাত।
^	भवा	) .	% 7	\$ \$ \$	,h ,b &	2	g- },

390	
270	

,	
7,	प्रिटिक्सी माकि- के किश क्ष्य के किशिय क्ष्य के किशिय क्ष्यिय
4	(6 (4 (4 (4 (4 (4 (4 (4 (4 (4 (4 (4 (4 (4
	A TO THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF
	년 전 (대 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전 전
	বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারে কারাদঙ কিষা অর্পদ্ভ কি ঐ গুই দণ্ড।
<b>1</b> 2-7	কোৰ শৃশন্ত কি
9	প্ৰযুক্ত কোন এক কিষা অৰ্পদ্ভ কি এ
	व <b>्मत्र</b> काताम्छ नि
	₩ E
<b>(</b>	<b>~</b> 59
9	•
	· • · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
<b>3</b> 7	<b>~</b>
-	
~	•
	•
: - E	म ।
্ছার ক	াৰ স্থাবি চত কন্ন
6क़ वाद	ाट्स . कि विद्
मिष्णा (	क ब हो क
· 6	হাৰি করিবার অভিপ্রামে কোন স্বাযিছের চিব্ন লোপ কি নম্ভ কি বিক্কাড করণ।
85 प्रवंश कीन यिष्रा किंद्र राज्हात कत्रन	2 (a)
*	3
	•

১১ উৰবিংশ অধন্য।—অপুৱাধ ভাবে চাক্রির চুক্তিভঙ্গের কথা।

( 390 )		
প্রেসিডেপী মাজি- স্ট্রেট কিষা এথম কি দ্বিভীয় শ্রেণীর মাজিফ্টেট।	• <del>•</del>	<b>~</b>
হাজিরজামিন লওয়া রকা করা থাইতে ১ মাস পর্যাস্ত কোন এক প্রকারের কারা- মাইতে পারে। দও কি ১০০ <sub>১</sub> টাকা অর্পন্ত কি এ গুই দও।	ও মাস প্ৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারা- দত কি ২০০) চাকা অৰ্থদ্ভ কি ঐ ঘুই দ্ভ।	এক মাস পৰ্যন্ত কোন এক প্ৰকারের কারাদঙ কিছা যত টাকা ব্যয় হছ্যাছে ভাহার দিশুণ অৰ্পদঙ কি এই চাছ।
রকা করা যাইডে পারে।	<b>^5</b>	*9
গজিবজামিম ল ওয়া মাইতে পারে।	· •	*
ਾ ਸ <b>ਨ</b>	<b>9</b>	~जु
ওয়ারণ্ট বিনা ধ্ও করিবে না।	•	*
জলপাথে কি ছলপাথে গমন সমায়ে চাকরি ওয়ারক বিনা করিতে কিয়া কোন ব্যক্তির কি দ্রব্যের রক্ষণাবেক্ষণ করিতে কি কোন ব্যক্তিকে না। বা দ্বাকে লইয়া যাইতে চুক্তিক্রেয়ে বন্ধ করণ।	অংশবয়ত্ব কি বিক্কভয়না কি রোগপ্রক্তুক্ত অক্ষা ব্যক্তির সেবা করিছে সা ভাছার প্রয়ক্ত্রীয় স্থব্য দিভে বন হয়্য। জ্লো উরতে কি দিতে ইচ্ছাপুর্ক ক্রিট কর্ণ।	ইজিকথে নিযুক্ত কোন ব্যক্তির কভক ক'লের নিয়েজে চাকরি করণাথে নিয়োগ কভার বায়ে দুরদেশে নীভ হহয়া ভবায় ইচ্ছাপুর্বক চাকরি পরিভাগে করণ কিষা কর্ব্য কর্ম করিতে স্বীকার না
å æ	8	₹ ? \$

२० विश्म षाशांत्र ।—विवाङ मञ्जकींत्र षाभाराष्ट्रत कथा।

٨	्य चाष्ट्राच्छा विक्रां	সেশন আদালভ  - '	<b>3</b> 7	<b>~</b>	•	সেশন আদালত, গ্ৰেসিডেপী মাজি- ক্টেট কিছা এথম ভৌণীর মাজিক্টেট।	(क्रिमिटक्ली माकि- टक्रेम किश्वा धायम क्रिमिक्रीम ट्यमीब माक्रिक्रेम ।
•	ভারতংধের দত্বিধির আইনমত দত।	১০ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অ <sup>র্থ</sup> দ্ভ।	৭ বংসর পর্যান্ত কোন এক একারের কারাদণ্ড ও অর্থদিন্ত।	১ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ ও অর্থদ্ভ।	৭ ব্ৎস্র পার্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড ও অর্পদ্ড।	৫ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থান্ড কি এ গুই দণ্ড।	২ বংসর পর্যান্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ত কিছা অর্গদ্ভ কি ঐ ছুই দণ্ড।
•.	दक्षा कवा बाहेर७ गाउ किना।	त्रका कत्रा याहेएक नारतः,मा।	<b>^9</b> 3	<b>^8</b> g	<b>1</b> 97	ब्रका कत्ना याहेत्छ शादन ।	•
¥	হাভিরজামিন ল ৪য়া ঘাইতে পাৰে কি না।	शिष्ट्रद्रकाथिन न उग्ना याहेट्द ना ।	হাজিরজামিন লওয়া ঘাইতে পারে।	হাজিরজামিন লওয়া যাইবে না।	<b>9</b>	शिष्टवस्त्रीयन न उग्ना याहेट्ड शाद्य ।	শুদু
80	সামান্যতঃ প্রধ্যে ওয়ারন্ট বা সমন দিতে হয়	ওমারক্ট	<b>^</b>	<b>%</b>	4	<b>~</b> 5	<b>*</b>
p	পোলীস ওঘ্বেও নিম যুক্ত কবিছে শাৰে কি না।	ওয়ারণ্ট বিনা ধুত করিবে না।	*জ	^9্য	<b>*</b> 9	<b>-</b> 9j	<b>9</b>
r/	जनवाथ ।	বৈধ বিবাছ না ছ্ট্লেও কোন পুরুষ বঞ্চনা দারা বৈধ বিবাহ ছ্ট্রাছে দ্রীর এমত বিশ্বাস জ্মাই্য়া ভাহাকে সহ-	ৰ্ণি ক্ষাতিৰ। স্থামিত্ৰ কি ভাষ্যাত্ৰ জীব্দনায় পূন্ৰত বিবাছ কৱণ।	ষাহার সজে বিবাহ হছবে ভাহার নিক্টে পূর্ক বিবাহের রভান্ত প্রকাশ না করিয়া	ৰ প্ৰায়াৰ ক্ষণ। বিধি প্ৰকি বিবাহু হুইস না জ্লানিয়াও প্ৰভাৱন পুৰ্ক কোন ব্যক্তির বিবা- ছের অনুষ্ঠান কন্তুন।	भव हो शयन	বিবাহিতা দ্বীলোককে অপরাধতাবে ভূলা- ইয়া সওন কি হুরুণ করণ কি আটক করিয়া রাখন।
n	E	200	00 /4 00	78	000 기소 의	/ F /k 00	). (e ©.

২১ একবিংশ অধায়ে।—অপবাদের কথা।

5	- ^8y 2 3	*	-	প্রকারের কোন মাজিক্টেট। দঙ।	(कामिएड भी यां जि- क्रिके किया अध्य कि विजीस (खेनोत	<b>*</b> 9	अकारतत सम्मन जामानक किश्वा रहे मछ। स्थितिए भी मार्कि- स्केट किश्वा स्वयंत्र
বিনা পরিশ্রমে ২ বৎসর পর্যন্ত কারাদণ্ড কিছা অর্থদণ্ড কি এ গুই দণ্ড।	<b>~9</b> y	<b>^3</b> y	২২ ঘাবিংশ অধ্যায়।—অপরাধ ভাবে ভয় জমাইবার ও জ্পমান করিবার ও ক্লেশ দিবারু কথা।	ং বৎসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অংশদ্ভ কি ঐ চ্ছদণ্ড।	<b>-%</b>	<b>9</b>	<ul> <li>বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদণ্ড কি অর্থদ্ভ কি প্রক্রি দণ্ড।</li> </ul>
রন্ধা করা ঘাইতে পারে।	49	<b>*9</b>	প্ৰমান করিবার	द्रक कद्रा शाहर भारत ।	त्रका कड़ा वाहेरक शास्त्र ना।	त्रका कदा शहर <b>ा</b> भारत।	রক' করা ঘাইতে পারে না।
হাজিরজামিন লওয়া । মাইতে পারে।		<b>9</b>	ভয় জমাইবার ও ব	ছাজিরজামিন লওয়া রকা করা ঘাইতে যাইতে পারে।	হাজিরজ্ঞামিন লওয়া মাইতে পারে না।	হাজিবজ্ঞায়িন লওয়া রকা করা নাইন এনন	55) - <b>6</b> 5 - <b>7</b> 5 - <b>7</b> 5
अवाद <b>े</b> 	<b>€</b> ¶	<b>6</b> 9	অপরাধ ভাবে	ওয়ার <b>্ট</b>	<b>∕</b> 9	*গ	<b>^9</b>
ওয়ারন্ট বিনা গ্রন্ড করিবে না ৷	*	<b>∕9</b>	শ অধ্যায় ।—	ওয়ার <b>ট</b> বিনা ধুত করিবে	_ <sup>क</sup> ज	*	<b>^b</b> y
অপ্ৰাদ কৱণ	কৌন বিষয় অপবাদজনক জানিয়া মুদ্রিত	কি খোদিত করণ। কোন খোদিত কি মুদ্রিত দ্ববেগ অপবাদ- জনক বিষয় আছে জানিয়া তাহা বিক্রয় করণ।	२२ घरिदः	শাভিডক কবাওনাজিপ্রায়ে অপ্যান করণ।	সৈন্যের বুঅবাধ্যত। কি সাধারণের শাস্তি- ভঞ্জল অপরাধ জন্মাইবার অভিপ্রায়ে মিগ্যা য়ন্তান্ত কিজনৱৰ রাফ্ট করণ।	অপবাধভাবে ভয় দশতিম	যদি মৃত্যু কি গুরুত্র পীতা প্রভৃতি জ্মা- ইবার ভয় দশনি যায়।
•	- <del>-</del>	~		00 0	•		

,,	~	9	90	•	•	•	١.
भारता ।	. ज्याभदाभा	শোলীস ওয়ারণ্ট বিনা যুত কবিতে শারে কি লা।	শোলীস ওয়ারতী সামান্যতঃ প্রথমে বিনা যুক্ত করিছে এয়ারতীয়া সমন শারে কি না। পিতে হয়।	হাজিরকামিন লওয়া মাইতে পারে কি না।	বছা ক্রা ঘাইতে পাবে কিলা।	ভারতবর্ষের দ্রাধির আইনমত দ্র।	যে আৰানতের হিচাধ্য।
•	জ্মামক প্রাদি ধারা কিষা যে ব্যক্তি ভয় দশ্যি তাহাকে সতর্কতাপূর্বক শ্রকাশ বাংশ্যা জ্পারাধভাবে ভয় দ্রগ্তেন।	ওয়ারন্ট বিশা ধুত করিবে শা।	<b>८०</b> मान्	…  হাজিরঞ্চাঘিন লওয়া ঘাইতে পারে।	রক্কা করা হাইডে পারে না।	পূৰ্বিধারার দভের অভিরিক্ত ২ বংসর সেশন আদালত কিয়া পুৰ্যন্ত কোনএক প্রকারের কারাদণ্ড। প্রেক্ট কিয়া প্রথম	(मन्न पामान्य किया (विमायन्या माणि (केटे किया व्यव्य
<u>,</u>	ঈশারের ক্লোধপাত্র হ্ইবে কে'ন ব্যক্তির এমন বিশাস জন্মাইয়া কায্য করাওন।	<b>4</b>	•	*	<b>*</b> J	১ বংসর পর্যন্ত কোন এক প্রকারের কারাদ্ভ কি অর্পদ্ভ কিছা ঐ ঘুই দ্ভ।	প্রেসিডেপী মাজি- ফৌ কিয়া অ্যম্কি দিতীয় শ্রেণীর মাজিজেট।
^	দ্ধীলোকের লক্ডাশীলভার ক্ষোভ জন্মা- ইবার অভিপায়ে কোন কথা কহন কি <b>অঞ্চভদী</b> করণ।	7	*	<b>*</b>	<b>*</b> 9	ऽवरमत्र भर्षाञ्च मायाना कात्राम्छ कि पर्यमध्यकिष्येष्ट म्छ।	ट्यमिएडमी माकि- क्रिडे किया अथम ट्योनीय माकिक्डिडे।
• ~	ম্ভ হইয়া কোন একাশ ছানাদিতে গিয়া কোন ব্যক্তির ক্লেশ জ্মাতিন।	<b>-19</b>	*	•	*9	চিমিশ ঘন্টা প্ৰ্যন্ত সামান্য কারাদণ্ড কি	কোন মাজিষ্টে।

# ২৩ ত্রয়েবিংশ অধনায়।—অপরাধ করিবার উদ্ণোগের কথা।

e)) होशिह्य त्यत्रगम्। धत्र कात्राम्। धत्र व्याप्ताप्त प्रश्नात्यत्	এ অপ্রাধের	ष्रश्री दश्र	ज्याशीत व	واصفاه (	.य जश्दारश्व ऐत्माश	অপরাধীর কণ্শিত মেঅপরাধের উদ্যোগ অপ্রাধের নিমিত্তে অভ্যধিক যত কাল মেঅপরাধের উদ্যোগ	व्य जन्त्रार्थन छेटमगु
যোগ্য অপুরাধ করিবার উদ্যোগ ও বিমিত্ত ওয়া- জন্যে সাম	ৰিমিত্ৰ ওয়া-	জন্মে সামা-	जर्भवार्थत करना	100	रस, जार्ब दका	होशास्त्रत (अत्रनमिष्ठ किया (य थकारत्रत	रह जर्ग त्य जाम-
কেই উদ্দোগে সেই অপ্রাধ্ হইব্রে বুকী বিনা ধুত ন্যতঃ সম্ম	दले दिना धुर	न्रिः भयन	शिकत	खादिन	कत्रा याहर जाति-	কারাদণ্ড হইতে পারে ভাহার অদ্বেকের	नरख्य विराधि तम्
क्टमा काम किया करना	করিতে কি কিয়া ওয়ার	কিহা ওমারণ্ট	न्दश्र	ষাইতে	्म, ब्रक्ता क्रा	जन्यिक कान काद्याम् कि ष्यर्म् कि	विकास जिल
,	मा कविए	ঘাহা বাহির	शांत्रियम (	<b>A</b>	याहरू भारत ।	一面在我的可	
	भावित्न ७४-	श्रहेरक शास्त्र	भाविरन	GF2			
	श्रुमाद्व ।	बार्	मोरब ।			•	

অন্যান্য আইন বিক্ষ অপ্যাধ। .

•		এই আইনের ২১ ধারার বিধানমডে।	
:	::	•	•
রকা করা যাইডে পারে না।	*	<b>~</b>	**
হাজিরজামিন লওয়। রুকা করা যাইডে যাইবে না।	्र किन्दु ভादास्पेयीप्र	जब्रिविश्वक अस्ति । माटने जाईदिन । अस्ति व्यक्ति । स्वासि मधिन । स्वासि न अस्ति । साक्टि भासित । साक्टि भासित ।	^9
ওয়ারক্ট	^95	ः स्	শ্ব
ওয়ার <b>ট</b> বিনা গুড করিভে	) Alica	ওক্সার <b>ক্ট</b> বিনা নত ক্সিবে	_ *জ দি
প্রাণদভ্রে কিয়া দীপাস্ত্র প্রেরণদভ্রে ওয়ার্ড বিনা ওয়ার্ড কিয়া সাত বংসর কি ডদ্ধিক কার:- ধুত ক্রিভে	দঙের যোগ্য হছলে। ভিন বংসরের অধিক ও সাভ বংসরের মুন কাল কারাদঙেশ্ব যোগ্য ছছলে।	ডিন ৰৎসরের ম্যুন কাই কাইলিডের বোগ্য ওক্সার <b>ন্ট</b> বিনা হইসে।	কেবন অর্থদণ্ডের যোগ্য ছইনে

# তৃতীয় তফসীল।

#### (৩৬ ধারা দেখ।)

#### মকঃদল মাজিফ্টেটের নিয়মিত ক্ষমতার কথা।

# ১।—তৃতীয় শ্রেণীর মাজিষ্ট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।

- (১) কোন ব্যক্তি মাজিস্টেটের গোচরে অপরাধ করিলে তাহাকে ধৃত করিবার বা ধৃত করিতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (৬৫ ধারা)।
- (২) কোন ব্যক্তি মাজিস্টেটের গোচরে অপরাধ করিলে তাহাকে ধ্বত করিবার এবং আটক করিয়া রাখিবার জন্য সমর্পণ করিবার ক্ষমতা (৬৪ ধারা)।
- (৩) ওয়ারন্টের পৃষ্টে লিখিবার কিম্বা ওয়ারন্টমতে অন্তিযুক্ত ব্যক্তি ধৃত হইলে তাহাকে স্থানাস্ভর কর-ণের আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা (৮৩ ও ৮৪ ও ৮৬ ধারা )।
- (৪) বিচার করণের ক্ষমতাক্রমে আপনার সন্মুখে যে বিষয় উপস্থিত থাকে তৎসম্পর্কে ঘোষণাপত্র দিবার ক্ষমতা (৮৭ ধারা)।
- (৫) বিচার করণের ক্ষমতাক্রমে আপনার সম্মুখে যে বিষয় উপস্থিত থাকে তৎসম্পর্কে সম্পত্তি ক্রোক ও বিক্রয় করিবার ক্ষমতা (৮৮ ধারা)।
- (৬) কোকী সম্পত্তি ছাড়িয়া দিবার ক্ষমতা (৮৯ ধারা)।
- (৭) তলাশী পরওয়ানা দিবার ক্ষমতা (১৬ ধারা)।
- (৮) তলাশী পরওয়ানার পৃষ্টে লিখিবার ও যে দ্রব্য পাওয়া যায় তাহা সমর্পণ করণের আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা (৯৯ ধারা)।
- (৯) পোলীদের অহুসন্ধান কালে যে অপরাধ স্থীকার হয় বা যে উক্তি করা যায় তাহা দিপিবদ্ধ করিবার ক্ষমতা (১৬৪ ধারা)।
- (১০) পোলাসের অন্নসন্ধান কালে কোন ব্যক্তিকে আটক করিয়া রাখিবার অন্নয়তি দেওনের ক্ষমতা (১৬৭ ধারা)।
- (১১) অভিযুক্ত ব্যক্তিকে আদালতে পাওয়া গেলে তাহাকে ধ্বত করিবার ক্ষমতা (৩৫১ ধারা)।
- (১২) সন্দিগ্ধভাবের আশুনাশ্য দ্রব্য বিক্রয় করিবার ক্ষমতা (৫২<sup>৫</sup> ধারা)।

### ২।—দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিষ্ট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।

- (১) তৃতীয় শ্রেণীর মাজিয়্টেটের নিয়মিত ক্ষমতা।
- (২) মাজিস্টেটের বিচার করিবার কি বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতা থাকিলে, পোলীসকে অপরাধের অনুসন্ধান লইবার আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা (১৫৫ ধারা)≀

## ৩।—প্রথম শ্রেণীর মাজিষ্ট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।

- (১) দ্বিতীয় শ্রেণীর মাজিষ্টেটের নিয়মিত ক্ষমতা।
- (২) তদর লওনের কার্য্যক্রমে না হইয়া স্থলান্তরে তলাশী পরওয়ানা দিবার ক্ষমতা (৯৮ ধারা) ৷
- (৩) অন্যায়রূপে যে ব্যক্তিদিগকে আবদ্ধ করিয়া রাখা যায় তাছাদের সন্ধান লওনার্থে তলাশী পরওয়ানা দিবার ক্ষমতা (১০০ ধারা) ৷
- (৪) শাভিরক্ষার জ্বামিন দিতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (১০৭ ধারা)।
- (a) সদাচরণের জামিন দিতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (১০৯ ধারা) 1
- (৬) দখলের মোকদমায় আজ্ঞা প্রভৃতি করিবার ক্ষমতা (১৪৫ ও ১৪৬ ও ১৪৭ ধারা)।
- (৭) বিচারার্থে স্মর্পণ করিবার ক্ষমতা (২০৬ ধারা)
- (৮) বাদী উপস্থিত না থাকিলে কার্য্যা**স্থ**টান বন্ধ করিবার ক্ষমতা (২৪৯ ধারা)।
- (৯) ভর · পোষণের আছে। দিবার ক্ষমতা (৪৮৮ ও ৪৮১ ধারা)।

# ৪ ।—মহকুমার মাজিট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।

- (১) প্রথম শ্রেণীর মাজিফ্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।
- (१) ভূম্যধিকারির নামে ওয়ারত দিবার ক্ষমতা (৭৮ ধারা)।
- ্(৩) স্লাচরণের জামিন চাহিবার ক্ষমতা (১১০ ধারা)।
- (৪) স্থান বিশেষে অনিষ্ট কার্য্য হইলে তদ্বিষয়ের আজ্ঞা প্রভৃতি করিবার ক্ষমতা (১৩৩ ধারা)।
- .(৫) অনিষ্ট কার্য্য পুনশ্চ না হওনার্থে তন্মিবারণের আজ্ঞ। প্রচার করিবার ক্ষমতা (১৪৩ ধারা)।
  - (৬) ১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা।
- .(৭) কোন ব্যক্তির মৃত্যুর কারণান্থসন্ধান লইবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)।
- (৮) কোন ব্যক্তি মাজিস্টেটের বিচারাধীন স্থানের বছিভূতি স্থানে অপরাধ করিলে তাঁহার বিচারাধীন স্থানের মধ্যে তাহাকে ধরিবার পরওয়ানা দিবার ক্ষমতা (১৮৬ ধারা)।
- (৯) নালিশ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯° ধারা)।
- (১০) পোলাদের রিপোর্ট লইবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)।
- (১১) নালিশ না হইলেও যোকজ্মা আহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)।
- (১২) অধীন মাজিফ্রেটের প্রতি মোকদ্দমা অর্পণ করিবার ক্ষমতা (১৯২ ধারা)।
- (১৩) অধীন মাজিফ্টেটের দ্বারা যে আন্টানিক কার্য্য লিপিবদ্ধ হয় তাহা দেখিয়া দণ্ডের আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (৩৪৯ ধারা)।
- (১৪) চোরা বলিয়া যৎসম্বন্ধে অভিযোগ কি সন্দেহ হয় এরপে দ্রব্য বিক্রয় করিবার ক্ষমতা (৫২৪ ধারা)।
- (১৫) আপীল ভিন্ন মোকদ্দমা উঠাইয়া লইয়া বিচার করিবার কিমা বিচারার্থে অপণ করিবার ক্ষমতা (৫২৮ ধারা)।

# ৫। —জিলার মাজিট্রেটের নিয়মিত ক্ষমতা।

- প্রথম শ্রেণীর মাজিয়্টেট হইলে মহকুমার মাজিয়্টেটের নিয়্মিত ক্ষমতা।
- (২) ভাক্ষরে বা টেলিপ্রাফ বিভাগে কোন দলীলের নিমিত্ত তলাশী পর ওয়ানা দিবার ক্ষমতা (১৬ ধারা)।
- (৩) . যে ব্যক্তি শান্তিরক্ষা বা সদাচরণ করিতে নিবন্ধ আছে তাহাকে মুক্ত করিবার ক্ষমতা (১২৪ ধারা)।
- (৪) শান্তিরক্ষার নিবন্ধপত্র রহিত করিবার ক্ষমতা (১২৫ ধারা)।
- (a) সরাসরীমতে বিচার করিবার ক্ষমতা (২৬০ ধারা)।
- (৬) কোন কোন স্থলে অপরাধ নির্ণয় অসিদ্ধ করিবার ক্ষমতা (৩৫০ ধারা)।
- (৭) সদাচরণের জামিন দিবার আজ্ঞার উপর অপীল শুনিবার ক্ষমতা (৪০৬ ধারা)।
- (৮) দ্বিতীয় ও তৃতীয় শ্রোণীর মাজিস্টেটের দ্বারা যে অপরাধ নির্বয় হয় তাহার উপর আপীল হইলে

   তাহা শুনিবার কি অন্যের প্রতি অর্পণ করিবার ক্ষমতা (৪০৭ ধারা)।
- (৯) কাগজ পত্র আনাইবার ক্ষমতা (৪৩¢ ধারা)।
- (১০) ৫১৪ ধারামতে প্রসন্ত আজ্ঞ সংশোধন করিবার ক্ষমতা (৫১৫ ধারা)।

# চতুর্থ তফসীল।

# (৩৭ ও ৩৮ ধারা দেখ।)

# মকঃসংগর মাজিক্টেটনের প্রতি মে অতিরিক্ত ক্ষমতা দেওয়া ঘাইতে পারে।

	1		
	1	(3)	সদাচরদের জায়ি <b>ন চাহিবার ক্ষমভা (১১</b> ০ ধারা)। ়
		(+)	স্থানবিশেষে অনিষ্ট কাৰ্য্য ছইলৈ আজা প্ৰস্থৃতি করিবা ক্ষমতা (১৩৩ ধারা)।
		(७)	অনিষ্টকার্য্য পুনশ্চ মা হওনার্থে ভন্নিবারণের আজ্ঞা করি বার ক্ষমতা (১৪৩ ধারা)।
		(8)	১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা।
		(4)	মৃষ্ট্যর কারণাহসন্ধান করিবার ক্ষতা (১৭৪ ধারা)।
		(હ)	কোন ব্যক্তি মাজিফেটের বিচারাধীন ছানের বহির্ভূত ছানে অপরাধ করিলে তাঁহার বিচারাধীন ছানের মধ্যে ঐ ব্যক্তিকে ধরিবার পরওয়ামা দেওনের ক্ষমতা (১৮৬ ধারা)।
থেম শ্রেণীর মাজি- ফ্রেটকে যে যে ক্ষমতা দেওয়া যাইতে পারিবে।	স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এই এই ক্ষমতা প্রাণান করিতে পারিবেন।	(٩)	নালিশক্রমে অপরাধ আহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)
		(6)	পোলীদের রিপোটকুমে অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমত
			(১৯০ ধারা)।
		(30)	শন্ধানক্রমে অপরাধ আহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা) সরাসরীমতে বিচার করিবার ক্ষমতা (২৬০ ধারা) ।
		(22)	
		(>٤)	চোরা বলিয়া যৎসম্বন্ধে অভিযোগ কি সন্দেহ হয় এরণ দ্রব্য বিক্রয় করিবার ক্ষমতা (৫২৪ ধারা)।
		(20)	খে ব্যক্তির গুখমবার অপারাধ নির্ময় হয় তাহার প্রতি আদেশ হইলেই উপস্থিত হইয়া বিশেতি গ্রাহ্য করি বার ও ইতি মধ্যে শান্তিভল না করিবার ও সদাচর সম্পন্ন হইবার আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (১৬১ ধারা)।
		(78)	পোলীসের তত্ত্বাবধানের আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা (৫৬৪ ধারা)।
	জিসার মাজিফেট সাহেব এই এই	(7)	অনিষ্ট কার্য্য পুনশ্চ না ছওনার্থে ডল্লিবারণের আজ্জ করিবার ক্ষমভা (১৪৬ ধারা)।
		(4)	১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা।
		(৩)	মৃত্যুর কারণাত্মসন্ধান করিবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)।
	ক্ষমতা প্রদান	(8)	নালিশক্রমে অপরাধ আহ্ম করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)।
Į	করিতে পারিবেন।	(¢)	পোলীদের রিপোর্টক্রমে অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমত (১৯• ধারা)।
		(હ)	মোকদ্দমা হস্তান্তর করিয়া দিবার ক্ষমতা (১৯২ ধারা)।

ৰিভীয় শ্ৰেণীর মাজি- ফ্রেটকে যেং ক্ষমতা দেওয়া ঘাইভে পারিবে।	স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এইং ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন জিলার মাজিফ্টেট সাহেব এইং ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।	(৫) না লণ্জমে অপরাধ আছ্য কারবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)। (৬) পোলাদের রিপোটজ্রমে অপরাধ আছ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)। (৭) সন্ধানজমে অপরাধ শাহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)। (৮) বিচারার্থে সমর্পণ করিবার ক্ষমতা (২০৬ ধারা)। (১) অনিষ্ট কার্য্য পুনশ্চ না হওনার্থে তনিবারণের আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা ১৪০ ধারা)। (২) ১৪৪ ধারামতে আজ্ঞা দিবার ক্ষমতা। (৩) মৃত্যুর কারণাহ্মসন্ধান করিবার ক্ষমতা (১৭৪ ধারা)। (৪) নালিশ্রুমে অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা (১৯০ ধারা)। (৫) পোলাদের রিপোট ক্রমে অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা
	স্থান র গবর্ণমেন্ট এইং ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।	(৫) পোলাসের রিপোটক্রমে অপরাধ আহ্য করিবার ক্ষমত
তৃতীয় শ্রেণীর মাজি- স্টেটকে যেং ক্ষমতা দে ওয়া থাইতে পারিবে।		(১৯০ ধারা)। (৬) বিচারার্থে সমর্পণ করিবার আজ্ঞা করিবার ক্ষমতা (২০৬ ধারা)।
	জিলার মাজিষ্টেট সাহেব এইং ক্ষমতা প্রদান করিতে পারিবেন।	বার ক্ষমতা (১৪৩ ধারা)।
মহকুমার মাজি- স্ফেটকেযেং ক্ষমতা েওয়া ঘাইতে পার্ব্বিবে।	স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এই২ ক্ষমতা প্রদান করিবেন।	(৫) পোলাদেব রিপোর্টক্রমে মপরাধ আহ্য করিবার ক্ষমতা

# পঞ্ম তক্দীল।

( ৫৫८ भारता (मणा)

পাঠ বিষয়ক।

১।—অভিযুক্ত ব্যক্তিকে সমন দিবার পাঠ।

( ৬৮ ধারা দেখ ।)

# অমুক স্থাননিবাদী 🗐 অমুক দমীপেষ।

তোমার নামে অমুকং (যে অপরাধের অভিযোগ হয় তাহার সংক্ষেপ মর্ম এই স্থলে লিখিতে হইবে ) অপরাধের নালিশ হওয়াতে তাহার উত্তর দিবার জন্যে তোমার উপস্থিত হওয়া আবশ্যক। অভএব তোমার প্রতি এই আজ্ঞা হইল তুমি অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আপনি (কিল্লা স্থল বিশেষে উকালের দ্বারা) অমুক স্থানের মাজিফ্টেটের সমুখে উপস্থিত হইবে। ইহাতে ক্রটি না হয়।

১৮ সাল ভাং

(মোহর)

( স্বাক্ষর)

# ২ 1—র**ত** করিবার ওয়ারন্ট লিখিবার পাঠ।

( ৭৫ ধারা দেখ।)

শ্রীসমুক সমীপেয়। (যে ব্যক্তি কি ব্যক্তিরা এই ওয়ারন্ট জারী করিবে তাহার কি তাহাদের নাম ও পদ প্রভৃতি লিখিতে হইবে।)

অমুক স্থান নিবাসী অমুকের নামে অমুক অপারাধের অভিযোগ হইয়াছে, অতএব উক্ত অমুককে ধরিয়া। আমার নিকটে উপস্থিত কর ভোমার প্রতি এই আদেশ হইতেছে। ইহাতে ক্রটি না হয়।

১৮ সাল তাং

(মোহর)

(স্বাক্তর)

( ৭৬ ধারা দেখ।)

এই ওয়ারত্টের পৃষ্টে এইরূপ কথা লেখা যাইতে পারিবে।

উক্ত অমুক যদি অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার সমুখে উপস্থিত হইবার এবং আমার প্রকারান্তরের আদেশ না পাওয়। পর্যান্ত উপস্থিত থাকিবার জামিন অর্থাৎ আপনি এত টাকার ও একজন প্রতিভূ এত টাকার (অথবা গুইজন প্রতিভূ প্রত্যেকে এত টাকার) জামিন দেয় তবে তাহাকে ছাড়িয়া দেওয়া ঘাইতে পারিবে।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

ত।—ওয়ারণ্টক্রমে ধরিবার পর নিবন্ধপত্র ও জামিনি বঙ্গপত্র লিখিবার পাঠ।

(৮৬ ধারা দেখ।)

অমুক অপরাধের অভিযোগের প্রতিবাদ করিতে আমাকে উপস্থিত করাইবার ওয়ারন্টক্রমে অমুক জিলার (কিম্বা স্থল বিশেষে, অমুক) মাজিস্টেটের সম্মুখে আমাকে আনা গোলে অমুক স্থানবাসী আমি শ্রী অমুক এতদ্ধারা প্রতিজ্ঞা করিতেছি যে আমি অমুক সালের অমুক মালের অমুক তারিখে উক্ত অভিযোগে প্রতিবাদ করিতে অমুক স্থানের আদালতে উপস্থিত হইব, এবং আদালতের প্রকারান্তরের আদেশ না পাওয়া পর্যন্ত উপস্থিত থাকিব। তাহাতে আমার ক্রটি হইলে শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

( স্থাক্ষর )

যে অভিষোগে শ্রীঅমুককে ধ্বত করা গিয়াছে সেই অভিযোগের প্রতিবাদ করিতে সে অমুক মাসের অমুক ভারিখে বেলা এত ঘন্টার সময় অমুক স্থানের আদলতে উপস্থিত হইবে এবং আদালতের প্রকারান্তরের আদেশ না পাওয়া পর্যান্ত উপস্থিত থাকিবে এতদ্বিষয়ে অধি অমুক স্থানবাসী উক্ত অমুকের প্রতিভূ স্থাকার করিলাম এবং ভাহার ক্রটি হইলে আমি শ্রীশ্রীন্তা মহারাণী ভারত্তেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

( স্বাক্ষর )

# ৪।—অভিযুক্ত ব্যক্তিকে উপস্থিত করাইবার ঘোষণা**পত্রে**র পাঠ।

#### ( ৮१ श्रांतां (पर्य।)

আমার নিকটে নালিশ হইয়াছে যে অমুক (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা দিবে) ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের এত ধারামতে দণ্ডনীয় অমুক অপরাধ করিয়াছে ; কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয়) এবং তাহাকে ধরিবার জন্য যে ওয়ারন্ট দেওয়া যায় উক্ত অমুককে (নাম দিবে) পাওয়া যায় না বলিয়া সেই ওয়ারন্ট ফেরভ আসিয়াছে ; এবং আমার হৃদ্বোধ্যতে প্রমাণ হইয়াছে যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) পলাইয়াছে (অথবা উক্ত ওয়ারন্ট জারী এড়াইবার নিমিক্ত গোপনে আছে);

্ এনিমিক্ত আমি এতদ্বারা ঘোষণা করিতেছি যে অমুক স্থানবাসী অদ্যাবধি এতদিনের মধ্যে উক্ত নালিশের. প্রতিবাদ করিতে এই আদালতে (অথবা আমার সমুখে) উপস্থিত হয়, এই আদেশ করা গেল।

১৮ সাল তাং

মোহর (স্থাক্ষর)

#### ৫।—সাক্ষী**ে**ক উ**প**স্তিত করাইবার ঘোষণাপ**ত্রে**র পঠে।

### (৮१ शंत्रा (मथ।)

আমার নিকট নালিশ হইরাছে যে অমুক (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) অমুক অপরাধ (সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ করিবে) করিয়াছে (কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয়। এবং উক্ত নালিশের বিষয় সমৃদ্ধে সাক্ষ্য লইবার জন্য অমুককে (সাক্ষীর নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) এই আদালতে উপস্থিত করাইবার ওয়ারন্ট দেওয়া যায়, এবং উক্ত অমুকের (সাক্ষীর নাম দিবে) উপর জারা করিতে পারা যায় না বলিয়া উক্ত ওয়ারন্ট কেরত আদিয়াছে এবং আমার হৃদ্ধোধ্মতে প্রমাণ হইয়াছে যে সে পলাইয়াছে (অথবা উক্ত ওয়ারন্ট জারা এড়াইবার নিমিত্ত গোপনে আছে)।

এনিমিন্ত এতদ্বারা গোষণা করিতেছি যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) উক্ত নালিণী অপারাধ সহন্ধে সাক্ষ্য দিবার নিমিত্ত আগামি অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে বেলা এত ঘন্টার সময় অমুক স্থানের আদালতে উপস্থিত হয় এই আদেশ কর। গেল।

১৮ সাল তাং

(মোহর) (প্রাক্ষর)

# ৬।—**সাক্ষীকে উপস্থিত** করাইবার ফ্রোকের আ**জ্ঞা**র পাঠ।

#### ( ৮৯ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের পোলাস গানার অধ্যক্ষ শ্রীঅমুক সমীপেষু।

এই আদালতে উপস্থিত নালিশ সম্পর্কে সাক্ষ্য দিবার নিমিত্ত অমুক্তে (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) উপস্থিত করাইবার ওয়ারন্ট দেওয়া যায় এবং সেই ওয়ারন্ট জারী করিতে পারা যায় না বলিয়া তাহা কেরত আসিয়াছে; এবং আমার হুলোধমতে প্রমাণ হইয়াছে যে সে পলাইয়াছে (অথবা ওয়ারন্ট জারী এড়াইবার নিমিত্ত গোপনে আছে); এবং ভজ্জন্য নিয়মমতে ঘোষণাপত্র প্রচার করিয়া আদেশ দেওয়া যায় যে উক্ত অমুক্ত তমুলিখিত সময়ে ও স্থানে উপস্থিত হইয়া সাক্ষ্য দেয় এবং সে উপস্থিত হয় নাই।

এজন্য তোমার প্রতি অস্থ্যতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে অমুক জিলার মধ্যে উক্ত ব্যক্তির যে অস্থাবর সম্পৃত্তি থাকে এত টাকা মূল্য পরিমিত সেই সম্পৃত্তি আটক কবিয়া ক্রোক করিবে, এবং এই আদালতের অন্যতর আজ্ঞার অপেক্ষায় উক্ত সম্পৃত্তি ক্রোক করিয়া রাখিবে এবং এই ওয়ারন্ট যে প্রকারে জারী হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরত পাঠাইবে।

১৮ সাল তাং

## অভিযুক্ত ব্যক্তিচে উপস্থিত করাইকর ক্রোকা আজ্ঞার পাঠ।

## (৮৮ ধারা দেখ।)

আমার নিকটে নালিশ হইয়াছে যে অমুক (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) ভারতবর্ষীয় দওবিধির আই-নের অমুক ধারামতে দওনায় অমুক অপরাধ করিয়াছে (কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয়) •এবং তদমুসারে যে ওয়ারন্ট দেওয়া যায় উক্ত অমুককে (নাম দিবে) পাওয়া যায় না বলিয়া সেই ওয়ারন্ট কেরত আসিয়াছে এবং আমার ছবোধমতে প্রমাণ হইয়াছে যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) পলাইয়াছে (অথবা উক্ত ওয়ারন্ট জারী এড়াইবার নিমিকে গোপনে আছে) ও তজ্জনা নিয়মমতে ঘোষণাপত্র প্রচার করিয়া আজ্ঞা দেওয়া যায় যে উক্ত অমুক উক্ত অভিনোনের প্রতিবাদ করিতে এত দিন মধ্যে উপস্থিত হয়; এবং অমুক জেলার অমুক প্রামে (কিনগরে) গবর্ণমেন্টে রাজপ্রপ্রদায়া ভূমি ভিম্ন উক্ত অমুকের পশ্চালিধিত সম্পত্তি আহে ও তাহা ক্রোক করিবার আজ্ঞা দেওয়া গিয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি আদেশ করা ষাইতেছে যে তুমি উক্ত সম্পত্তি আটক করিয়া ক্রোক করিবে এবং এই আদালতের অন্যতর আজ্ঞার অপেক্ষায় ভাষা ক্রোক রাখিবে ও যে প্রকাবে এই ওয়ারণ্ট জারী করা যায় পৃষ্ঠলিপিক্রমে ভাষার সার্টিফিকেট লিখিয়া ইছা ফেরত পাঠাইবে!

১৮ সাল ভাৎ

(মোহর) (স্বা**ক্ষ**র)

কালেক্টরস্করপ (ডেপ্র্টী কমিশনরের দার। ক্রেশ চ করিবার অন্মতি সুচক আজ্ঞার পাঠ।
(৮৮ ধারা দেখা)

অমুক জিলার তেপুটী কমিশনর সাহেব সম্পেষ্।

আমার নিকট নালিশ হইয়াছে যে অমুক (নাম বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) ভারতবধীয় দঙবিধির আইনের অমুক ধারামতে দঙ্গনায় অমুক অপরাধ করিয়াছে (কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয়), ও তদমুসারে যে ওয়াবকী দেওয়া যায় উক্ত অমুককে (নাম দিবে) পাওয়া যায় না বলিয়া দেই ওয়ারট কেরজ আসিয়াছে; ও আমার হ্ববোধমতে প্রমাণ হইয়াছে যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) পলাইয়াছে, ( অথবা উক্ত ওয়ারট জারট এড়াইবার নিমিন্ত গোপনে আছে) ও তক্জনা নিয়মমতে ঘোষণাপত্র প্রচার করিয়া আজ্ঞা দেওয়া যায় যে উক্ত অমুক উক্ত অভিযোগের প্রতিবাদ করিতে এত দিনের মধ্যে উপস্থিত হয়, কিন্তু সে উপস্থিত হয় নাই; ও অমুক জিলার অমুক গ্রামে ( কি নগরে ) উক্ত অমুকের গবণমেন্ট রাজস্ব প্রদায়ি কিয়ৎ পরিমাণ ভূমি আছে।

এজন্য তোমাকে অনুমতি দিয়া আদেশ করা ধাইতেছে থে তুমি উক্ত ভূমি ক্রোক করাইবে ও এই আদা-লতের অন্যতর আজ্ঞার অপেক্ষায় তাহা ক্রোক রাখিবে ও এই আজ্ঞান্ত্সারে তুমি থাহা কর অবিলয়ে তাহার সার্টিফিকেট পাঠাইবে।

> ১৮ সাল তা° (মোহর) (স্বাক্ষর)

৭।--- ওরারউক্রমে প্রথমেই সাক্ষীকে আমিতে হুইলে ঐ ওয়ারক্টের পাঠ। ( ৯০ ধারা দেখ।)

শ্রী অমুক সমাপেষু ( যে পোলাদের কর্মচারী কি অন্য ব্যক্তি কি ব্যক্তিগণ ওয়ারন্ট জারী করিবে তাহার কি ভাহাদের নাম ও খ্যাতি লিখিবে ।)

আমার মিকট নালিশ হইয়াছে যে অমুক স্থানবাসী অমুক এই অপরাধ (সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ বরিবে) করিয়াছে ( কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয় ) ও অমুক ( সাক্ষার নাম ও বর্ণনা লিখিবে ) উক্ত নালিশ সম্পর্কে সাক্ষ্য দিতে পারে এরূপ প্রতীতি হয় এবং এরূপ বিশ্বাস করিবার উত্তম ও বিশিষ্ট কারণ দেখিতে পাই যে বলপ্রক না আনাইলে উক্ত নালিশের শ্রবণ সময় সে সাক্ষীস্বরূপ উপস্থিত হইবে না।

এজন্য তোমার প্রতি অহ্মতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে অমুককে (মাম দিবে) ধৃত করিবে, এবং অমুক মাদের অমুক তারিখে নালিশী অপরাধ সম্বন্ধে সাক্ষ্য দিবার নিমিত্ত তাহাকে এই আদালতে আনিবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক তারিখে আমার স্থাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই ওয়ারও প্রদন্ত হইল।

(যোহর) (স্থাক্ষর)

৮।—কোন বিশেষ অপরাধের সংবাদ পাওয়া গেলে পর, তলাশী পরওয়ানার পাঠ।
(৯৬ ধারা দেখ।)

শ্রীঅমুক সমাপেয় (যে পোলাদের কর্মচারা কি অন্য ব্যক্তি কি ব্যক্তিগণ ওরারট জারী করিবে তাহার কি তাহাদের নাম ও ধ্যাতি লিখিবে)।

আমার নিকটে সংবাদ আসিয়াছে (কি নালিশ হইয়াছে) যে অমুক অপরাধ (সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ করিবে) ফুত হইয়াছে (কি ফুত হইরাছে বলিয়া সন্দেহ হয়) এবং উক্ত অপরাধের (কি সন্দিগ্ধ অপরাধের) যে তদন্ত লওয়া ঘাইতেছে (কি যাইবে) তৎপক্ষে অমুক জব্য (স্পাট করিয়া ঐ জব্য নির্দেশ করিবে) উপস্থিত করা প্রয়োজনীয় ইহা আমাকে দেখান গিয়াছে,

এজন্য তোমার প্রতি অমুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে উক্ত দ্রব্য (দ্রব্য নির্দেশ করিবে) অমুক স্থানে (ধে বাটী কি স্থান কি তাহার অংশ তলাশ করিতে হইবে, তাহার বর্ণনা করিবে) অনেষণ করিবে ও পাওয়া গেলে তাহা অবিলয়ে এই আদালতে উপস্থিত করিবে। ও এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে ভূমি কি করিয়াছ পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই ওয়ারত প্রদত্ত হইল।

(মোছর) (স্বাক্ষর)

।—গচ্ছিত রাখিবার সান্দিয় স্থানের তলাশী পরওয়ানার পাঠ।
 (৯৮ ধারা দেখ।)

লী মমুক সমাপেষ্। (কনক্টবলের উচ্চপ্রস্থ পোলাদের কর্মতারির নাম ও খ্যাভি লিখিবে)।

আমার নিকটে সংবাদ আসিয়াছে ও যথাযোগ্য তদন্ত দইয়া আমার বিশ্বাস হইয়াছে যে অমুক বাটী (বাটীর কি অন্য স্থানের বর্ণনা লিখিবে) চোরা দ্রব্য গল্ডিভ রাখিবার (কি ভাহা বিক্রয় করিবার) স্থানরূপে (কিন্তা উক্ত ধারা নির্দ্দিন্ট অন্যতর কার্য্য জন্য ব্যবহৃত হইলে, উক্ত ধারার কথায় ভাহা লিখিবে) ব্যবহৃত হয়।

এজন্য তোদার প্রতি শহুমতি দিয়া আদেশ করা ষাইতেছে যে প্রয়োজনীয় সাহায্য লইয়া ভূমি উক্ত বাজীতে (কি ছানে) প্রবেশ করিবে ও আবশ্যক হইলে ভদর্থে যুক্তিমত বল প্রয়োগ করিবে ও উক্ত বাজীর (কি আন্না ছানের কিবা অংশ বিশেষ অন্নেরণ করিতে হইলে, তাছায় স্পান্ত নিন্দেশ করিবে) সর্ব্বাংশ খানাতলাশী করিবে ও কোন সম্পত্তি (কি দলীল কি, স্থল বিশেষে, ইন্তাম্প কি যোহর কি মুদ্রা) [এবং আবশ্যক হইলে এইং কথাও যোগ করিবে ও বে কোন যন্ত্র কি জব্য যুক্তিমতে তোমার বিবেচনায় জাল দলীল কি স্থল বিশেষে ক্রেরির ইন্তাম্প কি আছর কি মুদ্রা প্রস্তুত করিবার নিমিন্ত রাখা যায়, তাহা] আটক করিয়া দখল করিবে।— এবং উক্ত বে জব্য ত দ্রুপে দখল করা যায় তাহা তৎক্ষণাৎ এই আদালতে আনিবে ও এই ওয়ারন্ট সাধন ছইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে ভূমি কি করিয়াছ পৃষ্টলিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরড পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত ছইয়া এই ওয়ারউ প্রদক্ত ছইল।

(মোহর) . (স্থাক্সর)

## ১০।—শান্তিভঙ্গ না করিবার নিবন্ধপত্র লিখিবার পাঠ।

(১০৬ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানবাসী শ্রী অমুক আমার প্রতি এতকাল শান্তিজ্ঞ ন। করিবার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আজ্ঞা হইয়াছে; এই হেতুক আমি উক্ত কাল পর্য্যন্ত শান্তিজ্ঞ করিব না কিম্বা যাহাতে শান্তিজ্ঞ হইবার সম্ভাবনা এমত কোন কার্য্য করিব না এই প্রতিজ্ঞা করিলাম, ইহাতে আমার ক্রটি হইলে আমি শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

( স্বাক্ষর)

### ১১।--সদাচরণ করিবার নিবন্ধপত্র লিখিবার পাঠ।

(১০৯ ও ১১০ ধারা দেখ।)

অমুক স্থান নিবাসী শ্রী অমুক আমাকে শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীর প্রতি ও তাঁহার সকল প্রজার প্রতি এতকাল (কাল নির্দ্দেশ করিবে) সদাচরণ করিবার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিতে আজ্ঞা হইরাছে; অভএব আমি উক্ত কাল পর্যান্ত শ্রীশ্রীমতীর প্রতি ও তাঁহার সকল প্রজার প্রতি সদাচরণ করিব; ইহাতে আমার ক্রটি হইলে শ্রীশ্রীমতীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

নিবন্ধপত্র জামিন সহিত দিখিয়া দিতে হইলে, এই কথাগুলি যোগ করিতে হইলে: -

আমরা উপরিলিখিত অমুকের জামিন হইয়। জানাইতেছি যে তিনি উক্ত কাল পর্য্যন্ত শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীর প্রতি ও তাঁহার সকল প্রজ্ঞার প্রতি সদাচরণ করিবেন; এবং তাহাতে তাঁহার ক্রটি হইলে আমরা একত্র ও স্বতন্ত্র শ্রীশ্রীমতাকৈ এত টাকা দণ্ড দিব।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

১২।—শান্তিভঙ্গ হইবার সম্ভাবনার সংবাদ পাইলে, সমন লিখিবার পাঠ।

(১১৪ ধারা দেখ।)

व्यक्त स्वानां नी व्यक मगीलम् ।

বিশ্বাসযোগ্য সন্থাদ পাইয়া আমার প্রত্যয় জন্মিয়াছে যে (এই ছানে সন্থাদের মর্ম লিখিবে) এবং তোমার ছারা লান্তিজ্ঞ হইবার (কি যন্থারা লান্তিজ্ঞ হইতে পারে তদ্রপ কার্য্য হইবার) সন্ভাবনা এজন্য তোমাকে এতদ্ধারা আদেশ করা যাইতেছে যে ভূমি স্বয়ং (কিন্তা উপযুক্ত ক্ষমতাপ্রাপ্ত মোক্তার দ্বারা) ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখের প্র্বাহ্ন বেলা ১০ ঘটিকার সময় অমুক ছানের মাজিক্টেটের কাছারিতে উপস্থিত হইয়া কারণ দর্শাইবে যে এতকাল শান্তিজ্ঞ করিবে না এই নিয়মে কেন তোমার প্রতি এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার (জামিন আবশ্যক হইলে এই কথাগুলি যোগ করিতে হইবে) ও একজন (কিন্তা স্থল বিশেষে ঘূই জন) প্রতিভূর কিন্তা একাধিক হইলে, প্রত্যেকের এত টাকার নিবন্ধপত্র দ্বারা জামিন দিবার আদেশ হইবে না ।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই সমনপত্র প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

## ১৩।-- শান্তিভঙ্গ না করিবার জামিন দিতে না পারিলে সমর্পণের ওয়ারটের পাঠ।

## (১२७ शाजा (मथ ।)

অমুক স্থানের দেওয়ানী জেলের স্থপারিতেভেত (কি রক্ষক) সমীপেয়।

অমুক স্থানবাসী অমুক এত মাস শান্তিভঙ্গ করিবে না বলিয়া একজন প্রতিভূসহ (অথবা প্রত্যেকে এড টাকার গুই জন প্রতিভূসহ) এত টাকার নিবন্ধপত্র কেন লিখিয়া দিবে না ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত যে সমন দারা তাহাকে আদেশ করা যায় সেই সমনক্রমে সে অমুক মাসের অমুক তারিখে অয়ং কি ক্ষমতাপ্রাপ্ত মোক্তার দ্বারা আমার সম্মুথে উপস্থিত হইয়াছিল; এবং তৎকালে আজ্ঞা হয় যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) এই প্রকার জামিন দেয় (যে জামিনের অ।জ্ঞা করা যায় সমন লিখিত জামিনের সহিত তাহার প্রভেদ খাকিলে তাহা এইশ্বলে লিখিতে হইবে) ও সে উক্ত আজ্ঞা পালন করে নাই।

এ জন্য তোমার প্রতি মহ্মতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের দহিত উক্ত অমুককে (নাম দিবে) তোমার হেফাজতে গ্রহণ করিবে ও উক্ত জেলে এতকাল (কারাদণ্ডের কাল নির্দ্দেশ করিবে) তাহাকে নির্বিদ্নে রাখিবে। কিন্তু উক্ত কাল মধ্যে দে স্বয়ং ও এক কি অধিক প্রতিভূ ছারা নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়া আজ্ঞা পালন করিলে, উক্ত নিবন্ধপত্র গ্রহণ করা ষাইবে ও উক্ত অমুককে (নাম দিবে) মুক্ত করা যাইবে ও যেরূপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্টলিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ক্বেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইরা এই ওয়ার্ক্ট প্রদন্ত হইল।

১৪।—সদাচরণের জামিন না দিলে সমর্পণ করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

( ১২৩ ধারা দেখ। )

অমুক স্থানের দেওয়ানা জেলের স্থপারিত্তেওেন্ট (কি রক্ষক) সমীপেষু।

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে অমুক ( নাম ও বর্ণনা দিবে ) অমুক জিলার মধ্যে গুপ্ত ছইয়া আছে ও তাহার জীবনধারণের দৃশ্য সঞ্জি নাই ( অথবা সে আপনার কোন সন্তোষজনক বিবরণ দিতে পারে না);

#### কিম্বা

অমুকের ( নাম ও বর্ণনা দিবে ) সাধারণ চরিত্র সন্ধন্ধে আমার সন্মুখে যে প্রমাণ প্রদন্ত হইয়া লিপিবিদ্ধ হই-য়াছে তাহাতে প্রতীতি হয় যে সে রীতিমত দক্ষ্য (অথবা হুল বিশেষে গৃহতেদকারী, ইত্যাদি)।

এবং উহা উল্লেখ করিয়া আজ্ঞা লিপিবদ্ধ ইইয়াছে, তাহাতে আদেশ করা গিয়াছে যে উক্ত অমুক ( নাম দিবে) একজুন (অথব। স্থল বিশেষে গুই কি তদধিকজন) প্রতিভূসহ আপনি এত টাকার ও উক্ত প্রতিভূ ( কিছা ডিজ্রাপ প্রত্যেক প্রতিভূ ) এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়া এতকাল ( কাল নির্দেশ করিবে ) সদাচরণ করিবার জামিন দিবে ও উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) উক্ত আজ্ঞা পালন করে নাই ও না করাতে ইতিমধ্যে জামিন না দিলে তাহার প্রতি এতকাল (কাল নির্দেশ করিবে ) কারাদণ্ডের আদেশ হইয়াছে;

এজন্য তোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের সহিত উক্ত অমুককে (নাম দিনে) তোমার হেকাজতে এহণ করিবে ও তাহাকে এতকাল (কাল নির্দেশ করিবে) নির্কিন্দ্রে উক্ত জেলে রাখিবে, কিপ্প তন্মধ্যে দে অয়ং ও এক কি অধিক প্রতিভূষারা নিবন্ধ-পত্র কিখিয়া দিয়া আজ্ঞা পাসন করিলে, উক্ত নিবন্ধপত্র গ্রহণ করা যাইবে ও উক্ত অমুককে (নাম দিবে) মুক্ত করা যাইবে ও যেরপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্টলিপিক্রমে তাহার সাটিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

\* আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আং গ্রে সাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদক্ত হইল।

(মাহর) ( স্বাক্ষর )

## ১৫ ।—জামিন না দেওয়াতে যে ব্যক্তি কারাবন্ধ হইয়াছে, তাহাকে মুক্ত করিবার ওয়ারভের পাঠ।

(১२७ ७ ১२৪ शांता (नच । )

অমুক স্থানের জেলের স্থপরিন্টেণ্ডেন্ট ( কি রক্ষক কিম্বা অন্য যে কর্মচারের হেকাজতে ঐ ব্যক্তি আছে দেই কর্মচারী ) সমীপেয়।

অমুক্কে ( ৰন্দির নাম বর্ণনা দিবে ) অমুক্ক দালের অমুক্ মালের অমুক্ তারিখের এই আদালতের ওয়ারন্ট-ক্রমে ভোমার হেকাজতে সমর্পন করা যায় ও সে পরে কোজদারী মোকদ্দমার কার্যপ্রনাল বিষয়ক আইনের অমুক্ ধারামতে নিয়মিতরূপে জামিন দিয়াছে,

#### কিশ্বা

জনসমাজে শল্পা বিনা তাহাকে মুক্ত করা গাইতে পারে এরপা বিশাস করিবার বিশিষ্ট হেডু দৃষ্ট হইয়াছে,

এজন্য তোমার প্রতি অহ্মতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) যদি অন্য কোন কারণে আটক থাকিবার যোগ্য না হয়, তবে তাহাকে তোমার হেকাজত হইতে অবিলম্বে মুক্ত করিবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মানের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারট প্রদন্ত ইইল।

(মোহর) (স্বাক্ষর)

## ১৬।— অনিপ্তজনক বিষয় উঠাইয়া দিবার আক্কার পাঠ।

(১৩৩ ধারা দেখ।)

দ্রীঅমুক সমীপেয়ু (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে)।

আমার নিকটে দর্শনি গিয়াছে যে তুমি অমুক (পাধ কি অন্য সাধারণের স্থানে) এইরূপে (যেরপে বাধা কি অনিষ্টজনক কার্য্য হয় তাহার উল্লেখ করিবে) উক্ত রাজপাধ (কি অন্য সাধারণের স্থান) ব্যবহারকারি ব্যক্তিদের বাধাজনক (কি অনিষ্টজনক) কার্য্য করিয়াছ ও উক্ত বাধা (কি অনিষ্ট) অদ্যাপি বর্ত্তমান আছে;

#### কিন্তা

আমার নিকটে দর্শান গিয়ারে যে ভূমি আমা কি কার্য্যাধ্যক্ষস্তরণ অনুক ব্যবদায় কি কার্য্য (যে বিশেষ ব্যবদায় কি কার্য্য যে স্থানে চালান ঘায় তাহার উল্লেখ করিবে) চালাইতেছ এবং এই কারণে (যেরপে ভদারা ছানি হয় এই স্থানে দংক্ষেপে লিখিবে) ভাষা সাধারণের আহ্মের [কি আচ্ছম্পেরে] ছানিজ্ঞনক ও ভাষায় লোপসাধন করা কি তাহা স্থানান্থরে উঠাইয়া লইয়া যাওয়া উচিত;

#### কিম্ব

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে তৃমি অমুক রাজপথের (পথের বর্ণনা লিখিবে) নিকটবর্ত্তী অমুক পুক্দ-রিনীর (কি কুপের কি গর্তের) স্বামী (কি তাহা তোমার অধিকারে কি কর্তৃত্বাধীনে আছে) ও উক্ত পুক্ষরিণীর (কি কুপের কি গর্তের) বেড়া মা খাকাতে (কিদ্বা শক্ষানিবারক বেড়া না শকাতে) সাধারণের বিপদ ঘটিবার সন্থাবনী;

#### কিম্বা

(স্থলবিশেষে) আমার নিকটে ইত্যাদি;

এজন্য আমি এতদ্বারা আজ্ঞ। দিয়া তোমার প্রতি আদেশ করিতেছি যে তুমি অমুক সময়ের মধ্যে (সময়ের উল্লেখ করিবে) অমুক কার্য্য করিবে ( অনিউজনক বিষয় উঠাইরা দিবার নিমিত্ত যাহা করিতে ছইবে তাহা
লিখিবে) কিছা আগামি অমুক মাসের অমুক তারিখে এত ঘন্টার সময়ে অমুক ছানের অমুক আদালতে উপস্থিত
ছইয়া এই আজ্ঞা কেন প্রবল করা যাইখে না তাহার কারণ দর্শাইবে;

### কিম্বা

এজন্য আমি এতদ্বারা আজ্ঞা দিয়া তোমার প্রতি আদেশ করিতেছি যে ভূমি অমুক সময়ের মধ্যে (সম-মের উল্লেখ করিবে) উক্ত স্থানে উক্ত ব্যবসায় কি কার্য্য চালান বন্ধ করিবে ও তাহা আর সেই স্থানে চালাইবে না কিমা উক্ত স্থান হইতে উক্ত ব্যবসায় কি কার্য্য উঠাইয়া লইয়া যাইবে কিমা আগামি অমুক মানের ইত্যাদি;

#### কিছা

এজন্য অমি এওদ্বারা আজ্ঞা দিয়া ভোমার প্রতি আদেশ করিতেছি যে ভূমি অমুক সময়ের মধ্যে (সম্মের উল্লেখ করিবে) উপযুক্ত বেড়া দিবে (যে প্রকারের বেড়া দিতে হইবে ও যে ভাগে দিতে হইবে ভাহার উল্লেখ করিবে) কিয়া আগামি অমুক মাসের ইত্যাদি;

#### কিয়া

প্রজন্য আমি এতদ্বারা আজ্ঞা দিয়া তোমার প্রতি আদেশ করিতেছি যে ইন্ড্যাদি (যথা যেমন)।
আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আনালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই
আজ্ঞাপ্রদন্ত হইল।

(যোহর)

## ১৭।—প্রানায় মেরোগবিষয়ক মাজিস্ট্রেটের আজ্ঞার পাঠ।

#### (১७৮ शादा (नथ ।)

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে অমুকের (নাম দিবে) প্রতি এই আদেশ করিয়া (আজ্ঞা কিরপ কলাত্মক লিখিবে) আজ্ঞা দেও । যায়, এবং উক্ত আজ্ঞা যুক্তিমত ও উপযুক্ত কি না ইহার বিচার করণার্থ পঞ্চায়ৎ নিয়োগ করিবার আজ্ঞার নিমিত্ত উক্ত অমুক (নাম দিবে) অমুক মাসের অমুক তারিখের দর-খান্তের দারা প্রার্থনা করিয়াছে, এজন্য উক্ত প্রশ্নের বিচার ও নিপত্তি করণার্থে আমি অমুক ুব্যক্তিদিগকে (পঞ্চায়তের পাঁচ কি তদধিক ব্যক্তির নাম এই স্থানে দিবে) পঞ্চায়ৎ নিযুক্ত করিতেছি ও আদেশ দিতেছি যে উক্ত পঞ্চায়ৎ এই আজ্ঞার তারিখ অবধি এত দিনের মধ্যে অমুক স্থানে আমার আফিসে তাঁহাদের নিশ্বতি পাঠাইবেন।

প্রদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইমা এই আজ্ঞা প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

১৮ এ – পঞ্চায়তের নিস্পত্তির পাব মাজিপ্রেটের নোট্সের ও চূড়ান্ত আক্সার পাঠ।
(১৪০ ধারা দেখ।)

জীঅমুক সমীপেয়ু ( নাম, বর্ণনা ও বাসস্থান লিখিবে )।

আমি এতদ্বারা তোমাকে নোটিস দিতেছি যে অমুক মাসের অমুক তারিখের তোমার প্রদক্ত দরখান্তক্রমে নিয়মমতে যে পঞ্চায়ৎ নিয়ুক্ত করা যায় তাঁহারা নির্ণয় করিয়াছেন যে অমুক তারিখে তোমার প্রতি এইরপ আদেশ করিয়া (আদেশের মর্ম লিখিবে) যে আজ্ঞা দেওয়া যায় তাহা যুক্তিমত ও উপায়ুক্ত, এজনা উক্ত আজ্ঞা চূড়ান্ত করা গেল ও আমি তোমার প্রতি আজ্ঞা দিয়া আদেশ করিতেছি যে অমুক সময়ের মধ্যে (সময়ের উল্লেখ করিবে) তুমি উক্ত আজ্ঞা পালন করিবে নতুবা উক্ত আজ্ঞা পালন না করণের নিমিত্ত ভারতবর্ষীয় দেওবিধির আইনের নির্দিক্ত দণ্ড প্রাপ্ত হইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক ভারিখে আমার স্থাক্ষর ও আদালতের মোছরযুক্ত হইয়া এই নোটিস প্রদক্ত হইল।

(মোহর) ় পেকর)

## ১৯।—পঞ্চায়তের ওদ্র লইবার অপেক্ষায় আসন্ন বিপদ নিবারণার্থে আজ্ঞার পাঠ। .

#### ( 38२ शता (मर्थ। )

🛍 অমুক সমীপেয়ু ( নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে )।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমি যে আজ্ঞা করি, তাহা যুক্তিম হ ও উপযুক্ত কি না ইহার বিচার করিবার নিমিত্ত নিযুক্ত পঞ্চায়তের তদন্তকার্য্য অদ্যাপি চলিতেছে ও আমার নিকটে দর্শান গয়াছে যে উক্ত আজ্ঞার লিখিত অনিউজনক বিষয় সম্পর্কে সাখারণের এরপ আসম গুরুতর বিপদের সম্ভাবনা যে উক্ত বিপদ নিবারণার্থে অবিলয়ে উপায় করা আবশ্যক, এজন্য কোজদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের ১৪২ ধারার বিধানমতে তোমার প্রতি আজ্ঞা দিয়া এ হদ্দারা আদেশ করিতেছি যে উক্ত পঞ্চায়তের স্থানীয় তদন্তের ফলাপেকায় ভূমি অবিলয়ে (কিয়ৎকালীন সংরক্ষণ নিমিত্ত যে কার্য্যের আদেশ হয় স্পান্ট করিয়া তাহার উল্লেখ করিবে)।

তাদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোছরযুক্ত হইয়া। এই আজ্ঞা প্রদত্ত হইল।

(মোহর) (স্বাক্ষর)

২০।—অনিপ্তজনক কার্য্য পুনশ্চ না করণ প্রভৃতি নিষেধসূচক মাজিপ্ট্রেটের আজ্ঞার পাঠ।

( ১৪৩ ধারা দেখ। )

প্রীঅমুক সমীপেয়ু ( নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে )।

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে ( ১৬ বা ছল বিশেষে ২১ পাঠ দেখিয়া যথাযোগ্য কথাগুলি লিখিবে )।

এজন্য আমি এতদ্বারা তোমার প্রতি বিশেষরূপে আজ্ঞা দিয়া আদেশ করিতেছি যে আধার উপ্ত দ্রুল্য রাখিয়া কি ( স্থল বিশেষে ) রাখিতে দিয়া ইত্যাদি, তুমি উক্ত অনিউজনক কার্য্য পুনশ্চ করিবে না।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই আজ্ঞা প্রদক্ত হইল।

(মোহর) (স্বাক্ষর)

২১।—বাধা জন্মাওন, হঙ্কমা প্রভৃতি নিবারণার্থে ম।জিষ্ট্রেটের আজ্ঞার পাঠ।

( 388 शांता (मथ । )

শ্রীঅমুক সমীপেয়ু ( নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে )।

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে ভোমার অধিকারে (কি কর্তৃত্বাধীনে) অমুক ( স্পান্ট করিয়া দ্রব্যটীর বর্ণন করিবে ) আছে, ও তৃমি উক্ত ভূমিতে নর্দামা কাটিয়া ভাহার মাটি ও ইট নিকটন্থ রাজপথে কেলিতে কি রাখিতে উদ্যত আছু ও ভাহাতে উক্ত পথ ব্যবহারকারী ব্যক্তিদের বাধা জনিবার সম্ভাবনা;

#### কিম্ব

আমার নিকটে দর্শান গিয়াছে যে তুমি ও জন্য কতকগুলি লোক ( যে শ্রেণীর লোক তাছার উদ্লেখ করিবে ) অমুক রাজপথ ( কি স্থল বিশেষ, অমুক স্থান ) দিয়া ধর্মসংক্রান্ত লোক্যাত্রাক্রমে একত্র হইয়া ঘাইতে উদ্যত আছে ও উক্ত লোক্যাত্রায় দালা কি হল্পমা হইবার সম্ভাবনা;

কিয়া

· আমার নিকটে ইত্যাদি;

এজন্য তোমার প্রতি এতদ্বারা আজ্ঞা দিতেছি যে তুমি ডোমার ভূমি ছইতে তোলা মাটি কি ইট উক্ত পথের কোন স্থানে রাখিবে না কি রাখিতে দিবে না : কিয়া

উক্ত পথ দিয়া যাত্রার লোকজনের গমন এতদ্বারা নিষেধ করিতেছি, ও তোমাকে বিশেষরূপে সাব্ধান করিয়া দিয়া আজ্ঞা করিতেছি যে তুমি ঐ লোক্যাত্রায় মিশিবে না ( তথবা জন্য যেরূপ আজ্ঞা আব্দ্যক হয় দিবে )।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার আক্ষর ও আদালভের মোছর যুক্ত ছইয়া এই আজ্ঞা এদত্ত হইল।

( द्राहर )

# ২২।—বিবাদীয় ভূমি প্রভৃতি অধিকাবে রাখিবার সম্বানপক্ষ,নির্দেশ করিয়া মাজিষ্ট্রেটের আজ্ঞার পাঠ।

### ( 380 थाता (मथ। )

আমার বিচারাধীন স্থানের অন্তর্গর্তী অমুক বিষয় (বিবাদের বিষয় সংক্ষেপ লিখিবে) লইয়া অমুক ব্যক্তিদের মধ্যে (উজয় পক্ষের নাম ও বাসস্থান কিম্বা প্রামাদলের বিবাদ হইলে, কেবল বাসস্থান লিখিবে) যে বিবাদ আছে ডাছাতে শান্তিজ্ঞ হইবার সন্থাবনা যথাযোগ্যরূপে লিপিবন্ধ হেত্কুন্মে আমার এইরূপ প্রতীতি ইওয়াতে উক্ত (বিবাদীয় বিষয়) প্রকৃতরূপে দখল থাকিবার সম্বন্ধে আপনং দাওয়ার বর্ণনাপত্র দিবার নিমিত্ত উক্ত কিল পক্ষকে আদেশ করা যায় ও তৎক্রমে যথাযোগ্য তদন্ত লইয়া আইনমতে উক্তয় পক্ষের মধ্যে কে দখল থাকিবার সহবান এই দাওয়ার বিবেচনা না করিয়া, আমার হ্রেষ্টে জ্মিয়াছে যে উক্ত অমুকের (নাম কি নামসমূর্য কি বর্ণনা দিবে) প্রকৃতপক্ষে দখল করিবার দাওয়া যথার্থ,

এজন্য আমি নিপাত্তি করিয়া নির্দেশ করিতেছি যে উক্ত অমুকের ( কি অমুকদের ) দখলে উক্ত বিবাদীয় বিষয় আছে ও আইনের নিয়মিত প্রণালীক্রমে যাবৎ ভ্রস্ট না হয় উক্ত ব্যক্তি ( কি ব্যক্তিরা ) তাহা দখল রাখিবার স্বত্বান, এবং ইতিমধ্যে তাহার ( কি তাহাদের ) দখলের কোনরূপ বিদ্নকরণ বিশেষরূপে নিষেধ করিতেছি;

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই আজ্ঞাপ্রদন্ত হইল।

(মোহর) ( স্বাক্ষর)

২৩।—ভূমি প্রভৃতির দখল লইয়া বিবাদ হইলে ক্রোক করিবার ৬য়ারণ্টের পাঠ।
( ১৪৬ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের পোলীস ধানার অধ্যক্ষ কিম্বা অমুক স্থানের

কালেক্টর সম:পেযু।

আমারে নিকটে দর্শনি গিয়াছে যে আমার বিচারাধীন স্থানের অন্তর্গক্তি অমুক বিষয় ( সংক্ষেপে বিবাদীয় বিষয়ের উল্লেখ করিবে ) লইয়া অমুক ব্যক্তিদের মধ্যে (পক্ষদের নাম ও বাসস্থান কিয়া গ্রামাদলের মধ্যে বিবাদ হইলে, কেবল বাসস্থান লিখিবে) যে বিবাদ আছে তাহাতে শান্তিভঙ্গ হইবার সন্তাবনা, ও এক্বত পক্ষে উক্ত (বিবাদীয় বিষয়ের) দখল সম্বন্ধে তাহাদের আপানং দাওয়ার বর্ণনাশত্র লিখিয়া দিতে উক্ত উভ্নয় পক্ষের প্রতি যথাযোগ্যরূপে আদেশ করা যায় ও উক্ত দাওয়ার নিয়্মিত তদম্ভ লইয়া আমি নিশুতি করিয়াছি যে উক্ত উভ্নয় পক্ষের মধ্যে কাহারও দখলে উক্ত (বিবাদীয় বিষয়) নাই কিয়া ঐ উভ্নয় পক্ষের মধ্যে কোন্পক্ষ যে পূর্ব্বেক্তিমতে দখলীকার ছিলেন ভ্রিষয়ে আমি কিছুই হির করিতে পারি নাই;

এজন্য ভোমার প্রতি অসমতি দিয়া আদেশ করিতেছি যে তুমি উক্ত (বিবাদীয় বিষয়) দখলে লইমা রাখিয়া ক্রোক করিবে ও যাবৎ পক্ষদের অত্ত্ব কিয়া দখল করিবার দাওয়া নির্নিস্চক উপযুক্ত আদালতের ডিক্রী কি আজ্ঞা না হয় উহা ক্রোক করিয়া রাখিবে; ও যেরপে এই ওয়ারত সাধন হয় পৃষ্ঠানিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারত ক্রেরৎ পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালভের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারে**উ প্রদত্ত হইল**।

(মোহর) ( স্বাক্ষর)

28।—ऋ (न कि ज्वरल रकान कार्या कि विदात निरंश उपके माजिए है रहेत ज्वास्कात भाष्ठ। (389 धाता प्रथा)

আমার বিচারাধীন স্থানের অন্তর্কার্ডী অমুক ভূমি (কি জ্বল) (সংক্ষেপে বিবাদীয় বিষয়ের উদ্ধেশ কৰিবে)

কেবল (অমুক ব্যক্তি কি ব্যক্তিগণ) দখলের দাওয়া করেন বলিয়া ভাষার ব্যবহার করণের স্বত্ব সম্পর্কে
বিবাদ উথিত ইওয়াতে, তহিষয়ের ব্যাহাগ্য ভদস্ভ লইয়া আমার প্রতীতি হইয়াছে যে উক্ত ভূমি ( কি জ্বল)

সাধারণের তদ্রপ ব্যবহারযোগ্য (কিমা কোন ব্যক্তির কি বিশেষ শ্রেণীর ব্যক্তির হইলে, তাহার কি তাহাদের বর্ণনা লিখিবে ) ও ( যদি বৎসরের সন্ধুদয় সময় ব্যবহার করা যাইতে পারে ) উক্ত তদন্তাম্প্রান করিবার ভিন মাস মধ্যে কিয়া যদি বৎসরের কাল বিশেষে ব্যবহার করা ঘাইতে পারে " বৎসরের যে কাল বিশেষে ব্যবহার করা যাইতে পারে শেষ বারের সেই কালে " ) উক্তরূপ ব্যবহার হইয়াছে।

এজন্য আমি আজ্ঞা করিতেছি যে উক্ত (দখলের দাওয়াদার কি দাওয়াদারেরা) কিন্তা তাঁহাদের পক্ষে কেহ, যাবৎ উপযুক্ত আদালতের এই মর্মের ডিক্রী কি আজ্ঞা না পান যে তিনি (কি তাঁহারা) কেবল উক্ত ভূমি (কি জল) দখল করিবার স্বত্বান্, তাবৎ পূর্কোক্ত ব্যবহার করিবার স্বত্তাগ বর্জিত উক্ত ভূমি (কি জলের) দখল লইবেন না (কি রাখিবেন না)।

জন্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই আজ্ঞা প্রদন্ত হইল।

(মোহর) (সাক্ষর)

২৫ ---পোলীস ক**র্মা**র্গারির সন্মুথে প্রথম স্থলীয় তদন্ত সময়ে নিবন্ধপত্রের ও জামিনী নিব**ন্ধা**পত্রের পাঠ।

(১৬৯ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানবাদী শ্রীঅমুক (নাম দিবে) আমার নামে অমুক অপরাধের অভিযোগ হওয়াতে ও তদন্তের পর অমুক স্থানের মাজিটেটের সম্মুখে উপপ্তিত ইইবার আদেশ হওয়াতে কিন্তা তদন্তের পর আদেশ হইলেই অমুক স্থানে উপপ্তিত হইবার নিজে মুচলকা লিখিয়া দিবার আজ্ঞা হওয়াতে আমি প্রতিজ্ঞা করিতেছি যে উক্ত অভিযোগের আবো প্রতিবাদ করিতে আগামি অমুক মাদের অমুক তারিখে (কিন্তা পরে যে দিনে উপস্থিত হইবার আদেশ হয় সেই দিনে) এত ঘটার সময়ে অমুক স্থানের অমুক আদালতে উপস্থিত হইবে। ইহাতে আমার ক্রটি হইলে, আমি ভারতেশ্বরা শ্রীশ্রীমতী মহারাণীকে এত টাকা দণ্ড দিব, এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাস তাং

( সাক্ষর )

প্রীঅমুক অমুক মাদের অমুক ভারিখে (কিম্বা পরে যে দিনে উপস্থিত হইবার আদেশ হয় সেই দিনে)
এত ঘন্টার সময়ে অমুক স্থানের অমুক আদালতে উপস্থিত হইবে ও তাহার নামে যে অভিযোগ আছে তাহার
আরো প্রতিবাদ করিবে, এই বিষয়ে আমি (কিম্বা আমরা সংস্কৃতী ও স্বতন্ত্রভাবে সকলে ও প্রত্যেকে) উপরোক্ত অমুকের জ্ঞামিন স্থাকার করিতেছি; ও তাহাতে তাহার ক্রুটি হইলে আমি ভারতেশ্বরী শ্রীশ্রীমতী
মহারানীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

্সাক্ষর)

২৬।—মোকদ্দমা করিতার বা **দাক্ষ্য** দিবার নিবন্ধপত্রের পাঠ।

(১৭० शाजा (मथ।)

অমুকের নামে অপরাধের যে অভিযোগ হইয়াছে তদ্বিয়ে অমুক স্থান নিবাসা শ্রীঅমুক আমি আগামি অমুক মাদে অমুক ভারিখে বেলা এত ঘন্টার সময়ে অমুক স্থানের অমুক আদালতে উপস্থিত হইয়া তৎকালে ভাহার বিপক্ষে মোকদ্দমা চালাইব (অথবা স্থল বিশেষে মোকদ্দমা চালাইব ও সাক্ষ্য দিব অথবা সাক্ষ্য দিব) এই প্রভিজ্ঞা করিভেছি ইছাতে আমার এটি হইলে আমি ভারতেশ্বরী শ্রীশ্রীমতী মহারানীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

(স্বাক্ষর)

## • २भ ।—गवर्गस्टिकः केकीलहरू माजिहहुँहै कर्ज्क ममर्भत्वतः लांगिमः प्रियादः शते ।।

## (१३४ शाहा (मर्थ ।)

শমুক স্থানের মাজিষ্টেট এডদ্বারা নোটিস দিতেছেন যে তিনি সমুক্ষে আগামি সেশনে বিচারার্থে সম্পশং ক্ষিয়াছেন; ও উক্ত মাজিষ্টেট এডদ্বারা আদেশ দিতেছেন যে গবর্ণমেন্টের উক্তীল উক্ত যোকদ্বার অভিযোগ চালাম ।

অভিযুক্ত ব্যক্তির নাবে অভিযোগ হইয়াছে কে (অভিযোগপত্তে অপরাধের যেরূপ উল্লেখ আছে এই ছলে উদ্রেশ করিবে)।

244 Alte. @18-

(খাক্র)

## ২৮।—অভিযোগের পাষ্ঠ।

#### (२२५ ७ २२२ ७ २२७ शाजा (मय ।)

- (১)—অভিযোগপত্তে একমাত্র দকা বাকিলে।
- (ক) অমুক স্থানের মাজিক্টেট প্রভৃতি শ্রীঅমুক আমি শ্রীঅমুক (অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম) ভোমার নাংস এই অভিযোগ করিলাম।
- খে) তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মালের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে ভারতেশ্বরী শুশ্রীমতী মহারাণীর বিপক্ষে যুদ্ধ করিয়া ভারতবর্ধের দশুবিধি ভাইনের ১২১ ধারামতে দশুনীয় ও সেশন আদালতের বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ (প্রেসিডেন্দী মাজিফ্টেট অভিযোগপত্র প্রস্তুভ করিলে সেশন আদালতের পরিবর্ত্তে হাই কোর্ট লিখিতে হইবে.।)
  - (গ) অতএব উক্ত আদালতে উক্ত অভিযোগপত্রে তোমার বিচার হয় এই আদেশ করিলাম।

## (মাজিফ্রেট সাহেবের স্বাক্ষর ও মোহর)।

- (খ) চিহ্নিত কথার পরিবর্ত্তে পশ্চাৎ লিখিত অন্যতর প্রকারের কথা লেখা যাইতে পারিবে।
- (২)—ভারতরর্ষের গবর্ণর জেনবল সাংহবের মন্ত্রিসভার সভ্য মান্যবর অমৃক সাংহব উক্ত সভ্যক্ষরপে বৈধ
  ক্ষমভামতে কার্য্য না করেন এই নিমিত্তে ভূমি অমৃক স্থানে অমৃক সালের অমৃক

  \*\*\*
  মাসের অমৃক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বেক কি পরে ঐ শভ্যের প্রক্তি
  আক্রমণ করিয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ১২৪ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের [কি হাই কোটের]
  কিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।
- (৩) তৃমি অমুক কর্মবিভাগের রাজকীয় কার্য্যকারক ছইয়া স্থীয় পদ সম্পর্কীয় কোন কর্ম না করিবার প্রান্তিস্বরূপে আপনার আইনমত বেতন ভিন্ন অমুক [নামক] ব্যক্তির নিমিত্তে ১৬১ শারা। অমুক (নামক) ব্যক্তির দ্বানে পারিতোধিক গ্রহণ করিয়া ভারতবর্ধের দশুবিধি আইনের ১৬১ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের [কি হাই কোর্টের] বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।
- (৪)—তুমি অমুক ছানে বমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বে কি পরে অমুক কর্ম করিয়াছিলে (কিয়াছল বিশেবে অমুক কর্ম কর নাই) ও তাহা অমুক সালের ১৬৬ ধারা।

  আমুক আইনের অমুক ধারার বিধানের বিপক্ষে অমুকের বিশ্বজনক ছিল ইহা
  ভামিতে; ইহাতে ভারতবর্ষীয় দশুবিধির আইনের ১৬৬ ধারামতে দশুনীয় ও সেশন আদালতের [কিহাই কোর্টের]
  বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।
- (a) অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাছার কিঞ্চিৎ পুর্বে কি পরে
  শ্রীঅমুকের সমুখে অমুকের বিচার হওয়া সময়ে ভূমি সাক্ষ্য দেওন কালে
  এই কথা কহিয়াছিলে যে,

আর তুমি সেই কথা মিখ্যা জানিয়া কিখা মিখ্যা বলিয়া বিশ্বাস করিয়া কিখা সভ্য বলিয়া বিশ্বাস না করিয়া করিয়াছিলে, ইহাতে ভারতবর্ষীয় দশুবিধির আইনের ১৯৩ ধারামতে দশুনীয় ও সেশন আদালতের [কিছাই কোটের] বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

- (৬) তুমি অমুক ছানে অমুক সালের অমুক মালের অমুক ভারিখে কি ভাছার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে জ্ঞান
  ক্ষত বধের ভূল্য নয় এমত অপারাধযুক্ত নরহত্যা করিয়া অমুকের মৃত্যুর
  কারণ হইয়াছ, ইছাতে ভারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ৩০৪ ধারামতে
  দণ্ডলীয় ও সেশন আদালতের [ কি ছাই কোটের ] বিচার্য্য অপারাধ করিয়াছ ব
- (৭) অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে আনন্দ মন্ত হ 'রা আত্মহত্যা করিবার উদ্যোগ করিলে তুমি তাহার আত্মহাতী হইবার সহায়তা করিয়া স্তারতবর্ধের দণ্ডবিধির আইনের ৩০৬ ধারামতে দণ্ডনীর ও সেশন আদালতের [ কি ছাই কোর্টের ] বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।
- (৮) ভূমি অমুক ছানে অমুক সালের অমুক মানের অমুক ভারিখে কি ভাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্ধে কি পরে
  ইচ্ছাপূর্ব্ধক অমুকের গুরুতর পীড়া জন্মাইয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৫ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের [ কি হাই কোর্টের]
  বিচার্য্য অপারাধ করিয়াছ।
- (৯) ভূমি অমুক স্থানে অমুক সংলের অমুক মাসের অমুক ভারিখে কি ভাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পারে
  অমুকের উপর (নাম দিবে) দহুতো করিয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির
  আইনের ৩৯২ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন শাদালভের [ কি হাই কোর্টের]
  বিচার্য্য অপরাধ করিষাছ।
- (১০) তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে কি ভাহার কিঞ্চিৎ পুর্ন্ধে কি পরে
  ভাকাইতী করিয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩৯৫ ধারামতে দণ্ডনীয়
  ও সেশন আদালতের [ কি হাই কোর্টের ] বিচার্য্য অপরাধ করিয়া ছ।
  মাজিক্টেটের দ্বারা মোকদ্দমার বিচার হইলে "সেশন আদালতের বিচার্য্য এই কথা ত্যাগ করিয়া "আমার
  বিচার্য্য" এই কথা প্রয়োগ করিতে হইবে। (গ) প্রকরণে "উক্ত আদালতে" এই কথা ত্যাগ করিতে হইবে।
  - (१)—অভিযোগ হই কি তদধিক দকা থাকিলে।
- (ক) অমুক স্থানের মাজিক্টেট প্রভৃতি প্রীঅমুক আমি শ্রীঅমুক ( অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ) তোমার নামে এই শভিযোগ করিলাম।
- খে) প্রথম। তুমি অমুক ছানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে কি ভাহার কিঞ্ছিৎ পূর্বেক কি

  পরে কোন মুদ্রা ক্লভিম জানিয়া অক্লভিম বলিয়া অমুক ( নামক ) ব্যক্তিকে

  দিয়াছিলে। ইহাতে ভারতবর্ষের দঙবিধির আইনের ২৪১ ধারামতে

  দঙ্জনীয় ও সেশন আদালতের ( কি হাই কোটের ) বিচাধ্য অপরাধ করিয়াছ।
- ছিতীয়। তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বে কি পিরে কোন মুদ্রা ক্বন্তিম জানিয়া তাহা অক্বনিমরণে এইণ করিতে অমুকের প্রবৃত্তি জন্মাইবার উদ্যোগ করিয়াছিলে। ইহাতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ২৪১ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।
- (গ) অতএব উক্ত অভিযোগক্রমে উক্ত আদালতে ভোমার বিচার হয় আমার এই আদেশ (মাজিফ্রেট সাহেবের স্বাক্ষর ও মোহর )।
  - ( খ ) প্রকরণের পরিবর্ত্তে এইরূপ কথা লেখা যাইতে পারে।
- (২) প্রথম। তুমি অমুক স্থানে অমুক সালে অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বের
  কিপরে, অমুকের মৃত্যুর কারণ হইমা জ্ঞানকৃত বধ করিয়াছ। ইহাতে
  ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩০২ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদাক্ষের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

ছিতীয়। তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি ভাহার কিঞ্চিৎ পূর্বেক পরে আমুকের মৃত্যুর কারণ হইয়া অপারাধ যুক্ত নরহত্যা করিয়াছ। ইহাতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩০৪ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপারাধ করিয়াছ।

(৩) প্রথম। তুমি অমূক স্থানে অমূক সালের অমূক মাসের অমূক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে চুরি করিয়া ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩৭৯ ধারামতে দণ্ডনীর ও সেশন আদালতের । কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

ৰিভীয়। তমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্ছিৎ পূঞা কি পানে চুরি করিবার অভিপ্রায়ে কোন ব্যক্তির প্রাণ নাশ করিবার উদ্যোগ করিয়া চুরি করিয়াছিলে। ইহাডে ভারতবর্ষের দশুবিধির আইনের ৩৮২ ধারামতে দশুনীয় ও সেশন আদালতের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপ্রাধ্ব ভারিষাছ।

• তৃতীয়। তৃমি অমুক ছামে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বেক কি পরে চুরি করণের পর পলায়ন করিতে পারিবার নিমিতে কোন ব্যক্তিকে অবরুদ্ধ করিবার উদ্যোগ করিয়া চুরি করিয়া-ছিলে; ইহাতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩৮২ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (কি হাই কোর্টের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

চতুর্থ। তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কি তাহার কিঞ্চিৎ পূর্ব্বে কি পরে, চোর্য্যক্রমে অপহত দ্রব্য রাখিতে পার এই নিমিত্তে কোন ব্যক্তির পীড়া দিবার ভয় জন্মাইবার উদ্যোগ করিয়া চুরি করিয়াছ; ইহাতে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৬৮২ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (কিছি কোটের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

১৯৩ ধারামতে অমৃকম্পে অভিবোগ।

(৪) অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক ভারিশে কিলা তাহার কিঞ্চিৎ পূর্বে কি পরে শ্রীঅমুকের সন্মুখে অমুক ব্যাপারের ভদম্ভ লওন সময়ে তুমি দাক্ষ্য দেওন কালে এই কথা কহিয়াছিলে যে " এবংঅমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কিলা ভাছার কিঞিৎ

পুর্ব্বে কি পরে শ্রীঅমুকের সম্মুখে অমুকের বিচার হওন সময়ে সাক্ষ্য দেওন কালে এই কথা কহিয়াছিলে যে

"ইহার মধ্যে এক কথা তৃমি মিখ্যা জানিতে কি মিখ্যা বিদ্যান করিতে না। ইহাতে ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ১৯৬ ধারামতে দণ্ডনীয় ও
সেশন আদাসতের (কি হাই কোর্টের ) বিচার্য্য অপ্রাধ করিয়াছ।

মাজিফেটদের দারা মোকদ্দমার বিচার হইলে, " সেশন আদালতের বিচার্য্য '' এই কথা ভ্যাগ করিয়া " আমার বিচার্য " এই কথা প্রয়োগ করিতে হইবে এবং " উক্ত আদালতে " এই কথা ভ্যাগ করিতে হইবে।

(৩) পূর্ব্ব অপরাধ নির্ণয় হইবার পর চুরি করিবার অভিযোগ হইলে;

অমুক স্থানের মাজিক্টেট প্রভৃতি শ্রীঅমুক শ্রীঅমুক ( অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ) তোমার নামে এই অভিযোগ করিলাম।

তুমি অমুক স্থানে অমুক সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে কিম্বা তাহার কিঞ্চিৎ পূর্কে বা পরে চুরি করিয়াছিলে। ইহাতে ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ৩৭৯ ধারামতে দণ্ডনীয় ও সেশন আদালতের (অথবা ছল বিশেষ হাই কোটের বা মাজিটেটের) বিচার্য্য অপরাধ করিয়াছ।

এবং তুমি উক্ত শ্রীঅমুক অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ) উক্ত অপরাধ করিবার পূর্বে, অর্থাৎ অমুক সালের অমুক তারিখে অমুক স্থানে ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ১৭ অধ্যায়মতে জিন বংসর কারাদণ্ডে দণ্ডনীয় অপরাধে অর্থাৎ রাত্রিযোগে দোষ ভাবে পরগৃহে প্রবেশ অপরাধে (যে ধারামতে অভিযুক্ত ব্যক্তির অপ-বাধ নির্বিহ হয় সেই ধারায় যে২ শব্দ ব্যবহৃত হইয়াছে তদ্ধারা অপরাধের বর্ণনা করিতে হইবে) অমুক্ত আদালত কর্তৃক (যে আদালত কর্তৃক অপরাধা নির্ণীত হয় সেই আদালতের নাম দিবে ) অপরাধী নির্ণীত হইয়াছিলে । উক্ত অপরাধ নির্ণয় অদ্যাপি সম্পূর্ণরূপে বলবৎ ও ফলবৎ আছে এবং তুমি তক্ষন্য ভারতব্যায় দণ্ডবিধির আইনের ৭০ ধারামতে অধিক দণ্ড পাইবার যোগ্য।

ষ্মতএব স্মামার স্মানেশ এই যে, উক্ত স্মভিযোগক্রমে উক্ত স্মানালতে ভোমার বিচার হয়।

২৯। —কোন মাজিপ্রেট কারাদণ্ডের কি অর্থদণ্ডের আজ্ঞা করিলে তদনুসারে কারাবদ্ধ

ক'রবার ওয়ারশ্টের পাঠ।

(२८६ ७ २६४ श्रांता (मथ।)

ষমুক স্থানের জেলের হুপারিতেতেও (কি রক্ষক) সমীপে।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার (নাম পদস্চক খ্যাতি দিবে) সমুখে ১৮ সালের কালেগুরের এত নং মোকদমার (প্রথম কি দ্বিতীয় কি তৃতীয় ইত্যাদি যে হউক) আসামী অমুক (আসামীর নাম দিবে) ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের কি অমুক আইনের এই (কি এই২) ধারামতে অমুক অপরাধ নির্বন্ধ হুওয়াতে এই দণ্ডের আজ্ঞা হইয়াছে (সম্পূর্ণভাবে ও স্পাইনপে দণ্ডের উল্লেখ করিবে)।

এজন্য তোমার প্রতি অহমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত ছপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) উক্ত অমুক্কে (আসামার নাম দিবে) এই ওয়ারন্ট সহিত উক্ত জেলে তোমার হেফাজতে গ্রাহণ করিবে ও তথায় আহনমতে পূর্কোক্ত দভাজ্ঞা সাধন করিবে।

আদ্য ১৮ সালের অমৃক মাসের অমৃক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালভের মোহর মৃক্ত হইর। এই ওয়ারন্ট প্রদন্ত হইল।

(মোহর)

৩০।—ক্রোক করিয়া ক্ষতিপ্রণের টাক্ষা আদায়-না হইলে কারাদত্তের ওয়ারটের পাঠ।

(२०० धाता (मथा)

অমুক ছানের জেলের হুপারিকেতেও (কি রক্ষক) সমীপেষু।

অমুক্ (নাম ও বর্ণনা দিবে) অমুকের (অভিযুক্ত ব্যক্তির নাম ও বর্ণনা লিখিবে) বিকলে এই বলিয়া নালিশ করে যে (নালিশের মর্ম্ম সংক্ষেপে লিখিবে) ও অনর্থক ও বিরক্তিকর বলিয়া ভাহা ডিসমিস করা গিয়াছে ও ভিসমিস করিবার আজ্ঞায় উক্ত অমুকের (বাদির নাম দিবে) প্রতি ক্ষতিপুরণ স্থরূপ এত টাকা দিবার আদেশ হইমাছে; ও উক্ত টাকা দেওয়া যায় নাই ও উক্ত অমুকের (বাদির নাম দিবে) অছাবর সম্পতি ক্রোক করিয়া ভাহা আদায় করা ঘাইতে পারে না ও ইতি মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গেলে, ভাহার এত দিনের কারাদঞ্জের আজ্ঞা-হইয়াছে;

ঞ্জন্য ভোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা ঘাইতেছে যে তুমি উক্ত অপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) উক্ত অমুক্তকে (নাফ দিবে) এই ওয়ারন্ট সহিত তোমার হেলাজতে গ্রহণ করিবে ও তাহাকে ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির আইনের ৬৯ ধারার বিধানের নিয়মাধানে এত কাল উক্ত জেলে নির্কিন্দে রাখিবে কিন্তু ইতিমধ্যে উক্ত ই।কা দেওয়া গেলে, তাহা পাইয়া তাহাকে মুক্ত করিবে। যেরপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমূক মাসের অমূক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারক্ট প্রদক্ত হইল।

(যোহর)

(আকর)

७५।-- माकीत नात्य मयत्नद्र शार्थ।

(एम ७ २०२ शाता (मर्थ ।)

পমুক ছানবালী এ পমুক সমীপেয়।

আমার নিকটে নালিশ হইরাছে যে অমুক খানবাসী অমুক অমুক অপরাধ (সমন্ন ও ছানসহ সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ করিবে) করিয়াছে (কি করিয়াছে বলিয়া সন্দেহ হয়) ও আমার বোধ হয় যে ত্মি অভি-যোগের পক্ষে প্রয়োজনীয় সাক্ষ্য দিতে পারিবে।

এজন্য উক্ত নালিশের বিষয় সম্পর্কে তুমি যাহা জান তাহার সাক্ষ্য দিতে আগামি অমুক মাসের অমুক তারিখে পূর্বাহ্ন দশ ঘটিকার সময়ে তুমি এই আদালতে উপস্থিত হইবে, ও আদালতের অমুমতি না লইয়া তথা হইতে চলিয়া যাইবে না এতদ্বারা তোমার প্রতি এই সমন দেওয়া গেল ও তোমাকে সাবধান করা যাইতেছে যে তুমি ন্যায়ামগত কারণ বিনা উক্ত তারিখে উপস্থিত হইতে উপেক্ষা কি অস্বীকার করিলে, তোমাকে বলপূর্বক উপস্থিত করাইবার নিমিত্ত ওয়ারণ্ট দেওয়া যাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই সমনপত্র প্রদক্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

৩২।—জুরর ও আদেসরদিগকে সমন করিবার নিমিত্ত জিলার মাজিষ্ট্রেট সাহেবের প্রতি
আদেশপত্তের পাঠ।

(७२७ शादा (मथ ।)

অমুক জিলার মাজিক্টেট সাহেব সমীপেশু।

আগামি অমুক মাসের অমুক তারিখে অমুক স্থানের আদালত হরে কোজদারী সেশন বসিবে এই আদালত ক্ষা জ্বর ও আসেলরদের যে সংশোধিত কর্দ দেওয়া গিয়াছে তভুক্ত নামের মধ্য হইতে নিয়মিতরপে শুলিবাটক্রমে এতল্লিখিত ব্যক্তিদের নাম নির্বাচিত হইয়াছে, এজন্য এতদ্বারা তোমার প্রতি আদেশ করা হাইতেছে বে উক্ত তারিখে প্রায় দশ ঘটিকার সময় উক্ত সেশন আদালতে উপস্থিত হইবার সমন উক্ত

্ব্যক্তিদিগকে দিবে ও এই আদেশ অহসারে তুমি যে ইহা করিলে উক্ত সময়ের মধ্যে তাহার সাটিফিকেট পাঠাইবে।

(এই ছলে क्रात ও আসেসরদের নাম দিবে।)

আন্ত ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইরা এই আদেশপত্র প্রদত্ত হইল।

(যোহর)

(স্বাক্র)

७७।— डूब्र कि आरममत्रक मयन निवाद शार्छ।

(७२৮ शाजा (मथ ।)

प्रमुक शानवानी खीजमूक नमीरभव।

আগামি কৌজদারী সেশনে আসেসর (কি ছ্রের) স্বরূপ ভোমার উপস্থিত হইবার আজ্ঞাসূচক অমুক ছানের সেশন আদালতের আদেশপত্র আমার নিকটে প্রেরিত হওয়াতে তৃমি আগামি অমুক মাসের অমুক ভারিখে পূর্কাক দশ ঘটিকার সময় উক্ত সেশন আদালতে উপস্থিত হইবে, ভোমাকে এতদ্বারা এই সমন দেওয়া গেল।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই সমন্পত্র প্রদন্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

৩৪। – প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হইলে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারকের পাঠ।

(৩৭৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিক্টেণ্ডেক্ট (কি রক্ষক) সমীপেযু।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার সমুখে সৈশন হয় উক্ত সেশনে কালেণ্ডরের এত নম্বর মোকদমার (প্রথম কি দ্বিতীয় কি তৃতীয় ইত্যাদি যে হউক) আসামীর অমুকের (আসামির নাম দিবে) দণ্ডবিধির আইনের এত ধারামতে বধস্বরূপ অপরাধজনক নরহত্যাপরাধ নিয়মিতরূপে নিণীত হইয়া প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা হইয়াছে ও অমুক স্থানের অমুক কোট কর্তৃক উক্ত দণ্ডাজ্ঞা দৃঢ় করণের অপেক্ষা আছে;

এজন্য তোমার প্রতি অহমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিক্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারক্টসহ উক্ত অমুককে (আশামির নাম দিবে) উক্ত জেলে তোমার হেফাজতে প্রাহণ করিবে ও যাবৎ অমুক কোর্টের আজ্ঞা কলবতী করণার্থে এই আদালতের অন্যতর ওয়ারক্ট কি আজ্ঞা না পাও তাহাকে তথায় নির্বিধের রাখিবে।

আদ্য ১৮ সালের অনুক মাসের অনুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই ওয়ারন্ট প্রদন্ত হইল।

(যোহর)

(স্বাক্ষর)

৩৫।—প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা সাধন করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

( ७४) शादा (मथ। )

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) সমীপেয়ু )।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার সমুখে যে সেশন বসে তাহাতে কালেণ্ডরের এত নম্বর মোকদ্দমায় (প্রথম কি দ্বিতীয় কি তৃতীয় ইত্যাদি যাহা হউক) আসামী অমুককে (আসামির নাম দিবে) অমুক মাসের অমুক তারিখের এই আদালতের ওয়ারউক্রমে প্রাণদণ্ডের আজ্ঞাধানে তে মার হেফাজ্বতে সমর্পণ করা গিয়াছে এবং উক্ত দণ্ডাজ্ঞার দৃঢ়ীকরণাত্মক অমুক কোটের আজ্ঞা এই আদালতে গৃহীত হইয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে উক্ত স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট, [ কি রক্ষক ] তদাজ্ঞাসাধন করিবার নিয়মিত সময়ে ও স্থানে যাবৎ উক্ত অমুক না মরে তাছার গলায় উদ্বন্ধনদ্বারা উক্ত দণ্ডাজ্ঞা সাধন করিবে, এবং উক্ত দণ্ডাজ্ঞা সাধন হইয়াছে, পৃষ্ঠলিপিক্রমে ইহার সার্টিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট এই আদালতে কেরত পাঠাইবে।

ি অদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদাসতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদক্ত হইল।

(যোহর)

**( স্বাক্**র )

## ৩৬ ় — দণ্ড পরিবর্ত্তনের পর ওয়ারক্টের পাঠ। ( ৩৮১ ও ৩৮২ ধারা দেখ। )

অমুক স্থানের জেদের স্থপারিকেন্ডেক (কি রক্ষক) সমীপেষ্)।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে যে সেশন বসে তাহাতে কালেশুরের এত নম্বর যোকক্ষমায় প্রথম কি বিতীয় কি তৃতীয় ইত্যাদি যে হউক) আসামী অমুকের (আসামির নাম দিবে) ভারতবর্ষীয় দণ্ডবিধির এত ধারামতে দণ্ডনীয় অমুক অপরাধ নির্ণয় হইয়া এই দণ্ডের আজ্ঞা হয় ও তদন্সারে তাহাকে তোমার হেকাজতে সম্পূর্ণ করা যায়; এবং অমুক আদাসতের আজ্ঞাদারা (যে আজ্ঞার দোকর লিপি এতৎসঙ্গে দেওয়া গেল) উক্ত দণ্ডাজ্ঞার নির্দ্দিত দণ্ডের পরিবর্তে যাবজ্ঞীবন দ্বাপান্তর (কি অন্য যেরপ হয়) দণ্ডের আদেশ ইইয়াছে;

এজন্য তোমার প্রতি অন্থাতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত অমুক স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) যাবৎ উক্ত আজ্ঞামতে দ্বীপান্তর দণ্ড ভোগ করণার্থে উপযুক্ত কর্তৃত্বাধীনে ও হেফাজতে উক্ত অমুর্ককৈ [নাম দিবে] সমর্পণ করিতে না পার, তাবৎ তাহাকে আইনের আদেশমতে নির্কিন্দে উক্ত জেলে তোমার হেকাজতে রাখিবে;

কিয়

লঘুক্তত দণ্ডের আজ্ঞা কারাদণ্ডের হইলে " যাবং" অবধি "তাবং" পর্যান্ত কথা না লিখিয়া "হেকাজতে রাখিবে" এই কথার পরে এইং কথা দিবে "ও উক্ত আজ্ঞামতে আইন অনুসারে তথায় কারাদণ্ড সাধন করিবে।"

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদক্ত হইল;

( যোহর )

( স্বাক্ষর )

৩৭।—ক্রোক ও বিক্রয় দারা অর্থদণ্ড আদায় করিবার ওয়ারক্টের পাঠ।
(৩৮৬ ধারা দেখ।)

শ্রীঅমুক সমীপেষ্ ( যে পোলীদের কর্মকার কি অন্য ব্যক্তি কি ব্যক্তিরা ওয়ারন্ট সাধন করিবে ডাছার কি ভাছাদের নাম ও খ্যাতি লিখিবে)।

১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার সমুখে অমুকের (অপরাধীর নাম ও বর্ণনা দিবে)
অমুক অপরাধ (সংক্ষেপে অপরাধের উল্লেখ করিবেক) নির্ণয় হইয়া এত টাকা অর্থ দণ্ড দিবার আজ্ঞা হয় এবং
উক্ত অমুকের (নাম দিবে) প্রতি উক্ত অর্থ দণ্ড দিবার আদেশ হইলেও সে উক্ত টাকা কি তাহার কোন অংশ
দেয় নাই;

এজন্য তোমার প্রতি অহমতি দিয়া আদেশ করিতেছি যে অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের (নাম দিবে) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাহা আটক করিয়া ক্রোক করিবে ও তদ্রপ ক্রোক হইবার পর এত কাল মধ্যে (যত দিন কি ঘন্টা সময় দেওয়া যায় লিখিবে) কিম্বা অবিলপ্তে উক্ত টাকা না দেওয়া গেলে উক্ত ক্রোকক্রত অস্থাবর সম্পত্তি কিম্বা উক্ত অর্থ দণ্ডের টাকা পরিশোধ করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে। এবং এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতংক্রমে ভূমি যাহা করিয়াছ পৃষ্ঠলিশিক্রমে তাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই ওয়ার ট প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

৩৮।—কোন ২ অবজ্ঞার মোকদ্দমার অর্থদণ্ড হইলে, কার।বদ্ধ করিবার ওয়ারনেট্র পাঠ।

(৪৮০ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) সমীপেয়ু।

অদ্য আমার সন্মুখে আদালতের অধিবেশনে অমৃক (অপরাধীর নাম ও বর্ণনা দিবে) আদালতের সন্মুখে (কি দৃষ্টিগোচরে) ইচ্ছাপূর্কক অবজ্ঞাকরণাপরাধ করিয়াছে।

এবং এইরপ অবজ্ঞা নিমিত্ত আদালত অমুকের (অপরাধীর নাম দিবে) এত টাকা অর্থদণ্ডের, ও তাহা না দিলে এত কাল (মাস কি দিনের সংখ্যা লিখিবে) কারাদণ্ড ভোগের আজ্ঞা করিয়াছেন;

এজন্য ভোষার প্রতি অস্মতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত জেলের মুপারিন্টেঙেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের সহিত উক্ত অমুককে (অপরাধার নাম দিবে) ভোষার 'হেফাজডে গ্রহণ করিবে ও ইতিমধ্যে উক্ত অর্থনন্ত আহত না হইলে এত কাল (কারাদণ্ডের কাল নির্দেশ করিবে) ভাহাকে উক্ত জেলে নির্বিদ্যে রাখিবে এবং উক্ত টাকা পাইলে তৎক্ষণাং ভাহাকে মুক্ত করিবে ও যেরূপে এই ওয়ারন্ট সাধন হইল পৃষ্ঠলিপিক্রমে ভাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরত পাঠাইবে।

° আদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমক তারিখে আমার জাক্ষর ও অদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ার্ট প্রদক্ত হইল।

('মোহর )

৩৯।—সাক্ষী উত্তর দিতে অস্বীকার করিলে মাজিষ্ট্রেটের বা জজের তাহাকে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারকেটর পাঠ।

( 8 ४० थाता ( पर्य । )

শ্রীঅমৃক ( আদালতের কর্মকারকের নাম ও খ্যাতি দিবে ) সমীপেয়ু ।

অমুক (নাম ও বর্ণনা দিবে) সাক্ষীস্থরপ সমন প্রাপ্ত হইয়া কিন্তা এই আদালতের সমুধে আনীত হইয়া ও অপরাধের অভিযোগের তদন্ত কালে অদ্য সাক্ষ্য দিবার আদেশ প্রাপ্ত হইয়া উক্ত অপরাধের অভিযোগের তদন্ত কালে অভিযোগ সন্থক্কে যে (কি যে যে) প্রশ্ন তাহার প্রতি করা গিয়া নিয়মিতরূপে লেখা যায়, অস্বীকার করিবার ন্যায়ান্ত্রণত কারণ না দর্শাইয়া সেই প্রশ্নের উক্তর দিতে অস্বীকার করে এবং উক্ত অবজ্ঞা নিমিত্ত তাহাকে এতকাল (আটক করিয়া রাখিবার কাল নির্দেশ করিবে) হেফাজ্রতে আটক করিয়া রাখিবার আদেশ হইয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি অহমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে ভূমি উক্ত অমুককে (নাম দিবে) হেফাজতে গ্রহণ করিবে এবং ইতিমধ্যে সাক্ষ্য দিতে ও জিজ্ঞাসিত প্রশ্নের উত্তর করিতে সন্মত না হইলে এত দিন তাহাকে তোমার হেফাজতে নির্বিদ্ধে রাখিবে, ও তাহার শেষ দিনে কিছা তদ্রপ সন্মতি জ্ঞাত হইবা মাত্র আইনমতে কার্য্য হইবার নিমিত্ত তাহাকে এই আদালতের সন্মুখে আনিবে, ও যেরূপে এই ওয়ার্ন্ট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ার্ন্ট কেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমৃক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদন্ত হইল।

(মোহর) (স্বাক্ষর)

৪০।—ভরণপোষণের টাকা না দিলে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

( ४৮৮ शाता (मथ । )

অমুক স্থানের জেলের স্থারিতেওেউ [ কি রক্ষক ] সমীপের।

জামার সন্থাপে প্রমাণ ইইয়াছে যে অমুকের [নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে] যে সঞ্চতি আছে তাহাতে সে আপন লার (নাম দিবে) কি এইং কারণ [কারণ উল্লেখ করিবে] বশতঃ আত্মন্তরণপোষণাক্ষম সন্তানের (নাম দিবে) ভরণপোষণ করিতে পারে ও ভৎকার্য্য করিতে সে উপেকা (কি অস্বাকার) করিয়াছে ও ভাহার লার (কি সন্তানের) ভরণপোষণ নিমিত্ত উক্ত অমুকের (নাম দিবে) প্রতি মাসিক এত টাকা দিবার আজ্ঞা নিয়মিতরপে করা গিয়াছে এবং ইহাও সপ্রমাণ ইইয়াছে যে উক্ত অমুক (নাম দিবে) স্বেক্ষাপ্র্বক উক্ত আজ্ঞা অমান্য করিয়া অমুক (কি অমুক অমুক) মাসের রভিস্বরূপ এত টাকা দেয় নাই এবং ডক্ষন্য উক্ত জেলে কাহার এত কাল সামান্য (কি কঠোর) কারাদণ্ডের আজ্ঞা করা গিয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি অস্থাতি দিয়া আদেশ করা ঘাইতেছে যে তুমি উক্ত অপারিকেওকৈ (কি রক্ষক) উক্ত অমুককে (নাম দিবে) এই ওয়ারক সহিত উক্ত জেলে তোমার হোকাজতে গ্রহণ করিবে, ও তথায় আইনমতে উক্ত আজ্ঞা সাধন করিবে; ও যেরপো এই ওয়ারক সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সার্টিকিকেট দিখিয়া এই ওয়ারক কেরত পাঠাইবে।

আলা ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের যোহর বুক্ত হইর। এই ওয়ারন্ট প্রদন্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

85।—ক্রোক ও বিক্রয় দারা ভরণপোষণের টাকা আদায় প্রবল করিবার ওয়ারটের পাঠ।
( ৪৮৮ ধারা দেখ। )

## এঅমুক সমীপেয়।

( যে পোনীস কর্মকারক কি জন্য ব্যক্তি ওয়ারন্ট সাধন করিবে ভাহার নাম ও খ্যাভি লিখিবে )।

আপন দ্বীর (কি সম্ভানের) ভরণপোষণ নিমিত্ত উক্ত অমুকের (নাম দিবে) প্রতি মাসিক এত টাকা দিবার আজ্ঞা নিয়মিতরূপে করা গিয়াছে এবং উক্ত অমুক (নাম দিবে) স্বেচ্ছাপূর্কক উক্ত আজ্ঞা অমান্য করিয়া অমুক (কি অমুক অমুক) মাসের ইন্ডিস্করপ এত টাকা দেয় নাই।

এজন্য ভোমার প্রতি অমুমতি দিয়া আদেশ করা ঘাইতেছে যে ভূমি অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের (নাম দিবে) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাহা আটক করিয়া ক্রোক করিবে ও তজ্ঞপ ক্রোক হইবার পর এত কাল মধ্যে (যত দিন কি ঘন্টা সময় দেওয়া যায় তাহা লিখিবে) কিন্তা অবিলম্বে উক্ত টাকা দেওয়া না গেলে, উক্ত ক্রোকক্বত অস্থাবর সম্পত্তি কিম্বা উক্ত টাকা পরিশোধ করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে ও এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে ভূমি যাহা করিয়াছ পৃষ্ঠালিপিক্রমে তাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারন্ট প্রদন্ত ইইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

৪২।—মাজিট্রেটের সম্মুখে প্রথম স্থলীয় তদন্ত সময়ে নিবন্ধপত্রের ও জামিনী নিবন্ধ পত্ত্রের পাঠ। (৪৯৬ ও ৪৯৯ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানবাসী আমি অমুক (নাম দিবে) অমুক অপরাধের অভিযোগে অমুক স্থানের মাজিফ্রেটের সন্মুখে আনীত ইইয়াছি ও তাঁহার আদালতে ও আবশ্যক হইলে, সেশন আদালতে আমার উপস্থিত হইবার জামিন দিবার আদেশ পাইয়াছি, অতএব আমি প্রতিজ্ঞা করিতেছি যে উক্ত অভিযোগের প্রথমস্থলীয় তদম্প্রের প্রতিদিন উক্ত মাজিফ্রেটের আদালতে উপস্থিত হইব এবং উক্ত মোকদ্দমা যদি বিচারার্থে সেশন আদালতে প্রেরিত হয়, আমার বিরুদ্ধে উক্ত অভিযোগের প্রতিবাদ করিবার আদেশ পাইলেই উক্ত আদালতে উপস্থিত হইতে থাকিব, ইহাতে আমার ক্রটি হইলে, শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব, এই মর্ম্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

( স্বাক্ষর )

উক্ত অমুকের (নাম দিবে) নামে যে অপরাধের অভিযোগ হইয়াছে তাহার প্রথমন্থলীয় তদন্তের প্রতি
দিন অমুকের আদালতে সে উপস্থিত হইবে, উক্ত মোকদ্দমা যদি বিচারার্থে সেশন আদালতে প্রেরিভ হয় তাহার
বিরুদ্ধে অভিযোগের প্রতিবাদ করিবার নিমিত্ত উক্ত আদালতে উপস্থিত হইতে থাকিবে আমি (কিছা আমরা
সংস্ফুইভাবে কি স্বতন্ত্ররূপে সকলে ও প্রত্যেকে) এই বিষয়ে অমুকের জামিন স্থীকার করিলাম, ইহাতে ভাহার
ক্রাটি হইলে আমি শ্রীশ্রীমতী মহারানী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিব এই মর্মের নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিলাম।

১৮ সাল তাং

( স্বাক্ষর )

৪৩।—জামিন না দেওয়াতে যে ব্যক্তি কারাবদ্ধ হয় তাহাকে মুক্ত করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

(৫০০ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক কিম্বা অন্য যে কর্মচারির হেকাজতে উক্ত ব্যক্তি থাকে সেই কর্মচারা ু) সমীপোয়ু।

অমুক মাসের অমুক ভারিখে এই আদালভের ওয়ার্টক্রমে অমুক্কে (বন্দির নাম ও বর্ণনা দিবে)
• ভোমার হেকাজতে সমর্পণ করা গিয়াছে ও তদনম্ভর সে কেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইনের
৪৯৯ ধারামতে জামিন কি জামিনদের সহ নিয়মিতরূপে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়াছে;

এজন্য তোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করিতেছি যে তুমি উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) অন্য কোন বিষয়ের নিমিত্ত আটক থাকিবার যোগ্য না হইলে তাহাকে অবিলম্বে তোমার হেফাজত হইতে মুক্ত করিবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মানের অমুক তারিখে আমার স্থাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই ওয়ারত প্রদন্ত হইল।

(যোহর)

( স্বাক্র )

# 88।—নিবন্ধপত্র প্রবল করণার্থে ক্রোক করিবার ওয়ার**েটর পাঠ।**(৫১৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের পোলীস থানার অধ্যক্ষ সমীপেষু।

অমুক (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) স্থায় মুচলকা অন্থদারে অমুক কার্য্যের উপলক্ষে (উপলক্ষের উল্লেখ করিবে) উপস্থিত হয় নাই ও ভদ্রপ ক্রটিপ্রযুক্ত শ্রীশ্রীমতা মহারাণী ভারতেশ্বরীর নিকটে এত টাকার (নিবন্ধপত্রের অর্থনভের টাকার) দায়ী হইয়াছে; এবং উক্ত অমুককে (নাম দিবে) নিয়মিতরূপে নোটিস দেওয়া গেলেও সে উক্ত টাকা দেয় নাই অথবা উক্ত টাকা ভাহার নিকট কেন আদায় করা ঘাইবে না ইহার উপযুক্ত কারণ দেখায় নাই।

এজন্য তোমার প্রতি অনুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের ( নাম দিবে ) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাহা আটক করিয়া রাখিয়া ক্রোক করিবে এবং তিন দিনের মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গেলে, উক্ত ক্রোকক্বত সম্পত্তি কিয়া উক্ত টাকা আদায় করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই এংশ বিক্রয় করিবে এবং এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে তুমি যাহা করিয়াছ তাহার রিটর্ণ পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারউ প্রদক্ত হইল।

( থোহর )

(স্বাক্ষর)

# ৪৫।—নিবন্ধপত্রের নিয়ম ভঙ্গ হইলে জামিনকে নোটিস দিবার পাঠ। (৫১৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানবাদী প্রীঅমুক সমীপেয়।

অমুক মানের অমুক তারিখে অমুক স্থানবাদী অমুক (নাম দিবে) এই আদালতের সম্মুখে উপস্থিত হইবে এই বিষয়ে তুমি ১৮ ' সালের অমুক মানের অমুক তারিখে তাহার জামিন লইয়া নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়াছিলে যে ইহাতে তাহার ক্রটি হইলে তুমি শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিবে এবং উক্ত অমুক (নাম দিবে) এই আদালতের সম্মুখে উপস্থিত হয় নাই, ও উক্ত ক্রটিপ্রযুক্ত তোমার এত টাকা দণ্ড হইয়াছে,

এজন্য এতদ্বারা তোমার প্রতি আদেশ দেওয়া যাইতেছে যে তুমি উক্ত অর্থদণ্ডের টাকা দিবে, কিছা তোমার নিকটে কেন উক্ত অর্থদণ্ডের টাকা আদায় করা যাইবে না, এই তারিখ অব্ধি এত দিন মধ্যে তাহার কারণ দর্শাইবে।

জদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই 'নোটিস প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

( স্বাক্ষর )

# ৪৬।—সদাচরণের নিবন্ধপত্রের অর্থদণ্ডের মোটিস জামিনকে দিবার পাঠ। (৫১৪ ধারা দেখ।)

অযুক স্থানবাসী ঐঅযুক সমীপেয়ু।

অমুক স্থানবাসী অমুক ( নাম দিবে ) এতকাল শান্তিভল্প করিবে না এই বিষয়ে ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখেঁ নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়া তুমি ভাষার জামিন হইয়া প্রতিজ্ঞা করিয়াছিলে যে ইহাতে ফ্রাট হইলে তুমি শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীকে এত টাকা দণ্ড দিবে এবং তুমি জামিন হইবার পার অপারাধ করিয়াছে বলিয়া উক্ত অমুকের ( নাম দিবে ) অমুক অপারাধ ( সংক্ষেপে অপারাধের উল্লেখ করিবে ) নির্ণয় হইয়াছে ও ভাষাতে ভোমার জামিনী নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি এভদ্ধারা আদেশ করা ঘাইতেছে যে তুমি উক্ত অর্থদণ্ডের টাকা দিবে, কিছা উহা কেন দিবে না, এভ দিন মধ্যে ইহার কারণ দর্শাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই নোটিস প্রদত্ত হইল।

(মোহর) (স্বাক্ষর)

# ৪৭।—জামিনের বিরুদ্ধে ক্রোক করি বারওয়ারন্টের পাঠ। (৫১৪ ধারা দেখ।)

শ্ৰীঅমুক সমীপেয়

অমুক ( নাম, বর্ণনা ঠিকানা লিখিবে ) অমুকের উপস্থিত হইবার ( নিবন্ধপত্রের নিয়মের উল্লেখ করিবে ) জামিনস্থরূপ আপনাকে নিবন্ধ করিয়াছে ও উক্ত অমুক (নাম দিবে) তাহাতে ক্রটি করিয়াছে, স্থতরাং শী,শীমতা মহারাণী ভারতেশ্বরীর নিকটে এত টাকার ( নিবন্ধপত্রের লিখিত অর্থদণ্ডের টাকার ) দায় হইয়াছে।

এজন্য তোমার প্রতি অস্থাতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের (নাম দিবে ) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাহা আটক করিয়া রাখিয়া ক্রোক করিবে ও তিন দিন মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গোলে উক্ত ক্রোকরত সম্পত্তি কিছা উক্ত টাকা আদায় করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে ও এই ওয়ারন্ট সাধন করিবার অব্যবহিত পরেই এতৎক্রমে তুমি যাহা করিয়াছ তাহার রিটর্শ পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহরযুক্ত হইয়া এই ওয়ারট প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

৪৮।—ধে অভিযুক্ত ব্যক্তির হাজির জামিন লওয়া গিয়াছে, তাহার জামিনকৈ কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

(৫১৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের জেলের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট ( কি রক্ষক ) সমীপেসু।

অমুক ( জামিনের নাম ও বর্ণনা দিবে ) অমুকের ( নিবন্ধপত্রের নিয়মের উল্লেখ করিবে ) উপস্থিত হইবার জামিনস্থরূপ আপনাকে নিবন্ধ করিয়াছে; ও উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) তাহাতে ক্রটি করিয়াছে স্থুতরাং উক্ত নিবন্ধপত্রের লিখিত অর্থদণ্ডের টাকা শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীর পাওনা হইয়াছে এবং উক্ত অমুক ( জামিনের নাম দিবে ) যথাযোগ্য নোটিস পাইয়া উক্ত টাকা দেয় নাই কিছা তাহার নিকটে উহা কেন আদায় করা যাইবে না ইহার বিশিষ্ট কারণ দর্শায় নাই, ও ঐ টাকা তাহার অস্থাবর সম্পত্তি ক্রোক ও বিক্রয় ক্রিয়া আদায় করা ঘাইতে পারে না ও তাহাকে এত কাল ( কাল নির্দেশ করিবে ) জেলে আবদ্ধ করিষা ব্যাধ্বার আজ্ঞা হইয়াছে ।

এজন্য তোমার প্রতি অসুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের সহিত উক্ত অমুককে (নাম দিবে) তোমার হেফাজতে গ্রহণ করিবে এবং এতকাল (কারাদঞ্জের)

কাল নির্দেশ করিবে ) তাহাকে উক্ত জেলে নির্বিন্মে রাখিবে, ও যেরূপে এই ওয়ারুট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রয়ে ■ তাহার সার্টিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারুট কের্ড পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমূক মান্দের অমূক ভারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ার্কট প্রদক্ত হইল।

(মোহর)

৪৯।—শান্তিভঙ্গ না করিবার নিবন্ধপত্তের অর্থদণ্ডের নোট্স মুখ্য ব্যক্তিকে দিবার পাঠ।
(৫১৪ ধারা দেখ।)

শীঅমুক সমীপেযু (নাম ও বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে)।

তুমি শান্তিজ্ঞ করিবে না (নিবন্ধপত্রে যেরূপ থাকে তদ্রুপ লিখিবে) বলিয়া ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিয়াছিলে এবং তোমার উক্ত নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইবার প্রমাণ আমার সন্মুখে প্রদক্ত হইয়া নিয়মিতরূপে লেখা গিয়াছে,

এজন্য এতদ্বারা তোমার প্রতি আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি এত টাকা অর্থদণ্ড দিতে কিন্তা উক্ত টাকা কেন তোমার নিকটে আদায় করা যাইবে না, এত দিনের মধ্যে আমার সমুখে তাহার কারণ দর্শাইবে।

> ১৮ সাল তাং (মোহর) (স্থাক্ষর)

৫০।—শান্তিভদ না ক্রিবার নিবন্ধপত্রের নিয়সভঙ্গ হইলে মুখ্য ব্যক্তির সম্পত্তি ক্রোক ক্রিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

### (৫১৪ ধারা দেখ।)

অমুক স্থানের পোলীদ থানার শ্রীসমুক (পোলীদ কর্মচারির নাম ও খ্যাতি দিবে) দ্যীপেষু।
অমুক (নাম ও বর্ণনা দিবে) শান্ধিভঙ্গ করিবে না (যেরপ নিবন্ধপত্রে লেখা থাকে) ইত্যাদি নিয়মে ১৮
দালের অমুক মাদের অমুক তারিখে এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া দেয় এবং উক্ত নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড
হইবার প্রমাণ আমার সম্মুখে প্রদন্ত ইইয়া নিয়মিতরূপে লেখা গিয়াছে এবং উক্ত টাকা কেন দেওয়া ঘাইবে না
ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত উক্ত অমুকের প্রতি (নাম দিবে) নোটিদ দিয়া আদেশ করা গিয়াছিল এবং দে
কারণ দর্শায় নাই ও উক্ত টাকাও দেয় নাই,

এজন্য তোমার প্রতি অল্পতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি অমুক জিলার মধ্যে অমুকের (নাম দিবে) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও এত টাকা মূল্য পরিমাণে তাহা আটক করিয়া ক্রোক করিবে এবং এত দিন মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গেলে উক্ত ক্রোকরত সম্পত্তি কিন্না উক্ত টাকা আদায় করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রয় করিবে এবং এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে তুমি যাহা করিয়াছ তাহার রিটর্ন পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারক্ট প্রদত্ত হইল।

(মোহর) (সাক্ষর)

৫১।—শাস্তিভঙ্গ না করিবার নিবন্ধপত্রের নিয়ম ভঙ্গ হইলে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

(৫১৪ ধারা দেখ।)

্ অমুক স্থানের দেওয়ানী জেলের স্থপারিতেওেত (কি রক্ষক) সমীপেষু।

আমার নিকটে প্রমাণ প্রদন্ত হইয়া নিয়মিতরূপে লিপিবন্ধ কর। গিয়াছে যে অমুক (নাম ও বর্ণনা দিবে) শান্তিজ্ঞ না করিবার যে নিবন্ধপত্র লিখিয়া দের তাহার নিয়মভঞ্জ করিয়া শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরীর নিকটে এত টাকার দায়ী হইয়াছে এবং উক্ত অমুক (নাম দিবে) উক্ত টাকা দেয় নাই কিয়া উক্ত টাকা কেন দিবৈ না ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত নিয়মিতরূপ আদেশ হইলেও কারণ দর্শায় নাই ও তাহার অস্থাবর সম্পত্তি ক্রোক করিয়া টাকা আদায় করা যাইতে পারে না ও এতকাল (কারাদণ্ডের কাল নির্দেশ করিবে) উক্ত অমুককে (নাম দিবে) দেওয়ানী জেলে, কারাবদ্ধ করিবার আজ্ঞা হইয়াছে,

এজন্য ভোষার প্রতি অহমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তৃমি উক্ত অপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্ট সহিত উক্ত অমুককে (নাম দিবে) ভোষার হেকাজতে গ্রহণ করিবে ও এত কাল (কারাদণ্ডের কাল নির্দেশ করিবে) ভাহাকে উক্ত জেলে নির্দ্ধিন্দ্র রাখিবে; ও যেরপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে ভাহার সাটিকিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইরা এই ওয়ারত প্রদন্ত হইল।

(মোহর)

(স্বাক্ষর)

৫২।—সদাচরণের নিবন্ধপত্তের টাকা দণ্ড হইলে ক্রোক ও বিক্রয় করিবার ওয়ারক্টের পাঠ।

( ৫১৪ शांता (मध । )

অমুক ছানের পোঙ্গীস থানার অধ্যক্ষ সমীপেয়ু।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে (নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে) অমুকের (মুখ্য ব্যক্তির নাম প্রভৃতি লিখিবে) সদাচরণের নিমিউ এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া জামিন দিয়াছিল এবং উক্ত অমুক (নাম দিবে) যে অমুক অপারাধ করিয়াছে আমার সমুখে ইহার প্রমাণ প্রদত্ত হইয়া নিয়মিতরূপে লিপিবদ্ধ করা গিয়াছে, স্থতরাং উক্ত নিবন্ধপত্রের টাকা দণ্ড হইয়াছে, এবং উক্ত টাকা কেন দেওয়া যাইবে না ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত উক্ত অমুকের (নাম দিবে) প্রতি নোটিস দিয়া আদেশ করা গিয়াছে ও সে তাহা করে নাই কিছা উক্ত টাকা দেয় নাই।

এজন্য ভোষার প্রতি অহ্মতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি অমুক জিলার মধ্যে উক্ত অমুকের ( নাম দিবে ) যে অস্থাবর সম্পত্তি পাও তাহা আটক করিয়া ক্রোক করিবে, ও এত দিন মধ্যে উক্ত টাকা দেওয়া না গেলে উক্ত ক্রোকক্ষত সম্পত্তি কিম্বা উক্ত টাকা আদায় করিতে তাহার যে অংশের প্রয়োজন হয় সেই অংশ বিক্রেয় করিবে ও এই ওয়ারন্ট সাধন হইবার অব্যবহিত পরে এতৎক্রমে তুমি যাহা করিয়াছ তাহার রিটণ পাঠাইবে।

আদ্য ১৮ সালের অমুক মাদের অমুক তারিখে আমার আক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারট প্রদক্ত হইল।

(মোহর)

( স্বাক্ষর )

৫৩।—সদাচরণের নিবন্ধপত্রের টাকা দও হইলে কারাবদ্ধ করিবার ওয়ারণ্টের পাঠ।

( ৫১৪ शाता (नथ । )

অমুক স্থানের দেওয়ানী জেলের স্থপরিতেওেত ( কি রক্ষক) সমীপেয়।

১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে অমুক ( নাম, বর্ণনা ও ঠিকানা লিখিবে ) অমুকের ( মুখ্য ব্যক্তির নাম প্রভৃতি দিবে ) সদাচরণ নিমিত্ত এত টাকার নিবন্ধপত্র লিখিয়া জামিন দিয়াছিল এবং উক্ত নিবন্ধপত্রের নিয়ম ভঙ্গ হইবার প্রমাণ আমার সমুখে প্রদন্ত হইয়া নিয়মিতরূপে লিপিবদ্ধ করা গিয়াছে স্থতরাং উক্ত অমুক ( নাম দিবে ) শ্রীশ্রীমতী মহারাণী ভারতেশ্বরার নিকটে এত টাকার দায়ী হইয়াছে এবং সে উক্ত টাকা দেয় নাই ও উক্ত টাকা কেন দেওয়া ঘাইবে না ইহার কারণ দর্শাইবার নিমিত্ত তাহার প্রতি নিয়মিতরূপে আদেশ করা গেলেও কারণ দর্শায় নাই ও তাহার অস্থাবর সম্পত্তি ক্রোক করিয়া উক্ত টাকা আদায় করা বাইতে পারে না ও উক্ত অমুককে ( নাম দিবে ) এতকাল ( কারাদণ্ডের কাল নির্দ্দেশ করিবে ) দেওয়ানী জ্বেলে কারাবদ্ধ করিবার আজ্ঞা হইয়াছে;

এজন্য তোমার প্রতি অমুমতি দিয়া আদেশ করা যাইতেছে যে তুমি উক্ত স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট (কি রক্ষক) এই ওয়ারন্টের সহিত উক্ত অমুককে (নাম দিবে) তোমার হেফাজতে গ্রহণ করিবে ও এত কাল (কারাদণ্ডের কাল নির্দেশ করিবে) তাহাকে উক্ত জেলে নির্ফিল্পে রাখিবে; যেরূপে এই ওয়ারন্ট সাধন হয় পৃষ্ঠলিপিক্রমে তাহার সাটিফিকেট লিখিয়া এই ওয়ারন্ট ফেরত পাঠাইবে।

অদ্য ১৮ সালের অমুক মাসের অমুক তারিখে আমার স্বাক্ষর ও আদালতের মোহর যুক্ত হইয়া এই ওয়ারণ্ট প্রদত্ত হইল।

(মোহর)

( স্বাক্ষর )

## অভিপ্রায় ও হেতুর বিবরণ।

প্রতি দশ বৎসরের শেষে কোজদারী মোকদ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন সংগ্রহ ও সংশোধন করিবার রীতি চলিয়া আসিতেছে। কোজদারী মোকদ্মার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক প্রথম আইন অর্থাৎ ১৮৬১ সালের ২৫ আইনের পর ১৮৭২ সালের ১০ আইন বিধিবদ্ধ হয়, আবার শেষোক্ত আইন হইবার পর ১৮৮২ সালের ১০ আইনটি বিধিবদ্ধ হইয়াছিল।

	2448	সালের	•	আইন।	
	2440	,,	20	13	১৮৮২ সাল হইতে আরম্ভ করিয়া কেবিদারী মোকদ্মার কার্য্যপ্রশা
,	3669	10	æ	**	·
	3669	21	28	**	সম্বন্ধে যোলটি আইন পাশ করা হইয়াছে, ১৮৮২ সালের আইনটির সংশো
	2449	,,	٥	,,	ইহার মধ্যে অনেকগুলিরই স্পষ্ট উদ্দেশ্য।
	3662	,,	Œ	"	ইহা ছাড়া উক্ত আইনের আবশ্যক সংশোধন সম্বন্ধে কতকগুলি বি
	2645	91	70	,,	
	7497	**	9	**	ভারতবর্ষের গবর্ণমেন্টের গোচর করা হইয়াছে, কিন্তু নিয়মিত কালানন্তর য
	2492	••	8	,,	আইন্টির সংশোধন কার্য্যে প্রব্রক্ত হওয়া যাইবে তখনই ঐ সকল সংশোধ
	3422	,,	>•	••	কথা বিবেচিত হইবে বলিয়া এত দিন এ বিষয়ে কিছুই করা হয় নাই।
	7497	**	۶२	,,	
	2428	٠,	9	٠,	রিপোটগুলি হইতেও দৃষ্ট হয় যে আইনটি কার্য্যে পরিণত করিতে অন
	7228	,,	٥.	••	ক্রটি ও কঠিন সমস্যা উপস্থিত হইয়াছে এবং হাই কোর্টগুলি আইনের ব্যা
	১৮৯৫	11	8	**	করিতে গিয়া সময়ে সময়ে পরস্পার বিরোধী রায় প্রকাশ করিয়াছেন।
	2426	••	Œ	**	Albert Hart I had believed by the tenter that Albert the the
	১৮৯৬		30	,,	

এই সমন্ত বিষয় বিবেচনা করিয়া ভারতবর্ষের গবর্ণমেণ্ট ফেজিদারী মোকদ্দমার কার্য্যপ্রণালী বিষয়ক আইন পুনর্কার সংগ্রহ ও সংশোধন করিতে ক্বভসংকম্প হইয়াছেন।

#### भाता मश्रुक गरुवर।

১ ধারা । বর্ত্তমান আইনের সমক্ষ বিধান প্রেসিডেন্সা নগরের পোলীস সম্বন্ধে খাটিবে না উক্ত আইনে এইরপ নিয়ম নিদ্দিউ হওয়াতে কিয়ৎ পরিমাণ অহ্ববিধা ভোগে করিতে হইয়াছে এই কারণে একণে প্রস্তাব করা ঘাইতেছে যে. কোন স্থানীয় গবর্ণমেণ্ট মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরঙ্গ সাহেবের মঞ্জরি লইয়া আইনের যে যে অংশ ইতি পূর্বেই স্পান্ট করিয়া প্রেসিডেন্সী নগরের পোলীস সম্বন্ধে প্রচলিত করা হইয়াছে ডদতিরিক্ত অন্য যে যে অংশ আবশ্যক হয় তাহাও উক্ত পোলীসের সম্বন্ধ প্রচলিত করিতে পারিবেন।

ত ধারা। —জাইন্ট দেশন জজ ও আডিশনল দেশন জজ বলিতে একই শ্রেণীর বিচার পতি বুঝায়, এই কারণে প্রথমে।ক্ত শব্দগুলি ত্যাগ করিবার প্রস্তাব করা হইল।

৪ ধারা।—ইংরাজি বর্ণমালার ক্রমান্সারে অর্থ নির্দেশগুলি লিখিত হইয়াছে।

(১) 'অভিযুক্ত' শব্দের অর্থ প্রদারিত কর। হইয়াছে। উপস্থিত আইন অনুসারে যে ব্যক্তিদের বিরুদ্ধে কোন কার্য্যের অনুষ্ঠান করা হয় কিয়া অনুষ্ঠান করিবার চেন্টা করা হয় ঐ শব্দে একলে সেই সমস্ত ব্যক্তিকেই বৃঝাইবে। দৃষ্টান্ত স্বরূপ সদাচরণের কিয়া শান্তিভঙ্গ না করিবার জন্য জামিন দিবার নিমিত্ত যে আনুষ্ঠানিক কার্য্য হয় তাহার উল্লেখ করা যাইতে পারে। ঐ আনুষ্ঠানিক কার্য্য ও বিশেষ কোন অপরাধের বিচার কার্য্যের মধ্যে বিলক্ষণ সাদৃশ্য আছে, অথচ "অভিযুক্ত" বলিতে যাহার বিরুদ্ধে বিশেষ কোন অপরাধের বিচার হয় একণে কেবল তাহাকেই বৃঝায়।

" তদস্ত (ড)" ও "বিচার (ঞ)" এই ছুইটি শব্দের অর্থনির্দেশে যে পরিবর্তন করা হইয়াছে ভাষাতে পূর্বের ১৮৭২ সালের আইনে ঐ ঐ শব্দের যে অর্থ ছিল তাহাই পুনঃ প্রচলিত করা হইল, ইহাতে তদস্ত ও

বিচারের প্রভেদ সূচিত হইল।

অন্যান্য অর্থনির্দেশে যে সকল পরিবর্ত্তন করা হইয়াছে তাহা বিশেষ উল্লেখযোগ্য নহে, কিন্তু ১৮৮২ সালের আইনে প্রদত্ত কএকটি অর্থ সাধারণ ধারাবিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের অন্তর্গত করা হইয়াছে বলিয়া উপস্থিত পাণ্ডলিপি হইতে উঠাইয়া দেওয়া হইল।

৫ ধারা। — সংশোধনটির দ্বারা ৫ ধারাটির অসম্পূর্ণ। দোষ পরিহার করা হইল। োলাসের সমুখে যে আন্নষ্টানিক কার্য্য অর্থাৎ অন্সন্ধান হয় এবং বিচার বিভাগীয় কর্মচারিদের নিকট যে আন্নষ্টানিককার্য্য অর্থাৎ তদন্ত ও বিচার হয় এক্ষণে আইন তৎসমস্ত কার্য্য সম্বন্ধেই থাটিবে।

- ১০ ধারা।—পঞ্জাব গর্বনিনেন্টের পরামশাহ্নসারে এই সংশোধনটি করা হইরাছে। যদি এরপ বিশেষ জরুরি কার্য্য উপস্থিত হয় যে জিলার মাজিস্টেট সাহেব তাহাতে ব্যাপৃত থাকাতে অন্য কোন বিষয়ে মনোযোগ িতে সক্ষম না হন তাহা হইলে স্থানীয় গ্রন্মেন্ট তিন মাসের অন্ধিক কালের জন্যে এক জন আডিশনল জিলার নাজিস্টেট নিযুক্ত করিতে পারিবেন এই সংশোধন দ্বারা স্থানীয় গ্রন্মেন্টকে এইরপ ক্ষমতা দেওয়া হইল।
- ১৭ (৪) ধারা ।—যে ছলে অদৃউপূর্ম দৈব ঘটনা বশতঃ সেশন জজ কর্ম করিতে অশক্ত হন সেই ছলের বিধান করাই এই প্রকরণের অভিপ্রায়।
- ২১ (ঙ) ধারা।—এক্ষণে জিলান্থ অপর মাজিস্টেটদের উপর জিলার মাজিস্টেটের সাধারণ কর্তৃত্ব করিবার যে সকল ক্ষমতা আছে এই হলে অন্যান্য প্রেসিডেন্দী মাজিস্টেটের উপর প্রধান প্রেসিডেন্দী মাজিস্টেটকেও সেই সকল ক্ষমতা দিবার প্রস্থাব করা হইল।
- ২৩ ধারা।—মাজ্রাজ ও বোম্বাইয়ের গবর্ণমেন্টেরা এক্ষণে ঐ ঐ প্রেসিডেন্সীনগর সম্বন্ধে শান্তিরক্ষার্থ জিটিস নিযুক্ত করিবার যে একায়েক ক্ষমতার পরিচালন করেন কলিক।তার নিমিত্ত শান্তিরক্ষার্থ জিটিস নিযুক্ত করণার্থ একমাত্র বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টকেই সেই ক্ষমতা প্রদান করিবার প্রস্তাব করা ঘাইতেছে। পূর্বা পূর্বা আইনে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুক্ত গবর্গর জেনরল সাহেবকে যে সমান ক্ষমতা প্রদন্ত হইয়াছিল বহু বৎসর যাবৎ তাহার পরিচালন করা হয় নাই ও তাহা রক্ষা করিবার আবশ্যকতাও নাই।
- ২৮.ধারা। —একটি শব্দগত অশুদ্ধির বিষয় অবগত করা যাওয়াতে এই সংশোধনটি করা হইল। ইহা মুসবিদার কথা মাত্র।
- ২৯ ধারা।—দ্বিতীয় তফসীলের শেষাংশের সহিত এই ধারাটির সম্বন্ধ, উপস্থিত সংশোধন দ্বারা ধারাটি ঐ অংশের বেশী অম্বরূপ করা হইবে।
- ৩১ ও ও ধার। —কোন আসিফাট দেশন জজ কোন প্রশাপণ করিলে তৎসম্পর্কে আজ্ঞা দিবার সম্বন্ধে দেশন জজের যে ক্ষমতা আছে আডিশনল সেশন জজকেও সেই ক্ষমতা দিবার প্রস্তাব করা গেল।
- ৩৫ ধারা।—ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৭১ ধারার লিখিত পৃথক করা যাইতে পারে এরপ সকল অপরাধ ও যে সকল স্বতন্ত্র স্বতন্ত্র অপরাধের জন্য মাজিস্টেটের নিয়মিত ক্ষমতার বহিভূতি পৃথক ও অতিরিক্ত দণ্ডাজ্ঞা প্রদান করা মাইতে পারে এই তুইয়ের মধ্যে যে প্রভেদ আছে তৎসম্বন্ধে আইন আরো বিশদ করাই এই সংশোধনগুলির উদ্দেশ্য।
- ৪০ ধারা।—এই ধারার ঠিক অর্থ কি তাহা আরোপরিক্ষার করিয়া বৃঝাইবার জন্য একটি উদাহরণ দেওয়া হইল।
- 8১ ধারা ।—জিলার মাজিস্টেট অধীন মাজিস্টেটদিগকে অনেকগুলি ক্ষমতা দিতে পারেন, এই কারণে কোন স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এক্ষণে আইনান্নসারে যেমন ঐরপ সমস্ত বা কোন ক্ষমতা প্রত্যাহার করিতে পারেন তেমনি জিলার মাজিস্টেটও পারিবেন এইরূপ প্রস্তাব করা যাইতেছে।
- 8২ ধারা।—এই সংশোধন ত্বারা ১২৮ ধারাটি কেবল পুনঃ উদ্ধৃত করা হইয়াছে। কোন মাজিস্টেট ও পোলীসের কর্মচারী সাহায্য চাহিলে সর্বসাধারণের তাঁহাদিগকে সেই সাহায্য প্রদান বিষয়ে যে যে দায়িত্ব জাছে এক স্থানে তৎসমুদয় সন্ধিবেশিত হওয়াতে স্থবিধা বোধ চইবে।
- 88 ধারা।— দেশীয় রাজত্তলিতে বিশেষতঃ রটিষ ভারতবর্ষের সামাস্থিত দেশীয় রাজ্যগুলিতে যে সকল অপরাধ করা হয় বা করিবার অভিপ্রায় থাকে তৎসম্বন্ধে সম্বাদ প্রদান বিষয়ে এই নৃতন ধারাটি আবশ্যক।
- ৫৪ ধারা, (১) পারাপ্রাফ, শেষ দফা। ৫৬৬ ধারার একটি অংশ এই ছলে উদ্ভুত করা হইরাছে অসম্পূর্ণতা দোষ পরিহারার্থ ঐ অংশটি এই খানেও সন্নিবেশিত করিবার প্রস্তাব করা গেল।
- (৩) পারাপ্রাফ।—বোম্বাই গবর্ণমেন্টের পরামর্শনতে এই সংযোগটি করা হইল এবং অধীশ্বরী বনাম-বজ্জিগান মোকদমায় (ই, লা,রি, ৫ মান্দ্রাজ, ২২ )ইহার আবশ্যকতা প্রতিপন্ন হইয়াছে। উক্ত মোকদমায় এরূপ নিষ্পত্তি করা হয় যে কোন গ্রাম্য কৌ হাদাব এই ধারার অর্থাস্থসারে ওয়ারক্ট বিনা ধৃত করিবার ক্ষমতাপন্ন পোলীসের কর্মচারী নয় অতএব ঐরূপ চৌকাদারের কেফাজত আইনসঙ্গত হেফাজত না হওয়াতে তাহ। ইইতে পলায়ন করায় অপরাধ হয় না।
- ৫৭ ধারা।—কোন দেশীয় রাজ্যের অধিবাসী রটিষ ভারতবর্ষে কোন অধর্ত্তব্য অপরাধ করিয়াছে বলিয়া অভিযুক্ত হইলে তাহার সম্বন্ধে যে কার্য্যপ্রণালী খাটান থাইতে পারে তাহার বিধান করণার্থ ভারতবর্ষের গবর্নমেন্টের অভিপ্রায়াস্থ্যারে ওস্থানায় গবর্ণমেন্টদিগের অস্থ্যোদন সহকারে এই ধারাটীর পুনর্বার মুস্বিদা কর। হইল।
- ৬১ ধারা।— ধৃত ব্যক্তি কোন প্রাম্য পোলীস কর্মচারির জিম্মায় রক্ষিত না হইয়া যে সময়ে কোন নিয়তিত পোলীস কর্মচারির জিম্মার রক্ষিত হয় পোলী:সর জিম্মার আটক রাখিবার কাল সেই সম? হইতে যে আরম্ভ হইবে ইহা নির্দ্দেশ করাই এই সংশোধনটির উদ্দেশ্য, এরপা না হইলে অনেক স্থলে পোলীসের অন্তুসন্ধান কারম্ভ করিতে পারিবার প্রেই আটক রাখিবার আইন সঙ্গত কাল অতীত হইয়া যাইবে।

৬৯ ধারা ।—দশম অধ্যায়য়ত সাধায়ণের অনিউজনক বিষয় প্রভৃতি ঘটিলৈ কোন কোম্পানি বা করপো
রেট সমাজের উপার সমন জারা করিবার বিধান এই সংশোধন ছারা করা হইল।

৮৩ , ৮৫ ও ৮৬ ধারা।—এই ধারাগুলিতে "পে।লাসের ডিট্রিক্ট স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট " এই শব্দুরে যোগ করা হটল, কারণ এই সকল ধারার অন্তর্গত বিষয় উক্ত কর্মচারির সম্মুখে উপস্থিত হওয়াই ঠিক ও কেবল মাজিফেটের সম্মুখেই উপস্থিত হইবে এরপ কোন আবশ্যকতা নাই।

৮৮ ধারা , (৪) পারা গ্রাফ।—জীবস্ত পশু পক্ষ্যাদি ও শীঘ্র নাই ইইতে পারে এরপ সম্পত্তি ক্রোক করা হইয়া ধার্কিলে তাহা নালাম করিবার ক্ষমতা বিবেচনামতে পরিচালিত হইতে পারিবে এই স্থলে এইরূপ বিধান করিবার প্রস্তাব করা গেল।

(৭) পারাগ্রাফ।—ক্রোক করা সম্পত্তি একাধিক ব্যক্তি দাওয়া করিলে সরাসরীমতে সেই দাওয়ার নিশান্তি করিবার বিধান না থাকিলে যে অন্ধবিধা হয় তাহা কতকগুলি রিপোর্ট করা মোকদ্দমায় দৃষ্ট হইয়াছে এবং এই বিষয়ে দেওয়ানা আদালতের যে ক্ষমতা আছে মাজিফ্রেটেরও সেই ক্ষমতা প্রাপ্ত না হইবার কোন কারণ নাই। এই নিমিক্তই এই সংশোধন।

৯৬ ধারা , (২) পারাগ্রাফ—ভাকের পুলিন্দার জন্য তলাসী ওয়ারন্ট দিবার ক্ষমতা প্রদান করাই " কি পুলিন্দা কি অপর দ্রব্য '' এই শব্দগুলি সন্ধিবেশিত করিবার অভিপ্রায়।

১০২ ধারা ।—যে দ্রব্যের অহসন্ধান হইতেছে তাহা কোন ব্যক্তির গাত্রে লুকায়িত আছে বলিয়া যুক্তিযুক্ত সন্দেহ হইলে কোন স্থানে বা তাহার নিকটে সেই ব্যক্তির গাত্র তালাস করা যাইতে পারিবে সংশোধনটির দ্বারা এইরূপ ক্ষমতা প্রদত্ত হওয়াতে তালাসী ওয়ারন্ট অধিকতর কার্য্যকর হইবে।

১০৬ ধারা।—রিপোর্ট করা মোকদ্দমাগুলিতে এই ধারামত ক্ষমতার পরিচালন সম্বন্ধে পরস্পার বিরোধী মত প্রকাশিত হওয়াতে ধারাটি আপীল আদালত বা সংশোধনকারী আদালত সম্বন্ধে স্পাই করিয়া খাটাইয়া ঐ সন্দেহ দূর করা হইয়াছে। "অপরাধজনকর্মপে এইরূপ ভয় দেখাইয়াছে" এই শব্দগুলির পূর্বে "কোন ব্যক্তির কি সম্পত্তির হানি করিবে ' এই যে শব্দগুলি আছে ভাহা উঠাইয়া দেওয়া গেল।

১০৭ ধরে । —এই ধারায় সাধারণতঃ কিরপা ব্যাখ্যা করা হইয়াছে ও ইহার অর্থ কতদূর প্রসারিত করা উচিত সংশোধনগুলিতে তাহাই অধিকতর স্পট্ট করিয়া ব্যক্ত করা হইল।

১০৯ ধারা।—এই ধারায় ছয়মাস বাড়াইয়া বারমাস কাল করা হইয়াছে। ইহাতে বর্তমান আইনের ১০৭ ধারার নির্দিষ্ট কালের সহিত ঐ কাল সমান করিয়া দেওয়া হইল।

১১০ ধারা। —ধারাটির সম্পূর্ণতা সাধনের অভিপ্রায়ে এই সংশোধনগুলির প্রস্তাব করা গেল। এই গুলি অপারাধে অভ্যন্ত ব্যক্তিদের সমন্ধায় আইনের পাত্নলিপির ২ ধারা হইতে গৃহীত হইয়াছে। ঐ পাত্নলিপিখানি এক্ষণে ত্যাগ করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে। ১৮৭২ সালের ৰুজু ধারার একাংশ (চ) উপধারায় উদ্ধৃত করা হইল, কারণ উহা ত্যাগ করাতে অস্থবিধা ঘটিয়াছে।

১১৭ ধারা. (২) পার।প্রাফ। —সদাচরণের জন্ম বা শান্তিভঙ্গ না করিবার নিমিত্ত জামিন লওয়া সম্বন্ধীয় তদন্তাধীন কোন একই বিষয়ে হুই কি তদধিক ব্যক্তি একত্র লিপ্ত থাকিলে, মাজিফ্রেট একই আন্নষ্ঠানিক কার্য্যে তাহাদিগের বিচার করিতে পারিবেন এই সংশোধন দ্বারা এইরূপ ক্ষমতা দেওয়া গেল।

১১৮ ধারা। —যে স্থলে জামিন দিবার আজ্ঞা করা অপেক্ষা পোলীদের তঞ্জাবধানের আজ্ঞা করা অধিকতর উপযুক্ত বলিয়া বিবেচিত হয় দেই স্থলে শেষোক্তরপ অজ্ঞা করা যাইতে পারিবে (৫৬৫ ধারা দেখ) নিয়ম
বিধিগুলির এই অভিপ্রায়।

১২২ ধারা :— "সদাচরণের জ্বনা" এই শক্ষণ্ডলি উঠাইয়া দিয়া শাস্তিভঙ্গ না করিবার জ্বামিন লওয়ার স্থলেও যাহাতে কোন জামিনদারকে অগ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা থাকে, এইস্থলে এইরূপ প্রস্তাব করা যাইতেছে।

১২৩ ধারা।—প্রথম দফ'র শেষ অংশটি ত্যাগ করিবার এবং কোন জামিন দিবার প্রস্তাব করা ছইলে ঐ জামিন যথেষ্ট কি না ইহা দ্বির করিবার ও তদনস্তর ব্যক্তি বিশেষকে কারাগার ছইতে ছাডিয়া দিবার যে ক্ষমতা এক্ষণে জেলের স্থানিটেডিডেটের আহে অন্য একটি দফা যোগ করিয়া তাঁছার সেই ক্ষমতা কাড়িয়া লইবার প্রস্তাব করা ছইতেছে, কারণ এই ক্ষমতা ১২২ ধারার সহিত সঙ্গত নয় এবং স্থপারিটেডেন্ট এই বিষয়ের নিশান্তি করিবার উপযুক্ত ব্যক্তি নহেন। স্থপারিটেডেন্টের নিকট জামিন দিতে চাওয়া ছইলে যে প্রণালীর অন্ত্রন্থ করিতে ছইবে দ্বিতীয় দফায় তাঁছার বিধান করা ছইল।

১২৪ ধারা—প্রেসিডেন্দী নগরে কেবল প্রধান প্রেসিডেন্দী মাজিফ্রেট এই সকল ক্ষমতার পরিচালন করিতে, পারিবেন প্রথমতঃ এইরূপ ও বিশেষ যে আজ্ঞা করা গেল তাহার কঠোরতা ফ্রাস করনার্থ পরে ঐ ধারামত কার্য্যের প্রসন্ধর রদ্ধি করিবার প্রস্তাব করা ঘাইতেছে।

• ১২৫ ধারা।—জামিন লওয়া সম্বন্ধে বর্তমান আইনের বিগান পোলীসের জ্ঞাবধানের আজ্ঞা সম্বন্ধেও খাটিবৈ ইহাতে কেবল এই বিষয়েরই ব্যবগা হইয়াছে।

১৩২ ধারা। — নবম অধ্যায় অনুসারে কাম্যকোরা ব্যক্তিরা এরপ কার্য্যকরণ কালে মাছা কিছু করেন বলিয়া প্রকাশ হয় ডন্মিমিন্ত তাহাদিগের বিরুদ্ধে অভিযোগ হইবার পূর্বে মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেবের মঞ্রি লণ্ডয়া আবশ্যক এইরপ বিধান করিয়া তাহাদিগের সকলকেই রক্ষা করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে। এক্ষণে কেবল মাজিস্টেটেরাই প্রস্তাব রক্ষিত হন । " সৈন্যসংক্রান্ত আইন অস্থসারে" এই শব্দগুলি অনাবশ্যক বলিয়া উঠাইয়া দেওয়া গেল।

388 ধারা ।--- প্রধান প্রেসিডেন্সী যাজিস্টেটকে এই ধারা মতে কার্য্য করিবার ক্ষমূতা দিবার প্রস্তাব করা গেল।

১৪৫ ধারা।—পূর্বের আইনে ব্যবহৃত শস্কুলের পরিবর্তে বর্তমান আইনে "ইন্দ্রিয়গ্রাহ্য স্থাবর সম্পত্তি" এই শস্কুলের ব্যবহার হওয়াতে এই ধারাহ্সারে কার্য্য করিবার সময় বিশেষ অস্থবিধা ও কাঠিন্য অহৃত্ত হইয়াছে, এই কারণে পূর্বে ব্যবহৃত শস্কুলে পূন্বার গ্রহণ করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে এবং সাধারণতঃ শাজানা আদায় হারাই জমির দখল প্রকাশ ও বাহাল থাকে বলিয়া ও খাজানা আদায়ই বিবাদের প্রবল সূত্র হইয়া সাধারণতঃ শান্তিভক্ষের কারণ হয় বলিয়া এই ধারাটি প্রক্রপ সকল বিষয়েও খাটাইবার প্রস্তাব করা গেল।

রিপোর্ট করা অনেক মোকদ্দমায় দৃষ্ট হয় যে মাজিস্ট্রেটের আজ্ঞাক্রমে দখলের যে সময় স্থির করিতে হইবে তদ্বিষয়ে সন্দেহ আছে। এই বিষয়টি একণে পরিকার করিয়া নির্দেশ করা হইল।

অধিক স্থ এরূপ ব্যক্ত করিবারও প্রস্তাব করা যাইতেছে যে, যাহাতে প্রথম দকার অর্থাস্থায়িক শান্তিভঙ্গ ঘটিবার সম্ভাবনা এইরূপ বিবাদ ছিল মাজিষ্টেট কর্তৃক এইরূপ নিম্পত্তি করা হইলে মোকদ্দমা শুনানির সময় কোন পক্ষ যদি ভাহার প্রতিবাদ করিয়া না থাকেন ভাহা হইলে যে চুড়ান্ত আজ্ঞা প্রদক্ত হয় ভাহার ব্যাঘাত করণাভিপ্রায়ে পরে আর ঐ কথা উত্থাপিত করা যাইবে না।

38৬ ধারা I—ক্রোকাধান সম্পত্তির কার্য্য নির্ব্বাহ সম্বন্ধে একটি বিষয়ে কার্চিন্য অমুভূত হয়। এই সংশোধনটিতে ভাহার নিরাকরণ হইবে। ৮৮ ধারামতে ক্রোক করা সম্পত্তি সম্বন্ধে ইভি পূর্বেই যে বিধি প্রচলিত আছে এতদ্বারা সেই বিধি খাটান যাইবে।

১৪৭ ধারা। --১৪৫ ধারার সংশোধনে যেরপ করা হইয়াছে সেইরপ এই ধারাতেও বর্তুমান আইনের "ইন্দ্রিয়াগ্রান্য স্থাবর সম্পত্তি" এই শব্দগুলির ব্যবহার না করিয়া প্রের আইনের শব্দগুলির প্রয়োগ করিবার প্রস্থাব করা গেল।

নিয়ম বিধিটির সংশোধনে ১৮৭২ সালের আইনের শব্দগুলি পুনরুদ্ত হইল, বর্তমান আইন হইতে ঐ শব্দগুলি উঠাইয়া দেওয়াতে অসম্পূর্ণতা দোষ ঘটিয়াছে।

১৫৬ ধারা. (২) পারাপ্রাফ।—ইহাতে ধর্ত্তব্য অপরাধের অহুসন্ধান করিবার আজ্ঞা করণার্থে মাজি ক্টেট ক্ষমভাপ্রাপ্ত হইবেন। বর্ত্তমান আইনে এই সম্বন্ধে স্পান্ত বিধান নাই। যে মাজিন্টেট ১৯১ ধারামতে কোন অপরাধ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমভা প্রাপ্ত হন কেবল ভিনিই উক্তরূপ আজ্ঞা করিতে পারিবেন এইরূপ বিধান করা গেল।

১৫৭ ধারা।—কোন পোলীদ কর্মচারী কোন ধর্ত্ত্য অপরাধ দম্বন্ধে অহুসন্ধান করিতে অস্থীকার করিলে, তাঁছার দেই কথা নালিশকারীকে জানাইতে ছইবে এই সংশোধন দ্বারা এইরপ আদেশ করা গেল। ৩।২। ছইলে নালিশকারী যদি তদ্রপ পরামর্শপ্রাপ্ত হন তবে মাজিফ্রেটের নিকট নালিশ করিতে থাইতে পারিবেন।

১৬০ ধারা। —কোন অসুসন্ধান কার্য্যে কোন পদানশীন স্ত্রালোকের উপস্থিত হওয়া সম্বন্ধে পোলাস কর্ম-চারির যেরূপ কার্য্য করিতে হইবে নিয়মবিধিটিতে তাহাই ব্যক্ত করা হইয়াছে।

১৬২ ধারা। -পোলাসের কর্মচারী যে সকল উক্তি লিপিবদ্ধ করেন এই সংশোধনক্রমে তাহা রোজনামচার অংশ বলিয়া নির্দ্দিত হওয়াতে অভিযুক্ত ব্যক্তি বা তাহার এজেন্টেরা তাহা দেখিতে পাইবে না।

১৬৪ ধারা।—যে কোন মাজিক্টেট কোন উক্তি বা স্থাকারবাক্য লিপিবদ্ধ করিতে পারিবেন এবং তাঁহার যে ঐ বিশেষ মোকদ্দমার তদন্ত লইবার বা বিচার করিবার এলাকা থাকা আবশ্যক ছইবে না, এই ধারাসংযুক্ত ব্যাখ্যায় ইহা স্পৃষ্ট করিয়া বলা ছইয়াছে।

১৬৯ ধারা, (२) পারাত্রাক।—ইহাতে এই ধারাটির সম্পূর্ণতা সাধিত হইবে।

১৭৪ ধার। — অপর গুৰুতর কার্য্যের আধিক্য বশতঃ কিছা ছানায় অবস্থা বিবেচনায় পোলীস থানার অধ্যক্ষতা ভারপ্রাপ্ত পোলীস কর্মচারির পক্ষে অনেক সময় অন্নসন্ধান করা সম্ভব হয় না এইরূপ কথা জানান হইরাছে। এই কারণে উক্ত কার্য্যের জন্য ছানীয় গ্রন্মেন্ট বিশেষ পোলীস কর্মচারী নিযুক্ত করিতে পারিবেন এইরূপ প্রস্তাব করা গেল।

পারাত্রাক দকা।—গবর্থয়েন্টের নিয়মিত চাকরী করেন না এমন কোন ডাক্তরকে শব পরীক্ষা করণার্থে নিযুক্ত করিতে স্থানীয় গবর্ণমেন্ট এই দকা অভ্সারে ক্ষতাপদ্ম হইবেন।

পারাপ্রাক্ত দকা। —কারাগারে কয়েদির মৃত্যু ছইলে তৎসম্বন্ধে তদস্ত করিবার বিধান এই দকামুসারে করা হইল।
১৮৮ ধারা, (৩) পারাপ্রাক। —পার্লেমেন্টের যে সকল আইন অমুসারে অধিকারবহিত্ ও স্থানে বিচারা
ধিকার প্রদত্ত হয় তাহার সহিত সামঞ্জস্য রক্ষা করিবার জন্য এই পারাপ্রাক্তে কয়েকটি মুস্বিদাগত সংশোধন
করা ছইল্লাহে এবং যে সকল স্থানের নিমিন্ত পলিটিকাল এজেন্ট নাই তথায় ক্লাত কোন অপরাধের জন্য
অভিযোগ ছইলে স্থানীয় গ্রন্মেন্টের মঞ্জুরি লওয়া আবশ্যক হইবে এইরপ বিধান করা গেল।

১৯০ ধারা, (৩) পারাথাক।—বিশেষ কোন মাজিউটের সমুখে যে আঁহটানিক কার্য্য হয় তৎসহদ্ধে কোন আপত্তি করিতে হইলে তাহা মোকদমা চলিমার প্রথম অবস্থায় ও সাক্ষা গৃহীত হইবার পূর্বেই করিতে ইইবে ইহাই এই সংশোধনটির উদ্দেশ্য।

১৯২ ধারা। — অধান মাজিউটেদিগের নিকট যে সকল মোকদ্বা হয় তৎসম্বন্ধে জিলার মাজিউটেকে যে সকল ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে তাহাই এই ছলে প্রধান প্রেসিডেন্সা মাজিউটেকে দেওয়া হইল, অর্থাৎ ছিনি আপান আদালতের কোন মোকদ্বা অপার কোন প্রেসিডেন্সা মাজিউটের আদালতে পাঠাইয়া দিতে পারিবেন।

ৈ ১৯৩ ধারা, শেষ পারাত্রাফ। --- শাসন কার্য্যের সেকার্য্যার্থে এইটি সংযুক্ত করা হইয়াছে।

১৯৪ ধারা, (২) পারাত্রাক। —১৮৭৫ সালের ১০ আইনের ১৭৪ ধারাটি এই ছলে সন্ধিৰেশিত হইল। উক্ত আইনের যে ১৪৬ ধার। একণ পর্যান্ত রহিত হয় নাই তাহার উদ্দেশ্য বর্ত্তমান আইনের ৬৩৩ ধারা দ্বারাই মধ্যেটরপ সিদ্ধ ছইবে।

১৯৫ ধারা। — ভিন্ন ভিন্ন হাই কোটের পরস্পার বিরোধী নিম্পান্তির মীমাংসা করণার্থ এবং রেজিউরীকরণ বিষয়ক আইনে এই সকল বিষয়ের যথেউরপ বিধান করা ইইয়াছে বলিয়া, উক্ত আইনমত আইঠানিক কার্য্য যে এই ধারার অন্তর্গত নয় ইহাই ব্যক্ত করিবার প্রস্তাব করা গেল। আরো নির্দিষ্ট অপরাধগুলির কোনটির সহায়তা করণ বা কোনটি করিবার উদ্যোগও ১৯৫ ধারার মন্তর্গত করিবার প্রস্তাব করা যাইতেছে। পরিস্পিষ্ট বিষয়ের এই যে, অন্তর্গত পাইলে যে সময়ের মধ্যে নালিশ করিতে হইবে তাহা বাড়াইয়া দিবার ক্ষমতা সম্বন্ধে ভিন্ন ভিন্ন হাই কোর্টের প্রক্ষমত্য না হওয়াতে, উপযুক্ত কারণ দেখান গেলে কেবল কোন হাই কোর্টকেই উক্ত ক্ষমতা প্রদান করিবার নিমিত্ত স্পাই করিয়া প্রস্তাব করা হইল।

২০৩ ও ২০৯ ধারা। সংশোধনকারী আদালতকে ৪৩৭ ধারাত্মারে কার্য্য করিতে সক্ষম করণার্থে এই এই ধারায় যাহা সংযোগ করা হইল ভাহা আবশ্যক হইয়াছে।

২২৫ ধারা, (২) পারাপ্রাক্ষ – ইহাতে এই আদেশ করা হইল যে, অভিযোগপত্র সম্বন্ধীয় কোন বিষয়ে আপত্তি করিতে হইলে তাহা যত শীদ্র স্থযোগ পাওয়া যায় করিতে হইবে এবং আরো এই বিধান করা হইল যে, আপত্তি ঐরপে ক্বত না হইলে, আপীলে বা সংশোধন উপলক্ষে আর করা যাইতে পারিবে না।

২২৭ ও ২৩১ ধারা।—ভিন্ন ভিন্ন হাই কোর্টের পরক্ষার বিরোধী নিষ্পত্তিতে আইন যেরূপ নির্দ্দিট হইয়াছে এই সংশোধনগুলিতে তাহাই নির্দ্ধারিত হইবে।—ই. লা, রি, ৮ বোষাই, ২০০ পৃষ্ঠা, ও, ই, লা, রি, ৯ এলাহাবাদ, ৫২৫ পৃষ্ঠা দেখ।

২৩৪ ধারা, (২) পারাপ্রাক।—অনেক দিন ধরিয়া বহুবার তহুবীল তগ্রাপাত হইয়া বাকী টাকা দৃষ্টে তহুবীল তগ্রপাত হইয়াছে এরপ প্রমান হইবার কিন্তু বিশেষ কত টাকা বিশেষ কোন তারিখে জ্ঞাপাত করা হইল অভিযোগকারী ইহা দেখাইতে না পারিবার স্থল ঘটিলে এই দফাস্থলারে কার্য্য হইতে পারিবে।

২৩৬ ধারা (খ) উনাহরণ। —ধনি কোন সাক্ষী এরপে পারস্পর বিরোধী উক্তি করে যাহা একটি অন্যটির সহিত মিলে না তাহা হইলে ঐ তুইটি উক্তির কোন্টি মিগ্যা ইহা প্রমাণ করিতে পারা না গেলেও সে ইচ্ছো-প্র্বাক মিথ্যা সাক্ষ্য দিবার অপারাধ করিয়াছে ইহাই যে আইন তাহা নির্দ্ধারিত করিবার নিমিত্ত এই উদাহরণটি দেওয়া হইয়াছে।

২৩৭ ধারা। –এই ধারায় ইহাই দেখাইবার অভিপ্রায় যে কোন ব্যক্তির বিরুদ্ধে বিশেষ কোন অপরাধের জন্য অভিযোগ হইলে, ঐ অপরাধ করণের উদ্যোগ করিবার অভিযোগ না হইলেও সেই ব্যক্তি ঐ অপরাধ করিবার উদ্যোগ করিয়াছে বলিয়া ভাহার দোষ নিরুপিত হইতে পারে।

২৫৬ ধারা।—যে সকল রক্তান্ত ধরিয়া অভিযোগ হয় অভিযোগপত্র লিখিত হইবার পূর্বে সেই সেই রক্তান্ত সম্বন্ধে ইতি পূর্বেই একবার জেরা করা হইয়া থাকিলে যাহাতে আবার দিতীয়বার জের। হইতে না পারে ও এইরূপে জেরা করিবার অধিকারের যে অপব্যবহার সাধারণ হইয়া পড়িয়াছে তাহা হইতে না পারে ভাহাই এই ধারাটির উদ্দেশ্য।

`২৫৭ ধারা। — ঐ একই উদ্দেশ্য সাধনার্থ এই সংশোধন ক্রমে মাজিস্টেটকে আপান বিবেচনামতে কার্য্য করিবার ক্রমতা প্রদানার্থ প্রস্তাব করা হইয়াছে।

২৬০ ধারা, (ঠা উপদকা। — সরাসরীমতে যে সকল মোকদ্মার বিচার ছইতে পারে পরের ভূমিতে গোমেষাদির প্রবেশ বিষয়ক ১৮৭১ সালের আইনমত মোকদ্মাও ইহাতে তাহার অন্তর্গত করা ছইবে। উক্ত-রূপ মোকদ্মার সরাসরীমতে বিচার ছইতে পারে না এইরূপ নিপত্তি করা ছইয়াছে।

(২) পারাপ্রাক্ষ। —২০৯ গরার অন্তর্গত মোকদ্দমায় যে কার্য্যপ্রণাসীর অন্থপরণ করিতে হইবে আবশ্যক পরিবর্তন সহকারে ইহা তৎসম্বন্ধে খাটিবে।

ৈ ২৬৯ ধারা, (২) পারাথাঁক।—দেশন আদাসত কোন্বা কোন্ ছানে স্থিবিট ছইবে কোন স্থানীয় গ্রন্থেন সাধারণ বা বিশেষ ভাবে ভাষার নির্দেশ করিতে পারিবেন এই পারাথাকে এইরপ ক্ষ্যতা প্রস্ত \*\* ছইল।

· ১৯২ ধারা।—যে ছলে কেবল অভিযোগের পক্ষের কোন সাক্ষীর জ্বেরা করিয়াই প্রতিবাদীর পক্ষে • সাক্ষ্য দেওয়া হয় সে ছলে যাহাতে অভিযোগকারীর উত্তর দিবার অধিকার না থাকে এইরূপ নির্দেশ করাই এই ধারার অভিপায়। এই বিষয়ে হাই কোটগুলির নিপত্তি একরূপ নয়।

৩১০ ধারা।—যে বা যে যে অপরাধের অন্তিয়োগ ও নিরূপণ হয় পূর্ব্বে একবার বা একাধিকবার অপরাধ নির্ণয় হওয়াতে সেই বা সেই সেই অপরাধ বর্দ্ধিত হইয়াছে এইরূপ অন্তিযোগের বিচার করিতে প্রবৃত্ত হইবাঃ পূর্ব্বে আসেসরের সাহায্যে বিচারিত মোকদ্মার মূল অন্তিযোগ সম্বন্ধে নিষ্পত্তি লিপিব্দ্ধ ও প্রকাশিত করা অনাবশ্যক নৃত্ন (গ) উপদক্ষা দ্বারা এইরূপ ব্যক্ত করিয়া কোন কোন হুলে যে সন্দেহ প্রকাশ কর। ইইয়াছে জাহার নিরসন করাই উদ্দেশ্য।

৩১৮ ধারা। —কোন জুরা আইনসঙ্গত ওঙ্গর ব্যতিরেকে উপস্থিত না হইলে কিন্তু। আদালতের অন্ন্যুতি বিনা চলিয়া গেলে ভজ্জন্য কোন হাই কোট তাঁহার প্রতি যত কালের কারাদগুজ্ঞা করিতে পারেন তাহা ছয়মাস পর্য্যস্ত হইতে পারিবে এইরূপ সীমা নির্দেশ করিবার ও ঐ আদালত স্থায় বিবেচনামতে কোন জরিমানা বা কারাদগু ক্ষমা করিতে পারিবেন ইহাও স্পাই করিয়া ব্যক্ত করিবার প্রস্তাব করা গেল।

তং ধারা, (ঘ) উপদকা। —জ্রা বা আদেসর স্বরূপ যে ব্যক্তিদের আদালতে উপস্থিত হইতে হয় না পোলীস কর্মচারিদিগকে তাঁহাদের তালিকাভুক্ত করা হইয়াছে। ইংলণ্ডের ন্যায় এখানেও ব্যবহারাজীবদিগকে ঐরপে মক্ত করা উচিত কি না ইহা বিবেচ্য।

৩৩২ ধারা। আদালতকে অবজ্ঞা করিবার সাধারণ স্থলে ৪৮৪ ধারাক্রমে ইতিপুর্ফোই যেরূপ ক্ষমতা প্রদত্ত হইয়াছে যে ক্ষুরী বা আসেসর আইনসঙ্গত ওজর ব্যতিরেকে উপস্থিত না হন কিয়া অন্নমতি বিনা চলিয়া যান তাঁহার কোন জরিমানা বা কারাদণ্ড হইয়া থাকিলে সেশন আদালতও সেইরূপ আপন বিবেচনামতে উহা ক্ষমা করিতে বা কমাইয়া দিতে পারিবেন উক্ত আদালতকে এই ক্ষমতা প্রদক্ত হইল।

৩৪৫ ধারা—যে সকল অপারাধ সম্বন্ধে আদালতের অহুমতি লইয়া রফা করা যাইতে পারে তাহার তালিকায় ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের ৩২৫, ৪২৮, ৪২৯ ও ৪৩০ ধারামত অপারাধণ্ডলি যোগ করা হইয়াছে।

(৫) পারাণ্রাফ।—মোকদ্দমা সেশন আদালতে সমর্পন করিবার পর কিশ্বা অপরাধ নির্ণয় হইবার পর আপীল করা গেলে, যে আদালতে মোকদ্দমা অর্পন করা হইয়াছে বা যে আদালতে আপীলের শুনানি হইবে সেই আদালতের অন্থ্যতি বিনা কোন অপরাধেরই রকা করা যাইবেনা, এইরূপ প্রস্তাব করা যাইতেছে।

৩৮০ ধারা, (তু) উপদক্ষা।—সেশন আদালতে কোন মোকদ্দমা এইরূপে অপিত হইলে যদি ঐ আদালত এরূপ বিবেচনা করেন যে তজ্ঞপে অপিত ঐ মোকদ্দমার যে দণ্ডাজ্ঞা করা যাইতে পারে তাহা যথেষ্ট নয় কিছা অবিচারের প্রয়োজনার্থ ঐ মোকদ্দমার ঐ আদালতেই বিচার হওয়া অন্য রক্ষে বাঞ্ছনীয় তাহা হইলে ঐ মোকদ্দমা ঐ আদালতে বিচারার্থ সমর্পিত হউক উক্ত আদালত এইরূপ আদেশ করিতে সক্ষম ইহা পরিক্ষার করিয়া নির্দেশ করিবার জন্যই এই উপদক্ষাটি যোগ করা হইয়াছে।

৩৮৮ (২) ধারা।—ক্রোক করিবার ওয়ারন্ট কেরত পাঠাইবার জন্য যে দিন ধার্য্য হয় যে ব্যক্তির জারিমানা হইল তাহার সেই দিনে উপস্থিত হইবার নিমিত্ত আদালত তাহার প্রতি নিবন্ধপত্র লিখিয়া দিবার আদেশ করিতে পারিবেন, আদালতকে এইরূপ ক্ষমতা প্রদান করিয়া এই প্রকরণটি নিম্নলিখিতরূপ স্থলে খাটাইবার অভিপ্রায় করা হইরাছে অর্থাৎ জরিমানা হইবার স্থলের ন্যায় ৫৬০ ধারামত হানি পূরণ দিবার আজ্ঞা হইবার থে স্থলে ক্রোককরণ দ্বারা ঐ টাক। আদায় হইতে পারে না এরূপ দৃষ্ট না হওয়া পর্যান্ত বৈক-শিক্তাবে কারাদণ্ডাজ্ঞা করা যাইতে পারে না সেইরূপ স্থলে।

৬৯১ ধারা।—তিন মাসের অন্যূন কালের জন্য কারাদণ্ডাজ্ঞা দেওয়া না হইলে কোন আদালত অতিরিক্ত দওস্বরূপ কশাঘাত দণ্ডের আজ্ঞা করিতে পারিবেন না, এইরূপ ব্যবস্থা করিবার প্রস্তাব করা হইল।

৩৯৯ ধারা। — ''যোল'' এই শব্দের পরিবর্ত্তে ''পানর'' শব্দ সন্ধিবেশিত করাতে চরিত্র সংশোধনার্থ বিদ্যা-লয় বিষয়ক ১৮৯৭ সালের আইনের সহিত এই ধারাটির সামঞ্জ্যুর ক্ষিত হইল।

8.১ ধারা।—নির্ণীতাপরাধ ব্যক্তির দরখান্তের উপর যাবৎ গবর্ণমেন্টের আজ্ঞা পাওয়া না যায় তাবৎ দণ্ডাজ্ঞা বিশেষতঃ মৃত্যু দণ্ডাজ্ঞা যাহাতে স্থগিত থাকে তল্লিমিন্ত বিশেষ বিশেষ জরুরি স্থলে দণ্ডাজ্ঞা গৌণ করিয়া সাধিত হইবার জন্য ভিন্ন ভিন্ন গবর্ণমেন্ট বিধি প্রণয়ন করিতে পারিবেন তাঁহাদিগকে এইরূপ ক্ষমতা প্রদান করাই এই ধারাটির অভিপ্রায়।

৪০৬ ধারা।—পোলীদের তত্তাবধানের জন্য আজ্ঞা হইলে তদ্বিক্দ্রে আপীলের বিধান করিবার জন্য এই ধারায় সংযোগ করা হইয়াছে।

৪২৩ ধারা, (ঘ) উপদফা।— ১-৬ ধারার সংশোধন কার্য্যকর করণার্থ ইছা আবশ্যক।

৪৩৯ ধারা, শেষ পারাআফ। সম্পৃক্ত ব্যক্তির আপীল করিবার অধিকার থাকিলে, সে অত্যে আপীল আদালতে প্রতিকার পাইবার প্রার্থন না করিয়া কোন সংশোনকারী আদালতে যাইতে পাইবে না, এই কারণেই এই সংশোধনটি করা হইল।

৪৬৫ ধারা।—অভিযুক্ত ব্যক্তি ক্ষিপ্তমনা বলিয়া যতকাল তাহার বিচার হইবার পক্ষে অশক্ত থাকে সেই কালের মধ্যে যাহাতে সাক্ষাদের উক্তি লিপিবদ্ধ করা যাইতে পারে ইহাই এই সংশোধনটির উদ্দেশ্যঃ এইরূপ ° না করিলে ঐরপ সাক্ষ্য নষ্ট হইতে পারে। অভিযুক্ত ব্যক্তি পলাতক হইলে যে কার্য্যপ্রণালী (৫১২ ধারা) অদ্রুত হইবে তাহা খাটান হইয়াছে।

893 ধারা, (৩) পারাত্রাফ।—প্রত্যেক স্থলে বিশেষ করিয়া আজ্ঞা দিবার প্রয়োজন হইবে না এবং মান্ত্রিসন্তাধিষ্ঠিত শ্রীয়ুত গবর্ণর জেনরল সাহেব সাধারণ আজ্ঞা প্রকাশ করিয়া এই সকল বিষয়ের ব্যবস্থা করিতে পারিবেন ইহাতে এইরূপ বিধান করা গেল। যে প্রদেশে ক্ষিপ্ত ব্যক্তিদের কোন আশ্রয়স্থান স্থাপিত হয় নাই সেই প্রদেশের কোন আদালত যে স্থলে কোন ব্যক্তিকে প্ররূপ আশ্রয় স্থানে বদ্ধ করিয়া রাখিবার আজ্ঞা করেন বিশেষতঃ সেই স্থলে উক্তরূপ বিধান আবশ্যক। (৪) পার।গ্রাকে বর্ত্তমান আইনের ৪৭৫ (খ) ধারাটি পুনরুদ্ধ করা গেল।

৪৭৬ ধারা, শেষ পারাত্রাফ।—রিপোর্ট করা মোকদ্বনাগুলি হইতে দৃষ্ট হয় যে, কোন আদালতের নিকট যে আফুষ্ঠানিক কার্য্য হয় তৎসম্বন্ধে ঐ আদালতের স্বীয় বিবেচনা মতে কার্য্য করিবার যে অধিকার আছে কোন সংশোধনকারী আদালত এইরপ সকল বিষয়ে দেই অধিকারে হস্ত ক্ষেপ করেন স্থবিচারের প্রতি লক্ষ্য রাখিলে ইহা বাস্থনীয় নয়। ফোজদারী আন্ষ্ঠানিক কার্য্য উপস্থিত করা হইলে সরল অভিপ্রায়ে আপত্তি করিবার প্রচুর পরিমাণে স্থযোগ করিয়া দেওয়া হইল। এই কারণেই এই ধারাটি প্রণীত হইয়াছে।

৪৮০ ধারা। —কোন সাক্ষী বে আইনী মতে কোন আদালত হইতে চলিয়া গোলে ঐ আদালতের অবজ্ঞা করা হইয়াছে বলিয়া যাহাতে উক্ত আদালত ঐ অপারাধের সরাসরীমতে বিচার করিতে পারেন তদ্মিতি ভারতবর্ষের দপ্তবিধির আইনের ১৭৪ ধারাটি সংযুক্ত করিয়া দেওয়া হইল।

৪৮৮ ধারা, (২) পারা্রাফ।—কেবল মাত্র আপান আজ্ঞার তারিথ হইতে না হইয়া নালিশের তারিখ হইতেও মাজিফ্রেট ভরণ পোষণের টাকা দিবার আজ্ঞা করিতে পারিবেন, এই পারা্রাফে তাঁহাকে এইরূপ ক্ষমতা প্রদন্ত হইল।

৩ পারাপ্রাক. নিয়ম বিধি।—শেষের শব্দগুলির পরিবর্ত্তন করাতে, ভরণ পোষণের আজ্ঞা করণ বিষয়ে মাজিট্রেটকে আপন বিবেচনাম্নারে কার্য্য করিবার অধিকতর ক্ষমতা দেওয়া হইল। এইরপ করা আবশ্যক হইয়াছে, কারণ একটি রিপোর্ট করা মোকদ্বমা হইতে দৃষ্ট হয় যে, অপরের যে বিবাহিতা দ্বীর সহিত সহবাস করিলে ভারতবর্ষের দণ্ডবিধির আইনের অর্থাম্বনারে পরন্ত্রীগমন অপরাধ হয় এরপ দ্বী না হইয়া অপর দ্বীলোকের সহিত স্থামা সহবাস করিলেও তাঁহার দ্বীকে বলপূর্ষক তাঁহার সহিত একতা থাকিতে বাধ্য করা যাইতে পারে এবং তাঁহার দ্বী ঐরপ না করিলে তাহাকে স্বতন্ত্র ভরণপোষণ পাইবার অধিকারচ্যুত করা যাইতে পারে। ই, লা, রি, ১৭ মাজ্রাজ, ২৬০ পৃষ্ঠা দেখ।

- (৬) পারাত্রাক।—যে ব্যক্তির নামে সমন দেওয়া হয় সে ব্যক্তি যদি অবজ্ঞা করিয়া উপস্থিতনা হয় তাহা হইলে মাজিস্ফেট মোকদ্দমার বিচার করিয়া ভরণপোষণের নিমিত্ত একতরকা আজ্ঞা করিতে পারিবেন, নিয়ম বিধিটিতে তাঁহাকে এইরপ ক্ষমতা দেওয়া হইল। এরপ মোকদ্দমা পুনস্থার আরম্ভ করিবারও বিধান করা গেল।
- (৭) পারাত্রাক।—যাহার নামে সমন হয় সে থাহাতে আপনার পক্ষে সাক্ষান্তরূপ আপনিই পরীক্ষিত হইতে পারে এই পারাত্রাকে তাহাকে তদ্রূপ অধিকার প্রদত্ত হইল এবং এতৎক্রমে মাজিফ্রেট ভরণপোষণের মোকদমায় খরচা সম্বন্ধেও আজ্ঞা করিতে সক্ষম হইবেন।
- (৮) পারাণ্রাক।--এতদ্বারা এইরূপ মোকদ্দমায় মাজিস্টেটের বিচারাধিকার ব্যক্ত করা হছল। রিপোর্ট করা মোকদ্দমা গুলিতে এই বিধয়ে স্পর্কমত প্রকাশ করা হয় নাই।

•৪৯৮ ধারা।—৪২৬ ধারার বিধানের প্রতি লক্ষ্য করিয়া '' কিছা সেশন আদালত '' এই শব্দগুলি উঠাইয়া দেওয়া উচিত কি না ইছা পরে বিবেচনার জন্য রক্ষিত হইল।

৫১৪ ধারা।—কোন জ্ঞামিনদারের মৃত্যুর পূর্বে ওঁছোর দায়িত্ব ঘটিয়া থাকিলে এই সকল সংশোধনক্রমে ঐ মৃত জ্ঞামিনদারের ইন্টেটের বিরুদ্ধে কার্য্যাস্থঠান হইতে পারিবে।

৫১৭ ধারা।— কোন মাজিস্টেটের সন্মুখে যে কোন সম্পত্তি উপস্থিত করা যায় যাগতে তাহার বিলিব্যবস্থা সম্বন্ধে তিনি আজ্ঞা দিতে পারেন তাঁগকে তন্দ্রপা ক্ষমতা দিয়ার জন্য এই ধারার প্রসার বিদ্ধিত করা হইয়াছে।

৫২০ ধারা।—প্রথম আদালতের আজ্ঞা কার্য্যে পরিণত করা হইয়া থাকিলে, ঊর্দ্ধুতন আদালত যদি ঐ আজ্ঞা অন্যথা করিয়া আজ্ঞা দেন তবে সম্পত্তি ফিরাইয়া দিবার আদেশ করিয়া এই ধারার যে আপন আজ্ঞা কার্য্যকর করিতে পারিবেন।

. ৫২৬ ধারা।—কোন অধস্তন আদালত দাঁতামত কোন মোশন বা আফিডেবিট ব্যতীত সম্পর্কযুক্ত পক্ষদিগের সন্মতি সহকারে কোন হাই কোর্টে কোন বিষয় অর্পণ করিলে হাই কোর্ট এই সংশোধনকমে কোন মোকদ্দমা ইস্তান্তর করিবার আজ্ঞা করিতে সক্ষম হইবেন। এইরপ সকল হলে এই সংশোধনটির ছারা সাধারণ্ডঃ হাই কোর্টের ক্ষমতা বৃদ্ধিত হুইবে।

৫২৬ ধারা (৮) পারাগ্রাফ।—কোন তদস্ত বা বিচার মূল্ডবী রাখা হয় বা ডন্ধিমিত্ত দিনাস্তর ধার্য্য করা যায় এইরূপ প্রার্থনা করিবার ক্ষমভার অনেক সময়েই অপব্যবহার হওয়াতে, এইরূপ স্থলে বিচার পতিকে কিয়ৎ পরিমাণে স্বীয় বিবেচনাম্নারে কার্য্য করিবার অধিকার দেওয়া আবশ্যক বলিয়া দৃষ্ট ইইয়াছে। • ৫২৮ ধারা।—বর্ত্তমান আইন অন্থলারে মাজ্রাজে কোন জিলার মাজিক্টেট কোন আম্য মাজিট্রেটের নিকট প্ ছইতে কোন মোকদ্দমা অন্যের নিকট অর্পণ করিতে পারেন না এইরপ নিম্পত্তি হওয়াতে, উক্তরূপ জিলার মাজিট্রেটকে এরপ করিতে সক্ষম করণার্থ এই সংশোধনটি করা হইল।

৫৩৩ ধারা।— এই ধারাটি কোম আপীল আদালত কিন্তা সংশোধনকারী আদালত সন্তব্যে খাটে ইছাই ব্যক্ত করিবার প্রস্তাব করা গেল।

৫৩৭ ধারা।—যে মোকদ্মার চূড়াস্থ মিশান্তি হয় নাই যাহাতে এই ধারাটি সেই মোকদ্মা সন্থন্ধে থাটিতে পারে ভদভিপ্রায়ে ই, লা, রি, ২০ কলিকাতা ৯৮০ পৃষ্ঠার লিখিত আগতির নিরসনার্থ এই ধারাটি বর্দ্ধিত করা হইয়াছে।

৫৫৫ ধারা — ব্যাখ্যা ও উদাহরণ।—ই, লা, রি, ২৩ কলিকাতা ৩২৮ পৃষ্ঠার ও ই, লা, রি, ১৯ মাজ্রাজ ২৬৩ পৃষ্ঠার লিখিত ও জরপ অন্যান্য মোকদ্যায় উথাপিত আপত্তির খণ্ডনার্য এই সংবোদগুলি কর। হইয়াছে।

৫ ৮১, ৫৬২ ও ৫৬০ ধার। । - এই ধারাগুলি মৃতন এবং কোনং মাজিক্টেট নির্দ্ধিট কোনং মোকদমায় প্রথমবার অপরাধীর প্রতি বিশেষ নিয়ম নির্দ্ধারিত করিয়া দণ্ডাজা প্রদান করিতে নিয়ন্ত ইইতে পারিবেন এওং-ক্রামে তাঁহাদিগকে এইরপ ক্ষমতা দেওয়া গেল। ঐ সকল নিয়ম পালন করিতে ক্রটি হইলে যে কার্যপ্রণালী অফুস্ত হইবে উক্ত সকল ধারায় তাহারও বিধান করা হইল।

৫৬৪ ও ৫৬৫ ধারা। —এই ধার। তুইটি নৃতন ও ইছাতে পাকা বদমাসদের পোলীসের ভত্তাবধানে রাখিবার বিধান করা হইয়াছে।

## দিভীয় তক্সীল।

২৬৩ক ধাৰা ও ৪৭৭ ক ধারা।—১৮৯৫ সালের ৩ আইনজ্রামে স্প্রতীয়ে সকল অপরাধের নিমিন্ত কৌজ-দারী মোক্দনার কার্যপ্রশালী বিষয়ক আইনে কোন রিধান করা হয় নাই ভাষা ধরা হইয়াছে।

মান্দ্রাক্তের স্বর্গমেন্টের অভ্নোধক্রয়ে ৩ ধর্টিতে একটি পরিবর্ত্তন করিয়া ৪০৯, ৪১৭, ৪১৮, ৪১৯ ও ৪২০ েশ্বারায়তে অপরাধগুলিকে ধর্তব্য অপরাধ বলিয়া নির্দেশ করা হউয়াছে।

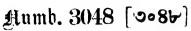
্ৰিক্তি **শ্ৰেসিডেন্সা লগরে আবশ্যকতা আছে** বলিয়া জানান চইয়াছে এই কারণে জালকরণ সম্বন্ধে (৪৬৫ ও প্রবন্তী ধারা ) তুল্যরূপ সংশোধন করা হইল।

১৮৯१ माण, ১**६ र पट्टा**यत ।

এম, ডি কালমার্স। জে, এম, ম্যাক্কার্সন, ভারতবর্ষের গবর্ধমেন্টের সেক্রেটরী।

CHUNDER NATH BOSE,

Bengali Translator.





# शवर्वामणे (शर्षिषे।

.TUESDAY, DECEMBER 28, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৮ ডিসেম্বর।

CONTRICTS.	
Page.	मिर्च ।
Part IResolutions, Orders and Notifica.	न्हे।।
tions of the Government of India Nil.	প্রথম প্র।—ভাবতব্যীয় স্বর্থমেণ্টেব মিশ্বার্ণ
Part II Resolutions, Orders and Notifica-	' আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি . " মাই।
tions by the Lieutenant-Governor	विजीव वर्षा वक्रामान्य शवन्त्रात्वेव निकार्त्व
of Bengal	
PART JIA Orders by the Lieutenant-Gover-	विकोष के थेल।—विकासित गवनीसारकेंद्र आर्मिन . ১२५५२७
nor of Bengal 121-123	
YART III Acts of the Legislative Council of	व्याष्ट्रेम , माई!
īndi <b>a</b> Nil.	
PART IV Bills of the Legislative Council of	. नाष्ट्रविभि मारे।
india Ni/.	
PART V Acts of the Bengal Council Nil.	
PART VI.—Bills of the Bengal Council Nil	
PART VII Circular Orders by the High	সপ্তম থণ্ড।—হাই কোটেব ও বেবিনিউ বেটের
• Court and Board of Revenue . Nil	
PART VIII Advertisements 635-650	·
Supplement Nil	

#### PART II.

· Aesolutions, Orders and Notifications by the Lieutenant-Governor of Bengál.

## দিতীয় খণ্ড।

বন্ধদেশের গ্রথমেন্টের নির্দ্ধারণ, আদেশ ও বিজ্ঞাপন প্রভৃতি।

•

## ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MARINE DEPARTMENT.

#### The 20th December 1897.

No. 199 Marine.—The following Notification, No. 6450—4275P., dated the 20th November 1897, issued by the Government of Bombay, relative to the imposition of rules for quarantine against plague applicable to vessels arriving at Aden, is published for general information.

A. D. McArthur, Col., R.E., Secy. to the Govt. of Bengal.

#### GENERAL DEPARTMENT.

Bombay Castle, 20th November 1897.

No. 6450—4275-P.—In exercise of the powers delegated by the Governor-General in Council under section 2 (3) of the Epidemic Diseases Act III of 1897, His Excellency the Governor in Council is pleased to prescribe as a temporary measure the following rules for quarantine against plague applicable to vessels arriving at Aden:—

- Rule I.—The commander of every vessel, including buggalows or other native craft arriving at Aden from an infected port, shall, before entering the harbour, hoist a yellow flag (or if entering the port at night-time, exhibit two red lights, one above the other, at the main) and indicate by signal the port from which such vessel has come, and shall keep such flag and signals flying until permitted to take them down. The pilot on going alongside a vessel from an infected port shall direct the flag prescribed above to be hoisted, if it has not been already done.
- Rule 11.—Such commander shall not, except as hereinafter provided, allow any communication, except orally, with the shore or with any other vessel or boat except the pilot boat, with which communication shall be limited to receiving the pilot who shall proceed straight to the bridge.
- Rule 111.—No vessel shall be given pratique until ten days from the date of its departure from an infected port. A vessel which carries no qualified Medical officer shall not be given pratique until ten days from the date of its arrival in Aden. Until the ten days' period has expired, a vessel shall, during its stay at Aden, remain at the quarantine anchorage appointed from time to time by the Resident by general or special order in this behalf. Until a vessel has been given pratique, it shall have no communication with the shore.
- Rule IV.—On the arrival of a vessel whose destination is Aden, an officer appointed for the purpose by the Resident shall go alongside and ascertain whether ten days have or have not expired since its departure from an infected port.
  - (a) If ten days have expired since its departure from an infected port, and if it carries a qualified Menical officer,

## বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

## মোরন্ ভিপার্টমেন্ট।

#### ১৮৯৭ সাল ২০এ ডিসেম্বর।

• ১৯৯ নং মেরিন্।—বোস্থাই গবর্ণমেন্টের প্রকাশিত ওদনে আগত জলযান প্রতি মৃত্কের কারান্টাইন বিধি প্রয়োগ সম্বন্ধে ১৮৯৭ সালের ২০এ নবেম্বর তারিখের ৬৪৫০—৪২৭৫ পি নং নিম্নু-লিখিত বিজ্ঞাপন সাধারণের অবগতির নিমিত্ত প্রকাশিত হইল।

এ, ডি, ম্যাক্তার্থর, লেপ্টেনেন্ট কর্নেল, আর, ই। নঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরী।

## জেনরল ডি**পা**র্টমেন্ট।

#### বোদ্বাই কামস. ১৮: ৭ সাল ২০এ নবেশ্বর।

- ৬৪৫০—৪২৭৫ পি নং।—ব্যাপক পাঁড়া বিষয়ক ১৮৯৭ সালের ৩ আইনের ২ (৩) ধারামতে মন্ত্রিসভূ।ধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর জেনরল সাহেব কর্তৃক যে ক্ষমতা অর্পিত ছইয়াছে তাহার পরিচালনা করিয়া মন্ত্রিসভাহিষ্ঠিত মহিমবর শ্রীযুত গবর্ণর সাহেব এদনে আগত জল্মানের প্রতি প্রযোজ্য মৃতৃক সংক্রান্ত নিম্নলিখিত ক্রারান্টাইন বিধি কিয়ৎকালের নিমিত্ত নির্দেশ করিলেনঃ—
  - ১ বিধি।—বগালো ও অন্যান্য দেশীয় জাহাজ সমেত যে সকল জল্যান দূষিত কোন বন্দর হইতে এদনে উপস্থিত হয় সেই সকল জল্যানের কাপ্তান বন্দরে প্রবেশ করিবার পূর্বের একটা হল্দে নিশান তুলিয়া দিবেন এবং রাত্রিকালে বন্দরে প্রবেশ করিলে প্রধান মাস্তলে উপরি উপরি হইটা লাল আলো দেখাইবেন এবং ঐ জ্বলয়ান ষে বন্দর হইতে আসিয়াছে সিগনাল দ্বারা তাহা জানাইবেন এবং নামাইবার অহ্মতি না পাওয়া পর্যন্ত ঐ নিশান বা আলো নামাইবেন না। কোন দূষিত বন্দর হইতে আগত জল্যানের পার্শ্বে গিয়া আড়কাটা যদি দেখেন যে প্রন্থ নিশান তখনও তোলা হয় নাই তাহা হইলে তিনি ঐ নিশান তুলিতে আদেশ করিবেন।
  - ২ বিধি।—পশ্চাল্লিখিত বিধানাম্সারে না কইলে ঐ কাপ্তান কুলের সহিত কিম্বা অপর কোন জলযানের বা আড়কাটীর নেকা ভিন্ন অপর কোন নোকার সহিত মোখিক ভিন্ন অপর কোন সংস্তাব কইতে দিবেন না। আড়কাটীর নোকার সহিত্ত এই মাত্র সংস্তাব কইবে যে আড়কাটীকে ভুলিয়া লওয়া কইবে। আড়কাটী বরাবর পুলের কাছে চলিয়া যাইবেন।
  - ত বিধি।— দূষিত বন্দর হইতে যাত্রা করিবার তারিখ হইতে দশ দিন কাল উত্তীণ না হওয়
    পর্য্যন্ত কোন জলখানকে কুলের সহিত অবাধে সংত্রব করিবার অহমতি দেওয়
    হইবেনা। যেজলখানে উপযুক্ত যোগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর নাই তাহা এদনে আগমনের
    তারিখ হইতে দশ দিন কাল অতীত না হওয়া পর্যান্ত ঐ অহমতি পাইবে না।
    ঐ দশ দিন কাল উত্তাণ না হওয়া পর্যান্ত এদনে থাকিবার কালে রেসিডেন্ট
    সাহেব এতদর্থে সাধারণ বা বিশেষ আদেশক্রমে কারান্টাইন সূত্রে লকার কারয়
    থাকিবার নিমিত্ত সময়ে সময়ে যে স্থান নিরূপিত করেন জলানা দেই পানে
    থাকিবে। সংত্রব করিবার অহমতি না পাওয়া পর্যান্ত কোন জলানা কুলের
    সহিত সংত্রব করিবার না।
  - ৪ বিধি। এদন যে জলমানের উদ্দিষ্ট স্থান সেই জলখান আদিলে রেসিডেও সাহেব কর্তৃক তদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী জলমানের পার্থে গিয়া দৃষ্টিত বন্দর হইতে জলমানের যাত্রার কাল হইতে দশদিন কাল উত্তীর্গ হইয়াছে কি না এই কথা নিবয় করিবেন।
    (ক) দৃষ্টিত বন্দর হইতে জলমানের যাত্রার পর দশদিন কাল উত্তীর্গ হইয়া
    গাঁকিলে এবং জলমানে উপযুক্ত মেগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর থাকিলে এবং জলমানে উপযুক্ত মেগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর থাকিলে এবং জলমানে উপযুক্ত মেগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর থাকিলে এবং জলমানে উপযুক্ত মেগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর থাকিলে এবং জলমানে উপযুক্ত মেগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর থাকিলে এবং ক্রমানিল ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক

the officer appointed for the purpose shall board the vessel and make such inquiries and inspection as he thinks necessary and may require a declaration on oath from the Medical officer of the vessel or the captain, or both, as to the existence of plague or suspected plague on board the vessel either during the voyage or before its departure. He shall then declare whether the vessel is "healthy," "suspected" or "infected," as defined in Rule VII. If he is satisfied that the vessel is "healthy," it shall be given pratique forthwith. If he declares it to be "suspected" or "infected," it shall be dealt with in the manner prescribed in Rule VII.

- (b) If on the arrival of a vessel it is ascertained that ten days have not expired since its departure from an infected port, or if it carries no qualified Medical officer, it shall be detained at the quarantine anchorage until, in the former case, ten days have expired since its departure from an infected port, or, in the latter case, ten days have expired since its arrival at Aden, after which the officer appointed for the purpose shall take the measures specified in clause (a) of this rule, and classify the vessel:
- Provided, however, that the officer appointed for the purpose may, at any time before the expiration of the aforesaid period of ten days, make such inquiries and inspections as he thinks nocessary, and if, as the result thereof, he comes to the conclusion that the vessel is "infected," he shall forthwith, and without waiting for the expiration of the ten days' period, order it to be treated as infected.
- Rute V.—On the arrival of a vessel, which is onward bound, and which uses Aden as merely a port of call, the officer appointed for the purpose by the Resident shall go alongside and ascertain whether ten days have or have not expired since its departure from an infected port.
  - (a) If ten days have expired since its departure from an infected port and if it carries a qualified Medical officer, and if the officer appointed for the purpose is permitted to make such inspection as he thinks necessary, and, as the result thereof and as the result of any inquiries he may make, is satisfied that the vessel is "healthy," the vessel shall be given "pratique." Otherwise it shall remain in quarantine at the anchorage appointed for the purpose by the Resident during its stay in port: no person shall be landed therefrom except at the quarantine camps appointed by the Resident, and no communication with the shore or with other vessels shall be allowed except the landing of mails in quarantine and the embarkation and disembarkation of passengers in quarantine.
  - (b) If ten days have not expired since its departure from an infected port, or if it carries no qualified Medical officer

নিযুক্ত কর্মচারী জাহাজে উঠিয়া যেরপ অহুসন্ধান ও পরিদর্শন কর আবশ্যক বোধ করেন সেইরপ অহুসন্ধান ও পরিদর্শন করিবেন এবং যাত্রার পূর্বে কিম্বা যাত্রার মধ্যে জলযানে মড়ক কিম্বা মড়ক বলিয়া সন্দেহ হয় এমন কোন রোগ হইয়াছিল কি না ভবিষয় জলযানের ডাক্তরকে কিম্বা কাপ্তানকে কিম্বা উভয়কেই শপথক্রমে ব্যক্ত করিতে বলিতে পারিবেন। তাহার পর তিনি ৭ বিধির অর্থনির্দেশ অহুসারে ঐ জলযান "মুহ" কি "সন্দেহের কারণ্যুক্ত" কি "দূষিত" তাহা ব্যক্ত করিবেন যদি তাঁহার এরপ প্রভীতি হ য় যে জলযান মুহ তাহা হইলে উহাকে অবিলম্বে কুলের সহিত সংস্থাব করিবার অহ্মতি দেওয়া যাইবে। যদি তিনি উহাকে "সন্দেহের কারণ্যুক্ত" বা 'দূষিত" বলিয়া ব্যক্ত করেন তাহা হইলে উহার সম্বন্ধে ৭ বিধির নির্দিষ্ট প্রকারেকার্য্য করা যাইবে।

(খ) কোন জলযান আসিলে যদি এরপে নির্ণীত হয় যে কোন দৃষিত বন্দর
হইতে উহার যাত্রার তারিখ হইতে দশ দিন কাল অতীত হয় নাই
কিন্তা দদি উহাতে উপযুক্ত যোগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর না থাকে তাহা
হইলে পূর্বোক্ত ছলে দৃষিত বন্দর হইতে যাত্রার তারিখ হইতে
দশ দিন কাল উত্তীর্ণ না হওয়া পর্য্যন্ত এবং শেযোক্ত হলে এদনে
উপনীত হইবার তারিখ হইতে দশ দিন কাল উত্তীর্ণ না হওয়া
পর্য্যন্ত ঐ জল্যানকে ক্লারান্টাইনসূত্রে লক্ষর করিয়া থাকিবার স্থানে
আটকাইয়া রাখা যাইবে। ঐ কাল উত্তীর্ণ হইবার পর এডদর্থে নিযুক্ত
কর্মচারা এই বিধির (ক) দফার নির্দিষ্ট উপায় অবলম্বন করিবেন
এবং জল্যানের শ্রেণী নির্দেশ করিবেন।

কিন্তু এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী উপরোক্ত দশ দিন কাল উত্তীর্ণ হইবার পূর্বেষ যে কোন সময়ে থেরূপ অন্থসন্ধান ও পরিদর্শন করা আবশ্যক বোধ করেন তাহা করিতে পারিবেন এবং উহার কলস্বরূপ যদি তিনি এরূপ সিদ্ধান্তে উপনীত হন যে জল্যান "দুষিত" তাহা হইলে তিনি দশ দিন কাল উত্তীন হওয়া পর্যান্ত অপেক্ষা না করিয়া তৎক্ষণাৎ ঐ জল যানকে 'দুষিত' বলিয়া গণ্য করিবার আদেশ দিবেন।

- বৈধি।—যে জলমান ভারও দুরে যাইবে এবং যাহা কেবল মাত্র মাল প্রভৃতি নামাইবার ও ভূ।লবার নিমিত্ত এদন হইয়া যায় সেই জলমান আসিলে রেসিডেন্ট সাহেব কর্তৃক এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী জলমানের পার্খে গিয়া উছার দৃষিত বন্দরহইতে যাত্রার তারিথ হইতে দশ দিন উত্তীর্ব ইইয়াছে কি না ইহা নির্বয় করিবেন ।
  - (ক) কোন দূষিত বন্দর হইতে উহার যাত্রার তারিশ হইতে দশ দিন উত্তার্থ হইয়া থাকিলে এবং উহাতে উপায়ুক্ত যোগ্যতাসম্পন্ধ ডাক্তর থাকিলে এবং তদর্থে নিযুক্ত কর্মচারা যেরপ পরিদর্শন করা আবশ্যক বোধ করেন তাঁহাকে সেইরপ পরিদর্শন করিতে দেওয়া হইলে এবং ঐ পরিদর্শনের এবং তিনি যে অম্পন্ধান করেন তাহার ফলস্বরূপ ঐ কর্মচারির জল্যান স্বস্থ বলিয়া প্রতীতি হইলে ঐ জল্যানকে কূলের সহিত সংস্ত্রব করিবার অম্মতি দেওয়া যাইবে। তাহা না হইলে বন্দরে অবস্থান কালে উহাকে লক্ষর করিয়া থাকিবার নিমিন্ত রেসিভেন্ট সাহেব কর্তৃক নির্দ্বপিত স্থানে কারান্টাইনের নিয়মাধীনে থাকিতে হইবে, রেসিভেন্ট সাহেব যে কারান্টাইনের ক্যাম্প নির্দ্বপিত করেন তন্তিম্ব অপর কোন স্থানে ঐ জল্যান হইতে কোন লোক নামান হইবেনা এবং কারান্টাইনের নিয়মাধীনে ডাক নামান কিষা আরোহী তোলা কি নামান ভিন্ন কূলের সহিত কিয়া অপর জল্যানের সহিত অন্য কোনরূপ সংস্থাব করিতে দেওয়া হইবে না।
  - (খ) ° কোন দৃষিত বন্দরহইতে উহার যাত্রার তারিখ হইতে দশ দিন উত্তীণ হইয়া না থাকিলে কিম্বা উহাতে উপযুক্ত যোগ্যতাসম্পন্ন ডাক্তর না থাকিলে বন্দরে

it shall remain in quarantine at the quarantine anchorage appointed for the purpose during its stay in port.

N.B.—No inspection of a vessel under Rules IV and V shall ordinarily be made except by daylight.

Rule VI.—These rules shall not prevent the transhipment, in quarantine, of passengers or other persons or mails or cargo from a vessel in quarantine to another, provided that thereafter the latter vessel shall be in quarantine.

Rule VII.—For the purposes of these rules a "healthy" vessel means—
"A vessel which has had no case of plague on board and which has left
an infected port ten days or more previously."

#### A "suspected" vessel means-

"Any vessel on board which there has been a case of plague at the time of departure or during the voyage, but on which no fresh case has occurred for twelve days."

#### An "infected" vessel means-

"Any vessel with plague on board or on board which one or more casehave taken place within twelve days."

The only measures which the authorities of the Port of arrival may enforce with regard to "healthy" vessels are those which are prescribed for "suspected" vessels (medical inspection, disinfection, pumping out the bilge-water and the substitutions of good drinking water for the water on board) except that the measures prescribed for the disinfection of the vessel itself may not be enforced in the case of healthy vessels.

The following treatment is prescribed for "suspected" and "infected" vessel, respectively:—

Suspected vessels are subject to the following measures, which will be carried out under the orders and supervision of the officer appointed for the purpose.

- 1.-Medical inspection.
- 2.—Disinfection; the soiled linen and personal effects of the crew and passengers, which in the opinion of the officer appointed for the purpose may be regarded as contaminated, should be disinfected.
- 3.—Pumping out the bilge-water after disinfection, and the substitution of good drinking water for the water stored on board.
- 4.—Disinfection of all parts of the vessel which have been inhabited by plague patients, and any other measures of disinfection that may be ordered by the officer appointed for the purpose

A watch should be kept over the health of the crew and passengers for ten days from the date of arrival of the vessel; and

the crew should not, without the special permission of the officer appointed for the purpose, be allowed to land, except on duty.

Infected vessels are subject to the following rules:

- 1—The sick will be immediately disembarked and isolated.
- 2.—The other persons on board should also, if possible, be disembarked and kept under observation or surveillance\* for a period varying according to the sanitary condition of the vessel and the date of the last case, but which must not exceed ten days.

<sup>\*</sup> The expression 'observation' means segregation of the passengers, either on board a vessel or in a lazarette, till they have obtained free pratique. The expression 'surveillance' means that the passengers will not be isolated; they will at once obtain free pratique, but on arriving at their destination they will be kept under medical surveillance.

শবস্থান কালে এতদর্থে স্থারাণ্টাইনস্ত্রে লক্ষর করিয়া পাকিবার নিমিত্ত যে স্থান নিরূপিত হয় সেই স্থানে কারাণ্টাইনের নির্মাধীনে উহা গাকিবে। মন্তব্য। –৪ ও ৫ বিধি অনুসাবে জলখানের পরিদর্শন সাধারণতঃ দিবা ভিন্ন অন্য সময়ে হইবে ন।

৬ বিধি ।—এই সকল বিধিবশতঃ কারান্টাইনের নিয়মাধীন এক জল্যান হইতে অপর জল্মানে আরোহী কিম্বা অন্য ব্যক্তি কিম্বা ডাক বা মাল স্থানান্তরিত করিবার প্রতিবন্ধক হইবে না। কিম্বু ঐরপ স্থানান্তরিত করিবার পর শেষোক্ত জল্যান কারান্টাইনের নিয়মাধীন হইবে।

৭ বিধি।—এই সকল বিধির অভিপ্রায়ার্থ "স্বস্থ" জলযান বলিতে—

"যে জ্বলমানে কোন ব্যক্তির মড়ক হয় নাই এবং থাহা দশ দিন বা তদপোকা

অধিক দিন পুর্নের কোন দুষিত বন্দর ছাড়িয়া আসিয়াছে সেই জলযান বুবাইবে।

"সন্দেহেরকারণযুক্ত" জ্বলযান বলিতে—

"যাত্রা করিবার সময় বা যাত্রার মধ্যে যে জলযানে কোন ব্যক্তির মড়ক হইরাছে কিন্তু যাহাতে বার দিনের মধ্যে নৃতন কোন ব্যক্তির মড়ক হয় নাই সেই জলযান" বুঝাইবে।

' দুষিত'' জলয়ান বলিতে—

''যে জলযানে মড়ক ক্রাপ্ত ব্যক্তি আছে কিশ্বা যাহাতে বার দিনের এক বা অধিক ব্যক্তি মড়কাক্রাপ্ত হইয়াছে সেই জলযান'' বুঝাইবে।

"সন্দেহেরকারনযুক্ত" জলযানের নিমিত্ত যে সকল ব্যবস্থা (অর্থাৎ ডাক্তরের পরিদর্শন, দোষশ্ন্য করণ ডহরার জল পান্স করিয়া ফেলন এবং জলযানে যে জল আছে তৎপরিবর্তে ভাল পানীয় জল গ্রহণ) নিদ্ধিত হইল যে বন্দরে জলখান আগমন করে তাহার কর্ত্তপক্ষেরা কোন "হুস্থ" জাহাজ সম্বন্ধে কেবল সেই সকল ব্যবস্থাই করিছে পারিবেন। কিন্তু সুস্থ জলযানের বেলা দোষশ্ন্য করণার্থ ব্যবস্থা কার্য্যে পরিণত করিতে পারা খাইবে না।

"সন্দেহেরকারণযুক্ত"ও"দূষিত' জলযানের নিমিজক্রমান্বয়ে নিম্নলিখিত ব্যবস্থা নির্দ্দিষ্ট হইলঃ—
সন্দিগ্ধ জলযান নিম্নলিখিত ব্যবস্থার অধান হইবে। এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারির
আাদেশাম্লসারে ও তত্ত্বাবধানে এই সকল ব্যবস্থা কার্য্যে পরিণত করা হইবে।

- ১। ডাক্তরের পরিদর্শন।
- ২। দোষশূন্য করণ; এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারিরমতে মাল্লা এবং আবে'হীদিগের যে দকল কামিজ প্রভৃতি এবং নিজস্ব দম্পত্তি দূ্যিত বলিয়া বিবেচিত হইতে পারে তাহা দোষশূন্য করিতে হইবে।
- ৩। দোষশূন্য করিবার পর ডহরার জল পশ্প করিয়া কেলন এবং জাহাজে যে জল আছে তৎপরিবর্ত্তে ভাল পানীয় জল গ্রহণ।
- ৪। মড়কাক্রান্ত ব্যক্তিগণ যে যে অংশে থাকিয়াছেন সেই সেই অংশ দোষশ্ন্য করণ এবং এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী দোষশ্ন্য করণ সম্বন্ধে অপর যে ব্যবস্থার আদেশ করেন তাহা।

জলযান আদিবার তারিখ হইতে দশ দিন কাল মালা এবং আরোহী-দিগের স্বাস্থ্যের প্রতি নজর রাখিতে হইবে, এবং

এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারির বিশেষ অন্নতি ব্যতীত কর্ত্তর্য কর্ম করিবার উদ্দেশ্যে ভিন্ন অপার কোন উদ্দেশ্যে মাল্লাদিগকে কূলে নামিতে দেওয়া হইবে না।

ে. দৃষিত জল্মান নিম্নলিখিত নিয়মের অধীন হইবে :—

- পাড়িত ব্যক্তিদিগকে অবিলয়্পে জল্মান হইতে নামাইয়া পৃথক রাখিতে ইইবে।
- ১। সম্ভব হইলে জলযানস্থ অপর ব্যক্তিগণকেও জাহাজ হইতে নামা-ইয়া পরিদর্শনাধীনে অথবা নজর বন্দিতে \* রাখা হইবে। পরিদর্শনাগীনে ও নজর বন্দিতে রাখিবার ঐ কাল জলযানের স্বাস্থ্যের অবস্থাস্থ্যারে এবং শেষ রোগ হইবার তারিখ অস্থ্যারে ক্য বেশী হইবে কিন্তু কোন ক্রমেই দশ দিনে অধিক হইবে না।

<sup>\*</sup> শবিদশন বৈলিতে সংস্থাপ কৰিবাৰ অনুমতি না পাওয়া প্ৰান্ত আবোচাগণকে জলমানে কিখা হাঁপোতালে পৃথক কৰিয়া রাখন বুঝাইবে। 'নজৰ ৰন্ধি' বলিতে এই বুঝাইবে যে আবোচাগণকে পৃথক কুল্লিয়া বাথ। চইবে না এবং তাহা-দিগাকে অবিলম্বে সংস্থাতি দেওবা হইবে কিপ্ত উদ্দিষ্ট স্থানে শৌছিলে তাহাঁদিগকে ডাক্তবেৰ নজনবন্দিতে বাধা যাইবে।

- 3.— The soiled linen and personal effects of the crew and passengers, which in the opinion of the sanitary authority of the port may be considered as *infected*, will be disinfected.
- 4.—The bilge-water will be pumped out after disinfection, and good drinking-water will be substituted for the water stored on board.
- 5.—All parts of the vessel which have been inhabited by plague patients should be disinfected, and such other measures of disinfection shall be taken as may be ordered by the officer appointed for the purpose.
- Rule VIII.—The Resident shall have full power, subject to any orders that may be issued by the Government of Bombay, to make regulations or pass orders regarding the administration of quarantine camps and hospitals, whether ashore or affoat, and regarding quarantine anchorages, and all persons concerned shall be bound to obey such regulations and orders. Any vessel objecting to submit thereto or to any of the measures indicated in these rules, shall, however, be free to put back to sea.
- Rule IX.—Any mails or cargo which may be brought by any vessel arriving from an infected port shall be landed under such precautions as the officer appointed for the purpose may deem necessary to prevent the spread of the disease.
- Rule X.—It will be the duty of the Port Officer to facilitate the conveyance to all vessels in quarantine of such supplies of provisions, stores and other articles as may be required by those on board. Such supplies will be placed on the boats of the vessels in quarantine to be subsequently removed by members of their crews.
- Rule XI.—All vessels arriving at Aden, which may have communicated with vessels coming from an infected port, shall be subjected to the same rules as vessels arriving at Aden from an infected port.
- Rule XII.—All vessels which have undergone medical inspection and quarantine in the manner above prescribed, should have the fact clearly stated on their bills of health.
- By order of His Excellency the Right Honourable the Governor in Council,

A. C. LOGAN,
Acting Secretary to Government.

- ০ ।—মালা এবং আরোহীদিগের যে কামিজাদি বস্ত্র এবং নিজস্ব সম্পত্তি বন্দরের স্বাস্থ্য সংক্রান্ত কর্তৃপক্ষের মতে দূষিত বলিয়া বিবেচিত হইতে পারে তাহা দোষশূন্য করিছে হইবে।
- 8। দোষশ্ন্য করিবার পর ডহরার জল পম্প করিয়া ফেলিতে হইবে!এবং জলখানে যে জল আছে তৎপরিবর্ত্তে ভাল পানীয় জল গ্রহণ করিতে হইবে :
- ৫। মড়কাক্রান্ত ব্যক্তিগণ জল্মানের থে যে অংশে থাকিয়াছেন
  সেই সেই অংশ দোষশূন্য করিতে হইবে এবং এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী
  -দোষ শূন্যকরণ সম্বন্ধে অপার থে ব্যবস্থার আদেশ করেন তদন্সারে কার্য্য
  করিতে হইবে।
- ৮ বিধি।—বোদ্বাই গবর্ণমেন্ট থে আদেশ করেন তাহার অধীন হইয়া কুলয় কিয়া জলথানেরা উপরিস্থিত কারান্টাইনের ক্যাম্প এবং হাঁম্পাতালের কায়্যনির্কাহ সম্বন্ধে এবং কারান্টাইন সূত্রে লজর করিয়া থাকিবার স্থান সম্বন্ধে ব্যবস্থা ও আদেশ করণার্থ রেসিডেন্ট সাহেবের সম্পূর্ণ ক্ষমতা থাকিবে এবং সম্পর্কযুক্ত সকল ব্যক্তিকে একপ ব্যবস্থা ও আদেশে পালন করিতে হইবে। কিন্তু কোন জলখান ঐ সকল ব্যবস্থা ও আদেশের এবং এই সকল বিধিতে সূচিত ব্যবস্থার অধীন হইতে আপাত্তি করিলে সেই জলখানকে সমুদ্রে বাহির হইয়া যাইতে দেওয়া যাইবে।
- ৯ বিধি।—কোন দূষিত বন্দর হইতে আগত জলমান কর্তৃক যে ডাক বা মাল আনীত হয় তাহা এতদর্থে নিযুক্ত কর্মচারী রোগের প্রচার নিবারণার্থ যেরূপ সতর্কতা অবলম্বন করা আবৃশ্যক বোধ করেন সেইরূপ সতর্কতা সহকারে জাহাজ হইতে নামাইতে হইবে।
- ১০ বিধি।— ক্লারান্টাইনের নিয়মাধীন জল্মান সমূহে যে সকল লোক থাকেন তাঁহাদের যে খাদ্য ও অন্য দ্রবের প্রয়োজন তাহা প্রয়প সকল জল্মানে লইয়া যাইবার স্থাবিধা করিয়া দেওয়া বন্দরের কর্মাচারির কর্ওব্য কর্মা হইবে। উক্ত দ্রব্যাদি ক্লারান্টাইনের নিয়মাধান জল্মান সমূহের বোটে রক্ষিত হইবে এবং পরে উক্ত দ্রলযানের মাল্লারা তাহা উঠাইয়া লইয়া গাইবে।
- ১১ বিবি।—এদনে আগত যে সকল জলযান দ্যিত বন্দর হইতে আগত জলযানের সহিত সংস্থাব রাথিয়াছে তাহাদের দৃষিত বন্দরহইতে এদনে আগত জলযানসমূহ যে নিয়মের অধান হইবে সেই নিয়মের অধান হইতে হইবে।
- ১২ বিধি। —যে সকল জল্মান পূর্ধনিদ্দিউ প্রকারে ডাক্তরের পরিদর্শনের এবং কারান্টাইনের অধীন হইয়াছে ভাহাদের স্বাস্থ্যের সার্টিফিকেটে ঐ কথা স্পান্ট করিয়া লিখিত থাকিতে হইবে।

মহিমবর প্রকৃত মান্যবর মন্ত্রিসভাধিষ্ঠিত শ্রীযুত গবর্ণর সাহেবের আদেশক্রমে, এ, সি, লোগান, গবর্ণমেন্টের এক্টিং সেক্রেটরী।



# गवर्गायन् कारलं

TUESDAY, DECEMBER 28, 1897.

# यमनवात, ১৮৯१ मान २৮ ডिमেयत ।

PART IIA.

Orders by the Lieutenant-Governor of Bengal.

দিতীয় ক খণ্ড।

वक्रान्टनत गर्वत्यत्वेत जात्न ।

# ORDERS BY THE LIEUTENANT-GOVERNOR OF BENGAL.

#### MUNICIPAL AND LOCAL.

#### NOTIFICATION.

No. 5635M.—The 16th December 1897.—Whereas a notification No. 779T.M., dated the 22nd September 1897, was published at page 221, Part IB of the Calcutta Gazette of the 29th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part IX of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as modified up to November 1896, to the Kandi Ward of the Kandi Municipality, in the district of Murshidabad, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Kandi Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RISLEY,
Serv. to the Gort. of Bengal.

#### NOTIFICATION.

No. 5638M.—The 16th December 1897.—Whereas a notification No 802T.M., dated the 22nd September 1897, was published at page 221, Part IB of the Calcutta Gazette of the 29th idem, declaring the intention of the Lieutenant-Governor to extend the provisions of Part X of the Bengal Municipal Act, III of 1884, as modified up to 1st November 1896, to the Pirojpur Municipality, in the district of Backergunge, and whereas no objection has been raised to the proposal within one month from the date of the publication of the above notification within the Municipality, it is hereby notified for general information that, in the exercise of the power vested in the Local Government by section 221 of the Act, and in accordance with the recommendation of the Commissioners of the Pirojpur Municipality, made at a meeting, the Lieutenant-Governor sanctions the extension of the above provisions of the Municipal Act to the said Municipality.

H. H. RIBLEY, Secy. to the Goot. of Bengal.

# বঙ্গদেশের দ্রীয়ত লেপ্টেনেণ্ট গবর্ণর সাহেবের আদেশ।

# ম্নিসিপল ও স্থানীয়।

### বিজ্ঞাপন।

৫৬৩৫ এম, নম্বর ।—১৮৯৭ সাল ১৬ ডিসেম্বর ।—মুরশিদাবাদ জিলার অস্তর্গত কান্দি মুনিসিপালিটীর কান্দি ওয়ার্ডে ১৮৯৬ সালের নবেম্বর মাস পর্যান্ত সংশোধিত বন্ধদেশের মুনিসিপালিটী বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ৯ম খণ্ডের বিধান প্রচলিত করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেবর অভিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ২২ সেপ্টেম্বর তারিখের ৭৭৯ টি, এম নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ২৯ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১টি খণ্ডের ২২১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রকাশিত হইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগভার্থে এতদ্বারা সংবাদ দেওয় যাইতেছে যে, শ্রীযুত লেপ্টেনেট গবর্ণর সাহেব স্থানীয় গবর্ণমেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদক্ত ক্ষমতাল্লমারে কার্য্য করিয়া এবং কান্দি মুনিসিপালিটীরে সভাগত ক্ষিশনরদের অহ্বোধক্রমে মুনিসিপাল আইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অহ্মতি দিলেন।

এচ, এচ, রিসলী। বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্রেটরী।

#### বিজ্ঞাপন।

৫৬৩৮ এম, নম্বর।—১৮৯৭ সাল ১৬ ডিসেম্বর।—বাধ্বগঞ্জ জিলার অন্তর্গত পিরোজপুর মুনিসিপালিটাতে ১৮৯৬ সালের ১ নবেম্বর মাস পর্যান্ত সংশোধিত বল্পদেশের মুনিসিপালিটা বিষয়ক ১৮৮৪ সালের ৩ আইনের ১০ম খণ্ডের বিধান প্রচলিত করণার্থ শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণর সাহেবের অন্তিপ্রায় প্রকাশক ১৮৯৭ সালের ২২ সেপ্টেম্বর ডারিখের ৮০২ টি, এম. নং এক বিজ্ঞাপন ঐ মাসের ২৯ তারিখের কলিকাতা গেজেটের ১ট খণ্ডের ২২১ পৃষ্ঠায় প্রকাশ করা গেলেও উক্ত বিজ্ঞাপন উক্ত মুনিসিপালিটাতে প্রকাশিত ইইবার তারিখ অবধি এক মাসের মধ্যে উক্ত প্রস্তাব সম্বন্ধে কোন আপত্তি উপস্থিত করা না যাওয়াতে সাধারণের অবগতার্থে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া খাইতেছে থে, শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবর্ণব সাংহব স্থানীয় গবর্ণযেন্টের প্রতি উক্ত আইনের ২২১ ধারামতে প্রদত্ত ক্ষমতান্ত্রসারে কার্য্য করিয়া এবং পিরোজপুর মুনিসিপালিটীর সভাগত কমিশনরদের অন্তরোধ-ক্রমে মুনিসিপাল ক্ষাইনের উক্ত বিধান উক্ত মুনিসিপালিটীতে প্রচলিত করিবার অন্থয়তি দিলেন।

এচ, এচ, রিসলী, বন্ধদেশের গবর্ণমেন্টের সেক্টেরী।



# गवर्गायकु फाउन्ह

TUESDAY, DECEMBER 28, 1897.

# মঙ্গলবার, ১৮৯৭ সাল ২৮ ডিসেম্বর।

PART VIII.

ADVERTISEMENT.

ष्रहेम थल।

ইশ তিহার প্রভৃতি !

LAND ADVERTISEMENTS.

ভূমিবিষয়ক ইন্ডাহার।

# জিলা বাকরগঞ্জ।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাকরগঞ্জ জিলার অন্তর্গত নির্মালিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সনের পাগায়ত সেপ্টেম্বর কিন্তির তলবী বাক রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাহসারে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সনের ৫ জাহ্মারি তারিখ মোং ১৩০৪ সনের ২২ পৌষ বৃধবার নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। ইতি সন ১৮৯৭ সাল তারিখ ১৩ নবেম্বর।

>	2	<b>.</b>	8	Q	<u> </u>	9	•	>
তৌজির নম্বর।	মহাল ও প্ৰগণাব নান।	সম্পূর্ণ মহা- লেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় চইবেঁ কি না।	দেবলমাত্র অংশ বিক্রম হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবৰণ।	যে সম্পত্তি বিশ্রুয় হইবে তাহার মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ অংশের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ভাহার বাক <sup>ী †</sup>	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে তাহা: বাকী।
8 <b>4</b> 84	পদ্মা ওরকে রম- জানপুর পং কাশীম- পুর সেহলাপট্টী।	*0+0 <sub>)</sub>	সম্পূর্ণ মহা- দের মালিকী স্বত্ব নিলাম হইবে।		হরকুমার সেন গং	••••	<b>२०२</b> 8)	••••
<b>3∘</b> ⊍8	চর সমসদী বালি- গাও পং সায়েস্তা- নগর।	288¢)	)		দক্ষিণাকুমার রায় চৌধুরী গং।	•••••	98606	•••
8986	চর জঙ্গলা পং উত্তর সাবাজপুর।	91-8)	À	*****	হরিমোহন ঘোষাল	**.**.	ماحد	•••
3924	মোজা চিকনীকান্দা পং চন্দ্ৰদ্বীপ।	•••••		এজমালী—    সং।। (৭ = \frac{5}{8}  তিল অংশ নি- লাম হইবে এত- হ্যতীত অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে		১৬১৯৸ঀ		२४५ १ हो
7943	তালুক বিশ্বনাথ সেন পং খাঞ্জাবাহাত্বর নগর i	<b>¢</b> 9∘l•∕33 l	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।	······•	রাম্মারায়ণ সেন্ গং	••••		•
2829	তালুক ফতে মাধামুদ পং খাঞ্জাবাহাগুর- নগর !	90673	ď	•	রাখালচন্দ্র রায় চিধুরী গং।	*****	25/2	*****
<b>১</b> ৬ <b>৭</b> ৭	ভালুক সৌজ্বদ্দিন খাঁ গংপং বোজরগো- মেদপুর !	•••		এজমালী—	ক্ষথকিশোর নিয়োগী গং।	3 · 8 ፡፡	••••	१७।८८५।१

,	₹	٥	8	α		1	F .	৯
তৌজির নম্বরু :	্তু মহাল ও পরগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইবে কিনা।	क्तितम भाव अश्मितिक्य इंडेल के अश्मित के अश्टमंद विस्मय निरंदन ।	্     যে সম্পত্তি বিক্রম স্টইবে  তাহাব মালিকগণেব নাম।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে ঐ অং- শেব সদব জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হুইলে তাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয হইলে তাহা বাকী।
¢78¢	কিশমত তেওভা, পাওভা, রূপার- জোর গং পং বোজরগোমেদ-	¢28%	সম্পূর্ণ মহাল নিলাম হইবে।	••••	দেবনাথ দত্ত চৌধুরা গং।		ا در ال	••••
२ <b>१०</b> ৮	পুর। জমিদারী পং উত্তর সাবাজপুর।	28 <b>2</b> 81√¢	À		আনন্দ চন্দ্রায় : গং।		3¢3√8	
2226	১০ গণ্ডা জমিদারী তপে হাবেলী দীলিমাবাদ।	२०४६।२३॥	ď	•••••	সোদামিনী তপ্তা গং।	•• ••	2224¢11	••••••
<b>८२</b> ८७	চর উমেদ মহালাধীন ৬৪ নং যোত পং জঞ্জীরা।	364%0	সম্পূৰ্ণযোত নিলাম হইবে।		হরিচরণ হাওলাদার গং।		२७४५/७	*****
<b>4</b> ₹8७	চর পদ্মা মহালাধীন ১ নং গর্মকররি তালুক গুপিক্কঞ্ বন্দ্যোপাধ্যায় পং দক্ষিণ সাবাজপুর।		সম্পূৰ্ব তালুক নিলাম হইবে		বিহারী লাল রায়। চৌধুরী।	•	483)	

ট্টাকা।- যে দ্বলে উপদের লিখিত বৰ্ণনাপত্ত্বে ৫, ৭ জ হলে কোন অংশ মাত্রবিক্রম হউতে বলিখা লিখিত আছে দেই দ্বলে ইয়া বৃধিতে ছইবে যে ঐ আংশের নিমিত্ত ঘট্টার হিস্বি রাখা হইয়া থাকে ও মহালেষ অন্যবা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

Offy. Collector.

# জিলা ঢাকা।—জমিদারী বিক্রন্মের বিজ্ঞাপন

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই স'বাদ দেওয়া সাইতেছে যে ঢাকা জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিভ মহালগুলি ব' মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে বাকা রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা বাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ৬ই জানুয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয়, করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংখুক্ত বর্ণনাপত্তির ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিও আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

2	<b>\</b>	٥	8	a a	y	i •	<b>&gt;</b>	≥′
তৌদ্ধির নম্বৰ।	মহাল ও প্রগণাব নাম। `•	সম্পূর্ণ মহাজেব সদব স্থম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হউবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রম হুইলে ঐ হাংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ শিক্তবল।	যে সম্পত্তি বিক্ষ ছইবে ভাঙাৰ মালিকগণেৰ নাম।		সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হুইলে ভাহাৰ বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম হটলে ভাহার বাকী।
78	পং বন্দরখোনা মং । মামুদরাজা।	369040 3•11	• • • • • •	অবশিউ	শশীকুমার পোদ্ধার গং।	<b>୬</b> ୬୯॥୬୧ <b>୳</b>	•••••	२७१४१।
०१०८	চর মৃজাপুরের মধ্য- গত সালিনা ওরফে চক হরিচরণ।	,	যোলআনী		রুফ্চন্দ্র সাহা গং `^		39640	*** -*

DACCA COLLECTORATE,
The 18th Norember 1897.

OKHOY COOMAR SEN.

For Collector.

# **জেলা বাঁকু**ড়া।

# নিলামি বিজ্ঞাপন।

এতদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বাঁকুড়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মলিকি স্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অফ্লসারে উক্ত বাঁকুড়া জেলার কালেক্টরিতে ১৮৯৮ সনের ১লা ফেব্রুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাজ্লা ১৩০৪ সনের ২০শে মাঘ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

শরিক্ষারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্ভ সকলে বাধ্য হইতে হইবে,—

## নিলামের সর্ভ।-

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিন্ট করেন তাহার উপর যে ব্যক্তি সর্বাপেকা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রয় হইবে। এই মহালের খরিদ্ধারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং যে রাজস্ব ধার্য্য হইয়াছে তাহা চিরম্বরূপে গণ্য হইয়া এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকি স্বত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বত্ব খরিদ্ধারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
  - দিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবস্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং
    এই ক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে তাহা বলবৎ থাকিবে এবং
    রেভেনিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা
    ক্রমক প্রজা দ্বারা দস্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্বীকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য
    হইবে।

তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হইলে সমুদয় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।

চতুর্থ। নিলামি মূল্য ১০০ টাকার উর্দ্ধ্ব হইলে যত টাকা ডাক হইয়া থাকে তাহার চতুর্থাংশের একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদবৃধি পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ দিবস কোন পর্ব্ব উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাজেয়াপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্দারের দায়িত্বে এই মহাল পুনরায় নিলাম হইবে।

ভৌজির মশ্বর।	ম <b>হাল ও</b> প্ৰগণাৱ নাম।	একরের হিসাবে যত- দূর স্থানা যায় ভূষির অন্থ্যানিক পরিমাণ।	গ্ৰথমেকেটক রাজস্ব যাহা ধার্য্য হই- য়াছে।	মন্তব্য।
bro	আমরাণী পরগণে বিস্থপুর ···	মোট মহালের ৬ কাগ অংশ।	।১০ চারি আনা দশ- পাই মাত্র।	ধানা বিস্পুর সামিল ভাগেদিখা গ্রাম— নিবাসী দিনমন্ত্রী দেবীর বিরুদ্ধে ১৮৯৫ ৯৬ সালের ৭৩৯ নং সার্টফিকেট জারিতে গবর্গমেন্ট কর্ত্তৃক প্রকাশ্য নিলামে খরিদ করা হইরাছে।

কালেক্টারের কাছারি, জেলা বাঁকুড়া, ভারিখ ২০শে নবেম্বর ১৮৯৭ ।

G. E. MANISTY.

Collector.

# किना बहीश।

# নিলামি বিজ্ঞাপন।

এডদ্বারা সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জেলার অন্তঃপাতি নিম্নলিখিত মহালে গবর্ণমেন্টের যে মালিকিস্বত্ব আছে তাহা নিম্নলিখিত নিলামের সর্ত্ত অহুসারে উক্ত নদীয়া জেলার কালেক্ট্রিতে ১৮৯৮ সনের ১০ই জ্বাহুয়ারি তারিখ মোতাবেক বাঙ্গলা ১৩০৪ সনের ২৭লে পৌষ তারিখে প্রকাশ্য নিলামে বিক্রয় হইবেক।

খরিদ্ধারগণকে নিম্নের লিখিত নিলামের সর্গু সকলে বাধ্য হইতে হইবে। —

#### নিলামের সর্ত।---

- প্রথম। নিলামের সময়ে কালেক্টর সাহেব এই মহালের যে উচ্চ মূল্য নির্দ্ধিষ্ট করেন তাহার উপর
  যে ব্যক্তি সর্বাপেক্ষা অধিক মূল্য দিতে সম্মত হইবে তাহার নিকট এই সম্পত্তি বিক্রম
  হইবে। এই মহালের খরিদারকে ইহার মালিক স্বরূপে গণ্য করিতে হইবেক এবং
  যে রাজস্ব ধার্য্য হইরাছে তাহা চিরস্থরূপে গণ্য হইরা এই মহালে গবর্ণমেন্টের যে
  মালিকিস্তত্ব আছে ঐ সম্পূর্ণ স্বয়ে খরিদারের প্রতি পর্য্যাপ্ত হইবে।
- ষিতীয়। চলিত আইন এবং বন্দোবন্তের কার্য্যের দ্বারায় যে সকল স্বত্ব অর্পণ হইয়াছে এবং এইক্ষণ যে সকল পাট্টা বর্ত্তমান আছে এই নিলামে ডাহা বলবং থাকিবে এবং রেভে-নিউ কার্য্যকারকগণ দ্বারা প্রস্তুত হওয়া জমাবন্দী যে সকল খোদখাস্তা ক্রষক প্রজা দ্বারা দক্তখত হইয়াছে তাহাদের স্বত্ব স্থীকার করিতে খরিদ্ধারগণ বাধ্য হইবে।
- তৃতীয়। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার অনধিক হইলে সমুদ্য় টাকা তৎক্ষণাৎ দিতে হইবে।
  চতুর্ব। নিলামি মূল্য ১০০) টাকার উদ্ধি হইলে যত টাকা ডাক হইয়া খাকে তাহার চতুর্থাংশের
  একাংশ তৎক্ষণাৎ দাখিল করিতে হইবেক, নিলামের দিন ১ দিন গণ্য হইয়া তদব্ধি
  পঞ্চদশ দিবসের দিবসে ২ প্রহরের মধ্যে যদি অবশিষ্ট টাকা দেওয়া না হয় অথবা ঐ
  দিবস কোন পর্বে উপলক্ষে কাছারি বন্ধ হয় তবে তাহার পরে প্রথম যে দিবস কাছারি
  হইবে সেই দিবস ২ প্রহরের মধ্যে না দিলে নিলাম রহিত হইবে (যে টাকা আমানত
  করা হইয়াছিল তাহা সরকারে বাভেোপ্ত হইবে) এবং প্রথমবার নিলাম হওয়ার
  ন্যায় বিজ্ঞাপন জারি হইয়া অনাদায়কারি খরিদ্ধারের দায়ীত্বে এই মহাল পুনরায়
  নিলাম হইবে।

·	<u></u>		1	· <u></u>
তে)জিব নগ্ৰা	মহাল ও প্ৰগণ্য নাম।	একবেব হিদাবে যতদূব ভানা গায় ভূমিব জানু-া;নক প্রিমাণ !	গৰণমেক্টেব বাজ্ঞস্থ যাঠ। ধাষ্য হই- য়াছে।	মন্তব্য ;
3.009	সিমুলিয়া প্রগণে শ্রীন্গর	একর— . ২০.৮৬ অর্থাৎ ৬৩/২। বিঘা।	টা: আ: পা:	***************************************

কালেক্টরের কাছারি জেলা নদীয়া তারিখ ৪ঠা ডিসেম্বর ১৮৯৭ সাল।

L. A. Rossiter,

For Collector.

### जिना (बाग्नाशानि।

# জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬, ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে ে, নোয়াখালি জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজত্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজত্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে ভাষা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৪ জাল্লয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। যে ছলে এতৎসংযুক্ত বর্গনাপত্তের ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশমাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই ছলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্ব হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

>	1	•	8	¢	8	1	•	,
ভৌজির মন্থব।	মহাল ও শ্রগণার নাম ।	সম্পূৰ্মহা- লেব সদর জমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হটবে কিনা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিৰবণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে, ঐ অং- শের সদর ক্রম।।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে তাহাৰ বাকী।	কোম অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে তাহা: বাকী।
<i>₹</i> 33	বামনী জমিদারী চাকলে বামনী।	<b>333•9</b> ,	मम्पूर्व	••••	বাবু উপেম্প্রচম্প্র দত্ত মেনেজার অব মিস কোর্জন ফেট ও বাবু রঘুনাথ প্রসাদ ডেওয়ারি গং।		€•€€  ₽ <i>}</i>	
			খাস মহ	াস টেনিউর —				
2442	গং মং হাওলা	७३৮५७	मण्जूर	····••	ওয়াজনি ঘাট- মাজি।	•••••	38৯√⊄	•••••
১৬৬২	আবহুল রহমান। চর মযধরা গংমং হাওলা আজেম- ভূলা গং৮০ নং দখল।	9 o b+ 4 <sub>9</sub> / 9	<b>(P</b> )		ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিভাবকজানিবে সচিনাথ গুহ।	•••••	200112	•••
১৬৭১	চর গাজির ১ নং দখল।	२०२१। 🔏	À	•••	জমিয়ত আলি	•••••	8 <b>४</b> ९।०	
3693	এ চরের ২ নং দখল	24421122	<b>D</b>	••••	<b>A</b>		७१७।/७	
ያራታራ	চর আন্সেকজেণ্ডারের ১ নং গং মং হাওলা।		Ď	••••	নবকুমার বহু	*****	30643	•••••
36PB	ঐ চরের ২ নং গং মং ছাওলা।	48242	À	•••••	खे	••••	39010/2	*****

S. K. AGASTI.
Collector.

# জিলা বৰ্ষমান।—জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন ক।

্রিন্দ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে, বর্দ্ধমান জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আফিসে ১৮৯৭ সালের জুন কিক্টির বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিক্ত আগামী ১৮৯৮ সালের ৫ জামুয়ারি তারিখে বেলা ১২টার সময় নিলামে বিকায় করা যাইবে।

>	٤ ٥		8 0		8	9		<b>&gt;</b> .
তৌদির নম্ম ।	মহাল ও প্রয়ণ্য শীম।	সম্পূর্ণ মহা- লের সহর ক্ষমা	সম্পূৰ্ণ মহ দ বিজ্ঞায় ঘৰীৰে কি ৰা	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশের বি- শেষ বিবরণ।	বে সম্পত্তি বিক্রম্ভ কইবে ভাষার মাণিকগণের নাম।		TAME SETS	কোন অংশ মাজ বিক্লয় হইচল ভাগাব বাকী !
44	মহান্ন পাটুন্নী পর- গণা পাটুন্নী।	& 964 HO		কেবল মূল মহাল নিলাম ছইবে অন্যান্য অংশ নিলাম হইবে না।	নবিনচ <del>জ্জ</del> চৌধুরী দিং।	₹ <b>₩</b> ₽9 /3 °		88(4

টীকা।—যে ভলে উপবেব লিখিত বর্ণনাপত্তার ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হটবে বলিয়া লিখিত আছে দেই ভলে ইহা বৃধিতে হইবে থে ঐ অংশের নিমিত্ত থতাঃ হিসাধে বাধা চইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

C. Fisher,
Collector.

# किना वोत्र हुम। -- किमाति विकस्त्रत विकाशन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ধারামতে এতদ্ধারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে বীরভূম জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি এবং মহালগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিসে বাকী রাজন্ম ও অন্যয়ে সকল দাবী আইনাম্সারে বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১১ই জাম্য়ারি তারিখে বেলা ১ টার সম্ম নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

2	2	9	8	α	•	1	<b>b</b>	۵
তোজীব মধর।	মহাল ও প্ৰগ্নাব নাম।	সম্পূর্ণ মহালেব সদর জ্বমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰেথ হটবে কিনা।	কেবল মাত্র অংশ বিক্রয চউলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশেব বিশেষ বিবরণ :	যে সম্পত্তি বিক্রয় হুইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রন্থ হটলে ঐ জংশের সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল বিক্রয় হইলে তাহাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয হইলে তাহার বাকী।
২৩৪ নং	আমড়াপালন পর- গণা খটন্পা ধানা সিউড়ী।	499he) 0		এজমালি অংশ— দেবীপুর, দড়ি- বাজে জমি বাজে আপ্তি, দেবীপুর, জন্ধল জমা ও আমড়াপালন মো- জ্বাম রকম বোল আনা, এই অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নীলাম হইবে না।	স্থরেন্দ্র নারায়ণ সেন দিগর।	<b>€8</b> ⊌ <b>h</b> ₽		७५/१

চীকা। - যে গুলে উপরের লিখিত বর্ণনাপত্তের ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রম চটবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ইহা বৃথিতে ছইবে যে ঐ অংশের নিমিত্ত অতম হিসাব রাখা ইইরা থাকে ও উপরি লিখিত অংশ ভিন্ন মহালের অন্য কোন অংশ নিলাম হইবে না।

BIRBHUM COLLECTORATE.

Vated Suri, the 18th November 1897.

F. N. FISCHER, Collector.

# জেলা ত্রিপুরা।--জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন খ।

১৮৫৯ সানের ১১ আইনের ৫ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে যদি নিম্নের লিখিত বাকী রাজ্য আগামী রাজস্ব দিবার শেষ দিনে অর্থাৎ ১৮৯৮ ইং ১২ জামুয়ারি তারিখে বা তৎপূর্বেন না দেওয়া হয় তাহা হইলে ত্রিপর জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেষ্ট্রর সাহেয়ের আঞ্চিমে উক্ত বাকী রাজ্ঞস্বের জন্য ১৮৯৷ 🚉 ২৫শে মার্চ্চ তারিখে বেলা ১২ টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। 💐 ৬ ডিসেম্বর ১৮৯৭।

5	<b>a</b> "	٠	8	Ċ	•	9	<b> </b>	2	30
তৌজির নগর।	মহাল ও <sup>৮</sup> রেগণার নাম।	সম্পূর্ণ মহালের সদর ক্ষমা	স <b>স্পূৰ্ণ</b> মহাল বিক্ৰয় হ <b>ই</b> বে কি না।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় হইলে ঐ অংশ বা ঐ২ অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রয় হইবে তাহার মালিক- গণের নাম।	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইগে ঐ অংশের সদব ক্ৰমা।	বিক্ৰয় চইলে	(कान अर्थमान	যে দাবির এর নিলাম হট তোহার প্রকা ও পরিমাণ
3200	মেয়াদি বন্দোবন্তী জোয়ার দেশি- তপুর পং বর- দাখাত ১২৬১ সন হইতে '১৩১০ পর্যাম্ভ ৫০ বৎসর।	1	<b>ज</b> न्भूर्व	••••••	উমা নাথ ঘোষ গং	•••	<b>3 9 ყ</b> ფ∕ <b>હ</b>	১৮৯৭ সেপ্টেম্বরে	দেওয়ানী আদাসভ াকী মহাস ইং ২৮শে বর দেয়

ট্টাক। — যে স্থলে উপকত্ত বৰ্ণনাপত্তেব ৫, ৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত বিক্রম হইবে বলিয়া লিখিত আছে দেই স্থলে ইহা বুবিতে হইবে যে ঐ সংশেব নিমি মতত্র হিলাব রাশা হইয়া থাকে ও মহালেব অন্যাব। অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

যেং প্রকারের বাকির এই ইস্তাহাবের ফারম বাবহাব হাইবে চাহা আইনেব ৫ ধারাতে উল্লিখিত আছে এবং তদমূদাবে ১০ মবের বিষৰণ লিখিতে ছইবে।

TIPPERA COLLECTORATE,

The 7th December 1897.

J. KENNEDY.

Collector.

# জिना ताजमारी।—जिमानाती विकस्तत विज्ञापन क।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এডদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইডেছে যে রাজশাহী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিধি মহালগুলি এবং মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্র সাহেবের আঞ্চিদে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী আইনাম্নসাত বাকী রাজন্মের ন্যায় আদায়ের যোগ্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ইং ১১ই জাহুয়ারি মোঃ ১৩০৪ বাং ২৮ পেনুষ তারি, মুল্লবার বেলা ২। ২টার সময় নিলামে বিক্রয় করা যাইবে।

3	<b>ર</b>	9	1	4	•	9	b	
८०)कीव समुद्र ।	<b>মহাল ও শ</b> রগনার নাম।	मच्चूर्थ महारक्षत मन्द जभा।	अध्यक्षेत्र शक्तेल	ক্রলমাত্র অংশ বিজ্ঞয় ভইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিবরণ ।	ষে সম্পত্তি বিজয় কইবে তাকাব মালিকগণের মাম।	কোন আংশ মাত্র বিক্রয ছউলে ঐ অংশেব সদর কমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম প্ৰকলৈ ভাহাৰ ৰাকী।	কোন অংশ মান বিক্রয় স্টলে তাথা ব্ৰুটী।
২৩৪ নং ৬ হিস্যা বিশেষ নং ১।	হাটরা দিগর পরগণে ভেগাছী।	d 20.490		* ॥৵● আনা∙ •	ধনরাজ মল ওরকে ঝড়ুবাবু বজাজ হীরালাল বাবু বজাজ গিরীধারী	<b>ዕ</b> ሥኔ ዛ/		3°)

\* উ.ল্লখিত অংশ ব্যতীত অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় গ্রহের না। '

টীক'।—যে স্থলে উপবের লিখিত বর্ণনাপত্তেব ৫. ৭ ও ৯ ঘবে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় ছইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে উগা বুঝিতে ছ ইবে যে ঐ জংংশ নিমিত অতস্ত্র হিদাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রম হয় না।

RAJSHAHI COLLECTORATE,

R. S. GREENSHIELDS.

Collector.

# জিলা ২৪ পরগণা।

এতদ্বারা সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করা যাইতেছে নিম্নলিধিত জমিদারি মহালের সন ১৮৯৭ সালের সেপ্টেম্বর কিন্তির রাজস্ব ২৮ সেপ্টেম্বর সূর্যান্ত পর্যান্ত দাখিল না হওয়ায় ঐ সমস্ত মহাল সন ১৮৫১ সালের ১১ আইনমতে সন ১৮৯৮ সালের ১০ জাহ্মারি তারিখে জেলা ২৪ পরগণার কালেক্টারিতে বেওজর নিশামে ধরা যাইবেক।

১। প্রথম শ্রেণীর চিরস্থায়ী বন্দোবস্তী মহাল।—

2	2	9	8	à	8	9	<b>b</b>	>	20
क्रियक मध्य ।	्टोक्नींद्र मथ्य ।	প্ৰস্ণা ও মহালেৰ নাম।	প্রামহা- লের সদর জমা।	প্ৰামহাল বিক্য হইবে কিনা।	যদি একটা অংশ বিক্ৰয হয় তবে দেই অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিলাম কইবেক তাকাৰ মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্ৰম হণ তীহাৰ সদৰ ক্ষমা।	যদি প্ৰা মহাল বিক্ৰম কৰিতে হয় ভাছাৰ বাহিৰ প্রিমাণ	
3	& U	পৃং মান্তরা কিং রামেশ্বরপুর। পং মান্তরা কিং আবগাছিয়া দিং।			মেডিজ চাকারবেড়ে  , পাক্ষতিপুর,  , রামপুর,  , রামচন্দ্রপুর, এই চারি মোজায় ।  ॥ ল জান্তি বাদে অবশিষ্ট ॥/১৯। কান্তি। মোজে রামেশ্বরপুর  ,৬৬০/ কাগ বাদে অবশিষ্ট ১৪ মোজায় ১৬ আনা। মোজে চক কাটালে । মোজে চক কাটালে । মোজে বাদনপুর ও নানা প্রত্যেক মোজায়  প্রানা প্রত্যেক মোজায়  প্রানা প্রত্যেক মোজায়  প্রানা প্রত্যেক মোজায়  প্রানা প্রত্যেক মোজায়  প্রানা প্রত্যেক মোজায়  প্রানা প্রত্যেক মোজায়  সায় প্রানা বাদে	,	१८७१॥०३		3 9 <b>1-1</b> €
	•	•			অবশিষ্ট ५/১৮॥ আনা। অবশিষ্ট আবগাছিয়া দিং ৭ মৌজার প্রত্যেক মৌজায় ১৬ আনা।				
٥	202	পং মাগুরা, কিং ইন্দ্রপালা দিং।	₩8¢4 <sub>%</sub> - ც <sup>0</sup>	পুরা মহাল।	•••••	यानमाञ्चमको टक्को निः।	•••••	१७।७५०।	
8	الا 8 <i>ن</i> د	পং ঘড় দিং কিং • রায়পুর ।	७ <b>१</b> ८२॥ <u>५</u> ३	•••	৮ ৬॥ = ক্রান্তি বাদে অবশিষ্ট ৮:৩।— ক্রান্তি।	বঁ।কে বিহারি লাল মণ্ডল।	<b>১১२७</b> ५०		3061126
ė	৩৮৫ •	পং আজিমাবাদ কিং হুদারস- খালি দিং।	7 2 8 4 8 11 5 4	•	৩৩ মোজার মধ্যে ৩২মো- জায় ৸৶৫ আন। বাদে অবশিক্ট (১৫ গণ্ডা।	বাঁকে বিহারি লাল মণ্ডল।	৯•০৵৭।।		৯২/৬ -
હ	<b>৩৯</b> ২	পুং আজিমাবাদ কিং হুদাজ্বয়- চণ্ডিপুর।	602012 6	•••	৮/৬॥ = ক্রান্তি বাদে অবশিষ্ট ৮/১৩।— ক্রান্তি।	বিশ্বেশ্বর লালা	704411/2	·	२०७॥/५५१

3	2	•	8	ď	•	٩	۲	۵,	>•
क्रियक अन्य	ट्योक्व नश्व।	প্ৰগণা-ও মহালেব নাম ৷	পুরা মহা- লের সদর জমা।	পুৰা মহাল বিক্ৰয় হইবে কিলা।	যদি একটী অংশ বিক্রয় ছয় সেই অংশের বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি নিলাম হুইবেক তাহাব মালিকের নাম।	যদি একটা অংশ বিক্রয় হয় তাহার সদব লমাণ	যদি পৃথা মহাল বিক্রম করিতে হয় তাহা বা- কির পারমান।	যদি অংশ বি- ক্রয় করিতে হয় ভাহাব বাকির পরিমাণ।
٩,	७ <b>৯</b> २। 8	পং আজিমাবাদ কিং হুদাজয়- চণ্ডিপুর।	603012 603012	•••	৮/৬॥= বাদে অবশিষ্ট ,/১৩।— ক্রান্তি।	বাঁকেবিহারি লাদ মঙল দিং ।	305411/0	•••	<b>* * * * * * * * * *</b>
-	8•2	পং আজিমাবাদ কিং হুদা রাম- কুষ্ণপুর দিং।	P9871P	•••	দে/১।। = ক্ৰান্তি বাদে অৱশিষ্ট /১০।— ক্ৰান্তি।	বাঁকে বিহারি লাল মণ্ডল দিং৷	<b>▶8911/3</b> •		3) h/9]
۵	2642	পং বালিয়া কিং দৌলতপুর।	sten	পুরা মহাল।		চণ্ডিলাল সিং দিং	••••	७७॥७७	

আলিপুর,

मन ১৮৯१। ১৮ ডिस्म्बर ।

CHUNDER NARAIN SINGH,
For Collector

# জিলা নদীয়া। জমিদারি বিক্রয়ের বিজ্ঞাপন।

১৮৫৯ সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৩ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া যাইতেছে যে নদীয়া জিলার অন্তর্গত নিদ্মালখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্ট্রর সাহেবের আফিসে বাকী রাজস্ব ও অন্য যে সকল দাবী প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকী রাজস্বের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আহে তাহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮ সালের ১০ জাহ্মারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা যাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্তের ৫,৭ ও ৯ ঘরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়া লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখ। হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

5	2	•	8	ď	8	9	-	3
ভৌজিব ত্ৰন্থৰ।	মহাল ও প্ৰগণাৰ নাম।	मण्पृत् सहाटलव मन्द्रक्या ।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰম হইবে কি মা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয চইলে ঐ অংশ বা ঐং অংশেব বিশেষ বিধ্ববণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহার মালিকগণের নাম।	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হয়লে ঐ অংশেব সদর ক্রমা।	সম্পূৰ্ণ মহাল বিক্ৰয় হইলে ডাচাব বাকী।	কোন অংশ মাত্র বিক্রম্ব হইলে তাহার বাকী।
3	মহান্স আলমপুর পর। গণে আলমপুর।	३२३७७॥∕४ পुनिम ১०४३।८¢	ন <b>া</b>	১। • নং অংশ । ৯৬ ৸৪। । ৯১ • উক্ত অংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিক্রয় হইবেক না।	কালী প্ৰসন্ধ ঘোষ	৪২৬৩৭/৩ পুলিস ৪৮২।৫		₹ <b>\$</b> \$\$   <b>\$</b> \\$
<b>344a</b> °	মহাল হ্বড়া পরগণে পাচ নউর।	১৯৪১৩।৯/১ পুলিস রেভিনিউ ২১৩1/৪	না	১৬৭।২ নং অংশ /১৪।১৬।।৯০ উক্ত অংশ ব্যতীত অন্য অংশ বিক্রয় হইবে না।	সারদা প্রসাদ স্থর ভবানী প্রসাদ স্থর, অন্ধপূর্বা দাসী দিগর।	২০০৬ <b>५७</b> পুলিস ২২/৩		9  •



# जिना त्वाशायानी।-जिम्माती विकासित विज्ञारीन ।

১৮৫৯.সালের ১১ আইনের ৬ ও ১৬ ও ১৮৬৮ সালের ৭ আইনের ১১ ধারামতে এতদ্বারা এই সংবাদ দেওয়া ঘাইতেছে যে নায়াখালী জিলার অন্তর্গত নিম্নলিখিত মহালগুলি বা মহালের অংশগুলি উক্ত জিলার কালেক্টর সাহেবের আফিনে বাকী রাজন্ম ও অন্য যে সকল দাবা প্রচলিত আইন ও ব্যবস্থাক্রমে বাকা রাজন্মের ন্যায় আদায় হইবার আদেশ আছে তীহা আদায় করিবার নিমিত্ত ১৮৯৮। ৩ কেক্রেয়ারি তারিখে নিলামে বিক্রয় করা ঘাইবে। যে স্থলে এতৎসংযুক্ত বর্ণনাপত্রের ৫, ৭ ও ৯ মরে কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইবে বলিয়। লিখিত আছে সেই স্থলে ঐ অংশের নিমিত্ত স্বতন্ত্র হিসাব রাখা হইয়া থাকে ও মহালের অন্য বা অন্যান্য অংশ বিক্রয় হয় না।

••	•	•	8	t	•	•	۴.	>
তৌৰির নপর।	মহাল ও প্রগনাব নাম।	সম্পূৰ্ণ মহা- লেব সদর ক্ষা।	সম্পূৰ্মহাল বিজ্ঞাহইবে কিলা।	কেবলমাত্র অংশ বিক্রয় ছটলে ঐ অংশ বা ঐহ অংশেব বিশেষ বিবরণ।	যে সম্পত্তি বিক্রম হইবে তাহাব মালিকগণেব নাম ৷	কোন অংশ মাত্র বিক্রয় হইলে ঐ জংশেব সদর জমা।	সম্পূর্ণ মহাল পিফ্রয় হইলে তাহার বাকী ,	কোন অংশ মাত্ৰ বিক্ৰয় হইলে ভাহার বাকী।
<i>₹</i> 33	বামনী জ্বমিদারি চাকলে বামনী।	33,309)	मच्यूर्व		বাবু উপেন্দ্র চন্দ্র দত্ত মেনেজার মিদ কোর্জন ফৌট ও বাবু রম্বু- নাথ প্রসাদ তেও- য়ারি ও গং।		রাজস্ব— ৪২৫১ • ছেছ৬৮১ এ২ ৪৯৬২।। এ২	
24¢2	চর শুলুকিরার ৯ নং গং মং হাওলা আবজ্ল রহমান।	હ <b>ુ ৮ ન</b> હ	খাস মং	হাল টোনউর— 	ওয়াজন্দিন ঘাটমাজি		রাজস্ব— ১৬৫//৫ ছেছ ১৬৮/ ১৪৯/৫	•••
ડ હહ ફ	চর মহধরার গং মঃ হাওলা আজমতৃলা গং৮০ নং দখল।	90540/9	<b>A</b>	••••	ত্রৈলোক্যনাথ গুহ অভিতাবক পক্ষে সচিনাথ গুহ গং।	•••••	রাজন্ব— ছেছ ২০॥১	
<b>5</b> 493	চর পাজির <b>১</b> নং দখল।	२०२१।७8	ú	•	শ্ৰীজমিয়তালী		রাজস্ব— ৪৪৩।৵৬ ছেছ্৪৩৸৴৻	···
<b>3</b> 693	চর <sup>°</sup> গাজির ৩ নং দখল।	) (42)  2)	ď	•••	Ď	*****	রাজস্ব— ও৪২১ ছেছ ৩১/১	
5666	চৰ আং সকজেভারের ১ নং গং মং হাওলা।	<b>68</b> 04/9	সম্পূৰ্ণ 		শ্রীনবকুমার বস্থ		রাঃ স্থ — ১১৮৫০ ছেছ ১৮(১	
) 6 <b>-</b> 6	চর আন্সেকজেণ্ডারের ২ ৭ং গং মং হাওলা।	48 <b>3</b> 43	<b>A</b>	••••	A .		১৬৬/১ রাজস্ব— ১৪২১/ ছেছ ২৮১৯	

#### Cinchona Febrifuge.

Cinchona Febrifuge can be purchased by all Government officers and by any one takins the pounds at a time, from the Superintendent, Botanic Garden, Calcutta, at the following rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 2$  ans. 8; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 5$ ; per pound tin,  $Rs.\ 10$ . The general public can be supplied by the Superintendent, Botanic Gardens, fir ash only, at the undernoted rates: per four-ounce tin,  $Rs.\ 3$ ; per eight-ounce tin,  $Rs.\ 6$ ; per pound tin,  $Rs.\ 12$ . This medicine is also sold by the principal European and Native lengists in Calcutta. Postage—Four annas per 4 os. tin, eight annas per 8 os. tin, and twelve annas per pound tin, in addition to the foregoing rates.

# জুরভু সিন্কোনা।

কলিকাভান্ত বোটানিকাল গার্ডনের অর্থাৎ কোম্পানির বাগানের স্থপরিনেটভেশ্টের নিকট গবণ মেন্টের কর্মচারিগণ এবং অপর কোন ব্যক্তি এককালান ছয় পৌও ক্রয় করিলে নির্মাণখিও মূল্যে ধ্ররত্ম দিনকোনা পাইবেন অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ২॥০ টাকায়, আট ঔপ টিন ৫২ টাকায় ও এক পৌও টিন ১০, টাকায় পাইবেন। সক্রসাধারণে কোম্পানির বাগানের স্থপরিনেটভেন্টের নিকট নগদ মূল্য শিলে এইং হিসাবে অর্থাৎ চারি ঔপ টিন ৬, টাকায়, আট ঔপ টিন ৬২ টাকায় এবং এক পৌও টিন ১২, টাকায় পাইভে পারিবেন কলিকাভার অধানং উউরোপীয় ও দেশীয় ঔষধ বিক্রেন্তাগণও এই ঔষধ বিক্রয়ে করিয়া গাকেন। উপরোক্ত হার লাড়া চারি ঔপ টিনের ।০, আট ঔপ টিনের ।।০ ওক পৌও টিনের ৮০ ডাক মাম্বল দিতে ২হবে।

বঙ্গদেশের গবর্ণমেন্টের সিনকোনা আবাদে প্রস্তুত বিশুদ্ধ সলকেট অক কৃইনাইন।

১৮৯৬ সালের ১লা এপ্রিল হইতে এই কুইনাইনের নিম্নলিখিত মূল্য চইবে, যথা—

১ এক পৌণ্ড টিন ১৮, বা ডাক মাশুল সমেত ১৮৭০

।। जार ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।।

1 阿存, ,, 811° ,, ,, ,, ,, ,,

পরীক্ষা করিয়া দেখা গিয়াছে যে এই কুইনাইন অতি বিশুদ্ধরূপে প্রস্তুত করা হইয়াছে। এবং ইহা যে সিন্কোনাইন ও সিন্কোনাডাইন নামক অপকৃত্ত ক্ষারের সহিত ইচ্ছাপূর্প্তক মিশান হয় নাই তাহার গ্যারান্টা দেওয়া ষাইতেছে। ইহা নগদ মূল্যে কেবল গবর্ণমেন্টের কর্মচারিগণের নিকট বিদ্যুত্ত করা যাইবে এবং কলিকাতার নিকটন্থ শিবপুরের কোম্পানির বাগানের স্থারিকেণ্ডেন্টের নিকট পাওয়া ধাইতে পারিবে।

#### NOTICE.

The 21st February 1883.—The subscription to, and postage for, the Bengali Gazette will nenceforward be at the following rates, payable in advance:—

\*\*For the Mufassal.\*\*

				Rs.	Α.	P.		
Entire Gazette	•••		•••	10	U	0	per annum.	
	Postage	• • •		2	8	U		
Parts III, IV, V,	and VI, co	ataining t					" {	
and Bills of the								
and Bengal		•••	•••	4	0	0	,,	
.5	Pestage	•••	***	4 1	0	0	2)	•
For a single copy	_						,,	•
Entire Gazette			***	0	4	0		•
	Postage			0	1	0		
Paris III, IV, V,	and VI	•••	•••	0	1	O	for 4 sheets	or under
							with an charge of 1 every 4 sheets of 4.	additional suna for in excess

For Calcutta.

The same rates as those of the mufassal, with the exception of the charge for postage E. N. Bakks.

Offg. Under-Secretary to the Goot, of stengel.

1



#### বিজ্ঞাপন।

K	১৮৮৩ সাল ২১ ফেব্রুয়ারি	।राकाना	গবর্ণমেন্ট	গেজেটের	মূল্য ও	ডাক্যাস্ত্ৰ	₽Š	শ্বধি দিশ্ব-
লিখি	ত হারে অগ্রিম দিতে হইবে	:			•			-

•		<b>होका।</b> -	11.			
সম্পূর্ণ গেচ্চেট	•••			বৎসর	3 00	
- তাকমান্তল	•••	•••	***	99	<b>\$11 •</b>	
0 9 8 9 ¢ 9 ¢ <b>4</b> 9 (	ষাহাতে	কারতবর্ষের ও	3 বজ-			
দেশের ব্যবস্থাপক	সভার	আইন ও অ	<b>হিনে</b> র			
পাণ্ডুলিপি থাকে )	•••	•••	•••	,,	*,	
ভাক্ষাস্থল	• • •	•••	•••	"	١,٠	
সম্পূর্ণ একখানি গেজেটের	মূল্য	•••	***	"	1•	
ডাকমাস্থল	•••	•••	•••		. •	
ত ৪৪৪৫ বে ৬ খ্র	প্রভ্যেক	8 शृंधी दा प	তাহার			
	\					

बर्ग करणाक पृष्ठोत मृन्यः) ...

৫ প্রার ভপর

বিদ্যুত্র অধিক হয়

তাহার অভ্যেক

৪ পৃষ্টা প্রভি আর

একং আনা।

**डाक्याञ्च** 

#### ক্ৰিকাভায় ৷

কলিকাডায় ও ১৯:শলে সমান মৃল্য, কলিকা<mark>ডায় কেবল ডাক্মান্থল</mark> লাগিবে না । ই, এন, নেকার ।

वकारायत भवन्त्याकार अकृष्टिः एका है (महक हेरी।

# The Hymns of the Rig-Veda in the Sanhita and Pada Text, by Professor

- F. Max Müller, M.A., in two Volumes. Price Rs. 24: packing and postage Rc. 1-12.

The Rig-Veda, the oldest book of Indian literature, has very properly been made one of the runcipal class-books of those who study Sanskrit in the schools and colleges in India, and though at tesent a scholar-like knowledge of the Vedic hymn is in the examinations required of the more advanced tudent only, yet as soon as editions, translations, grammars, and dictionaries shall have rendered the tudy of these ancient documents more accessible, I doubt not that the time will come when no one in india will call himself a Sanskrit scholar, who cannot construe the hymns of the ancient Righis of his ountry—Extract from Preface.

OFFICE OF SUPUT., GOVT. PRINTING, No. 8, Hastings Street, Calcutta.

### NOTICE.

In continuation of notice, dated the 20th November 1837, intimating that no copies of the Calcutta Gazette of of the Bengalce Gazette will be supplied unless the subscriptions to the ame is prepaid.

NOTICE is further hereby given that the terms for the purchase of publications from and for all works done in the Bengal Secretariat Press for other than Government officers are strictly each

I muck under the control of Government officers are strictly cash.

In future no publication will be supplied, or advertisement, notice, &c., inserted in either three Gazettes, except for the offices mentioned above, unless the cost thereof has been remitted

the Accountant, Bengal Secretariat.
Remittances in postage stamps should be accompanied by an addition of one anna in the

C. W. Bolton,

Under-Secretary to the Govt. of Bengal.

13th December 1882.

unee on account of discount.

NOTERates of adver-	·tikements	in the Oalci	UTTA GAZET	
Full page, per issue	•••	***	•••	- A. C.
Half ,, , ,, Casual adve	rt som en	4 02200 20	w line	10
Caethi auve	r tracinen	a unnus be	Tille.	· 1

#### বিজ্ঞাপন ।

শলিকাতা গোজেটের কিয়া বাজালা গেজেটের মূল্য অতিমে দেওয়া না গেলে এই গেজেট দেওয়া যাইবে. না, ১৮৮৭ সালের নবেম্বর মাসের ২০ ভারিখের জ্ঞাপনপত্রাভিরিক্ত এই মর্ঘের বিভাপন প্রকাশ করা গেল।

গবর্ণমেন্টের কার্য্যালয় কিন্তা গবর্ণমেণ্ট কর্তৃপক্ষদের কর্তৃত্বাধীন কার্য্যালয় ভিন্ন ্ত্যক্তি বালাল সেক্টোরিয়েট ছাপাখানা হইতে পুস্তকাদি ক্রয়করিতে চাহিলে কিন্তা উক্ত ছাপাখানায় কোন কর্ম করাইতে চাহিলে তন্মিত্র নগদ মূল্য দিতে হইবে এতদ্বারা এই বিজ্ঞাপনও প্রকাশ করা গেল।

এই অবধি বাজান সেকেটারিয়েটের আকেনিটান্টের নিকট অগ্রে মূল্য পাঠান না গেলে উপ-রোক্ত কার্য্যালয় ভিন্ন কোন ব্যক্তিকে কোন পুস্তকাদি দেওয়া কিছা উক্ত কোন গেজেটে ইলভিহার কি বিজ্ঞাপন প্রভৃতি প্রকাশ করা যাইবে না।

মূল্যের নিমিত্ত ডাকের টিকিট পাঠান গেলে ডিক্ষেণ্টি বাদ দিবার জ্ঞান্তে টাকার উপর আর 🦯 এক পানা পাঠাইতে হইবে।

সি. ডবলিউ বল্টন, বলদেশ্যে গ্রহ্মেন্টের ছোট সেক্টেরী:

১৮৮২ সালের ১২ ডিসেম্বর।

#### FOR SALE AT THE BENGAL SECRETARIAT PRESS.

A digest of the Law of Landlord and Tenant in the provinces subject to the Lieutenant-trovernor of Bengal, by C. D. Field, M.A., LL.D., of the Inner Temple, Barrister-at-Law, and of Her Majesty's Bengal Civil Service, District and Sessions Judge of Burdwan, Member of the Rent Commission.

Price Rs 5 per copy.

Orders accompanied by remittances and 5 annus for packing and postage of each copy may be sent to the Accountant, Bengal Secretariat.

N B. - Copies are still available

# বাঙ্গাল সেকেটারিয়েট যন্ত্রালয়ে বিক্রয়ার্থে আছে ৷

বারিন্টার-আট-লা ও শ্রীশ্রীমতীর বঙ্গদেশের সিবিল সবিলে নিযুক্ত বর্ত্তমানের ডিপ্টিক্ট ও সেশন জ ছ ও রেন্ট কমিশ্যনের মেম্বর, ইনর টেম্পলের শ্রীযুত সি, ডি. ফিলড, এম, এ, ও এল, এল, ডি ্লাহেবের প্রনীত বঙ্গদেশের শ্রীযুত লেপ্টেনেন্ট গবনর সাহেবের শাসনাধীন এনেশের ভূষ্যধিকারীর প্রধানিষয়ক আইন সংহিতা।

#### একং খানি পুস্তকের মূল্য, ৫ পাঁচ টাকা।

কোন ব্যক্তি উক্ত পুশুক ক্রম করিতে চাহিলে বাঙ্গাল সেক্রেটারিয়েটের আনকার্টার্টের নিকা একং খানি পুশুকের মূল্য এবং তাহা মোড়ক করিয়া ডাকে পাঠাইবার খরচ। ৴৽ পাঁচ আনা পাঠাইবেন। মন্তব্য।—উক্ত পুশুক এখনও পাওয়া ঘাহতে পারে।

#### বিজ্ঞাপন।

বাজকার্য্যাপলকে বলদেশের মান্ত্রিসভার আইনের প্রয়োজন হইলে কলিকাতার স্পানেত এয়েষ্ট টোন হালের হাতায় ছিত বলদেশের গবর্ণমেন্টের ব্যবস্থাপন কাষ্যবিভাগের আপিসে রেছি-ট্রাবের নামে শিহে।নামা দিয়া থাধনাপত্র পাঠাইতে হইবে।

কিল সাজু, আইনের পুশুন্ত কলিকাভার গবর্ধমেন্ট প্লেশে, ধাকার স্পিন্ধ কোম্পানির ধাটাঙে ক্রয় করিতে পার্মেন বায়।

# বিজ্ঞাপন।

গ্রবন্ধেটের ১৮৮১ সালের জ্বন মাসের ২৯ তারিখের আজ্ঞান্নসারে নেভিক্ল প্রাহকক্ষরপ পোট কমিশনরেরা নিম্নলিখিত যে সকল দ্রুব্য অধিকারে লইয়াছেন ভাহার মূল্য ১০০০ টাকার অধিক হওয়াতে, ১৮৮০ সালের ৭ আইনের ৭৬,ধারার বিধানমতে তাহার বর্ণনা সাধারণের অবগত্যর্থে প্রকাশ কর গেল:—

তাবিখ।	প্রাপণেব নম্ব।	জ্বের বর্ণনা।	কাছাক।ছি ম্ল্য।		যে স্থানে আছে।
- 3	2	9	8	α	•
২ ৪ শে নবে- ছর ১৮৯৭ সালু।	8 PM, 49,	শাল (মোটা ভূলার) ১৬ খানি ভিন্নং রন্ধের ভোরা কাটা দৃতীবন্ধ ১৯ ,, ভূল (ভোরা কাটা ও শাদা) ১৪ ,, বেগুনিয়া রংল্কের ভোরা কাটা কটন রোল ১ ,, ভূলা ও পাট মিশ্রিভ শাদা চাদর ২ ,, লাল রন্ধের সৃতীকাপড় ১ ,, লাল রন্ধের সৃতীকাপড় ১ ,, লাল রন্ধের সৃতীকাপড় ১ ,, লাল রন্ধের সৃতীকাপ রন্ধের সার্জ ৩ ,, লাল ও সবুজ ফুানেল ২ ,, নাল রন্ধের সৃতীবন্ধ (চেক) ২ ,, রেশম ও সৃতা মিশ্রিভ চাদর ৬ ,, নানা রন্ধের সামান্য বন্ধাদি ৫ ,, মিশ্রিভ টেচা বুননের কাল রন্ধের রোল ১ ,, গাঢ় নীল রন্ধের মোটা সার্জ ৬ ,, ভিন্নং রন্ধের ভোরাকাটা ফুানেল ৭ , কাল আলপাকা ২ ,, কাল সার্জের শাল ২ ,, মার্জ ২ ,, গাট্ কলা রন্ধের মার্জ নি ২ ,, মার্জ ২ ,, গাট্ কলা রন্ধের মার্জ ২ ,, পাট্ কলা রন্ধের সার্জ ২ ,, পাট্ কলা রন্ধের সার্জ ২ ,, পাট্ কলা রন্ধের সার্জ ২ ,, গাট্ কলা রন্ধের সার্জ ২ ,, পাট্ কলা রন্ধের সার্জ ২ ,, গাট্ কলা রন্ধের সার্জ ২ ,, পাট্ কলা রন্ধের সার্জ ২ ,, পাট্ কলা রন্ধের সার্জ ২ ,, টেচা বুননের ও চেকের সূতী চাদর ৯ ,,	<b>३</b> ।	ছগলী <b>প'ই</b> ন্ট	পোর্ট কমি- শনরদের হাব ভার ডব্ ইয়ারেড ।

পে,শ্র্ট কমিশনরদের আপিস, কলিক্তিন, ২৪শে নবেম্বর ১৮৯৭ সাল। এ, জি, হফ্,

আসিফান্ট কন্সারভেটর।



#### INSOLVENCY NOTICE.

COURT FOR THE RELIEF OF INSOLVENT DEBTORS AT CALCUT.

# In the matter of GOLABRAI AGARWALLA AND ANOTHER (KALISHAI GOLABRAI), Insolvents.

٠,

Notice is hereby given that Tuesday, the 11th day of January next, is appointed for the further hearing in this matter for the purpose of declaring a dividend, and that an account in detail of the receipts and disbursements of the Official Assignee, from the 4th day of December 1896 until the 27th day of November 1897, has been filed, and may be inspected in the Office of the Chief Clerk. Any Creditor or other person interested who may intent to establish or oppose any claim upon the Estate of the said Insolvent will be heard, notice having been given at the Office of the Chief Clerk three clear days before the hearing.

The like Notice.—In the matter of RAMKISSEN, an Insolvent. Wherein the account of the Official Assignee, from 29th May to 27th November 1897, has been filed in the Chief Clerk's Office.

\* • The like Notice.—In the matter of SOOGUN CHAND GOPEEKISSEN, Insolvents Wherein the account of the Official Assignce, from 22nd April to 27th November 1897, ha been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of JOHN JAMES GILL, 2nd, an Insolvent. Whereithe account of the Official Assignee, from 31st July 1895 to 30th November 1897, he been filed in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of LEKHRAM BULDEO DASS, Insolvents. Whereithe account of the Official Assignee, from 16th July to 30th November 1897, has been file in the Chief Clerk's Office.

The like Notice.—In the matter of JODOO NATH DEY, 2nd, an Insolvent. Wherei the account of the Official Assignee, from 4th February 1896 to 30th November 1897, he been filed in the Chief Clerk's Office.

Official Assignee's Office, Calcutta, 21st December 1897.

A. B. MILLER,
Official Assignee.

(14-1)

ক্লিকাভা থোগিডেন্সী কেল যন্ত্ৰালয়ে গ্ৰেপ্তেইৰ জন্য জ্বিত কেম্স পেটা সাহেব কৰ্ড্ক মুক্তিত ও প্ৰকাশিত হইল।